॥ धर्मो विश्वस्य जगतः प्रतिष्ठा ॥

धर्मकोशः

राजनीतिकाण्डम्

षष्टो भागः



प्रधानसंपादकः लक्ष्मणञ्जास्त्री जोञ्जी, तर्कतीयैः अध्यक्षः प्राज्ञपाठशालामण्डलस्य

DHARMAKOŚA

RĀJANĪTIKĀŅDA

Volume IV Part VI

1979

EDITED BY
Laxmanshastri Joshi, Tarkateertha
President, Prājña Pāṭhaśāļa Maṇḍaļa

प्रणाम पत्रिका

धर्मकोशान्तर्गतस्य श्रुतिस्मृतिपुराणधर्मशास्त्रार्थशास्त्रेभ्यः

तद्याख्यानेभ्यश्च समुद्धृतस्य

अस्य

राजनीतिकाण्डस्य

मफतलालकुलतिलकैः अरविन्दादिबन्धुभिः उदारचरितैः द्रव्यानुदानेनोपकृतस्य प्रकाशनावसरे

मजुशुक्रबृहस्पतिकृष्णभीष्मकौटिल्यादीन् राजनीतिविदः ऋषभदेवरामचन्द्रमान्धातभरताशोकादीन् चक्रवर्तिनश्च

भूयोभूयः प्रणमामः ।

*राजनीतिकाण्डवचनसूची

| | | | | 4 | | | |
|-----------------|-------|---------------|----------------|----------------------|--------|-------------------|-----------------|
| अंशकामा व | २४४३ | अकर्णधारा | ८२८, ८३० | अकान्तिव्यीघा | १८३६ | अका र्यक र | १०४२, |
| अंशजा मूल | २९०४ | अकर्णाश्च कु | २९६२ | अकामद्वेष | ષ ૧૫, | | र, १ ५७९ |
| अंशभूतो घ | ७३४ | अकर्णाश्चक | * ,, | १३१४ | , १६३२ | अकार्यकर्ता | १४२८ |
| अं शाय खाहा | २७७ | अकर्ते यद्धि | १२६७ | अकामात्मा स | १०३६, | अकार्यज्ञस्य | १६३० |
| अंग्रुनिव ग्रा | ५०७ | अकर्दमाम | २६ ०२ | · | २४३७ | अकार्यप्रति | ११३८ |
| अंग्रुन् गृभी | ४०९ | अकर्मणां वै | २३७२ | अकामायाः कु | २२९७ | अकार्यमपि | १३२३ |
| अंशो दण्डस | २१५३ | 1 - | २३१६ | अकाम्यान्काम | २००९ | अकार्यमित्य | १२२९ |
| अंसेषु व ऋ | ४७५ | अकर्माणो हि | २३७१ | अ कायश्चा ल्प | २०१४ | अकार्यवेदि | १२७८ |
| अंसेष्वा वः प्र | ४७३ | | ८४७ | अकारः प्रथ | २४७२ | अकार्याणां च | ૨ १५४ |
| अंसेष्वेताः प | ४७४ | | 4 8 | अकारणनि | १९६२ | अकार्याणां म | ६०६ |
| अंसेष्वेषां नि | | अकस्मात्प्रिक | १ २२२ | अकारणप्रो | २५२० | अकार्यात् प्रति | १७२९ |
| अकचटत | | अकस्मादथ | # २५० १ | | ८२०, | अकार्ये प्रति | १७१८, |
| अकण्टक ल | | अकस्मादपि | | | , १९६२ | | क १७ २९ |
| अकण्टिकन्य | | अकस्मादिह | * ,, | अकारणादे | • | अकार्ये सज्ज | १९९० |
| अकबद्धाभि | २८३७ | | • • • | अकारणावि | १७१६ | | २४८४ , |
| अकरः श्रोत्रि | १३०८, | | .९३, २५०१ | _ | २४७२ | 34104 3 | २९१६ |
| | १३१० | | | अकारसम | ,, | अकालजं म | २९२९ |
| अकरस्तु स्व | ८३६ | | | अकाराद्यो | | | २५९७ |
| अकरांश्चोप | १०२१ | | | अकारादिषु | | अकालदैव २१३। | |
| अकरा बाह्य | - | अकातरत्वं ९ | | | ,, | अकालप्रस | ંર૬રૂ५ |

#अस्यां वचनसूच्यां श्लोकात्मकवचनानामर्थानि गद्यात्मकवचनेषु च वाक्यानि अक्षरपञ्चकमितारम्भरूपेण संगृहीतानि ।

अत्र वर्णानुक्रमे अनुस्वारिवसर्गयोराश्रयभूतस्वरात्पृथक्त्वेनानुक्रमणीयत्वं स्वीक्रस औकारात्परं ककारात्पूर्वं च तयोः क्रमः प्रकित्पतः । तत्रापि प्रथममनुस्वारस्ततो विसर्गः । एवं च 'क औरसः , कं रसम् , कः सारः , ककारः' इति क्रमः संपचते । अनुनासिकस्वरस्य प्रायः सानुस्वारस्याने वैकल्पिकत्वादानुनासिक्यमनुस्वारपक्षे एव निवेशितम् । तथा च 'अंशः , अव्शः ' इत्यनयोः क्रमकल्पनायामेकरूपतैव । किंच, अनुस्वारिवसर्गत्वेन मुद्दणमेवानुस्वारिवसर्गत्वे प्रमाणम् , नोच्चारणम् । तेन यत्र मुद्दितानुस्वारस्थाने परसवर्णोच्चारणम् , मुद्दितविसर्गस्थाने शकारसकाराद्युच्चारणम् , तत्रानुस्वारिवसर्गत्वेनेव क्रमोऽन्वेषणीयः ।

वचननिर्देशात् परं तद्वचनस्य स्थळत्वेन राजनीतिकाण्डस्य पृष्ठाङ्काः प्रदर्शिताः । तत्र यत्पृष्ठाङ्कादौ कदिति चिद्धं मुद्रितं तत्पृष्ठे तद्वचनं पाठमेदमयं सत् अधस्तनस्थळादिनिर्देशे द्रष्टन्यम् । यत्पृष्ठाङ्कादौ 'प' इत्यक्षरं मुद्रितं तत्पृष्ठं परिशिष्टभागीय-मस्तीति बोध्यम् । एकस्मिन्पृष्ठे एकं वचनमावृत्तं चेत् तदावृत्तिसंख्याबोधकाः २, ३ इत्याणङ्कास्तत्पृष्ठाङ्कस्योपरि निविश्वताः ।

| अकालमन्त्र . | १५७९ | अकृतायां प्र | २८५९ | अक्रोधनो ह्य | # 48 9 | अक्षीणचन्द्रे | २८२७ |
|--------------------|------------------------|---------------------------|-------------------------------|----------------------|----------------------|--------------------------|--------------------|
| अकालमूलै: | २९०७ | अकृतारम्भ | १२४८, | 1 . | | अक्षुद्रतां च | # १६८० |
| अकालमृत्यु | . १२८९, | १२७४,१७ | ७२,१७९९ | 1 | #२६०५ | _ | ,,, |
| | १४७१ | | २३२८ | अक्रिनता सो | ९८६ | _ | Φ,, |
| अ का लयुक्त | २१ १९ | | २२२ ० | अक्लेशेन त | #8489 | 1 | ૧ ૨૦૫ |
| अकालविप्र | २०२५ | - • | २८५९ | | २४०४ | 1 | १६९८ |
| अकालसहं | १८०४ | अकृत्तरक्त्व | 866 | अक्लेशेनार्थि | ७२१ | अक्षुद्रान् क्षमि | १२४५ |
| अकालहीनं | २५८७ | अकृत्यकारि | ७२८ | अक्रेरोना वि | २६ ०५ | अक्षुधितेना | ९६५ |
| अकाले कृत्य | २०२५ | अकृत्यान् कृ | १६४७ | अक्षण्वन्तः क | रद०५ ४४३ | अक्षुध्या अतृ | ४०३ |
| अकालेऽतीर्थे | २३०० | अकृत्यान् मे | १६५१, | अक्षतं जात | ४४२ * २९४३ | अक्षुपच त | 200 |
| अकाले दैव | # ₹ १ ४० | १९१ | | अक्षतमाषाः | ***\^ * | अक्षुमोपशं | 808 |
| अकाले मन्त्र | १०४२ | 1 | १४९२ | अक्षतान् ला | २९ ४३ | अक्षेशस्थो ब | #2886 |
| अकाले विज्ञ | १६३० | अकृत्रिममि | ,, | अक्षताश्च त | ४२५०७ | अक्षेषु नद्धी | २२७ १ |
| अ काले ऽविष | २०३० | अकृत्वा कर्म | ૨ ૂ ૬૪ | अक्षतैः पूर | क्षर५०७ २५३१ | अक्षेषु मृग ६८ | |
| अकाले साध | #8982 | 1 | २३९३ | अक्षतियो वा | रपरर २७५६ | अक्षेदीं व्यात् | १११९ |
| अकाले हि स | *२०३० | अकृत्वा चामि | ९६ ० | अक्षत्वन्सुर | | अक्षौहिण्याः प्र | १४९९ |
| अकीर्ति नार्ज | १११९ | अकृत्वा संवि | २०२७ | l . | १४६९ | अक्षीहिण्या च | २७ <i>०७</i> |
| अकीर्ति मह | १८२९ | अकुराश्चाप्य | # 3443 | अक्षचूतं म | १५४७ | अक्षीहिण्याऽथ | |
| अकीर्ति लभ | ११५३, | अकृषतामा | १३९० | अक्षद्भुंग्धी रा | ३९८ | अक्षीहिण्या वृ | 泰 33 |
| • | २७९३ | | " | अक्षन्नमीम | १३३ | | २७१६ |
| अकीर्ति सर्व | २००१ | अकृष्टपच्यं ४३ | | अक्षन्पितरो | १३४ | अक्षौहिण्या स | २७११ |
| अकीर्तिः शाश्व | २७७ २ | अकृष्टपच्या ५९ | | अक्षपटल | . २२१६ | अक्षौहिण्यो द | २०५२, |
| अकीर्तिरेव | ११५२ | अकृष्टाश्चेव | , भ, ५, ५, ५, १ ५०४ | अक्षपटले | ६७० | २३५ | |
| अकीत्यीऽपि स | ६१२ | _ | | अक्षयं हिर | १३३२ | अक्षीहिण्यो हि | २५५ १ |
| अकीत्यीऽभिस | | अकृष्यायां भू अकोपनश्च | १३९३ | अक्षयाँल्लभ | २७६९, | अखण्डपरि | २२६ ० |
| अकुर्वतरचेत् | | | ११२० | २७ | ८४, २७८८ | अखाते वा ज | २९२५ |
| | | अकोपोऽपि प्र | # १७१ ५ | अक्षयोऽयं नि | ७१३ | अखिलो मण्ड | १८५६ |
| अर्कुर्वन्तो हि | | अकोपोऽपि स | १७१५, | अक्षराजाय | ४१७ | अगच्छत्स्वारा | १०९ |
| अकुर्वाणं वि | ५७९ | | ८, १७४५ | अक्षरान्विलि | #१८३७, | अगच्छद् ग्रह | २०१८ |
| अकुलीनन | | अकोपोऽपि हि | #१७२८ | | #२३३७ | अगच्छद्दन्ध | ٠,, |
| अकुलीनस्तु | , | अकोशस्यास | २३८९ | अक्षरान् वै | १८३७, | अगतीकग | \$ १०४७, |
| अकुलीनाश्च | | अकौशस्यं नृ | ७६१ | | २३३७ | १२१ | १, १६९३ |
| अंकुलीनेषु | • • • | अक्रन्कर्म क | १२५ | अक्षवृक्षस्थि | २५२९ | अगतीन्काग | १०४७ |
| अर्कूटरायु | २७८१ | अक्रूरभोज 🕖 | ६०४ | अक्षशालाम | २२४८ | अगद ऐक्वा | १९० |
| अकृतज्ञस्य | ११९९ | अकोधः सत्य | ५७९ | अ क्ष शालायां | | अगदानि स | १४६८ |
| અજીવા(ક્ષ | 8000 | अक्रोधनः को | | अक्षांस्तथा न | | अगन्म बिभ्र | 23 |
| अञ्चतानां च | | अक्रोधने दें | | अक्षा त्र्यक्षा च | | अगमत्सुम अगमत्सुम | १०८६ |
| | " २६८१ | अक्रोधनोऽथा | | अक्षासो अस्य | -1 | अगम्यं पर् अगम्यं पर् | १४१७, ^० |
| अङ्कतानि क | १३९० | | | अक्षितास्त उ | 808 | 4147 T | ₹ ४६ ₹ |
| | | | • | - | 4 - 61 | | B and B |

| अगम्यं रिपु | | ८ अभिः ऋषाद् | ४०९ | ९ अग्निमन्थगृ | २९०७ | अभिवें देव | २५८ |
|---------------------------|---------------|-------------------------------------|---------------|------------------|----------------|----------------------------|---------------|
| अगम्यः पर | | , अग्निः परेषु | γu | अग्निमन्थशि | " | अभिवै देवा | १८८, १८९ |
| | १४७७ | अग्निः पृथुर्घ | ३०० | ं अग्निम् ' इत्य | રર્પ ફેદ | अभिवें नः प | ३९८ |
| अगम्यागम ५ | | अग्निः प्रत्नेषु | #84 | अभिमीळे पु | २९०६ | 1 , , | 3 88 |
| अगर्वितातमा | १७६१ | अभिः प्रियेषु | ٠,, | अभिमीळे स | 88 | 1 | ₹ ₹ ४ |
| | १८९० | अग्निः ग्रुचिस्त | ૮ રે ૧ | अग्निरन्तः पु | ४०७ | 1 | २६ १ |
| अग स्त्यशास्तां | २४८७ | अग्निः इयेनचि | २७७० | अग्निरन्नादो | ७९,३४४ | | २ ४९ |
| अगस्त्रस्थोद | २८१८, | अग्निः सूर्य आ | ४०९ | अग्निरवहि | १४४६ | | ३ ४२ |
| | प ११ | 1 ~ ` ` | १०, ३८६ | अग्निरिव म | 866 | | २४७६ |
| अगस्त्येना सु | ६३९ | अग्निः स्वाहा स्व | र २५४१ | अग्निरिव स्वा | ७७२ | 1 . | ं ७६ |
| अगस्त्ये ब्रह्म | ५६ | | . ८२० | अग्निरुद्कं | १३९५ | अमिर्होता गृ | 88 |
| अगाधसलि | ९३८ | | પ શેહ | अभिरु वै य | २४९ | अग्निह्यशन्तरा | 808 |
| भगाघे दुःख | ८४७ | l ' | २३२४ | अग्निरूपम | २५२० | अग्निलिङ्गैश्च | # २९२३ |
| अगाघेनाथ | १४९७ | अभिजीविनो | २६ २७ | अभिरेव प्र | 888 | अग्निवच्चोप | १०९५ |
| अगारनग | २३७३ | अभितैलम | २७०२ | अग्निग्रामम | १५६१ | अग्निवद्राजा | २१९९ |
| अगाराणां वि | # २०४६ | अभितैलम् | २७०२ | अभिर्जायतां | ३६३ | अभिवर्णा य | २४९१ |
| अगुरु जोङ्ग | २२३४ | अभितैलाचि | २७०३ | अमिदिव आ | ४०७ | अग्निवायुभ | २४८४, |
| अगुढविभ ५१ | ६९, ११७४ | अभित्रेता त्र | ६०८ | अभिदेवो दु | ३३७ | | ૨ ૬१६ |
| अग्रहीतक | १९५५ | अग्निद्ग्धं प्र | १०३२ | अमिनैः रात्रू | . ५०२ <u>,</u> | अग्निवासाः पृ | ४०७ |
| अग्रहीते मा | રહપ | अग्निद्ग्धमि | ર૫૪ | | २५३४ | अग्निविद्युद्ध | २७९१ |
| अ गृह्यानुन | १२२३ | अग्निदाहाद | १५७१ | अभिर्न ये भ्रा | ३८२, | अभिवेशास्त | ७ २७०९ |
| अगोपाला य | | अमिदैर्गर | ५७५ | | ४७६ | अभिवेरया ज | ,, |
| अग्नयः पित | | अभिदो गर | १४२८ | अग्निर्नस्तस्मा | 1 | अग्निष्टोमं प्र | ३२० |
| अग्रये गृह १ | | अभिना ताम | १२१३ | अमिनीं दूतः | | अग्निष्टोमः पू | ३३१ |
| अम्रयेऽनीक | १२६ | अग्निनेत्रेभ्यो | રપર | अग्निर्भूताना | - 1 | अग्निष्टोममु | <i>क</i> १६१७ |
| अमये पीवा | | अग्रिनैवैन | 22 | अग्निर्भूम्यामो | 0 1 | अग्निष्टोमादि | २७८८ |
| अग्रये रक्षो | | अग्रिपतङ्ग अग्रिपतङ्ग | ارەۋد | अग्निमी तस्मा | 1 7 0 1 | भिन्निष्टोमो य. | ३३४ |
| अमये स्वाहा | | अग्निपुरोहि अग्निपुरोहि | | अग्निर्मा पातु | | भमिष्ट्वा गाय | २१७ |
| | | आमपुराह अग्निपूजा च | 0 04 | अग्रिमी सूर्यो | ` ` ' ' ' | प्रमिसाक्षिक | १०८८ |
| अमावमिश्च | # 2₹९ | -114 K-11 -4 | , | अग्निर्मुखं पु | ``` | यमिस्तेजोम - | * २८७० |
| अग्राविव हि | | अभिप्रतीका . | | अग्निर्मूर्धप | ``` | गमिस्तेजो म जिल्लोको न | १९९७ |
| अग्निं दीप्तमि | | अभिप्रत्याग | | | | ामिस्तोको व ामिहोतार | १३२० |
| १६९ | | आग्निभश्चा मि | . [9 | भग्निर्वनस्प | , , | ामहातार मिहोत्रं त | ४७५ |
| अमि प्रत्याग | · . | अभिभाजसो अभिभाजसो | . 1 | भिमर्वा अह | 903 | | ७३० |
| आम मत्याग अमि मन्थन्ति | | आम्रमध्यं प्र अग्रिमध्यं प्र | .1` | भिमिनी उद्घा | 777 | ाभिहोत्रप क्लिकेट १ १ ० | ११०२ |
| अमि मतीस | | | १०९० व | भिमर्वा एष ३०६, | ' ' ' ' | ाभिहोत्रफ ५५ २ | |
| अग्नि सामित्य | - 1 | अभिमध्ये प्र | * ,, | C #4 | ३५८ 3 | मिहोत्रामि | %२८१६ |
| आम सामस्य अमि स्तोकमि | 1 | भग्निम नीक ः भग्निमन्तरछा | परह | मिनें दाता २५५ | | गिहोत्रा ण्य | |
| जास स्ताकाम | 1071 | भासमन्तर्थ। | ४०४ | | २५७ ३ | मिहोत्रादी | १११८ |
| | | | | | • | | |

| अग्रिहोत्रोप | (9 6 ∨ 1 | अग्न्युदकयो | ૧ ૫૬ ૨ | अघलाः सिंह | r: ૪ 3Կ İ | अङ्गानि वा अ | २८० |
|--------------------------------|-----------------|-----------------------|---------------|------------------------|------------------|------------------|----------------|
| अमीन्वा एष | | अग्रं वृक्षस्य | | अघारिणीर्वि | | अङ्गानि वेदा ८० | |
| अग्नापा एप अग्नीषोमीय | | अग्र ५ समाना | | अघोरेण च | ३००१ | | २९६६ |
| अमानामान | * | अत्रं हि ब्राह्म | | अपारण च अघोरेभ्योऽय | _ | अङ्गान्येतानि | ५७४, |
| अग्नेः सकाशा | ७१४ | अप्रचारी सु | | अङ्कं चिह्नं व | " | | १५०० |
| अमः स्पारा। अमेः सांतप | ५१० | _ | | 1 - | | अङ्गारं गुड | २५०८, |
| | | अग्रतः पुर | २६०१ , | अङ्कायत्वा वि | २८१३ | -1414.30 | # २५ १५ |
| अग्ने ऋग्वेदं | ४४६ | | | 1 | | अङ्गारं गृह | |
| अमे ग्रणन्त | ४३८ | अग्रतः पृष्ठः | | अङ्का न्यङ्क् | | अङ्गारकस्त | ःः २९५९ |
| अप्ने गोभिः, व | | | | अङ्कुशं शौ | | • • | २९७६ |
| अग्ने त्वं नस्त | २९११ | अप्रतः शोभ | | अङ्कुशवेणु | २३१५ | ` · | २ ६०० |
| अग्ने यशस्व | २९३१ | अग्रतः सर्व | २७१३, | 1 | २५२३ | | |
| | ८०५, ८१७ | २७१४,रे | ७१५,२७१८ | अङ्कुशादि | २८३८ | | २२६७ |
| अग्ने रूपं स्प | ४६६ | अग्रतो मन्दि | २८४८ | अङ्कू न्यङ्का | | l | २९२४ |
| अग्ने रेतो हि | | | २५१३ | | | | ٠,, |
| | ३०६ | अग्राक्ष्णा वीक्ष | * २३९९ | अङ्कोलोशीर | • १४६८ | | २६५५ |
| अग्नेर्जागर्ति | ६२१ | अम्रादम् रो | ४३३ | अङ्को न्यङ्का | २४३ | अङ्गारस्थैव | १५३२ |
| अग्नेज्वीलाधू | ९७४ | अग्राम्यचरि | | अङ्गदः सह | २७२० | अङ्गारांस्तुषा | २२६२ |
| अग्नेर्भाजसा | २८७ | अग्राम्यशब्दा | | अङ्गदक्षिण | २५०२ | अङ्गारिणी दि | २५२५ |
| अग्नेर्यः क्षत्रि | ५१० | अम्राह्मामह | ११३८ | 1 | २३६०,२७३० | अङ्गारिष्ठोऽथ | ६३३ |
| अग्नेर्वर्णश्च | २९०१ | अत्राह्माणा <u>मु</u> | | अङ्गदान्यथ | | | १५१३ |
| अग्नेर्वा आदि | ३६३ | | | अङ्गदेशोद्ध | १५१२ | 1 | |
| अभेर्वा एता | २७८ | अग्राह्या न | | 1 _ | | अङ्गिरसः प्र | • |
| अग्नेर्वातस्य | ५०३, ५०४ | अग्रेऽग्रणीर्या | २७०६ | 1 | | 1 _ | २८ |
| अग्नेर्वे धूमो | २७८ | अग्रेऽम्रणीर्यो | ٠,, | अङ्गद्वारः वु | | अङ्गीकर्तव्य | १८४४ |
| अप्रे सपत्ना | ७१ | अग्रेण मैत्रा | २७५,२७७, | 1 | | 1 -0 0 | ,, |
| अमे सहस्व | २५ ४ | · | २९६ | 1 100 1 1 1 | २८५९ | 1 | १८४५ |
| अग्रेस्तनुः क | २५४६ | अग्रे दक्षिण | | अङ्गमर्दन | १६६५ | अङ्गीकृताप | २६९० |
| अग्नेस्तेजोम | २८७० | अम्रे द्वी पृष्ठ | २७५२ | अङ्ग मामन्व | #६४५ | अङ्गुलमाना | १५३६ |
| अमी पतङ्गा | # १७ ३८ | ागे जा•स | २७५३ | अङ्गमेतन्म | | अङ्गुलशता | " |
| अमी वाससि | ८०२ | lanna Fai | *२३५६ | अङ्गरक्षान्वि | | अङ्गुलाद्यं स्मृ | १८४३ |
| अमी ह वै दे | २ ९ ४ | | ,, | अङ्गवङ्गक | | अङ्गुली वा त | १९६५ |
| अमी हि सर्वा | | | | अङ्गसूत्राणि | २९८८ | 1 | १४७३ |
| | | ١ | | अङ्गहारादि | | अङ्गुष्ठगुल्फ | 08 484 |
| अमी हैके जु | २०२ | अग्रे सर्वेषु |)) | ì | | अङ्गुष्ठनख | . 2488 |
| अग्न्यगार्ग अग्न्यागारं प्र | | | | अङ्गादङ्गात्सं | | | |
| अग्न्याधानम् | | अग्रेष्तुच | | अङ्गादङ्गाद | | अङ्गुष्ठपर्व | २९८२ |
| अग्न्याधानम अग्न्याधानेन | | अग्न्यः प्रहर | | अङ्गानां क्रम | | अङ्गेभ्यश्च त | \$,, |
| अग्न्याचेयम | | अग्न्यो हि ब्रा | | अङ्गानां स्प | _ | अङ्गभ्यो यस्त | " |
| भग्न्याश्रितं व | | अघं नाशय | | अङ्गानि कुर् | _ | अङ्गेभ्यो यस्त्व | ٠,, |
| | - स्पृष् | ३ अघटितम | ९६५ | ्रेअङ्गानि राष | व ११६८ | अङ्गेमामन्व | ६४५ |
| | | | | | | | |

| अङ्गेषु राजा | 8 8 2 | अञ्छोदा च वि | 9296 | अजीतोऽहतो | V.5 | अञ्जनी मोह | #200C |
|---------------------------------|-------------------------|---|-------------------------|-----------------------|-----------------|----------------------------|---------------|
| अङ्गेषु सूर्यो | २५२१ | 31 3141 4 1 | • | अजीर्णभया | | अञ्जना मोह | #२९९६ |
| अङ्गेहेंनः स | २८० | अच्युतं केश | २५३१ | अजुगुप्सांश्च | ११०१ | 1 | 3) 3) |
| अचिकतम | २८१ १ | अन्युतं पूज् अन्युतं पूज | २५२ <i>१</i> २८७७ | अजेयो मानु | 2000 | 1 | २०४३ |
| अच्छुषोत्त | ₹८ ९६ | | ् ५ ८७७ ५०७ | अजेयो हार्जु | | अडालः शप अटन्ति राज | १८८९ |
| अचक्षुषो म ८०६ | | 1 2 | ४५६ | अजेशः क्षेम | २९९३ | | 802 |
| अचरहैत्य | २, ७२५ १ <u>५</u> ०६ | अजः सुब्रह्म | ३२७ | अजैकपाद | રષ્પે, | | ६३७ |
| مد | | अ जतुङ्गश्च | २ ९ ६७ | 12441111 | २९७६ | | * ,, |
| | · * ,, | अ जनयन्म | २८५७ ३७४ | अनेडकाः स्त्रि | २४८४, | अटवीं पुर | १४१६ |
| अचलं नाम | २७०६ | अजमर्कट अजमर्कट | २५६ २६६१ | od at a late 1 (a) | २९१७ | अटवीपाल | २३५२ |
| अचलानां प्र | . २४८४, | अजयन्त र | २५५ <i>६</i> क्षर७७३ | अजैषीर्वे स | . २३९ | अटवीबेलं १५ | |
| | २९१६ | | | अजो भवति | ४५६ | अटवीभिर्वा | २६२० |
| अचलाश्च च | २९२६ | अजयन् दे | इ५० | अजोऽव्ययः शा | | अटवीवर्ति | १४३९ |
| अचाल्यत्वेन | १९५५ | अजलाश्च य | *608 | अजोऽधः क्षत्र | ६४५ | अटवीष्वप | १०७० |
| अचिकित्स्यदो | ११९६, | अनस्य चैव | 282 | | | अटेव्यन्तपा | १६६९, |
| | १७५८ | अनस्यापि हि | * ,, | अजोहवीद् | ५७ | | २२६४ |
| अचिकदत् ९३ | , २५३७ | | १५८, ९६० | अशातपूर्वी | . ९६४ | अटव्यां किला | १३०२ |
| अचित्ती यत्त | ٩ | अजसपण्या | | अशातमार्ग | * १४५९ | अंद्रका लक्ष्म | ७२९६१ |
| अचित्या चेत्त | #9 | अनसमुप ७३ | ६, १३१८ | अज्ञातमार्ग | " | अद्दाद्दालक 🦵 | . १४४२ |
| अचिन्तयन् | २७५७ | अजातपक्षाः | १८९३ | अज्ञातानि न | १२५६ | अट्टालंकप्र | १४४७ |
| | | अजातविद्या | ९०३ | अज्ञातिता ना | १०६८ | अणिमा, महि | २५४० |
| अचिन्तितोप | २४१७ | अजातशत्रुं | २४२२ | अ ज्ञा तिनोऽपि | * ,, | अणिमान्यृह | २९९२ |
| अचिन्त्यं दैव | २०७०, | अंजादीनां षा | २३०५ | अज्ञातिमन्तं | ,, | अणुनाऽपि प्र | १६६० |
| | २४०१ | अजानता भ | १९०४ | अज्ञानाज्ज्ञान | ६४५ | अणु वा यदि | १०९४ |
| अचिरात्तं दु ७०६ | | अजायाश्च ग | १३७४ | अ ज्ञानाद्य | २८३६, | अण्वसमृक्षा | २६ १५ |
| अचिरात्तं वृ | १७९० | अजालगर्भ | | | २८३७ | अत उप्रत | १९८५ |
| अचिरादेव | २८३३ | अजालगम अजाविगोम | १३७० | अज्ञानाहम्भ | १४९४ | अत उत्तर | १११७ |
| अचिरेण ह | २७६१ | जनावित्राम १५३ | १३७६, १५, २३४२ | अज्ञानिना कु | ११०६ | अत ऊर्ध्व च | २३०८ |
| अचिरेणापि | १२५६ | अजाविगोश | 2×32 | अज्ञायमाने | \$ 2008, | अत ऊर्ध्व छा | २९१ ४ |
| अचिरेणैव 😁 🖰 | २४८७ | अजाविशुक | २५०९ | | #2063 | अत ऊर्ध्वम | १२४० |
| अच्छः स्निग्धः स | २२४२ | अ जा विशुक | _ 1 | अज्ञायमानो | | अत एव भ | १२४७ |
| अच्छ त्वा यन्तु | ९५ | अजाश्च धार्या | ₹ ,, १४६३ | | ! | अत एवोक्तं | ९०७ |
| अच्छ याह्या व | ३६६ | अजितात्माऽजि | 989, | अञ्जनं च ध | 0 3 40 1 | अतः कार्यक्ष | २३४० |
| अन्छाये विम | २४८३, | , | ९२२ | अञ्जनं च ह | २८८६ | ਕਰਾ ਸਤੇ ਤੇ | १९८० |
| | | अजितातमा न | 920 | अञ्जनं पङ्क | # २५०३ | अतः परं न अतः परं न | |
| अ च्छिद्र रि छद्र | १८८५, | अजितो योऽन्त | 932 | अञ्जनं पद्म | | अतः परं प्र अतः परं प्र | ११२४ |
| १९६८, | २०४२ | अजिह्ममश ५९ | ६, १५४६ | अञ्जनं रोच | # 2400 | जताः पर प्र | १५११, |
| अन्छिद्रा सूनो | | | · · | अञ्जनादपि | | | २६७ १ |
| अच्छेद्यास्तर | 1 | - | | अजनादाप अजनाभ्यञ्ज | | अतः परं श्रा | २२७७ |
| | | • | 120 | শতাগাঃপঞ্জ | र १ ३५ | अतः परत | # १७२९ |
| | | | | | | | |

| अतः परि वृ | 98.0 | अतादृशस्य | २३ं७१ | अतिभारेणा | २३०१ | अतिसूक्ष्मं त | ११२५ |
|-----------------------------|----------------------|-------------------------|------------------------|------------------|---|---|--|
| अतः गरेषां | २२३८ | अतिक्रमो म | १९०६ | | - १५७० | अतिस्थूले भ | २९८२ |
| अतः पादार्ध | १२४७ | अतिक्रम्यव | २०७९ | अतिभारो म | ९१५ | अतिस्विष्टम | # ₹₹९७ |
| अतः गराप | * १६१६ | अतिकान्तं च | १०९७ | अतिमेदये १११६ | | आतास्वष्टम अति स्विष्टस्व | |
| अतः प्रतिलो | २०६२ | अतिकान्तं तु | १७९६ | अतिमद्यं हि ९३९, | | अतिहीनोऽपि अतिहीनोऽपि | , |
| अतः संदेह | १९४५ | _ | २७२५ २७३ ३ , | अतिमन्युप्र | १२११ | | ************************************** |
| अतः संभाव्य | २३९० | आतकान्तः म | २७४२, २७४२ | अतिमात्रं खे | ९६६ | अतीक्ष्णचण्डा अ चीक्षो नसम् | १२४६ |
| अतः सदा नी | ७६०,८८८ | अतिकान्तम | १२४४ | अतिमात्रभो | ९६५ | अतीक्ष्णेनाप्यु | # १३१८ |
| अतः सहाया | १२६४ | आतकान्तम अतिकान्तश्च | २७४२ | _ | 397 3 96 | अतीक्ष्णेनाभ्यु | " |
| अतः सार्धमि | २८४७ | | | अतिमानिन | | अतीतकाल | १८४८ |
| अतः सुभाग | १९८४ | अतिकान्तस्तु | २७३३ | | # ६६ ४ | अतीतदिव | १०७२ |
| अतः सैन्यानां | २७२ ३ | अतिक्रोघन | ११९४ | 1 | # २९५९ | अतीतानां च | ९४६, |
| अतः सन्याना अतः स्वबान्ध | २७२२ ११४९, | अतिक्षिप्तान् | २६ ०२ | l - | " | | ७८, २२०१ |
| अतः स्वमान्य | | अतिगच्छति | २६५८ | अतिमित्रोऽनु | २९७६ | 1 | ८२३ |
| | १४२८ | अतिघण्टा चा | २९९५ | अतिमृदुस्तु | ११५५ | ł . | # ८०२ |
| अतः स्वभोग ८ | • | अतिघण्टाऽति 🗨 | • ,, | अति यज्ञवि | १९०७ | अतीते कार्य | २२०२ |
| अतः स्वरब | २४७२ | अतिघोरं ह | २९११ | अतिरात्र उ | ३३१ | अतीते च व | ११६२ |
| अतः खर्गे ग | २८७२ | अतिचारद | ६७३ | अतिरात्रो म | ३१० | अ तीवक ठि | ૨ હ५ १ |
| | ३९, १६०६ | अतितिद्धुः पु | * ६३४ | अतिरिक्त आ | २८९ | अतीव दाता | 2884 |
| अतथ्यविहि | ६४५ | अविक्रीक्षो व | २४२० | अतिरिक्तो वा | ,, | अतीव द्वार | १४७७ |
| भतथ्यान्यपि | १२०६, | 275-7074 77 | ६३४ | अतिरेकेण | 420 | अतीव संज्ञा | १०३८ |
| | १२२८ | अतिथि मानु | ४२ | अतिवृद्धः का | ११९१ | अतीव स ज्ञा | |
| अतद्गुणे व | ९०६ | अतिथिप्रिया | #\$ 0 \$ | अतिवृष्टिर ७४१, | | अतीव सर्वा | •• |
| अतद्विदस्त्व | १८२५ | 1 | | २८६१, २९२४, | | | १०४५ |
| अतन्द्रिताः शी | २४३५ | अतिथीनन्न | २७६९ | अतिवृष्ट्याम | २९१८ | अतीवेर्ष्यां छं | १६०९ |
| अतन्द्रिता भा | ,, | अतिदण्डाच | १९८३ | अतिब्यय क | २२९०, | अतुल्येन स | १९६२ |
| अतन्द्रितो द | " | अतिदानत | ११५६ | | , २३ २२ | अतुष्टांस्तुष्टि | १६४९, |
| अतन्द्रितो ब्र | " | अति दिद्यून् | २८७ | अतिब्ययोऽपा | १६१० | | १९१५ |
| अतन्द्रितो व | " | अति दिवस्पा | १५६ | | \$ | अतुष्टान् सा | १६४९, १६, १९५६ |
| अतन्द्रो ब्रह्म | " ६ ९ | अतिदु:खान्वि | १०८८ | अतिशङ्कित | | १९१ | . ५, ५,५५ इ ३ ९२ |
| अतप्यत व | ૨ ૦૫ <i>૧</i> | अतिदुर्गप्र | २५६५ | अतिश्रमपि | " | अतृप्यन्नमृ | |
| अतक्र्यमण्य | | 1 ~ ` | | | ९६५ | अतृष्या अक्षु | ४०३ |
| अतक्यमन्य अतर्पयच्च | १७६६ | 1 | १३०२ | अतिष्ठन्तास्मै | १०९ | अतो गोदानं | ८७२ |
| | ४६১ | अति धर्मोद्ध ६३०, | | अतिष्ठन् स | २७१४ | अतोऽत्यन्तम | ८४८ |
| अतश्चान्यन्म | २३९८ | अति न | ११२० | अतिष्ठा वा ए | २६६ | अतो दण्डध ७ | ६६, १९८३ |
| अतस्तव भ अतस्तु विप | * १२४७ | | २८८० | अतिष्ठो वा इ | २६७ | अतो दुर्गे नृ | १४८० |
| | ६९१ | अतिप्रवृद्धो | | अतिसंधिक | ७१९४८ | अतो धनुःश | २६ ०७ |
| अतस्त्वं सर्व | ंद्रप, १८९३ | अतिप्रसक्तः | | अतिसंहिताः | | अतो धातून् | १३७३ |
| sinced Ad | *5 ? | अति ब्रह्मवि | | अतिसर्वेण | | अतो नवपु | २ २८३ |
| • | | | | | ••• | ···· ••• | |

| | १८९४ | अतो हि सर्व | ५८१ | अत्युञ्चविस्ती | १४९२ | अत्र श्रेयश्च | २३८१ |
|-----------------|-------|---------------------------------|---|---------------------------------------|---------------|----------------------------------|--------------|
| अतो नायं ग्र | १२१३ | अतो हैव प | ^५ ३६३ | अत्युन्छितं को | . • २५ ९४ | अत्र षाङ्गुण्य | २०५२ |
| अतो ृतृपः सू ः | ११५२, | अत्तारमेवै | ₹00 | अत्युञ्छ्ति त | २१३४ | अत्र साध्वनु | ६२० |
| , | १९८४ | अत्ता वै ग्रुऋः | " | अत्युष्णमल्प | - २४५३, | अत्र सिंहास | २८३२ |
| अतो नृपः स्वे | | अत्ता हि स ते | ૪ફેંપ | 1 1 | २५५७ | अत्र स्थाता न | १४९६ |
| | १८९५, | अत्ति ब्रह्मणा | ११० | अत्युष्णोपक्षी | २४५४, | अत्र स्थित्वा न | ५ १४९६ |
| १८९७, | १८९८ | अत्यन्नम् | " | | २५५८ | 1 . | ર |
| अतोऽन्यथा न | १०६४ | अत्यं न मिहे | ४७० | अत्यूजितं को | २५९४ | अत्र स्थित्वा म | १४९५ |
| | २००१ | अत्यक्तं तुल्य | १०११ | अत्र कर्मान्त | ६२९ | अत्राऽऽगमय | *६२६ |
| | १९०४ | अत्यङ्कुशमि | # ₹४०० | अत्र किंचिद | १५८६ | अत्रानुक्ता गु | १४३४ |
| | २४४० | अत्यद्भुता | २७९९ | अत्र गाया ब | १३२५ | अत्रानूर्धी ग | २८४७ |
| अतोऽन्यथा व | ५६६ | अत्यन्तं वल्ल | ९९४ | अत्र गांथा य | ५८२ | अत्रापि नाना | २८४३ |
| अतोऽन्य्या वा | ९७१ | अत्यन्तं विकृ | # १८७ ५ | अत्र ते पाण्ड | २००४, | अत्रापि पूज | २८५९ |
| | १५०, | अत्यन्तर्म | १३७३ | | ં ૨૦૮ ર્ફ | अत्रापि रत्न | २८३८, |
| | २५१३ | अत्यन्तविकृ | १८७५ | अत्र ते राज | १०५६ | | २८४२ |
| | २१४५ | | १३७० | अत्र ते वर्ण | * ६५४, | अत्रापि वर्ण | २८३९ |
| अंतोऽन्यथा सा 🚓 | " | अत्यन्तविष | २१४६ | · · · | २९ २० | अत्रापि वर्त्म | २८४४ |
| अतोऽन्यंथा सि | २५०२ | अत्यन्यानेष | २८६५ | अत्र ते वर्त ५९ | | अत्रापि सुक्र | ६०९ |
| | २२६२ | अत्यये सर्व | २७०१ | | * 2082 | अत्राप्युदाह ६० | १, ६०३, |
| | २३८८ | अत्यरिच्यत | # २३५८ | अत्र त्वमनु | #420 | ६११, ६१ | ८, ६२३, |
| अतोऽन्यो लव | २२४५ | अत्यर्थमुष्ण | २६७४ | अत्र धर्मानु | *६२९ | ६२६, ६३१ | |
| अतो भयार्ताः | २७७३ | अत्यल्पमूल्यो | १३७३ | अत्र निःश्रेय | ५७३ | - | १, ७९७, |
| | २३८९ | अत्यशितुर्दु | ९६५ | अत्र नो यत | 2000 | १०५३, | १२१०, |
| | २६३० | अत्यागं चाभि | ६१०७३ | अत्र पितरो | १३२ | १२१७, | १६१६, |
| अतो यतेत | १२९६ | अत्याढ्यांश्चाति अत्यातपे चा | १२१६ | अत्र बाह्या बा | १९११ | १६१८, | १६२२, |
| अतो यत्नेन | १४७९ | अत्यातपे चा | * ९९१ | अत्र ब्राह्मी म | २९१५ | १६९४, | १९०२, |
| अतो यानास 🐠 | २०७४ | अत्यातप वा अत्यादरो न | " | अत्र भीमाऽभ | २८४७ | १९०७, | १९११, |
| अतो राज्ञः प्र | ७८९ | अत्यायं चाति | ११२४ १०७३ | अत्र में संश | १५०२, | १९४६, | २०१४, |
| • | ११०० | अत्यावश्यं तू | १७५६ | | २४०८ | २०२०, | २०४२, |
| ^ | १५६, | अत्यावस्य तू अत्यावस्यं नृ | ७६१ | अत्र यंशाश्च | २७८९ | २०४७, | २३८१, |
| | १३७८ | अत्यावश्य न्ह अत्याहारित | १५७० | अत्र या प्रणि | | २७६९, अत्राप्युपद्र | २७७ २ |
| अतोऽर्ध किशो | २३०८ | अत्याहारत अत्याहितं द | | अत्र युगसं | 1 | जना जुपद्र अत्रा भिषेक | १४१६ |
| • | | अत्युग्ने च प्र | .,,,, | अत्रये वृद्ध | | अत्राग्धक अत्रायं क्षेम | २८३५ |
| अतो विश्वान्य | | अत्युग्न च प्र अत्युग्नदण्ड | (,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,, | अत्र यो वृद्ध | | अनाय क्षम अत्राष्ट्रक्ति | २००६ |
| अतो वै बृह | 880 | 71.344.0 | | भन्न लोला गा | | | १३७२ |
| अतो वै ब्रह्म | | अत्युग्रदण्डा | | भूत्र, लेखा गा <i>ः</i> अत्र विसंप | £ | अत्रा सखायः | 888 |
| _ | | अत्युद्धनीच अत्युद्धनीच | 1 | 1 | ५६६ | अत्राह्र त्वं वि इ | ८२,४४३ |
| | - 101 | ाजु <i>,</i> चना भ | १४०७। | अत्र शब्यास | . २८४८ | अत्रिवंशस | . ११२१. |
| | | | | | | | - |

| अत्रेदु में मं | ४९१ | अश | चेत्प्रति | | | दृष्वा नि | | | | २८५० |
|-------------------|---------------------|---------|---------------------|---------------------------------|---------|---------------------------|-----------------------------|------|--------------|-------------|
| | ०१७ | | चेत्सर्व | | | | १११, ५२९ | | | २८३५ |
| | ३२३ | | . चे दिप | २३९० | | देवाः स | ७९१ | | | 30F. |
| अत्रेतदाहु ६२४, ६ | | | चेदभि | ૭ ,૬५ | | दोषगु | १४९४ | अथ | 7 | ९४२, |
| | ४२० | अथ | चेदव | ६५१ | i i | द्वन्द्रयु | १४९२ | | २८' | ४९, २८५१ |
| | ४२५ | अथ | चेदात्म | १०४८ | | द्विजेम्यो | २८५३ | | पुष्याभि | २९७९ |
| अत्रैव चेद २ | ०१७ | अथ | चेदीद | २३८५ | | द्विपद | २८४४ | 1 | पूर्वेद्य | , इ१४ |
| अत्रेव बोऽपि | ४८६ | अथ | चेद्धर्भ | २७६५ | | द्वेगुण्य | २३८९ | | पृषतीं | ३०९ |
| | ४३५ | अथ | चेद्बुद्धि | १९०४ | | धनुर | २८१ २ ९२ | | पौर्णमा | २८५५ |
| अत्रैवोदाह १ | ०३६ | | चेन्मृग | १५९७ | | धनुरा धर्मस्त | ७९४ | | पौष्णं च | ३०३ ् |
| अत्रोषित्वा न | ८३३ | | चेछङ्घ | २७६७ | | यम् <i>यः</i> धर्मेण | | 1 | पौष्यां पौ | |
| अंथ ऋत्विक् २ | ८५२ | | चैत्र्यां पौ | २८५५ | | | १८९५ | | प्रतिप | २८९ |
| अंथ कश्चित् १ | ८८७ | | छत्रयु | २८३६ | | धान्यमा | २२७३ | l . | प्रतिसं | 2660 |
| अथ कार्तिक्यां २ | ८५५ | l | जन्मन | २८५५ | | नगर | १४९३ | अथ | प्रथम | ह ५४ |
| | ८४६ | 1 | जयाख्य | १४९५ | | नदीप | २७१ | अथ | प्रविश | १८०७ |
| अथ कालस्य | ८४३ | 1 | जलज | २८४० | 1 -1 -1 | नन्दं च | २९९० | अय | प्रसाध | २८४१ |
| अथ काष्ट्रपी २ | ८३५ | 1 | जुहोति | २७७ | अथ | नवम्या | २८५३, | अथ | प्राचीर | १४९४ |
| अथ कुम्भः श | ३१५ | 1 | | 2 | 2797 | Cu2uz | २८५४ | अ्थ | प्रुष्वा ग्ट | २७२ |
| • | ८३७ | 1 | ततो ब्र | रर <i>र</i> २ ८८७ | | निर्दण्ड चित्रेष्णं | २८३७ | अथ | फाल्गुन्यां | २८५५ |
| अथ कूप्याग्र 🛴 | २७२ | | तत्र नी तत्रैव | | 4 | | २७१ | | बन्धप | २०२५ |
| - · | ९०० | 1 | | | ı | निश्चित्य | | अथ | बाईस्प | २६५, ३०३ |
| अथ कोशप्र १ | ३६५ | 1 | तत्रोप | | | निश्छदिः | | अथ | बाहू उ | - २७६ |
| | ४७८ | 1 | तद्द्रिष्ट | २१४७ | | | २८३६ | अथ | बाहू वि | २८१ |
| | ^२ ४६६ | Ι. | तद्यशः | ३२० | | निष्पता | २८३९ | अथ | बृहस्प | २६६ |
| | ^२ ४२२ | i | तस्मादु | ६३० | | निष्पद | २८४६ | अथ | ब्रह्मणे | २८९८ |
| | २७३ | | तां नाम | *१८१२ | 1 | पञ्चवा | २५१ | अथ | ब्राह्मण | २८९, ३३३ |
| | ३१४ | i | तात य | २३९५ | l l | पञ्चोन | २८२९ | अथ | ब्राह्मणं | ३४६ |
| | ८५५ | | तावपि | * २०२७ | | पयो ग्र प्रकार | २७३ | ŀ | भद्रास | २९७३ |
| | २७३ | | तेषां प | २३५१ | 1 | पवित्रे | २७८ १०९ | | भूयांस | १२१२ |
| | ९४२, | | ते हृद | १८९८ | 1 | पशुषु | | | भृङ्गारो | २८४१ |
| | .०२, ८५१ | -, , | त्रिर्निर | | 1 | पश्चना | २८६३, | 1 | मदन | २८५५ |
| | ८४४ | -, - | त्वं मन्य | १८९७ | ľ | | २८६४ | | मधु गृ | २७३ |
| | ८४१ | 1 - , , | त्वां पूज | २३८९ | | | २६३९ | | मध्ये ग | · - 298 |
| अय चातुमी | ३५१ | 1 - , , | स्वाष्ट्रं द | ३०३ | | पश्चार्ध्ये | २५ २ | 1 | मध्ये जु | २५ २ |
| अथ चापि सु : | २०२७ | | | ५२, २९१, | | | ६१२ | 1 | मन्त्रम | २५४६ |
| अय चामर 🛒 | २८४० | अथ | । दीपोत्स | .२, २९३० २८५५ | | पापक पा र्था नि | # 99 | | मन्थिन: | 300 |
| अथ चेत्पीर | २,०१,० |) अश | । दुन्दुभि | 3938 | | | ૨ ૭૬, ૨ ૪૮ | | मरीची | ३७३ |
| | | | | | • | • | · . 49C | -4.9 | .1 04 .01 | |

| अथ महाद्र्य २९१३ | अथ यत्सीमं ३०४ | अथ यद्गर्भि ३२७ | अथ यान्युप २७६ |
|-----------------------|------------------------|----------------------|-----------------------|
| | अथ यत्सीम्य २५७ | • | l . |
| - | अथ यस्त्रीस २५४ | • | १०४१ |
| | अथ यत्स्थूर्य ३३४ | अथ यहिष २२० | अथ ये नैव २३८९ |
| | अथ यत्स्पयः ३४२ | अथ यहरा ३०२ | अथ ये ब्राह्म ४२५ |
| | अथ यत्स्व २४८ | अथ यद् दूर्वी २२० | अथ येषां पु ६५७ |
| • • • • • | अथ यदन २५३, | अथ यद्दाद २५७,३०३, | अथ येषाम ,, |
| 2 | ३३४ | ३१८, ३३४ | अथ ये स्थवी २६५ |
| अथय इच्छे २१९ | अध्ययति ४३० | अथ यद्धाय २६६ | अथ यैषा मै ३०७ |
| अथय इह् ४३५ | अथ यदन्य ३१२ | अथ यद्धुत्वा २७४ | , , |
| अथयऊर्ध्व २०६ | अथ यदमु ३४८ | अथ यद्धेनु ३२७, ३३४ | |
| अथ ये एष २८९,ई०७ | अथ यदवा ३१३ | | अथ यो विजि २७६४ |
| अथ य एषो ३०४ | | अथ यद्ब्राह्म ४२६ | _ |
| अथ यः क्षत्रि २७६५ | अथ यदेष्टा २४८ | अथ यद्यपः २०५ | अथ रथवि २९२ |
| अथ यः प्रत्य २७० | अथ यदस्मा ३५७ | अथ यद्राष्ट्रं ३५१ | अथ राजक २८४९, |
| अथ यः साम ३२८ | अथ यदस्या २५४, | अथ यद्रुक्मो ३३४ | २८५५ |
| अथ यः स्यन्द २७१ | ३५८ | अथ यद्रौद्रो २५३ | अथ राजध १०३० |
| अथ यच्छष्पा २२० | अथ यदात २२० | अथ यद्वारु २५३, २५७, | अथ राजप्र २९३३ |
| अथ यञ्छयामा २६६ | अथ यदा व ३१४,३१६ | ३१६ | अथ राजानं ३०४ |
| अथ यन्नग ४३५ | अथ यदाश्च २६६ | अथ यद्वास ३३४ | २ अथ राज्ञामि २८६३ |
| अथ यज्ञाग ३५० | अथ यदाश्व २०७ | अथ यद्विष्णुं ३०४ | अथ राज्ञो ब *८४५ |
| अथ यज्जाया ३५७ | अथ यदाश्वि ३१३ | अथ यद्वैश्व ३०६ | अथ राज्ञोऽभि ३५२ |
| अथ यत्कर्णी ३१२ | अथ यदि द २०४ | अथ यद्वैष्ण २५६ | अथ राष्ट्रमु १३१४ |
| अथ यत्केश २८३ | अथ यदि म १८०७ | अथ यन्नाम्बा २६७ | अथ रुक्मः श २८६ |
| अथ यत्त्रिष्टु ४३५ | अथ यदुक्या ३२२ | अथ यन्निव ३११ | अथ रुक्मम ,, |
| . • | | _ | अथ रुद्राय २६७ |
| | अथ यदुप ३३४ | | अथर्वणां चो ८९० |
| अथ यरपुत्रा ३५७ | अथ यद्दष ,, | | अथर्वणा सु २८५७ |
| अथ यत्पीष्ण २५६ | अथ यदेता २५२ | · | अथर्वणोऽनु ,, |
| अर्थ यत्प्राका ३३४ | | <u>.</u> | अथर्वभिश्च २६१२ |
| अथ यत्प्राक्षा २०७ | अथ यहेनं ३५८ | | अथर्वविधि २८१३, |
| अथ यत्ह्राशु २६६ | 1 | अथ यहोहा २८३ | २९०१ |
| अथ यत्र प्रा ५२८ | 1 | | |
| अथ यत्रैत २९११, २९१५ | ו איי עייי יא דר דיף י | अथ यस्मिन्ने २९१४ | , |
| अथ यत्रैन १६८७ | 1 - 1 | | • 385 |
| | | अथ या आत २७२ | अथर्ववेद १३९७, १६२५, |
| | अथ यदैन्द्रो ३१३, ३१६ | | १६२७,२९२९ |
| अथ यत्सार २७४, ३१३ | अथ यदेव ३०२ | अथ यात्रायु २४७० | अथवंवेदि ३६५ |
| अर्थ यत्सुरा २२०, ३१२ | अथ यदौदु २०७, २२० | अथ यानि च ३३३ | अथर्ववेदो २९६६ |
| | | | 1344 |

| ম্যান িছ্য | ४४६, ८९०, | श्रथना येन | ८५८ | त्राध | मंप्रक्ति | * 3 10 E 3 | अथ हैनं सु | રૂ ણ્ય્ |
|----------------------------|-------------------|----------------------------|------------------|-------|------------------|-------------|----------------------|----------------|
| जनगाञ्चर | २९१२ २९१२ | l . | | 1 | संपूज्य | | अथ हैपमि | २८६४ १८६४ |
| अथवणि च | २९१ २ | | ₹ <i>`</i> ° | | | | अथ ह्यन्यो छ | |
| अथर्वाणश्च | | अथवा वस | १०५० | 1 | | | अथाकृत्रिम | १४९२ |
| अथ लक्षणा | २८४७ | 1 | | | स तिरो | - | अथाक्षय्यन | ર ૮५५ |
| अथ वरं वृ | २९८ | अथवाऽष्टरा | २९० ९ | | सदण्ड | | अथाक्षानिव | ३०० |
| अथ वरुण | १४, २५१ | | २९०१ २९०१ | l | स यशः | | अथाऽऽगत्य म | १४७४ |
| अथ वरुणा | २६७ | | | | सर्वाणि | | अथामये गृ | રદ્દ |
| अथ वर्षश | २८५ ४ | अथ वाऽसिद्धि | #२३७५ | 1 | साकमे | | अथामीषोमी | २६७ |
| अथ वसति | १४९३ | अथ वा सिद्धि अथवा स्पृश | ः १५३६ | 1 | सा पूज | | अथाऽऽग्नेयो वै | १९९ |
| अथवा अस्य | | अथवा स्पृश अथ वितान | • • • | | सामान्य | | अथाऽऽग्रयणी | २८५५ |
| अथ वा इदं | ২ ৬ | अथ विशेष | २८४२ २८४५ | | | | अथाऽऽग्रयणे | २५० |
| अथ वा एतं | | अथ विशेषः | २८४५ २८४७ | अथ | सामान्या | | अथाऽ ऽ ग्रहाय | *2८५५ |
| अथ वा एते | | अथ विष्णुद्वा | २८५५ २८५५ | अथ | साम्नैव | | अथाऽऽजगाम | १६९६, |
| अथवा कल्प | | _ | १०८७ | अथ | सारस्व | ३०३ | | १८८७ |
| अथवा कुश | | अथ वृषोत्स | २८९८ २८९८ | | सार्धे ५ | | अथात इष्टा | १९७ |
| अथवा खल्ज | | | | | सावित्री | ₹ ₹₹ | | 220 |
| अथवा गुण | | अथ व मग अथ वैरोच | १५०४ | 1 | सा शकु | | अथातः पिष्ट | २८५१ |
| अथवा गोप्र | | | १९०३ | | सुमङ्ग | ૨ ९९ | i e | ર <i>૧</i> ૫ |
| अथवा गाप्र | २८१० | अथ वैशन्ती | २७२ | 2797 | जुराम सुव्याह | २०२३ | | |
| अ थवा ऽङ्ग र | | 214 24461 | १८०९ | 1 | सोऽन्वत | ६०७ | | ३५७ |
| | | । अयं शाहम | ३१८ | 1 | सोमं रा | २०७ | अथातः शृणु | २८७७ |
| अथवा ज्ञान | _ | अथ शत्रुप्र | २६ ० १ | | सोमाय | | अथातः संप्र | १४७२, |
| अथवा तदु | २४४६ | અયારાભાષા | २८३५ | 1 | _ | २६६ | २९१ | ८,२९४६ |
| अथवा तीर्थ | | अथ शीतप | १०७८ | ı | स्म कर्म | | अथातः सभा | १८०७ |
| अथवा दक्षि | | अथ ग्रुनासी | २५१ | | स्यन्दमा | २७० | अथातः स्तुत | २११ |
| अथवा दर्श | १८९२ | अथ ग्रुश्राव | १०३५ | अथ | स्वप्नाः | २४८१, | | * ₹९७४ |
| अथवा द्रुप | " | अथ स्येनीं वि | ३०९ | | | २४८२ | | २६४ |
| अथवा नान | | अथ श्रवणे | ર ૮५५ | 1 | हतं व्ये | | अथाऽऽतिथ्योप | ७२९ |
| अथ वा पञ्च | , | अथ श्रावण्यां | | 1 | हयए | ४३६ | | २०० |
| 2.2 | २६ ०४ | | " | | ह विश्वा | १९२,१९३ | | १९६ |
| अथवा पाण्ड | | अथ बाचूत र | १४९, २५० | अथ | ह वै हि | २८५३ | अथातोऽद्भु | २९१५ |
| अथवा पुर | २४४६ | अथ श्वोभूते २ | 60, 287 , | अथ | ह ग्रुनः | १८८, १९० | | ७२६ |
| अ थवा पूर्व | २०२६ | 8 | 3,7,6 | अथ | हाप श्रे | | अथातो ब्रह्म | ३६४ |
| अथ वाऽप्ययु | | 1 | १९, २६०, | अथ | हासिन्न | | अथातो यज | २०१ |
| अथवा मल | ६६, * १२२३ | 1 3 | ६१, २६२ | अथ | हिरण्य | २८५२ | अथातो राजा | २९३० |
| भाय वायुम | | अथ संत्यज्य | १०४० | अथ | हैक्षाकं | | अथातो रात्रि | २८५० |
| | ့ ေ | अथ संनिच | २६०० | अथ | हैतं शु | | अथातो वक्ष्य | ७२७ |
| | | | | | | | • | • |

| अथातो [:] वाग्र ४६७ | अथाप्यादर्शे ३ २४८ | ्रोअथास्य प्रह १८८९ | ९,∫अथैतमभि २८८ |
|---------------------------------------|------------------------|---|--------------------|
| अथाऽऽत्मकृत्य २०२६ | | , , , , , , , , | ' I 🔺 |
| | 7.00 | े शास्त्र बटि ६∨ | २ अथैतयोः प ४३६ |
| अथाऽऽत्मकृत्य * ,, अथात्र नारा ५८४ | अथाप्याहुः २३ | े शास्त्र स्था | रे अथैतस्याम २३८४ |
| | | ³ 219π 22 π 22π 22π 22 0 2 0 | ९ अथैता अहु १९५ |
| अथात्राद्धा जा ४२६ अथात्रानिष २९९ | 1 |) morning cather a ca | |
| | 1 | ्राणामीय को | 1267 |
| अथाऽऽददानः ६१२ | | 9 | अथेताः पञ्च ३३२ |
| अथाऽऽदित्यदि २८५५ | अथाभवत्क्ष १०८ | 9 अथाह—अक्ष ² २५ ५, २० . अथाह— अश्वि ३१ | |
| अथाधीवासं २८०, २९७ | अथाभिपत्ति २४४ | ੈ ਕੁਆਰੰ ਤੋਂ ਜ਼ਿੰਘ ਅਤੇ ਹੈ | 12144 MINEL |
| अथाध्वर्युश्च २७०, ३०० | अथाभिषिषि २३५ | 9 अशाह— जिल्ला | 191 4(11)[2] |
| अथान इन्द्र #९१ | अथामात्यः श १९२ | () | अथतान क्ष १९५ |
| अथानु किम ३५३ | अथा मुच्यस्व २४१ | ्र अथाहमेते २ | ाजनताम ह र्रं, ३०३ |
| अथानुमत्या २४८ | अथामुमाहू ७३० | | ३०४, ३१६ |
| अथानूबन्ध्या १९७, १९८ | अथाम्भसा स २९८५ | अथाऽऽहुः सर्व *६५७ | |
| अथान्ततः प्र २२६ | अथा युवामि ५० | थेडामाद ३० | 1 - |
| अथान्तरा | अथा राजनं ८६ | अथेतरे म २७१ | |
| अथान्नं वैर २११ | अथार्जुन उ ५५, | अथेतो यता ३४. | A |
| अथान्यत्रापि १४९३ | अथालंकार २८४ | • | -424 |
| अथान्यत्संप्र १३५८ | | अथेदं विश्वं ४१ | ' |
| अथान्यत्सप्त १५३९ | ्र अथावस्कन्दं २६४३ | | 20 60 |
| अथान्येन प्र *१०४८ | | 1 | \\ |
| अथान्वाहार्य ४२२, ४२३ | प्राणामान्ये =०००० | | |
| अथाप्यती २७१ | अथाशको द 🚓 १३८७ | ` | अभीनं विकार |
| अथापराजि २८५४ | | , अथेन्द्रमुत्था २८६३ | |
| अथांप रे ण २५६ | 3८८ | | 3 4 |
| अथापामार्ग २५४, २८५५ | अथाष्टानां ल २८३१ | | - & |
| अथापि च स १०५० | अथाऽऽसनयु २८३१ | 1 = 1 . 11 = 11 . | مر ا |
| अथापि च्छिद्र २४८२ | अथास्तमित २९३० | 444.04 237 | |
| | अथासम्यं व ३८८ | | |
| अथापि व्हिद्रा ,, | | अथेष्टानि प्र २५०६ | |
| . • | अथास्मा आस २९६, ३४५ | अथैकममा १९२१ | अथैनं प्रती २२९ |
| | अथासा औदु २३२ | २६३ ९ | अथैनं प्राच्यां ,, |
| अथापि पुरु 💝 २४४६ | अथासाच्छीर ६०५ | अथैतं प्रजा १०८ | अथन ब्रह्मा १९५ |
| अथापि यत्र २४८०, | अथारमै तिस्र २८१ | अथैतं सर्वे ,, | अथैनं भक्षि १४८७ |
| | | अथैतत्स्थाली २४८३ | अथैनं वासा २७९ |
| | | अथैतहाच्या | 2 |
| | अथारमे सुरा २२१, २३४ | ,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,, | |
| अथाप्यपिघा २४८२ | | | 1111 |
| elatariat (007) | | ्रभ्यतम्भ २६) | अथैनत्क्षत्र १९५ |
| | | | |

| अथैनमत | १९० | अथैषामेक | १२११, | अथोपयाया | * २५५३, | अदण्डयित्वा ७२१ | २, १९६६ |
|------------------------------|--------------------|----------------------------|--------------------|---------------------|----------------|-------------------|---------|
| अथैनमन्त | २८८ | | १६९३ | | २६ ०७ | अदण्ड्यः कोऽपि | १९७८, |
| अथैनमन्वी | २२४,२५३२ | अधैषा मैत्री | २६४ | अथोपरिच | ८५९ | | २८२३ |
| | २१८, २७६६ | अथैषोऽतिरि | २८९ | अथोपाध्याय | * ५९६ | अदण्ड्यत्वं च | ५७६ |
| अथैनमव | १९० | अथेषोऽभिषे | ३२१ | अथोपेक्ष्यारि | २१८२ | अदण्ड्यदण्ड | #१६१७ |
| अ येनमस्यां | २ २९ | अथैषौदुम्ब | ३४ | अथो प्रेव ह्य | ३२६ | अदण्ड्यान्दण्ड ७३ | १७,७४९, |
| अथैनमाग | २०४३ | अथो अधिप | ३४३ | अथो ब्रह्मणा | ३४८ | १९६६ | ,१९७२, |
| अयेनमा वि | २८२ | अथो अन्नस्य २२ | | | २११, २१३ | १९७ | ९,१९८० |
| अथैनमासा | २ ९७ | अथो अवली | ४३७ | अथो भगस्य | ۷00 ع | -17 -11 10 | ७९२ |
| अयनमारा अ ये नमाह् | २, ० २०९ | अथो अमुमे | ३२६ | अथोभयवे | २ १६ ४ | | १०५९ |
| | | अथो अस्य त | ३२७ | अथो भूतं चै | ४२२ | अदण्डची नृप | १८२९ |
| अथैनमुद | २१५ | अथो आहु:- अ | ३३२ | अथो भूमा वै | ३३४ | अदण्डची माता | १९८८ |
| अथैनमुदी | २२९ | अथो आहुः– च | ३३३ | अथो यः सह | ३१९ | अदत्तमप्या | १०८४ |
| अथैनमुदु | २१८ | अथो आहु:- त्रि | | अथो यदद्यै | ५०४ | अदत्तमेवा | 恭 ,, |
| अथैनमुवा | १८४ | अथो आहुः- प | | अथो यदेव | ३३५ | अदत्तादान | १०५४ |
| अथैनमूर्ध्वा | | > | " | अथो यहश | ३०२ | अदत्त्वाचत | २८५९ |
| अथैनमेत | २९९ | 2791ो 201र - स | " | अथो ये दीर्घ | ३१९ | अददहण्ड | ६१६ |
| अथैनमेता | २३२ | अथो कस्मात् | '' २ ४३४ | अथो योनिम | ४२१ | अददद्धि स | ७१७ |
| अथैना गृह | त २७२ | अथा कलात् अथोक्तमेत | ٦٠ ٠ ٤ १ ३ | अथो राजन्तु | ३४३ | अदब्धानि व | ₹ |
| अथैन्द्रमेका | े ३०३ | अथाक्तमत अथो क्षत्रं वै | ۹ ۲ ۲ ۲ ۶ ۶ | | 883 | अदब्धा सिन्धु | ४५३ |
| अथैन्द्रो वै | दे १९८ | अयो खत्वाहुः | ** % ₹ | अथोवाच स | # २९४३ | अदर्शनं का | १५६० |
| अथैष इन्द्र | ३५० | _ | ८७८ | अथो वाशिता | | अदर्शनं ज्ञा | ५५२, |
| अथैष दिषं | | अथो गुरुकु | २७८ ३२६ | 1 | | | २,११७७ |
| अथैष बृह | ३६५ | अया पशुना | | | | अदर्शमिति | ४२१ |
| अथैष भूमा | | 341 8454 4 | २१३ |] = , ., ., . | | अदर्शयन्नि | १२१४ |
| अथेष मैत्रो | | MAI (1 5.X) | ९१ | अथोष्णीषः स | १ ५ २८० | अदर्शुस्त्वा शा | १९१ |
| अथैष राज | | अया तथा प | २१५ | जना सम वा | ५१६ | अदातारम | १३३४ |
| अयेष राष्ट् अथेष राट् | ३३२ ३ ४९ | 191 4. 4. | ३३३ | ાં પ્રયાસાય | २१३ | अदातारोऽश | १०४९ |
| अधिष विघ | | 91 31 3121 | २५२ | अथाह क्षत्र | ્ ५ ९ | अदाता ह्यन | ६१२ |
| अथैष शम | | -1 .1 | * २७१४ | । अथा हनया | ३े१९ | अदाता ह्यपि | १९४६ |
| अथैष षट् | | अथोत्पन्नेषु | २८९४ | अथौदुम्बरी | २ ९६ | अदातुः प्रिया | ७६८ |
| अथैष हत | ४३२ | 91 311471 311 | २९३१ | अथौपवस | २०७ | 1 | *२८२२ |
| अथैषां निर्व | ५२६ |) અવાયુષ્ય ર | २२१ | अदक्षिणा <u>मु</u> | २६ १४, | अदानमप्रि | |
| अथैषां बहु | | | ३२७ | - મુવાયામા છ | २७२ <i>१</i> | 12/2/2/17/ | १५५८ |
| अथैषां सह | - | | २८४७ | | | अदानेनाप | ११४१, |
| ત્રાવતા હફ | | अथोऽन्यथा सि | *२५०२ | | ११३८ | ! | १६०६ |
| अथैषामिन | ५८२३ ८-० | अथोपकर | २८३९ | अदण्डनैश्च | | अदान्तांस्तु स | ९२३ |
| | 707 | . अथोपपत्त्या २५५ | . २, २६ ०७ | । अदण्डयन्तृ | ११२४ | अदाभ्यो भुव | ३८ |

| | | ·, • | | | | | |
|------------------------------|-------------------|--------------------|-------------|--------------------|----------------|-------------------|----------|
| अदारसृद्ध | | अदृष्टपूर्वे | | अद्य मत्पौर | | अद्वैध्यः क्षत्रि | १५२३ |
| अदासः क्रिय | | अदृष्टमस्य | | अद्य खो बाऽति | | अध इतराः | ३४७ |
| अदितिकौशि | | अदृष्टलक्ष्म | | अद्य सर्वान्ह | २७६१ | अधःकोटिं तु | १५१५ |
| अदिति र्दिति | | अदृष्टविग्र | | अद्यं खप्स्यन्ति | | अधः सपत्ना | ४८६ |
| अदितिर्देव | | अदृष्टशास्त्र | ५५२, ६६२ | अद्यात्काकः पु | | अधः स्वात्यां द | २८८५ |
| अदितिश्च दि | | अदृष्टानां च | २९३४ | | | अध क्षपा प | ३२४, |
| अदिते नम | | अदृष्टाश्रुत | १८२९ | | ९६४ | 1 | ३३३ |
| अदितेऽनु म | ३३९ | अदेयं यस्य | ११४६ | अद्यान्रुपति | २५५० | अधनं दुर्ब | १३२४ |
| अदिते मित्र | ३२ | अदेवद्रोह | ६६० | अद्यापि तत्त | | अधनं खर्णा | १३०२ |
| अदीनवादि | १६३६ | अदेवमातृ ६६ | ०, १४१७, | | २९७८ | अधनः खभा | १३३४ |
| अदीर्घकालो | १७९१ | | १९, १४२०, | | ६४१ | अधनस्य बु | ;; |
| अदीर्घदर्शी | २०८२ | 88 | दे१, १४७७ | अद्युः परात्म | | अधनाद्धि नि | |
| अदीर्घसूत्र ७३ [।] | | अदेशकाले | | अद्यूत्येऽवसे | ५३ | अधनान्नास्ति | १८८९ |
| अदीर्घसूत्रं अदीर्घसूत्रं | | अदेशस्थो ब | | अंदेव हि रि | २०३० | अधनेनार्थ ५५ | |
| अदावसूत्र अदीर्घसूत्रः | २३६३ ११८०, | अदेशस्थो हि | २११९ | अद्रा ३ गित्याह | ४२१ | १३२ | १७, १३५६ |
| | , १७४१ ०, १७४१ | अदेशिकं स्मृ | | अद्रिका च इ | * 2९७० | अधन्यानां नि | *१६१८ |
| अदीर्घसूत्री | *११८ <i>०</i> , | अदैवं दैव ५ | १४२, ७४८, | | २९६१ | अधमं गम | ५०१ |
| -14.16.11 | ११८२ | 2 20 | १०९९ | -1102 11 1.1 10 | २९७० | अधमं चिपि | १३७३ |
| अदीर्घसूत्रो | *११८२ | अदो यहेवि | ४०९ | - 19/1 -11/ | १२४६ | अधमं तत्स | १५४२ |
| अदुःखाही न् | १९०१ | अदो वै क्षत्रं | . ३५१ | | #8980 | अधमं बन्ध | २६७९ |
| - | | अदोषान् दू | १८२९ | अद्रोहः सत्य | १०५१ | अधमः सर्व | ८६० |
| अदुःखार्हा मि | २५०० | | ा २४३० | अद्रोहः सर्व | | अधमः सेव | १३६७ |
| अदुःखाहीं म | | अद्धातिर्थस्य | ५१० | अद्रोहसम | #२ १२१, | अधमणीन | १४३४ |
| अदुर्गस्य रा | १४९१ | अद्भुतं हि | २८६३, | , | | | १७५० |
| अदुर्गी देशः | " | | २८६४ | अद्रोहे णैव | १०५१ | अधरादीन्न | २९१५ |
| अदुर्गी नाऽऽश्र | १४४३ | अद्भुतस्य वि | २९२० | अद्रोहे सम | २१२१, | अधरो विता | *462 |
| अदुर्गी विष | " | अद्भुतानां फ | " | | २३७० | अधर्मे कुरु | ११२१ |
| अदुष्टस्य दू | | अद्भुते तु स | " | अद्रोहोऽनभि | * १६३२ | अधर्मे धर्म | #६२३ |
| अहढातमा ह | १०७६ | अद्भ्यस्त्वा रा | 98 | अद्रोहो नाभि | | अधर्मे नार्ज | १११८ |
| अदृश्यं वा प्र | | अद्यं चन्द्रोऽभ्यु | २९३९ | | 4. | अधर्मः क्षत्रि | २७५९, |
| अदृश्यः सूर्व | | अद्य चैव नि | २४९३ | अद्वारस्तु वि | | २७६ | ६८,२७९१ |
| अदृश्यमानी | १०५० | अद्य तत्पीर | | अद्वारे भूप | | अधर्मः पुन | ७६६ |
| अदृष्टकारि | २०७०, | अद्य तान्कुश | १८९२ | अद्वारे राज | १४९४ | अधर्मः प्रगृ | ७९८ |
| | | अद्य तिष्ठन्तु | | अद्वेधः क्षत्रि | # 8423 | अधर्मः सुम | १०९०, |
| अदृष्टनर | | अद्य नाभ्येति | | | १५२२ | . | २७६२ |
| | | अद्य नाऽऽयाति | | अद्वैधज्ञः प | ६४३ | अधर्मकर्म | ७७१ |
| अदृष्टपुर | | अद्य प्रभृति | | अद्वैध्यं चेति | १२९४, | अधर्मज्ञस्य | |
| | २०८४ | १० | ९०, २८६७ | | २०९१ | | ६३३, |
| | | | | | , • | 1 | २०४१ |

राजनीतिकाण्डम्

| अधर्मज्ञाव | १५०१। | अधर्मेण न | २८०२ | अधाहित्वाज | २४ | अधिवास्य त | २७०२, |
|----------------------------|--------------|------------------------|---------------|---------------|-------------------|--------------------------|-----------------------|
| अधर्मशैर्ध | | अधर्मेण नि | १८९५ | अधाहीन्द्र गि | ४३० | | २८७७ |
| अधर्मतः कृ | 1 | अधर्मेण सु | 1 | अधिकं दैर्घ्य | १४७३ | अधिवास्य तु | २९८१ |
| अधर्मतां या | ६५१ | अधर्मेण ह | २७६३ | अधिकं भ्रम | *१५१८, | अधिषवणं | २०७ |
| अधर्मदण्ड | | अधर्मे धर्म | ६३४ | | १५१९ | अधिष्ठानान | #१३०९ |
| १९७२ | - 1 | अधर्मे वर्त | ६०६ | अधिकः पार्थि | २५३१ | अधिष्ठानानि | " |
| अधर्मदर्शी | ं ६१२ | अधर्मी जाय | १३२१ | अधिकान् कृ | १४३१ | अधि सानौ नि | . २१ |
| अधर्मद्रोह | २१३७ | | २३, ६३० | अधिकारव | २३४० | अधिसुज्याथ | १५०७ |
| अधर्मपरे | १२०० | अधर्मी यत्र | ં ५५६ | अधिकारम | " | अधीतं विधि | २७९९ |
| अधर्मप्रति | ११३९ | अधर्मी वर्त | *१०३ ६ | अधिकारिग | ૧ ૧૪૬, | अधीतस्य च | ६६६ |
| अधर्मभूते | ७ ६०८ | अधर्मी वर्ध | ,, | १४२८,१७ | ४६,१७४९ | अधीते नाव | ६०१ |
| अधर्ममिख | ८४१ | अधर्मी हि मृ | #१०६१ | अधिकारिण | २३४० | अधीतो वाच | २३५१ |
| अधर्ममूलं | १६६८ | अधर्म्यमय | १०३६, | अधिकारे क्ष | ,, | अधीत्य वेदा | ५८४, |
| अधर्मयुक्ता | १८९९ | | १८०५ | अधिकारेषु | १०१२ | | १०४५ |
| अपर्मयुक्तो अधर्मयुक्तो | २७६६ | अधर्म्यमिद | #८४ १ | अधिकुर्याच | १२२७ | अधीष्वं वाय | 48280 |
| अपर्मश् च | ११२२ | अधर्म्यो हि मृ | १०६१ | अधिकृतो द | ८३६ | अधीयत दे | . १९३ |
| अधर्मरूपो | 2889 | | २१३१ | अधिकृत्य म | २४६१ | अधीयतेऽध्या | ६०१ |
| अवमरूपा अधर्मविज | २७६६ | | ३६ | अधिकृत्यामि | १८५८ | अधीयन्ते त | ५६० |
| अवमावज | ર | ्राध्यातं त 🗸 | ८५, 44०१ | अधिकेन वृ | *\$\$o% | अधीयन्तेऽध्या | , ५६०, |
| | 2020 | | ३८० | अधिके न वृ | ,, | अधीयानो ह्या | क्क६०१ ९०२ |
| अधर्मविजि | २०१६ | | ४८६ | | कृ २८० ४ | 1 | , , , २४३६ |
| अधर्मवृत्ते | ६०८ | | ; ४९७ | 1 | ,, | अधीयीत ब्रा अधीये वाय | २०२५ १२१० |
| अधर्मव्यव | १११८ | | ् ९६ | 1 | ३ ३६ | अधाय वाय अधीश्वरं त | ८३५ |
| अधर्मशील | १३६६ | अधा मना प अधा मही न | , YY 0 | 1 | २६ १ | | 880 |
| अधर्मशीली | १४२९ | अधायो विश्वा | | आवयग | | अधीहि भग | |
| | १९८५ | | | 10114433 | ३३६ ४६२ | अधुना लिखि | १८४७ * २३८६ |
| अधर्मस्थे हि | ६०८ | अधार्मिकं त्रि प | | | | 1-13 | ∓रर८५ २८५७ |
| अधर्मस्य प्र | २१५४ | अधार्मिकांश्च | ९९० | 1 | হঙ | अधृब्यं पर | |
| अधर्मस्यापि | 2000 | | १२२१ | 1 | #७५, ७७ | 1 - | ०६, ८२६ |
| अधर्माः संप्र | १०७३ | अधार्मिकाद्धा | ३५६ ९ | अधिपत्न्यसि | . ७७ | अधेतुं दस्ना | 46 |
| अधर्माञ्चैव ७ | ६३,११२५ | अधार्मिकाभि | २१६० | अधि बृद्धः प | ३७८ | अधेन्वा चर | ४४२ |
| अधर्मादपि | 900 | I surrefrance for | १५०१ | अधि यदपां | 6 | अधैर्यमपि | *१२९० |
| अधर्माद्व | 96 | | १२२६ | अधिरूढा न | २४८७ | 1 - 7 - 1. | २७५३ |
| अधर्मात्र ध | १३८ | 1 00 0 | ५८० | अधिरोहन् | २४८६ | 1 | १८४५ |
| अधर्मा सूच | | ९ अधार्यो जाय | २६ १५ | अधिरोहन्त्य | | अधोऽधो बध्य | १४९२ |
| अधूमेंण ग | २७९ | ८ अधा वयमा | * | 1 | | अधो नाभ्या न | २७६३ |
| अधर्मेण च | *१८९ | ५ अधा सपत्ना | હ | । अधिवास्य च | . २९८१ | अधोमुखाङ् गु | २९८ २ |
| | | | | | | | |

| , अधो हि वर्ष | ષ્ હ | १ अनङ्गपुत्रो | 1909 | अनन्तश्च म | 205 | 'arantar a | T 61 |
|-----------------|---------------|------------------------|-------------------|--------------------------------|---------------|-----------------|-------------------------|
| अध्यक्षश्चेषां | | अनहुद्व्या | ૨ <i>૧</i> ૬૭૬ | ı | ः २ऽ५ २९७७ | ्रअनमीवा व | ٠, |
| अध्यक्षसंख्या | १३९० | भनडुह्येव अनडुह्येव | | 1 - | | 1 1 1 | २५१, २५७ |
| अध्यक्षान्विव | २ ३ २९ | | - | अनन्तान्येव | ७२४ | 1 -1 1 -110 00 | - • |
| | 2348 | 1. • | २५३ | 1 . | *१ ४६७ | 1 | |
| अध्यक्षास्ते च | १७३७ | 1 | - | अनन्ता स्त्री तु | " | अन्या चित्र | |
| अध्ययनं य | 980 | | १६६ | | * ,, | अनया जहि | |
| अध्ययनका | | 1 | २७९ | अनन्त्यं तं सु | २००९ | | |
| | १६२९ | | १०७४, | अनन्दनम | રંેર૮૧ | अनयाऽनुम | - ૨૪૮ |
| अध्ययनपा | ′२६५८ | 1 | २१८, १६९३ | अनन्दन म | * ,, | अनयापन | १५७९ |
| अध्यर्धे कर | * १४७२ | | ४२६ | अनन्यभावा | २४७० | अनयाऽपि | सू २५०, ३१३ |
| अध्यधेन स | २७१८ | 1 . | ९६६ | अनन्यखत्व | १८७९ | अनया मेऽष | गिर५०,३१३, |
| अध्यवस्यति | २१३२ | | ९०० | अनन्यां पृथि | ८७२ | | ३ १९ |
| अध्यात्मज्ञो हि | ९०५ | | १७६३ | अनन्याः स्वामि | २३४६ | अनया हत | # ६ ४५ |
| अध्यापकं कु | २७५५ | अनधीयानो | ९०३ | अनन्बज्बालि | * 2999 | अनयेनोप | ६०९ |
| अध्यापनं या | ९१० | अनध्ययनो | ८९७ | अनपकारो | २१६४ | अनयैव त | १९४७ |
| अध्यापयेद्या | २४३६ | अननुज्ञातो | १६२९ | अनपकृत्य | २६२ <i>०</i> | अनयो नय | १०४५ |
| अध्यायः प्रथ | ११५० | अननुरूपं | १८३४ | अनपजय्य | | अनयोर्वीर | २७ ९७ |
| अध्यायानां स | ર | अननुष्ठाने | १८०१ | | ५२८ | अनयोस्तु नि | ६४८ |
| जन्यायामा स | ५३१, | अनन्तं सुख | २८५१ | अनपरुष्य | ३४१ | अनर्थे संश | २३७५ |
| | ५७८ | अनन्ततेजा | २८७०, | अनपरुध्यो | ३३९ | अनर्थकं घ | * ? ३ २ ५ |
| अध्यास्ते देव | २५४४ | | २८७४ | अ ^न पसारः | २२५२ | अनर्थकं वि | १०३७ |
| अध्यास्योद्वाह | # ११०७ | अनन्ततेजाः | १०३८ | अनपाश्रयो | १८५० | अनर्थकम | # २०४ ६ |
| अध्येतव्या त्र | ५६० | अनन्ततेजो | * ₹८७० | अनपाहत | ६४५ | | ६६० |
| अध्येतृणां त | ३००३ | अनन्तमाया | ५९० | अनपेक्षमा | २८८१ | अनर्थदर्शि | ८४७ |
| अध्रुवे जीवि | २००९ | अनन्तमाहा | 1 | अनपेक्षित | • १३४५ | अनर्थमर्थ | १०४३ |
| अध्रुवेण सा | १००३ | अनन्तरं क्ष | ७३८, ८२४ | अनपेक्ष्यैव | | अनर्थमर्थ | १५४६ |
| अध्रुवो हि ज | २५५२ | | *१३२१ | अनभिज्ञाय | | अनर्थस्य न | ६४८ |
| अध्वर्यु हि नि | १६१२ | अनन्तरं ग | २९१२ | अनभिज्ञा हि | | अनर्थीश्रार्थ | २००९ |
| अध्वर्धुर्बल | * १६१७ | अनन्तरं च | २७१८ | अनभिमुख | | अनर्थाः क्षिप्र | ११७२ |
| अध्वा जितो या | १०४२ | अनन्तरं त | # १९०४ | अनभियुक्त | | अनर्थाः संश | # २३७५ |
| अध्वानं वै प्र | २६ २ | अनन्तरं त्व | २०१८ | अनभियोग | | अनर्थाय य | # २०० ३ |
| अनंशो वा त | | अनन्तरः क्ष | र २ ५ र | अनभिसर | | अनथीयानु | ર |
| अनंशी क्लीब | | अनन्तरः श | 1001 | ઝનાનવર अ નમિસ્ ર્દ્ધ | 1424 | બનયાયાનુ | : १ ,९८ <i>९</i> |
| | 1 | अनन्तरथ | ' ' | - | १३९७ | अनथार्थम | ६२३,१२२३ |
| अनक्षरं च | 1 | अनन्तरप्र | 1 | अनभ्रेचम | २४८९ | अनथोश्चार्थ | क्ष२००९ |
| अनग्निकाः सो | | अनन्तरम | | अन्भ्रेवावि | २४८२ | अनर्थैर्विप्र | ६३४,२०४२ |
| अनग्निज्वल | | अनन्तराः क्रि | २८६२ । | अनभ्रे विकृ | | अनर्थोऽधर्मः | १९३० |
| अनग्निदीप्य | २९२२ | अनन्तरोऽपि | १८५८ | अनभ्रे वैकु | 1 | अनुर्थी ब्राह्म | • |
| | | | | • | 77 (| भागना आख | ११०२ |
| | | | | | | | |

| अनर्थोऽर्थ इ | ૃ ૧ ૧ ૧ ૫ | अनागतेन १ | ८९०, २०४३ | अनाप्तषचा | # ₹४२५ | अनासन्नेष्य | •१६८२ |
|------------------------------|----------------------|-----------------|------------------|---|----------------|-----------------|----------------|
| अनर्थ्यसंयो | ३ १५५८ | अनागमं भु | ८५७ | 1 | १५१६ | अनासन्नैः स | १२४९, |
| अनर्थानां च | २१५ ४ | | ७७० | • | ٠,, | | १७७२ |
| अनथ्यश्चि प्रि | १७०५ | श्चान्त्रेराप | १११५, | | १६ | अनासो दस्यूँ | ફે ૭૭ |
| अनर्हानपि | २००८ | | ११२१ | 1 | # १ ७०९ | अनास्यं वाऽप्य | २९१५ |
| अनलश्चानु | २७०२ | अनाच्छद्याः | | 1 | १२४१ | अनाहताः पा | २४८६ |
| अनलानिल | २५३० | अगाजाध्य ल | | | २०८० | अनाहता दु | २४८९ |
| अन ल्पैरपि | १५१३ | 91-110-11-411 | | | ८२५ | अनाहार्यः शु | २३३७ |
| अनवं नवे | १३७९ | 111.5 | २६७३ | | ६०५ | अनाहार्यः स | १६३५ |
| अनवगाह | २ ४५ <i>४</i> | 1 21.11/1/121.5 | १७०३, १७१८ | 1 | ६०४ | अनाहार्यः सु | २३५ १ |
| अनवशात | १९९७ | | | अनायुक्तो म | १८०१ | अनाहार्यप्र | १२२९ |
| अनवद्या स | २९६० | अनाथवत्सु | 282 | 1 | ११२५ | अनाहार्यश्च | २३३८ |
| अनवद्या सु | २९७७ | अनाथस्य नृ | ७२१, | | १०४० | अनाहार्याः प | २६७० |
| अनवसर्पो | १६६४ | | ८१९, ८२६ | | २३९५ | अनाहार्यान्क्ले | १६५५ |
| अनवस्थाप | १७११ | अनाथां च त | | 911111111111111111111111111111111111111 | २३७५ | अनाहार्ये भ | १८३७, |
| अनवस्था ह्य | १७७० | अनाथां च र | | अनारम्भे हि | * ,, | | |
| अनवस्थित | २११८ | अनाथाः परि | , | अनार्जवैरा | ५७० | अनाहार्योऽनृ | 2336 |
| अनवासं च | ξ00 | अनाथाः पार | * २३९८ | अनार्तवं पु | २४८९ | अनाहार्यो नृ | * १८३७, |
| अनवाप्य च | १३१३ | अगायाः पार | त्य ७८०, २३९८ | अनार्ती ह वा | २२६ | - High C | # ₹₹₹७ |
| अनवेक्षित | १३४५ | अनाथानां त | | अनार्त्ये त्वेत्ये | | अनाहितभ | २३६४ |
| अनवारात अनवेक्यैव | | अनाथानां द | 50 | अनार्यवृत्त | | अनिगृहीते | प९ |
| अनवेक्ष्येष | | अनाथानां न | | ı | | अनिच्छति प | २६६ ९ |
| अ नव्यव हि | . ६४५ | अनादरो वि | २००२ | 1 | 2 288 | अनिच्छन्त्यो वा | |
| अनम्बन्धः अनस्तंश्च त्र्य | 3 4°\ | i | | अनाया जाय अनालक्षित | २८ १ १ १५२० | | |
| _ | <i>२</i> ०४४ | अनादिनिध | २८७० | | | अनिच्छन्नपि | ८२५ |
| अनसूयाऽऽर्ज अनसम्बद्धाः | | अनादिमध्य | ५९० | अनालोकं लो | १२७७ | अनिच्छमानः | २४५० |
| अनसूया ह्य | ११८३ | अनादिश्चाप्य | ८१७ | अनाविद्धया | ४९२ | अनित्यं सर्व | २००७ |
| • • | ९, ६५८, | अनादेयं ना | ७०५,१३४४ | अनावृष्टिभ | २४८४, | अनित्यचित्तः | १२८८ |
| ४६४५ अनागतं य | , १६२३ २००७ | अनादेयस्य | " " | | १७,२९१९ | अनित्यत्वाच | १२९३ |
| अनागतं वि | २०४४ | अनाधृष्टा अ | হওৎ | अनावृष्टिर | ६३५ | अनित्यत्वात्तु | * ,, |
| अनागतं हि | १८९० | अनाधृष्टाः सी | १४८, २७४ | अनावृष्टिश्च | १५७८ | अनित्यमिति | २३८९ |
| अनागतम | १२१०, | अनाधृष्टा स्थ | २७८, २७९ | अनाशकाग्न्यो | २३९७ | अनित्यस्तु श | २०९३ |
| . २००८ | , २०१८ | अनाधृष्या भ | i | अनाशनाग्न्यो | # ,, | अनित्यो विज | १९३४ |
| अनागतवि | १२४४, | अनापत्सहा | - 1 | अनाशयित्वा | 1 | अनिन्दा पर ७५ | |
| 2080 | , २०१८ | अनापदि न | | अनाश्रयो दु | | | ७९४,८२४ |
| अनागतसु | २०४४ | | ૪૬ ષ | जनाश्रतः ख्या अनाश्रितः ख्या | • | अनिबद्धां कृ | २८७४ |
| अनागता त | २०१९ | अनाप्तः सन्ना | . ૨૪૨૫ | | - 1 | | ४९, २७८ |
| | | | | | | | -, - |

| | | 1 | A 3 4 | | 2/15 | ਆੜ ਜਗਵਕਤ | 2000 |
|--------------------------|--------------------|------------------|-----------------------|------------------|--------------|----------------------------------|------------------------|
| अनिमित्तं तु | | अनीकस्य च | | अनुप्रहेण | २८१६ १२०५ | अनु त्वाऽवतु अनु त्वेन्द्रो म | २४४ |
| अनिमित्तात् सं | #१३ २६ | अनीकिनीं द | १४९९ | | ર | = | २४ ३ ११९९ |
| अनिर्देश्याव | 歩く そり | अनीकिनी सा | २७२१ | अनुग्रहे सं | १८५९, | अनुत्साहः स | |
| अनिर्दृतेन | २००१ | | १०८३ | | ३,१८६४ | अनुत्सेकः ख | ८९९ |
| अनिर्वृत्तेन | 學 77 | अनीतिपव | १२८० | अनुग्रहो यो | १८३५ | अनुदके कू | २३१८ |
| अनिष्टत्तेन | * ₹५४० | अनीतिरेव | ७६ १ | अनुप्राह्मिम | ६७५ | अनुदके च | २६११ |
| अनिवेदित | १३१३, | अनीतिस्ते तु | १७४३ | अनुग्राह्य च | २५९३ | अनुदर्शित | २३९० |
| | १३५३ | अनीर्षुर्गुप्त | १०६४ | अनुचारी सु | २९९९ | अनुदुष्येयु | २३८४ |
| अनिवेद्य भ | १२३८, | | २३९४ | अनुचिन्त्याऽऽत्म | २७९६ | अनुद्धिन्नो वि | २९१४ |
| | २३५० | अनीश्वरा वि | ७९६ | अनुच्छेद्यम | १८३९ | अनुद्विमः का | २०४६ |
| अनिशम्याशु | २४४४ | | - 1 | अनुजीविग | १७१४ | अनुद्वेगक | १८३० |
| अनिश्चयज्ञा | ५८९ | अनीश्वरो ब | : | अनुजीविवृ | ६७३ | अनुनयस्त्रि | १८३४ |
| अ निश्चितोपा | २१९१ | | · · | | ५७६ | अनुनीय य | २००३ |
| अनिष्टं चाप्य | ८१३ | अनुकामस्मै | i | | | अनुनेतुं त | ११२१ |
| अनिष्टचिह्नो | २५ ० २ | अनुकूलं प्रि | १७१३ | अनुजीवी ख | # 33 | अनुपक्रामु | ३२९ |
| अनिष्टतः सं | १३२६ | अनुकूले य | २४१६ | अनुज्ञया चा | ८४२ | अनुपद्रवं | १४०३ |
| अनिष्टमस्य | १६२६ | अनुकूलो भ | १६८८ | अनुज्ञातस्त | २१०३ | अनुपयोगि | १२०४ |
| अनिष्टवाक् | १४२८ | अनुकूलो मृ | २५०७ | अनुज्ञातस्त्व | १२११ | अनुपलब्ध | १२४८, |
| अनिष्टरा ब्दा | २५१५ | अनुक्तवच | २९१२ | अनुज्ञातस्याभ | २७१८ | १७ | ७०,१७९९ |
| अनिष्टेनान अनिष्टेनान | २०७०, | अनुक्तवादी | १६६८ | अनुज्ञातेषु | १८९६ | | રહ १९ |
| Olisies III | २४०१ | अनुक्त्वा त्वं घ | २४३९ | अनुज्ञातोऽथ | २९३७ | अनुपादे तु | * " |
| अनिष्टेष्वि प | २८ ४३ | अनुक्रमेण | २३४० | अनुज्ञाप्य मृ | १२२१ | अनुपायपू | १९३२ |
| अनिष्टेरद्भु | २६५ ६ | | १६९७ | अनुज्ञायाम | १०५४ | अनुपायप्र | १०३९ |
| अनिष्टोपेक्ष | १५३४ | अनुकोशं वि | ५९६ | अनुतिष्ठश्च | १७९२ | अनुपायेत ११० | ४, १३८७ |
| अनिष्ट्वा च म | १०४९ | अनुकोशिक | * ,, | अनुतिष्ठ त्व | ५९७ | अनुप्रविष्टाः | २६२८ |
| अनिष्पने शा | રંરરપ | अनुक्रोशादा | क्ष | अनुतिष्ठन्ति ५४९ | ,१२१०, | अनुप्रवन्ति | # 38 9 4 |
| अनिसृष्टं वि | १३२९ | अनुगच्छेयु | २८८७ | | २२०९ | अनुप्रबन्ते २४ | ९५,२४९६ |
| अनिसृष्टानि | १०५४ | अनुगम्य ग | १३२० | अनुतिष्ठस्व | ५६५ | अनुप्रवन्तो | # २४९६ |
| अनीकं दक्षि | २७०८ | अनुगा वाय | # २४ ९५ | अनुतिष्ठेत्स | १७९२ | अनुबन्धं च | १०३९ |
| अनीकं ये प्र | २६० २ | 27773 | ७९९ | अनुतिष्ठेत्स्व | १०७० | अनुबन्धं त | क २०४६ |
| अनीकं ये वि | ø ,, | अनुगृह्णनप्रजाः | १०३६ | अनुत्तमा सु | #२९६० | अनुबन्धं प | १९७१ |
| अनीकप्रमु | ૨ ૭ ૦ ૫ | अनुगृह्णाति | ८१७, | अनुत्थानभ | २३८३ | अनुबन्धव | २०४६ |
| अनीकमिति | २७३३, | | ५,२०९ २ | अनुत्थानव | २३८८ | अनुबन्धश्च | २००१ |
| -4.45 61.41.11 | २७३८ | (| १३२८, | अनुत्थाने घ्रु | ११०५ | अनुबन्धाः शु | १८८९ |
| अनीकयोः सं | २७६७ | | १,१९१७ | अनु त्वां तात | | अनुबन्धान | १०३९ |
| अनीकस्थप्र | १३९४ | अनुग्रहश्च | ६२९ | | | अनुबन्धे तु | १२१७ |
| अनीकखान | १६६९ | अनुग्रहाय | #२८१६ | अनु त्वा तात | | अनुबन्धे त्र | |
| | | | | | 40 | 1 -124.4 4 | 4 99 |

| | | 1 | | | | | |
|---------------|---------------|---------------|----------------|-----------------|---------------|-------------------|---------------|
| अनुभूतसा | | अनुराधां प्रा | | अनुशिष्यात् | | अनृतं हि म | १०८ |
| अनुभूतस्य | १८३८ | अनुराधा त | २४७२, | | | अनृतेन हि | १०८,१०९ |
| अनुभूता भ | ११२३ | | २९५७ | 1 | ३३२, ३३३ | अनृतेनोप | १६८८ |
| अनुभूयेह ६ | ०३, १०६४, | | २४७१ | | ३२४ | अनृते भदि | ७२९२४ |
| | २८१७ | अनुरूपं न | २८०४ | अनुष्टुभैव | ४३५ | अनृतौ तु दि | ,, |
| अनुमत्यै पु | ११४ | | १८९५ | | * १७९२ | अरुत्वभूमि | १५६७ |
| अनुमान्य गु | ५६६ | अनुरूपाणि | १६९८ | अनुष्ठीयमा | २४१८ | अनृत्विजं हु | ६०२ |
| अनुमान्य म | ५६ १ | अनुरूपेण | १६२६ | अनुसृत्य ग्र | १६५४ | अरृत्विजा हु | ÷ ,, |
| अनु मामा त | र ३४ | अनुलम्बेव | ३२७ | अनुसृत्य व | २७६१ | अनृशंसश्च | १०६२ |
| अनुयन्त्रायु | १४७७ | अनुलिप्तस्त | ९५९ | अनु खधा नि | व २४४ | अनृशंसाः स | *१६३२ |
| अनुयात्रं ज | २५ १३ | अनुलिप्तोऽलं | ९६ ० | अनु खधा म | १९ | अनृशंस्यप | ८२६ |
| अनुयानाप | १५२४, | अनुलेपन | ७४०,९८४, | अनुहाय त | ३९८ | अनेकचित्त | २११३, |
| • | र६७२,२६८२ | | २ ९०९ | अनु हि त्वा र | षु २२५ | | ११७,२११८ |
| अनुयास्याम | २३५६ | अनुलोमं य | २५१३ | अनु हि भग | ३५२,४६८ | अनेकजाति | # { |
| अनुयुञ्जीत | १०८१ | अनुलोमः सु | २९७ ५ | | વ વ વ | अनेकतन्तु | ८९५ |
| अनुयुध्यन्ति | # ७ ९९ | अनुलोमग | २४६८ | | २७०९ | अनेकमुख्य | २५७४ |
| अनुरक्तं च | २९४३ | अनुलोमम | २७२५ | | ७९२,११२३ | अनेकमुख्यं | १४५२, |
| अनुरक्तं वि | १८७६ | अनुलोमसु | २९४९ | | २८४४ | | १५०९ |
| अनुरक्तं स्थि | ं १२९६, | | २०१५ | अनूपाधीश्व | २८४१ | अनेकयन्त्र | २३४७ |
| | २१६९ | | * ₹९४९ | अनूपा सुम | २९६ <i>०</i> | अनेकयुद्ध | રેશ્વશ |
| अनुरक्तः ग्रु | १६७२, | अनुलोमा ग्र | २५०७, | अनूपे तु वृ | | अनेकराज्या | १५८८ |
| | १६८६ | | २५१४ | l | १५२९ | अनेकरूपा | ८९३ |
| अनुरक्तप्र | २०६२ | अनुलोमा त | #२५० ७ | अनूराधा त | *२९५७ | अनेकवाद्य | |
| अनुरक्ता स्थि | # १०८७ | अनुलोमा सु | *२९४९ | अनृग्यजुर | ५८१ | अ नेक विज | ः २११९ |
| अनुरक्ता हि | ,, | अनुलोमास्त | २५ ०७ | अनृजुस्त्वनु | १२४२ | अ नेक वेश | १६५६ |
| अनुरक्तेन | | | # २३ ९५ | अनृणस्तेन | २०३६ | अ नेक शत | |
| • | 20219 | | | अरृतं च व | १३६० | ज् नम्ब रा | २७०४, |
| अनुरज्यन्ति | 30.35 | अनुवषट् | २०८ | अनृतं जीवि | २७९७ | अनेकशिल्पा | २७०७ १६६३ |
| अनुरागं सु | ५५४६ । | अनुवाकह १० | ०४६,२३७९ | अनृतं ज्ञाज्ञ | ६१५ | | १६६२ |
| अनुरागक | ७३४,७४८, | अनुवाति शि | २५०१ | अनृतं ज्ञानि | 454 | अ नेका युध | १५४३ |
| | ७८६ | अनुवाति शु | ø ,, | अनृतं तु व | १३४२. | अनेकासन | ८९३ |
| अनुरागप्र | | अनुव्रतः पि | ३९५ | | १३६२ | अनेकेषु चा | २२२ |
| अनुरागश्च | १२९९ | अनुत्रताय | ३७० | अनृतं नारा | १०८ | अनेन ऋतु | *२७६ ९ |
| अनुरागात्त | ७८६, | अनुव्रता रो | | अनृतं मन | ४२१ | अनेन क्रम | १८७० |
| 27.77 | ११२२ | अनुशासद्धि | | अनृतं वै वा | 1: | अनेन गच्छ | ११३५ |
| अनुरागाप | ९४६, | अनुशास्ति य | | अनृतं स्त्री शू | 77 | अनेन चेन्द्र | #२८१ ६ |
| • (| \$000 | अनुशास्सि य | ,, | अन्ततं हि गा | | अनेन तुम | ૨ ફ૬५ |
| | | | | • | , | ••••••• | 14.34 |

| अनेन मण्ड | १८५१ | ¦अन्तःकोपो वि | वे १९५ ७ | अन्तकोऽसि मृ | २४७८, | अन्तरे द्रोणि | २७५३ |
|--------------------------|-----------------|-----------------|-----------------|------------------|---------------------------|--|---------------------|
| अनेन मन्त्रे | २५२९ | अन्तः कोशगृ | | | દ ૨ ૪७ ९ | अन्तरेभ्यः प | १०७१ |
| अनेन माता | * १०२९ | अन्तः कोशग्र | * ,, | अन्तत एव | · ४३३ | अन्तरेमे न | ५०७ |
| अनेन यदि | #२७३ १ | अन्तः पश्यनि | त ३० | अन्ततः सर्वे | २२२ | अन्तरे रथ | २७५३ |
| अनेन वय | ८४६ | अन्तःपात्रे रे | ५१७ | अन्ततो दयि | २००१ | अन्तरेषु द्वि | १४४७ |
| अनेन वाऽन्ये | | अन्तःपुरं सं | ९४३ | अन्तपादे भ | २८७८ | अन्तरेषु वा | २६० ९ |
| | १९३१ | अन्तःपुरग १ | ६६१,१६६५ | अन्तपालः प | १५६४ | | १२१२ |
| अनेन विज्ञा | १८३४ | अन्तःपुरच | ९६०,१६८८, | अन्तपालः स | २२८ <i>१</i> | | २०११ |
| अनेन विधि | ११२१, | _ | ७१७,२३३८ | अन्तपालमा | | अन्तर्गतामि | |
| <i>⇔१५१</i> | ५,२६०२, | अन्तःपुरज | १७१३ | अन्तपालवै | | अन्तर्गहग | १५८८ |
| २८८ | ८,२९१३, | अन्तः पुरपु | २६२४ | अन्तपालांश्च | १६७८ | e · | ९७३ |
| | २९८६ | अन्तःपुरप्र | ९४६, ९७७, | अन्तपालो वा | २६३ <i>०</i> | अन्तर्गृहच | १६४७ |
| अनेन विनि | १५१५ | | ०१२,११२४, | अन्तरं कार्य | २४०० | अन्तर्गृहे ग्र | २५११ |
| अनेन व्यव | १८१० | 1 | १७७७,२८१३ | अन्तरं त्र्यङ्गु | | अन्तर्दुष्टो नि | १२३४, |
| अनेन सम | २७९० | अन्तःपुरस्य | २९३८ | अन्तरं लिप्स | १५१६ | | २३४९ |
| अनेनाऽऽत्मा क | ९२७ | अन्तःपुरस्या | ९८१, | अन्तरं ह्यस्य | २००१ १९०४ | अन्तर्दोषं स | ७२३ |
| अनेनान्येन | १९३१ | | २३३५ | | | अन्तर्द्वीपं स्थ | १४४५ |
| | ३ ३४५,३४६ | अन्तःपुराद्वा | २५२३, | अन्तरप्रभ | १४७३ | अन्तर्धमिव | १५३१ |
| अ ने नासंप | २०२,२०५ १६५७ | | २५५० | अन्तरमात्य | १५५४ | अन्तर्भेहि जा | ५१९ |
| अनेनैव तु | | अन्तःपुरेक्ष | २३५२ | l | १८९८ | अन्तर्बलं प्र | ર લ્ ૨५ |
| अनेनैव प्र अनेनैव प्र | २८९७ | अन्तःपुरे च | #९९ २ | 1 | १४४० | | ०३८,८२३, |
| | २५२८ २६ २०५४ | अन्तःपुरे त | १०९७ | अन्तराणां च | २६ ०५ | - | ४९,१२ ३ ० |
| अनेनैव वि २८ | ર | अन्तःपुरे पि | | अन्तरात्मनि | ८६७ | अन्तर्भी रू न् | २६६९ |
| २९७ | ८,२९८५, | अन्तःपुरे पु | १९८७ | अन्तरा द्यां च | ४०४ | अन्तर्मा रून् अन्तर्मृदुर्व ११ | |
| | #२९८६ | अन्तःपुरे म | १९६५ | अन्तरा द्यावा | २४६ | | |
| अनेनैवात्र | क्ष १९९१ | अन्तःपुरेषु | ९९२ | अन्तरा पूर्व | १७९ | | ९७४,९९२, ०७,२६७७ |
| अनेनैवानु | ,, | अन्तःप्रकोपं | २१ २४ | अन्तरा प्रभ | ७१ ४७३ | २५ अन्तर्विशॅल्लि | |
| अनेनैवाभि | १२३० | अन्तः प्रभत्वं | १३६३ | अन्तरारूढ | २७५२ | अन्तावशाल्ल अन्तर्वेश्मनि | २७०१ |
| अनेनैवोपा | १९३१ | अन्तः प्रविश्य | | अन्तरा विल | ५९४ | | ९६३, ४८,१७९८ |
| अनेयस्याश्रे | २४२६ | अन्तःशत्रुर | | अन्तरिक्ष उ | *२४१ | अन्तर्हिताः सो | १२२२ |
| अनैशानि त | २९२३ | | | अन्तरिक्षं जा | ५१३ | अन्तर्ह्याख्य दु | |
| अनैश्यानि त | * " | अन्तःशिखं व | | 1 | 10,1 | | ४९१ |
| अन्तं गत्वा क | २४२९ | अन्तःसर्प इ | १२१४ | अन्तरिक्षस्यो | ४६६ | अन्तवन्ति प्र | ५८६ |
| अन्तःकोपं चो | १९५८ | अन्तःस्थचतु | २७०१ | अन्तरिक्षाय | ७७ | अन्तश्चाऽऽकाश | |
| अन्तःकोपब | #१९५७ | अन्तःस्थिते ग्र | | अन्तरिक्षे च २४ | ८३,२९१६ | अन्तश्चाऽऽदिश्च | ६ १५ |
| अन्तःकोपा वि | | अन्तःस्थैः संि | वे १४९७ | अन्तरिक्षेऽथ | २५२८ | | १९२० |
| अन्तःकोपो ब | ,, | अन्तः स्ववर्गि | । २६७७ | अन्तरिक्षे व | २४८८ | अन्तान्वः प्रजा | १९२ |
| अन्तःकोपो म | 99 | अन्तकाले च | ५८८ | अन्तरीक्षा च | 42999 | अन्ताश्चाकाल | <i>>,</i> |
| | | | | • | | to a mean high | *0 2C |

| अन्ति मध्ये त | १५१२ | | ३५१ | अन्नाचमस्मि | ३४४ | अन्यत्र मर | २००६ |
|-------------------|----------------|------------------|------------|-------------------|-------------------------|------------------|-----------------|
| अन्ते चागणि | * २६७७ | अन्नं तु विवि | २८५० | अन्नाद्यमेवा | २७२ | अन्यत्र राज | १३२२ |
| अन्ते श्वगणि | * ,, | अन्नं ददाति | ६१६ | अन्नाद्यनैवै | र २७२ | अन्यत्र वस्तुं | २०४१ |
| अन्तेष्वन्तपा | १३९० | अनं यो ब्रह्म | ३९८ | अन्नेन विष | ९८६ | अन्यत्र वा प्रे | २५६ १ |
| अन्तेष्वपि हि | क १०४१ | अनं वा इळा | ३५९ | अन्ने प्राणाः । | | अन्यत्र वेस | २९२९ |
| अन्त्यं मध्यं प | १५२० | अनं वा ऊर्गु | २६९,२७७ | अन्नैर्वस्त्रेश्च | २९१२ | अन्यत्र व्यश्व | २७५४ |
| अन्सर्ज त्वन | १११७ | अन्नं वै प्राक्प | ९८२ | अन्यं चानर्थ | १९१९ | अन्यत्र श्रोत्रि | २८१६ |
| अन्यजानां स्वा | " | अन्नं वै वाजः | १०८,१०९, | अन्यः कार्याः | | अन्यत्राकुली | २८१४ |
| अन्त्यपाषण्डा | " | | ११० | अन्यकार्यावि | १५९८, | अन्यत्राऽऽत्ययि | ९९३ |
| अन्त्यायामप्य | १०६५ | अन्नं ह प्राणः | १८३ | V1.4484114 | १६११ | अन्यत्राऽऽपत्ति | #१३५७ |
| अन्त्येष्वपि हि | १०४१ | अन्नक्षयान्नि | २७०१ | अन्यगृहद्वा | १४८५ | अन्यत्राऽऽपद | ८४९ |
| अन्त्रेण पृथि | 9 2869 | अन्नदः सर्व | ७४० | अन्यगोत्रं प्र | 4८८,८४५ | अन्यत्रापि कृ | १९५२ |
| अन्त्रैर्वा वेष्ट | २५०५ | अन्नपानम | १६५४ | अन्यच स्वस्व | | अन्यत्रापि स | २००८ |
| अन्त्रैविंचेष्ट | ∜ ,, | अन्नपानवि २ | ३५२,२८५६ | अन्यजातिव | ર ૬૨૬ | अन्यत्राभ्यव | २०३० |
| अन्त्रैविवेष्ट | \$,, | अन्नपानेन्ध | १४०६, | अन्यतरतो | ३०५ | 1 | ** ૨ ૭५૪ |
| अन्ध इव व | ९०४ | | २३३० | अन्यतरसि | २१९८ | | १९८६ |
| अन्धं तम इ | ५६३,८०५ | अन्नपिण्डं त | २८८३ | अन्यतस्तेन | ६८१ | अन्यथा चिकी | १८०१ |
| अन्धः पश्यति | ६८२, | अन्नप्रदस्य | ७४२ | अन्यतेजोम | २८५ ९ | अन्यथा तुल्य | २३२३ |
| | ८७९ | अन्नप्रदान | ७३० | अन्यतैजस | २८७७ | अन्यथा दण्ड | १७४८ |
| अन्धः खादन्ध | १८८६, | 1 | १३५९ | | | अन्यथा दुःख | २५ ९५ |
| _ | २०४४ | 1 | २९३१ | अन्यतो विग्र | १२५४, | अन्यथा द्वाद | ૨ ૨५૨, |
| अन्धबधिर | \$ १३०८ | अन्नमिव स्थि | २४८३ | भारत मधार | २०९२ २८१४ | | २२९५ |
| अन्धमूकब | ,, | अन्नमुचाव | ६५८ | अन्यत्तु यथा | ५८ <i>५</i> ७१९,१३५६ | अन्यथा नश्य | १४२९, |
| अन्धश्चलित | १५५५ | अन्नमेवास्मा | ३५९ | अन्यत्र कृति | २४५२ १४९२ | -1 | १९८५ |
| अन्धा अमित्रा | #५°९ | 1 . | २११ | | | | વ |
| अन्धा बाह्वासि | २९९९ | अन्नवतामो | २४५ | अन्यत्रकेता | | अन्यथा परि | २३७७ |
| अन्धीकरण | २६६ ० | अन्नव्यञ्जन | १६६१ | अन्यत्र गुप्ति | २२९५ | अन्यथा पाण्ड | २८०० |
| अन्धे तमसि | ષ્દ્ર १, | अन्नसंस्कार | २७९३ | अन्यत्र तत्र | *१४६ २ | अन्यथा पुन | ९०९ |
| | ७३७,७९८ | अन्नस्य च त | ७४२ | 1 | " | अन्यथा मह | २६३७ |
| अन्धो जडः पी | १३४६ | अन्नस्य विव | ९८६ | अन्यत्र ताप | १३२२ | अन्यथाऽऽयुर्ध | ११५८ |
| अन्धो राजा श | १ : ५५ | अन्नस्य वैर | २५२० | अन्यत्र दीर्घ | १४९५ | अन्यथा योजि | १७५२ |
| अन्धो हि राज | ि ८७९ | अन्नस्योष्मा म | ९७४ | अन्यत्र प्रस्थि | २१७३, | अन्यथा रात्रि | २३२३ |
| अन्नं च प्राक्प | *9८२ | अन्नाच्छादन | १७५६ | | ૨ ૧ ૭ ૫ | अन्यथा वर्त | ५९३ |
| अन्नंच मेऽक्षु | ૪५५ | अन्नाद एव | २ ९ | अन्यत्र प्राण | १००५ | अन्यथावादि | २२८० |
| अनं च सबि | ९८३ | अनादायान | ४६४ | अन्यत्र बन्दि | १४९३ | अन्यथा विक्र | बृ १८६, |
| अन्नं चित्रं वि | २९० २ | | १३७८ | अन्यत्र ब्राह्म | १३०९, | | २ १८७ |
| अन्नं जलं प्र | १५३४ | अन्नादे भ्रूण | १९६८ | | | अन्यथा शील | १९९४ |
| | | • | | | ,7 | | |

| अन्यथा संक | २८२४ | अन्याभियोधी | १११६. | अन्येऽप्यत्र भ | १६९७ | अन्यैरमात्य | १२२५ |
|--|---|---|---|---|---|---|---|
| अन्यथा संद | ર ર १८६, | | | अन्येभ्यस्तद्वि | २५६५ | I | २९८४ |
| | 3 | अन्यायकारी | १४२८ | अन्ये ये लोभ | १९५४ | | ९०३ |
| २५८ अन्यथाऽऽसीत | ७,२१८८ २५५४ | अन्यायगामि | १७४० | अन्ये लघुभिः | २८४६ | | २१८४ |
| अन्यथा सूच | 2020 | अन्यायतो ये | १३५८, | अन्ये वै यजु | १९०८ | अन्यैश्च वैदि | १६३१, |
| | | l | १९७८ | अन्ये शब्दाश्च | २५०३ | | २३५१ |
| अन्यथा खप्र | १३६८ | अन्यायदण्ड | १ ९६६ | 1 ' | १०५१ | अन्येश्च शकु | २७०२ |
| अन्यथा हर | १७४७ | अन्यायपरि | ६८१ | | २३७५ | अन्यो अन्यम | ३९५ |
| अन्यथा ह्युचि | १२१९ | अन्यायप्रवृ | ११९९ | अन्येषां च म | १९८७ | अन्यो अन्यस्मै | ,, |
| अन्यथा ह्युषि अन्यदेशीय | * ,, | अन्यायवर्ति | ११४९, | अन्येषां चैव | २८४८, | अन्योदयास | १४२८ |
| | | | १४२८ | | २८८७ | अन्यो धर्मः स | १३२१ |
| अन्यद्वारा वि | २१८ ४ | अन्यायवृत्ति | २०९८ | अन्येषां तदे | २८३६ | अन्योन्यं कृत | २०३५ |
| अन्यद्वा विकृ | २४८४, २९ १ ६ | अन्यायनृद्धि | ९१७ | अन्येषां वाऽपि | | अन्योन्यं चानु | ६२२ |
| अन्यद्वा शरी | 2880 | अन्यायेन तु ७ | २७,२७९७ | अन्येषां वा ब | १३९१ | | प४ |
| | | अन्यायेन न | ११०४ | अन्येषां सुद्द | १५१९ | अन्योन्यं बद्ध | २४५३ |
| अन्यपत्नीज अन्यपत्नीज | ऽ७६,९९० १ ४७५ | अन्यायेन नृ | १३५२, | अन्येषामति | २८३८ | अन्योन्यं भक्ष | ६४६ |
| अन्यप्रकारा | # ७ १ ९, | | १४१४ | अन्येषामन्त्य | १४३० | अन्योन्यं मति | ^२ |
| ज-नमकारा | • | अन्यायेन पु | १६१० | अन्येषामपि | १३०७, | l . | ** १७५ ५ २७१७ |
| | #१३ ५६ | | | 21. 441414 | 1400, | Olidia 111 | 1010 |
| 272777772577 | . 2460 | अन्यायन प्र | ५९४ | 20 | 46 3/46 | अन्योज्यस्यारी | 2 ~ 2 |
| अन्यप्रसत्ता | २४६९ | अन्यायेन प्र अन्यायेन हि | ५९४ १ ३५७ | | ०९,२८५९ ६८ | अन्योन्यकर्मा | ६४१ |
| अन्यराष्ट्रजा | १११९ | | ५९४ १३५७ १३६६ | अन्येषु क्षिप्र | ६८ | अन्योन्यकार्या | * ,, |
| अन्यराष्ट्रजा अन्यलक्षित | १११९ १७७२ | अन्यायेन हि अन्यायेनार्जि | १ ३५७ १३६६ | | ६८ १२५६, | अन्योन्यकार्या अन्योन्यकृत | ≇ ,, २०३३, |
| अन्यराष्ट्रजा अन्यलक्षित अन्यल्यावर्त | १११९ १७७२ १८४० | अन्यायेन हि अन्यायेनार्जि अन्याये व्यस | १३५७ १३६६ १९८९ | अन्येषु क्षिप्र अन्येषु चाप्य | ६८ १२५६, १७८१ | अन्योन्यकार्या अन्योन्यकृत | ≇ ,, २०३३, ३५,२०३६, |
| अन्यराष्ट्रजा अन्यलक्षित अन्यव्यावर्त अन्यस्मिन्तृप | १११९ १७७२ १८४० १८९१ | अन्यायेन हि अन्यायेनार्जि अन्याये व्यस अन्यायेः परि | १३५७ १३६६ १९८९ १०३२ | अन्येषु क्षिप्र अन्येषु चाप्य अन्येषु चैव ९' | ६८ १२५६, १७८१ ५९,२९२४ | अन्योन्यकार्या अन्योन्यकृत ७२० | # ,,ママネネ,३५,२०३६,२०३७ |
| अन्यराष्ट्रजा अन्यलक्षित अन्यव्यावर्त अन्यस्मिन्द्रप अन्यस्मिन् प्रे | १११९ १७७२ १८४० १८९१ १६९१ | अन्यायेन हि अन्यायेनार्जि अन्याये व्यस अन्यायेः परि अन्यायोपेक्षा | १३५७ १३६६ १९८९ १०३२ ९१७ | अन्येषु क्षिप्र अन्येषु चाप्य | ६८ १२५६, १७८१ ५९,२९२४ | अन्योन्यकार्या अन्योन्यकृत | ≇ ,, २०३३, १५,२०३६, २०३७ ८९२, |
| अन्यराष्ट्रजा अन्यलक्षित अन्यल्यावर्त अन्यस्मिन्द्रप अन्यस्मिन् प्रे अन्यांस्तु मन्त्रि | १११९ १७७२ १८४० १८९१ १६९१ १६५६ | अन्यायेन हि अन्यायेनार्जि अन्याये व्यस अन्यायेः परि अन्यायोपेक्षा अन्या बाचोऽङ्ग | १३५७ १३६६ १९८९ १०३२ ९१७ | अन्येषु क्षिप्र अन्येषु चाप्य अन्येषु चैव ९ अन्येषु चैवं | ६८ १૨ ५६, १७८१ ५९,૨९૨૪ # ९५९, * ૨९૨૪ | अन्योन्यकार्या अन्योन्यकृत ७२० | # ,,ママネネ,३५,२०३६,२०३७ |
| अन्यराष्ट्रजा अन्यलक्षित अन्यव्यावर्त अन्यस्मिन्द्रप अन्यस्मिन् प्रे | १११९ १७७२ १८४० १८९१ १६९१ | अन्यायेन हि अन्यायेनार्जि अन्याये व्यस अन्यायेः परि अन्यायोपेक्षा अन्या वाचोऽङ्ग अन्याश्च विवि | १३६८९ १३६८९ १०३७ १६०६ *१६०६ | अन्येषु क्षिप्र अन्येषु चाप्य अन्येषु चैव ९ अन्येषु चैवं अन्येषु दैवा | ६८ १૨ ५६, १७८१ ५९,૨९૨૪ # ९५९, * ૨९૨૪ | अन्योन्यकार्या अन्योन्यकृत ७२० अन्योन्यगुण | ,,२०३३,१५,२०३६,२०३७८९२,११६६ |
| अन्यराष्ट्रजा अन्यलक्षित अन्यल्यावर्त अन्यस्मिन्द्रप अन्यस्मिन् प्रे अन्यांस्तु मन्त्रि | १११९ १७७२ १८४० १८९१ १६९१ १६५६ | अन्यायेन हि अन्यायेनार्जि अन्याये व्यस अन्यायेः परि अन्यायोपेक्षा अन्या वाचोऽङ्ग अन्याश्च विवि अन्याश्च हिद्ध | १ व १ ९ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ | अन्येषु क्षिप्र अन्येषु चाप्य अन्येषु चैव ९ अन्येषु चैवं | €८ १२५६, १७८१ ५९,२९२४ * ९५९, *२९२४ १४९३ | अन्योन्यकार्या अन्योन्यकृत ७२० अन्योन्यगुण अन्योन्यबद्ध | # ,, |
| अन्यराष्ट्रजा अन्यलक्षित अन्यव्यावर्त अन्यस्मिन्द्रप अन्यस्मिन् प्रे अन्यांस्तु मन्त्रि अन्यांस्तु सुप | १११९ १७७२ १८४० १८९१ १६९१ १६५६ ७२८ | अन्यायेन हि अन्यायेनार्जि अन्याये व्यस अन्यायेः परि अन्यायोपेक्षा अन्या बाचोऽङ्ग अन्याश्च विवि अन्याश्च सिद्ध अन्यासनोप | १ ३ ९ २ ७ ० ६ २ ७ ० ६ २ ७ ० ६ ९ २ ७ ० ६ २ ७ ७ ६ ४ ४ ४ ४ ४ ४ ४ ४ ४ ४ ४ ४ ४ ४ ४ ४ ४ | अन्येषु क्षिप्र अन्येषु चाप्य अन्येषु चैव ९ अन्येषु चैवं अन्येषु दैवा अन्येषु प्राय | €८ १२५६, १७८१ ५९,२९२४ *२९२४ १४९३ २८४० १५१० | अन्योन्यकार्या अन्योन्यकृत ७२० अन्योन्यगुण अन्योन्यबद्ध अन्योन्यबन्ध | # ,, |
| अन्यराष्ट्रजा अन्यलक्षित अन्यल्यावर्त अन्यस्मिन्द्रप अन्यस्मिन् प्रे अन्यांस्तु मन्त्रि अन्याद्वा सुप अन्याद्वासुप | १११९ १७७२ १८४० १८९१ १६५६ ७२८ १७४६ २७८६ १२५२, | अन्यायेन हि अन्यायेनार्जि अन्याये व्यस अन्यायेः परि अन्यायोपेक्षा अन्या बाचोऽङ्ग अन्याश्च विवि अन्याश्च सिद्ध अन्यासनोप अन्ये च दण्डाः | \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ | अन्येषु क्षिप्र अन्येषु चाप्य अन्येषु चैव ९ अन्येषु चैवं अन्येषु दैवा अन्येषु प्राय अन्येषु राम अन्येष्वपि च | €८ १२५६, १७८१ ५९,२९२४ *९५९, *2९२४ १४९३ २८४० १५१० ८६६, | अन्योन्यकार्या अन्योन्यकृत ७२० अन्योन्यगुण अन्योन्यबद्ध अन्योन्यबन्ध अन्योन्यमति | # "" 7 0 7 8, 7 0 7 86, 7 0 7 80 7 9 8 8 8 7 8 4 8 8 7 0 6 8 8 6 9 |
| अन्यराष्ट्रजा अन्यलक्षित अन्यलक्षित अन्यस्मिन्द्रप अन्यस्मिन् प्रे अन्याहेतु मन्त्रि अन्याहा सुप अन्याधिकार अन्यानपि नि अन्यानपि प्र | १११९ १७७२ १८४० १८९१ १६५६ १६५६ १०४६ १२५२, | अन्यायेन हि अन्यायेनार्जि अन्याये व्यस अन्यायेः परि अन्यायोपेक्षा अन्या बाचोऽङ्ग अन्याश्च विवि अन्याश्च सिद्ध अन्यासनोप अन्ये च दण्डाः अन्ये च देव | \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ | अन्येषु क्षिप्र अन्येषु चाप्य अन्येषु चैव ९ अन्येषु चैवं अन्येषु दैवा अन्येषु प्राय अन्येषु राम अन्येष्वपि च | € ८ १२५६, १७८१ ५९,२९२४ #९५९, #२९२४ १४९३ २८४० १५१० ८६६, | अन्योन्यकार्या अन्योन्यगुण अन्योन्यगुण अन्योन्यगबद्ध अन्योन्यबन्ध अन्योन्यमति अन्योन्यमत्स अन्योन्यमत्स | * "," 7 0 7 8, 7 0 7 8, 9 4, 7 0 0 7 8, 8 7 7 0 0 8, 8 7 7 0 0 0 0 8 7 7 0 0 0 9 4 4 0 0 0 9 4 4 0 0 |
| अन्यराष्ट्रजा अन्यलक्षित अन्यल्यावर्त अन्यस्मिन्द्रप अन्यस्मिन्द्रप अन्यास्ति मन्त्रि अन्याद्ता सुप अन्याधिकार अन्यानि पि अन्यानि पानि | १११९ १७७२ १८४० १८४१ १६५८ १६५८ १७४६ १२५२, २३२८ | अन्यायेन हि अन्यायेनार्जि अन्याये व्यस अन्यायेः परि अन्यायोपेक्षा अन्या बाचोऽङ्ग अन्याश्च विवि अन्याश्च सिद्ध अन्यासनोप अन्ये च दण्डाः अन्ये च देव अन्ये च ये कु | \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ | अन्येषु क्षिप्र अन्येषु चेव ९ अन्येषु चेव ९ अन्येषु देवा अन्येषु प्राय अन्येषु राम अन्येष्वपि च १६६७ | \$ 2 4 5 , \$ 2 4 6 , \$ 2 4 6 , \$ 2 4 6 , \$ 2 4 6 6 , \$ 2 4 6 6 , \$ 3 4 6 6 , \$ 3 4 6 6 , \$ 3 4 6 6 , \$ 3 4 6 6 , \$ 3 4 6 6 , \$ 3 4 6 6 6 , \$ 3 4 6 6 6 6 , \$ 3 4 6 6 6 6 6 6 6 6 6 6 6 6 6 6 6 6 6 6 | अन्योन्यकार्या अन्योन्यगुण अन्योन्यगुण अन्योन्यगबद्ध अन्योन्यबन्ध अन्योन्यमति अन्योन्यमत्स अन्योन्यमत्स | # ,, |
| अन्यराष्ट्रजा अन्यलक्षित अन्यलक्षित अन्यस्मिन्द्रप अन्यस्मिन् प्रे अन्याहेतु मन्त्रि अन्याहा सुप अन्याधिकार अन्यानपि नि अन्यानपि प्र | १११९ १७०२ १८४० १८४१ १६५८ १६५८ १७४६ १८१५ १८१७ १४९७ | अन्यायेन हि अन्याये व्यस अन्यायेः परि अन्यायोपेक्षा अन्या वाचोऽङ्ग अन्याश्च विवि अन्याश्च सिद्ध अन्यासनोप अन्ये च दण्डाः अन्ये च देव अन्ये च ये कु अन्ये तु प्रजि | \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ | अन्येषु क्षिप्र अन्येषु चाप्य अन्येषु चैव ९१ अन्येषु दैवा अन्येषु प्राय अन्येषु प्राय अन्येषु प्राम अन्येष्वपि च १६६७ अन्येष्वपि तु | \$ 2 4 5 9 5 9 5 9 5 9 5 9 5 9 9 9 9 9 9 9 9 | अन्योन्यकार्या अन्योन्यकृत ७२० अन्योन्यगुण अन्योन्यबद्ध अन्योन्यबन्ध अन्योन्यमित अन्योन्यमस अन्योन्यमि अन्योन्यमि | # "," 7 0 7 8, 9 4, 7 0 0 7 8, 8 7 7 0 0 8, 8 7 7 0 0 0 0 0 9 7 7 8 0 0 0 0 7 7 7 8 7 8 7 8 7 8 7 8 7 8 8 8 8 8 8 8 |
| अन्यराष्ट्रजा अन्यलक्षित अन्यल्यावर्त अन्यस्मिन्द्रप अन्यस्मिन्द्रप अन्यास्ति मन्त्रि अन्याद्ता सुप अन्याधिकार अन्यानि पि अन्यानि पानि | ११९० १७० १८० १८० १६०० १६०० १००० १००० १५१८ | अन्यायेन हि अन्यायेनार्जि अन्याये व्यस अन्यायेः परि अन्यायोपेक्षा अन्या वाचोऽङ्ग अन्याश्च विवि अन्याश्च सिद्ध अन्याक्षनोप अन्ये च दण्डाः अन्ये च देव अन्ये च ये कु अन्ये तु प्रजि अन्ये त्वरोच | \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ | अन्येषु क्षिप्र अन्येषु चाप्य अन्येषु चैव ९१ अन्येषु चैवं अन्येषु देवा अन्येषु प्राय अन्येष्विप च १६६७ अन्येष्विप यु अन्येष्विप यु अन्येष्विप यु अन्येष्विप यु | \$ 2 4 5 , \$ 2 4 6 , \$ 2 4 6 , \$ 2 5 6 6 , \$ 2 6 6 , \$ 3 6 6 6 , \$ 3 6 6 6 6 6 6 6 6 6 6 6 6 6 6 6 6 6 6 | अन्योन्यकार्या अन्योन्यगुण अन्योन्यगुण अन्योन्यग्वस्य अन्योन्यग्वस्य अन्योन्यमति अन्योन्यमति अन्योन्यमति अन्योन्यम्य | # ", " ? ", " ? " ? " ? " ? " ? " ? " ? " |
| अन्यराष्ट्रजा अन्यलक्षित अन्यल्यावर्त अन्यस्मिन्द्रप अन्यस्मिन्द्रप अन्यासित्द्र मिन्त्र अन्यादा सुप अन्याधिकार अन्यानपि नि अन्यानपि प्र अन्यानि सर्व | ११९ १७२ १८४० १८५० १६५० १६५० १५०० १५०० १५०० १५०० १५०० १५०० | अन्यायेन हि अन्यायेनार्जि अन्याये व्यस अन्याये: परि अन्यायोपेक्षा अन्या बाचोऽङ्ग अन्याश्च विव अन्याश्च सिद्ध अन्यासनोप अन्ये च दण्डाः अन्ये च देव अन्ये च ये कु अन्ये तु प्रजि अन्ये त्वरोच अन्ये त्वरोच | \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ | अन्येषु क्षिप्र अन्येषु चाप्य अन्येषु चैव ९१ अन्येषु चैवं अन्येषु दैवा अन्येषु प्राय अन्येषु प्राय अन्येष्विप च १६६७ अन्येष्विप यु अन्येष्विप यु अन्येष्विप यु अन्येष्विप यु | \$ 2 4 5 , \$ 2 4 6 , \$ 2 4 6 , \$ 2 5 6 6 , \$ 2 6 6 , \$ 3 6 6 6 , \$ 3 6 6 6 6 6 6 6 6 6 6 6 6 6 6 6 6 6 6 | अन्योन्यकार्या अन्योन्यकृत ७२० अन्योन्यकृद अन्योन्यकृद अन्योन्यकृद अन्योन्यमृति अन्योन्यमृति अन्योन्यमृति अन्योन्यमृति अन्योन्यमृति अन्योन्यमृति अन्योन्यमृति अन्योन्यमृति | # ,, |
| अन्यराष्ट्रजा अन्यलक्षित अन्यलक्षित अन्यस्मिन्द्रप अन्यस्मिन्द्रप अन्यस्मिन्द्र अन्याह्य मन्त्रि अन्याद्या सुप अन्याधिकार अन्यानि पि अन्यानि पानि अन्यानि सर्व अन्यान् समी | ११९ १७४० १८६९ १६५८ १६५८ १०४५ १२५८ १५५८ १५५८ १५५८ १५५८ १५५८ १५५८ १५५ | अन्यायेन हि अन्यायेनार्जि अन्याये व्यस अन्यायेः परि अन्यायोपेक्षा अन्या वाचोऽङ्ग अन्याश्च विवि अन्याश्च सिद्ध अन्यासनोप अन्ये च देव अन्ये च ये कु अन्ये तु प्रजि अन्ये त्वरोच अन्येन मदा अन्येनापि त | \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ | अन्येषु क्षिप्र अन्येषु चाप्य अन्येषु चैव ९ अन्येषु चैवं अन्येषु दैवा अन्येषु ग्राय अन्येषु ग्राम अन्येष्विप च १६६७ अन्येष्विप यु | \$ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ | अन्योन्यकार्या अन्योन्यकृत ७२० अन्योन्यगुण अन्योन्यबद्ध अन्योन्यबद्ध अन्योन्यमति अन्योन्यमति अन्योन्यमकि अन्योन्यमिक अन्योन्यमिक अन्योन्यस्थ अन्योन्यस्थ अन्योन्यस्थ | # ", " ; " ; " ; " ; " ; " ; " ; " ; " ; |
| अन्यराष्ट्रजा अन्यलक्षित अन्यल्यावर्त अन्यस्मिन्द्रप अन्यस्मिन्द्रप अन्यास्ति मन्त्रि अन्यादा सुप अन्याधिकार अन्यानि नि अन्यानि यानि अन्यानि सर्व अन्यान् समी अन्यान् सुच | ११९ १७४० १८६९ १६५८ १६५८ १०४५ १२५८ १५५८ १५५८ १५५८ १५५८ १५५८ १५५८ १५५ | अन्यायेन हि अन्यायेनार्जि अन्याये व्यस अन्याये: परि अन्यायोपेक्षा अन्या बाचोऽङ्ग अन्याश्च विव अन्याश्च सिद्ध अन्यासनोप अन्ये च दण्डाः अन्ये च देव अन्ये च ये कु अन्ये तु प्रजि अन्ये त्वरोच अन्ये त्वरोच | \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ | अन्येषु क्षिप्र अन्येषु चाप्य अन्येषु चैव ९१ अन्येषु चैवं अन्येषु दैवा अन्येषु प्राय अन्येषु प्राय अन्येष्विप च १६६७ अन्येष्विप यु अन्येष्विप यु अन्येष्विप यु अन्येष्विप यु | \$ \(\x | अन्योन्यकार्या अन्योन्यकृत ७२० अन्योन्यकृद अन्योन्यकृद अन्योन्यकृद अन्योन्यमृति अन्योन्यमृति अन्योन्यमृति अन्योन्यमृति अन्योन्यमृति अन्योन्यमृति अन्योन्यमृति अन्योन्यमृति | # ,, |

| अन्योन्यसम | २७१७ | अन्वेव चैन्द्रं | २८१६ | अपतत्खाच्च्यु | २४८५, | अपयानेन | #२८१६ |
|----------------------|---|---------------------------------|-------------------------|----------------------|------------------|---------------|-----------------|
| अन्योन्यसाद्वि | १५८८ | अन्वेव वाय | २४९५ | | 1 | अपयान्तु च | २६५९ |
| अन्योन्यस्य च | | अन्वेष्टव्याः सु | १५०१ | अपतत्रसि | | अपरं कार | * २८ ०४ |
| अन्योन्यस्थोप | | अपः कनक | २९४३ | अपतत्सुम | | अपरं चन्द्र | २९४५ |
| अन्योन्याकान्ति | | अपकामं स्थ | ३८९ | अप तस्य ब | | | ४५१,१४७६ |
| अन्योन्या धार | | अपकारिय | २६४७ | अपत्यदारा | १३९२ | अपराजितां | . २९७५ |
| Op 41 4141 | - 1 | अपकारस | २८१८ | अपत्यपोष | | अपराद्धांस्तु | # १९४१ |
| अन्योन्यानुप्र | | अपकारस्त | २१३५ | अपत्यसमा | २१०७ | अपरादेषु | १९८६ |
| अन्यो वा अय | | अपकारान्ते | २६ २० | अपत्यहेतो | ८३९ | अपराधं प | ॥१९७१ |
| अन्यो वा भाव | 1 | अपकारिषु १२ | | अपत्यानामि | | अपराधं स | २२२१ |
| अन्बगात्पृष्ठ | #१८१२ | अपकारो वि | ૨૦૫૫, | अपत्रपन्ति | ६५३ | अपराधका | ९०९ |
| अन्वग्बलं क | १६१८ | OJAANCI 13 | 2833 | अपत्रपान | ६१६ | अपराधानु १ | ८११,१९६८, |
| अन्बग्बलं द | ,, | अपकुर्यात् | २०६९ | अपत्रपेत | ६२९ | | १९८६,१९८७ |
| अन्वधावद | - २१३२ | अपकृत्य प | २०३९ | अपत्रपत अपथे निःश | १८०५ | अपराधिषु | इ ६६७, |
| अन्वयाकृति | १६१२ | अपकृत्य ब १ | | | | | <i>क्ष</i> १९७० |
| अन्वयात्पृष्ठ | १८१२ | | <i>क्ष</i> १९९७ | 1 | १११८ | अपराधेन | १९५३ |
| अन्वयादाग | १२७९ | अपकृत्य बु अपकृत्यापि | ँ २०३५ | अपथ्यमिव | २०२६ | अपराधेषु | ६६७, |
| अन्वयुस्तद्र | २७२० | अपकृत्वा बु | १९९७ | अपद पादा | २ | t | १९६८,१९७० |
| अन्वर्तिता व | ४६,३९७ | 1 | २ ६ ४५ | अपद्वार त | १४९४ | 1 | |
| अन्वर्थनामा | २३८ ४ | अपकृष्टस्क अपक्रमितु | २० १ ७ | ात्र्यपदान ना | १४९५ | अपराधिर्न | १२१९ |
| अन्वश्वं दश | २७१३ | 1 | २०७३ | भगरा के ८ व | १४९४ | | |
| अन्बहं चर | २४०९ | अपक्रमें द्धि | | ्राप्तरमाञ्च | ६२३ | अपराध्यैर | ११९६, |
| अन्वारभ्यामि | २९०६ | अपक्रामेः स्वं | ** 28 3 8 | । अपध्यसारत | ६२४ | | १७५८ |
| | 1,,,, | अपकामेत्त | २०४३ | ा अप ध्वरता ६ | १६१८ | अपरिग्रह | १०४८ |
| अन्बालभ्य तु | " | अपक्वः पक्व | | अपध्यस्तो ह्य | ६३० | अपरिज्ञात | २१३५, |
| अन्वावर्ताम | २३९५ | अपक्वमत | ६४४ | क्याचीय त | २०६८ | | २१४० |
| अन्बास्य पश्चि | ९६० | अपक्रयोर्वा | २१२२ | · | १२१९ | अपरिभ्रश्य | २१४४ |
| अन्वाह | २५३४ | अपक्षपाता | ६६२ | 1 4 | | अपारामत | १५०९, |
| अन्वाहार्यप | २४८, २५४ | अपक्षपातो | ७२४,९६४ | | ५२३ | i | २५६२,२८४९ |
| अन्बाहार्येषू | २४२९ | 8 | १५८,१३७८ | | ४९८ | MAICIAN | २९९ |
| अन्विच्छञ् ज | . २६६ ९ | अपगच्छत | २५०० | अपबिभ्यति | #२८१६ | | ७३४,९६७, |
| अन्विमां प्रोथ | ३ ४ | अपगतव्य | १६०५ | अपभ्रष्टप | 2868 | 1 | ९८१,१००७ |
| अन्विष्य यत्न | | 2 | #२६० ३ | | | अपरीक्ष्यका | ११०६ |
| अन्विष्यान्बिष | | 1 ~ ~ | *2084 | अपमानात्तु | | अपरुद्धो वा | ३३९ |
| अन्वीक्षणं च | . , , , , , , , , , , , , , , , , , , , | 1 ~ ~ | | अपमानास्प | १७४९ | , अपरे जग्मु | १५०६ |
| अन्वेके प्रजि | 2398 | | | २ अपमृत्युज | २९८७ | अपरेण ग | २४८३,२९१६ |
| अन्वेतान्वाय | # 2 898 | 1 | | , अपमृत्युभ | २९१ ^६ | अपरे दान | १५०६ |
| अ न्वेनां वाय | | | | २ अपयानाभि | २७७५ | अपरेद्युस्त | २८६६ |
| | | | | | | | |

| अपरे नैव | १०८४ | अपसन्या मृ | २४८५ | अपाने मे वै | २ २४८२ |)अपि चास् वा वि | १५०० |
|------------------------|--|------------------------------|-----------------------|-------------------|----------------|---|-----------------------|
| अपरे भ्रात | ८४८ | 1 | १५६८ | अपापः कौर | | अपि चेत् पुत्र | १३१७ |
| अपरे वच | ५८९ | 1 | २६६९ | अपापो ह्येव | | अपि चेन्मह | 2009 |
| अपरै: संघि | २११४ | अपस्त्यास्त्र | २७५० | | ६३१ | | ६१३ |
| अपरोपता | ७५० | | | अपाम सोम | २३४ | अपि चैव म | २३५४ |
| अपर्वणि क | १७२८ | [| ५७६ | अपामागैवैं | २५४ | अपि चोद्धर्ष | २६ ०४ |
| अपर्वणि ग्र | २४९२, | | ३२४ | अपामिक्यमि | # १ २ ८ | अपि जीयेत | २१५७ |
| •0 | २४९३ | 1 | १५१९ | अपामित्यमि | * | अपि जेतुं त्रि | ७२९ |
| अपर्वणि च | २४८५, | अपहारों म २ | १३५,२१३६ | अपामिव म | ર ५५ , | अपि तस्मिन् | # 3603 |
| | २९१ ७ | 1 | | | २६ ०४ | 1 _ | |
| अपर्वभङ्ग | १७८७ | 1 | २७३ | अपामु चैव | २७२ | | |
| अपर्वमेद | * ,, | अपां नप्त्रे स्वा | | अपामोज्मानं | ४९७ | अपि ते दस्य | , ;; ६३२ |
| अपर्वमैथु | १६३१, | 1 ' | २७१ | अपायं वाऽप्यु | <i>७१</i> ६९९ | अपि ते पूजि | २३९ १ |
| | २ ३ ५१ | 1 1 1 1 | २९९४ | अपायनित्यो | १००९ | | £ ₹ ₹ |
| अप वा एत | ५२५ | अपां प्रवाहो अपां मध्ये त | १७१९ | अपायमप्यु | १६९९ | - " " ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' | |
| अपविध्यन्ति | २८१६ | अपां यो द्रव | , 2030 | अपायरहि | १९४५ | अपि त्यागं बु | २०१७ |
| अप शत्रून् | ४९३ | 1 - | २९३१ | अपारे भव | २३८५ | अपि त्वां नानु | २३८२ |
| अपशब्यो द्वि | ३३१ | अपां राज्ये सु | ६२० | अपारे यो भ | ७८०, | अपि धर्मेण | ७२९ |
| अषशास्त्रप | | अपां वा एष | २७१,२७९ | | २३९८ | अपि धाता वि | २३७१ |
| अपश्चात्ताप | १७९१ | अपार्श्वाशुम | | अपार्थकम | २०४६ | अपि नाऽऽद्रिये | २४७ |
| अपश्चा दग्धा | ४६४ | अपां सूक्तैरा | २८६३, | अपार्थिवाः प्र | ८०७ | | १३१७ |
| अपश्यतः प्र | १८३० | omizzi z | २८६४ | अपालयन् | १३५८ | अपि नु राज | २०३ |
| अपरयत म | २८०० | अपाकृता त | १०९३ | अपालिताः प्र | ५९८ | अपि पञ्चारा | _{क्ष} २५५२, |
| अपश्यता का | १८२१, | अपाक्रमेः सं अपाचिताश्य | २४३ <i>१</i> "२८१। | अपावनक | ७४२ | | ४, २७०१ |
| | १े८२६ | अपाञ्चमिन्द्र | # २८९५ . ९५ | अपावृणोर्ज्यो | | अपि प्राणान्य | प १ |
| अपश्यदप | २०२१ | अपाणयः पा | २७७३, | अपासाद्राष्ट्र | | अपि बहुब | १५२९ |
| अप श्यन्तोऽब्रु | क्षर९४१ | , | 2092 | अपास्य राज | | अपि भ्राता सु | १९७४ |
| अपरयन्त्यः पि | २४४८ | अपात्रवर्ष | 2 | अपि कोटिप | | अपि मङ्गल | ५५ १ |
| अपश्यन्निह | २०३५ | अपात्रस्य ह | 1 | अपि खल्बब | | अपि मूलफ | २०१० |
| अपसरति | | | | अपि गाथामि | | अपि मे बाचं | # ₹४४ ० |
| अपसर्पत | | | | अपि घोराप | | अपि यत्सुक | १२५१, |
| अपसर्पन्तु | 1 | अपादं वा त्रि | 1 | अपि चाद्याशु | % २९१७ | _ | १७७३ |
| अपसर्पप्र | ६७८ | जार गा ल | 2000 | अपि चान्ताय | | अपि राष्ट्रवि | १७५ ३ |
| अपसर्पाधि | | अपादहस्ते | 2636 | अपि चान्नौष | #२८१६ | अपि वज्रस | ७२३ |
| अपसर्पेणै | The state of the s | अपानस्थोष्मा | 7777 | अपि चाप्यत्र | २७६४ | अपिवतीं वा | ११० |
| अपसन्यं भ्र | 2 | अपाना ये चै | ४५६ | अपि चाप्यफ | २३७२ | अपि वाचं भा | २००४, |
| אויים א | ar 4 2 40 | ज्यानाय च | ५१३ | अपि चास्य शि | २०४६ | | |
| | | | | | | | २४४० |

| अपि वा पञ्च | <u></u> | अपीह रलोको | २६१२, | अपो देवा म | २६ ९ | अप्रज्ञानं त | ६४८ |
|----------------------------|------------------|-----------------------------------|---------------------|---------------------------|----------------|------------------|---------------------|
| | #२६०४ | | २७७६ | अपो देवार | ,, | अप्रज्ञायमा | १३१० |
| अपि वा संश | २३८१ | अपुत्रस्य नृ | ७२१, | अपो देवीर्म | १४६ | अप्रज्ञो वा प | π २४३० |
| अपि वृत्रह | २७९६ | | ८१९,८२६ | अप्रखतीम | ५३ | अप्रणम्यैव | <i>२७५७</i> |
| अपि शक्या ग | २२२८ | अपुत्रस्यापि | ८४० | अप्यङ्गुलीय | १५१८ | अप्रणीतो द | ७७९ |
| अपि शक्रस | १९५८ | अपुत्राणां च | १४१७ | अप्यदृष्ट्वा नि | १०८१ | अप्रणीतो हि | ६८० |
| अपि संक्षीण | ११७२ | अपुत्राश्च स्त्र | २८२४ | अप्यनेकश | ६३१ | अप्रतिकार्या े | २०६० |
| अपि सर्वे ख | #९६९ , | अपुत्रो ब्रह्म | ८९७ | अप्यन्यराष्ट्री | २७१ | अप्रतिगृह् | २६ ३५ |
| • | २०३१ | अपुनरप | ७५९ | अप्यपर्वणि | २३८७, | अप्रतिग्राह | ५३२ |
| अपि सर्वगु | #१०७६ | अपुमांसो ऽ ङ्ग | १०७३ | | ६, २७५७ | अप्रतिपन्न | ર ५६ ६ |
| अपि सर्वस्व ९६ | | अपुरुषा गौ | २०९७ | अप्यमित्राणि | #२०१० | अप्रतिरथः | २५२२ |
| अपि सर्वी म | ६१२ | अपुष्पादफ | १९९८ | अप्यरण्यं स | २६ ०६ | अप्रतिरथे | २८५३ |
| अपि सर्वेरी | १०७६ | अपूजयंस्त | २७०६ | अप्यरण्यस | १३२२ | अप्रतिवाद्ये | ४६५ |
| अपि सिन्धोर्गि | २३७६ | | २९१८ | अप्यरेः श्येन | २३८१ | | |
| अपि स्थाणुव | १७१८, | | २८७८ | अप्यरेरारु | ,, | अप्रतिविद्ध | २२ ७४ |
| 9111 41131 | १७४४ | अपूरेः पाय | | अप्यल्पबल | १४९२ | अप्रतिविधा | ११९७, |
| अपि स्वरुपं न | ७३९ | अपूर्व तु क | " २ ९२८ | । अप्यस्मिन्नाऽऽश्र | २३९० | | १६३०,१७५८ |
| अपि स्वल्पव | ६ ६५२ | | | अप्यस्मिन्नाऽऽश <u>्व</u> | \$,, | अप्रतिष्ठं स | २७७१ |
| अपि खस्ति भ | १०८७ | | २३२७ | अप्यस्य दारा | १९०३ | अप्रतिष्ठः स | 华 ,, |
| | | अपूर्वस्य सं | २०८६ | भागमेनन | ર હષ | अप्रतिष्ठितो | ३३० |
| अपि ह यद्य | | अपूर्वेषु प्रि | ११६२ | l - 5 | क्ष२३८१ | अप्रतीतो ज | ८६,३६० |
| अपि हवा अ | • | अपूर्वीपाय | १९५५ | अप्यात्मसंत | # १ ७९४ | अप्रत्यक्षं ब | ५८९ |
| अपि हवा ए | | अपृच्छत च | ६२८ | अप्याधौ परि | १८३५ | अप्रत्ययकु | १२१७ |
| अपि ह सार | | अपृच्छत्स त | * ,, | अप्याहुः सर्व | ξο ξ , | अप्रदानेन | १९९७ |
| अपि ह सासा | _ | 4 | ६१९ | of aig. aa | ६५७ | | |
| ~ 4 | ३४८ | अपृच्छन्भृगु | २९१ २ | अप्युत्तमान्प्र | # १० ४१ | अप्रदानैश्च | २१५ ४ |
| अपि हस्मैकः | ४३५ | अपृष्टः शास्त्र | #६६२ | अप्युत्सेघाति | | अप्रदाय द्वि | |
| अपि ह स्मैको | " | अपृष्टश्चास्य १ | | अप्युन्मत्तान्प्र | १०४१ | अप्रधानः प्र | |
| अपि हात्मान | २९ | | १०३९ | अध्येव नोऽत्रा | ११० | अप्रधृष्यश्च | ८६५ |
| अपि ह्यस्मिन् | २६ ० ३ | अपृष्टो नोत्स | १३२० | SIMETRIES | १३६० | अप्रभुस्त्वं प्र | १८७० |
| अपि ह्येतद् | १३२२ | अपृष्टोऽपि हि | | अप्रकाशोऽय | १६५८, | अप्रमत्तं ध | १७७९ |
| अपि ह्येतह | १६८९ | -2 | १७४३ | OJAMAII SA | १६६५ | अप्रमत्तम | ८७३ |
| अपीडिताः सु | ११०२ | अपेक्ष्य हि नृ | * १७३ २ | अग्रकाशो वि | | अप्रमत्तश्च | ६६४,१६८९ |
| अपीदं सर्वे अपीदं सर्वे | ४८० | अपेतं ब्राह्म | २७६ ४ | | १०७४, | | |
| अपीदं सर्वे अपीदानीं सु | | अपेतकर्णाः | २७०४ | अप्रकीर्णेन्द्रि | १०७४, १६९३ | अप्रमत्तान | " ૨ ર ેષ્ |
| अपादाना सु अपीदानीम | २७६२ | 1 | ५८८ २८७६ | Suuzij- | | 1 | १०५२ |
| अपीन्द्रः सोम | २०२३ २०३ | ्राजपतंत्रक श्रीअपेन्द्र द्विष | २४५ ६ ५०३ | 1 | | अप्रमत्तास्त | |
| | ζ. | ्भाग्य । स्र | ५०२ | अप्रजाः सन्तव | ४० | अप्रमत्तेन | १०९३,२३७६ |

| | | | | | | | _ | |
|----|----------------------|------------------------|-----------------|----------------|-----------------|------------------------|---------------------|-------------------------------|
| á | अग्रमती भ | ६११,१६८९ | अप्रसादः प्र | ६१९ | अफलं दृश्य | २३९३ | अब्राह्मणेषु | #१६१७ |
| | अप्रमाणे प्र | १२१७ | अप्रसूते च | २७५० | अफलं मन्य | २३७८ | अब्राह्मणोऽप्या | १३०६ |
| | अप्रमाणमृ | २९२ ९ | अप्राज्ञो वा पा | # २ ४३५ | अफलं वा कु | २५६ १ | अभक्त्या पूजो | ९१२ |
| | अर्प्रमाणा प्र | # १२१७ | अप्राणिभिर्य | ११११ | अफलवतः | १६३० | अभक्षयत्त | २०७८ |
| ٠, | अप्रमादः प्र | #6 84 | अप्राप्तव्यव | ५४९, | अबलं तन्म | ६०८ | अभक्ष्यं भक्ष | २५१२ |
| | अप्रमादम | #८७३ | | | अबलं तु म | * ,, | अभग्नं च प | २७८८ |
| | अप्रमीदश्च | ६११ | अप्राप्तसंत | | अबलं बलि | ६२० | अभद्रद्रं सू | १४७६ |
| | अप्रमादस्त् <u>व</u> | ११०३ | अप्राप्तस्याभि | ५७२ | अबलं वै ब | ६०८ | अभयं घोष | २८५६, |
| | अप्रमादी चा | ११२४ | अप्राप्ता हीमां | २७२ | अबलस्य कु | ^२ १३३५ | २९ | ४७,२९७५ |
| | अप्रमावी प्र | 2336 | अप्राप्यं च भ | 0301 | अबलस्य ब | ८२५ | अभयं द्यावा | २८४९ |
| | अप्रमादी म | #२ ३ २७ | अप्राश्य निध | | अबलानमि | १०७५, | अभयं सत | २४७७ |
| | अप्रमादी स | Ì | अप्रियं चाहि | १६८८ | | २००५ | अभयं सर्व | २७७५, |
| | अप्रमादी सु | ,, ३०১ % | अप्रियं यस्य | १०७४ | अबलान्बलि | * €२० | २८ | ५७,२९७४ |
| | अप्रमादेन | ६१० | अप्रियं वा हि | १७०५ | अबाणे भ्रष्ट | २७६१ | अभयप्रदं | २८५१ |
| | अप्रमितम | ९६५ | अप्रियः सर्व | 1 | अबाला मध्य | १५२५, | ' अभयम् ' इ | २८५० |
| | अप्रमेयो दु | રૂપ રૂંહ, | अप्रियकर्तु | ११६३ | ર | ર૪૬, ૨રૂ૬५ | अभयस्य हि ७ | ०७,८०२ |
| | . | ५४५,२८९२ | अप्रियमपि | | अबिभ्रता पु | १०४८ | अभयस्यैव | ८०२ |
| | अप्रयच्छतो | प२ | अप्रियमप्यौ | ९१७ | अबुद्धिमाश्रि | १९०४ | अभयाख्यः स | ^२ २ १ ४९ |
| | अप्रयच्छन्न | ११६३ | अप्रियस्य च | क्ष१२४६ | अबुद्ध्वा त्वं | * 28 3 9 | अभया गज | *8402 |
| | अप्रयत्नधृ | १७९४ | अप्रियस्य तु | १२०८, | अबुद्ध्वा यः | का २४५९ | अभया चान्त | २९१८ |
| | अप्रयत्नात्का | ११०६, | | १२४६ | अबुध्ने राजा | २ | अभयानाम | २५३५ |
| | | २४०१ | अप्रियस्य सु | #१ २४६ | अब्दमासत | १११३ | अभयापरा | २९०६ |
| | अप्रयत्नोद | १४०३ | अप्रिया अपि | १७०५ | अब्दुर्ग वृक्ष | १४७४ | अभयामल | १४६७ |
| | अप्रवक्तार | ५७०,११७४ | अप्रियाण्यपि | १७१५, | अब्दे द्यर्धे न | २३१६ | अभवच्छन्त | ८५९ |
| | अप्रवृत्तव | २२९ ४ | | १७४५ | अब्रवीच त | २९४३ | अ भवत्स त्रि | ८२४ |
| | अप्रवेशात्तु | २७०१ | अप्रियाण्याह | १२०७, | अव्रवीत्कर्ण | ६२५ | अभवद्भय | २०२१ |
| | अप्रवर्षे मा | े २४ ३ ० | | १२०८ | अब्रवीत् प्र | २८०३ | अभविष्यः स्थि | ८४१ |
| | अप्रव्रज्ये यो | 33 | अप्रिये चैव | ७३६,७४९ | अब्रवीत्प्राञ्ज | ७९० | अभागः सन्न | ४८७ |
| | अप्रशस्तं त | २५०२ | | १७३१ | अब्रवीदति | #₹८० ₹ | अभावं हि वि | २४९० |
| | अप्रशस्तन्य | २३०७ | अप्रेरितहि | ७६ १ | अब्रवीदभि | २४८५, | अभावमचि | ७९८ |
| | अप्रशस्तानि | २८३१ | अप्रवस्य स | २१४९ | 200 | २८०३ | अभावाद्गन्घ | # २९०३ |
| | अप्रशस्ते त | २५०२, | अप्वां यजते | २५३४ | अब्रवीद्दीर्घ | २०१७ | अभावाद्रव्य | " |
| | | | अप्सरोभिः प | २७६२, | अब्रह्मचारी | १ ६१ ९ | अभावे क्षत्रि | १२६९, |
| | अप्रशस्ते न | # २७५९ | | २८८० | अब्राह्मणस्य | १३०८ | | १७५१ |
| | अप्रशस्यस्त | २७६७ | अप्सुते राज | २८५३ | अब्राह्मणाः स | | ाजागाप पव | ८५९ |
| | अप्रशान्ता वि | दं 🛊 १५०५ | अप्सु निष्ठचूता | २२४० | अब्राह्मणानां | ६०१ | अभि कन्द स्त | ५०७ |
| | अप्रसन्ना दि | | अप्सु प्रवेश्य | १३४९ | | १३१५ | अभिगच्छन्नु | २२४८ |
| | शा र | | | | | | % | 6106 |

| अभिगम्यगु | 2992 | अभिन्नं वाऽष्ट | ፣ ጓሄረሄ. | । अभिमन्त्र्याथ | १२३० | अभिवन्द्य च | ९५७ |
|----------------------|-------------------------|----------------|---------------------|------------------------------|-----------------------|--------------------|------------------|
| अभिगम्यम | *१३२० | | २९१ ७ | अभिमन्युर्म | २७१५ | • | ३३३ |
| अभिगम्यात्र | २०४८ | अभिन्नमेद | १५२४, | | २७९९ | अभिवर्तति | २३९.० |
| अभिचारशी | १४०१ | | ६७२,२६८२ | अभिमन्युस्त | २७११, | अभिवर्षति | ८•३ |
| अमिचारान अमिचारान | | अभिन्नवृत्ता | १२१६ | | २७१४ | अभिवाद्य म | ८ ६ ६ |
| | #१०३६ | अभिन्नानां तु | १५१३ | अभिमन्येत | *8468 | | |
| अभिचारिक | २८१३ | अभिन्नानाम | १५२४, | अभिमातीर | 34 8 | अभिविश्वास | २६ ४० |
| अभिचारैरु | १०९८ | ২ | ६७२,२६८२ | अभिमाद्यन्नि अभिमाद्यन्नि | ₹ २ ० | अभिविष्यन्द | २००८ |
| अमिजनप्र | १२१५ | अभिपन्नत | २४४६ | | | अभिवृत्य स | ९१,९२ |
| अभिजनयु | २६९२ | अभिपन्नमि | ٠,, | अभिमानिन | ६६४ २६९४ | अभिशस्तं प्र | *44.8 |
| अभिजनाचा | २३६७ | अभिपूज्य त | १८९४ | अभिमुखदि अभिमुखप | रद ्र ४ ९६४ | 1011 | १०६७ |
| अभिजातब | १२०८ | अभिपूज्याभि | २०१३ | अभियाचत - | 42400 | अभिशस्तमि | ६०१ |
| अभिजातोप | રં ५६५ | | ४३२ | | | अभिशस्तव | ५५९ |
| अभिजिच त | २९५७ | अभि पृतन्य | ९१, ९२ | अभियाचाम | ः १५६९ | अभिशस्तेषु | १५७९ |
| अभिजिन्नाम | ५२८ | अभिपेदे म | ७९१ | अभियातं स्व | | अभिशापभ | २९१ ९ |
| अभिज्ञो युद्ध | २७६१ | अभिप्रजाता | २०३४ | अभियाति प | ८१७ | अभिशापे स | १८४० |
| अभितस्त्वामु | ५५०, | अभिप्रयातां | २६ ०४ | अभियानस्य | १५९५ | 1 ' | १९०६ |
| 4. | २२०९ | l ~ | २४५३ | अभियाने च | २८१६ | | २९४५ |
| अभितिष्ठ श | ३४४ | 2_2 | २५३२ | अभियासि ज | ५४७ | अभिषिक्तः स | ८३४ |
| | २३३९ | 1 ~ | १६९२ | अभियुक्तः प्र | # २०३३ | अभिषिक्तश्च | # 99 |
| अभितिष्ठेत्स्व | | अभिप्रायं वि | १८०५ | अभियुक्तनि | १४८९ | अभिषिक्तस्त | २९७४ |
| अभितो गुण | # १ २४५ | अभिप्रेतार्थ | २०१९ | अभियुक्तोप | २२२५ | अभिषिक्तस्तु | २३५८, |
| अभित्यक्तं वा | १३३१ | अभि प्रेहि द | ४८८ | अभियुक्तोऽप्र | २०३३ | | २४९८ |
| अभि त्वा देवः | ९२,९३ | अभि प्रेहि नि | | अभियुक्तो ब | २१२२ | अभिषिक्ते त | २३५८ |
| अभि त्वा वर्च | ९९,२४१ | | ९८, *२४२ | अभियोक्ता प्र | # १८६८ | अभिषिक्तोऽन | ७६२ |
| अभित्वा विश्वा | ९२,९३ | ł . | | अभियोक्ता ब | २११७, | अभिषिक्तो र | २९४५ |
| अभि त्वा वृष | २३४ | अभि प्रेहि वी | भगगग ११६३ | | २१२७ | अभिषिक्तोऽसु | ३००३ |
| अभि त्वा शूर | २१३ | अभिभवन | २१५ २१२ | अभियोक्तृप | १८६८ | अभिषिच्य च | २९३४, |
| अभि त्वा सिन्धो | | अभिभूत्ये रू | | अभियोगे ह | १४०० | | ३००१ |
| अभि त्वेन्द्र व | ५१२ | अभिभूयार्च | २७ <i>०७</i> २९७ | अभियोज्यः स्मृ | १८५८ | अभिषिच्य त | %८३८ |
| अभि दस्युं ब | 40 | अभिभूरस्ये | | अभियोज्यो म | २४५७ | अभिषिच्यमा | * 2988 |
| अभिद्रवन्ति | २६७०, | अभिभूरह | ४६०,४८६, | अभिरूपं च | १००९ | अभिषिच्यैव | ६५७ |
| | | | १८०७ | अभिरूपैः कु | ६१० | अभिषिञ्चति | २९५ १ |
| २७८ अभिद्रुहाति | ७,२७९० | अभिभूर्यज्ञः | २८६३, | आमर्स्सः द्वा अभिरोहन्त्य | # १०६२ | अभिषिञ्चन्तु | २९५८, |
| अभिनिखन्द | १०७६ #२००८ | | २८६४ | | #8480 | 2 | |
| अभिनीतं प्र | भू २०७८ २२५ <i>१</i> | अभिभूर्यज्ञो | ५१• | अभिलक्ष्यं क्षि | १७२० | २९६ | १,२९६२, २९६४ |
| अभिनीतत | | अभिमन्त्रयि | २६५९ | अभिलक्ष्यं स्थि | | ~ ~ ~ ~ | |
| अभिनीतानि | ५५८ २६ <i>६</i> १ | अभिमन्त्र्य त | २८८४, | अभिलक्ष्याऽऽक्षि | | अभिषिञ्चाम | 280 280 |
| | 1408 | | च ८८५ | अभिलेख्याऽऽत्म | १११४ | अभिषिञ्चामि | २४१ |

| अभिषि ञ्चे च्छा | २९७८ | अभीके चिदु | 828 | अभूतिकामा | | अभ्यद्रवन्त | २७१५ |
|---------------------------|-----------------------|------------------|-------------------|----------------|----------------|-------------------------------|----------------|
| अभिषिञ्चेत्त | २९४६, | अभीक्ष्णं कम्प | २४९० | अभूत्वा हि भ | | [।] अभ्यधा वत | १०९२ |
| | #२९५१ | अमीक्णं गर्भि | २३९२ | अभून्मित्रो द | ८२४ | अभ्यनन्दन्त | १५११ |
| अभिषिञ्चेतु | * २९५१ | अभीक्ष्णं चैषां | १७०२ | अभूमिष्ठं प्र | १५८८ | अभ्यनुज्ञात | *<< |
| अभिषिञ्चेत्स | २९०६ | अभीक्ष्णं तप | ८०६, ८२६ | अभूमिष्ठं वा | २८०४ | अभ्यनुज्ञाप्य | " |
| अभिषिञ्चेद | २९७५ | अभीक्ष्णं भिक्षु | ६०९ | अभूमिष्ठं स्व | २८,०७, | अभ्यन्तरं च | २६५९ |
| अभिषिञ्चेद्रि | ८६३ | अभीक्ष्णं वर्त | #2890 | | # ? ८०८ | अभ्यन्तरं श | ७५०,९८५ |
| अभिषेकः सं | २९३३ | अभीक्ष्णदर्श | १०४१ | अभूमिष्ठं हि | 26.06 | अभ्यन्तरको | રંપ૬૪ |
| अभिषेंकदि | २८८७, | अभीक्ष्णमनु | ५४२ | अभूमिष्ठानां | २६१० | अभ्यन्तर्ग | # ९९४ |
| • | २९७१ | अभीक्ष्णवाता | # २४९९ | अभूयिष्ठप्र | * १५८८ | अभ्यन्तराद् | प४ |
| अभिषेंकाय | २९३७, | अभीतस्य च | # २० ३३ | अभृतं व्याघि | १५८६ | अभ्यन्तरान | १९१८ |
| *२९४ | १,२९४४, | अभीतस्य तु | ,, | अभृतव्याधि | १५६७ | अभ्यन्तरेण २४ | ८४, २९१७ |
| | (५,२९७९ | अभीतानामि | २७७२ | अभृतानां च | ५७५ | अभ्यन्तरेषु | १९१७ |
| अभिषेंकार्द्र | १२२८ | अभीतो विकि | २७६७ | अभृतानां ज | २८२८ | अभ्यन्तरोत्प | १९१६ |
| अभिषेकाह्मि | २९८६ | अभीत्वरीं से | २२६ | अभृतानां भ | ५६८ | अभ्यन्तरो वा | २५६७ |
| अभिषेके च | २८३५ | अभीप्सिताना | २८२२ | अभृत्यस्य नृ | ८२६ | अभ्यभाषत | * १२९२, |
| अभिषेकेत | #२९४६ | अभीरमीक्ष्णं | *७८°, | अभेदात्कुरु | १९०९, | | २७०५ |
| अभिषेके द | ३५१ | | # २ ३९८ | | १९१० | अभ्ययाद्धर | २७१६ |
| अभिषेके प्र | २९४६ | अभीरवः सु | # १ ५०० | अमेदायास्य | *१९० ९ | अभ्ययुर्ब्रोह्म | २३५३ |
| अभिषेके वि | २८३७ | अमीरणामि | * ₹७७२ | अभेदे च गु | १७६४ | अम्यरक्षत | २७१० |
| अभिषेको वे | #२९३५ | अभीवर्तेन | ऋर७७२ ९१,९२, | अभेदेन च | २७३३ | अभ्यर्चनं त | २९०९ |
| अभिषेक्तुका | ८३७ | ી નાવતાન | २२४,२५ <i>३</i> ६ | अभेदेनैव | २७३९ | अभ्यर्च्य पञ्च | २८९४ |
| अभिषेचन | २९०९, | अभीवर्ती अ | ९३ | अभेद्यं व्यूह | १४८२ | अभ्यर्च्य विष्णुं | ७४६, |
| | *२९४ १ | अभीवस्वः प्र | - | अभेद्यमच्छे | ७२३ | | ४१९,२९७५ |
| अभिषेचनि | *२९०८ | अभीशवो वै | २ ९२ | 1 ~ | २७३९ | अभ्यवर्तन्म | *२७२० |
| अभिषेचनी | ३१० | अभीशृतां म | ४९३ | अभोग्याश्चीष | *१३२५ | अभ्यवादय | ५४१ |
| अभिषेच्या भ | २८२८ | अभीश्चरति | * ૨ ૦३३ | अभोग्या ह्योष | ,, | अभ्यषिञ्चंस्त | २९४४ |
| अभिष्टने ते | २२ | | ४०९ | अभोजयन्त | १९०१ | अभ्यषिञ्चत | ८४५, |
| अभिष्टुतः पि | २८७ १ | अभीषाड् वि | ७१ | अभोज्यान्नानि | १३२२ | | २३५८ |
| अभिष्टीषि च | १८९१ | अभीष्टं हाय | १९५४ | अभ्यक्तं मिल | २५ ०६ | अभ्यषिञ्चत्त | ८३८ |
| अभिसंदध | २६ ०६ | अमीष्टद्रव्य | १११६ | अभ्यक्तं शोच्य | २५१४ | अभ्यषिञ्चत्प | २९३६ |
| अभिसंधीय | २०३३ | | १८०५ | अभ्यक्तमुण्ड | ,, | अभ्यषिञ्चत्स | २९४४ |
| अभि सिध्मो अ | १९ | of allowers | | अभ्यगच्छत्स | ૧ ૦૫૪ | अभ्यषिञ्चन् | २९४२ |
| | ४२२,४२ ३ | 1 | १५४७ | अभ्यगच्छनम | * ६ १९, | अभ्यषिञ्चन्त | *८४५, |
| आम छुन्न अभिसृतं प | २७२६ | 1 - | _ | | १०५४ | 1 | .९४२,२९४३ |
| अभिहास्येष्व | | अभूतं व्याधि | | अभ्ययं च प्र | | अभ्यषिञ्चन्न | २९४५ २९४५ |
| आमहास्यव्य अभिहितगु २१ | | | | अभ्यङ्गं गृह | | अभ्यसूयद् ब्रा | |
| आगावगद्ध ४४ | - 17 | | .,,,, | 141 26 | 1101 | । ज्यातीय देश। | १०९३ |
| | | | | | | | |

| अभ्यसेत्पड् | २०७३ | अभ्रजं मध्य | २९ २० | अमात्यजन | १५५० | अमात्यान्मन्त्रि | ७२६, |
|-------------------------|----------------------|-----------------|----------------|-------------------------|-------------------|------------------|-----------------------|
| अभ्यस्तकर्मे | १७३५, | अभ्रपटल | २२५४ | अमात्यप्रमृ | # ६ ५८ | १२५ | .४,१६७ ५ , |
| | | अभ्राणिमिव | | अमात्यमेदो | २९१५ | * ? % | ५७,२३३५ |
| अभ्यस्तकर्मा | ^२ १६७६ | अभ्रादिव प्र | | अमात्यमध्ये | ६६३ | अमात्या बल | # २९४ १ |
| अभ्यस्तमेती | ३४ | अभ्राद्वृष्टिः | २७८ | अमात्यमन्त्रि | ९५८, | अमात्या ब्राह्म | * २९४२ |
| अभ्य १ हं विश्वाः | ૫ | अमङ्गलं वा | १४७५ | १२५४ | , १९५७ | अमात्या मन्त्रि | # १९५७ |
| अभ्यागच्छन्म | ६१९ | अमङ्गलाचे | २५२० | अमात्यमपि | ११४९, | अमात्या मे न | १२१४ |
| अभ्यागमोत्स | १६०७ | अमङ्गल्यध्व | २७६० | | १४२८ | अमात्याश्च कु | *१६१७ |
| अभ्यातानान्तं | २८५५ | अमङ्गल्यम | ર | अमात्यमुख्यं | १२८५ | अमात्या ह्यप | * १२१०, |
| अभ्यातानैरे | ३३५ | अमङ्गल्यमु | ₩ ,, | अमात्यमुख्या | २९५२ | | * १३१६ |
| अभ्यावहति | १०४४ | अमतं व्याधि | # १५८ ६ | अमात्यमूलाः | १५५० | अमात्या ह्युप | १२१०, |
| अभ्यासः कर्म | १६२८ | अमत्सरा वि | १८३० | अमात्यरक्षा | ५७३ | | १३१६ |
| अभ्यासकर्मा | #१६७६ | अमत्सरी स | ५८४ | अमात्यराष्ट्र् १८५ | | अमात्ये दण्ड | १६७३ |
| अभ्यासनोत्स | *१६०७ | अमद्यमाद्य | *2486 | अमात्यलाभो | १२०८ | अमात्ये व्यस | #8468 |
| अभ्यासाभिमा | ९०६ | अमनोज्ञासु | ૨ ७७४ | अमात्यवछ | २००५ | अमात्ये शात्र | २०७४ |
| अभ्युक्ष्य शान्ति | २८५६ | अमन्त्रमक्ष | २३४१ | अमात्यसंप १६६ | (९,२२२५ | अमात्येषु च | १६४१ |
| अभ्युचयो या | ૨ ૦५५, | अमन्त्रयित्वा | १७६४ | अमात्यसंस्थः | १८९७ | अमात्ये ह्यर्थ | १२०८, |
| - | રે શ્ પે શ | अमन्दमत्त | २५ <i>१८</i> | अमात्यसचि | २९७५ | 31.11. | १७६२ |
| अभ्युचितश्चा | २१५७ | अमन्यमानाँ | १८ | अमात्या इति | १२८० | अमात्यैः काम | १२२३, |
| अभ्युचीयमा | ર ં પંપ, | अमरबद | १ ३३ ४ | अमात्यांश्च त | २९५४ | | १२४६ |
| | ९,२१३३, | अमरेशः स्थि | २९९२ | अ मात्यांश्चा ति | १२१६ | अमात्यैः सह | २००४, |
| | ં ૨१૪૭ | अमर्त्याः पृथि | ४०७ | अमात्याः सचि | १९५४ | | २०८३ |
| अभ्युजीवेत्सा | %६३८ | अमर्षश्चैव | १२०५ | अमात्याः सर्व | १२२५ | अमात्यैरात्म | १००८ |
| अ म्युज्जीवेत्सी | ,, | अमर्षाच्छास्त्र | ६४४ | अमात्यादिभि | १८६७ | अमात्यैरीद | १२४६ |
| अभ्युत्तिष्ठ श्रु | २०३३ | अमर्षी जात | *2062 | अमात्याद्याः पृ | ۰وو | अमात्यैर्भन्त्रि | १७६७ |
| अभ्युत्थाना भि | * ૨ ०४५ | अमर्षी नित्य | ,, | अमात्याद्याः प्र | १५९२, | अमात्यैवि स | १७६५ |
| अभ्युत्थितं को | * ₹५९४ | अमर्षेणैव | २३८९ | | १८६७ | अमात्यैर्घस | १५८१ |
| अभ्युत्थिते द | ७८०, | अमर्षोपग्र | २१३ ५ | अमात्याद्याश्च | १८६५ | अमात्योत्पत्तिः | ६६८ |
| | २३९७ | अमातुर्जन | ८२६ | अमात्याद्यास्तु | \$ ₂ , | अमात्यो दूत | १२६५, |
| अभ्युदयो या | २१७५ | अमात्यं को न | २०१२ | अमात्यानां च | १०७२ | " | १७५५ |
| अम्युदेतीमा | ३४ | अमात्यः पण्डि | १६९० | अमात्यानां य | २४३१ | अमात्यों में भ | २०२८ |
| अभ्युद्धरति | २०११ | अमात्यः प्राङ् | १२६५, | अमात्यानां सै | २८८८ | अमात्यो युव | * १०१४, |
| अभ्युद्धार्ये ब | २२५४ | | શ હે પ્ | अमात्यानाम | २३८४ | | १२६४ |
| अम्युन्नताना | २५७३ | अमात्यः शूर | १२१६, | अमात्यानुप ५ | ४६,६६०, | अमात्यो हि ब | १६९० |
| अम्येत्रमुख | ९३२ | | २०१३ | ९८ | ५,१२०७, | अमानितं वि | १५६७ |
| अग्येनं वज्र | २१ | अमात्यः साधु | १८४४ | ै १ २२ | ३, १२३० | अमानितं हि | १५८७ |
| अन्न एनां न | २४८२ | अमात्यगोपि | | अमात्यान्वरि | २०४७ | अमानी सत्य | १२८२ |
| | | | | | | | |

| अमानुषकृ | ६०८ | अमित्रसेना | ५०७ | अमित्रो न वि | १८८७ | अमृतरस | १००२ |
|-------------------------------------|-----------------|----------------------------|---------------|----------------------------|---------------|--------------------|-----------------------|
| अमानुषमी | १८८ | अमित्रसेनां | ५०३ | | २८१५ | अमृता गुर | * १४६६ |
| अमानुषा अ | , *2924 | अमित्रस्य वा | રપંદ્દ શ | अमित्रो मित्र | २०२० | अमृताच ६ | |
| अमानुषाणि | १९०९ | अमित्रस्याति | २०१४ | l | १८५२ | अमृताध्मात | ,, २८६७ |
| अमानुषा मा | ર ે ૧૬૨૬ | ۱ ۵ | ४८७ | अमिथ्याज्ञानि | *६४३ | अमृताश्चीष | २८१६ |
| अमानुषा ह्य | २९२५ | अमित्रा एव | २६०१, | | २६५८ | अमृतास्वाद | २०३४ |
| अमानुषेम्यो | १०३३ | | २७७४ | अमी च ये म | ४३ | अमृता ह वा | २०९ |
| अमानुषेष्व | १२२५ | अमित्राः संप्र | १०६९, | अमी च विश्वे | ४२ | अमृतेन त | २९७३ |
| अमानुष्योऽमि | १६२८ | | १२८२ | अमीमृणन् | ५०२ | अमृतेनाव | १०९७ |
| अमायं दृढ | १३०२ | अमित्राञ्जहि | ५६५ | अमीय ऋक्षा | ३ | अमृते मह | ९६६ |
| अमायया मा | २३९६ | अमित्राटवी | २०६३, | अमी ये युध | ५१३ | अमृतो द्धवः | २८९३ |
| अमाययैव | ११०८ | | २३१८ | अमी ये वित्र | ३८९,४०१ | अमृतोद्भवा | * २९९५ |
| अमार्गश्चाष्ट | २७५० | अमित्राणां व | ६६५ | अमीषां चित्तं | *408 | अमेघे वा वि | २४८० |
| अमार्गेणैव | २७६३ | अमित्राणां श | ५१७ | अमीषां चित्ता | , | l | |
| अमार्गे वर्त | १२७९ | अमित्राणां सु | ६२५ | अमुकस्य व | રૂપરંક, | अमेध्यपूर्ण | २५११ |
| अमावास्यायां | ₹₹ ₹, | अमित्राणां से | પ | | ર ५५ o | अमेष्यमोद | रंपर८ |
| | २८६ <i>०</i> | अमित्राण्यपि | *१८७६ | अमुक्तं बाहु | १५१४ | अमोघक्रोध | १ ०४५, |
| अमावास्या वि | २४७१ | अमित्राण्यव | #8606 | अमुक्तायुध | १५४३ | | १०८१ |
| अमावास्याऽष्ट | 3898 | अमित्राद्वा स | २५६६ | अमुत्र सन्नि | ७२ | अमोघमिद | २०१० |
| अमितस्य तु | १०९१ | 1 | | अमुत्रैनमा | ४०४ | अमोघशापा | ७४२ |
| अमितस्य हि | | अमित्रा नः स अमित्रानपि | २४४१ | अमुद्राणाम | २ २७९ | अमोघोऽयं भ | # २० १० |
| आमतस्य _{हि} अमित्रं च त | ⊕ ,, | | १८०५, | अमुना प्रकृ | २२२४ | अम्बरीषश्च | ९२१, |
| आमत च त अमित्रं नैव | २७५२ | 1 | १८७६ | अमुना प्रयु | १४०२ | 1 | १६,२९६४ |
| आमत्र नव अमित्रं वाऽस्य | | अमित्रान्द | २३८१ | अमुमे वाऽ ऽदि | ४२४ | अम्बरीषस्य | ५६१, |
| | २०६६ | | ५०८ | अमुष्मिन्देश <u>े</u> | २६ ४७ | | २७६९ |
| अमित्रं विजि | २०६८ | I . | २८१५ | अमुष्मिन् ब्र | २८५३ | अम्बरीषो म | * ९३६, |
| अमित्रः शक्य | १८८७ | अमित्रान्वाऽजि | * ९१९, | अमुष्य राज्यं | १९२२ | अम्बरीषो हि | 980 |
| अमित्रमति | २६२८ | अधिकार क | १०४३ | अमुष्य राज्य अमुष्य लोक | 283 | | २७६९ |
| अमित्रमप | १५४२ | अमित्रान् स | - | अमुष्या विन | १४०१ | अम्बरे शुष्क | २५ ३ १ |
| अमित्रमपि | * १९१३ | अमित्रा येऽत्र | ५१३ | अमुष्या हन्तु | 488 | अम्बिकां नैर्ऋ | २९९० |
| अमित्रमात्म | २०६६ | अमित्रास्तमु | *2684 | अमूनश्वत्थ | ५१३ | अम्बिकां शत्रु | २८७५ |
| अमित्रमिव | १२९०, | अमित्रा हुष्ट | २६०३, | | | अम्बिका चाम्बि | ३००३ |
| | २०८३ | | २७७४ | अमृत् हेतिः | २४७७ | अम्बुना स्नाप | ७४० |
| अमित्रमुप १९६ | १,१९१३ | अमित्रेषु प्र | २६६३ | अमूर्तर य | *१५०७ | अम्भसा चाभि | #२५०५ |
| अमित्रवाहि | २६०३, | अमित्रेरत २३०३ | | अमृतं वा ए | २३ ४ | अम्भसा त्वभि | 29 |
| | ૨ ૭૭૪ | अमित्रैरपि | २०२० | अमृतमस <u>ि</u> | १५५ | अम्भस्तरति | १३६३, |
| अमित्रव्यस | | अमित्रैख | #२६०३ | अमृतमायु | ३७८, | | २८३० |
| अमित्रसिद्धी | २१५३ | अमित्रो दण्ड | ६८१ | | ે વ૮૬ | अम्लादयो हि | # 849 E |
| | | | | | · | | - 2 / 24 |

| स्व स्थ |
|---|
| अयं कुरूज़ |
| अयं गुणानां |
| अयं चतावे ९४२,२८५२ अयं चत्तव क्रन्द्रिप् अयं लक्ष्मण २४५३ अयं चरत १४९५ अयं चरत १४९५ अयं वरते ग ७० अयं वरते ग १४९६ अयं त्वार्थे १२११ अयं त्वार्थे १२११ अयं त्वार्थे १२१२ अयं ते अस्यु ४८० अयं ते कथि २८८० अयं ते कथि २८८० अयं ते व्या १९२४ अयं वे वे वा २२० अयं ते व्या १९२४ अयं वे वे वा २२० अयं ते व्या १९२४ अयं वे वे वा २२० अयं ते व्या १९२४ अयं वे वे वा २२० अयं ते व्या १९२४ अयं वे वे व्या १९४५ अयं वे व्या १९४५ अयं वे वे व्या १९४५ |
| अयं च नव |
| अयं चहव |
| अयं च सप्त १४९५ अयं वहते ग ५०० अयंगयः पुरु २३४ अयोग्यः पुरु २०२ अयं वा उ अ ४४० अयं वा उ अ ४४० अयं वा मित्रा ३५३ अयं विशेषः १०१२ अयं विशेषः १०१२ अयं विशेषः १०१२ अयं विशेषः १०१२ अयं वे वे वा २२० अयं वे देवा २२० अयं वे वे व्रा २२० अयं वे व्रा १९२४, अयं वे व्रा १९४४, अयं वे व्र १९४४, अयं वे व्रा १९४४, अयं वे व्र |
| अयं चापि प्र २११५ अयं वा इदं २८ अयमसिन्कु १९६५ अयोजयत्त २०२ अयमसिन्कु १९६५ अयोजयत्त २०२ अयमहम २०३ अयोध्या गच्छ ८६ अयमादमा १४१ अयं वा उ अ १४० अयं वा मित्रा १५१४ अयं विशोषः १०१२ अयं ते अस्यु ४८० अयं वे देवा २० अयं वे प्राणो २५३ अयं ते शत्रु १९२४, अयं वे ब्रह्म १६२४ अयं वे व्रह्म १६४४ अयं वे व्रह्म १६२४ अयं वे व्रह्म १६४४ अयं वे व्रह्म १६२४ अयं वे व्रह्म १६४४ अयं वे व्रह्म |
| अयं चापि वि २७५७ अयं वा उ अ ४४० अयं वा उ अ ४४० अयं वा उ अ ४४० अयं वा मित्रा ३५३ अयं तवार्थे १२११ अयं तवार्थे १२११ अयं तवार्थे १२११ अयं तवार्थे १२१४ अयं विशेषः १०१२ अयं विशेषः १०१२ अयं वे वे वा २२७ अयं ते किथ २८८७ अयं वे प्राणो २५३ अयं वे ब्रह्म १६२४ अयं वे व्रह्म १६४४ अयं वे व् |
| अयं तवार्थे १२११ अयं तवार्थे १२११ अयं तवार्थे १२११ अयं तवार्थे १२१ अयं तवार्थे १२१ अयं तवार्थे १२१ अयं विशोष १०१२ अयं विशेषः १०१० अयं विशेषः १००० अयं विशेषः १००० ४००० ४००० ४००० ४०० ४०० ४०० ४०० ४०० |
| अयं तवार्थे १२११ अयं तवार्थे क्षेत्र अयं विशेषः १०१२ अयं तसाद्रा क्ष्रेत्र अयं विशेषः १०१२ अयं ते अस्प्यु ४८७ अयं ते किथ २८८७ अयं ते राजा २६४१ अयं ते शत्रु १९२४, अयं वे प्राणो २५३ अयं त्वशस्त्र १९२४, अयं वे प्राणो १५२० अयं ते शत्रु १९२४, १५२० अयं ते शत्रु १९२४, अयं वे प्राणो १५२० अयं त्वशास्त्र १९४५ अयं वे प्राणे १९४५ अयंस्कान्तोप १८३५ अयोमयं प्रा १५४१ अयोमयं प्रा १५४१ अयोमयं १५११ अयोमयं १५११ |
| अयं तवार्थो * ,, अयं विशेषः १०१२ अयग्रश्चार्थ १७०९, अयोध्या गाम १४४ अयोध्या नाम १४४ अयं ते अस्यु ४८७ अयं वै देवा २२७ अयं ते राजा २६४१ अयं वै देवा २२७ अयं ते राजा २६४१ अयं वै प्राणो २५३ अयश्चेष्ठिंव १२८० अयथ्येष्ठभेद्यमु १७८९ अयस्त्राथ १५११, अयं वे यश्चे ४४५ अयं त्वार्थो २५६ अयं वे लोको २१३ अयस्त्रान्तोप २८३५ अयोभय्य प्र २९४ अयोध्या गाम १४४ अयोध्या नाम १४४ अयोध्यात्तिल २९४ अयोध्यायाम ८४ अयोध्यायाम ८४ अयोध्यायाम १४४ अयोध्यायाम १५४ अयोध्य १५४ |
| अयं तसाद्रा |
| अयं तु धर्म ८४२ अयं ते अस्म्यु ४८७ अयं ते किथ २८८७ अयं ते किथ २८८७ अयं ते राजा २६४१ अयं वे प्राणो २५३ अयं वे प्राणो २५३ अयं वे प्राणो २५३ अयं वे प्राणो २५३ अयं वे प्राणो १५११, २६३० अयं ते राजा १५१४, २६३० अयं वे प्राणो १५११, अयं वे प्राणो १५११, अयं वे प्राणो १५११, अयं वे प्राणो १५४५ अयं त्वरास्त्र २७६३ अयं वे लोको ११३ अयं त्वरास्त्र २८४ अयं त्वरास्त्र १५१४, |
| अयं ते अस्म्यु ४८७ अयं वे देवा २२७ अयंशो मह ७३७, १९६६,१९७२ अयोध्यायाम ८४ अयं ते तथा २६४१ अयं ते राजा २६४१ अयं वे प्राणो २५३ अयं वे प्राणो २५३ अयसश्चाथ १५१९, अयं वे प्राणो १६२० अयसश्चाथ १५१९, अयं वे यज्ञो ४४५ अयं त्वा योग २५६६ अयं वे लोको २१३ अयस्कान्तोप २८३५ अयोमयं प्रो २५४ अयस्कान्तोप २८३५ अयोमयं प्रो २५४ अयस्कान्तोप २८३५ अयोमयं प्रो २५४ अयस्कान्तो वा २६५६ अयोमयं प्रो १५१ |
| अयं ते कथि अयं ते कथि अयं वे प्राणो अयं वे ब्रह्म ३६२ अयं वे ब्रह्म ३६२ अयं वे ब्रह्म ३६२ अयं वे व्रह्म ३६२ ३४। ३६२ अयं वे व्रह्म ३६२० ३४। ३६२० ३४। ३६२० अयं वे व्रह्म ३६२० ३४। ३६२० ३४। ३६२० अयं वे व्रह्म ३६२० ३४। ३६२० ३४। ३४। ३६२० |
| अयं ते राजा २६४१ अयं व प्राणा २५६ अयशाऽधीव १२८० अयोऽभेद्यमु १७८९ अयं ते शत्रु १९२४, अयं व ब्रह्म ३६२ अयसश्चाध १५११, २६३० अयं व यशो ४४५ अयस्कान्तोप २८३५ अयोमयं प्रो २५४ अयस्कान्तोप २८३५ अयोमयश १५१ अयं त्वा योग २५६६ अयं वो निक्षे १२८४ अयस्कान्तो वा २६५६ अयोमयश १५१ |
| अयं ते रात्रु १९२४, अयं व ब्रह्म ३६२ अयसश्चाध १५११, १९३८,१९४ अयं वै यशे ४४५ अयं त्वरास्त्र २७६३ अयं वै लोको २१३ अयस्कान्तोप २८३५ अयोमयरा १५१ अयं त्वा योग २५६६ अयं वो निक्षे १२८४ अयस्कान्तो वा २६५६ अयोमयरा ३, ३, |
| २६३० अयं वे यज्ञो ४४५ १५२२ अयोमयं प्रो २५४ अयं त्वशास्त्र २७६३ अयं वे लोको २१३ अयस्कान्तोप २८३५ अयं त्वा योग २५६६ अयं वो निक्षे १२८४ अयस्कान्तो वा २६५६ अयोमयश १५१ |
| अयं त्वशास्त्र २७६३ अयं वे लोको २१३ अयस्कान्तोप २८३५ अयोमयश १५१ अयं त्वा योग २५६६ अयं वो निक्षे १२८४ अयस्कान्तो वा २६५६ अयोमयश ३ ,, |
| अयं त्वा योग २५६६ अयं वा निक्ष १२८४ अयस्कान्ती वा २६५६ अयोमय्यः श # ,, |
| |
| अयं देवाना ११ अयं वो राजा १९१७, अयाचितारयु २८९५ अयोमुखाः सू ५१ |
| अमं नेको स् २६२६ १९२३ अग्राब्यं चैव १०६२ |
| अर्थारीतम् १७१ |
| रूपं — के शर्म महाल भ्राप्त १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ |
| ं ०० व्याचा व्याच |
| अमें में राज्य १८३ अमें मर्देर्ध १९३३ अपने पर |
| अयं पिताप ६०३ अयं महोंको ३३० अग्रन्द ग्रन्द ०३८ १६०५ अरक्षहासु |
| असं मन्त्रमं २००४ वर्षे प्रतिस्था |
| अयं प्राप्य म २३४४ अमं महेलां |
| अयं बलिर्व ५१९ अयं हि प्रच १२३० १८०० १६०० १६०० |
| अयं बध्नस्य ७० अयं हि साग्र #१९६९ अयक्तवद्धि ६६५ अरक्षिता त १४१ |
| अयं भारत्त्व १७५५ आहे न २५,०४ आहार म ३५० अरक्षितात्मा १०७ |
| अयं मे न श ६५१ अधिक अधिक ए अरक्षिता द १०५१ |
| भय यज्ञः स २९८५ अयः पङ्कस्त २५०६ अयुतकोश्च ११४८ अरक्षितार #१३४६ |
| अयं राजकु २०१३ अयजनो दे ८९८ अयुतम्राम १७५४ ,,, |

| अरक्षितारं | ५७०, | ्अरयो मे स | १३१७ | ∣अरिमित्र उ | *५७४ | अरेः सर्वप्र | २१२५ |
|------------------------------|---------------------|---------------------------------|---------------------------|-----------------------------------|-----------------------|--------------------------|-----------------------|
| દ | (५७,७६५, | अराजकं हि | #100号 | अरिमित्रम | १८५९, | | ४७४ |
| १०३ | ४,११७४, | | " | 1 | १८६२ | | १८५५ |
| • | १३४५ | अराजकाः प्र | ७९५ | अरिर्मित्रमु | ५७४,१७७९, | अरेरप्येव | १८६७ |
| अरक्षिता सा | ७४४, | अराजकानि | " | | १८५६ं,१८८०ं | अरेरमात्या | २१२५ |
| | १४१९ | अराजके ज | ७८८,८०४ | अरिवर्जाः प्र | | अरेरहपं वि | २५९२ |
| अरक्षितुर्वी ६८ | ८१,१८१४ | अराजकेषु | ७८९,७९५, | अरिविजिगी | ^६ १८५१, | अरेर्नेतुश्च | १२९५, |
| अरक्षित्वा तु | ७२९ | | ૮ ૨ ૪ | | १८८२,२०६२ | | ,९२,२१६२ |
| अरक्ष्यमाण | # १७९४ | अराजके स्वा | ८०३ | अरिब्यसन | २०६९ | । अरेमित्राणि | #२ १७२ |
| अरक्ष्यमाणं | ,, | अराजके हि | ८०८,८३० | अरिश्च मित्रं | | अरेर्वीक्ष्याऽऽत्म | * * * 4 |
| अरक्ष्यमाणः | १६१९ | अराजपण्याः | २ २९४ | अरिष्टः सर्व | ३६८ | अरेहिं दुई | १२१४ |
| अरक्ष्यमाणाः | १४१२ | अराजपुत्र | ८४४,११७३ | अरिष्टचिह्नो | # २५ ०२ | अरेहिं दुई | * ,, |
| अरणीमग्नि | ६०३ | अराजपुत्रो | ८४४ | आरेष्ट ने मि | #२ ९५ ६ | अरेश्च विजि | १८५९, |
| अरणीमिव | ११२२ | अराजबीजी | १२९३, | आर् ष्ट्रनाम अरिष्टनेमी | 44,274 | 8.4 | २ ६३,२१८०, |
| अरण्यं तेन | १०८८ | | १८८२ | 1 | " | 1 | ८१,२१८३ |
| अरण्यं दीर्घ | १२८५ | अ राज न्यस | ८४९ | अरिष्टाः सर्व | | अरेश्चित्तगु | २७९३ |
| अरण्यं यान्ति | २९२६ | | १९९१ | अरिष्टाः स्युः | | अरोगं व्याय | २३६ २ |
| अरण्यजातं | १३२९ | अरातिसैन्य २ | - 1 | अरिष्टिकां वि | | अरोगजाती | १६६६ |
| अ रण्यब ल | १४८० | अरावप्युचि | १०८९ | अरिष्टोऽर्जुनः | २९१ | अरोगता क | २५८ <i>०</i> |
| अरण्यमभि | # २ ०२० | अरिं मित्रमु | १८५३ | अरिष्यन्न प्र | १७६२ | | ६९,११७४ |
| अरण्ये ते वि | # ₹ 0₹0 | अरिं विगृह्य २ | | अरिसंपद्य | १८५० | अरोगशोष | , |
| अरण्ये निःश | १७६ २, | आरे विग्रह्मा अरिं विग्रह्मा | १८७,५१८ <i>६</i> ७२१८० | अरिसा धार | २०६८ | अरोगाणां स्पृ | २७६८ |
| • | • | | | अरीश्च विवि | | अरोगा वा वि | २९२३ |
| १७५ | ४,१७७५, १७८२ | अरिः ग्राणान्य अरिः ग्रुभशी | •प१ १११७, | अरीन् हि वि | | अरोषप्रकृ | *4 E S |
| अरुण्ये यो वि | , ५७८ र '२७६२ | આરઃ શુનશા | १११७, १८५७ | | | अरोपमक अरौ वर्तेत | |
| अरण्ये विज | २७५२ १८०५ | अरिगणा नि | १८५७ १६०५ | अरुंतुदं प अरुंतुदं पु | *१०३३ | अरा वतत अर्ककाश्मर्य | १९१ १ २९१३ |
| अरण्ये साय | र८०५ ६३१ | अरिणाऽपि स | 2032 | अष्युद पु अरुणं त्वा दृ | ,, [२ ४२ | अक्कारनय अर्कत्लोर्जु | २८८२ २६५४ |
| अरण्ये सायं | | अरितोऽभ्याग | २०८८ | अरुण त्या १ अरुणा घोष | | अर्कोदयेऽक <u>ी</u> | २९२ ६ |
| अरण्य ताय अरण्योरग्री | # », ચ ५૮ | अरित्वविजि | | अरुणा यात्र अरुणाम्भोज | | अर्घ दस्वा तु | ९६७ |
| अरत्निमात्रा | | | | अरुणा शोष | | अर्घप्रक्षेप | |
| अरात्मनात्रा अरत्नौ तण्डु | २१६ 2392 | | | अरुणा साप अरुणोदय | 1 | | २३३४ |
| - | २३१२ | | ` ' ' ' | अरुणादय अरुणोदये | | अर्घाधीवर | *१३५६ |
| अरन्ध्रव्यस | २१८६ | | ८६९,१८७० | अरुणाद्य अरुकामी म | | | 39 |
| अरमयो न | | अरिमित्राणि | २१७२, | अरुन्धती त | " | अर्घोऽनुग्रह | २३३४ |
| अरयश्चम | ६६५ | 06->- | २१७४ | अरुन्धती व | <i>५५५६</i> | अध्यम्भिसा स | * ₹९८ ९ |
| अरयोऽपि व | १७६६ | अ रिमित्रेण | | अरुर्मघान | 405 | अचेन्त्यके म | ४७३ |
| अरयोऽपि हि | १५२३, | अरिमित्रे पु | | अरुषं न सु | ● २४४ | अर्चयामास | ५४१ |
| 7 | १५८३ ' | अरिमेदश्च | १४३२ | अरूपमस | ३९ १५ | अर्चियित्वा ग | |
| | | | | | • • • | | २५३१ |

| अर्चियित्वा त | 21.20 | अर्थकाले प्र | ५७५ | ۱ ، ، | ٤. | अर्थस्य मूल | ११०४ |
|-------------------------------|---------------------|--|--------------------|--------------------------------------|---|------------------------------------|-------------------|
| | | अथकाल प्र अर्थकुच्छम | | अर्थयुक्त्या हि | २०२९ | अषस्य मूलं अर्थस्य मूलं | ११० <i>५</i> |
| अर्चियत्वा पि | ५८८ | अर्थक्रमः सं | १०३२ | अर्थयेदेव | १२८७ | जयस्य मूळ | १४०३ |
| अर्चेयित्वा य | #१०६५ | 1 | १८३२ | अर्थयोगं ह | ६४८ | अर्थस्य विष्नं | २०४५ २०४५ |
| अर्चयेदिष | २५२९ | अर्थक्षयक | १५७९ | अर्थरक्षाप | २३५१ | अर्थस्यावय अर्थस्यावय | ६४७ |
| अर्चये दे व | * १२८७ | अर्थचिन्ताप | १६९४ | अर्थेऌब्धो ह्य | १९६५ | अवस्पापप अर्थस्येते प | १३२७ |
| अर्चयेद्विधि | २८२३ | अर्थतस्तु नि | २०२६ | अर्थलोपश्च | १२९३ | अर्थस्थोक्तं दू | १६०७ |
| अर्चामि ते सु | ८५ | अर्थतोषिणं | ११०५ | अर्थवच वि | १०४४ | अथहितोर्हि अर्थहेतोर्हि | ६०४ |
| अर्चीयां वा प | २८५७ | अर्थदूषकः | १६१० | अर्थवन्त्युप | - २ <i>३</i> ८४ | अर्थाः प्रत्यव | • |
| अचीस्थाः पूज | ७४१ | अर्थदूषण | १५५८ | अर्थवानेष | •2/54 | अयाः प्रत्यव अर्थाः समति | 87 |
| अर्चितं पाद | વ ષ ર | अर्थद्वैषस्य १७ | ८२,१७९० | अर्थवान् स | १३३४ | अयाः समात अर्थाः समाम | १२८७ |
| अचितश्च य | # Ч१ | अर्थनाशिक | १६०० | अर्थशास्त्रं का | 669 | | * ,, |
| | | अर्थनाशो व | * २६०३ | अर्थशास्त्रं घ | ६८२ | अर्थागमाय अर्थादेतानि | ७३० |
| अर्चितां गन्ध | २८५० | अर्थपदाक्ष | १८३२ | अर्थशास्त्रं शि | १०२० | 1 | ५५९, |
| अर्चितान्वास | १०६५ | अर्थपरेष्व | १६३० | अर्थशास्त्र प | * १३ १४ | ् | १३,१३२७ |
| अर्चिष्मन्तं ब | २३९२ | अर्थपरैः स | १७७९ | अर्थशास्त्राध्य अर्थशास्त्राध्य | ७७७ | | ५५९, |
| अर्चिष्मन्तः प्र | क्षर५०१ | अर्थपूजा वा | १५५८ | अर्थशास्त्रान अर्थशास्त्रान | १७६८ | 44, | <i>र</i> ६,१३१३, |
| अचिष्मन्तश्च | " | अर्थभारप्र | १९५४ | अर्थशास्त्र च | ८६७ | अर्थाधीन ए | १३७८ |
| अर्चेंद्देवान | ७१०६ ४ | अर्थमर्थानु | ५३८ | अर्थशास्त्र प | २१४९ | | ११०६ |
| अर्चेद्देवान्न | " | अर्थमर्थन | १११८ | अर्थशीचप | १७२१ | अर्थानर्थे फ | १७६६ |
| अर्जनं पङ्क | २५०३ | अर्थमानप्र | ८६७ | अर्थश्चात्पर्थ | પ ્ | अर्थानर्थफ | २४०५ |
| अर्जनं पद्म | ≇ ງງ | अर्थमानवि | १५०२ | अथ्यालय अर्थसंतति | १७६३ | अर्थानर्थसं | ६७६ |
| अर्जयेज्ज्ञान | ६८२ | अथमानार्घ अर्थमानार्घ | | अर्थसंनिच अर्थसंनिच | ३८५ <i>५</i> ≇२६०० | अर्थानर्थानु | १७६६ |
| अर्जुनस्याज | २८६८ | 1 | # १२१६ | | | अर्थानर्थान्त | २६६७ |
| अर्जुनस्यापि | २३५६ | अर्थमानार्घ्य | ,,, | अर्थसंपत्प्र | ११०५ | अथनियौं तु | ८७९, |
| अर्जुनाद्याहि | १९९३ | अर्थमानाव | १७०८ | अर्थसंपाद | २१९ ९ | | 222,822 |
| अर्जुनेन य | २७५९ | अर्थमार्जये | १३५६ | अर्थसमादा | ११०६ | अर्थानर्थी वा | ८६८ |
| अर्जुनोऽप्यश्व | २८७७ | अर्थमूलं का | १३३४ | अर्थसिद्धि तु | २५०१ | अर्थानर्थी वि | १७६६ |
| अर्जुनो ह वै | २९१ | अर्थमूलोऽप | १३१४ | अर्थसिद्धः प अर्थसिद्धी वै | ६१२ | अर्थानर्थी सु | ६१५ |
| अ णीचित्रर | ३७७ | अर्थमूलोऽपि | ,, | अर्थासद्धा व अर्थसिद्धचा वि | १ १ ०६ ६४७ | अर्थानर्थी हि | १७६७, |
| अर्थ इत्येव | ६४७ | अर्थमूली ध | ६८१, | अर्थासद्धया हि | | | १८०४ |
| अर्थ एव प्र | ६८०,९२२ | | ३४,१५५८ | अर्थासद्धया हि अर्थस्तथा ह्य | ₩ ,, २२ २८ | अर्थानवाप्नो | २४६६ |
| अर्थे चाप्यर्थ | १८९० | अर्थयुक्तस्य | ११३८ | अथस्तया ह्य अ र्थस्य का ले | ५५५८ _% ५७५ | अर्थानां चैव | २०२८ |
| अर्थ ब्राह्मण | - | अर्थयुक्ति स | 2020 | | | अर्थानां दूष | ૩ १ ५७७ |
| अयं ब्राह्मण अर्थे ब्रूयान | # १३ ६० | अर्थयुक्तिम | ર ૨ ૦ ૨૬ | अर्थस्य दूष | १५७७, १५७८ | अर्थानामन | ६१२ |
| अर्थ वा यदि | * १०६४ | | | -2 | • | अर्थानामीश्व ९ | २०.१०४३ |
| अर्थ वा याद अर्थ विरागाः | ६६५ | अर्थयुक्तिमि अर्थयसम्बद्धाः = | २०२३ | अर्थस्य नीति | १५७८, १५९४ | अर्थानुबन्ध | ર ५६९ |
| अर्थकामः शि | | अर्थयुक्त्या च अर्थयुक्त्याऽनु | २०६८ | 2. 4) EM THE | १५५४ ११५६, | अर्थान्न मिथ्या | ५५३ |
| अर्थकामोप | १२३ _० | अथयुक्त्याऽ मु अर्थयुक्त्याऽभि | #२०२९ * | अर्थस्य पुरु | | अर्थान्द्र्यान्न अर्थान्द्र्यान | १०६४ |
| | | 1 | * ,, | • | \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ | (-1 11 2/114) | • • • |

| भाषीय यस १०० | 55.6 | ا څخه څخه ا | | 21 | | 1 | |
|--|-------------------|--------------------------------|-----------------|------------------------|--------------------|----------------------|---------------------------|
| अर्थौन् सम ५ [,] अर्थौन्समीक्ष्य | ४८,४२०५ | अय सव स | ५६४,१३१३ | अधवज्रश्च | | अर्वाची सुभ | *\$68 |
| अर्थान्समीक्या अर्थान्समीक्या | *६१२ | | | अर्घषष्ठैः क्ष | १४६० | अर्वोञ्चमिन्द्र | २े८६३ |
| | 11 | अयरया । न | ५५९,१३१३, | अर्थहस्तान्न | २८२९ | अई पूरोरि | *८३८ |
| अर्थायैव हि | २००९ | | १३२७,२०२६ | अधेहस्ते स | # १५१९ | अर्हः पूरुरि | 99 |
| अर्थार्थ परि | १०६५ | | | अर्धहस्तोन्न | २८ ३५ | अर्हः प्रष्टुं भ | १०८५ |
| | २३,१३२३ | अर्थेस्त दूष | क्ष १५७७ | | १४६,१३६५ | | ८४६ - |
| अर्थार्थिनः स | ६४८ | अर्थोत्सर्गेण | २१२४ | अर्घोशेनाऽऽत | | अर्हयन्पुरु | ५९७ |
| अर्थार्थी जीव | १७३२, | अर्थो धर्मः | | i | १३६५ | अ ई यित्वाऽऽस | १०१५ |
| | २०२९ | अर्थोऽनर्थ इ | • • • | अर्घाढकं तै | २३१२ | अईयेयुर्य | # 28 9६ |
| अर्थाश्चेवाभि | * 4 8 | अर्थोपघाशु | १२२७ | अर्घादकम | २२६ २ | अर्हस्तत्राह | #8906 |
| अर्था होवाभि | प४ | अर्थोऽर्थानुब | १९२६ | अर्घातमो ह वा | | अईस्तस्याह | 79 |
| अर्थिनां कार्य | १८१३ | अर्थी हार्थस्य | २५७० | अर्धार्धकर | १४७२ | अहीन् पूज | ५९५ |
| अर्थिनामुपा | १२०३ | 1 -1 -1 -25 -11 -11 | १३७२ | अर्घावरं च | # १३ ५६ | अलंकरण १०६ | २,१६९२, |
| अर्थिप्रत्यर्थि | ५५१ | 214 (41(4) | | अर्थोदिते सू | ४२२ | | २५४३ |
| अर्थिषु संवि | ७६८ | | | अर्थोन्नतमि | २८३ २ | अलंकारं पु | २९४१ |
| अर्थी तु शक्य | | | १३६० | अर्पयेत्काच | | अलंकारम | ९४३ |
| | \$ 2083 | अर्ध भोक्ताऽ। अर्ध वैशाख | | | २२४८ | अलंकारये | ९५७ |
| अर्थेतः स्थ अ | १४६ | | २४७३ | अर्पयेद्गु | २५२९ | अलंकारवि | २९४० |
| अर्थेत स्थ रा | २७० | अर्धकार्तिक अर्धचन्द्रं प्र |)) | अर्बुदिनीम | ५१५ | अलंकारे च | #१०६ २ |
| अर्थे तु शक्य | २०४३ | अधेचन्द्र भ अधेचन्द्रक | १४६२ | अर्बुदिश्च त्रि | ५१८ | अलंकारैः क | ૨ ૪૬૫ |
| अर्थे दर्पी म | १२१५, | अवचन्द्रक | २७३३, | अमीलवं प्र | २६५ ९ | अलंकारैश्च २८ | |
| | १३१६ | अर्धचन्द्रप | २७४४ १४६२ | अर्मेभ्यो हस्ति | ४१५ | अलंकुर्याहि | - २८८ ४, |
| अर्थेन कामे | १९७९ | | | अर्यभावो ब | १३६७ | | २८८५ - |
| अर्थेन दूष | _# १५७७ | अर्धचन्द्रश्च | १५४२, | अर्थमणाचं त | २४६२ | अलंकृतश्च | 989 |
| अर्थेन हि वि | ५५९, | अर्धचन्द्रस | १७३१,२७३४ | अर्थम्णि सौम्य | २९१९ | अलंकृतस्त | ۰,, |
| १३१ | ३,१३२६, | | २९८४ | अर्थमणे सौम्य | I | अलंकृताभि | ર ૮૧૪ [*] |
| | १३५९ | अर्धचन्द्रां व अर्धचन्द्रेण | १४८३ | अर्थम्गे स्वाहा | * ;; ২৩৩ | अलंकृतायाः | २८६६ |
| अर्थेनानुरा | १११६ | अवचन्द्रण | २७१०, २७१९ | अविद्धिरमें | | अलंकृता रा | ८०३ |
| अर्थेभ्यो हि प्र | :# ५५ ९ | अर्धद्रोणं ख | 1 | अवाद्धरम अवीद्धिवाज | 0 2 - 1 | अलंकत्य मु | ર ૬७૮ |
| अथेंभ्यो हि वि | પ | अधन्यूनश्चा अर्धन्यूनश्चा | | अवाक् इयब्दा | *** | अलंकियन्ते | ११३२ |
| १३१ | ३,१३२६ | अर्थप्रक्षे प | १३५५ | • | 1400 | अलं तया श्रि | १०२० |
| अर्थे वा यदि | ११५६ | अपत्रका अर्घभाग्रक्ष | | | 14-1114 | अलं तेनामृ | |
| अर्थेषु दूष | 5 | | | अ वक्सि वत्स | 3 / 1 " | | ९०३ |
| अर्थेषु भागी | 3006 | अर्धभोक्ताऽहि | | अवीगन्दाद्ध | 1 | अलं ते मान | १०३५ |
| अयंषु मागा अर्थेष पभो | | अर्धमाषकः ⁸ | | अवगिव हि | | अलक्षितो रि | २१९३ |
| अथवूपमा अर्थे सर्वे ज | | अर्धमुपयु अर्धमुख्य | | अवगिवास्मा | २८५, | अलक्ष्मीरावि | २३७५ |
| અંત જાવ જા | | अधराज्यह र अर्धरात्रे म | ७०९,१७१६ | | २८८,२८९, | | २४८८ |
| | <i>६२६</i> ६) | अवरात्र म | २४९३ | | | अलक्ष्याः सर्व | १७६६ |
| रा. सू. ५ | | | | | | | |

| अलक्ष्या हि य | १७६६ | अलातास्थिमु | २५१ | । अल्पकोशो हि | १३२८ | , अल्पेनापि च | *२८१५ |
|-------------------|--|---------------------|----------------|------------------------------------|--------------------|---------------------------|----------------------|
| अलग्नः पाद | २८७५ | अलाबुश्चाति | १४२५ | | १३९ | | २१५ १ |
| अलब्धं चैव | १३३४ | अलाभे चन्द | * ? ८७४ | | १९८ | अल्पेनापि हि | १५०२ |
| अलब्धप्रति | ११५९ | | ,, | अल्पद्रव्येण | ९१६ | 1 | १७,२८१५ |
| अलब्धमिन्छे | १३३५ | 1 2 0 | २८६८ | , अल्पप्रज्ञैः स | १७६३ | i | १३१९ |
| अलब्धमीहे | १३५१ | 1 | *248 | अल्पप्रवासो | २५ ९ | अल्पेऽप्यपक् | १२९०, |
| अलब्घलाभा | ५५५ | 1 ~ | ५१६ | अल्पप्रसारा | * ,, | - | २०८३ |
| | १,१४०३ | ' | २६५८ | , ∣अल्पमाप वा | ११९५ | 1 | ७२६ ०६ |
| अल ब्घलाभो | , १, १, १, १, १, १, १, १, १, १, १, १, १, | • | * 8388 | ्राञ्जल्पमप्यप | #१७३ ८ | 1 9 | २४८५ |
| | | 1 . | | अल्पामण्डन | २०१० | 1 | २५९२ |
| अलब्धलिप्सा | ५७६ | ' - | ः २३५१ | अल्पमेवाल्प | #२५९ ३ | | २५५४ |
| अलब्बालन्ता | |) | 232 | 1040154111 | # २६८४ | | ५७१, |
| अलब्धवेत | ११३९ | STEERLE | # १८२५ | . | २७५ १ | · | २००४ |
| अलब्बन्त | १९५ ४, | 272250 | १०८१ | 19104-411 | पर | ા અલ્વાગાય હ્યાર | २३७० |
| | १९५९ | · | १८२५ | અલ્પરાવના | २२२० | ાઝભ્યા\પ્યાથવ | १८८६ |
| अलब्धस्य क | २०४२ | · | १२४६ | 1 -1 -1 -1 -1 | ११०६ | अवः परेण | ৩২ |
| अलब्धस्य च | ५५५ | श्रास्त्रकारमञ्जानि | १०६५, | 1 | ११२९ | अवकारोन | ३२५ |
| अलब्धस्वप | # १ ९५९ | 1 | 2280 | 1.1.1.1.1.3 | २१७३ | अवकाशो न | १९१५ |
| अलब्धिलपां | २८२६ | | | A 64 64 41 4 | | अव क्रन्द द | २४७५ _. |
| अलब्ध्वा मद्वि | २००६ | | १०३४ | 1 | | 1 | ४९४ |
| अलब्ध्वा यदि | २३८२ | अलेख्यमाज्ञा | १७५०, | 1 | म २० ९ ९ | अवकामन्तः अवक्षेपः प्र | ४८४ २२५६ |
| अलभन्ती तु 🕖 | ११२३ | अलोचनगो | १८३८ | अहपाखिलश | १६६४ | 1 | |
| अलम्यमाना | प९ | 1 . | 900 | अल्पागमाति | २१०१, | अवक्षेपेण | २१५४ |
| अलभ्या ये शु | २०११ | अलोभ इति | १९४० | | २८११ | अवगताऽस्य | ३४० |
| अलमेका प | # ₹५०० | अलोभं सत्य | १८३० | अल्पान्तरग | ५८७ | अवगाह्याऽऽप | १०५५ |
| अलमेषा प | ,, | अलोखुपः सं | ११८२ | अल्पाऽप्यथेह | २६ ०६ | अवगाह्याऽऽशु | २७८९ |
| अलम्बुषो र | # ₹७१४ | अलौल्यममा | १६६४ | अल्पा प्रत्यास | ર ૨ ૦ ૬३ | अवगुण्ठच त | २९८९ |
| अलम्बुसो र | ,, | अल्पंच बल | २७६ १ | अल्पायतिर्म | | अवज्ञयाऽपि | २१२८ |
| अलर्के नाम | ०६० | अस्पं तु साधु | १०६७ | अल्पायातम अ ल्पा यतिश्चे | १२३३ | अवज्ञया वा | क्ष२०१४ |
| अलर्कविष | १२७३ | अल्पं दत्तं प्र | १७१७ | अल्पायमुखो अ ल्पा यमुखो | २२२६ १२३३ | अवज्ञाता भ | ८४१ |
| अल्सं मुख | १७०९ | अल्पं पश्चात्को | २५६३ | | | अवज्ञानं हि | १९०३ |
| अलसं विक | १९३९ | अल्पं वदेच | १ ११७ | अल्पायां वा म | २४९५, | अवज्ञाय न | २०१४ |
| अलसः सर्व | ११९५ | अल्पं वा बहु | ६९४ | 21-11-12-2 | २५५१ | अवशाय हि | १९०३ |
| अलसस्य ल | | | | - 4 | ५३४,७६० | अवशासिक | २८४८ |
| अलसस्याल्प | १७३१ | अल्पः पश्चात्को | 3 | अल्पाश्रयान | 700 | अवज्ञोपह | ^२ १९८९ |
| अलसामायु | 1 | अल्पः प्रसारो | 249 | अल्पीकृतं वि | ادمهم | | १३७ |
| अल्लाश्च र | | अल्पकालं जी | | - | | अवतत्तध अन्य तस्य ब | ४८५ |
| অন্তান নিন্দ্ত | | अल्पकोशः कु | १७०२ | अल्पेच्छो धृति | , | अव तस्य ब | |
| | • • • | 3, | 1004 | | १२२८ । | अवतार्य व | २८७२ |

| अवतीर्णी भु | 3/9/ | अवमेने स | 454 | ३ अवश्यं पार्थि | | | |
|-----------------------|------------------------|---------------------|------------------|---------------------|----------------------|--------------------|--------------------------|
| अवतीर्य नि | | 1 | | 1 | •- • | ८ अवस्थावा ना | # <i>0</i> 8, <i>9</i> 0 |
| अवताय ।न अव ते हेड | २५३: | 1 | ११ ३ 3 | `l | • | ९ अवस्यवे यो | ८६,३६० |
| अप त हड | 288 | | ११४ | | | अवस्यवो वृ | ३७० |
| अव ते हेडं | २९३३ | अवरुद्धं तु | १०१६ | | क्ष्८०,१९१ | | ४७४ |
| | # २९३१ | अवरुद्धं स्व | १५७० | , अवश्यंभावि | | अवहीनान् | प६ |
| अब ते हेळो | • | अवरुद्धवृ | ६६९ | अवश्यं भावि | | 1 | ४३४ |
| अवधानेन | २०४५ | अवरुद्धांस्त | १९४१ | अवश्यं हि इ | | अवाङ्गुखा | २९२२ |
| अवधिष्म र | २५५ | ्रोअवरुद्धाः स्त्रि | १००० | अवश्यनिष्प | २५७ ६ | अवाचीनान | ७१ |
| अवधिष्मामु | ,, | अवरुद्धादा | २५६५ | अवश्यपोष्य | રે ૭ ५५ | अवाच्यः कस्य | २००३ |
| अवध्यः सर्व | ५६५ | अवरुद्धे च | ६६९ | अवश्यभर | ५८० | अवादयन्त | २७ ९९ |
| अवध्यभावो | १६८५ | 1 | ≉१३ ६ | 1 _ | २३९ ९ | अवादहो दि | १८ |
| अवध्यानां व | २४४४ | 1 | | अवश्यमाया | १९४२ | 2120000 | ų |
| अवध्यान् ब्रा | १९७८ | 1 | २०१६ | अवश्यमेकं | २१५० | | २८९२ |
| अवध्याश्च हि | | अवरोधाञ्जु | 恭 ,, | अवश्यमेत | | । अवामः क्षत्र | २४५० |
| अवध्ये चाऽऽ | | अवरोधाद् ब | * ,, १९८४ | | १६२२ | अवाप्तार्थः का | १७७१ |
| अवध्यो ब्राह्म | .ज २५२ १९७ <i>०</i> | अवर्गे गर | २४७४ | अवश्यमेव | ७६५, | | T 9 |
| अवध्यो वै ब्रा | | अवर्गे वर्ग | १८३६ | | २२, २७७४ | अवाप्नहि ज | २५३८, |
| अवनद्धम | , , ,, | अवर्चसं कृ | ३४३ | अवश्ययात | २५७४ | | २५४५ |
| | ४०४ | अवर्णकारि | २३८३ | अवश्यसैन्यं | २०९० | अवाप्तुहि ब | ર ५४५ |
| अवनामसु | १५१० | 1 | ર | अवष्टब्धं च | ॥२९१ ७ | | १७६८ |
| अवन्ति शत्रु | < | अवर्णादिक | २८३८ | अवसानं च | १९९८ | अवाप्य कामा | २८७२ |
| अवन्ती च त | २९६९ | अवर्तन्त य | २७०४ | अवसीदन्ति | ६३७ | अवाष्य कृत्स्नां | ६६३ |
| अव पद्यन्ता | ५१४ | अवर्मयित्वा | २७३२, | अवसीदेत्स | क्षर३७२ | | २८२४ |
| अवभृथादु | ₹₹₹,₹ ₹४ | | २७८८ | अवसी दे त्सु | | अवाप्यान्काम | 2006 |
| अवमत्य क्ष | . ८२१ | अवर्षति च | ६३४ | अवसृष्टः प | " ** የ ፍ , | अवाप्स्यसि सु | २०८२ |
| अवमन्य नृ | ११२४ | अवलम्बित | २८७६ | -14/60- 4 | ** | अवाप्स्यसे पु | १०८३ |
| अवमन्यन्ति १ | ०६२,१६९२ | अविलिप्तेषु | १२८८ | अवसृष्टा प | ४९६, | अवाप्से वा श्रि | २३७ <i>१</i> |
| अव मन्युर | ५०८ | अवलेप्यानां | २२५६ | | ४०६, ५०६,२५३२ | अवाम्ब रुद्र | १३६ |
| अवमर्द: | ६७८ | अवल्गुकारि | *2323 | अवस्कन्दभ | | अवायन्तां प | ५२० |
| अवमर्दः प्र | ५७५,५७६ | अवल्गुजः सो | *१४६६ | | - 1 | अवारयत्स | १२२१ |
| अवमर्दश्च | २६४८ | अवशः कर्म | १२२५ | अ वस्कन्दाभि | - 1 | अवारयन्त | |
| अवमानं पु | | अवशाः पूर | | अवस्करभ | _ | अवारि दे शे | ३३० |
| अवमानः कु | | अवशास्तर्प | | अवस्ताच्छ्रोणा | 1 | अनार्यवीर्यो | २५२० |
| अवमानेन | | अवशिष्टस्तु | | अवस्त्राच्छादि | ı | | १२७५ |
| अवमुक्तम | | अवश्यं कर्त | | अवस्थया मे | 5534 | अवास <u>ु</u> जन्त | २४ |
| अवमून्याग्र | | अवश्यं जन | १२४१ | अवस्थां तस्य | ५०७५ | अवास्तुमेन | ४०९ |
| अवमूल्याग्र | i | अवश्यं तद | عروه | अवस्थातः प्र | र४७२ | अवास्राग्दीक्षा | २४५ |
| अवमेने च | • • • • | अवस्यं न भ | | | #१२९६ | अवाहिता न | १५४३ |
| ्राच्या च | 0041 | -1447 1 1 | 4000 | अवस्था नामा | <i>\$0</i> 8 | अविकार्योऽवि | २३३५ |
| | | | | | | • | 1144 |

| अविक्रमतो | १८०३ | अविनीतं स्ने | १२४९ | अविश्वास्थो | हि २८१७ | अवेक्षेरन्धा २ | ०४,२४४० |
|------------------------|-----------------|-------------------------------|-----------------------|---------------------------|--------------------------|-------------------------------|------------------------|
| अविक्लबस्तु | २४०० | अविनीतकु | १०१२, | अविश्वास्थो | ह्य २ ६४५ | अवेक्य मन्त्र | १७६८ |
| अविक्षतेन | ५७९, | १ | ०१३,१०१५ | अविषण्णम | *१५१७ | अवेक्या मन्त्र | ., |
| ২ ৬৪ | ६८,२७९१ | अविनीतम | ६१२ | अविषये लो | १ ११६ | अवेक्यैतद्भ | ७५० |
| अविक्षेपे रा | १७०२ | अविनीतस्वा | ११७८ | अविषद्यत | ६०८,२४०० | अवेदयानो १३ | ४१,१३६० |
| अविचारक | १६३० | अविनीतो हि | १५५७ | अ वि षह्यमु | २६४० | अवेधं कार | १४७८ |
| अविचार्थ त | ५८५ | अविभक्तध | ११५६ | अविसंवाद | ^२ ११७२ | अवेरिवाप | ४ ४५६ |
| अविचार्य प | ९४० | अविभक्तानि | १२९२ | अविसंवादा | १७०४ | अवेष्टा दन्द | १५५ |
| अविचार्यं ब | १७९७ | अविभिन्नस्तु | १७६७ | अविसंवादि | ११५८, | अवेष्टी यज्ञ | ७८६ |
| अविनार्थ स | क १६३६ | अविमुक्तक | १४१५ | 1 . | १८३,११८४, | अवैनं राजा | ₹ |
| अविचार्याश्च | *११०३ | अवियुक्तम | # 8५८८ | , | १८६१ | अवैनानश्म | ७१ |
| अ विचाल्याश्च | " | अविरुद्धस्त | १६९५ | अविस्तरम | १६६७ | अव्यक्तं निय | 3966 |
| अविच्छिन्नान्त | १४४४ | अविरुद्धां त्रि | २०३३ | अविस्तस्मात् | | अव्यक्तमब्र | २७९७ |
| अविजित्य य ९१ | १९,१०४३ | अविरुद्धैर | १८०२ | अविखलं वृ | | | २२३ ६ |
| अविज्ञातस्य | ११३९, | अविर्मल्हा सा | ३ ११ | अविहाय म | | अव्यक्तवत्र्मे | ७३८,८२४ |
| १७८ | ८२, १७९० | अविलोपमि | २४३२ | अवीचिवासि अवीचिवासि | - | अव्यक्तादीनि | २९८८ |
| अविज्ञातासु | १०७३ | अविलोपे व्य | १५०९, | - | | अव्यक्तो निय | |
| अविज्ञातेन | ९८९ | | २५६ २ | 216.00 | | अव्यङ्गं नाधि | क ,, १६३६ |
| अविज्ञातो दू | १६८३ | अ वि वे का द् | ૨१ ४९ | 912.9111 | | अव्यङ्गं रक्ष | |
| अविज्ञानाद | २ १३२१ | | २२९६ | અંદા તામવ | १०४२ | अव्यङ्गलक्ष | १६२५ * • |
| अविज्ञानाद्धि | २०३३ | अविशिष्टलि | १८३३ | अवृत्तेर्भय | 4 33 | अव्यथायै त्वा | ^क ,, २९१ |
| _ | | 000 | १५४१, | अवृत्त्याऽन्त्या | म १३२३ | अःयधायै त्वा | २ ४३ |
| अविदित्वा लि | २९८२ | | २२१५ ३३०,१७५८ | अवृत्त्याऽन्यम | f # ,, . | अःययाश्चाद् | रुव्य १८३३ |
| अविद्यायुक्तः | १११७ | अविशेषज्ञो े | १ १९ ९ | अवृत्त्या यो | | अन्यवास्याद् अन्यर्थमस्त्र | |
| अविद्याविन | १५५७ | अविशेषेण | ८२५ | अवृत्याऽस्मा | न् २३८५ | अध्यवसायि अध्यवसायि | १ ४७४ |
| अविद्या वै म | २३८८ | अविश्रम्भान् | # २६०२ | अवृत्येव वि | २३८३ | | १२०५ |
| अविद्वांश्च वि | #६९ ७ | अविश्रान्तं व | *< | अवृद्धसेव्य | ९२३ | अब्यसनेन | १२०३ |
| अविद्वांश <u>्च</u> ीव | : 5 | अविश्रामं व | | अवृद्धिकं गृ | १८४१ | अव्याधिजं क | २४३१ |
| अविद्वानपि | ८६४ | अविश्वस्तेषु | * ,, ६३४, | अवृद्धिमेति | ११०२ | अन्यायाम्शी | ९६५ |
| अविद्वानशु | १२४२ | जानवलाउ | ११०६ | अवृष्टिरति | १०७३, | अव्यायामोऽङ्ग | १६०० |
| अविद्रान्त्राह्म | ११२४ | अविश्वस्तो वा | 26.80 | Olsierin | १९३२ | अध्याहताज्ञ | ११४३, |
| | ९,१०४३ | अविश्वासः स्व | | अन्नृष्ट्या तोय | | AT- | ११८९ |
| अविषेयानि | ९१९ | | | अवृष्टया साय अवेक्षमाण | । २ ५८ ० १२४६, | अव्याहताज्ञ: | ८६०, |
| अविनयर | ८८२ | अविश्वासक | २०३४ | স্বর্গাণ | | - | ११४७ |
| अविनाशं सं | 2 833 | अविश्वासश्च अविश्वासस्त | १२८९ | शक्तेश्वरक ग | # », | अध्याहृतं व्या | ६५१ |
| अविनाशमि | | अविश्वासस्त अविश्वासो न | | | ५६०,१०४८ | अव्युच्छेत्ता ऽसि | |
| अविनाशोऽस्य | 2040 | अविश्वासा न अविश्वास्यः सु | १०६९ * १०९० | अवेक्षितार्थः | | अव्यूढे सुचौ | ३१६ |
| | • •- | -11.1-41.01. 0 | # 4 0 2 0 | • | १८९०। | अब्यूह्त स्व | २७१३ |
| | | | | | | | |

| अब्यूहन्त म | | अशङ्कमानो | | अग्रुचिर्वच | | अश्नुते श्रियं | १४ |
|----------------------------|----------------------|------------------|-------------------------|---------------------|-----------------|---------------------------------|----------------|
| अब्यूहन् मा | २७०८ | 1 ' | | अञ्चीश्च य | | अश्नुते ह प्र | २१७ |
| अव्रताश्चान | ७२४ | अशङ्कितम | ११२० | अग्रुचेः ग्रुचि | | अश्मनां च प्र | १४६४, |
| अवता ह्यन | ,, | अशङ्कितेभ्यः | १८८९ | अग्रदं छेद | १३२८ | | १४९७ |
| अशक्त एवी | १५८१ | अशङ्कचमपि | २०४५ | अग्रुद्धं सचि | १२१५ | अश्मभिश्चाप्य | १५०५ |
| अशक्तं क्षत्र | २७६५ | अशङ्क्याद्भय | १८८९ | अशुद्धपार्षिण | *२१८०, | अश्मभिश्चाभ्य | ÷ ,, |
| अशक्तं खर्ण | १३८२ | अशत्रुरिन्द्र | ४८५ | 1 4 | ९०,२४५६ | अश्मा च मे मृ | ४५५ |
| 'अशक्तयः ख | २३९१ | अशिवन्द्रो अ | ३९९ | अशुद्धे मण्ड | १८६० | अश्मा जागत | २४८२ |
| अशक्ष द | १४१९ | अशनिनिपा | २५४८ | अशुमं तु स | *१९६९ | अश्मेव स्थिरो | २४८३ |
| अशक्तस्तु भ | १०२७ | अशरण्यः प्र | १०४९ | अशुमं तु स्मृ | ,, | अश्याम तदा | ₹:₹ |
| अशक्ताः किंचि | १२१९ | अशस्तैवति | #१६१७ | अग्रुभकर | ९६४ | अश्रद्धत् | २४२८ |
| अशक्ताः पौर | २४१४ | अशस्तो वाद्य | २५०६, | अशुभवग | २६९४ | अश्रद्धान | २७६६ |
| अशक्ता ग्रह | १८८७ | | २५१५ | अग्रुभस्य च | ५९९ | अश्रद्धाना | १३३१ |
| अशक्तान्भय | १७०९ | अशस्त्रं क्षत्रि | # २७६५ | अग्रुभस्य त | " | अश्रद्धेयम | १७२४ |
| अशंक्तिः शक्ति | ६१५ | अशस्त्रः शूरः | ९०० | अग्रुभस्य य | * ,, | अश्रयन्वाव | ३३० |
| अशंक्तिमतो | १९२१ | अशस्त्रबन्धे | ९६१,९९५ | अशुभे वाऽशु | २५१ ४ | अश्रुकण्ठोऽभ | ሪ४४ |
| अशक्तेन त्र | १९८६ | अशस्त्राश्चरे | १७०२ | अशुद्रा अब्रा | ४१८ | अश्रुप्रपात | २०४३ |
| अशक्तो दश | १३८५, | अशासंस्तरक ७ | १०,१४१० | अशुण्वानाः पु | ५९४ | अश्रुप्रमार्ज | • ,, |
| | १८,२२०८ | अशासत्तस्क | ७७१० | अशेषं श्रोतु | * ₹४९७ | अश्रूणि कृप | ३९९ |
| अशक्तो दशा | * * ? ₹ ८५ | अशास्त्रचक्षु | १५५५, | अशेषतोऽप्या | १३४२ | अश्रेयन्त त | २४८५, |
| अशक्तो भय | १७१७ | | १५९२ | अशेषमेवो | #२६०६ | | २९१७ |
| अशक्तो वा सै | | अशास्त्रलक्ष | ६१३ | अशेषराज्य | १५९२ | अश्रोत्रियाः स | १३१५ |
| अशक्ती ता त अशक्ती तु न | २६ <i>०९</i> २०२५ | अशास्त्रविदु | ं १७६८ | अशेष विष १ ७ | | अश्व इव र | ४०९ |
| अशक्ती दश | | अशास्त्रोक्तेषु | ७१८, | | | अश्व एव ज | ४२४ |
| | १४१८ | | १९७६ | अशेषाश्च त | # ३०० ३ | अश्वं न गूळह | ५४ |
| अशक्ती बन्ध | १९७८ | अशिक्षितं शि | १५२६ | अशेषान्य ल्प | १३१४ | अश्वं प्रस्तोतृ | १६५ |
| ् अशक्तौ शक्ति | १४१८ | अशिक्षितन | १७८५ | अशोकश्च शि | १४७६ | अश्वं प्रस्तोत्रे | ३०५ |
| अशक्ती सुन | # २०२७ | अशिक्षितम | १५२९, | अशोको धर्म | १२४६ | अश्वं बबन्ध | ર ે રૂપ |
| अशक्नुवंश्च | * ₹048 | | ৻૱૱,૽૽ૡૡ૽૽ૼ | अशोको मन्त्र | #१२४५ | अश्वः प्रस्तोतुः | ३२६ |
| अश क्नुवं स्तु | " | अशिक्षिता ह | ં શ્પ ર ્ | अशोच्यास्ते म | २४५० | अश्वः प्रसातुः अश्वः सिंहश्च | |
| अशक्यं तु गु | #१०१२ | अशित्वा पिशि | | अशोच्यो हि ह | २७७२ | अश्वकर्माथ | २८४५ |
| अशक्यमिति | १९१३ | अशिष्टनिष्र | ६४६ | अशोधकृत | १६६३ | | २६७२ |
| अ शक्यरूप | २००५ | अशीतता चा | २८४२ | अशोधितायां | २६९६ | अश्वतरोष्ट्र | २६ २७ |
| अश व यारम्भ | १७८२, | | | अशोभत म | २७२० | अश्वग्रीवः क | १०५७ |
| | १७८६ | अशीते विद्य | १०७३ | अशोभत मु | २७११ | अश्वतीर्थं च | # २९६८ |
| अशक्ये दण्डो | २१९४ | अशीत्यधिक | १४२७ | अशोभिता दि | \$ 28९३ | अश्वतीर्थश्च | * 99 |
| अशक्ये सर्व | १९२७ | अशीत्यश्वान् | | अशोष्या अपि | ं इ २९२५ | अश्वत्थप्तक्ष | ર ૬૭૬ |
| अशक्यी सुन | २०२७ | | १७५७ | अइनुते श्रिय | ३५० | अश्वत्थमाल | |
| | | | | | | | २९ ०३ |

| | 01.76 | سخنجسيد ا | | | 2 | lardaret e | Sul. 4 |
|--------------------------------|------------------------|----------------|--------------|-------------------|--------|------------------------------|-----------------|
| अश्वत्थवध | २५३६ | | २४५२,२५५१ | | | अश्वेनाश्वी प | - |
| अश्वत्थामा कु | २७२० | अश्वमेघो | | i . | २३१० | अश्वेनाश्वी प | • • • |
| अश्वत्थामा कु | २४८७, | अश्वमेघो | | | | अश्वे रथे ग | १५१७ |
| રેહ | १०,२७१२ | अश्वयुद्धं र | | | | अश्वेऽश्वे दश | |
| अश्वत्थामा च | २७१७ | अश्ववज्रारि | | 1 | १५२५, | अश्वैः सर्वायु | |
| अश्वत्थामा य | २७०४ | अश्ववन्ति | | 1 - | २३४१ | अश्वेरतिज | #2240 |
| अश्वत्थामा सो | २७ १ ४ | अश्वविभवे | | 1 | ९२३ | अश्वैर च मे | |
| अश्वत्थामा ह | २७९६, | अश्ववृन्दैर्म | . २७१३ | अश्वान् गाश्चेव | १०४९ | अश्वो दक्षिण | |
| 91 44 11411 6 | २७ <i>९</i> ७ | अश्ववैद्यप्र | રે૮૮૪ | अश्वान्सुदान्ता | ९२३ | अश्वी भद्रश्च | *२९९४ |
| अश्वत्थामेति | | अश्वव्यहैर्भ | २७०३ | अश्वायामच | २३०७ | अश्वो बोळ्हा | |
| अवस्यामात | २७ <i>९</i> ६, २७९७ | अश्वब्यूहो | व २७२४ | अश्वारोहाः प | ६१७ | अश्वोऽसि | २८८० |
| अश्वत्थाम्नः स | २७९८ | अश्वशाला | | अश्वारोहा ग | . १३१५ | अषाळहसुम्रं | २१४ |
| अश्वत्थाम्नि ह | २७९६ | अश्वरीर्षः | | अश्वावपि प | २७५३ | अष्टकर्मा दि | ७२२ |
| अश्वत्थोदुम्ब अश्वत्थोदुम्ब | २५२९ | अश्वसधर्मा | | अश्वा वा रथ | ३१७ | अष्टकोणो भ | १४९५ |
| अश्वनागर | २७७१ | İ | २२२५,२३५० | अश्वासो न ये | ४७६ | अष्टतालवृ | १३७४ |
| अश्वनागर अश्वनियाम | १११३ | अश्वसादि | | अश्विखरांग्र | २८४६ | अष्टघा दश | २३४८ |
| | | अश्वस्क धैर्ग | २७७१ | अश्विना त्वाऽप्रे | ९६ | अष्टघा नाश | ७३१ |
| अश्वनीराज | २८८७ | अश्वस्तनमृ | | ı | | अष्टपत्रं लि व | र५२९,२९८९ |
| अश्वपण्योप | २६ ३६ | अश्वस्थाना | | अश्विना पन्थां | ९४ | अष्टपत्रं सि | ૧૧૧૮ |
| अश्वपतिर्वे | ४३६ | | २९७ ५ | 1 | २२७ | अष्टपादूर्ध्व | १६९६ |
| अश्वपृष्ठे र | ८६६ | अश्वस्यो वि | वेच १७५४ | अश्विनी रेव | २४७० | अष्टपाद्रक्त | *528 |
| अश्वबलं सै | १५३८ | अश्वस्य त्र | | 1 | २९६८ | अष्टपानैक | " (10 |
| अश्वनलप | १५३९ | अश्वस्य प्रा | ते २७३३, | अश्विनौ नु स्तु | १९० | | ,, १२६५,१७५५ |
| अश्वभूमि प्र | २६ ० २ | | २७३७ | अश्विनी वा ए | ३१३ | अष्टप्रोतिसं अष्टप्रोतिसं | 2230 |
| अश्वमलंकु | २८५३ | अश्वस्थेव व | बा ४५५ | अश्विनी सह | રષ૪૫, | | |
| अश्वमारुह्य | ર૬૭५ | अश्वस्थेव वि | शे ४५६ | | २८९२ | अष्टभागोऽग्नि | २३२३ |
| | ર | अश्वांस्तित्ति | र ६२५ | अश्विन्यां च ध | २४७० | अष्टमं जन्म | २४७१ |
| अश्वमारोह्या | २९३२ | अश्वागारान | र् २५९९ | अश्विन्याद्याश्व | २९७६ | अष्टमं पिट | २८७३ |
| अश्वमूत्रेण | २६५६ | अश्वाजनि | प्र ४९५ | अश्विभ्यां पच्य | 388 | अष्टमांशं पा | १७५७ |
| अश्वमेधं रा | *२४२९ | अश्वातकैर्वि | | _ | 1 | अष्टमाङ्गु | ३००२ |
| अश्वमेधिज | ११०३ | अश्वादिकं | | अश्विभ्यां पूष्णे | १६७ | अंष्टमीमिषू | २५३२ |
| अश्वमेधफ २६७ | | अश्वाध्यक्षं | | अश्विभ्यां सह | २५३८ | अष्टमे ऋत्वि | 988 |
| | ८७,२७८९ | अश्वाध्यक्षः | 1 | अश्वी भवेत् | २६७१ | अष्टमे सेना | " |
| अश्वमेधम | २८९६ | अश्वाध्यक्षः | | अश्वीरथी सु | ४५९ | अष्टमो द्वाद | १३८२ |
| अश्वमेधस | ११०४, | अश्वाध्यक्षेण | | अन्त्री रुद्रश्च | २९९४ | अष्टम्यां च न | २८९० |
| | २९०४ | अश्वाध्यक्षो | | अश्वीव तां अ | 3 33 | अष्टम्यां तु न | " |
| अश्वमेधादि | १९८३ | | २३५१ | अश्वेन च मे | 1 | अष्टम्यां घाव | २८९३ |
| अश्वमेघान | २७८८ | अश्वानां क | ाम २९१९ | | ا ع | अष्टम्यां नव | २८९६ |
| | | | | • | | | |

| अष्टम्यां वाद्य | २८६८, | अष्टादश वि | १४१५ | अष्टौ कन्याश्च | २९४२ | अ संदिग्धम | १४२८, |
|--------------------------------|--------------------------|------------------|--------------|----------------------|------------------------------|---------------------------------|--------------------------|
| | २८७३ | अष्टादश सा | ,, | अष्टौ खण्डानि | २८३४ | १८ | <i>१</i> ८४० |
| अष्टम्याम् 'अ | २८५४ | अष्टादशसु | १६५६ | अष्टी च कन्या | ^३ #२९४१ | असंघाय य | २०७४ |
| अष्टलोहस | २८४२ | अष्टादशाना | १८६६, | - | | असंघेयमि | १९ १ |
| अष्टवर्ग च | ६६३ | जटाप्सागा | _ | अष्ट्रौ चान्याः र | | असंघेयेन | २०८८ |
| अष्टवर्गब | २५१५ | ~~~~i ~~ | • | अष्टौ चारान् | १६५६ | असंपूज्य त | २८५९ |
| अष्टवर्गमि | ७५०, | अष्टानां मन्त्रि | १२४३, | अष्टौ द्वाराणि | १४९५ | असंबद्धप्र | ७१६०३ |
| • • | ६, १३ ६४, | | १८१० | अष्टी नागस | २७०५ | असंबाधं ब | ४०६ |
| | र, १ र २ ° , . १,१७३६ | अष्टानां लोक | ८२१, | अष्टौ परमा | २२७४ | असंबाधा या | * ,, |
| अष्टवर्गानु | . २४६२ २४६२ | अष्टानीको द्वि | ८२४,९५१ | अष्टी पूर्वनि | १०३६ | असंभवश्च | १०६६ |
| अष्टवर्षात् | २२ ९६ | અષ્ટાનાના હ | २७३३, | अष्टी बभूवु | # १ २४५ | असंभवादा | ६३६ |
| अष्ट वैष्णव | | | २७४४ | अष्टी महाग | ** २८८ २ | असंभवे तु | २०५४ |
| अष्ट पञ्चप अष्टरातग्रा | १४१५ | अष्टापक्षां द | ४०४ | अष्टी मासान्य | ८१५, | असंभवे त्व | २३७४ |
| | १३९० | अष्टापदप | १४४३ | अष्टा माचान्य | • | असंभवे प्र | २५९८ |
| अष्टशाखं च | १८६८ | अष्टापदी च | ३९९ | 4 | ८२२ | असंभवेऽभि | * ,, |
| अष्टपष्टिप अस्परिका | ३००३ | अष्टाभिः काष्ठ | २८३३, | अष्टौ यवम | २२७४ | असंभवे वा | * |
| अष्टपष्टियु | १४९८ | | २८३४ | अष्टी वर्गान | २४७४ | असमय पा असंभवे श्रि | *५५५ २०१० |
| अष्टषोडश | २८३९ | अष्टाभिरुह्य | २८४६ | अष्टी वै वीरा | ३४९ | असम्य ।श्र अ संभा वित | २०१५, २०१५, |
| अष्टहस्तं सु | १४७८ | अष्टाभिर्धातु | 3 666 | अष्टी शैवाः | १४१५ | | २०५५, ३८८,२८०२ |
| अष्टहस्ताय | २८८२ | अष्टाभिर्वाह | २८४६ | अष्टी षोडश | २९८४ |) असंभेद्यः ग्र | २८८,२८ <i>०२</i> २३५१ |
| अष्टांरोनाघि | १४७२ | अष्टाभिश्च गु | | अष्टी सिंहास | २८३२ | असंमतं वि | |
| अष्टाक्षरा गा | ४३५ | _ | १२४३ | | ३३,२७३७ | A. | १०१७ |
| अष्टाक्षरा वै | २४८ | अष्टाभिश्च त | २८६८ | असंकल्पित | २ ३ ९९ | असंमूढश्च | १६९० |
| अष्टाङ्गसंयु | ७२९ | अष्टावन्ये ब | १२४६ | असंकी ण ेंस्त | | असंमोहाय | ५६२ |
| अष्टाङ्गस्य च | ६१९ | अष्टावष्टौ स | २८४१ | l | २९२८ | असंयोगात्पा | *१६२० |
| अष्टाङ्गस्य तु | ६१७ | अष्टाविंशत्क | १४७२ | असंख्यदेश १५ | • | असंरक्ष्यमा | ३५५ |
| अष्टाङ्गुलं +२८६ | | अष्टावेकवि५ | ३४९ | असंख्याता भ | ५९४ | असंविभागी | ११७३ |
| अष्टाङ्गुलप | २९८८ | अष्टाशीतिः स | २३७ | असंख्येयस्त | # २७६७ | अ संवि हित | १३२० |
| अष्टाङ्गुला घ | २२७ ५ | अष्टाशीतिगी | 2200 | असंघातर | ५६ ९, | असंवृतस्य | २१६४ |
| अष्टाङ्ख्या न अष्टाङ्गे राज | ११०३ | अष्टाशीतिस | २४४९ | ~~~~~ | ११७४ | असंशयं क्ष | *5888 |
| | | | | असंघातस्य | २७३४ | असंशयं दे | २० १२ |
| अष्टाचका न | ४०५ | अष्टाश्रा पृथु | १५३२ | असंतप्तं तु | २६ ०५ | असंशयं धृ | २४४४ |
| अष्टादश ती | १११९, | अष्टासप्तति | २३८ | असंतुष्टम | १७०९ | असंशयं नि | १०७१ |
| | १८५७ | अष्टासं च त | *२८३० | असंतुष्टाश्च्यु | # १२२२ | असंशयं पु | २०१२ |
| अष्टादशप | १८२३ | अष्टास्त्रि च ख | २८७५ | असंतोषः श्रि | २३७० | असंशयं भ | ५९० |
| अष्टादश पा | १४१५ | अष्टोत्तरं ह | १४७२ | असंत्यक्तम | १०७५ | असंशयं श | १६६८ |
| अष्टादशयु | १८१३ | अष्टोत्तरश | | असंत्यजन्पु | १०८३ | असंशयं सं | २४३ १ |
| अष्टादशव | २६ ०८ | २५ | | असंत्यागात्पा | १०४४, | 1 | |
| अष्टादरावि | #१६१७ | अष्टोत्तरस | २९८९ | | १६२० | 1 | ۷۰۰, |
| | | | | • | 0 1 60 | | २४८५ |

| असेस्कारं र | ९०१ | असत्यो लोक | १२९०, | असाधयो वि | १९४८ | असिर्गदा ध | ६ १५. |
|----------------|---------------------|-----------------------|---------------|--------------------|-------------------|-----------------------|------------------------|
| असंहतं स | १४७८ | | २०८३ | असाधुः साधु | १२८८ | असिर्धनुर्ग | * ,, |
| असंहतास्तु | २७४५ | असदाचरि | १७४७ | असाधुनि ग्र | १०५२ | असिर्विशस | ६१५,१५०७, |
| असंहार्यः स्थि | २३५३ | असद्गुणोदा | १७५२ | असाधुभ्यः स | ७२७ | | રષ |
| असंहार्योऽनु | ६६०, | असद्भिरस | ११८६ | असाधुभ्यो नि | १०८३, | असिवेगप्र | १५०६ |
| | २३५९ | असद्भग्रश्च सु | # ५६८ | | १३२६ | असिश्च रिपु | २८९२ |
| असकृत्सोम | २४४७ | असद्भचस्तु स | ,, | असाधुम्योऽर्थ | #१०८३, | असीन् पर | ५१४ |
| असकृद् द्रुप | १८९६ | असद्वृत्ते तु | #६६६ | | १३२६ | असुगन्धम | १२७० |
| असकृद्यति | १८८७ | असन्तोऽभ्यर्थि | १०४२ | • | ६५२ | असुरक्षय | ५२० |
| असङ्गो रुद्र | ६१५ | असपत्नं पु | २४७७ | असाध्यं च श | १८०५ | असुरविज | २६९८ |
| असतां च ग | १०४२ | असपत्नः स | ९२ | असाध्यं साधु | ११३१ | असुरा अग्नि | |
| असतां च प | ११३८ | असपत्ना स | २८८१ | असाध्याः पर | १६३९ | असुराणां व | २९० ५ |
| असतां तत्र | १५४७ | असभ्याः सभ्य | ७१२२१ | असामर्थ्ये फ | ७१९६९ | असुरा भ्रात | २४४९ |
| असतां निय | ७३३ | असमं क्षत्र | २० | असामर्थ्यफ | " | असुरा यातु | ं २८९४ |
| असतां प्रग्र | १५६१ | असमञ्जाः स | ५६७ | असामर्थ्याच्च | १६१४ | असुरेन्द्रं म | १९०२ |
| असतां प्रति | १०५१ | असमञ्जा सु | " | असाम सर्व | १०७ | असुरेभ्यो व | |
| असतां शील | * १ ० ८ ४ | असमरप्र | २३०९ | असारबल १५ | .४१,२६९ ४ | असुरैः पीड्य | |
| असतामिव | १२१३ | असमर्थे वि | १९६९ | असारश्चापि | #2089 | असुरैश्वर्य | २५४२ |
| असतासुप | ७३२,८२५ | असमर्थः स | क २३९४ | असारश्चासि | ,, | असुरैस्तु सु | २८६६ |
| असता यत्स | ६३९ | असमर्थाश्च | १३६२ | असावत्यन्त | #686 | असुर्यः सूद्रः | |
| असति योग्ये | ८६२ | असमर्थी ह्य | २०५१ | असावस्य पि | २८९ | असुस्यः सर्व | |
| असति संके | १६६४ | असमर्थ्य स | २३९४ | असावेहि रा | २७६,३४८ | | - |
| असतो वा स | १०८८ | असमातिं नि | 22 | असि धर्मस्य | १५०६ | असुहृत्कोध | * १२४२ |
| असत्करश्च | १५८५ | असमाहित | ११०५ | असिंहः सिंह | १६९९ | असुहृत्ताद | © 33 . |
| असत्कर्ताश्रि | १५३× | असमीक्ष्य प्र | ६८५ | असिक्निया म | \$ 843 | असून् हि त | २७९० |
| असत्कारस्तु | # २१३ ५ | असमीक्ष्यैव | ६५१ | असिक्नी च त | ı | असूयकः श | १४२९ |
| असत्पापिष्ठ | \$ 7 1 4 7 6 8 2 | असमुन्छिद्य | १९११ | जावन्या प त | २९५७, | असूयन्ति हि | १६८८, *१ ६८९ |
| असत्प्रग्रहः | १५६१ | असम्यक्का | १४६० | | २९७६ | शक्का सार | * \$ 4 6 7 |
| असत्प्रवृत्तो | १२२७ | असम्यगाय | २०४९ | असिक्न्या मर | ४५३ | असूया चान असूराज्य | १४५ |
| असत्यता नि | ૨ ૧૪૫ | अ सहायव | 24.24 | असिचर्मप्ल | २७७१ | असूबुदन्त | • |
| असत्यवाङ | १४२८ | असहायस्य | १०५६, | असिते च सि | २४७१ | असुग्यदाऽस्थ | |
| असत्यवादि | ११९८, | १०० | 22,8009 | असिद्धसाध | १५७८, | असु जहण्ड | ६२० |
| | १६६३ | असाक्षिकम | १८११ | | 1777 | असुजन्सुम | ६०६ |
| असत्यसंधि | २६९९ | असाक्षि म त्सा | १८४७ | असिद्धौ निन्द्य | • • • • | असेरष्टी च | १५०७ |
| असत्याः सत्य | १२२१ | अ सा त्म्यमपि | | असिना धर्म | १५०६ | असेरष्टी हि | * ,, |
| असत्यात्मनः | ९०५ | असाधवो दु | | असिनाऽपि शि | ₆ २०४६ | असेरत्पत्ति | " |
| असत्युद्ये | २२६४ | असाधवोऽव | #8986 | असिमुसल | | असेरेतानि | १५०६ |

| असेरेवं प्र | #१५०६ | _ | | अस्थिकङ्काल | ६२५ | अस्मिँल्लोके प | र ६१० |
|--------------------------|--------------|------------------------------|---------------|----------------------------------|---------------|--|-----------------|
| असेरेव प्र | " | अस्ति सर्वम | २३७४ | अस्थितस्य च | #२ ७९० | | 980 |
| असेश्च पूजा | १५०७ | अस्ति स्विद्दस्यु | ६४२, | अस्थितुत्ये च | २२४९ | | २३८८ |
| असैनिका घ | # ५९१ | | ६४६ | अस्थितौ यदि | २२०७ | | ६४८ |
| असै निकोऽध | " | अस्तोषत ख | १३३ | अस्थिबीजानां | २२९८ | | |
| असौ चासौ च | १२१०, | अस्त्रं तदन्य | १५३० | अस्थिभूतो य | १०९७ | 1 (2) (PPP) P | 282 |
| | ८,२६२५ | अस्रं तु द्विवि | १५३०, | | २ २९५ | -1144-14141 | २४६५ |
| असौ ते मुख्यो | १४०२ | | १५४२ | | | अस्मिन् गृहं | १४९४, |
| असौ ते योग | २५६६ | अस्त्रं शस्त्रं म | ८६६ | अस्थुर्जनाना | 828 | ~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~ | १४९५ |
| असौ ते वैरी | २६४० | अस्त्रग्रामस्त | २९५६ | अस्नस्ते मध्ये | ३९९ | अस्मिन्धमें स | ५९१ |
| असौ देवत्त्र | २८५९ | अस्त्रप्रताप | #२६०५ | अस्नातः स्नान | ७४२ | अस्मित्रपि त | ७३९ |
| असौम्याः सौम्य | १२१६ | अस्त्रबाहुब | १६२३ | अस्निग्धाश्चेव | १२२२ | अस्मिन्नर्थे च | ५९७, |
| असौ या सेना | ુૡ૦૪ | अस्त्रमेदाः स | १५४२ | असत्पक्षो म | | | २०३२ |
| असौ राजा पु | १९५६ | अस्त्रशास्त्रेषु | २३६८ | अस्मत्प्रणेयो | | अस्मिन्नर्थे पु | २८०१ |
| असौ लोको बृ | २१३ | अस्त्राचार्यो नि | २३३८, | अस्मत्प्रणया | | अस्मिन्नर्थे म | १०६१ |
| असौ सिद्धः पु | २६ ३५ | | २३३५ | 272121132 | १६९२ | | 😻 २४० |
| असौ सिद्धः सा | १६४३, | अस्त्राणां देव | २८८७ | अस्मत्प्रद्वेष | | अस्मिन्निन्द्र म | १०० |
| | २६३६ | अस्राणामस्र | १२६७ | अस्मदीयैश्च | | अस्मिन्निलय | २०२९ |
| असौ हि दुर्ग | २१६० | अस्त्राणि धात | २८८८ | अस्मद्द्वेष | २४४३ | 1 | १९४७ |
| अस्कन्नमव | ७४२ | अस्त्राणि भूमि | १५४२ | अस्मभ्यं तत्त्वा | ३७४ | अस्मिन्नेव त | २८५८ |
| अ स्कन्न मन्य | ७१४ | अस्त्राणि सर्व | #२९६ ६ | अस्मा अस्तु पु | २४० | अस्मिन्नेव ते | ४२३ |
| अस्तं गते न | १४६३ | अस्त्रात्मनैव | १५४२ | अस्मा इदु त्व | २३ | अस्मिन्पञ्चत्व | 非とのマ |
| अस्तं गते नी | २४६१, | अस्त्राचैः स्वार्थ | २६८८ | अस्मा इन्द्र म | ३४३ | अस्मिन्पदे यु | २४३४ |
| | | अस्त्रा नीलशि | ६६ | अस्माकं च त | २७०६ | अस्मिन् प्राण | २८५९ १७ |
| अस्तब्धं प्रश्रि | १२४४ | अस्त्राय हुं फ | २९८२ | अस्माकं विहि | * 3 0 6 6 | अस्मिन्ब्रह्मण्य | ૭૫, * ७६ |
| अस्तब्धं प्रसृ 🔞 | ŧ ,, | अस्त्रेण नेत्र | २९०१ | अस्माकं शक | २७१६ | अस्मिन्ब्रह्म न | ७६ |
| अस्तब्धः पूज | | अस्त्रैर्नानावि | 2666 | अस्माकं स्तुव | २८९८ | अस्मिन् मुहु | २४५३ |
| अस्तब्धताम | | अस्त्रैविंचेष्ट | #2404 | अस्मा क मत्र | ८६ | अस्मित्राजकु | ५५८ |
| | १२६० | अ स्थानको ध | | अस्माकमुद | بر | अस्मिन् राष्ट्रे | ३६१ |
| अस्तब्धमक्ली | १६६६ | <u> બલાનનાવ</u> | , , | अस्मात्तु संक | # 2028 | अस्मिन्वत्स्याम्य | २४५३ |
| अस्तार इषुं | ४७१ | अस्थानतो ही | 1 | अस्मात्ते संश | I | अस्मिन् वसु | |
| अस्ताव्यद्मिः शि | ४३ | | • • | अस्माद्धमन्नि | ", ২৩८০ | अस्मिन् विज | २५३६ |
| अस्ताऽसि शत्र | 1 | अस्थाने चास्य | | | | | १४९५ |
| अस्ति कश्चिदु | 3033 | अखाने यदि | | अस्मानन्त क अस्मानन्तक | | अस्मिन् विधी | २४३४ |
| अस्ति चेदिह | #8 Y8 | अस्थाने वालि | २८०४ | अस्मानप्यन | य ३९५ | असे द्यावापृ * | १००,३४३ |
| अस्ति नः कोश | 2365 | अस्थानेषु क अस्थाने संभ्र | | अस्मान्बलव | १८९२ | असे रियं ना | ५९ |
| अस्ति बुद्धिम | | अस्थान सम्र अस्थान्मेतस्य | | अस्माभिनी प्र | ६५८ | असी कामायो | ३८८ |
| _ | 8 8 8 8 . | ~ त्याः यत्य | 488 | अस्मिल्लोके नि | ५८५ | असी प्रामाय | ३९९ |
| रा. सू. ६ | | | | | | * | 4 2.2 |

| असे द्यावापृ १००,*३४३ | अस्वतो हि नि १९९८ | अहं तदस्य | १७९ | अहं हि वच २३९२ |
|--------------------------|-----------------------|----------------|-------------|-------------------------------|
| | | अहं तमस्य 🛊 | ,, | अहःसंनाह २८०५,२८१० |
| | अस्तप्रजो अ ३१ | 1 | | अहतं वा ह २७९६ |
| | अस्वर्ग्ये च प १९०२ | | | अहतवासाः २८५१ |
| अस्य त्वं प्रीय 🛊 " | अखर्ग्ये चाय 🛊 पर | अहं त्वया चा 🐠 | | अहताद्धि भ १९९७ |
| अस्य नित्यम १३३५ | अस्वर्गश्चाप पश् | 1 - | | अहतानि च २९३८, |
| अस्य नित्यश्च ८७२ | अस्वर्ग्या लोक १८२७ | 1 ' | २०६५ | २९४१ |
| अस्य प्रभावा १६९७ | अस्वस्ति तस्मै *२७६८ | अई ८४।२३४ | | अहताम्बर २८८६ |
| अस्य वाक्यस्य २७९९ | अस्वस्ति तस्य २६७०, | | | अहिन संध्या ९६६ |
| अस्य वातेन २८४० | २७८७ | A6 (1134 | | अहन्नहिं प १५,२४ |
| अस्य वै लोक २१३ | अखस्ति तेम्यः २७६८ | अरु ५ ५७ ५ | ७३९ | 1 |
| अस्य श्रियमु ३९९ | अखस्यः सर्व ९४९ | | १७९ १८६ | अहन्यनुच ९४३ अहन्यमाने ६५२ |
| अस्य सम्यग #१३३५ | अस्वातन्त्र्यमु १६२८ | 1 | | अहन्यहनि १३१९,२७९८ |
| अस्या एवैन ३०९ | अस्वादु च्युत २५५० | 2 | | अहन्यहन्य ८७८,९४९ |
| अस्यांत्वाध्रुवा २३३ | अखाधीना न ६६४ | 1 - 16 3 1 - 1 | * ,, | अहन् वृत्रं १६ |
| अस्याः पर्षदं १८०७ | १६४२ | | ३७६ | अहमग्रिप्र १६९७ |
| अस्याः पृथिग्या ३४३ | अखामिकं क १२६८ | | २०५ २३८५ | अहमनेन १०९ |
| अस्याः सर्वस्या ४६३ | अखामिकम १३५५ | 1216 116131 | रक्टर ८५ | अहमन्नं भ २०३० |
| अस्याभिदेव १४९५ | | 1 .4 | ९७ | अहमपि ता प९ |
| अस्यापि पूर्व २८४५ | १.१९८ | अहं वः सेतः | રદ્દરપ | अहमपो अ ३७६ |
| अस्याप्रतिह ७३८ | अस्वामिनाष्टि ११४४ | अहं वाचो वि | २४५ | अहमप्यनु १२९२ |
| अस्याभावे तु ७५६ | अस्वामिविक ६७२ | | २०५० | अहमप्येव १८५२,२०५१ |
| अस्यामापदि १३१७ | अस्वामिसंग १५८६, | 1 - | २४०० | अहमसौ कु १०१० |
| अस्यामेवैत् ३१०,३३५ | १५९० | 1 | र २७७२ | अहमस्मिस ४०९,४८६ |
| अस्यै प्राच्ये दि ३४ | अखामिसंह *१५९० | अहं वो रक्षि | ६५७ | अहमस्य क २०३५ |
| अस्यै प्राणाः प्र २८५९ | अस्वाम्यसंह १५७८ | | २३५४ | अहमापद्ग ६३९ |
| अस्यैवं वर्त *१०६९ | अखिन्नता मा *९८६ | अहं समन्त | २३१ | अहमिज्यश्च ११२१ |
| अस्येव चक्र २४७४ | अहं किं कर १६९१, | 1 7 | ,, | अहमिन्द्रो व ८५ |
| असैवार्थस्य १६९४ | #१७१३ | अहं सर्वा जि | " | अहमेतद ४७८ |
| 'अस्यै विशः' इ २८८ | अहं ग्रम्णामि ३८९,४०१ | अहं सर्वेषां | ,, | अहमेव प ५२६ |
| 'अस्यै विशे' इ २६८ | अहंच त्वंच २००७ | 1 | २३५८ | अहमेव स्व ३८७ |
| अस्यैवैतानि ४४७ | अहं च पूज २०२८ | | २३८७ | अहातिरिक्तः २५२१ |
| अख्रगता प ४०९ | अहं चान्ये च २४८७ | l . | २०२४ | अहापयन्च १७३२ |
| अस्ततन्त्रश्च ७६४,११८९ | अहं चैव क्ष #२३५४ | | २०५१ | अहापयन्पा २००४ |
| अस्वतन्त्राः प्र ११८१ | अहं छेत्स्थामि २०२३, | अहं हि पुत्र | २०३८ | अहापयित्वा २४४० |
| अस्वतन्त्राः स्त्रि ११२४ | | अहं हि भृश 🐞 | २०२४ | अहायश्चान् |

| | | _ | | | | | • |
|-----------------|----------------------|-------------------|----------------|------------------------|---------------------------|--------------------|----------------|
| अहार्येर्व्य | | अहेश्च सर | २७४३ | आकर्षणं वि | १५२६ | ्रं आ केशग्रह | २००३ |
| अहान्यमे ह | १७८ | 1 | | | २९४१ | आ क्रन्दय ब | ४९८ |
| अहिंसको ज्ञा | | अहो क्षत्रस | २३८७ | आकाङ् क्षना | * १ ०८४ | आक्रन्दासार | १८४९ |
| अहिंसासत्य | | अहो जीवित | २६ ०५ | आकाङ् क्षमा | # ₹९४१ | | १८७० |
| अहिंसा सत्य | ५९४,२४४१ | | #6 o4 | आकारगूह | १७८१ | आकन्देनाऽऽत्म | ٠,, |
| अहिंसा सर्व | ११३८ | 1 | १०८८ | आकारग्रह | १७८२ | | २१६३ |
| अहिंसा साधु | ५६४ | 1 | ५५८ | 277277777 | १३२८ | | १८६९ |
| अहिंसाऽसाधु | * ,, | अहो देहप्र | १०९१ | आकारब्राह्म | #3960 | I | १९८७ |
| अहिंसा सूनृ | ७४९,७५६ | अहो धिग्यद | २७६ ३ | आकारमभि | १७६१, | आक्रान्त इव | २५१६ |
| अहिंसैवासा | १९८३ | | २०४८ | | १८९० | आक्रान्ता दर्भ | १९३७ |
| अहिंसः सर्व | १२१७ | अहो ऽभिषेक | ३००३ | आकारमिङ्गि | १६७४ | आकुश्यमानो | १०३३ |
| अहिणीका इ | * २९७० | अहो मम नृ | १०९० | आकारैरिङ्गि | १७८०, | आकृष्ट: पुरु | १९०७ |
| अहितं च हि | # १७ ६८ | अहोरात्रं म | २४८८ | 819 | ं _२ ८१,१७८२ | आऋृष्टस्ताडि | " |
| अहितं चापि | १२६७ | अहोरात्रं वि | ९६२ | आ कार्यसिद्धे | १८०० | आक्रोशन्त्यः कु | २४४७ |
| अहितं वाऽपि | #१२ ४५ | अहोरात्राण्य | #१८१३ | आकाशं तु व | २६०१ | आक्रोशपरि | १०४४ |
| अहितं विका | १७८० | अहोरात्रे अ | ४११ | आकाशग इ | | आक्रोष्टारं नि | १०३३ |
| अहितं हि हि | १७६८ | अहोरात्रे वि | २४३५ | आकाशग इ आकाशगं त्वा | २७०८ | आक्रोष्टारश्च | १९६८ |
| अहितमपि | १२५४ | 1 - | ८७९ | I | २८६५ | आक्षिप्य वच | १७१२ |
| अहितुण्डिकः: | १६६४ | अहोलाभक | २३८३ | आकाशगम | १०९१ | आक्षी ऋजाश्वे | ५७ |
| अहिते वर्त | १८७६ | अहोऽस्मि पर | * ८४६, | आकाशमसु | १५०३ | आखण्डलोऽमि | २९५५ |
| अहितेषु क | १९११ | | • | आ का शमास्वा | १७८६ | आखुस्ते रुद्र | १३५ |
| अहिते हित | १७९७ | अहश्च विक | | आकाशात्तु व | <i>क्ष २६ ० १</i> | आखेटकाक्षौ | १५७८ |
| अहिदष्टा खा | ९१७ | अहश्चाष्ट्रमे | | आकारो तूर्य | २९२६ | आख्यातारश्च | २००१, |
| अहिनीका उ | # २९ ७० | अहीको वा वि | २०●० | आकाशे प्रति | १८०० | | २०३९ |
| अहिभयमे | ९७० | आकरं रुक्म | १९५४ | आकिंचन्यं मु | . ५५९ | आख्याते राम | ५७०, |
| अहिभयाद | १५५४, | | ७०,१३९१ | आकिंचन्यम | ,, | | ११७४ |
| | १९१८ | आकरप्रभ | २२४५ | आकीर्ण मण्ड | १८७५ | आख्यानं तप्य | ६२४ |
| अहिमिन्द्र जि | २२ | आकरलक्ष | # २२ ०८ | आकुञ्चनं त | 4087 | आगःखपि त | # १९६८ |
| अहिरिव भो ४ | १९५,२५३२ | आकरलव | * ,, | आ कुलयंश्च | 47441 | आगच्छ तिष्ठ | २५२६ |
| अहिर्बुध्न्यं च | २४७१ | आकरशुल्क | " | आकूतिं दे वीं | रए३०। | आगच्छतोऽति | २०४७ |
| अहीनकालं | १७०५ | आकराणां वि | | आकूतिम स्था | " | आगच्छन्तु सु | २९८१ |
| अहृते च त | ७४४ | आकराणि च | | आकूत्यै त्वा का | ,, | आगच्छन्पर | २०४९ |
| अहते यो ह | ७४८ | आकराध्यक्षः | २२३९ | आकृतिग्रह | | आगच्छन्परु | * ,, |
| अहुद्यं मिक्ष | ૨ ૫૪ १ | आकरिकम | २२४२ | आकृत्या चाधि | 1 | आगच्छ वायु | ર પ ંર૬ |
| अहुद्यो वध | २५०८, | आकर्भ्यः स | १३१२ | आकृष्टखडुरी | | आगच्छ शब | १८१२ |
| | # २५१५ | आकरे लव | २२०९ | आकृष्णपूर्व | | आगतं तु भ | |
| अहेरिव हि | ६२९ | आकरोद्गतं | | आकृष्य ताड | १५१७ | | १८९०, |
| | • | | , | = | , 1,5 | ₹0, | ४४,२१३४ |

| आगतं नो मि | १९९१. | आग्नेयम य | 2×62 | आचारसंप | /99 | आजगामाथ | २०५१ |
|----------------------|---------------|--------------------|------------------------|---|---------------|-----------------------|------------------------|
| -11.10 | २६ ० ४ | (_ | ७९,११६, | l . | પે પેફ | l | २९४३ |
| आगतं मे मि | #२६०४ | | | आचारस्यः सा | ९६४, | आ जङ्घन्ति | ४९५ |
| आगतं विग्र | २१ ४३ | 1 | ,१६६ं,१६८ं | , ,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,, | ११५८ | आ जनं त्वेष | 66 |
| आगतां श्चेषां | | आग्नेयमारु | २५३० | आचारादेव | १५०० | आ जनाय द्रु | <i>७७६</i> |
| आगतागम | ६४४ | आग्नेयाः परा | ४२२ | आचाराद्वीर | * ,, | आजन्मसा त्म्यं | ९६६ |
| थागता घाति | २८९५ | आ मेयादि षु | २९८८ | आचारानव | ९११ | आजमीढ रि | 2300 |
| आगतानां स | २२ १९ | आग्नेयीं कार | # २९ १ ९ | 1 | २८६१ | आजहार दि | २८१६ |
| आगतान् पू | १९५८, | आंग्रेयीति प्रा | * | आचार्य पूज | १४७९ | आजहार नृ | ५३३ |
| | १९६३ | आग्नेयी वै रा | ४२२ | आचार्यः कवि | २८८६ | आजहार म | ८३४ |
| आगता स्तज्ज | २९४४ | आंग्रेये च त | | आचार्यः सुत्र | १४७९ | आजहार स | * ₹ ९ ४४ |
| आगन्ता मद्ग्य | २०१३ | | १४६२ | आचार्यगुरु | ५९३ | आजानुबाहुः | ११७६ |
| आगन्तुकं भ | २४८४, | आमेयो वा ए | २४९, | जापापश्च र | २७५९ | आजानेया व | ६२५ |
| _ | २९१६ | आग्नेयोऽष्टाक | २५८,३०६ २५३, | आचार्यश्चात्र | १०११ | आ जि जीविष | ६४४ |
| आगन्तुकं व | ९०७ | V19413617/ | | आचार्यश्चापि | \$,, | आजिमस्य धा | १०९ |
| आगन्तुका च | २४८४, | आग्नेयो होता | ३०५,३०९ ३२६ | आचार्याननु | ८६६ | आनिमेवास्मि | १११ |
| | २९१७ | आभ्रय्यां कार | २८९१ | आचार्यागृतिव | १४६०, | आजीवकस्य | १८११ |
| आगन्तुकैर | १२०३ | 1 | | | २५७३ | आजीवपुर | २२६७ |
| आगन्तुलव | २२४४ | आभेय्यां च वि | | 1 | २९०२ | आजीव्यः सर्व | ७५०, |
| आगन्तुश्चानु | १२४२ | आंग्रेय्यां दिशि | २४७१ | आचार्या ब्राह्म | २९४ २ | | १७३१ |
| आगन्मेमां स | ४६० | आघट्टयति | १७२८ | आचार्या वै का | २७९२ | आजो वा इन्द्रि | 282 |
| आगमं निर्ग | २३३१ | आघातस्थान | २९७४ | आचार्येभ्यस्त | ८६७ | आज्ञेत तु व | _श १६६७ |
| आगमश्च पु | ५७७ | आङ्गरिष्ठोऽथ | #६२३ | आचार्ये शत | *६९३ | आज्ञप्यमाने | * १७१३ |
| आगमानुग | १८१२ | आङ्गिरसो ज | १९१ | आचार्येश्रास्य | *१०११ | आज्ञया तस्य | *८१८ |
| भागमेषु पु | ११२५ | आचक्षाणक | # १७२८ | आचार्यो न्यासि | २ृ७९८ | आज्ञां चापि त | # १७२३ |
| आगमैरुप | १०८१ | आचचक्षे स | ८४६ | आचार्यो ब्रह्म | रे०२ | आज्ञां चावित | ,, |
| आगम्य पर्यु | १६२२ | आचम्य च त | ३९८ ५ | आचार्यो विदु | १९०८ | आज्ञां न वित | १२०६, |
| आगस्कृतिम | २७९७ | आचम्य ताम्बू | २९७४ | आ चित्तवि श्रा | १००४ | १२२८, | # १७२३ |
| आगह्याद्रवे | ૪૨५ | आचरणः कु | २३१४ | आचूडान्तं न | ८६० | आज्ञा तेजः पा | ८१८ |
| आगामिकिया | 900 | आचरत्यात्म | १७२८ | आच्छादनं च | २८४८ | आज्ञा नृपाणां | ८२१ |
| आगामिक्षुद्र | #8883 | आचरन्सर्व | १९४६ | आच्छ(दयसि | ६२५ | आश्चापयद | १६६७ |
| आगामिभद्र | 12 | आचरिष्यसि | २०१० | आच्छादयित्वा | २९२४ | आज्ञापयात्र | .१७४७ |
| आ गावो अग | | | २ ४९६ | आच्छादितान् | २९७९ | आज्ञापयामा | १२२० |
| आ गृहीतं सं | ५१६ | | 9 | आच्छाद्य वा ग्रु | | आज्ञाप्यन्तां प | #२९३८ |
| आ गोपालावि | १८२५ | • | २८८० | आच्छिनत्ति च | 600 | आज्ञाप्यमाने | १७१३, |
| आद्यावैष्णव | ११६,१४१, | आचारप्रेर | ७६२,८३० | आच्छेदनाद | १५७० | - | १७१७ |
| | २५५ | आचारमेव | १०८४ | आजं यथेष्ट | २५४९ | आज्ञाफलमै | ११९९ |
| | | | | | | | |

| आज्ञाभङ्गका १२०० आततायिन २७६०, आत्मनः प्रत्य ९०७ आत्मनो दीर्म २५०० आज्ञाभङ्गे त *२९१९ आतामङ्गे त *२९१९ आतामङ्गे त ; उ०८१,२७८३ आत्मनः श्रांक १९८२ आत्मनोऽमुव २०० आत्मनो विष्र ५७० आतामस्य प्र १७३० आतामस्य प्र १७४९ आतपसंत ९६५ आत्मनः स्वाम २५१२ आतम्भा वास्य * ,, आज्ञायां चास्य * ,, आज्ञायां तस्य ८१८ आतिष्ठ दिव्यं ६११ आत्मनश्च २०२९ आतम्भा प्र ११०१, आतिष्ठ दिव्यं ६११ आत्मनश्च १२०५ आतिष्ठ दिव्यं ६११ आत्मनश्च १२०५ आतिष्ठ दिव्यं ६११ आत्मनश्च १२०५ आतम्भा प्र ११०१, आत्मनो मत १०७ आत्मनो मत १०७ | 19 E |
|---|--|
| आज्ञामक्षे तु ,, आततायी हि ५६५ आत्मनः संनि २०१६ आत्मनो निम्न ५७ आज्ञामस्य प्र १७३० आतम्बाना आ ५०८ आज्ञामुळ्ळ्घ १७४९ आतपसंत ९६५ आत्मनः स्वामि २५१२ आतमनो बळ २०३ आज्ञायां चास्य ७३० आत्रायां तस्य ८१८ आतिष्ठ दिव्यं ६११ आत्मनश्चप २०२९ आत्मनोऽम्युद २१३ आज्ञास्तर्विम १२०५ आतिष्ठन्तं प ९८ आत्मनश्चप ११०१, आत्मनो मत १०७ आत्मनो मत १०७ | E, (C, o, o, u, e, |
| आज्ञामस्य प्र १७३० आतन्वाना आ ५०८ आतमनः संपा २५६१ आतमनो बळ २०३ आज्ञायां चास्य क ,, आतिथ्यं वैश्व ७३० आतमनश्च त २५१० आतमनो बळ २०४७,२०५ आज्ञायां तस्य ८१८ आतिष्ठ दिव्यं ६११ आतमनश्चप २०२९ आतमनोऽम्युद २१३ आज्ञास्रिण १२०५ आतिष्ठनतं प ९८ आतमनश्चप ११०१, आतमनो मत १०५ आतमनो मत १०५ | (C |
| आज्ञायां चास्य 🕸 ,, आतिथ्यं वैश्व ७३० आत्मनश्च त २५१० २०४७,२०७ आज्ञायां तस्य ८१८ आतिष्ठ दिव्यं ६११ आत्मनश्चप २०२९ आत्मनोऽम्युद २१३ आज्ञारूपेण १२०५ आतिष्ठन्तं प ९८ आत्मनश्च प ११०१, अात्मनो मत १०७ | ٥ ٧, ٤ ٧, |
| आज्ञायां चास्य # ,, आतिथ्यं वैश्व ७३० आत्मनश्च त २५१० २०४७,२०७ आज्ञायां तस्य ८१८ आतिष्ठ दिव्यं ६११ आत्मनश्चप २०२९ आत्मनोऽम्युद २१३ आज्ञारूपेण १२०५ आतिष्ठनतं प ९८ आत्मनश्चप ११०१, आत्मनो मत १०७ | لر , اقر الر |
| आज्ञायां तस्य ८१८ आतिष्ठ दिव्यं ६११ आत्मनश्चप २०२९ आत्मनोऽम्युद २१३ आज्ञारूपेण १२०५ आतिष्ठनतं प ९८ आत्मनश्चप ११०१, २१३ आज्ञा सर्वोतम #१७१२ आतिष्ठ मित्र *२४३ २५९६,२६७९, आत्मनो मत १०७ | E |
| आज्ञारूपेण १२०५ आतिष्ठन्तं प ९८ आत्मनश्च प ११०१, २१३ आज्ञा सर्वीतम #१७१२ आतिष्ठ मित्र #२४३ २५९६,२६७९, आत्मनो मत १०७ | بالر |
| | |
| | ૭ |
| आज्यं तेजः स ९४२, आ तिष्ठ मित्र ९८० २ _{७८८} आत्मनो युव २८८ | |
| २८५२,२९०९,२९८४ _{आतिष्ठ वृत्र} २४३ आत्मनश्च प्र _{८४६} आत्मनो राक्ष ९६ | , 9 |
| आज्यं प्रसन्ने ९५९ _{आ तिष्ठ बन्न} ७९८ ११५२,१९८४ आत्मनो वा भू २२६ | 4 |
| आज्य बाँले हु २५४६ आतिष्ठस्वैतां २२३ आत्मनश्च वि २३५२ आत्मनो विक्र ७१९४ | ۹, |
| आज्यं सुराणा २९०९, आ त् भिञ्च ह ३८५ २४४९ १९५ | 3 |
| २९८४ आ ते राष्ट्रमि ६९ आत्मनश्च श २५६६ आत्मनो विप २५९। | ŧ, |
| आज्यमुक्यम , ७६ आतोद्यानि चै ९७६ आत्मनश्चापि ५९८० २६७ | 9 |
| आज्यशाप २७७० आतो बुध्येत २१८८ २ _{०४५} आत्मना विष ९० | ۲, |
| आज्यसक्तूञ् २५३३ आत्तरास्त्रस्य २३५८ आत्मनश्चामि ९८० १९४९, ॥१९५ | .₹ |
| आज्यानि यज ११०१ आत्तरास्त्राञ् ९८१,२३३६ आत्मनश्चैव २०५४, आत्मनो हि व २४४ | ሄ |
| आज्येन देवा ९४२, आत्तरास्त्रेर ९८१ _{२१५१,२५५२} आत्मन्यपि च #२०१ | ₹ |
| २८५२ आत्त्रश्रया घृ २४२६ आत्मनश्चोद ६८२ आत्मन्येव हि " | |
| आज्यैः सहस्रं २८५९ आत्य किं तत्का २४३० आत्मनस्तु त ६२६ आत्मपितृभ्रा १८८ | 0 |
| आज्यैस्तिलेश्च २८८६ आत्मंभरिप ११९९ आत्मना कर ७९३ आत्मप्रत्यय १०४५ | , |
| आज्ञनं गन्ध २८४९ आत्मकार्यवि १९६९ आत्मना कार 🛊 ,, १०८ | 8 |
| आटविकान २६२५ आत्मगुप्ता क १४६५ आत्मनाऽऽत्मान १०४३ आत्मप्रभुं से १११ | Ĝ |
| आटविकामि १२८३ आत्मचक्षुषि ९७६ आत्मना पुण्यो ३२२ आत्मप्रशंसा १९६ | ९ |
| आढकं तुच २९०५ आत्माच्छद्र न २१३३ आत्मना पूज १५११ आत्मप्रशंसि 🛊 ,, | |
| आढक्मेण २२६२ आत्मच्छद्भ १३३४ आत्मना प्राप्त ६०४ आत्मवलानु ९४। | ٠, |
| आढकस्य पा २२७३ आत्मज्ञानम १०४४ आत्मना यत्क २०५१ आत्मबुद्धिक #१०८ | 0 |
| आढ्यावधवा पट अस्तितानः उ रेरेर आत्मना वा अ ३२२ आत्मभाधिष्रि १४६ | |
| आदयाना मास १०४२ वारमताण व रर ५० आत्मना विहि १८०५ वारामाना | |
| आढ्यास्तवा व्य ५४३, जारमराचि अहमा ५९२ | |
| ११६५ आत्मधुनान्त्र २०५६ अत्मिनि में व ३५४३ व्याप्तान | |
| अस्य मार्च प्रकार आहमभारणा ३०९४ आहमनि एकि | |
| 706 | 3 |
| आततायित्व २७९३ आत्मनः प्रति १८३० भारते होन | • |
| आतताायत्व २७५२ आत्मनः प्रात १८३० आत्मने होत ३३६ | ٧, |

| आत्मरक्षाक | ২ | आत्मसमृद्धचा | १४३५ | आत्मानं सेक | १०८३, | आत्मा रिपुभ्यः | ७३१, |
|----------------------|---------------------------|-----------------------|--------------|-------------------|-----------------|-------------------|----------------|
| आत्मरक्षाया <u>ं</u> | ९६६, | आत्मसात्त्रिय | १९८७ | .,, ., | १३२६ | | १५७७ |
| -11111111111 | १००७ | आत्मसाध्यम | १८०२ | आत्मानं सत | ९७८, | आत्मा रुद्रो हु | १६१९ |
| आत्मरक्षा हि | १७०५ | आत्मसुखा <u>न</u> ु | ९६६ | | - 1 | आत्मार्थे च त्व | २०२३ |
| आत्मरक्षित | ६६९, | आत्मसैन्या <u>न</u> ु | २५४२ | आत्मानं सर्व | ९६८, | आत्मार्थे संत ९६ | ९,२०३१ |
| 9 | ६९,२०३१ | आत्मस्त्रीधन | ७६४, | | | आत्मा वै पुत्रो | ८९८ |
| आत्मवक्त्रमा | ९६५ | | ,,१३००, | | 1 | आत्मा हि जज्ञ | १८३ |
| आत्मवति ल | १७०४ | | १८७९ | आत्मानं हन्ति | ७५१, | आत्मा हि सर्व | #९६९, |
| आत्मवत्पर | ७६६ | आत्मस्वमिव | ८०१ | ९३ | ३३,१६०५ | | *२०३१ |
| आत्मवद्भिन्न | i | आत्मा क्षत्रमु | १८१ | आत्मानमङ्के | २६ ९४ | आत्मा ह्यायुर्म | # ⋜९५८, |
| | १६४१ | आत्मा च रक्ष्यः | ९६९ | आत्मानमन | २०१४ | | २९७६ |
| आत्मवद्भिर्वि | *६६३, | आत्मा चाऽऽयुर्म | २९५८ | आत्मानमर | | आत्मा ह्यासुम | #२९५ ८ |
| | <i>क्ष</i> १६६ १ | आत्मा चैषाम | પ પ૪, | आत्मानमपि | | आत्मा ह्येवाऽऽत्य | |
| आत्मवन्तं म | १११५, | | १६८७ | | | आत्मीयां दर्श | १९५७, |
| _ | १२५४ | आत्मा जेयः स | ९२० | आत्मानमस | ६५६, | , | १९५८ |
| आत्मवन्मित्र | २१३७ | आत्मातिशयं | ११९७ | | ९२० | आत्मीयाद्दर्श | # १९५७ |
| आत्मवांश्च जि | •५६७ | आत्मा तु सर्व | ९६९, | आत्मानमात्म | ६२०, | आत्मीया भेद | १८७४ |
| आत्मवांस्त्वल्प | १५४४ | 1 | ८,२०३१ | ७३९,२४ | ४१,२७६५ | आत्मीये संस्थि | ७२१, |
| आत्मवात्राजा | १११५, | आत्मा देशश्च | ५७३ | आत्मानमेव | ९१९, | A | ७२४ |
| | ११८१ | आत्मानं खाद | २४९७ | १०४ | ३ ,१०६९, | आत्मैव साक्षी | ६४१ |
| आत्मविज्ञान | * ६०२, | आत्मानं गोप | २१२८, | | ११८३ | आत्मैव ह्यात्म | १०४३ |
| | # १६२३ | | રહે ९૨ | आत्मानुरक्तं | १७५९ | आत्मैवाऽऽदौ वि | |
| आत्मविद्या च | 2488 | आत्मनं घात | १०४६ | आत्मा प्रयत्ना | #९२७ | | ९२० |
| आत्मवृद्धिक | १०८० | आत्मनं च प | १७८८, | आत्मा प्रयत्ने | " | आत्मोदये वि | २१७६ |
| आत्मशक्तिम | २१४८, | आत्मग प र | १ ९०५ | आत्मा फलति | १२१७ | आत्मोपमस्त | ५९७ |
| | 2820 | आत्मानं च ख | २६०३, | आत्मा बुद्धीन्द्र | ९२९ | आत्यन्तिकी शा | # २५७९ |
| आत्मसंपद् | ११८७ | | ४,२९०३ | आत्मा मनश्च | •• | आत्यन्तिके का | ९६६ |
| आत्मसंपन्न | २६२५ | आत्मानं पीड | १२९१, | आत्मामात्यप्र | " १५९२ | आत्ययिके का | १२४९, |
| आत्मसंपन्नं ८ | ४९,१००९ | | २०८४ | | ११६५ | | १७७२ |
| आत्मसंबन्धि | ११६४ | आत्मानं पुर | १८११ | आत्माऽमात्यश्च | | आ त्वागन् रा | લ્ ષ્ |
| आत्मसंभावि | १६५०, | आत्मानं प्रथ | ९२५, | आत्माऽमात्याश्च | | आ त्वारथंय | ૨ ૧૧ |
| | १ ૪, १ ७५९, | Should at a | ९३७ | आत्मायत्तो र | | आ त्वा वरोह | 90 |
| | १९५६ | आत्मानं यूप | २७६७, | आत्मायत्ती वृ | | आ त्वा रुरोहो | " |
| आस्मसंयम | १०८० | े २७७ | १,२७८८ | आत्मा रक्ष्यः प्र | २७७५ | आ त्वा सुभूत | ४०९ |
| आत्मसंशये | ११९२ | | - | आत्मा रक्ष्यस्तु | | आ त्वाहार्यम | *50 |
| आस्मसंस्कार | | आत्मानं रथ | | आत्मा रक्ष्यो र | રહ ષ ९ | | ०,२५३२, |
| भारमसंस्कृति | ४४६ | आत्मानं वा प | | आत्मा रथी क | ९२३ | | २९३ ४ |

| आत्सूर्ये जन | १५ | आदानरुच | १९६८ | आदित्यश्चरः | ३०९ | आदित्यैर्वा य | ८९ |
|-------------------|---------------------|----------------|------------------|---|-----------------|----------------------------------|----------------|
| आथर्वणाया | | आदानादपि | # १९४६ | आदित्यस्य दि | | आदित्यो जाय | ३६३ |
| आथर्वणे च | १६३१ | आदानाद्धर्म | *७०५ | आदित्यस्य ख | ४६६ | आदित्यो दिवि | ७८९ |
| आथर्वणोऽयं | २९२९ | आदानाद्वर्ण | * ,, | आदित्या अभि | | आदित्यो वा अ | ३६३ |
| आद्रष्ट्रास उ | አ ጸ ਭ | आदाने च वि | ७२२ | | ३३९ | आदित्यो वै दै | १९६ |
| आददानः प्र | ८८० | आदानेन सं | ५१३ | आदित्या एवै | े३४०, | आदिदेश म | २९४४ |
| आददानप्र | 222 | आदायकनि | १२३७, | İ | ३४१ | | २९३८ |
| आददानस्त | १३५८ | ĺ | २३५० | आदित्यां मल्हां | १६६ | आदिप्रभृति | 恭く 0 9 |
| आददानस्तु | १३४८ | आदाय कल | २९५ ३ | आदित्याः पश्चा | २८ | आदिभङ्गे | २८६४ |
| आददानस्य | १०४६, | आदाय गच्छे | २५७५ | आदित्यादिद | २८३२, | आदिमध्याव | १७०८, |
| | ५५,२७५६ | आदाय गर्भ | २९८२ | २ २८३४ | ,२८३७, | | १९१२ |
| आददीत ध | १७३४, | आदाय पार्थि | २९१० | | ,२८४५, | आदिराज्ये त | ७८६, |
| | २३३९ | आदाय फल २ | | | 2686 | | ११२२ |
| आददीत फ | १३६४, | आदाय बलि | १०५५ | आदित्यादिदि | २४६२ | आदिष्टसंघि | २०६२, |
| १४२१ | ,*१ ७३४, | आदाय रक्षे | १३५८ | आदित्याद्याः क | २९७६ | | २०८४ |
| _ | १७३७ | आदाय सुकृ | पश | आदित्याद्वै च | ३६३ | आदिष्टो न वि | १२०६, |
| आददीत ब | १३१३, | | । २०३४ | आदित्यानां च | २९६८ | १२ः | २८,१६९१ |
| | ०७,२५५२ | आदावेव कु | १०५८ | आदित्यानां त्वा | ४२३ | आदिष्टो नैव | * १६९१ |
| आददीत वि | १३२२ | आदावेव न | २१३२ | आदित्यानां प | ८२३ | आदिष्टो ह्यसि | ८४६ |
| आद्दीताथ | १३३८, | आदावेव म | ८२४ | आदित्यानेव | ३३९ | आदीं राज्ञे न | ८२ |
| - • | १३४१ | आदिकं भ्रम | १५१८ | आदित्यावलो | ९११ | आदीपकस्य | * १८११ |
| आददीतेह | ५९६ | आदितलस्य | १४४८ | आदित्या वस | | आदीप्तावासा | २६२८ |
| आददीरन | १९०३ | आदित्प्रस्नस्य | २४८० | | १५०३, ,२८७०, | आदतिश्चन्त | ९८५, |
| आद दे सर्व | १८९७ | आदित्य इव | ۶ २ १० | | ,२८७५, | | १४२१ |
| आदद्याचाथ | # ₹₹₹८ | आदित्य एषा | ५२१ | \C \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ | 2968 | आदध्नोति ह | ३९ |
| आद्द्यान्न च | १०६४ | आदित्य एषां | | आदित्या वा अ | 339 | आदेयः प्रत्या | २५६८ |
| आदर्श इव | २०१३ | आदित्यं चरं | | आदित्या वा इ | 323 | आ देवताभ्यो | ४२३ |
| आदर्शदर्श | ९५७ | • | | आदित्या वै दे | 370 | आ देवो दूतो | 90 |
| आदशमात्पु | ३२५ | आदित्य चक्षु | | आदित्यासः शु | _ | आदेशिकं स्मृ | # १ ५९0 |
| आदाता सम्य | ११८३, | _ | | आदित्यास्ते दे | | आ दे हस्वेदं ^ट | ९६५ |
| | ११८७ | | 16336361 | | | आदौ कृत्वा म | २९७२ |
| आदातुं चास्य | | आदित्यपथ | २७०८ | आदित्यास्त्वा जा | २२८, | आदी चेत्पार्थि | २५३० |
| आदातृ वा दा | | आदित्यमाप्नो | ७४२ | • | २३२ | आदौ छन्दांसि | १६३२ |
| _ | २०९१ | आदित्यमुप | 10 24 | आदित्यास्त्वा प | २४२ | आदौ तद्धित | |
| आदानं सैन्य | | आदित्यमौश | २५३२ | आदित्ये गोम | २५४८ | आद्ौ तन्व्यो बृ | १९९३ |
| आदानमप्रि | २८२२ | आदित्यवद्य | १८२९ | आदित्येभ्यो धा | ३३९ | आदौ तु स्वेच्छ | १२९७ |
| आदानमाशु | | आदित्यश्चन्द्र | | आदित्ये विंश | 9 1 | गानी | २९४९ |
| | | | | | २०५ व | आदौ न कुरु | २०१८ |
| | | | | | | | |

| आदौ प्रकल्पि | २३४८ | आनन्दनन्दा | १८१ | आनेतव्यं च | २८६० | आपणेषु वि | १६४१ |
|----------------|-----------------|-------------------|---------------|--------------------|----------------------|-----------------------|-------------------------|
| आदौ प्रभृति | ८०७ | आनन्दयति | | आ नो गव्यूति | 1 | आपत्कालेऽन्य | १४८३ |
| आदौ प्रवर्ति | ५९४ | | ११४१ | आ नो जनेश्र | ,, | आपत्काले हि | १०४७ |
| आदी लेख्यं य | १८४६ | आनन्दा च सु | | आन्तरबत्य | २२३५ | आपत्प्रतर | १८७२ |
| आदौ वर्तेत | *{ < < < < | | *\$000 | आन्तराण्ं च | #२६०५ | आापत्प्रतीका | १२८३ |
| आदौ विन्देत | ८२५ | आनन्दा वसु | ,, | आन्तरे चैव | *१६ ९१ | आपत्सु न त्य | શે હ શે પ |
| आदौ खल्पे त | १०१२ | आनयित्वा य | *५८८ | आन्तरेम्यः प | #१०७१ | आपत्सु वि हि | ६३६ |
| आद्यं लिङ्गं य | २४३१ | आनये तव | १२३० | आन्तरैरिभ | # १२१२ | आपत्सु स्नेह | १२९५ |
| आद्यः पुनस्त्व | २३४८ | आनयेद्रोर | २८६८ | आन्तरैर्भेद | #२०११ | आपरिखतोऽप्य | |
| आद्यः समर | २८४५ | आनर्तराट् | २५२१ | आन्त्रेण पृथि | २४८७ | आपत्स्वेव च | १३१७ |
| आद्यद्वाराणि | \$ १०३०, | आनाम्य फेलि | १८८७ | आन्वीक्षिकीं चा ८ | .७६,८७९ | | ११५७ |
| | २८१४ | आनीय च नि | २७०२ | आन्वीक्षिकीं त | ८६६ | आपदं प्रत आपद्थे च | * १३ १७, |
| आद्यमाजग | ११२२ | आनीय मण्ड | २८९१ | आन्वीक्षिकीं त्र ८ | .७९,८८२ | | करसरः १६४,१३८१ |
| आद्याऽष्टमी क | २८९० | | ७२७, | आन्वीक्षिकीं त्वा | ८७८ | आपदर्थ घ | ९७८ |
| आद्या सर्वग | | | १९७९ | आन्वीक्षिकीत्र ६५ | ७९, ८७०, | | |
| आद्युवत्यस्त | ः ⊌२९६० | आनुकूल्येन | २१५० | | ८८५ | आपदर्थे हि | १३१७ |
| आद्यो वै मन्थी | ₹00 | आनुप्राहिकं | २२८३ | आन्वीक्षिकी त्र ८ | ६७,८८३, | | ३ ९७८,९८१ |
| आद्रोदसी ज्यो | . 22 | आनुपूर्व्या च | ६२१ | 6 | ८८,९०२, | आपदश्चापि | २ ५५३ |
| आ द्विमाषादि | २ २५० | आनुपूर्विश | ५८८ | | ર५४४ | आपदस्तस्य | १०४३ |
| आधयो न्याध | २९०४ | आनुपूर्वेण | १३८७ | आन्वीक्षिक्यध्या | ९०२ | आपदां पद | २०४३ |
| आधर्षकेभ्य १४ | | आनुश्रुकानां | २५३६ | आन्वीक्षिक्यां च | क्ष१८२३ | आपदास्पद | * ,, |
| आधर्षणं न | ११४४ | आनुष्टुभः शू | र ४३५ | आन्वीक्षिक्यां त | 666 | आपदि वा का | ९७१ |
| आधानादीनि | ५८३ | आनुष्टुभो रा | ३२३ | आन्वीक्षिक्याऽऽत | म ८८४, | आपदि सार | २२६५ |
| | | 1 | २८३७ | | ८८५,८८९ | आपदेवास्य | १९९९ |
| आधाय समि | २२३ | आनूपो जाङ्ग | | आन्वीक्षिक्यादि | १८२३ | आपदो द्विवि | ६०४ |
| आधारशक्ति | २९८८ | आनुक्या च त | # २९५७ | आन्वीक्षिक्याऽर्थ | ८७९ | आपदो निस्त | ७२९ |
| आधाराधेय | १८४५ | आनृण्यं याति | १०५८ | आपः परिवा | | आपदो नोप | ९६९, |
| आधावेति ग्रू | ४२५ | आनृण्यमाप्नो | २३७६ | आपः पादाव | ३६१ | | २०३१ |
| आधित्सता सं | १९९५ | आनृशंसश्च | •१०६३ | भागः विवास | | आपदोऽन्यत्र | १३५७ |
| आधिव्याधिप ७४ | ८,११२९ | आनृशंस्यं प | ११२८, | आपः स्वराज | २७३ | | १७४५ |
| आधुवत्यस्त | *२९६० | | ११४१ | 1 | ૨ ९७ <i>०</i> | आपद्रतेन | १ ३२२ |
| आध्वर्यवं य | ८९० | आनृशंस्यगु | १०५२ | आपगा चाल | - | आपद्द्वारेषु | १०७९ |
| आ न एतुम | १३४ | आ नृशंस्यप | ८०६ | आपगा लोप | * ,, | 1 . | २३५५ |
| आनन्तर्थे चा | २३८२ | आनृशंस्पप्र | ५९६ | आपगेयं पु | २३५५ | I - | |
| आनन्तर्यात्त | १६१६ | | ९११ | आपगेयं म | " | आपिं सौह | २०८९ |
| आनन्तिकां तां | १३२५ | 1 | १०४५ | आपणिकाश्च | | आपद्यथाक | २४३२ |
| आनन्त्यं तत्सु | * २००९ | आरृशंस्येन | २०१२, | आपणे क्षेत्रे | | आपद्यस्थां सु | २०२१ |
| भानन्त्यायोप | . ५८४ | | २०१३ | 'आपणे पुञ्जि | १९८७ | आपद्यापदि | १८८६ |

| आपयुत्साह | १२४७ | आप्तवाक्यैर | १२६४ | आभाषितश्च | ७९७,१०६३ | आमयासादि | ૨ ९ ९ ९ |
|----------------------------------|--------------|--------------------|------------------|--------------------|--------------------------------|--------------------|-----------------------|
| आपद्युन्मार्ग | १७२४, | ı | १०१८ | _ | | 1 _ | * ,, |
| • | १७४३ | 1 . | ९७६ | , - | ८५८,१२३० | 1 - | |
| आपद्येव तु | १३८८ | आप्तशस्त्र्यनु | ९९१ | 1 | ७७५ | i . | |
| आपद्विनाश | २०२१ | आप्तानर्थस | * १ २ ५ २ | | | आ मातृस्तन | २३७१ |
| आपन्नः संधि | २११३, | आसाससंत | १७९४ | आभिषेकैंवें | २९३५ | आमादयो हि | १५९६ |
| | २१२७ | आतैः परीक्षि | ९ ५९, | आभिषेचनि | २९ <i>०</i> ८, | आ मा पुष्टे च | २८५ १ |
| आपंत्रचेत | २०१६ | | 968 | | , २८९३७, ३६, क २९३७, | आ माऽरुक्षत् | ९७ |
| आपन्नमपि | ७४३, | आतैः संरक्षि | #9८४ | | ९४१,२९४३ | आमावास्येनो | २५ ० |
| | १४१८ | आप्तेरख़ब्धेः | ५४५ | आभीरवः सु | १५०० | आमिश्रायाम | १९१९ |
| आपन्नसंधि आपन्तमः | २१२९ | आरीर्मनुष्यै | १९१४ | आभूति रे षा | १८४ | आमिषं चैव | २४४२ |
| आपन्नसत्त्वा | 900, | आंत्रेस्तुष्टेश्च | १३१९, | आभूत्या सह | ४८९ | आमिषमर्थ | प३ |
| आपन्नोऽभ्युद | १००८ | | २२१० | आभ्यन्तरं बा | १७०५ | आमिषे गृध्य | २४४२ |
| आपश्चिद्धि ख | २१४६ | आप्तो राजन्कु | १०८२, | आभ्यन्तरं भ | प४,७प४ | आमिषे तु प्र | २०२१ |
| ञापात्र्याद्ध स्व आपस्तस्तम्भ | ۶ | | १२४४ | आभ्यन्तरं श | ९८५, | आमुक्तिकेभ्य | ७५० |
| | ७९३, ११२२ | आप्तो राजा बु | ७१ ०८२, | | | आऽमूरज प्र | ४९९ |
| आपीतवर्ण | २८२९ | | 4 ? 2 8 8 | आभ्यन्तराद्वा | રે ૫ ૭ ૫ | आमूर्तरय | १५०७ |
| आपीतशुक्लं | २८४३ | आप्नुवत्यस्त | #२९६० | आभ्यन्तरा वि | | आमूलं निर्द | ६०८ |
| आपीताः कन | २८४० | आप्नोति द्वेष्य | क१९०३ | | ९२३ | आमोदास्वेद | २३४८ |
| आपूरयेच्च | २५९८ | आप्यतेजस | २५३० | आभ्यन्तराश्च | ९२२ | आम्नायेषु नि | २४३६ |
| आपृच्छति च | २३९४ | आप्यपार्थिव | " | आभ्यन्तरे प्र | २०१६ | आम्रजम्बुक | २८३६ |
| आपृच्छे त्वां म | ७५० | आप्यमारुत | " | आभ्यन्तरो मु | १५६६ | आऽयं पृणक्तु २ | ४० #२४४ |
| आपो अग्रे वि | * ६ २ | आप्यस्य पश्चा | ,, | आभ्यां तु भूष | 7 2660 | आऽयं पुणातु | * ₹४० |
| आपो दिव्याः प | क्षर४१ | आप्याययत्य | ७३८,८२४ | आभ्यां तु सप | # ९२९ | _ | " |
| आपो न निम्नै | ४७६ | आप्याययेत्त | ७३२,८२२ | आभ्यां पार्श्वा | भे २८०७ | आयः साहजि | १८४१ |
| आपो मौत्रधी | १०४ | आप्यायख स | २०९ | आम्यां पाश्ववि | | आयतं चतु | १४६२ |
| आपो वै देवा | ३३३ | आप्यायखेति | २९३० | आभ्यां पुरुष | १८९८ | आयता दश | १४४३ |
| आपो ह यद् | ६२ | आ प्रद्रव प | ९६ | आभ्यां युक्तांश्र | १७ ४२ | आयति सर्व ९४ | |
| आपो ह यन् | # ६२ | आष्ट्राच्याऽऽप्राव | य २८८६ | आभ्यामंसप | २१०१ | • | २२०१ |
| आपो हि ष्ठा हि | २९८५ | आबद्धमुकु | २ ९७४ | आमः स्थात्पन | ६८८९, | आयति क ल्या | २२०६ |
| आप्तं परीक्षि | * ९५९ | आबद्धा मानु | २३९२ | | २०४४ | आ यतिश्चम | १२९७ |
| आतं मनः | १५८ | आवध्यन्तां प | २९३८ | आमन्त्रणीयो | ३२७ | आय.तिक्षेम | # १२९७ |
| आतं मूर्खम | १७८३ | आबलीयसि २० | ६२,२०८४ | आमन्त्रये वा | २४२२ | आयतिनिय २९ | |
| आप्तपुरुषा | १२८२ | आबिभ्रतोः श | २६८८ | आमपात्रप्र | २४८६ | | #8986 |
| आसभावोप | १९२१, | आ ब्रह्मन्ब्राह्म | ४१२,४२४ | आमपात्रमा | | आयत्तं रक्ष | |
| | | आभग्नाः सुम | | आमयविष | | आयता रहा | ८२९ |
| रा.स. ७ | • | | 4- 64 | | 1114 | ःजायत्या गुण | २२०२ |

| आयत्यां च त | ابام | भागश्च कत | ५४९,२२०९ | आयक्तपटि | الامواد | आयुष्मन्तं व | ३४३ |
|----------------------|------------------------|---|---------------------|--------------------|------------------|--------------------------|---------------------------|
| | | | | आयुक्तास्ते च | | आयुष्यं वर्च | २५४३ |
| | ,,२१३५, | | t e | 413 WIN 4 | 1 | आयुष्यमथ ९ | ४२,२८५२ |
| | ****** २१ ४० | I | ६६२,१३२६ | | ```` | आयुष्यमभ | २५४१, |
| आयत्यां च व | २०८८ | | | आयुक्तो वास | २२४८ | | ४८,२९७३ |
| आयत्यां प्रति | १२४५ | आयस्यैवं ष | ११४६, | आयुतिको विं | १७५४ | आयुष्यश्चाभ | २९७९ |
| आयत्यां फल | ૨ ૧ફેપ, | आयाः कति | १३६५ | आयुधाकार | २९१ ४ | आयुष्या च य ' | ५५२,६६३ |
| | २१४१ | | | आयुधागारा ६ | | आ ये रजांसि | ४७२ |
| भायत्यां विशे | १९२९ | | | आयुधानय | १५१३ | आयोगमयो | २३१७ |
| आयत्यादीन | १११६ | | | आयुधानां च | २६ ० ० | आयो द्रव्यस्थो | १२३२ |
| आ यदुहाव | ٥ | ,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,, | १३८३ | आयुधानां तु | २७३२ | आयो ब्ययः खा | |
| आ यद्वामीय | ३७ | आयानुरूपो | १३८१ | आयुधानां प्र | २५१४ | आरक्ता उद | २८४० |
| आयद्वागंश्च | १३६१ | आयान्ति ते | | आयुधानि च | १५११, ८३ २९०८ | आरक्षकपो | २११० |
| आयद्वाराणि | १०३०, | | | 44 | ४३,२९०८, २९३५ | | ** |
| | # २८ १४ | आयामपरि | १४९६, | 2000 | *383 #8806 | आरटन्ति र | 99 |
| आयद्वारेषु | ७५०, | 1 | ५९७,२८३५, | | १९७७ | आरष्ट्रबाह्ली | १४१५ |
| | ३४,२३३७ , | 1 3 | ર૮ ३७,રે૮૪૨, | 1371 113 | २९० ९ | | १५२७ |
| | २३३९ | २ | २८४५,२८४६ | 1 - | १९५ | L | ६३१ |
| आयमगन् | ९६ | आयाम श्चार | | _ | २९२३ | | ५४६ १४३२ |
| आयमनालो | १२३२, | आयामस्तर | | आयुरारोग्य | २९०४ २९०४ | 1 🔺 | २४८५, |
| | १३७८ | भागामे हार | | 1 - | 2886 | A15.4. (16 | २९१७ |
| आयमादौ लि | १८४५ | भागामेन म | | 1 | १८२७ | आरण्योऽमिरि | २०६९ |
| आ ययाम सं | ४०४ | आयामे राज | | आयुर्बीजह | | आरब्धानि य | १७८७ |
| आयव्ययं च | १८०५ | 911414 (15 | 3 | | १३८३ | आरब्धान य आरब्धान्येव | ५७८७ ५६९, |
| आयव्ययज्ञो | २३३६ | | | आयुर्वत्यस्त | २९६० | j. | ५५ २५ ७४, १ ८९० |
| आयव्ययनी | २२१९ | आयामो दश | | आयुर्वी उद्गा | ् ३ ४६ | आरब्धारस्तु `` | १७६९ |
| आयव्ययप्र | १२६७ | आयाश्च बहु | | आ युर्वेदकृ | १६३५, | 1 | ११,२७०२ |
| आयव्ययमु १२ | ३१,१३७८ | आयासयोगे | २६७३ ३३३ | | १६३७ | आरभेतैव | ७११ |
| आय ःययवि १२ | २ ३७,२३५ <i>०</i> | आ याहि सो | | आयुर्वेदवि | ११५१, | आरभ्य पूर्व | २४७३ |
| | ५८,९६०, | आयुः क्षत्तर | | १६ | ३८,२३४१, | आरम्भं तस्य | ११५७ |
| | २३२८ | आयुः पृथिः | | | २३५१ | आरम्भः कर्म | ११३९ |
| आयव्यये च | १२७९ | आयुः प्राणं | | आयुर्वेदश्च | २९७७ | आरम्भसाम्ये | २१६० . |
| आय व्य येर्मु | ९६२ | आयुः शक्ति | | आयुश्च क्षीय | १११६, | | २०११, |
| आयन्ययौ च ९ | ४९,२३५१ | आयुःशर्मग | #२ ९४८ | | १५७६ | | |
| आयन्ययो द | १२६३, | आयुःशीलगु | | आयुश्च तसा | १५०७ | आरम्भान्द्रिष | १०८२ |
| | .७८,१५८० | आयुक्तकेभ्य | | आयुश्च नहु | २९६ ४ | आरम्भा मानु | ⊕ २३९२. |
| आयम्यदी वि | * १३२० | 1 | १ ७३७ | आयुपैवास्मि | ३४६ | आर्श्मि देव | # ₹४ ३ |

| | | | • | | | | |
|----------------------------|----------------|--------------------------|----------------------|------------------------|---------------|------------------------|-------------------|
| आ रश्मीन्देव | २४३ | आरुह्यालंकु | २९७४ | आर्जवं सर्व | १०५९ | आलानग्रै वे | २३१५ |
| आ रा च्छरव्या | ४९९ | ंआरूढः शैल | २४९८ | आर्जवेन च | १०६५ | आलिङ्गनं कु | २५०३ |
| आराज्यायेति | २६५६ | आरूढोऽपि न | | आर्तः सर्वोऽपि | ११५९ | आलिङ्गने उ | . २८३३ |
| आरात्रिकं हि | २८८० | | #3 | आर्तस्तोयप्र | २७८७ | आलिङ्गने च | , |
| आ रात्रि पार्थि | २८५० | आरेवतं ना | | आर्तस्य बुद्धि | १०७८ | आलिङ्गने चा | २८३४ |
| आराद्राज ग्र | 3866 | ' आरेऽसौ ' इत | -, - | आर्तहस्तप्र ११ | ०३,११७५ | आलिङ्गने प | २ २८३ ४ |
| आराघनासु | १७१५ | आरोग्यं व्याय | #२३६२ | आर्ती वा यदि | प१ | आलिङ्गने व | २८३४ |
| आराधनेन | #५७५ | आरोग्यदं भू | २८८० | आर्द्रमस्यि त | २५२८ | आलिङ्गने स | |
| आराध्ये न्नृ | २८७७ | आरो ग्यधन | ७ २९१८ | आर्द्रेस्य सर्व | ९८७ | आलिङ्गने सा | 3 " |
| आराध्यं न प्र | १६२८ | आरोग्यमायु | ९६४ | आद्रीङ्गा हृष्ट | २५ १२ | आलेख्ये चैव | २८३४ |
| आराध्यमुत्था | ९६६ | _ | २४६८ | आर्द्रीङ्ग्यो ह | ٠,, | | ८६७ |
| आराभङ्गे ब | २८७५ | आरोचिता नः | ५८२ | आर्षवास्तुक | १४४८ | आलोकयेद् | २५८५ |
| आरामकृ त्रि | २३४७ | आरोधनेन | | आर्यः सर्वस | #११ ७६ | आवः कुत्समि | १९ |
| आराम दे व | १५१० | आरोपयेच्छ | | आर्यकस्य च | ८६६ | आवः शमं वृ | ,, |
| आरामादी प्र | ९६२ | | १६९८ | आर्थता पुरु | २१७० | आ वण्ठादा च | |
| आरामाधिप | २३४० | आरोप्या प्रति | | आर्ययुक्तारो | १७०१ | आवदंस्त्वं श | २४७६ |
| आरामार्थ ग्र | १४२७ | आरोहणं कु २४८ | ८३,२९१६ | आर्यवृत्तश्च | १८९३ | आ वन्धुरेष्व | ४७१ |
| आरामेषु त | १६४१ | आरोहणंग १५३ | २५,२३४१ | आर्यवेषाः सु | १२४६ | आवयोः कृत | २०३९ |
| आ राष्ट्रे राज | * 883 | आरोहणं त | # 2404, | आर्यव्रतश्च | # १८९३ | आवयोर्योध | २११ ५ |
| ्र आरा स्थाने षु | २७१७ | | २५१२ | आर्यशीलगु | * १६३५ | आ वरणिनः | १३९७ |
| आरिप्सुना म | १७९८, | आरोहणं न | ^२ २५१३ | आर्याः शुचयः | १४४० | आवर्तकवि | १८४३ |
| | २५८७ | आरोहणं शु | 3868 | आयधिष्ठित | १५०९, | आवर्तको नि आवर्तयति | " |
| आरिराधयि | १५३६, | आरोहण म | २५०५ | | २५६ २ | | १२१६ |
| | १७२० | | २८६ | आर्षमप्यत्र | १०८५ | आवर्तयन्ति • • | ११७२ |
| आरहा कामु | ११२५ | आरोहद्भिर्भ | | आर्षेयेण स | 28~ | आवर्तयेन्मु | १७९४ |
| आरुह्य चोन्न | १८०५ | | ७२ | आईतं धर्मे | १११७ | | ४६०,४८६ |
| आरुह्य पुष्प | २४९८ | आरोह प्रोष्ठं | 284 | आलम्बनाभा | | आवसथे व | # १ ० २८ |
| आरुह्य या भ | १५१२ | आरोहमुक्ता आरोहमुक्ता | २७०३ | आलम्ब्यन्तां प | *२९३८ | आवसथे श्रो | १०२८, |
| आरुह्य राज | २९५५ | आरोहेत्प्रथ | १५१८ | आलम्ब्य बल | | अविहत्युग्र | १ ४४० |
| आरुह्य वाता | १७६४ | आरोहित्संम | १६८७ | | | | ९३१ |
| आरुह्य वाद्ये | २५४४ | आर्क पयो हु | | आलस्यं चैव | | आवहन्त्यन आ वहेथे प | २०४६ |
| आरुह्य वा वे | # १७ ६४ | आक्यीया वा ग्र | , , , , - | आल्खं स्तब्ध | | आ वह्य प आवहेयुर्भ | ३८० |
| आरुह्य शिबि | | आर्जनस्यैव आर्जनस्यैव | १३६९ | -110000 0000 | | आप ६3 न | ७४६ |
| 75 75. 7317.5 | | आर्जने तु म | | आल्ख्युक्त | 81985 | आवां देवानृ | ११२२ |
| आरुह्य शैल | | आर्जवं तस्व | | आल्ख्य क | 9 0 10 4 | आवापो मण्ड | १८५३ |
| आरह्य सुम | 1 | आर्जवं प्रकृ | 1 | आलस्ये कृ त | 2002 | आवारोऽमात्य | २६८० |
| आरुह्यांग्रे म | | आर्जवं भृत्य | | आलाका या इ | ९०४६ | आवासस्तोय | २६०१ |
| | • | | 101 | जालाका या इ | ४९६ | आवाहनं त | २९०८ |
| | | | | | | | _ |

| आवाहने ज | १४७९ | आशङ्केत भ | ** २६६४ | आ रा विष वि | ९९७.१३८५ | आश्रमेषु य #७३ | ३,१०७० |
|--|------------------------------|--------------------|-----------------------|---------------------------|----------------|------------------------|---------------|
| आवाहने वि | २ ३५ १ | आशयति | ર ૨ ९३૨ | आशीविषा इ | | आश्रयः सर्व | ८६८ |
| आवाहयेदि | २९८१ | आशया धार्य | 28/~ | आ शीवि षानि | | आश्रयकारी | २६१० |
| आवाह्विवा | १९२४ | आशयाश्चोद | 5 X X S | आशीविषैः प | १२१३ | आश्रयेताभि | * २२०४ |
| आवाहितानां | २९०८ | आशां कालव | | आशीविषेश्च | १२११, | आश्रयेदभि | २२०४, |
| आविकं कम्ब | २९०६ | | २ <i>०</i> ४४ | -11-4111-0-1-1 | १६९३ | | २२०७ |
| आविकाजश | १४३२ | आशाकरण | | आशुः शिशा | | आश्रयेदीह | २२०७ |
| आविश्वितस्य | २३६ | आशाकारण | २०४६ | आग्रः सप्तिः | ४१२ | आश्रयेद्वैत | * २१४३ |
| आवित्त इन्द्रो | २८२ | आशानि वें द | | आग्रः सप्तिरि | | आश्राव्याह—अ | २६९, |
| आवित्तः पूषा | २८३ | | ६,*१५८८ | आशुतरा मे | २०५६ | | ०१,३१५ |
| आवित्ताऽदिति | " | आशानिवेदि | १५६७ | आशुमृतक | ६७३ | आश्राव्याह मि | २६५ |
| आवित्ते द्यावा | " | आशानिर्वेद्य | | आग्र वायुरे | २४८१ | आश्रितभर १५४ | |
| आवित्तो अग्नि | २८२ | | १५८८ | आश्रण्वन्तं य | | आश्रितानां म | ५५१ |
| आवित्तौ मित्रा | २८३ | आशापालोऽयु | ८३६ | आशौचे गृह | २५२७ | आश्रिताश्चेव | १५९४ |
| आ विद्याग्रह | ७५४ | आशावर्धन | १७१५, | आश्चर्यतो व | # १६ १९ | आश्रितेषु का | १६३० |
| आविन्नो अग्नि | १५० | | १७४५ | आश्चरता प आश्चर्यशो व | | आश्रितैरप्य | ११०६ |
| आविष्ट इव | ११२८ | आशासंवर्ष | *१७१५ | 1 | • • • | आश्रित्य चेन्द्र | २४६९ |
| आविष्टिताघ | ३ ९८ | आशासते ज | ६०२ | आश्रमं रक्ष | २८८४ | आश्रित्य दक्षि | २७२१ |
| आविष्टो दुःख | २४४१ | आशास्थेष्टफ | २८५६ | आश्रमं सर्व | १४७५ | आश्रित्वा कृत्रि | १४९२ |
| आवृतः ' इन्द्र | २८६३, | आशिषः पर | २७६४ | आश्रमः कारि | | आश्वत्थं भव | २७८ |
| | २८६४ | आशिषः सर्व | २५ २७ | आश्रमस्थं त | ५९६ | आश्वत्थानि कू | २५३६ |
| आवृतस्तु य | २६८० | आशिषमेवै | २८९ | आश्रमस्थानि | " | आश्वत्था भव | ₹४ १ |
| आवृत्तं च प | *१५२० | आशिषस्ते हि | २९८० | आश्रमस्थो मु | | आश् <u>वयु</u> क्छुक्ल | २८९० |
| आवृत्तानां गु | ६९१,७३३ | आशिषस्तैर्हि | * ,, | आश्रमाश्च वि | | आश्वयुक्शुक्ल | २८५८ |
| आवेगाद्यच | क २७७० | आशिषो वाच | ૨ ૬ફેં૦, | आश्रमाणां म | | आश्वयुजः का | २२७८ |
| आवेगाद्य <u>च</u> आवेगाद्य <u>च</u> | | | ર ૬ફર્પ | आश्रमाणां वि | | | ६५४ |
| | " ९६२ | आशीतिकाः पु | ९७३ | | \$ 3886 | आश्वासयेचा | १८८९ |
| आवेदयति े | २९१८ | आशीतिकाश्च | ९९२ | आश्रमाणां स | ५९६ | आश्वास्याऽऽश्वसि | १०९६ |
| आवेदयन्ति | | आशीरेवैषै | २८९ | आश्रमाणां हि | # ,, | आश्विनं कार्ति | २४७३ |
| आवेशनिभिः | २२५२ | आशीरेषां भ | ६०३ | आश्रमान् सं | ६३६ | आश्विनं दिक | १४२ |
| आवेष्ट्य च ख | २७०२ | आशीर्वादं त | २८५२ | आश्रमा विहि | ५८७ | आश्विनं धूम्र | १७२ |
| आवेष्ट्य खुप्य | १९८७ | आशीर्वादप ७१ | | आश्रमी यदि | १९७९ | आश्विनमु त | ३१६ |
| भावेष्टय वस्त्र आ वो धियं य | २९८९ | 1 | २५,१६२६ | आश्रमे तानि | | आश्विनस्य सि | २८९५ |
| आ वो रोहितः | | आशीर्वादम | <i>े</i> ५,५५५ ७४२ | आश्रमे नारि | | आश्विने चाथ | २८७६ |
| आ वा राहितः आ वो रोहितो | • • | आशीर्वादाः प्र | ११२३ | 1 | २८८२ | 1 - 5 - 6 | २८९५ |
| आशंसते म | ♣ ,, #६६२ | 1 _ | | आश्रमे यो वि | | आश्विने ग्रुङ | २८८५, |
| आशंसते वै | 7 441 282 ६ | | | आश्रम या ॥ आश्रमेषु त | ६ १२१७ ७३३ | ज्यात्वय छल | २८८ ९ |
| *** | 1014 | , , , , | 74,8084 | . जायमञ्जूत | उ र र | | ,, |

| आषाढं श्राव | ২४७३∦ | आसन्ने चानु | २१११ | आसीन्मैत्री तु | # 2030 | आहतं गमे | ३४६ |
|----------------------|---------------|------------------|----------|--------------------------|-------------------|-----------------------------|---------------|
| आषाढयुग | २४७२ | आसन्नैः सह | १२४८, | आसुर श्चेव | ५७४ | आइतं विप्र | * १५२० |
| आषादशुक्ल | २ २८५७ | • | | आसुरा नक | २७१५ | आहतानां इ | १५१३ |
| आषाढा च त | २९५७ | आसन्नो वाऽस्य | २१९४ | आ सूर्येन र | ४० | आ हत्व्य कस्त | #२९६९ |
| आषाढात्रित | २४६२ | आसन्नो हि द | ७२३ | आस्तरणप्रा | ९७४ | आइन्यात् क | २६८७ |
| आषाढे द्वाद | २९०४ | आसन् राज्ञां | २८१६ | आस्तां जल्म उ | # १ ४ | आहरति भ | ३१५ |
| आपाढे दे वि | २४७२ | आ सप्ताहाद्दि | २४७० | आस्तां जाल्म उ | ,, | आहरेत भृ | १४६३ |
| आषाढे मासि | २२७७ | आ समन्ताच | १८८० | आस्ताथ वर्ष | १०७८ | आहरेत्काञ्च | १९८७ |
| आषोडशादि | १४७३ | आ समाप्तेश्चे | २०६४ | आस्तिकं श्रद | १६३६ | आहरेद्राग | १३८७ |
| आ संप्रवृद्ध | २१२२ | आसवानि से | ११२० | आस्तिका अपि | १२२९ | आहर्तुः पूर्वः | १३२८, |
| आ संयतमि | ३७७ | आसां पूर्वव | २८३४ | आस्तिकानां च | १२३० | | २२१२ |
| आसंश्च युद्धा | २४२६ | आ सायकं म | | आस्तिका नास्ति | ६४८ | आह्ल्यकं त | * २९६९ |
| आसंश्च सर्व | २३५५ | आसारव्यञ्ज | | आस्तिक्यं श्रद | २५ ०७ | आहल्यकस्त | ,, |
| आसंस्तदाऽनु | १२४६ | | | आस्ते तु वर्ष | # 6 000 | आहवनीये | २८९ |
| आसज्जन्त्यखि | 282 | आसारस्तु त | | आस्तेऽथ कर्ष | २३७५ | आह वा एन | १०८ |
| आसज्जन्त्यन | ८४७ | आसारावन | | आस्ते प्रेक्ष्यारि | ७ २१८२ | आहवे च म | ६५४ |
| आसञ्ज न्स्यखि | # ८४८ | | १८६३ | आस्ते भग आ | ९८६ | आहवे तु ह | *२७७२ |
| आसञ्जन्त्यन | \$ ८४७ | आसिन्धुनौग | - • | आस्थाय खर्ग्य | * ₹७६८ | आहवे निध | १०७५ |
| आ सत्वनैर | ८७,४९० | आसीत कर्म | | आस्थायास्वर्ग्य | " | आहवे निह | २७७२, |
| आसनं चाम | શં ૬५५ | आसीत न चि | | आस्थितः शास्ति | * ५५६ | | २७९२ |
| आसनं चैव | २०७१ | आसीताधोमु | ११०० | आस्थितः सम | २७०५ | आहवेऽभिमु | २७८३ |
| आसनं यत्त | २१८२ | आसीत्कृतयु ८ | १४५,१८२६ | आस्थीयतां ज | २७९६ | आहवेषु च | २७७४ |
| आसनं रुक्मिम | २१८३ | आसीत्क्षत्रं ब्र | १४४५ | आस्फोटः क्ष्वेड | १५२० | आहवेषु प्रि | ६६१, |
| आसनं संश्र | २०७२ | 9 | २०३० | आ स्फोटिता क्ष्वे | # 2428 | | १५०८ |
| आसनस्यः सु | २९४८ | आसीत्प्रतिज्ञा | ११२१ | आस्फोडिता क्ष्वे | ,, | आहवेषु मि | २७७७, |
| आसनस्यमु | ٠,, | आसीदादान | ६५२ | आऽस्मिन् राष्ट्रे | ४१२, | | २७९१ |
| आसनानि च ७ | - | | ५६ १ | | ४२४ | आ ह वै तत्र | ૪ેર૪ |
| आसनारम्भ | २८३२ | 1 | ११२१ | आऽस्य ब्रह्मा जा | | आहारं कुर | २०४०, |
| आसन् कृत | ८०७ | 1 ' | २७६९ | 1 | ४२४ | | २ ९,७४ |
| आसन् दीर्घा | १४४५ | Ł. | १८९७ | 1 | ४६५ | ।आहारयाज | ५७६ |
| आसन्दीवति | २३५ | 1 -11 -11 | २४८९ | | | भारतास्त्र | ११२४ |
| आसन्द्या उपा | ३११ | l | *२१८० | आऽस्य वेदः खि | ३७६ | | |
| आसन्नं हि द | #७ २३ | | १८२४, | | ११० | | ६३६ |
| आसन्नमिं | २४२५ | 1 | २४९८ | l . | २२२९ | · - | ७४९ |
| आसन्नमृत्युं | | आसीनः स्थावि | | _ | १७३७ | | ६१६ |
| आसन्नश्रास्य | | आसीनमपि | १०४० | 1 | २३३ | | • ,, |
| आसन्नश्चोर | २६४ ३ | । आसीनश्च श | ६४८ | आह च सा स | ६५ | थाहायै र्नीय | ११२९ |
| | | | | | | | |

| आ हास्मिन्वीरो | | . इक्षुरिक्षुवि | | इच्छया ता | | इति | कोपज | १५५९ |
|----------------------------|-------------------------------|-------------------------------------|----------|-------------------------------|------------------------------------|--------------------|------------------------|--|
| आहितव्यव | | इक्षुवृक्षश्च | | इच्छयेह कृ | | इति | कोशप्र | १३७७ |
| आहुतय ए | ४२५ | , · · · · | २८४० | इच्छयैव कृ | ,, | इति | कौटिली | ६७९ |
| आहुतयो वा | ३३६ | इक्वाकवो म | | इच्छा कपा | | | ख ट्टिको | २८३३ |
| आहुतिभिरे | २ ४२ ५ | इक्ष्वाकुः कश्चि | | इच्छामारम्भ | | इति | खड्गम | २८९२ |
| आहुतिमेवा | ^२ ८० | इक्ष्वाकुराजा | २९४२ | इच्छेत् खि | | इति | गीताः क | न १९०८ |
| आहुतीरेवा | ३३६ | इक्ष्वाकु वं श | ८०३, | | ७५२,१४३० | 1 | गुणाव | २०५६ |
| आहुत्यस्ता भ | २९६० | | १५०७ | | | इति | गोमण्ड | २३०६ |
| आहुराश्रमि | २३७६ | इक्षाकुश्च य | २९६४ | इज्यास्वाध्या | | इति | चर्मजा | २२ ३६ |
| आहुरेतज्ज | १०७१ | इक्ष्वाकूणां च | 4686 | इटस्य ते वि | ४०४ | इति | चापम | २८९३ |
| आहूतश्चा प्य | २५५३ | इक्वाकूणां तु | * ,, | इडायास्पदं | ४५४ | इति | चाप्यत्र | *२७६४ |
| आहूतेन र | २४५१ | इक्ष्वाकूणां य | | इडा वै मान | | इति | चामर | २८९३ |
| आहूत्यः शोभ | * २९६० | इक्ष्वाकूणां हि | 787 | इडोपहूतं | २७७० | इति | चेति च | १७९७ |
| आहूय देवा | ६४२ | इक्वाकूणामि | #603 | इडोपहूताः | * ,, | इति | चैवानु | ६५४ |
| आहूयन्तां प्र | १८१२ | इक्ष्वाकूणामु | ६५८ | इत एव ग्र | १०५४ | इति | चोक्त्वा | शु २५४२ |
| आहूय मन्त्रि | १८०५ | इङ्गिडेन सं | २५३४ | इतः पश्यन्ति | | इति | च्छूरिका | ॅ २८ ९३ |
| आहूय वा बा | १९१७ | इङ्गितं चेष्टि | ं ९६३, | इतरः कीर्ति | | इति | _{ज्} छत्रम | २८९२ |
| आहुतानि च | *2988 | | १६६२ | इतराणि वि | २७०१ | | तं चैव | ६६७ |
| आहृते च त | <i>ቁ</i> 088 | इङ्गितशंत | १६८६ | इतरे खाद्य | १९३८ | | तं बन्दि | २३५८ |
| आहुतौ ये प्र | २७८८ | इङ्गितज्ञानु | १२४५ | इतरेण नि | १३५३ | | तं बहु | a ६६७ |
| आह्रत्य च स | #2983 | इङ्गितमन्य १७ | ६९,१८०१ | _ | १८९२,२७११ | | तद्भाव | ११२४ |
| आहत्य स्थाप | १४५९ | इङ्गितमाका | १८०१ | इतरे भ्रात | ८५८ | _ | तन्त्रयु | ६७९ |
| आह्त्याम्भः स | २९४३ | इङ्गिताकार | A SAKA I | इत्रेषां तु | १९०० | | तात वि | १९०३ |
| आहैतत्तन्त्र | १८६४ | , | 4 226 4 | इतरेषां व | १९६७ | | तुलाप्र | २२७३ |
| आह्निकं जप | 1 | | 9.8893. | इतरेषां सु | ७२१,१३८४ | | ख्यान तेन व | ६५८ |
| आह्निक पर आह्निकं पितृ | ५ <i>९</i> ६ * ५९५ | | 2 3 1938 | इतश्च यद | ५ <i>००</i> ६७३ | | तन प तेषां व | १२१७, |
| आह्तिक १५७ आह्तिकं भूत | | | 1 | इति कण्टक इति कनक | 464 2 64 3 | इ।त ५ | ગુપા પ | २५६०, २७६ <i>०</i> |
| आह्नत्यः सोम | _{११} *२९६० | | | | | ਵਰਿ ਤੋਂ | ते संश | 440, |
| आह्रयन्तोऽर्जु | 2020 | | ३८,२३५२ | इति कर्माणि | १०४० १३३० | श्रात ५ | | ९९, २३७९ |
| आह्वानकाल आह्वानकाल | | इङ्गिताकारी | 1 | _ | | इति र | ते सर्व | ,,, (, · , · , · , · , · , · , · , · , · |
| आह्वायका दे | | इङ्गिते र्जा तुं | 1 | इति कल्पास्त क्री कल्पास्त | | | | २८०३ |
| इकारादिस्व | 1 | | 1 | इति कल्प्यास | 1 | इति त | (ण्डवि | १९८१ |
| इक्षवो हि व | L L | इच्छद्धिः पर | 1 | इति कल्प्यास | ' ' ' ' | | रण्डन्यू रण्डन्यू | २७२८ |
| इधुः प्रत्यव | 1 | इच्छन्ति कर्म | | इति कार्तेयु | | | | २८४७ |
| रञ्जः नत्त्व रञ्जदीपः क | ,, •२९६५ | इच्छन्ति शत्रु | | इति कार्याव | १९२६ | शास्त्र व स्टिन | ह्मचा प्रस्कि | २८१३ २८९३ |
| इक्षुरसगु | } | | | इति कालाव | १९३० | | १. स्राज्य | ६७८ |
| इ धुरसेना | | इच्छन्ती रुरु इच्छन्दहेयं | | इति कृत्वा नृ | 288 | 후(건 경 | ुंगल स्वास्त्र | ५७८ ५६० |
| | ,,,, | <i>र च</i> ण्दल्य | रररर | इति केवल | १६०२ | इ।त द | ्षा व्य | 790 |

| इति देशमा | | इति प्रोक्तो वि | २८३७ | इति | राजाऽनु | #२९३७ | इति | संक्षेप | २८८८ ' |
|-----------------------------|--------------|-----------------|---------------|-----|----------------------|------------------------------|------|-------------------|---------------|
| इति देशाव | | इति बलोपा | २५६१ | इति | राजाप | २६ ४२ | इति | संघवृ | <i>६७७</i> . |
| इति दैवप | | इति बाईस्प | ६४४ | इति | राज्ञां पु | ६०१ | इति | संचाराः | १६४५ |
| इति द्वात्रिंश | १५२० | इति बुद्धया वि | १०९२ | इति | राज्ञां स | २८३९ | इति | संचिन्त्य | १०८८, |
| इति द्वादश | १४९६ | इति ब्रुवति | २३९९ | इति | राष्ट्रे प | १२१० | | ₹. | ८१८,२१४६ |
| इति द्वयङ्गब | २७२४ | इति ब्रुवन् | २१९३ | | | ५२४,२६८३ | इति | संदेह | २१२६ |
| इति धर्मः क्ष | ७४७ | | १७०३ | | वर्मम | २८९२ | इति | संपरि | २६ ९३ |
| इति धर्मस्थी | ६७२ | | १२०५ | | वागर्पि | १९५१ | इति | संभृत | २९४६ |
| इति धर्मो नृ | १२३० | इति भेदं नृ | १९६४ | | वाचं न | ११४८ | इति | संमन्त्र्य | १९६५ |
| इति घातुपी | २८३५ | इति भेदास्त्र | ,२२०७ | | वाचा म | १३१७ | इति | संस्तूय | २०३२ |
| इति धीरोऽन्व | २३७५ | इति भेद्याः स | १९६३ | 1 | वाचा व | २६०५ | | संस्मार्थ | १९५१ |
| इति ध्वजम | २८९२ | इति भोगव्यू | २७२८ | , , | वाचा व विज्ञाप्य | रदव्प १७४७ | 1 - | सङ्गः स | ११२७ |
| इति ध्वजयु | २८३९ | इति मच्छास | ११४४ | ı • | विद्धि म | १ ७४७ १ ९०५ | | सत्यं ब्र | २३५८ |
| इति नरप | २५८८ | इति मण्डल | ६७४, | | विद्यावि विद्यावि | • | • | सदण्ड | २८३७ |
| इति पञ्चवि १५७ | ८,१५८० | १ ८७, | ८,२७२९ | ' ' | विधायो | १८७२ | | समानाः | २६४ १ |
| इति पताका | २८९२ | इति मण्डला | २८९८ | 1 | | २३०८ | | सर्वे प्र | २९७८ |
| इति पथि वि | ११३५ | इति मनुज १६३ | | 1 ' | विधिवि | # ₹५८८ | | सर्वान्गु | १०६४ |
| इति परिग | ७५९ | इति मन्त्रब | १७९८ | | विधिवि | २५८८ | | साङ्ग्रा | ६७७ |
| इति पर्युपा | २६४५ | इति मन्त्रिपु | २६१२ | | विनया | ६६९ | I - | सामप्र | |
| इति पिङ्कः | २२५५ | इति मन्त्रेण | २८७८ | | विलास | १४९६ | | | १९४८ |
| इति पीठोहे | २८३६ | इति महद्धये | ३५१ | ı | विशेष | २८३७ | 1 . | सा शकु | १०८८ |
| इति पीडना | १५६६ | 1 | | | विश्वास | १९६५ | इात | सिंहास | १४९६, |
| इति पूर्वीप १५७८ | | इति मातङ्ग | २७५७ | | विषयु | ९७४ | | c c | २८९३ |
| इति पृष्टो म | ७९७ | इति मे नैष्ठि | १८९८ | इति | वृत्तं प | ९९४ | | सिद्धिः —ःं —े | २५६६ |
| इति पृष्वा लि | १४९० | इति मे बुद्धि | २८०३ | इति | वृत्तं स | ७४९ | | सूत्रं चो | १२३१ |
| इति पेटकः | 2248 | इति यं कुरु | १९६५ | इति | वेदच | ८९० | | स्तम्भव | १५६६ |
| इतिप्रकार <u>ं</u> | १८६८ | इति यः क्रिय | २११५ | इति | व्यवस्था | १३८७ | | खल ज | २८४० |
| - | | इति यसादु | ७५७ | इति | व्यवहा | १३३० | इात | स्म कालं | ૨ ૪५९, |
| इति प्रकृत इति प्रत्यक्ष | १८५१ २४८१ | इति यानयु | २८४६ | इति | व्यसना | ६७६ | ਭਰਿ | सा जोता | २५८१ |
| | | इति योगवृ | | | व्यूहाः स | २७४४ | | स्म दोषा | ૨ १૪५ |
| इति प्रत्यर्च्य | २९३७ | इति योगसं | * * * * * | | शकोऽब्र | ६४६ | | स्म पूर्वे | ९९६ |
| इति प्रदिष्टं | २१७४ | इति योनिपो | १३३० | | | २८९३ | इ।त | स्म राजा | LL0, |
| इति प्रबोध | ११४४ | इति यो निर्मि | १९६५ | इति | शीवं त | २९४४ | _ | | १८७८ |
| इति प्रयत्ने | २६८० | इति रक्तस्य | १७१५, | इति | शुद्धाः | २७२४ | इति | स्म राज्यं | १५४४ |
| इति प्रलोभि | २१८४ | | , १७४५ | | | # 2482 | इति | स संधि | २१२७ |
| इति प्रसर्प | २५८० | इति राजन्म | | | षड्वि ँ | २५९५ | इति | खकालं | २१७६ |
| इति प्रसाद | २५६ ९ | | * 1 | | • | ६७५,२०७४ | | | |
| इति प्रोक्तः, प | २८३८ | इति राजन्य | * १२१२ | इति | षोडश | २११ ४ | | | #६६५ |
| | • | | | , | | ,,,, | ४१८। | त्नाव्य | २२६४ |

| इति हस्तिम | 2/92 | ंइत्यनिभृत | 209/ | इत्यादि पृथि | ग १५ ९ ६ | ¦इत्युक्तवा स | त १०८९ |
|-------------------------------------|--------------|-------------------------------|----------------------------|------------------------------------|-----------------|----------------|--------------------|
| इतिहासं पु | | 1 - | २७३३,२७३८ | 1 | | इत्युन्नता | २८४७ |
| इतिहासपु | ४४६,५३८, | | | | २३६५,२५१८ | | १४०१ |
| | ८६४,१११९, | | २८४१ | | | इत्युपायाः स | |
| | | इत्यपराजि | २२३ | इत्यादि सर्वे | | | १९८९ |
| इतिहासमि | | इत्यभियास्य | ६७६ | इत्यादि ह्यनु | | 1 - | २१८४ |
| इतिहासाः पु | ८८९ | इत्यभियुञ्जा | १९२३ | इत्यादींस्तन्त्र | | इत्यु ह सा | _ |
| इतिहासाश्च | # ५७७ | इत्यभिव्यक्त | २०३१ | इत्यादीञ्शास | | इत्येतच्छक | २७७२ |
| इतिहासो ध | २९६६ | इत्यभिहित | २०९८ | इत्यादेयप्र | | इत्येतत्कथि | २८३३ |
| इतिहासोप | ५७७ | इत्यमात्यस्य | १ २६ ३ , | इत्यादी स्वच | व २६७२, | इत्येतदुक्तं | ६१३ |
| इति हास्मा | आ १८४ | | १५७८,१५८१ | | २८०७ | इत्येतद्वच | ८४७ |
| इति ह्युपाया | १९४१ | इत्ययं नव | २८३७ | इत्याद्युक्तक | ३००१ | इत्येतामास | २१७ |
| इतीदं वसु | ६२२ | इत्ययं सर्व | १४९५ | इत्याद्युपाया | ७१९४१ | इत्येवं कूट | २८१० |
| इतीदमुक्तं | ३०४७ | इत्यरिविशे | १८५० | इत्याधाय श | ग २२१ | इत्येवं क्षत्र | #२०३२ |
| इतीन्द्रजालं | १े९९५ | इत्यर्थे व्यव | ६१३ | इत्यापदः | ं १९१६ | इत्येवं गुरु | २७६ ३ |
| - | १३५,२१४१ | इत्यलंकार | २८४४ | इत्याप्यप्रयो | १४०० | इत्येवं धर्म | #१ ५०४ |
| इतीव दोषाः | ६६५ | इत्यवरुद्ध | १०१० | इत्याबलीय | ६७८ | इत्येवं निश्च | २८०१ |
| इतो जयेतो | ५१४ | इत्यवस्थां वि | | इत्यायशरी | २२१ ४ | इत्येवं भ्राम | २८९४ |
| इतो जातो वि | | इत्यश्वकर्म | १५२४,२६८३ | इत्यारोप्य द्व | १२०५ | इत्येवं मति | २४८३,२९१६ |
| इतो दत्तेन | ८०२, | इत्यश्वमन्त्रः | २८९२ | इत्याहाऽऽच | ार्यो ११२० | इत्येवं व्यव | #६१३ |
| | ०७२,१०९६ | इत्यष्टदोल | २८४६ | इत्युक्तः कृत | १९४६ | इत्येवं शुभ | २९८ ५ |
| | ९९८,२३८० | इत्यष्टावन्त | २६५८ | इत्युक्तः पुन | r ८३९ | | १०६२,१६९२ |
| इतोऽधिकं न | २१८४ | इत्यष्टी तव | २५३८, | इत्युक्तः प्रत् | यु २०१३ | इत्येवं स्नान | २९८५ |
| इतोऽनर्थ इ | १९२७ | | २५४६,२८९२ | इत्युक्तवति | ६४६ | इत्येवं हेतु | १५०४ |
| इतोऽन्ये चित्त | १४९६ | इत्यष्टी विग्र | २१४९ | इत्युक्तस्तस्य | १०५४ | इत्येवमि | ૧ ৬૨ |
| इतोऽर्थ इत | १९२८ | | | इत्युक्तस्त्वर | २०२५ | - | २६ <i>७०,</i> २७८७ |
| इतो लाभ इ | १९२७, | इत्यस्मीति व | | इत्युक्तास्ते । | | इत्येवमव | २०४० |
| | १९२८ | इत्यागमप्र | | इत्युक्तो वाम | | इत्येवमाद | २७४० |
| इत्थं निश्चित्य | | इत्यात्मगर्वे | १२०५ | इत्युक्तवा च | | इत्येवमुक्तं | *5 8 3 |
| | | इत्यात्मना हि | 1 | ृत्युक्तवा च | • | | २०२४,२०५० |
| इत्थं पुराण | | इत्यादयः स्मृ | | इत्युक्त्वा तं | | इत्येवमुक्तो | १५११ |
| इत्यं विचार्य | | इत्यादयो म | | इत्युक्त्वाऽन्त | | इत्येवमेतैः | १४७१ |
| ==:i | | इत्यादिगुण | 1 | इत्युक्त्वा पि इत्युक्त्वा पृष् | | | २७२२,२७२३ |
| इत्थं विमृ इय इत्यतो नानु | | इत्यादि च स | | इत्युक्ता प्र | | इत्येष क्षत्र | २०३२ |
| इत्यधन्यानि | | इत्यादि चान् इत्यादि दूष्य | | इत्युक्तवा म | | इत्येष ते स | २८९४ |
| इत्यध्यक्षप्र | | इत्यादि पान इत्यादि पान | | इत्युक्तवा शु | | इत्येष दण्डो | ६२२ |
| 2 · · · · · · · | 7., | 12,30.4 113 | ,,,, | 7.31.11 3 | p = 0 = | • • • | |

| | | . • • | | 1 6 | |) <u> </u> | |
|----------------|--|-------------------|-------|-------------------|------------------------|----------------------------|------------------------------|
| इत्येष प्रथ | | इदं महास्थे | | इदमुद्धर्ष | | इन्द्र चित्तानि | |
| इत्यौपनिष | | इदं मानस्य | | इदमु वाव | | इन्द्रजालं प्र | १९९५ |
| इदं कनक 🎾 | | इदं मे ज्योति | | इदमौरान | | इन्द्र तानि त | |
| इदं कापब्य | ६३३ | इदं मे प्रसु | | इदानीं कथ २ | | | T & ,, |
| इदं कायःय | * ,, | इदं मे ब्रह्म | े ४१३ | इदानीं सर्व | | इन्द्र तुभ्यमि | २१ |
| इदं क्रियता | १८३४ | इदं मे मत | ं ८३९ | इध्मेनाग्न इ | ३९१ | इन्द्रत्वमही | २८६४ |
| इदं क्षत्रं दु | ३३८, | इदं मेऽयं वी | २८९ | इध्मेऽपि मयू | ३४१ | इन्द्र त्वोतास | ४८१ |
| • | ۰,, | इदं मे वीर्य ५ | २८८ | इन्द्र इन्द्रिय | २ ९४ | इन्द्रदण्डक्य | ९३९, |
| इदं क्षत्रं मि | ३३९ | इदं मे व्रत | | इन्द्र इव ज्ये | २४० | 1 | १६०६ |
| इदं च रम | २०४८ | इदं राज्ञः प | | इन्द्रइवेह | ९० | इन्द्रदेवताः | २८६३, |
| इदं च शय | १९०० | इदं व आपो | | इन्द्र उमे वी | રૂપ ૦ | | २८६४ |
| इदं च श्रूय | २४४९ | इदं वः क्षत्रि | | इन्द्र एणम | #98 | इन्द्रद्वीपः क | २९६५ . |
| इदं चास्पेद्ट | १२२० | इदं वा असा | २७२ | | | इन्द्रध्वजनि | २८६९ |
| इदं तदकि | ९२ | 1 . | | इन्द्र एताभ्या | [©] ,, ২৩६ | इन्द्रध्वजशि | २८६९ |
| इदं तदस्य | # १७९,२०८, | इदं विक्रीत | २२६४ | | | इन्द्रध्वजस | २८७३ |
| | 238 | इदं विष्णुर्वि | २५२३, | इन्द्र एषां बा | ५२१ | इन्द्रध्वजोप | २८६९ |
| इदं तस्येद्द | # १२२० | 1. | | इन्द्रं कर्मस्वा | ८७८ | इन्द्रनीलं पु | १३७० |
| इदं तु वच | ८३९ | इदं वृत्तं म | १०७६ | इन्द्रं चोपस २० | ८६३,२८६४ | इन्द्रनीलं म | १३६३, |
| इदं तु श्रूय | \$ 2889 | इदं वृत्तं हि | १०९८ | इन्द्रं तर्पय | १०६६ | | २८३० |
| इदं तु सामा | | इदं वे देव | १५४६ | इन्द्रं दैवीर्वि | | इन्द्रनीलः शु | १३६३ |
| इदं तु सुम | १६६६ | इदं शृणु म | १०९६ | इन्द्रं नमस्य | | इन्द्रनीलस्तु | २८३१ |
| इदं ते छिद्र | २६४६ | इदं श्रेष्ठं ज्यो | १९६ | इन्द्रं यच्छेति | २८७५ | इन्द्रनीलैर्म | २८३३ |
| इदंते दुष्क | | इदं सदो रो | ७१ | इन्द्रं वयम | | इन्द्रप्रस्थे भ | २४२७ |
| १५ त युक्त | १०६२, १६९२ | इदं खरिद | १० | इन्द्रं विश्वा अ | २४१,२४४ | | ६२५ |
| इदं त्वकुश | २२०३ | इदं हव्य सं | ३९१ | इन्द्रः पञ्च क्षि | ३६६ | इन्द्रप्रीत्या भू | २८६६ |
| इदं त्वद्यक्ष | १८९४ | इदं हि नकु | | इन्द्रः सतां सं | २०८२ | इन्द्रमन्विच्छा | २६ |
| इदं त्ववश्यं | * & \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ | इदं हि सद्भिः | | इन्द्रः समत्सु | ३७२ | इन्द्रमहं व | ३९० |
| इदं दुःखं म | क्षर७६८ | इदं हि सर्व | | इन्द्रः सव्यष्ठा | ५१४ | इन्द्रमालेति | २८६५ |
| इदं दुःखम | | इदं ह्याहुः– र | ४२६ | इन्द्रः सीतां नि | ३९३ | इन्द्रमुक्थ्येषु | २ ४ २ |
| इदं धनं नि | ,, ४०५ | इदमत्याहि | ८०३ | इन्द्रः सेनां मो | ५०३ | इन्द्रमेदी स | ५०७ |
| इदं निर्दिग्ध | १८९९ | इदमप्यङ्ग | ८४९ | इन्द्रः सोमं पि | ७१ | इन्द्रमेनं प्र | ७९५ |
| इदं निर्दिष्ट | | इद्ममुष्या | २२८१ | इन्द्रः स्तोमेन | #336 | इद्रमेव प्र | * ,, |
| इदं पर्जन्य | * ,, ሄ ९ ६ | इदमहम | 1 | इन्द्रकान्तं सू | | इ द्रमेव म | ૡ ૨૪ _, ૡ૨ૡ |
| इदं पुंसव | | इदमात्मव | 1 | 'इन्द्रक्षत्रम्' | 3. | इन्द्रमेत्र व | |
| इदं पुनः क | | इदमादान | ५१३ | • | | इन्द्रमेव वि | <i>५ ३५</i> |
| इदं प्रकृत्या | | इदमिदमि | 1 | इन्द्र क्षत्रास | | रुप्रमय ।व इन्द्रमेवाभि | २९८ |
| इदं ब्रह्माया | | इदमिह प | 1 | इन्द्र क्षितीना | | | ५२४ |
| 97 27 | , , , , , | | 2241 | र अ ।श्रापाणी | र इ | इन्द्रयमस्था | ८०८,१६४८ |

| हन्तरोषि म १८७२ हन्तरावि स्थर हन्तरावि स्थय हन्तरावि स्थर | इन्द्रयागं पु | २८६९ | इन्द्रस्थार्कस्य | ८१४, | इन्द्रालयात्त | #2940 | इन्द्रियाश्वं ज | ९२२,२९४६ |
|---|--------------------|--------------|--------------------|-------------|-----------------|----------|------------------|------------------|
| इन्तवजेणे ३५२ इन्तरविद्या २६६ इन्त्रावरण १ इन्त्रियेण २२३,३०३ इन्त्रविद्या २६८, इन्त्रावरण १ इन्त्रियेण २२३,३०३ इन्त्रव्यावरण १ इन्त्रवेणेण २२३,३०३ इन्त्रव्यावरण १ इन्त्रवेणेण २२३,३०३ इन्त्रवेणेण २२४ इन्त्रवेणेण २०४ इन्त | इन्द्रलोके म | २८७२ | | ८२२ | इन्द्रावतं क | १७८ | इन्द्रियेण वा | २ ३३ ० |
| इन्त्रवाजिनि | इन्द्रवज्रेणै | ३४२ | | | | 4806 | | |
| दल्य वातुं र क्षेत्र वे दल्य स्थान प्राप्त क्षेत्र प्राप्त प् | इन्द्रवाजिनि | *२८६९ | इन्द्रस्येन्द्रिया | | इन्द्रावरुण | ₹ ' | | |
| हन्द्रश्वन प्र १८० हन्द्रश्वेच वर्च १८० हन्द्रश्वेच वर्च १८० हन्द | इन्द्र शत्रुं र | # ₹४₹ | | | | | | |
| इन्द्रश्च गाला | • | ५०८ | | | | - २३४ | l | |
| इन्त्रस्थानिय २५२० हिन्त्रयं ने वी २९२,२९४ हिन्न्रयं ते वी २९२,२९४ हिन्न्रयं प्राकृ स्थापा ५२४ हिन्न्रयं ने वी २९२,१९४ हिन्न्रयं ने वी २९२,१९४ हिन्न्रयं ने वोऽहं ४७९ हिन्न्रयं ने वोऽहं ४७९ हिन्न्रयं ने वोऽहं ४७९ हिन्न्रयं ने वोऽहं ४७९ हिन्न्रयं ने वोऽहं ४९९ हिन्न्रयं ने वोऽहं ४९९ हिन्न्रयं ने वोऽहं ४९९ हिन्न्रयं ने वोऽहं ४९९ हिन्न्रयं ने वोऽहं ४९९ हिन्न्रयं ने १०१२ हिन्न्रयं ने वोऽहं ४९९ हिन्न्रयं ने वोऽहं ४९९ हिन्न्रयं ने वोऽहं ४९९ हिन्न्रयं ने वोऽहं ४९९ हिन्न्रयं ने १०१२ हिन्न्रयं ने वोऽहं ४९९ हिन्न्रयं ने वोऽहं ४९९ हिन्न्रयं ने १०१२ हिन्न्रयं ने वोऽहं ४९९ हिन्न्रयं ने १०१२ हिन्न्यं ने १०१२ हिन्न्रयं ने १०१२ हिन्न्रयं ने १०१२ हिन्न्यं १०१२ हिन्न्यं ने १०१२ हिन्न्यं ने १०१२ हिन्न्यं ने १०१२ हिन्न्यं १०१२ हिन्न्यं ने १०१२ हिन्न्यं ने १०१२ हिन्न्यं ने १०१२ हिन्न्यं ने १०१२ हिन्न्यं ने १०१२ हिन्न्यं ने १०१२ हिन्न्यं ने १०१२ हिन्न्यं ने १०१२ हिन्न्यं ने १०१२ हिन्न्यं ने १०१२ हिन्न्यं ने १०१२ | | | | | | | | |
| इन्नस्थ मेला २९७६ इन्त्रां स्वयम ८२० इन्त्रां स्वयम १००६ इन्त्रां स्वयम ५०० इन्त्रां स्वयम ५०० इन्त्रां स्वयम ५०० इन्त्र्यमा | इन्द्रश्चन्द्रेति | | | i | इन्द्रियं वै वी | २९२,२९४ | | |
| हन्द्रसायुजा ५१४ हन्द्रमायुज्य ६१४ हन्द्रमायुज् | इन्द्रश्च मेत्या | 26108 | | | | | | |
| इन्त्र सेनां मो ५०३ दे हन्त्रमा एव ५२६ हन्त्रमा एव ६२६ हन्त्रमा मित्रा ७१ हन्त्रमा एव ५१३ हन्त्रमा मित्रा ७१ हन्त्रमा प्रथ ५१३ हन्त्रमा मित्रा ५०४ हन्त्रमा स्थ ५०६ हन्त्रमा स्थ ५०६ हन्त्रमा ७६९,९०० हन्त्रण गुप्तो ५०० हन्त्रण गुप्ते ६०० हन्त्रण गुप्ते ५०० हन्त्रण गुप्ते ५०० हन्त्रण गुप्ते ६०० हन्त्रण नुप्ते भुप्ते हन्त्रण गुप्ते ६०० हन्त्रण गुप्ते ६०० हन्त्रण गुप्ते ६०० हन्त्रण गुप्ते ६०० हन्त्रण गुप्ते ६०० हन्त्रण गुप्ते ६०० ह | | · I | इन्द्रामी उ है | 3 1 | | | | |
| क्तुसान् पर्य | _ | | - | ५ २५ | | | | |
| हन्त्रस्त मृथः ६ २६ हन्त्र सोमेन ३२८ हन्त्र सोमेन ३२८ हन्त्र सोमेन ३२८ हन्त्र सोमेन ३२८ हन्त्र सानम् १४५० हन्त्र सानम् १४५० हन्त्र सानम् १८०४ हन्त्र सानम् | _ | à Ì | इन्द्रमी मित्रा | ७१ | · - | | _ | |
| इन्द्रस्था त्र प्रश्र हन्द्रस्था ्र प्रश्र हन्द्रस्थ त्र प्रश्र हन्द्रस्थ त्र प्रश्र हन्द्रस्थ त्र प्रश्र हन्द्रस्थ त्र प्रश्र हन्द्रस्थ त्र प्रश्र हन्द्रस्थ त्र प्रश्र हन्द्रस्थ त्र प्रश्र हन्द्रस्थ त्र प्रश्र हन्द्रस्थ त्र प्रश्र हन्द्रस्थ त्र प्रश्र हन्द्रस्थ त्र प्रश्र हन्द्रस्थ त्र प्रश्य हन्द्रस्थ त्र प्रश्र हन्द्रस्थ त्र प्रश्र हन्द्रस्थ त्र प्रश्य हन्द्रस्थ त्र प्रश्य हन्द्रस्थ त्र प्रश्य हन्द्रस्थ त्र प्रश्य हन्द्रस्थ त्र प्रश्य हन्द्रस्थ त्र प्रश्य हन्द्रस्थ त्र प्रश्य हन्द्रस्थ त्र प्रश्य हन्द्रस्थ त्र प्रश्य हन्द्रस्थ त्र प्रश्य हन्द्रस्थ त्र प्रश्य हन्द्रस्य त्र प्रश्य हन्द्रस्य त्र प्रश्य हन्द्रस्य त्र प्रश्य हन्द्रस्य त्र प्रश्य हन्द्रस्य त्र प्रश्य हन्द्रस्य त्र प्रश्य हन्द्रस्य त्र प्रश्य हन्द्रस्य त्र प्रश्य हन्द्रस्य त्र प्रश्य हन्द्रस्य त्र प्रश्य हन्द्रस्य त्र प्रश्य हन्द्रस्य त्र प्रश्य हन्द्रस्य त्र प्रश्य हन्द्रस्य त्र प्रश्य हन्द्रस्य त्र प्रश्य हन्द्रस्य त्र स्रम्प प्रश्य हन्द्रस्य त्र स्रम्प प्रश्य हन्द्रस्य त्र स्रम्प प्रभ प्रभ प्रभ हन्द्रस्य त्र स्रम्प प्रभ प्रभ प्रभ हन्द्रस्य त्र स्रम्प प्रभ प्रभ प्रभ हन्द्रस्य त्र स्रम्प स्रम्प प्रभ प्रभ प्रभ हन्द्रस्य त्र स्रम्प स्रम्प प्रभ प्रभ प्रभ हन्द्रस्य त्र स्रम्प स्रम्प प्रभ प्रभ प्रभ हन्द्रस्य त्र स्रम्प स्रम्प प्रभ प्रभ प्रभ हन्द्रस्य त्र स्रम्प स्रम्प प्रभ प्रभ प्रभ हन्द्रस्य त्र स्रम्प स्रम्प प्रभ प्रभ प्रभ हन्द्रस्य त्र स्रम्प स्रम्प प्रभ प्रभ प्रभ प्रभ प्रभ प्रभ प्रभ हन्द्रस्य त्र स्रम्प स्रम्प प्रभ प्रभ प्रभ प्रभ प्रभ प्रभ त्रम्प स्रम्प प्रम्प प्रभ प्रभ प्रभ प्रभ हन्द्रस्य त्र स्रम्प स्रम्प स्रम्प प्रभ प्रभ प्रभ प्रभ प्रभ प्रभ प्रभ प् | | | इन्द्रामी रक्ष | ४०४ | _ | | | |
| हन्द्रस्वा ह्रय | | | इन्द्रामी विश्वे | ९५ | _ | | 1 | |
| हन्द्रस्थानाद् | | | इन्द्रा च बधि | | _ | | | २४३७ |
| हन्द्रस्थाने प २५११ हन्द्रस्थाने प २५११ हन्द्रस्थाने प २८०२ हन्द्रस्थाने प २८०२ हन्द्रस्थ कुक्षिः २८९८ हन्द्रस्थ तत्र ५१२ हन्द्रस्थ तत्र ५१२ हन्द्रस्थ तत्र ५१२ हन्द्रस्थ तत्र ५१२ हन्द्रस्थ तत्र ५१२ हन्द्रस्थ तत्र ११५२ हन्द्रस्य तत्र ११५२ हन्द्रस्य तत्र ११५२ हन्द्रस्य तत्र ११५२ हन्द्रस्य तत्र ११५२ हन्द्रस्य तत्र ११५२ हन्द्रस्य तत्र ११५२ हन्द्रस्य तत्र ११५२ हन्द्रस्य तत्र ११५२ हन्द्रस्य त्र ११५२ हन्द्रस्य तत्र १५५२ हन्द्रस्य तत्र १५६२ हन्द्रस्य तत्र १५६२ हन्द्रस्य तत्र १५६२ हन्द्रस्य तत्र १५६२ हन्द्रस्य तत्र १५६२ हन्द्रस्य तत्र १५६२ हन्द्रस्य तत्र १५६२ हन्द्रस् | - | | | | इन्द्रियमेवा | ४२२ | इन्द्रेणैतद् | # 99 |
| इन्द्रस्थाने पु २८७२ इन्द्रस्थ कृष्ठिः २८९८ इन्द्रस्थ तत्र ५१२ इन्द्रस्थ तत्र ५१२ इन्द्रस्थ तत्र ५१२ इन्द्रस्थ तत्र ५१२ इन्द्रस्थ तत्र ५१२ इन्द्रस्थ तत्र ११२ इन्द्रस्थ त्र ११२ इन्द्रस्थ त्र प्र १९१,३१४ इन्द्रस्य त्र प्र १९१,३१४ इन्द्रस्य त्र प्र १९१,३१४ इन्द्रस्य त्र प्र १९१,३१४ इन्द्रस्य त्र प्र १९१,३१४ इन्द्रस्य त्र प्र १९१,३१४ इन्द्रस्य त्र प्र १९१,३१४ इन्द्रस्य त्र प्र १९१,३१४ इन्द्रस्य त्र प्र १९१,३१४ इन्द्रस्य त्र प्र १९१,३१४ इन्द्रस्य त्र प्र १९१,१९८, इन्द्रस्य त्र प्र १९१,१९४, इन्द्रस्य त्र प्र १९१,१९४, इन्द्रस्य त्र प्र १९१,१९४, इन्द्रस्य त्र प्र १९१,१९४, इन्द्रस्य त्र प्र १९४,३३२ इन्द्रस्य त्र प्र १९४,३२५ इन्द्रस्य त्र प्र १९८, इन्द्रस्य त्र प्र १९८, इन्द्रस्य त्र १९१४,१९४, इन्द्रस्य त्र प्र १९८, इन्द्रस्य त्र प्र १८१, इन्द्रस्य त्र त्र प्र १८१, इन्द्रस्य त्र त्र प्र १८१, इन्द्रस्य त्र त्र १८१, इन्द्रस्य त्र त्र प्र १८१, इन्द्रस्य त्र त्र प्र १८१, इन्द्रस्य त्र त्र त्र १८१, इन्द्रस्य त्र त्र १८१, इन्द्र | | | इन्द्राणी देवी | ५२८ | इन्द्रियमेवै | २९२ | इन्द्रेन्द्र मनु | ९६ |
| इन्द्रस्थ कुक्षिः २८९८ इन्द्रस्थ तत्र ५१२ इन्द्रस्थ तत्र ५१२ इन्द्रस्थ तत्र ५१२ इन्द्रस्थ तत्र ५१२ इन्द्रस्थ ते वी २४२ इन्द्रस्थ त्वेन्द्रि ४२३ इन्द्रस्थ त्वेन्द्रि ४२३ इन्द्रस्थ तु प्रा ४१५ इन्द्रस्थ तु प्रा ४१५ इन्द्रस्थ तु वी १५ इन्द्रस्थ युज्यः १७१,३१४ इन्द्रस्थ युज्यः १७१,३१४ इन्द्रस्थ युज्यः १०१,३१४ इन्द्रस्थ युज्यः १०१,३१४ इन्द्रस्थ युज्यः १०१,३१४ इन्द्रस्य युज्यः १०१,३१४ इन्द्रस्य युज्यः १०१,३१४ इन्द्रस्य युज्यः १०१,३१४ इन्द्रस्य युज्यः १०१,३१४ इन्द्रस्य युज्यः १०१,३१४ इन्द्रस्य युज्यः १०१,३१४ इन्द्रस्य युज्यः १०१,३१४ इन्द्रस्य वृज्यः १०१,११५८ १६२,४९७ इन्द्रस्य वृज्यः १०१,३००० इन्द्रस्यातियः १०१३,२५२५ इन्द्रस्याणि प्र १०१,०१९ इन्द्रस्याणि प्र १०१,०१९ इन्द्रस्याणि प्र १०१,०१९ इन्द्रस्याणि प्र १०१,०१९ इन्द्रस्याणि प्र १०५०,०१९ इन्द्रस्य व्याणे प्र १०५०,०१९ इन्द्रस्य व्याणे प्र १०५०,०१९ इन्द्रस्य व्याणे प्र १०५०,०१९ | | | इन्द्राणीमेव | ५२५ | इन्द्रियवश | १५७१ | इन्द्रेह वा अ | ा ३५ ० |
| इन्द्रस्य तत्र ५१२ इन्द्रस्य ते वी २४२ इन्द्रस्य ते वी २४२ इन्द्रस्य ते वी २४२ इन्द्रस्य ते वी १४५ इन्द्रस्य ते वि १४५ वि १४५ | _ | | इन्द्राणी वै से | ,, | इन्द्रियस्य वा | ३३० | इन्द्रो जयति | *२६,*५११ |
| इन्द्रस्य ते वी २४२ इन्द्रास्य ते वी २४२ इन्द्रास्य ते वी २४२ इन्द्राधिपतिः ३३७ इन्द्रस्य ते वी २४२ इन्द्रस्य ते वी १४५ इन्द्रस्य ते वी १४५ इन्द्रस्य ते वी १४५ इन्द्रस्य ते वी १४५ इन्द्रस्य ते वी १४५ इन्द्रस्य ते वी १४५ इन्द्रस्य ते वी १४५ इन्द्रस्य ते वी १४५ इन्द्रस्य ते वी १४५ इन्द्रस्य ते विवाधितः १८०९, १८०० इन्द्रस्य ते विवाधितः १८०९, १८०० इन्द्रस्य ते विवाधितः १८०९, १८०० इन्द्रस्य ते विवाधितः १८०९, १८०० इन्द्रस्य ते विवाधितः १८०९ इन्द्रस्य ते विवाधितः १८०९ इन्द्रस्य ते विवाधितः १८०९ इन्द्रस्य ते विवाधितः १८०९ इन्द्रस्य ते विवाधितः १८०९ इन्द्रस्य ते विवाधितः १८०९ इन्द्रस्य ते विवाधितः १८०९ इन्द्रस्य ते विवाधितः १८०९ इन्द्रस्य ते विवाधितः १८०९ इन्द्रस्य ते विवाधितः १८०९ इन्द्रस्य ते विवाधितः १८०९ इन्द्रस्य ते विवाधितः १८०९ इन्द्रस्य ते विवाधितः १८०९ इन्द्रस्य ते विवाधितः १८०९ इन्द्रस्य ते विवाधितः १८०९ इन्द्रस्य ते विवाधितः १८०९ इन्द्रस्य ते विवाधितः १८०९ इन्द्रस्य ते १८०० इन्द्रस्य ते १८०९ इन्द्रस्य ते १८०० इन्द्रस्य ते १८०० इन्द्रस्य ते १८०० इन्द्रस्य ते १८०० इन्द्रस्य ते १८०० इन्द्रस्य ते १८०० इन्द्रस्य ते १८०० इन्द्रस्य ते १८०० इन्द्रस्य ते १८०० इन्द्रस्य ते १८०० वर्षस्य १८०० वर् | | | इन्द्राण्ये चरुं | " | इन्द्रियाणां ज | ६६३,७४५, | इन्द्रो जयाति | 49 2 22 |
| इन्द्रस्य त वा १४४ इन्द्रस्य त वेन्द्र ४२३ इन्द्रस्य त वा १४४ इन्द्रस्य त वा १६१५ इन्द्रस्य त वा १४४ इन्द्रस्य त वा १४४ इन्द्रस्य त वा १४५ इन्द्रस्य त वा १४५ इन्द्रस्य त वा १४५ इन्द्रस्य पात १८१,८३४ इन्द्रस्य पात १८१४ इन्द्रस्य पात १८१८ इन्द्रस्य पात १८१८ इन्द्रय पात १८१८ इन्द्रय पात १८१८ इन्द्रय पात १८१८ इन्द्रय पात १८१८ इन्द्रय | • | | इन्द्रादनव | ८३५ | | 3 | 1 | |
| हन्द्रस्य नु प्रा | • • | | इन्द्राधिपतिः | ३३७ | इन्द्रियाणां व | | 1 - | २८५६ |
| हन्द्रस्य तु वी १५ हन्द्राय पात २२१,२३४ हन्द्राण च ६८२,८७३, हन्द्रो नस्तत्र #४९६ हन्द्रस्य युज्यः १७१,३१४ हन्द्राय पात २२१,५२४ हन्द्राय पात २२१,५२५ हन्द्राय पात २२१,५२५ हन्द्राय विज्ञ ५२५,१५८, हन्द्राय विज्ञ ५२०१ हन्द्रयाण ज १२०४ हन्द्राय विज्ञ ५२०१ हन्द्रयाण ज १२०१ हन्द्रयाण ज १२०० हन्द्रयाण ज १२०० हन्द्रयाण ज १२०० हन्द्रयाण ज १२०० हन्द्रयाण ज १८०३ हन्द्राय स्त्र प्र ७९५,१०४१ हन्द्राय स्त्र प्र ७९५,१०४१ हन्द्रयाण म १०५,९१९ हन्द्राय स्त्र प्र १४३,३३९ हन्द्रयाण म १०५,९१९ हन्द्रयाण म १०५,९१९ हन्द्रयाण म १०५,९१९ हन्द्रयाण म १०५,९१९ हन्द्रयाण म १०५,९१९ हन्द्रयाण म १०५,९१९ हन्द्रयाण म १०५,९१९ हन्द्रयाण म १०५,९१९ हन्द्रयाण म १०५,९१९ हन्द्रयाण म १०५,९१९ हन्द्रयाण म १०५,९१९ हन्द्रयाण म १०५,९१९ हन्द्रयाण म १०५,९१९ हन्द्रयाण म १०५,९१९ हन्द्रयाण म १०५,९१९ हन्द्रयाण म १०५,९१९ हन्द्रयाण म १०५,९१९ हन्द्रयाण म १०५,९१९ हन्द्रयाण म १०५,०५३५ हन्द्रयाण म १०५३,२५३५ हन्द्रयालम १८१३ हन्द्रयालम १८१३ हन्द्रयालम १८१३ हन्द्रयालम १८१३ हन्द्रयालम १८१३ हन्द्रयालम १८१३ हन्द्रयालम १८१३ हन्द्रयालम १८१३ हन्द्रयालम १८१३ हन्द्रयालम १८१४ हन् | | | इन्द्राधिपत्यैः | *₹₹७ | 1 | | | |
| इन्द्रस्य युज्यः १७१,३१४ इन्द्राय पात २२१,२३४ इन्द्रियाणि च ६८२,८७३, इन्द्रोऽपचारे १९५३ इन्द्रस्य युज्य २९३० इन्द्राय मन्यु ५२४,४२५ इन्द्राय विज्ञ ५२५ इन्द्र्य विज्ञ वि | _ | | 1 | ८०९,८३० | ł | | | |
| हन्द्रस्य युज्ज २०३० हन्द्रस्य युज्ज २०३० हन्द्रस्य वज्जा ५०५ हन्द्रस्य वज्जो १५१,१५८, १६२,४९७ हन्द्राय च्वि ५२४ हन्द्राय च्वि ५२४१, हन्द्राय च्वि १२४१, हन्द्राय च्व १२४१, हन्द्राय च्व १२४१, हन्द्राय च्व १२४१, हन्द्राय च्व १२४१, हन्द्राय च्व १२४१, हन्द्राय च्व १४१, हन्द्राय च्व १४१, हन्द्राय च्व १४१, १४१, हन्द्राय च्व १४१, हन्द्राय च्व १४१, हन्द | | | | | | | 1 - | |
| इन्द्रस्य बज्रा ५०५ इन्द्राय बज्जि ५२५ इन्द्रायणि ज ९२२ इन्द्रोऽप्येतको २४२७ इन्द्रस्य बज्जो १५१,१५८, इन्द्राय बह्न २९०१ इन्द्रियाणि तु १८०३, इन्द्राय बह्न ५२४ इन्द्राय वह १८०३ वह वह या वह १८०३ वह वह या वह १८०३ वह वह या वह १८०३ वह वह या वह १८०३ वह वह या वह १८०३ वह वह या वह १८०३ वह वह या वह १८०३ वह वह या वह १८०३ वह वह या वह १८०३ वह वह या वह १८०३ वह वह या वह १८०३ वह वह या वह १८०३ वह वह या वह १८०३ वह वह या वह १८०३ वह वह या वह १८०३ वह वह या वह १८०३ वह वह या वह १८०४ वह वह या वह १८०३ वह वह या वह यह यह यह यह यह यह यह यह यह यह यह यह यह | - | | | | शःस्रमान म | | , | |
| हन्द्रस्य वज्रो १५१,१५८, हन्द्राय वह २९०१ हन्द्रियाणि तु *८७३, हन्द्रोऽच्येषां प्र २८५३ हन्द्रयेष व्र १५१,१५८, हन्द्राय वह १९०१ हन्द्रयाणि प्र इन्द्रो वलं व ८०, हन्द्रस्य वां वी २९६ हन्द्राय सुप्र ७९५,१०४१ हन्द्रियाणि प्र ७४६ हन्द्रियाणि प्र ६न्द्रयाणि प्र ६न्द्रयाणि प्र ६न्द्रयाणि प्र ६न्द्रयाणि प्र ६न्द्रयाणि प्र १५३,३५९ हन्द्रयाणि प्र १५५,२५३५ हन्द्रयाणि प्र १५३,२५३५ हन्द्रयाणि प्र १६५८, हन्द्रायाभिमा ५२४ हन्द्रियाणि च १७५६ हन्द्रयाणि च १६६५ हन्द्रयाणि च १६६६ हन्द्रयाणि च | | | | • | इन्द्रियाणि ज | | | |
| हन्द्रस्य विद्या १ ५१,१५८, हन्द्राय वृत्र ५२४ हन्द्राय वृत्र ५२४ हन्द्राय वृत्र ५२४ हन्द्राय वृत्र ५२४ हन्द्राय वृत्र ५२४ हन्द्राय वृत्र ५२४ हन्द्राय वृत्र ५२४ हन्द्राय वृत्र ५२४,२०४ हन्द्राय वृत्र ५२४,२०४ हन्द्राय वृत्र १४३,३३९ हन्द्रियाणि प्र ७४६ हन्द्रायणि प्र ६न्द्र्याणि इन्द्र्याणि प्र ६न्द्र्याणि | | | | | l | | | |
| हन्द्रस्य वां वी २९६ हन्द्राय स प्र ७९५,१०४१ हन्द्रियाणि प्र ७४६ हन्द्रियाणि प्र ७४६ हन्द्रियाणि प्र १२४९, हन्द्राय सुत्रा १४३,३३९ हन्द्रियाणि प्र १०५,९१९ हन्द्रियाणि प्र १०५,९१९ हन्द्रायाभिमा ५२४ हन्द्रियाणि च १७५ हन्द्र्यो मन्थतु ५१३,२५३५ हन्द्रस्य हि स २१९८, हन्द्रायुधंत २९२४ हन्द्रियातम ९६५ हन्द्र्यो महत्वा ५१३ हन्द्रस्यातिथ २७६३ हन्द्रालयम् ७२९५०, हन्द्रियावत् २४१ हन्द्रो सा महत्व १०४ | इन्द्रस्य वज्री | | | | *1 * 3 | | 1 | |
| इन्द्रस्य वि म १२४९, इन्द्राय सुत्रा १४३,३३९ इन्द्रियाणि म ९०५,९१९ इन्द्रो बलम् ७८ इन्द्रयाभिमा ५२४ इन्द्रियाणि श ३७५ इन्द्रो वलम् ७८ इन्द्रयाभिमा ५२४ इन्द्रियाणि श ३७५ इन्द्रो मन्थतु ५१३,२५३५ इन्द्रयातमम ९६५ इन्द्रयातमम ९६५ इन्द्रयातमम १८१ इन्द्रयातम १८१ इन्द्रयातम १८१ इन्द्रयातम १८४ इन्य | : 0 | | | | इन्द्रियाणि प्र | | इन्द्राबल व | |
| १७७२ इन्द्रायाभिमा ५२४ इन्द्रियाणि श रूप इन्द्रो मन्थतु ५१३,२५३५ इन्द्रस्य हि स २१९८, इन्द्रायुधं त २९२४ इन्द्रियातमम ९६५ इन्द्रो महत्वा ५१३ इन्द्रायुधस ९८३,२७०८ इन्द्रियावत् २४१ इन्द्रो मा मरू १०४ इन्द्रस्थातिथ २७६३ इन्द्रालयम् ७२९५०, इन्द्रियावी म ४२१ इन्द्रो यः ग्रुष्ण ३७० | | | | | 0.0 | | | |
| इन्द्रस्य हि स २१९८, इन्द्रायुधं त २९२४ इन्द्रियातमम ९६५ इन्द्रो महत्वा ५१३ २६१८ इन्द्रायुधंस ९८३,२७०८ इन्द्रियावत् २४१ इन्द्रस्थातिथ २७६३ इन्द्रालयम् ७२९५०, इन्द्रियावी म ४२१ इन्द्रो यः ग्रुष्ण ३७० | इन्द्रस्य हि म | | | १४३,३३९ | 1 | | 1 _ | |
| २६१८ इन्द्रायुधस ९८३,२७०८ इन्द्रियावत् ^{२४१} इन्द्रो मा मरु १०४ इन्द्रस्थातिथ २७६३ इन्द्रालयम् ७२९५०, इन्द्रियावी म ४२१ इन्द्रो यः ग्रुष्ण ३७० | 2520 fr | | | | | | 1 _ | |
| इन्द्रस्थातिथ २७६३ इन्द्रालयम् ७२९५०, इन्द्रियावी म ४२१ इन्द्रो यः ग्रुष्ण ३७० | रुप्रस्य ।ह स | | l | | ł | | 1 | |
| | ਵ-ਵ ਲਾ ਵਿ•• | | ł | | l . | | | |
| र प्राप्त च्यु २०३। २९७५ इन्द्रियाच्येच २८ इन्द्रा यसक ५२३ | | | 1 | | | | | |
| | रत्मलाग्र व्य | २०३ | t | २९७५ | इन्द्रियाच्येव | २८ | इन्द्रा यचक | ५२३ |

| | ८ इमं मे वर | ų | इमामू नु क | ٠ | इयं वै पृथि | २५९,२८३ |
|--|----------------------------|--------------|----------------------------------|--------------|-----------------------|---------------|
| | ९ इमं मे शृणु | #२७६० | इमामू प्वासु | , ,, | | ३१०,३३५ |
| | ६ इमं लोकम | | इमा याः प | | इयं वै वाग | ४४५ |
| | ६ इमं वीरम | | इमा या गाव | | इयं वै श्रीः | २१६ |
| इन्द्रोराजाय ८० | २ इमं व्याजह | | इमा राष्ट्रस्य | २१८ | l_• | २४५३ |
| | ९ इमं सङ्ग्रामं | | इमा विशः ध | | | २४८ |
| | ७ इमं सजाता | | इमाश्च प्रदि | #6 8 | 0 | २४७७ |
| इन्द्रोवाओका ३,५ | ॰ इमं स्तवं दे | | इमा सातानि | | | २७७६ |
| इन्द्रो वीर्ये३णो १० | ६ इमं स्तोमं रो | ३३ | इमे उपाया | `१९९३ | इयं हि लोक | ८८१ |
| इन्द्रो वृत्रम ३२५,३३ | ॰ इमं स्तोमं स | ३० | इमे गृहा म | | इयं हि लोके | # ,, |
| इन्द्रो वृत्रव ५६२,२३८ | ६ इमममुष्य | २६८,२८८ | इमे चित्तव | २ १ | | २८३८ |
| | १ इममर्थे पु | १०८५ | इमे जनान | ६२४ | इयथ हीदथ स | |
| इन्द्रों वे देवा १८ | 17 | १७६७ | इमे जयन्तु | ५१४ | इयच संचि | १२६८ |
| इन्द्रो वै ब्रह्म १०५ इन्द्रो वै यज २५६ | Astronom w | १००,३४३ | इमे पलाय | २७७२ | इयदस्तीति | ,, |
| | ' 'इममिन्द्र'इ | २५३४ | इमे ये नावीं | ३८२,४४३ | इयदस्यायु | १५९,२९६ |
| २५७,२७५ | | १००, | इमेऽरात्सुरि | ४२३ | इयद्द्वादश | ४२१ |
| २८१,२९ इन्द्रो वैयज्ञ ३१३,३११ | | ४३,२८४९, | इमे वै लोका | | इयमापत्स १ | |
| | . 1 | २९३ २ | इमे षड्व | २६ २१ | | २८४७ |
| | ्रास्तानात्र ह | ३४३ | इमी वृद्धी च | १४४४ | इयेष तं मु | १६९६ |
| | ्रभाभन्द्र। अ | | इमी स्तम्भी | वृ २८८१ | इरावांश्च त | २७१२ |
| इन्द्रोहचके ४६ इन्द्रोहयत्र ५२० | ्रश्यमयााग | | इमौ हि वृद्धौ | | | २८७ |
| इन्द्रोहवाई ३१ | ्राश्मा आपः अ | ४०४ | _ | | इषुधिः संकाः | ४९३ |
| इन्द्रो हि वज्र ३१८ | इमा आपः ।श | | इयं खलु वै | | इषुरिव दि | ३९८ |
| इन्द्रो हेतीनां ७५ | विचा च च ह | | इयं गुणानां | | इषुर्लिप्तो न | #२७६ ५ |
| | हमां जनता इमां जुनध्व | | इयं तुब्रह्म | २९८१ | | २८७ |
| | इमा जुनस्व इमां तु नाभि | | इयं देवी स | | इषे पिन्व स्वो | ४१९ |
| | इमां यथा क | | इयं पित्रे रा सर्वे एउन्हर २० | | इषो दासीर | ३८० |
| | इमाः प्रजाः क्ष | 9336 | स्य प्रचाल २ इयंयथाक | ४८५,२९१७ | | ₹८३ |
| | इमा गिर आ | | | | इष्कृताहाव | ३८४ |
| | इमान्विद्ध्या | | ह्यं यदास ह्यं वा अदि | | इष्टं जिहीर्ष | *२३९१ |
| . • | इमामझे श | 3 9 8 | ह्य वा आद ह्यं वा अनु | i i | इष्टं दत्तं च | ११०१ |
| | इमामवस्था | | स्य वा अनु इयं वा उपृ | | इष्टं स्थाच्छ्रति | * <i>१९७४</i> |
| 2 2 . | इमामवस्थां | २००६, | | | इष्टं स्थात्कतु | १८१८, |
| इमं नृपो वि २१४५ | 1 | *2888 | • | १२१७ | | १९७४ |
| | इमामुर्वी न | 1 | स्य या गराऽ इयं वै पूषा | | इष्टकरा ब | १५३७, |
| राग गात्र ०७४ | וי ורטוויד | 175 | १न म पूषा | ४३७। | | २६ ९१ |

| इष्टकोपल १४८ | २ इह कीर्तिर्वि | २७६२ | इहैषां दोष | १८९२ | ईंहरौ: पुरु १२ | ९१,२०८४ |
|---------------------------|----------------------------|--------------------------|--------------------------|--------------------------|------------------------------|----------------------|
| | ९ इह क्षेत्रे कि | | इहोपयातः | | ईहशैसौर | # १२४६ |
| | ५ इह गावः प्र | २२६ | इहो सहस्र | २२६ | ईदशो न हि | १०३५, |
| | ७ इह चामुत्र | १२१७, | इळामकुण्व | 80 | | ११२३ |
| इष्टसंपाद १४३ | ₹ | २४४२ | इळावॉ एषो | | ईदशो नौ स | २०२३ |
| इष्टर्सोर्बहु २७८ | ६ इह त्ववश्यं | ६५० | ईक्षणिसते | १११६ | ईहशोऽयं के | २४३३ |
| इष्टा अनुया ३१ | इह दैवेन | २४०४ | ईक्षणाद्रक्ष | 0 224 | ईप्सन्नर्थे च | ९१९ |
| इष्टांस्तु यस्तु २५१ | इह द्युमत्त | ४९८ | ईक्षमाणस्त | | ईप्सितं च मृ | १२१९ |
| इष्टादातार १३८ | ेडह धर्मार्थ | ६६५, | ईक्षमाणो न् | ›› ሪ ५ ሪ | ईप्सितं तु मृ | * ,, |
| इष्टानिष्टं स २५३ | | १७६७ | | . ७९७,१०६३ | ईप्सितः पणे | १७०४ |
| इष्टानिष्टाधि ७६२,८३ | रह गता प | १७६७ | इक्षिच धर्म | ७५७,१७५ <i>२</i> १८२५ | ईप्सितद्र व्य | ^२ १३६३ |
| इष्टानिष्टे म २५४ | 146 3 4" | १०६६ | ईजिरे कतु | | ईप्सितश्च गु | १८९३ |
| इष्टात्रधन १९९ | 1 ' | २३८८ | ईड्यास्त्रे चो | | 100 00 | २५२८ |
| इष्टापूर्त हि २३८ | _ `` ` | | ईतयश्च त | ७४१ | ईर्ष्या तिच्छेद | २००८ |
| इष्टापूर्तफ २३७ | 146 34 1 | 2866 | इसन्य स ईतयो न प्र | २८७३ | 0 00 | * ,, |
| इष्टापूर्तवि ७३०,१३५ | 144 | ७ १९७९ | ईदृक् चतु | | ईष्यीमर्शस्त | १६०२ |
| इष्टापूर्तस्य १३० | |)) | इं दृक्षश्चाप्य | २९५९,२९७६ | | ,, |
| इष्टा मृगाः प्ट २४९ | . 46 4(51).4 | #२४५३ १९०८ | ईदगन्याद | | ईष्य होभो म | ,, ११५८ |
| इष्टार्थे यत १३००,१८७ | 66 21.11.1 | | ईहग्गुणयु | | ईशः सर्वस्य | १३४९ |
| इष्टा वाचः पृ २४९ | १ १६ राजान | * ,, | i . | १४१९,१४२१ | t . | ८३१ |
| ्र इष्टा वाचः प्र #२४९ | इहाऽऽगतेषु | १८९२ २०८८ | ईहरभूमियु | १४३८ | | |
| इष्टिकादुर्ग १४९ | 146124171 | २०८८ %५१० | ईदृङ्च अ | | | ५१८ |
| इष्टिकानिच २५२ | 416 19161 | ^{क्ष≺६०} ३९० | ईंद्रशं क्षत्रि | | ईशां व ऋष ईशां वो मरु | ,, |
| ્રે વ | | ३८८ | ईदृशं गुण | | इशा वा मरु ईशा वो वेद | ,, ५१९ |
| इष्टिकाभिः कु १४९ | ७ इहेदसाथ ७ इहेहैपां कृ | २८८ १७१,३१५ | इंदरा युग इंदरां दुःख | | ı | |
| | 1-2-2-C | २६०३, | 1 | | ईशानः सर्व रिकारको | ३००२ ४७० |
| इष्टेऽथेंऽनास ७७ | 1 | २७७ ४ | ईहरां भव | | ईशानकृतो केराज्यक | १४९३ |
| इष्टेषु विसः ६३३,२०४ | issa sai | ३८९ | ईदृशं वच | २३८७ | ईशानपूर्व ईशानां त्वा भे | २८५ ५ |
| इष्टो बातः प्र २४९ | े इहैव ध्रवां | ' | ईटशस्य कु | १३२५ | हेसाया उपा जा हिसामात्र क | ३००२ |
| इष्टो वामः प्र २४९ | रहेन गाण | 99 9 90 | ईदृशस्य त | १९६९ | ईशानाय क | |
| इष्वस्रकुश १५० | V | | ईदृशानि प्र | २४८४, | ईशानाय रू | \$,, |
| इष्वस्त्रप्रह २३१ | | ६३२ | e | | ईशानासः पि | ४९० |
| | १ इहैव मानु | | ईहशान्पुरु | | ईशाने चापि | १४७६ |
| | ६ इहैव वर्त | | ईंहशीं व्यूह | | ईशाने सुख | १४७५ |
| • | ९ इहैव स्त मा | १००,४०३ | | | ईशान्यामथ | ३००२ |
| | ८ इहैवेधि मा | | ईदृशेनैव | | ईशित्वेन व | २५४० |
| 10 4111 4 600 | ८ । इहैवोत प्र | ३९० | ईदृशे ह्यर्थ | २००३ | ईशे यो अस्य | *६१ |

| ईशो दण्डस्य | . 95 | ــــ خجدا م | | | | | |
|---------------------------------|--|---------------------------------------|---------------|----------------------|-------------------------|----------------------------|-----------------------|
| इश्वर इव | | १९ उक्तं समास १८ उक्तं समासे | | ० उग्रकर्मणि - | #Ę 8 | ا ا | १५१२ |
| ईश्वरः कार | | | | २ उग्रदण्डप्र | १९६८,२१८ | | २७४९ |
| रेथरः गार ईश्वरः पुरु | ۲ ۶ | .३ उक्तः पूर्वस्य ट्रा | 3 | 1 | २३५ | ६ उद्यैः सूर्योद | २९२ १ |
| र्दश्वरः सर्व | | 21110 18: 441 | २६ २ | ४ उग्रप्रतिग्र | ५४६,#६६ | १ उचैःस्थानं घो | १४०७, |
| र वरः सप | ६२०,६२ | _ | क्ष१९० | ० उग्रश्चेत्ता स | २४ | ۹ | २३३० |
| ईश्वरश्चत | १६१ | 124444 | ,, | उग्रखना म | १५० | र उचैःस्थाने घो | १३८६ |
| ईश्वरश्च म | * २ ९९ ६१ | .उन्हें द्वाराम | 386 | ९ उग्रखरा म | | उचैरुचैस्त | २४१२ |
| ईश्वरस्वाऽऽत्म | | 3-5-31-195 | २०३ | ्रे ज्ञार जिल्लाक | ३३० | उचैघीष इ | \$ ₹९८० |
| रेथरजाउउत ईश्वरी च स | - | र उस्मेना । | ५५२५,२३६६ | , —— —— <i>C</i> | १४७९ | उचैर्घोषः उ | २५ ३५ |
| | *१ ४७ | ° उक्तस्त्रयाणां | 4 28 | | २२∙८ | उच्चैर्घोषय | २९८० |
| ईश्वरी शिव | " | उक्तस्याविही | १८३६ | Tarran De | १५३ | उचैर्घोषो दु | ५०६ |
| ईश्वरी सर्व रेक्ट्रेन के | २३८ | ^९ उक्तहेतस | १६३५ | उप्राय उप्र | . # २९० १ | उचैर्घान्यस्य | २२६३ |
| ईश्वरेण नि | २४४१ | रे उक्ताः पाशाः | २५३६ | उधायव हि | ६४५ | उचैर्यदपि | # १७२४ |
| ईश्वरेण प्र | ६१। | ⁹ उक्ताः प्रत्यङ | १५४४ | उग्र कमेणि | ६४६ | उचैर्वा कर | २५१३ |
| ईश्वरों में भ | २०२८ | उक्तानि कर्मा | ५८५ | विशा राजा म | ३९९ | उचैर्वृत्तेः श्रि | १३२५ |
| ईश्वरोधा भ | . 2880 | उक्तानि चाप्य | १ ४६५, | ा पतात्व ।अ | १८९६ | | १७८४ |
| ईश्वरोऽहं त | ३५६ | | २९६६ | ा यता या १ | रे २१०२ | उच्छिद्यते ध | ६०६ |
| ईश्वरोऽहं न | ८२४ | उक्तानि वाऽप्य | २ऽ५५ *१४६५ | ायतामा च | २१५४ | उच्छिद्यन्ते वि | #१३ ५९ |
| ईश्वरो हवा | २०९ | | | जाचतानुष | ७५० | उच्छिद्यमान | २००४ |
| ईश्वरो ह स | २१९ | उक्ता सर्वेषां | #२०५२ २६१६ | उचितेनैव | १३८७ | उच्छिद्यमानो | ^२ २२०३, |
| ईश्वरो हास्मा | २०४,२०५ | | रदरद २०५२ | उचिते न िभ | * २९२७ | 1 | २२०४, ०५,२२०७ |
| ईषच हृषि | २५०१ | 1 | | उचितैश <u>्</u> चैना | २८१८ | उन्छि येत म | १५६९ १७६९ |
| ईषदायच्छ | २१२० | 21 1131 111 11 | ९०२ ९८४ | उच्चं पर्वत | २४८७ | उन्छिन्दन्नात्म | * ? ₹ ₹ \$ |
| ईषदुज्जिह | २३९१ | उक्तरनुक्तै | २१४२ | उच्चस्थो मित्र | २४६२ | उच्छिन्दन्ह्यातम | |
| ईषद्धमे प्र २६ | ६००,२७७४ | 1 | i | उच्चाद्यालध्व | *{88 | उ च्छिन्द्यादेव | ः २०६९ |
| ईषद्रकश्चै | र्ध्व | 10.00 | २०३४ | उच्चात्प्रपत | २५०३ | उच्छिन्द्या द चात्म | *8336 |
| ईषन्मध्याधि | | उक्तो यश्चापि | २११ | उच्चारयति | १६६७ | उच्छित्रं वा भू | २०६५ |
| ईहमानाश्च २४ | , | 1 - | | उच्चारान्मन्त्र | ८९० | उच्छिन्नकृषि 🕽 | # ६३५ |
| ईहाद्वाराणि | १३१६ | • • • • • • • • • • • • • • • • • • • | | उच्चावचक | १३१६ | उच्छिन्नमूले | ११९८ |
| ईहितानीह | १६०३ | उक्त्वाऽथानन्त | १८९६ | उच्चावचानि | | उच्छिन्नसंधि | २०६२, |
| ईळे द्यावाप <u>्</u> ट | | उक्त्वा सोऽनन्त | * ,, | उच्चेः प्रकथ | १७२३ | | २०८४ |
| रळ घाषाष्ट्र उकारवचैव | 288 | उक्था वा यो अ | | उच्चैः प्रपत | #२५०३ | उच्छिष्टः स भ | # १६ १७ |
| | | उक्थो भवति | | उच्चैः प्रहस | *१७२३ , ः | उच्छिष्टार्थे न | २९३३ |
| उक्तं तब्लिख उक्तं राष्ट्रिक | | उक्थ्य एवायं | २ १ ४ | • | १७४३ | उच्छिष्टो न स्पृ | १५१२ |
| उक्तं युधिष्ठि | | उग्रं ते पाजो | | उ चैःश्रवस | ८२३ : | उच्छुष्मा चैव | २९९९ |
| उक्तं राष्ट्रप उक्तं संक्षेप | | उग्रं प्रतिग्र | ६६१ | उचै:श्रवाश्चा | | उच्छुष्मा प्रोक्तं | * ,, |
| ত্য। বহাপ | ८८५। | उम्रं हास्य रा | २०७,२०८ | | | उच्छेत्ता नर | |
| | | | | | ' | *** 1 | ७ ७३९ |

| उच्छेदनं चा | १८७२ | उतापवीर | 66 | उत्तमं राज | १८३८ | उत्तरां वाच | २५३२ |
|---|-----------------------|--------------------------------------|---------------|-------------------------------|---------------------------------------|------------------------------|----------------|
| उच्छेदनं तु | ,, | उताशिष्ठा अ | ४५८ | उत्तमं स्थान | . २५०२ | उत्तराः कुर २ | ९६५,२९७७ |
| उच्छेदनीयं | ર ં દ્રેષ | उताहो त्वं म | २४३६ | उत्तममध्य · | २२१८ | उत्तराच ज | # ₹९४४ |
| उच्छेदनीयो | २०९४ | उताहो पूर्व | २८९० | उत्तमसमो | २३०८ | उत्तरात्रित | २४७१ |
| उच्छेदापच | *१८७२ | उतेदं विश्वं | ३८ | उत्तमस्यामे | १९० | उत्तरादित्र | २७०१ |
| उच्छेद्यः पीड | १८५२ | उतेयं भूमि | १३ | उत्तमां गति | १०२७ | उत्तराध्यक्षा | २२२८ |
| उच्छयस्व इ | २८८१ | उतेशिषे प्र | ३८ | उत्तमा द्विगु | १७५४ | उत्तरा ध्रुव | १४७९ |
| उच्छ्यस्व ब | ४०१ | उतो त्वस्मै त | ४४२ | l | २ ८८६,१७११, | उत्तरान्नैर्ऋ | २४७३ |
| उच्छ्रायश्च त | २८३० | उतो समुद्रौ | १३ | O ((1)) | ,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,, | उत्तराफल्गु | * २४५३, |
| उ च ्छायो वा भृ | # 384 ६ | उत्कण्ठोप ग | २५ <i>०</i> २ | उत्तमानां तु | रवरऽ १०४२ | | २४७२ |
| उन्छ्रितं रक्ष | २८७६ | उत्कर्तितुं स | ९३८ | | | उत्तरा मिमु | १४६३ |
| उ न्छ् तस्त्र त | १४८६ | उत्कारातुः स उत्कसन्तुः हृ | ५१८ | उत्तमाना उत्तमान् विं | १११९ १४३१ | उत्तरायण | २४६२ |
| उच्छ्तिानाश्र | १०८०, | उत्कुचतीषु | २५३ ५ | - | | उत्तरायां ज | २५५० |
| | १५,२१९४ | उत्कृत्योत्कृत्य उत्कृत्योत्कृत्य | १०९७ | उत्तमापद्ग उत्तमाभिज | १०९४ १७३३ | उत्तरा रेव | २९५७ |
| उच्छितान्नाश | \$ \$060, | - | २१७१ | | | उत्तरार्धे जु | २९० |
| • | ५, *२१९४ | उत्कृष्टबल उत्कृष्टा न त | २ ८३१ | उत्तमा मान उत्तमार्घे त | १७५० १३७२ | उत्तरा शङ्ख | २४८६ |
| उच्छीयन्तां प | २८६२ | उत्क्रष्टा न प उत्कोचं नैव | १७४८ | उत्तमाथ त उत्तमाश्वस्य | १२७२ २३ <i>०</i> ८ | उत्तरासु वि | २४७१ |
| [^] उच्यमानोऽपि | ६३१ | उत्काच गय उत्कोचकाश्ची | १४१० | उत्तमाश्वल उत्तमे व्यस | २२०८ २८०२ | उत्तरेणाऽ ऽह | ૨ ૬५ |
| उच्यमानो हि | * ,, | | १११४ | उत्तमो अस्यो | १०२ | उत्तरे तु प | २४९० |
| उज्जयिन्यां च | २९०४ | उत्कोचग्रह | | उत्तमा जला उत्तमो नीच | १४२९ | उत्तरे ग्रुभ | १४८० |
| उज्जहार त | ७९२ | उत्कोचजीवि | १४१३, | उत्तमोऽपि नृ | ११५३ | | ५३९ |
| उज्ज्वेलक्ष | २९०७ | | २३३३ | उत्तमो राज | | उत्तरोत्तरी उत्तरोत्तरी | २ १७ |
| उञ्छपड्भा | ९१३ | उत्कोचनम | २४७३ | उत्तरः पूर्वी | १४५१ | उत्तरो रथ | १६८ |
| उट जिमि | २२६६ | उत्को चैर्व ञ्च | १०६२, | उत्तरः सिध्य | | उत्तस्थी राज | २ ३ ५७ |
| उत त्या सद्य | ३७७ | | • • • | उत्तरतः प | ٠ ٩८ | उत्तानास्त्वा प्र | |
| उत त्वं सख्ये | ४४२ | उत्क्रमेयुः ख | ७४९, | उत्तरतन्त्र उत्तरतन्त्र | २८५४ | उत्ताप कत्वं | ११९३ |
| उत त्वः पश्य | ,, | | १९८० | उत्तरतोऽमे | २५३६ | उत्तालकोत् <u>सु</u> | •2994 |
| उत त्वा अस्या | ৩८ | उत्क्रामयेयु | 040 | उत्तरतो द | 388 | उत्तितीर् <mark>ष</mark> ुरि | १६१२ |
| उत दासा प | ८९ | उत्क्रामेयुः ख | *), | उत्तरम् वि | ર પે १ ર | उत्तिष्ठं <i>स्त्रे</i> ता | १८७ |
| उत न एषु | ४८३ | उत्क्रामेयुश्च - २ - २ - २ - | ~ " | उत्तरपश्चि | १४५० | उत्तिष्ठतमा उत्तिष्ठतमा | 4 84 |
| उत ब्रुवन्तु | ४८२ | उत्क्षिपेद स्थि | ,,,,, | उत्तरपूर्व | #२ ९३ ० | उतिष्ठत सं | 484,489 |
| उत यत्पत | ३९७ | उत्क्षिपेदुरिथ | " " | उत्तरपूर्व उत्तरपूर्व | १४५० | उत्तिष्ठति क | २७७ <i>०</i> |
| उत यात्रां ख | १६८१ | उत्क्षिप्य दक्षि | (55) | उत्तरपू र्वे | २९३० | उत्तिष्ठते क | |
| उत यासि स उत यो द्याम | ३८ | उत्खातान् प्र | , , | उत्तरपू र उत्तरया ध | २५३ २ | उत्तिष्ठ त्वं दे | * ,, ५१५, |
| उत यो द्याम उत यो मानु | १३ | उत्तमं तु सु | ,,,,, | _ | ર | 51 (15 (4 4 | પે |
| उत राज्ञामु | <i>ب</i> « عده | उत्तमं प्रणि | ' ' | उत्तरवेदा | ३१४ | उत्तिष्ठन्ति नि | २९२ २ |
| उत् रात्रीमु | ♦३४३ 3∠ | उत्तमं मान्त्रि | | उत्तरस्त्वम उत्तरां दिश | | उत्तिष्ठन्तीह | २९२ ३ |
| . , / | ₹0 | ्रथम मा ल्य | - ५५८८ | उत्तरां दिश | 4830 | A1 110-1116 | .,,, |

| उत्तिष्ठन्तो नि | 21. 92 | उत्थानेनैध | 2,400 | | . 116 | । उ त्सन्नपिण्डो | २७६२ |
|------------------------|---------------|-----------------------------|---------------|------------------|-------------------|--------------------------|---------------------------|
| | ર | | 2888 | | #८४६ | उत्समाप-डा उत्समीनन्द | ૧ ૦ ૫ ૧ |
| उत्तिष्ठ हे का | २३८१ | उत्थाने पति उत्थापयेत्तू | २९२४ | | * ,, | 1 | _ |
| उत्ते <u>जि</u> तांश्च | २६९० | उत्यापयत् उत्थापयेत्स्व | २८७९ | _ | " | उत्सर्गार्थे ग्र | 8888 |
| उत्ते ग्रुष्मास | ३२३ | उत्पापपत्त्व | १९५७, | उत्पन्नांस्तु त | १४३९ | उत्सर्जे वा अ | 28° |
| उत्त्वा यज्ञा ब्र | ७१,७२ | | २६६९ | उत्पन्ना कार | [®] २०२९ | उत्सव कार | २८६६ |
| उत्थातव्यं जा | २३८९ | उत्थापयेन्म | २८७८ | उत्पन्नानि वा | २१५५ | उत्सवं च त | २८६९ |
| उत्थानं च म | *२३९३ | उत्थापितेन | १५७८ | | *५५२ | उत्सवं तु म | २८५७ |
| उत्थानं च ख | # ९८० | उत्थाप्य पूज | २८७३ | उत्पन्नान् वा | १५७० | उत्सवं सुम | •રે૮५७, |
| उत्थानं चापि | #२३९३ | उत्थाय काले | ५५० | उत्पन्नार्थव्य | १३८२ | | २८५८ |
| उत्थानं चाप्य | ,, | उत्थाय परिच | ९४५,९६१, | उत्पन्ने कार | २०२९ | उत्सवसमा | २२९३ |
| उत्थानं चैव | ११७५ | | १७४२ | | १०८९ | उत्सवानां स | ५७६ |
| उत्थानं तु म | २३९३ | उत्थायित्वे न | १५८० | उत्पन्नौ बन्दि | | उत्सवाश्च स | ८०३ |
| उत्थानं ते वि | " | उत्थायोत्थाय | | उत्पलं पद्म | २९३५ | उत्सादयति | २००१ |
| उत्थानं हि न | ષંહે १, | २ | ०४४,२३९४ | उत्पाटितदं | २४२१ | उत्सादेभ्यः कु | |
| | ११७६ | उत्थितं हिर | २८५३ | उत्पातं जाय | ११२५ | उत्सार्य मार्ग | २६६९ |
| उत्थानधीरं | ५७१ | उत्थितमनु १ | ४०३,२६४३ | उत्पातदर्श | २४६२ | उत्सार्य सूत्रं | २९८२ |
| उत्थान धीरः | | उत्थितां बल | १९१८ | उत्पातपाप | २४६८ | उत्साहं च प्र | १२५६, |
| उत्थानम मि | ः २३७१ | उत्पक्वता क्व | १८७ | उत्पातमेघा | २४९३ | orale 4 4 | १२६० |
| | १०३९ | उत्पतेत्सरू | २०४१ | उत्पातशम | २९१ २ | उत्साहः शस्त्र | १२५० ११०३ |
| उत्थानमात्म | | उत्पतेत्सह | # 23 | उत्पाताः पार्धि | | उत्साहः षड् | ६८२ |
| उत्थानयुक्तः | २३७६ | उत्पत्ति दान | * | उत्पातानि त | १९९१ | उत्साहरेश | १९८२ |
| उत्थानवीरः | #५७१ | उत्पत्तिकाला | ८५७ | उत्पाताश्च नि | | į. | २५५ ४ |
| उत्थानवीरा | * ,, | उत्पातकाला उत्पत्तिहक्ता | | उत्पाताश्चात्र | १०७३ | उत्साहप्रभा | |
| उत्थानशीलो | ११७६, | 1 - | १५११ | i _ | | उत्साहप्रभु | २०५४, |
| | १५०२ | उत्पत्स्यति च | _ | | ५४६,१६३५ | 1 | १५१,२५५२ |
| उत्थानस्य फ | २३९४ | उत्पत्स्थत ।ह | * ,, | उत्पातेषु त | २९१९ | उत्साहबल | २४५७ ८२५ ८२६ |
| उत्थानहीनो | ५७१ | उत्पत्स्येते म | " | उत्पाते सप्त | २८७८ | उत्साहमन्त्र | ८२५,८२६ |
| उत्थानाध्यव | 2888 | उत्पथं प्रति | ५९४, | उत्पातैरन | १९९१ | उत्साहयिता | २१६५ |
| उत्थाने च प्र | २८६९ | | ८३,कर०४५ | उत्पातैर्विवि | * ,, | उत्साहयुक्ता | २१७८ |
| | | | ७३२ | उत्पादयति | २३४६ | उत्साहव त | ચ ષ્ ષ્ ષ્ઠ |
| उत्थाने च स | १०५८, | 1000 | ५६७,१८८८, | उत्पादान्वेष | _* १७१२ | | ११०६ |
| | २३९५ | | १०४५,२७५७ | उत्पाद्यन्ते त्र | १२२१ | उत्साहशक्ति १ | ९२२,२११८ |
| उत्थानेन प्र | # Ę00 | उत्पथेऽस्मिन्म | १०५५ | उत्पाद्यमानं | २५७५ | उत्साहशक्ति | २५७९ |
| उत्थानेन म | ५७१ | उत्पथोऽन्यो । | H ., | उत्पिबन्ते वा | . २५३ | उत्साहराक्तिः | १२०५ |
| उत्थानेन स | *१०५८, | उत्पद्यते यो | १८४१ | उत्पेतुर्गग | २९४४ | उत्साहश्चापि | १८९०, |
| | # २३९५ | | २४८३, | उत्प्रेक्षितभ | २५१ ६ | | १८९१ |
| उत्थानेनाप्र | 600 | | २ ९१६ | उत्सक्ताः पाण | ड १८८५ | उत्साहसत्त्वा | |
| उत्थानेनामृ | ५७१ | उत्पद्यमानं | # ३५७५ | उत्सन्नकृषि | | उत्साहहीन <u>ः</u> | २५८० ३१६७ |
| | | | | | • • • | 1 - 121461.10 | २१६७ |

| उत्साहाच्छ्य | १२०५ | उदपात्रं स | २९ ३२ | उदासीनगु | १८४९,२०५२ | । उदीच्ये त्वा | दि ७६ |
|------------------------|--------------|-----------------|----------------|-------------------------------|---|---------------------|---------------|
| उत्साहाभावे | | उदपानाश्च | २४८६ | | | उदीराणा उ | ४०७ |
| उत्साही पर | ११९० | उदपाने च | २४८४,२९१७ | उदासीनप्र | ९४६,१७७८, | 1. | २४९६ |
| उत्साहो वाग्मि | ९२४, | उदयन् हि | ५६६ | | | उदीर्णे दह | نربرب |
| | ८२,११८३ | | २४७३ | उदासीनम | १८८१ | उदीणीं दह | " |
| उत्साहो विजि | २०७३ | उदयारिन | २४६४ | 1 . | ,, | उदुत्तमं मु | . " ų |
| उ त्सिक्तहृद | १११८ | | २५२३ | ı | | उदुत्तमं व | ३ |
| उत्सीदेरन्प्र | २३७२ | | ९६५,२३६४, | | १९२६ | ı · . | २८७४ |
| उत्सृजन्ति म | २४८६ | | २४८६,२४८८ | उदासीनारि | १०७० | उदुम्बगज | * ,, |
| उत्सृजामि ब्रा | २९३२ | उदयास्ते सु | | | | उदुम्बरशा | २१६,२ँ३२ |
| उत्सृ जाऽऽयुष्म | " | उदये गुरु | २४६७ | उदासीने म | २१८२, | उदुम्बरस | २ ९३५ |
| उत्सुज्य निय | २३९९ | 1 | २४६९ | 04(((())) | २१८४,२२०२ | उदुम्बराश्व | १४३१ |
| उत्सृज्यापि घृ | २०४२ | उदयेऽस्तगि | २८४० | उदासीने वि | १८७१ | उदुम्बरोत्त | १४७३ |
| उत्सृष्टं रिपु | १५२७ | उदराद्धचेनं | ४३४ | उदासीनो म | | उदेति रिक्ता | २४७२ |
| उत्सृष्टवृष | २५१ २ | | २३०४ | · | * 2202 | | ,, |
| उत्सृष्टा वृष | ११४४ | उदसावे <u>त</u> | २४५ | उदाहृतं ते | ५८९ | उदेहि वाजि | ६९ |
| उत्सेकः सर्व | १४३२ | | ९३ | उदितः प्रथ | २४७२ | उद्गतचूिल | २२४७ |
| उत्सेको हस्त | २१४९ | | | | | उद्गाता तत्र | २७७० |
| उदकद्रोणं | २२९१ | | २३९९ | | २७०२ | उद्गातेव श | २४७५ |
| उ दक प्राप्तं | २२९९ | उदाना व्यान | | | ५८२ | उद्गीथं यस्य | ८९० |
| उदकवस्ति | २६३३ | उदानिषुर्म | ृ३९० | | २४६३ | उद् घोषद्भिः | ६३६ |
| उदकादुत्थि | ,, | उदाने मे प | • | उदिते विम | # ₹९४१ | l ' | २०१८ |
| उदकानि च | २६ २९ | उदारं यद् | | उदित्कृषति | ** ₹ ९ २ | | २८९० |
| उदकान्ते सै | ९७६ | | | उदिदं माम | २४५ | उद्दीपयेत्क | २४०८ |
| उदकाहिभ | २६६० | | २६ ०४ | उदिद्वप ति | # ३ ९३ | उद्देशं किंचि | २९४० |
| उदके धूरि | २३९१ | | * ₹0४0, | उदिद्वपतु | . ३९२ | उद्देशमात्रं | ३००४ |
| उदके बह | ५६३ | | #२३९९ | उदिहि देव | ૨ ૪૫ | उद्धतवेष | २१९९ |
| उदके भूरि | | उदावसोः कु | ८५७ | उदीक्षमाणः | રહેં ૬ | उद्धता इव | # १५०१ |
| उदक्पूर्वे तु | १४७१ | उदासीन इ | ७३८,८२३ | | र २८८७ | उद्धते दक्षि | रे१४ |
| उदगय न | २८५२ | | 1 | उदीचीं प्रागु | 1 | उद्धते प्वपि | १३८५ |
| उदगाधिप्ल | १४७७ | | १२९५,२०९२ | | | उद्धरेहीन १ | |
| उदग्गृहान् प्र | J | उदासीनं वा | २०६६ | | | उद्धर्तु द्रागा | ११९० |
| उदग्द्विश | | उदासीनः पु | | उदीची दिक् | 1 | उद्धर्भन्तां म | ५०६ |
| उदयभं प | | उदासीनः स | | उदीचीमा ति | _ [| उद्धातमव | # 8420 |
| | २४,२८७४ | • • • • | 1 | उदीचीमारो | | उद्धारं च पृ | *२८१४ |
| उदतस्त्रिवृ | | उदासीनग | | उदा नानारा उदीच्यां त्वा | 1 | उद्धारं म उ | ४७८ |
| उदतिष्ठ त | १०९२ | ĺ | | उदाच्या त्या उदीच्यां दिहि | • | उद्धारश्चाप्ट | २८१ ४ |
| | - • | - | - V- VVI | - 31 11 1415 | 911 | | •- • |

| _ | | | | | | |
|-----------------------------------|----------------------------|-----------------------|-----------------------|----------------------|-------------------|-----------------|
| | ४ उद्यानानि वि | | उद्वेजनस्त | २ ९६ <i>९</i> | उपकर्ताऽधि | r १२३ ४, |
| उद्धूतमव १५२०,१५२ | 1 . | | उद्वेजनाद | ७५८ | | २३४ ९ |
| | ६ उद्याने क्रिय | | उद्वेजनीया | | उप कामदु | ४५६ |
| उद् घृतं हि २८५ | 1 . | | उद्वेजनीयो | ' ११३२ | उपकारं क | २११५ |
| उद्धृतमन्त्रो १६६ | , उद्यानेषु वि | १६४०, | उद्वेजनेन | ६५२ | उपकारं नि | १७८० |
| १८० | १ | १८८९,२०४५ | उद्वेजयति | ७५७, | उपकारग्र | २०७३,२१३४ |
| उद्बुध्यध्वं ३८ | . | | १ | ०६१,#११३२, | उपकारप्र | ७४० |
| उद्बुध्यस्व २५४ | ७ उद्युक्तेन स | २८५७ | | ११४२,१४२५, | | १२९२ |
| उद्भावय कु २३८ | २ ∣उद्योगः साह | | | १५७८,१५९४, | उपकारल | २०९० |
| उद्भावयस्व " | | ७४७,२४०९ | | १६०६ | 1 | १३००,१५८४ |
| उद्भासते ह्य २४२ | २ उद्योगमेधा | २५७८ | उद्वेजयेद्ध | १८११ | उपकाराद्ध | |
| उद्भिज्जाजन्त #१३२ | | २४५३ | उद्वेज्यते ह | १९८१ | उपकाराप | १२८८ |
| उद्भिदः स्वेद *१५० | | | उद्वेपमाना | ५०७ | | १६३०,२०४७ |
| उद्भूतार्थे हि ६४ | _९ उद्योगाध्यव | १९३९ | उद्वेपय त्व | ५१७ | उपकाराय | ५७७ |
| उद्यस्त्वं देव ७ | 1 20 | १२०५ | उद्वेपय सं | ५१६ | उपकारिण | २१०५ |
| उद्यन्छत्येवे २९ | र उद्योगेन क | ७४७,२४०९ | उद्वेलनस्त | #२९६९ | उपकारेण | १९०४ |
| उद्यच्छाम्येष २३९ | 1 | १९४४ | उनत्ति भूवि | | उपकारे नि | १२९५, |
| उद्यच्छेदेव २३८७ | 1 | २५१९ | उन्नतांसाः | | | २०९२ |
| , , , , | , उद्योगो व्यव | \$,, | उन्नतिः परि | | उपकारेषु | १७२७ |
| उद्यतां पृथि २३५. | उद्रिणं सिञ्चे | * " ३८ ४ | उन्नतिश्च प्र | | उपकारैः स्व | |
| _ | 1 ~ | ₹ 2° | उन्नतो रूप | •- | उपकार्युप | *११३९ |
| उद्यताञ्जलि | | | उन्निद्रचा रू | | उपकार्योप | ,, |
| उद्यतानां रि २५२ [,] | 1 - | ३२३ | उन्मत्त इव | | उपकृत्योद्धा | १६३० |
| उद्यतेषुम २७५७,२७९ | | २५१६ | उन्मत्तकं त | | उपक्रमं वा | २५८६ |
| उद्यतेष्वपि १६७८,१६८ [.] | _ | २४८० | उन्मत्तजड | Zux | उपकुष्टं जी | २४२३ |
| · · | उद्वहन्ति न | १०९४ | उन्मत्तजडा | 2225 | उप क्षत्रं पृ | ४८२ |
| | : उद्वाज आ ग | 1 | उन्मध्यावध | r २७२६ | उपगम्य गु | * १७१८ |
| | उद्घान्ब्राह्मण् | ລຄລໄ | उन्मर्यादे प्र | 3986 | उपग म्यापि | ६ १९५४ |
| उद्यमः साह 🛮 🕫 ६८ 🖰 | उद्घा ह माचे | 9 - 6 | उन्माथम प्य | २०२७ | उपगुह्य हि | २०३९ |
| उद्यमो जीव १३२ | उद्वाहमुदि | ७२६,११२१ | उन्मादमेके | \$555 1 | उपगृह्य तु | * ,, |
| उद्यमो नैपु 🛊 ,, | उद्वाहे राज | २८४३ | उन्मादिनी । | | उपगृह्याऽऽस | |
| उद्यम्य घात १५१९ | उद्विजेत ह | १९८० | | | उपघातैः प्र | २१५४ |
| उद्यम्य धुर २३८३ | उद्बृत्तं सत | 922 | उन्मीलन्ति | नि २४८४, | उपघातैर्य | १२१९ |
| उद्यम्य शस्त्र १०६० | उद्बृताश्चैव | १५०१ | | २९१६ | उपचारान् | १५४३ |
| २७९३ | उद् बृधत्सु | ર ષ ર ૪ | उन्मु बुर्मुमु | | उपचारेण | 8000 |
| उद्यानानि च ८०३ | उद्देगजन | २०८९ | उप ऋषभ | | उपचारेषु | * १७२७ |
| उद्यानानि म २०११ | उद्देजनं त | १९९१ | उपकरोत्य | | उपचीयमा | |
| रा. सू. ९ | | | | 0 - 14 | ~ + 21 A41 | २१४७ |
| 7 | | | | | | |

| उपच्छन्द्यापि | १९५४ | उपन्यासाव | क्ष२६०१ | उपरुद्धं तु | १५८७ | उपसृष्टं च | २९ १७ |
|-------------------------------|-----------------------|-------------------------|-----------------------|------------------------------|----------------------------|-------------------------------|------------------|
| उपच्छन्नं प्र | ११०१ | डपन्यासो ऽ प | ,, | उपरुद्धं प | १५७८,१५८६ | | ८६६ |
| उपच्छन्नानि | ५४७ | उपन्यासो भ | " | उपरुद्धप | | उपसेवेत | २२०० |
| उपजप्यानु १ | | उपपत्तिर | २४६८ | उपरुध्यानु | | उपस्कराणां | २९१ ९ |
| उपजापं वा | २१ ५ ४ | उपपन्नं तु | १७७० | | २६६७,२८.०६ | | २९२६ |
| उपजापः | ६७८ | उपपन्नं म | १८९४ | | २४९०, | उपस्तीन् प | વ |
| | | उपपन्नगु | # १२९२ | | २८१६ | • | २०६१,२०८४ |
| उपजापः सु | १६७१ | उपपन्नस्त्व | २०१२ | उपरोधहे | २६२९ | उपस्थातः उपस्थानं सं | • |
| उपजापकु | २५९१ | उपपन्नो गु | * १२४६, | उपर्शुपरि | २७६९,२८३९ | उपस्थानग | १८१३ |
| उपजापश्च | ५७१ | | १२९२ | उपर्येवाऽऽस | ी २२२ | उपस्थापय | २९ ३ ८ |
| उपजापो ऽप | २६४८ | उपपन्नो न | २०५४, | उपर्षभस्य | ७४५ ० | उपस्थापयि | २९३ ९ |
| उपजाप्यानु | # | | ११५१,२५५२ | उपलक्षयि | ११०३ | उपस्थायामि | |
| उपजीवी भ | १६९० | उपपन्नो नृ | # ₹०५४, | उपलब्धस्यो | १६७० | उपस्थास्ते : | |
| उपजीव्योप १ | | | #2848 | उपलभमा | १००९ | उपस्थितं च | |
| उपतस्थुरू | # ₹९४ १ | | २३९५ ^२ | उपलभ्य म | २०३३ | 1 . | |
| उप त्वा नम | ३९२ | उपप्रदान | १९४५, | उपवासकु | १०९२ | t | २१७५,२५२० |
| उपदिष्टेऽनि | ७६५ | | १९५२,१९५४ | उपवासत | ६००,११८२ | i | २६६ १ |
| उपदिष्टो हि | १०९० | उपप्रदानं उप प्रेत म | १७६८ ३४० | उपवासवि | १६९४ | | २८७३,२८७७, |
| उपदेशः कृ | २८०१ | उपभुक्तं य | २४० ६६४ | उपवासादि | १११९ | | २८७८ |
| उंप दे शोऽन | २७९७ | | २२० ११४३,१४२५ | उपवासैर्व | १०९० | उपहारश्च | २११३,२११७ |
| उप दे शो हि | १८८०, | उपभोगे घा | ००६१ ७७ ६१ | उपवासैस्त | 2882 | | २११७,२१२७ |
| | २७७५ | उपमाद्यो ह | २९ | उपवास्याभि | | | २८६२ |
| उपद्रुतेषु े वि | १५७७ | उपमामत्र | १३२३ | उपविशेच | १७०४ | उपहाराद्य | २११७,२१२७ |
| उपद्रुतो द्वि | ७४२ | उप माऽस्मिन | | उपविष्टस्त | २९८० | उपहूता इ | ४०३ |
| उपधानानि | २९८४ | उपमितां प्र | X | उपविष्टाः व | | उपहूता भू | ,, |
| उपधाभिः ग्रु | १६४२ | उपामता प्र उपयानाप | # <i>૨</i> ૭૯५ | 1 | | उपहूताया | ३०१ |
| उपधाभिः शौ | ६६८ | उपयाम ग्र | क २७७ ५ ३१५ | उपवस्य म उपवेश्यो भ | २९ ३ ६,२९४५ २९७४ | उपाँग्जदण्डः | ६७७ |
| उपघाशोधि | १२५७ | उपयाम <u>ै</u> स्तु | | | ६३५ | उपाकृत्य तु | |
| उपध्वस्तो द | १४२,१६३ | उपयुक्तप | ;; ६७० | उपशुष्कज उप श्वासय | ४९८, | उपात्तच्छन्न | २१ ११ |
| उपनामि य | २१ ४२ | उपरागा दि | * २९२६ | 01 4101 | २५ ३ २,२८५४ | उपात्तव्यं ज | |
| उपनिन्युर्न | ९८९ | उपराजी व | | उपसंगम्य | १९१ १ | उपादाने ख | |
| उपनिपात उपनिविष्ट | ६७२ | उपरि ष्टाद | | | २००३ | उपानद्भ्या | |
| उपानापष्ट उपनिवेश | १५६८ | उपरिष्टादै | | उपसदा वै | ५२६ | उपानयन्ति | ५५३,२२०९ |
| छपानवरा उ पनिषद्यो | २३०५ १३९६ | उपरिष्टा द्धि | 1 | उपसदो द | | उपाय उप उपायं धर्म | १२५८ ५५७,१३२० |
| डपन्यासः प्र | २२८६ २११३, | उपरिष्टाद उपरिष्टाद | | उपस र् ग ५ उपसर्पत | | उपाय वम उपायं पश्य | |
| 10. | | उपरिसद्यं | २९६,३४७ | | | उपाय पर् य उपायकुरा | ६६१ |
| | | 1 2 11/404 | 1 74,4801 | <i>ज्यस</i> ्याप | 45 हर | _{ા અના} ત્રજીના | 448 |

| उपायज्ञो ऽपि | १ २४१ | ्रंडपायेन प | १७८९, | उपेक्षयैव | *१९८९ | ऽ¦उपैमि शर | २६५९ |
|----------------------------|---------------|---------------------------|---|------------------------------------|----------------|---------------------|--------------|
| उपायतः स | ११२३ | , | १९३८,१९४४ | | | र उपोढव्यस | २१२ ५ |
| | १९३८ | उपायेन म | . १४७४ | उपेक्षां चापि | १९८१ | उपोदका प्र | २६५५ |
| उपायतो ग | १४९१ | उपायेन य | १९४२ | | १९८९ | उपोष्य पाय | २४८१ |
| उपायत्रित | १९८६ | उपायेभ्यः उ | ग १ ९५२ | उपेक्षां शृणु | | उप्तस्य दान | ७४१ |
| उपायधर्म <u>े</u> | १३२१ | उपायेषूत्त १ | १९४ ५,१ ९५ १ , | उपेक्षाचत | | उभयं कुष्ठ | २२३ ५ |
| उपायधर्मा | २६०० | | १९६४,२२०५ | उपेक्षा चेति | २ १७१ | 1 | . २२६३ |
| <u>.</u> | २७७४ | उपायैः शास | प्र ७१८, ^१ ९३७ | उपेक्षा पञ्च | ५७३, | 1 | १०६९ |
| उपायनं च | १७१५ | उपायैरप्य | *~१४३ | | १९०९ | | २०३५ |
| *0 | १७४५ | | " . | उपेक्षायान | २१७४ | | २५९१ |
| | ५,१९१०, | | १९१०, | उपेक्षा साम | ११३७ | उभयं दुर्ब | १५२७ |
| १९३३ | २,१९३८, | 1 | ૨ ૦૦૫ | उपेक्षितम | १५७० | | ६४६ |
| उपाययुक्तं | २५५१ | उपायोपग्र | १७८९, | उपेक्षितस्य | २१८३ | | २७६३ |
| = | १०३९ | 1 | १९३८,१९४४ | उपेक्षिता हि | १३१८ | | 283 |
| उपायवाक्य | १८३७, २३३७ | - 11 11 11 | १९४५ | उपेक्षेत वा | २०६६ | उभयं सर्व | ५६४ |
| उपायविज | १९१०, | उपार्जनं च | ५७६ | उपेक्षेयं स्मृ | १९८९ | | ર |
| | २५५ २ | उपार्जने पा | ७५१ | उपेक्षेव च | ,, | उभयत उ | १२५४ |
| उपायश्चार्थ | ५७७ | उपासङ्गिर्नि | २६७१ | उपेक्ष्य तन्मि | २१७३ | 1 | ३ ४२ |
| उपायश्रेष्ठं | १९५२ | उपासते त्वा | | उपेक्ष्य तस्मि | # २१७३, | उभयतोन | १९२७ |
| उपायस्यावि | * ६ ४६ | उपासते हि | ६०५ | | ૨ ૄ ૭૫ | उभयत्र तु | २१७३ |
| उपायांस्त्री न | ર | उपासन्ते हि | | उपेक्ष्यमाणो | # १ ९१२ | उभयत्र प्र | २०१२ |
| उपायांस्त्वं स | १९६९ | उपासिता च | | उपेतः कोश | १८५९ | उभयदुष्य | १४०१ |
| _ | १९३७ | उपासीना वा | | उपेतस्तु सु | *१८५८ | उभयसाम्नो - | 282 |
| उपायाः कार्य | १९१५ | 1 | | उपेतारमु | १९३५ | उभयस्य पा | १६१४ |
| उपायाः साम | १९३६ | उपास्यमानः | १७२८ | उपेत्य तस्या | | उभयस्याप्य १२ | |
| उपायाः सामो | १८३६, | | - 1 | उपेत्य धीय | | उभयस्यावि | ६४६ |
| उपायाद्विश्व | १९१५ १५७६ | उपाह परो | २०१,२०६ | <u> </u> | | उभयान्याज्या | ३३३ |
| उपायामां तु | १९८७ | उपेक्षकश्च | - 1 | उपेत्य मार्ग | | उभयापका | २०८८ |
| | | उपेक्षणमा | - 1. | उपेदमुप जोज्जं ध | | उभयारिं हि जन्मि | २१८२ |
| उपायानाम | २१७७ | | | उपेदहं ध | 1 | उभयारिहि <u>ं</u> | * ,, |
| उपायान्तर २१३८ | | उपेक्षतस्ता | i | उपेन्द्रमूला | 1 | उभयारी तु | २.१७३ |
| उपायान् प्रब | १३८७ | उपेक्षमाणो | • | उपेया दैवं - रोके- - | | उभयीषाम | ४५६ |
| उपायान् ष | १७९९, | उपेक्षया च | ** */ | उपेहोपप चौनं स च े | #860 | उभयोः पार्श्व | २८९८ |
| १९८५ | ,२५९५, | | , | उपैनं यज्ञो जोनाः —— | | उभयोः साध | २००४ |
| उपाया विहि | | उपेक्षया य उपेक्षया वा | | उपैनः राज्यं | | उभयोरग्र | १०७ |
| उपाया ।वाह उपायाश्चार्थ | * 400 | उपकाषा पा | १९८१, | उपैनं समा | | उभयोरन | ३२८ |
| ्गाताला त | # /001 | | 1763 | ०४म समा | २८ | उभयोरन्त | १४७८ |
| | | | | | | | |

| उभयोरपि | #२१७३, | उभौ लोकाव | ६०६, | उर्वश्यामभ | ३२ | उवाच प्रण | #8228 |
|--------------------------|-------------------|--------------------|------------------|------------------|---------------|-------------------|-------------------------|
| ् २ २ | १९०,२१९२ | | ८८६,८८९ | | १३७,३००१ | - | २४५२ |
| उभयोरेव २ | | उभौ लोकौ वि | १०७६ | उर्वीपतित्वं | २४०८ | उवाच ब्राह्म | २०४२ |
| उभयोर्लोक | ११०३ | उभौ वा | २१९४ | । उर्वीरासन् | ७२ | उवाच भूयो | २४०० |
| उभा क्षयावा | ३२ | उभौ वा प्रीति | ५४२, | उलं वृकं पृ | ४०९ | उवाच लोम | २०२६ |
| उमाम्यां केचि | | | ६६२ | उलुकं चन्द्र | २०२१ | उवाच वच | १०३५, |
| उभाभ्यामथ | *१५१९ | उभौ सत्याधि | ६३०, | उल्कनकु | २०२५, | 120 | , 4, 4 2 0 2 0 , |
| उभा भ्यामपि | | | १५०२ | | २०२७ | | २४९७ |
| उभावपस | " २३७२ | उभौ समीक्ष्य | १६१७ | उल् कपक्ष | ६३६ | उवाच वद | २३५५ |
| उभावपि श | - | उभी स्थावः पा | | उल्कपक्ष | # ,, | उवाच वाक्यं | ६५५, |
| उभावेती नि | क ,, १६१९ | उभौ स्थावः ख | • • | उल्क्वागु | २६५८ | ₹. | ६६८,२०५१ |
| उभावती म | | | २९८१ | उल्रकश्चेह | २०२१ | उवाच वाचा | ६५० |
| उमायता म उमे अस्मै पी | १७६७ ३२ | उमा मेना श | २९५७, | | ा २४५९ | उवाच वैन्यं | ११२३ |
| उमे पते हि | ५ ५ ९३० | | २९७६ | उल्कस्य नि | २४५७ | उवाच रलक्ष्ण | # १ २४७ |
| उमे एव वि | ३४० | उरः कक्षीच | २७३३, | उल्ल्काः सूर्य | # २३५८ | उवाच स तु | # १५०३ |
| उमे चैते प | १०९५ | | २७३८ | उल्काचैव | २०२४ | उवाच सर्व | ,, |
| उमे दृष्वा दुः | | उरःस्थं कण्ठ | १६६७ | 1000 312 | २९२७ | उवाच खाग | #8069 |
| उमे घुरी व | . १२१२ ३८६ | उरःस्थाने म | | उल्खलध्ब | २५२८ | उवाच स्वेन | १२४७ |
| उमे पूर्वाप | २४८८ | उरसा तृत्थि | | उल्कया इस | | उवाच हित | १६६७ |
| उभे प्रशे वे | २६०१, | उरसा पश्चि | | उल्कांच पर | | | २०२६ |
| | २७७४ | उरसा वास २७ | | उल्कापातो हि | | उवासोषा उ | ३६७ |
| उमे यत्ते म | ४५१ | उरिं द्वाद | १५३६ | उल्काऽभिघा | | उशना चैव | #२०३९ |
| उमे याना स | ० ५ ५ २०७१ | उरसि स्थाप | २७३३, | उल्कामेदास्त | २९११ | उशना मण्ड | १८६४ |
| उमे वाची व | | | २७४० | उल्मुकानां च | २८८४ | उशना राज | ११२४ |
| उमे संध्ये प्र | २४७५ | उरस्तः क्षत्रि ७ | ९०,२३७९ | उल्मुकानां तु | _ ' | उशना विंश | १२५६ |
| | २४८९ | उरस्यकक्ष | २७३३, | उछङ्घ्य शास | I I | उशना वेद | २५५३, |
| उमे हि साम | २१०, | २७ | ३८,२७३९ | उह्यपन्त्या स | २३९१ | | २६ ०७ |
| _ | २१२,२१३ | उरसभून | २७१२ | उछेखा च प | २९९८ | उशनाश्च प्र | २५०१ |
| उमे ह्यत्र सा | ३३३ | उरस्यादीनि | २७३३ | उवाच कौश | ६३७ | उशनाश्चाथ | २०३९ |
| उभी गर्ह्यों भ | | उहं हि राजा | २ | उवाच च म | ६२६, | उशीनर क | १०९७ |
| उभी चेत्संश | १८८८ | उरः क्क्षो न | ३७८ | | ŧ. | उशीनरो वै | १५०७ |
| उभी तत्र स्थि | १७४६ | उरुः कोशो व | | उवाच च्रवा | १०८९ | उ शीरगन्धि | २२३४ |
| उभी तामिन्द्र | # 403 | उरगायम | ४४९ | उवाच तर्प | १०९० | उषर्वुध आ | 80 |
| उभी प्रजाव | | उम् याहै बी | | उवाच तांस्त | २०८२ | उषसं नु स्तु | १९० |
| उभी भरत उभी मानस्य | | उरुण्डा वाम | १०३६ | उवाच तारृ | * ,, | उषसां न के | ४७७ |
| डमा मानस्य डमी रसी प | ४०४ | उरोर्वरीयो | _२ ४९६ | उवाच पर | २०२८ | उषसे न प्र | २८५० |
| च्या रवा प | २५१ | उरोललाट | १५२१ | उवाच पलि | २०२७ | उषितं राङ्क | १२१४ |
| | | | | | | | |

| उषिताऽस्मि ग्ट | *२०३७ | ऊरू तदस्य | | ऊर्ध्वदृष्टिमी | १५०५ | ऋक्षेतिथौवा | २४६८ |
|---------------------|---------------|--------------------------|----------------|----------------------------------|-------------------|-----------------------------|--|
| उषिताऽस्मि त | | ऊरू भिन्धीति | २७९८ | ऊर्ध्वप्रहारं | १५२१ | ऋक्षेऽन्त्यसप्त | २८४६ |
| उषिताऽस्मि सु | ६२८ | ऊरू मेत्स्यामि | ,, | ऊर्ध्वमधिग | १३०६ | ऋक्षे पापग्र | २४६२ |
| उषिताऽस्मि स्व | * ,, | ऊर्ग्वा अन्नाद्य | २२१ | ऊर्ध्वराजिर्द | २७२८ | , | २४५७ |
| उषो यस्माद् | २४७९ | ऊर्वे खम् | २७७ | ऊर्धरेताः प्र | ५८३ | | २९२१ |
| उष्ट्रग्रीव्योऽग्नि | १४४९ | ऊर्ज पुष्टं बि | ४०७ | ऊर्ध्वविस्तृत | २८४२ | ऋग्भ्यो जातं वै | |
| उष्ट्रप्रयुक्त | # ₹४८७ | ऊर्ज पृथिव्या | ३९८ | ऊर्ध्वस्तिष्ठा न | ४८२ | ऋग्भ्यो जाताः | ∢स " |
| उष्ट्रमहिषं | २३०१ | ऊर्ज बिभ्रद | ४०२ | ऊर्घ्वा उदाय | २८ | ऋग्यजुःसाम | ५८१,८८६, |
| उष्ट्रयुक्तं स | २४८७ | ऊर्जमेव त | २२१ | ऊर्ध्वाङ्कश्च य | १८४७ | | ९,क्ष१३१५ |
| उष्ट्रस्य तु म | # १०७७ | ऊर्जमेवास्मि | २०७ | ऊ ध्विच्छादन | २९८४ | ऋग्रूपा यत्र | ८९० |
| उष्ट्रस्य माहि | १३७४ | _ | ३८९ | ऊर्ध्वा दिग्बृह | હષ | ऋग्वेद एवा | 888 |
| उष्ट्रस्य सुम | १०७७ | ऊर्जस्वती प | #३९४, | ऊ ध्वधिःक्रम | २८३९ | ऋग्वेदं भग | <i>እ</i> ያ ७ |
| उष्ट्रान् दश | १५२८, | | ४०४ | ऊध्वीनना वा | २६९३ | ऋग्वेदऋतु | • २९५२ |
| -8 | १७५७ | ऊर्जस्वती रा | २६ ९ | ऊर्ध्वाऽनूर्धा ख | २८४७ | ऋग्वेदवित्त | * ,, |
| उष्ट्रेण कुम्भ | २४९९ | | क्ष१४४२ | ऊर्ध्वामा तिष्ठ | १५३ | ऋग्वेदस्य रू | ४६६ |
| उष्ट्रेण च म | * ,, | ऊर्जस्विनर | ,, | ऊ ध्वी मारोह | २८४ | ऋग्वेदाद्याः ष | २९७७ |
| उष्णप्रकर्ष ०:• | ९६७ | - 1 - 1 - 1 - 1 | २९५२ | ऊर्ध्वायां त्वा दि | २८४ २३३ | ऋग्वेदे साम | * १६१७ |
| उष्णीषं च प्र | ४३१ | ऊर्जोऽन्नाद्यस्या | २६९ | ऊर्ध्वायै त्वा दि | | ऋग्वेदोऽथ य | २९६६ |
| उष्णीषभृङा | २५२४ | I | # \$6 8 | ज्ञान रना प् ज्ञान आस | <i>૭</i> ૬ | ऋचः प्राचीना | २२७ |
| उष्णे वा यदि | १६९१ | | २०७ | अधी रोहितो | ३५ १ ७० | ऋचांत्वः पोष | 888 |
| उष्णे सलव | १३७१ | | २९६० | जर्बा साध्यंदि जर्बा माध्यंदि | | ऋचा कपोतं | २४७६ |
| उष्य सौवीर | २३८६ | | २९७७ | ऊवैरिति मा | २०९ | ऋचो यजू<्ष | ४४६ |
| उह्यमानम | १३९५ | | ४५३ | जवीद्वीविशे कवीद्वीविशे | ,, १५३७ | ऋजवो मधु | १५११ |
| ऊख रेष्वपि | * ६५४ | | २२८३ | जपक्षारं का | # 8866 | ऋजवो हेम | १५२२ |
| ऊचतुश्च म | १८१३ | | २९०० | ऊषरकर्बु | 2282 | ऋजीते परि | ४९५ |
| ऊचुः प्राञ्जल | ५७२ | | १०७१ | ऊषरेष्वपि | ६५४ | ऋजीत्येनी रू ऋजुः सुनिशि | ४५३ |
| ऊचुरभ्याग | २९४१ | ऊर्ध्व तिर्यक् | २७८८ | ऊष्मोपर ने ह | २२६७ | कणुः छानारा ऋजुजानुर्भ | <i>२७७०</i> #१५१५ |
| ऊचुर्मह र्ष | ११२१ | ऊर्ष्वे तुपञ्च — र्रे | | ऊहवान्बोधि | २३४५ | कजुनादा म | *\ \\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\ |
| ऊचुश्चेनं त | | ऊर्ध्व न क्षीर | | ऊहोऽपोहो ऽर्थ | | ऋजुना प्रति | २७९८ |
| ऊधः पृथिव्या | २८६५ | ऊर्ध्वे विंशति | | ऋक्षं गुरुज्ञी | २४६६ | ग्डु ॥ जाः ऋजुपक्षेषु | ५७ <i>५</i> ८ <i></i> |
| ऊधिरछन्द्यातु | *{3{8 | ऊर्ध्व विमुक्त | 1 | ऋक्षचर्मक | २६३७ | ऋजु पश्यति | १०४० |
| ऊषश्छिन्द्याद्धि | " | ऊर्ष्वं वै धूम | | ऋक्षमुख्या म | | ऋजुमायावि | १५१४ |
| ऊनविंशति | | ऊर्ध्व षोडश | १४७६ | ऋक्षा ऋक्षस्व | | ऋजुयुद्धेन | 300 |
| ऊनाधिका न | | ऊर्ध्वः सुप्तेषु | 1 | ऋक्षाखुजम्बु | | ऋजुयोधीह | |
| ऊमा वै पित | | ऊर्घक्षिप्तम | * १५२0 | ऋक्षाजगर | | गञ्जुपाचाह ऋजुरिच्छंसो | २७६ ३ |
| ऊरू अरत्नी | १८१ | ऊर्ध्वगानां तु | १८४५ | ऋक्षा रूक्षस्व | 4 २५०७ | | <i>३७५</i> |
| | | | • | | | 1-3734 | 460 |

| ऋजुवक्रशी | ९१३ | ऋतूनामेवै | २८५ | ऋद्धिं दृष्वा | सु २७६९ | ऋषिः शार्ङ्गर | # ₹९६४ |
|---------------|--------------|------------------|--------------------|------------------|------------------|----------------|---------------|
| ऋजून् सतः | १०९५ | ऋतूनुत्सृज | | ऋदिमसासु | २४४३ | ऋषिः सारङ्ग | * ,, |
| ऋजोर्मदोर्व | १०६८ | ऋतुनेवैन | | ऋद्धिमस्यानु | १३२५ | ऋषिका करि | २९७० |
| ऋज्यद्भूतं य | ४४६ | | | ऋद्धिर्द्धिर्ध - | २९९८ | ऋषिका वर | * " |
| ऋज्वायतं वि | १५२० | ऋतेन ऋत | ३५ | ऋद्धिश्चित्तवि | | ऋषिणा याज्ञ | #१६१७ |
| ऋज्वावक्षोप |) ; | ऋतेन मित्रा | ३४ | | २३५० | ऋषिणा शर | १६९७ |
| ऋणकारी पि | १८८० | ऋतेन राज | १०,३८७ | ऋधङ्मन्त्रः | २५३४ | ऋषिणा हुंकु | ,, |
| ऋणमस्मिन् | १८२ | ऋतेन विश्वं | . , . ३६ | ऋध्नुयाद्य ए | २९१३ | ऋषिणोद्दाल | ५६७ |
| ऋणवाङ्गाय | १११७ | ऋतेनाऽऽदित्या | ३ १ | ऋध्नोत्येव ते | . ३३५ | ऋषिभिर्यज्ञ | १५०४ |
| ऋणशेषम | #२०४६ | | | ऋभुर्न इन्द्रः | ३७१ | ऋषिभिश्च प्र | ७९३ |
| ऋणरोषोऽग्रि | ,, | ऋते ब्रह्मस | १३१५ | ऋभूणां त्वा | दे ४२३ | ऋषिभिस्तौ नि | ११२२ |
| ऋणा चिद्यत्र | ३ं७६ | ऋतेऽम्मसो ग्री | २६७३ | ऋषमं ब्राह्म | १६५, | ऋषिभ्यो भग | ६२१ |
| ऋणादानम् ' | ६७२ | ऋते यदर्थ १२९ | | | ३ ०५ | ऋषिर्मूलफ | १६९४ |
| ऋतं रात्रिः | ३५१ | ऋते रक्षां तु | 4400 | ऋषभं मा स | | ऋषिई सम | ४३५ |
| ऋतजित्सत्य | ર૬५૬, | ऋते रक्षां सु ५७ | | ऋषभिनद्रा | ३ ११ | ऋषिवाक्यं च | २७९७ |
| | ૨ ९७६ | ऋते राज्याप | १५९४ | ऋषभश्च म | २ ९४४ | ऋषिवाक्यं नि | २०८२ |
| ऋतये स्तेन | ४१६ | ऋते शान्तन | २०२० | ऋषभश्चैव | | ऋषिवाक्येन | #२७९७ |
| ऋतवश्चत | રુષ્, | ऋते सेनाप्र | २३५३ | ऋषभो दक्षि | * ,, १४२,१६३, | ऋषिसंघैस्त | २९४६ |
| | ૨૬७६ | ऋतौ चैनां र | १२८४ | गठनगा याचा | | ऋषीणांच व | २९६८ |
| ऋतवश्च वि | २ ९२७ | ऋत्ये स्तेनह | #8 १ ६ | ऋषभो ब्राह्म | १६६,२९४४ ३२७ | ऋषीणां देव | |
| ऋतवश्च सु | ५९९ | ऋत्विकपुरोहि ५० | ७८,६१०, | ऋषभो वही | ર | ऋषीणां पुत्रो | २३९ |
| ऋतवस्ते वि | ४०८ | | ५,१०८४, | ऋषभो वैप | ११६ | ऋषीणामपि | १०५९ |
| | | | ,,१८२९, | 1 . | २५७ | ऋषीणामभ | ६६४ |
| ऋतवो नसु | ५९९ | 1 | ,,२८१६, | ऋषभो वैश्वा | " | ऋषीनार्षेयां | ४०५ |
| ऋतवो वा अ | ३०९ | | २८८७ | ऋषयः पर्यु | २४५० | ऋषीन्यजेद्वे | · ११२५ |
| ऋतश्च ऋत | २९५९, | ऋत्विगाचार्य | १३१५, | ऋषयस्तं प्र | ५८३ | ऋषीन् स्वाध्या | २७६९ |
| | २९७६ | | ०,१७०० | ऋषयो निय | ६३६ | ऋषेः कण्वस्य | प१ |
| ऋतस्य गोपा | ३६ | ऋत्विगासीत्त | ં. ૬ १ ९ | ऋषयोऽप्युग्र | | ऋषे पुनर्मे | १९० |
| ऋतस्य नः प | ४८५ | ऋत्विगासीन्म | 恭 ,, | ऋषयोऽभ्याग | २७६० | ऋषे पैताम | १९१ |
| ऋतां च कुर | ६१२ | ऋत्विग्भिर्वाह्य | ,, २९४५ | ऋषयो मन | २९६६ | ऋषेस्तस्योट | १६९६ |
| ऋतावपि स्त्रि | १००० | ऋत्विग्भिर्भष | 1,01 | | | ऋष्टयस्तोम | २६०१ |
| ऋतावानः क | 2 | • | " | ऋषयो मुन | 卷 ,, | l | |
| ऋतावानमा | ६ | ऋतिवग्वा यदि | १२०९, | ऋषयो लोक | ६२१ | ऋष्टिखड्गध्व | २७७१ |
| ऋतुः सुवर्ण | *२९५९ | ١.,. | १२८१ | ऋषयो वाल | १५०४ | ऋष्टिखड्गम | # ,, |
| ऋतुकालदि | २४७३ | ऋत्विजं नाऽऽत्म | ६१९ | ऋषयो वै स | ४२० | एक एकेन | १२१९, |
| ऋतुर्दक्षो व | *२९५८ | ऋत्विजः कुञ्ज | २७७० | ऋषिं नरावं | ५४ | | २७६५ |
| ऋतुस्वभावा | २९२१ | ऋत्विजश्चात्र | " | ऋषिं शरण | १६९६ | एक एव व | १११८ |
| ऋतुःखभावे | ** | 'ऋत्विजी द्वाव | * १२४५ | ऋषिः शारङ्ग | # २९६४ | एक एव र | १३५ |

| | | | | | | | • |
|-----------------|---------------|---------------------|--------------|----------------------------|---------------|---------------------|----------------------|
| एक एवोप २१ | १७,२१२७ | एकज्योतिश्च | २९५९, | ं एकमप्याश्रि | ७३९ | एकस्त्वेव ग्र | ₹ १ ४ |
| एकं च कोटि | २९२९ | . [| ૨ ૬७६ | ं एकमप्याश्रि एकमर्थे स | २१४९ | | १०११ |
| एकं चित्तम | #६६३, | I | | एकमात्रश्चि | २५३० | | |
| | *११ ७७ | 1 | २५१६ | एकमाशीवि | | | १४६२ |
| एकं त्रिपुङ्खं | १५११ | | २९६४, | एकमुखीं वा | स २८५१ | | १६२६ |
| एकं बलस्या | १५४१, | | २९८४ | एकमेव द | ८११ | 1 | १३६९, |
| · | २७०० | एकतश्च स | २४६८ | एकमेव म | २५३९ | i | 7380 |
| एकं यदुद्रा | ৬ | एकतस्तु त्र | २३५३ | एकमेव वि | | एकस्मिन्नेव | 468 |
| एकं र जस | ३९७ | एकतो द्विद | २२७६ | | | एकस्य च प्र | ७९० |
| एकं वावित्त | २८९६ | एकतोभोग्यु | २०९१ | 1 | २५, क्ष२८९१ | | ६०४ |
| एकं विषर | १७६२ | एकतो भोग्यु | १२९४ | एकराळस्य | २५ | एकस्य तु प्र | *७ ९ ० |
| एकं शास्त्रम | १८२५ | एकतो वाज | २७५६ | एकरुद्रस्त | २९९३ | एकस्य तुल्यो | १९८६ |
| एकं संवत्स | १९५५ | एकतोऽस्य सु | २६९३ | एकवर्णोऽथ | #9८३ | एकस्य बहु | २६८८ |
| एकं साम य | ५८२ | एकत्र त्याग | 2833 | एकवारम | १७४५ | एकस्य स्कन्धा | १९२२ |
| एकं हत्वाय | २४४९ | एकत्र निर्दि | 2842 | एकविंशं स्तो | | एकस्य हि द्वी | ७९५ |
| एकं हन्यान | १७६२, | एकत्र पञ्च | १२५७ | एकवि इशः | | 1 | १४३८ |
| | २६१८. | एकदा मन्त्रि | ८५७ | एकविंशति | १८६७ | एकस्यां यदि | २५०४ |
| एकं हयं म | २८८५ | 1 - | | एकविंशत्या | २५३४ २५३४ | एकस्यां ये र | १८९३ |
| एकः करोति | २०२४ | एकदेशं द | १७०५ | एकवि १ शोऽ | | एकस्यापि न | ९३० |
| एकः कार्याणि | १७६५ | एकदेशपि | १५६२ | एकविश्शोऽ | | एकस्यामथ | * २५ ०४ |
| एकः कुद्धोर | १५१३ | एकदेशे स | प६ | एकविजयः | ाग २२५ ६७८ | एकस्यैकेन | २६८८ |
| एकः क्षत्ता ध | २४३९ | एकदेशैक 🖟 | १११६ | एकवीर म | | एकस्यैव म | १७८१ |
| एकः खड्ग | १५०२ | | १२१५ | | १४७० | एकस्यैव हि | # ९३0, |
| एकः पार्ष्णिस्थ | २६७१ | | १४९४ | एकवृक्षेषु | २ २५४० | | ७, १३७२ |
| एकः पृष्ठस्थि | ,, | एकद्वित्रि च | २४७३, | एकवृष इ | १०१,क३४४ | एकाकिनश्चा | २१६७ - |
| एकः पौण्डरी | २४८२ | २५१० | , ॥ २९५९, | एकवृषा इ | #१०१, | एकाकी बहु | २८०२ |
| एकः शतं यो | १४५६, | | २९७९ | | ३४४ | एकाकी मन्त्र | ५३३ |
| | ३,१४९२ | एकद्विबहु | १८४० | एकशको द्वि | २९५९, | एकाकी शक्ति | १९८२ |
| एकः शयीत् | | एकपक्षाक्षि | २४८६, | | | एकाकी सस्व | • ,, |
| एकः खरइचे | २४७३ | _ | २४९१ | एकशतं ता | 201 | एकाक्षिचर | ર પ્ १ |
| एककालं ह | | एकपत्न्यः स्त्रि | ७४३ | एकशत्रुव | | एकाग्रः स्याद | १८८७ |
| एकग्रामप्र | १४३९ | एकपदाव | १८३३ | एकशीर्षकः | 1 | एकाग्रमान | |
| एकचरः सु | १०१० | एकपदी द्वि | ७२ | एक शीलव | | एकाङ्गबाहु | २५ २३ |
| एकचिन्तन | ५५२, | एकपुण्डरी | २४८१ । | एकश्च मन्त्री | i | एकाङ्ग व ध | |
| ६६ | ३,११७७ | एकपुत्रं तृ | २७८८। | एकस्तत्र म | | एकाङ्गेनाप <u>ि</u> | ६७३ |
| एकच्छत्रां म | १२१५ | एक पुत्राद | २१०७। | ए कस् तनोति | ११४१, | • | <i>६५७</i> १, |
| एकच्छिद्रस | | एक्भक्तन | २८९१ | | | ५१७ एकाऽचेतत् | 0,#8888 |
| एकजातिभ | २८४३ | एकभूमेरि | 1 | एक्स्तवेति | l. | • | ४५ १ |
| | | - 9 | , · = , · | MIE war | रप ३ | एकाण्डजत्व | २५२१ |

| एकाण्डता तु | #565/A | एकान्तेन ह्य | ₹3 <i>७</i> ४. | एकेन वाऽय | १७६१ | एको दश श | १८४७ |
|---------------------|-----------------------|----------------------|--|---------------------|-------------------|-----------------|---------------|
| एका ताराऽभ | *\;\\ २ ५२९ | 2 | ३७५,२६०६ | एकेन सह | १७८१, | | રંપપ १ |
| एकादशक | २८७४ | एकान्ते योज | २८०३ | | १९२,*२७५८ | एको देवो अ | #३९० |
| एकादशच | २७६२ | एकामिषश्वा | | | २०६१,२०८४ | एकोहिष्टं पि | ८६० |
| एकादश त १५ | | एकाम्लकं व | २६५७ | एकेनापि व्य | १६११ | एकोनविंश | રહપ રૂ |
| एकादश रा | ., ३२९ | एकायनमा | २६११ | एकेनैकश्च | २७९४ | | २४६६ |
| | २१२,२६२, | एकायने वा | २६२८ | एकेनैकस्य | १२१५ | एकोऽपि जीवा | २४६७ |
| 4 4 4 | ३२९,४३ ५ | एकायने वी | " | एकेनैवास | २०१९ | एकोऽपि वार | १५२४, |
| एकादशाऽऽस्क | | एकार्णवां म | २४४९ | एकेष्वाहत | २५ ३५ | | २६८७ |
| 7, | २३४२ | एकार्थचर्या | १७२५ | एकैकं कार | १३३९, | एकोऽपि शास्त्र | ५४५, |
| एकादशी च | २४६३ | एकार्थचर्यो | #१ ७२५, | | १३६१ | | *१२०७ |
| एकादशैते | २९५ ९ | _ , | १७४४ | एकैकं ऋतु | २४५० | एकोऽपि सिंहः | २१२२ |
| एकादशोद | ર | एकार्थसमु | १३६५ | एकैक घात | १४२९, | एकोऽप्यमात्यो | ५४५, |
| एकादश्यां तृ | २४७४ | एकार्थी सम्य | | ۵. ۵ | १९८५ | #६५ | ९,१२०७, |
| एकादश्यां स | २८६० | एकार्थादेव | १२८१ | एकैकं द्विप | २८८८ | | *१२२३ |
| _ | २८७७ | एकाथनिर्थ | १२९४, २०९२ | 1 | #538 | एको बहूना | 866 |
| एकादश्यां सि | | | | एकैकमात्म | ५९० | एको भवेद् | २४७ १ |
| एकादश्यां सो | २८६८, २८७४ | एकार्थां भिनि | १८६२, १८६२ | एकैकमुष्टि | २८३७ | एको भूपोय | २१७५ |
| | | | ११३५,२१३६ २१४६ | एकैकमेषां | ९३१,१९१३ | एको मन्त्रीन | १२७४ |
| एकाद्यङ्गु ल | १५३७ | एकार्थाभिप्र | २९४५ २०६७ | एकेकबृद्धैः | २८४७ | एकोऽयं निह | २७६० |
| एकान्ततो न | २०३६ | एकार्थे ह्येव | * १ २८१ | एकैकवृद्धया | २८३८ | एको योऽईति | ७९१ |
| एकान्ततो हि | १२०७, | एकावर्तोऽथ | ** \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ | एकैकशः सं | १४२३ | एको स्थोग | १४९९ |
| | १६४० | एकाश्वे ना पि | ५७ <i>१</i> , | एकैकशः ख | २८६२ | एको रथोऽग्रे | २७५२ |
| एकान्ततो ह्य | #२६०६ | 4444411 | १४४ १ | एकैकशो द्वि | | एकोऽर्थे विमृ | १७६५ |
| एकान्तदेव | #२८६ १ | एका सृग्वा | २४८६ | एकैकशोऽपि | ९३२ | एकोऽर्थान् विमृ | 恭 ", |
| एकान्तफल | २३७४ | एकाहमपि | २८९९ | एकैकशो वि | # ९३२, | एको विजय | १५४३ |
| एकान्तरर्के | २४६५ | एकाहाद्द्रव्य | # १ ५४७ | | ९३८ | एको विश्वस्य | २३ |
| एकान्तरा य | २४६६ | एका हि पुरो | | एकैकस्तत्र | १८९२ | एको वो देवो | ३९० |
| एकान्तरितं | १८५३ | एकाह्ना द्रव्य | १५४७ | एकैकस्त्वल | ९३८ | एको हि पुरु | १२७५ |
| एकान्तसिद्धि | २१६० | एकीभूताः सु | २७१३ | एकेकस्य स | २८८६ | एको हि मन्त्री | १२७४ |
| एकान्ते दण्ड | ११४९, | एकीभूय य | २१७२ | एकैकहस्त | २ २८३ ४ | एको ह्यत्यासे | ६८०, |
| | १४२८ | एकीभूय व्य | २१८२, | एककेन हि | _# १७९६ | | ७७६,९२१ |
| एकान्ते दुष्ट | २९०४ | · | २१८४ | | # 1 ~ 2 d | एको ह्यपि ब | २००१ |
| एकान्ते देव | २८६ १ | एकीभूयारि | १८७१ | एकैकेनापि - ३३३- | " | एको ह्यमात्यो | ६५९, |
| एकान्तेन का | ९०८ | एकेन चय | ५७६ | एकैकेनैव | १७८२ | | १२२३ |
| एकान्तेन हि | | एकेन बह | | एकैव दण्ड | ८८४ | l - | # १४६६ |
| | १२८९ | एकेन यदि | २७३१ | एकैश्वर्यम् | ६७३ | एणा वराहाः | २५०९ |

| | | l' | | 1 | | | |
|----------------------------|---------------------|---------------|----------------|----------------------------------|-------------------|---------------------|------------------------|
| एणीपदान्वा | | एतनु वच | *2040 | | | एतद्ध त्वेवा | ३६४ |
| | | एतचृतीय १ | ४३६ | 2.7.183 | २९१ ५ | एतद्वर्मभृ | १२९० |
| एत उ षडु | - | एतत्ते कथि | १९१० | 1 2 | | एतद्दर्मम | २३८० |
| एत एवंवि | १९०४ | 1 | १३२ | 7014 1 11 | १०३२ | एतद्ध सावे | २२६ |
| एत एव म | २२३० | एतत्ते देव | २८९५ | एतदर्थ हि | ६८१, | एतद्धि दुर्ग | १४८२, |
| एत एवाट | २६ ४३ २ ४ | एतत्ते पण्य | १९२१ | 1 | ७४६, १३६ २ | ! } | १५८२ |
| एतं परि द | ७५,७६ | एतत्ते ब्रह्म | २०४२ | एतदर्थमि | १८९८ | एतद्धि पर | १०९६, |
| एतं हवा ऐ | र २३ ८ | एतत्ते राज | ५३१,५७० | एतदष्टसु | १६५६ | | ८९८,२०१४ |
| एतचतुर्वि | १३३५ | एतत्ते सर्व | ७९४ | | | एतद्धि पुरु | १८९५ |
| एतचतुष्ट | 6 ,, | एतत्त्रये स | १९३५ | एतदाख्याय | ५५२ | एतद्धि यशि | ४२५ |
| एतच मर | १९९८ | एतत्पुरस्ता | १८५८ | 1 | ७७० १ क | 20100 01 | १९९७ |
| एतच्छास्त्रार्थ | १०६९ | एतत्पूजित | २९२ ४ | एतदात्मव | | एतद्धचेवैत | ४३७ |
| एतच्छीलं स | ६२९ | एतत्पृथिव्या | ६२७ | | ४८० | एतद्भगवो | ४ ४७ |
| · · · · · · | * २७० ६ | एतत्पृष्टो म | १२४३, | एतदिच्छामि | २४८३, | | ९६० |
| एतंब्छुत्वा घ | | | १८१० | _ | २९१६ | एतद्राज्ञः कु | १०९८ |
| एतछुत्वा भ | २४९४ | एतत्प्रथम | ६५४ | एतदिच्छाम्य | ५९३,६१३, | एतद्वाज्ञः प | ७३२ |
| एतच्छ्रत्वा व | २०५१, | एतत्प्रदाये | २७ | ७९ | र,२०१९,प३ | एतद्राज्ञो भी | २ ४२३ |
| | २३५८ | एतत्प्रधानं | ६५० | एतदीदृश | १५११ | एतद्रूपं बि | ६१४ |
| एत ज्जानीहि | ८३९ | एतत्प्रमाणं | १०८४ | एतदुक्त्वा ध्व | १८६७ | एतद्व च न | ५ र ४ २७ <i>०</i> ६ |
| एतज्ज्ञात्वा म | १०६०, | एतत्प्रमाणे | २२७९ | एतदुच्छेद | १५१६ | l | ર |
| | *2033 | एतत् प्रीत्या | २१८४ | एतदुत्तम | १२८९ | एतदा अस्य | २५८ ३ ३ |
| एतज्ज्ञात्वा य | ८२२ | एतत्फलम | ६०७ | एतदु ह वै | ४२५ | | २५९,२६०, |
| एत तमिच्छा | ૨ ૬ | एतत्संचिन्त्य | १२६७ | एतदु हि त | २६१,२६२ | | २६१,२६२ |
| एतत्कथित | ६२९ | एतत्संबोध | ८३८ | एतदु हैत | ३३३,३५१ | एतद्विदित्वा | ६२९ |
| एतत्कर्म ब्रा | ५९३ | | | ۸۵ ا | २४८ | एतद्विद्वन् क | १६१९ |
| एतत्कर्शन | १८७२ | | २८५२ | | १९४६ | एतद्विद्वन्नु | ५६ १ |
| एतत्कष्टत | १५७४ | | ९४२ | | २०१० | एतद्विधान | ९४९ |
| एतत्कुरुष्व | ६२९ | i | *१६१९ | एतदेव तु | | एतद्विधानं २ | ८६९,२९४६ |
| एतत्कृत्यत | १०९८ | · · | ६३३,२०४१ | एतदेव प | 3 | एतद्विमृ श्य | २८३९ |
| एतत्कृत्वा त | २८५८ | , | १३६५, | एतदेव व | | एतद्वृत्तं वा | ६११ |
| एतत्कृत्वा शु | ५७७ | • | १५८३ | एतदेव वि | | एतद्वृत्तं स | # ९४ ९ |
| 'एतत्तत्' इ | | एतत्सर्वे य | ११०४ | # 84 | .१५,१७०६, | एतदवत्तिवि | १७३२ |
| एतत्तदे व | | एतत्सर्वे स | ૧ ૦૫ ૧, | | २४५६ | एतद्वृत्तेनो | |
| एतत्तद् य | २६ २४ | | રહ્ય શ | एतदेव हि | १७८८ | एतद्वै केशा | # \$8\$ |
| एतत्तपश्च २७५ | 2000 | एतत्सर्वम | १५८४ | एतदेवा भि | 680 | एतद्वे ततः | ₹ ₹४ |
| | 9 / 0 5 € | एतत्सारं म | | एतहहेति | | | ३१३,३१४ |
| एतत्तव म एतत्तुः कृत्वा | 96.02# 8 6136 | एतत्समध्यं | | एतद् द्रीप दि | | एतद्वै देवा | ४६५ |
| | | J.1. 2, 12, 1 | 1010 | । न्यात्रु <mark>स्र</mark> ापाद | १९०५ | एतद्व दब्य | . ३३३ |
| रा. सू . १ | ~~ & | | | | | | |

| _ | | | | | | | | |
|------------------|------------------|-----------------------|------------------------------|------------------|------------------|--------------|-------------------------------|-----------------------|
| एतद्वे मर | २१ २ | एतस्मात्कार ू | ७९५, | एतानि | | | एतान्यध्वर्द्धः | २ हे ७ |
| एतद्दै मे रा | १४ | 2 | ३४,११०१, | एतानि | | २८५४ | एताम्यनिग्र | १०४३ |
| एतदे वज्र | ५२५ | 1 ' | ३२३,२००८ | एतानि | जय | · १४९५ | एतान्यभिषे | . ૧૭૮ |
| एतद्वे त्रात्य | ४३२ | एतस्मिन्काले | २९३१ | एतानि | शाति | २१३२ | एतान्यस्य पु | 200 |
| एतद्वे सर्व | २०२० | एतस्मिन्दिग्वि | २८२९ | एतानि | | २८३६ | एतान्यासेव | # १ ५७७ |
| एतद्वे सह | ३१९ | एतस्मिन्नन | १४७४, | एतानि | द्ध नि | २४८४, | एतान्युपचि | २०४० |
| एतद्वे सोम | ५२४ | | १५ ११ | | • | २९१७ | एतान्युपरि | ঽ৩৩ |
| एतन्नवक | २८३९ | एतस्मिनेव | ६४२, | 1 | निःक्षि | २८८ ६ | एतान्यपहि | # 2080 |
| एतन्नारोच | २७९६ | ं ११२ | .२, #१६१७ , | एतान | | ७२९ | एतान्येवंप्र | ५९४ |
| एतन्निरूप्यै | १११९ | | 2666 | एतानि | | २८९२ | एतान्येव क्ष | १०२९ |
| एतन्मण्डल १ | ८५९,२०५२ | एतस्मिन्वर्त | १०४९ | 1 2 | | २७६ | एतान्येव नि | ५८३ |
| एतन्मतिम | ६४८ | 7 | ४२२ | 1 | - | १०३८ | एतान्येव ब | २६ २७ |
| एतन्मन्त्रज्ञा | १७७० | 1 _ | बृह ५८, | - Cure | | २९२२ | एतात्राजा पा | १०३६, |
| एतन्मूली हि | ६४७ | l . | ક ે રદ્દપ ્ | 1 | | १०७५ | | २४३७ |
| एतन्मे प्रय | ર ૭ | 1 | २५२ <i>५</i> २८०६ | एतान | युक् त्या | १५४८, | एतान् वा यो | २६३७ |
| एतन्मे संश | १ ९०२, | 1 - | २७६९ | | | २०४४ | एतान्संसेव - | *१५७७ |
| | , ३४,२३९६, | | | | _ | १०५३ | | |
| | ९०,*२९१८ | एतस्यामेवे | २८३३ | एतानि | | १८२५ | एतान्सप्त म एतान्सर्वान्पु | २३५६ |
| एतन्मे सर्व १ | | 1 - | २२४ | एतानि | | ५६ | एतान्ववान्यु | १४६०, |
| एतन्मौलादि | १५२४, | एतस्यै वा ए | २७१ | एतानि एउपी | | ५९ | एतान् सहा | २५७३ १२१६ |
| • | રવ | एतां पूजां म | २८६६ | एतानि | | ३२८ | 1 | |
| एतमु त्यं द | ३२३ | एतां बुद्धि स | ६३७,६४२ | एतानि | | #とゆき | एतान् हत्वा एतान् हित्वा | २४३१ ≉१६१ ७ |
| एतमु हैव | * २ १० | एतां राजोप | १०७६ | एतानि | | १९५ | | |
| एतमेवार्थ | १०७३ | एतांश्चारान् | १६५६ | एतानि | | ६१२ | एतान् हि दू एताभिवें दे | १६६८ |
| एतम्बेवाप्ये | રદ્દ ૬, | एतांस्तु भेद | १९५८ | एतानि | • | ३७९ | | ३०२ |
| • | २७५,३०१ | एतांस्तु सेव | १५७७ | एतानि | _ | १९,२८४९ | एताभिहिं मि | २६९ |
| एतया तत्त्व | *२३९९ | एताः कुरूणा | ५५४ | एतानि एतानि | | २४३५ | एता भृतिस | १२६५, |
| एतया मुण्डा | १६४५ | एताः पञ्चत | १८६० | | | २२१ | · | १७५५ |
| एतया वर्त | ५५२ | एताः पुरुस्त्य | #२९५७ | एतानि एकानि | | | एताभ्याः हि | |
| एतया वै भ | ३१९ | एताः पुलह | " | एतानुहि एकास् | | | एतामक्षीहि | १४९९ |
| एतया वै सृ | ४३४ | एताः प्रकृत | १८५४, | एतान् र | | ı | एतामतिच्छ - | २९४ |
| एतया सम | ३ १९२८ | | १८६० | एतान्देव | | | एतामवस्थां | १९९९ |
| एतया सर्व | 20.00 | एता जुषत | ` | एतान्दोष | | | एतामेव नि | ५२६ |
| | | एतादृशस्य | | एतान्दोः | _ | 1 | एतायामीप | १६ |
| एतवोरन्य २१ | | एताहर्शी त | | एतान्धम | | | एतावच्छ्रेय | ६२६,६२७ |
| ण् तयोरपि | | एता देवसे | | एतान्पञ्च | | | एतावता क | १७०० |
| प्तस्मात्काक | | एतानतिश | - 1 | एतान्पञ्च | • | | एतावता का | १७५५ |
| | 2484 | एतानि काले | २५७७ | एतान्मयं | क्तां | : १०८३ | एतावता भ | 8000 |

| | वचनस्ची | <i>હ</i> લ |
|--|--|---------------------|
| एतावतिक ८४२ | एतु तिसः प ५१० एतेन कल्पे २६६० एतेनैव च | २८१६ |
| एतावतिक ८४२ एतावतीं भ्र १७५५ एताबदुच्य ११२६,११६९ | एतु तिसोऽति ,, एतेन ग्रहा २८३२ एतेनैव प्र | १०८१ |
| एसाबदच्य ११२६.११६९ | एते अनूपाः १४१५ एतेन चत्वा २८४७ एतेनैव वे | १६४२ |
| एतावदेव ७३३,१८५८ | एते उपवि ,, एतेन च प्र | २४९ |
| एतावद्वा इ ४२५ | एते कर्माणि १२१० एतेन त्वं प्र २३९० एते पञ्च स्व | २५३० |
| | एते क्षत्रस १३१५ एतेन नट २२९८ एते पतन्ति | ४३६ |
| एतावन्तो वै ४३५. | एते ख ल्ज च १४१५ एतेन नस्य २३०५ एते परस्य १९ । | ५७,२६६५ |
| ૪૫૫.૪૫૬ | एते गुणाः स ११७४ एतेन पत्त्य २३१७ एते प्रधान | १६५९ |
| एता वा आपः २७३ | एते च सर्वे २६५८ ९तन पर ५७५ ५५ - ५५ | २६८० |
| एता वा एका २६९, | _{णिते} चान्ये च ८२२, एतेन परि १४९४ ^{एत श्रह्मस} | १३१५ |
| 4 4 | ८२३,९२१, एतेन पिष्टे २६५४ एत् ब्राह्मण | ,, |
| २७०,२७१, | १०७३,१५०४, एतेन प्रत्य २२२ रित नागर | ११०० |
| २७२,२७३ | १९०३,१९७०, एतेन प्रदे १३३० एतेन्यश्राप | १०७२ |
| एतावानत्र ८३९ | २०१२,२९४२, एतेन मृता १७०२ एतेम्यश्चेन | ६११ |
| एतावानात्म ९२० | २९६५, २९६९, एतेन मन्त्रि २५६५ एतेम्यसार स्तो | ४२९ |
| एतावानेव ५६०,२३८३ | रे९८४ एतेन मातृ १०२९ एतेम्यो नित्य | ९६८, |
| एतावान्वे स ३१८ | एते चान्ये तु | १०७३ |
| एता विद्याः क्ष *१०५३ | एते चान्येऽभि २९७७ एतेन यात्रा १९२९, एतेम्यो बलि | १३१५ |
| एता बीर्म #१४७० | एते चैवाप १०६३, १९३० | \$ 2836 |
| एता वै देव ७७ | १६९२ एतेन राज्ञो २८३६ एते मदाव | १०४२ |
| एता वै प्रजा १९५ | एते चैवाSSस १९४ एतेन रूप १३३२ एते महर्त्वि | १६३२ |
| एता वै शान्ताः २१४ | | १४१५ |
| एताश्चान्याश्च २९७० | एते जेयास्त #१६५९ एतेन वा इ २४९ एते महावि | ,, ८२५ |
| एताश्रेष्टाः क्ष १०५३ | ्र । , , , , । (तने उसी न | २५२ २७८ ७ |
| एतासां चत १९१८ | ्रिं भारत | ७२१, |
| एतास्तिस्रः स्मृ २५०८ | 1 3890.3890.1. | १९,१०३२ |
| एतास्तु शान्त २९२९ | | * १३८७ |
| एतास्ते पञ्च ् २९८ | २९६२ २९६२ (तनेन स्टब्साना पार्व एते राष्ट्रे व | १११२ |
| एतास्त्वामुभि २९५६, उ | २९६३,१९६४, एतेन हवा ३३५, एते राष्ट्रे हि | १६८७ |
| २९५७,#२९५७, | । उत्तर २०१६ । ६ २० २० एतं बज्याः प्र | ७३५, |
| ७२९६०,२९६ १, | | ९२३ |
| * २९६२,२९७६ | | २११८ |
| | | |
| | एते देवस १३१५ एतेनान्ये ग्रू २७५६ एते वे ते त्र एते दोषाः प १७४९ एतेनाभ्यक्त २६५७ एते वे देवा | २०५ ४ ६ ५ |
| एति जीवन्त २२०४ एति वा एष २६४ | , एते द्विजाः स ८०२ एतेनामात्या २६३९ एते वै दे वाः | |
| दारा पा ५४ | प्रते धर्मस्य २०३३ एते नियुद्ध १५०० एते वै ब्रह्म | ४११ |
| एति वा एषः २६० | ्रिते धर्माः स ५९३ एते नैव क २६५८ एते वे वीरा | २६६ |
| *** ** *** | रप्रदृष्ट्व व वारा | . ३४९ |

| एते वै शान्ते | २१ १ | एतेषु योगाः | २४५२, | २२ | १०,२३३७, | एभिगुणैश्च १ | ५२५,२३४२ |
|--------------------------|---------------------|---|------------------------|------------------------|---------------|----------------------------------|--------------------------------|
| एते वैश्यस | १३१५ | | २६ ० १ | | २३५९ | ए भिर्जितैर्जि | ७३१,९२२ |
| एते वै सोम | २६६ | एतेषु हि न | १५४७ | एतैर्ज्ञेयास्तु | #१६५८ | एभिर्मन्त्रेः प्र | २८५९ |
| एते त्रणाः प्र | <i></i> | एतेऽ ष्टादश | | एतैर्ब्रह्मर्षि | * १२४५ | एमिर्मन्त्रैर्न | ३९८४ |
| एते ग्रूद्रस | | एतेऽष्टी संनि | | एतैर्मदैः स | | एभिमेंऽपीष्ट | २५१ |
| एतेषां कल्य | २९७ १ | एतेष्व क्षेष्वा | ३०० | ए तै र्भन्त्रैर | २९०६ | ए भिर्यशैस्त | १२३० |
| एतेषां च न | | एतेष्वभ्यर्च | २९२८ | एतैर्यथो क्तै | २९७१ | एभिर्हीनोऽन्य | ११४३, |
| एतेषां चार्घ्य | " | एतेष्वर्थाः प्र | १८३४ | एतैर्विमुक्तो | *२५८५ | • | ११८९ |
| एतेषां चैव | | एते ष्व हःसु | | एतैर्वियुक्तो | " | एभिस्तु विन | # ८७६ |
| एतेषां जन्म | | एतेष्वासान्त्र | १०७५ | एतेहिं राजा | १९०८ | एभ्यो निकृति | २३८३ |
| एतेषां तर्प | | एतेष्वेव हि | | एतैश्चान्यैश्च | ५४१ | एमं भज ग्रा | १००,क३४३ |
| एतेषां त्वा, इ | | ए तेष्वेवाध्य | ३४९ | एतैस्तु जुहु | २८७८ | एवरिम्रप | #१ ४६५ |
| एतेषां दश | | एते सप्त गु ७ | ६४,११८९ | एतेस्तु बहु | e८४५ | एलापत्रश्च | •२९६३ |
| एतेषां दीप | | एते सप्तद | ঽ৩४५ | एतैस्तु मन्त्रे | २५ ३९ | एवं करण | ९३० |
| एतेषां दे वा | २६ | , T | २७०४ | एतैस्त्यक्तो म | ११७१ | एवं करिष्या | २ ५५४ |
| एतेषां पुत्र | २८९२ | • | 9 9 9 4 | एताच सश्र | २०७४ | एवं कार्यानु | 2900 |
| एतेषां पुष्प | २९७१ | | क ६३३ | एतो धमर्थि | २०१९ | एवं कार्यास्त | * ,, |
| एतेषां बाहु | # १४५५ | T | ८२३ | एता पशुन | ३०९ | एवं कालो व्य | |
| एतेषां मूल | २६५५ | | ५८७ | एती ह वै द्वी | | 1 - | |
| एतेषां रक्ष | १७६० | एते सर्वे ष | २४३९ | एती हि नित्य | १६१८ | एवं कुर्यात्य | १४७८ ९८४,२२१६ |
| एतेषां विज | ७३५ | एते स्वप्नाः प्र | २९८१ | एतौ हि नित्यं | 参 99 | - | |
| एतेषां वै रा | २६२ | एते हि कूमी | २५२१ | एत्य गृहान्य | २२४ | एवं कुर्वञ्ज्ञ एवं कुर्वञ्ज्ञ | ११०३ %५६ ९ |
| एतेषां वै शि | ४४५ | एते हि नित्य | १०४८ | एत्यन ड् वान् | २६ ० | एवं कुर्वन्न | |
| एतेषां सिंह | २८४१ | एते हि पार्थि | ६२५ | एधते ज्ञाति | २३७१ | एवं कृतस्व | २८४९ |
| एतेषामति | १४७६ | एते हि योगाः | ય ₹ <i>₹</i> *₹४५₹, | एनं पूर्व ह | # २८७६ | एवं कृते पा | २९२ ३ २८५९ |
| एतेषामनु | २६५८ | एत हि थागाः | * ₹° ` ₹ | एनं वाव ते | ३२५ | एवं कृते पू | |
| एतेपाम प्यु | *१८९३ | एते हि सोम | | एनसः फल | ७६५ | एवं कृते शा | ૨૮૬ ९, ૨ ९ ૨૬ |
| एतेषामम्यु | | रत ह जान एते ह्यमात्याः | | एनसा युज्य | १०५६ | एवं कृत्वा कि | |
| एतेषामर्घ्य | " #₹ ९ ७१ | | | एनस्वी हैव | | एवं कृत्वा कु | |
| एतेवामाहु | " | ्तैः कृत्वा प्र | | एना ब्याघं प | ९ ९, | | २८८४, |
| एते षामुत्त | १४९७ | | २११३ , | 6.11 24121 . | २४४,३४२ | 74 800 0 | २८८५ |
| एते षामेकः | २६६० | 1 24 | | एनो राजान | | एवं कृत्वा दि | |
| एतेषामे कां | | एतैराज्यं च | | एन्द्र याह्यप | | एवं कृत्वा न | ५६९ |
| एतेषु क्षिप्र | | एतरावा ह्य | | एन्द्र सानसिं | | एव इत्वा र | २९८५ |
| एतेषु तिष्ठन् | | एते रुपायै | | | | एवं कृत्वा म | # १ 0६0 |
| रतनु ।तडन् एतेषु पद्य | | एतरपाय एतेरेव गु | | एभिः कृतैर्व | | एवं कृत्वा य | १९६९ |
| रतेषु पुण्य | २ ९२ २९०४ | | | एभिरपि सू | | | |
| 10 0 1 | 7708 | · · , · · · · · · · · · · · · · · · · · | ५४,१६३१, | । पानरव गु | 4080 | एवं कृत्वा शा | 4,007 |

| एवं कोशस्य | *** | | | | | | |
|------------------|--------------|----------------|------------------------|----------------|---------------|-------------------|------------------------|
| एवं क्रियन्ते | | एवं तथैवा | * ₹४ ३ १ | एवं द्रव्यद्वि | | एवं पुनर्ब | २४२८ |
| देत्र ।मानन्त | | एवं तदा श्री | | एवं द्रव्यम | १५१० | एवं पुराऽभि | \$00 \$ |
| ·• | | एवं तद् यद | | एवं द्वादश | | एवं पुरुष | २४०६ |
| एवं खलुक | | एवं तव म | | एवं धर्म प्र | १०५१, | एवं पूर्वे ह | २८७६ |
| एवं गते वि | १४९५ | एवं तस्माद्र | २०५० | 1 | *१०६ ६ | एवं पृष्टो म | # 0 \$ 0 |
| एवं गुणग | ७३९,११८२, | एवं तस्मिन् | | एवं धर्म वि | २७९० | एवंप्रकारा | १९९१ |
| | १६६७,२८२८ | एवं तु ख्याप | | एवं धर्मप्र | ७२४ | एवंप्रकारै | २७०२ |
| एवंगुणो य | १२५६ | एवं तु दैव | | एवं धर्मम | | एवं प्रजाः प्र | |
| एवं गृहावि | १०१७ | एवं तु प्रश्न | | एवं धर्मवि | •२८ •४ | एवं प्रजाऽनु | 3960 |
| एवं गृहीत | ं २६३१ | एवं तु वच | | एवं धर्मात्रा | 466 | 1 | २०३२ |
| एवं ग्रहव | १६३९ | एवं तु वध्य | | एवं धर्मा रा | ५८९ | एवं प्रयत्नं | \$ 60 |
| एवं ग्रहस्व | ३४७ २ | एवं तु वर्त | | एवं धर्मेण | ७२२,१०६५ | एवं प्रयोज | ६१६ |
| एवं घाणान् | ९२३ | एवं ते कथि | १८८८ | एवं धर्म्याणि | २४०४ | एवं प्रलोम्य | २७०३ |
| एवं च जन | २३२० | एवं ते धर्म | ६६७ | एवं नरयु | ११२५ | एवं प्रवर्त | १३५७ |
| एवं चतंत | *5068 | एवं तेऽपि म | २७१५ | एवं नवं च | २२ ५६ | एवं प्रवर्ति | ५९४ |
| एवं चतुर्म | | एवं तेषु प्र | १८८८ | एवं न व्यथ | 9000 | एवं प्राप्तत | २०१८ |
| एवं च बुद्ध्य | | एवं ते सम | २७५८ | एवं न संप्र | ं १३१७ | एवं बलस | २५६३ |
| एवं चरन् | ७१२ | एवं तौ शाप | १८१३ | एवं नामब | २४७४ | एवं बहुवि | १०९०,१२२२ |
| एवं चरख | १०६४ | एवं त्रिभागो | २७२३ | एवं नास्य प्र | *१३१७ | एवंबुद्धिः प्र | २३७७ |
| एवं च राज्ञा | २८५८ | एवं त्वया कु | ११०३ | | *2428 | एवं बुद्धया | पं १३२३ |
| एवं च राम | | एवं दण्डं च | १३८८ | एवं निमित्तै | २७०२ | एवं ब्रह्मान | ७८०,२३९८ |
| एवं चरेन्त्र | ७३२,८२२ | एवं दण्डं प्र | * १९६८, | एवं निवेश | २९०२ | एवं ब्र्याद | 1991 |
| एवं च विन्ध्य | - 1 | | | एवं निहत्य | २७०३ | एवं भवत्यु | २५४८ |
| एवं च सर्व | | एवं दण्डः स | | | ८८७,२८८८ | एवंभूतं वा | २१८८ |
| एवं चाधार्मि | | एवं दण्डस्य | ६१६ | | ७३२,#८२२ | एवंभूतो भ | ८२२ |
| एवं चावम | 1 | एवं दशह | २८५९ | एवं तृपो म | ११२४ | एवंभूतो म | २४९८ |
| एवं चित्रास | | एवं दिशासु | १४७९ | एवं पक्षेण | २१६७ | एवंभूतो वा | २१८७ |
| एवं चेद्धर्म | 9 1 | एवं दुर्गच | २३२२ | एवं परस्प | २६७१ | एवंभूतो हि | १२९३ |
| एवं चैव न | | एवं दुर्गरा | | एवं परस्य | २१७९ | एवंभूतो ही | २१८६ |
| | ८३९,२६२३ | एवं दुर्बुद्धि | १०७८ | एवं परीक्ष्य | २७५१ | एवं मण्डल | २१६३ |
| एवं जीवः श | ५६५ | एवं दूष्येष्व | | एवं परेष्वि | २४७२ | एवं मत्वा म | २०३३ |
| एवं ज्ञात्वा क | ा १६२१ | एवं दृष्वा भु | २०९२ | एवं पर्याकु | ५६७ | एवं मन्त्रस्य | १७६७ |
| एवं ज्येष्टोऽप्य | ८४३ | एवं देवाल | | एवं पश्यन्स | | एवं मन्त्रा हि | |
| एवं तत्र म | | एवं देशं च | | एवं पापैविं | 1 | एवं मन्त्रैर्भ | १२३७ |
| एवं तत्रापि | २८४१ | एवं देशका | | एवं पाषण्डि | 1 | एवं मन्त्रीप | • |
| एवं तथेति | ४९१ | एवं दोषो म | • य १ | एवं पुनर | | एवं मन्त्रोऽ | a <i>008</i> |
| रा. सू. | १०− ₹ | | | | 10 10 | 44 ALVIDI | पे १७६६ |

| एवं मयूर | 8060 | एवं राजोप | | एवंविधं तु | ર્વેટ૮૬ | एवं विहर | '९६'२ |
|----------------------------|------------------------|-----------------|----------------|--------------|------------------|-----------------|----------------|
| एवं महात्म | २८६६ | | | एवंविधं म | ८२१ | एवंवीर्यः स | ५९२ |
| एवं महीं पा | ७३६ | एवं राज्ञा वि | | एवंविधं य | १४१७,१४६१ | एवं वीर्यव | २६५ १ |
| एवं मित्रं हि | २०९९ | एवं राज्यप | ६६४ | | १११५,११२१ | | |
| एवं मूल्यं वि | २२४५ | एवं राज्यात्प | " | एवंविधं सा | | एवंवृत्तः प्र | |
| एवं मृत्युमु | ५६५ | | ७४६,१४१९ | एवंविधः स | | | ६९०,१०३१ |
| एवं मे वर्त | २१३१ | एवं राष्ट्रम | १३१४ | | १९८७ | | |
| एवं यः कार | २८७७ | एवं राष्ट्रमु | " | | | एवं वेध्यग | |
| एवं यः कुर | २१९२, | एवं राष्ट्रादि | ६८१ | गर्जनियम | | एवं वैदेह | |
| | ७३,२८७९, | एवं रुद्राः स | १०५२ | एवंविधान | | एवं व्यवस्थि | • |
| e, is a | : २९३५ | एवंरूपं क | २४२९ | | २८८०,२८९८ | | |
| | २९८५ | एव ५ रूपमि | ३१ २ | ਜ਼ਬੰਕਿਸ਼ਾਜ਼ਿ | | एवं व्यादिक | |
| | ७,३२,८२२ | एवं रूपाग्रं | | एवंविधान | १४११, | | |
| एवं यथासु | ૨ ૭ ૨ <i>१</i> | LA COLLINE | ७४९ | | १४३३,१६५३ | एवं ब्युढान | 300C |
| एवं यथोक्त | | एवं लोके य | ५७८ | एवंविधान्स | | एवंब्यहं म | |
| • • | *२८२८ | | . २१३१ १९५१ | एवंविधा य | २८२८ | | |
| | . ९२३ | | | एवंविधा र | १४८७ | एवं ब्यूहवि | २७५१ |
| एवं ययप्य | | | ९२१ | एवंविधास्त | २३३७ | एवं व्युह्म प्र | ग २७ ४६ |
| एवं ये कुर्व | | 1 - | २०३८ | एवं विषेभ्य: | | एवं व्यूह्म म | |
| | ं २३५३ | 1 | २८८ | | २७०१ | एवं शत्रीः | च १६४७ |
| एवं ये ज्ञात | | | | एवंविधो न | ७३९ | एवं शस्त्राणि | ो २८१७ |
| एवं ये सूति एवं ये सूति | . २ <i>१</i> २२ ७९७ | एवं विकट | * ,, | एवंविधो य | | एवं शास्त्रम | *१८२५ |
| _ | | एवं विचर | १६८८ | एवंविधो र | | एवं ग्रुकोऽ | |
| एवं यो, धर्म | gr: ६.१ २७ | एवं विचार्य | | एवं विनाइ | | एवं ग्रुनाऽर | |
| | #१६२३ | एवं विचिनु | | एवं विनिह | | एवं श्रुत्वा | |
| एवं यो ब्रह्म | १६२३ | एवं विचिन्त | | एवं विन्ध्ये | | एवं षड्भि | |
| एवं यो राज | २०५१ | एवं विचिन्त्य | | एवं विप्रोऽ | | एवं संकुपि | |
| एवं यो वर्त ५ | | एवं विजय | १९३२ | . : | २३९८ | | |
| एवं यो वाह | ७२९,११०४ | एवं विजिगी | २६४७ | एवं विभज्य | ८२३ | एवं संचोदि | |
| | , २९०४ | एवं वित्तवि | "२९०६ | | रट३८, | एवं संपूज | |
| एवं रणे पा | २४२७ | एवंविदं हि | 222 | | २८४१ | | २८६९,२८७८, |
| एवं रागवि | , १९५ ४ | एवं विदित | | एवं विरचि | २६६९ | | २८८९,२ं९०८ |
| एवं राजस्त | २७६३ | एवं विद्वन्तु * | ५६१.३८९७ | एवं विल्लप | १०८८ | एवं संपूज्य | •२३५८, |
| एवं राजक | ५६० | एवं विद्वान | २३८५ | एवं विल्रप्य | १०९१ | | २९९० |
| एवं राजप १ | 1. | एवं विद्वान | ६४२,६९७ | एवं विश्वास | । २०८२ | | २६०३,२७७४ |
| पृष् राजा प्र | ७२९ | एवं विद्वेष्य | . १९६५ | एवं विषप्र | २८१३ | एवं संसाद | |
| प्त राजा म | , ११२५ | । एवंविधं क | *446 | एवं विहन्या | १६४१ | एवं संसाध | * ,, |
| | | | | | | | |

| एवं संस्तूय | २३५८ | एवं स्वविष | १६४९, | एवमष्टगु | २५४० | एवमुक्तः प्र | r १६२ ३ , |
|-------------------------------|---------------|----------------|-----------------|----------------|--------------------|------------------------------|------------------|
| एवं सं स्थिति | २३७६ | | | एवमष्टवि | २८३४ | 1 | २००३ |
| एवं सति नृ | ९६ १ | एवं स्वार्थश्र | र २०६ ६ | एवमष्टाश्रि | २४७३ | एवमुक्तः स | i १०५४, |
| एवं सत्यं शु | २४४७ | एवं हट्टे पु | १४७९ | एवमस्त्वित | ६२७,७९२, | .] | २७१८ |
| एवं सदा म | १७६४ | एवं हठाच | २ ३७३ | | २०७७,१२१९ | | १०८९,१५११, |
| एवं सद्भिर्वि | ६२९ | एवं हि क्षत्र | ि <i>*</i> ,५७९ | एवमस्मिन्व | १६२१ | | २०५०,२३५८ |
| एवं सप्ताधि | # ₹₹₹८ | एवं हि दैवे | २४०७ | एवमस्य द | २१०६ | एवमुक्तस्तु | ८३९, |
| एवं सप्ताह | २८८६ | एवं हि पत्त | १ ४८९ | एवमस्य पु | १४०२ | ' | १९१०,२०२६, |
| एवं समः स | २१८७ | एवं हि भव | # ८ ०२ | एवमाख्याति | १२१० | | २७१२,२९४३ |
| एवं समस्य | २०६० | एवं हि भेव | : १ ९५७ | एवमाचर | ७३२ | एवमुक्ताः स | |
| एवं समाच | 983,8666 | एवं हि यो | ब्रा ५८४ | एवमाचार्य | ८६७ | एवमुक्ता म | |
| एवं समाप्य | २९८९ | एवं हि राष | न #२०५१ | एवमाज्ञाप्य | # २९३९ | एवमुक्तास्त्रि | ₹ ९४४ |
| एवं समास | ३००३ | एवं हि राश | T #2646 | एवमात्मप | २४४७ | एवमुक्ते तु | |
| एवं समाह | २३२१ | एवं हिं संपृ | २८८९ | एवमादिषु १ | ६०६,२६८१, | एवमुक्ते भृ | ८४२ |
| एवं स राजा | १८१३ | एवं हुष्टैर्नि | २८९४ | २६८ | ९,२८०७,पर | एवमुक्ती हि | |
| एंवं सर्वे वि | ७०२ | एव १ हैवंवि | ा ३ ५५ | एवमादीन् | १४१० | एवमुक्ती वि | |
| एवं सर्वमि | ९४६,१७७८ | एव ५ ह्यस | ाए ३१८ | एवमादीनि | ९८२,९८४, | एवमुक्तोऽपि | • |
| एवं सर्वमु | २७२५ | एवमग्राह्य | ६०३ | 3 | ४६६,१४६७, | 1 . | |
| एवं सर्वाम | ८२१ | एवमणून् | २५३४ | | ४६८, १७१ २, | 1 | |
| एवं सर्वास्व | २६०६ | एवमधार्मि | २८०२ | | ९८०,२४८५, | | |
| एवं सर्वेषु | | एवमन्यानि | . २ ४७४, | 1 | ५ ०४,२५०६, | | ७ २०५०,२४८५, |
| _ | ર ૨૪५ | | 2 284 | | ९१७,२९२०, | | २९१७ |
| एवं सहस्र | ३००१ | एवमन्ये द | * १९९१ | | | एवमुक्त्वा | ध्व २८६७ |
| एवं सहस्रा | २८३८ | एवमन्यैः के | १२३० | एवमादीन्य | # २५०४ | एवमुक्त्वा | नि ६४२ |
| एवं सांसिद्धि | ५६१,७३७ | एवमन्योन्य | २०६९ | एवमाद्या हि | २९ २२ | एवमुक्तवा म | |
| एवं सान्त्वस | १८९६ | एवमप्यशु | २४४६, | एवमाभिषे | २ ९४५ | | २८०३ |
| एवं सान्त्वेन एवं साम्ना च | #१ ९४७ | | # ₹४४७ | एवमामपा | २५३४ | एवमुक्त्वा (एवमुक्त्वा स | |
| एवं सिद्धिम | * ' | एवमभिषि | | | ४५०,२८१५ | एवमुक्त्वा स | |
| | २९०४ | एवमभ्यन्त | ı | एवमाश्वासि | २०२५ | 1.9 | २४८८ |
| एवं सिद्धिस्त्र | १८५२ | एवमभ्याहि | | एवमिक्ष्वाकु | १४४५ | एवमुक्त्वा ह | |
| एवं सिध्यन्ति | १३८२ | | 1 | एवमित्याख्या | १८३४ | एवमुत्तर | २८७८ |
| एवं सुगन्धि | 1 | एवमधेतृ | | एवमिमं य | ४१२ | एवमुत्तार्य | २७०१ |
| एवं स्तुता द | | एवमल्पश्रु | | एवमिमे स | 1 | | २१०४,२५५५ |
| एवं स्नातो घृ | | एवमनस्यं | T I | एवमिषीकाः | २५३५ | | २६७०,२७८७ |
| एवं खप्ने म | | | १७०३,२५५४ | एवमिष्विध्मे . | | एवमुप गृ | २ <i>०६</i> ७ |
| एवं खराणा | २५३० | एवमश्रुत । | १७६३,१७७२ | एवमुक्तः प | | एवमुपजा | |
| | | | | | | ***** | ं २३०३ |

| एवमुपल | २५ ६७ | एवमेव म | 2002 | (एष | ते विवि | ५९। | ७ एष | वे प्रजा | २६९, |
|----------------------|-------------------------|------------------------------|-----------------|-----------------|------------------------|----------------|-----------------|----------------------|-----------------------|
| एवमुभय | पप्र | एवमेव मै | २८५४ | एष | ते विहि | १०३ | | | २७५,३०१ |
| एवमुखाप | | एवमेव य | २०१५ | ् एष | त्रयीध | ८६९ | ९ एष | वै लोक | |
| एवमु स | च ५२८ | | #2 ८ | एष | दूतध | | | वै वरु | ३३५ |
| एवमेकाद | *१५२० | एवमेव वि | ७९८ | | दोषो म | पः | १ एष | वै सिव | २६ ० |
| एवमेकेन | | एवमेव हि | ५६० | | द्वितीयो | | | वो भर | १४५,१५० |
| एवमेकैश्व | | एवमेवाऽऽत्म | | 1 | धर्मः क्ष | | | | २६८,२८८ |
| एवमेतं म | | एवमेवेम | ર ૂપપ | | | २७५। | 9 एष | व्यूहामि | २७०६ |
| * | રહે ११,#૨७१૨, | | २७१ ४ | ્રાહ્ય | धर्मः स | १३५६ | `∣एष | शाकुनि | १०८८ |
| | २७१४,२७१८ | | ૨ ३५४ | 181 | धर्मः स्मृ | | ^९ एष | शैलैः शि | * ₹७२१ |
| एवमेतत् व | | एवा तस्मै ब | | एष | धर्मभृ | ७३८,८२ | ₹ তথ | श्वरूप | १६९५ |
| एवमेतत्पु | | एवा त्रिणाम | 800 | Rai | नः सम | ૨ ૪૫ | TRT | समब्यू | २७ २ २ |
| एवमेतद् | # € 00 | 1 | 3 | एष | निष्प्रति | २६५ ३ | 100 | ~ | २०६,२१४, |
| ध्वमेतद | २३ ९४ | , | | 1 3 | पक्षस्थि | २६५ ३ | ١ ا | רור א | २२५,२ २ ०, |
| एवमेतद्भ | | 1 . | | 1 - | पन्था उ | १८४ | lua | ह वै ज्ये | २९ <i>०</i> ५ |
| एवमेत ञ्च | | 1. | | 1 | | २६ ४७ | क्रम | ह वै पू | 360 |
| | २८०२ | | - | | प्रदेशो | २२७३ | na. | हि सर्वा | २ ९ ७ |
| एवमेतन्म | • | | | | प्रोक्तो वि | | ITRI | कुत्रिम कुत्रिम | २८४ <i>१</i> |
| | [‡] ११०३,१२४३, | 1 | | 1 | ब्रह्माभि | ७ इ ७ | ' 1 | क्षत्रम | |
| ¥ | :१६९९,१८१०, | | | | | २३७० | | ज्यायस्तु | ५०६ |
| | २०३३,२३५४, | | ०६५,११०३, | एष | भूतो भ | १०३५ | | दातार | # १०५३ |
| | २७११,२७१२, | ء ۶ | १७७४,२८२३ | एव | मुख्यत | २७६ १ | 12 | नियमः | #१३ ८८ १४९६ |
| _ | २७१९ | एष एवं वि | १५१८, | एष | मे पर | २९ ४३ | 1 . | पत्राणि | |
| एवमेतावा | २४३१ | | २९१ ३ | | योनिरा | ₹ १९ | 1 2 | प्रथाणि पुष्पाणि | १४६८ |
| एवमेते त | २७१४ | एष एवैक | ३१० २ | 1 | राजन् | | 1 2 | | २८४१ |
| एवमेतेषु | २८४० | एष खल्ज रा | રેદ્દરપ | | | ६६६ ५१,२०१४ | एवा | पूर्वव पश्चम | ;; |
| एवमेतैर्गु | \$\$ 008 | एष चतुर्थी | २६४८ | 2,, | ाया ५ ५५ राम प | | | प्टयक्त मानं गु | २०४८ २८३५ |
| एवमेतैर्म | | एष चरः प | i | • | यः कुशि | | | नाग ग्र १ राजा भू | |
| एवमेनं म | *२७० ९ | | २०४९ | . | न∙ कुश्या र•क्याध्य | | एषा | | २५०४ |
| एवमेव कु | | एष तत्रैव | १५१९ | एक व | क्षाया सर्वे | २७५८ ३०० | एषां र | सर्वत्र | ७ ६९९ |
| | १०७४,१६९३ | | २६४८ | एय एक | स. आसः स. आसः | 300 | ्र श्रेषां १ | हि बाहु | १४५५ |
| एवमेव च | | | २४८,२५४७ | ९५ व mas | ॥ अथ। ग्राह्म | २५७ २७५ | | हि सन्तो | રે પ હપ |
| एवमेव त | २६७१ | एष ते प्रथ | | | | 1 | | ते नैष्ठि | |
| एवमेव द्वि | 800 | ९५ त अप एष तेऽभिहि | १६१६ | एष व | | २५८, | | | १६९९ |
| | २७६६,२८१५ | nn 3 44 U2IAIE | *\$038 | | | २६०,३०७ | - | - · · | १०७३ |
| एवमेव प्र | ८०१,१५०१, | ५५ त राज एख ने रूट | ५७२ | | | १८३५ | - | | १२३० |
| | १९६८,२०४२ | रूग्य प्र एम तेलक्ष | १३६,१३७ १४४२ | | | ११० | • | | १२८९ |
| | , | F : M 2040 | 1004. | ४.अ. । ० | ₁ ગ્યુવ | 308 | ี 21หว | ુ જામાં | १९३१ |

| एषा प्रथम १२१०,१३१५ | | | ऐश्वर्यमिच्छ १२११ |
|------------------------|--|---|-----------------------|
| एषामकथ | | ऐन्द्रावेष्णवं ३१७ | ऐश्वर्यमृत्यु १५३७ |
| एषामन्यत | ऐकमत्येन १७६६,१७७९ | | ऐश्वयनुरू ११६३ |
| | ऐकाहिकं प्रा २११ | ऐन्द्री तेषु प्र २९१९ | ऐषामंसेषु . ४७४ |
| एषा मम म १८९३ | | ऐन्द्रीष्वेव प्रा ३५० | ऐषु नह्य वृ ५०९ |
| एषांमहं स ४६३ | ऐकाहिको म २१२ | ऐन्द्री हुताश *२५९१ | ऐष्टकाच्छैल ७४८ |
| एषामहमा ५०६ | ऐक्यसंयोग ५३८ | ऐन्द्री हौताश ", | ऐष्यामि भद्रे ४०३ |
| एषा वा ऊर्ध्वा ५५८,३०७ | ऐनं ब्रह्म ग ४१० | एन्द्रेण विधि २९४६ | ऐहिकव्यव ९०८ |
| एषा वा एत २५९ | ऐनं वाचा ग ११० | ऐन्द्रेशेशान २९९० | एहिकामुत्रि ७६७ |
| एषा वै दैवी ४६६ | ऐनं स्वा यन्ति ३५१ | ऐन्द्रैः प्राभाक २८८६ | ऐहिकामुब्मि ७३० |
| एषा वै प्रति ४३१ | ऐनमिन्द्रिय ४१० | ऐन्द्रोधर्मःक्ष ६३८ | ओंकारपूर्त २९०९ |
| एषावैसर्वा २९४ | ऐनान् चता ५१३ | ऐन्द्रो वै ब्राह्म ३३४ | ओंकारपूर्व २८९१ |
| एषा हत्वेवै ११३ | ऐन्दवे माष २५५० | ऐन्द्रो वै राज ३४१,३४२ | 1 |
| एषा हिवा ए २५४ | ऐन्द्र ऋषभः ३३४ | ऐरावतं ग ८२३ | ओंकारशब्दो ६८१,१३६२ |
| ण्षा ह्यस्य प | ऐन्द्र एकाद ३०५ | ऐरावतकु *१४४४ | ओं नमो भग २५२९ |
| एषा ह्येतस्य २९० | ऐन्द्र एष य ३५० | ऐरावताधि २५४५ | ओं पिङ्गले में " |
| एषा ह्रावैत २४८ | | ऐरावतिस | ओं प्रपद्ये भूः २९१४ |
| एषु राज्याभि २९७२ | ऐन्द्रं तेजस्व २४९१ | nasalw | ओं ब्रह्म ह वा ४४६ |
| एषु लोकेषु १०८,१०९ | ऐन्द्रं स्थानमु ९५० | | ओं शिवे ज्वाला २५२९ |
| एषु वस्तुषु २५९२ | ऐन्द्रजालिक १६६५, | एरावता स 🔭 ,, ऐरावतो म २९६३, | ओं शिवे शिव ,, |
| एपैव खर्छ ६४५ | २२७० | १९११ता म २५४३, | ओं श्रीं हीं हूं च ,, |
| एषोऽखिलः क ७१३ | ऐन्द्रजालिकं १११५ | · · | ओं सिद्धचामु " |
| एषोऽनुपस्क २७८० | ऐन्द्रमहः ४२२ | ऐलकश्यप १६१८ ऐलमन्त्रश्च २९६३ | ओं हीं श्रीं चामु " |
| एषोऽऽश्रमप ५८५ | ऐन्द्रमेकाद ७९,११६, | • | ओघ्घीगजाल १४१५ |
| एष्ट्यो ह वै २६ | १४२,१६३, | " | ओजः क्षत्रं वी २१४ |
| एष्ट्रव्योधर्म ११७५ | १६६,१७२,३१६, | 3 | ओजः क्षत्रम् २१२ |
| एष्यामि सर्वे २२६ | i i | ۱ ۶ | ओजश्र विन #१९१२ |
| एह यातु व ३९९ | ऐन्द्रव्यूहस्य २९८९ ऐन्द्रस्थानमु ९४२ | ऐशान्यां स्वपु २८८५ ऐश्वर्ये कथि *२९९४ | ओजसेत्र वि ३४१ |
| एहि जीवं त्रा २८४९ | 3 | एश्वय काय कर्रे ५६ ऐश्वर्य चीत्त २७९९ | 9. 3 |
| | ऐन्द्रामं द्वाद ११६,१३८ | | |
| | | एश्वय प्राच्य १५८५ ऐश्वर्यः कथि २९९४ | ओज३स्था नामा 😹७४ |
| _ | | ۱. ۰ | ओजस्येव वी ३२९ |
| एहीति ब्राह्म ४२५ | l ' | ऐश्वर्यधन ९६९,२०३१ | |
| _ | ऐन्द्रामिविदि . २९९० | ऐश्वर्यमद १०४२, | 1 |
| 2 | ऐन्द्रावेति त २५४३ | १११८,१७६६, | ओजस्येव भ ः ३३६ |
| 8.0 | ऐन्द्रामेन वि ५८१ | २०८२ | . ओजो देवानां ९६ |
| ऐकपद्येन २७८६ | ऐन्द्राभेयेन ६४२ | ऐश्वर्यमध्र ७४६ | ओजो रथः ३३६ |
| | | | - 174 |

| | . 2 | · | | 1 4 40 0 | | | |
|-------------------|---------------------|-----------------------------|------------------------------|------------------------------|---------------|---------------------------------|-----------------|
| ओजो वा इन्द्रि | . २ २१ ४ | 1 4 | | 1 - | १३९६ | कक्यां द्वितीया | २९३८ |
| ओजो वीर्ये त्रि | ३२९ | | |) <mark>औषधोपयो</mark> | १११६ | कक्ष्यान्तरेष्व | ९७२ |
| ओजो वै राष्ट्र | ३३६ | ् औदुम्बरी×् श | २ ३ २,२८७७ | 1 | ८०५ | कङ्कटकर्मा | २२८४ |
| ओड्राः पुलिन्दा | ५९३ | जादुम्बराप श औदुम्बरे पा | | ા જાય બહાલાર | *२७७५ | कङ्कराचत | २९९९ |
| ओते मे द्यावा | ४०१ | औद्भुम्बरे स | २६ <i>९</i> २ ३ ५७ | 190 H HIII I | ९३३, | कङ्कटा सुघ | 恭 ,, |
| ओतौ म इन्द्र | " | आहुम्बरे सु | | | १६०५ | कङ्कटा सुप | " |
| ओ त्ये नर इ | ३७१ | आहुम्बर छ औदुम्बर्यश्च | # ,, | कंन नारी व | ९३९, | कङ्कणं बाल | २८४३ |
| ओत्वक्ष्याभश्च | १३७० | 1 | २८८६ | | १६०५ | कङ्काः प्रयान्ति | \$ 2866 |
| ओदनेनोप | २५३ ४ | 1.13.11.0 | २१६ | म उपन्या | ११६३ | कङ्काली कल | २९९५ |
| ओमिति वै दै | १९४ | 1 | | 40410 | २७९८ | 1 | \$,, |
| ओमिति वै ख | ४४५ | A11. 87.41. 61.4 | | | | कङ्कोलाशोक | १४६८ |
| ओमित्यसौ यो | • • ~ | 1-111111111 | ६७२ | 1012/// | | क्चग्रहेण | २४१२ |
| | " | औपनिध्यं या | १८४१ | ı | ११०६ | कचिच पर | ६६० |
| ओमित्युक्त्वा तु | १४७४ | ાનનાલા2ક | २३१४ | कः कुतन्तीं घ | ६३७ | कचिच बल | ५४७ |
| ओमित्यृचः प्र | १९४ | ALCAD A | ९७० | कः कुतन्त्रीं घ | # ,,, | कचिच मुदि | ६६१ |
| ओम्यावतीं सु | ५३ | -11/0 600 | # १२९८ | कः क्षत्रमव | ५९४ | कच्चिच्च लोका | #६६० |
| ओषधिभ्यो म | ७८९ | औरसं तत्र | १२९७ | कः पार्थ शोचे | १०४९ | कचिञ्चापर | ५४४,६५९ |
| ओषधीनां च | १३६८ | | * १२९८ | कः प्रजाः पाल | ३५५ | क चिच्चाऽऽयव्य | # 488 |
| ओषघीनां फ | ७४५ | औरसं मैत्र | ,, | कः समर्थः पु | १५१३ | कचिच्चारान्नि | ५५० |
| ओषधीर्वा ए | ३५० | | ८५९,८६२ | कः समर्थः प्र | ८२५ | कचिच्चाविदि | ६६२ |
| ओषधीस्तेषु | २९७९ | 1 | २८० ४ | कः सुधीर्दत | १६८५ | क चिन्चित्यश | *६ ५९ |
| ओषध्यः पाद | २०१५ | और्जस्थ्यं विज | १९१२ | | ७७१ | कचिच्छारीर | ५५0 |
| ओषध्यस्तेज | | और्वे क्षारं का | १४६६ | कः स्विदेषां ब्रा | ४६८ | कचिच्छुचिकु ५ | ५०.२२०९ |
| ओष्ठं च द्वयङ्गु | | और्वः संवर्त | २९८ ४ | ककारादिह | २४७२ | कचिच्छुदस्व | २००८ |
| ओष्ठं तु द्वयङ्गु | # ,, | औषधं भिष | ९६ <i>०</i> | ककुदं सर्व | १३८८ | कचिच्छूराः कृ | *440 |
| ओष्ठापिधाना | " ,, ४ ६७ | औषधं रूप | १६३९ | ककुभं गच्छ | २४७२ | कचिच्छणोषि | ५५३ |
| औत्तमस्ताम | २९५८ | औषधानां च | १ ४९७ | | ४२९ | कचिच्छोको न | ५५१ |
| औत्तरपर्व | | औषधानि च ९८ | | कक्षपक्षाव | २७ ३ ४ | कचिजनप | ६६० |
| औत्पातिकान्य | २४८५, | | | कक्षपक्षोर - | | कचिज्ञानप 🚓६१ | ६१,१६६७ |
| office in the d | २९१७ | | ७,२५०८, | | " | कचि ज्ञितेन्द्रि | १२१४ |
| औत्पादिकी शा | २५७९ | | | कक्षस्थैर्दश कर्मा किसीना | २७५२ | कचिज्ज्ञातीन् प | ५४९,५५ १ |
| औदकं पार्व | | २६० औषधानि त्व | | कक्षां द्वितीया | #2936 | कचित्कारणि | પ ુ પ્પ |
| | | आषवाान त्व औषधानि स | | कक्षाभ्यांच प्र | २७३४ | सामार साराम क्रमिनकाड्ये व्य | ६६० |
| औद <u>क्</u> योर | | आववान स औषधानि से | | कक्षायां बध्य | रप १ ३ | कचित्काल्ये च | |
| औदकाः सृष्ट | | आष्यान स औष्धैर्मन्त्र | | कक्षीवन्तं स्तो | | कचित्कृतं वि | ५५३ |
| औदार्येण न | , | जानवमन्त्र औषषैर्विवि | 1 | कक्षे रुधिर | | कचित्कृषिक ६५ - | |
| | , • | -11331414 | 4284 | कक्षौ प्रकक्षौ | २७५१ | कचित्कोशं च ५४ | ४९,२२०९ |
| | | | | | | | |

| कचित्कोशश्च 🛊 | ५४९ | कचित्सङ्ग्राम | ६६०, | कचिदष्टाङ्ग | ५४८ | कचिद्रलस्य | ર ૫ ૪૬ ું |
|----------------------|-------------|-----------------|---------------|--------------------------|-----------------------|------------------------------|----------------------|
| कचित्कत्ने । | ५५१ | | २३५९ | कचिदष्टाद | ५४५, | | ६६१,१५०८ |
| कचित्तव गृ | ,, | कञ्चित्सदा त | ६६२, |] | ६६१,१६४१ | कचिद्वलेना | ५५० |
| | ५५३ | ĺ | १४४५ | कचिदस्राणि | | कञ्चिद्धीजं च | ५४९ |
| | ६६० | कञ्चित्सभायी | ६६० | कचिदाचरि | ५४२ | कचिद्धक्यं त | ६६० |
| कचित्ते दुर्ब ं | ५५१ | कञ्चित्समस्तै | ६६३, | कचिदात्मस | ५४४,६५९, | किच्चद्भयादु | ५४७ |
| | ६६० | | १७६४ | | १२४०,१२४६ | कञ्चिद्रक्ताम्ब | ५५०, |
| कचित्ते पुरु ५५३,२ | | कञ्चित्सर्वाणि | * ६६२, | कचिदात्मान | · | | २२०९ |
| कचित्ते बलि ६६१,१ | | | * १४४५ | कचिदात्ययि | # 440 | कञ्चिद्राजक | ५४५ |
| ^ ` | ६६२ | | ५४६,५५१, | कचिदाभ्यन्त | | कञ्चिद्राजगु | ५४२, |
| 0 5 0 | | #6 | ६१,*१५०८ | कचिदायव्य | ५४९,२२०९ | | १९०० |
| | (88, | किचित्सहस्रा | # ६५९, | कचिदायस्य | ५४९ | किन्नद्राष्ट्रे त | ५४९ |
| #& ५ ९,१७ | ,५५, ७६४ | | *१२२३ | कचिदार्यो वि | - | कञ्चिद्विदित्व | |
| कचित्ते यास्य ५४८,१९ | | कञ्चित्सहस्रै | ५४५ | कचिदा रांस | ६६० | | २२०९ |
| | | कञ्चित्सुमुदि | #६६१ | कचिदुन्नत े रे | " | कञ्चिद्धिद्यावि | |
| o | ०७२ | कञ्चित्सूत्राणि | | कचिदेतान् | ६६३ | कञ्चिद्धिनय | ५४५, |
| ~ | ६६ १ २ | कञ्चितस्त्रयः | | कचिदेषां प्रि | | | ६५८,१६२३ |
| कचित्ते सफ ५५२, | | | #६६० | कचिदेषा च | ५५२ | कञ्चिद्वृत्तिमु ========= | |
| | ५५१ | किन्तिस्वनुष्टि | | कचिदेषैव | ६६३ | कच्चिद्वृद्धांश्र | |
| | ६५९ | 1 | ५४८,२२०९ | कचिद्गुरूश्च | ६६२ | कञ्चिद्वैद्याश्चि | ५५१, १ ६३५ |
| कचित्वंनत २ | ٥ ٥ د | कञ्चित्स्वादुकृ | #६६० | कचिद्दण्डयेषु | ५५० | कच्चिद्यपास्ता | |
| कचित्त्वं युध्य । | ६६१ | कचिद्रिभ | ५५३ | कचिद्दर्शय | ५५०, | कञ्चिद्यसनि | 480 |
| कचित्त्वं वर्ज ५ | 42, | कचिद्गिषु | ५४६,६५९ | | ६६० | कञ्चित्र कृत | # 483 |
| ६६३,१ | १७७ | कचिदङ्गेषु | ५४६,१६३५ | कचिद्दशर | ६५८ | कञ्चित्र किय | ६५९ |
| | ५४७ | कचिदन्धांश्च | ५५३ | कचिद्दानव | ६६१, * १६६७ | कञ्चिल गणि | •६६० |
| कचित्वां नाव ५४६, | | कचिदभ्यव | ५४८,२२०९ | कचिहारान् | *१५५७ ५४७ | कञ्चित्रगर | ५५० |
| | दं६ ० | कचिदभ्यस्य | ५५३ | कचिद्दुर्गाणि | i | कञ्चित्र चौरै | •489 |
| _ | ५४७ | कचिदभ्याग | ५५३,२२०९ | कचि दे वान् | ६५९ | कञ्चित्र तर्के । | ९४३, #६५९ |
| कचित्पूर्वीतु ६६१,१५ | ५०८ | कचिद्ये च | ५४२,६६२ | कचिद्द्रिषा | 484 | कचित्र दुर्व | •448 |
| कचित्पौरान ध | ५५१ | कचिद्धे वि | ६५९ | कचिदुद्दी प्र | ५५० | कचिन्न पाने | ५४९ |
| कचित्प्रकृत ५४३,१ | १६५ | कचिदर्थय | # 440 | कचिद्धरिद्रा | १४७६ | कचिन भक्त | ٠,, |
| कचित्राणांस्त ५४६,* | ६६१ | कचिदर्थान् | ५४४ | कचिद्धमें त्र | ५५१ | कचित्र माना | ५५१ |
| | ५५१ | कचिदथश्चि | ५४२ | कचिध्दृष्टश्च | ५४६, | कचित्र मुच्य | ५५२,६६२ |
| कचित्प्रयाः स | ६६० | कचिद्धेन | ५४२,६६२ | | ६६१,२३५३, | कचित्र राज्य | ६५९ |
| कचित्संधिय ५ | 488 | कचिद्रथेषु | ५४९,२२०९ | | २३५९ | कचित्र राष्ट्रे | ६६१ |
| कचित् संवृ 🐞 | " | कचिदश्वाश्च | ६६० | कचिद्धलं ह | | | ५५९ ५४९,३३०९ |
| • | | | | • | # ,40 | (a.a. \$241 | 10234408 |

| कचित्र छुन्धे | ५४९ | कण्टकशोध | १६४७ | कथं | तत्प्राप्य | # ६ २४ | ,∣कथं संप्रति | •२७६५ |
|----------------------------|---------------------|-------------------|---------------|-------|-----------------|---------------|---------------------|-----------------------|
| कचित्र लोका | ६६० | कण्टकाञ् शो | १४१७ | İ | | | कथं स प्रति | ,, |
| कचित्र लोभा | ष्५१,*५५१ | | १६६० | कथं | तस्मात्स | १०४७ | कथं समीय | ર હંપ ૬ |
| कचित्र श्रद | ५५०,६६० | कण्टिकद्रम | २५१४ | क्यं | तस्य क | ८५८ | | 1669 |
| कचित्र सर्वे | ५४४,६६२ | कण्टकेन क | २६९६ | कथं | तु पुरु | | कथ सोऽनुशि | ३५३ |
| कचिन्नागव | ६६० | कण्टकोद्धर | ७०९, | कथं | तेनैव | १७११ | | *१८९९ |
| कचित्रागव | * ,, | | | | त्वया ब | १०९३ | कथं स्थादि | १०७२ |
| कचिन्नामन्त्रि | ६५९,१७६४ | कण्टकोऽपि हि | २०४६ | | द्रोणो म | २७५९ | कथं स्वविष | १९७९ |
| कचिनिद्राव | ५४४,६५९ | कण्टको ह्यपि | १८८६ | | धर्मे च | ५९३ | | १८१० |
| कचित्रैको ब | ५४७ | कण्ठं च द्वयङ्गु | ७२९८९ | | | ٠,, | कथं हि चत | २८५७ |
| कचिन्नोप्रेण | ५४६,६६१ | कण्ठं तु द्वचङ्गु | " | l l | धर्मे स्था | ६११ | कथं हि नाऽऽश्र | |
| क्चिन्मनुष्य | ६६२ | कण्डगतेर | ७७१ | | धारयि | ११२३ | कथं हि नीचा | २४२३ |
| कचिन्मन्त्रय | ५४४,६५९, | कण्ठदेशे नि | २८८५ | l . | नाम म | ११२९ | कथं हि पाण्ड | १८९९ |
| • | १७६१,१७६४ | कण्ठे तु भोग | २५०२ | 1 . | | १०८९ | क्रकों कि सकि | |
| कचिन्मुख्या | | कण्ठे बध्द्वा | २४९९ | 1 | | २९ ३२ | कथं हि राजा | " २० ३ ४ |
| W- 3 C 11 | ६५९,१६९९ | 11.011 14 | #२९९ ६ | 1 . | नु पुरु | २०१९ | कथं हि शाखा | |
| कचिन्मूर्वस | ६५९,१२२३ | कण्डिनी पेषि | " | 1 . | नु प्राप्य | ६२४ | कथं हि स्वज | २०४२ |
| कचिन्मूलं द | 486 | कण्डूतिः पञ्च | २९६१ | ı | नु शाला | १८८७ | कथं ह्येतद | १९०९ |
| कचिछवं च | | कण्डूतिर्दक्षि | २५१४ | 1 | प्रवर्ते | १३१८ | कथमराज | * ₹४०० |
| कटंकटा प | ,, क १४६५ | कण्डूयति च | ९८२ | कथं | भीष्मं स | २७०५ | | ७८९ |
| कटिदेशस्त | २९७३ | कतरत्त आ | १०८ | कथं | मित्रम | २०१९ | | ४,२००३ |
| | ર | कति चाऽऽकर | १२६८ | | • | १९११ | कथमल्पेन | २७०५ |
| कटीकदूर | १५१२ | कति दत्तं हि | १५३४, | कथं | यास्यसि | १२२२ | कथमापत्सु | ६३४ |
| कटीदेशस्त | # २९७३ | | १७५७ | कथं | राजा प्र ६५ | .१,१०६४ | कथमीहग | २४०० |
| कड़कालाबी | २६५ ४ | And Andrea | १०८५ | | राजा स्थि | ११०४ | कथमेको म कथमेतदि | ७९० |
| कटेर्गुप्तं कु | २८८२ | | २८८२ | | वानर | १७६६ | कथमताद कथमेष स | १८३४ |
| कट्फलद्र | २६६२ | • • • • • • • | ६१९ | कथं | वा शत्रु | २०१९ | | 990 |
| कट्यां बद्ध्वा | 1 | कथं च दण्डं | १९७९ | | विजेतुं | # १८९९ | कथयन्ति पु | १७९४ |
| कठिनानां मृ | ९७४ | कथंच मांन | १०९३ | कथंवि | धं पु | १४४१ | कथयन्ति सम | ८४० |
| कडङ्गद्वार कडङ्गद्वार | 2499 | कथंच राजा | C 3 V | | া ঘা श্च | १६३२ | कथयन्तो मि | २९४१ |
| क डङ्गरस्या | | कथं च वर्त | 8034 | | विषहि | १८९९ | कथयस्व त्व | २४९७ |
| कणपपरि | | कथं चाराज | 400 | | | | कथयांचिक | 8 680 |
| कणिकं मन्त्रि | | कथंचिदेव | 40761 | _ | ह्यान | _ 1 | कथयामास | ६२६ |
| कणिक त्वं म | " | कथंचिद्यदि | 1001 | | नानु | | कथयेदुच्च | २५३० |
| कणिका दास | | कथं चोत्पादि | 9 / - / | | नाऽऽश्व | २०३४ | कथान्तरम | १५०२ |
| कणिङ्कमुप कणियानां त्रि | | कयं ज्येष्ठम | | | । सफ | ५५२ | कथान्तराणि | #१७२६ |
| चागपामा वि | * \$ 8€8 | कथं ज्येष्ठान | 29 | कथं इ | गुकस्य | ८३७। | कथान्तरे न | १७५२ |
| | | | | | | | | |

| १७२६,१७४५ कदबेखार्थ ७७५ क्रांबिस प्र १९१० क्रांपित प्र १६६६ क्रांबिस प्र १८१० क्रांबिस प्र १८६६ क्रांबिस प्र १८५० क्रांबिस प्र १८५०,१२६० क्रांबिस प्र १८५०,१२६० क्रांबिस प्र १८५०,१२६० क्रांबिस प्र १८५० क्रांबिस | कथान्तरेषु | १७१५. | कदम्बाशोक | १४३१ | कनीय ऐक्वा | १९० | कपिप्छतो मे | २३१० |
|---|----------------|------------------------|--------------|---------------|----------------|-------------|-------------|---|
| क्यानिरत् ८०३ कदलित्रमा २२६६ कनीयख न , , , , , , , , , , , , , , , , , , | - | • | | | | | | |
| कथायां धर्म ८६० करले जिल्ला २८५६ कानीयाश्यी स्तो ४३४ किएलसाम २९६६ कायायोगेषु १२४०, वर्ष कानीयानम ८३८ क्यायोगेषु १२४०, वर्ष कानीयानम ८३८ क्यायोगेषु ११४६, वर्ष का विल्ला १६९६ क्यायायेन १८५६ क्यायां समा १८५६ क्यायां सम १८५६ क | | • | 1 | | _ | | 1 | |
| स्थायोगेषु १२४७, १२५६,१२६० कयारमेषु %१७६६ कयादाकाळ १६६६ कदाविल्ला १६६६ कदाविल्ला १६९६ कदाविल्ला १६९६ कदाविल्ला १६९६ कदाविल्ला १६९६ कदाविल्ला १६९६ कदाविल्ला १६९६ कदाविल्ला १६९६ कदाविल्ला १६९६ कदाविल्ला १६९६ कदाविल्ला १६९६ कदाविल्ला १६९६ कदाविल्ला १६९६ क्या होषे १७६६ कदाविल्ला १६९६ क्या होषे १७६६ कदाविल्ला १६९६ क्या होषे १७६६ कदाविल्ला १६९६ क्या होषे १७६६ कदाविल्ला १६९६ क्या होषे १७६६ क्या होषे १९६६ | कथायां धर्म | ८६७ | l | | | _ | 1 | |
| हर्पह, १६६० क्या स्वाचित्र १६६६ क्या स्विचाः २०६२ क्या स्विचाः २०६२ क्या स्विचाः २०६२ क्या स्विचाः २०६२ क्या स्विचाः २०६२ क्या स्विचाः २०६२ क्या स्विचाः २०६५ क्या स्वेषं १०६६ | कथायोगेषु | १२४७, | 1 | | 1 | | | |
| क्या विकाशः २०९२ क्याव्यक्के १७५५ क्याव्यक्के १७५५ क्याव्यक्के १७५५ क्याव्यक्के १७५५ क्याव्यक्के १७५५ क्याव्यक्के १७५५ क्याव्यक्के १७५५ क्याव्यक्के १७५५ क्याव्यक्के १७५५ क्याव्यक्के १७५५ क्याव्यक्के १७५५ क्याव्यक्के १७५५ क्याव्यक्के १७५५ क्याव्यक्के १७५५ क्याव्यक्के १७५५ क्याव्यक्के १७५५ क्याव्यक्के १०९५ क्याव्यक्के १०९५ क्याव्यक्के १०९५ क्याव्यक्के १०९५ क्याव्यक्के १०९५ क्याव्यक्के १०९५ क्याव्यक्के १०९५ क्याव्यक्के १०९५ क्याव्यक्के १०९५ क्याव्यक्के १०९५ क्याव्यक्के १०९५ क्याव्यक्के १०९५ क्याव्यक्के १०९६ क्याव्यके १०९६ क्याव्यके १०९६ क्याव्यके १०९६ क्याव्यके १०९६ क्याव्यक्के १०९६ क्याव्यके १ | | ५६,१२६० | | | कन्दमूलफ | | | - |
| कथा वाचनाः १७६२ क्यावित्तृषि १२६५, क्यावेत्तृषि १२६५, क्यावावाचनीः १७६५ क्यावाचनीः १७६५ क्यावाचनीः १८६५ क्यावाचनीः १८६५ क्यावाचनीः १८६६ क्यावाचनाः १८६६ क्यावाचचनः १८६६ क्यावाचचनः १८६६ क्यावाचचः १८६६ क्या | | | 1 - | १६९६ | कन्दराशैल | *२६८१ | कपिला चाति | २९९७ |
| क्यायवनके १७५९ हर्श, २००३ नदिष्ण व १०५९ क्याया दोषे १९१५ क्या दोषे १९१५ क्याया दोषे १९१५ क्याया दोषे १९१५ क्याया ते १०९१ क्याया ते १०९१ क्याया ते १०९१ क्याया ते १०९१ क्याया ते १०९१ क्याया ते १९९० क्याया ते १९०० क्याया ते १९०० क्याया ते १९९० क्याया ते १९९० क्याया ते १९०० क्याया ते १९९० क्याया ते १९०० क्या | · · | २७९२ | कदाचित्कुपि | १२९५, | कन्दरे शैल | २६७१, | 1 | |
| कथायु दोष १७१५ कदाचितं च कर०१७ कदाचितं च कर०१७ कदाचितं च १०११ क्यायु दोष १०११ कदाचितं च १०११ क्यायु दोष १०११ क्यायु दोष १०११ क्यायु दोष १०११ क्यायु दोष १०११ क्यायु दोष १०११ क्यायु दे १० | | | | | | ર | | |
| कथाते कन कर ९९१ क्वाचित्रज्ञ | | १७१५ | कदाचित्तं ज | # २०१७ | 1 | | _ | |
| क्यां गोम | | •• | | " | | | l | |
| कथितं चाणि के , , कदाचिदत्र के , , कदाचिदत्र के , , क्यागते से प्रश्च क्याते चाणि के , , कदाचिद्वप प्रश्च क्याता से से प्रश्च क्याता से प्रश्च क्याता से से प्रश्च क्याता से से प्रश्च क्याता से | | | कदाचित्तत्र | २०२१ | | | कपिछकं ते | # १४६६ |
| कथितं वाम्मि | • | • २९९२ | कदाचिदत्र | * ,, | | | | |
| कथितं तव २९९८ कदाचिद्रस | | •• | _ | | _ | २१३० | कपिसंस्था म | २८९७ |
| कथितं प्रथ | | | 4 | | कन्यानां संप्र | ९४६,१७७६ | कपृत्ररः क | ३८६ |
| कथितं सि | | | कदाचिद्धर | ८६६ | | | कपोतकोऌ | २५२० |
| कथितं लिघ के , , कदाचिद्विम २१३८ क्यांसिक्ष म २९४३ क्यांताख म २८०३ क्यांत थांड कर १४७६ क्यांत थांड कर १४७६ क्यांत खेंड कर १८४५ क्यांत खेंड कर १८४५ क्यांत खेंड कर १८४५ क्यांत खेंड कर १८४५ क्यांत खेंड १८४५ क्यांत खेंड १८४५ क्यांत खेंड १८४५ क्यांत खेंड १८४५ क्यांत खेंड १८४५ क्यांत खेंड १८४५ क्यांत खेंड १८४५ क्यांत खेंड १८४५ क्यांत खेंड १८४५ क्यांत खेंड १८४५ क्यांत खेंड १८४५ क्यांत खेंड १८४५ क्यांत खेंड १८४५ क्यांत खेंड १८४५ क्यांत खेंच १८४५ क्यांत खेंच १८४५ क्यांत खेंच १८४५ क्यांत खेंच १८४५ क्यांत खेंच १८४५ क्यांत खेंच १८४८ क्यांत ६८१४ क्यांत खेंच १८४८ क्यांत खेंच १८४८ क्यांत खेंच १८४८ क्यांत खेंच १८४८ क्यांत खेंच १८४८ क्यांत खेंच १८४८ क्यांत खेंच १८४८ क्यांत खेंच १८४८ क्यांत खेंच १८४८ क्यांत खेंच १८४८ क्यांत खेंच १८४८ क्यांत खेंच १८४८ क्यांत खेंच १८४८ क्यांत खेंच १८४८ क्यांत खेंच १८४८ क्यांत खेंच १८४८ क्यांत खेंच १८४८ क्यांत खेंच १८४८ क्यांत खें | | | कदाचिद्भ्रम | #१६९६ | कन्यापुत्रदा | २१०७ | कपोतमग्रि | # १०९० |
| कथितं छोक १४७६ कदाचिद्वयस २०२२ कयामध्योत्त २८७४ क्योताच प्र २८७३ क्यांत छोड ७२९९४ कदाचित्रापि ९६१ क्यांत छम ७२९९८ क्यां ताम छ ७८४५ क्यां वर्चो ४०७ क्यांती छन्य १०८८ क्यांती छम ७२९९८ क्यांत हो म ४२९९६ क्यांत हो म १९९६ क्यांत छम २९९४ क्यांत छम २९९४ क्यांत छम २९९४ क्यांत छम २९९४ क्यांत छम २९९८ क्यांत छम २९९८ क्यांत छम २९९८ क्यांत छम २९९८ क्यांत छम २९९८ क्यां छ्यां २८४८ क्यां छ्यां स्था १९९५ क्यां छ्यां २९९१ क्यां छ्यां २९९१ क्यां छ्यां २८४८ क्यां छ्यां २९९१ क्यां छ्यां २९९१ क्यां छ्यां २९९१ क्यां छ्यां २९९१ क्यां छ्यां २९९१ क्यां छ्यां २९९१ क्यां छ्यां २९९१ क्यां छम १९९५ क्यां छ्यां २९९१ क्यां छ्यां २९९१ क्यां छ्यां २९९१ क्यां छम १९९५ क्यां छ्यां २९९१ क्यां छम १९९५ क्यां छ्यां २९९१ क्यां छ्यां २९९१ क्यां छ्यां २९९५ क्यां छ्यां २९९५ क्यां छम १९९५ क्यां छ्यां २९९५ क्यां छ्यां २९९५ क्यां छ्यां २९९५ क्यां छम १९९५ क्यां छ्यां २९९५ क्यां छ्यां २९९५ क्यां छ्यां २९९५ क्यां छ्यां २९९५ क्यां छम १९९५ क्यां छ्यां २९९५ क्यां छ्यां २९९५ क्यां छ्यां २९९५ क्यां च्यां २९९१ क्यां छ्यां २९९१ क्यां च इत्यां २९११ क्यां च इत्यां २९९१ क्यां च इत्यां २९९१ क्यां च इत्यां २९९१ क्यां च इत्यां २९११ क्यां च इत्यां २९११ क्यां च इत्यां २९११ क्यां च इत्यं च इत्यां २९११ क्यां च इत्यां २९११ क्यां च इत्यां २९११ क्यां च इत्यां च इत्यां २९११ क्यां च इत्यां च इत्यं च इत्यां च इत्यं च इ | | *२९९३ | कदाचिद्रम | ,, | कन्याप्रकर्म | ६७३ | l . | ,, |
| कथितं घोड | | * ,, | कदाचिद्विग्र | २१३८ | | २९४३ | 1 | १०९३ |
| कथितं सुम कर्शर कदा नाम सु कर्श क्या नाम सु क्या नाम | कथितं लोक | १४७६ | कदाचिद्वयस | २०२२ | कन्यामध्योत्त | २८७४ | | - |
| कथितं सुम | कथितं षोड | # ₹९ ९ ४ | कदाचित्रापि | ९६१ | 1 | - | | |
| कथितः कन २९९१ क्यां सम १९८५ क्यां सम १९८४ क्यां सम १९८५ क्यां स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं सम १९८५ क्यां स्वरं | | \$ ₹९९८ | 1 | | कन्यायां वर्ची | ४०७ | 1 | |
| कथितः कन २९९१ क्रियतः षोड २९९४ क्र्यः क्रोधव २९५६ क्रयांसंध्ये र २८९५ क्रयांसंध्ये र २८९५ क्रयांसंध्ये र २८९५ क्रयांसंध्ये र २८९५ क्रयांसंध्ये र २८९५ क्रयां छादाया २१०७ क्रयां छादाया २१०७ क्रयां छादाया २१०७ क्रयां छादाया २१०७ क्रयां छादाया २१०७ क्रयां छात्र २८४८ क्रयां छात्र २८४८ क्रयां छात्र २८४८ क्रयां छात्र २८४८ क्रयां छात्र २८४८ क्रयां छात्र २८४८ क्रयां छात्र २८४८ क्रयां छात्र २८४८ क्रयां छात्र २८४८ क्रयां छात्र २८४८ क्रयां छात्र २८४८ क्रयां छात्र २८४८ क्रयां छात्र २८४८ क्रयां छात्र २८४८ क्रयां छात्र २८४८ क्रयां छात्र २८४८ क्रयां छात्र २८४६ क्रयां छात्र २८४६ क्रयां छात्र २८४६ क्रयां छात्र २८४६ क्रयां छात्र २९४४ क्रयां छात्र २८४६ क्रयां छात्र २९४४ क्रयां छात्र २९४४ क्रयां छात्र २९४४ क्रयां छात्र २९४४ क्रयां छात्र २९४४ क्रयां छात्र २९४४ क्रयां छात्र १४७१ क्रयां छात्र १४७१ क्रयां छात्र १४७१ क्रयां छात्र २९४४ क्रयां छात्र २९४४ क्रयां छात्र १४६९ क्रयां छात्र २९२१ क्रयां छात्र २९२१ क्रयां छात्र २९२१ क्रयां छात्र २९२१ क्रयां छात्र २९२१ क्रयां छात्र २९२१ क्रयां छात्र २९२१ क्रयां छात्र २९२१ क्रयां छात्र २२२१ क्रयां छात्र २२२१ क्रयां छात्र २२२१ क्रयां छात्र २२२१ क्रयां छात्र २२२१ क्रयां छात्र २२२१ क्रयां छात्र २२२१ क्रयां छात्र २२२१ क्रयां छात्र २२२१ क्रयां छात्र २२२१ क्रयां छात्र २२२१ क्रयां छात्र २२२१ क्रयां छात्र २२२१ क्रयां छात्र २२१ क्रयां छात्र २२२१ र छात्र | | *२९९६ | 1 - | | | - | | |
| कथितः स्रम २९९४ कमकं राज २८३९, कप्या स्रदाया २१०७ कमलं तो म ७९७ कप्या स्रदाया २१०७ कमलं वाऽऽलि २९८८ कमलं राज २८४१ कपाटतोर १४४३ कमलं वा लि कमलं | कथितः कन | २९९१ | | | 1 | | _ | |
| कथितः सुम २९९८ २८४४,२८४७ कन्या छदाया २१०७ कमलं चाऽऽलि २९८८ कमलं राज २८४१ क्ष्यतश्चाणि २९९२ कनकं राज २८४८ क्ष्यतश्चाणि २९९१ कनकंदीनां २८४८ क्ष्यताः सत १६५५ कनकेरम्ख २८८६ क्ष्यताः से १६५५ कनकेरम्ख २८८६ क्ष्यताः से १६५५ क्ष्यताः से १६५५ क्ष्यताः से १६५५ कनिष्ठं तत्र १२०५ क्ष्यता यत्र ८९२ क्ष्यतो गोमु २९९२ क्ष्यतो गोमु २९९२ क्ष्यतो गोमु २९९२ क्ष्यतो महि २९९३ क्ष्यतो मुद्ध २९९२ क्ष्यतो युद्ध २९९२ क्ष्यतो युद्ध १८९२ क्ष्यतो युद्ध १८९२ क्ष्यते हि २९९३ क्ष्यतो हि २९९३ क्ष्यतो हि २९९३ क्ष्यतो हि २९९३ क्ष्यतो हि २९९३ क्ष्यते हि २९९३ क्ष्यते हि २९९३ क्ष्यते हि २९९३ क्ष्यते हि ४९९३ क्ष्यते हि ४९९४ क्ष्यते हि ४९९४ क्ष्यते हि ४९९४ क्ष्यते हि ४९९४ क्ष्यते हि ४९९४ क्ष्यते हि ४९९४ क्ष्यते हि ४९९४ क्ष्यते हि ४९९४ क्ष्यते हि ४९९४ क्ष्यते हि ४९९४ क्ष्यते हि ४९९४ क्ष्यते हि ४९४४ हि ४९४४ हि ४९४४ हि ४९४४ हि ४९४४ हि ४९४४ हि ४४४४ हि ४४४४ हि ४४४४ हि ४४४४ हि ४४४४ हि ४४४४ हि ४४४४ हि ४४४४ हि ४४४ हि ४४४४ ि ४४४४ कथितः षोड | २९९४ | | | · - | | | |
| कथितश्चाणि २९९२ कनकं राज २८४१ कपाटतोर १४४३ कमलं वा लि कमलं वा लि कमलं वा लि कमलं वा लि कमलं वा लि कमलं वा लि कमलं वा लि कमलं वा लि कमलं वा लि कमलं वा लि कमलं वा लि कमलं वा लि कमलं वा लि कमलं वा लि कम्पाना च वि २९७० कथिताः सेप ८९० कमिलं वा लि कम्पाना च वि २९७० कथिता यत्र ८९२ कमिलं वत्र १२०५ कपालसंधि २११४ कम्पावर्तन २९२१ कथितो गोमु २९९२ कमिलं प्रत्य १३०१ कपिज्ञला ग १४७१ कम्पावर्तन २९२१ कथितो युद्ध २७८८ कमिलं मध्य १३७१ कपिज्ञला कम्पान् केच २२३७ कथितो युद्ध २९८२ कमिलं मध्य १२०५ कपिर्थनुष्ठ १४६९ कम्बलाजिना २१०१ कथितो लि स् २९९३ कम्बलाजिना २१०१ कपिरथनुला २२९१ कम्बलाजिना २९०१ कम्बलाजिना २१०१ कम्बलाजिना २१०१ कम्बलाजिना २१०१ कम्बलाजिना २९०१ कम्बलाजिना २१०१ कम्बलाजिना २९०१ | कथितः सुम | २९९८ | l . | | | | | |
| कथितश्चाम्ब २९९१ कनकादीनां २८४८ क्ष्मण्ड य २११३, कम्पना च वि २९७० क्ष्मिताः सत १६५५ क्ष्मेरम्ब २८८६ क्ष्मिताः सोप ८९० क्ष्मिताः सोप ८९० क्ष्मिता यत्र ८९२ क्ष्मिता यत्र ८९२ क्ष्मिता गामु २९९२ क्ष्मितो गामु २९९२ क्ष्मितो गामु २९९२ क्ष्मितो गामु २९९२ क्ष्मिता ४९०१ क्ष्मिता गामु २९९२ क्ष्मिता गामु २९९२ क्ष्मिता १९०१ क्ष्मिता गामु २९९२ क्ष्मिता १८० क्ष्मिता गामु २९९२ क्ष्मिता १८० क्ष्मिता गामु २९९२ क्ष्मिता १८० क्ष्मिता गामु २९९२ क्ष्मिता १८० क्ष्मिता गामु २९९२ क्ष्मिता १८० क्ष्मिता गामु २९९२ क्ष्मिता १८० क्ष्मिता गामु २९९२ क्ष्मिता १८० क्ष्मिता गामु २९९१ क्ष्मिता गामु २९९१ क्ष्मिता गामु १८०१ क्ष्मिता गामु १८०१ क्ष्मिता गामु १८०१ क्ष्मिता गामु १८०१ क्ष्मिता गामु १८०१ क्ष्मिता गामु १९०१ क्ष्मिता गामु १९०१ क्ष्मिता गामु १९०१ क्ष्मिता गामु १९०१ क्ष्मिता गामु १९०१ क्ष्मिता गामु १९०१ क्ष्मिता गामु १९०१ क्ष्मिता गामु १९०१ क्ष्मित्र गामु १९०१ क्ष्मेर्थ १९ | कथितश्चाणि | २९९२ | | | | | | |
| कथिताः सत १६५५ कनकेरम्ख २८८६ वर्षाण्डसि २११४ कम्पान च वि ३८९६ कथिता यत्र ८९२ कनिष्ठं तत्र १२०५ कपालसिश्र २१९४ कम्पोद्धर्तन २९२१ कथितो गोमु २९९२ कनिष्ठं फल २५३१ कपिज्ञला ग १४७१ कम्पोद्धर्तन २९२१ कथितो युद्ध २९८८ कमिष्ठं माता १८७ कपित्रयुष्ठ १४६९ कम्पोद्धरान २१०१ कथितो लघ २९९३ कनिष्ठः सचि १२०५ कपित्रयुष्ठ १४६९ कमा च वृत्त्या ६०१, | कथितश्चाम्बि | २९९१ | कनकादीनां | | | | | • |
| कथिताः सोप ८९० किनकदज्ज २४७५ कपालसंधि २११४ कम्पयन् द्वि २८८६ कथिता यत्र ८९२ किनेष्ठं तत्र १२०५ कपालसंध्र २१९४ कम्पोद्धतेन २९२१ कथितो गोमु २९९२ कनिष्ठं फल २५३१ किपिज्ञला ग १४७१ कम्पोद्धलन काथितो महि २९९३ कनिष्ठं मध्य १३७१ किपिज्ञला का १८७ कम्बलः केच २२३७ कथितो युद्ध २९८२ कनिष्ठं माता १८७ किपित्थकुष्ठ १४६९ कम्बलाजिना २१०१ कथितो लिप २९९३ कनिष्ठः सचि १२०५ कपित्थकुष्ठ २९९१ कनिष्ठः सचि १२०५ कम्बलाजिना २९०१ कम्बलाजिना २९०१ | कथिताः सत | १६५५ | कनकैरम्बु | | कपाल उप | | | • |
| कथिता यत्र ८९२ किनष्ठं तत्र १२०५ कपालसंश्र २१९४ कम्पोद्धर्तन २९२१ कथितो गोमु २९९२ किनष्ठं फल २५३१ किपिज्ञला ग १४७१ कम्पोद्धेलन काथितो मिह २९९३ किनष्ठं मध्य १३७१ किपिज्ञला का ५,, कम्बलः केच २२३७ कथितो युद्ध २७८८ किमि मध्य १२०५ किपित्थकुष्ठ १४६९ कम्बलाजिना २१०१ किमि २९९३ किनष्ठः सचि १२०५ किपित्थकुष्ठ २९९१ कम्बलाजिना २१०१ कम्बलाजिना २१०१ | कथिताः सोप | ८९० | | | कपालमंधि | i | | |
| कथितो गोम २९९२ किनिष्ठं फल २५३१ किपिज्ञला ग १४७१ कम्पोद्वेलन का भ भ कम्बलः केच २२३७ कथितो युद्ध २७८८ किमिश्र माता १८७ किपित्थकुष्ठ १४६९ कम्बलाजिना २१०१ कथितो लिघ २९९३ किनिष्ठः सचि १२०५ कपित्थकुष्ठ २९९१ कया च वृत्त्या ६०१, | कथिता यत्र | | | ŀ | | • | | |
| कथितो महि २९९३ किन्छं मध्य १३७१ किपिज्ञलाज # ,, कम्बलः केच २२३७ किथितो युद्ध २७८८ किमिलं माता १८७ किपित्यकुष्ठ १४६९ कम्बलाजिना २१०१ किपित्यकुष्ठ २९९३ किमिलं २९०५ किपित्यकुष्ठ २९९१ किपित्यकुष्ठ २९९१ किपित्यकुष्ठ २९९१ किपित्यकुष्ठ २९९१ किपित्यकुष्ठ २९९१ किपित्यकुष्ठ २९९१ किपित्यकुष्ठ २९९१ | | | | | | | | _ |
| कथितो युद्ध २७८८ कनिष्ठं माता १८७ कपित्थकुष्ठ १४६९ कम्बलाजिना २१०१ कथितो लघि २९९३ कनिष्ठः सचि १२०५ कपित्थकुष्ठ २९९१ कया च वृत्त्या ६०१, | | | | | _ | | _ | •• |
| कथितो लिघ २९९३ कनिष्ठः सचि १२०५ कपित्थतुला २२९१ कया च बृत्या ६०१, | | | 14.12 | | | • • | | |
| किया हि म ३९९६ कनियन्त्रेष ८५८ क्रान्यिकारा | | | | | | | | |
| मानता त्य १००१ मानता ७७० मानतानक १४६६ १ १३१५ | | | | - 1 | | | _ | |
| | क्षानता । इ. च | · • • • · | +1 10 · 10 | 676 | गात्र(जान्स् | १४५६ | l | [.] १३१५ |

| | | 1 0 5 0 | _ | | | | |
|----------------------------|----------------|------------------------|--------------|------------------------|---|-------------------------|---------------|
| करंच नाऽ | | ८, करिष्ये जी | | २ कर्णदुःशास | २७१७ | कर्तव्यमवि | ७३१ |
| | १३५ | 1 | | | २००३ | क र्तव्यमेव | # २३७४ |
| करं संदेश | ८३ | 1 | ाय १५१ | ९ कर्णनासादि | २५ २७ | कर्तव्यमेवा | १०१९ |
| करक्षीरा म | # \$ 80 | 1. Cale 111 | २५० | १ कर्णपालिर्भु | २५१ ४ | कर्तव्यानि म | १४६५ |
| करणत्वाच्च | ८४ | ॰ करैः पञ्चस | १४२। | र कर्णपीठेऽक्षि | २५ १५ | कर्तव्यानीह | ५८३ |
| करणाधिष्ठि | २२१ | ^८ करैरपीडि | १४१७,१४६ | 1 6 | २४२६ | कर्तव्या भूति | १२४० |
| करणानि न | २९४। | 146630 | १४२५ | 1 0 0 | २७९८ | कर्तव्यारस | १६६१ |
| करणीयं सि | २२ १। | • करैरशास्त्र | १३ १४ | 22- | २८०२ | कर्तव्यावश | * ,, |
| करत्रयातिम | १४८९ | १ करैवा प्रमि | | ´ | २३५६, | कर्तव्या शिवि | # १५१९ |
| करदाश्च भ | ७६६,१९८ | रे करैश्चन्द्रो ह | | 1 | 2842 | कर्तव्याश्च पृ | १४८८ |
| करदीकर | ११३९ | वरोति च | | | २४३९ | कर्तव्याश्च म | ७४० |
| करदेम्यः कृ | १३९० | करोति चार्श्र | | ` ^ ~ | # १०८ ४ | कर्तव्यो राज | १०६२, |
| | १२५६,१७८१ | करोति चेदा | | 2 _2 | , ,, | | १६९२ |
| करमर्देङ्गु | १४३३ | करोति नित | | 1 60 0 | १०४५ | कर्तव्यौ शान्ति | २८८६ |
| करमाहार | १३५८ | करोति बाहु | | _~~ | २३५ ४ | कर्ती कारिय | १३००, |
| करवीरद | १५२३ | करोति भाव | | 2_ 22_ | २९९६ | | १८७९ |
| | १५१२,१५३६ | : I | | कर्तम वर्द | # ,, | कर्ता तावन्ति | *७४२ |
| करवीराश्र | २ ९६ ९ | करोति मुखे | | कर्तरमं कर | # १६ १ ७ | कर्ता स्वेच्छेन्द्र | ७९९ |
| करवीराह्य | * ,, | करोति यस्तु | | क्रियं ज्या | २८२९ | कर्तुं जानाति | २३४३ |
| करवीराह्य | · ,, | करोति वाक | | कर्तव्यं तन्म | २८०१ | कर्तु शक्यं न | १५१२, |
| करवीरोत्प | १५३७ | करोति वाच | | कर्तव्यं तेन | ७२१,८१९ | -2 C | १५१३ |
| करालः कृष्ण | १५११ | करा।त स नृ | | कर्तव्यं त्वे व | | कर्ते हितत | २३४६ |
| करालमव | १५२० | करात्त्रकात | २४६३,२५१९ | कर्तव्यं देव | २३७४ ३८९७ | कर्तुमाश्रम | ५८७ |
| कराष्ट्रीला मा | | करोत्यलोभ | २१३० | कर्तव्यं निध | २८९५ | कर्तुमिच्छति • | २७९० |
| करिगा सर्व | क्षश्च०९ | क रोत्याधर्ष | ७६५, | | | क् र्तुमिच्छन्ति | २६७०, |
| कारमा सव करिणं जम्पा | २८९७ | 1 | १९८३ | कर्तव्यं पार्थि | १०९८ | | २७८७ |
| करिणीस्पर्श करिणीस्पर्श | २७०१ | | २२७८ | कर्तव्यं ब्राह्म | | कर्तुश्च द्विश | २२५२ |
| करिदन्तोद्ध | ९३१,९३८ | करोत्येतां च | १६१२ | कर्तव्यं भीक | 1 | क् र्तृत्वादेव | २३७४ |
| भारदन्ताञ्च | २९५ <i>०</i> , | करोत्येव प | २४१३ | कर्तव्यं भूमि | | क र्दमस्तस्य | ७९१ |
| करिष्यन्न प्र | २९७ ५ | करोद्धूतं वि | #१५२१ | कर्तव्यं यामि | • | ∓र्पासीषध _^ | २५२४ |
| करिष्यामः पु | १८०४ | करोद्धूतवि | 99 | | - 1 | हर्पूरचन्द • | ९५७ |
| | ६५२ | करी प्रच्छेद | • • • | कर्तव्यं शक | | र्पूरवस्त्र | २८७३ |
| करिष्यामि हि | | कर्कटकस | - ` - | कर्तव्यं शिक्ष | | र्भकरव्य | २६ २७ |
| र करिष्यामीति | | ककेंतनं पु | | कर्तव्यः कार्य | | र्मकारःय | १३३३ |
| <i>कर न्यायाति</i> | १७४४, | ~2-2- | | कर्तव्यः किंफ | | र्मकारान्य | १११७ |
| करिष्यामीत्यु | १७६५ #१७६५ | कर्णचूर्णीय क्रिक्ट | | कर्तव्यः पृथि | | र्भकालतः | २३०६ |
| | # 10 d d | <i>न</i> णत्वगाक्ष | ९२० | कर्तव्यतां तैः | २५८४ व | र्म कुर्युर्न १३६ | १,१३६३ |
| | | | | | | | |

| कर्मकृत्वाहि | २४२१ | कर्मभूमौ भा | १४१६ | कर्मान्तक्षेत्र | १४५१ | कलत्रं रूप | 999 |
|------------------------|---------------|-----------------------|---------------|------------------------|---------------------|----------------------------|---------------|
| कर्म खल्विह | २३७१ | | २४६३ | कर्मान्तानां च | २२७० | कलत्रगर्भ | १५७८, |
| कर्म चाऽऽत्महि | २०४०, | कर्मभोगाति | १४१४ | | २४१६ | | * १५८६ |
| | २३९९ | कर्ममूर्त्यातम | २४४८ | कर्मारः स्वर्ण | १४६०, | कलत्रगर्भा | *{५८८ |
| कर्भ चैतद | २७६६ | कर्मयोगवि | १५१८ | | ર ५७३ | कलत्रगर्भि | १५८८ |
| कर्मणः पृथि | ६०१ | कमे लब्ध्वा | वि २१०१ | कर्मारम्भाणां | २०६९ | कलत्रगभ्य | १५८६ |
| कर्मणां तस्य | क्ष१७२४ | कर्मशङ्कितो | २३१४ | कर्मारम्भेषु | १२४७ | कलत्रगर्ह्य | १५६८ |
| कर्मणा काय | २३२६ | कमेशीलगु | १७४० | कर्मारादमि | २६५ २ | | . २१२६ |
| कर्मणा काल | २४४९ | | ६०८,१०३५ | कर्मारारिष्ट | २५९९ | कलत्रमादि | १३१७ |
| कर्मणा केन | ७३४ | कमसकर | २९१ ४ | कमैंतत् स | २९०७ | कलत्रस्थान | २६ ० ९ |
| कर्मणा तस्य | १७२४ | कर्मसंघर्ष | १२२० | कर्मैंतदुक्तं २९ | ०७, २९०८ | कलन्तिका च | |
| कर्मणा पूजि | १०९२ | कर्म सांवत्स | २८५८ | कमैंव कार | २४१३ | कलशस्य य | २९८३ |
| कर्मणा प्राप्य | २४०८ | भन्य पाचा म | २४४८ | कर्मैव प्राक्त | ,, | कलशानां मु | " |
| कर्मणा बुद्धि ६२ | | कर्मसु कृते | १२४८ | कर्मैवेहान | २४२१ | कलशानां स | २९८४ , |
| कर्मणा मन | ७४५, | कर्मसु चैषां | २२२५ | क र्मैस्तदनु | ११२२ | | २९८९ |
| | ०,१०९५ | कर्मसु मृता | १७०२ | कर्मोदकप्र | | कलरो संस्थि | २९८३ |
| कर्मणामनु | १७६६ | कर्मसूत्रात्म | 42886 | कर्मोदयं सु | २४२४ | कलशैः स्नाप | |
| कर्मणामवि | २५९७ | कर्मस्कन्धाश्च | २३१३ | कर्मोपकर | १३५० | कलशैर्बलि | , ,,,,, |
| कर्मणामानु | १७३२ | कर्म स्वं नोप | #५९३ | कर्मोपकार | * १ ७१५ | कलशो दर्प | ,, २८३७ |
| कर्मणामार | १७७१, | कर्म स्वकं कु | #२९०५ | कर्शनं पीड | १८७३ | | २८३८,२८४८ |
| | १८०० | कर्मस्वनुप | ५९३ | कर्रानं भीष २० | | कलहजन | ११६० |
| कर्मणाऽमी भा | २४३५ | कर्मस्वन्येषु | २३५२ | करीन नाग २० करीन वम | १३९६ | कलहे तीक्ष्णा | |
| कर्मणा येन १८९ | ۷۲۰۲۰ | कर्मस्वभ्युदि | # ७१२ | कर्शनपूर्व <u>े</u> | २६४३ | कलहे परा | २६२ १ |
| कर्मणा वर्ध | * ५ ९३ | कर्मस्व भ्यु च | ;; | कर्शनमात्र | २१७८ | कलां कलां तु | २९८२ |
| कर्मणा विग्र | ~ \ | | १६९८ १२२९ | कर्रानीयं वा | २०६५ | कलाः काष्ठा | मु २०१८ |
| कर्मणावै पु | 498 | | | कर्रानीयोच्छे | २०६६ | कलात्रिंशत | १३७२ |
| कर्मणा व्यज्य | ५९३ | कमाण चास्य | | कर्शितं व्याधि | १८९० | कलादशक | ८९४ |
| कर्मणा सह | | कर्माणि पाप | • • • • | क्शितमेनं | २०६५ | कलानां न पृ | ८९३ |
| कर्मणाऽऽहुः सि | २४३४ | | | कर्षकप्राये | १५५१ | कलान्तिका च | |
| कर्मणि चाति | २३२८ | कर्माण्यथैता | 1 | कर्षकाछभ्य | i i | कलापञ्चक | ८९४ |
| कर्मणि मृत | २१०५ | _ | 1 | कर्षकोदास्थि | l | क्लाभिलक्षि क्लाभिलक्षि | C 20 |
| कर्मणोत्तम | १४२९ | कमण्यारभ | ŀ | कर्षको वृत्ति | 96.43 | | " |
| क्रमेद्दष्टचाऽथ | १६९९ | | i | कर्षणं भीष | | कलामष्टाद | २०४९ |
| कर्म दृष्वाऽथ | # ,, | कमिंचेकं कु | | कर्षणयन्त्रो | *\°\\\ २२८ ५ | कलामात्रं पु | २६४९, |
| कम ६ड्याउन कर्मफलाच | ,, | कर्मानुकीर्त | | कर्षणैः संधि | 1 | 2311m> | २६५ १ |
| | | कर्मानुमेयाः | | कर्षन्ती प्रव | | क लायमुद्ग | १४६४ |
| कर्मभूमिरि | | क्मिनुरूपं | 1 | कर्षिता कति | | कलायो द्विगु | २२६० |
| क्षेत्र दीतार | 4001 | . wallan | ५५८ ९। | कायता कार्त | १२६८ | कलावधर्मी | ५९९ |

| कलाविदश्च | १४६ | ८ कल्याणबुद्धि | 29/1 | ्र (कथाने कर क | • • | | |
|------------------------------------|---------------|---------------------------------------|-----------------------|---------------------|-----------------|--------------------------------|-----------------------|
| कलासप्तक | ८९ | 2 | • | ६, कश्चाहं का च | | ६ कस्मादाशंस | ५५८ |
| कलासु द्रौ गु | ८९ | s . `` | ५६६,२५६ | 1 0 | २१३ | | २०३८ |
| किल्लं पुत्रप्र | २३८ | ु भल्याणसुद्धः | १४७ | | | ५ कस्मानमां ते न | २०३१ |
| कलिः प्रसुप्तो | ७१ | गरनाणनाच- | २४९ | - 1 | २०२ | 1 ~ ` ` ` ` | |
| किलः शयानो | १८ | 10-11-19-4 | २९८ | 1 | # \$888 | | १०३५ |
| कलिः शारिः शि | | 11.41.403 4 | १९६ | 1 - | १ ४४ | | १०७१ |
| कलिङ्गाः सिंह | २७१ | E 17771911811(1 | | २ कश्चिदासीन | १ ४४) | | १४७७ |
| कलिङ्गाङ्गग | १३९४ | વિશ્વાળા સ્થા 28 | २८४१ | | १२२ | २ कस्य कस्य त | १४७५ |
| in and |) T) o | , कल्याणी बत | २२०१ | | १६१५ | , कस्य किं कुर्व | ५९८ |
| कलिश्चाप्यङ्गि | #296 | कल्यारम्भी नि | - | २ किञ्चन दुष्ट | # १ २४७ | | ७३० |
| | ५७,६०० | म्बाला पात | २९९६ | | # \$887 | | ६५३ |
| | २३८ | | १५३३ | | " | कस्यचित्राभि | २०२९ |
| कल्कस्नानं ति | 2401 | / कवचा भर | १४६९ | कश्मलाद्यैः त | १४७७ | 1 | २३९१ |
| कल्कितैश्चन्द | # १ ४६ | ૂ વાવા લા | २४९६ | 1 _ | २८३१ | | ११९१ |
| कल्पकप्रसा | 900 | विवची बद्ध | ७९६ | | * # ९८ १ | | ११६३ |
| कल्पकोटिश | ₹00} | , कवचेन त | २९०१ | | २५२० | | 990 |
| कल्पतां मे यो | 22 | कवाटतोर | # १ ४४३ | | ६४६ | | १६६७ |
| कल्पतेऽह | ₹ ४ ३ | कार क्या प्र | ३७९ | कष्टेषु साम | १९३७ | | १३०२ |
| कल्पते ह वा | २ १७ | क्रिंग सम्ब | २८७२ | कसेरका तु | १४६५ | कस्य वाको गु | २७९७ |
| कल्पना विवि | ५७४ | # # # # # # # # # # | ४३ | कस्तत्कुर्याज्ञा | २४२२ | कस्य हेतोः सु | १६२० |
| कल्पयन्ति च | | क्रकि∙ क्रकिका | १० | कस्तत्र कुर्या | • ,, | कस्यापि नेश्व | ८९२ |
| पत्पयाग्त च | १५३२ | | ४५७ | | २०१६ | कहाः प्रयान्ति | २४८८ |
| कल्पयित्वा व | १९९४ | कवी नो मित्रा | ₹४ | कस्तस्य चाऽऽज्ञां | ८२१ | कां नुवाचं सं | २४२४ |
| ज्ञस्यायत्याः च ,कल्पयित्वाऽस्य | १४८३ | कवे तन्मे ब्रू | १०३९ | कस्तस्य चित्र | १२०० | कांदिचत्सुकुश | १७५० |
| .मरनायत्याऽस्य कल्पयेच्च य | 900 | कव्यानि वद | ६२७ | कस्तस्य धर्म्यो | २७६४ | कांश्चिदथीन | १०४० |
| कल्पये <u>च्छा</u> लि | १७५४ | क्शां वामक | २८८६ | कस्तस्य बाह्य | २३९६ | कांस्यराजत | ११२५ |
| | २९८९ | कशाहदास | ९२३ | कस्तस्य मन | १६८९ | काकः शुभो द | २५२६ |
| कल्पयेत्सर्व | २९०१ | करोरुका तु | | कस्तस्य विज | *२७६४ | काककुलाय 🌎 | २४७९ |
| कल्पयेत्साव १७५५ | | करायका छ करोरुकोत्प | * १४६५ २६५३ | कस्तासां कार्या | १००२ | काककोकिल | ७३१ |
| कल्पयेद्युव ८६१ | ,१०१४ | | 1 | कस्तूरिपत्र | २९८३ | काकण्यादिस्त् व | १९७७ |
| कल्पयेन्मध्य सहित्यसम्ब | १४८९ | कशेरफल | ९८१ | कस्त्वमसि | २७ | काकतालीय | २४०५ |
| क ल्पितश्रुति | - 1 | क रोरूत्फल | * ,, | कस्त्वमसि व | 99 | काकभृतो भृ | २६ ९२ |
| कल्पिता याच | | कश्च जातु कु | २७५७ | कसाच भव | | काकमेचकः | २२ ४२ |
| कल्पितेश्चन्द | १४६९ | कश्च दैवेन | २३९९ | कस्मात्कालात्प्र | 1 | ः। सन्यक्तः कृतकृत्युहः का | २५ <i>०</i> ५ २७५२ |
| कल्पाते छन्दः | ८९१ | कश्चनास्मिन् | 26 | कसात्त मां न | _ { | गान्यूरु गा हाकराङ्की भ ७३४ | |
| कल्प्यां तस्य तु | ५८० | कश्च पूर्वीप | 1 | क्सा त्वपचि | २०३८ | minde a of | ९८१ ९८१ |
| कल्प्यां तेन तु | * ,, | कश्च विज्ञाय | | क्सादन्ना नि | | हाकश्च पङ्का | |
| कल्मापवेणु | | कश्चासी ब्राह्म | | क्साद ई न | | तामव्य पञ्चा । तामाण्डभुज | ⊭२५२ ३ २२४२ |
| | | | • | | 2 6 8 6 6 | m 44 - 3 3 4 | ~ ~ ~ ~ |

| काकाद्भवति | २८७३ | का खन्या त्वामृ | | कामं च चरि | ६४७ | कामकोधी हि | ५१ ९ |
|-----------------|---------------------|----------------------------|---------------------|----------------------------------|------------------|--------------------------------|-----------------------------|
| का का शान्तिर्भ | # 3 986 | l . | १७६६ | कामं च त्वं प्रध | | | १५७८, |
| काकाश्च पङ्घा | २ ५२३ | 1 | २८४१ | कामंच रक्ष | क्ष५६१ | | १५९३ |
| काकिन्यादिस्त्व | # १९ ७७ | | _ | कामं तु पीडा | २१२५ | कामजस्तु मृ | १ ૫५ લં ^ક |
| काकीन्यादिस्त्व | # ,, | कानक राज २८३ | " 36.3688 | कामं नरा जी | ६३९ | कामजान्याहु ५ | |
| काकेन बडि | • | l . | २८३५ | कामं भृत्यार्ज | १७१२ | कामजेषु प्र | १५७१ |
| काकेन बालि | | कानको दण्ड | २८३६ | कामं यायात्सां | २४६७, | कामजो लोभ | २१४९ |
| काकैयोंघाभि | * ,, २५१४ | 1 | २७१० | | २४७० | कामतस्त्वं प्र 🛊 | |
| काकोदुम्बर | # १४६७ | काननेष्विव | १०७९ | कामं वाकाम | ६६६, | कामतो रूप | े १९९ २ |
| काकोदुम्बरि | "" | का नाम निर्दे | १२३५, | | १७६७ | कामतो वाऽऽश्र | |
| काको मैथुन | ૨ ९૨७ | ना गान ।गष्ट | २३५ <i>०</i> | कामं विश्वास | २०३६ | कामदा भोगि | * 2९९७ |
| काकोल इव | १०८५ | का नाम शर | ११६३ | कामं व्ययाया | २५७६ | कामदा शुभ | |
| काकोली क्षीर | १४७० | कानि यशे ह | २७७० | कामं संरक्ष | ५६१,७७९ | कामदा सुभ | # ,, |
| काकोॡकक १५१ | | कानीनश्च स | ८५९ | कामं संवत्स | क्ष१६३७ | कामदेवोत्स | ९९९: |
| काकोलूकस | १५२२ | कानीह भूता | ६५५ | कामं सर्वे प्र ९१ | | कामद्रेषह | १७०६ |
| काकोऌकैश्र | २९८१ | कानुतासांव | 2880 | कामं सांवत्स कामं स्त्रियो नि | १६३७ | कामद्वेषाव | 680 |
| काङ्को वारिका | २३१० | कान्तनावकं | 2 | | | कामना शोभि | २९९७ ः |
| काङ्समाणाः श्रि | २४४८ | कापटिकरछा | २२३५ १२२७ | कामः क्रोधश्च ७ | , १२८, ९२३ | कामन्दकस्य | ∉६२ ३ |
| काचकुम्भभा | २११० | कापटिकाश्चे कापटिकाश्चे | 1 | कामः क्रोधस्त ५ | | कामन्दमृषि | · · · · · · · |
| काचपात्रादि | ८९६ | | १३३० | | ४०,१६ <i>०</i> ५ | कामन्दस्य च | |
| काचव्यवहा | १३३० | कापिटकोदा कापव्यः कर्म | १७०२ | कामः क्रोधो म | ७३५, | | .,, ७ ३१ ,९२२ |
| का जातिः किं कु | १४९० | कापव्यः कम कापव्यो नाम | ६३२ ६३१ | | ७४५,९२३ | कामप्रसक्तः | ै १३८७ ⁵ |
| काञ्चनं चाप | १५१० | कापालिकमे | ६२ ६ १११७ | कामः प्रजापा | ९३९ | काममन्युप | *4883 |
| काञ्चनाङ्गद | २७०४ | कापालिकाई | | कामः सिद्धिला | १५५७ | काममस्य स | २९३० |
| काञ्चना जल | @ | कापालिकेभ्य | ,, ২८९४ | कामकारेण | १८११ | कामयेत वै | 118 |
| काञ्चने प्राङ् | २९ ३५ | कापालीं नृप | | कामकोधम कामकोधम | | कामरेखा च | २९९८ |
| काञ्चनैर्यज्ञ | १५०४ | कापाली स्वया | | नामकोधस ६५ | | कामवशाः क्ष | 8440 |
| काञ्चनोदुम्ब | #२९३६ | कापिलं च त | #2986 | , | . 1 | कामवशान् | २६२२ [°] |
| काञ्चनीदुम्ब | " | कापिलश्च त | | कामकोधादि | | कामशास्त्राचा | १६६५ |
| काणं व्यङ्गम | १६२७ | कापोतकोऌ् | | कामकोधाव ६० | 1 | कामश्च राज | \$088 |
| काण्डभिः पञ्च | #२९६१ | काम ईशस्त | | कामकोधावु | | कामश्रमस्त्रि | * २९६८ |
| कात्यद्धिन | ७६६ | कामं कामानु | ५३८ | कामकोधौ च | | कामसंदीप | |
| कात्यायनः सु | * ૨९४५ | कामं कामेन | १११८ | कामकोधी तु | l l | कामसंदी.पि | * २९९६ |
| कात्यायनश्च | २९६४ | कामं कीटः प | २८०२ | कामकोधौ पु | १०६५ | कामसेवावि | 93 eq. |
| कात्यायनीं का | | कामं कोधं च 🐠 | ९२,९१९ | कामकोधौ म | | कामाकामाच्च | t . |
| कात्यायनो गौ | *८०२ | कामं क्रोधं म | ७४९ | , ११५ | | कामा तृष्णा क्षु | ६१५ |
| कात्यायनो भ | २९४५ | कामं गृष्ट् रा | . १२०७ | कामकोघी श | | कामात्कोधाद्ध कामात्कोधाद्ध | २९९७ |
| | | | · | | | का आ रता ना अर | १८ विष् |

| कामा त्तु पीडा | | कम्पिल्ये ब्रह्म | | कारणैश्चै व | # १८७१ | कार्तान्तिकव्य | २ं६२२, ५ ९ |
|-----------------------|-------------------|---------------------|----------------|--------------------|-------------|-------------------|-------------------|
| कामात्मा विष | ६८८ | काम्बोजदशा | १४१५ | कारयन्ति कु | ५४५ | कार्तान्तिकादि | प६ |
| कामादिरुत्से | १९२४ | काम्बोजराजो | २७ १ ५ | कारयामास | #८४३, | कार्तिकं सम | . २४५३ |
| कामाधीनाः स्त्रि | ৩४८ | काम्बोजसुरा | पप | | २८४९ | कार्तिके पञ्च | २८८५ |
| कामान्धो विष | #६८८ | काम्बोजा ये च | • • • | कारयित्वा म | २९१२ | कार्तिकेयः श | २८७० |
| कामान्मोहाच | ६३४ | काम्बोजैर्बहु | २७१३ | कारयिष्यन्ति | २८६६ | कार्तिकेयाद | . २९१० |
| कामाभिध्या ख | २४२४ | काम्भोजदेश | १४४५ | ł | #2८८१ | कार्तिके सम | *2843 |
| कामामिभूतः | ९१९ | काम्भोजविष | | कारयेत् क | २६७९ | कार्तिक्यां तत्स | |
| कामा मनुष्यं | २४२८ | काम्यां तु कार | | कारयेत् का | # ,, | कार्तिक्यां पौर्ण | |
| कामार्थलामे | २४२४ | कायच्छिदस्त्वा | १५२२ | कारयेत्तुष्य | २८९६ | कार्तिक्यां माध | |
| का मार्थावनु | ५५७ | कायञ्छिनास्त | १५१२ | कारयेथाश्च | १६९९ | कारस्चेंन भर | ७९४ |
| कामार्थौ लिप्स | ,, | कायव्यः कर्म | *६३२ | कारयेदबि | २८८१ | कार्पण्यं तु व्य | ११५७ |
| का माछोभाच | #६ ३४ | कायव्यो नाम | *६३१ | कारयेद्गर | २६६९ | कार्पण्यादेव | २४३९ |
| कामाछोभाद्ध | ३ २७८९ | कायस्था च व | १४६६ | कारयेद्भव | ९९१ | कापीसं तृण | २५१५ |
| कामाशयो हि | २४५०, | कारणं क्षत्रि | ११२४ | कारयेद्रथ | २८९६ | कार्पासक्षौमा | २२६ ० |
| | २८१ ५ | कारणं च त्रि | #:404 | कारयेद्वा म | ९८१ | कार्पासतृण | २५०८, |
| कामाश्रमस्त्रि | २९६८ | कारणं च म | १०६१ | कारयेन्नृप | ७२९ | | # २५१५ |
| कामासक्तस्य | ७७७ | कारणं तस्य | २३७३ | कारयेन्स्ग | १५९७ | कार्पासश्च तृ | २५ ०६ |
| कामिनः सह | ८०३ | कारणमृत | २३०४ | कारवी कुञ्च | १४६६ | कार्पाससारं | २२८८ |
| कामिनीभूल | १५१०, | कारणवशा | १००० | कारन्यः कुचि | * ,, | कार्पासास्थि भु | |
| Milling. | १५२२ | कारणस्य च | ५७५ | कारागाराधि | २३५२ | कार्पासास्थिन ३ | |
| कामी च कामि | १०४६ | कारणाकर १२ | १९५,२०९२ | कारुं इसन्ति | १४७६ | कार्पासिकैः त | , |
| कामीव कामि | * ,, | कारणाकार | १६५९ | कारुकरक्ष | ६७२ | 1 : - | २९०९ |
| कामीवान क | * \$888 | कारणात्प्रिय | २०२९ | कारुकाञ्छिलिप | १३३९ | कार्पासौषध | *3438 |
| कामेन युक्ता | ६४९ | कारणात्सान्त्व | * २०३५ | कारकाञ् शिहिप | १३६१ | कामीरो अश्म | ३८१ |
| कामे प्रसक्त | *१३८७ | कारणादनि | * ८१७ | कारुण्यमेवा | २३८९ | कार्मिकप्रत्य | २३०१ |
| कामोऽक्षमाऽद | _# २५७७ | कारणादिस | १८४३ | कारुभिश्च क | २२८५ | कार्मिके चोप | २२१९ |
| कामोऽक्षमा द | | कारणादेव | # १२९६, | कारुरहं त | ३८१ | कार्भुकं ग्रह्म | १५१५ |
| कामो धर्मार्थ | ः ६४९ | | ९७,२०७३ | कारुशिल्पिकु | १०१० | कार्य इत्याहु | २०२२ |
| कामो नामाप | ५७२ | कारणादेश | २३९७ | कारुशिल्पिग | १३७६, | कार्य इत्येव | २०३३ |
| कामोपधावि | १२३१ | कारणान्निर्नि | ८१७ | | १४३१ | कार्ये कुर्यान 🔻 | ७८०,२३९८ |
| कामोपधाशु | १२२७ | कारणाभावे | २१९८ | कारुशिल्पिनः | २३२२ | कार्य चावेक्य | #८१२ |
| कामो भूतस्य | ४५ | कारणाभ्याम | २३९४ | कारुशिल्पिनो | १७०१ | कार्ये तु मूल | २५ २७ |
| कामो यवीया | ६४७ | _ | ४७,१७१६ | कारुशिल्पिपा | २६४२ | कार्य नरेन्द्र | २८६७ |
| कामो रतिफ | ६२२ | कारणेन हि | १२९६ | कारूषाश्च वि | #2080 | कार्य निवेद्य | १८३९ |
| कामो हि में सं | २४३४ | कारणेनैव | १८७१ | कार्तस्वरं म | १४७० | कार्य निश्चित्य | १११८ |
| कामो हि विवि | | कारणे संभ | | कार्तान्तिकनै | | कार्ये पुरुष | २४०१ |
| | | | - • • • • | | 9228 | | 1008 |

| कार्ये बुद्ध्वात्व | १२२९ | कार्यविपत्तौ ११० | \$ 0 ¥ 6 3 c | कार्यातिपातः | そりゅう | कार्ये संवर्ध | १७२७ |
|-------------------------------|---------------|------------------|---------------|----------------------------------|---------------|-----------------------------|-----------------------|
| कार्य भवति | २८८२ | | १६५६ | कार्या हुपै रा | 2668 | | |
| कार्य भवेत्त | ८४२ | MA-ICI S | रुप४६ २५४६ | कार्यान्तरस्या | १८४५ | कार्यों द्वी सर्व | १९६४, |
| कार्य भवेदुबा | १९८९ | कार्यसामध्या | १२२५ | कार्यान्तरे दी | ११०५ | | २२०५ |
| कार्ये यत्नेन | २०५३ | कार्यसिद्धि प्र | २५२८ | कार्यान्धस्य प्र | १७७२ | , काषीपणं भ | १९७३ |
| कार्ये विचार्य | १८०५ | | १८०५ | कार्यापेक्षा हि | १२२२ | कालं कारण | #2000 |
| कार्ये वीक्ष्य प्र | २०७१ | कार्यसेवी च | *१२९० | कार्या पौरंद | २९४८ | कालंजरः स | * २९६७ |
| कार्ये घोडरा | २८८२ | कार्यस्तत्र न | ५६४ | कार्या मारुद्र | * २९१९ | कालंजरश्च | २९७८ |
| कार्ये संशयि | २५२८ | कार्यस्थानानि | ११४३, | कार्याया पार्थि | २९०८ | कालं देशं श | २५ ९५ |
| कार्ये सर्वे सु | २६७ १ | | २३४८ | कार्या राज्ञा कु | २३५२ | कालं प्राप्तमु | *१३१९ |
| कार्य सोऽवेक्य | ८१२ | कार्यस्य साध | १८०५ | कार्यार्थे कृत | २०२५, | कालं प्राप्यानु | १३२१ |
| कार्ये हि मित्र | १८८३ | कार्यस्य सिद्धा | १६७० | | २०२७ | कालं भृत्यव | १५३४, |
| कार्यः स्त्रीषु न | १५७६ | कार्यस्य हि ग | १८७७ | कार्यार्थ भोज | १२२० | | १७५७ |
| कार्यकामोप | २३२८ | कार्यस्थान्यथा | २२५१ | कार्यार्थिनः पु | १२०१ | कालं वृथा | |
| कार्यकारण २०७ | ०, २०७३ | कार्याः कार्मारि | १४४९ | कार्यार्थिनश्च | #8८8२ | कालं सर्वेश | ६२० |
| कार्यकालवि | *१६८१ | कार्याः खाताद् | १४३२ | कार्यार्थिनां वि | १८१३ | कालः कालप | २५०२ |
| कार्यकालव्य | ,, | कार्याः शिल्पिभ | २८३४ | कार्यार्थिना दा | ११०६, | कालः पर्याय | २४४८ |
| कार्यकाले दु | १२७५ | कार्याः सकव | २६७१ | | २४०१ | कालः शीतोष्ण | २४५३, |
| कार्यकालोप | ७८७३ | कार्याकार्यत | १७७२ | कार्यार्थिनामु | १९३२ | > | २५५६ |
| कार्यकृद् बली | # २५१० | कार्याकार्यप्र | १२६६ | कार्यार्थी च ज | १८१२ | कालः श्रेयानि कालकर्णी क | २५५६ #२९९७ |
| कार्यक्षमश्च | १२६७ | कार्याकार्ययो | ९१७ | कार्यार्थे कृत | #२०२७ | 1 | २२६६ |
| कार्यगुरुत | १११७ | कार्याकार्यवि | ११२४, | कार्यार्थेषु च | १९५० | कालकूटव कालकटाटि | २६४८ |
| कार्यते चैव | २०३८ | | १६५६ | कार्यार्थे संग | १७०९ | कालक्टादि | |
| कार्यनिष्पाद | ८५८ | कार्याकार्याणि | १२४७ | कार्यावस्थां च | १७१३ | कालराः सम | १२५५, २०१५ |
| कार्यबहुत्वे | ११०६ | कार्याकार्यी वि | १७८० | कार्यावस्थासु | ८७३ | कालज्ञश्च कृ | ११८२ |
| कार्यबाह्यो न | ११०६, | कार्याच ब्रह्म | २८६ ० | कार्या व्यापक | १८४४ | कालज्ञान्मन्त्र | १६६५ |
| कार्यबोधि सु | २४०१ १८४० | कार्या चापचि | ६३२ | कार्याष्ट्रमांशं कार्यासमर्थः | १७५७ | कालञ्जरेऽथ | २९०४ |
| कायशाय सु कार्यमादिश्य | १८३९ | कार्या चोपचि | * ,, | कायासमयः कार्यास्तथावि | १२६७ १८२६ | कालदूतश्च | २९९३ |
| कार्यमा।दश्य कार्यमाना का | १८२५ १७५५ | कार्याणां गुरु | २०३३ | कार्ये खल्ज वि | १८१० | कालदेशोप | \$05 |
| कार्यमाना का कार्यमापत्प्र | १२०६, | कार्याणां संप्र | २६००, | कार्येऽत्यावश्य | ૨ ૪५९ | कालनेमिव | २५३८, |
| गमनामस | १२२८ | | २७७४ | कार्ये महति | १०७४ | | ४६,२८९२ |
| कार्यमिदमे | 8000 | कार्याणां सर्व | * २६०० | कार्ये महत्ति | | कालपर्वत | २२३३ २२३३ |
| कार्यमुत्तर | १४७२ | कार्याणि चिन्त | ९६ ० | कार्ये विवद | १२४३ | कालप्रभव | ६२२ |
| कार्यमुहिष्ट | २२१० | कार्याणि विध्ना | २९१५ | कार्येषु व्यस | २३५२ | 1 | |
| कार्यमेकार्थ | १७६६ | | # ८१२ | कार्येष्वखेदः | ५७० | कालप्राप्तम <u>ु</u> | * २९२५ |
| कार्ययोगाद | ७३१ | कार्यातिपात | #१७१३ | कार्येष्वधिकु | | कालमलभ | १३१९ २ १ ४८ |
| | | | | | | | 7886 |

| | | _ | | | | | |
|----------------|--------------------|------------------------------|-------------------------|---------------------------------------|----------|---------------------------|-------------------|
| कालमानं त्रि | , , , | , कालिका कपि | | ्रकाले प्रयोज | १९१३ | काव्यानि देश | ८८९ |
| | | • कालिङ्गकस्ता | २२४७ | काले प्राप्ते तु | २१४४ | | #६२७ |
| कालमानम | २२७६ | 1 | २९६७ | | १९०४ | काव्यास्ततीय | 208 |
| | १६७६,१६७८ | 1 | १५१२ | | १४२५ | काव्यैरिति तृ | ζ., |
| कालयुक्तं म | १९०६ | काली कराल | \$ 28 9 9 | | २९४६ | ਲਾਨੀਕ ਜੀਜ਼ਿ | " |
| कालवर्षी च | ६०५ | काली कर्दम | " | काले मृदुर्यो ७ | ३५,१९०४, | काशिभिश्चेदि | ७६६ |
| कालविच्छ्रोति | ि ८२५ | का लीकुष्ठन | २६५० | | २०४७ | काशिराजश्च काशिराजश्च | १९९८ |
| कालवित्कार्ये | ११०५ | काले करप १३ | | | २२३५ | 141.21.51.41.44 | २७०९ |
| कालविन्मन्त्रि | २८२४ | काले कल्याग | १७२९ | | २८३५ | काशिराज्य त | १०९६ |
| कालशाकं त | २९८३ | | ८४६ | 1 | १७४६ | Manager | १०९८ |
| कालशाकं प | १४६५ | | #२५०२ | \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ | ७३ | । गरामिन्दारः | १४१५ |
| कालश्च सक् | १२८४ | | १९०४ | 1 | | 11.21.41.10 | * १४६ ५ |
| कालश्राप्यन्त | ७२९६० | 1 | | काले वाऽतिका | | 347411/841 | १४१५ |
| काल्संचोदि | ५८६ | 1 | ८६६ ८६६ | i | | काश्मीरायां तु | २९७२ |
| कालस्य कार | ५८ <i>५</i> ७६३ | 1. • • | ६५६ | काले विक्षिप्य | १६८१ | काश्यं सांदीप | ८७८ |
| कालाकाङ्क्षी | | 1_2 0_ | # 2000 | काले विभूतिं | ५९७ | काश्यपः प्रम | ८५७ |
| कालाकाली स | | | १३६४, | काले वृष्टिः सु | ९६२ | काश्यपेयोऽमृ | २५३७, |
| | | | १७३८ | काले व्यसन | २३८४ | 1 | , १८९२ १५,२८९२ |
| कालाग्नित्वं म | - | काले तपः का | ७३ | काले ब्रजति | १६८० | काश्यो बभ्रुः श्रि | २ ४३३ |
| कालाग्निसह | ११७६ | कालेऽतीते वि | १८३८ | काले समाच | १७९७ | काषायवस | |
| कालातिक्रम | ५४६,६६१, | काले तीर्थे चा | २३०० | काले सहिष्णु | २१४४ | काषायवस्त्र - | ६४८ |
| | १५०८ | काले दाता च | ५६८ | काले स्त्रियः स्यु | १५७६ | | २५०४ |
| कालातिकमा | ११०५, | काले धर्मार्थ | १७६८ | काले स्थाने च | | काष्ठं दार्वीवि | *२९२ ६ |
| | १८०४ | काले धुरि च | 1 | कालो गजानां | १७३२ | काष्ठजं धातु | २८४१, |
| कालातिपात | | काले धुरि नि | ,, | याका नवाना | २४५९, | • | २८४८ |
| | २२५१ | कालेन क्रिय | | | _ | काष्ठजं सुख | २८४८ |
| कालातिपातं | ७४२ | कालेन गोच | २४६० | कालोदको न | | काष्ठजा धातु | २८४१ |
| कालातिपातः | १६०२ | कालेन मह | 1 | | २९७८ | काष्टजेषु च | २८३६ |
| कालातिपातो | १५७८ | कालेन रिपु | | कालो दहति | २०३८ | काष्ठतुलाऽष्ट | २२७२ |
| कालातीतम | २०२३ | _ | 60.2013 | कालो नित्यमु | ,, | काष्ठदर्वीकु | २९२६ |
| कालातीतमि | | कालेन संची | 900 | कालोऽभ्युपैति | | काष्ट्रनियम | २८३४ |
| कालादिबलि | | कुालेन साध | १९१२ | कालोऽयं दारु | 1 | काष्ठपञ्चवि <u>ं</u> | २२७३ |
| कालानियमे | i i | कालेन हीनं | , | हालो वा कार ५ | ı | काष्ठपात्र्यामे | ९१६ |
| कालानुकृत्यं | | कालेन हास | | ., | | हाष्ट्रमिव हि ९ ७० | |
| कालायसता | | | ८५८ | हालो ह सर्व | | | |
| कालायसस्या | 1 | कालेनान्यस्त | | गला ह सप ज़लो हेतुं वि | | गष्टलोह् तु | १४४२ |
| कांलाविदश्च | * १४६८ | काले निरुत्पा इ.चेनेने न | 1011 | | 1 | हाष्ट्रवस्त्रघ | २८४६ |
| कालासहत्वे | 200 | कालनत प्र कालेनैव प्र | • • • | जावेरी वरू | | ठाष्ट् वेणुना | १३९५ |
| • | , 50 (| (11×11 4 A | ,, q | बच्यां वाचं वि | २४२६ व | ग्र वणुपा | १३३० |
| | | | | | | | |

| काष्टा कला मु | *2086 | किंतु तत्पात | 42 9 9 19 | किं नु नाहं त्व | با ياه و | किङ्किणीजा ल | २६७ १ |
|----------------------------------|----------------------|-------------------|-----------------|----------------------|-----------------|--------------------------------------|--------------|
| काष्ट्रानि चाभि | २५९९ | | * 9 - 1-1- | किं नुमलं कि | १८३ | | १५१२, |
| काष्ठीत चानि काष्ठीत्मुकास्थि | २ ९२७ | 1 - ' | | किं नु में स्थादि | | 1.00 | १५२२ |
| कासां तु गर्भ | 2800 | किंतु पूजां क | | i | વ | किच्, किचि, | |
| किंकरा इव | ११४८ | किंतु बुद्धचा स | | किं न्वतः पर | १०६८ | कि ञ्जल्कवर्ण | २२४६ |
| | | किंतु यस्मिन् | | कि पार्थिवेन | १०७७ | कितवस्थाप्य | १५४६ |
| किंकरा भ्रात किंक्स अस | ६२५ | किंतु संक्षेप १२४ | १३,१८ १० | किं पुनः पञ्च | ९३८ | कितवस्थेह | * ,, |
| किं किंवा अक | २७ | किंतु स्वेनासि | १२१८ | किं पुनः पाण्ड | २७१४ | कितवान्कुशी | |
| किं कुर्वन्कर्म | १०९८ | किं ते चूतेन | १५४७ | कि पुनर्गुण | २१३१ | किमङ्गत्वं म | १६९७ |
| किं कुर्वाणं न | १९११ | किं तेन केना | १२७२ | किं पुनर्दर्श 🤏 | ९३३ ,९३९ | किमद्यकानां | २३८४ |
| किं कृतं कर | १८०५ | किं तेन जल | १५४१, | | २ १६०५ | | |
| किंच ब्राह्मण | # १४६१ | | १७५८ | किं पुनर्नित्य | २९० २ | किमन्यत्स्था द्य | १७८६ |
| किं चास्य पूर्व | ७६१९ | किं तेन तुष्टे | ११६१ | किं पुनर्बहु | २४७१ | किमन्यद्विहि | १८९७ |
| किंचित्कालं स्थि | २१८४ | किंतेल परि | १२३५, | कि पुनब्रह्म | १३८५ | | ७७३ |
| किंचित् किंचि | २३९२ | | २ ३ ५० | किं पुनर्मनु ११४ | | किमब्रवीत्त | २७६३ |
| किंचित्पङ्केत | २४५७ | किं तेन राज्ये | १०१९ | किं पुनस्तु म | १३६२ | किमब्रवीन्म - | २३५५ |
| किंचित्प्रयच्छ | १९५९ | किं तेन सहा | १२७२ | | | किमयं काम | १५४८ |
| किंचित्फलं नि | २१३५, | किं तेन स्वामि | | किं प्रमाणं गृ | १४७५ | किमरण्यज | 2000 |
| | २१४० | 1 | ११९८ | किं ब्राह्मणन | १६२२ | | ५५८ |
| किंचित्सु प्तेषु | २६६९ | किं तैर्येऽनडु | •७८०, | | १६७० | किमर्थेच म | |
| किंचिदुच्छ्वास | १०९७ | 26 2 | * ₹₹९८ | किं यशैस्तप ७४ | ४३,१४१८ | किमर्थे तप्य | ६२५ |
| किं चिहैवाद | २३७४ | किंन त्वंतैर्न | * ₹ 00८ | किं राज्ञः सर्व | १०९८ | किमल्पसाध | १५२९ |
| | | किंन प्राप्तंभ | १०९८ | किलक्षणं च | ६२४ | किमवातः से | १२३१ |
| किंचिद्बाह्य | १४१७, | किं न विज्ञात | २७९८ | किं वक्ष्यसि स | २८०३ | किमस्त्ययामि | १६६४ |
| र ४ ५ किंचिद्विवर्ति | .१,१४७७ १५१५ | किं न स्खलय | प१० | किंवदन्तीं च | १६४८ | किमहं कर | १७१३ |
| किविछघुमि | १५१५ २७७५ | किं नाम कृप | २४०० | किं वाऽपि पूर्वे | ६१९ | किमागमन | १०५४ |
| कि चैतन्मन्य | | किं नामान्धः प | १२७६ | किशीलः किंस | १२०९ | किमात्मकः क | ६१३ |
| किचतन्मन्य किं छिद्रं कोऽनु | २३७८ `१०७२ | किं नुख छुरा | १०१९ | किशीलाः किं स | १५०० | किमादावुप | २८९० |
| | - | किंनु खलुलो | २१४८ | किशुक्कुसु | २२६ ६ | किमाभरण २३ | |
| किं छिद्रं को नु किं ततः पर | ≆ γ, * ₹οξ | 1 | १०८७, | - 0 | 8666 | किमाश्चर्यम | ८६१, |
| | | 1.0 3 | - | किसंनाहाः क | | | १०१५ |
| किं तया कीर्त्या | ७६८ | £ | | किसंस्थश्च भ | | किमाहुदैंव कि.कि.के. क | <i>७९७</i> |
| किं तया कुली | १३८१ | किं नु तत्पात | | किं सिद्धं किमु | | कि मिच्छकैर्बा | २९२५ |
| किं तया गवा | ११९८ | किं नुते पव | | कि तीम्य नाति | | किमिष्यते ध | ५९० |
| किं तस्य तप | ५९८ | किं नुते माम | | कि सीम्य नामि | *२०२५ | किमीदृशं नृ | १०९० |
| किं तस्य भक्त्या | १२७२ | ~ ` | | | 99 | किमुक्ष्णा ऽवह | ७८०, |
| किं तस्य भर | १०९६ | किं नुते मार | | किंस्वित्पुत्रेण | १८२ | | ૨ ફ૬૮ |
| किं तात पर | #80EC | किं नुतैरिज | १८९९ | किंखित्प्रहर् | १५०२ | किमुच्यते कु | ७६५,९३९ |
| किं तु तत्कार | ⊕ २०३० | किं नुत्वं तैर्न | २००८ | किं स्विदेकप | | किमेकशा ख | १२७५ |
| | | | | | • • • | | 1404 |

| किराततिक्त | 9.46.16 | कीर्तिर्लक्ष्मीर्घ | | I-00 | | · | |
|-----------------------|----------------|-------------------------------|------------------------|--------------------------------|-----------------|-------------------------|-----------------------|
| कराताता किरातवाम | | | | कुटिलं स्फुटि | | कुत्सिता भेद | १९४५ |
| करातसोवी किरातसोवी | १६६० | कीलकं खर्ण | | कुटिलस्फुटि | | कुद्दालरज्जु १ | • |
| _ | | | २८ ३६ | कुटिला हि ग | | कुद्दाली लव | १४३१ |
| किराता वाम | | कीलकोष्ठे तु | २३४९ | 10000 | २३४३ | _ | २७०९ |
| किरीटमणि | २४१२ | 1 | | कुटीरकब | ८९९ | I | २६८८ |
| किरीटिना ता | २४२७ | 10. | | कुटुम्बपोष | १३५७ | कुन्तिभोजः श | · २७ १२ |
| किरीटी विज | | कुक्कुटशब्दं | ९५७ | कुडुम्बमास्थि | १०४८ | कुन्तिभोजश्र | २७०९ |
| किरीटेन त | २९४५ | कुक्कुटसूक | १३३० | कुटुम्बसंस्थि | १७५४ | कुन्तीपुत्रान् | १८९२ |
| किलाटो घाण | २३०४ | | १४७ | कुटुम्बार्धेन | २२९५ | कुन्तेन सादी | २६९० |
| किल्बिषस्पृत् ४ | | | १४६३ | कुटुम्बिनः कृ | २२९३ | | १५६८ |
| कीचकरतु वि | १९९० | कु व कुटाराव | ६३६ | कुटुम्बिनां ग्र | १७५४ | कुपितस्य प्रि | १९५० |
| कीटवृश्चिक | २४६२ | - S | २६५ ४ | कुटुम्बिनां स | २९४० | कुपिताः समु | १०९८ |
| कीटाम्बुमार | # १४६८ | कुक्कुरान्कर | # 3४८९ | कुटुम्बिनाम | २२९४ | कुपितैसीरे | २८१८ |
| कीटाश्वमार | * ,, | कुक्षिप्रदरे | | कुटुम्बिनो गृ | १९८७ | कुपुत्रे नास्ति | * २०४ १ |
| कीटाश्च मार | " | कुक्षिभ्यां प्रीति | | कुटुम्बिनोऽ थ | ११२० | कुप्यप्रदिष्टा | १३९४ |
| कीटो वाऽन्यत | २६४९ | कुक्षी तु साग | | कुटुम्बी यो ह्य | # \$ 888 | कुप्यवर्गः शा | २२६५ |
| कीदृशं तु त्व | * ₹४९७ | कुग, कुक, कु | २५३० | <u>कुट</u> ुकरोच | २२५८ | कुप्यसौवर्च - | १४६६ |
| कीदृशं तु पु | १४७७ | कुङ्कुमागु २८९ | | | २७०२ | - | |
| कीदृशं व्यव | १२४३, | Be Build 10 | | कुठेरकं स | # १४६६ | J | ६७० २२६५ |
| | १८१० | - कुङ्कुमेन | | कुड्यार्थच कुडुबार्थच | | 1 - | २२६५ |
| कीहशाः संनि | १६९३ | कुचन्दनं का | | कुडुनाय प कुडुनाश्चतु | २२७४ | | |
| कीहशा मान | १२९० | | | |)) | कुबेरकं च | १४६६ |
| कीहरोनेह | १०९२ | | | कुडुबो नस्य | २३०८ | • | * ,, |
| कीहरो पुरु | ६५४ | कुजहोरा त | २९४७ | कुडचलमां व | २९८२ | • • • • • | ८३१ |
| कीहरो विश्व | १२०९ | कुजहोरास्त | # ,, | कुण्ठा बहवः | २१०० | कुबे रमिव | ६५७ |
| कीहरौः किंकु | १६९३ | कुञ्चनाहण्ड | २८३७ | कुण्डलस्थाऽऽकृ | १५१९ | कुबेररुद्रा | २५४८ |
| कीहरीर्व्यव | * १२४३, | कुञ्जरं तुर | १६३७ | कुण्डे वा मण्ड | २९०२ | कुबेरश्च घ | ८७६ |
| | 48680 | कुञ्जर वात | २९१ २ | _ | १८९५ | | * ,, |
| कीनाशशक | २५४० | कुँ इतं वार २५१ | ४३,२७३१ | कुत एव म | ८४१ | कुब्जं वृक्षाद | २८७७ |
| कीर्तनं चार्थ | ८९२ | कुञ्जरः स्यन्द | २७३६ | कुतः फलान्य | १०५३ | कु ब्जजा नुर्भ | १५१५ |
| कीर्तनं भार्ग | २९७१ | कुञ्जरः स्यात् | २६७१ | कुतः स्विद्बाह्य | १६१६ | कुब्जां च घट | २८७४ |
| कीर्ति च लभ | | कुञ्जरस्थो ग | | कुतस्तस्याऽ ऽय | | कुभार्यो च कु | २०४१ |
| कीर्तिप्रधानो | | कुञ्जरस्य तु | | कुतो मामाश्र | | क्भृत्यानक् | # १४६८, |
| | | कु खरस्ये व | I | कुतो मामास | 1 | g evan g | a 8 6 8 4 |
| कीर्तिमन्तः प्र | | कुञ्जराः पर | 1 | कुतो युद्धं जा | 3737 | action and the | |
| कीर्तिमन्यनृ | | कुजराः पर कुजराणां ह | | कुता थुद्ध जा कुतो हद्रः की | १६१९ | कुभृ त्यान्पाप | १४६८, |
| कीर्तिमांस्तस्य | | | | | | | १७१५ |
| कीर्तिरक्षण | 8/60 | कुड़ारोपरि २८८ कुड़ां च घट | | | | कुभृत्येस्तु प्र — ि | # १६ १७ |
| - • • | , , , , , | 4.011 A 4.5 | # ~ C \ \ \ \ \ | कुतो वो विज | २८००। | कुर्मन्त्रिभनृ | १२७० |

| कुमार इव | - २३५४ | कुम्भश्च पद्म | | कुरूनपि हि | १९०१ | कुर्याद् गवा | २६१८ |
|---------------------|--------------------------|------------------|------------------|-----------------------|----------------|----------------------------------|----------------|
| कुमार एक | १४१५ | | २८४५ | कुर्यो शस्त्रब | २३५४ | कुर्याद्दुन्दु | २८५६ |
| कुमारं द्वाद | | कुम्भा अष्टौ पू | २८८४ | कुर्याञ्चतुर्वि | १६७६, | कुर्यादेग्यास्त | २८९६ |
| कुमारः पुष्प | | कुम्भाः साशीवि | \$\$ \$\$ | | १६७९ | कुर्याद्धि विग्र | २१४६ |
| कुमारकान् | प६ | कुम्भात्कुशोद | २९७५ | कुर्यांच्च प्रिया | १०६९ | कुर्याद्बाह्मण | ९८१, |
| कुमारकुमा | १७०० | कुम्भादभ्युक्ष | | कुर्याच्छान्तिम | २९१९ | , | २३३५ |
| कुमारमण्ड | २७०२ | कुम्भादावथ | २८३७ | कुर्यात्कृषि प्र | १३५८ | कुर्याद्धार्यी सु | ७४५, |
| कुमारमभि | १२८३ | कुम्भादिकं प्र | २८३८ | कुर्यात्कृष्णग | ٥٥٥ | | २८२८ |
| कुमारमिक्ष्वा | ८०५ | कुम्भादिरथ | २८३६ | कुर्यात्तथाऽञ्च | २९८२ | कुर्याद्यथाऽस्य | १७७८ |
| कुमारश्च प्रा | क्षेत्रव्ट | कुम्भाद्ये नि | २८३४ | कुर्यात्तदन | * १७०० | कुर्याद्योग्यानि | ** 4488 |
| कुमारसचि | २८१३ | | १४६४ | कुर्यात्तदनु | " | कुर्याद्राजा स | १८०४ |
| कुमाराणां च | १०११ | | २९०९ | कुर्यात्तदाऽन्तं | २४६६ | कुर्यानक्षत्र | २९ १५ |
| कुमारादिशि | १४७९ | | २७८९ | | २८८६ | कुर्यान्न रेन्द्रः | २५२३, |
| कुमारानु त्वा | ३५२,४६८ | | २४७३ | कुर्यातु प्रत्य | " | 9 | २५५० |
| कुमारामात्य | २७०३ | | २०५९ | कुर्यात्तु लक्ष | २९८२ | कुर्यान्नित्यम | १७८० |
| कुमाराश्च प्रा | १३०८ | कुम्भेष्वाशीवि | #१४६५, | कुर्याचुणम १८ | ८६,२०४४ | कुर्यान्त्रपः स्व | |
| कुमारासन्नाः | २१०९ | l · | १४९७ | कुर्यात्पथो व्य | ७१८ | कुर्यान्मण्डल | २९८२ |
| कुमारीभिस्तु | २८७८ | कुरङगुली स | २५३० | कुर्यात्पात्रं घृ | २९०० | कुर्यान्महाप्र | २९० १ |
| कुमारे कुमा | १४१६ | कुरवान्मनु | २९५९ | कुर्यात् प्रका | रृ ६७२, | | २८२४ |
| कुमारो नास्ति | ८४५, | कुरवो विन | १८९८ | | • | कुर्यान्महोत्स कुर्यान्महोत्स | २८७३ |
| ે રહ | (५०,२८१५ | कुरवो वै वि | * ,, | कुर्यात्स कुश | | कुर्यान्मार्गा न् | १४८९ |
| कुमारो हि वि | 900 | कुराजनि ज | ८२५ | कु यत्सिहायं | १४९० | - | २९७५ |
| कुमार्गगं नृ | १२६४ | कुराज्ये निर्वृ | २०४१ | कुर्यादतन्द्रि | 3 | कुर्युरर्घे य १३ | |
| कुमार्यः पञ्च | २८७७ | कुरुक्षेत्रांश्च | २६६६ | कुर्यादध्यय | 1 | कुर्युग िमिति | २९३२ |
| कुमार्याः संप्र | १०७३ | कुरुतः कल | २५३१ | कुर्यादन्यत्र | | कुर्धुदेंयं च | २९१३ |
| कुमार्या सहि | २५३१ | कुरुते धर्म | ८१२ | कुर्यादन्यन्न | ٦ | उउर्ग प कुर्युदीषम | १२२१ |
| कुमित्रे नास्ति | २०४१ | कुरुतेन च | ६६६ | कुर्यादमित्र <u>ा</u> | | वुर्युस्तन्मन्त्रि | १७६७ |
| कुमित्रे संग | ,, | कुरुते पञ्च | 600 | कुर्यादर्थप | | उद्धराजान कुर्यू राजान | ७९७ |
| कुमुदैराव | ર ષ(રે ૮, | कुरुते पुरु | *२४४६ | कुर्यादवेश २० | | | |
| - | ४५,२८८ २ , | मुख । युव्य य | १४७५ | कुर्यादालोक | 01. 4 | कुर्वञ्चान्ते शु | २५३१ |
| | ८४, २८९ २, | कुरु मे वच | २८०१ | कुर्यादासन्न | 0001 | कुर्वतः पार्थ —६- | ५९५ |
| | | कुरुम्बः पाण्डु | 4484 | कु यद्गिप्र ज | | कुर्वतः पुरु | " |
| _ | ६६ ३,२९७७ | कुरुविन्दाद्ध | | | 211.0 | कुर्वतश्च | १७७२ |
| कुम्भ क् णीद | ३५०० | कुरुष्व स्थान | २३८५ | कुर्यादुत्तर | २८५६ | कुर्वतस्तस्य | ५९५ |
| कुम्भकाराः शौ | २३४७ | , w | १०९० | कुर्यादुद्योग ७५ | ५०,१७३५, | कुर्वते न च | #६६६ |
| कुम्भद्रोणीनि | २३२४ | 19 . | २३८२ | | २३३९ | कुर्वतो नार्थ | ર ફ હષ્ |
| कुम्भपाताः प्र | २९६ २ | कुरूणां वैश | २४९१ | कुर्यादुभय | 1 | कुर्वतो हि भ | |
| कुम्ममात्राः प्र | 米 33 | कुरूणां सुझ | | कुर्यादुशीर | | कुर्वन्कि कर्म | २३७४ |
| - | | | | | . , . , | 2. 1. 1. Jul | #8096 |

| कुर्वन्ति कृत्रि | १३७१ | कुलं बहुध | #६१६ | कुलस्य संत | २०३३ | कुलीनाः ग्रुच | १२५६, |
|------------------------|--------|-------------------------------|---------------------|---------------------|-----------------|-----------------------------|---------------|
| कुर्वन्ति गर्ग | | कुलं विद्यां शु | | कुलसासान्त | २४४४ | | १२५७ |
| कुर्वन्ति तेषां | | कुलं वृत्तं त | , . १ ७३२ | कुलाढ्य उद्यु | २३३५ | कुलीनाः श्रुत | १२७९ |
| नुर्वन्ति पुरु | | कुछं दृत्तं श्रु | | कुलाना च स्ना | | कुलीनाः सस्व | १०६९ |
| ~ | ٠. | | | कुछानि जात | #१९७५ | कुलीना देश | १२१६ |
| बुर्वन्ति लेख | १८४० | 1 - | ર | कुलान जाताः | ,, | कुलीनान्नाव | १७३३ |
| कुर्वन्त्यन्यत्त | १३७६ | कुलं शीलं द | ९२५,११८३, | कुलानि श्रेण | १८२६ | कुलीनान्वित्त | * २३२८ |
| कुर्वन्नपि त | २४५० | | १९४० | कुलान्तिकाऽन | ३००० | कुलीनान्द्वत्ति | " |
| कुर्वन्न सीद | ११२५ | कुलं शीलं व | \$ \$\$68 | कुलान्यकुल | | कुलीनान् स ६ | ४६,१२४१ |
| कुर्वन्नादं ग्र | २५३१ | कुछं सत्त्वं व | " | | १९८५ | कुलीना वाक्य | |
| कुर्वन्नार्तस्व | २७६ ३ | कुछ हत्वा च | न ७२ ४४९ | कुलापराध | २१४० | | २०८४ |
| कुर्वन् लाभं | २५३१ | कुलं हत्वाऽध | ι " | कुलायन् कृ | | कुलीनाश्चानु ५ | |
| कुर्वन्वसति | ५९६ | 3 | २३५२ | कुलायेऽधि कु | ४०४ | कुलीनाश्चेङ्गि | |
| कुर्वाणश्चोत्त | २७९८ | | ८४६,१६३८ | कुलालकुक्कु | २५०९ | | *१२४६ |
| कुर्वीत कद | २४७३ | कुलक्षयक | १४७१ | कुलाहकु क्कु | ٠,, | कुलीनेषु कृ | १९५० |
| कुर्वीत गुण | ११८३ | कुलगुणशी | १२६४ | | १३०२ | कुलीनैः सह | १६९९ |
| कुर्बीत चैषां | २३३२ | कुलजः प्रकृ | १६९८ | | १२४४ | कुछीनो नीति | २३३९, |
| कुर्वीत तुमु | २४७३ | कुलजः प्राकृ | * ,, | कुलीनः कुल | # 8209, | | २३६१ |
| कुर्वीत तेषां | *~३३२ | कुलजः शील | | - | १,६१२८२, | कुलीराण्डद | २६५६ |
| कुँबीत रूप | ११५६, | कुलटा पति | १४२९ | • १६६ | ६, *२२१० | कुले च तत्कु | १११८ |
| | २,१७५८ | कुलत्थान् मि | | कुलीनः पूजि | ं १२१ ६ | कुले जन्म प्र | `२३६९ |
| कुर्वीत मधु | २९५१, | कुलदेशादि | ६०२ | | १ २० ९, | कुले जातस्य | १९९८ |
| 3 | २९७५ | | १०८१ | 200110 310 | | कुले जातो घ | १०९४ |
| कुर्वीत शास | १४१० | 1 9 | ६४८ | | ८१,१६६६, | कुलेन नाम्ना | १६७९ |
| कुर्वीत सचि | १२२४ | | 988 | | १०,२३६० | | |
| कुर्वीत सर्व | | कुलबाहुध | ६१६ | कुलीनः सत्त्व | | | ११०७ <u>,</u> |
| कुर्वीत साम | १९४४ | कुल भ क्तांश्च | १०१८, | | ५९,२८०३ | १६६ | २८२८ २८२८ |
| कुर्वीत सुवि ७२२ | | 3 | ११५४ | कुलीनः सत्य | १२४३, | | |
| कुर्वीताऽऽत्महि | | कलमुत्पाट | ११०३ | | | कुलेषु कल | प४ |
| भूगारा।ऽऽरमाह १२३० | 8538 | कुलविद्याश <u>ु</u> | १७२१ | कुलीनमभि | २८२४ | S. G | १०७३ |
| कुर्वीताप त्य | 6190 | कुल वि शुद्धि | १००६ | कुलीनमार्ये | २५७८ | कुलैकतन्तुः | २७९५ |
| · •• - | 1 | कुलवृद्धि च | २१३१ | कुलीनश्चानु | ५४६, | कुलैश्वर्यैश्च | २५४५ |
| | , | | १८३०, | #55 | १,२३५३, | कुलोद्गतं जा | २३६१ |
| कुर्वीताभिमु ७५० | | | | _ | 4412 | कुलोद्गतं स २१ भ | |
| कुर्वीतोपच | ११४२ | र इ | ५७,२३३८, | कुलीनश्चाप्र ६६ | 4234412 | कुलोद्गताः स्थि | १८२६ |
| कुनातःपच कुर्नीतोभय | १८७३ | क्रकदिवर्ग ≃ | | कुँलीनां रूप ७ | ४५,२८२८ | गुलक्षा । ज | २५८४ |
| कुलं जातिः स | | कुलस्त्रयं च कुलस्त्रियस्त | | कुलीनाः पूजि | २६ ०४ | कुलोद्रतैः श कलोदतं स | २२ <i>०</i> २ |
| कुछं दहति | | कुलास्त्रयस्त कुलस्य वा भ | | कुलीनाः शील | १८३०, | कुलोद्धतं स क्लोट्स्वं स | |
| 3 | | । अल्लाम | ८४९ | | क्रद्र | कुलोद्भवं स | . २२०५ |

बचनस्ची_,

| | | • | | | | | |
|--------------------------|---------------------|----------------------------|---------------|---------------------|-----------------|----------------------------|-------------------------------|
| कुल्माषवेणु | 696 | कुसुम्भमसू | २२८७ | कुन्छ्रेण साध्य | | कृतशं धृति | २१७० |
| कु ल्येकुमार | १२८३ | कुस्त्री खादति | २०४० | कुच्छ्रोपजापा | १९१६ | कृतशं प्राश | १२४० |
| कुल्यान प्यस्य | २१०५ | कुहकाभिचा | ९६६ | कृणुष्व पाजः | ४३,८४ | कृतशं बल | १२४४ |
| कुविदङ्ग य | १७१,३१५ | कुहकैर्जिटि | ९९३ | कृणोम्याजि म | ८५ | कृतज्ञं शक्ति | #2 १ ७ o |
| कुविन्म ऋषि | | कुह यान्ता सु | પદ | कृतं च सम | १२२२ | कृतज्ञः कर्म | २३६० |
| • | ۱, ۰ | क् जंश्चपल | २०२३ | कृतं तथाऽन्य | २८७८ | कृतज्ञः सत्य | ६६५ २५७८ |
| कुविन्मा गोपां | ,, ७१६३ ६ | कूटं नैव तु | ११४४ | कृतं त्रेता द्वा | ६०८,६३४ | कृतज्ञतोर्जी | २५७८ ** |
| कुवेशं मि | | क्टक्पाव | २६ २९ | कृतं त्रेतायु | ७१२ | कृतशाः कर्म | # २३६० |
| कुवेशमलि व विशेष्ट्र | " | _ | २२७९ | कृतं त्वया पा | २४२९ | कृतशाश्च व | \$ {\$\\$\\$ |
| कुषैधोऽमङ्ग | 1 | कूटमुद्राणां रूटम्याणां | 2380 | कृतं निपीड | ८९४ | कृतज्ञाश्चीर्ज | ६५९,१२४६ |
| कुशलं चापि | २०४४ | क् ट मुद्रायां | | कृतं प्रतिकृ | # २०३५ | कृतज्ञो दढ कृतज्ञो धर्म | ७९७,१०६३ ६६४ |
| कुशलं चास्य समर्वे उन | # 33 | कू टयुद्धवि | ६७७ | कृतं ममाप्रि | २६ ०५ | कृतरा वन कृतनरेन्द्रा | ૧ ૫ ° ૧૭ <i>૦</i> ૨ |
| कुशलं ननु | ७२९ | क् ढशासन | १४०९ | कृतं मानुष्य | २३७७ | कृतनित्यक्रि | २९७८ |
| कुशलाः प्रति | २३७४ | क्टसाध्यं क् | ११४४ | कृतं मृगय | # २०२९ | l | १३८७ |
| कुशलादिप | १७१५, | क्टस्वर्णम | २६९ १ | कृतं वा कार | १४४१ | कृतपापस्त्व कृतपुष्पोप | २ <i>९</i> ४० |
| | ७१७,१७४५ | कूटागारं च | २८६१ | कृतं वा निष्क | १३८२ | कृतप्रशक्ष | १२४२ |
| • | ९८१,२३३६ | क्टागारैश्च | # 8883 | कृतं विश्वासि | ७२९ | 1 - | |
| कुशला व्यव | # १ २४५ | g = 1 | २८१२ | कृतं हि योऽि | न क २३७२ | | १८९७ |
| कुशलेन क | २३७३ | कूपवापीपु | १४३२ | कृतः पुरुष | १०४०, | कृतप्रणाशः | २०८८ ८ ९ ४ |
| कुराखलं वृ | १९९८ | कूषा इव तृ | १०९८ | | २३९३ | कृतप्रतिकृ | |
| कुशाम्रफल | २६५६ | कूपान्तरे प्र | २९८२ | कृतकः स्वाभ | ग ्८७१ | कृतप्रति कि ——— | २० ३५ २२२५ |
| कुशीलवाः श | | कूर्चिकां सेना | २३०४ | कृतकण्ड ल | २६५ १ | कृतप्रतिघा करामार्थ | २२२५ १५७०,२०६३ |
| कुशीलवाः स | १३८७ | कूर्परं तद | # १५१६ | 1 - | २२८४ | कृतप्रयासं कृतप्रवेशाः | 2300 |
| कुशीलवानां | १४६३ | कूर्परं त्रिवि | ,, | कृतकर्मानु ' | २८२४ | कृतबुद्धि र्दु | % १०८७ |
| कुशीलवा रू | १३३० | कूर्मपृष्ठा मा | १४८९ | इ.त कुत्यमि | ८६७ | कृत्रबुद्धि र्व | |
| कुशीलवास्त्व | १७०१ | कूर्मवसास | १५३७ | कृतकृत्यस्य | ५८६ | कृतभाण्डप | ,, ३२५५ |
| कुष्ठलोध्रयो | २६६२ | कुकलासका | १५३६ | कृतकृत्यो व | 466 | कृतभाण्ड न्य | 2282 |
| कुष्ठस्य प्रिया | २६ ५४ | कुकलासय | २६५१ | | ८६७ | कृतमन्त्रः सु | १६७६ |
| कुष्ठाजमोद | *१ ४६६ | कुच्छ्रं चापि हि | २९१२ | | १२२० | | १६४७ |
| कुष्ठाजमोदा | " | इन्ड्यातो रा | २६२३ | कृतगुल्मं स्व | १५२७ | कृतमाला ता | |
| कुसंतत्या कु | १२७० | कृच्छ्रप्राणाः प्र | ७३८,८२४ | कृत घ्नश्चाध | १२९१ | | ६२७,२९३९ |
| कुसंबन्धं कु | २०४१ | कृ ब्लूमदण्ड्य | १९६८ | | २०८३ | | ૨ ५૨૮ |
| कुसाक्ष्युद्ध त | १४२८ | | ११६४, | कृतध्नस्य नृ | २०३५ | 1 - | ६०४ |
| कुसीदकृषि | ८८९ | 18.0 | ३९,१८१४ | कृतघ्नाः सूर्य | २३५ ८ | 1 | ₹0 ४ ₹ |
| कुसुमशर | २५४८ | 1 | १००९ | | १५८९ | ۱ م | १०६७ |
| जुजनसर कुसुमान्तान्द | | कृ च्छ्रास्वापत्सु | प४ | 1 | 3031 | l l | |
| | | कुच्छ्रेण कर्म | | कृतशं धार्मि | | कृतयत्नत | ₹ <i>9</i> €₹ |
| कुसुमितस | - 45 | 1. 7 | | 16.44 4111 | P 100 | - । द्वाराजाता | 5060 |

| कृतरक्षः स | ९५२,९८० | _ | २४२३ | कुतास्त्रादकु | २१०७ | कुत्यपक्षं वि | १६७ ९ |
|----------------------------|-----------------|----------------------------------|----------------|---------------------|---------------|----------------------------|---------------|
| कृतरक्षश्च | २५४६ | कृताञ्जलिपु | ११२३ | कृता ह्यनेन | १८१३ | 1 | ※ ,, |
| कृतवर्मा तु | २७१२ | | २७६ १ | कृतिनोऽथर <u>्व</u> | #१६१८ | कृत्यपक्षोप | १६७०, |
| कृतवानवि | ६११ | 1 - | #8८१३ | कृती चामोघ | १२१८ | 8 | ६७९,२१९७, |
| कृतवानस्य | २७९९ | कृतात्मनि क्षा | * ६५५ | कृती तत्कुर | ११५८ | | २६४०,प५ |
| कृतवान् रौ | २७६ ३ | कृतात्मा राज | २०१३ | कृती यत्नप | # <i>₹७९७</i> | कृत्यमानानि | २७६९ |
| कृतविद्यश्च | २३५१ | कृतात्मा सुम | १२१८ | कृते कर्मणि २३ | | कुत्यशेषेण | १०७६ |
| कृतवि द्योऽपि | १२६२ | कृताऽथ सर्व | २८९५ | कृते कर्मण्य | ११७५ | कृत्याकृत्यप | १६४९,१९५६ |
| कृतवीर्य <u>े</u> कु | २३६९ | कृता दुन्दुभि | ,, | कृते ज्ञानिनः | १४१६ | कृत्याकृत्येषु | ૨ ३ ५૨ |
| कृतवीर्ये दि | ७३० | कृ ताधिवासं | ३००२ | कृते तु भूमि | २८८७ | कृत्याचतुष्ट | ८५८ |
| कृतवैरे न | २०३७ | | १२५५ | कृतेन येन | २८८५ २८८५ | कृत्यादूषण | २९०६ |
| कृतशिल्पश्च | १२५६, | कृतानि, या च | ¥ | | २५२२ | ऋत्यानि पूर्वे | १२०८, |
| | १२५९ | 2_ 2_ | १७६२ | कृते पुरुष १० | | | १६९२ |
| कृतशुल्केना | २२८० | | १६१५ | कृते पौनर्भ | ८६० | कृत्या नृशंसा | ५५९ |
| - उ कृतश्रमान् स | १५४२ | | #२९६६, | | | कुत्येऽमित्रे भ्यो | ५ १९ |
| कृतसंघात | प१० | 1 | २९७७ | कृते विनश्य | | कृत्योपग्रहो | १६८३ |
| कृतसं धिर | २१५ ९ | | 2886 | कृतोद्वाहः कृ | १४८ ० | कृत्रिमं च म | १८५७, |
| कृतसंधिरे | १९२० | कृतान्नपञ्च | २९६६ | इतोपनय इतोपनय | ८९७ | | १८५९ |
| कृतसं धिर्ही | २१६ ६ | कृतान्येव तु | १७८० | i | ७३१ | कृत्रिमं नाम | १४९२ |
| कृतसंपन्ना कृतसंपन्ना | - २ ९ ३२ | कृतान्येव वि | १७८१ | कृतोपवासं | २९४० | कुत्रिमद्दन्द्व | ,, |
| _ | २६ ४३ | कृतान्येव हि | # १ ७८० | कृतोपवासो २९ | | कृत्रिमस्वर्ण | ८९५ |
| कृतसङ्केत | - | कृतापसर्पी | २६३९ | कृत्तकेशन | २३५२ | कृत्रिमा हि भू | |
| कृतस्थला घृ | २९६१ | कृताभिषेकं | २४९९ | कृत्तिकां पीड | *२४९२ | कृत्वा कर्म प्र | • |
| कृतस्य कर 🐞 | | कृताभिषेकः | | कृत्तिकाद्यानि | २४६२, | | |
| | \$ २३७९ | l | २८५७ | | २४६ ३ | कृत्वा च चित्र | |
| | १५७,२३७९ | कृताभिसम | २७१७ | कृत्तिकायां बु | २४७० | कृत्वा च विज | |
| कृतस्य चैव | २०३६ | कृतायां तु प्र कृतार्थे मां स | २८५९ | कृत्तिका रेव | २४७२ | कृत्वा चाङ्गार | |
| कृतस्य प्रिय सन्स्रापनि | २०८६ | • | १६६६ | कृत्तिकारोहि | २८५५, | कृत्वाऽऽज्यभा | |
| कृतस्थाप्रति अञ्चलका | २१५४ | | २०६३ | _ | २९५६ | कृत्वा तथाऽन | यां २८२४ |
| इतस्वपक्ष | १७६८ | कृतार्थस्तु स्व | | कृत्तिकाश्चास्य | १५०७ | कृत्वा तु प्रार्थ | २५४३ |
| कृताकृतं प्र | २५ ९५ | कृतार्थाच सा | | कृत्तिकासु ग्र | २४९२ | कृत्वा तु यौव | १०१५ |
| कृताकृतज्ञा | 1 | कुताथ ि ज्याय | २१५६ | कृत्तिकास्तस्य | # १५०७ | कृत्वाऽऽत्मस ह | १२१८ |
| ट्र ताकृतशो | | कृतार्था भुञ्ज | १६६६ | कृत्यं मृगय | २०२९ | कृत्वा त्रिभाग | २९०८ |
| कृताकृतप्र | # २५९५ | कृतार्थी भर | | इत्यं विंशति | | कृत्वा दे वग्र | ७४० |
| कृताकृतस्य | 1 | कृतार्थी मे द | | इत्यं हि योऽभि | | इत्वा नित्यवि | ११२४ |
| कृता च कलु | | क ृताशीर्गुरू | | इ त्यकालेषु | | इत्वा निवेदि | १२५५ |
| कृताकुछि न्य | २७६६ | इ तास्त्रमश्रू | | इत्यकाले स | | हत्या जयार इत्वा दृशंसं | * ५ ५९ |
| | | | | | | | |

| कृत्वा पायस | २५४८ | कृतस्न एवैनं | २ १५ | कृमिकोषस | २८४२ | कृष्णकर्णिक | २८७३ |
|-------------------------------|--|------------------------|---------------|--------------------------|----------------|---------------------------|---------------------|
| कृत्वा पिष्टम | २५२९, | कृत्स्नं करोति | ३१४,३१६ | कृमिजालस | २८७६ | कृष्णग्रीवा श्च | २४८६ |
| | | कृत्स्नं चाष्टवि | | कुरामथ वि | ७५८ | कृष्णचतुर्द २६ | ६०,२६६१ |
| कृत्वा पूजां तु | २९८१ | | १७७७ | कृशानुरस | २४७३ | कृष्णता राहु | १२२९ |
| कृत्वा पौनर्भ | ८६० | कृत्स्नं तदेव | ५६ ० | कृशायां चार्थ | २९८२ | कृष्णपक्षे त्व | २८९८ |
| कृत्वाऽऽप्नोति य | २८९६ | कृत्स्नं तन्मे य | क७९१ | कृशाश्वपत्नी | २९५६ | कृष्णमेकाद | २८७३ |
| कृत्वा प्रियाणि | १६०७ | कृत्स्नं बुद्धिब | #६०३ | कुशाश्व स् गाग्नि | २९७६ | कृष्णश्च देव | १९०८ |
| कृत्वा बलव | २०२६ | कृत्स्नं हि शास | त्र ९२० | कृशोऽपि हि वि | | कृष्णश्च परि | २४८६ |
| कृत्वा भृत्यज | ७३५ | | १२४६ | कृषन्ति बह | | कृष्णश्चेति प | २८३८ |
| कृत्वा मनसि | २७९८ | कृत्स्नमेते वि | १२०९ | कृषिं दुर्गे च | | कृष्णश्वेतं त | २९२१ |
| कृत्वा मानुष्य | २३८२ | | | कृषिः प शुपा | ९१४ | कृष्णसंधिषु | २३११ |
| कृत्वा युद्धं प्रा | २६८९ | कृत्स्ना मार्गगु | | कृषिकृत्यं तु | १३७६ | कृष्णसर्पमु | २६५४ |
| कृत्वा रिपूणां | २४६७ | कृत्स्ने च मण्ड | २१६३ | कृषिगोगुप्ति | १४३० | कृष्णां षेतुं कृ | २४८१ |
| कृत्वा विधानं | २५७ १ | कृन्तन्ति देहि | ११३२ | | २,१११७ | कृष्णा कूटा द | १४२ |
| कृत्वा विभव | २८९९ | कृपः शल्यः सं | गै २४३१ | कृषिगोरक्ष्य ८६। | | कृष्णाकृष्णाङ्गि | # २९९७ |
| कृत्वा ध्यहं म | ૨७ १५ | कृपः शारद्व | २७१९ | | ५९,१३८८ | कृष्णा कृष्णाङ्गि | " |
| कृत्वा शमं शा | * २९२१ | कृपणं याच | ६०९ | कृषिपाशुपा | 000 | कृष्णाजिनानि | २४३९ |
| कृत्वाऽऽशीर्गु र | ** ^{\$} ^{\$} ^{\$} ^{\$} | कृपणं विल | २७६२ | कृषिर्भृतिः पा | १०२७ | कृष्णाञ्जनाभ | २९२ १ |
| इत्पाउउसासुर कृत्वा शेषं त | | कृपणः पीड्य | ७५०, | कृषिर्वणिक्प ७५ | ०,११३६, | कृष्णा त्वेतत् | २४३९ |
| कृत्वा शेषे पु | २९७४ ३९४७ | १ः | १२९,११४१ | १३६ | ४,१४२१, | कृष्णायसस्ये | २३८७ |
| | २९८५ | कृपणस्य ध | ११२५ | | १७३६ | कृष्णे कोशक्ष | १६१२ |
| कृत्वा संध्यां त | ९६० | कृपणातुरा | १०३२ | कृषिवीणिज्य | # ६४७ | कृष्णे वसानो | २८७१ |
| कृत्वा संपूज | २९५३ | कुपणादवि | १७०८ | कृषिवाणिज्य | ,, | कृष्यमाणः स्त्रि | २४९९ |
| कृत्वा संशोध | ७४० | कृपणानां च | # 933 | कृषिवृष्टिस | २४०९ | कृष्याश्चान्येषा <u>ं</u> | २०९७ |
| कृत्वा सधर्म | १९९३ | कृपणानाथ | ६०२,६१०, | कृषेर्वृष्टिस २४०५ | २,७२४०९ | कुष्योपजीवि | ८५८ |
| कृत्वा सधूपां | २८२७ | | ७३३,७४९, | कृष्टपच्येव | પે | कुंसरोल्लोपि | २९०७ |
| कृत्वा सर्वाणि | ५९८ | | १०७० | कृष्टीरन्यो धा | १ | क्लुप्तमानूप | २३०१ |
| कृत्वाऽसौम्यमि | २३९१ | कृपणानाम | २३८४ | कृष्टे क्षेत्रे त | २३९३ | क्लृप्तमायं प | २२२२ |
| कृत्वा स्कन्धावा | २६४४ | ऋपणेषुद ५ | ७५०,११३४ | कृष्णं यमेन | २८७५ | क्लृप्तिरसि दि | २२३ |
| ऋत्वा स्वविष | * २५५३ | कृपश्च कृत | २७१४, | कृष्णं वासः कृ | | केकयसञ्ज | १४१५ |
| कृत्वाहि पूर्वे | २०२७ | 2 | ७१५,२७१६ | कृष्णं वासो वा | २५८ | केकया धृष्ट | २७०६ |
| कुत्वैतदग् <u>न</u> ्यं | २९०८ | 1 | १९०८ | कृष्णं वे तमः | २६ ३ | केकयानाम | ६०१ |
| कृत्वैवमर्च <u>ी</u> | २८९४ | कुपाणकर्म | *१ ५२० | कृष्णं सितंक | १३७१ | केकया भ्रात | રૂહે १२, |
| कृत्वोत्सर्गे तु | १७४२ | कृपाणीकर्म | " | कृष्णं सितं पी | " | | ર ૨ ૭ ૧ ૫ |
| कृ त्वोपलेप | ७४० | कृपा न तस्मि | १८८७ | कृष्णः सर्पो वा | | केकरजिह्य | |
| कृत्वीद नै र्व | | [।] ऋपीदर्वीद | | <i>कृष्णकं</i> सोप | २६५ ९ | | १५३७, ३६०३ |
| e., 41 J | | | | | • • • • | , | २६ ९ २ |

| कैकी चासो म | | केन ष्टुत्तेन | १०६३ | केशिनी वृश्चि | १४७० | कोणे रेखाद | १४९७ |
|----------------------|-------|---------------------|--------------------|-------------------------------|-----------------------|-----------------|-------------------|
| के कुतस्त्याः कि | २२७९ | केन वै वर्ध | #५७८ | केशेष्वेव गृ | ६८२ | कोणेषु पश्चा | २८४५ |
| केचित्क्षेत्रस्य | २४०४ | केन खिद्बाहा | ६३४, | | २८०० | कोऽत्रेत्यहमि | १२०६, |
| केदित्पुरुष | २४०५ | | # १०८३ | केषां प्रभव | # ६० १, | १२३ | ८,१७२३ |
| केचित्सर्वे प्र | १०५१ | केन स्विद्धर्भ | ५७८ | | # ? ₹ ? ५ | को दण्डः कीद्य | ६१३ |
| केचित्स्वभाव | १३००, | केनाप्युपाये | १९६५ | केषां प्रभुत्वं | 2806 | को दैवशप्त | १८९९ |
| | १८७९ | केनास्मिन्त्राह्म | १०८३ | केषां राजा प्र६ | | कोद्रववर | २२६० |
| केचिदाहुर | २४६९ | केनेदमन्य | ४०४ | • | | कोद्रववीही | २२५९ |
| केचिदैवात्स्व | २४०६ | केन्द्रत्रिकोण | २४७१ | केषांहि पुंसां केषाःकारिक | २४०८ | को न मूढो न | २७६१ |
| | ÷ ,, | केन्द्रत्रिकोणे | २४६७ | केषामस्थिनि | १४७५ | को नाम कृत | प२ |
| केचिद्धि दैवस्य | २४०७ | केन्द्रेषु श्रून्ये | ,, | केषु विश्वसि | ५७९ | को नाम धन | १२०३ |
| केचिद्धमा दि | २८६७ | केन्द्रेषु सौम्ये | २८२७ | केसरी महि | २८४७ | को नाम सचे | १५४१, |
| केचिद्युद्धम | २४०४ | केन्द्रोपगते | ૨ ૪૬५ | केसरीव द्वि | २१२२ | | ८,१८०४ |
| केतनानां च | ५७० | के पूज्याः के न | | कैकेयो धृष्ट | #२७०६ | को नामार्थार्थी | १६३० |
| केतुं समस्त | २८७६ | के माऽनुरक्ता | १०७६, | कैकेया वच | # C & <i>0</i> | कोऽन्यो भवत्पु | १२८४ |
| केतुच्छत्रायु | २९२६ | 1. 11.334.11 | ૨૦૦૫ | कैडर्यपूति | र६६२ | कोपं करोति | ११४०, |
| केतुना धूमि | २४६२ | के लोका युध्य | २७६९ | कैलासमन्द | ૨૪૬૪ | | १६६२ |
| केतुपातो नृ | २८७६ | के वयं के प | १७६७ | कैत्रतीकाष्ठ | २३०० | कोपजस्त्रिव | १५५७ |
| केतुमन्तं म | ८२३ | केवलं दण्ड | % १७८५ | कैवल्यस्यैव | १५१२ | कोपप्रसाद ११९ | .७,१८०१ |
| केतुमानपि | २७०५ | केवलं दन्त | 99 | कैश्चिदफलाः | १५३७ | कोपस्थानेषु | २६३३ |
| केतुमान् व | २७१० | केवलप्रधा | १११९ | कोकविद्वा | ९६६ | कोपाझिः शाम्य | #२०३७ |
| केतुराचार्य | २७०४ | केवलात्पुन | १२४१ | कोकिलस्य व | २०४३ | को भवानिति | ६२८ |
| केतुर्गतिस् प | २५२१ | केवलैश्चत | २९८३ | कोक्तिलाः शत | २४८९ | कोमलं गुरु | २८४६ |
| केत्त्थापन | २८७८ | के वाऽनुरक्ता | #१०७६, | कोकिलाभा च | ९८ ३ | कोऽयं हरिरि | ८२२ |
| केत्दयोप | २९२७ | | *2004 | कोटरे वास | २५११ | कोल्कद्वय | १४६६ |
| के ते बृक्षाः प्र | १४७५ | केशनी वृश्चि | *{}}% | कोटिभ्यां जघ | २७३४, | को वाकुरून् | २४२३ |
| केतोः पादप्र | २८७७ | केशमांसास्थि | २७७१ | | <i>૨७</i> ૪ | को बाऽहं का च | •११०६ |
| केदारवत २६८४ | ,२७५१ | केशरेणोप | २८३३ | कोटिमध्यात् | | को वेद मनु | ३०८ |
| केदारा च त | 3000 | केशवं पूज | २५०६ | कोटिशश्च न | २४४७ | को वै नामै प्र | ४७८ |
| केदारे बीजा | १११६ | केशवस्य तु | २४८५ | कोटिश्च व्यूह | #२७३८ | कोशं च जन | _क १३२१ |
| के धर्माः सर्व | | केशवस्य पु | २८३ | कोटिहोमं तु | २९२८ | कोशं दण्डं च | ५७८ |
| केन देवाँ अ | | केशवादेव २४८ | | कोटिहोमेषु | २९१३ | कोशं दण्डं ब | १३२३ |
| केन नृपुर | | केशवाभ्यर्च | | कोटिहोमोऽपि | २९३८ | कोशं राज्यत | १३५९ |
| केन पौराध | | केशवो भग | i | कोटी च ध्यह | 1 | कोशं वर्धय | १३८० |
| केन भूतानि | | केशानां कर्ण | १९८७ | ~ | • | कोशं संजन | १३२१ |
| केन रत्नमि | | केशान्न वप | ર રે ૧ ૧ | कोटीजघन | | कोशः कोशस्य | १५५२ |
| | | | • 1 | | (,,,,,, | W | • |

| कोशकारप | 2233 | कोशस्योपार्ज | ५६८ | कोषस्य साध | १३८२, | को ह्येव युष्मा | २४२३ |
|------------------------|---------------|--|---------------|------------------|----------------------|-----------------|---------------|
| कोशकोष्ठागा | | कोशांशेनाथ | २११६ | | १४३८ | कौटल्येन न | १८३७ |
| कोशक्षये त्व | | कोशाक्षपट १३१९ | 1 | कोषागारेऽभि | _॥ १७३५ | कौटिल्यं कौल | ५८६ |
| कोशगृहवि | ९७१ | | | कोषातकी च | ९८५ | कौटिल्येन कु | ६७९ |
| कोशदण्डब | २०७६ | | १४७० | कोषात्तद्व्यस | १५७८ | कौटिल्येन प्र | १५३०, |
| कोशदण्डःय | १५५२ | कोशाद्धर्मश्च | १३२४ | कोषाध्यक्षान् | १२३० | | १९४४ |
| कोशदानेन २०६ | | कोशाद्धि धर्मः | | कोषे जनप | ^२ २०७३ | कौत्हलाद्वि | ६५५ |
| कोशद्रव्याणां | ૧ ૨ ૨૨ | कोशाद्वा दद्या | ः १०२३ | कोषे प्रवेश | १३६२ | कौन्तेय तं न | २०५३ |
| कोशधारी भ | # २३३६ | कोशाधिष्ठित | १३२८, | कोषो महीप | १३८१ | कौन्तेय सर्व | ५६ ३ |
| कोशनी तिर्भ | १५२४, | India iio | 2282 | कोषो मित्रं च | ११६९ | कौबेरेण तु | 200 |
| | २६८ २ | कोशाध्यक्षः को | 2228 | | *{%% | कौबेयी मधु | # २९५१ |
| कोशपूर्वम | २२२० | कोशानां रक्ष | ८३१ | कोष्ठकाः सश्रि | ,, | कौमारिकाणां | ८३९ |
| कोशपूर्वाः स | १३२८, | कोशाभावे च | १५५२ | कोष्ठकानां च | १४८६ | कौरक्षेत्रांश्च | *2555 |
| -> | २२२१ | कोशाभावे द | | कोष्ठकालये | १४५१ | कौरवानभ्य | २७१२ |
| कोशप्रवेश्य | ६७० | कोशाभिसंह | ,, ६७३ | कोष्ठविस्तार | १४८५ | कौरव्य पर्य | # ₹048 |
| कोशभूतस्य | ९६ १ | कोशार्पितं रा | २२ १ ५ | के!ष्ठागारं च | १३१९ | कौरव्यो धृत | *688 |
| कोशमकोशः | १३२८ | कोशे जनप | १०३९ | कोष्ठागारम १३१९ | ९, २२१० | कौरक्षेत्रांश्च | *२६६६ |
| कोशमस्य ह | २५६७ | कोशे दण्डे प्र | ८०६ | कोष्ठागाराध्य ६७ | ०,ं२२५७ | कौमी संकोच | २१४४ |
| कोशमादाय | १५५१ | | | कोष्ठागारायु ६५ | ५८,९६० | कौर्मसंकोच | * ,, |
| कोशमूला हि | १३१९ | काशन वमः कोशेन पौरै | ⊕१३२४ | कोष्ठागारेऽभि | ११३६, | कौलाः सर्पा मा | १०९९ |
| कोशमूलो हि | १३६५, | | २०५४ | १३६१ | ४,१७३५ | कौलिसपी म | * ,, |
| १ ५५ : | १,१५५२, | | ११६९ | कोष्ठागारे व | २२११ | कौलीनं दृद | कश्टिष |
| • | १५८३ | 1 | ९५८ | कोसलानामा | १२१० | कौलीन्यं दृद | " |
| कोशवानप्य | २०९८ | 1 | १५५० | कोसलावन्तिः | | कौशिक्स कि | ७३१ |
| कोशवान् पृ | १३६५ | | १३२८, | कोसली नाम | १४४३ | कौशिकेन ह | २११९ |
| कोशवान् सु | १३८३ | ł. | १३९१ | कोऽसि कतमो | १८० | कौशेयादेमी | २३४३ |
| कोशवृद्धि स | ११५३ | 1 | ११६८ | कोऽसि को नामा | * ,, | कौरोयैवी ख | २९८२ |
| कोशश्च सत | १३१९ | 1 | ६१७ | कोऽह५ स्थामित्य | २७ | कीपेयमथ | २८४२ |
| कोशसंग्रह | १२४६ | 1 | १३८० | को हवै नाम | 29 | कौसल्यातोऽति | ८४७ |
| कोशसंधिं या | २६२० | 1 | १३८० | को हि कृष्णास्ति | | कौसल्येनैव | २००६ |
| कोशसंवर्ध | ८२१ | A. Contract of the contract of | १३७८ | को हि नाम कु | १ १२९ | कौसीदं वात | २८२६ |
| कोशसङ्गव | ६७५ | 1 | | को हि नाम पु | २६ ९४ | कौरतुभः शङ्ख | २९६३, |
| कोशस्थस्याऽऽ दे | १५३६ | _ | १२३० | को हि नाम श | ११२९ | | <i>२९७७</i> |
| कोशस्य निच | १ ३२६ | 1 - | १५८३ | को हि बन्धुः कु | २४४४ | ककराञ्चारि | २४८९ |
| कोशस्य संग्र | ११२४ | t . | २९८३ | को हि राजा श | ७४९ | ऋतवो विधि | ११६४ |
| कोशस्य संच | १३२६ | कोषस्य संच | १३६३ | को हेतुर्यद | ७९३ | ऋतुं बृहन्त | ₹8 |
| | | | | | | • | • |

| क्रतुं सचन्ते | ટેષ | | २३३३ | क्रियासु कुश | . २३४३ | षुद्धे चास्मिन्ह | १०६२ |
|----------------------------|-------------------|---------------------------------------|----------------|-----------------------------------|---------------|----------------------------------|-------------------------|
| ऋतुः सर्वश्च | २९५९ | क्रयो वाविक | ११४४ | 1 - | #8८२ | _ | १६९२ |
| ऋतुः सुवर्ण | # ,, | कव्यादमृगा | ९५७ | 1 | ारि ,, | कुढ़ैहिं विप्रैः | ६४६ |
| ऋतुर्दक्षा व | #394८ | | | किया हि द्रव | यं ८७१ | | १९०३ |
| क्रतुर्दक्षो व २९५ | ८,२९७६ | ऋव्यादामिना | ७१ | क्रियैकदेश | ७६० | कुद्धोऽ प्य कु द्ध | १८८९ |
| ऋतुश्रवाश्च | २९७६ | क्रव्यादाऽनुव | ५२१ | क्रीडनश्च त | # २९६० | कुछो यदि ह | १११८ |
| ऋतुस्थला घृ २९६ | १,२९७७ | क्रव्यादान् प | २४८९ | ऋीडनाय वि | १५९८ | कुद्धो हि कार्ये | १९०६ |
| ऋत्नाहृत्य | ં રહદ્દ ર | कव्यादा भक्ष | २४८८ | क्रीडनायात्र | ,, | कुद्धो हि सर्प | ११९७, |
| ऋत्वः समह | ۰۹ | कव्यादाश्चोप | २९५६, | क्रीडनायाऽऽ | - | | १७५८ |
| ऋत्वा नो मन्यो | ४८९ | | २९७६ | क्रीडनायास्य | | कुद्धौ परम | १८१३ |
| ऋन्दाय ते प्रा | ६६ | क्रव्यादो वात | ५१९ | क्रीडन्ति विवि | ••• | कुध्यन्तमप्र कुध्यन्ति परि | १ ९०५ |
| क्रमणी कामि | [#] २९९८ | क्रव्याद्धय इव | ७९० | क्रीडन्बकैः क | | 9 | १०६२, •= ०२ |
| क्रमनियम | २८३८ | क्रिमिजिन्वत् | ४०८ | कीडन् सुर | | क्रु श्यन्ति परि | १६९२ क्ष १०६२ |
| क्रमप्रमाणा | २८६८ | क्रियते तत्क | ८५८ | | | 1 - | |
| क्रमविक्रम | २ ९ ०० | क्रियते प्राण | २११६ | क्रीडानिमित्तं | | क्रुश्यमाणः स्त्रि | #2888 |
| क्रमशः स्थापि | २७५२ | क्रियतेऽभ्यई | ७५०, | · • | ९८२ | 1.0 | # २३५८ |
| क्रमशो मण्ड | १७७९, | | १,११४२ | क्रीडा पिशाच | | क्रं व्यसनि | १७०९ |
| १८५६ | ,१९३६ | क्रियते यच | १९५१ | क्रीडापुष्करि | २८१३ | कूरः स सर्व कूरकर्मा स | १६९७ |
| क्रमशोवा द | 2660 | क्रियते विधि | २९२८ | क्रीडाप्रीतिर्न | १५९९ | कूरमस्या आ | ११५० ३९९ |
| क्रमशो विना | १५३७ | कियन्ते तस्य | २७८९ | 1.44 - 1 | २९७६ | कूरमिव वा | * |
| क्रमागतं रा ८४४ | ,११७३ | कियमाणं कृ | € ₹₹४५ | क्रीडितुं तेन | १०६३, | करस्य वेला | २५०८ |
| क्रमात्पितृणां | 8686 | क्रियमाणं स्व | १७९१ | | १६९२ | कूरस्थोद्धत ्र | १९६९ |
| क्रमात्स्वद श | १८४७ | क्रियमाणानि | ११०४, | क्रीणन्तो बहु | १०७२ | क्रूराः पुरुष | २९०७ |
| कमादभावे क्रमादभावे | 1 | र्७५ क्रियाः सर्वाः प्र | ७,१७८१ ५५९, | क्रीतः काकैः | क २५१२ | कूरा च पिङ्ग | ૨ ९९४ |
| | - 1 | | ३,१३२६ | क्रीतायावनि | रे ८६० | कूराय कर्म ७९ | |
| क्रमादर्थे र | १३६७ | त्रियाणामुचि वि | 2920 | क्रीतिनः प्रस | २९६० | रूराय मन ७१ | २३८८ २३८८ |
| क्रमादेषां य | ,,,,, | क्रियाति शयो | ९०६ | कुद्धं न चेदी | # २४२७ | कराश्च मार्द ७६ | |
| कमाद्वेतस | 1104 | क्रियादीप्तो वि | - 1 | कुद्धः परुष | १९०५ | 9 | #2406 |
| क्रमावहीन इस्टिक्ट करि | **** | क्रियाभेदादु | | कुद्धः पापं न | ,, | ब्रे चु वेला | २५१३ |
| क्रमिणी कामि क्रमेण युग | | किया भेदै स्तु | | कुद्धमौलारि | १५८६ | करोऽपि भोग्य | # 8 8 6 4 |
| नामण जुग क्रमेण ब्युत्क | | ^{। या} नामप् क्रियाभैष्ठय | | कुद्धमौलावि | * ,, | ू कूरो यथोक्त | १६७६ |
| नलण ज्युरक क्रमेणानेन | | _ | | मुख्यालाप कुद्धऌब्धभी | | केता गुल्कम् | 2288 |
| क्रयपत्रं दा | | क्रिया वसान | | <i>मु</i> द्ध छण्य न । | • • • • • • | केतृसंघर्षे | २२७९ |
| | ११४४ | क्रियाविपन्नो | ९३७ | | | नेप्टूपान केतृणां मत्त | २२९१ |
| क्रयविकय १३३५, | , , , , , , , , | क्रियाविशेष | | कुद्धश्च कोपि कुद्धस्य चेद्री | | क्रतॄणा मत्त क्रोधं कुर्यात्र | २२ऽऽ १०६४ |
| क्रयाधमणी | , | कियाव् युपर | | • | | | |
| | 10041 | 316 | 703 | कुद्धाँल् <u>छ</u> ब्धा न् | ५३५० | क्रोधंत्यक्त्वातु | १९०६ |

| | | 1-2-2 | | | | | |
|------------------------------------|----------------|-------------------------------|--|------------------------|-------------|--------------------|-----------------------------|
| क्रोधं नियन्तुं | १०७६ | | # | क्वचिच्चोरैः क्व | | क्षणेन विन | ७९९ |
| क्रोधं निहन्तुं | • ,, | क्रोशो ग्रामेभ्यः | ,, | क्वचित् कण्ट | २६७९ | क्षणेन विभ | ७४६ |
| क्रोधं बलम | १९११ | क्रौञ्चश्येनाभि | २७३० | क्वचित्कल्याण | १७८८ | क्षणेनाहन् | २८०१ |
| क्रोधं भयंच | · ,, | क्रौञ्चानां खेग | २७५० | क्वचित्कश्चिच | # 3003 | क्षणेनाहन | * ,, |
| क्रोधजानि त ५ | | क्रौञ्चेन मह | २७ १ २ | क्वचित्संख्या क्व | १८४३ | क्षण्येते तस्य | २०३९ |
| क्रोधजेऽपि ग | १५७४ | क्रौञ्चोऽपसब्य | १७०७ | क्वचिदपि क | १०१९ | क्षण्वन्ति वा | ए २५२ |
| क्रोधनं चैव | ६६४ | क्रौञ्चो मदम | ९८३ | | #६३५ | क्षतात्तावन्ति | ७४२ |
| क्रोधनस्त्वरूप | १९०७ | क्रौञ्चो विषाभ्या | ९७२ | 1 ~ . | १०७२ | i | १२८९ |
| क्रोधनी वस | २९९९ | क्लिश्रीयुर पि | ७९८ | क्वचिद्वर्षति | ६०० | क्षतेभ्यः प्रस् | २७८३ |
| क्रोधनी सूद | # ,, | क्लिश्यन्नपि हि | १७२० | क्वचिद्वित्तं क्व | ६८२ | क्षतुर्यदा अ | ૨ ૪૨ ६ |
| क्रोधमूलो वि | १९०५ | क्लिश्यमानः स | १०१४, | कचित्र कस्य | १७८१ | क्षतुर्यदा ना | * ,, |
| क्रोधलोभभ | ११८३, | | १०१५ | क् वचिन्नैवास | १३७५ | क्षत्र एव त | ३५४,४३७ |
| | ११८७ | क्लिश्यमानः ख | #१०१ ४ | क्रणितं मर | १५३६ | क्षत्रं च ब्राह्म | २३९६ |
| क्रोधस्तु पण्डिः | #१९०६ | क्लिष्टघातं घा | २२९५ | कलानिनौस | ४२१५ ८ | क्षत्रं च राष्ट्रं | ३५१ |
| कोधस्त्वपण्डि | ,, | क्लीबं धर्मघृ | १०६७ | क नुतेऽद्य पि | २००७ | क्षत्रं पञ्चद | २१५,४३५ |
| क्रोधाच लोभ | * १ २९१ | क्लीबं वाक्यम | २४०० | क यासि तिष्ठ | २५०६, | क्षत्रं पुनरि | १९७ |
| क्रोधात्कामार्थ | * १२४५ | क्लीबता व्यव | ६१५ | | २५१५ | क्षत्रं प्रपद्ये | १९८ |
| क्रोधादिभिर | २०४९ | क्लीबमशक्ति | १६१२ | कसमुत्थाः क | १६३२ | क्षत्रं बृहत् | २१३ |
| क्रोधादण्डान्म | १९०३ | क्लीबस्य वाक्ये | १०४७ | काथः सर्वोद | १४७० | क्षत्रं बृहती | ४६६ |
| को धामर्षव | २८०० | क्लीबस्य हि कु | ५५८ | कापि कस्यापि | १७८२ | क्षत्रं ब्रह्ममु | # {888 |
| कोधामर्षश | | क्लीबान्स्त्रीषु नि | @ 2342 | कापि यान्ति घ | २४६८ | क्षत्रं मा ब्रह्म | १९८ |
| | * ,, | क्लीबाश्चान्धाश्च | १०३६ | क्षणं चोपेक्षि | १३६८ | क्षत्रं याति त | १०३४ |
| क्रोधिनं व्यस | ∉६६४ | क्लीबा हि दैव | 2800 | क्षणं देवी च | २९०१ | क्षत्रं राजन्यः | ११३,२०६, |
| कोधीशश्चत | २९९३ | क्लीबोन्मत्तात्रा | १०२९ | क्षणं नासाव ९९७, | | | २१६,२२० |
| क्रोधे दण्डे प्र | #८ ० ६ | क्लेशकर्मवि | | | २६९१ | क्षत्र राजपु | ३४५ |
| क्रोघो भेदो भ | प४ | क्लेशक्षमस्त | ९६६ | क्षणं प्रतिका | ११०५ | क्षत्रं राष्ट्रमृ | ३५१ |
| क्रोधो हन्ता म | १९०५ | ५७रादामसा | १२५५, २३ ३ ७ | क्षणं युद्धाय | २६९१ | क्षत्रं वा अन्व | ३४८ |
| क्रोशतां पति | ६५६ | क्लेशक्षमस्तु | *8344 | क्षणध्वंसिनि | | क्षत्रं वा इन्द्रः | २५९,२८२, |
| कोशतां भूमि | २८०२ | क्लेशक्षमान् | | क्षणिकचित्तः | ११९४ | • | ३४२ |
| क्रोशद्वयं य | २५२८ | क्लेशधारण | 1 | क्षणिकेषु च | | क्षत्रं वाएक ं | ३२९,३५० |
| क्रोशन्ति भृश | ९८५ | क्लेशसहांश्च | | क्षणे क्षणे या | | क्षत्रं वा एत | २०६,२१६, |
| क्रोशन्त्यो यस्य | ६५६ | क्लेशायासस | १६५६, | | १०६६, | · | २३१,२३२ |
| क्रोशमात्रं ग | २५४४ | प्रशापावत | | ५६१२ क्षणेन ताम | ,२७७६ | क्षत्रं वा एष | १९८ |
| क्रोशमात्रं त | २५४२, | क्लेरीस्तीवैर्यु | | राणन ताम क्षणेन नकु | | क्षत्रं वै जुहूः | ३ ४७ |
| - 2.z | २८८५ २५२७ | क्लरास्तामञ्ज क्व गमिष्यसि | | | | क्षत्रं वै पञ्च | ३३३ |
| क्रोशादूर्ध्वे श क्रोशेद् बाहुं | | क्व च नर्प | , , , | क्षणेन पूर | १०८६ | क्षत्रं वै बृह | ^२ २१ ३ |
| नगराप् भाष्ट | 7484) | 11 4 9 5 7 | ९ ९ ३ ५ | क्षणेन यान्त्ये | २७८५ | क्षत्रं वै ब्रह्म | *१६१८ |
| | | | | | | | |

| क्षत्रं वै वरु | ३४७ | क्षत्रस्थोल्बम | १५० | क्षत्रियाणां त | ે ૨૪५ ૯ | क्षत्रेणैवासी | ३ं २९ |
|-----------------------------------|---|-------------------------|--------------|--------------------|----------------|-------------------|---------------|
| क्षत्रं वै सोमः | २७६,२९३ | क्षत्राणां क्षत्र | १५६,२८७ | क्षत्रियाणां तु | * १०५ इ | क्षत्रेणैवैन | २ ७६ |
| क्षत्रं वै स्पार्हः | ३३३ | क्षत्रादीनां प्र | १०२७ | क्षत्रियाणां प | २७८९ | | २१३ |
| क्षत्रं श्रीः | ३५० | क्षत्राय खाहे | १९८ | क्षत्रियाणां म | १०५३ | क्षत्रे बलम | १०२७ |
| क्षत्र५ संघत्तं | ४२० | | ३३३ | 1 | | क्षित्रे ह वै स | २०६ |
| क्षत्र सूयमा | २५ ९ | क्षत्रिय उत्त | १०२६ | | ७३८,२७६० | क्षन्तःयं पुरु | १९०६, |
| क्षत्रं हि ब्रह्म | १६१८ | 1 | • १४७ | - 2 | | | १९०७ |
| क्षत्रं हि राष्ट्र | | क्षत्रियः क्षत्रि | १०३४, | | *२३५३ | | |
| क्षत्रं हीन्द्रः | ११३ | ì | . ० ०,२५ ९७ | | १३६० | | १११८ |
| क्षत्रधर्मे पु | २७५९ | क्षत्रियः पश्चि | २८४३ | | २४४७ | | ८०४ |
| क्षत्रधर्मः कि | २७५७ | क्षत्रियः शत | १०९५ | क्षत्रियास्तु ज | २३५३ | क्षप्यिष्यति | ই ४८७ |
| क्षत्रधर्मर | २३८१ | क्षत्रियः सर्व | २३६९ | क्षत्रियास्ते म | २७६४ | क्षपो जिन्वन्तः | 800 |
| क्षत्रधर्माद्धि | *२८१ ६ | क्षत्रियः स शु | १०३४ | क्षत्रियेण हि १ | ६१५,२७५६ | क्षमते योऽप प | • |
| क्षत्रधर्मान्न | " | क्षत्रियकाष्ठे | ६३४१८ | | #8684 | क्षममाणं च | १०६१ |
| क्षत्रधर्मे स्थि | १६२३, | क्षत्रियप्राय | ६२४ | 1 | २०३५ | क्षमया च स | १९६९ |
| 50 | २७६९ | क्षत्रियश्चतु | १३१३ | क्षत्रिये संग | ,, | क्षमया तु वि ५ | • |
| क्षत्रधर्मोऽत्र | ५५६ | क्षत्रियस्त्वथ | १८२६ | क्षत्रिये संश | १३२२ | क्षमया धार | ८२६ |
| क्षत्रधर्मो म | १०५२ | क्षत्रियस्य प ७० | ०२,१०३१, | क्षत्रियेश्व त | २९७३ | क्षमया प्रणि | १७५० |
| क्षत्रमस्मिन् | ३४४ | | १२७८ | क्षत्रियो जीवि | २३८४ | क्षमया युत्तु | १९८३ |
| क्षत्रमुवैवा | ३३२ | | १०७३ | क्षत्रियो नास्य | ५७९, | क्षमया हि स | *१९६ ९ |
| क्षत्रमुवै वि | ४३५ | क्षत्रियस्य म | २३७० | | ७६८,२७९१ | क्षमयित्र्यप | ७६४, |
| क्षत्रमेव त | ३५० | क्षत्रियस्य वि | १०३२, | क्षत्रियो नियु | १२३३, | | ११८९ |
| क्षत्रमेवास्य | २९३ | | १०५२ | | २३४९ | क्षमख रोषं | १६६७ |
| क्षत्रमेवैत | ३४७ | क्षत्रियस्य स्मृ | ११०२ | क्षत्रियोऽपि सि | थ १०२६ | क्षमां तेजस्व | ११२४ |
| क्षत्रयज्ञ ए | | क्षत्रियस्य हि | 900 | क्षत्रियो यज्ञ | १०५२ | क्षमाकालांस्तु | १९०४ |
| क्षत्ररूपंत | . 22.1 | क्षत्रियस्याति | #२३९६ | क्षत्रियो वृत्ति | १३२२ | क्षमाच शिख | २९९१ |
| क्षत्रविट्छू | 30// | क्षत्रियस्थाध्य | ८६९ | क्षत्रियोऽसि क्ष | २३८० | क्षमा चैवाऽऽनु | १९०८ |
| क्षत्रविद्यां स | २०२२∣ृ | श्रत्रिय स्याप | 4000 | क्षत्रियो हि प्र | ७२४ | क्षमा तपः क्ष | १९०७ |
| क्षत्रसारत्वं | रपर् | शिवस्थापि | ५७९ | क्षत्रियो हि स्व | | क्षमा तितिक्षा | ८४४, |
| क्षत्रस्य त्वौज | ४११ | क्षत्रियस्थैव ३४७ | i | क्षत्रियो हि ह | २७७६ | | ११७३ |
| क्षत्रस्य नामि | , , , | | | क्षत्रेण क्षत्रं | ३५८,३६० | क्षमा तेजिंख | १९०८ |
| क्षत्रस्य योनि | (,,, | त्तिय स्थोर | | क्षत्रेण पालि | 046 | क्षमादेवीद | * २९७० |
| क्षत्रस्य रात्रिः | • | तित्रयांश्चत | | क्षत्रेण ब्रह्म | | | १९०७ |
| क्षत्रस्यातिप्र सत्रस्याति | | त्रत्रियाः क्षत्र | | क्षत्रेणामे स्वा | | क्षमा धर्मः क्ष | १०४६ |
| क्षत्रस्यापि प्र क्षत्रस्याभिष | | त्तत्रियाः क्षत्रि — | ľ | क्षत्रेणाग्ने स्वे | 1 | क्षमाऽनुकम्पा | |
| सनस्थामप्र सनस्थेवास्य | 1 | त्तत्रियाणां च | - 1 | क्षत्रेणाभिषि | - 1 | क्षमान्वितोऽसी | १९८५ |
| च न स्त्रमास्त | ३५० | | १०५३ | क्षत्रेणैव त | २१३,२१६ | क्षमाबलन | ८२५ |
| | | | | | | | |

| सान बता स | | | वचन | ासूची | | | १०५ |
|---|---------------------------------------|-------------------------------------|--------|-------------------|-----------------|---|---------------|
| स्वामा अनो हि , , स्वामा अनो हि , , स्वामा अनो हि , , स्वामा अना स्वाम | ् क्षमा ब्रह्मक्ष १९०७ | क्षियी तुस क | *९३२ | क्षिप्तं हस्तस्थि | १५२० | क्षीणलुब्धप्र | २१५४ |
| स्वमावशां व १६०५ सामिल्हानि १८४८ सामावतां त १८४८ सामावतां त १८४८ सामावतां त १८४८ सामावतां त १८४८ सामावतां त १८०८ सामावतां त १८०८ सामावतां त १८०८ सामावतां त १८०८ सामावतां त १८०८ सामावतां त १८०८ सामावतां त १८०८ सामावतां त १८०० सामावतां त १ | ध्याम असी कि | | | | | | • |
| स्वमावतां न १८४८ सामवतां न १८५८ सामवतां न १८०८ सामवतां न १८०८ सामवतां न १८०८ सामवतां न १८०८ सामवतां न १८०८ सामवतां न १८०८ सामवतां न १८०८ सामवतां न १८०० साम | क्षमायाश्चाक्ष २६०५ | क्षये चोभय | २००४, | | | | |
| स्वानाताम अपोदयो नि १००६ स्वायं नि १००० स्वायं नि १००० स्वायं नि १००० स्वायं नि १००० स्वायं नि १००० स्वायं नि १००० स्वयं स्वरं ने १००० स्वयं स्वरं प्वरं प्वरं प्वरं प्वरं प्वरं स्वरं ्षमालिङ्गानि १८४८ | | | | | - A A | |
| स्नानता ज १९०६ संगोऽपि नहु १९९७ संगोऽपि नहु १९९७ संगानता हि १९९७ संगोऽपि नहु १९९७ संगानता हि १९०७ संगानता हि १९०७ संगानता हि १९०७ संगानता हि १९०७ संगानता हि १९०७ संगानता हि १९०४ संगाना ने सांघ हि १९०४ संगाना ने सांघ हि १९०४ संगाना ने सांघ हि १९०४ संगाना हि १९० | क्षमावतां ब्र १९०८ | क्षयोदयौ जी | १८२५ | | | | |
| समावतो ज १९०६ स्थांद्रिय बहु १९९० स्थानातो ज १९०६ स्थानातो जि १९९० स्थानाता हि १९९० स्थानाता हि १९९० स्थानाता हि १९९० स्थानाता हि १९९० स्थानाता हि १९९० स्थानाता हि १९९० स्थानाता हि १९९० स्थानाता हि १९०४ स्थानाता हि १९०४ स्थानाता हि १९०४ स्थानाता हि १९०४ स्थानाता हि १९०४ स्थानाता हि १९०४ स्थानाता हि १९०४ स्थानाता हि १९०४ स्थानाता हि १९०४ स्थानाता हि १९०४ स्थानाता हि १९०४ स्थानाता हि १९०४ स्थानाता हि १९०४ स्थानाता हि १९०४ स्थानाता हि १९०४ स्थानाता हि १९०४ स्थानाता हि १९०४ स्थानाता हि १९९० स्थाना | क्षमावताम ,, | क्षयोदयौ वि | | 141-1 - 11 | | į . | |
| स्नानावती हि | क्षमावतो ज १९०६ | क्षयोऽपि बहु | | | | | |
| स्वमाविन्ता न १९९७ स्वयुष्णिंव | क्षमावतो हि #१९०७ | क्षरन्त इव | २७०७ | | | 1 | |
| स्वमाविन्त २६८३ साम व राष्ट्र १६८५ साम स्वयं १८८४ साम स्वयं १९८४ साम स्वयं १९८४ साम स्वयं १९८४ साम स्वयं १९८४ साम स्वयं १९०३ साम स्वयं १९०५ साम स्वयं १९०६ साम स्वयं १९०५ साम स्वयं १९०६ साम स्वयं १९०६ साम स्वयं १९०६ साम स्वयं १९०६ साम स्वयं १९०६ साम स्वयं १९०६ साम स्वयं १९०६ साम स्वयं १९०६ साम स्वयं १९०६ साम स्वयं १९०६ साम स्वयं १९०६ साम स्वयं १९०६ साम स्वयं १९०६ साम स्वयं १९०६ साम स्वयं १९०६ साम स्वयं १९०६ साम स्वयं १९०६ | · · · · · · · · · · · · · · · · · · · | ['] क्षवथुर्घाव े * | १२९२७ | | | | |
| समाबील्ख १९८४ सामाचर १०४६ सामाचर १०४६ सामाचर १०४६ सामाचर १०४६ सामाचर १०४६ सामाचर १०४६ सामाचर १०४६ सामाचर १०४६ सामाचर १०४६ सामाचर १०४६ सामाचर १०४६ सामाचर १००६ सामाचन्छ १००३ सामाचचन्छ १००३ सामाचन्छ १ | क्षमावान्निर २३८३ | | ,, | | | | |
| स्थान सत्यं स १९०४ सान सत्यं स १९०४ सान स्वच्छेय १९०३ सान सत्यं स १९०४ सान स्वच्छेय १९०३ सान सान्यं स १९०३ सान सान्यं स १९०३ सान सान्यं स १९०३ सान सान सान सान सान सान सान सान सान सान | | क्षात्रधर्मी म * | | क्षिप्रं शर इ | | | |
| स्नाम सिर्च से १९०८ सात्राहि १९०२ सात्राहि १९०३ सात्राहि १९०३ सिमणं ताह १९०३ सात्राहि १९०६ सात्राहि १९०३ सात्राहि १९०६ सात्राहि १९०६ सात्राहि १९०६ सात्राहि १९०६ सात्राहि १९०६ सात्राहि १९०६ सात्राहि १९०६ सात्राहि १९०६ सात्राहि १९०६ सात्राहि १९०६ सात्राहि १९०६ सात्राहि १९०६ सात्राहि १९०६ सात्राहि १९०६ सात्राहि १९०६ सात्राहि १९०६ सात्राहि १९०६ सात्राहि १९०६ सात्राहि १९०६ सात्राहि १९०७ सात्राहि १९०० सात्राहि सात्राहि १९०० सात्राहि १९०० सात्राहि १९०० सात्राहि १९०० सात्राहि १९०० सात्राहि १९०० सात्राहि १९०० सात्राहि १९०० सात्राहि १९०० | | क्षात्रमाचर | १०४६ | क्षिप्रं स नर | 444 | क्षीणे कोशे स्न | |
| स्निणं ताह १९०३ सात्राखमीहि ५९१ स्निमं होने उद्दर्श स्ति ते १९६६ स्तिमं ताह १९०३ सात्राखमीहि १०४९ सात्रा सान्त्वि १०४९ सात्रा सान्त्वि १०४० सात्रा सात्रा १०४० सात्रा सात्रा १०४० सात्रा सान्त्वि १०४० सात्रा सान्त्वि १०४० सात्रा सात्रा १०४० सात्रा सात्रा १०४० सात्रा सात्रा सात्रा १०४० सात्रा सात्रा १०४० सात्रा सात्रा १०४० सात्रा स | | क्षात्राणि वैश्या | | | | | |
| स्रमेकसारं १२३१ सात्रेण धर्मे १०४९ सार्य गच्छिता २८७३ सार्य धर्मो सा ५९१ सार्य गच्छिता २८७३ सार्य सार्य १९६५ सार्य सार्य १९६५ सार्य सार्य १९६५ सार्य सार्य १९६५ सार्य सार्य १९६५ सार्य सार्य १९६५ सार्य सार्य १९६५ सार्य सार्य १९६५ सार्य सार्य १९६५ सार्य सार्य १९६६ स | ^ | क्षात्राद्धर्मीद्वि | | थियां हैतेनं | | | |
| सर्व गच्छित्त २८७३ स्वान धर्मो द्या ५९१ स्वान धर्मो द्या ५९१ स्वान सात्त्विय ५१९७६ स्वान द्वान ५२९८ स्वान द्वान द | | | | | | क्षीरं नीरं य | |
| स्रयं जगाम २०२७ सान्तः सान्त्वियं करश्वह सान्तः सान्त्वियं करश्वह सान्तः सान्त्वियं करश्वह सान्तः सान्त्वियं करश्वह सान्तः सान्त्वियं करश्वह सान्तः सान्त्वियं करश्वह सान्तः सान्त्वियं करश्वह सान्तः सान्त्वियं श्रिप्त सान्तः सान्त्वियं श्रिप्त सान्तः सान | | ł | | | | | |
| स्रथं चृद्धिं पा ७२३९८ सान्ताः शीलगु १२९१ सान्ताः शीलगु १२९१ सान्ताः शीलगु १२९१ सान्ताः शीलगु १२९१ सान्ताः शीलगु १२९१ सान्ताः शीलगु १२९१ सान्ताः शीलगु १२९१ सान्ताः शीलगु १८९६ सार्वत्र १९९६ सार्वत्र १९९६ सार्वत्र १९६६ सार्वत्र | | | 2015 | | ર | _ | |
| स्वयं श्रामे । । । । । । । । । । । । । । । । । । । | | | | क्षिप्रमल्पो ला | २०९२ | | |
| स्रयं सर्वत्र | - | | - 1 | क्षिप्रमागच्छ | २०२४ | 4 | - |
| स्रयः स त्विह १९९७ स्रांत्रियवि १७१७ स्रिप्रमारम ५४४, स्रीरद्रोणम २३०५ स्रयः सर्वत्र २९२३ स्रयः स्थानं च १९९६ स्रारं व्हाप २३०८ स्रयः स्थानं च २०६९ स्रारं करव्या १५३० स्रापञ्चप २३०८ स्रापञ्चप १६०३ स्रिप्रमाय २३६६ स्रापञ्चप १६०३ स्रिप्रमाय १६०३ स्रिप्रमाय १६०३ स्रिप्रमाय १६०३ स्रिप्रमाय १६६६ स्राप्रचय १३६०,१९३६, स्रित्तन्य २५६६ स्रिप्रमायोण १६०३ स्रितिन्द्रं पूर्व २९८३ स्रिप्रमायोण १३००, र०६३,२१९७ स्रितिन्द्रं पूर्व २९८३ स्रिप्रमायो १३६०,१९३९, स्रितिन्द्रं पूर्व १९०२ स्रिप्रमायो १३६०,१९३९, स्रिप्रमायो १५६२ स्रिप्रमायो १५६२ स्रिप्रमाया १४५० स्रिप्रमाया २१२५ स्रिप्रमाया १४५२ स्रिप्रमाया १४५० स्रिप्रमाया १४५० स्रिप्रमाया १४५० स्रिप्रमाया १४५० स्रिप्रमाया १४५० स्रिप्रमाया १४५० स्रिप्रमाया १४५० स्रिप्रमाया १४५० स्रिप्रमाया १४५० स्रिप्रमाया १४५० स्रिप्रमाया १४५० स्रिप्रमाया १४५० स्रिप्रमाय १५६० स्रिप्रमाय १५६६ स्रिप्रमाय १४५० स्रिप्रमाय १४५० स्रिप्रमाय १४५० स्रिप्रमाय १४५० स्रिप्रमाय १४५० स्रिप्रमाय १४५० स्रिप्रमाय १४५० स्रिप्रमाय १४५० स्रिप्रमाय १४५० स्रिप्रमाय १४५० स्रिप्रमाय १४५० स्रिप्रमाय १४५० स्रिप्रमाय १४५० स्रिप्रमाय १४५० स्रिप्रमाय १४५० स्रिप्रमाय १४५० स्रिप्रमाय १६६५ स्रिप्रमाय १६६५ स्रिप्रमाय १६६५ स्रिप्रमाय १६६५ स्रिप्रमाय १६६५ स्रिप्रमाय १६६६ स्रिप्रमाय १६६ | | | - 1 | क्षिप्रमाज्ञप्तु | ८५९ | क्षीरवृतभ | |
| स्रयः सर्वत्र २९२३ स्रयः स्रानं च १९९६ स्रयः स्रानं च १९९६ स्रयः स्रानं च १९९६ स्रयः स्रानं च २०६९ स्रयः स्रानं च २०६९ स्रयः स्रानं च २०६९ स्रयः स्रानं च २०६९ स्रयः स्रानं च २०६९ स्रयः स्रानं च २०६९ स्रयः स्रानं च २०६९ स्रयः स्रानं च २०६१ स्रयः स्रानं च २०६१ स्रयः स्रानं च २०६१ स्रयः स्रानं च २०६१ स्रयः स्रानं च २०५१ स्रयः स्रानं च २०५१ स्रयः स्रानं च २०५१ स्रयः स्रानं च २०५१ स्रयः स्रानं च २०५१ स्रयः स्रानं च २०५१ स्रयः स्रानं च १९६६ स्रानं च १९८१ स्रानं च १९८१ स्रानं च १९८१ स्रयः स्रानं च १९८१ स्रानं च च १९८१ स्रानं च १९८५ स्रानं च १९८५ स्रानं च १९८५ स्रानं च १९८५ स्रानं च १९८५ स्रानं च १९८५ स्रानं च १९८५ स्रानं च १९८५ स्रानं च १९८५ स्रानं च १९८५ स्रानं च १९८५ स्रानं च १९८५ स्रानं च १९८५ स्रानं च १९८५ स्रानं च १९८५ स्रानं च १९८५ स्रानं च १९८५ स्रानं च १९८६ स्रानं च १९८५ स्रानं च १९८५ स्रानं च १९८५ स्रानं च १९८५ स्रानं च १९८६ स्रानं च १९६१ स् | | क्षान्तिसत्यवि | १७१७ | क्षिप्रमार्भ | ५४४, | | |
| स्रयः स्थानं च १९९६ स्राराव्यप २३०८ स्राराव्यप २३०८ स्राराव्यप १६०३ स्रायल्यप १६०३ स्रायल्यप १३६०,१९९६ स्रावल्यप १३६०,१९९६ स्रावल्यप १३६०,१९९६ स्रावल्यप १३६०,१९९६ स्रावल्यप १३६०,१९९६ स्रावल्यप १३६०,१९३९,१९३९, स्रावल्यप १३६०,१९३९,१९३९, स्रावल्यप १३६०,१९३९,१९३९,१९३९,१९३९,१९३९,१९३९,१९३९,१९३ | | क्षारं दशप | २३१२ | ह्य | ५९,१ ०४० | | |
| स्रयः स्थानं वृ २०६० सारपञ्चप २३०८ स्रिप्रमेवाप ६१२ स्रिप्रमेवाप १६०३ स्रिप्रमेवाप १६०३ स्रिप्रमेवाप १६०३ स्रिप्रमेवाप १६०३ स्रिप्रमेवाप १६०३ स्रिप्रमेवाप १६०३ स्रिप्रमेवाप १६०३ स्रिप्रमेवाप १६०३ स्रिप्रमेवाप १६०३ स्रिप्रमेवाप १६६६ स्रिप्रमेवाप १६६० स्रिप्रमेवाय १६६६ स्रिप्रमेवाय १६६० स्रिप्रमेवाय १६६६ स्रिप्रमेवाय १६६६ स्रिप्रमेवाय १६६६ स्रिप्रमेवाय १६६६ स्रिप्रमेवाय १६८० स्रिप्रमेवाय १६८० स्रिप्रमेवाय १६६६ स्रिप्रमेवाय १६६६ स्रिप्रमेवाय १६९६ स्रिप्रमेवाय १६६६ स्रप्रमेवाय १६६६ स्रिप्रमेवाय १६६६ स्रिप्रमेवाय १६६६ स्रिप्रमेवाय १ | | क्षारनिष्कास | ८९४ | क्षिप्रमुत्तर | २९३७ | | |
| स्रायन्तसम्य ३ सारे कदल्या १५३७ स्तिपाकी २९१३ स्तिएयावसि १३१३ स्रायन्त्रभीण १६०३ स्तिपाम ब्रह्म ५०५ स्तिपाम ब्रह्म ५०५ स्तिपाम ब्रह्म ५०५ स्तिपाम ब्रह्म ५०५ स्तिपाम ब्रह्म ५०५ स्तिपाम ब्रह्म ५०५ स्तिपाम व्यवस्य १३६०,१९३९, स्तिपाम १३६०,१९३९, स्तिपाम १५३२ स्तिपाम १५३२ स्तिपाम १५३२ स्तिपाम १५३२ स्तिपाम १५३२ स्तिपाम १५३२ स्तिपाम १५३० स्तिपाम १५३० स्तिपाम १५६० स्तिपाम १५३० स्तिपाम १६३० स्तिपाम १६३० स्तिपाम १६३० स्तिपाम १६३६ स्तिपाम १६३६ स्तिपाम १६३६ स्तिपाम १६३६ स्तिपाम १६३६ स्तिपाम १६३६ | | क्षारपञ्चप | २३०८ | क्षिप्रमेवाप | ६१२ | | |
| श्वयमश्वीण १६०३ श्विणामि ब्रह्म ५०५ श्विप्रा शोणश्च | , | _ | i i | | | 4,,,,,,,, | |
| स्रायलाभवि ६७४,११९६ स्रितितनय २४६६ स्रीणं बलं व १३६५, स्रीरब्रक्ष्म २८२९ स्रायल्ययम् १३६०,१९३९, स्रितीन्द्रः प्रथ ,, स्रिपत्मेन १९०२ स्रिपत्मेन १९०२ स्रिपत्मेन १९०२ स्रिपत्मेन १९०२ स्रिपत्मेन १९०२ स्रिपत्मेन १९०२ स्रिपत्मेन १९०२ स्रिपत्मेन १९०२ स्रिपत्मेन १९०२ स्रिपत्मेन १९०२ स्रिपत्मेन १९०६, | | 0 0 | 1 | | | | |
| स्रयन्ययम १३६०,१९३९, स्रितीन्द्रः प्रथ ,, स्रितीन्द्रः प्रथ ,, स्रितीन्द्रः प्रथ ,, स्रितिन्द्रः ,, स्रितेन्द्रः ,, स्रितेन्द्रः ,, स्रितिन्द्रः ,, स्रितेन्द्रः ,, | | | - 1 | | | पारहपार धीरवधन | |
| स्रवन्ययप्र १३६०,१९३९, स्रितीन्द्रः प्रथ ,, स्रितिन्द्रः प्रथ ,, र०६३,२१९७ स्रिपत्येकेन १९०२ स्रीणक्षीरां नि १७३२ स्रिपान्चियमे २८४० स्रिपत्येकेन १९०२ स्रिपान्चियमे १५८५ स्रिपान्चियमे १५८५ स्रिपान्चियमे १५८५ स्रिपान्चियमे १४३७ स्रिपान्चियमे १४३७ स्रिपान्चियमे १४३७ स्रिपान्चियमे १४३७ स्रिपान्चियमे १४३७ स्रिपान्चियमे १४३७ स्रिपान्चियमे १४३७ स्रिपान्चियमे १४३७ स्रिपान्चियमे १४३७ स्रिपान्चियमे १४३७ स्रिपान्चियमे १४३७ स्रिपान्चियमे १४३७ स्रिपान्चियमे १४३७ स्रिपान्चियमे १४३७ स्रिपान्चियमे १४३६ स्रिपान्चियमे १४३६ स्रिपान्चियमे १४३६ स्रिपान्चियमे १४३६ स्रिपान्चियमे १४३६ | | | | | १५८३ | पारस्यान श्रीम्बद्धस्य | |
| २०६३,२१९७ क्षिपत्येकेन १९०२ क्षीणक्षीरां नि १७३२ क्षीराब्धिसंभ २८४० क्षयव्ययम परे क्षिपत्ति चाम्नि १५३२ क्षीणघासेन्ध १५८५ क्षीणघासेन्ध १५८५ क्षीणा कासे १४३७ क्षिपत्र्णम १४५२ क्षिपत्र्णम १५५९ क्ष्यव्ययाया २१२५ क्षिपेत्र्णम १५५९ क्ष्यव्ययो च २२७० क्षिपेत्र्णम १५५९ क्ष्यव्ययो च २२७० क्षिपेत्र्णम १५५९ क्ष्यव्ययो च २२७० क्ष्यव्ययो च २८६६ क्ष्येत्र्य ६९५१ क्ष्येत्र्य ६९५१ क्ष्येत्र्य २८६६ क्ष्येत्र्य ६९५१ क्ष्येत्र्य २८६६ क्ष्येत्र २८६६ क्ष्येत्र २८६६ क्ष्येत्र २८६६ क्ष्येत्र २८६६ क्ष्येत्र २८६४ क्ष्येत्र २८६४ क्ष्येत्र २८६४ क्ष्येत्र २८६४ क्ष्येत्र २८६४ क्ष्येत्र २८६४ क्ष्येत्र २८६४६ क्ष्येत्र २८६४ क् | | · · | 1 | क्षीणकोशो हि | | | |
| स्रयन्ययम परे स्रिपान्त चााम १५२२ वाणवासन्य १५०६, स्रिपाच्याचा ६७६ स्रिपेज्जनप १४५२ स्रीणजनसं १४३७ स्रिपेज्जनप १४५२ स्रीणजनसं १४३७ स्रिपेज्जनप १४५२ स्रिपेज्जनप १४५२ स्रिपेज्जनप १४५२ स्रिपेज्जनप १४५२ स्रिपेज्जनप १४५२ स्रिपेज्जनप १८६६ स्रिपेज्जप १८६६ स्रिपेज्जप १८६ स्रिपेज्जप १८६६ स्रिपेज्जप १८६६ स्रिपेज्जप १८६६ स्रिपेज्जप १८६६ स्रिपेज्जप १८६६ स्रिपेज्जप १८६६ स्रिपेज्जप १८६६ स्रिपेज्जप १८६६ स्रिपेज्जप १८६६ स्रिपेज्जप १८६६ स्रिपेज्जप १८६ स्रिपेज्जप १८६६ स्रिपेज्जप १८६६ स्रिपेज्जप १८६ स्रिपेज्जप १८६ स्रिपेज्जप १८६ स्रिपेज्जप १८६ स्रिपेज्जप १८६ स | | | ••• | | | द्वाराज्यमाय क्राराज्य ान | |
| श्वयव्यवला ६७६ श्विपेज्जनप १४५२ श्वाण्यनस १४६७ २४०१ श्वयव्ययाया २१२५ श्विपेत्तृणम | | | - 1 | | 84/4 | क्षाराज्यसम | |
| क्षयव्ययाया २१२५ क्षिपेत्त्र्णम | | | | | 2×310 | क्षाराथा बत्सा | |
| क्षयब्ययो च २२७० क्षिपे नुणम ,, क्षीणनिचयं २६४५ क्षीरिचृक्षप्र २९४१ क्षायानच् ६७४,१९२९ क्षिपेटतेन २८८६ क्षीणमस्मिन् २६३१ क्षीरिषु कृणि १४३६ | | | | | - 1 | 22- 4 | |
| क्षयत्थानवृ ६७४,१९२९ क्षिपेत्तेषु घ २८८६ क्षीणमस्मिन् २६३१ क्षीरिषु कणि १४३६ | क्षयन्ययाया २१२५ | | | | | | |
| क्रमी जार दामानि ६०६ स्थितिते २८६८ 'शीलमा नेप ०० । ०० | क्षयन्ययो च २२७० | क्षिपत्तृणम | | | ર હ્ય ૪૫ | क्षारवृक्षप्र | २९४१ |
| क्षयी चाऽऽप्याय ६९६। स्वपदनन २८५८ क्षीणया सेन १५७८ क्षीरेण दध्ना ७ २९५१ | क्षयस्थानव ६७४,१९२९ | | | | | | १४३६ |
| | क्षयी चाऽऽप्यायि ६९६ | । क्षपदनन | २८७८ : | क्षाणया सेन | १५७८ | क्षिरेण दध्ना | # २९५१ |

| क्षीरेण वाऽथ | ३००१ | श्चुधितोऽहं ग | ६३७ | क्षेमो न साधुः | ८२ | खड्गः प्रासश्च | १५३३ |
|----------------------------------|------------------|---------------------|---|---------------------|-----------------|-----------------------------------|------------------------|
| क्षीरेण सर्पि | २८६२ | क्षुपस्तु मन | ६२१ | क्षेमो मृत्युर्ज | २८४४ | खड्गचकेति | ₹000 |
| क्षिरोदधिज | २४९८ | | ८४५ | क्षेम्यां सस्यप्र | ९७७ | खड्गचण्डेति | 券 ,, |
| क्षीरोदो मथि | १९४९ | क्षुपाज्जग्राह | १५०७ | क्षेम्या वृद्धिक | २८८४ | खड्गचर्मध | १५४३ |
| क्षीरौदनेन | २५४६ | | १७५२ | L _ | १६८ | खड्गच्छिन्नानि | १५११ |
| क्षुच मां दूष | #६३७ | | १३७१ | क्षैत्रपत्यश्च | ३०९ | खड्गधारी र | २३३९ |
| धु ण्णघृष्टपि | २२५९ | श्चरधारोगा | २६९० | क्षोभयेयुर | २७७३ | खड्गमहिष | २२६९ |
| क्षुते खयं वा | २५२७ | ध्यामाञ्चो जा | १५३३ | क्षौद्रं च राज | १३८३ | खड्गमादाय | १५११ |
| धुत्कालातिक | ९६५ | ⊤क्षरा भत्वा ह | | क्षौद्रं दिघ घृ | 4 2988 | खड्गयुद्धनि | #२३६२ |
| शुत्तर्भपुरी | | । क्षत्रज्ञातसा | | क्षौद्रं मार्द्धीकं | २२५८ | खड्गयुद्धे नि | ,, |
| | ९६७ | । क्षत्रबाजया | | क्षीमदुकूल २२ | ८२,२२८४ | खड्गरत्नं त | १६३७ |
| क्षुत्पिपासाक्छ क्षुत्पिपासात | २३६४ | । क्षत्रवप्रख | १४३८ | 1 3 | रं | खड्गश्चर्म घ | १५४२ |
| क्षुत्पपासात क्षुत्पिपासाप | १०९० १९८७ | वोज्याकोचा 🖚 | २५९८ | 1 | ,, | खड्गादिकं तु | ,, |
| श्चारपंपासाश्र | १५९५, | 155 | २२८३ | 1 | * १ ९९१, | खड्गादिकम | १५१४ |
| 91(111(1)) | * ₹ ₹ ξ \ | | १५१९ | 1 | २६०४ | खड्गादीनां तु | १५४२ |
| क्षुत्स्वादुतां ज | ** २ १५ ० | 1 | • ` · · · · · · · · · · · · · · · · · · | | १९९१, | खडुगेन घात | २८९६ |
| क्षुद्धमें दूष | ६३७ | | १५२० | 1 | २८८४ | खडुगेन तस्य | १५११ |
| क्षुद्योगः कथि | ९८१ | 1 | १५१४ | श्लेस्ति हे का | २८६ १ | खडगे न पश्ये | १५२२ |
| क्षुद्रं कृरंत | १०८१ | 1 | २२४८ | खचितं वान | २२३६ | 1 ~ | १५०२ |
| क्षुद्रः पापस | १२९०, | | | खद्धः कुञ्जो म | २३२८ | ख ड्गेना ऽऽक्रम्य | ७२६ |
| | २०८३ | क्षेमं कृण्वाना | ₹0 |) खञ्जनाटक | १४४५ | | १५३६ |
| क्षुद्रकमुख्य | १५६२ | क्षेमं च कृत्वा | 600 | ख ञ्जरीटक | २५०९ | | १५२२ |
| क्षुद्रकारवो | १३३० | I | | खटाखटेति | २४८८ | खण्डमेघाति | * ₹५ १ ४ |
| क्षुद्रपरिष | ११९८ | क्षेमं च यदि | १८९५ | खटीखद्दर | १५२२ | खण्डमेघाभि | " |
| क्षुद्रपशवः | १३३० | क्षेमकृद्राजा | १३८४ | खद्दानामिति | २८३४ | खण्डाः सशकी | १३६३, |
| क्षुद्रपशुर्म | २३०१ | क्षेमदर्शे न | २००६ | खट्टायां यो | २८३६ | | २८३० |
| क्षुद्राक्षेणेव ९१९ | ,१०४४ | क्षेमदर्शी नृ | * ,, | खद्दिकाः सुख | २८३३ | खण्डीस्थानं प | २७०१ |
| क्षुद्राऽथ मध्य | २८४७ | क्षेमधन्वा च | *२७० ४ | खडूरेऽधिच | ५१७ | खदिराश्मन्त कारेक्स | १४३२ |
| क्षुद्रादन्यत्र | २००६ | क्षेमधन्वा सु | . 99 | खड्गं गृह्णीष्व | १५११ | खद्योतगण्डू खद्योतचूर्ण | २६५४ |
| क्षुद्रिकाः क्षुद्रि | २३०० | क्षेमरात्रिषु | २३२३ | खडुगं चक्रं त | १६३७ | खनकाकाश | भ २०९५ |
| सुद्रे गुह्मप | ११०६ | क्षेमबृद्धिक | १४७१ | खड्गं चाभिम | २८४९ | | |
| धुभया निद्र | ११५३ | क्षेमां सस्यप्र | | खड्गं छत्रं प | २५ ०७ | खनका हि खा खनिः संग्रामो | " २ १६ ७ |
| धुधा परिग | ६३६ | क्षेमार्थे सर्व २८७ | ३,२८७८ | खड्गं प्रशस्तं | १५१२ | खानः सर्वध खनिः सर्वध | ११४३, |
| श्चुधार्तः प्रत्यु | | क्षेमीतुस क | ९३२ | खड्गः कम | १५११ | VII. 41 . | १४२५ |
| धुषार्तश्चाह | ,, | क्षेमेण गम | २४७१ | खड्गः पद्मप | १५१२, | खनिः स्रोतः प्र | २२३३ |
| धुधितस्य मृ | १२२० | क्षेमे संपत्क | २४६३ | | | खनित्रश्चा घि | ८५७ |
| | | | • | | | | |

| | | | | _ | 2 | • | |
|-------------------------|--|------------------------------|----------------|-----------------|------------------------|---------------------------------|-------------------------------|
| खनिद्वीपव | ११३८ | ंखातकण्टक | १४८२ | गच्छतां सा भ | રે १७६ | गजपादयु | २१३३ |
| खनिधान्यभो | २०९६ | खातकन्यूह | १ २४४ | | ३५०,३६५ | गजलक्षण | २३५१ |
| खनिभ्यो द्वाद | ં રર૪५ | खातवप्रसा | २६ ०७ | गच्छति स्वारा | १०९ | गजशब्दम | ९५७ |
| खनिभ्यो धातु | २२८३ | खादका रूप | # २९९६ | | ४६६ | गनश्च च्छेद | २९९४ |
| खनी नेत्रस्तु | ८४५ | खादति सम त | 3666 | गच्छतो यदि | २४६५ | । गजपोडश | २७५३ |
| खन्य: करघ | #8036 | खादनवारा | १२७६ | गच्छत्याक्षिप्त | ९३०,९३७ | गजसिंहकु | २९८४ |
| खन्यध्यक्षः श | 2288 | खादन्नेको ज | ५८४ | गच्छध्वं तेन | २७५८ | गजसिंहास | २८३३ |
| खन्यशास्त्रातु | १३८२ | खादिका रूप | २९९६ | गच्छध्वं सहि | २८६६ | गजस्कन्धग | २७०५ |
| खन्याकरब | ७५० | खादिष्ये तत्र | १८८८ | गच्छन्ति क्षेम | *603 | गजस्कन्धम | १५२१ |
| खन्याकरव | 4 8838, | _! खारिका स्याद्भि | १८४६ | गच्छन्ति मुदि | २८९८ | गजस्थानं ह | २५२८ |
| | * १७३ ६ | खिलाद्वर्षाव | १३५६ | गच्छन्त्यन्याय | १२६२ | गजस्थानात्त | २ ९ ५० |
| खन्याकरो व | ११३६, | खेचरस्य तृ | १०९७ | गच्छन्नपि प | १६८८ | गजस्य देया | २७३२ |
| | ,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,, | खेचरी चाऽऽत्म | * २९९१ | गच्छ राजान | १०५४ | गजस्य पाद | ٠,, |
| 144 | , १०३६ १७३६ | खेचरी सर्व | ,, | गच्छामित्रान् ४ | | गजादिदर्श | ९५७ |
| खन्येते तस्य | * २०३ ९ | l | २६७ ० | गच्छामुब्मिन् | १४०१ | गजादियुक्ता | २८३८ |
| लन्योरपि यः | 2,00 | खेटखड्गध | १४९२ | गच्छेतां तु पु | २९०९ | गजाद्यारोह | २४७३ |
| खरं त्रिशिर | ६६४ | खेदं परम | ५७२ | गच्छेति पश्चा | २५०६, | गजाद्यैश्च ग | २७९० |
| खरं मृदु स्वा | ९८७ | खेदं परमु | ₩ ,, | | २५१५ | गजानन्यान् | २५५० |
| खरजो गर | २९९४ | | ₹ | गच्छेति पृष्ठ | २५ २७ | गजानश्वांस्त | २१३० |
| खरा गोषु प्र | २४८९ | | 2888 | गच्छेति शब्दः | #२५०६ | गजानां कर्म | १५१४ |
| खरीवात्संब्य | २३८८ | गगनो भव | २९९४ | गच्छेत्तं तु पु | #२९०९ | गजानां काम | २९१९ |
| खरैर्वराहै | २४८१ | गगनो भुव | * ,, | गच्छेत्तु पश्चा | ७२४५६ , | गजानां च त | १२६७ |
| खरोष्ट्रबहु | ર ૨ ૪५७ | गङ्गातीरः कु | २९६७ | | *२५ <i>०</i> ६ | गजानां च प | * १४ ९९ |
| | २७,२ ९ ८२ | | २९ ३ ५ | गच्छेत्प्रतिनि | ७ ९९५ | गजानां द्व प | " |
| खरोष्ट्राक | | गङ्गातायस गङ्गादिवाक | 2422 | गच्छेत्प्राचीमु | २४७१ | गजानां देव गजानां पार्थ | २८८७ |
| खरोष्ट्राश्वत | | गङ्गादाः सरि | २९८३ | गच्छेत्सम्यग | ७२१ | _ | # २६०१ |
| खर्जरदेव | १४३१ | i | | गच्छेदनुदि | ९९५ | गजानां पार्श्व | 99 |
| खर्गरस्य खर्जुरश्च ग | | गङ्गाद्वारं कु | ⊕ २९६७ | गच्छेदनुनि | * ,, | गजानां प्राङ् | १ ४६२ |
| ٩. | १ ४७६ | गङ्गाद्वारकु | ब २९६७, | गब्छेदुत्तर | २८८६ | गजानां रथिरे७: गजानां शान्ति | |
| खर्जुरी कर्क | १४७५ | | २९७८ | गञ्छेन्नीराज | २८८७ | गजाना साान्त गजानामस्थि | २ ९१ ९ |
| खर्वता गुरू | २८४० २ | गङ्गा महान | २९६९ | गजः प्रस्थान | २८४४ | गजानीको द्वि | ₹ ४७६ ≉२७ ४४ |
| खर्ववालाः सु | २८४० | गङ्गायमुन १०३ | | गजः सिंहो ह | २८३८ | | ર |
| खर्वे खर्वायु | २८४० | 1 | १,२९५२ | गजकणीऽश्व | २९९४ | गजन् काम | *२९१९ |
| खलजनज | | गङ्गायां मर | २५३१ | गजत्वक्छेद | * ,, | गजारोही न | २३३७ |
| खलसङ्गेन | | गङ्गायां वृत्र | २३८ | गजदन्तम | २४९७ | गजारोहो न | ♣ 33 |
| खलस्य प्रक | | गङ्गासस्व | | | २८४१ | गजाश्वकीडे | १११६ |
| खलस्याहेश् <u>र</u> | | गङ्गेव पूर्ण | २७०६ | | २९७३ | गजाश्वनर | २८८८ |
| खाङ्गकवचो | ५२९ | 1108 | १४ | गजनीराज | २८८७ | गजाश्वनाथ | १४९२ |
| | | | | | | | , |

| गजाश्वर्थ | ८९४,९६२ | , । गणाधिपश्च | २९९३ | गतिं वान वि | ሪሄሪ | गन्धर्वकुल | २५३७,२५४५ |
|-----------------------|---------------|----------------|----------------|---------------------------|--------------|-----------------------|-------------------------|
| ११ | ३६,११४८ | | प३ | 1 | १५२५, | गन्धर्व कुल | |
| १५ | .२४,२३४० | गगानां त्वा ग | રૂં ૧ | 1 | २३४१ | | २९२० |
| | ३६२,२७१६ | 1 - | ૨ ૦૫ રૂ | गतिः स्खलति | ९८३ | | ७४० |
| गजाश्ववृष | ८९६ | | प३ | | १०४२ | | ^२ ७४७,८६६ |
| गजाश्वादि च | २५९६ | ंगणान्तेषु य | २९०६ | गतिस्तेन स्म | २८६७ | गन्धर्वशास्त्रं | ८०७,८५५ ८६५ |
| गजाश्वानां विं | १५२५, | गणाम्बिकायै | २९८९ | गते पुरोहि | २९३९ | गन्धविष्सर | ५१४, |
| | ૨ ३६૬ | | २५०६ | गतेषु तेषु | २९७४ | 1 11 4 | ५१८,१५०३ |
| गजाश्वान् स्ना | २५४३ | गणिकादासी | २२९६ | गतेष्वथ नृ | २९३९ | गन्धर्वा राक्ष | १४९६ - |
| गजाश्वारोह | | गणिकाध्यक्षः | ६७१ | गतोऽनुकूलै | २४६९ | गन्धर्वास्ते वि | वे १५१२ |
| गजेन गज | २०८० | गणिकाध्यक्षो | ૨૨ ૬५ | गतोऽसि वैर | | गन्धवस्त्रिर | #2439 |
| गजेन्द्रमोक्ष | # ₹५०४ | गणिकापुत्रा | २२९८ | गत्वा कक्षान्त | | गन्धर्वेभ्यस्त | २८६ ० |
| गजेन्द्रो दृष्ट | १८७४ | | ,, | गत्वा कक्ष्यान्त | * ,, | गन्धर्वेहर | २८९० |
| गजे यात्राल | १४९५ | गणिका भोग | " | गत्वा च मम | २०२७ | गन्धछुब्धो म | |
| गजेषु गोष्ठे | #६५६ | | ૨૨ ૬७ | गत्वा तमृषि | *१८१२ | गन्धलेपाव | ९६५ |
| गजेषु नीला | १५२४, | गणिकाश्च म | क २५ ०६ | गत्वा देशे ग्र | २५४२ | | |
| | २६७४ | गणितेन त | १६३६ | गत्वाऽधिवासि | २५३० | गन्धवस्त्रैर | २५३ ९ |
| गजेष्वारोपि | २६८५ | गणेन रौद्रे | २९१५ | गत्वाऽन्विष्य शु | २८७४ | गन्धस्पर्शर | ९८७ |
| गजैरभेद्या | १४९४ | गणे विवर्ज | २४६१ | गत्वा प्रोवाच | *६ २६ | गन्धहस्तीव | રહર ૄ |
| गजैरलङ्घ्या | १४९२ | गणेशं केश | २९८१ | गत्वा समाग | २७५१ | गन्धारिभ्यो । | |
| गजैरश्वैः पू | २७५३ | गणेशस्य र | १४३३ | गत्वा स्वकार्य | १७४२ | | |
| गजो गजेन | २७७४, | गण्डकी दण्ड | २९९६ | गदां त्रिश्चलं | क२९९१ | गन्धेन गावः | १०४१ |
| | २७९४ | गण्डशुङ्गाक्षि | २५१४ | गदाकर्म वि | १५२१ | गन्धेः पुष्पेश्च | |
| गजो गवाक्षो | २९४३ | गण्डूबंधार | २५१३ | गदाकर्माणि | क२९९१ | गन्धैः समुक्षि | |
| गजो नित्रध्य | ११८९ | गण्डे विवर्ज | २४६३ | गदा त्रिशूल | ,, | गन्धीषधिर | १३३८, |
| गजो व्याघश्च | १४९५ | गण्यपण्याना | २२६४ | गदाधरास्त | २६७० | વ | |
| गजोष्ट्रवृष १३७ | ८,१५२८, | गतं मां सह | *२०२१ | गदापाणिर्न | 2000 | | ३६१,१३६२ |
| | २९,१७५७ | गतं हि सह | | गदायुद्धवि | 063 | गभस्तिरथ ं ने= | २८३८ |
| गञ्जागृहं पृ | १४३१ | गतदैवत | | गदाहस्तो भी | 2000 | गमनं केचि | २४७१ |
| गणं चैवाप्र | २९७३ | गतप्रत्याग | २५७२ | गन्तव्यं वार | २९७२। | गमनं प्रति | २५ ०६ |
| गणं लक्ष्मण | | गतभीर्भीति | २४१३ | गन्तारा हिस्थो | S | गमनं विह्न | क१६०३ |
| गणकः संख्या | १६६५ | गतस्य विष | २०२१ | गन्धकैर्गालि | १४७५ | गमनमवा | २४६६ |
| गणनाकुश १४ | | गतागतप | ११३७ : | गन्धद्वारेत्या | २९८१ | गमनमात्र | २५६९ |
| गणपुरश्चा | | गतानां यत्र | २७६१ ३ | गन्धपुष्पार्चि | | गमने भूप | २४७ १ |
| गणमाताऽभिन | | गतानृण्यो भ | | गन्धप्रति च ्छ | २६२९ | ामयेद्वार्षि | २६६९ |
| गणमुख्येस्तु | | गता रसात | | गन्धमण्डल | २९०८ | ामिष्यामि वि | २४४५ |
| गणयित्वा कु गणश एव | | गतास्ते क्षत्र | | ान्धमाल्यच | | ाम्भा रीका ष्ठ | २८३३ |
| -ાગરા હવ | ३४१ | गतास्ते ब्रह्म | २७६४ । | ान्धमाल्येर | २५४३ व | ाम्भीरं श्रोत्र | २५ १ ३ |
| | | | | | | | |

| | 2401 | गर्भिणी तु द्वि | 9377 | ਗਿੰਡਨਾਡਾ ਤਿ | 9 / 9 2 | गायत्री वीर्य | १९९ |
|---|--|--|--|---|--|--|--|
| गम्भीरघोषा गम्भीरमेघ | रकरूर २५१६ | वासमा छ । | | गां दृष्ट्वा हि | 7017 | गायत्री वे ब्रा | ४३५ |
| | | | २३३३ | 1 | | 1. | |
| गम्भीरशब्दा | | गर्भिणी विध | २५२७ | गां सवत्सां स | १४७९ | 1 | २९३० |
| गम्भीरहेषि | २५१७ | गर्भिणीस्त्रीच | २५०८, | गादश्राभ्युद्धा | २२५४ | • | 章); |
| गम्भीराक्षा निः | १५०१ | | २५१५ | गाणनिक्यान्या | २२१९ | | २८६२ |
| गम्यते यत्प | २१७३ | गर्भिण्योऽजात | #२४८९ | गाण्डीवविस्पा | २४२७ | गारुडं च म | २७१० |
| गम्यशैलनि | २६१५ | गर्भिण्यो राज | " | गाण्डीवामि प्र | २४८७ | गारुडं व्यूह | २७२ १ |
| गम्यागम्यं त | ६२• | गर्भेषु पिहि | १९८७ | गात्रश्लेषं क | १५२१ | गारडो मक | २७३१ |
| गम्ये वृक्षावृ | २४५७ | गर्भोदकः स्व | ≇२ ९६७ | गात्रसंश्लेष | " | गारुत्मतं तु | १३७० |
| गयाशीर्षो ब्र | २९७८ | गर्भोदकश्च | # 33 | गात्रावसेक | २३१२ | गाहत्मतं त् गाहीपत्यं वा | १३७३ |
| गरगिरो वा | ४३० | गर्भोदश्च स्व | ,, | गात्राश्लेषं क | *१५२१ | | ४२३ |
| गरिष्ठैश्च व | १४७५ | गईयन्स्वानि | १०९० | गान्धवे नृत्त | ६८२ | | २३,२२७५ |
| गरीयस्तर | १७४२ | गईयामास | १६२२ | गान्धर्वशास्त्रं | # ८६५ | गाईपत्येनै | ४२३ |
| गरीयांसो ग | ६५२ | गहेरंस्तत्र | १७६६ | गान्धर्वश्चेव | ८८९ | गाईपत्ये ह | २८९ |
| गरीयांसो व | ८६० | गलन्ति गलि ९ | ३३,१६०५ | गान्धर्वे च प | २६७० | गाईस्थ्याङ्गानां | १३८५ |
| गहडं गर | १४७७ | गवयः पश्चि | # ₹९४४ | गान्धर्वी वारु | २९७७ | गालवाय पु | २५३७ |
| गरुडं व्यूह | ७२७२१ | गवां त्रीणि श | १९१ | गान्धारराजः | २४३९, | गावः पवित्राः | ७४३ |
| गरुडश्चार | *२९६३ | गवां लाङ्ग्ल | * २९२६ | | २७१७ | गावः सरस्व | २५४१ |
| गरुडश्चार २९६ | 2 201010 | 74 | | 1 | | 1 | |
| गर्यक्षाप र ७५ | २,२५७७ | गवां विंशति | #3878 | गान्धारषड्ज | २५०७, | गावश्च देया | २८६९, |
| गर्डस्य ख | • | गवां विंशति | # २६८६ ***** | गान्धारषड्ज | २५ <i>०</i> ७, २५२६ | 1 | २८६९, ५,२९२७, |
| | २,२५७७ २७१० १४७० | गवां समं सा | १३७४ | , | રૂ પ રદ્દ ૨ ૭ ૧૭ | २९२ | ,५,२९२७, २९२८ |
| गरडस्य ख | २७१० | गवां समं सा गवां स्थानं त | १३७४ १४६३ | गान्धाराः शकु | રૂ પ રદ્દ ૨ ૭ ૧૭ | 1 | ,५,२९२७, २९२८ |
| गरुडस्य ख गरुडी च त | २७१० १४७० | गवां समं सा गवां स्थानं त गवां स्थानं दु | १३७४ १४६३ * ,, | , | રૂ પ રદ્દ ૨ ૭ ૧૭ | २९२ गावस्तुरंग २५ | ,५,२९२७, २९२८ |
| गरुडस्य स्व गरुडी च त गरुडोद्वार | २७१० १४७० २८३५ | गवां समं सा गवां स्थानं त गवां स्थानं त गवां स्थानं हि | ₹₹७४ १४६ ₹ ● ,, | गान्धाराः शकु | २५२६ २७१७ १५००, | २९२ गावस्तुरंग २५ | (५,२९२७, २९२८ ०६,२५१६ |
| गरुडस्य ख गरुडी च त गरुडोद्वार गरुत्मति म | २७१० १४७० २८३५ २८९७ | गवां समं सा गवां स्थानं त गवां स्थानं तु गवां स्थानं हि गवां हि पारु | ₹₹७४ १४६३ • ,, • ,, ७४३ | गान्धाराः शकु गान्धाराः सिन्धु गान्धारिभिर | २५२६ २७१७ १५००, २७०९ २७ १ ९ | २९२ गावस्तुरंग २५ गावो भगो गा गावो भूमिः क | १५,२९२७, २९२८ ०६,२५१६ ४४९ १०३२ |
| गरुडस्य ख गरुडी च त गरुडोद्वार गरुत्मति म | २७१० १४७० २८३५ २८९७ २५३८, | गवां समं सा गवां स्थानं त गवां स्थानं त गवां स्थानं ति गवां स्थानं हि गवां हि पाछ गवादिदुग्धा | ₹₹७४ १४६३ • ;; • ;; • % • % | गान्धाराः शकु गान्धाराः सिन्धु गान्धारिभिर गान्धारी च त | २५२६ २७१७ १५००, २७०९ २७१९ #२९६६ | २९६ गावस्तुरंग २५ गावो भगो गा गावो भूमिः क गावो लाङ्गूल | १५,२९२७, २९२८ ०६,२५१६ ४४९ १०३२ २९२६ |
| गरुडस्य स्व गरुडी च त गरुडोद्गार गरुतमति म गरुतमान् मा गर्गोक्तेन वि | २७१० १४७० २८३५ २८९७ २५३८, २५४५ | गवां समं सा गवां स्थानं त गवां स्थानं त गवां स्थानं त गवां स्थानं हि गवां हि पाल गवादिदुग्धा गवामिश्वानां | \$ 308 \$ 4 4 \$ 11 \$ 17 \$ 200 \$ 200 \$ 400 | गान्धाराः शकु गान्धाराः सिन्धु गान्धारिभर गान्धारी च त गान्धारी च म | २५२६ २७१७ १५००, २७०९ २७१९ *२९६६ | २९६ गावस्तुरंग २५ गावो भगो गा गावो भूमः क गावो लाङ्गूल गावो ह्यसग | १५,२९२७, २९२८ ०६,२५१६ ४४९ १०३२ २९२६ १२२५ |
| गरुडस्य स्व गरुडी च त गरुडोद्वार गरुत्मति म गरुत्मान् मा गर्गोक्तेन वि गर्जमानस्य | २७१० १४७० २८३५ २८९७ २५३८, २५४५ २८६७ १८८८ | गवां समं सा गवां स्थानं त गवां स्थानं त गवां स्थानं हि गवां हि पाल गवादिदुग्धा गवामश्वानां गवामेवैनं | ₹ ₹ 98 | गान्धाराः शकु गान्धाराः सिन्धु गान्धारिभिर गान्धारी च त गान्धारी च म गान्धारी दुन्दु | २५२६ २७१७ १५००, २७०९ २७१९ *२९६६ | २९६ गावस्तुरंग २५ गावो भगो गा गावो भूमिः क गावो लाङ्गूल गावो ह्यसग गाहमानस्य | १५,२९२७, २९२८ ०६,२५१६ ४४९ १०३२ २९२६ १२२५ |
| गरुडस्य स्व गरुडोद्वार गरुतमति म गरुतमान् मा गर्गोकैन वि गर्जमानस्य गर्दभस्येव ४ | २७१० १४७० २८१५ २८९७ २५३८, २५४५ २८६७ १८८८ ५५,४५६ | गवां समं सा गवां स्थानं त गवां स्थानं त गवां स्थानं हि गवां हि पाल गवादिदुग्धा गवामधानां गवामेवैनं गवाश्वसरो | १३७४ १४६३ * ,, • ,, • ,, • ,, • ,, • ,, • ,, • ,, | गान्धाराः शकु गान्धाराः सिन्धु गान्धारिभिर गान्धारी च त गान्धारी च म गान्धारी दुन्दु गान्धारीश्च य | २५२६ २७१७ १५००, २७०९ २७१९ *२९६६ *,, २९९५ | २९६ गावस्तुरंग २५ गावो भगो गा गावो भूमिः क गावो लाङ्गूल गावो हासग गाहमानस्य गिरयस्ते प | १५,२९२७, २९२८ ०६,२५१६ ४४९ १०३२ २९२६ १२२५ २७९७ |
| गरुडस स्व गरुडी च त गरुडोद्वार गरुत्मति म गरुत्मान् मा गर्गोक्तेन वि गर्जमानस्थ गर्दभस्थेव ४ गर्दभाश्वम | २७१० १४७० २८३५ २८९७ २५३८, २५४५ २८६७ १८८८ ५५,४५६ | गवां समं सा गवां स्थानं त गवां स्थानं त गवां स्थानं हि गवां हि पाल गवादिदुग्धा गवामश्वानां गवामेवैनं गवाश्वसरो गवाश्वयान | १३७४ १४६३ % ,, % ,, % ,, १३७० ४०६ ५०६ ५६७ ९६१ | गान्धाराः शकु गान्धाराः सिन्धु गान्धारी च त गान्धारी च म गान्धारी चुन्दु गान्धारीश्च य गामग्रीभे | २५२६ २७१७ १५००, २७०९ २७१९ *२९६६ *१, १८९४ | २९६ गावस्तुरंग २५ गावो भगो गा गावो भूमिः क गावो लाङ्गूल गावो ह्यसग गाहमानस्य | २५,२९२७, २९२८ ०६,२५१६ ४४९ १०३२ २९२६ १२२५ २७९७ ४०६ |
| गरुडस्य स्व गरुडी च त गरुडोद्वार गरुत्मति म गरुत्मान् मा गर्गोक्तिन वि गर्जमानस्य गर्दभस्येव ४ गर्दभाश्वम गर्दभाश्वम | 20 9 0 9 8 0 0 2 | गवां समं सा गवां स्थानं त गवां स्थानं त गवां स्थानं दि गवां दि पाछ गवादिदुग्धा गवामश्चानां गवाभ्रेवनं गवाश्चयान गवाश्चानां दि | १ ३७४ १४६ १४,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,, | गान्धाराः शकु गान्धारिभर गान्धारी च त गान्धारी च म गान्धारी वुन्दु गान्धारीध य गामग्रीधे इ | २५२६ २७१७ १५००, २७०९ २७१६ *२९६ *२९९४ १८९४ १८९४ | २९६ गावस्तुरंग २५ गावो भगो गा गावो भूमः क गावो लाङ्गूल गावो हासग गाहमानस्य गिर्यस्ते प गिरा च श्रुष्टिः | २५,२९२७, २९२८ ०६,२५१६ १०३२ २९२६ १२२५ ४०६ ३८३, |
| गरुडस्य स्व गरुडोद्वार गरुतमति म गरुतमान् मा गर्गोकिन वि गर्जमानस्य गर्दभस्येव ४ गर्दभाश्वम गर्दभेन य गर्भ वा एत | 20 % 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 | गवां समं सा गवां स्थानं त गवां स्थानं त गवां स्थानं हि गवां हि पाल गवादिदुग्धा गवामश्चानां गवामेवैनं गवाश्चयान गवाश्चानां हि गयाश्चानां हि गयाश्चानां हि | १३७४ १४६३ १४,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,, | गान्धाराः शकु गान्धाराः सिन्धु गान्धारिभिर गान्धारी च त गान्धारी च म गान्धारी दुन्दु गान्धार्यश्च य गामग्रीधे द | २५२६ २७१७०, २७१९ २७१९ *२९६ *२९५,३२१ १७०५,३२६ | २९६ गावस्तुरंग २५ गावो भगो गा गावो भूमिः क गावो लाङ्गूल गावो ह्यसग गाहमानस्य गिरयस्ते प गिरा च श्रुष्टिः | \(\) \(\) \(\) \(\) \(\) \(\) \(\) \(\ |
| गरुडस्य स्व गरुडी च त गरुडोद्वार गरुत्मति म गरुत्मान् मा गर्गोक्तिन वि गर्जमानस्य गर्दभस्येव ४ गर्दभाश्वम गर्दभाश्वम गर्दभेन य गर्भमानेन | 20 % 0 0 2 2 3 4 4 2 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 | गवां समं सा गवां स्थानं त गवां स्थानं त गवां स्थानं हि गवां हि पाल गवादिदुग्धा गवामश्वानां गवामेवैनं गवाश्वस्रो गवाश्वानां हि गवाश्वानां हि गवाश्वानं हि गवाश्वानं वि गवाश्वानं वि गवाश्वानं प्रवाश्वानं वि गवाश्वानं वि | १३७४ १४६ १४५ १४७ १४७ १४७ १६६१ १६६१९ १८७९ | गान्धाराः शकु गान्धारिभर गान्धारी च त गान्धारी च म गान्धारी च म गान्धारी खुन्दु गान्धायीश्च य गामग्रीघे स गाम्भीयें साग | २५२६ २५००, १५००, १५०९ २७१६ २५२२ १५२२ १५२२ १५२१ | न्दर्भ गावस्तुरंग २५ गावो भगो गा गावो भूमः क गावो हासग गाहमानस्य गिरयस्ते प गिरा स्व श्रुष्टिः गिरा स्व हृद | २५,२९२७, २९२८ १९२८ १०३२ १०२६ १२२५ १८३, १८७ १६,१९८७ |
| गरुडस्य स्व गरुडोद्वार गरुतमति म गरुतमान् मा गर्गोकिन वि गर्जमानस्य गर्दभाश्वम गर्दभाश्वम गर्दभाश्वम गर्दभान् य गर्भ वा एत गर्भमानेन गर्भशर्मज | 20 9 0 9 4 0 0 2 2 9 0 2 4 4 6 0 2 4 2 6 0 9 2 0 0 9 2 0 0 9 8 0 0 9 0 0 9 0 0 9 0 0 9 0 0 9 0 0 | गवां समं सा गवां स्थानं त गवां स्थानं त गवां स्थानं हि गवां हि पाल गवादिदुग्धा गवामश्चानां गवाभिवनं गवाश्चयान गवाश्चानां दि गग्यूतिषु त्रि गन्येन पय गहनं भव | १ % , , , , , , , , , , , , , , , , , , | गान्धाराः शकु गान्धाराः सिन्धु गान्धारिभिर गान्धारी च त गान्धारी च म गान्धारी चुन्दु गान्धारीश्च य गामग्रीधे व गामग्रीधे व गाम्भीर्ययुक्ता गाम्भीर्ये साग गायत्रछन्दा | २५२६ २५००, २५००, २५६ २५२२६ १५,३२३०५,३२३०५,३३१७०५,३३३ १०५,३३३ | न्द्रम्य स्थानस्तुरंग २५ गाना भगो गा गाना भूमिः क गानो हासग गाहमानस्य गिरयस्ते प गिरा च श्रृष्टिः गिरा त्वं हृद गिरिकन्दर १६ | 24,2 4 20, 2 4 2 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 |
| गरुडस्य स्व गरुडोद्वार गरुतमति म गरुतमान् मा गर्गोकेन वि गर्जमानस्य गर्दमस्यव ४ गर्दमस्यम गर्दमेन य गर्भ वा एत गर्भमानेन गर्भम्य | 20 % 0 0 4 0 0 4 0 0 4 0 0 0 0 0 0 0 0 0 | गवां समं सा गवां स्थानं त गवां स्थानं त गवां स्थानं हि गवां हि पाल गवादिदुग्धा गवामश्वानां गवाभ्रयान गवाश्वानां दि गन्यूतिषु त्रि गल्येन पय गहनं भव गहनां वि | १ % % % % % % % % % % % % % % % % % % % | गान्धाराः शकु गान्धाराः सिन्धु गान्धारी च त गान्धारी च म गान्धारी च म गान्धारी दुन्दु गान्धारीश्च य गामग्रीषे स गाम्भीर्ययुक्ता गाम्भीर्ये साग गाम्भीर्ये साग गामन्नष्टन्दा गामन्न | २५०, २५०, १५०, १५०, १५०, १५, १५, १५, १५, १५, १५, १५, | र९६ गावस्तुरंग २५ गावो भगो गा गावो भूमिः क गावो छासग गाहमानस्य गिरयस्ते प गिरा च श्रुष्टिः गिरा त्वं हृद गिरिकृत्द्र १६ गिरिदुर्गे स | 24,2 4 2 4, 2 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 |
| गरुडस्य स्व गरुडी च त गरुडोद्रार गरुत्मति म गरुत्मान् मा गर्गोक्तेन वि गर्जमानस्य गर्दभस्य गर्दभस्य गर्दभन य गर्भ वा एत गर्भमानेन गर्भश्य हित गर्भाधानादि | 20 4 0 0 4 0 0 4 0 0 4 0 0 4 0 0 4 0 0 4 0 | गवां समं सा गवां स्थानं त गवां स्थानं त गवां स्थानं हि गवां हि पाल गवादिदुग्धा गवामधानां गवामधानां गवाधानां दि गम्यूतिषु त्रि गल्येन पय गहनं भव गहनानि वि गहनेऽमिरि | १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ | गान्धाराः शकु गान्धाराः सिन्धु गान्धारी च त गान्धारी च म गान्धारी च म गान्धारी खुन्दु गान्धायीश्च य गामग्रीचे च गाम्भीयें साग गायत्रछन्दा गायत्री पाप | २५०, २५०, १५०, १५०, १५०, १५, १५, १५, १५, १५, १५, १५, १५, | गावस्तुरंग २५ गावो भगो गा गावो भूमः क गावो हासग गाहमानस्य गिरयस्ते प गिरा त्वं हृद गिरिकन्दर १६ गिरिकन्दर १६ गिरिद्वन्द्वं नृ गिरिप्रुष्ठं स | 24,2 4 20, 2 4 2 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 |
| गरुडस्य स्व गरुडोद्वार गरुतमति म गरुतमान् मा गर्गोकेन वि गर्जमानस्य गर्दमस्यव ४ गर्दमस्यम गर्दमेन य गर्भ वा एत गर्भमानेन गर्भम्य | 20 | गवां समं सा गवां स्थानं त गवां स्थानं त गवां स्थानं हि गवां हि पाल गवादिदुग्धा गवामश्वानां गवामश्वानां गवाश्वानं दि गव्यं स्थानं दि गव्यं स्थानं गवाश्वानं दि गव्यं स्थानं प्य गहनं भव गहनानि वि गहनेऽमिरि गां मन्ति | ११ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ | गान्धाराः शकु गान्धाराः सिन्धु गान्धारी च त गान्धारी च म गान्धारी च म गान्धारी दुन्दु गान्धारीश्च य गामग्रीषे स गाम्भीर्ययुक्ता गाम्भीर्ये साग गाम्भीर्ये साग गामन्नष्टन्दा गामन्न | २५०, २५०, १५०, १५०, १५०, १५, १५, १५, १५, १५, १५, १५, | र९६ गावस्तुरंग २५ गावो भगो गा गावो भूमिः क गावो छासग गाहमानस्य गिरयस्ते प गिरा च श्रुष्टिः गिरा त्वं हृद गिरिकृत्द्र १६ गिरिदुर्गे स | 24,2 4 2 4, 2 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 4 |

| गिरिवल्मीक | ३५४९ | , गुणत्रयं प | १२५६,१२६० | गुणातिशय | २०५५ | , गुणौघमपि | १३५९ |
|----------------------------|-------------------------|------------------------|------------------|-----------------|-------------------|---------------------|--------------|
| गिरिव्रजे पु | ८०३ | गुणदोषयो | १८२९ | | २१५१,२१ ७५ | . , - | २६७ ६ |
| गिरिशिखरा | | 10 | १७७९ | | २१७६ | गुप्तं बेतन | २१९३ |
| गिरीन्द्रशिख | # ९३१,९३८ | गुणदोषाव | १६३०,१७६५ | गुणाघानं न | * 40 95 | गुप्तं सर्वर्तु | १४५७ |
| गिरीन्द्रसद्द | ९३१ | गुणनीतिब | १७४८ | | ,, | गुप्तं स्वच्छं पु | *२६७६ |
| गिरेषपान्ते | १५९७ | गुणप्रातिलो | 96.40 | गुणाधिकं च | | | ø ,, |
| गिरौ धाराष्ट्र | ग २९०४ | गुणयुक्तेऽपि | १०५६ | गुणाधिकस्य - | क १६३७ | ł | १६४९ |
| गीतं केकय | ६०१ | गुगवचन | | गुणाधिकाश्चे | | गुप्तमन्त्रश्रु | १०७८, |
| गीतं कैकेय | # ,, | गुणवतां च | १८३४ | गुणाधिकेऽस | • • • | { | १२२३ |
| गीतं दृष्टार्थ | ६११ | 1 | १९४४ | गुणानामेव | १०८४ | गुप्तमन्त्रो जि | ५६७, |
| गीततूर्यर | ९४३ | गुणवतीमा | २०९८ | गुणानुरक्त | ૨ १७१ | | ११७४ |
| गीतनृत्ताधि | * १६ १७ | गुणवतो रा | १११७ | गुणानुराग | ११८३, | गुप्तमन्त्रो भ | १७८२ |
| गीतनृत्तैश्च | # 9 48 | | ६५७,#९२० | 3 | *2808 | गुप्तां योधश | १ ४४४ |
| गीतन्त्ये च | _ | गुणवत्यपि | * ,, ,, ,, | गुणानुरागी | ११३३, | गुप्तां वंप्रेक्षि | १८२५ |
| गीतनृत्यैश्च | " | गुणवत्सहा | १२०६ | | ११८७ | गुप्तात्मा गुप्त | १०८१ |
| गीतनृत्यैस्त | " २८५८ | गुणवत्सु क | ८५७, | गुणानेतान् | २६ ० २ | गुप्तात्मा स्याद्दु | ७९७, |
| गीतप्रबन्ध | १६६५ | | ८५९,८६२ | गुणान्तं तु त | | | १०६३ |
| | २९२१,२९५ २ | गुणवद्वाक्य | ू १७६१ | गुणान् दोषां | | गुप्ता पुरी स | १४४५ |
| गीतवाद्यपा गीतवाद्यपा | २२९८ २ २ ९८ | गुणवन्तं नि | १७०९, | गुणानिवतस्यै | २ ४६४, | गुप्तामिक्ष्वाकु | १४४४ |
| गीतवाद्यप्र | ७४०,२८१३ | | १७१७ | 3.11.1 | २५ <i>१</i> ९ | गुप्तिप्रधान | १४८१ |
| | | गुणवन्ति गु | ५५१ | गुणाभावे फ | | गुप्ते देशे मा | ९७४ |
| गीतवाद्यादि | २९७५ | गुणवन्तो म | २००४, | गुणार्थिनां गु | | गुप्ते स्त्रीकोष | १४९३ |
| गीताः क्षमाव | 1 | | २०८३ | गुणाश्चत्वार | २८४० | गुप्तैश्रारेर | १०७२ |
| गीताङ्गपट | १६६५ | गुणवन्तो वि | २८३० | गुणिजुष्टस्तु | ७६५,११८९ | गुरवस्ते य १८५ | |
| गीताय सूत | *868 | गुणवाञ्छील | | गुणिनां पूज | १७१२ | गुरवे दीय | २९१३ |
| गीतेन रत्ये | 56581 | गुणवाञ् शी ल | | | | गुरवोऽपि प | ६२४ |
| गीतैर्नृत्यैश्च | e vy y i | गुणवानिति गुणवानिति | 1 | गुणी तावहे | १४२७ | गुरवो हि प | * ,, |
| गीयते हि य | 15597 | - | | गुणीभूता गु | *२३६९ | गुरुं ज्योतिर्वि | ९५७ |
| गीयसे तेन | 7.05.7.25 | गुणसंकीर्त | • | गुणी सुनीति | ११५५ | गुरुं न हन्यां | २७५७ |
| गीभिरूध्वीन् | ७२ | गुणसाधन ५ | ७६४,११४४, | | १०८३ | गुरुं वा बाल | २७८१ |
| गुञ्जा माषस्त | १८४६ | | ž. | गुणेषु दृष्ट्वा | * ,, | गुरुं वृणुया | १६१२ |
| गुडस्य सर्व १ [.] | 548.48701 | पुणहीनं ध | | | ४६३,२५१९ | गुरुः पीठो गौ | २८३६ |
| गुडादभिष्रे १ | ९५ ०.३४३ १ ^३ | गु णहीनं प | | गुणैः समुदि | | गुरुः पुरोहि | २३५ १ |
| गुड़्चिशक | •२९०३ | गुहीनं रि | २२०७ ३ | ~ | | गुरुजनरो | १६२८ |
| गुहूचीशक | ,, | J णहीनान | १२२९ | पुणैरेतैक १ | | गुरुजनशी | ९०४ |
| गुणः सूत्रवा | | गुणांश्च प्रका | २८१९ इ | | १०३८ | गुरुणा याचि | ९४२, |
| गुणकापीस | | पुणाः क्रोधावि | न १९०६ र | पुणैस्तु नव | २८३६ | _ | *2642 |
| गुणतः संग्र | ११२० | पुणाग्रंतुत | १५१५ | पुणोदयं ब | ३५५१ | गुरुणा वाचि | ** |
| | | | | | • | | |

| गुरुता लघु | २८४२ | गुरूणां तु गु | १८०९, | गुह्यकर्म च | | गृहं कपोतः | २९२६ |
|----------------------|---------------|----------------------------------|-----------------|----------------------------|-----------------------------|------------------------|------------------|
| गुरुतमान् मा | २८९२ | | १ ९६६ | गुह्या नाराय | | गृहं क्षेत्राणि | २०४० |
| गुरुत्वात्प्रभ | १३७० | गुरूणां पुर | १६२९ | गूढचारैः ॥ | | · | २०२० |
| गुरुदक्षिण | ८७९ | गुरूणां हि प्र | ६२४ | | ११४०,१६६२ | | १०८७ |
| गुरुदेवप्रा | १११६ | गुरूणामनु | ११३७ | गूढपुरुष | ६६८ | गृहं त्रिरप | 6 9८२ |
| गुरुपत्नीं ज | १६३० | । गुरूणामपि | १२६१ | 1 . | २६२७,२६४ ५ | गृहं पुरोध | १४६२ |
| गुरुपूजां च | ८६६ | गुरूणामिव | ۰,, | गूढपुरुषो | ६६८ | गृहकृत्योज्झि | १४२९ |
| गुरुप्रधानो | ६१२ | गुरूनमात्यां | १०२८ | गूढमन्त्रप्र | ११८३, | गृहकोणस्त | १४८५ |
| गुरुभक्तो जि | १६३१, | गुरून्पुरोहि | १९७८ | | ११८७,१७६१ | गृहक्षेत्रादि | १८३९ |
| | २३५१ | - | ७,१८८८, | गूढमन्त्रश्च | १२५५ | गृहगाढाम | * \$ 88\$ |
| गुरुमपि नी | १११९ | j . १९८ | ३,२०४५, | गूढमन्त्रस्य | १ ७६२ | रहगुह्म प्र | २६३३ |
| गुरुमित्रद्रु | #2826 | 33 | २७५७ | गूढमस्मिन् गूढमैथुन | प९ ३ ७ ८ क | गृहचारी सु | २ ९९ ५ |
| गुरुमित्रद्वि | ,, | गुरोरेष च २७३ | | गूढमे <u>ं</u> थुनं | | गृहदेवांस्तु | २८५० |
| गुरुमिव गु | १६३० | गुरोवरि न | २४७२ | गूढशस्त्रा वि | ,, १ ४२४ | गृह देवा स्तु | २८५६ |
| गुरुराहेति | १११९ | गुरोविंलमां | २४६९ | गूढा जी विनां | ,° \° ६७२ | गृहदौ:स्थित्य | १६३० |
| गुरुरुदेये | २४६४ | गुरी गुणय | # १ २४५ | गुढाश्चामिर गुढाश्चामिर | १९२४ | ग्रह नीराज | |
| गुरुर्धर्मीप ६३ | ३,२०४१ | गुरी वासोऽमि | ७५ ३ | गढोत्पन्नोऽप | | l | 2006 |
| गुरुवी यदि | ५६७ | गुरौ विलग्ने २४६ | | गूढोपायेन - | २०७८ | 1 | # <i>१</i> ४७९ |
| गुरुलेंग्ने बु | २४७१ | गुरी शिष्यश्च | १९६८ | गूहनं मूत्र | १६०० | ग्रहप ङ्क्ति मु | ११४३, २३४८ |
| गुरुहिं सर्व १६१ | | गुर्वरूपं हीन | १३७१ | गूहेत्कूर्म इ | .` ७₹४, | ग्रहपतिक | ६७१ , |
| गुरुलाघव | १९३१ | गुलयुक्तानां | २२९२ | 20,000 | १०९,१२४३, | SQ III II | १६६४ |
| गुरुखुर्गुरु | २५१ ४ | गुल्फी पार्षिणग्र | # १ ५ १५ | | ७७२,१७७३, | ग्रहपीठं च | १४८५ |
| | ९,१६२८ | गुल्फौ पार्षिणस्थि | | | ७८१,१८८६, | गृहपृष्ठे स | १४८९ |
| गुरुवद्येन | ८१९ | गुरुमांश्च स्थाप | २६६४, | | २०४४ | ग्रहप्रविष्ट | २०७८ |
| गुरुवित्तं त | २१ ४२ | ग्रह्मीक्टं स | २७३० | गूहेद्राजाऽऽ | म ७२८ | गृहभूम्यादि | १८३९ |
| गुरुवृत्तं न | રહ ષ્હ | गुल्मीभूतं सा गुहः स्कन्दो वि | १५२७ २९६२, | गूंह्या नाराय | *२९९९ | गृहमाभर | २९१२ |
| गुरुवृत्तिं न | | 36. 11.41 14 | 2800 | गृणाना जम | ४५२ | गृहमेधी गृ | ४६४ |
| गुरुव्यसनं | *¸ '' २१५३ | गुहा चरन्ती | ४५७ | गृद्धो राजा । | ष्ट्र | गृहवान् भ | ४६५ |
| गुरुशासनं | | गुहासु च वि | २८९९ | गृधः संपत | # ₹४९२ | र गृहव्यासस्य | १४७३ |
| | १११८ | गुहैकवृक्षा | २५४८ | ग्रध्रदृष्टिर्व | २०४६ | ग्रह सं मार्ज | २३४८, |
| गुरुशुक्रबु | २८४३ | गुह्यं कर्म च | | ग्ध्रपरिवा | १े२०६ | | * 3408 |
| गुरुगुक्रम सरकारि | १८०५ | | | ग्रध्रे इसि | २८६४ | गृहस्थवृत्ति | ५८४ |
| गुरुशुकामि | *२९२२ | गुह्यं धर्मज | # १३२० | ग्रधसंदर्श | ९५७ | गृहस्थस्य ख | ८६९ |
| गुरुषु स्वामि | १६८४ | गुह्यं मन्त्रं श्रु | - 1 | ग्रधाः कङ्का | - 1 | गृहस्नेहाव | २०४० |
| गुरुसमुत्थं | २०९० | _ 2_ : | , | ग्रधाः काका | " | गृहस्य नग | २८८७ |
| गुरुखु विद्या | | गुह्यं मर्भ च | | गृधाः परिप | | गृहाः पङ्क्तिग | १ ४७९ |
| गुरु हिनग्धं पे | र २ २ ५ | गुह्यं मा धर्म | १३२० | गृधानुल्का | | गृहागतम | २०८० |
| | | | | | | - | |

| ग्रहागते प | ७५०,११३४ | (गृहीत्वा साय | १५१६ | गोजाविगृह | २९५४ | / गोपालक्वै | २६ ४३ |
|--------------------------|----------------|--------------------------------|---------------|------------------------------|---------------|------------------|-----------------------|
| ग्रहा गाईप | | गृहे गम्यो य | | गोजाविग्रह | | गोपाव्युहं म | *2999 |
| ग्रहाग्रे धार | | गृहे गृहस्थैः | २८६१ | | | गोपाःयुद्दं व | ,, |
| ग्रहाणां च क | | गृहे गृहे भ | २८९१ | 1 h | | गोपाश्च घृत | ७३०, |
| ग्रहाणां चैव | | गृहे च भोज | २५३० | गोजिह्वासंस्था | १५३६ | | १३५९ |
| ग्रहाणां शुभ | | गृहे चैपाम | १०९५ | गोतर्पणं च | २८५१ | गोपितानि स | ७३६ |
| गृहाणि च प्र | २५९९ | गृहे त्रिरप | \$ 23 | गोतीर्थ चामि | *२९६ ७ | गोपिनो हि स | 🐞 ७ ३६ |
| गृहाणि चोप | २८६२ | गृहे पिष्टम | २५२८ | गोतीर्थश्चामि | # ,, | गोपुरं संक | * १४६२ |
| गृहाणैनाम् | SP | | २७६ २ | | *4,88 | गोपुरं सक | " |
| गृहाद् गम्य य | #२५०९ | | १२०९, | 1 | * T Y | 222 | १४९३ |
| गृहाद्याधार | १३७७ | | १२८१ | | प४ | गोप्ता च धर्म | |
| गृहानुप प्र | Rak | ुष्ट ।पवार | १३८३ | 1 | १६१२ | गीप्ता तसाद् | |
| गृहानुप ह्व | ४०२ | गृहेषु मणि | १४९७ | | २५४७ | | * १०६३ |
| गृहानैमि सु | " | गृहैरपि वि | * ₹८७५ | | २२४ १ | गोप्यभोग्यकि | १८३९ |
| गृहान्वि हाय | ८४१ | 1 26 | २६७७ | गोदानं भूमि | २८९९ | गोब्राह्मणतृ २ | |
| गृहा वा ओकः — • • • • | | गृह्णतो बलि | ७३०, | गोदावरी मी | २९७०, | गोब्राह्मणमि | # २७५ ६ |
| गृहीतं सुव | २२४८ | | १३५९ | | ૨ ९७૮ | गोब्राह्मणवि २१ | ४८४,२९१६ |
| गृहीतग्रासे | ९६५ | 16 | २५४८ | | २८९५ | | २९७४ |
| ग्रहीतनी ति | ८७८ | 16 | ११४६ | गोधनेषु प्र | २७९३ | गोब्राह्मणार्थे | #१ ०४५, |
| ~ . | ४७,२०७८ | 16. | १३५८ | | १५०१ | | १०५२ |
| गृहीतमात्रे | १५११ | गृह्णीयातसुप्र | १३६८ | ** ** *** | २५ २५ | गोब्राह्मणार्थे | १०४५, |
| गृहीतमेत | १५४४ | गृहीयाद्भर्त | १३५५ | गोधासेरक | २२६७ | # 8 0 | ५२,११०३ |
| गृहीतलोक | ६६२ | 1 = | १६६८ | गोधूमसंमि | १५३३ | गोब्राह्मणे च | ६०२ |
| गृहीतशस्त्रा | २४८९ | गृह्यमेव त | #2086 | गोध्यक्षः | ६७१ | गोब्राह्मणेभ्यो | * ,, |
| ग्र हीतशस्त्राः | \$ ³ ,, | गोअश्वमिह | ४५६ | गोध्यक्षो वेत | २३०२ | गोभिः संनद्धो | ४९७ |
| गृहीतश्चैव | ७६६२ | गोकर्णशिख | #4404 | गोपक्षमधु | *२९२१ | गोभिष्टरेमा | ८७,४११ |
| ग्रहीतायाम | 1 | गोकुलान्मृद | २५७३ | गोपक्षिमधु | | गोभूमिकाञ्च | २९१३ |
| गृहीता शकु | | गोगजाश्ववि | * 1044 | गोपगिरौ म | ,, २९०४ | गोभूहिरण्य ७ | २१,१३८४ |
| गृहीतो वा सा | २१११ | गोगजाश्वाज | 1000 | गोपतीर्थं चा | २९६७ | गोभूहिरण्या | ११२४ |
| गृहीत्वा तत्प्र | ००६ १ | | 1104 | गोपनीयमि | | गोभ्यो अश्वेभ्यो | ४०४ |
| गृहीत्वा देव | | गोगजाश्वादि | 1044 | गोपव्यूहं व | | गोमती धूत | २९६९ |
| गृहीत्वा न सं | २६ ९६ | गोगजाश्वोष्ट्र | * , , , , | गोपन्यूहः स | | गोमतो धनि | १०५६ |
| गृहीत्वा पञ्च | 250 | _{गोजन} को न | | गं पस्थानि क | | गोमयेन ति | २६५४ |
| गृहीत्वा पिष्ट | | गोग्रहणेन गोग्रहो धान्य | | गे.प्रतासक गोपायितारं | - 1 | गोमयेन प्र | २८५६ |
| र्यहीत्वा यश्च | | गात्रहा वान्य गोघ्नेष्वपि भ | | गोपायी कथि | | गोमहिषम | २२ १४ |
| गृहीत्वा वेत | 1 | गाञ्चवाप म गोचरेण शु | | गापायाः कथि गोपाय्याः कथि | | गोमहिषाश्व | १३३० |
| गृहीत्वा सश | ع عولالا | | 1 | गापाय्याः काय गोपालकपि | 22 (| गोमाँ अग्नेऽवि | ४५८ |
| | | | | | | | • • |

| गौमांसमुद | १४३२ | गौश्वीष्ट्रगर्दं | २५ ०८ | ्रग्रहर्श्वतिथ्यु _ः १५ | ३५,२४१६ | ग्रामणीन्संभा | १११९ |
|------------------------|--------------------|----------------------------|-----------------------------|-----------------------------------|--------------------------|-----------------------------------|-----------------------|
| गौमायवश्चा | २४९६ | 1 -, | | ग्रहर् <u>श्</u> षेविकृ | | ग्रामणी र्भव | ६३२ |
| गोमायुः प्रश्रि | | गोसर्गे व्याया | | ग्रहर्शवै कृ | २९२० | 1 _ | १३८५, |
| गोमायुः प्राय | १२२३ | 1 | २८८१ | ग्रहवैषम्य | २९१ ४ | | २२०८ |
| गोमायुः संश्रि | • १२१८ | गोसहस्रं च | २९१३ | ग्रहशान्ति त | २९७ २ | ग्रामदोषान्स | १४०६, |
| गोमायुत्वं च | १२१७ | गोहिता भूरि | १४१५, | ग्रहशान्त्या ऽ खि | ७२९ | | १८,१४१९, |
| गोमायुमार्जा | १५१८ | | १४२० | ग्रहस्वरः स | २४७२ | | २३३० |
| गोमिनां पार्थ | १३१८ | गोह्योपगोह्यो | २९ ८२ | ग्रहस्वरा नि | ,, | ग्रामद्वयान्त | १४८९ |
| गोमिनो धनि | . , , # १ ० ५ ६ | गौरवात्तव | १०४५ | प्रहांश्चाप्यथ | २८७८ | ग्रामनगरो | १४१५ |
| गोमुलीं सौम्य | 2990 | गौरी शिवा च | २९५७, | ग्रहाणां च ब | २४७१ | ग्रामपो ब्राह्म | १४२८, |
| गोमूत्रघृष्टो | १४७० | | २९७६ | ग्रहाणां सौम्य | १४७९ | | ७५१,२३४५ |
| गोमूत्रपिष्टो | * ,, | गौरेव तान् | ३९८ | ग्रहाणामथ | २५४० | यामभृतक १ | |
| गोमूत्रिका ग | ૨ ૭૪ ફે | गौर्यत्राधिष्क | ५२५ | ग्रहातिथ्यं च | २९१३ | ग्रामयाचक | १११६ |
| गोमूत्रिकाहि | २७३३ | गौर्वत्सलाऽजो | २५२३ | ग्रहादिपाके | २५१५ | ग्रामवच कु | ५५ ० |
| गोमूत्रिकाऽहि | २७४३ | प्रन्थिभिहिं वा | २५८ | ग्रहाधीना न | १११३ | ग्रामवरं च | २८५३ |
| गोमृगोष्ट्रग | १४८४ | प्रसन्निवाम् | १९४८ | प्रहानलं च | * ₹९७४ | ग्रामस्याधिप | १३८६, |
| गोमेदं रुधि | १३६३, | प्रस्तमेव त | २०१८ | प्रहानीलं च | ,, | १४ | ०५,१४१७, |
| • | २८३० | प्रस्थतेऽकर्म २०४ | - | प्रहान्यजेच | २५४३ | | 2330 |
| गोमेदः प्रिय | १३७० | ग्रहं सेपूज | प११ | प्रहायस्य प्र | २४७१ | ग्रामाञ्जनप | १०४९ |
| गोमेदकस्तु | २८३ ५ | ग्रहः स्कन्दः पि | क्ष२९६२ | प्रहाश्च त्रिवि | २९०४ | म्रामाणां विंश | १४३९ १३८६ |
| गोमेदकोप | | अहर रक्त था। अ | * ,, | ग्रहास्त्वाम भि | २९५८ | ग्रामाणां शत | |
| | २८३३ | ग्रहकृत्योप | २९०४ | ग्रहीतुमुद्य | १२०५ | ग्रामादनिर्ण | २२९० |
| गोमेधः पुष्क | २९६५ | 1 | | ग्रहैरपि वि | २८७५ | ग्रामादिपाल | १४१९ |
| गोरसस्य प | *१ ४६४ | 1 ' | १५११ | ग्रहोद्भवां ह | 2908 | ग्रामाद्वहिः स | १५३३ |
| गोरिव पूर्वी | ४५६ | I . | १९५८ | प्रही ताम्रार | २४९१ | ग्रामाद्वहि र्व | १७५४ |
| गोरोचनाञ्ज | २५४९ | 1 | | ग्रामं ग्रामश | १३८६, ०७,२३३ <i>०</i> | ग्रामात्रिष्कम्य गामात्रामाण | ५६३ १ १ ४९, |
| गोरोचनाभिः | १४७५, | 1 | ११३६ | | 2208 | म्रामान्पुराणि | १ ४२८ |
| | | ग्रहणं शास्त्रा | ९०२ #११३ ६ | ग्रामं न बाधे | | ब्रामायैके व | १९९९ |
| गोलोकं चल कोको कोडा | | ग्रहणं शुद्ध सम्बोत्स | 2929 | ग्रामं पुरं त | १९५१ | ग्रामारण्याना | २६०९ |
| गोलो लोहम | | ग्रहणे सूर्य | २९८१ | ब्रामः प्रदीय | १९५५ | ग्रामारण्योप | 2803 |
| गोवरसं वड | | ग्रहदोषाश्च | २१,२९२३ | ब्रामकामं च ५५ | | ग्रामाधकं प | १४२५ |
| गोवस्रतिल | | } - | २८,२२२ १६३५ | ग्राम कामाय | | यामाश्च यत्र | १४५५ १९८७ |
| गोवाजिकु ञ्ज | | ब्रहमन्त्रप्र | १५४५ २९२८ | ग्रामघातप्र | | ग्रामे कुले वा | |
| गोवृषो वा व | | ग्रहयज्ञः क | | ग्रामजं शास | | त्राम कुल वा प्रामे ग्राम्यान् | २५१५ |
| गोवैद्यानश्व | | ग्रहयज्ञः स गर्न्थः वैक |)) #202a | त्रामण सात ग्रामजितं गो | | | |
| गोशीर्षकं का | २२३ ३ | ग्रहक्षे वैक् | # 4 2 4 0 | :आभाजत गा | ५ ९ १ | ्रशामेण ग्राम | \$ 685 |

| - > -> - | | | | | | _ | |
|-----------------------------------|----------------------------|----------------------------|------------------|----------------------------------|------------------------|--|--------------|
| प्रामे दोषं स | | . प्रीष्मे प्रहण | | धूकध्वजां शू | २५२९ | घोषयित्वा ज | २९४७, |
| ग्रामे दोषान् | # १४०६ | , थ्रीष्मे जनय | ् २२७८ | घृणा कार्या | ११२० | | २९७ ५ |
| | # 8886 | ब्रीब्मे प्रभूत | ा २६७३ | घृतं क्षीरं र | २९० २ | घोषाः प्रणाशं | ७९९ |
| यामे यान् या | १३८६ | श्रीष्मे बहिर | १३९५ | ष्ट्रतं च दिघ | # ⋜९ ३ ८ | _ | २५ ९७ |
| ग्रामेऽरण्या व | #2400 | श्रीष्मे राजन | य ४२१ | घृतं तिलांश्च | २८८३ | घोषायै चितिप | ५५ |
| प्रामेरकं र | २२३३ | ब्रीष्मे सुर्योइ | उ ≉११३० | वृतं दिध च | २९३८ | घोषैश्च नट | २८७६ |
| ग्रामेरकं स्नि | २२३५ | श्रीष्मो वै र | ज ४२१ | | २५०७ | | २२९५ |
| ग्रामे वन्यो व | २५०८ | 1 - ' | १३५५ | घृतं द्रोणश | २९०६ | न्नतः पञ्चाश | |
| प्रामे वजति | २५१३ | | १०५९, | | २९० १ | वंसं तद्भि | ७२ |
| प्रामेशस्य नृ | १३९७, | | २ ३९५ | - | ર ે ૧ | व्रेयाणि च म | ५४८, |
| | १३५८ | घटप्रदीप | १ २७३ | 1 - | | | २२०९ |
| ब्रामेषु नग १३ | ८४,१४७६ | घटस्य पञ्च | १९७२ २९८३ | 1 • | २९०३ | चकार च य | १२१७ |
| ग्रामो दे शश्च | १८३९ | घटस्वैव स | | 1 | १४७४ | चकार विक | १०८६ |
| ग्रामी ग्रुभाव | २५२६ | पटलप च | # १०५९, | 1 - | #२९०६ २९०० | चकार सर्व | ६२६ |
| ग्रा म्यसैनिक | १५३३ | | # २३ ९५ | | | चकारान्यान्वि | ११२४ |
| ग्राम्यस्त्वेकः प | १६९४ | घटेन तेन | ર ९४४ | 1 | क १५०४ | चकोरवन्न | ९६६ |
| प्राम्या ग्रामे व | १४३२ | घटेषु दश घटोत्कचे व्य | २८७८ | 10 | ९६७ | चकोरस्य वि | ९८६ |
| ब्राम्यारण्या वि | २५०९ | घटात्कच व्य घट्याद्यनेक | | घृतपावा रो | ७१ | चक्रं त्रिशूलं | २९६३ - |
| व्राम्या वै परा | 4707 83 4 | 1 | ८९५ | 1 | २८५६ | चकं षड्ढस्त | १५३३ |
| प्राम्यास्त्यजन्ति | २९२६ | घण्टाक्षस्रग्ध | - | घृतप्रमाणं | २९०५ | चक्रचराणां | 2888 |
| ग्राम्येव भव | ३३ ६ | घण्टासहस्र | २८६० | घृतभद्रदा | २५४९ | | |
| प्राम्यव नव ग्राम्ये स्थिरे वा | | 1 | | - | २९०६ | चक्रतुश्चैव | २९३९ |
| प्रान्यास्थर पा प्रांवाणो न सू | | घनं घनसु | २२५३ | 2 | २९०५ | चक्रदोलाध | २८७३ |
| प्रावाणा न सू प्रासमात्रवि | <i>७७४</i> | घनं सुषिरं | २२४८ | Same at 1 | २९०६ | चक्रपद्माद | २७३४ |
| _ | १३५८ | घनधाराप्र | ८२६ | | # २५ ०५ | चकरक्षी त | २७१५ |
| याहग्रहीतो | २५१३ | घनसुषिरे | २२५४ | घृतस्याष्ट्री वा | २३०२ | चक्ररक्षौतु २ ७ | ०७,२७१९ |
| ब्राहणं दान | #8946 | घनैर्मुक्तं न | # १ ० ८ ७ | घृतस्योदक | 968 | चक्रवत्कर्म | 988 |
| ग्राह्यन्ताबु | ८७८ | घर्मः समिद्धो | ५१४ | घृतस्योल् क | * ,, | चक्रवत्तात | * ,, |
| ब्राह् यामास | " | घर्मातीस्तात | २०४८ | वृताचाः सोम | १५०४ | चक्रवर्त्यन्य | २८४२ |
| ग्राहियत्वा तु | २०२५ | 3601100 | २८९५ | घृताद्धि संभू | २९४ | | २७५३ |
| प्राहश्चानीर | | घातयन्ति हि | १६६७ | घृतेन दीपं | २९०८ | चक्रव्यूहः स ———————————————————————————————————— | |
| प्राही चित्तस्य | | घातयन्नभि | ६१५ | घृतेन सीता | ३९४ | चकव्यूहश्चे | २७५० |
| ब्राहोऽस्पीयान | २१ १९ | घातयित्वा म | २७९८ | वृतेनार्कम | | चक्रव्यूहो म | २७१७ |
| ग्रीवायां नियु | २७०९ | घातयेत्पर १ | ९२४,२५०० | वृष्ण पावकं | ४७२ | चकाघातैर्द्धि | २७०३ |
| ग्रीवायां शूर २७६ | २,२७१६ | घात ये दिति | | वृद्ध पायक घोरघोषा म | *2994 | चकाङ्काकृति | २८७५ |
| ग्रा वाविपार | | घातादिदुःख | 1 | घारवाषा म घोराझिभय | १६०६, | चकाणासः प | १८ |
| ग्रीष्मसूर्यो ञ्ज | , ११३०, | घातिता रा ज्य | 2889 | | | चक्रात्तीक्ष्णत | १०३२ |
| .,, | | घासमिन्ध् न | | इ. ५५ घोरा घोरत | (C) 3 7 4 C 3 | चकान्तयोई | २७२४ |
| शीवमस्ते भूमे | | बुणजग्धं का | 202/ | वारा चारत घोर ैः प्रहर | | चकान्तेषु ह | २६०९ |
| | • | G W | . 10101 | नार •्नहर | 1204 | | |

| चक्कः द्वारा अथ्यः विष्क स्र १९६५ व्यावाराः कथि स्र १९६५ व्यावाराः कथि स्र १९६५ व्यावाराः कथि स्र १९६६ व्यावाराः कथि स्र १९६६ व्यावाराः कथि स्र १९६६ व्यावाराः कथि स्र १९६६ व्यावाराः कथि स्र १९६६ व्यावाराः कथि स्र १९६६ व्यावाराः कथि स्र १९६६ व्यावाराः कथि स्र १९६६ व्यावाराः कथि स्र १९६६ व्यावाराः कथि स्र १९६६ व्यावाराः कथि स्र १९६६ व्यावाराः कथि स्र १९६६ व्यावाराः कथि स्र १९६६ व्यावाराः विष्क स्र १९६६ व्यावाराः विषक स्र १९६६ व्यावाराः | | | | | | | | |
|---|------------------|---------------|-----------------|------------------|---------------|--------------|----------------|------------------|
| चकुः कुमारं %७२७ चण्डारखाः कियं ४२९९५ चण्डारखारं %२९९२ चण्डारखारं %२९९२ चण्डारखारं %२९९२ चण्डारखारं %२९९२ चण्डारखारं %२९९२ चण्डारखारं %२९९२ चण्डारखारं १४७७ चण्डारखारं १४७७ चण्डारखारं १४९७ चण्डारखारं १४९७ चण्डारखारं १४९७ चण्डारखारं १४९७ चण्डारखारं १४९७ चण्डारखारं १४९७ चण्डारखारं १४९७ चण्डारखारं १४९७ चण्डारखारं १४९७ चण्डारखारं १६६६ चण्डारखारं १६६६ चण्डारखारं १६६० चण्डारखारं १८६० चण्डारखारं १८६० चण्डारखारं १८६० चण्डारखारं १८६० चण्डारखारं १८६० चण्डारखारं १८६० चण्डारखारं १८६० चण्डारखारं १८६० चण्डारखारं १८६० चण्डारखारं १८६० चण्डारखारं १८६६ चण्डारखारं १८६० चण्डारखारं १८६६ चण्डारखारं १८६० च | चिकतं रेचि | १५२५, | चण्डा धृष्या प | २५२२ | चतुःषष्टिस्तु | १४७२, | चतुरों ब्राह्म | १२४३ |
| चके च पर | • | २३४२ | चण्डायाः कथि | २९९५ | | २२७ ४ | | २६६ २ |
| च्छार्षमेंस्य | • | *७ <i>३७</i> | | ये * २९९५ | चतुःषष्टयङ्ग | १६३६ | | १५२७ |
| च्छानिमित ४२१ चण्डाल्यति १४७७ चछाङ्गं व १३६५, चछाणे ति १८०६ चण्डाल्यत् २५०६, वर्षण्डाल्यत् २५०६, वर्षण्डाल्यत् ६३० चण्डाल्यत् १५०१ चण्डाल्यत् १८०० चण्डाल्यत् १८०० चण्डाल्यत् १८०० चण्डाल्यत् १८०० चण्डाल्यत् १८०० चण्डाल्यत् १८०० चण्डाल्यत् १८०० चण्डाल्यत् १८०० चण्डाल्यत् १८०० चण्डाल्यत् १८०० चण्डाल्यत् १८०० चण्डाण्यत् म १८०० चण्डाल्यत् १८०० चण्डाल्यत् १८०० चण्डाल्यत् १८०० चण्डाल्या १८०० चण्डाल् | _ | | | * २९९३ | चतुःसहस्र | १४२७ | | १७४० |
| चण्डाँ सत्य " वण्डालक्षय २५०६, १५८२,१९९५ चण्डाँ हि २८४३ वण्डालक्षय १५०८,२५१५ चण्डालक्ष्म ६३० वण्डालक्ष्म ६३० वण्डालक्ष्म ६३० वण्डालक्ष्म ६३० वण्डालक्ष्म ६३० वण्डालक्ष्म ६३८ वण्डालक्ष्म ६३८ वण्डालक्ष्म ६३८ वण्डालक्ष्म ६३८ वण्डालक्ष्म ६३८ वण्डालक्ष्म ६३८ वण्डालक्ष्म ६३८ वण्डालक्ष्म १५८० वण्डालक्ष्म १६६ वण्डालक्ष्म १६६० वण्डालक्ष्म १६६० वण्डालक्ष्म १६६० वण्डालक्ष्म १६६० वण्डालक्ष्म १६६० वण्डालक्ष्म १६६० वण्डालक्ष्म १६६० वण्डालक्ष्म १६६० वण्डालक्ष्म १६६० वण्डालक्ष्म १६६० वण्डालक्ष्म १६६० वण्डालक्ष्म १६६० वण्डालक्ष्म १६६० वण्डालक्ष्म १६६० वण्डालक्ष्म १८९६ वण्डाक्ष्म १८९६ वण्डाक्ष वप २९९५ वण्डाक्ष वप २९९५ वण्डाक्ष वप २९९५ वण्डाक्ष वप २९९५ वण्डाक्ष वप २९९५ वण्डाक्ष वप २९९५ वण्डाक्ष वप २९९५ वण्डाक्ष वप २९९५ वण्डाक्ष वप २९९५ वण्डाक्ष वप २९९५ वण्डाक्ष वप २९९५ वण्डाक्ष वप २९९५ वण्डाक्ष वप २९९५ वण्डाक्ष वप २९९५ वण्डाक्ष वप २९९५ वण्डाक्ष वप २९९५ वण्डाक्ष वप २९९५ वण्डाक्ष वप २९९५ वण्डाक्ष वप २९२६ वण्डाक्ष वप २९९५ वण्डाक्ष वप २९९५ वण्डाक्ष वप २९९५ वण्डाक्ष व १९०० वण्डाक्ष वप २९९५ वण्डाक्ष व १८२० वण्डाक्ष | _ | *८०८ | चण्डालनिल | २५३१ | चतुःसागर | २९५२ | चतुर्गृहीत | १९७ |
| चशुप इत १२०८ व्यावालसा १०४० व्यावालसा ६२० व्यावालसा १०४० व्यावालसा ६२० व्यावालसा १०४० व्यावालसा १२४० व्यावालसा १२४० व्यावालसा १२४० व्यावालसा १२६० व्यावालसा १२४० व्यावालसा १२६० व्यावालसा १२०० व्यावालसा | | ४२१ | चण्डालपति | १४७७ | चतुरङ्गं ब | १३६५, | चतुर्गोहतं | २२७ ६ |
| वशुण हव १२७८ वर्षणा मन १०४० वर्णालस्त ६३७ वर्षणा मन १०४० वर्णालस्त ६३७ वर्णालस्त ६३० वर्णालस्त १०४० वर्णालस्त ६३० वर्णालस्त १२८० वर्णालस्त १२८० वर्णालस्त १२८० वर्णालस्त १८६० वर्णालस्त १८६० वर्णालस्त १८६० वर्णालस्त १८६० वर्णालस्त १८६० वर्णालस्त १८६० वर्णालस्त १८६० वर्णालस्त १८६० वर्णालस्त १८६० वर्णालस्त १८६० वर्णालस्त १८६० वर्णालस्त १८८० वर्णालस्त १ | - | " | चण्डालश्वप | २५०६, | | १७८२,१९९५ | चतुर्जातं हि | २८४३ |
| चसुषा मन १०४० वसुषि म आ १४८२ वसुषि म आ १४८२ वसुषि म आ १४८२ वसुषि म आ १४८२ वसुषि म आ १४८२ वसुषि म अ १८८२ वसुषि म अ १८८० वसुषि म अ १८८० वसुषि म अ १८८० वसुषि म अ १८८० वसुषि म अ १८८० वसुषि म ४८४० वसुषि म ४८४० वसुषि म ४८४० वसुषि म ४८४० वसुषि म ४८५० वसुषि म ४८५६ वसुषि म ४८५६ वसुषि म ४८५६ वसुषि म ४८५६ वसुष् म १८८० वसुष्मा म १८५६ वसुष्मा म १८५६ वसुष्मा १८५० वसुष्मा १८५० वसुष्मा १८५० वसुष्मा १८५० वसुष्मा १८५० वसुष्मा १८५० वसुष्मा १८५० वसुष्मा १८५० वसुष्मा १८५० वसुष्मा १८५० वसुष्मा १८५० वसुष्मा १८५० वसुष्मा १८५० वसुष्मा १८०० वसु | | १२७८ | २ ५ | .०८,२५१५ | | | चतुर्णी कपि | २९४४ |
| चकुषि म आ २४८२ व्याहालस्य य ६३६ व्याहालस्य ६३८ व्याहाणी व स २०१० व्याहाणी च २६६० व्याहाणी स्व २०१२ व्याहाणी च २६६० व्याहाणी स्व २०१२ व्याहाणी स्व २६६० व्याहाणी स्व २०१२ व्याहाणी स्व २६६० व्याहाणी स्व १८४६ व्याहाणी स्व १८४० व्याहाणी स्व १८४६ व्याहाणी स्व १८४० व्या | | १०४० | चण्डालस्तद्व | ६३७ | १ | • | चतुर्णो मध्य | १२०९, |
| चक्षणी च म २०१० व्याहाणां च २६६२ व्याहाणां च २६६२ व्याहाणां च २६६२ व्याहाणां च २६६० व्याहाणां च १६६० व्याहाणां हिल सं१४०० व्याहाणां सं ४४० व्याहाणां हिल सं१४०० व्याहाणां सं ४४० व्याहाणां हिल सं१४०० व्याहाणां सं १८६६ व्याहाणां हिल सं१४०० व्याहाणां सं १८६६ व्याहाणां हिल सं१४०० व्याहाणां सं १८६६ व्याहाणां हिल सं१४०० व्याहाणां म १५९२ व्याहाणां म १५९२ व्याहाणां म १५९२ व्याहाणां म १५९२ व्याहाणां म १५९२ व्याहाणां म १५९२ व्याहाणां म १५९२ व्याहाणां म १५९२ व्याहाणां म १५९२ व्याहाणां म १५९२ व्याहाणां म १५९४ व्याहाणां म १ | चक्षुषि म आ | રે૪૯૨ | चण्डालस्य गृ | ६३६ | | | _ | १२८८ |
| चहुणी सह २०१२ चण्डालीकुम्बी २६६० चणुणी सूर्या ४४७० चणुणी सूर्या ४४७० चणुणी हति *१४७० चणुणी हति *१४७० चणुणी हति *१४७० चणुणी हति *१४७० चणुणी हति *१४०० चणुणी हत | - | २७१६ | चण्डालखस्य | ६३८ | | २८८६,२९३८ | चतुर्णो राज | 466 |
| चक्षुणी सूर्यो ४४७ वण्डाली हिल्ली *१४७० वण्डाल्यूहं स | चक्षुषीच भ | २७१० | चण्डालामि च | २६५ २ | चतुरङ्गस्य | १५१४, | चतुणी वेद | २८३८ |
| चक्षुणं स्पं ४६६ वण्डान्यूहं स | चक्षुषी सह | २७१२ | चण्डालीकुम्बी | २६६० | | | चतुणी शत्रु | १८४९, |
| चक्षुष्मातां च १२५६, वण्डाश्च हिंस २४१४ वण्डाश्च हिंस २४१४ वण्डाश्च हिंस २४१४ वण्डाश्च हिंस २४१४ वण्डाश्च हिंस २४१४ वण्डाश्च हिंस २४१४ वण्डाश्च चम १५९२ वण्डा चण्डा प्राप्त १९१५ वण्डा चण्डा प्राप्त १९१५ वण्डा चण्डा प्राप्त १९१५ वण्डा चण्डा प्राप्त १९०० वण्डा चण्डा प्राप्त १९९० वण्डा चण्डा चण्डा चण्डा प्राप्त १९९० वण्डा चण्डा चण्डा प्राप्त १९९० वण्डा चण्डा | चक्षुषी सूर्या | ४४७ | चण्डाली हस्ति | * {%% | ` ` | | | २०५२ |
| चण्डाश्च हिंस २४१४ चण्डाश्च हिंस २४१४ चण्डाश्च हिंस २४१४ चण्डाश्च हिंस २४१४ चण्डाश्च हिंस २४१४ चण्डाश्च हिंस २४१४ चण्डाश्च हिंस २४१४ चण्डाश्च हिंस २४१४ चण्डाश्च हिंस २४१४ चण्डाश्च हिंस २४१४ चण्डाश्च हिंस २४१४ चण्डाश्च हिंस २४१४ चण्डाश्च हिंस २४१४ चण्डाश्च हिंस २४१४ चण्डाश्च हिंस २४१४ चण्डाश्च हिंस २४१४ चण्डाश्च हिंस २४१४ चण्डा चण्डा हिंस २४१४ चण्डा चण्डा हिंस २४४४ चण्डा हिंस २४१४ चण्डा हिंस २४४४४ चण्डा हिंस २४४४ चण्डा हिंस १४४४४ चण्डा हिंस २४४४४ चण्डा हिंस १४४४४ ण्डा हिंस १४४४४ चण्डा हिंस १४४४४ चण्डा हिंस १४४४ चण्डा हिंस १४४४४ चण्डा हिंस १४४४ चण्डा हिंस १४४४४ चण्डा हिंस १४४४ चण्डा हिंस | चक्षुषो रूपं | ४६६ | चण्डाव्यूहं स | *2994 | | २२७५ | | २९७९ |
| चक्षुष्प्रास्तु म १५९२ चिष्डका चाम ज्वारक्षेत्र प्रश्र चिष्डकायाः प्र २८९३ चत्रारक्षेत्र चार काले १९१५ चिष्डकायाः प्र २८९३ चिष्ठकायाः प्र २८९३ चत्रारक्षेत्र चर्डा च स्थाप २५२९ चत्रारक्षेत्र च स्थाप २५२९ चत्रारक्षेत्र च स्थाप २५२९ चत्रारक्षेत्र च रहण्प,२८५६ चत्रारक्षेत्र च रहण्प,२८५६ चत्रारक्षेत्र च रहण्प,२८५६ चत्रारक्षात्र ज्वारक्षेत्र च रहण्प,२८५६ चत्रारक्षात्र ज्वारक्षेत्र च रहण्प,२८५६ चत्रारक्षात्र ज्वारक्षेत्र च रहण्प,३८५८ चत्रारक्षात्र प्रथण्ड चर्णात्र कर्णा चर्णात्र वर्णात्र वर्णा चर्णात्र वर्णात्र कर्णा चर्णात्र कर्णा चर्णात्र वर्णा चर्णात्र वर्णात्र वर्णा चर्णात्र वर्णा चर्णात्र वर्णा चर्णात्र वर्णात्र वर्णा चर्णात्र णा चर्णा वर्णा चर्णा वर्णा चर्णा वर्णा चर्णा वर्णा चर्णा वर्णा चर्णा वर्णा चर्णा वर्णा चर्णा वर्णा चर्णा वर्णा चर्णा वर्णा चर्णा वर्णा चर्णा वर्णा चर्णा वर्णा चर्णा वर्णा चर्णा वर्णा वर्णा चर्णा वर्णा चर्णा वर्णा चर्णा वर्णा चर्णा वर्णा चर्णा वर्णा चर्णा वर्णा वर्णा वर्णा चर्णा वर्णा चर्णा वर्णा चर्णा वर्णा चर्णा वर्णा चर्णा वर्णा वर्णा वर्णा वर्णा चर्णा वर्णा वर्णा वर्णा वर्णा वर्णा चर्णा वर्णा | वक्षुष्मत्तां च | १२५६, | | 2888 | _ | १९८० | चतुणीमपि | #423, |
| चक्षुष्पासंद्र म १५९२ चक्षुष्पासंद्र म १५९२ चक्षुष्पासंद्र म १५९२ चचार काले १९१५ चचार काले १९१५ चचार प्रिय १०८५ चचार प्रिय १०८५ चचार श्रान्त १८०५ | | १२५९ | चण्डिका चप | २९९५ | | • " | 1 | २५३० |
| चर्षाध्यप्रिरा ५०३ चण्डकायाः प्र २८९३ चण्डकायाः प्र २८९३ चण्डकायाः प्र २८९३ चण्डकायाः प्र २८९३ चण्डकायाः प्र २८९३ चण्डकायः प्र २८९३ चण्डकायः प्र २८९३ चण्डकायः प्र २८९३ चण्डकायः प्र २८९५ चण्डकायः प्र २८९५ चण्डकायः प्र २८९५ चण्डका प्र १८९० चण्डका युद्ध १९७० चण्डका मास २५०८ चण्डका मास २५०८ चण्डका मास २५०८ चण्डका मास २५०८ चण्डका मास २५०८ चण्डका मास २५०८ चण्डका मास २५०८ चण्डका मास २५०४ चण्डका मास २५०४ चण्डका मास १४६३ चण्डक्या प्र १८८० चण्डका माहिस १४७६ चण्डका माहिस १४७६ चण्डका माहिस १४७६ चण्डका माहिस १४७६ चण्डका माहिस १४७६ चण्डका माहिस १४७६ चण्डका माहिस १४७६ चण्डका माहिस १४७६ चण्डका माहिस १४७६ चण्डका माहिस १४७६ चण्डका माहिस १४७६ चण्डका माहिस १४७६ चण्डका माहिस १४७६ चण्डका माहिस १४७६ चण्डका माहिस १४७६ चण्डका माहिस १४७६ चण्डका माहिस १४७६ चण्डका माहिस १४७६ चण्डका माहिस १८९० चण्डका माहिस १८०० चण्डका माहिस १८०० चण्डका माहिस १८०० चण्डका माहिस १८०० चण्डका माहिस १८०० चण्डका माहिस १८०० चण्डका माहिस १८०० चण्डका माहिस १८०० चण्डका मा | चक्षुष्मांस्तु म | | | | | | | • |
| चचार काले १९१५ चण्डां च श्वाप २५२१ चण्डां च श्वाप २५२१ चण्डां च श्वाप २५२१ चण्डां च श्वाप २५२१ चण्डां च श्वाप २५२९ चण्डां चण्डा चण्डा प्र १९०० चतस ठकें ४४० चतस ठकें ४४० चतस छकें ४४० चतस छकें ४४६२ चतस छकें ४४६२ चतस छकें ४४६२ चतस छकें ४४६२ चतस छकें ४४० चत्र चें चर्च चत्र चर्च चत्र चें चर्च चत्र चें चर्च चत्र चें चर्च चत्र चें चर्च चत्र चर्च चत्र चें चर्च चत्र चें चर्च चत्र चें चर्च चत्र चें चर्च चत्र चें चर्च चत्र चें चर्च चत्र चें चर्च चत्र चें चर्च चत्र चें चरच चत्र चें चर्च चत्र चें चर्च चत्र चें चर्च चत्र चें चर्च चत्र चें चर्च चत्र चें चर्च चत्र चें चर्च चत्र चें चर्च चत्र चें चर्च चत्र चें चर्च चत्र चें चर्च चत्र चें चर्च चत्र चें चर्च चत्र चें चर्च चत्र चें चरच चत्र चें चरच चत्र चें चरच चत्र चें चरच चत्र च | चक्षंष्यग्निरा | | 1 | | | | 1 | ५८३ |
| चचार पृथि १०८५ चण्डी च स्थाप २५२९ चण्डी च स्थाप २५२९ चण्डी चण्डम २९९५ चण्डी चण्डम २९९५ चण्डी चण्डम २९९५ चण्डी चण्डम २९९५ चण्डा भर १००८ चलस ऊर्ज ४४० चलस एव ५३२,८६८ चल्रस्था वा १३२८, चलसा प्राप्त १४४१ चलसा शक्त १४६२ चलसा साम २५०८ चलसा साम २५०८ चलसासा २५२० चलसासा २५३४ चल्रसात १५३४ चल्रसात १५३५ चल्रसात १५३४ चल्रसात १५३५ चल्रसात १५३५ चल्रसात १५३४ चल्रसात १५३५ चल्रसात १५३६ चल्रसात १५३६ चल्रसात १५३५ चल्रसात १५३५ चल्रसात १५४६ चल्रसात १५३६ चल्रसात १६५६ चल्रसात १६६ | • | | 1 | | 1 | | | २७२९ |
| चचार विवि १५०५ चण्डी चण्डमु २९९५ चतुरंशं क २३०९ चतुर्थं तस ६५०,६६६, चतुरंशं क २३०९ चतुरंशं क २३०९ चतुरंशं क २३०९ चतुरंशं क २३०९ चतुरंशं क २३०९ चतुरंशं क २३०९ चतुरंशं क २३०९ चतुरंशं क २३०९ चतुरंशं क २३०९ चतुरंशं क २३०९ चतुरंशं क २३०९ चतुरंशं क २३०९ चतुरंशं क २३०९ चतुरंशं क २३०९ चतुरंशं क २३०० चतुरंशं का १३२८, २३०० चतुरंशं का १४०६, २३०० चतुरंशं का १४०६, वतुरंशं का १८८० चतुरंशं का १४०६ चतुर | | | | | _ | २२७५ | | |
| चचार श्रान्त | | | 1 | | _ | | चतुर्थे तस्य | ६००,६०१, |
| चवाराश्रान्त ,, चतस एव ५३२,८६८ चतुरशं वा १३२८, २३७९ चतुरशं वा ११४१ चतसः शक्त ८२५ चत्रस्थ त १४६२ चत्रस्थ त १४६२ चत्रस्थ त १४६२ चत्रस्थ २८२९ चतस्यस्थ २८२९ चतस्यस्थ २८२९ चतस्यस्थ २८२९ चतस्यस्थ १५३४ चतुःकरात्म १४२६ चतुःकरात्म १४२६ चतुःवालं च १४७१ चतुःशालं च १४७१ चतुःशालं च १४७१ चतुःशालं प्र प्र प्र चतुःशालं प्र प्र प्र चतुःशालं प्र प्र प्र चतुःशालं प्र प्र प्र चतुःशिक चतुःशिक वतुःशिक २८३० चतुःशिक २९९० चतुःशिक ८९६ चतुःशिक ८९६ चतुःशिक ८९६ चतुःशिक २८४० चतुःशिक १८८० चतुःशिक ८९६ चतुःशिक १८८० चतुःशिक १८८० चतुःशिक १८८० चतुःशिक १८८० चतुःशिक १८८० चतुःशिक १८८० चतुःशिक १८८० चतुःशिक १८८० चतुःशिक १८८० चतुःशिक १८८० चतुःशिक १८९० चतुःशिक १८०० चतुःशिक १८ | | | I . | | 1 | | | દેષ૭,૬૬૬, |
| चञ्चलानि ष ११४१ चतसः शक्त ८२५ चत्रसः शक्त १४६२ चत्रसः शक्त १४६२ चत्रसः स्व १४६२ चत्रसः च १४६६, चत्रसं च १४६६, चत्रुर्थ मत ६५७ चत्रस्ताल १५३४ चत्रसं व १८२९ चत्रसं व १४६३,१५१८, क्ष्या व १६६६ चत्रसं व १८२६ चत्रसं व १८०६ चत्रसं व १८२६ चत्रसं व १८२६ चत्रसं व १८२६ चत्रसं व १८२६ चत्रसं व १८२६ चत्रसं व १८२६ चत्रसं व १८२६ चत्रसं व १८२६ चत्रसं व १८२६ व १८२६ चत्रसं व १८२६ च | | | į. | | | | | ७९६,८०२, |
| चळला युद्ध १९७० चतसश्च त १४६२ चतुरसं च १४७६, चतुर्थ मत ६५७ चटका भास २५०८ चतसत्तस्य २८२९ चतसत्तस्य २८२९ चतस्ततस्य २८२९ चतुरसं तु २८२९,२८३० चतुरसं तु २८२९,२८३० चतुरसं हि २७०१ चतुर्थमंश १८८० चतुःशालं च १४७१ चतुरसं हि २७०१ चतुरसं स्थू १५१८ चतुर्थमंश १३२९ चतुर्थमं वुर्थमं १३६०,१३६२ चतुरसं भा २९९५ चतुःशिष्टः यु १४७६ चतुरसं यु १५९८ चतुर्थमाद्ध १३५० चतुरसं यु १४७६ चतुर्थमाद्ध १३५० चतुर्थमाद्ध १८६६ चतुर्थमाद्य १८६६ चतुर्थमाद्ध १८६६ चतुर्थमाद्ध १८६६ चतुर्थमाद्ध १८६६ चतुर्थमाद्ध १८६६ चतुर्थमाद्ध १८६६ चतुर्थमाद्ध १८६६ चतुर्थमाद्ध १८६६ चतुर्यमाद्ध १८६६ चतुर्थमाद्ध १८६६ चतुर्यमाद्ध १८६६ | | | | | વહુરજા વા | | . * . | २३७९ |
| चटका भास २५०८ चतस्रतस्य २८२९ स्१६७५,क२८३० चतुर्थं त २८२९,२८३० चतुर्यक्षो ग २९९३ चतुःकरात्म १४२६ चतुःकरात्म १४२६ चतुःकरात्म १४२६ चतुःवालं च १४७१ चतुःवालं च १४७१ चतुःवालं प्र प्र प्र चतुःवालं प्र प्र प्र चतुःवालं प्र प्र प्र चतुःवालं प्र प्र प्र चतुःवालं प्र प्र प्र चतुःवालं प्र प्र प्र चतुःवालं प्र प्र प्र चतुःवालं प्र प्र प्र चतुःवालं प्र प्र प्र चतुःवालं प्र प्र प्र चतुःवालं प्र प्र प्र चतुःवालं प्र प्र प्र चतुःवालं प्र प्र प्र प्र चतुःवालं प्र प्र प्र चतुःवालं प्र प्र प्र चतुःवालं प्र प्र प्र चतुःवालं प्र प्र प्र चतुःवालं प्र प्र प्र चतुःविष्ठ चतुःविष्ठ प्र प्र प्र चतुःविष्ठ प्र प्र प्र चतुःविष्ठ प्र चतुःविष्ठ प्र प्र प्र चतुःविष्ठ प्र प्र प्र चतुःविष्ठ चतुःविष्ठ | | | l | | नगमं न | 1 | _ | |
| चण्डत्वमात १५३४ चतसो दिशः ३३३ चतुःकरातम १४२६ चतुःकरातम १४२६ चतुःकरातम १४२६ चतुःकरातम १४२६ चतुःकरातम १४२६ चतुःकरातम १४२६ चतुःकरातम १४२६ चतुःकरातम १४२६ चतुःकरातम १४२६ चतुःकरां प्र १८८० चतुःशालं प्र १४७१ चतुःशालं प्र १४७१ चतुःशालं प्र १४७१ चतुःशालं प्र १४७१ चतुःशालं प्र १४७१ चतुःशालं प्र १४७६ चतुःशालं प्र १४७६ चतुःशालं प्र १४७६ चतुःशालं प्र १४७६ चतुःशालं प्र १४७६ चतुःशालं प्र १४७६ चतुःशालं प्र १४७६ चतुःशालं प्र १४७६ चतुःशालं प्र १४७६ चतुःशालं प्र १४७६ चतुःशालं प्र १४७६ चतुःशिमः १६६०,१३६२ चतुःशिमः १८८७ चतुःशिमः १८८७ चतुःशिमः १८८७ चतुःशिमः १८८७ चतुःशिमः १८७३ चतुःशिमः १८७३ चतुःशिमः १८७३ चतुःशिमः १८९० चतुःशिमः १८९३ चतुःशिमः १८७३ चतुःशिः प्र १८७३ चतुःशिमः १८९३ चतुःशिमः १८९३ चतुःशिमः १८९३ चतुःशिमः १८७३ चतुःशिमः १८९४ चतुःशिमः १८९ | | | | | _ | | | ६५७ |
| चण्डयक्षो ग २९९३ चतुःकरातम १४२६ चतुःकरातम १४२६ चतुःकरातम १४२६ चतुःकरातम १४२६ चतुःकरातम १४२६ चतुःकरातम १४८० चतुःशालं च १४७१ चतुःकर्षा काम २९९५ चतुःशालं प्र ,, चतुःशालं प्र चतुःशालं प्र ,, चत | | | | | | أرجه مستاما | - | _ |
| चण्डध्यहाः स २९९५ चतुःशालं च १४७१ चतुःशालं च १४७१ चतुःशालं च १४७१ चतुःशालं च १४७१ चतुःशालं प्र जुर्थमार १३६०,१३६२ चतुःशालं प्र जुर्थमार १३६०,१३६२ चतुःशालं प्र जुर्थमार १३६०,१३६२ चतुःशालं प्र जुर्थमार १३६०,१३६२ चतुःशालं प्र जुर्थमार १३६०,१३६२ चतुःशालं प्र जुर्थमार १३६०,१३६२ चतुःशालं प्र जुर्थमार १३५० चतुःशालं प्र जुर्थमार १३५० चतुःशिः प्र वतुःशिः प्र वतुःशिः प्र वतुःशिः प्र वतुःशिः प्र वतुःशिः प्र वतुःशिः २१७ चतुःशिः प्र वतुःशिः प्र वतुःशिः २३४० चतुःशिः प्र वतुःशिः प्र वतुःशिः प्र वतुःशिः प्र वतुःशिः वतुः वतुःशिः वतुः वतुःशिः वतुः वतुःशिः वतुः वतुःशिः वतुः वतुःशिः वतुः वतुः वतिः वतुः वतिः वत्रः वतुः वतिः वतिः वतिः वतिः वतिः वतिः वतिः वति | | | • | 1 | चतुरस्रं तु | 120001 | | |
| चण्डध्यहाः स २९९५ चतुःश्योधि ९६६ चतुःसं लि २७०१ चतुःश्याद्यं स्थू चतुःसं स्थू चतुःश्याद्यं १३६०,१३६२ चतुःशालं प्र ५, चतुःशालं प्र ५, चतुःशालं प्र ५, चतुःश्या १५१७ चतुःश्याद १३५० चतुःश्याद १३६० १३६० चतुःश्याद १३५० चतुःश्याद १३० चतुःश्याद १३० चतुःश्याद १३० चतुःश्याद १३० चतुःश्याद १३० चतुःश्याद १३० चतुःश्याद १३० चतुःश्याद १३० चत्य १३० चतुःश्याद १३० चतुःश्याद १३० चतुःश्याद १३० चतुःश्याद १३० चतुःश | | | - | १४२६ | चतुरस्रं ब्रा | २८३१ | | _व ५९९ |
| चण्डक्षण्डा प्र १८८० चतुःशालं च १४७१ चतुःशहं स्थू वतुःशहं स्थू चतुःशहं प्र चतुः प्र चतुः चतुः प्र चतुः चतुः प्र चतुः चतुः प्र चतुः चतुः चतुः चतुः प्र चतुः चतुः चतुः चतुः चतुः चतुः चतुः चतुः | | २९९५ | चतुःपयोधि | ९६६ | चतुरस्रं लि | 3008 | | १३२९ |
| चण्डाः साहसि १४७१ चतुःशालं प्र ,, चतुःशालं प्र ,, चतुःशालं प्र ,, चतुःशालं प्र ,, चतुःशालं प्र ,, चतुःशालं प्र ,, चतुःशिकः , चतुः। | चण्डश्रण्डा प्र | १८८० | चतुःशालं च | १४७१ | चतुरस्रं स्थू | 1 | | १३६०,१३६२ |
| चण्डाक्षी काम २९९५ चतुःशृङ्गा त्रि २८४७ चतुरक्षे ग्र १४७६ चतुर्थमास्त्रि १५२६ चतुःशृङ्गा स्व १४७२ चतुःशृङ्गा स्व १४७२ चतुःशृङ्गा स्व १४७२ चतुःशृङ्गा स्व १४७२ चतुःशृङ्गा स्व १४७२ चतुःशृङ्गा स्व १४७२ चतुःशृङ्गा स्व १४७२ चतुःशृङ्गा स्व १४९ चतुःशृङ्गा स्व १३७६ चतुःशृङ्गा स्व १३७६ चतुःशृङ्गा स्व १३७६ चतुःशृङ्गा स्व १३७६ चतुःशृङ्गा स्व १४७६ चतुःशृङ्गा स्व १४७६ चतुःशृङ्गा स्व १४७६ चतुःशृङ्गा स्व १४७६ चतुःशृङ्गा स्व १४७६ चतुःशृङ्गा स्व १४७६ चतुःशृङ्गा स्व १४७६ चतुःशृङ्गा स्व १४७६ चतुःशृङ्गा स्व १४७६ चतुःशृङ्गा स्व १४७६ चतुःश्व स्व १४७६ चतुःशृङ्गा स्व १४७६ चतुःश्व स्व १४०६ चतुःश्व स्व स्व १४०६ चतुःश्व स्व स्व १४०६ चतुःश्व स्व स्व १४०६ चतुःश्व स्व स्व स्व स्व स्व स्व स्व स्व स्व स | चण्डाः साहसि | १४७१ | चतुःशालं प्र | ,, | चतुरस्रग | 1 | | १३५० |
| चण्डक्षी चण्ड २९९० चतुःषष्टिः स | चण्डाक्षी काम | ૨ ९,९५ | चतुःशृङ्गा त्रि | | | 1 | चतुर्थमास्त्रि | १५२६ |
| चण्डा घण्टा म २९९२ चतुःषष्टिक ८९६ चतुरूनान्या २३४९ चतुर्थोशं तु १३७६ चण्डा चण्डम् २९९० चतुःषष्टिर २२३० चतुर्भःचं भ ३३३ चतुर्थाशं तु १३७६ | चण्डक्षी चण्ड | २ ९९० | चतुःषष्टिः सु | #१ ४७२ | | | चतुर्थमिन्द्र | |
| चण्डा चण्डम २९९० चतुःषष्टिर २२३० चतर्ऋचं भ ३३३ 3 | चण्डा घण्टा म | २९ ९२ | चतुःषष्टिक | ८९६ | | - | | |
| १ ७ - १११ पश्चाशीर्घ १४७ | चण्डा चण्डमु | २९९० | चतुःषष्टिर | | | | ! | 3 ` ` |
| | • | | | | 4 | *** | ત્રયુત્રાસાથ | १४७२ |

| चतुर्थांशान् | १५२७ | ्चतुर्दिशं ज | १४४५ | चतुर्विशति | .३०५,१३६०, | चतुष्टयं म | २७०१ |
|---|---------------|---------------------|-----------------------|----------------------------|---------------------------------|----------------|---------------|
| चतुर्थे चैव | ७१ ४६२ | ्रच ुर्दिशम | २७०० | | १३७२,१३७३, | | २३१ |
| चतुर्थे त्वथ | " | चतुर्दोलः स | ર ર ૮૪५ | , | २२३०,२२९७, | | |
| चतुर्थे त्वर्ध | ७२ ५०४ | चतुर्दीलध्व | २८४५ | _ | २७५३,२८३४ | चतुष्पञ्चाश | ₹ |
| चतुर्थे दिन | २९ १९ | चतुर्दोलव | २८४६ | चतुर्विशत्य | २१५, | ,3 | २२३०,२२७५ |
| चतुर्थे नैर्ऋ | २५ २८ | ्चतुर्दीलो ह्य | २८४५ | ~ | १४२६ | चतुष्पथद्वा | 2328 |
| चतुर्थे मास | २५ ०४ | चतुर्धा भेदि | १४२९ | चतुर्विशत्स | 6 2089 | चतुष्पथप | # २९६२ |
| चतुर्थे विष्टि | २६ ०८ | चतुर्नमो अ | ६६ | चतुर्विशश | १४२६ | चतुष्पथपु | ,, |
| चतुर्थेऽहनि | २५ ३९ | चतुर्बाहुः स्पृ | १५०५ | चतुर्वितस्ति | • १ ५ १५ | चतुष्पथानि | |
| चतुर्थे हिर | 988 | चतुर्भक्तोप | ^२ २६५९, | चतुर्विधं त्रि | • • • | चतुष्पथाश्चे | १४११, |
| चतुर्थोऽङ्गिर | १६२६ | | २६६ ० | चतुर्विधं वै | २१३ ९ | | १६५३,१६५४ |
| चतुर्थी मोक्ष | ५७३ | चतुर्भागः सू | २२६१ | चतुर्विधं स्म चतुर्विधब | ा १ ९४८ ≉२ ४५७ | चतुष्पथेषु | २५४०,२८५१, |
| चतुर्थो व्यस | ५७६ | चतुर्भागसु | २२४९ | चतु विधमि | # <i>र</i> ०५७ २५९६ | | २९४०,२९८५ |
| चदुर्देध्ट्रांछ्या | ५१७ | चतुर्भागिका | २२६० | चतुर्विधस्त | १८४२ | चतुष्पदं च | २५ ९६ |
| चतुर्दण्डः प्र | १४७९ | चतुर्भागोऽभि | | चतुर्विधस्य | *020 *020 | चतुष्पदद्वि | १७०१ |
| चतुर्दण्डः से | १४५० | चतुर्भिः कट | २९०० | चतुर्विधांश्च | २६०० | चतुष्पदाः प | |
| चतुर्दण्डान्त | | चतुर्भिः क्षत्रि | | ĺ | વ | चतुष्पदे च | |
| चतुर्दण्डाव चतुर्दण्डाव |)) 9.226 | चतुर्भिः पञ्च | | चतुर्विधाना | ् २८४४ | चतुष्पादं ध | |
| _ | १४४६ | | १४८४,२३४८ | चतुर्विधानां | २८४१, | चतुष्पादे न | |
| चतुर्दन्तं ग | २४९९ | 1.3 | | ŀ | २८४२,२८४३, | चतुष्पादो । | |
| चतुर्दशक | १८६६ | 19 | २८६८ | | २८४५,२८४६ | चतुष्पान्मक | |
| चतुर्दश स | ६६४ | | | चतुर्विधानि | १२०९, | चतुस्त्रिशत्स | |
| चतुर्दशह | १४७३ | चतुर्भिर्मक | २८३८ | | १२८८ | चतुस्त्रित्वेक | |
| चतुर्दशाङ्गु | २२७५ | चतुर्भिर्युक्ति | २८४४ | | १०७ | चतुस्त्रि दे | |
| चतुर्दशास्य | १४९५ | चतुर्भिलीक | २९४५ | चतुर्घ्वन्येषु | १४७२ | _ | |
| चतुर्दशीं प | २४९३ | चतुर्भिवहि | २८४५ | चतुईष्टं स | 48800 | चत्रेखाङ्कि | २७५३ |
| चतुर्दशीकु | २४७० | चतुर्भिस्तुर | 1 | चतुईस्तं ध | १५१६ | चत्वरेषु च | १६४०, |
| चतुर्दशी द्वा | २४६३ | चतुर्भुजैः स | | चतुईस्तं स | १४७८ | | १८८९,२५९९ |
| चतुर्दशैव | १४९६ | चतुर्भ्यस्त्वधि | 1 | चतुईस्तप्र | २९८२ | चत्वरेष्वथ | *२५९९ |
| चतुर्दश्यां च | २८६० | चतुमीषमि | १३७५ | चतुईस्तस्तु | २८२९ | चत्वार आश | |
| चतुर्दश्यां त | २४७४ | चतुर्मासिक | | चतुईस्ताय | २८४५ | | २७९ २ |
| चतुर्दिक्षु च | १४८३, | चतुर्मासोदि | १५४२ | चतुईस्ते सा | २८३४ | चत्वार उपा | |
| " | २६६८ | चतुर्यामेषु | २४७३ | चतुईस्तोन्न | २८४६ | चत्वार एते | १९८०, |
| चतुर्दिक्षु र | २७५३ | चतुर्युगानि | १०२६ | चतुश्चतुर्भि | १४७२ | | २८३४ |
| चतुर्दिक्षु स्थि | २९७९ | चतुर्वर्णस्य | | चतुश्चतुर्वि | .,, | चत्वारः पा | |
| च <u>तु</u> र्दिक्ष्वथ चतुर्दिक्ष्वष्ट | ११४७ | चतुर्वणीश्र | | चतुष्द्रमथ | | चत्वारः पुरु | |
| न्ध्रा ५४वष्ट | २७५० | | १८१४। | चतुष्कर्षे प | २२७० | चत्वारः प्रकृ | ₹98₹ |

| चत्वारः साग | २९६७, | चन्दनागुरु | २२३ ५, | चन्द्रादित्यावु | २४९२ | चर धर्मे त्य | १०३५ |
|------------------------------|---------------|---|--------------------------|--------------------|---------------|---|-----------------------------|
| | २९७७ | | ४२,२७१७, | चन्द्रादित्यौ ग्र | २४८५, | चरन्वेगेन | २७०६ |
| चत्वारश्चाऽऽश्र | २७७२ | • | २९८२ | | २९१७ | चरन्वै मधु | १८७ |
| चत्वारिंशत्क | २२७६ | चन्दनानि च | २९४२ | चन्द्राद्भ्रष्टेन | २५०५ | चरलंगे प्र | २४७१ |
| चत्वारिंशत्त | १४७२, | चन्दनेनैव | २८४५ | चन्द्रार्कतारा | २५ ०४ | चरस्थिरभ | २९२० |
| | २८३२ | चन्दनेनोप | २८३३ | चन्द्रार्कसम १११ | ५,११२१ | चरस्थिरवि | #२३६३ |
| चत्वारिंशत्तु | १४७२ | चन्दनैः स्पन्द | २०५० | चन्द्राक्षिया ग्र | २४०४ | चरस्व धर्म | २४५० |
| चत्वारिंशत्प्र | * ,, | चन्दनैः स्यन्द | o ,, | चन्द्राकों यस्य | २९१३ | चराः सकाशं | १६५७ |
| चत्वारिंश त्स | १४९८, | चन्दनैः स्रग्भि | * २९३८ | चन्द्रालयमृ | २९५० | चराचराणां | ५९६ |
| | १७५६ | चन्द्रकान्तं सू | १३६३ | चन्द्रे च ब्राह्म | २४६२ | चराणामच २५ | ७७३,२७९२ |
| च त्वा रिंशद्ध | २२७८ | चन्द्रघाणा च | * २९९५ | चन्द्रेऽस्तगे दे | २४६५ | चरान्मन्त्रं च | \$ १०७० |
| चत्वारिंशन्म | ३००१ | चन्द्रघाणा ब | " | चन्द्रोंऽशेन वि | ८३१ | चराश्चरेयुः | १६५६ |
| चत्वारि चर्मा | २९७९ | चन्द्रभागा शि | २९७८ | चन्द्रोऽपि दर्प | १४९६ | चरितब्रह्म | ५८३ |
| चत्वारि तस्या | २९०९ | चन्द्रमण्डल | १३८३, | चन्द्रोऽभूदग्नि | २४८८ | चरित्रमकु | २८१९ |
| चत्वारि तेषां | २८४३ | | # ₹९४ १ | चपलः सह | १७९७ | चरित्रेभ्योऽप्य | 9686 |
| चत्वारि राज्ञा | १७६२ | चन्द्रमसो वै | ३६ ३ | चपलः खम | ,, | चरित्रेभ्योऽस्य | ,, |
| चत्वारि वेष्ट | १६८५, | चन्द्रमा इवा | २४७९, | चपलस्य हि | १७६८ | चरिष्यस्युप | २८६५ |
| | १८४८ | | २४८१ | चपलस्थह | 拳 ,, | चरुं वश्चरा | १३९७ |
| चत्वारो दिव | २५२८ | चन्द्रमा जाय | ३६ ३ | चपलान ब | ११२० | चरेण द्विष | # १६५७ |
| चत्वारो दुर्ज | २७२८ | चन्द्रमा दश | २४७१ | चमरीबाल | २८२९ | | १६५८ |
| चत्वारो भूमि | २९११ | चन्द्रमा नक्ष | ७५, | चमर्थः पर्व | २८४० | चरेद्धमणि | # १०६३ |
| चत्वारो मण | २८४१ | | १०१,१०५ | चमर्यस्त <u>नु</u> |)) 30510 | चरेद्धमीन | १०६३ |
| चत्वारो राज | २९ ३ २ | चन्द्रमा राज | ७२३ | चमसोद्धेद | २ ९६७ | चरेत्रैःश्रेय | ५५५ |
| चत्वारो वा वा | २२४ ९ | चन्द्रमा वा अ | ३६२ | चमूनां पृष्ठ | २५४०, २५४४ | चरेयुर्नाऽऽश्र | ५६४ |
| | | चन्द्रमा विम | १५०४ | चमूरतु पृत | १४९९ | चरेषु यत्र | #१५९६ |
| चत्वारो वेदाः ४ | | चन्द्रवानेव | २७ | चम्पदः पन | २८३७ | चरैः समावे | ३ २८११ ३ |
| चत्वारो वै व | ३१२ | चन्द्रवित्तेश | ८०९,८ ३ ० २४६४ | चरः प्रकाशो | १६५६ | चरैवेति | १८६,१८७ |
| चत्वारोऽश्वाः , र | | चन्द्रश्च यस्य चन्द्रसूर्यस्व | र४५४ ७३१ | चरणांश्चेव | 2600 | चरैवेति वै | र १८६,१८७ |
| चत्वार्याहुर्न | १५४७ | चन्द्रसूर्या ^{बु} | २४ ९३ | चरणाग्रे ग | २८३३ | चरैश्चरास्त | ७३१ |
| चत्वार्येतानि | #२९७ ९ | चन्द्रसूर्योप | 2908 | चरणाग्रे प | ,, | चरोस्त्वा पञ्च | ४११ |
| चन्दनं चत | २८८६, | चन्द्रसूर्यी म | २४९८ | चरणाग्रे मृ | · ,, | चर्कृत्य ईडयो | * ₹, |
| | २९८३ | चन्द्रस्याग्नेः पृ | | चरणाग्रे श | 97 | c | 488 |
| चन्दनं च म | २९०७ | चन्द्रहीना य | ८०२ | चरणाग्रे ह | 99 | चर्चिकाद्यास्त | • १४७८ |
| चन्दनम्–सा | २२३३ | चन्द्रांशुविक | # 2988 | चरणाग्रे हं | 99 | चर्चिकायास्त | |
| चन्दनस्याथ | २८२९, | चन्द्रांशुविम | 2 982 | चरणानां सिं | 33 | चर्मणां च स | » ቀ የሄ ፍ ሄ |
| | २८६८ | चन्द्रादित्ययो | १११७, | चरता बल | २०५२ | चर्मणां मृदु | |
| चन्दनस्रा ^र भ | २९३८ | 1 | | चरदूतप्र | | चर्मविपाट | २२ ३६ |
| | • | | • | · 6 , | # 01.40 | 911111111111111111111111111111111111111 | ३५३३ |

| _ | | | | | | | |
|---------------------------|--------------------------|-------------------|-------------------|--------------------|--------------------|----------------------------|--------------|
| चर्म स्नायुं त | 0 \$ 88 | (२ चातनो मातृ | २९०६ | ्रंचापस्त्वं सर | र्व २५३ | ९ चारयित्वा प | ī #२५५३ |
| चर्म स्नायु त | " | चातुराश्रम्य | # ५८७,५८९ | , चापाख्यं य | म्य #१ ४७ | | |
| चर्माणि तत्र | २६७ | ५९ | ३,५९७,७९ ४ | वामरं कल | २८९ | 1 | १ ६४१ |
| चर्मिभिः क्रिय | १५१ | ४ चातुमस्याव | ५५३ | | २८३ | 1 | २३२६ |
| चिमिभिश्च स | २७३ | | 3 282 | | २९८ | 1 110-4 -11-1 | |
| चर्मोपरि स | *₹00 | | ५९१ | | | 1 | |
| चर्या च रथ | १०२ | २ चातुर्वर्ण्ये त | ५७७,६०८ | | २८४ | 1 | १६४७,१७०२ |
| चलगन्धस | [°] १ ४७ | ७ चातुर्वर्ण्य भ | १६१९ | , , , , | २७१७ १९३८,२९४१ | | १०१७,१७४५ |
| चलचित्तम | १२८ | 0 *0 | १११९ | | | | |
| चलचित्तस्य | ,, | चातुर्वर्ण्य स्था | # ५९२, | 2 | २ <i>९७</i> २८३ | 11/14 41/ | १६५५ |
| चलजिह्वाऽर्ध | *२९९१ | i i | ०५७,ँ१०५८ | | २८३ | | १०८१ |
| चलजिह्वाऽऽर्य | " | चातुर्वर्ण्य स्व | ८२४ | पानस्त्रात | २८३ ७ | 110- | २३३५ |
| चलतश्चैता | १०२५ | | ७५० क्ष५६३ | चामराणां प्र | २८३ | | १६४१ |
| चलतश्चेना | | चातुर्वण्यंब | # १६ १७ | | ७४ २८३० | ा पारास्य भाग | त्र १६५६ |
| च लत्त्रसूत्रो | * ›, ধৃষ্ডঃ | i c c | ३६ ४८ | | . २८३। | ाचाराः सवत्र | ११२३ |
| चलयति हि | | 22 | ५९२ | I | २८४ | 7717 1011 1111 | १६५५ |
| | १६०४ | | | | २८३८ | ===== | . |
| चलवेगा म | # २९ ९५ | \ | ५६७, | | २७१८ | auranai a | |
| च लि खरे षु | १५९६ | | ४७२,२४३६ | चामरो स्कम | | चारात्मंवेध्य | ९६० |
| चलान् स्थिरां | १५१८ | -2-2- | ५६३ | | २८६५ | चारान्स्वनुच | |
| चलामित्रं प्र | २१६० | - 202 | # ५७ ८ | चामीकराशो | २५२३ | चारित्रेभ्योऽप्य | #2028 |
| चलामित्रात् | २०९३ | - 22 | २७६९ | चामीकरोऽन्य | | चारुचातुर्य चारुचातुर्य | |
| चलितशास्त्र | १५५५ | चातुर्वण्यं स्व | ५९८ | चामुण्डां चित्र | २८९४ | | १४४५ ३८५६ |
| चिलते च प्छ | १५१९ | चातुर्होत्रवि | २९७९ | चारः सुविहि | १६४०, | 1 | २८५६ |
| चलिनी बल | *२९९१ | चान्दनं लोह | २८४१ | ٤, | ८८९,२०४५ | 31/3 (161) | |
| चलेञ्चेदूर्जि | १८७१ | चान्दनं वैत | १५२२ | चारघातप्र | | 11/1/04/1 | १६५७ |
| चलेत्तदोर्जि | * ,, | चान्दनरछत्र | ५८ २७ | | २२९९ | | १६४२ |
| चलेषु यन्त्र | १५९६ | चान्दन्स्तु सु | | चारचक्षुन <u>ं</u> | १६५७ | | १६४१ |
| चवर्गे मृग | | चान्दनौ दण्ड | | वारचक्षुर्नृ | १६५५ | चारेणोत्साह ७ | |
| चाटतस्कर | २४७४ | चापं चोद्यम्य | i | वारचक्षुर्भ | " | चारे हि विदि | #१६४१ |
| पाठसस्मर | १४१२, | चापपक्षः सं | | वारणा च सु | क्ष१४७० | चारैः परीक्ष | # ७₹₹ |
| | • १४७४ | चाप मां सर्व | | गरतस्कर | #8883 | चारैः पश्यन्ति | १०४१ |
| चादूक्त्यादिषु | | चापमानय | | गरनेत्रः प | ११७५ | चौरैः सुविदि | १०६९, |
| चाण्डालश्च द | १३२७ | चापमीने सु | २४७३ 👨 | गरनेत्रः प्र | e ,, | १४१ | ९,#२६०१ |
| चाण्डालस्तद्व | #६३७ | चापलाद्वार ७४ | ७,१७१६ च | ारप्रचार | १२५५ | चारैः खदुर्गु | ११४०, |
| चाण्डालस्य गृ | •६३६ | चापल्यं च प | | गरभूमि ष्व | ९६८, | | १६६२ |
| चाण्डालस्य न | १३२७ | | १७१७ | •• | | चारैरालोच्य | १६५५ |
| चाण्डालखस्य | | चापविद्युद् | २७०७ च | ारमन्त्रब | - 1 | चारैर्यदाऽयं | ८२५ |
| चाण्डाली हस्ति | १४७० | चापवेगाय | २७७० च | | | चारेपदाउप चारैर्विचेया | १६५४ |
| | | | , 4 | 1711 1117 | 701 | 41/17 MAI | 2410 |

| _ | | | | | | •- | |
|-----------------------------------|---------------|-----------------------------|----------------------|--------------------|----------------|-----------------------|------------------|
| चारैर्विदित्वा | १६४१ | , चित्तिईयो न | # २९५९ | चित्रोपला चि | ं | चूर्णेख मण्ड | २९८२ |
| चारैहिं विहि | २६ ० १ | चित्ते विरोध | २१९२ | चिन्तनीयं बु | | चेकितानो म | २७१५ |
| चारैश्च विवि | १००८ | चित्र इद्राजा | ८७ | चिन्तयंश्च न | १८९८ | चेतनाचेत | २३२६ |
| चारैश्चानेक १४१ | ०,१६५३ | चित्रं किमस्मि | २६९३ | चिन्तयामास | ६३६, | चेतयते च | ९०२ |
| चालयन्ति सा | १२१७ | वित्रं शीव्रत | १५०५ | १०९ | २०,१६९७ | चेतसोऽस्ति स | २४६८ |
| चापे मृगभ | २५२७ | चित्रं शीव्रप | # ,, | चिन्तयेद्धर्भ ९४ | ४६,१७७६ | चेतो भवत्य | २०३६ |
| चाषो नकुल | | चित्रकृद्गीत | | चिन्तयेनमन्त्रि | १८०५ | चेदिकाशिक | २७१० |
| चासपक्षस्य | | चित्रगतम | ८३३ | चिन्तयेयुश्च | २३२१ | चेदिराजवि २४ | ८८५,२९१७ |
| चिकित्सकः प्र | २३२३ | 4 | २९२१ | चिरंत ने षु | | चेष्टया कार्य | १११९ |
| चिकित्सककु | | चित्रगुप्तश्च | | चिरं प्रच्छन्न | १९९२ | चेष्टां चैव वि | # २६६७ |
| चिकित्सकज्यो | | चित्रपद्मेन | १४९६ | चिरतरेणा | २०५६ | चेष्टां निरूप | २८८५ |
| | | चित्रभेककौ | २६४९ | चिरप्रवास | २८४८ | चेष्टां पिपीलि | ७३१ |
| चिकित्सकप्र | | चित्रमाल्याम्ब | १०९१, | चिरसंसृष्टा | २६ २७ | चेष्टामकुर्व | २३९४ |
| चिकित्सक्व्य | १३३३, | | २८७८ | | ३४,२३४९ | चेष्टाश्चैव वि | २६६७ |
| | १४०१ | चित्रलेखा ल | २९७७ | चिरस्थायी स | १३६८ | चेष्टितं सर्व | २९१५ |
| न्विकित्सकाः रा | २६१ ४ | चित्रवर्माङ्ग | २७२० | चिरात्तयोः प्र | ८२४ | चेष्टितव्यं क | २०१९ |
| चिकित्सकानी | २३१५ | वित्रश्च चित्र | # २७ १९ | चिरात्प्रभृति | १९६९ | चैत्यिच्छिद्रे व | १३३१ |
| चिकित्सये द्य | | चित्रसेनश्च | | चिरादल्पो म | २१०० | चैत्यदैवत | २६३७, ए७ |
| | २८२४ | चित्रसेना इ | भ ४९४ | चिरादविनि | २०९२ | 1 - | ५ ७६ |
| | ७८,९१८ | चित्रां त्यक्त्वा य | | चिराय दैवी | | चैत्यद्रमाव | # ,, |
| चिकित्स्यः स्यात् | २७६५ | 1441 (41(4) | २८८४ २ ८८४ | चिरायोध्वजा | ९६६ | \ \ . | برنر و |
| चिकीर्षितं भ | १२४६ | चित्राकारश्च | ,०८०, ७३४,७४९ | चिरेण मूले | २६७ १ | | * ६६२ |
| चिकीर्षितं वि | १०३८, | चित्राङ्गदश्चि | २९६ <i>०</i> , | चिरोषिता वि | | चैत्यानां सर्व | 2496 |
| 2 2 2 2 | १७६२ | . 4.114 21-1 | २९ ७७ | चिरोषिताबु | # ,, | चैत्यान्यायत | ७२१, |
| चिकीर्षुर्दुष्क | ८३९ | चित्राङ्गो विस्फु | १६९५ | चिल् एकमा | ઁ રપ ફ ૦ | | १३८४ |
| चिकीर्षुस्तान | २३५७ | चित्रादित्रित | 2008 | चिह्नदृष्टिग | | चै त्योपवन | १३३१ |
| चिक्कणादर्थ | १२३३ | चित्राभरण | २५ <i>४</i> १ | चीच, चीचु, ची | | चैत्रं वा मार्ग | #२४५६ |
| चिच्छेद पाशा | २०२५ | चित्रा भानुम | 2992 | चीनसी रक्त | २२३६ | चैत्रं वैशाखं | २४५४, |
| चितिईयो न | # २९५९ | चित्रामष्टाप | ७१४४३ | चुकुशुर्भेर २४८ | ८५,२९१७ | | २५५७ |
| वित्तं कुर्म प्रा | २४६४ | चित्रा विचित्र | २९९४ | चुचुन्दरी ख | २६५६ | चैत्रः श्रीमान | २९ ३ ७ |
| चित्तं चैवास्य | १७१४ | चित्राश्वैश्चित्र | २७२० | चुछी तु याम्य | १४७१ | चैत्रमासो ऽर्ध | २४७३ |
| चित्तग्राहश्च | २३३६ | चित्रा सिद्धिग | २३७६ | चुछी पूर्वाप | १४७२ | चैत्रे मार्गशी | २४५२ |
| चित्तग्राही च | # २३३६ | चित्रास्त्रैश्चित्र | # २७ २० | चुछीशोधनं | રદ્દેષ્ષ | चैत्रे वा मार्ग | * ₹४५२, |
| चित्तज्ञता बु | १८६१ | चित्राखात्यन्त | १४७९, | चुल्ही तु याम्य | * १४७१ | 1VC# | र६,७२६० १ |
| चित्तज्ञानार्थ | १९१८ | | २ ४९१ | चुल्ही पूर्वीप | | चैत्रो वैशाख | |
| चित्तवि कृ ते | | चित्रेभिरभ्रे | ३६ | चूडान्ता यदि | ८६० | | २२७८ |
| ाचसाय इस चि त्तवृत्तिनि | | चित्रागरश्न चित्रैरञ्जिभ | ४५ ४६९ | चूर्णनं मूर्धिन | | चैत्र्यां पश्येच | २४ ५६ |
| | | चित्रोत्पला चि | | 1 - | | चैत्र्यां वा मार्ग | |
| चित्तायत्ता तु | ्र ८ १६ | ायतात्रला ।य | ₩ ५ 500 | चूर्णेईरिद्रा | १४७० | ર | .४५६,,२६०१ |
| | | | | | | | |

| चैत्र्यां सस्यं हि | # 2848 | ्। छगळी मोदि | ३००० | छद्मना शर | १९९७ | छिद्यमानो य | ፞፞፞፞፞፞፞፞፞፞፞፞፞፞፞፞፞፞፞፞፞፞፞፞፞፞፞፞፞፞፞፞፞፞፞ |
|--------------------|------------------|-----------------------|----------------|-----------------------|--------------|--------------------|---|
| चोक्षं चोक्षज | १२४१ | उछत्रं च त्रिवि | २८३७ | | १९९४ | 1 | २९१६ |
| चोचचित्रक | २२९: | २ छत्रं च राज | २८८९ | | ८८९ | 10. | १६७६, |
| चोद्यं मां चोद | २३८९ | ्र छत्रं तस्य तु | २९४५ | | ८८६ | · | १६७८ |
| चोद्यमानानि | २९२६ | छत्रं तु तस्य | * ,, | छन्दः सामादि | *१६३२ | 1 ~ • | १२२० |
| चोरप्रकृती | २८१ ८ | छत्रं दण्डोग्र | ૨૮ ૨૬ | 1 - | ३२३ | 1 ~ | १८७३ |
| चोरराजपु | १४० | | २५४३ | छन्दानुवर्ति | १७३० | छिद्रं मे पूर | २०८७ |
| चोरव्यालभ | 2386 | | | छन्दोऽङ्गानि च | ૨ ९७७ | छिद्रं शत्रोर्षि | * १६७८ |
| चोरहृतम १ | | | २९१७ | छन्दोऽन्ये यज्ञाः | ३४९ | छिद्रप्रहारि | २१३३ |
| चोरांश्च कण्ट | १४०३ | 1 | | छन्दोभिर्यज्ञ | ३३३ | छिद्रमन्ये प्र | #१७६८ |
| चोराग्रिभय २ | | | | छन्दोमयं वा | ४४६ | छिद्रां वा छायां | २४८० |
| चोराणामभि | १३२८ | & | २८२९ | | २९६६ | छिद्राणां द्व प्र | *२९२४ |
| 4.4. | 2282 | | ५८० | छन्दोविविति | * ,, | छिद्रादेव प | २७८७ |
| चोरान् म्लेच्छ | | | २८५१ | | १०५४ | छिद्रान्वेषि ह्य | क्षरर९१ |
| चोराश्चान्येऽतृ | १०९९ | 2 | ७४० | छन्नं संतिष्ठ | २०३७ | छिद्रान्वेषी न | १२९१, |
| चोरा ह्युत्साह | - | ' | २८४१ | छलनी चतु | २८४३ | · | २०८३ |
| चोरैः साहसि | १ ४३८ | | २६९ ४ | छलाद्बला ह | १३६६ | छिद्रा भानुम | # २९९२ |
| चोरैराटवि | # <i>بر</i> وب | | २८३९ | | २८८७ | छिद्रे वाऽन्नप्र | २९२४ |
| चोष्क्रयमाण | १७,३६७ | | ٠ २५ ،६ | | २९६२ | छिनस्यस्य पि | ४०९ |
| वीक्षं चौक्षज | * ? ? X Y | स्वरत्रस्य | " | छागली मोदि | *\$000 | छिनन्तु सर्वे | १३ |
| | करर०० १२५५ | ာဆာကကြည် | २९५२ | छागलै र्महि | २८८७ | छिन्दन्तं वै त | २०२५ |
| चौक्षान् पुत्रा | १२५५ ९१७ | छत्रभङ्गे छ | २८७३ | छात्रं द्वादश | २८७३ | छिन्दन्भिन्दन् | १५०६ |
| चौरचरट | | छत्रभृङ्गार | २२९६ | छात्रकापटि | १६६४ | छिन्धि पाशान | २०२५ |
| चौररक्षाधि | ७४४,७४८ | छत्रयुक्तं य | १४९६ | छादयित्वा कु | २८८२ | छिन्धि भिन्धि ज | २५२७ |
| चौरहृतं ध | १३१३ | छत्रव्यज न | १६६१ | छादयित्वा त | १५१६ | छिन्धि भिन्धीति | २७७० |
| चौरहृतम | <i>७</i> १०२३ | छत्रस्य नव | २८८७ | छायाङ्गवाह | २५१० | छिन्नं तु तन्तु | २०२६ |
| चौराग्निभय | २६७२, | ভন্না तप त्र | १७५० | छायाऽतिरि क्ता | ९८७ | छिन्नज्वालोऽथ | २९०२ २९०२ |
| • | २८०७ | छत्रादिमन्त्रा | २५४५ | छाया प्रमाणं | २४६३ | | |
| चौराटव्यब | ५७५ | छत्रादिरा ज | २५४४ | छायाप्रमा णे | ९४४ | छिन्नधान्यपु | १५६८ |
| चौराणां पितृ | १४३१ | छत्रादीनि च | २८५० | छाया भूतध | #2998 | छिन्नपक्षस्ये • | १२४९ |
| चौराश्चान्येऽन् | # १०९९ | छत्रायुघादी | २५२० | छाया भूत प | " | छिन्नपाटित | १९९५ |
| चौरेभ्योऽमात्य | १४३८ | छत्रायुधानि | | छायामात्रक | ११२९ | छिन्नबाहुः प्रा | २७९८ |
| चौरैदेषिम | | छत्राश्वकेतु | | छायायाम प्सु | 601 | छिन्नमिव वा | ३२४ |
| चौरैमींघम | - 1 | छत्रण चत | | जायायाम ष्ट | २२७७ | छिन्नमूले त्व | * २०४२ |
| चौर्यमञ्यव | | छद्मकामेर | | ज्ञाया वैगुण्य | | छिन्नमूले ह्य | ,, |
| च्युतः कोशाच | | छद्मना च भ | 3 | जया ग्रुभाग्र | २५२१ | छिन्नहस्तः प्रा | # २७९८ |
| च्युतः सदैव | | छद्मनातुभ | | अयेवानुग | - 1 | छिन्नानि रिपु | ^२ १९९५ |
| छगलाश्चैव | | छन्नना मम | | छेद्यमानाः शि | | छन्नाभ्रमिव | १०४९ |
| | | | | | • • • | | * |

| छिने मूले हा १८८७ जगाम स स्व |
|--|
| खुरिके रक्ष २८९३ छत्ता मेता प २४८४, जगुआपसर ७२७९९ जटी द्विजिह्व ६१४ जनमति हि १६०४ जगुः परिष्ठ २७०९ जटरं बिसा २५१४ जनमति हि १६०४ जगुः परिष्ठ २७०९ जटरं बिसा २५१४ जनमति हि १६०४ जगुः मुनह ५८९ जगुः मुनह |
| छत्ता भेता प २४८४, २९१६ वरमुः मुनह ५८९ वरमुः मुनह ५८९ वरमुः मुनह ५८९ वरमुः मुनह ५८९ वरमुः मुनह ५८९ वरमुः मुनह ५८९ वरमुः मुनह ५८० वरमुः मुनह ५८० वरमुः मुनह ५८० वरमुः मुनह ५८० वरमुः मुनह ५८० वरमुः मुनह ५८० वरमुः मुनह ५६०, १७७५,१८०५ वन्यामास ८५८,१५०३ वन्यामास ८५८,१५०३ वन्यामास ८५८,१५०३ वनस्त्र स्थि ५०० व्यान वर्ष २०२१ व्यान वर्ष २०२१ वर्ष वर्ष १९१०, वर्ष वर्ष १९१० वर्ष वर्ष १९६५ वर्ष वर्ष १९६६ वर्ष वर्ष १९६६ वर्ष वर्ष १९६६ वर्ष वर्ष १९६६ वर्ष वर्ष १९६६ वर्ष वर्ष १९६६ वर्ष वर्ष वर्ष १९६६ वर्ष वर्ष १९६६ वर्ष वर्ष १९६६ वर्ष वर्ष १९६६ वर्ष वर्ष वर्ष १९६६ वर्ष वर्ष वर्ष १९६६ वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष १९६६ वर्ष वर्ष वर्ष १९६६ वर्ष वर्ष वर्ष १९६६ वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष १९६६ वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष |
| श्रुत्त मिता प १८८४, ज्यमुः सुबह ५८८ ज्यमुः सुबह ५८८ ज्यमुः सुबह ५८८ ज्यमुः सुबह ५८८ ज्यमुः सुबह ५८८ ज्यमुः सुबह ५८८ ज्यमुः सुबह ५८८ ज्यमुः सुबह ५८८ ज्यमुः सुबह ५८८ ज्यमुः सुबह ५८८ ज्यमुः सुबह ५८८ ज्यमुः सुबह ५८८ ज्यमुः सुबह ५८८ ज्यमुः सुबह ५८८० ज्यमुः सुबह ५८८० ज्यमुः सुबह ५८८० ज्यमुः सुबह ५८८० ज्यमुः सुबह ५८८० ज्यमुः सुबह ५८८० ज्यमुः सुबह ५८८० ज्यमुः सुबह ५८८० ज्यम्यमा १६६० ज्यम्यमा १८५८० ज्यम्यमा १८५८० ज्यम्यमा १८५८० ज्यम्यमा १८५८० ज्यम्यमा १८५८० ज्यम्यमा १८५८० ज्यम्यमा १८५८० ज्यम्यमा १८५८० ज्यम्यमा १८६८० ज्यम्यमा १८५८० ज्यम्यमा १८५८० ज्यम्यमा १८५८० ज्यम्यमा १८५८० ज्यम्यमा १८५८० ज्यम्यमा १८५८० ज्यम्यमा १८५८० ज्यम्यमा १८५८० ज्यम्यमा १८५८० ज्यम्यमा १८५८० ज्यम्यमा १८५८० ज्यम्यमा १८५८० ज्यम्यमा १८५८० ज्यम्यमा १८५८० ज्यम्यमा १८५८० ज्यम्यमा १८५८० ज्यम्यमा १८८५० ज्यम्यमा १८५८० ज्यम्यमा १८८७० ज्यम्यमा १८८०० ज्यम्यमा १८८७० ज्यम्यमा १८८७० ज्यम्यमा १८८७० ज्यम्यमा १८८७० ज्यम्यमा १८८७० ज्यम्यमा १८८७० ज्यम्यमा १८८७० ज्यम्यमा १८८७० ज्यम्यमा १८८७० ज्यम्यमा १८८७० ज्यम्यमा १८८७० ज्यम्यमा १८८०० ज्यम्यमा १८८०० ज्यम्यमा १८८०० ज्यम्यमा १८८०० ज्यम्यमा १८८०० ज्यम्यमा १८८०० ज्यम्यमा १८८०० ज्यम्यमा १८८०० ज्यम्यमा १८८०० ज्यम्यमा १८८०० ज्यम्यमा १८८०० ज्यम्यमा १८८०० ज्यम्यमा १८८०० ज्यम्यमा १८८०० ज्यम्यमा १८८०० ज्यममा १८८०० ज्यमम्यम |
| छत्तं निश्चित १९६५ जग्मुः सुबहु ७ ,, छत्तं निश्चित १९६५ जग्मुः सुबहु ७ ,, छत्तं प्रत्याग १०८९ जग्नाह वेद ८६७ विश्व १८०५,१८०५ जग्नाह विर ५९० ज्ञाह विर ५९० ज्ञाह विर ५९० ज्ञाह विर ५९० ज्ञाह विर ५९० ज्ञाह विर ५९० ज्ञाह विर ५९० ज्ञाह विर ५९० ज्ञाह विर ५९० ज्ञाह विर ५९० ज्ञाह विर ५९० ज्ञाह विर ५९० ज्ञाह विर ५९० ज्ञाह वि १९०० ज्ञाह विर ५९० ज्ञाह विर ६६० ५९० ज्ञाह विर विर ५९० ज्ञाह विर विर ५९० ज्ञाह विर विर ५९० ज्ञाह विर विर ५९० ज्ञाह विर विर ५९० ज्ञाह विर विर ५९० ज्ञाह विर विर ५९० ज्ञाह विर विर ५९० ज्ञाह विर विर विर विर विर विर विर विर विर विर |
| छेतुं मध्याग १०८९ जग्नाह वेद ८६७ जग्नाह वेद ८६७ जग्नाह विर ५६०५ ज्ञाह विर ५६०५ ज्ञाह विर ५६५३ ज्ञाह विर ५६५३ ज्ञाह विर ५६५३ ज्ञाह विर ५६५३ ज्ञाह विर ५६५३ ज्ञाह विर ५६५३ ज्ञाह विर ५७०९, २७१५ ज्ञान विष १७०९, २७१५ ज्ञान विष १७०९, २०१५ ज्ञान विश्व १५३२ ज्ञान विश्व १५३२ ज्ञान विश्व १५३२ ज्ञान विश्व १५३२ ज्ञान विश्व १५३२ ज्ञान विश्व १५३२ ज्ञान विश्व १५३२ ज्ञान विश्व १५३२ ज्ञान विश्व १५३५ ज्ञान विश्व १५६५४ ज्ञान विश्व १५३२ ज्ञान विश्व १५३२ ज्ञान विश्व १६५५ ज्ञान विश्व १६५५ ज्ञान विश्व १६५५ ज्ञान विश्व १६५५ ज्ञान विश्व १६५५ ज्ञान विश्व १६५५ ज्ञान विश्व १६५५ ज्ञान विश्व १६५५ ज्ञान विश्व १६५५ ज्ञान विश्व १८८४ ज्ञाम १८८४ ज्ञाम १८८४ ज्ञाम १८८४ ज्ञाम १८८४ ज्ञाम १८८४ ज्ञाम १८८४ ज्ञाम १८८४ ज्ञाम १८८४ ज्ञाम १८८४ ज्ञाम १८८४ ज्ञाम १८८४ ज्ञाम १८८४ ज्ञाम १८८४ ज्ञाम १८८४ ज्ञाम १८८४ ज्ञाम १८८४ ज्ञाम १८८४ ज्ञाम १८८४ |
| छेतुरेव म २४४६ जग्नाह शिर ५९० जग्नाह शिर ५९० ज्ञाह शिर १९०० ज्ञाह शिर ५९० ज्ञाह शिर १९०० ज्ञाह शिर १९ |
| छेत्स्याम्यहं त २०२६ छदनं तर्ज |
| छदनं तर्ज |
| कवन पाळ २७०९,२७१५ जान्या जिस्ता चाळ १०१५ जान्या पाळ १०१० जान्या पाळ १०१० जान्या पाळ १०१० जान्या पाळ १०१० जान्या पाळ १०१० जान्या पाळ १०१० जान्या पाळ १०१० जान्या पाळ १०१० जान्या पाळ १०१० जान्या जिस्ता चाळ्या १५३२ जान्या विद विद्या १५३२ जान्या विद विद्या अ१९०० जान्या विद विद्या १६६५ जान्या विद विद्या १६६५ जान्या विद विद्या १६६५ जान्या विद विद्या १६६५ जान्या विद विद्या १८८४ जान्या विद विद्या १८८४ जान्या विद विद्या १८८४ जान्या विद विद्या १८८४ जान्या विद विद्या १८८४ जान्या विद विद्या १८८४ जान्या विद विद्या १८५४ जान्या विद विद्या १८८४ जान्या विद विद्या १८८४ जान्या विद विद्या १८८५ जान्या विद विद्या १८८५ जान्या विद विद्या १८८५ जान्या विद विद्या १८८५ जान्या विद विद्या १८८५ जान्या विद विद्या १८८५ जान्य विद विद्या १८८५ जान्या विद विद्या १८८५ जान्या विद विद्या १८८५ जान्या विद विद्या १८८५ जान्या विद विद्या १८८५ जान्या विद विद्या १८८५ जान्या विद विद्या १८८५ जान्या विद विद्या १८८५ जान्या विद विद्या १८८५ जान्या विद विद्या १८८५ जान्या विद विद्या १८८५ जान्या विद विद्या १८८५ जान्या विद विद्या १८८५ जान्या विद विद्या १८८५ जान्य विद विद्या १८८५ जान्या विद विद्या १८८५ जान्या विद विद्या १८८५ जान्या विद विद्या १८८५ जान्या विद विद्या १८८५ जान्या विद विद्या १८८५ जान्या विद विद्या १८८५ जान्या विद विद्या १८८५ जान्या विद विद्या १८८५ जान्या विद विद्या विद विद्या विद विद्या विद विद्या विद विद्या विद विद्या विद विद विद विद विद विद विद विद विद विद |
| छदन मद |
| छेदाश्चिक्कणः २२४८ जघन्य एष १९१०, २५५० जनं बिभ्रती ४०८ जनस्याबित कृदे६५५ जनं यमुग्रा ४३९,४७३ जनस्याबित १६६५५ जनं यमुग्रा ४३९,४७३ जनस्याबित १६६५५ जनं संपूज्य २८८४ जनस्यामान्त्र ३८५४ जनन्याभ्र ज ५४६,६५९, जगतीछन्दा ४२३ जघन्याभ्र ज ५४६,६५९, उनकस्य सु २४९७ जनकस्येह १०३५ जनानां यत्र १९८७ जनकस्येह १०३५ जनानां यत्र १९८७ जनानां संम |
| छदानुरूप २२६३ २५५२,२६०४ जनं यमुग्रा ४३९,४७३ जनस्याबिदि १६५५ जन यमुग्रा ४३९,४७३ जनस्याबिदि १६५५ जनल्यं वल २८३७ जम्याबाल्या २८४४ जनः स भद्र १०८ जम्यासान्य ३८५४ जम्यासान्य ५८५४ जम्यासान्य ५८५४ जम्यासान्य ५८५४ जम्यासान्य ५८५४ जम्यासान्य ५८५५ जम्यासान्य १९८७ जम्यासान्य १९८० जम्यासान्य १९८० जम्यासान्य १९८० जम्यासान्य १९८० जम्यासान्य १९८० जम्यासान्य १९८० जम्यासान्य १९८० जम्यासान्य १९८० जम्यासान्य १९८० जम्यासान्य १९८० जम्यासान्य १९८० जम्यासान्य १९८० जम्यासान्य १९८० जम्यासान्य १९८० जम्यासान्य १९८० जम्यासान्य १९८० जम्यासान्य १९८० |
| छेदे भयं वि |
| जगिजिष्णोश्च २५४२ जम्यमाहु २१५१ जनः स भद्र १०८ जना उद्देग ७३५ जनति। अन्ति १८९४ जम्याश्च ज ५४६,६५९, जम्ति। ४२३ जम्याश्च ज ५४६,६५९, जम्मिर्थ ५०३५ जम्मिर्थ २९२७ जम्मिर्थ २९२७ जमानां यत्र १९८७ जम्मिर्य २७७२ जमानां संम १२७९ |
| जगतां शान्ति २८९४ जघन्याश्च ज ५४६,६५९, जनकस्य सु २४९७ जनकस्य सु जनकस्य सु जनकस्य सु जनकस्य सु जनकस्यह १०३५ जनकस्येह १०३५ जनका मैथि २७७२ जनानां संम १२७९ |
| जगती छन्दा ४२३ १६९९ जनकस्येह १०३५ जनानां यत्र १९८७ जनकस्येह १०३५ जनानां यत्र १९८७ जनतां संम १२७९ जनतां संम १२७९ |
| जगताभव ,, जघन्यास्तु ज क्ष्द्५९, जनको मैथि २७७२ जनानां संम १२७९ अनानां संम १२७९ |
| जगतीमन्त ३३१ *१६९९ |
| जगरेरम् म १३६० जंघन्यो लङ्घ ४२/८३ जनका ६ व ४६८ जनानामभ १९८७ |
| 44(11264 4 |
| जगत्युदीर्णा २४६४, जघन्वाँ इन्द्र ३७२ |
| प्रति । प्रति |
| जगत्सर्विम १९७८ — — |
| जगितमक्षीः |
| anapaten 1 |
| The state of the s |
| विश्वनाः क्षेत्र १२०१ वर्गार्थः व |
| पश्चिमाणा १३६ |
| ગામના વાર્ષ |
| वाज्याच्या पर्वच्या १०१ वर्गाः |
| |
| again and a second a second and a second and a second and a second and a second and |
| जगाम त्रिदि ६६७ जरे तात ज #१५०३ जनपदमे २६३० जन्मकर्मेवि १३१५ |
| जगाम दक्षि ६३५ जरे तात त ,, जनपदि ६६९ जन्मकर्मत्र १८०९ |
| जगाम पर १०९२ जटाकरण ५८३ जनपदान्ते १३२८, जन्मक्षयनि २४४५ |
| जगाम भव ५९४ जटाजिनध ६४७ २२२१,२६३६ जन्म चोक्तं व ६१३ |
| जगाम शिर 🐞 ५९० जटाघरण 🌞 ५८३ जनपदेक २६३९ जन्मज्ये 🖫 🖟 🖟 🖽 |

| जन्मज्येष्ठेन | ८५ | ३ जम्भाऽच्युता च | | Carrer Arm | | | |
|-----------------------|---------------------|----------------------------|-------------------|-------------------|------------------|--|--|
| जन्मज्यैष्ठचेन | | | | जयश्च निय | | ज्येनकं च | १६१४ |
| | * ,, | जयं जानीत | *२६०३ | 1 | "२००१ | <u> </u> | ४८१ |
| जन्मतारर्क्ष | २९० | 1 | २६९२ | | २३६९ | | इ ३ ५ |
| जन्मनः क्षाल | ् पर | १ जयं प्राप्यार्च | २८२५ | जयहस्तो ध्व | . २८३८ | | ,, 🧓 |
| जन्मपे लग्न | २४६ | ३ जयः कपालो | ं २८३९ | जया एरण्ड | १४६६ | जयोऽथ मङ्ग | २८३४ |
| जन्मप्रभृति | ८६४,९६ | १ जयः स्थादभि | २८३५ | जयांश्च जिष्णु | ५१७ | जयो नामेति | २३९२ |
| जनमभूम्यनु | १२१५ | ⁹ जयः स्याद्रोग | | जया च पश्चि | २४६२ | जयो नैवोभ | क्षर००१ |
| जन्ममे नैध | २४६ : | | भ २९८४ | जया च विज | · २८३८, | जयो भवति | ६४३ |
| जन्मराश्युद | ,, | जयति तथ् सं | ર | | 2992 | जया रागाव | २८३५ |
| जन्मलये रा | | ı | ५२५ | जयाऽऽज्ञापय | १७३० | जयो वधो वा | २३७७ |
| जन्मवृद्धिमि | ,, २ ३ ७१ | जयति भुव | . ९२२ | जया निद्रा भ | ર ે ૬ ૬ ७ | जयो विवादे | २५०५ |
| जन्मशीलगु | # १ २९१ | 1 . | २२४ | जया निद्राऽभ | ٠,, | जयो वैरं प्र | २००१ |
| ज न्मसंध्यर्तु | | | " | जयानुराग | ७८६ | जरतीभिरो | ₹८ ₹. |
| | २४७३ | 1 | २६५९ | जयाभिलाषी | २८९१ | जर द्गुघेनु | २३०२ |
| जन्मोदयर्क्ष | २४६६ | 1 | २७०३ | जयाभिषेक | र २९८७ | जरयाऽभिप | १०४७ |
| जपन्वेदान | ५८७ | 1 | १६२४ | जया मिषेकं | २९८७ | जरायुजाण्ड | १४२९ |
| जपहोमर | २९०३ | l ~ | १६२३ | जयामित्रान् * | | जर्जरं चास्य | १०६२, |
| जपहोमस | २८९५ | | २९७१ | जयाय तां प्र | | | १६९२ |
| | ८९०,१८४३ | | २७१८ | | ७४९ | जलं निस्नाव | २५९८ |
| जपाभः शङ्ख | # ₹९०२ | 1 | ,, | जयाय भव | ર ५४५ | जलं वा स्थल | # 2926 |
| जपाभोऽशोक | ,, | | १०,२७९९ | जयाय राज्ञो | २५१३ | जलं विसाव | *२५९८ |
| जपेदुदक | ६२४,६३१ | जयद्रथो भी | २७१७ | जयार्थमेव | २७६५ | जलचरस्ये | **\`\`\\\ % { \qquad \qu |
| जपेन्मन्त्रांस्त | २८५६ | जयन्तं तन | | जयार्थी न च | २७३३ | जलजं चाम | २८४ <i>१</i> |
| जेपेर्हुतैस्त | ७२९ | जयन्ताश्च त | १५१३ | जयार्थी तृप २६८ | ८५,२७३६ | जलजं विह्न | |
| जंपोपवास | २ ३ ४५ | जयन्ति ते रा | | जयार्थी नैव | * २७३६ | जलजाः पक्षि | " |
| | | जयन्ती मङ्ग | २८९३, | जयावहा वि | २५०९ | _ | २५०६ |
| जप्तव्या वार | २९२ ५ | | , | जयाशीभिस्त | | जलजाद्व्योम | २५३० |
| जमद्गेः सु | २१२१ | जयन्तु सत्वा | 400 | _ | | जलजानि च | # २५०६ |
| जम्बुकस्य तु | १८८७ | जयन्ते मान | 4462 | जयासु घर | २४७० | जलताम्बूल ——————— | १६६१ |
| जम्बुकस्य म | " | जयन्तो ्वध्य | 28.03 | न यासूकारः | | जलदुर्गे गि र्भ | १४९७ |
| जम्बूः शाकः कु | * २९६५ | | २७७४ | गयित्र्याः कानि | 46 7 0 74 | जलदुर्ग _ः भू चन ् रातिः | १४८० |
| जम्बूमार्गश्च | २९६७, | जयन्तो ह्यपि | २५५२ | विनं सुह २६० | | जलदुर्ग स्मृ ======= | १४८२ |
| | | जयन्वा वध्य | ,,,, | ायिनस्तु न | | जलमारत | २५३० |
| जम्बूमार्गे स | | जय पाथन्सि | | ायिन्या यानि | المميميا | जलयन्त्राद | १४९६ |
| जम्बूबृक्षश्च | | जय राजिश्चि जय राजिश्चि | ਗ | ।येच्छुः पृथि | | | ४९,१९५९ |
| जम्बूशाककु | | | " | - | ! | गलवद्धान्य <i>े</i> ? | १४७७, |
| जम्बू शाकः कु | | | | येदब्राह्म | १६१५ | _ | १४८१ |
| जम्भं दृत्रं व | * ₹७७₹ | जयशब्दर जयशब्दै कि | ३००२ ज | | १८५.९ उ | - | ११९२ |
| | | - \$.vi="dig" | র্ ই ५७ জু | पनाद् सुत | १५ ०६ | स्त्र्व स्तु ण | . २६०१ |
| | | | | | | | |

वचनस्ची

| जलवाय्वमि | - ८९५ | जह्नूनां चाऽऽ | धि १९३ | जातन्यसन | २१८६, | जात्यारूढो वि 📜 | १५३९ |
|-----------------------------|-----------------|---|-------------------------|------------------------------|----------------------|----------------------------|-----------------------|
| जेलसिन्धू द | २८४० | जागतो वैश्यः | ४३५ | , २ | ७,२१८८ | जानता विद्दि | #६३८ |
| | *१६७८ | जागरूकः ख | १३६९ | जातांस्तथाऽन्या <u>ं</u> | १५१८ | जानतोऽविहि | " |
| जलस्थानानि | | जागति कालः | ६२१ | जाताः कुले अ | २४२२ | जानन्त्येतत्कु | *२४२६ |
| | " | जागति नालः जागति च क | *६१३ | जाताः कुले ह्य | Φ,, | जानन्त्येते कु | • >> |
| ज लान्तश्चन्द्र | ११३० | जागति निर्ऋ | - इर् | जातानां पुष्ये | २६६० | जाननिमं स | २४३६ |
| जेलानतृण | २६९१ | जागति स क | ६१३ | | २६६.१ | जानन् मां किं | २४८५ |
| जलात्रायुध | १४८१ | जागात त क जागत्येव च | १९११ | जातानाममा जाति कुलं स्था | १८३२ | जानन् वक्रां | २६०१, |
| ज लाभावस्तु | १४८२ | l | | जात कुल स्था जाति तुलां च | 2383 | ; | २७७४ |
| जलाभावेन | २७०२ | जागत्येव हि | * ,, #६३७ | जाति छल प | २२३८ २२३८ | जानन्विचर | २०१५ |
| जलाशयवि | २९१९ | जागर्मि नात्र | | जातिः कुलं व | १५३८ | जानपदमे | १५०९, |
| जलाशया न | २९२५ | जागिम नाव | ,, १०३९ | | १५२४, | ગામવવ | २५६२ - |
| ज्लाशयानां - | २९२०, | जाग्रतो दह्य | २३३ ९ | 3 | २६८३ | जानपदास्त्व | १५५१ |
| | *२९२५ | -11-11-11-11-11-11-11-11-11-11-11-11-11 | १६ ५९ | जातिकाहिश | 42480 | जानपदो≤भि | १२४७ |
| जलाश्रयं नौ | # 3840 | जाग्रत्स्वरिषु | | जातिदीप्तस्त | २५०८ | जानाति मात्रां | - १०३७ |
| जलालाम् ना जले क्षिपेत्त | ** २ ०५७ | जाग्रदपि सु | ं क ्र,, २४७९ | जातिदेशकु | १११५ | _ | १५२५, |
| जल । बन्त जले नौकेव | २८४६ २८४६ | जाग्रद्दुष्वप्यं | | जातिभूमिषु | २२८३ | 1 | २३६६ |
| जल मामम जले मत्स्यानि | | | २८८९ | जातिमात्रं द्वि | १९८० | जानाति विश्वा | १०३७ |
| | * ५६३, | जाङ्गलं सस्य | १४५२ | जातिरूपल | २२ ६ ७ | जानाति स श | १५२५, |
| | ५,*७९५ | 1 | २८३७ | जातिवयोष्ट | १६११ | 41-ma a a | २३६६ |
| जेले स्थले च | १५२४, | | २८४१, | 0 | १४३१ | जानामि क्षुधि | २०३० |
| जलोपवेश | २६७४ | 1 | २८४३ | _ ~ _ | १०५५ | जानामि त्वाम | २०५० |
| जलापवश जलोर्ध्वपाति | २५१२ | -114 1- | १५४२ | | ९५७ | जानासि त्वं क्ले | २४२७ |
| जला व्यपात जलोकावत्पि | १४८७ | 1 211 4 22 21 21 | * १४५२ | | | जानासि त्वं सं | |
| | १३१८ | 1 2.3. | २१३९ | | २२४७ २४५३ | जानास त्व स जानीयुः शीच | २४३९ |
| जल्पत्स्वपि च | * ₹९२४ | 1 | . २५२५ | | २०२४ २९१९ | जानायुः साय जानीयुर्यदि | १६४४ #१ ०७२ |
| जवेन संधि | २०१६ | 1 | ૨ ૫ ૧ ૫ | 1 | | जानानुपाद जानुनि च च | |
| जहरङ्गा भ | २८३१ | 1 | ማ | जातेर्विशेषे | १८३५ | जानुनी द्विगु | १५३७ १५ १ ५ |
| नहाति मृत्युं | २४२९ | | JP | जातो मृतसु | ११२ १ १६८८ | • | |
| जहाति हस्ति | २९ ७४ | 1 | २४६७ | 1 | ६८२ | जानुबन्धं भु जानुसंधी प | १५२१ |
| जहिं पार्थान्स | २३५८ | | १०७९ | 1 _ | द८५ २१०८ | | २५०२ |
| जहि प्रतीचो | ५०३ | जातपक्षा वि | १८९३ | | | जाने धर्म म | २७८९ |
| जहि मीष्मं म | २७६ ० | जातमात्राश्च | # 2890 | जात्यस्य हि म | १७३४ | जाने पापसु . | #२८०३ |
| जहि भीषमं स्थि | * ,, | जातरङ्गा भ | . १३६३ | 1 | १५३४ | जाने राम दु | , 99 |
| जहि शत्रृन् | २३८६ | | ४७९ | 1 | प८ | जानेऽहं धर्म | ६४० |
| जह्यात्तं सत्त्व | २०३६ | | | जात्याद्जात्यो | २१०७ | 1 | १६९४ |
| जह्य।त्तत्संस्व | * ,,, | जातवेदा इ | | जात्या न क्षत्रि | क १६ १७ | जामिः सिन्धूनां | ે ૮૨ |
| जहान चार्थ | ૨ ૫ ९૬ | । जातवरश्च | 2008 | जात्यानन्त्यं तु | १४२९ | जाम्बवं नव | १४६६ |
| | | | | | | | |

| जाम्बवांश्च सु | २७२१ | , जिगीषमाण | २०१३ | जितेन लभ्य | २७८५ | < जिह्मयो धी ति | २७६३ |
|------------------|----------------|----------------------|----------------|-------------------------|----------------------------|--------------------------|------------------|
| | २९४४ | | १९९१ | जितेन्द्रियं स्थि | 126 | : जिह्याक्षाः प्रल | 5 १५०१ |
| जाम्बवांश्च ह | #₹ \$88 | जिगीषुर्घर्म । | १८५९ | जितेन्द्रियः स्या | ११९० | जिही रुपाये | २७९८ |
| जाम्बवान् प | " | जिगीषूणां न | २५३९ | जितेन्द्रियत्वं | ર ૫ હ | 1 | २६ ९५ |
| जाम्बूनदं शा | २२४६ | | २४६१ | जितेन्द्रियत्वे | ९२ | 10 00 | २५ १२ |
| जाम्बूनदम | २७०४ | जिगीषोः शत्रु | * ₹८५८, | जितेन्द्रियश्च | * ९ २३ | ` <u>`</u> | |
| जायतां ब्रह्म | ११ ०० | | २१७१ | चित्रे दिवसम | ۷۷. | 16 | ६०४ |
| जायते चार्थ | १८२७ | जिगीषोः शस्त्र | १८५८ | | .८८,९३६ ,८८, | " | 161 |
| जायते तत्र | १३६७ | जिघांसतां द | २४९६ | ا و | ३९,१६०५ | <i>'</i> 1 | ४६० |
| जायतेऽतो य | ,, | जिघांसन्तं जि | •२७६४, | जितेन्द्रियेण | र ,, र _े | ــ - ا | २९० ४ |
| जायते धर्म ७१ | | l I | २७८३ | जितेन्द्रियैर्म | ६६१ | जिह्वायाः कर | १९८७ |
| जायते प्रक्ष | २०८९ | जिघांसन्तं नि | २७६४ | जितेन्द्रियो जि | १२६६, | 1 | ४९२,२५३२ |
| जायते मौक्ति | १३७१ | जिघांसवः पा | १३८६ | | १६२७ | | २९६६ |
| जायते राष्ट्र ११ | | জি ঘন্নিবিদ | * १४७० | जितेन्द्रियो न | ९२० | जीर्णानुद्धार ५ | ७२८.१४१ ६ |
| जायते वाऽथ | • २९२६ | जिज्ञासन्तो हि | २३७७ | जितेन्द्रियो हि | ९२२, | जीर्णोद्यानान्य | रं४११, |
| जायते वै नृ | ८०६,८२६ | जिज्ञासमानः | १६२२ | | ^२ ९२३ | | १६५३ |
| जायते हृष्ट | १७१५ | जिज्ञासुरिह ् | | जित्वा च पृथि | २६४८, | जीर्यन्ते वा म्रि | |
| जायन्ते चेत | २८५९ | जितक्लेशस्य | १११९ | | २८१७ | | २९१७ |
| जायन्ते तस्य | २९२८ | जितमित्येव २८ | | जित्वा धनानि | ६९४ | जीर्यन्त्यपि हि | #१ 0 ४ २ |
| जायन्ते वाऽथ | २९२६ | जितमेवेति | *? ८०९ | जित्वा न हर | રહે • • | जीवंजीवक | २४८६ |
| जायन्ते विवृ | २४८९ | जितमे वेत्य - | _ | जित्वाऽपि हि क्षी | २१६२ | जीवंजीवस्य | ९८६ |
| जायाः पतिं वि | १०८ | | " | जित्वा ममत्वं | ५६० | जीवं ब्रातः स | * १ ३ ४ |
| जायाः पुत्राः सु | ९५ | जितरात्रुः स | ३५२ | जित्वा ममेयं | ٠,, | जीवँल्लक्ष्मीं स | २७८८ |
| जाया पत्ये म | ३९५ | जितश्रमत्वं १५९ | | जित्वाऽरि भोग | २७९० | जीवं व्रातः स | १३४ |
| जायेव भर्तु | २४६९ | जितश्रमाणां | १५४२ | जित्वाऽरीन्धत्र | १०५२ | जीवकर्षभ | १४६५ |
| जारः कनीन | 40 | जितश्रमार्थे | १५७८ | जिलाऽरीन् द्वि | २५४८ | | |
| जारको ग्रह | २८३५ | जितश्रमो ग | २३३९ | जित्वाऽरीन् भो | २६७०, | जीवग्राहं नि | २७७२ |
| जारको जर | | जितश्रमो हि | १५१४ | 14(4)5(1)2 41 | २७८७ | जीवग्राहं प्र | * ,, |
| जारको जार | " | जितहस्तो जि | १५१९ | जित्वा शत्रुं पु | २७८९ | जीवच्छ्राद्धं पु | २९ ८७ |
| जारको रोग | " | जितां च भूमिं | | जित्वा शत्रून्म ७२ | | जीवच्छ्राद्धं म | " |
| जारसंगोप | १९९३ | जिता तेन स | | जित्वा संग्रामा | १०५७, | जीवजाताश्च | १४७१ |
| जालकरश्च | | जितात्मा सर्वी | ११०५ | 1-1(-11 (1-11) | १०५८ | जीवतां भूमि | २५०५ |
| जालेन युद्धे | | जितानां विष | 1 | जित्वा संपूज | २८२० | जीवतोऽपि नि | २६ ९४ |
| जालेश्च बडि | 990 | | | जिञ्जू रथेष्ठा | ४२४ | जीवत्यपि म | ८०५ |
| जावकं च | | जितानामजि | 1 | जिष्णू र थेष्ठाः | ४१२ | जीवनार्थमि | ११३६, |
| जाहकाहिश | 2480 | | १०७५ | | * 84.00 | \$ 8 | २१,१७३६ |
| जिगीवति रि | 1 | जितासभाव | | जि द्य नासानु | | जीवन्तं त्वाऽनु | ६५७ |
| | • | | | • • | •• 1 | • | |

वचनसूची 🗸

| जीवन्ति धनि | १९९८ | जुहुयाद्वैष्ण | २९४८ | ज्ञातियौनमौ | १९४७ | शानमागम | ६२६ |
|-----------------------|--------------------|----------------------------|-------------------------|--------------------|-----------------------|--------------------------|-----------------------|
| जीवन्ति ये त | | जुहोमि ते ध | 866 | ज्ञातिषु यत्र | १११७, | ज्ञानमार्गम | ९२३ |
| जीवन्तीनां तु | 9 0 8, | 1 | २८९४ | | | शानवताम | ११०६, |
| | ४४,७ ४८ | ٠. | १७२३, | ज्ञातिसंबन्धि | ५९५ | | २४०१ |
| जीवन्तीश्वेता ९७ | | ٠ | १७४३ | ज्ञातीनां ज्ञात | ११२० | ज्ञानविज्ञान | ११४०, |
| जीवन् धर्मे | ६३८ | जुम्भां निष्ठीव | १७१४ | ज्ञातीनां पाप | १०५२ | १ २ | ४२,१६६२, |
| जीवनेव मृ | २७९३ | जुम्भा निष्ठीव | # ₹७ १ ४, | ज्ञातीनां मेद | १९५८ | | २३२८ |
| जीवन् पुण्य | ६४२ | 2 | १७१७ | ज्ञातीनां वक्तु | ६०५ | ज्ञानविद्यात | ८७९ |
| जीवन्मरण | ९७० | जेतव्यमरि | #७३५ | ज्ञातीनां हि मि | १२८८, | ज्ञानबृद्धाः प्र | 848 |
| जीवन्सन्स्वामि | ८६१, | जेतव्यो रिपु #५ | | | २००४ | शानष्टदान् | पुष्ठ |
| • | ११५४ | जेता लमेत | २८१४ | ज्ञातीनामन | ११७५ | ज्ञानस्यायुग | ९२८ |
| जीवस्वरग | २४७३ | जेता शत्रुं ब | 2828 | श्रातीनामवि | ६०५ | ज्ञानाङ्कुशेन | ९२३, |
| जीवां विश्वेश्व | २९०९ | , • | | शातीनिष्पुर | २४४१ | | ९२६,९३७ |
| जीवानन्दा व | १४७० | जेतुमेषण | १८६० | ज्ञाते सुरुङ्गा | २६३० | शानात्मशक्ति | २१३५ |
| जीवानन्दी व | * ,, | जेष्यन्तो मृत्यु | २५ ५५ | ज्ञात्वा कल्याण | २०८७ | शानानुमाने | ११०५ |
| जीवानां भूमि | * ૨ ५°०५ | जेष्यामि पुरु | २३५६ | शात्वा कालं व | २०७३ | शानापहार | २१३७ |
| जीवितं च प | १८९९ | जैत्र्या वा कानि | २४९६ | शात्वा तत्र नृ | १६५६ | ज्ञानाभ्यासे प्र | ८६७ |
| जीवितं चार्थ | १३२० | जैत्या वा यानि | ,, | शात्वा तत्र स्थि | १४३९ | ज्ञानार्थधर्म | #२१३६ |
| जानितं त्वर्थ | | जोङ्गकं रक्त | २२३५ | ज्ञात्वा तु कल्प | १३६० | शानार्थशक्ति | 37 |
| जावत स्वय जीवतं मर | * ,, ६३८ | जोङ्गकं रक्तं | २२३३ | शात्वा तुमां सं | २४३ <i>१</i> | ज्ञाने हदे क | ९२ ३ |
| जापत नर जीवितं यद | ५५८ ६३० | ज्ञगुरू यदि | २४६६ | शाता त्रींस्त्रीतु | १८५७ | ज्ञायते हि कु | १७८२ |
| | | ज्ञातं मयेति | ११२१ | ज्ञात्वा नयान | १२११ | ज्ञायेत हृष्ट | १७४५ |
| जीवितं संत्य | २००९ | ज्ञातयः परि | १९५८ | ज्ञात्वाऽपराधं | ७३८, | श्रेयं शतस | १४९९ |
| जीवितं हित | २०२२ | 1 | | 1 | , ६,१९७६, | शेयं सेनाप | २९२२ |
| जीवितं ह्यप्य | २८१५ | शातयश्च हि | २००० | '`` | १९७८ | ज्ञेयमादर | १५३६ |
| जीवितसंभ | २४२० | ज्ञातयश्चेव | • ,, | श्चात्वा पापान | * १२११ | ज्ञेयाः पतत्रि | २५ ११ |
| जीवितस्य प्र | २०२८ | शातयस्तार | २१३१ | शात्वा पूर्व भा | १३७५ | ज्ञेयाऽग्निविस्फु | ७३१ |
| जीवितार्थी क | २०२२ | ज्ञातयस्त्वा ऽनु | ६५७ | ज्ञात्वा यथाबु | २०८७ | ज्ञेया दुर्भिक्य | २९२९ |
| जीवेच यद | ६२४ | ज्ञातयो वर्ध | २१३१ | शात्वा बसेद | | शेयाश्चतुर्द | १५३७ |
| जीवेच सुचि | ११६४ | ज्ञातयो विनि | १९९८ | शात्वा वृत्तिर्वि | १७११ | शेयाश्चानन्त | ७३१,९२२ |
| जीवेद्वाऽपि वि | १०२७ | ज्ञात∘यं तु न | ६६३ | शात्वा संकल्प | | ज्ञेयो गृहप | २९२७ |
| जीवोत्सर्गः स्वा | १२३८, | ज्ञातिं ज्ञातयः | ११२० | ज्ञात्वा सर्वीतम | | श्योऽधमत | १७४९ |
| | १७५८ | | १६९९ | ज्ञात्वा स्वरव | | श्रेयो नः स न | #6 8 0 |
| जुषाणोऽध्वाऽऽज्य | | 1 00 | २१३ १ | ज्ञात्वा स्वविष | | शेयो न स न | |
| जुहाव पाव | २९३६ | शातानः यह | १९५८ | ज्ञात्वोपायांस्तु | , | शेयो भवति | 99 #6.45 |
| जुहाव सर्व | ५६१ | शातामनद ज्ञातिभिर्विग्र | २१३१ | शानकर्मीपा | 474C 38 8 8 | l . | * && \$ |
| जुहुयाच त | २५४१ | शातामायम ज्ञातिभेदभ | 40 8 | 1 | | 4 | |
| जुहुयादि म | २६५२ | शातमय् | | शानमध्यप | | ज्याक्षणं ज्ञ | ५८६ |
| जुहुयादेता | २४७ | । सातिन्यव्य य | ६०५८ | शानमस्ति वि | ६२६ | ज्याघोषा दुन्दु | ५०८ |
| | | | | | | | |

| | | e . | á | | | | |
|------------------------------------|----------------|---------------------|--------|-----------------------|------------|------------------|---------------------|
| ज्यांद्रव्यत्रित | १५१०, | ज्येष्ठे दशह | રેં૮५૬ | ज्व लितैर्निशि | | त एनमुभ | ४२५ |
| · 表表的 | १५२२ | ज्येष्ठेन जात | ८५२ | ज्वोलानना सू | | त एव कुम्भ | २२६६ |
| ज्यानां वृज्जन्छ | २४४ | ज्येष्ठेनाभिज | १६१६, | ज्वालावच शु | *2903 | त एव चानु | २४६२ |
| ज्यापारीः कव | ५२२ | | १६२१ | ज्वालावशं शु | , ,, | त एव युद्धे | २००१ |
| ज्यायसा संभू | १९२५ | | | ज्वालिनी चैव | | त एव विज | २८१६ |
| ज्यायसा सह | २१४८ | ज्येष्ठो दायाद | ८३७ | ज्वाले मृत्युर्भ | | त एव सर्वे | २७८७ |
| ज्यायस्त्वे चापि | २१५७ | ज्येष्ठो नरक | ८५६ | झषपित्तमृ | | तएव हि वि | १४२९ |
| ज्यायस्वन्तश्चि | ३९५ | ज्येष्ठोऽपि बि | ८६० | झषास्यो वल | | त एवैनं वि ३ | • |
| ज्यायांश्चेच सं | २०५९ | ज्येष्ठो भ्राता म | ८५८ | टङ्कैश्चतुर्भि | | त एवैनम | ३५७ |
| ज्यायांसमपि | २७६ ० | ज्येष्ठो भ्राता स | #686 | टिंहिमं च त | १३६३ | त ऐक्षन्त अ | ४७९ |
| ज्यायांस ल् मप | 2822 | ज्येष्ठो मे त्वं पु | १९२ | टीटिमं च तु | | तं कदाचिद | ६१९ |
| ज्यायांसमुत्था | १९२६ | ज्येष्ठो यदुस्त | 4630 | डाकिन्यो याश्च | · २९६२, | तं कालं पिल | २०२१ |
| ज्यायांसमीर | ८५९ | ज्येष्ठो रत्नाक | ८५६ | | २९७७ | तं कालमेकं | २१७६ |
| ज्यायान्वा हीनं | २१८८ | ज्येष्ठो राजा य | ८५८ | ढेञ्चकान्तःस्थि | २७५२ | तं क्रोधं वर्जि | १९०५ |
| ज्येष्ठ एव तु | ८५० | ज्येष्ठो विश्पतिः | 380 | त आगच्छन् | ४२९ | तं क्षेत्रं प्रप | १९८ |
| ज्येष्ठं प्रकृष्टं | १५१६ | . محمد | 283 | त आजिमाय | ३६५ | तं क्षत्रमन | १९५ |
| ज्येष्ठं प्रति य | ८३८ | ज्योकु च सूर्य | १३४ | त आदित्यास | ₹ 0 | तं गायत्रीच्छ | ४२६ |
| ज्येष्ठं यदुम | ँ ८ ३ ७ | ज्योकु चिदत्र | १९ | त आयजन्त | ∵८६ | तं गुणं नीति | २२०७ |
| ज्येष्ठः प्रभ्रंशि | ८४४ | ज्योतिःशास्त्रवि | १६३८ | त आहवनी | · · · ४२२ | तं ग्रामं दण्ड | ^३ ७२४ |
| ज्येष्ठः श्रेष्ठश्च | ८३८ | ज्योतिरिव ह | ३३३ | त इषु सम | | तं ग्रामणीः स | २९९ |
| ज्येष्ठपुत्रे स्थि | # ,, | ज्योतिर्गतिषु | ८६७ | 1 | २२३ | तं ग्राममप | २६६१ |
| ज्येष्ठराजं ब्र | ३ ९ | 1 | २३५१ | त उभयवे | १६४७ | तं घटं वान | २९४४ |
| ज्येष्ठ स्तु पाव | १५१६ | ज्योतिन[थस्य | १११९ | त एतस्मिन | २२३ | तं चतुर्युजं | २९१ |
| ज्येष्ठस्तु साय | * ,, | ज्योतिर्भयं स | २८५३ | त एतस्यां प्रा | . 99 | तंच धर्मेण | १३२४ |
| ज्येष्ठस्य राज | ~ ,, | | | त एताः संस् | ३३४ | तंच धीरो न | १७८५ |
| ज्येष्ठस्य स सु | ८४९ | ज्योतिर्विच स | १६३८ | त एते कृता | २०६२ | | १८९३ |
| ज्येष्ठाञ्ज्येष्ठेषु | ६६०, | ज्योतिष्टोम ए | २१५ | त एतेन व | | तं च वीरो न | * १७८५ |
| <i>७</i> ५८।२ ५ ५८ <u>५</u> | १ २२३ | ज्योतिष्मतीं त्रा | २९०९ | त एतेन स्तो | ४३० | तंच व्यूहं वि | २३५८ |
| ज्येष्ठानु ज्ये ष्ठ | ५९६ | ज्वलस्विप च | २९२४ | त एतेऽन्ध्राः ए | | तंच स्तेनान | ७३३ |
| ज्येष्ठा प्राचीदि | २४७२ | ज्वलद्भिर्निशि | ११२३ | त एते वाच | ३८२,४४३ | तं चापि प्रथि | ६२३ |
| ज् येष्ठामूळीय | २२७८ | ज्वलन्तं ग्रुङ्ग | २८८६ | त एनं मृग | १२५६, | तं चाप्रमत्तः | २५७३ |
| ज्येष्ठाय राज्य | ८४१ | ज्वलन्ती च त | २४५६ | - | १७८१ | तं चेत्तदा ते | २४३८ |
| ज्येष्ठायां च त | २९ १ ९ | ज्वलन्तीभिर्म | २४९३ | त एनं शान्त | ३५७ | तं चेत् संघो | प९ |
| ज्येष्ठायामपि | ८४६ | ज्वलन्तो निशि | २७७० | त एन ५ षड्ड | ३०८ | तं चेद्घातय | १९६८ |
| ^{ब्} येष्ठायामसि | | ज्वल मूर्धन्य | | त एनमब्र | २७६० | तं चेद् द्विज | # ५७९ |
| च्येष्ठे तिष्ठति |)) (Y) | ज्वलितशिखि | | त एनमव | | तं चेद्वित्तमु | ,, |
| ज्येष्ठे स्वयि स्थि | ,, | ज्वलितार्केन्दु | | त एनमात्त | | तं चेन्न यज | પંદ્ ષ |
| - *** | 77 | | ,,,,, | 13. A. 141. 11 | • • • | • | |

| • 4 - 0 | 1. | | |
|---|-----------------------------|-----------------------|---------------------------------------|
| तं चैवान्वभि १६२१ | तं दृष्वा राघ | तं ब्रह्मणे द ३०७ | तं विदित्वाप २३९० |
| | ¦त दृष्ट्वासमु १६ ९५ | तं ब्रह्मं प्रप १९८ | तं विश्वे देवा १८९,२२८ |
| | तं दृष्या सिंह १६९६ | तं ब्रह्मा लोक ८०७ | तं वृक्षा अप ३९९ |
| _ | तं देवा अब्रु २७,२८, | तं ब्राह्मणाश्च ८४३ | तंवैनो ब्राह्म २०४ |
| तं जना बहु २८०१ | ११०,४७८ | तं ब्रुयात् दू १६६९ | |
| तं जातमुपा २९ | ्रत देवाः सम २८ | तं भतेकामो ६३० | 3 |
| तंत् एतेना १८० | त देशकाली ६८४,१९७१ | तं भिक्षुक्यः सं १६४६ | |
| तंतंतापय ५७१,१४४१ | तं धर्तुकामो 🚜 ६३९ | तं भूमिद्रव्या २६१९ | तं वै माध्यन्दि २७५ |
| तंतं दृष्वास्व ७१८, | | | तं वै राजक 🚜 ६५७ |
| १९७६ | | | तं वै शाकुनि १०८९ |
| तंतथाछिन ७६ ४५ | 1 | | तं व्यालनाना २७११ |
| | | | <u>-</u> |
| तंतथासुकु 🔹 ,, | | तं यज्ञक <u>त</u> २६ | त व्यूहराज तं शक्त्या वर्षे १२०९, |
| ,, | तं पप्रच्छोप ,, | तं यत्नेन ज १५७३ | |
| | | तं यत्नेन त्य 🔹 ,, | तं शतेन च ११२५ |
| | 1. ^ | तं यथावत् २७०८ | त शक्योदु ३१६ |
| तं तु वै राजे ३४९ | 1 | तं यदि क्षत्रि २२३ | तं शुचिं पण्डि १२१८ |
| तं ते वनग १९०१,१९०२ | 1 | | तं संगमयि १२३० |
| | 1 | 1 | तं संग्रह्माशः२.२४ |
| • | 1. | तं युक्लैवन १५९३ | तं संवत्सरं २९ |
| | | तं रक्षोघिप १६६७ | तंसगोमायु १२२१ |
| | | तं राजकर्ता २३३ | तं सित्रण:- 'त्व १९२२ |
| . ,, | तं पुरोऽधत्त ३६५ | तः राजभ्राता ् २९९ | l . |
| _ , | तं पूर्वीर्ध आ ३०५ | तं राजा इति रे६३६ | |
| २४७९ | तं प्रजा नानु ६२४ | तं राजा दूष्य १३९८ | तं सत्री महा १३९९ तं स निनियो १८८ |
| तं दक्षिणार्ध ३०५ | तं प्रजापति १८८ | तंराजा प्रण ६८८ | · · · · · · · · · · · · · · · · · · · |
| | तं प्रजारचोप *७३६ | तंराजा प्रत्यु १२११ | l |
| तं दण्डयेत्प ७२२ | तं प्रजासु वि ७९१ | तं राजा यम २६३६ | • |
| | तं प्रतिदूत २६४६ | त राजा राज २९९ | |
| • | तं प्रत्यक्षमा ३०४,३०५ | तं राजा साधु ६०६ | I - |
| | तं प्रत्येवावा १४ | तं रात्राविति १३९९ | |
| तं दूष्यग्रह १३३२,१३९९ | | तं लोकं पण्यं ४१३ | त ५ सर्वेणैव ३१३ |
| • | तं प्रियासं ब ९७ | तं वर्षां घार २८३० | तं सर्वे संश्र २७०६ |
| | तंबर्हिषदं ३४२ | तं वरुण उ १८९ | तं सविताऽत्र २९०५ |
| तं दृष्ट्वापर ११२३ | तंबहिर्धन्वो ४२० | तं वर्धयेत्प्र १४२१ | तं सवितोवा १८९ |
| तं दृष्ट्वा ब्रया ३६३ | तिमहानस ३ ६२४ | तं वा एतं व १५ | तं साश्वात्पृथि ७९३ |
| तं हैष्ट्वाभग १५११ | तं बृहस्पति १०८,१०९ | | तं सान्त्वेन नृ २८६४ |
| तं दृष्वा यम 🦠 २०२७ | | | तं सिहं हन्तु १६९६ |
| | | ' ' | 1 440 2424. |

| त ५ सूतो वास्थ | २९९ | तच सिध्येत्प्र | ₩ € 08 | तटाकानां च | १४१६ | ततः | कृतप्र | # \$ 0 9 0 |
|----------------------------|-----------------|-------------------|---------------|----------------|-----------------------|-----|-----------------|---------------------|
| तर् स्तोत्राय प्र | | तचाभिज्ञानं | २६३ ५ | तडागकूप | २८१३ | ततः | कृतयु | #49 9 |
| तं स्म राजक | | तचास्य कर्म | १०५३ | तडागवापि | १३७६ | ततः | कृता म | २९१२ |
| तः स्वधर्मवि | १०३४ | तचित्तानुवि | ११३४ | तडागवापी | ८९५ | ततः | कृत्वा म | । १४६९, |
| , , | | तिचन्सम् | २०७०, | | १३८४ | 7 | | २७०२ |
| . 3 | (0) (1) | | २४०१ | तडिन्वनभ्रे | २९२ ३ | ततः | कृष्णा ध | १९०० |
| | ६०,२६२ | तचिन्त्यमचि | २४१७ | तण्डुलानां त | २९८९ | ततः | कौसल्य | २०१४ |
| त ५ स्वाये देव | ५२४ | तचेत्सिध्येत्प्र | ६०४ | तण्डुलैश्च ति | " | ततः | क्रमात् | २८२४ |
| त ५ ह चिरंव | ३५३ | | | तत आनाय्य | १८९४ | | क्रमेण | ८२३, |
| तं इठेनेति | | तचेदं फल | *२३ ७५ | तत आरात्रि | २८५५ | | | (५४२,२९७ ४ |
| तं हतं संयु | | तचेदफल | " | तत आ शता | २२७ १ | ततः | | |
| त्र इन्ताभ्याग | | तचेदुभयं | २०६४ | तत आहूय | १८८५, | | | # 2 0 9 |
| तं हन्युः काष्ठ | २७६८ | 1 | २४३० | | २०१३ | | | २९७३ |
| तंह पञ्च रा | ३६४ | तच्चेदेवं द्वे | ٠,, | तत इन्द्रः सं | २९ | | खड्गं न | न २८९३ |
| तथ् हः प्रवाह ३ | ५२,४६८ | तच्चेन्मडल | २०६५ | तत उग्रं त | १६२२ | | पत्तीन् | २७५३ |
| तः हाभ्याजग्मुः | ४३६ | तच्चैवं हि प्र | | तत उत्तराः | २६४८ | | परं ग | १४५० |
| तं हीनपर्णे | २०५१ | तच्छस्रं शास्त्रं | १२७३ | तत उत्थाय | २९३६ | | परं त्रि | २२७६ |
| तः होत्रे द | ३०७ | तच्छस्त्रभय | | तत एकमे | २६५९ | l | परं न | २ १ ४५० |
| तः होवाच | ३ ३५३ | तच्छास्त्रममि | ५३१,५७८ | 1 | २६५८ | | परं पु | २९१३ |
| तं होवाच- अ | | तच्छिद्रदर्श | १९४३ | | २९०७ | | परं मा | २३०७ |
| त होपाय- ज तं होवाच-ऋ | १८७ | 1 0. 6 | १८१३ | तत औपावि | ११२,११३ | 1 | परत | १७२९ |
| त हापाय—गः तं होवाच— नि | १८५ | - 220 | २५३ ९ | ततः कतिप | २९७४ | | परम | ६६७,१९७० |
| | ४४७ | तच्छुद्धं तत्प्र | ७२१ | ततः कदाचि | १०५३, | ततः | परमा | २६५ ९ |
| तर् होवाच य | १८५ | | २००२ | | १०८६ | ततः | परमू | १४५० |
| तं होवाच सं | १८५ ३५३ | तच्छुङ्गं वर्ज | १५१० | ततः कनख | १८१२ | ततः | परस्प | २६४१ |
| तः होवाचान | - | | ७४९ | 1 | १६९६ | ततः | परस्य | २६४० |
| तक्मन्मूजव | ३९९ | तच्छीर्वे धर्मः | ३५१ | 1 50 | * १३००, | 1 | परेषु | १ ७७० |
| तक्रयवभ | २६५३ | तच्छ्रुत्वा धर्म | २७०६ | | १५८४ | 1 | पश्यत | २८६ |
| तक्षत्यात्मान | १०७६ | | | ततः करी पु | २९८१ | | पश्येन्म | ९५८ |
| तक्षा रिष्टं रु | ३८१ | तच्छुत्वा भूमि | २९३८ | ततः कर्षोत्त | २२७१ | | पश्येन्मु | २९५ ३ |
| तक्षेदात्मान | # १ ०७६ | तच्छुत्वा मूषि | १८८८ | ततः कल्यं स | *७९० | | पाण्डुर्न | ८ ४ १ |
| तचकार त | २३९२ | l | २ ३५४.४३७ | तत कामं च | ६४८ | | पालय | ६५८ |
| तचतुर्घाऽभ | ३३४ | तच्ह्रेयोरूप | ११९८ | ततः कारण | १२१४ | | पिताम | ६२० |
| तचतुर्विधं | १८३३ | तज्जन्मान्तरे | | | | | पुण्यफ | # १०६६ |
| तचन्द्रमस | _ર ૨૭ | तज्जये हि ज | ७३१,९२२ | ततः कार्यार्थि | | 1 | पुण्याह | २३५७, |
| त्च राजन | | तज्जलप्छत | | ततः काल्यं स | | 1 | J "'4 | २५४१ |
| तच राधासु | | तज्जवः सहि | | ततः कुन्तीसु | २९३५ | | ग्रजांद्रन | ९३७ |
| तच शस्त्रास्त्र | १५१४ | तज्जातकर १ | | | _# ું પ પ ૪ | da | अ त्राता | |
| तज्ञ साधुपि | # 6 8 8 0 | तज्जाया जाया | | ततः कुशप | २९४३ | ततः | પુનઃ લ | لأغرة |
| | | | | | | | | |

| ततः | पुनर्म | ११२२ | ततः | হাক্ষ'ৰ | | | स तुमु | | | साधुत ७ | ५०,११३१, |
|------------|--------------------------------|---------------|-----|------------------------|-----------------------------|-------|---------------|-------------------|-------|----------------|-------------------|
| ततः | पुरुष | ७९१ | ततः | शतस | २७१८ | ततः | सत्यप्र | १०९० | | | ११४२ |
| | पुरोधा | २९१० | ततः | शत्रुभू | २६४१ | ततः | सत्रिणः | 1916 | ततः | सारपा | २२६४ |
| ततः | पुरोहि | २९५१, | | | २७०२ | | ર १ | . २ १ , १ ९ २ २ , | ततः | सार्थम | २२८१ |
| | | ७५,२९८१ | | शरभ | १६ ९६ | | | २६२३ | | सिंहास । | ८४१,२९७८ |
| | पुष्करा | ३३३ | ततः | श री रं | १५०३ | ततः | सत्री रा | २६ ३५ | | सीता स | २४९८ |
| | पुष्पाञ्ज | २९८१ | ततः | शान्तन | २३५३, | 1 | सदस्या | *3848 | 1 | सुगोल | १५३२ |
| | पुष्येऽभि | •२९३९ | | | २७१४ | | स दुष्ट | १५४४ | 1 | सुतुमु | १५०५ |
| ततः | पूर्वव | रॅ६ २४ | ततः | शासन | १९२२ | | स देह | १०९२ | ľ | सुत्वा म | ३६४ |
| ततः | पृथिव्या | १६१६ | ततः | शास्त्रवि | १६६८ | | स धात्र्या | २०३४ | 1 | सुहद्व | 2011 |
| ततः | पौरज | २९ ४० | ततः | शास्त्रार्थ | २०३२ | 1 | स पार्ष | २७१४ | | सेनाप | २३५४, |
| | प्रकाश | प ८ | ततः | ग्रुमे मु | २८७७, | ततः | स पृथि | १०५४ | "" | ~~ *** | 2344 |
| | प्रकृत २९३ | १६,२९५४ | | | २८७८ | | स प्रय | *3984 | ततः | सेन्द्रास्त्र | १०९७ |
| | प्रक्षाल्य | २०१८ | | शुस्बका | २२४७ | i . | स प्राञ्ज | | | सेवां वि | १७५६ |
| | प्रत्यिच | | | शुष्केषु | १०८९ | ततः | स बद | २९५ ३ | l | स्नातः शु | २९०६ |
| | प्रत्याग | १८८७ | | | ६६३ | l . | | २०,१५०५, | | स्नातो वि | २९७४ |
| | प्रदक्षि | २८५६ | | ~~ | २९४० | | | | 1 | स्नात्वा स | |
| | प्रबुद्धः | २५८३ | | शेषज | २९८५ | | | १५०६ | 1 | सा सम | ५७३ |
| | प्रभात | २०२७ | | श्रेयश्च | *२३८१ | | स भुङ्क्ते | ८५८ | | खगौल्म | 8866 |
| | प्रभाते २७१ | | | श्वा द्वीपि | १६९५ | ततः | समान | २६ ३७ | 1 | स्वपूजां | २९५३ |
| | प्रभाम | ६२८ | | संक्षय | ६२४ | ततः | समार | ६४२ | | खपेच्छु | •2439 |
| | प्रभूतो | २२८६ | | संचिन्त्य | ७९१ | ततः | समुद्ध | १५१७ | | स्वप्ने ग्र | " |
| ततः | प्रभृति | ११२३, | | संदर्श | २५१० | ततः | समूलो | २७६६ | ततः ः | खर्ग ग | *१०९२ |
| | | | | संधिच्छे | २११० | ततः | सर्वग | २७५२ | | | 23 |
| | | | | संपीड | २६४१ | ततः | सर्वाधि | २२१८ | ततः ः | वर्गस्य | ,, |
| | २८८ | | ततः | संपूज | २८७४, | ततः | सर्वाभि | २९८७ | ततः व | खामी ह | २६३९ |
| 33. | प्रयोज | २८९० २६३७ | | | *2943 | ततः | स छुब्ध | *१०९० | ततः र | वैरवि | ९५३ |
| ततः सतः | _ | | | संपूज्य | २०१४ | | स वान | २९४४ | ततश्र | श्चाथा | २८६ |
| | न ५५। प्रव्यथि | | | संप्रेष संबद्ध | १८१० *२९५३ | ततः | स विस्मि | १०५५ | ततश्च | जुह | •२८८३ |
| ततः | | | | रामध्य संवत्स | 680 | ततः ः | स शर | | ततश्च | | २७५३ |
| ततः | • | 1 | | संवास | | | स शिति | ا د ده. | | परिच | २५२८ |
| | पातः स | ,, २७०२ | aa: | रापाण संज्ञा | * ६ २४ | ततः ः | स सिंह | १६९६ | | | |
| | प्राह न | २०१५ | | | ., , , , | | सहस्रा | #२६०२ | | | #२९१० ११०१ |
| | त्राह् ग प्रीणय | * ? ३ २ ५ | | | i | | सहाया | 2080, | | | , ५, ५, ५, |
| | त्रायम् प्रीतश्च | 1 | | स काक | *१२१० | | . • | २०४२ | | | 2624 |
| | ^{भातव्य} प्रीतोऽभ | ६२६ | | | *१८१२ | ततः | सहायां | १८८६ | | • | |
| | ^{श्राताऽन} शक्नोति | १९१२ | | _ | २६६० | | _ | १८११ | | | *7396 |
| 11111 | | | | •• | * * * * * * | | | 1011 | 11111 | 11174 | 363 8 |

| ततश्चाष्टाढ | १८४६ | ततस्तु दान | *१५०५ | ततस्त्वमात्या | २९५४ | ततो द्वैपद | २३५६ |
|-----------------------------|----------------|------------------------------------|---|---|-------------------------------|------------------------------|--------------------------|
| ततश्चिच्छेद | २०२७ | ततस्तु द्वाप | ५९९ | ततस्त्वेकं घ | | ततो द्रुमाणां | १०९२ |
| ततदिचत्राङ्ग | *१०९१ | ततस्तु पश्चा | ७४४ | ततस्त्वैलवि | | ततो द्रोणश्च | २७०९ |
| ततश्चित्राम्ब | ,, | ततस्तु पूज | २९१० | ततस्परि ब्र | | ततो द्रोणो म | ર હે १ ५ |
| ततःचेडिब | १५०७ | ततस्तु प्राञ्ब | #698 | तत हन्ताह | १८७ | ततो द्वादश | २८७३ |
| ततरछत्रं ध्व | २८८३ | ततस्तु प्राङ्वि | ९६२ | तता अवरे | હષ | ततो द्वाभ्यां ब्रा | |
| ततइछेत्स्थामि | | ततस्तु ब्राह्म | २८९१ | ततायं वै म | १ ८५ | ततो द्वावपि | |
| ततस्त ऊर्ध्व | 880 | ततस्तु राज | २५४.१ | ततोऽगच्छत्प | * २०३४ | | २०७४ |
| ततस्तं छुन्ध | १०९० | ततस्तु राम | २९१० | ततो गच्छत्व | २०१२ | ततो धन्य ज | १४८२ |
| ततस्तं शिति | ۶ ۷ ه ۷ | ततस्तु शङ्ख | २८८० | ततो गच्छिस | * ,, | ततो धर्मार्थ १ ततो धाराकु | १४८,१५१ <i>१</i> १०८६ |
| ततस्तं संन्ट | १२१३ | ततस्तु शत्र | ७४५ | ततो गते शा | १०९१ | ततोऽधिकः स | - २८७७ |
| ततस्तताम | હ ષ્ | ततस्तु शृणु | ९५९ | ततो गन्धमा | २६५९ | ततोऽध्यायस | પ હે |
| ततस्तत्र य | * १४६३ | ततस्तु सर्पि | २९०९ | ततोऽग्रिमुप | ६४२ | ततो न उग्रो | ३४३ |
| ततस्तथा वि | १०७० | ततस्तु सर्वा | २४९९ | ततोऽग्रहार | २९५ ४ | ततोऽनयत्कु | १६९६ |
| ततस्तदग्न्यं | ६५० | ततस्तु सात्य | २७११ | ततो जगति | ७९४ | ततो नास्त्यधि | રદ્દે હ જ, |
| ततस्तदाग | ८५८ | ततस्तु स्वपु | २८२४ | ततो जग्राह | ६४२ | i | ७८७,२७९० |
| ततस्तद्दर्श | # ₹९८० | ततस्ते कर्म | १५४३ | ततो जयज | २८९३ | ततो निर्वास | १०६८ |
| ततस्तद्दान | १ ५०५ | 1 | २३५३ | ततो ज्येष्ठं घृ | २९०५ | ततो निशाच | २६.५ ७ |
| | | ततस्तेन त | १६९७ | ततोऽथ राज्ञः | - | ततो निश्चित्य | २०५१ |
| ततस्तद्रूप | " (9 0 | | १०९२ | ततो दक्षिणं | २६५७ | ततो निष्कस | |
| ततस्तद्वच | #८१९ | ततस्ते पाण्ड | # १८९६ | ततो दत्तेन | #602 | | |
| ततस्तद्यञ्ज | २१०९, | . ~ | • | ततो ददुर्ली | 200 | ततो निष्पाण्ड | |
| | २६४२, प९ | ततस्ते ब्राह्म | " २३५३ | ततो ददौ न्ट | . ,, | ततो निहन्त्या | ८५८ |
| ततस्तमब | १०५५ | ततस्ते मन्त्र | २४२४ ८४६ | ततो दीसश्च | क्ष् र५०८ | ततो नीत्वा पु | २८७७ : |
| ततस्तस्माद | ६०७ | ततस्ते मन्त्रि | २९४ १ | ततो दुःशास | २७१८ | ततोऽनुलिप्तः ९ | |
| ततस्तसाद्ध | २०२७ | ततस्ते वान | २९ ४३ | ततो दुर्गे च | ६८९ | ततोऽनु लिम्पे | २५४३ |
| ततस्तसै ध | ३५६ २४९८ | ततस्तेषां गु | *१८९ २ | ततो दुर्योध | ³ १६६६ , | ततोऽनुवाद | २९ ३ ७ |
| तंतस्तस्य न ततस्तस्योत्त | | ततस्तेषां म | * 10 \ 7 | | १९१,२७०९, | ततोऽनृणो भ | # २६०.० |
| ततस्तां नृप | 1 | ततस्तेषां वि | #8000 | , - | २७१३ | ततो नैमित्ति | २६ ३७ |
| ततस्तां भग | | ततस्ते सम | 1 | ततो दृष्ट्वा स | १६९५ | ततो नैर्ऋत | २५०८ |
| ततस्तान्कल | | ततस्त सम ततस्तैर्वान | () () | ततो देवग | २८६१ | ततो नो व्यव | ६१८ |
| ततस्तान् भेद | | ततस्तवान ततस्ती नर | # / 20 / | ततो देवा अ | ३ ३५ | ततोऽन्तरमे | २७१३ |
| ततस्ताम्यां कु | | | (,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,, | | २४९८ | ततोऽन्यतमे | २६५७ |
| ततस्तीक्ष्णाग्र | i | ततस्त्यजन्ति ततस्त्रेतायु | | ततो देवाः स ततो दे वानां | 48 7C ६ २ | ततोऽन्यतोऽप | 2888 |
| ततस्तु कोटि | | ततस्त्रताथु ततस्त्वं भ्रातृ | | तता दवाना ततो देवीं स्ना | • | ततोऽन्यत्र म | ર ૨૪૬૪: |
| ततस्तु अह | | ततस्त्वं मे प्र ततस्त्वं मे प्र | | तता देवा स्ना ततो देवो म | | ततोऽन्यथा रा | १२४०, |
| ततस्तु दर्श | , , | ततस्त्वं सर्व | | तता देश न ततो दौवारि | 8800 | | १८०९ |
| \frac{1}{2} | | | 4101 | जना जीताद | 1000. | | |

| ततोऽन्यस्य ह | اعدد | ततो भीष्मश्च | 12008 | ततो राजकु | १२१५ : | ततोऽवस्थाप्य | २७६ 🖁 |
|--|------------------|--------------------------------|-----------------------------|---------------------|----------------------|-------------------|-------------|
| तताऽन्यस्य ६ ततोऽन्यो व्यव | | | | ततो रा ज् य | 80X5 | ततो वा इन्द्रः | ३६५ |
| तताऽन्या ज्यव ततोपदिष्ट | ६२६ | ततोऽभूद्द्रि ततो भूयस्त | 1 | ततो राजा दू | 2 0 2 | ततो वा इन्द्रो | २७ |
| ततोऽपनीय २९० | | | | | | ततोऽवाङप | २९५ |
| तताऽपमाय २८० ततोऽपरागा | 3,3300 | | 623 | ततो राजाम | | | २३५७ |
| ततोऽपराज | | ततो भेरीश्च | 234× | ततो राजा मु | | ततो वादित्र | |
| ततोऽप्रेऽह्नि ततोऽप्रेऽह्नि | २८७७, | ततोऽभ्ययान्म | 3 | ततो राजा स | | ततो वाहं स | १५१७ |
| (((131/3)4) | 2962 | तताऽम्थयान्म ततो मण्डप | | ततो राजेति | ľ | ततो विग्रह | २०६८ |
| ततोऽपरो म | | तता मण्डप ततो मध्ये न | 2063 | ततो राज्ञः प्र | , | ततो विचार | ९८३ |
| | | तता मध्य न ततो मनुंब्या | 1 | ततो राज्ञः स | २५४३ | ततो विज्ञात | १२२१ |
| ततोऽपश्यत्सु ततोपसर्गा | | तता मनु ज्या ततोऽमरेन्द्राः | 2899 | ततो राज्ञां भ | २४३७ | ततो वितक्यीं | २१८८ |
| ततापसगा ततो विलंह | | तताउनरम्भाः ततो महर्ष | १५ <i>०</i> ६ | ततो राज्ञाम | " | ततो विरूक्षि | २९०९ |
| तता वाल ह ततो बल्बजा | | | २९७४ २९७४ | ततो राज्ञो वि | ९४३ | ततो विसर्ज | २७०२ |
| तता बल्बजा ततो बाणंस | * १५१ ७ | ततो महाज ततो महीं प | . ७९७ | ततो राष्ट्रं ब | १०७ | ततो वैको ना | ४७८ |
| | | | • ' | ततो राष्ट्रस्य | ७२४, | | |
| ततो बाल्याच ततो बाह्यस्थि | #२०३५ २७०१ | ततोऽमात्यांस्त | • | , " | # ११०० | ततो वै तसी | २८ |
| | ર | 1 | ९१९,१०४३ | ततो. रिपुब | २६८६ | ततो वै ते ता | ४२९ |
| ततो बृहस्प | ६२६ | " " ' ' ' ' ' ' | २६४१ | ततो रुधिर | १६९६ | ततो व देवा | ४७९ |
| ततोऽब्रवीद्वै | १६२३ | ततो मुनिज | १६९७ | त्तोऽ चीस्नप | ^२ २८६० | ततो वैदेह १७ | |
| ततोऽब्रवी न्म | ११०३ | ततो मुहूर्ती | ६५० | | ६४७,२०२२ | ततो वैन्यं म | ११२३ |
| ततो ब्रह्माऽ थ | २८७७ | ततोऽमृताम | २९१३ | ततोऽधे विज | 2230 | ततो वैन्यभ | ,, |
| ततो ब्रह्मा सु | ८०७ | ततो यथास्व | ं २६५७ | L | | ततो वै भक्ष | १८८७ |
| ततो बाह्मग | २९५२, | ततो यववि | ,, | ततोऽर्धधर | २६५ १ | ततो वैश्रव | શેદ્દ ૨૨, |
| | २९५४ | ततो यष्टिं श | | ततोऽर्धभाग | १५२० | १६ | .२३,२३७९ |
| ततो भद्रास | २९५० | ततो यात्रादि | | ततोऽर्धमर्ध | २२३० | ततो वैस इ | 428 |
| ततो भयं प्रा | ६२८ | | २०७४ | ततोऽर्धमाप | २ २५९ | ततो वैस त | ३६५ |
| ततो भर्तरि | १७०८ | ततो यानि | | ततोऽर्धमास | ३०४ | ततो वै सर्वे | ३३२ |
| | ૨૨,૨ં ૭५૬ | | | ततोऽध्वगात्रं | "१५२० | ततो वैस स | ३५०,३६५ |
| तंतो भवत्य | २०२५ | | २४८३,२९१६ | ततोऽलंकृत | ९६७ | ततोऽश्वमेध | १ं५१२ |
| ततोऽभिमन्त्रि | २८८४ | 11111 3411 | २०८२, २,२,२ *२३५३ | ततो स्ब्धज | २८६७ | ततोऽश्वाः सुम | २८८३ |
| ततोऽभिषिकते | २३५७ | 1 3 ~ . | २७०८, | 4 | २५३७ | ततोऽसा वेव | २८८० |
| ततोऽभिषिञ्चे | २९४६ | 1 | ७१२,२७१ ५, | | ६४९ | ततोऽसुरा अ | १११,५२९ |
| ततोऽभिषिषि | २३५ ७ | 1 | *2084 | | १९०० | ततोऽस्त्राः सुम | *२८८३ |
| तताऽा ना त्राप ततोऽभिषे क | 28 319 | ततो रक्षः स | २८५ | ततो वराहः | ૨ ९૪ | | • |
| तताऽ।मधम | २८८३ | | २६३ १ | ततो वर्षस | | | २३९५ |
| | | ततो रक्षोरू | २६ ३ ७ | 1001 440 | १५०४ | 2 - 6 | |
| ततोऽभिषेकं | | ततो रसवि | 2638 | 111124211 | १८८८ | - | ७९१ |
| | | | | | ५५७,६०० | | |
| ततो भीमो म | २७९६ | ्ततो रसेना | ्र६२३ | स् . | २३८ | ्रततोऽहं प्रजा | ३५६ |
| | | | | | | | |

| ततो हतप | १३९९ | तत्कृतं कर्म | १७२७ | तत्तद्दे द्विगु | २९८९ | तत्परोक्षं क्ष | २७४ |
|-------------------------|---------------|------------------|---------------|------------------------------|----------------|---------------------|--------------|
| ततो हात्यरा | २३९ | तत्कृतं मन्य | | तत्तद्वोऽहं प्र | | तत्पलशत | २२७ २ |
| ततो हि याया | २६ ७४ | तत्कृतोऽहं त्व | | तत्त्रनामाक्ष | | तत्पशुष्वनु | २९० |
| ततो हेमप | २९ ४३ | तत्कृत्यमभि | २०३० | तत्तन्मतानु | | तत्पशुष्वन्व | " |
| ततो हेमप्र | o ,, | तत्क्रियाबलि | १३५७ | तत्तमोऽपह | २६ ३ | तःपश्चनामे | २९४,२९६ |
| ततो हैव वि | %C • | तत्क्रोधवह्रौ | १३५८, | तत्तस्य मा भू | २६१२ , | | २५६ |
| ततो होमाव | २८७ ८ | | १९७८ | | २७७६ | तत्पाकः।श्र | १११ ९ |
| तत्कथं माह | 2 | तत् क्लिश्यन्नि | रे १७१९ | तत्तारयत्य तत्तार्प्यमिति | ७२१ २७९ | तत्पादान्वेषि | १७१२ |
| तत्कथ माह तत्कथं घोड | १५०५ २९८७ | तत् क्लिश्यन्नाप | T * ,, | | | तत्पापभाग | १७५६ |
| तत्कथाश्रव | २५८७ १७१७ | तत्क्षणाद्यदि | २८८६ | तत्तुकर्मत | ६२९ | तत्पापमपि | ९०९ |
| तत्करिष्याम्य | १०८९ | तत्क्षणे चम | २९२९ | तत्तुल्यः कोऽपि | २८७९ | तत्पाप्मानम | २६ २ |
| तत्कर्तव्यमि | १३२१ | तत्क्षत्रस्य रू | રેશ્વ | तत्तुल्येनैव | २५९१ | तत्पालनादि | ७३० |
| तत्कर्म कुर्या | #१०१ ६ | तत्खल्ज सद्भि | ७६९ | तत्तु शक्यं म | * ११०३ | तत्पुत्रः केन | ८५८ |
| तत्कर्मणि प्र | १२०५ | तत्तज्जात्युक्त | १४२९ | तत्तु शक्यं य | ,, | तत्पुत्रयोः प | ** |
| तत्कर्मनिय | १०१६ | तत्तण्डुलाना | રદ્દપ | तत्त्र्डीपक्ष्म | #9८८ | तत्पुत्राश्चाल्प | " |
| तत्कर्मा तुन | *8496 | तत्तकरोति | ₹ ₹00, | तत्तेजसा म | २८६७ | तत्पुनर्यज्ञ | २६४ |
| तत्कर्माप्तो न | ,, | | • १५८४ | तत्ते विद्वान् | ३९७ | तत्पुरं राज | १९८७ |
| तत्कल्पकैः प्र | 966 | तत्तत्कार्येषु | • • • | तत्ते सर्वे प्र | ६०५ | तत्पुरुषाने | २५६ |
| तत्कल्पितस्य | ७२८,१४१६ | तत्तत्काले ख | | तत्तेऽहं संप्र ८ | ३४,२००६ | तत्पुरुषाय | ३००१ |
| तत्कामशास्त्रं | ८९२ | तत्तत्सफल | २३७४ | तत्त्वं धर्मे वि | २४३ ४ | तत्पूजने त | ७४१ |
| तत्कारितप्र | २२०३ | | २ ९१३ | तत्त्वं शृणुष्व | १५०३ | तत्पूर्वस्थाप | २४६२ |
| तत्कारिता प्र | ,, | तत्त्त्सर्वमु | ε | तस्वभता ग्र | * 3 908 | तत्पृष्ठगांश्च | २६८९ |
| तत्कार्यकार | १७४६ | तत्तत्सलक्ष्म | ३३४,३५० | तस्वया न क्ष | १९०२ | तत्पृष्ठे विंश | २७५२ |
| तत्कार्यजात | १८३८ | तत्तत्सांकर्या | १४२९ | तस्वादिसंख्या | ८९१ | तत्प्रजाः पुत्र | २८२५ |
| तत्कार्ये कुश | २३४० | तत्तथा न कु | २०२ | तत्त्वाभेदेन | ६५१ | तत्प्रजापाल | १४१४ |
| तत्कि मुधा धा | ८५८ | तत्तथा नान्य | ७२३ | तत्पञ्चदश | 288 | तत्प्रतापेन | २१२१ |
| तत्किं वरं प्र | २६ ९३ | तत्तथा पुरु | १८९९ | तत्पञ्चविधं | १९२० | तत्प्रतिरूप | २२४० |
| तत्कुमारनि | २७०२ | तत्त्रथेत्यब्र | १९५ | तत्पत्रं वादि | 2680 | तत्प्रतिष्ठः स्मृ | १८२३ |
| तत्कुरुव म | ६११ | तत्तदवक्ल | 170 | | ٦ | तत्प्रतीकार | २६ ०९ |
| तत्कुलीनम | १२८३, | तत्तदामोति | • • | तत्पदानी ष्टि | २७८६ | तत्प्रत्यक्षं क्ष | २ ७५ |
| | ६२३,२६२५ | तत्तदा मन्यु | # १९९९ | | २३३९ | तत्प्रदिष्टः प | २३१९ |
| तत्कुलीनाव | २०६८, | तत्तदिती ३ | १९७, | तत्पदा प्रत्य | २८५ | तत्त्रमाणं प्र | ५६५ |
| | २६ २ ० | 8 | ९८,२०१, | तत्पदे तस्य | १७४८ | तत्प्रमाणं ब्रा | 99 |
| तत्कुलीनेन | १ ९६० | | २१७,२२३ | तत्परमेष्ठी | २८ | तत्त्रमाणं स्व | <i>0</i> 88 |
| तत्कुवलस | | तत्तद्धर्माण | | तत्वरस्तु सु | | तत्त्रमाण् य | २८३ ९ |
| तत्कृ टस्थानी | १५५० | तत्तद्भदय १५ | २५,२३४२ | तत्प रास्तत्प | १८८० | तत्व्रमाणे र | २७५ ३ |
| तत्कृण्मो ब्रह्म | ₹ ९.५ | तत्तद्राज्यानु | | तत्परिमित | २९९ | तत्प्रमाणोऽव | १०८४ |

| तत्प्रयोज्यम | २७५१ | तत्र | तिर्यग्वृ | ২ ৩২৩ | तत्र | पणब | २०५५,२०८४ | ানস | राजा ध | [२४३८ |
|------------------|------------------------|------|-----------|----------------|------|-----------|-------------------|------|--------------|----------------|
| तत्प्रलोभास | २१८४ | | | २४८५,२९१७ | | | | | राजा भ | |
| तत्प्रविश्य क्षु | ६३६ | | त्यानि दै | ११४३, | | | | | राज्ञः प | |
| तत्प्रविश्य य | १७९६ | | | २३४८ | | | | | राज्ञो व | |
| तत्प्रसूतः क | १६१३ | तत्र | त्वमभि | २९३९ | | | | | रामो ह | |
| तत्प्राप्तिपत्रं | १५३४, | | | ७२०,१४१५ | | | | | वक्ष्यामि | |
| | १७५७ | | दम्यः प | | | | | | | ७२४ |
| तत्त्रीत्या च म | ६५८ | तत्र | दर्भम | 2686 | तत्र | प्राह न | | | | # १४७४ |
| तत्फलं कोटि | २८९८ | तत्र | दशब | २ २२२ | तत्र | प्रेत्य म | | | वास्तुप्र | १ ४९७ |
| तत्फलस्य हि | १३५७ | तत्र | दाक्षिणा | १४१४ | तत्र | फलद्वि | | | विप्रान् | २९१ २ |
| तत्याज गोप | १४७४ | तत्र | दाता न | | | भद्रास | २९३ ५ | | | २८३६ |
| तत्र कर्मसु १४४० | | तत्र | दाता नि | ,, | तत्र | भविष्ये | | | त्रीडाकु | 6 ξ ξ 0 |
| तत्र काकस | २८०० | तत्र | दानेन | प३ | तत्र | भुक्त्वा | | | शक्रध्व | २८७३ |
| तत्र कालप | १८३६ | तत्र | दिक्शू | २४७० | तत्र | भूता ग्र | २९०१ | तत्र | शकोप | २७१७ |
| तत्र काले क | २४६३ | तत्र | दिव्याप्स | १०२६ | तत्र | मर्ती वि | 808 | तत्र | হাসুৰ | १४९४ |
| तत्र कालेन | १३४९ | तत्र | दीर्घा य | २८४७ | तत्र | मित्रब | १५०८,२५५३ | तत्र | शस्त्राणि | 8000 |
| तत्र किं मन्य | २००३ | | दुर्गे नृ | १४६१ | तत्र | मेध्येष | । १०६६ | तत्र | शस्त्रास्त्र | # १५१४ |
| तत्र कुर्यान्म | 3988 | तत्र | दुर्गाणि | १४५८, | तत्र | मे निः | | | शान्तिद्व | २९ २० |
| तत्र कृत्वात | २५४० | | | १४७४ | तत्र | मे संश | २९८६ | तत्र | शान्ती : | प्र २९१२ |
| _ | २२०७५ *२ ७७५ | तत्र | दुष्प्रकृ | १४४४ | तत्र | मे श्वव | | तत्र | शिश्रिये | ६९ |
| तत्र केचिद्बु | | तत्र | दूतो व | १६८६ | तत्र | यचेत | # १७९२ | तत्र | शङ्गे हि | ६१८ |
| तत्र केऽप्यकृ | ८४१ | तत्र | दैवम | * २४०२, | | | 2008 | | - | * २९४० |
| तत्र कोशंब | १७६६ | | | २४०५ | तत्र | यथाव | | | ट रलोकाः | २८५३, |
| तत्र क्रमः | १४४२ २८३२ | | द्वादश | २२२२ | | यद्भूयि | | | | 2668 |
| _ · | * २८ ८९ | | धन्वनृ | १४४१ | | 44 | १७७२ | तत्र | संरच | २७५ १ |
| तत्र गत्वाद | २८८७ | | धर्मवि | १३२२ | तत्र | यन्मानु | १७६६ | | संशयि | २८०१ |
| तत्र गत्वा व | २९८५ | | धर्मार्थ | १७६७ | तत्र | यन्मुष्य | १३८४ | | सङ्गाग | १८१२ |
| तत्र गर्वे रो | ९२३ | तत्र | धर्मीप | १२२७ | तत्र | यातुर्भ | २४७१ | | सदा दु | १४३६ |
| तत्र घोरत | १५०४ | 1 | धारा स | २९०३ | तत्र | यात्रा न | r ,, | | सदैव | ९ १५ |
| तत्र चत्वारः | ३ ५२ | | ध्वजयु | २८३८ | तत्र | यात्री स | | तत्र | समयः २ | ४७०,२८४४ |
| तत्र चाऽऽगत्य | २०२० | 1 | नः प्रथ | २००० | तत्र | यास्यामि | | तत्र | सर्वत्र | १५४७ |
| तत्र चामरो | २८३९ | | न व्यव | | | युक्तम | ११९६ | तत्र | साक्षाद | ७२०,१४१५ |
| तत्र चेत्स्प्र | •५६६ | | नाम स | | | येऽनुप्र | १६४८ | | | १९४७ |
| तत्र चैत्रादि | | | नो ब्रह्म | # ९४६ | तत्र | योऽन्यत | क २४३५ | तत्र | साधुस | ७२१,१४१६ |
| तत्र जयाख्य | १४९४ | | | २७०१ | | | २०∙२ | तत्र | | 1988 |
| तत्र तत्र च | २३३३, | | | ३०३ | নস | रत्नोप | १३ २८, | तत्र | साम प्र | १८०५, |
| * २३६५, | | | | २२ २२ | | | २२ १२,२२२२ | | | ૧૧૫,૧૧૪૫ |
| तत्र तत्र य | १४६३ | तत्र | पञ्चाव | १९५० | तत्र | रसदा | | | सामान्य | २८४७ |
| | | | | | | | - | | | 1000 |

| तत्र सामान्यं | २८४४ | तत्रापि तस्य | २१३ ५ | तत्रको दीर्घ | # २०१७ | तत्समक्षं हि | .२३४९ |
|--------------------|---------------------|--------------------|----------------------|--------------------------|---------------|--------------------|--------------------------|
| तत्र सिद्धिर्ग | * २३७६ | l . | | तत्रैतद्भव | | तत्समर्थे शु | २००३ |
| तत्रस्थं त्वां न | २७१८ | तत्रापि बहु | २०९९ | तत्रैतांश्चम | २०५ | तत्समानो भ | *१२१७ |
| तत्रस्थः कोश | १०१० | तत्रापि महा | २१०० | तत्रैतान्पर्व | ७२ | तत्समृद्धम् | ે ર ૨ १ ૪ |
| तत्रस्थश्चतु | २८५७ | तत्रापि मुक्त | १५१६ | तत्रैतावमी | , ,, | तत्समो वा भ | :१२१७ |
| तत्रस्थां चित्र | २८७५ | तत्रापि यथा | | तत्रैन्द्रेण च | #200 | तत्सर्वे कृत | ર ९४२ |
| तत्रस्थाः प्रकृ | २२९१ | तत्रापि युक्त्या | १२२४ | तत्रेन्द्रेण तु | ,, | तत्सर्वे तिल | २८५० |
| तत्र स्थाता क्षि | १४९५ | तत्रापि रैव | १४१५ | तत्रैव कल्प | १४८५ | तत्सर्वे देव | . १४७८ |
| तत्रस्थान् गण | १४९० | तत्रापि वारि | २१०० | तत्रैव कुरु | | | [ः] *६५८ |
| तत्रस्थान्त्राह्य | ९५९ | तत्रापि शुद्ध | # 2834 | तत्रैव चत | १४६२ | तत्सर्वे राज | ५७७ |
| तत्र स्थितः प्र ९४ | , ५, १ ७ ७ ५ | तत्रापि संधिं | र २१२९ | तत्रैव चाम | २८३९ | | 600 |
| तत्रस्थो दोष ' | १७०८ | तत्रापि सुम | १९६९ | A > | २८५४ | तत्सर्वे विस्त | २९२८ |
| तत्रस्थो ब्राह्म | ९६ ० | तत्रापि स्थल | ૨ ૨ . ૧ ૫, | तत्रैव धर्म | #२७११ | तत्सर्वे सर्व | २८४३ |
| तत्र स्नायुम | २०२० | 14114 (40) | २०९९ | तत्रैव पर | ८५९ | तत्सर्वे हिय | . १९८७ |
| तत्र सा नित्यं | २०२१ | तत्राप्यतथ्यं | १९४७, | तत्रैव रात्रौ | २५४० | तत्सर्वमुप | ं६३२ |
| तत्र समत्त | # २०४८ | | १९४८ | तत्रैवाऽऽयुध | २८८९ | तत्सर्वसादे | २५७ |
| तत्र स मत्ता | ,, | तत्राभिगृद्धा | | तत्रैष पक्षो | २४५८ | तत्सर्वाश्चैवै | . २४९ |
| तत्र स्वस्वग्रा | १३८५, | तत्राभिजन १८३ | | तत्रैषा पर | २००० | तत्सलोम क्रि | ६ : २८१ |
| | २२०८ | तत्रायं सर्व | १७६६ | तत्रोत्तरे हि | १४१४ | तत्सवितप्र | ११२ |
| तत्र स्वामिसं | ११७७ | तत्राऽऽरण्यक | ५८३ | तत्रोपजापः | १९६० | तत्सहजं मि | १३०१ |
| तत्र ह कुरु | ४६८ | तत्राऽऽरण्यो ग्रा | રષ્ષ્પ | तत्रोपयुक्त | | तत्सहस्रेण | ३ १९ |
| तत्र ह जन | " | तत्रा रथमु | | तत्रोपविष्ट | | तत्सहायब | २६९ १ |
| तत्र हीनच | २२२२ | तत्रार्थः सह ६६ | | तत्रोपविष्टो - | २९३६ | तत्सहायैर | १४११, |
| तत्र ह्यनेक | १३८६ | तत्रालसा म | २३९३ | तत्रापायटा तत्रोमिकलि | १५०४ | | १६५३ |
| तत्रागच्छत्प | २०३४ | तत्रावशः सा | ९२३ | तत्रामकाल तत्रीपवेणु | | तत्साधकानि | १४८२ |
| तत्राऽऽगतं तु | १४८९ | तत्राऽऽवसेत् | १४७४ | _ | ````` | तत्साधुमन्त्रो | १३६५, |
| तत्राऽऽगमय | ६२६ | तत्राऽऽसीनः स्थि | 0.00 | तत्त्रडृत्न्यु | ३०८ | | १७८२ |
| तत्रातिगृद्धा | # १३८५ | तत्राऽऽत्तानः ।स्य | \$ 98 K | तत्संख्या चेद | २८४८ | तत्सारं तुव | ५३४, |
| तत्राऽऽत्मभूतैः | ९४६, | तत्राध्य बुद्धि | च ३९५ २३९५ | तत्संख्याशत | " | | ७६ ० |
| (14122/47/4) | ९७९ | तत्रास्य योग | २६२८ | तत्संदेहिव | १३७१ | तिसद्धानुदा | २६४७ |
| तत्राऽऽत्मानं शो | १६२१ | तत्रास्य स्नप | 17 10 | तत्संधिः संश्र | #२०७५ | तिसन्धुपति | २७०५ |
| तत्रादानेन | i | तत्राहं योज | १२३० | तत्संधेः संश्र | ,, | तत्सीसचतु | २२४६ |
| तत्राऽऽदावेव | १५१४ | तत्रेतिहास | | तत्संभूतेषु | 1 | तत्सीसेनाप | २८५ |
| तत्राऽऽदिपञ्च | | तत्रेन्द्रः सोम | | तत्संहताना | २६२५ | तत्सुखमप्य | ९०६ |
| तत्राधिकर | 2280 | तत्रेयमनु | 1 | तत्सङ्गात्परि | #2203 | तत्सुतं तत्क | ८६३ |
| तत्रा नो ब्रह्म | ४५१७ ४ ९६ | तत्रेयमर्थ | | तत्सङ्गात्प्रति | | तत्सु नो विश्वे | ३७८ |
| तत्रापि चक्र | २ १ ०१ | तत्रेह वै द | 1 | तत्सत्यम् | | तरसु वां मित्रा | . ३५ |
| तत्रापि च गु | | तत्रैकं पुण्ड | હ | तत्सपिण्डेषु | | तृत्सूर्यः प्रब्रु | ३९७ |
| 7 | · | , | , ,1 | | • • | | |

| तह्सूर्यस्य सू | ٠ ٦٧ | तथाऽऽख्यातवि | _ध ५७५ | तथाऽऽच्छादय | | तथा नक्षत्रा | • २४३६ |
|------------------|----------------|------------------|------------------|------------------------|---------------|-----------------|----------------------|
| तस्सैनिकाः प | २४६७ | तथा गरुड | * १४७० | २५ ४ | ५,२८९२ | तथा न पीड | १५३५ |
| तत्सैन्यं कुञ्ज | | तथा।ऽग्निलक्ष | २५४१ | तथा जनप | ११६५ | तथा नरेन्द्रः | १ ५४ ५ |
| तत्सोमपाने | | तथा ग्रामश | १४०५, | तथाजातीय | ७ २९४१ | तथा नरेन्द्रो | ८०४ |
| तत्स्त्रयं सज्ज | १७४९ | | २३२९ | | २८७५ | तथाऽनर्थः सं | १९२९ |
| तत्स्थानं कथि | २१८४ | तथा च कृत | १२१५ | तथातं लोकं | २९५ | तथान लिप्य | ७१९ |
| तत्स्थानं नीति | 33 | तथा च क्लेश | १०१४ | तथा तत्कुरु | ८४२ | तथाऽनात्ययि | ९४२ |
| तत्स्थानाच्चापि | | तथा च तव | २५३८, | तथा तत्प्रति | ७४० | तथा नानावि | २५४० |
| त्तत्थरीभाव | १२०५ | | २८९३ | | ५३८ | तथाऽनी कस्य | २७३३ |
| तत्स्थूरि भव | • ` ` ₹₹४ | तथा चतुर्भि | १७१६ | तथातथाज | १३२६ | तथा नीतिस्तु | હિફ ફ |
| तत्स्यात्षोडश | १३८२ | 3m -3fir. | १७०८ | | १३२० | तथा नीत्वा ग्र | २८७५ |
| तत्स्यादायुध | १४५७ | तथा च धीरः | રૂપહષ | | २०८२ | तथाऽनुलिप्तं | * ९८२ |
| तत्स्वकोशात्प्र | & १ ०६६ | तथा च नित्य | १९०३ | तथा तथैवा | २८४४ | तथाऽनुलोम | २६६ ९ |
| तस्वदेहे द | १०८८ | तथाच पश्चि | २४६२ | तथा तदुप १९४ | १७,१९४८ | तथाऽन्तर्भेद | २११ ४ |
| तत्स्वभावात्म | २३७३ | तथा च बहु | # ₹५०४ | तथा तदुभ | ७१९ ४७ | तथाऽन्यानपि | १२११, |
| तत्स्वयमुप | १२८३ | तथा च मधु | ७३४ | तथा तमनु | २१३२ | | १६६५ |
| तत्स्वादेवैत | २९२ | N . | २८८३ | तथातस्य प्र | २१४४ | तथाऽन्ये द्रव्य | १५७८, |
| तत्स्वामिच्छन्दो | २०८१ | तथाच मां प्र | १६२३ | तथा तस्यह | २००९ | | १५८१ |
| तथा औज्ज्वस्य | ৬४० | तथा च रक्षा | १४१९ | तथातुक्ल्प | २७३२ | तथाऽन्ये वर्ण | २८९८ |
| तथांऽशपञ्च | १३७२ | तथा चलित | १२२९ | तथातु कुर्वी | ११८५ | तथाऽन्ये संत्य | २००८ |
| तथा कनक | 3008 | तथा च वात्स्यः | २८८८ | तथातुतव | २५४६ | तथाऽन्ववीक्ष्य | २०३४ |
| तथाऽकरोद्वा | २०४७ | तथा च विन | १०१२ | तथाते कथ | १७१२, | तथा पक्षिग | * १५०३ |
| तथा कर्कट २७३ | | l | २८३० | | २८९९ | l | |
| तथा कमणि | # १३ १८ | 1 | १८०१ | तथाऽऽत्मनि म | ११६९ | तथा पयस्व | ४३५ |
| तथा कलियु | ६५४ | 2 | ६४७, | तथा त्वमपि | १९४६ | तथा परश्व | २६७० |
| तथा कार्यय | १३६० | 1 0.00 | ४,१४९७ | तथात्वयाप्र | २०३८ | तथाऽपराधं | १९८८ |
| तथा कुन्दाव | २९६८ | | १२७१ | तथात्वासवि | २४ १ | तथा परोक्ष १२ | |
| तथा कुम्भाम | 恭), | तथा चाऽऽन्वीक्षि | | 1 - | | तथा पाक्षिक | १४२८ |
| तथा कुम्भाव | \$,, | तथा चाऽऽपणि | १३७७ | 1 | | तथा पाण्डुर्न | #C8\$ |
| तथा कुरु म | १६९५ | ्तथा चापसृ | * १ ५८८ | | २५३७ | तथा पापं नि | <i>%</i> ८१५ |
| तथा कुरूणां | १८९४ | तथाऽऽचारव | # 2५५३ | 1 | | | ८१५,८२२ |
| तथा कुयांच | रं६२० | | | तथा द्रुप्द | | तथा पाषाण | # ₹९२७ |
| तथा कुर्वस्त्व | १०७७ | | | तथा द्रोणेन | | तथाऽपि च गु | १८५७ |
| तथा कृतस्य | १३८७ | तथा चारैः प्र | | तथा धर्मी धा | | तथाऽपि तु न | २७७५ |
| तथा केतुं नृ | २८७८ | | | तथा धम्यणि | | तथाऽपि तेषां | १९५८ |
| तथा कोशस्तु | | तथा चेक्षुम | | तथा धाताक | २४६ | तथाऽपि न स | १०९७ |
| तथाऽऽऋन्दाभि | | तथा चोपाख्या | | तथा घाता द | * ,, | तथाऽपि नाभ | २५३० |
| तथा खातत्रि | . ५७५ | तथा चीर्याप | १६५४ | [।] तथाऽधिवास | 266 | तथाऽपि पूर्व | १३६० |
| | | | | | | | |

| तथा प्रकल १०००, तथा प्रकल १०००, तथा प्रवेश्य ह १३६६ तथा प्रकल १०००, तथा प्रकल | तथाऽपि प्रति | २६ २ १ | ंतथाऽमात्या च | ा १८४९ , | तथाऽर्धसप्त | १४६० | तथाऽवेक्य न | १३६१ |
|---|---------------------------------------|---|----------------|-----------------|-------------------------|---|--------------|---------|
| तथा पुष्प १००६ तथा मित्राणि ६५८ तथा पुष्प २३४३ तथा यः प्रति ५६५ तथा पुष्प १०१०, तथा यः साति १६६६ तथा वचन १६०६ तथा वचन १६०६ तथा वचन १६०६ तथा प्रवास १६१८ तथा प्रवास १६१८ तथा प्रवास १६१८ तथा प्रवास १६१८ तथा प्रवास १६१८ तथा प्रवास १६१८ तथा प्रवास १६०६ तथा प्रवास १८०६ तथा प | तथाऽपि लोके | * ₹४४७ | • | | | १२७०, | तथाऽवेक्य नृ | १३३६ |
| तथा पुष्पत | तथा पुरुष | १७०९ | तथा मित्राणि | ६५८ | १५ | २८,१७५७ | तथा वैधर | २२९४ |
| तथा पुष्पम ७४० तथा यः साक्षि १३६९ तथा उत्पादमाय १८१४ तथा उत्पादमाय १८१४ तथा वचन २०१४ तथा व्याप्तम १६८६ तथा वचन २०१४ तथा प्रकृत २६४० तथा उप्पत्त २६४० तथा उप्पत्त २६४० तथा उप्पत्त २६४० तथा उपप्तत २५४० तथा उपप्तत २६४० तथा उपप्तत २६४० तथा उपप्तत २६४० तथा उपप्तत २६४० तथा उपप्तत २६४० तथा उपप्तत २६४० तथा उपप्तत २६४० तथा उपप्तत २६४० तथा उपप्तत २६४० तथा उपप्तत २६४० तथा उपप्तत २६४० तथा उपप्तत २६४० तथा उपप्तत २६४० तथा विवात २४४० तथा विवात २४४० तथा विवात २४४६ तथा विवात २४४६ तथा विवात २४४६ तथा विवात २४४६ तथा विवात २४६६ तथा विवात २४४६ तथा विवात २४६६ तथा विवात २४६६ तथा विवात २४६६ तथा विवात २४६४६ त | तथा पुष्करि | २३४३ | तथा यः प्रति | ५६५ | | | 1 - | ५८७ |
| तथा प्रचाय १०१०, तथा यद्माम १३८६ तथा वचन १०१४ तथा व्याप्त विष्ठ १६४०,१९१६ तथाऽयनेऽय १५४४ तथाऽवम्य १५०० तथा व्याप्त १९४८ तथा व्याप्त १६४० तथा व्याप्त १६४० तथा व्याप्त १६४० तथा व्याप्त १६४० तथा व्याप्त १६४० तथा व्याप्त १६४० तथा व्याप्त १६४० तथा व्याप्त १६४० तथा व्याप्त १६४० तथा व्याप्त १६४० तथा व्याप्त विष्ठ १८२० तथा व्याप्त विष्ठ १८२० तथा व्याप्त विष्ठ १८२० तथा व्याप्त विष्ठ १८२० तथा व्याप्त विष्ठ १८२० तथा व्याप्त विष्ठ १८२० तथा व्याप्त विष्ठ १८२० तथा व्याप्त विष्ठ १८२० तथा विष्ठ १८२२ तथा विष्ठ १८२२ तथा विष्ठ १८२० तथा विष्ठ १८२० तथा विष्ठ १८२० तथा विष्ठ १८२० तथा विष्ठ १८२२ तथा विष्ठ १८२२ तथा विष्ठ १८२२ तथा विष्ठ १८२२ तथा विष्ठ १८२२ तथा विष्ठ १८२२ तथा विष्ठ १८२२ तथा विष्ठ १८२२ तथा विष्ठ १८२२ तथा विष्ठ १८२२ तथा विष्ठ १८२२ तथा विष्ठ १८२२ तथा विष्ठ १८२२ तथा विष्ठ १८२२ तथा विष्ठ १ | तथा पुष्पप्र | ७४० | तथायः साक्षि | १३६९ | तथाऽल्पाल्पो म्र | | | |
| तथाऽप्विभि २६२० तथा व्यक्त १५०० तथा वर्षेण २६६० तथा व्यक्त १५४८ तथा वर्षेण २६५० तथा वर्षेण २६५० तथा वर्षेण २६५० तथा वर्षेण २६५० तथा वर्षेण २६५० तथा वर्षेण २६५० तथा वर्षेण २८२४ तथा वर्षेण २८२४ तथा वर्षेण २८२४ तथा वर्षेण २८२४ तथा वर्षेण २८२४ तथा वर्षेण २८२४ तथा वर्षेण २८२४ तथा वर्षेण २८२४ तथा वर्षेण २८२४ तथा वर्षेण २८३४ तथा वर्षेण २८३४ तथा वर्षेण २८३४ तथा वर्षेण २८३४ तथा वर्षेण २८३४ तथा वर्षेण २८३४ तथा वर्षेण २२६५ तथा वर्षेण २२६५ तथा वर्षेण २८३४ तथा वर्षेण २८ | तथाऽप्यतुष्य | १०१० | , तथा यद्ग्राम | १३८६ | तथा वचन | | 1 | |
| तथाऽप्यतिप्र तथाऽपेतद १९४८ तथा प्रकृत ८१५, तथा प्रकृत ८१५, तथा प्रकृत १९४८ तथा प्रकृत १९५५ तथा प्रकृत १६५५ तथा प्रकृत १६५५ तथा प्रकृत १६५५ तथा प्रकृत १६५५ तथा प्रकृत १६५५ तथा प्रकृत १६५५ तथा प्रकृत १६५५ तथा प्रकृत १६५५ तथा प्रकृत १६५५ तथा प्रकृत १६५५ तथा प्रकृत १६५५ तथा प्रकृत १६५५ तथा प्रकृत १६५५ तथा प्रकृत १६५५ तथा प्रकृत १६५५ तथा प्रकृत १६५५ तथा प्रकृत १६५५ तथा प्रकृत १६५५ तथा प्रकृत १६५५ तथा प्रकृत १५२४ तथा बक्त १५५२ तथा बक्त १५५२ तथा बक्त १५५२ तथा बक्त १५५२ तथा बक्त १५५२ तथा बक्त १५५२ तथा वक्त १५५२ तथा प्रकृत १५५२ तथा वक्त १५५२ तथा वक्त १५५२ तथा वक्त १५५२ तथा वक्त १५५२ तथा वक्त १५५२ तथा प्रकृत १५५२ तथा वक्त १५५२ तथा प्रकृत १५५२ | , 8 | ६४९,१९१६ | तथाऽयनेऽय | | | | | |
| तथा प्रकृत ८९५८ तथा यक्त १५०० तथा वर्तस्व ६०७ तथा वर्तस्व १९४८ तथा प्रकृति १६६५ तथा व्यक्ति १६५५ तथा प्रकृति १६५५ तथा प्रकृति १६५५ तथा प्रकृति १६५५ तथा प्रकृति १६५५ तथा प्रकृति १६५५ तथा प्रकृति १६५५ तथा प्रकृति १६५५ तथा प्रकृति १६५५ तथा प्रकृति १६५५ तथा प्रकृति १६५५ तथा प्रकृति १६५५ तथा प्रकृति १६५५ तथा प्रकृति १६५५ तथा प्रकृति १६५५ तथा प्रकृति १६५५ तथा प्रकृति १८५२ तथा प्रकृति १८५२ तथा प्रकृति १८५५ तथा प्रकृति १८५५ तथा प्रकृति १८५५ तथा प्रकृति १८५६ तथा प्रकृति १८५५ तथा प्रकृति १८५५ तथा प्रकृति १८५५ तथा प्रकृति १८५५ तथा प्रकृति १८५५ तथा प्रकृति १८५५ तथा प्रकृति १८५५ तथा प्रकृति १८५५ तथा प्रकृति १८५५ तथा प्रकृति १८६५ तथा प्रकृति १८५६ तथा प्रकृति १८५६ तथा प्रकृति १८५६ तथा प्रकृत १८५६ तथा प्रकृत १८५६ तथा प्रकृत १८५६ तथा प्रकृत १८५६ तथा प्रकृत १८५६ तथा प्रकृत १८५६ तथा प्रकृत १८५६ तथा वित्ति १८५६ तथा वित्ति १८५६ तथा वित्ति १८५६ तथा वित्ति १८५६ तथा वित्ति १८५६ तथा वित्ति १८५६ तथा वित्ति १८५६ तथा वित्ति १८५६ तथा वित्ति १८५६ तथा वित्ति १८५६ तथा वित्ति १८५६ तथा वित्ति १८५६ तथा वित्ति १८५६ तथा वित्ति १८५६ तथा वित्ति १८६६ तथा वित्ति १८६६ तथा वित्ति १८६६ तथा वित्ति १८६६ तथा वित्ति १८६६ तथा वित्ति १८६६ तथा वित्ति १८६६ तथा वित्ति १८६६ तथा वित्ति १८६६ तथा वित्ति १८६६ तथा वित्ति १८६६ तथा वित्ति १८६६ तथा वित्ति १८६६ तथा वित्ति १८६६ तथा वित्ति १८६६ तथा वित्ति १ | | २६ २ ० | तथाऽयमन्य | | | | 1 | |
| तथा प्रकृत ८१५, ८२२, ४९६५ तथा व्यक्ति १६५५ तथा व्यक्ति १६५५ तथा प्रवत्त १६५५ तथा प्रवत्त १६५५ तथा प्रविक्ष १६५५ तथा प्रविक्ष १६५५ तथा प्रविक्ष १६५५ तथा प्रविक्ष १६५५ तथा प्रविक्ष १६५५ तथा प्रविक्ष १६५५ तथा प्रविक्ष १६५५ तथा प्रविक्ष १६५५ तथा प्रविक्ष १६६६ तथा प्रविक्ष १६६६ तथा प्रवेक्ष १६६६ तथा प्रविक्ष १६६६ तथा प्रवेक्ष १६६६ तथा व्रवेक्ष १६६६ तथा व्र | तथाऽप्येतद | १९४८ | तथा यवन | | ſ | | | |
| तथा प्रमित १०४० तथा प्रकृते १५४० तथा वर्षेषु १४३८ तथा छल्कं छ १४२८, तथा प्रमित १६७५ तथा प्रमित १६५५ तथा प्रमित १६५५ तथा प्रमित १६५५ तथा प्रमित १६५५ तथा प्रमित १६५५ तथा प्रमित १६५५ तथा प्रमित १६५५ तथा प्रमित १६५५ तथा प्रमित १६५५ तथा प्रमित १६५६ तथा प्रमित १६५६ तथा प्रमित १६५६ तथा प्रमित १६५६ तथा प्रमित १६५६ तथा प्रमित १६५६ तथा प्रमित १६६५ तथा प्रमित १६६५ तथा प्रमित १६६५ तथा प्रमित १६६५ तथा प्रमित १६६५ तथा प्रमित १६६५ तथा प्रमित १६६५ तथा प्रमित १६६५ तथा प्रमित १६६५ तथा प्रमित १६६५ तथा प्रमित १६६५ तथा प्रमित १६६५ तथा प्रमित १६६५ तथा प्रमित १६६५ तथा प्रमित १६६५ तथा प्रमित १६६५ तथा प्रमित १६६५ तथा प्रमित १६६५ तथा प्रमित १६६५ तथा प्रमित १६६६ तथा प्रमित १६६५ तथा प्रमित १६६५ तथा प्रमित १६६६ तथा प्रमि | | ८१५ | तथा युक्तरिच | | | | 1 | |
| तथा प्रयत्न १६७५ तथा प्रविष्ठ २०१५ तथा प्रविष्ठ १६६५ तथा प्रविष्ठ २०१५ तथा प्रविष्ठ १६५५ तथा प्रविष्ठ १६५५ तथा प्रविष्ठ १६६५ तथा प्रविष्ठ १६५५ तथा प्रविष्ठ १६६५ तथा प्रविष्ठ १६६५ तथा प्रविष्ठ १६६५ तथा प्रविष्ठ १६६५ तथा प्रविष्ठ १६६५ तथा प्रविष्ठ १६६५ तथा प्रविष्ठ १६६५ तथा प्रविष्ठ १६६५ तथा प्रविष्ठ १६६५ तथा प्रविष्ठ १८६६ तथा प्रविष्ठ १८६६ तथा प्रविष्ठ १८६६ तथा प्रविष्ठ १८६६ तथा प्रविष्ठ १८६६ तथा प्रविष्ठ १८६५ तथा प्रविष्ठ १८६६ तथा प्रविष्ठ | ٤٠ | २२,*२९५४ | . 1 | | | | | - |
| तथा प्रयत्न १६७५ तथा प्रविष्ठ १६५५ तथा प्रविष्ठ १६५५ तथा प्रविष्ठ १६५५ तथा प्रविष्ठ १६५५ तथा प्रविष्ठ १६५५ तथा प्रविष्ठ १६५५ तथा प्रविष्ठ १६५५ तथा प्रविष्ठ १६५५ तथा प्रविष्ठ १६५५ तथा विष्ठ १५०६ तथा प्रविष्ठ १६५५ तथा विष्ठ १६६५ तथा विष्ठ १६६५ तथा विष्ठ १६६५ तथा विष्ठ १६६५ तथा प्रविष्ठ १६५६ तथा प्रविष्ठ १६५५ तथा प्रविष्ठ १६५६ तथा प्रविष्ठ १६५६ तथा प्रविष्ठ १६५६ तथा प्रविष्ठ १६५६ तथा प्रविष्ठ १६६६ तथा व्याव्या विष्ठ १६६६ तथा प्रविष्ठ १६६६ तथा प्रविष्ठ १६६६ तथा विष्ठ १६६ तथा विष्ठ १६६६ तथा विष्ठ १६६६ तथा विष्ठ | तथा ऽप्रतिह | २७४० | _ | | | | तथा शल्कंत | |
| तथा प्रविच १६६६ तथा प्राप्त २०४९ तथा प्राप्त २०४९ तथा प्राप्त २०४९ तथा प्राप्त २०४९ तथा प्राप्त २०४२ तथा विकेष २०६२ तथा विकेष २०६२ तथा विकेष २०६२ तथा विकेष २०६२ तथा विकेष २०६२ तथा विकेष १००० तथा विकेष २०६० तथा तथा प्राप्त १४६६ तथा विकेष १८०० तथा | तथा प्रयत्न | १६७५ | - | | | | 44 20.4 2 | |
| तथा प्रागमन २७४९ तथा दिनेष २४०२ तथा प्रियापि ७३२,८२२ तथा दिनेष १४०३ तथा विलेख २०५२ तथा दिनेष ७२८,१४१६ तथा वल्लेल २०५२ तथा दिनेष ७२८,१४१६ तथा वल्लेल २०५२ तथा दिनेष ७२८,१४१६ तथा वल्लेल २०५२ तथा दिनेष १८६० तथा दिनेष १८८५ तथा दिनेष १८८६ तथा दिनेष १८ | तथा प्रव्रजि | १६५५ | _ | | | | तथाऽश्वबह | |
| तथा प्रियाप्रि वया बलेन २०५२ तथा बलेन २०५२ तथा बलेन २०५२ तथा बलेन २०५२ तथा बलेन २०५२ तथा बलेन २०५२ तथा बल्युप २९१२ तथा बल्युप २९१२ तथा बल्युप २९१२ तथा वाष्ट्रिव १००९ तथा वाष्ट्र १००९ तथा वाष्ट्र १००९ तथा वाष्ट्र १००९ तथा वाष्ट्र १००९ तथा वाष्ट्र १००९ तथा वाष्ट्र १००९ तथा वाष्ट्र १००९ तथा वाष्ट्र १००९ तथा वाष्ट्र १००९ तथा वाष्ट्र १००९ तथा वाष्ट्र १००९ तथा वाष्ट्र १००९ तथा वाष्ट्र १००९ तथा वाष्ट्र १००९ तथा वाष्ट्र १००९ | तथा प्राग्भव | | | | | | _ | |
| तथा बलेन २०५२ तथा रक्षेन्म ७२८,१४१६ तथा बल्युप २९१२ तथा बल्युप २९१२ तथा वाष्ट्रिय २९१२ तथा वाष्ट्रिय १००० तथा राज्यु ५०३६ तथा राज्यु ५०६३ तथा राज्यु ५०३६ तथा राज्यु ५०६६ तथा राज्यु ५०६६ तथा राज्यु ५०६६ तथा राज्यु ५०६६ तथा राज्यु ५०६६ तथा राज्यु ५०६६ तथा राज्यु ५०६६ तथा राज्यु ५०६६ तथा राज्यु ५८६६ तथा विषय र ५०६६ तथा राज्यु ५८६६ तथा विषय र ५०६६ तथा राज्यु ५८६६ तथा विषय र ५०६६ तथा विषय र ५०६६ तथा विषय र ५८६३ | तथा प्रियाप्रि | | | १४०३ | तथा थिदाप तथा विस्मा | | | |
| तथा बल्युप २९१२ तथा दियो न १४५६ तथा विषय न १९५० तथा दावायु ५०५५ तथा दावायु ५०५५ तथा दावायु ५०५५ तथा दावायु ५०६८ तथा दावायु ५०६८ तथा दावायु ५०६८ तथा दावायु ५०६८ तथा दावायु ५०६८ तथा दावायु ५०६८ तथा दावायु ५२१० तथा दावायु ५२६० तथा दावायु ५२६० तथा दावायु ५२५५ तथा विषय द २३४६ तथा विषय द १६२६ तथा विषय द १६२६ तथा विषय द १२३६ तथा विषय द १२ | तथा बलेन | | | 26.2826 | तना ।नतन्तु | | | |
| तथा बहुवि १०७९ तथा राजगु ५७५ तथा विधिम ११३० तथा विधिम २६४० तथा राजन्यो १०३६, तथाविधम १२११ तथा विद्वस २९६८ तथा राजाऽपि ८२१ तथा राजाऽपि ८२१ तथा राजाऽपि ८२६ तथा राजाऽपि ८२६, तथाविधा च २३४६ तथा राजाऽपि ८१६, तथा राजाऽप ७३१ तथा राजाऽप ७३१ तथा राजाऽप ७३१ तथा राजाऽप ७३१ तथा राजाः प १०५९ तथा राजां प ७३० तथा राजां प ७३६, तथा राजां प ७३६, तथा राजां प ७३६, तथा राजां प ७३६, तथा राजां प ७३६, तथा राजां प ७३६, तथा राजां प ७३६, तथा राजां प ७३६, तथा राजां प ७३६, तथा राजां प ७३६, तथा राजां प ७३६, तथा राजां प ७३६, तथा विधामा १४८८ तथा राजां प ७३६, तथा विज्ञों ७२०४६ तथा राजां प १८६५ तथा राजां प ७३६, तथा विज्ञों ०२२० तथा राजां प १८६६ तथा राजां प १८६६ तथा राजां प १८६६ तथा राजां प १८६६ तथा राजां प १८६६ तथा राजां प १८६६ तथा राजां प १८६६ तथा राजां प १८६६ तथा राजां प १८६६ तथा विज्ञों ०२२० तथा राजां प १८६६ तथा विज्ञों ०२२० तथा राजां प १८६६ तथा विज्ञों ०२२० तथा राजां प १८६६ तथा विज्ञों ०२२० तथा राजां प १८६६ तथा विज्ञों ०२२० तथा राजां प १८६६ तथा विज्ञों ०२२२ तथा राजां प १८६६ तथा विज्ञों ०२२२ तथा राजां प १८६६ तथा विज्ञों ०२२२ तथा राजां प १८६६ तथा विज्ञों ०२२२ तथा राजां प १८६६ तथा विज्ञों ०२२२ तथा राजां प १८६६ तथा विज्ञों ०२२२ तथा राजां प १८६६ तथा विज्ञों ०२२२ तथा राजां प १८६६ तथा विज्ञों ०२२२ तथा राजां प १८६६ तथा विज्ञों ०२२२ तथा राजां प १८६६ तथा विज्ञों ०२२२ तथा राजां प १८६६ तथा विज्ञों ०२२२ तथा राजां प १८६६ तथा विज्ञों ०२२२ तथा राजां प १८६६ तथा विज्ञों ०२२२ तथा राजां प १८६६ तथा विज्ञों ०२२२ तथा राजां प १८६२ तथा विज्ञों ०२२२ तथा विज्ञों ०२२२ तथा राजां प १८६२ तथा विज्ञों ०२२२ तथा विज्ञों ०२२२ तथा राजां प १८६६ तथा विज्ञों ०२२२ तथा विज्ञों ०२२२ तथा राजां प १८६६ तथा विज्ञों ०२२२ तथा विज्ञों ०२२२ तथा राजां प १८६६ तथा विज्ञों ०२२२ तथा विज्ञों ०२२२ तथा विज्ञों ०२२२ तथा विज्ञों ०२२२ तथा विज्ञों ०२२२२ तथा विज्ञों ०२२२ तथा विज्ञों ०२२२२२२२२२२२२२२२२२२२२२२२२२२२२२२२२२२२२ | तथा बल्युप | २९ १२ | तथाऽरयो न | | तथाविधं न | | | |
| तथा बाधि | तथा बहुवि | | 1 | | | | | |
| तथा बिन्दुस २९६८ तथा राजाऽपि ८२१ तथा विचा ग १५२५, तथा सर्वे से २२०२ तथा बिन्दुस १२७९ तथा राजाऽपि ८२१ तथा ब्रह्मिष १५०४ तथा राजाऽप ७३१ तथा ब्रह्मिष १५०४ तथा राजाऽप ७३१ तथा ब्रह्मिष १५०४ तथा राजा प १०५९ तथा ब्रह्मिष १५८४ तथा राजा प १०५९ तथा राजा प १०५९ तथा राजा प १८८५ तथा राजा नि ८१५ तथा राजा नि ८१५ तथा राजा नि ८१५ तथा राजा नि ८१५ तथा राजा प १८८५ तथा राजा प १८८५ तथा राजा प १८८५ तथा राजा प १८८५ तथा राजा प १८९५ तथा राजा प १८९५ तथा राजा प १८९५ तथा राजा प १८९५ तथा राजा प १८९५ तथा राजा प १८९५ तथा राजा प १८९५ तथा राजा प १८९५ तथा राजा प १८९५ तथा राजा प १८९५ तथा राजा प १८९६ तथा विचा प १८९६ तथा सर्वे से १८९५ तथा सर्वे से १८९६ | त्या बाधिच | | | | | | | |
| तथा बिन्दुस २९६८ तथा राजाऽपि ८२१ तथा विक्रम १२७९ तथा राजाऽप ७३१ तथा ब्रह्मि १५०४ तथा राजाऽप ७३१ तथा ब्रह्मि १५०४ तथा राजा प ३०५९ तथा ब्रह्मि १५०४ तथा राजा प ३०५९ तथा ब्रह्मि १५०४ तथा राजा प ३०५९ तथा व्रह्मि १५८८ तथा राजा प १८८८ तथा विज्ञेष्ठ १८६२ तथा | • | | | | | | | |
| तथा बुद्धिम १२७९ तथा राजाऽप्य ७३१ तथा विषा च २३४६ तथा सर्वाणि ८१६, तथा ब्रह्मर्षि १५०४ तथा राजा प १०५९ तथा राजा प १०५९ तथा राजा प १०५९ तथा राजा प १०५९ तथा राजा प १०५९ तथा राजा प १०५९ तथा राजा प १८८८ तथा राजा प १८८८ तथा राजा प १८८८ तथा राजा प १८८८ तथा राजा प १८८८ तथा राजा प १८८८ तथा राजा प १८८८ तथा राजा प १८९७ तथा राजा प १८९८ तथा राजा प १८९८ तथा राजा प १८९८ तथा राजा प १८९८ तथा राजा प १८९८ तथा राजा प १८९८ तथा राजा प १८९८ तथा राजा प १८९८ तथा राजा प १८९८ तथा राजा प १८९८ तथा राजा प १८९८ तथा राजा प १८९८ तथा राजा प १८९८ तथा राजा प १८९८ तथा राजा प १८९८ तथा राजा प १८९८ तथा राजा प १८९८ तथा विज्ञा प १८९८ तथा राजा प १८९८ तथा राजा प १८९८ तथा राजा प १८९८ तथा विज्ञा प १८९८ तथा राजा प १८९८ तथा राजा प १८९८ तथा विज्ञा प १ | तथा बिन्दुस | २९६८ | तथा राजाऽपि | | W 111441 41 | | _ | _ |
| तथा ब्रह्मिष १५०४ तथा राज्ञः प १०५९ तथा विधाधो १५२५, तथा सर्वाधि *२०४९ तथा ह्या प का प का प का प का प का प का प का प | तथा बुद्धिम | | t . | 1 | तथाविधा च | 1 | | |
| तथा ब्रह्मस २९६७ तथा राज्ञां प # ., तथा ब्रह्मस १९८४ तथा राज्ञां प # ., तथा तथा तथा राज्ञां प # ., तथा राज्ञां प # ., तथा राज्ञां प # ., तथा राज्ञां प # ., तथा तथा राज्ञां प # ., तथा तथा राज्ञां प # ., तथा तथा राज्ञां प # ., तथा तथा राज्ञां प # ., तथा तथा राज्ञां प # ., तथा तथा राज्ञां प # ., तथा तथा राज्ञां प # ., तथा तथा राज्ञां प # ., तथा तथा राज्ञां प # ., तथा तथा तथा सथीं प १०४९ तथा राज्ञां प १४०४ तथा राज्ञां प १४०४ तथा राज्ञां प # १४०४ तथा राज्ञां प # १४०४ तथा राज्ञां प # १४०४ तथा राज्ञां प # १४०४ तथा विनीत १४० तथा सथां प १८० तथा राज्ञां प १४३३ तथा विनीत १८० तथा सथां प सथां प सथां प सथां प सथां प सथां प सथां प सथां प सथां प १८० तथा मीष्मः ज्ञा १४० तथा राज्ञां प १४३३ तथा विविष्ण १९१३ तथा विष्णं १८९२ तथा सर्वां १९६४ तथा सर्वां प १९१३ तथा सर्वां प १९१३ तथा सर्वां प १९१३ तथा सर्वां प १९१३ तथा सर्वां प १९१३ तथा सर्वां प सर्वं प स्वां प स्वां प १९६४ तथा सर्वां प १९६४ तथा सर्वां प सर्वं प सर्वं रथा सर्वां प १९६४ तथा सर्वां प १८०० तथा सर्वां प १८०० तथा सर्वां प १९०० तथा सर्वां प १९०० तथा सर्वां प १९०० तथा सर्वां प १९०० तथा सर्वां प १९०० | | | I | | | | | - |
| तथा ब्रुवाणं १२८४ तथा राज्ञा नि ८१५ तथा विषामा १४८८ तथा सर्वेण २७१३ तथा भवति ८०२,९८३ तथा राज्ञा प्र७३६,१४१७ तथा तथा विषेषु ७२२ तथा राज्ञा प्र७३६,१४१७ तथा राज्ञा प्र७३६,१४१७ तथा राज्ञा प्र७३६,१४१७ तथा राज्ञा प्र७३६,१४१७ तथा राज्ञा प्र७३६,१४१७ तथा विनीत १३७ तथा राज्ञा वि ७७३६, तथा विनीत १३७ तथा राज्ञा वि ७७३६, तथा विनीत १३७ तथा राज्ञा प्र७३६ तथा राज्ञा प्र७३६ तथा विविध १९१३ तथा सुक्वाण ३३३ तथा मुक्वा १४० तथा राष्ट्रं म ७३६, तथा विषम १५११ तथा सुक्वाण ३३३ तथा मुक्वा १४० तथा राष्ट्रं म ७३६, तथा विषम १५११ तथा सुक्वाण १८६५ तथा सुक्वाण १८६५ तथा सुक्वाण १८६५ तथा सुक्वाण १८६५ तथा सुक्वाण १८६५ तथा सुक्वाण १८६५ तथा सुक्वाण १८६५ तथा सुक्वाण १८६५ तथा सुक्वाण १८६५ तथा सुक्वाण १८६५ तथा सुक्वाण १८६५ तथा सुक्वाण १८६५ तथा सुक्वाण १८६५ तथा सुक्वाण १८६६ तथा सुक्वा | तथा ब्रह्मस | | | | | | | |
| तथा भवति ८०२,९८३ तथा राज्ञाऽ | | | _ | - 1 | तथाविधामा | | | |
| तथा भवत्य ७९८३ तथा राज्ञाम १४०४ तथा राज्ञाम १४०४ तथा राज्ञाम १४०४ तथा राज्ञाम १४०४ तथा राज्ञाम १४०४ तथा राज्ञा वि ७७३६, तथा विनीत ९३७ तथा सार्था विनीत ९३७ तथा सार्वा प्रदूर तथा राज्ञा वि ७७३६, तथा विनीत ९३७ तथा सार्वा ए८७ तथा राज्ञो प्र २४३३ तथा विविध १९१३ तथा सुब्वाण ३३३ तथा भुजीत ९६५ तथा राष्ट्रं म ७३६, वथा विविध १९१३ तथा सुब्वाण ३३३ तथा भुजन ५४० तथा राष्ट्रं म ७३६, तथा विस्तर्ग ६५२ तथा राष्ट्रं स्व १८५९, तथा विस्तार्र १८५२ तथा दस्तर १८५६ तथा विस्तार्र १८९३ तथा राष्ट्रं स्व १८५६ तथा राष्ट्रं स्व १८५६ तथा विस्तार्र १८५३ तथा राष्ट्रं स्व १८५६ तथा राष्ट्रं स्व १८५६ तथा राष्ट्रं स्व १८५६ तथा राष्ट्रं स्व १८५६ तथा राष्ट्रं स्व १८५६ तथा राष्ट्रं स्व १८५६ तथा राष्ट्रं स्व १८६६ तथा विस्तार्र १८५३ तथा राष्ट्रं स्व १८५६ तथा राष्ट्रं स्व १८६६ तथा सार्वा स्व १८६६ तथा राष्ट्रं स्व १८६६ तथा राष्ट्रं स्व १८६६ तथा राष्ट्रं स्व १८६६ तथा राष्ट्रं स्व १८६६ तथा राष्ट्रं स्व १८६६ तथा राष्ट्रं स्व १८६६ तथा राष्ट्रं स्व १८६६ तथा राष्ट्रं स्व १८६६ तथा राष्ट्रं स्व १८६६ तथा राष्ट्रं स्व १८६६ तथा राष्ट्रं स्व १८६६ तथा राष्ट्रं स्व १८६६ तथा विस्तार्र १८६६ तथा विस्तार्य १८६६ तथा विस्ताय १८६६६ तथा विस्ताय १८६६ तथा विस्ताय १ | • | | | | | | | |
| तथाऽभिचार २९१८ तथा राज्ञाम १४०४ तथा राज्ञाम १४०४ तथा राज्ञा वि ७७३६, तथा विनीत ९३७ तथा सावर २६७१ तथा सावर १६७१ तथा सावर १९६४ तथा सावर १९६४ तथा सावर १९६४ तथा सावर १८६२ तथा सावर १८९३ तथा सावर १८९३ तथा सावर १८९३ तथा सावर १८९३ तथा सावर १८९३ तथा सावर १८९३ तथा सावर १८९३ तथा सावर १८९३ तथा सावर १८९३ तथा सावर १८९३ तथा सावर १८९३ तथा सावर १८९३ तथा सावर १६७१ तथा सावर १८७१ तथा सावर १८९३ तथा सावर १८९३ तथा सावर १८९३ तथा सावर १८९३ तथा सावर १८९३ तथा सावर १८९३ तथा सावर १८९३ तथा सावर १८९३ तथा सावर १८९३ | | | | | | | | |
| तथा राज्ञा वि ७७३६, तथा विनीत ९३७ तथा सावर २६७१ ८२२ तथा मीष्मः शा ८४० तथा राज्ञो घृ २४३३ तथा विविध १९१३ तथा सुज्जाल ३३३ तथा मुज्जीत ९६५ तथा राष्ट्रं म ७३६, तथा विषम १५११ तथा सुर्पे तथा राष्ट्रं म ७३६, तथा विषम १५११ तथा सुर्पे तथा सुर्पे १८६५ तथा मीर्गाय ७३५ तथा भोगाय ७३५ तथा भोगाय ७३५ | | | | | તવાવવાડનુ | • | | |
| ८२२ तथा मीष्मः शा ८४० तथा राज्ञो घृ २४३३ तथा विविध १९१३ तथा सुद्धाण ३३३ तथा मुझीत ९६५ तथा राष्ट्रं म ७३६, तथा विषम १५११ तथा सुद्धाण ३३३ तथा मुझीत १६५० तथा पुर्धा पुर्धा १५६४ तथा मुझीत १५५५ तथा मुझीत १५५५ तथा मुझीत १५५५ तथा मुझीत १५५५ तथा विद्या १५११ तथा विद्यारि १८९३ तथा विद्यारि १८९३ तथा विद्यारि १८९३ | | | _ | - 1 | नथा निजीत | 1 | | |
| तथा मीष्मः शा ८४० तथा राशो धृ २४३३ तथा विविध १९१३ तथा सुष्वाण ३३३ तथा भुजीत ९६५ तथा राष्ट्रं म ७३६, तथा विषम १५११ तथा सुसंह १९६४ तथा भुवन ५४० ७४९,१४१७ तथा विषम ६५२ तथा द्वर्ष १८५९ तथा भृतिस्त १७५५ तथाऽरिमित्र १८५९, तथा विस्तारि २८९३ तथाऽस्त तव २५४६, तथा वीश्य ह \$१३३६ | (विश्वासम्ब | - • • • • • • • • • • • • • • • • • • • | | 1 | | 1 | | |
| तथा मुझीत ९६५ तथा राष्ट्रं म ७३६, तथा विषम १५११ तथा मुसंह १९६४ तथा मुनन ५४० ७४९,१४१७ तथा विस्तर्ग ६५२ तथा द्वाउस्तु १७५५ तथा द्वाउस्मित्र १८५९, तथा विस्तारि २८९३ तथाऽस्तु तव २५४६, तथा मोगाय ७३५ १८६२ तथा वीक्ष्य द्य क्ष१३३६ | तथा भीतक क | | | | | i | | |
| तथा भुवन ५४० तथा ५४९ तथा विसर्ग ६५२ 'तथाऽस्तु 'इत्यु २८४९ तथा भृतिस्तु १७५५ तथाऽरिमित्र १८५९, तथा विस्तारि २८९३ तथाऽस्तु तव २५४६, तथा वीश्य ह #१३३६ २८९३ | | | _ | | | | | |
| तथा भृतिस्त १७५५ तथाऽरिमित्र १८५९, तथा विस्तारि २८९३ तथाऽस्त तव २५४६, तथा वीश्य र #१३३६ २८९३ | | 6 | •• | | | | | |
| तथा भोगाय ७३५ १८६२ तथा वीक्ष्य र क्ष १३३६ २८९३ | _ | 1 | | | | | | |
| Aurenas 1004 | | | तथाऽरिमित्र | | | | ाथाऽस्तु तब | - |
| र इंड विया रागामि १०८८। तथा ब्रुपोष्ट्र १५२८। तथा खतिम स्र १०४ | • | | | | | 1 | • | |
| | · · · · · · · · · · · · · · · · · · · | 1800 | तया रागाम | १०८८।त | ाथा द्वषाष्ट्र | १५२८ त | ाथा स्तुतिम | *24 0 X |

| | | | | - | | | |
|-----------------|--------------|------------------|-----------------|---------------|-----------------|-----------------|--------------------|
| तथा स्फीतो ज | | वयेति ते स | | तथैव भार | | तथैवापेत | १२८८ |
| तथाऽस्मिन् भूमा | ২ ৩ १ | तथेति ते सो | | तथैव रूप | | तथैवाप्ययु | ६५९,१२२३ |
| तथाऽस्य कर्म | २३९३ | | | तथैव न्यस | | तथैवाभ्रप | १४६४ |
| तथाऽस्य नोद्वि | १८५९ | 8 | ९५६,२६३५ | तथैव पति | क्ष१६ २६ | तथैवायं ग | २८०० |
| तथाऽस्य पुत्रो | १८९३ | तथेति मानु | | तथैव परि | २८ २३ | त्यैवालंकु | 98 8 |
| तथाऽस्यायात | ३१९ | तथेति ह वि | ३१७ | तथैव पाण्ड | १८९८,२७११ | तथैवाहं म | 888 |
| तथा स्वपन्तु | २६५८ | तथेत्यमात्यः | १२८४ | तथैव पुण्य | | तथवेक्षुम | २९६९ |
| तथाऽहं श्रोतु | २८९९ | तथेत्युक्त्वा तु | | तथैव पृथि | . २४४९ | तथैवेक्षुर | २९६७ |
| तथा ह राष्ट्रं | २२४ | तथेत्युक्त्वा इ | | तथैव प्रप | #१ ४६४ | तथैवेतरे | १४०१ |
| तथा हरेत्क ८ | १५,८२२ | तथेत्युक्त्वा स | r %२९४ ३ | तथैव बहु | ર ૫ ૦૪ | तथैवेह भ | १३२६ |
| तथा हस्तश | १४७३ | तथेदः सर्व | २७६,३४८ | तथैव भूभु | १४३९ | तथैवोद्धत | २५०६ |
| तथा हास्य निः | १८०८ | तथेदमर्थ | २३५५ | तथैव भूम्ये | १८५० | तथैवौरान | ६१९ |
| तथा हास्य ब्र | ३४६ | तथेन्द्रियाणि | | तथैव भेद | १८८७ | तथैत्रां राज | *१२११ |
| तथाहि | २८३६ | तथेमं शकु | १०८९ | तथैवमाग | •२०७० | तथो अस्मान्न | ३१९ |
| तथाहि गर्गः | | तथेमा आप | २८५६ | तथैव मुख | २८८५ | तथो एव वि | २४९,२५१, |
| तथाहि त्वर | #२०२६ | तथेमे गर्जि | # ₹0४८ | तथैव मृग | २०४९ | | ર,રૂપર્રે,રપર્ |
| तथाहि नीति | १४९३ | तथेमे मुदि | ,, | तथैव यः | श्व १९०२ | तथो एवैन | ३ ३१३,३१४ |
| तथा हि मित्रे | २२१ | तथेह च नि | | तथैव योग | १०३९ | तथो गर्वेष | २४९,२५०, |
| तथा हिरण्य | ८२३ | तथैकोनं श | २९१२ | तथैव रौद्र | २८५६ | | |
| तथा हि लोक | १७५२ | तथैतं कल्प | क् १३१४ | तथैव विचि | व ३७९० | 1 | , २५२, २५३, |
| तथाहि सद्यः | २१६६ | तथैतत्प्रज्ञ | ७ १०६७ | तथैव सद | २८५ ३ | | ,२५५,२५६, |
| तथा हि सर्व | | तथैनं पाप्मा | २९५ | तथैव स | १६९५ | २५७ | ,२६३,२८५, |
| तथा होल्क्या | | तथैवं पञ्च | १९५१ | तथैव सर्व | ८४३ | २९० | ,३०२,३०३ |
| तथा ह्यस्य निः | | तथैव कुर | ૨ ૭ १ ૫ | तथैव हठ | २३७२ | तथोक्तः स नृ | 2006 |
| तथा ह्येतान | | तथैव कृति | | तथैव हृद | २ ८५९ | तथोक्ता ब्रह्म | * |
| तथेतरे म | २७१५ | तथैव क्षत्रि | | तथैवाऽङ्गा | জি , , | तथोदकानां | ર ષ્ ં ષ |
| तथेति | १११, | तथैव गज | | तथैवाऽऽच | | तथोपमामि | १२१३ |
| 8/4.8/ | ७,२२८, | तथैव च ज | २ ९४९ | तथैवात्युद | १२८९ | तथोपमा ह्य | " |
| २ ३ ३,२५ | 3 386 | तथैव चान्य | | तथैवानभि | १२४१ | तथोपांद्य न | १९८१ |
| × | 98.X/0 | तथैव चाप | २६३९ | तथैवानर्थ | २३७४ | तथोपाध्याय | ५९६ |
| तथेति चप्र ८ | ०७,८५८ | तथैव चाव १ | ६८८,१६८९ | तथैवान्याश्च | २ ४८९ | तथो हास्य सो | |
| तथेति तत्श्च | શ્રે જું પ | तथैव चाह | १३३१ | तथैवान्ये प्र | १६५४ | तथो हास्पैत | ે. વર્ષ્ટ્ર |
| तथेति तत्प्र | | तथैव चिपि | १३७२ | तथैवान्ये म | । क्रु ७१५ | | |
| तथेति तद | | तथैव ते पा | १११५ | तथैवापच | २००१ | 4 - 7 (8 | २४९,२६ <i>२</i> |
| तथेति तद्वै | | तथैव ती सु | २०२५ | तथैवापति | | तथ्यं कथय | 2686 |
| तथेति तमु | | तथैव त्वर | | तथैवापसु | | तथ्यं च साम | |
| तथेति तानु | | तथैव धर्म | | तथैवापास्त | #3/22 | तथ्यं वा यदि | |
| | , | | | - 40 -4 /4 | 10 4 4 | . તત્ત્વ ગા બાદ | 8040 |

| तथ्यं साम च | १९४७ | तदनु स्थात् | १२६५ | तदमङ्गल | ९१३ | तदृष्ट्रधा त | 2688 |
|---------------------------------------|----------------|-----------------------|----------------------------------|---------------|---|---------------|--------------------------------|
| तदकस्मात्स | | तदन्तरा तु | २५८३ | तदिमित्रेभ्य | २ ९९ | तदसहिष्णु | १११६ |
| तदकार्यस्य | १७४१ | तदन्तराल | . ,, | तदमृत आ | | | २६०३,२७७४ |
| तदगच्छत् | ૪ેરર | तदन्तरे ग | | तदमृतस्य | १२७३ | तदस्मा अग्नि | |
| तद्ग्रिः समा | २४८,२५४ | तदन्ते वत्स | २९०१ | तदमृतेनै | २८६ | | २५६,२५७ |
| तद्भिनैव | ४३८ | तदन्धवर्त | १२७७ | तदयं राजा | ९६ | तदस्मा इद | २६८,२८८ |
| तद्ग्रीधे द | ₹ 0 ₹ 0 | तदन्यः सत्री | ५३२, | तद्ये क्षत्रि | २३९२ | तदस्माकं स | १८२६ |
| तद्ग्रे यदि | २८३८ | | १००८ | तदर्थे जीवि | ११०२ | तदस्माभिः पु | |
| तदङ्गपति | २७०५ | तदन्यतरो | | तदर्थे पीड | १३२३ | तदस्मिन्सर्व | ३०७ |
| तदङ्गसंभ | २८९१ | तदन्ये ख्याप | २६ ३७ | तदर्थ सर्व | *६८२ | तदस्मिन्दश | २५ ३ |
| तदङ्गुलं प | १४२६ | 1 | " | तदर्थमिष्य | | तदस्मिनमृ | २८६ |
| तदजाकृपा | ११९४ | तदन्विष्य म | ,, २०२० | तदर्थछुब्ध | २४२६ | तदस्मै प्रय | २८१ |
| तदजानन् | 880 | तदन्वेव वि | ২ ঙ१० | तदर्थशौचो | २५७८ | | २७ |
| तदञ्जनं पु | २६५७ | तदपनय | | तदर्थशौर्यो | * ,, | तदसी सर्वी | ૨૮ ૨, _{ર્} ૧९૮ |
| तदतिक्रम | १३६१ | तदपराघे | 2388 | | १७२६,१७४५ | तदसी सव | રે૮૨ |
| तदतिकाम | * ,, | तदपरिमि | 299 | तदर्था नः | पि २४३३ | तदसौ सवि | ११२ |
| तदतिरिक्त | २९० | तदपि प्राक्त | २ २ , | तदर्थेहाऽनु | १२९९ | तदस्य गूढाः | १६४४ |
| तदत्तारमे | ३०० | तदपि श्लोकाः | २०४५ २८४९ | तदर्ध कुझ | रं६८६ | तदस्य भग | ७ २९३७ |
| तदत्र पाण्ड | * ₹••४, | 1 | | तदर्ध तत्म | • | | १९२१,२६२२ |
| | *२०८३ | तदप्यनुग्र | १३२९ | । जन्ध जन | १३७२ | तदस्य स्याद्व | |
| तदत्र संप्र | २८३५ | तदप्यन्याय | ७१८ | ।तदध मध्य | | | २६३३ |
| तदद्भुत | २८०३ | तदप्येतद्द | ३५९ | राज्ञनाग | २८३ २ | तदस्यै वारु | २५४ |
| तदद्भुतं | २६३७ | तदप्येते श्लो | २३७,२३८ | तदर्घयामि | २८९६ | तदहं ज्ञातु | *६१९ |
| तदचं त्वयि | १९०२ | तदप्येवमे | २४८०, | तदर्धसम | १५१० 3 | तदहं तेज | १९०४ |
| तदद्य भग | २९३७ | I | ४८ १ ,२४८२ | | 3 २८३३,२८३ ४ | तदहं निह्नु | १९१ |
| तद्धीनम | १६३४ | तदप्येष श्लो | 238 | तदर्धेनोन्न | २८३५ | तदहं बुद्धि | २०५१ |
| तद्ध्यास्थोद्व | ११०७, | तदप्राप्ती च | २८८५ | A - | २६४ २ | तदहं वै क | ७९२ |
| | २८२८ | तदब्रवीत् | १९५ | तदहमास | 488 | तदहं श्रोतु | ६१९, |
| तद्ध्वानः पि | 42833 | तद्भावे का | १३५७ | तदलं क्रर | ર400 | ٦ (| १०१५,२९०८ |
| तदनन्तर | २७१० | तदभावे गु | ७५४ | तदलं पुत्र | # १५४६ | तदहीनम | २०६८ |
| तद्नन्तरं | २३१२ | तदमाव गु | ^७ २० * १६१७ | तदलं मम | १०६६ | तदा कर्म प्र | २९ १५ |
| तदनयैवे | ર | तद्भाष प तद्भिजितो | करपर ५२८ | | १७८९,१९३८ | तदा कृतयु | ५५७,५९९, |
| त्दनीत्या न | | तद् भिविख्या | 8800 | तदवनिप | ११३५ | | २३७९ |
| · · · · · · · · · · · · · · · · · · · | | तदभ्यद्रव | | ľ | ७१४,१९७४ | तदा चिन्तय | १५११ |
| तद्रनुकृति | ४६६ | | | तदशुभं ग | ९५२ | तदाज्ञां धार | १७४३ |
| तदनु देव | | तदभ्याशे क्षु | | तदश्रुवह्नि | | तदाज्ञापय | २०२४ |
| तदनुविद्या | | तदभ्यासादु | | तदश्विना इ | | तदाज्यमान | २६५ |
| | | | | | • | • | |

| | | | | | • | | |
|--------------------|------------------------|-------------------------------|---------------------|---------------------------------|-------------|-----------------|---------------|
| तदातचव | १९९७ | तदा बुद्धिः इ | ह ६३७ | तदा स्थात्सर्व | २८८६ | तदिष्टं चिन्त | १७४५ |
| तदातत्र वि | १८२४, | तदा भन्नेषु | १५११ | तदास्वमृत | २७८ | तदिष्टीनामि | २६ |
| | १८२८ | तदा भवति | ષુષ્, | तदा हिमव | | तदिंहैकम | • ५६६ |
| तदा तु संश्र | २१९९ | | ५९७,८ॅ२५, | | ३४६ | तदुच्छ्रयस्व | ४०१ |
| तदात्मनो गू | २६११ | | ९८३,१०३४ | तदाहुः– अन्य | ३३३ | 1 | 2 |
| तदात्मन्कुर | | तदा भवन्ति | # 440, | तदाहुः– दश | ३०२ | 1 | २८०,३०४, |
| तदात्ववैपु | २५६९ | | • | तदाहु:- न क्ष | २९३२ | ३०८ | ,३१४,३१७ |
| तदात्वायति | १७८८, | तदाऽभिलिष | २५२८ | तदाहुः– न वा | ११३ | तदु तदाग्ने | २४९ |
| | १२,२१३५ | _ | | तदाहुः– पुंसः | ३३३ | तदुत्तरं वि | १४१६ |
| | ं <u>३</u> २१४१ | तदा भोगप्र | ७४० | तदाहुः— प्राश्री | २०१ | तदुत्थं रुधि | २८९६ |
| तदा त्वायति | | तदा मया स | १९०९ | तदाहुः- यद्ब्रा | १९६, | तदुद्देशः सं | १७६९ |
| · | | तदा मातुम | २९० १ | · | २०० | तदुद्वपति | * ३९३ |
| तदात्वे चाल्पि | | तदा यदि स | २८८५ | तदाहुः–यन्ति | ३३२ | तदुपप्रेया | ४७९, |
| तदात्वे दोष | २१३५, | तदा यायाद्वि | ૨ ૪५५ | तदाहु:- ये ए | ३३ १ | | 860 |
| • | २१४० | तदायुर्वर्च | | तदाहुः— शिथि | ४३१ | तदुपान्ते व | २१८४ |
| तदात्वेनाऽऽय | २५९८ | तदाञ्जवच तदा राजा म | २९६ | तदाहुः– स×्श | ३२१ | तदु पुनः प | 289 |
| ंतदात्वे फल | २१३५, | | | तदाहुतिप्र | ७४१ | तदुभयं ता | 2248 |
| | २१४० | तदालिप्सेत | १४३३ | तदाहुनेव | | तदुभयं पा | १५६० |
| तदात्वे वाऽधि | *~ २११२ | | २१५१ | तदाहुर्नेत | | तदुभयं र | \$ 800 |
| तदाददीत | #१३१३ | तदा वर्णीय | २३९६ | तदाहुर्यदे | | तदुभयं रा | १३३२ |
| तदादाय च | १८९७ | तदा विजय | २५१३ | तदा ह्यवस्क | | तदुभयं वि | १५०९, |
| तदा दिने तु | २५३९ | तदा विद्यावि | ८८५ | तदिच्छामि त | #2089 | 12.14.14 | २५६ २ |
| तदा द्विधा ब | २१८९ | तदा विवृत्य | १९१४ | तदिच्छामि प | | तदभग्रम | २२३५, |
| तदा धर्मी न | ५९४ | | ६५२,#६५२ | तदित्समान | " | तदुभयम | 2236 |
| तदा नियुज्ज्या | १८१७ | तदा वैश्रव | 600 | तदिदं जीवि | १८९५ | तदुभयमा | १९२४ |
| तदा निर्विद्य | २००९ | तदा शंसति | २५३१ | तदिदं धर्म | | तदुभयवे | १९२२ |
| तदाऽनेन वि | २५७ १ | तदाशिषः स | २७०२ | तदिदं निध | 1 | तदु वा आहु | ३५१ |
| तदा न्यायप | ८३६ | | १५०,१४८३ | तदिदं भाषि | | तदु वा आहुः | ર |
| तदाऽपनय | # २० १ ६ | तदाश्रितांश्च तदा श्रेयस्क | ७४१ २८ ३८ | तदिदं मयि | 2000 | તાલું માં આવું. | ३३२ , |
| तदाऽपि ब्राह्म | २७९४ | तदा श्रेयांसं | | तदिदं रथं | | तदु वै यजे | 3 3 3 |
| तदाऽपि याया | २४५८ | तदा संकोच | 111 | तदिदं वैर | 3038 | तदु ह रोहि | ११३ |
| तदा पुष्यर्क्ष | २९८१ | तदा संचिन्त्य | | तदिदमन्त | | | १८६ |
| तदा पौरज | ८३७ | तदा समस्त | | तदिन्द्र स्थे न्द्र | | तदु ह साऽऽह | |
| तदा प्रणेदु | ६५० | तदा सर्वे वि | | तादन्त्रसम्बद्ध तदिव्यक्तं त | | तदूर्जमातम | २९६ |
| तदा प्रभुज्ज | २७८९ | तदास वरू | | तदिमां दश | | तदूर्ध तु भ | ८३६ |
| | | तदा संस्थानि | | | | तदूध्वे दश | 99 |
| तदा प्रभृति | | तदाऽऽसीत प्र | | तदिमानेव =िरम्भे | | तदेकः सन्न | ३५४, |
| त्रस न युक्त | 80 37 | MAINEELL | 4808 | तदिमामेवै | २४८ | 1 | ४३७ |
| | | | | | | | |

| तदेकस्यापि | # 8 20 | ∖ तदेनमस्य | २७७ | तदेव हि भ | १३७१ | तद्गजं स्वग | হও০ ই |
|---------------|---------------|-----------------------|-------------------------|-----------------------|----------|---------------------------------|--------------------------------|
| तदेकादश | | र तदेनमस्थै | | तदेव हीनं | | तद्गतार्थे हि | # ६ ४७ |
| तदेतच्छ्रीस | १) | तदेनमाभ्यां | 97 | तदेवाभिप्र | | तद्गन्धेनैव | २८४० |
| तदेतत्कार | २८०४ | तदेनमिन्द्र | २६६ | तदेवावक | | तद्रां कृतन | <i>२७</i> ४३ |
| तदेतत्क्षत्र | ४३७ | वदेनमुप | | तदेवाश्वानां | | तद्गुणो यदि | |
| तदेतत्त्रय्ये | ३१८ | | | तदेवाष्ट्यु | | तद्ग्रहाण स्व | |
| तदेतत्पर | 888 | तदेनमेषु | | तदेवाऽऽसन | १६८७ | तद्गेहस्य पु | ૨ ૫ ર ૧ |
| तदेतित्पतृ | २०९ | तदेनमोज | २१२, ^२ १४ | | | तद्रौरिवीतं | 282 |
| तदेतदप्य | २८१ | तदेनयोवीं | े ^१ २ २८९ | तदेष उप | २५८,३०७ | | |
| तदेतदार्षे | १५०७ | तदेनाः स्वाहा | ર ું ૧ | तदेष श्लोकः | | तदण्डराज | .। १४९४ |
| तदेतदेवं | ९९६,२१२७ | तदेभिः कार | २१९७ | | २४८३ | तहण्डविन्नृ | ६१० |
| तदेतद्धर्म | # २०३२ | तदेवं धर्मा | १७६६ | तदेषां दश | २६१३ | तहण्डाज्जाय | १९८३ |
| तदेतद्ब्रहा | ४३८ | | ६४० | तदेषां नैमि | २६ ३६ | ł | ७४१,,१७४५ |
| तदेतन्नर | ५६७ | राष्ट्र काल | २०२५ | तदेषां याचि | प्रष | तद्दर्शनोपा | ं ^१ २ ० ३ २२०३ |
| तदेता आपो | २७२ | तदेव चेन्नि | २८४५ | तदेषां विघा | २१६४ | तह्शकस्य | 2360 |
| तदेतावेव | ३०९ | 1 / | २६७० | तदेषाऽभि य | २३५ | 1 | |
| तदेतेन त्र | ३१९ | 1 " 7 " " " " " | ६३२ | तदेषाऽभ्यनू | २९ | तहानं रुक्म तहारु च व | <i>१९५५</i> <i> </i> |
| तदेनं क्षत्रा | 2/.2 | तिष्य प्रव्य | | तदैकस्थापि | १५१३ | तिह्नं कार | कर २८९५ |
| तदेनं तत्सु | ३३२ | ातप्प पार | १६९१ | तदैक्षत | ४४६ | तद्दुःखमपि | 900 |
| तदेनं तेज | २ १५ | (त्य । नन्य | १०४७ | तदैतान्युग्र | २३५५ | तद्दुगै यन्त्र | २७०१ |
| तदेनं न हि | २०१ | (राज्य विक्य | * ,, | तदैवं हृदि | २४०७ | तद्दूषकांश्च | ११६५ |
| तदेनं परि | २७९ | । रायम । नाम | | तदैव ताव | २७९९ | तद् दृष्ट्वा सो | |
| तदेनं पशु | २८३ | ।तदव नप | २५४१ | तदैव तेऽनु | *६३२ | तदेशकृत वि | , २ १२५ |
| तदेनं प्रजा | २७४,२८२ | तदेव पाषा | २५६ ३ | तदैव नृप | ११५३ | तदेशस्यव | |
| तदेनं प्राणो | २८३ | तदेव प्रति | २२५७ | तदैव प्रव्य | २३८६ | तह्रशान्यव तह्नैवं तद्वि | २८२३ २८७५ |
| तदेनं बृह | २६६ | तदेव भुज्य | १८०४ | तदैवमभ्य | *१०८४ | | ५ ८७५ ४८४,२९१६ |
| तदेनं ब्रह्म | २८२ | तदेव मङ्ग | ६०६ | तदैव में सं | 2/26 | | |
| तदेनं मध्य | २६९,२७५, | तदेव मध्याः | १०८४ | तदेव बृत्रः | 2/19/2-1 | तद्द्रयंतुप | १२९३ |
| | २७६,३०१ | तदेव यम | 8 | तदैवास्मादु | | तद्द्रयं बहु | १४९३ |
| त्रेनं मित्र | २६७ | तदेव याति | | तदैळं भन | 21.01 | तद्द्वात्रिंशत् तद्द्वारेण न | ४३५ २८२८ |
| तदेन ५ रह | ,, | तदेव राज्ञां | 84401 | तदोपदेशा | 21.01. | ~ | २८२८ |
| तदेनं वरु | २६७,२८० | तदव रासा तदेव लक्ष | 10,14 | तदोपस र् प | | तद्द्विविधमा | १४९१ |
| तदेन सोम | २६६ | तदव ७ व तदेव विजि | ٠, ١ | तदोपसर्पे | | तद्धनं द्विगु | २८२६ |
| तदेन १ स्व ए | _ | तदेव विष | १५५ ९ ह | विषय | 1 | तद्धनं राज | १३८२ |
| तदेनत्त्रीतं | 2 | तदेव विस्त | १०७८ ह | न्होता <u>ने</u> त | 1 | तद्धर्मीश्चान्य | ७२९ |
| तदेनमङ्गे | | तदेव सम | १५२२ ह | | | तद्ध सैतत्पु | ३०९ २८७ |
| तदेनमञ | | तदेव सेना | 2348 | | 1 | तद्ध सैनम स्टान्टस्य | २८५ २०२ |
| | ,- | ·· •· | 12191 | 141 ml 010 | 40861 | तद्वानुबुध्य | 404 |

वचनस्ची ः

| _ | | | 1 | | 25 0 1 | तद्यद्रत्निना | २६ २ |
|-----------------------------|---------------------|-----------------|------------------|----------------|-------------|-------------------|--------------|
| तद्धित्वाऽमृत | | तद्य इह र | | तद्यदपः सं | | | |
| तद्धि देवाः स | ७२८ | तद्य एवं १ वि | . १०९ | तद्यदसै ध | | तद्यद्रयंत | २१३ |
| तिद्ध मित्रस्य | २२१ | तद्य एवः वे | १०९ | तद्यदस्या अ | | तद्यद्रुक्मा उ | २८ ६ |
| तिद्धि वारुणं | २५८ | तद्य एवाऽऽर्प | ३१६ | तद्यदाश्विनाः | | तद्यन्मैत्राव | २९६ |
| तध्दूमदर्श | \$ 9८३ | तद्यः पिता तं | २८९ | तद्यदितो य | 386 | तद्यसाद्व्यज | १४८० |
| तध्दूमसेव | 77. | तद्यः पुत्रस्तं | ,, | तद्यदुपरि | | तद्यस्थैवं वि | १०३ |
| तद्धातृविहि | ব ३७३ | तद्यच्छचेतो भ | ર્લ ૦ | तद्यदेतद्रा | | तद्या इमं प | २७२ |
| तद्धारणदि | २८४३ | तद्यच्छ्वेतायै | २६ ३ | तद्यदेतया | ३११, | तद्या ऊर्मी व्य | २७० |
| तद्धीनतोज्जी | १९४३ | ١ , | 2 2 | | | तद्याः प्राच्यो व | |
| तद्धैक आहुः | 288 | तद्यज्ञं प्रत्य | ३०४,३०५ | तद्यदेतस्मि | | तद्याभ्य एवे | २८३ |
| तद्भैके निद | २८० | तद्यत्केशान | ३१० | तद्यदेतस्य | | तद्युद्धं दीय | २७८९ |
| तद्वैके सम | " | तद्यत्क्षत्रियो | २०६ | तद्यदेतानि | े ३३४ | तद्ये ज्यायांसो | १९२ |
| तद्धैषां विज | ,,, ४७९ | तद्यत्पञ्च ह | ३०५ | तद्यदेता य | " | तद्येनाप्राप्त | २२४६ |
| तद्धोचुः– उत्पि | २५२ | तद्यत्पदं पु | ४३१ | तद्यदेतेन | | तचे ह सम पु | ११२,११३ |
| तद्धोता राशे | १९४ | तद्यत्पूर्वाभि | ३०८ | तद्यदेतेना | २०९ | तदीव क्षत्र | २ २८०,२९७ |
| तद्धलं प्रथ | २७०३ | तद्यत्प्रयुजा | १०७ | तद्यदेते प्र | ३३५ | तथेषा दक्षि | २१ ६ |
| तद्वलं श्रेण | १५४२ | तद्यत्र वे ब्र | २ २२ | तद्यदेतेषां | ३४ | l | ८९१ |
| तद्वलीयस्त | २१२ २ | तद्यत्रैतांश्च | २०८, | तद्यदेनं दि | २८५ | तद्योगशास्त्रं | |
| तहलेनानु | २०६८ | | २०९ | तद्यदेनं वा | २८५ २८० | तद्यो मृत्युर्यो | २८३ |
| तद्वोधये ज | १२६१ | तद्यत्स×स्रवा | | तद्यदेनमू | २८७ | तद्योऽस्य पुत्रः | |
| | | 1 | १४ | | | तद्योऽस्य स्वो | |
| तद्ब्रवीतु भ | १०८९ | } | | तद्यदेनमे | ३०२ | तद्रक्षणध | १३०४ |
| तद्बाह्मणः रा | २८९ | | ३३ ४ | तद्यदेवं क | २९० | तद्रक्षणाय | १३५८ |
| तद्ब्रूहि त्वं सु | १०८९ | तद्यत्स्वयमु | ર ६४ | तद्यदेवं जु | २५२ | तद्रक्षेत प्र | ७२८ |
| तद्ब्रूहि त्वं हि | १०३९ | तद्यत्स्वस्य गो | २९२ | Marie | ३११ | तद्राजञ्जीव | २४४७ |
| तद्ब्रूहि मां सु | #8069 | तद्यथा | १४९४, | तद्यदेव ५ सं | २९९ | | (७०,११७४ |
| तद्भयात्पश | *१६ ९६ | | ३४,२८४५, | तद्यदेव क्ष | २७९ | तद्राजा तथै | ९७४ |
| तद्भवान् मित्र | *१२९३ | तद्यथा पति | ४६,२८८७ ३४ | तद्यदेवमु | ३१६ | तद्राजाऽप्यनु ५ | |
| तद्भवान् वृत्त | 99 | 1 | | तद्यदेवादः | २४९ | _ | |
| तद्भारद्वाजं | રં१૪ | तद्यथा बट | २४८० | तद्यदेवामू | २२० | तद्राज्यं पितृ | ८४१ |
| तद्भावकृत | २८०१ | तद्यथा-मान | . २८३५ | तद्यदेवास्य | २६८,२८८ | तद्राज्यमुभ | १२०५ |
| तद्भाषश्राव तद्भावभावि | १५०९, | तद्यथा रक्ष | १०७९ | तद्यदेवास्या | २४८,२६२ | तद्राज्यस्य व | २१४७ |
| त्रश्रीवयात | २५६ १ | तद्यथा रथ | २९ ३३ | तद्यदेळां हो | २०८ | तद्राज्ये राज्य | *K00 |
| तद्भावभावे | २०१६ | तद्यथा राजा | . ३५५ | तद्यद्वायत्रं | ३५० | तद्राशिपैवी | २४६६ |
| | # 99 | तद्यथैवादः | २३५ | तद्यद्गायत्रीं | ४३५ | तद्रूपधारि | १५०५ |
| तद्भावयुक्तो तद्भावे कृत | ₩ * २८० १ | 1 | | तद्यद्दूवी भ | 2 20 | | ४६३ |
| | | 1 | ३५१ | तद्यद्धरण्यं | ર ૭૮ | 1 ~ | १७४२ |
| तद्भेदा जय २८ | 2 7 7 7 0 W | तद्यदन्तरे | २६९ <u>,</u> ३०१ | 1 | | 1 | |
| तद्भेषनं च | र ३ ४ ३ | 1484.44 | 14 28.8 . 8 | 1 nad 2618 | 48 9 | तद्भः संग | २०२४ |

| | | <u>- </u> | | 1 | 22.45 | 1 | 9.40.0 |
|------------------|---------------|--|---------------|--------------------------------|---------------|------------------------------|------------------------|
| तद्रचः स प्र | | तद्वै प्रवृत्तं | | तन्त्रीकण्ठोतिथ | २२४ ६ | तन्मध्ये भूप्र | १४९२ |
| तद्वच्छेषाः | | तद्दे ब्रह्मज्य | | तन्त्रीवाद्यवि | | तन्मध्ये मान | #२६७६ |
| तद्वदर्थान्म | १०४० | | १९१ | | ७ २५०३ | | १४१४ |
| तद्वदुग्धप्र | ६८१ | तद्वै यथात | ६४३ | तन्न इन्द्रो बृ | #४ ९ ६ | | १४९२ |
| तद्वदुंबुद्धिस्त | १७४१ | तद्वै यथायं | * ,, | तन्नः शिवः प्र | ३००३ | तन्मध्ये श्वावि | २६५९ |
| तद्वयोगस | २४६४ | तद्वैयावृत्त्य १३ | १२८,२२१२ | तन्नः सृजस्व | २९ | तन्मध्ये स्थन्द | २७५३ |
| तद्वनं चर | # १५९८ | | ३९९ | तन्न कुर्याद्ये | १०१६ | | २९१ |
| तद्दनं चृक्ष | १०९२ | तद्वै वित्तं मा | १५४६ | तन्न व्यजान | ४७९ | | ८५९ |
| तद्वनेचर | १५९८ | तद्वै शस्त्रं श | 2300 | तन्न राशाक | ,, | तन्मन्येऽहं त | #2038 |
| तद्वर्च एवे | રપહ | तद्वै स तन्ना | | तन्न शशाका | 860 | तन्ममाऽऽचक्व | १०७७ |
| तद्वर्ज वश | १९३७ | तद्व स तन्ना तद्वे सर्वे य | २८५ | तन्न सर्व इ | ४२६ | तन्महेशाय | ३००३ |
| तद्वर्ण एव | १८२८ | | ५५४ | तन्न हैताव | ३४ | तन्मांसं चैव | १२२० |
| तद्वर्णः पूर्व | २८३८ २८३८ | तद्वचतीतस्य | २८०४ | तन्नातिलाल | १११७ | तन्माता पृथि | २४४ |
| • | | तद्व्ययद्विगु | १३७६ | तन्नाथान् दण्ड | | | २२ ९६ |
| तद्वां नरा शं | ५५ | तद्व्युद्धमेवा | २०३ | | • | तन्मात्रमेव | २५८२ |
| तद्वाचा त्रय्या | ४४५ | तद्वतमाच | ७६७ | तन्नाऽऽददीत | १३१३ | 1 | |
| तद्विज्ञाय म | ६२८ | तनुते वा अ | ३२० | तन्नाउउ५५ात तन्नाम्नां चापि | | तन्मामवग तन्माषैः सह | २०३२ |
| तद्विज्ञाय सु | # ,, | तनुत्राणस | २७५१, | तन्नारदेन | | तन्माषः सह तन्मित्रं यत्र | २६५८ |
| तद्विद्धि पृथि | १०५० | | २७५२ | तन्नारो वणि | | तान्मत्र यत्र तन्मित्रकार | २०४१ |
| तद्विचैस्तित्क | ८७९,८८२ | 1 . | १६३० | | .3 | 1 | \$ 2029 |
| तद्विद्वांसोऽनु | २४९६ | | ५२१ | तनाष्ट्रा रक्षा | ર૫૪,ર૫૫ | | " |
| तद्विधं कुरु | १७६६ | तनूरसि त | ३६० | तन्नास्ति यस्मा | ९६१ | 9 | ७४२ |
| तद्विनाशो भ | २१८४ | तनोति नृप | # २९०३ | तन्नियोगेन १५ | | I •\ | १३२३ |
| तद्विरुद्धवृ | ९२० | तनोति मात्र | ९३९, | तन्निरुन्ध्यात्प्र | ९२७,९३७ | तन्मूलत्वात्त | ११६८ |
| तद्विशिष्टं तु | २१९९, | | १६०६ | तन्निष्ठस्य हि | ९२४ | तन्मूलत्बात्प्र | २६८० |
| | २६ १९ | तनोति सनृ | २९०३ | तन्नूनं पति | २३९९ | तन्मेऽनुमति | २४४ |
| तद्विशिष्टं ख | २५६५ | | २३४८ | तनेहितव्य | १११७ | तन्मे परिण | २३८९ |
| तद्विशिष्टब | २१९४ | तन्तूनां पक्ष्म | 966 | तन्नो गौरी प्र | | तन्मे भूयो भ | ३९१ |
| तद्विष्णुनैव | ३३४ | तन्त्रना परम तन्त्रं चतुर | १२३२, | तन्नो मित्रो व | | तन्मे विस्तर | २५०२ |
| तद्विष्णोः पर | २५४२ | तन्त्र पपुर | १५४१ | तन्नो रुद्रः प्र | | तन्वते वासा | ३२० |
| तद्विष्णोरिति | 2488 | | | | ०१,३००२ | | ८१९ |
| तद्वीर्याण्येवा | | 4.4 | २८९८ | तन्नो वातो म | | तपः सत्यं च | ^२ कृ२९६५ |
| | २९९ | तन्त्रं खविष | ६८१ | | | | |
| तद्वृद्धिपुष्टि | १५२५, | | १००५ | तन्न्यूनामात्य | | तपः सत्यश्च | 99 |
| | २३४२ | | २८५३, | क्लाकं धत | १९९७ | तपः सुमह | १०७७ |
| तद्वृद्धिर्नीति | १३६७ | 30 | ५४,२८८० | तन्मतं धृत | ٦ | तपः खधर्म | ७६२, |
| तदेलाकूल | २२९९ | तन्त्रमित्युक्तां | # /O / 1 | तन्मतस्त्वं गु | *८४६ | | ८३० |
| तदे ज्यादी व | श ३०२ | तन्त्रयुक्तयः | | तन्मध्ये गज | | तपती विष्प | • २९७० |
| तद्वै निधाय | १९५ | 'तन्त्रावापी नी | २६ ९५ | तन्मध्ये नृप | ۱ ,, | तपत्यर्थे वि | २३९५ |

| तपत्यादित्य | ८१० | तप्तकुच्छाव | २९०६ | तमर्थेनाभ्य | २६१९ | तमाहरत् | ३३२,३५०, |
|---------------|----------------|---------------|--------------------------|-----------------------|------------------|------------------|---------------------------|
| तपनी पिप्प | . ३९७० | तप्ततैलादि | १५४२ | तमशङ्कः क | ७९२ | | ४४५,४६५ |
| तपनीयं ज्ये | २२४९ | तप्तहाटक | २९०२ | तमश्विना ऊ | १९० | तमाहर म | २४५० |
| तपनीयमु | २२५० | तमःसंवृत | १५०३ | तमसा पिप्प | २९७० | तमाहुः सर्व | १०३४, |
| तपन्ति शत्रुं | . ४८३ | तममि त्रिः | प १०९० | तमसा ये च | 486 | | १३४५ |
| तपबद्धस्तु | २८३७ | तमग्रिख्वा | १८९ | तमसाऽऽवृत | #१५०३ | तमाहुर्व्यर्थ | २३८३ |
| त्रपसत्तस्य | १०७७ | तमतथ्यभ | २७९७ | तमस्त्वपाग | # २३९१ | तमितरस्त | २१५९ |
| तपसा च कृ | २३५६ | तमतिक्रम्य | १२११ | तमसम्यं स | ९७ | तमितरेषा | १९२३ |
| तपसा च वि | २९८७ | तमतिकान्त | ११२१ | तमस्मा उद्धा | አ _የ ሪ | तमिन्द्र उवा | १९० |
| तपसा तेज | ७६ १ | तमत्रिविह | ११२२ | तमस्याभिप्र | # १२११ | तमिन्द्रः पुरु | ^३ १८६,१८७ |
| तपसा निर्जि | १६१५ | तमत्वरन्तं | २०२५ | तमहं कुमा | ३५५ | तमिन्द्रो दिद्वे | ३ १२ |
| तपसा ब्रह्म | २३९६, | तमद्भिः स्न | ातं २९१५ | तमहं न ह | #२७५९ | | |
| | २४४२ | तमनुष्ट्रप्छ | ४२८ | तमहं वेद | २३९१ | तमिन्होऽत्रती | १०९,२९०५ |
| तपसा भग | ७९३ | तमनेन तु | २८८६ | तमहं श्रोतु | २९५५ | तमिमं पुरु | १९०२ |
| तपसे कौला | ४१४ | तमन्तरेव | 388 | तमागतम | १८८८ | तमिमं संप्र | १७१६ |
| तपस्तेज स्व | ३५१ | तमन्तर्वेद्य | 298 | तमागतमि | ,, | तमिमं ससु | १८९५ |
| तपस्विनश्च | १३•८ | तमन्योन्येना | | तमागतमृ | ५४१ | तमिष्टिभिर | ેં _વ ે. રદ્ |
| तपित्वनां तु | १८१४ | तमन्बन्ये म | ३ ५९ | तमागन्म त्रि | አ ጸ | तमिहैकम | ५५ ५६६ |
| तपस्विनो दा | ११५१, | 1 | २५ <i>०</i> २७०९,२७२० | तमाचरेच | १४३१, | तमिश्यम व | २५५ ३७९ |
| २३) | ४१,२६७०, | 1 | | | १९८५ | 1 | |
| | २७८७ | तमपास्य च | ८४५ ६ २७ | तमाचार्ये शि | १६२३ | तमुत्तङ्को म | १०३५ |
| तपस्विनो मे | ६०२ | तमपृच्छन्म | | तमाजिमुज्जि | ३६५ | तमुत्तमेन | २०१० |
| तपस्विभिर्या | २६९२ | तमब्रवीत्त | १०५४,२७०८ | तमातिष्ठति | २ ९१ | तमुत्थाय म | २८७७ |
| तपस्विलिङ्गि | १६५६ | तमब्रवीत्स | १०५४ | तमात्मदोष | २५६४ | तमुत्साहये | २६४७ |
| तपस्विव्यञ्ज | क १६५६, | तमब्रवीद्वा | ६११ | तमात्मनि ख | १६६२ | तमुपरिष्टा | २८६ |
| १६ | ७६,१६७९ | तमब्रवीन्म | २७६० | तमाददान | २५६८ | तमुपर्यासी | 330 |
| तपस्वी सत्य | १३८८ | तमब्रुवन्प्र | ७९६ | तमादाय सु | २८६७ | तमुपहूयै | ४२० |
| तपा चृषन्वि | ३७७ | तमब्रुवन्- | स ३५० | तमापोऽनूदा | ४२० | तमुभयेषां | 3 १८ |
| तपोजा इति | २७८ | तमभिशस्ति | 99 | तमाप्त्वा पर | १९५ | तमुवाच म | #६२६, ८८८,२९४४ |
| तपो ज्ञानम | ५७८ | तमभिसमे | ४६४ १ ६६७ | तमाप्नोत् | 99 | तमुवाच स | |
| तपोधर्मद | १०३४ | तमभ्यभाष | | तमायन्तं द | १४ | तमु ष्टुहि यो | ६३८ |
| तपोभिर्विद्य | ६३८ | तमभ्यवद | ४७९,४८० | तमारुह्य त | २९५ ४ | तमुह वृत्रो | २१३ |
| तपोमन्त्रव | १६२३ | तमभ्यवप | २६१९ | तमालशाल | १४३२ | l | ३५० |
| | | राम अरसुट | २३३ | तमाश्रमे न्य | २८६४ | 40. | ७९२ |
| तपो विद्युत् | રૂ ૫ શ | तमभ्युत्ऋष्टं | २२८ | | | 1183111 | * ,, |
| तपोविशेषे | १४३० | ev_ ' | ३३ २ | i . | ૨ ૪५७ | | # ₹४५ ६ |
| तपोऽहिंसार | ८६७ | 1 | | 1 | १८९२ | तमृते फल्गु | १८९२ |
| तसकलघो | ३ ३५३ | तमर्थमाना | १६४२ | [।] तमाषाढीप | २२ १८ | तमृते फाल्गु | ٠,, |
| | | | | | | | |

| दुवव | | | | • | | | - |
|--------------------------------|-----------------------|-----------------------------|------------------|------------------|------------------|--------------------------------|---------------------------------------|
| त्रमृत्विज ऊ | 200 | तमोहता प्र | २९९१ | तयोरध्यन्य | ં ફ બ ધ જ | तरसा तूरिथ | १५१६ |
| हान्द्रास्यज्ञ तमेकं ब्रह्म | | तया कौरोयं | २२३८ | तयोरयन | : २४६२ | तरसा बुद्धि | १०५६, |
| तमेकमसु | १५०५ | तयाऽऽत्मानं च | ८८७ | तयोरथें कु | २०३४ | | 2008 |
| | ३६४ | तया त्रिंशत्स | *8488 | तयोरलब्ध | 4147 | तरसा ये न | २०३६ |
| तमेतं ब्रह्म | í | तया दीक्षया | ३०३ | तयोरल्पब | २०९६ | तरिकः ्खल | २३३४ |
| तमेतमभि | १८७ | तया देवत | 1 | तयोरावस | १०५३ | तरू छेदेन | १६१० २८६२ |
| तमेतया प्र | १८९ | तयाऽनुमतः | | तयोरुत्पन्नो | २२१६ | तरुणाः सह | |
| तमेतयाऽश्वि | ३१३ | तयाऽनुलिप्तं | 1 | तयोरभयो | २६ ५ | तरुण्यल्पा वा | १३७४ |
| तमेतस्मित्र | ५२८ | तयाऽभिषिच्य | I | तयोरेकपु | २०६३ | तरेषु दास | १३६२ |
| तमेतस्थामा | २२८,२२९, | तयाऽर्बुदे प्र | | तयोदैंवं वि | २३९३ | तरोः संक्षीण तरोऽष्टौ माषाः | २१४७ १३०९ |
| | ^२ २३३ | _ | ७१ | तयोर्दैवम | ७३६,७४९, | तराऽष्टा मानाः तर्कयितव्य | २५६६ |
| तमेताः पञ्च | ३६२ | - | १०८७ | | ४०२,२४०८ | तर्केङ्गितज्ञः | ^२ १६५६ |
| तमेताभिर्दे | ३०१ | यया वृक्षफ | २६६ १ | तयोद्धिजव | ८७८ | तर्जिका खला | १५३९ |
| तमेताभिश्च | १९० | तया सह स | ૭૪ૡ, | तयोर्नित्यं प्र | १११० | तर्पयेदुद | ९५९ |
| तमेतेनैन्द्रे | २३० | तया यह य | २८२८ | तयोर्ब्राह्मण | १८१२ | तर्पयेद् ब्राह्म | ર |
| तमतगद्भ तमेतेनैवा | · | तया स्वपक्षं | 600 | तयोर्भवति | * २५०९ | तर्पिता विधि | २७६९ |
| | २१९ | तया स्वयः तयाऽहं शत्रू | ४६१ | तयोभर्गिव | १५१६ | तलवदृदृश्य | १२२१ |
| तमेतेषु क | १४०१ | तयाऽहं सर्वे | ३९६ | तयोर्मित्राक | १९२७ | तलैरधष्ट | १४६० |
| तमेनं ब्रह्म | * ६ २० | तयाऽहमिन्द्र | ५२० | तयोर्यः प्रत्यु | २०९२, | | २९३२ |
| तमेवं बहु | ८४५,१९०६ | | પ રફ | | २०९५ | नक्ते क्रीक | " |
| तमेवंवादि | २०२६ १२ १ ० | तयेन्द्रो हन्तु | ३४९ | तयोर्यो दैव | २०९९ | तिछिङ्गेन च | ,,, २९ २२ |
| तमेव काक | १२ १ ० १६६७ | तयैनमया | ३१३ | तयोर्वषट्क | २०८ | तछोकवृत्ता | १०१५, |
| तमेव काङ्क्ष तमेव काले | २०७ ० | तयेवैनमे | | | २०८९,२१८५ | વિછાયક | २०२१ |
| | २८२२ | तयोः 'अर्थो न | १४०२ | तयाहराग | २९१० | | |
| तमेव कृत्स्न | | 1 | १५५७ | । तयाहि प्रात | १४९३ | तव चापि ज | २८७ <i>०</i> , २८७४ |
| तमेव पूज | ७८०,२३९८ ४५५,४५६ | तयोः कोपो ग तयोः परिभ | १५५७ १५५८ | | २७८ | तव चापि म | २४८७ |
| तमेव भाग तमेवमेतं | 28° | तयाः पारम तयोः पादाव | २३१ २ | 1 200 | १६२३ | तव चासह | १६६७ |
| तमवनत तमेव हि प्र | २१७८ | तथाः पाराप तथोः प्रीतो द | ७९२ | | ३३३ | ਤੜ ਜ਼ੀਕਿਰ | २०२३ |
| तमेवाभिमु | २९३६ | | १६१९ | | ७८७ | ' | २७६ २ |
| तमेवैतद | २८३ | तयाः संवद | २०२७, | - जाने वर ज्याचि | १९२७ | च्या गामी 🎞 | २०३८ |
| तमेवैतेन | २६१,३०० | तयाः सपद | २७९७ | | २२५ ५ | 1 | २८७० |
| तमेषां भक्त | २३१५ | तयोः सिद्धये रि | | | मं क्र६४९ | | २०२४ |
| तमो न व्यप | | Iddie ing a in | , ११२३ ११२३ | 1 _ | १८६८ | | ૨ ૦૨ ૦ ૨ ૨ ५૮ |
| तमोनिलीन | # १ ९९३ | 14.410 21.41.11 | २१ ९ ३ | तयोस्त्यागेन | १६२६ | तव बाहुब | २३५८ २५३८ |
| तमोऽनिलो | | तयोरनु भ | २६७ १ | 1 | | तव भूमिप | इ७ |
| तमोऽनिलो | | र तयोरन्तेवा | १६७० | तरन्नरातीः | ३५ ४ | तव यक्षं प | १७६७ |
| तमोपेतं वि | # 2८५١ | s तयोरन्यत व | .९६,२६ ४१ | तरन् प्रसुप्त | ३५१ | तव राजेन्द्र | १७५७ |
| | | | | | | | |

| | | | | • | | | |
|-----------------|--------------------|--------------------------------|--|---------------------|----------------------|---------------------|------------------------|
| तव राज्यवि | 2700 | तसा एतत्वा | २८९ | तसाचित्तं प्र | ७२१ | तस्मात्तदुक्थ्यः | २१५ |
| तवर्गे पन्न | | तस्मा एतत्सा | १४ | तस्माच्छक्ति सि | १८५२ | तसात्तद्व | ८१९ |
| तव वज्रश्चि | | तसा एतां रा | " | तस्माञ्छतवि | | तस्मात्तन्बङ्गि | ०६० |
| तव वाक्यं तु | | तस्मा एतान्य | २७६,३४८ | | ३१५ | तस्मात्तमेवं | * <i>१७६४</i> |
| तव विश्रम | | तसा एतामा | २२७ | तसान्छत्रं च | ७९७ | तसात्तस्य पु | २०१ |
| तव विश्राम | " | तस्मा एवैते | २ २ २५८,२५९, | तस्माच्छरो ना | ५२८ | तसात्त्रस्य व | १९७८ |
| तव शाला म | २०४८ | | عُبرک,عُبره, ع | तस्माच्छश्वत्थ | १९०६ | तस्मात्तस्याऽऽशां | २०२ |
| तव सत्यं ब्र | ९६ ९ | तस्मा क्षत्रियो | २६०,२६२ ३५० | तस्मान्छस्त्रं ग्र | * ७८०, | तस्मात्तात ब्र | २३८५ |
| तव सैन्येऽभ्य | # २ ३५८ | तसात् 'एवं | २५७ २५६२ | | *2396 | तस्मात्तापत्य | १६१४ |
| तव सैन्येष्व | ,, | तसात् कतरि | 2225 | तस्माच्छास्त्रम | ९२३ | तस्मात्ता ब्रह्म | ३०५ |
| तव स्याद्यदि | २३८८ | तसात्कर्मसु | १७७० | तस्माच्छास्त्रानु | १८२७ | तसात्तामध्व | २०७ |
| तवाऽऽत्मजं पु | २७१६ | 1 | 3 | तस्मान्छितिपृ व | २५८,३०७ | तस्मात्तावन्मा | २९२ |
| तवापत्यं भ | ८३९ | तस्मात्कर्मेव | \\ \\ \\ \\ \\ \\ \\ \\ \\ \\ \\ \\ \\ | तस्माच्छीलकु | १२५५, | तस्मात्तिस्रो धे | ३२० |
| तवाप्यकीर्तिः | १८९५ | तस्मात्कामाद | ७३१,९२२ २०२५ | | १६२५ | तस्मात्तीक्ष्णः प्र | 886 |
| तवार्थलमा | १२३० | तसात्कालं प्र | | तस्माच्छूद्र उ | ४२८ | तसानु रुप | १४१ २ |
| तवासीति व | #६२४ | तसात्काले प्र | 4 ,, | तस्माञ्जूद्रः पा | # 4८ १ | तस्मातु शोभ | # २५ ०४ |
| तवाहंवादि | २७८२ | तसात्कुमारं | १०१२, | तस्माच्छूद्रस्य | ५८० | तस्मात्तेजसि | १९०६ |
| तवाहमसी | २०४९ | जन्म जन्मे | ११२४ | तस्माच्छूद्रोऽनु | ४३४ | तस्मात्ते यत्न | १९५७, |
| तवेमाः प्रजा | ४६ | तस्मात्कुलीनं तस्मात्केशव | १६१२ २८३ | तस्माच्छोभन | २५ ०४ | | २६६९ |
| तवेमे पञ्च | ६६ | तसात्कराव तसात्केशात्र | २८३ | तस्माच्छ्यामाको | | तस्म ते वर्त | \$ 88 \$ |
| तवेमे पृथि | ४०७ | तस्मात्कशान्त्र | ३१० १५६० | तस्माच्छ्यामी र | | तस्माते वै न | २०५० |
| तवेव में तिव | २७५,२८५ | तस्मात्कोपं च तस्मात्कोपो ग | १५६१ १५५८ | तस्मःच्छचेतोऽन | २६ ० | तस्मात्तेषां प्र | • १ ०६६ |
| तवैव तेज | 2800 | ાલસમાલ્કામાં ગ | | तस्माच्छ्रान्तात्ते | ७८ | तम्मात्तेषां सु | १५१३ |
| तवैव दुष्क | २७९८ | तसात्कारा प | १५५४ | तस्माजन्म च | १९०७ | तस्मात्तेषु वि | १३१८ |
| तवैव राज | ३५३ | तसात्काराद | \$ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ | तस्माज्जुगुप्से | ४३६ | तस्मात्ती ब्रह्म | २९६ |
| तस्करप्रति १४ | ११,१६५३ | तसात्कीरव्य | ر بر و ه ه | तस्माज्ज्येष्ठा रा | ५९३ | तस्मात्त्रिकालं | * ₹४०% |
| तस्करामित्रा | २३१८ | तसात्कीशीत | ४३४ | तस्माज्ज्येष्ठेषु | ८४७ | तस्मात्त्रिभुव | ७४२ |
| तस्क्रेश्चापि | १०५६ | ं तम्मात क्षत्रस् | | तस्माज्ज्यष्ठ ह | \$ ₹99 | तस्मात्त्रिवृत्स्तो | ४२७ |
| तस्थी स विद्य | १५०४ | तस्मात्क्षत्रात्प | ३ ५४,४३७ | तस्माज्ज्योतिष्टो | २१५ | तस्मात्त्रीणि वा | ३२० |
| तस्मा अपरं | २ १ ८८ | तसात्क्षत्रियं | ३४८ | तस्मात्तं नाव | ८१८ | तसात्त्रीणि श | 39 |
| तसा अचीम | २४७७ | | २०५ २ | तसात्तं परि | ચૂહ९६ | तस्मान्वं पाण्डु | १८९१ |
| तसा इन्द्रः स्त | १८९ | तसात्वहाङ्ग | | तस्मात्तं ब्रह्म | रे ०७ | तसात्वं पुष्य | ८४६ |
| तस्मा इन्द्रो व | े ^२ ३१५ | विचारपटाम | 987.2083 | तस्मात्तं वै न | | तस्मास्वं बहु | * ₹•४८ |
| तसा इळा पि | 34 | तसाच धर्म | ६२० | तसात्त ५ होत्रे | | तसात्वमपि | *६५८, |
| | रे ` १८ | \$ | | तस्मात्तदग्री | ३०६ | | १९९,२९०३ |
| तस्मा उपाक्त | | 2.2 | | तसात्तदा यो | | ्र तस्मास्वमेवं | ४ <i>३७</i> १ |
| तसा ऋवः प्र | | वसाचातुर्मी | . રૂપ | ì | | तसात्वयाऽच | 393 |
| तस्मा एतं रा | 10 | - | • • | • ! | **. | ها مصدة و واحتشيط | 6260 |

| तसात्वया म | ८२४ | तस्मात्प्रयत्नं | · ' १ २२९, | तस्मात्सर्वप्र | ६८१,७४१, | तस्मात्सुप्रात | * 8 ६ 8 |
|----------------------|-------|------------------------|-------------------|--------------------------|---------------|-------------------|-----------------------------|
| तसाचाग्र वि | #८१३ | | १५१३ | , ७४६, | ८२५,९४३, | तस्मात्सेनासु | *२६० १ |
| तस्मात् द्विनाम्न्यो | २६ ९ | तस्मात्प्रयत्ने । | १५,७४ १, | १० | ३१,१४१९, | तस्मात्सोऽभि | मा ३१२ |
| तस्मात्पञ्चवा | २५ ३ | | ८२५,९८४ | | २२,१५१२, | तस्मात्सीत्राम | ₹ १ १ |
| तस्मात्परीक्ष्यो | १८२५ | तस्मात्प्रयुजा ् | ३०७ | १९ | .८४,२४०९, | तस्मात्स्त्री युव | व ४२४ |
| तस्मात्परोक्ष | १२६० | तस्मात्प्रवर्त | #६०६ | | ९१०,२९२९ | तस्मात्स्त्रीव्यस | त १६ <i>०</i> २ |
| तस्मात् पलाय | २७७३ | तस्मात्प्रवर्ध | ,, | तस्मात्सर्वस | १३८७ | तस्मात्स्थानं । | स २९१४ |
| तस्मात्पशवो | २९० | तस्मात्प्रसीद | १६६८ | तस्मात्सर्वसं | २ १ ७९ | तस्मात्स्वधमे | ६७९, |
| तस्मात्पादाव | ४२८ | , तस्मात्प्राप्नुहि | ६०२ | तस्मात्सर्वाणि | ७ ४७, |] | 600 |
| तस्मात्पुत्रत्व | ६५८ | तस्मात्प्रायश्चि | ३१२ | | .९०,१७०९, | तस्मात्स्वयंप्र | ^२ २६ ४ |
| तस्मात्पुत्रो मा | १८४ | तस्मात् बुद्धिवृ | १७७० | 10 | ८६,१८९०, | तस्मात्स्वयं प्र | |
| तस्मात्पुरा दो | ४२४ | तस्मात् भूमिभो | २०९१ | १९ | .६८,१९७०, | तस्मात्स्वयमु | २६४ |
| तस्मात्पुरा ब्रा | ,, | तस्मात् विरक्त | २१५३ | २० | २६,२०२९, | तस्मात्स्वयोनि | |
| तस्मात्पुरा रा | ,, | तस्मात्संघात | प४,प५ | २० | ४२,२०४३, | तस्मात्स्वविष | ९७० |
| तस्मात्पुरा वो | ,, | तस्मात्संजम | १३२५ | | २८५० | तस्मात्स्वस्य | |
| तस्मात्पुराऽऽश्च | " | तस्मात्संरक्ष | १३२२ | | २६ ० १ | तस्मादगृही | • • • |
| तस्मात्पुरोहि | १६१५ | तस्मात्संवत्स | ३१० | तस्मात्सर्वास्व | ८०५, | <u>-</u> | २७५ |
| तस्मात्पुष्पं न | १०३२ | तस्मात्संशयि | २०४०, | 9 | ६९,१२२४, | तस्माद्मये | १५८ |
| तस्मात्पूज्या न | ७४३ | | २ ३ ९९ | ٦, | ०३२,२७७३ | तस्मादमावे | ४३८ |
| तस्मात्पूर्वे को | १३२८. | तस्मात्स्रश्सूपो | | तस्मात्सर्वेषु | ५८१, | तस्मादग्रीषो | २४९ |
| | २२२१ | T . | ३०२ | | ३८८,१८२५ | तस्मादतिभ | 4 680 |
| तस्मात्पूर्वमे | १२०६, | तस्मात् संस्तम्भ | | तस्मात्सर्वेर्गु | १२४२, | तस्मादतिरा | ३११,३३४ |
| | १२०७ | तस्मात्सत्कार्य | #२४०९ | | १७६६ | तस्मादतीव | ७२७,१४१६ |
| तस्मात्पूर्वामि | ३०८ | तस्मात्सत्यं व | ४३७ | तस्मात्सर्वोप | १२०५ | तस्मादत्रानि | २९९ |
| तस्मात्पृषन् गौ | २५९, | तस्मात्सदा पू | २८९० | तस्मात्स विश्व | ३ १२ | तस्मादथारि | १२२१ |
| | ३०७ | तस्मात्सदैव | २४०९ | | २६ ०७ | तस्मादध्वन | २६ २ |
| तस्मात्पृष्ठं र | २७८४ | तस्मात्स नन्द | १५११, | तस्मात्सहस्र | २५६ ३ | तस्मादननु | १२४१ |
| तस्मात्पीरुष | २४०८, | | १५२२ | तस्मात्सहाया | १२२८ | तस्मादनन्त | १५१७ |
| * * * | २४०९ | तस्मात्सप्तद | २७४ | तस्मात्सान्त्वं प्र | १९४६ | तस्मादनव | २३७७ |
| तस्मात्पीष्णो भ | २६ ० | तस्मात्सप्तसु | २३५५ | तस्मात्सान्त्वं स | १०३४ | तस्मादनुप | * ,, |
| तस्मात्प्रकृती | २१५५ | तस्मात्स बभ्रु | ३१ २ | तस्मात्सामग्न्य | #११७० | तस्मादनुष्ट् | ४२८ |
| तस्मात्प्रजाः प्र | ६१६ | तस्मात्स ब्रह्म | २०१ | तस्मात्सारस्व | २७४, | तस्मादन्तपा | 900 |
| तरमात्प्रत्यक्ष | १२२१ | तस्मात्समस्त | 8009 | | 3 2 3 | तस्मादन्तरे | २६९,३०१ |
| तस्मात्प्रधानं | 1266 | तस्मात्समान | | तस्मात् सावि त्रो | 206 | तस्मादन्यं सं | રં૦૭५ |
| तस्मात्प्रभुत्वं 💮 | १७११ | तस्मात्सर्व ए | 308 | तस्मात्साश्वेर्न | - 41- 41 | तस्मादन्यत्र | २०४१ |
| तस्मात् प्रभूतो | | तस्मात्सर्वे व्य | | त्रस्मा त्सिहमि | | तस्मादपच | २१५ ४ |
| 1 4 | २५५८ | | *2399 | तस्मात्सीसं मृ | | तस्मादपाप | ७२१ |
| तस्मात्प्रयहन | ९३० | तस्मात्सर्वः सो | १०९ | तस्मात्सुनिर्द | | तस्मादपि रा | ४२६ |
| | | | | | | | • |

वचनस्ची

| तस्मादप्यरि | *१२२१ | तस्मादारण्य | १५२४, | तस्मादुत्यान | ९४३, | तस्मादेक ए | ₹₹ ४' |
|----------------------------|---------------------------------------|-------------------|----------------|-----------------|------------------------|----------------------|-------------------------|
| तस्मादप्येत | ३१८ | | ૨ ૫૬ ૦ | | १०४,१८६२ | तस्मादेकः स्व | १६८० |
| तस्मादभक्ष्ये | | तस्मादाश्वत्थे | २७८ | तस्मादुत्सृष्टो | २५ ० | तस्मादेकवि | ४२८ |
| तस्मादिभभ | | तस्मदाश्विनो | २६०,३१३ | तस्मादु दिशो | ३०६ | तस्मादेकस्था | 900 |
| तस्मादभीक्ष्ण | | तस्मादांह—अ | २७९,२८७, | तस्मादु दुर्भु | २३८ | तस्मादेकान्त | १ ०५०, |
| तस्मादमीक्ष्णं | * ,, | | २९१,२९८ | तस्मादुद्यते | १६६९ | | २३१६ |
| तस्मादमीत | र्थ '' २०३३ | तस्मादाह—आ | | तस्मादुद्वत्यो | | तस्मादेकोन | २९८८ |
| तस्मादमात्य तस्मादमात्य | १८३१ | | २९१,२९२ | तस्मादुद्विज | ६२४,६४८, | तस्मादेतत्त्र | ११५१, |
| तस्मादरिष | ९२१ | तस्मादाह- इ | २८१,२९१ | | ५९३,१९०३ | <u> </u> | १९८४ |
| तस्मादार्यः तस्मादथींच | , , , , , , , , , , , , , , , , , , , | तस्मादाह- त | २५४,२७५, | तस्मादुपरि | ३२४ | तस्मादेतत्प्र | 48048 |
| | | | २७८,२८५ | तस्मादु परि | રેશ્૪ | तस्मादेतस्य | २ ३३४ |
| तस्मादल्पन्य | २१०१ | तस्मादाह- नि | | तस्मादुपर्या | ર રે ૪૭ | तस्मादेतस्यां | 3 |
| तस्मादश्वा र | ३१७ | तस्मादाह- 'प्र | २८८ | तस्मादुपस | ३०४ | • | २२९ |
| तस्मादसाधू | १४२३ | तस्मादाह- म | २ ९१ | तस्मादु पादा | | तस्मादेता अ | २५२ |
| तस्मादस्मा आ | २९६, | तस्मादाइ— मि | २८१,२९१ | तस्मादु प्रज | ४३४ | तस्मादेता ए | ३०२ |
| . 0 | ३४७ | तस्मादाह— वा | २७८ | तस्मादु बहु | '' ४ <i>२७</i> | तस्मादेताना | ३१४ |
| तस्मादरिमञ | २४७२ | तस्मादाइ— सो | २७५, | तस्मादु बाहु | ४२७,४३४ | तस्मादेतानि | *2489 |
| तस्मादस्मै ति | २८१ | | २७८,२८५ | _ | ३२७,०२ ० ३३३ | तस्मादेतान्या | ३१४,९७३ |
| तस्मादस्य जा | ९७५ | तस्मादाहिता | ४२१ | तस्मादुभया | | तस्मा दे ताभि | २७१,२७२ |
| तस्मादस्य यो | २२ २७ | तस्मादाहुः- न | | तस्मादु भर | २३ ७ | तस्मादेता भ्र | # ₹ \$ ८४ |
| तस्मादस्य व | ६९६ | तस्मादाहुः- प | | तस्मादु मर | | तस्मादेते ए | १९८ |
| तस्यादस्यां प्रु | २२९ | तस्मादाहुर्थे | ५२६ | तस्मादु मुखं | | तस्मादेतेषु | |
| तस्मादस्याध्य | २२२८ | तस्मादिदम | ६१८ | तस्मादु यजे | ११३ | 1 - | १३८८ |
| तस्मादस्यैषे | ३१ १ | तस्मादिन्द्रतु | રપ૪ | तस्मादु युधां | | तस्मादेते स | २४७० |
| तस्मादहं ज | २२६ | तस्मादिन्द्राय | ३५० | तस्मादु राजा | | तस्मादेते हो | १९७ |
| तस्मादहन्य | २३५० | तस्मादिन्द्रो ह्य | | तस्मादु विश्व | | तस्मादेती प | १९६० |
| तस्मादहन्या | १२३५ | तस्मादिमं द्य | | 100413 4111 | | तस्मादेनं व | १६६८ |
| तस्मादाञ्चावै | २४९ | परना।५न व्य | १५°), १७७२ | तस्मादु शार्या | | तस्मादेनं वा | २८० |
| तस्मादाग्रय | २५० | तस्मादिमम | | 1 11/11/12 11 0 | | तस्मादेनम | # २०२२ |
| तस्मादात्मव | २७७३ | तस्मादिमां नै | २५७ ६ | तस्मादु सर्वे | ३५३ | तस्मादेनमू | २८७ |
| तस्मादादित्यो | २५९ | 100000 | १६५६ | J | | तस्मादेनाः स्य | 200 |
| तस्मादापत्स्व | # १३२१ | 1 | | | ३१ ९ | तस्मादेवं ज | २९४ |
| तस्मादापदः | १९१६ | | ३६५ | तस्मादु ह ते | ,, ३१३ | तस्मादेवं प | १०६५ |
| | | 1 | | | 777 | | |
| तस्मादापद्य | | तस्माद्ध जन | 83310 | तस्मादु हैन | २१५,२२० | तस्मादेवं पु | # २०३२ |
| तस्मादासपु १३ | 3 | 1 | | तस्मादूष्मणा | | तस्मादेवं प्र | १०५१ |
| तस्मादामन्त्र | ४६५ | ı | | तस्मादतुम | ९७०,१००८ | 1 | ३४८ |
| तस्मादायुष | # 8 8 64 6 | तस्मादुत्तरा | २ ९० | तस्मादृषभो | ३५०,३५५ | तस्मादेवंवि | २३९,३५६ |
| | | | | | | | • |

| तस्मादेवं वि | १६१५, | तस्माद्दुर्गीग | | तस्माद्धारण | | तस्माद् भृत्यप | १२०७, |
|-------------------------------------|------------------------------|---------------------------|------------------|--------------------|-------------|--------------------------------------|--------------------|
| | | तस्माद्दुर्गा प्र | १४८० | तस्माद्धि काल | २४०९ | | १६४० |
| तस्मादेव ५ सं | | तस्माद्दृष्टिः शु | १४७९ | तस्माद्धिरण्य | | तस्माद्धोजयि | २०१३ |
| तस्मादेव म | | तस्माद्दष्टः स | | तस्माद्धिरण्यं | | तस्माद्भ्रष्टा भ | १०१६ |
| तस्म।देवमु | ३१६ | तस्माद्देवता | १८१३ | | २७८,३०६ | तस्माद्यः सता | ५२६ |
| तस्म।देवैन | દે રૂ ૦૬ | त स्माद्देवम | | तस्माद्धि राज | | तस्माद्यः सहि | ६१७ |
| तस्मादेष स | 399 | तस्माद्देवस्वो | २६८ | तस्माद्धेतोहिं | | तस्माद्यतो भू | २६७४ |
| तस्मादेषैवा | २५ ४ | | १६४० | तस्माद्धेनुर्द | | तस्माचत्नेन | ७२ १ २ |
| तस्मादश्वा तस्मादहीत्ये | ४२७ ४२५ | तस्माद्यूतं न | १११२, | तस्माद्बल म | १५२६ | | २१४ |
| तस्मादैन्द्रामो | ه <i>۲ ۲</i> ع <i>۷ ۵</i> | , | | तस्मद्धलव | १९०६ | " ' '' ' ' ' ' ' | ३१७ |
| तस्मादैन्द्रो भ | ર પ, ૧, | तस्माद्द्रीपद्य | १९०५ | 1 | २०४८ | तस्माद्यथाऽई | १४२५ |
| doug at | ३१३,३१ ६ | तस्माद्द्वादश | २५७,२७६, | तस्माद्वह्याग | १८२५ | तस्माद्यद्यपि | ३५४,४३७ |
| तस्मादोमोमि | ४४५ | | ३०८,३१८, | तस्माद्वाहस्प | २५८ | तस्माद्यद्येनं | ४२६ |
| तस्म दौदुम्ब | ર ૬ ९, | | | तस्माद्बाह्यम | १२२८ | तस्माद्यम इ | ७०६ |
| तरमः दादुन्य | * | तस्माद्द्वावग्री | | तस्माद्वाह्येषू | १९१७ | तस्माद्यश्च वे | ११२ |
| तस्म द्रच्छ प्र | 6 8८१३ | तस्माद्दिजाती | | 1 ' | १२४८ | तस्माद्यष्टव्य | ५८३ |
| तस्माद्रभे स | ७८९ | तस्म।द्दिजेभ्य | | तस्माद्बुध्यस्व | ६०७ | तस्माद्युद्धं न | १९७० |
| तस्माद्रायत | १ १० | तरमाञ्च जारा | ७२ | तस्माद्बुभूषु | ८०१ | तस्माद्युद्धाधि | १५१४ |
| तस्याद्गः हस्थ्य | १६१४ | तस्माडमें च | १०९१ | 1 | २३९६ | तस्म। द्युद्धाव | २७८६ |
| तस्य द्वावेधु | २५३,२६७ | तस्माद्धमे पु | | | २९८ | तस्माद्युवा पु | ४२४ |
| _ | | ((Alan 1 | ८१३ | 1 . | २३९६ | तस्माद्योगीव | ११३६, |
| तस्माद्गुणव | १४१९ १ ६१२ | | ७२७ ८२१ | 1 | ७२८ | | १७३९ |
| तस्याद्गुरुं वे | १ ५६५ | 1 7.11.0 .1.0 | ६४७,६४८, | तस्म।द्बाह्मण | | तस्माद्योधान् ह | |
| हस्माद्गुह्यमे हस्यादगामित्र | १३ १८ | i . | १६१५ | | ४२७ | तस्माद्यो राजा | १९४ |
| टरगाद्गामियु इस्यादयाम्यव | 5410 5 60 | • स्माद्धर्मम | #८१३, | तस्माद्बाह्मणं | ३४८ | तस्माद्रक्षेन्म | १७६९ |
| हर्मा द्याम्यत्र इस्य द्याम्यत्र | | | १००८ | तस्म द्बाह्मणः | ३५४,४३७ | तस्म द्रणेऽपि | २७८६ |
| त्रस्म द्घमस्त इस्राज्यानं ग | ७२ | टस्माद्धर्मवि | ७४६ | तस्म द्ब्र ह्मणो | २६८, | तस्माद्रथम् | २९० |
| र.ह शहण्डं प्र | ७७९, १ ९८६ | तस्माद्ध मीत्प | ४ ३७ | 266 | ,२८९,४१२, | तस्माद्रथवि | २९ ३ |
| तस्म'द्दण्डमू | ८७१ | रमाद्धमर्थि । | ७४३ ,६४९८ | | ४२७,४३४ | तस्माद्रसाय | ११६४ |
| तस्यादण्डं म | •६६७, | - स्माद्धमीस | १८२२ | तस्माद्ब सण्यो | १ ३३२. | तस्माद्राजनि | ३५० |
| तत्वाद्व-७ म् | * १९७० | तस्माद्धमेण | २७६५, | | | तस्म।द्राजन्त्र | ९६ ९ |
| er mermer | | , | २७६६ | तस्माद्धक्ष्येऽभ | | तस्माद्रा जन्य | ४२७,४३४ |
| तस्यादम्यान्द् हरणसम्य | *७३ ७ | तस्पाद्धमें स्थि | | 1 | | तस्माद्राजन्यो | ४१२ |
| रस्मःदशगु | ७ ४० | ~ ~ C | ५८७ | | | तस्माद्राजभ | ६६६ |
| तस्माद्दशपे | ३०२ | | • | 1 | | तस्माद्राजन <u>े</u> तस्माद्राजने | 444 60 8 |
| तस्माद्दातव्य | १ ०९६ | 1 | • | तस्माद्भगस्त | | | 926 |
| तस्माहानानि | १ ०९६ | | | तस्माद् ५ मीश्व | | तस्माद्राजाचा | |
| त्तस्माद्दुर्गः प्र | *\$860 | ¹ तस्माद्धायना | २६६ | Í | <i>१७१७</i> | । तस्माद्राजाऽद | २९८ |

| | | _ | | | | | |
|--------------------|---------------|--------------------|-----------------|-------------------|--------------|---------------------------------|------------------|
| तस्माद्राजा ध | | । तस्माद्रणीश्र | ८१९ | . तस्मान्नववि | २८६ | तस्मान्मित्रम | १८५० |
| तस्माद्राजाऽऽनृ | | तस्माद्वर्णैः स | ५८१ | तस्मान्नव वि | ३१५ | . तस्मान्मित्रोऽसि | |
| | ११४१ | तस्मद्वा अनु | 366 | तस्मान्नातिम | 111,429 | तस्मान्मिश्रेण | ५७१ |
| तस्माद्राजाना ८ | ०८,१६४८ | तस्माद्वा अस्मा | े २८२ | तस्मान्नात्युत्सः | | तस्मान्मूलं न | १०३२ |
| तस्माद्राजा प्र | १०८२ | तस्माद्वा इन्द्रो | ४८१ | तस्मान्नाम्बानां | | तस्मान्मृदुप्र | 909 |
| १६ | र५,१६६५ | तस्माद्वा एत | ३१३ | तस्मानाहीम्य | | तस्मान्मैत्राबा | २६ ४ |
| तस्माद्राजा य | ३५७ | तस्माद्वा एते | ३०६,४८० | तस्मान्नास्तिक | | तस्मान्मैत्राव | २९६ |
| तस्माद्राजा वि | २८५१ | | ३ १९ | तस्भानास्य प | १७६९ | | * १५ ०७ |
| तस्माद्राजा स | 968 | तस्माद्वाजपे | १११,११ ४ | तस्मान्नाहं च | २०३० | | कर२०७ ६७९,८७१ |
| • | १००८ | तस्माद्वाम्बाष्ट्य | • | तस्मान्निजब | | तस्मिश्च भक्ष | २०५३ १०५३ |
| तस्माद्राजैव | ७९५ | तस्माद्वाराह्या | | तस्मान्नित्यं क्ष | | तरिंमस्तत्कछ | 3840 |
| ٠٥ | | तस्माद्वारुणो | २५९,३१६ | तस्मान्नित्यं द | ₹060 | तस्मिस्तस्य हि | २०९६ |
| तस्माद्राज्ञा नि | ६९२, | तस्माद्विकयः | २२८० | तस्मान्नित्योतिथ | | तस्मिस्तु निह | १८९२ |
| | #७३३ | | २४७४ | तस्मानिषादाः | | तस्मिस्तु मध्य | 1111 |
| तस्माद्राज्ञाऽप्र | ⋇२ ३७० | | # ₹६८४, | 1 | ७९१ | तस्मिस्तेजसि | ६२८ |
| तस्माद्राज्ञा प्र | ७३२, | | ૨ ७३६ | तरमान्ना ।ताव | १ २२५ | तरिंमस्त्वभिह | |
| | ३,२३७० | | ७२८ | तस्मान्नृपेण | २८९९ | | ७१८९ २ |
| तस्माद्राज्ञा ब्रा | ७२३ | तस्माद्विप्रेषु | ७२४ | तस्मान्चपोऽरि | ७२७ | तिहेंमस्त्वभ्याग | ६३४ |
| तस्माद्राज्ञा वि | ५७९, | तस्माद्विवर्ध | २०२३ | तस्मान्नैयय्रो | २७७ | तस्मिस्त्वयि किं | ४७९, |
| ६० | ₹,∗६९२, | तस्माद्विश्वसि | १२८९, | तस्मान्नेव मृ | १०६१ | | %८ • |
| 9 | २०,७३३ | | २०२० | तस्मान्नेवारो | २६६ | तरिमञ्छिश्रिये | # ६९ |
| १०७ | ३,११२४, | तस्माद्विश्वास | | तस्मानोत्पाद | | तस्मिञ्जातेऽथ | ११२२ |
| | १९७९ | तस्माद्वेतं य | | तस्मान्नोपाय | १५७० | तरिमञ्जीवति | ን ዎ |
| तस्माद्राष्ट्रं वि | ३४६ | तस्माद्वेव द | | | | तस्मिञ्चामः के | २४२६ |
| तस्माद्रुक्मा उ | २८६ | तस्माद्वै द्विगु | | तस्मान्न्येव व | ३११ | तस्मिन्कर्भणि | १६१४, |
| तस्माद्रुद्रः प | ५२६ | """" | | तस्मान्मनोर् | २८९८ | १७१ | २,१७८८ |
| तस्माद्वक्ष्यामि | १०३९ | तस्मद्वै रोच | | तस्मान्मत्रोद्दे | | तस्मिन्काल ए | १११८ |
| तस्माद्रङ्गः स | २३६ | तस्माद्वेशीपु | | तस्मान्मन्थिनः | | तस्मिन्कालेऽपि | २०२६ |
| तस्माद्वज्रम २२५ | | तस्माद्वैश्यो ज | _ 1 | तस्मान्मन्युर्वि | १९०७ | तिस्मन्काले प्र | २०२५ |
| तस्माद्वत्यरा | २३८ | | | तस्मान्मयूर | ९८६ | तस्मिन्काले हि | १११८ |
| तस्माद्वरं वृ | २९८ | तस्मद्वैश्योऽद्य | | तस्मान्मरीचि | २७४ | तस्मिन्कुर्वीत | 8000 |
| तस्माद्वराहे | | तस्माद्व्याद्रो व | | तस्मानमां कर्म | ८२३ | १२० | ९,१२८९ |
| _ | २९४ | तस्मान्नं कदा | | तस्मान्मातृब | 900 | तरिमन् गते म | ६२८ |
| तस्माद्वराहो | " | तस्मान्नपुःस | ३१७ | तस्मान्मानयि | प४ | तस्मिन् गिरिव | १५०४ |
| तस्माद्वरुणा | | तस्मान्न बिभ्ये | २०४९ | तस्मान्मान्यश्च | १६२२, | तिसमन्धृतपा ९४ | 2 2 2 6 2 |
| तस्माद्वणी ऋ | | तस्मान ब्राह्म ३६ | ४,१३५८ | | २००२ | तिहिमन् तौ शकु | |
| तस्माद्वणिङ्जा | | तस्मान्न मासि | ३०८ | तस्मान्मायाम | २७९८ | तारमन् ता शकु तिस्मन्दण्डे म | *2132 |
| तरमाद्वणञ्चा | * ,, | तस्मान्नवम | ३५१ | तस्मान्मारुतो | २५९ | गार न ग्दण्ड म | ६६७, |
| | | | - • | | . 117 | | १९७० |

| तस्मिन् दिशो अ | 38 | तरिमन्प्रवृत्ते | ६ ९१ | तस्मै | दत्ता म | २८७२ | तस्य | छन्दारस | य ३४८ |
|-------------------|--|-------------------|-----------------|--------|-------------------------|-----------------------|--------|--------------|----------------|
| तिस्मिन् देवा अ | १०८ | 1 | | | दास्यामि | २७०२ | | | २८३ |
| तस्मिन् देवी प्र | २८९६ | 1 ~ ~ | १६६६ | | देवा अ | ६४, *९१ | | ज्येष्ठोऽसि | |
| तस्मिन् देशे नि | २४८५, | 1 | २०२१ | | देवो म | २९८७ २ ९ ८७ | 1 | तं खन | १८१२ |
| | २९१७ | तस्मिन् भिने भू | १७९१ | 1,,,,, | दिना म द्वितीय | | तस्य | तद्वच | १ ०५५, |
| तस्मिन्देशे प्र | ६३७ | तिसमन् भृत्या भ | १६९१ | | ाद्धताय पूजां प्र | ३१७ | | | ८९,१५०३, |
| तस्मिन्देशे स | # \ \ | | ३९१ | | पूजा म प्रोवाच | #८०७ १९०३ | - | | ६६७,२७९७ |
| | ২८ ७३ | तस्मिन् महति | १५०६ | | | | तस्य | | ७१०,१४१० |
| तस्मिन् द्विजव | ६२८ | तरिमन्मिथ्याप्र | ६३३, | cical | मन्त्रः प्र | ् १२ ४२ | | तद्विदि | १२२० |
| तस्मिन् द्विजोत्त | ٠,, | | २०४१ | 1000 | यजू: षि | ३१७ | (apr | तन्मत | ८३९ |
| तस्मिन्द्वे दर्भ | | तरिमन्मिथ्यावि | # ६३३ | | विनिश्च | 2082 | 1 | तस्य नि | ६२० |
| तस्मिन् द्वौ श | | तस्मिन्मृत्युर्भ | २७८३ | 11/4 | ा विशः सं । विशः स्व | ३५८,३६० | 1 | तां महि | ७९६ |
| तहिमन् धर्मार्थ | १५८४ | | २१०७ | | ापशन्स वितेस | | | तानि शी | |
| तरिमन् धर्मे स्थि | १५०३ | | १५११ | 4 | ा वाता रा इंग्लेशब | २०४ | तस्य | तापन | २२५५ |
| तस्मिन्ननुग | ६२८ | 1 | ૪ ૭ ધ | 1 | : ग्रुशूष : सामानि | १०८५ | | ता विपु | २०४८ |
| तस्मिन्नन्तर्हि | ६१९ | 100.00 | २८७२ | 1 | | ३१८ | | तुण्डे म | २७१२ |
| तरिमन्नपका | ዓ ዖ | | २०७०, | | सोमो अ | ९१ | 1 | तु स्वर | # १८ १२ |
| तस्मित्रमृत | १४१६ | तारमन्यागदा | | 1 | इ प्राप्ता | ३५३ | | ते प्रति | ८१९ |
| तस्मित्ररण्ये | २५ ३६ | | २४०१ | 1 | होवाच | ३५४ | 1 | त्यागेन | २०० २ |
| तहिमनाजिम १ | ०८,१०९ | तस्मिन् यो दूष्या | | 1 | कर्मप्र | १५८० | 1 | त्रिंशत् | २१ ५ |
| तरिमन्नाजिमा | १११ | तिस्मन्राजान | २४१ २ | 1 | कर्माणि | १०७४ | | | |
| तस्मिन्नायत | १०८ | तस्मिन् वा अय | १०८ | 1 | कल्यग | #१०८७ | | त्रीण्येव | ३११ |
| तस्मिन्निक्षिप्य | १२८० | तस्मिन् वाजिम | " | तस्य | कारंध | ८३५ | 1 | त्वक्संभ | २८४३ |
| तस्मिन्निधीना | १०७० | तस्मिन् वेध्यग | १५१८ | तस्य | कार्याण्य | # २३२९ | | दक्षिणा | २६२ |
| तस्मित्रिष्टेन | २०७०, | तस्मिन् व्यसन | ₹₹00, | तस्य | काल्यं ग | १०८७ | | दक्षिणे | १४१४ |
| | २४०१ | | १५८४ | तस्य | किं सर | १३८१ | | दण्डं प्र | १९८६ |
| तस्मिन्नुत्पत | १५०४ | तस्मिन् सर्वाणि | २७९ | तस्य | कुतो वं | ११६० | तस्य | दण्डवि | १११२ |
| तरिमन्द्रम्णमु | २२ | तिसम् हि धर्मः | ६५६ | तस्य | कोशव | १३२२ | तस्य र | दुर्गाणि | # १४४२ |
| तस्मिन्नेतस्मि | २१६ | तिसमन् हिरण्य | ४०५ | तस्य | क्वाथनं | २२५ ४ | तस्य | दृष्वा म | #७९६ |
| तिस्मिन्नेता य | ३३४ | तिसम् होवाच | | | ख़्छ सं | ९१४ | तस्य | देशस्य | २४८४, |
| तरिमन्नेव प | ७२७ | तरिमन्हसति | ६०६ | तस्य | गृह्याणि | ७११० ७ | | | २९१७ |
| तरिमन्नेव म | ११२२ | तस्मे जातायै | | | गौर्दक्षि | २५० | तस्य | देहप | ५८४ |
| तरिमन्नेवान्त | २९१२ | तस्मै तवस्य | | | चतुर्वि | | | द्वात्रिंशाः | ३२१ |
| तरिमन्नेवैत | २५७ | तस्मै तावन्मा | २ ९२ | | चतुस्त्रि | ३३२ | | | ३०४ |
| तस्मिन्वर्थेङ्क | | तस्मै तृणं नि | | | च व्यव | 8606 | तस्य | द्वाराणि | १४४२ |
| तस्मिन् पुरव | #१ ४४४ | | 860 | तस्य | चापि भ | २३७२ | | | २७२२ |
| तस्मिन्यैताम ५ | ३१,५७८ | तस्मै तृतीय | | | | २७,१५२२ | | | २६ १ |
| वस्मिन् प्रतिभ | ંદ્દ રૂપ | तस्मै ते द्यावा | | | चेच्छास्त्र | १९६७ | | | #688 |
| | | | | | | | | | |

| तस्य | धर्मस्य ५६५, | १६१७ | तस्य | प्रथ्वी घ | २८७७ | तस्य | मृत्योश्च | #280 | तस्य | वृत्तिः प्र | ७१९ |
|------|---------------------|-------------|---------|--------------------------|------------------------|----------------|---------------------------|------------------------------|--------|-------------|---------------|
| | धर्माजि | | | पृषन् गौ | | | मृत्यो च | ,, | तस्य | वृद्धचैत | १३७६ |
| | धर्मार्थ | | | पृष्ठे स्थि | २४९८ | | | २८०२ | तस्य | वैतानि | ११०१ |
| | | २७८८ | | | २७०४ | तस्य | मेऽयम - | २०० | तस्य | वैयाघः | ५२९ |
| तस्य | नन्दन्ति | ६५८ | | - | ७१०, | तस्य | मे रोच | १२१४ | तस्य | व्रतं न | ३६४ |
| | नपुश्स | ३१७ | | | ०,१८२५ | | | ₹ ₹ ४ | तस्य | शस्त्राणि | #२७६७ |
| | नादं वि | १५०५ | | | ६७७ | तस्य | यद्दे त्रि | . ३३२ | तस्य | शासने | १६१४ |
| | नामादि | | | प्रत्नं पी | ४६६ | तस्य | यमी गा | २६ ० | तस्य | शितिपु | २५८ |
| | नायं न | १०८९ | i | | २८४३ | | | ३१८ | तस्य | शौचम | १२१७ |
| | नी तिर्द | | • | प्रबोधः | १९९९ | तस्य | यावन्ति | २७६७ | तस्य | श्यामो गौ | २५६, |
| | - | ર,હંપ, | | | २०५३ | तस्य | यो योनि | ३१८ | | | २६ ० |
| ." | ८७०,८८ | | | | १८९३ | तस्य | यो वह | 600 | तस्य | श्येतोऽन | २६ ० |
| तस्य | पक्षप्र | २७१७ | 1 | प्रष्टिवा | २५३ | | रथंत | ३१०,३३५ | | षड्भाग | ७०८ |
| तस्य | पदा शि | ३ २८५ | 1 | प्रसादे | # ८१२ | तस्य | राजा मि | ३६ ० | | संग्रह | १८९९ |
| | परिखा | | 1,,,, | मताप प्राशंत्वं | ४६२ | तस्य | राज्ञः प | #१४०२ | | संत्यज | १३६० |
| | पर्याग | १२८८ | | वभुगीं | ર ५७ | तस्य | राज्ञः ग्रु | ६५७ | 1 | संदर्य | १६९४ |
| | पर्वत | २७०५ | | ाडुः" बाणं घ | # १५ १ ६ | तस्य | राज्ञाऽनु | ६१० | ı | संयम | १८७४ |
| | पाण्डुर | २९४२ | 1 | नाग प बाह्यस्थि | 2008 | 1 | राज्यं च | १२९३ | • | संवर | १७६९ |
| तस्य | पार्थिव ५९ | ५०,८४३ | 100 | विद्ध ः स | ८६७ | तस्य | रात्रिर | २४५३, | 1 | संशम | * \$ < 0 Y |
| तस् | । पुत्रदा | १९२१ | 1" " | । बुद्धिरि । बुद्धिरि | ८४५ | | | २५५६ | 1 | र समन्त | १८५० |
| | । पुत्रश | ८४५ | 1" | भार्यास | १०८६ | | र्षमो द | २५ ९ | तस्य | सम्यक् | * १९७९ |
| | ग पुत्राः प्र | १३५७ | 14.5 | । भागाः । भीतस्ये | | | र्षभोऽन | २५ ० | | सर्वाणि | ६८३, |
| | ग पुत्राव | ८४२ | 100 | । मातस्य । भूः सिध्य | २५० ३००४ | | र्षेः शिष्य | १६९४ | | | ८०१,८१९ |
| | प्रपुत्रो ज | १८५ | ,,, | । भूः । चय्य । भूपतेः | २९०४ | 100 | ার্বহণ | " | तस्य | सर्वे दे | ૃરફ પ |
| | य पुत्रोऽति | ८३५ | 1" | | ११६१ | | ा लक्ष्मीः ^३ | | तस्य | सर्वे म | ડેરૂ૪, |
| | प पुत्रोधु | ८४० | 1,,, | भृत्यज | १०० | | । लोपः क | | | | ८३५ |
| | य पुत्रोऽभ | ११२१ | | मिस्यावि | १६९३ | 1 | | રદ્દ ५ ૪૪ ५ | तस्य | सामग्न्य | ११७० |
| | _ | ०७,८४५ | 100 | य भेदो द्वि | | 1 | । वाक्च म । वाक्येत्रे | । | l | सिध्यन्ति | १६६७ |
| | य पुत्रोऽसि | #686 | . 1 " ' | य मध्ये तु | * gx4C | α ν | । वाज्यप । वामनो | २५ ६ | | सीदति | ७४१, |
| | स पुरस्ता | 8880 | 100 | य मध्ये भ | २९०० | | | २०३९ | 1 | | ,४४७, ६४७ |
| | य पुरोहि | ३ ५। | ∣त₹ | व्र मध्ये म | १४९२ | as | ा वायुरु ग वासो द | | | | १८२६ |
| | स पुतास य पूजा स | १५११ | - 1 | _ | | | ग्वासाय गविभागे | 364 | , | । सोमपा | 382 |
| VI. | 4 Zan 4 | | 102 | य मध्ये सु | १४५७ | · I | । विश्रम | २०५० | 1 | य सोमाच | વ |
| | _ 2 | 200 | े तस | य मूर्धिन त | २४९८ | | | | 1 | 4 सामार | २६३, |
| | श्र पूर्वर | 4091 | " तस | य मूलं स | | | य विस्तीर्थ १ | २९१,२०८४ | | ர நெ⇔்− | २६४ |
| तः | य पूर्वः पू | | | य मृगया | १५५० | | य विसम्भ | | | | |
| | ~~ | | i i | य मृत्युश्च | 9 8 | 1 | | • | 1 | यस्त्रीराज | |
| तः | स्य पूर्वोत्त | १४५ | 0 | | क्षा ५४ ० | ग्र | य वृत्ति प्र | . ५८ | ० तः | ध्य स्थानमा | २१६६ |
| | | | | | | | | | | | |

| तस्य | स्थानस्य | | तस्यां तस्यां न | | तस्याऽऽददीत | १३४१, | तस्याऽऽयुश्च कु | २८४३ |
|------|-----------------------|-----------------|------------------|----------------|-----------------|--------------------|-------------------|---------------------------|
| तस्य | स्फ्यस्तृती | ५२८ | | १७३६ | | | तस्याऽऽरम्भे रा | २२५० |
| तस्य | स्मरन्ती | २३८५ | तस्यां पुनर्न | | तस्याऽऽदौ शर | १८८३ | तस्यारियोषा | २४६५ |
| | खदेशो | २ २९२ | तस्यां पूज्या स | | तस्याधीनास्तु | | तस्यार्थे सर्व | *६८२ |
| | ह त्रयः | १८७ | तस्यां पूर्वम | १ ९२८ | तस्यानिष्ट ए | २६७ | तस्यार्थकोशः | २४६७ |
| | | २ १८५ | तस्यां पूर्वी पू | १९२८ | तस्यानीकस्य | क २७३८ | तस्यार्थसिद्धि | २३८५ |
| | ह दन्ता | ,,, | तस्यां प्रदाना | २५३५ | तस्यान्यस्तस्य | ८४७ | | ६८२ |
| | ह दन्ताः | " | तस्यां प्रपत | \$ १०७१ | तस्यान्ववाये | २९४५ | तस्यार्घतो व्या | |
| | ह दीक्ष | १९८ | तस्यां प्रयत | | तस्यापगम | २०६८ | तस्यालक्ष्मीः क्ष | २८८७ |
| तस्य | हन का | १९६ | |)) | तस्यापि तत्क्षु | ६९५ | तस्याऽऽचृत् | ९५९ |
| | ह नाग्नि | २०० | तस्यां यद्दीय | #68 \$ | तस्यापि दक्षि | १४६२ | | २६४ |
| तस्य | ह नेन्द्र | | तस्यां यद्युप | #₹८ ९० | तस्यापि द्विर | २७२३ | तस्याश्च लङ्घ | २८८२ |
| तस्य | ह पर्व | | तस्यां ये हशुप | " | तस्यापि प्रथ | ७३८, | तस्याश्वरथ | ५२९ |
| | ह ब्रह्म | ४७९ | तस्यां यो जाय | ८६० | | ७४७ | तस्याश्वी दक्षि | २५९ |
| तस्य | ह वा ए | २६१, | तस्यां राज्ञा त | २८६ १ | तस्यापि शास | १०१७, | तस्यासंवृत | १७८० |
| | ą | ००,२९०५ | तस्यां रात्री त | e " | , | 8848 | तस्यासम्यक् | १९७९ |
| तस्य | ह विश्वा | १८८,१९२ | तस्यां राज्याम | २७०२ | तस्यापिहित | 2248 | तस्यासावेव | २६ ० |
| | ह शतं | १८२,१८७ | तस्यां वरं द | २४७ | तस्याप्यधम | ६३८ | तस्याहं भया | प९ |
| | ह सर्च्य | १९० | तस्यां सदा पू | | तस्याभावाय | १९०५ | तस्याऽऽहुः संप्र | ६८८ |
| | हि प्रति | #689 | तस्यां समन्त | • | तस्याभावे ध | હ ષદ્દ, | तस्येयं चित्रा | ३२५ |
| | हिरण्यं | २४९, | l | ર ેષ્ | | ८३० | तस्येश्वरः प्र | ११३ |
| | | २५८,३०६ | तस्यां हिरण्म | | तस्याभिनन्द | | तस्यैकविशं | ३१०,३३५ |
| तस्य | होदरं | १८६ | तस्यां हिरण्य | | तस्याभिषिक्त | २८८३ | तस्यैतद्भाग | १६४८ |
| | होदव | १९९ | तस्यां हि सर्व | 3) | | 450,255 | तस्यैतद्भूया | ९१३ |
| | ह्याशु वि | ८१३ | 1 | | तस्याभिहर | | तस्यैतद्भूपं | ३१९ |
| | ा अग्निर | ৩८ | तस्याः पञ्चप | २२७१ | | | तस्यैतन्मत | *८३९ |
| (101 | । आसर्दे । अमिर्दे | ४४७ | तस्याः प्रमोक्षे | | तस्यामतिश | २४०५ | तस्यैतस्य क | २९६ |
| तर्भ | । आन्य । अनिष्ट | २९ ६ | तस्याः प्रवेशे | २८६८ | | १९२८ | तस्यैतानि त्रि | २८४१, |
| | | २१६ | तस्याः शकस्य | | तस्या मनुर्वे | ४०३ | | ४६,२८४८ |
| | ा अन्तर्वे | ४०९ | तस्याः शतप | २२७२ | तस्यामात्या गु | | तस्यैते अङ्गा | २६१ |
| तस्य | आहन | | W. 11 15.1 1.4 | २९,१३३० | तस्यामात्यो म | १८९७ | तस्यैते कापि | १९० |
| | | 283,232 | तस्याव्रतो नृ | २८९६ | तस्यामाधर्व | १९३२ | तस्यैतेऽङ्गारा | ₹00 |
| | ा एतत्प | २१६ | तस्याङ्ग बल | २००१ | तस्यामायत्ता | ६७९,८७१ | _ | २१६ |
| तस्य | ा एताह | ३०९ | तस्याचिरात्कु | | तस्यामेतमा | | तस्यै ते प्रति | ३३ ४ |
| तस्य | ा एवैते | २५९ २ | तस्यातिक्रमे ६ | ७९,८७०, | | | तस्यै त्रीणि श | ३२ ० |
| तस्य | ্ দুদীৰা | ર્વે ૦ ૬ | | .१,२१०७ | तस्यामेव त | | तस्यै धेनुर्द | <i>२२०</i> २ ५९ |
| | ां गताग | २०८७ | तस्याऽऽत्मानं सं | | स्यायं च प | | तस्यै प्रजाप | |
| | i चातुर्व | | तस्याऽऽत्मा सह | 1 | तस्यायं प्रक | | तस्यै प्रादेश | ३४ |
| ., . | | | | • • • • | 41 a == 40 | 7401 | गर्न माप्या | २१६ |

वयनसूची

| तस्यै बृहच | হ হ ও | ता | असम्यं प | ४५० | तां दीर्णीमनु | # ૨५५ ફ | तां सभासद्ध्य | ४६४ |
|-------------------|-------------|-----|---------------|------------------|-------------------|-------------------------|------------------------------|------------------|
| तस्यै बृहद्र | | | असे नाति | ٦ ८ | 1 . | २८७ २ | तां सिद्धिमुप | २३७३ |
| तस्य मैत्रं पा | રદ્દે૪ | 1 | अस्य कल्प | ३३६ | , | ं २ ३६३ | ताँसतो नानु | . 884 |
| तस्यै यद्दीय | ७४३ | | अस्य ज्येष्ठ | ११,९०, | | १८०७ | तांस्ततोऽसुरा | ঽ৾ঽঽ |
| तस्यैवं वर्त १०६ | _ | ĺ | | _२ ३८७ | तां द्वादशपु | ३०३ | तांस्तदा ब्रुव | 8.828 |
| तस्यैवं हिय | २००८ | ता | अस्यानमी | રેપ ૧, | तां न निजीन | ^३ े ` ३६२ | ताँस्तस्मिन्नन्वा | २ ४६५ |
| तस्यैव दोषे | 2066 | | | २५७ | तां पश्चात्प्राङ् | २ १७ | तार्स्तस्यामन्त्रा | ४६५ |
| तस्यैव परि | २६२२ | ता | अह्नाम् | २१२ | तां पिनेत् | २ ३४ | तांस्तादंशान | 2886 |
| तस्यैव वा नि | १३४२ | ता | आववृत्र | २८८ | तां पीत्वाऽभिम | " | तांस्तु कामव | ५७२ |
| तस्यैव हिय | *2006 | ता | इष्टय इ | २६ | तां पुरीं पाल | ,, १४४ <i>३</i> | तांस्तु चिन्ताप | २७९९ |
| तस्यैवैतानि | ९६६ | ता | ई विशो न | ११, | तां पुरीं स म | • १४४४ | तांस्तु सर्वान्म | ८४५ |
| तस्यैष श्लोकः | ३ ५१ | | | ९०,३८७ | तां पृथी वैन्यो | ४०३ | तांस्तु हत्वा त | 2608 |
| तस्येषा निष्क | २८१७ | | उपसदै | ५२६ | तां पृथुर्धनु | १ १२३ | तांस्त्व पदे प्र | 2132 |
| तस्यैपेव व | ₹ ११ | i | उद्यपि स | २६ ० | तां प्रतिष्ठाप्य | | तां स्वयं पति | 2668 |
| तस्येषेव स्वे | २६३ | | एता देव | २९ | तां प्राप्तुहि स | | ताथ स्वामनप | २५९ |
| तस्यैषेवान | ર ५४ | ता | एतेषु पा | २७९ | तां बुद्धिमुप | २००९ | तां होवाच कि | 86.0 |
| तस्य सविता | २२७ | ता | एव गाद | २९१४ | तां मण्डलस्य | २८७७ | ताः क्षिपेरन् | |
| तस्य हिरण्य | ४०७ | ता | एवेतत् २ | १६९,२७०, | तां में सहस्रा | ३९६ | ताः क्षीयेरन् | * ? ९ ० ७ |
| तस्योक्तं ब्राह्म | 282 | | ٠ ١ | १ १७२,२७३ | 1 | ४०५ ४६० | 1 |)) 0.41×30 |
| तस्योत्तरप | १९३० | ăĭ | अंहसः पि | 880 | तां राजा निकृ | २६ <i>०१</i> , | ताः पञ्चभिर ताः प्रजा देव | १८५१ |
| तस्योतसृष्टो गौ | २ ४९ | | आ विवास | ₹ ₹ | | 2008 | ताः प्रतित्वाव | 6.0 |
| तस्योपकर | २८३९ | | कृतान्तः प्र | १७६६ | ता५ रुद्रोऽवासु | ५२६ | | ₹४ २८२ |
| तस्योपरि नृ | २१७६ | 1 | क्षमां ताद्द | #8906 | - | | ताः समेत्य त | ५८५ ७९५ |
| तस्योपरि न्य | २९७९ | | क्षमामीह | ", " | तां विश्वरन्ती | | ताः सर्वतोमु | २८ |
| तस्योपरि भ | * ,, | | गन्धर्वाः क | ં ૬ | तां विदीव्यन्ते | | ताः सर्वरूपा | ૨ १४ |
| तस्योपरिष्टा | २९०६ | аi | गांहि दु | १८१३ | l _ | ५०४ | . 4 | २७४ |
| तस्योपरि स | २०२१ | | गूहत त | | तां वृत्ति नानु | . २७६७ | ताः स्वतन्त्राः स्त्रि | 1128 |
| तस्योपर्युभ | १३२८, | | च बडां क | # १०९१ | | | ता गत्वा हृद | १२३० |
| | २२१० | | चेच्छक्नोषि | *२०१० | | | ता गर्भमद | ३ ह ३ |
| तस्योपलब्धि | २२८६ | तां | चेन्छक्ष्यस्य | ,, | तांश्च बद्धान्क | १०९१ | ता गावः प्रस्तु | 3886 |
| तस्रोपविचा | २३१३, | तां | तु राजा द | # १४४३ | 1 | २४७२ | ताजदङ्ग इ | ५१३ |
| | २३१४ | तां | ते वाचमा | १८०७ | तांश्च विक्रम | ५४८ | ता जातमात्रा | 2880 |
| ता अग्रेण मै | २७४ | तां | त्वमेवाभि | ८५८ | तांश्चारिप्रहि | १ ६४७ | ताञ्शिष्याचीर | 9 · Y, |
| ता अबनीत् | ₹४ | तां | त्वा शाले स | १८६ । | तां संस्थाप्य सु | २८५९ | , | Sy <i>o</i> ,yye |
| ता अष्टी यूका | | | दर्भैः पाव | ३१४ | तां रुत्पथां वै | १४४५ | ताडनं छेद | १५२० |
| ता अष्टी लिक्षा | . 99 | तां | दीप्यमानां | ' ৩८ | तां सत्यनामां | - | ताडनं द्रव्य | १९८२ |
| | _ | | | | | | 0 | 1 20 4 |

| | | | • | | | | |
|---------------------------|------------------|-----------------|-----------------------|--|---------------|-------------------------|---------------|
| ताडयाऽऽग्र | | र तानहं श्रोतु | २८७० | तानुवाच सु | ५७३ | तान्येतान्यादि | २७७ |
| ताडयित्वा म | | र तानहत्वा न | | तानेकथा स | | तान्येव काले | २०७३ |
| तात कचिच | च ६५८ | , तानाचार्योप | ५२७,७८८ | l . | १७७१ | तान्येवावर | ૪५६ |
| तात धर्मार्थ | ६२३ | १ तानात्मन् कुर | ર રેપદ્ | तानेतयाऽनु | 90 | तान् राजा स्ववि | |
| तात युक्ताः | स्म ८५९ | ८ तानानयेद्व | ७३६,१९३२ | | ,, | तात्राज्यं पितृ | #८४१ |
| तादात्मिको | मू १३८३ | र तानाप्तः पुर | #१ ६४ १ | तानेतान्संभा | | तान् रूपेणैवा | . ४५५ |
| तादात्विकव | १५४१ | | ,, | तानेवं भिन्न | २८०३ | | ४३४ |
| तादात्विकमृ | ् ७७४,७७५ | | # ₹४४५ | तानेव भोगा | | तान् वा निहत्य | २७५९ |
| ताहक् संचा | | तानि खङ्गज | *१५१४ | तानेवाभिस | २३८५ | तान्वा हतान्सु | २१३२ |
| तादृक्सांवत्स | | तानि चित्तप्र | २८३७ | तानेवैतेना | ४५६ | तान् विक्रमेण | १८९४ |
| तादृङ्नराध | ११७३ | तानि जङ्घाज | १०७८ | ता नो मृळात | 8 | | |
| ताहशं ताह | ५८६ | . Miller Adion. | 888 | तान् गुणान्संप्र | २८०३ | १६ | ५३,१६५४ |
| तादृशः स | रा ११०६ | गतानि तान्यनु | १२४१ | तान्त्सीवयामि | | तान् विद्यावणि | ६४४ |
| | १४०३ | तानि त्रिलोके | ६५५ | तान्दृष्वा प्रोद्य | २७११ | 1 | २८१३ |
| ताहशांश्च त | | तानि निर्हर | 2330 | तान्दृष्वाऽरीन् | २७७३ | तान् वेदानभ्य | አ ጸጸ |
| तादृशात्कि | हेब ६०१ | तानिन्द्रियाव | | तान् द्विजान्कुरु | १९११ | तान् सदा वर्ज | २८७७ |
| तादृशानां स | * 4 8 8 8 | तानि पञ्चद | 864 | तान्न शक्नोषि | ६५३ | तान् सर्वानभि | १८५६ |
| ताहशा हि | स २३९१ | ' I | ३३३ | 16/3/4 | ८०५ | तान्सर्वान्घात | ११११ |
| तादृशेन श | २०८३ | | | तान्निबोध म | •१६१७ | तान्सवनिधार्मि | १३१५ |
| तादृशेनाप्यु | ११०३ | | | | २६ २४ | तान्सर्वान्पोष | ११५१, |
| ताहशोऽयम | | 1 | | तान्पूजयस्व | ११०० | १६ः | १८,२३४१ |
| ता देवा उप | | | २०५ | तान् पूजयित्वा | २८८७ | तान्सर्वान्स म | ર |
| ता देवा जेत् | | 1 | १०९७ | तान् प्रजापति | ३५५ | | ८६७ ११४४ |
| ता द्वात्रि ५३ | | 1 | *५८२ | तान् ब्रूयाद्दश | १३८६ | 3 | ११४४, २३४८ |
| ता नः प्रजा | | | | तानभर्ती मित्र | १७६८ | तान्सेवेत्तैः स | |
| तानङ्गिरस | | तानि वशायै | २८१ | तान्मानयेत्पू | १०६९ | • | ८६४ २६२ |
| तानतीतोप | १२१८ | तानि वा एता | २६२,४२५ | तान्मृतानप <u>ि</u> | १२८७ | तान्हत्वा भुङ्क्त | २०४६ |
| तानति पुरु | ५६३ | | १५१४ | तान्यकार्याणि | २४४५ | तान्ह दृष्ट्वोवा | २०३ |
| ताननुर्गुणा | . प५ | | 2166 2 4 | तान्यत्र प्रक | 209 | तान् हुत्वा सीव | |
| ताननु व्याज | 755 | तान शुक्राण्य | | तान्यत्रोद्गृह्णी तान्यत्रोद्गृह्णी | | तान्होवाच | २८५२ |
| तानन्वयुस्त तानप्रतीतो | २ ३५३ | तानि सर्वाणि | | | २०८ | तान् हदे सर | ४३६ |
| | ३६ o | १ ४ | ६०,२४९४ | गन्यनीकानि | # ₹७०४ | तापत्रयांश्च | ३५२ ७२९ |
| तानब्रवीत् | 88 | तानि स्थानानि | १३८२ त | गन्यनीकान्य | | तापनमुद् | २२५६ |
| तानभ्ययुस्त | #२३५३ | तानु ते सर्वा | १४ त | ान्यनुसुखे | امده | तापसानाम | |
| तानभ्यातन्व | ३३५ | तानुपदेक्या | - 1 | ान्यप्रतीत <u>ो</u> | | तापसेषु हि | १७६६ |
| तानवमन्य | ८०८,१६४८ | तानुपास्य प्र | I I | ान्यु पादाय | i | तापसे सर्व | 8,000 |
| तानहं पण्डि | ११७३ | तानुवाच त | २८६६ त | | | पारत उप तापी पयोज्ञी | ४,इँ७ |
| * d | • | | 1 | · ····· Alai | रुउद् । | ज्ञापा प्रयासा | # ₹९७० |
| | | | | | | | |

| | | | | | | | • |
|--------------------------|-------------------|---------------------------------|-----------------|---------------------------------|---------------|-------------------------------|---|
| तापी पयोष्णी | २९७०, | ताभ्यां संभूय | १६२३ | ताम्बूलधारी | २३३६, | तालेन मह | २७०४ |
| | २९७८ | ताभ्यां सर्वे हि | २३९३ | | २३३९ | तालोद्धाटनं | र १६६० |
| तापे बहिर | २२४८ | ताभ्यामनुम | र् २८३ | ताम्बूलरक्षा | ८९६ | तावकाश्च | म २७१९ |
| ता ब्रह्मणे द | ३०५ | | | ताम्रं पीतकं | २ २५० | तावकोऽहं | ब्रु २७९० |
| ताभिः शत्रून्प्र | २३५६ | ताभ्यामिदं वि | १७९ | 1 . | १३७४ | | ड २८९५ |
| ताभिः संरब्ध | ६९ | ताभ्यामिन्द्रमे | ५१५ | ताम्रः प्रताप | २८३५ | तावज्जन्मान | त ७४० |
| ताभिः सम्यक्प्र | ५५६, | ताम्यामुपच | २४६३ | ताम्रजानि य | २९८ ९ | तावज्जीवति | १८९५ |
| | ८६५ | ताभ्यामुभाभ्यां | | ताम्रजा प्रति | २५४६ | तावतः सोऽ | श्तु २७६७ |
| ताभिः सूतः श्वः | २६८ | ताभ्यामेता अ | २७८ | ताम्रताररू | २ २५४ | तावता स | क् १६१७ |
| ताभिरद्भिर | २१८ | ताभ्यमेवाति | १४९३ | ताम्रपष्टे प | ११२० | तावता सत्व | <u> </u> |
| ताभिरनुम | २८३ | ताभ्यामेवैते | २६ १ | ताम्रपणिक | २२२९ | तावतोऽतनि | |
| ताभिरभिषि २६ | ६९,२७०, | ताभ्यो मनुं व्य | | ताम्रपादयु | २२४८ | | २३ २८ |
| ' 5 8 | ૭૨,૨ ૭३ | ताभ्यो यज्ञ उ | १९५ | ताम्रवर्णी ग | २९७७ | तावतोऽनि | न्द #१२५२ |
| ताभिरभ्युचि | १८५२ | ताभ्यो विश्वानि | | ताम्राधिकं सा | १३७४ | तावतो लभ | , २७८८ |
| ताभिरेनद | 3 3 8 | तामभिमद्भि | * १४४३ | ताम्रायःखर्ण | ११२५ | तावत् कक्षं | प २७२२ |
| ताभिज्वेलन्ती | * * * o | तामग्रेण मै | ₹\ ° ° ₹ २९७ | ताम्राऽरुणा वे | २९७० | तावत्करैव | १४७३ |
| ताभिर्धमिथी | २५७ ८६८ | तामध्वर्युभ्यां | 1 | ता यत्स्यन्दन्त | २७३ | तावत्कालं ३ | मु २४७३ |
| ता भीता अब्रु | دمد ۴ ۷ | तामनुमन्त्र | - | ताया अमूरे | • | तावत्काले र् | क्रे २९०४ |
| ताभी राजानं | ३५८ | | - 1 | तारक्योग | १ ४ | तावत्तेन स | १०७८ |
| ताभ्यः श्रान्ताभ्य | ४४६ | तामन्यत्र वि | ```` | | २८४६ | तावत्परो नी | |
| ताम्यः स निर्ऋ | ५२६ | तामपृच्छत्स | | तारमुपशु | २२४९ | तावत्प्रहर | १८९४ |
| ताभ्यश्चैवाऽऽह | * ₹९४१ | तामवस्थाम | | तारया प्रति | २८०३ | तावत्सर्वोऽपि | |
| ताभ्यां चैव भ | १२१६, | तामस्य बाहू | 1 | तारागुणे द्वि | २४७१ | ता वदतुर्मु | , , , , , , , , , , , , , , , , , , , |
| साम्बा बब म | | तामहं न् ह | | ता राजा रह | १२३० | _ | |
| ताभ्यां चैवोभ ः | २०१३ **>>* | तामहं श्रोतु | | ताराढ्यं कुमु | १०८७ | ताबदाकर्ष ताबदेनम | १५१६ |
| राज्या ययाच | *१२१६, #२०१३ | ता महान्ता स | | तारा द्वितीया | २९४८ | पायदेगन ता वदे व हि | १६९७ ≉ १८९३ |
| ताभ्यां तु सप्र | ९२९ | ता मह्यमस्मि | 36.8 | तारेषु दाश तारोल्कापात | | ता वदेवाद्य | |
| ताभ्यां पार्श्वामि | २८०५ | तामाभृत्या व्य | | ताराल्कापात ताणि चर्माव | | | ,, २८४५,२८४७ |
| ताभ्यां पीडनै | १५६६ | तामारक्षन्तु | १०४ | तार्णसं च | 2233 | ताबद्देयं या | |
| ताभ्यां पुरुष | २४८५, | तामा विशत | • • | तालकणी च | २९९७ | पायदम मा | १५४१, १७५४ |
| _ | २९१७ | तामाह-मा मे | 20 | तालचापदा | | तावद् भयारि | १७५८ |
| ताभ्यां बभौ न | *२७१४ | ता मिथुनमै | | ताल ना जा ल | | तावद् भयेषु | |
| ताभ्यां बहुगु | २५६८ | ता मुखं पुर | 8 | तालगा जाल तालवत्कुरू | | • • | • |
| ताभ्यां मन्त्रिसे | | तामुत्तरार्ध | | तालपत्तुत्व तालीतालभू | l l | तावद्यदुचि | २१८४ |
| ताभ्यां विना नै | | तार्मेतैरेव | l. | तालातालम् तालीशपत्रं | | तावन्तः पाद | |
| ता र ताभ्यां विनाऽन्य | | तामेवैनं दि | 1 | | #१ ४६७ | तावन्तः प्रति | त १९३१ |
| ताभ्यां शुद्रः पा | | तामवन ।६ ताम्बूल चर्व | | तालीसपत्र याचीयाः | ,, | तावन्तरिक्ष | २१३२ |
| ודייאָטיורייי | 70 8 1 | Z | 340 | ताङीसपत्रं | * ,, | तावन्तस्तुर | १५१२ |
| | | | | | | | • • |

| तावन्न तस्य | १०४३ | र तासां बालस्य | 2686 | ता हि क्षत्रम | ३६ | तिलै: सिद्धार्थ | २९७ ५ |
|--------------------|-------------------------------|---|---------------|--------------------|--|---------------------------------------|---------------------|
| तावन्मात्रमे | १३९ | तासां ब्रह्मणा | ৬৫ | | ,,, | तिलैहोंमो ह | \$ 24.08 |
| तावन्मे चक्षु | | तासां मनोर | 983 | तिग्मेनाभिज्यों | 90 | | २५४७ |
| तावप्रत्यक्षं | | ्रीतासां मोरटा | २२९३ | तिग्मेषव आ | 866 | तिष्ठ केतो म | २८७८ |
| तावल्छण्ठेत्पी | २८१५ | तासां यथास्वं | १८५१ | तितिक्षत्यक | | तिष्ठतो गम | |
| तावसी सव | २८ | | १०९७ | | ८२४ | तिष्ठता गम | २५०८ ७९४ |
| ता वा एता उ | ११५ | 1 | ७४० | तितिक्षेताऽऽत्म | १७०५ | | |
| ता वा एताः स | २७ १ | तासां श्रुत्वा तु | २४९७ | | १९६९ | \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ | |
| ता वा एता द | 6 | तासां संपूज | २५४० | | २५ <i>०</i> ९ | 1.00011111 | २८७६ |
| तां वा एता दे | ३६३ | | २९५५ | | २४६८ | 1.1.01 (1.4.1 | १२९० |
| ता वा एता द्वा | १०५ | , तासां संवर्ज | १८७१ | | #3960 | तिष्ठन्तेऽसी जै | १ ० ९ |
| | ३२० | तासां संसर्ज | * ,, | तिथिषु प्रति | *\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\ | तिष्ठन्तेऽसी प्र | २९ |
| ताविमी पुर | १८९ | तासां समुद्र | 880 | | २ ४६४ | 1/10/14/4 | ११८४ |
| तानुपादाय | २१३२ | | १९३० | 1 3 3 | २२६० | तिष्ठन्त्येते य | २०१५ |
| ताबुगावपि | ं २७५ ३ | तासां सीवर्ण | २२३८ | | | तिष्ठन्प्रत्यङ्मु | २९३४ |
| ताबुभी नाश | २३७० | तासां हिरण्य | २१५५ | | २४६८ | तिष्ठन्प्रियहि | #600 |
| ताञ्जभी पुर | *8696 | | २२९६ | 1 | .9 8 | तिष्ठन्वातीवि | १६८१ |
| तातुभी रिथ | २७५ ९ | 1 (11 (11 (11 (11 (11 (11 (11 (11 (11 (| | 1 | ३८० | l | , २८, , २९३, २९२ |
| ताबू चतुस्त | ११ २३ | IGIGIAA G | 2882 | 1000000 | २३१७ | तिष्ठा रथे अ | * `` |
| तात्र्चुर्ऋष | ,,, | तावामवव | २२७२ | 1/14/2/14/148 | १५३१ | तिष्ठेचतुर्थ | २०६१, |
| तावेतेन ह | રપ ર | नासामुपाय | ६७६ | 101 de alcied | १५२१ | | २०८४ |
| तावेव नय | १०१४ | । तासामेतद्व | ३ २४९७ | तर्यग्गतो भ | १५१५ | तिष्ठेतिपतृम | ५६४ |
| 414 44 | १२६४ | तासामेतासा | ३४ | तिर्यग्बन्धम | * १५२१ | तिष्ठेतिप्रयहि | |
| तावेव पश्चा | २५ <i>३०</i> | तासामेव म | ३२३ | तिर्थग्भूतो भ | # १५१५ | | ٥٥٥ |
| तावेवाभिस | | तासु चौतान | ४३० | तिर्यग्योनि न | २९७१ | तिष्ठथा राज | २०५३ |
| | ७ २३८७ ³ | तासु धर्म | ३५१ | तिर्थंग्वृत्तिस्तु | २७३३, | तिष्ठेचदाल | २८३३ |
| तावेवासिन्नि | ५ २५ | तासुन बहु | १११६ | | २७४१ | तिष्ठेद्वानर | રે ૭૨ १ |
| ता वै द्विनाम्न्यो | २६ ९ | तासु नो घेह्य | ४०७ | तिर्यङ्ङिव वा | ४२३ | तिष्ठेन्नरप | २६७७ |
| ता वै ब्रह्मर्ष | १५०३ | तासु पाषाण | १४४९ | तिर्यञ्चोऽपि व | ७६२ | तिष्ठेयुः पर | २६ ७८ |
| ताश्चतुर्वे <श | ३०५ | तासु पात्राण तासु पुत्रं न | १८२ | तिलं घृतं चा | , | तिष्ठेयुः पाण्ड | १९१० |
| ताश्चतुन्त्रि५श | २७४ | तासु 'बशो वि | ३५१ | तिल्तैलतु १४ | ६०,२५७३ | तिषेयः मेना | |
| ता सत्पती ऋ | ३६ | | | तिलमांसादि | | तिष्ठेयुर्यत्र | २७३३ |
| ता सम्राजा घृ | ą 4 | तास्तत्रेवाभ्य | ४४६ | तिलब्रीहिय | i i | | *१६५८ |
| तासां गुणस्तु | २८४७ | तास्तथा सम | ७९६ | | | तिष्ठेयु र्यासु | ,, |
| तासां त्वा सर्वी | | तास्तु कालेन | | तिलानामाढ | | तिष्यनक्षत्र | २९८० |
| | • | तास्तु काले प्र | * * * | तिलायवासु | 1 | तिष्ये पादे शा | १४१६ |
| तासां देवता | | तास्त्वा विशन्तु | ७० | तिला वितैला | २५२० | तिस्रणां प्रात | २५३७ |
| तासा देवत | | तास्त्वा सर्वाः सं | ९६ | तिलाश्चम्पक | १७१९ | तिसृधन्वः शु | १६७ |
| तासां द्वादश | ३०५ | ता हि क्षत्रं घा | ३७ । | तिले तैलं ग | | तिसः स्नावर | ३५३५ |
| | | | - | | • | | |

| A | 401 | -2-2-1 | | | | | |
|-------------------------|---------------|----------------------|---------------|--|------------------------------|--------------------------------|--------------|
| तिस्रस्तु शक्त | | तीर्थमर्थेना | ७७४ | तुरगाश्च त | | 1 - | १५२४,२५९० |
| तिस्रो दिवः पृ | ३८ | | ५७७ | तुरगाश्च म | २८८३ | तुल्यसंहर्ष | #२५९० |
| तिस्रो धेनूही | ३२० | M 41.4 4.41 | २९७२ | तुरगाश्च सु | २६७१ | तु ल्यसामन्त | २१५३ |
| तिस्रो :नीरा ज | २३१५, | 1 | | तुरगास्ते त | १४६३ | तुल्यस्यैकस्य | ७९४ |
| | २८८२ | तीर्थाभिषेच | १३९६ | तुरगैः पत्ति | २७५१ | तुल्यानां वा | य २१९५ |
| तिस्रो भूमीर्घा | ₹ १ | तीर्थाश्रमपु | *१६७ ९ | तुरीये हैव | ५२७ | तुल्यार्थे तुल्य | T |
| तीक्षं चास्य म | २२४९ | तीर्थाश्रमसु | | तुलया तोलि | ११६४ | | १७१६ |
| तीक्ष्णं बलव | १२३२ | तीर्थेष्वथैते | ः २९७२ | तुलां ततः स | १०९७ | तुल्ये कर्मप | २१०१ |
| तीक्ष्णः प्रव्रजि | १६५९ | 1 | १०४९ | तुला कल्पित | १३७१ | तुल्ये क्षयव्य | २१६२ |
| तीक्ष्णकाकणी | २२५२ | | | तुलाप्रतिमा | २२४८, | | २०९१ |
| तीक्ष्णकाले च | २०४७ | पानपण्डम | <i>900</i> | | २२५२ | | २०९३ |
| तीश्णकाले भ | ٠,, | તામચૂતજી | # १६०१ | तुलामकर | २४६२ | 19 | १९२७ |
| तीक्णता मृदु | ર્લ્ફ | तीवाण्युद्देग | ११३२ | तुलामानं प्र | २३३२ | | |
| तीक्ष्णताम्रसं | २२५१ | तीबाद्चूतकु | १६०१ | तुला मानं प्र | * ,, | तुल्ये संपन्ना | |
| तीक्ष्णदण्डः स | ११०६ | तीव्रान्घोषान्क | ४९४ | <u>तुलामानपौ</u> | ६७० | 1 . | २०९२ |
| तीक्षणदण्डो हि | ६८० | तुङ्गभद्रा सु | २९७० | तुलामानभा | २२६२, | तुल्ये हिरण्य | २०९१ |
| तीक्णबलं वा | २६२० | तुटो ल्वो नि | २२७६ | | २२६४ | तुल्योत्साहश | |
| तीक्णमल्पप्र | ६६४ | तुण्डमासी न्म | २७१२ | तुलामानयो | . ९१६ | तुल्यो भुवीन्द्र | |
| तीक्ष्णमुत्सा हि | १९२३ | तुतोष च य | ५४२ | | २२५८ | तुषकेशास्थि | २९८१ |
| तीक्ष्ण रसद | २६२१ | तुत्थं च कर | . २८८६ | तुलामूल्यं त्रि | २२७४ | तुषपर्णी व्या | १४६७ |
| तीक्षणश्चैव मृ | ર | तुत्थोद्गतं गौ | २२४६ | तुला विषम | २२५३ | तुषभस्मक | २५०६, |
| | ७०१ | तुम्यं देवा अ | २४३ | <u>तुलाशासन</u> | 1888 | | (५०८,२५१५ |
| तीक्ष्णस्थाने चा | १४०० | तुभ्यमारण्याः | ६७ | तुलाहीने ही | રેરે ९५ | तुषाणां चैव | १४६४ |
| तीक्ष्णा इति व | • १२१८ | तुभ्यमिन्द्रो बृ | २४६ | तुल्यं चोभे प्र | २०३८ | तुषारदुर्दि २ | ४५३,२५५७ |
| तीक्ष्णायं कर | १५३३ | तुभ्यमिन्द्रो व | * ,, | तुल्यकालफ | ³ ૨ ૦५૬ | तुषार पाय | २२८८ |
| तीक्ष्णाचोद्धिज | १०५५ | तुरंगकीपी | # 2409 | तुल्यदुःखसु | ७९० | तुषारा यव | २७१३ |
| तीक्ष्णान्कण्टकि | ६८२ | तुरंगगति | १५०१ | तुल्यदुर्गाणा <u>ं</u> | २१९७ | तुष्टपुष्टब २० | ,५४,२४५७, |
| तीक्ष्णा वयमि | १२१८ | तुरंगपादो | १५१३ | तुल्यपाणिभु | #990 | 3 | ५५२,२५५३ |
| तीक्ष्णारछेदस | १५१२, | तुरंगमाणा | १५२४, | तु ल्यपाणि शि | ., | तुष्टलिङ्ग म | १९१८ |
| | १५२२ | | | तुल्यबलम | २१९६ | तुष्टातुष्ट्वि | ११३७ |
| तीक्ष्णीयांसः प | ५०५ | तुरंगमो द्वी | | तुल्यबाहुब | | तुष्टानर्थमा ः | १६४९, |
| तीक्ष्णेषबोऽब | ५०६ | तुरं मन्दं च | | तु ल्यभूमीनां | २१९६ | 8 | ९१६,१९५६ |
| तीक्षेषवो ब्रा | ३९८ | - | | तुल्यमन्त्रप | 1 | तुष्टानुर्क्त | ६५८ |
| तीक्ष्णैः शस्त्रैः सु | २७६८ | तुरगांश्च म | | तुल्यवेगन | ~ 1 | उ तुष्टान् भूयः पृ | |
| तीक्ष्णैः शस्त्रैर | * ,, | तुरगा दश | | तुल्यवेतनो | २६१२ | 3014 840 3 | • |
| तीक्ष्णोऽभियुक्तो | १२३२ | तुरगादीनि | 1 | तुल्यशक्तिः स | | तुष्टा यस्थाऽऽ | १९१५ |
| तीश्णो ह्येकः श | १९२३ | - | - 1 | तुल्यशीलव | | तुष्टा यस्ताऽऽ तुष्टाव प्रण | • |
| तीर्थ सप्तऋ | २९६८ | तुरगा रक्ष | 1 | तुल्यशुकास्थि | | | २९४० |
| | • | | | - ,· · · · · · · · · · · · · · · · · · · | 970 | तुष्टिदानमे | १६६४ |

| तुष्टु बुश्च्म | | तृणानामिव | ७४४,१४१९ | | २४८३ | ते चेतिपत्र्ये क | २४३६ |
|---------------------------|------------------------|---------------------------|---|-------------------------------|---------------|--------------------------------|------------------|
| तुष्टु बुश् चै व | २३५८ | | २१८३ | तृम्पा व्यश्नुही | २३४ | ते चेदक्षत्र | २७६५ |
| तुष्टु बुस्तं म | | तृणैरावृता | ४०४ | | | ते चेदिमे की | २४३६ |
| तुष्टे भर्तरि | १०८८ | तृतीयं धन | ७१ २०८, | | #६३७ | ते चेद्यथोक्तं | १९२१ |
| तुष्टे मनसि | २४६ ३ | | १९७२ | तृष्टामया प्र | ४५३ | ते चैकसप्त | #2086 |
| तुष्टेषु तुष्टाः | ७४३ | वृतीयं श्वेत | २८७२ | | १०९७ | ते चैव सप्त | |
| तुष्ट्यर्थलाभा | २५२१ | तृतीयं सार | १९५० | तृष्णा रागव | २ ९ ९१ | ते चैवांशह | ,, ५९७ |
| तुष्येयुर्येन | २९१३ | तृतीयः शंत | ८४३ | | | तेज एव नृ | |
| त्णमासाद्य | #१५१७ | तृतीयः शांत | # ,, | तृष्वीमनु प्र | *2836 | · · | ९२३ |
| त्णाश्मानं वा | ७२ ५५३, | तृतीयदि न | | तृसमा ऋषि | ४३, ८४ | _ | २०७ |
| | #२६०७ | तृतीयया जा | | | * २९७० | तेजः कर्मणि | ६१६ |
| तूर्णमारुह्य | १५१७ | वृतीयस व | 210 | ते अन्योन्यसी | १०९ | तेजः कर्माणि | * ,, |
| त्र्यघोषाश्च | ९५७ | तृतीयांशं च | 3916 | ते अष्टी यव | २२७४ | | # १२४५ |
| तूर्यघोषेण २८ | ५०,२८५६ | तृतीयांशं भृ | 9 91-14 | ते असी सव | २८३ | तेजःक्षमाव | " |
| तूर्यत्रिको वृ | # १५७२ | 1 | 1140 | ते आचरन्ती | ४९३ | तेजः क्षात्रं स | 2४०० |
| तूर्यध्वजप | २३६० | ઉ વાયારા જ | | ते एते अभ्य | २१७ | तेजः शिल्पम् | १५२४, |
| तूर्यमङ्गल | २८२५ | तृतीयांशवि | | ते कवषम | ४२० | | |
| तूर्यशब्दे रा | २३२५ | वितायादा पू | २८८५ | ते कस्यांचिद | १०७० | नेन सर्वे प | २६८३ |
| तूर्यसंज्ञाभि | २६३२ | છુલાયા વન | २४७१ | ते कुमारं प | २१०९ | तेजः सत्यं धृ ते जित्तरे दि | १०३१ |
| तूर्याणां तैः प्र | २६६३ | 1 2 | २८५४ | ते कृषिंच स | ४०३ | | ४६९ |
| तूष्णीं त्वेनमु | १६८७ | 50141311 | २९८१ | ते कुद्धा निर्द | ७२८ | तेजसश्चाऽऽग | १९०४ |
| - | | तृतीया राज्य | २५२९ | ते खंछ प्रज्ञा | १२०४ | तेजसस्तप | १०९५ |
| तूष्णीं भव न | २०२५ | तृतीया व र | २९८८ | ते खछ राज | १०२० | तेजसां भास्क | ६२० |
| तूष्णीयुद्धं ज | १ ४८२, | तृतीयेऽङ्ग <u>ु</u> ल | | ते खल्विप कु | १६२२ | तेजसा च प्र | २५०१ |
| | ७८,१५८२ | तृतीये तर | | ते गच्छन्यक् | १७३० | तेजसा चैव | २५३७, |
| तूष्णीं वा प्रति | १७०५ | तृतीये तूर्य | 988 | ते गता ब्रह्म | | | १४५,२८९ २ |
| तृणकटच्छ | २३२४ | तृतीये त्रिगु | २२ ९७ | त गता शब ते गृढचाराः | २७८३ | तेजसा छादि | \$800 |
| तृणकाष्ठमा | २६२९ | तृतीये दिन | | त गूडवाराः ते गूडशस्त्रे | १६६३ | तेजसा दीप्य | २७०५ |
| तृणकाष्ठादि | १३७६, | वृतीये धन | | त पूष्यस्त्र तेऽमिना मुखे | १४०० | तेजसा दुनि | ८२६ |
| | १४२९ | 2017 77 | * \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ | तऽ।भगा चुख तेऽग्रिमबुव | ४७९ | तेजसा प्रज्ञ | |
| तृणखादी प | २७८३ | तृतीयेन तु | | त अभम्भुष ते च ज्येष्ठाः ख | ,, | • • | १०४५ |
| तृणचर्माव | *8489 | | 2198 2 | ते च द्वादश | 282 | _ | ४००४ |
| तृण च ्छन्नानि | | वृताया प तृतीये प्रण २ | 7 P 7 7 7 7 7 7 7 7 7 7 7 7 7 7 7 7 7 7 | त च द्वादरा | | तेजसा यद | ८२२,८२५ |
| तृणदुमोद्ध तृणदुमोद्ध | | | _ | | | तेजसा हरि | १४७४ |
| • | | तृतीये स्नान | ९४४ | ते च पृष्टा य | २३९५ | तेजसैव हि | १९०२ |
| तृणपूर्णमु | | तृतीये ऽ हनि | २५३९, | ते चापि निप | १३२४ | तेजसैवैन | २७६ |
| तृणमिति दी | १७०७ | | २५४३ | ते चार्थवन्तं | | तेजसोहिं द्व | २०८२ |
| तृणानां शाक | | तृतीये हस्ति | २६०८ | ते चेत्कुरू न | 1 | ते जसो वा ए | २०७ |
| तुणानामपि | *१ ४ १ ९ | तृतीयो नास्ति | २०३८ | ते चेत्तमाग | 1 | ते ज स्तपांसि | २८७ ० |
| | | | - 1 | | 4 = 7 | | 1000 |

| | | | | | | | | 4 - 3 |
|----------------------|---------------|-----------------|---------------|-------|------------------|-----------------------|------------------------|----------------|
| तेजस्ते वर्ध | २८७०, | ते त्यजन्ति त | # २०१५ | तेन | ते भ्रात | ८५७ | तेन भूयोऽपि | ७२१ |
| • | | तेऽत्र पृष्टाय | # २३९५ | तेन | ते संघि | २०१३ | तेन भृता रा | ۷۰۷, |
| तेजस्वनं तं | १९०६ | तेऽत्र बाला न | २०५१ | तेन | ते सर्व | ५५५ | | ३२७,१६४८ |
| तेजस्वनं दी | | ते त्रस्ता नर | ५७२ | तेन | ते सह | २०८२ | तेन मध्यम | ८३२, |
| तेजस्वीच य | ८३४ | ते त्वतिप्रयं क | २०११ | तेन | त्रिषंयु | ३५५, | | २०३,१४९५ |
| तेजस्वीति य | १९०६ | ते त्वया धर्म | ५६६ | l | _ | ર ે ૨५૬ | तेन मरको १ | ३९६,१५६२ |
| तेजांसि रिपु | २७०६ | ते त्वया न नि | २७९० | 3= | शास्त्र | २ ०२ ४ | तेन मार्गेण | २५१० |
| ते जानमाना | १८९२ | | १२१६ | ਰੇੜ | শ্বন বে ভিন্ন | - ५७५ ६ ६४५ | तेन मित्र्यो रा | २७७ |
| ते जानानास्तु | * ,, | ते त्वां प्रतिक | *२०११ | | रवं ब्रह्म | * १ १०१ | तेन मूलह | २१६० |
| तेजिता बल | ८५८ | | २३९० | | दक्षिणा | **\ २ ४८ | तेन मूपक | २०२१ |
| तेजोगुणान् | २५२१ | ते त्वां विभेद | १२१८ | 1 | दण्डो प | २६४६ | तेन मूपिक | # ,, |
| तेजो धैयं क्ष | १२४० | ते त्वामद्याभि | २९६ २ | 1 | ५-डाप देवासु | | तेन मृगप | १३९७ |
| तेजोमात्रां स | ८१९ | | २२३ | | दवास दोषेण | ६०७ २१८ ४ | तेन मृगया | २६३८ |
| तेजो यो विद्यु | ३५१ | ते दत्तकत्व | ८६१ | 1 | • | 2 | तेन यथेष्टयै | 2 |
| तेजो राष्ट्रस्य | ३९९ | ते देवा अब्र | ४७,२२७, | तन | दोषेणे | રે _{કે} રૂર, | तम ययष्टय | २४९, |
| तेजो वा अग्नि | २५० | , . | ३३४,५२७ | | 8 | ४०१,१४०२ | तेन यद्यत्स | २५०,३०४ ८७३ |
| तेजो वा अग्निः | २७६ | ते देवा अभ्या | ३३५ | I - | द्वारेण | २३७० | तेन रत्नव | २७०८ |
| तेजो वा एत | २३४ | ते देवा एता | ,, | 1 - | धरणा | २२७१ | तेन राजभ्रा | २९ ९ |
| तेजोविप्रह | #६२७ | ते देवाः प्रजा | २६,३५६ | तेन | धर्मेण | ७९६ | _ | |
| तेजो विग्रह | " | ते देवा मह | ४२९ | तेन | धर्मोत्त | ७९३ | तेन राजा रा | " |
| तेजो हि संधा | २०५९, | 2 3ar fron | ५ २६ | तेन | पण्यं कु | २२ १२ | तेन राष्ट्रं च | १०३२ |
| | ११,२१२९ | ते देवास्तं ना | ३६५ | तेन | परप | २६३४ | तेन रूपाजी | २१०९ |
| ते तच्छत्रोः प्रे | २६ ३९ | ते देवास्तस्मि | પેરે ટ | तेन | पशब्यः | ३३२ | तेन रौद्री | २५४ |
| ते तथेमांछो | પ રહ | ते धर्ममर्थ | 8999 | तेन | पारश | 1200 | तेनर्षिणा ते | ४५६ |
| ते तदभिवि | १४०० | ते ध्वजैवैंज | २७२० | तेन | पावमा | ३३३ | तेन वा प्रेषि | २१०१ |
| ते तमूचुः सु | २८६६ | तेन कार्यान | १६३७ | | पूर्वः प | २१०१ | तेन वारणा | २८८१ |
| ते\$तिमा नेनै | १११,५२९ | तेन काशिकं | २२३८ | तेन । | पूर्वे व्या | २१५९, | तेन विप्रकृ | १२११ |
| ते तु तहोष | १९५७ | तेन गुप्तः प्र | ६८० | | | २१६० | तेन विश्वस्य | દ્ |
| ते तुतां रज | # २९४१ | तेन गोमण्ड | २३११ | तेन ऽ | | १८१३ | ते न वृद्धचा प्र | *६६३ |
| ते तुबाला न | #२०५१ | तेन ग्रामणीः | २९९ | तेन | प्रणिहि | 1 | तेन वैरं स | १९९६ |
| ते तु मूढाः स | * २८६६ | तेन घातं प्र | २८१३ | तेन ! | पदिग्ध | २६५५ | तेन वैश्योऽभि | २७८ |
| ते तु वैद्याः कु | *२३८० | तेन चाधिक | ७४२ | तेन : | पदेशे | २२८१ | तेन व्यसनी | २०९८ |
| ते तु संमानि | ८६५ | तेन चेन्द्रत्व | १०५३ | तेन । | पाञ्चो बो | २५४ | तेन शतं स | 488 |
| ते तृप्तास्तर्प | | तेन जायाम | ३९७ | तेन व | ब्रह्माणी | .1 | तेन शत्रून | ५१३ |
| ते ते राष्ट्रे प | 1 | तेन तर स्तोमं | ४२९ | तेन व | बाह्मणो | ı | तेन शलभ | |
| ते ते राष्ट्रेषु | * , | तेन तस्यातु | ११७७ | | | | भग राल्य जेन कर—' − | १३९७ |
| ते ते वाच ५ सु | • • • | तेन तेन त | # २७६७ | | | | तेन शालां प्र | ४०४ |
| | | - | ~.,-,- | | ार ७ ग। | 45081 | तेन शिरोह | २२३१ |

| | | तेनाभियाया | # २६ ७\ | ४ तेनेह रलाध्य | १७२० | ते१ऽन्योऽन्यसी | ज्ये ५२६ |
|------------------------------|-----------|-----------------------------|----------------|----------------------------|--------------|---------------------------|-----------------|
| | - | तेनाम्यक्ताक्षो | | अतेनैकं रथ | | तेऽन्वाहार्यप | ४२२ |
| तेन संरक्ष २ - १ | | तेनामर्षेण | | र तेनैनमया | ३६५,४६५ | ते पञ्च प्राणाः | २५ इ |
| तेन संवर्ध | | तेनामित्राट | . २१६ | ३ तेनैन्द्री | ३५ ४ | तेऽपत्रपन्ति | * ६५३ |
| तेन सत्येन | १०९४ | तेनामृतत्वं | २००० | | २८३६ | तेऽपरयन्विप | १८८७ |
| तेन समात्स | ४३५ | तेनायजत | १०९,३३२ | | २९५१ | तेऽपि जानन्ति | 0 2040 |
| तेन सम्यग्य | १०९३ | | | तेनैव चैव | * ,, | तेऽपि ज्येष्ठाः स्व | |
| तेन सर्वभा | २६३१ | तेनाऽऽयुर्वर्ध | ६९५,७४४ | तेनैव त्वं घृ | २०११ | तेऽपि तत्र प्र | ७२१ |
| तेन सर्वाणि | १४९७ | तेनार्जिता स | ६८३ | तेनैव प्राणे | ₹ ₹२ | तेऽपि भावाय | ८०४ |
| तेन सहैक | | | २४२७ | तेनैवमुक्ता | ७३० | तेऽपि भोगाय । | १६३,६८ ६ |
| तेन साध प्र | | ते नार्थास्त्वयि | १३२७ | तेनैव यजे | ३३ २ | तेऽपि राज्यम | १८९५ |
| तेन सार्धे वि | - 1 | | २६ ४५ | तेनैव सह | २६७०, | तेऽपि लब्ध्वा त | १३६० |
| · · | | | ३१२ | .1 | ८७,२७९० | ते पुनर्दाना | ७ ९ , |
| तेन सिंहास | | तेनाश्वखरो | २३०५ | तेनैव सहि | *१५१७ | ते पूज्यास्ते च | ७४२ |
| तेन सूतो वा | | तेनाऽऽसनया | | तेनैव साध | २७८८ | ते पूज्यास्ते न | १०९८ |
| तेन सेनाप | १९२२ | तेनासौ लोको | | तेनैव सुव | · ४२३ | ते पूर्वमभि | २६ ०४ |
| तेन सोमस्य | २७५, | तेनास्मान् ब्रह्म | | तेनैवेतत् | २५७ | ते पूर्ववित्ता | २४६८ |
| | २८७५ | तेनास्य तांश | ३५७ | | ર | ते पृष्टाश्च व | २३९५ |
| | 4444 | तेनास्य तुष्टो | | तेनैवोग्रेन्ध | ३१४ | ते पृष्टास्त व | * ,, |
| | , , , , | तेनास्य सोऽभी | ४६४ | ते नैवो पेन्ध | *१२१३ | तेऽप्यनावृष्टि | ७२४ |
| तेन स्वोऽभिषि | २७७ | तेनास्थेहातु | | तनवापन्ध तेनैषां सर्वा | " | तेऽप्येनं मन्ये | 966 |
| तेन हस्तिना व तेन हिध्वजे | ,, ,, : | तेनाहं सर्वे | ₹ १ ९६ | | ३५० | ते प्रजापति | २९,७८ |
| | 10015 | नाहमद्य | | तेनो एवैष | ३०३ | ते प्रतीच्यां दि | २२ ३ |
| | 7771 | ्. नाहममूं | 428 | ते नोऽमयः प | • २४३ | ते प्रत्युपाति | ७९ |
| • | 1 - | • | | तेनोत्तरं व्या | २२६१ | ते प्राप्तवय | ८५८ |
| | | निाहमिन्द्र ' नियोज्या य | | तेनोदकप्रा | | ते प्रीता ब्राह्म | २९३ ७ |
| • 1 | | | | तेनोदकेन | | ते बलान्यव | १६२२ |
| | | ऽनुसामन्त २ | | तेनोदासी न | | ते बलेन व | |
| | | नेन्द्रतुरी नेन्द्रकं ए | | तेनोदासीना | 1 | ते भाला भृत | १८९४ |
| तेनाऽऽदित्या अ | | नेन्द्रत्वं स ् | * १०५३ | तेनोहिष्टां च | | | १९१० |
| . . | | | | तेनोहिष्टी च | * 99 | .उतुनर् रेऽब्रुवन्-आ | २९,१०९ |
| तेनानुबन्धं 🛊 २ | ४२७ तिन | न्द्रोऽयज | ११३ | तेनोहिष्टी तु | | | ३६५ |
| | १८२ तिन | ो मम श | 280 | तेनोद्वेगैन | | ोऽब्रुवन् -क | ५२६ ′ |
| तेनान्तरिक्षं ६९, ७२ व | ७९ तेने | मिमग्र | , | तेनोप दे शे | , | ोऽब्रुवन्-व रेट्याच्या | ४६५ |
| Z | | | ३,१५०७ हे | • | | डिबुबन् – वी | ३६५ |
| ^ ^ | . २६ तेने | | | ानाक् स्वम् नियग्रोधा अ | | ब्राह्मणस्य | ३९८ |
| • - | १३ तेने | | | | | भग्नाः स्वसै | २०९९ |
| | | £ 1014 € | 7 7,5 7 7 7 | १९ऽन्योऽन्यं नाश | ३५७∫त | भिद्यमाना | १८९२ |

| तेभिनों अप्त | ४३९ | . तेम्योऽपि सुवि | २८३१ | ते वयं पाण्ड | ८४० | तेषां गृहप | २६४२ |
|--------------------|-------------|---------------------------------------|----------------|--------------------------|----------|-------------------|---------------|
| तेभिर्वहा वि | ३ ९८ | तेभ्योऽभितते | 888 | ते वयं पाण्डु २० | ००४,२०८३ | तेषां ग्रहण | १३९६ |
| तेभिष्ट्वमाज्ये | ५१५ | | ४४५ | 12 | २४४२ | तेषां ग्राम्याणि | १ ४०७, |
| तेम्य एत ५ वो | ४२९ | तेम्यो यज्ञं चे | ४६५ | ते वयं प्राप्त | १८९१ | | २३३० |
| तेम्य एता उ | ११० | तेभ्यो राजस | ८३४ | ते वयं राज | ८४१ | तेषां च द्वार | २५९९ |
| तेभ्य एवैते | २६ २ | तेभ्यो वेणुद | २८३१ | ते वयं वीर | २७५७ | तेषां च पुत्रे | १४०२ |
| तेभ्य एवैनं | ३४६ | तेभ्यो ह प्रादु | ४७९ | ते वयं सुह | २४४८ | तेषां च पृष्ठ | २७१८ |
| तेम्यः कार्ये का | १७५६ | तेभ्यो ह प्राप्ते | ४३६ | ते वयं स्वर्ग २६ | (०३,२७७४ | तेषां च भोग्य | १७९३ |
| तेभ्यः कृषिस्त | १४३८ | तेभ्यो हान्येऽधि | ર ૦ ૫ | ते वहाविव १७ | | तेषां च सम | १७६५ |
| तेम्यः परिजु | | तेम्यो हि शिक्षे | 幸とらと | ते वा असुरा | ५२७ | तेषां चारेण | १७१२ |
| | | ते मनुष्या ए | ४६४, | तेवाऋषयो | ४२० | तेषां चैवान्त | १५१३ |
| तेभ्यः प्रतिजु | १२१६ | | ૩ ૪६ | ते वा एते द्वे | २६ १ | तेषां चैवाऽऽन्त | १२२९ |
| तेम्यः प्रशस्ता | २८३१ | तेऽमन्यन्त— अ | ५२६ | ते वा भीष्ममु | २८०० | तेषां जङ्घाग्र | २३२० |
| तेभ्यः शशंसु | २३५३ | | 111 | ते विश्रब्धाः प्र | #६२७ | तेषां जनप | १२४७ |
| तेभ्यः शिक्षेत | 202 | " " " " " " " " " " " " " " " " " " " | | ते विस्रब्धाः प्र | , | तेषां ज्यायसे | २१५६ |
| तेभ्यः श्रान्तेभ्य | 3 | ते मां काव्यप ते मा कव्यप | *६२७ | ते वृक्षवृक्ष | २८४३ | तेषां ज्यायसो | २१८५ |
| तेभ्यः सर्वाणि | ८६६ | i | " | ते वै धन्या यैः | २४२३ | तेषां ज्यायस्तु | १०५३ |
| तेम्यः सर्वेभ्य | | ते मा जुपन्तां | ३९१ | ते वै पुत्राः प | १९३ | तेषां ज्येष्ठः ख | ८४५ |
| तम्यः तपन्य | - | ते मा संवत्स | २९ | ते वै संवत्स | २९ | तेषां ज्येष्ठस्तु | 99 |
| तेभ्यश्च शुणु | | तेऽमित्रवश | २१३२ | ते व्यजयन्त | २५२,२५४ | तेषां तन्नाय | * 980 |
| • | १०८,१०९ | ते मोहवश | ५७२ | ते शस्त्रप्राहि | १४२४ | तेषां तस्य च | ८५७ |
| तेभ्यस्तद्धर्म | १३६१ | ते यथा ब्र्यु | १७७० | ते शस्त्रवाह | * ,, | तेषां तीक्ष्णभ | २३०९ |
| तेभ्यो जनप | | ते यद्ब्र्युर | ८१८ | ते ग्रूरा धृत | *१९१० | तेषां तीव्रत | २८६९ |
| तेभ्यो जुहोमि | | ते यन्न्यञ्चोऽरो | २०६ | ते श्रह्धाना | २०३९ | तेषां तु तुष्य | २८९५ |
| तेभ्यो देवा अ | | ते यान्ति तेषा | २५८२ | तेषां कर्मफ | २२८५ | तेषां तु पश्चि | २९८४ |
| | ४६५ | ते यान्ति पर | २७८६ | तेषां कामदु | २७६३ | तेषां तु पृष्ठ | २७५२ |
| तेभ्यो देवाः प | " | ते युद्धावस्क | २६४१ | तेषां कार्तान्ति | | तेषां तु विवि | २८६७ |
| तेभ्यो देवा य | " | ते राजवच | # २९४१ | | 1 | तेषां तु सम | • १७६५ |
| तेभ्यो देवा वि | ,, | ते राज्ञ एवा | २०७ | तेषां किल्बिषं | , | तेषां तूर्यमा | ૨૨ ૧૮ |
| तेभ्योऽधिगच्छे | ८७४ | ते राष्ट्रगुप्तै | ११५२ | | 1 | तेषां त्रयाणां | १७६३ |
| तेभ्यो नमश्र | २३९७ | तेऽर्थास्त्विय न | | तेषां कुप्यमृ | २५६ १ | तेषां त्रिक्को | २५३० |
| तेभ्यो नमोऽधि | ,४०,,६० | तेऽलं विनाशा | | तेषां कुषीत | _ 1 | तेषां दशस | २७१७ |
| .* | | ते लोप्त्रहारैः | 1 | तेषां खनित्रो | ८५७ | तेषां देवीव्य | 1 800 |
| तेभ्यो निधानं | २४६ | तेऽवदन् प्रथ | 1 | तेषां गमेन | | तेषां दैवा अ | ४२९ |
| तेभ्यो न्वेवैत | २९३ | ते वयं त्वध | २४४३ | ते ^ष ां गरीया | ६४६ | तेषां दोषान | 1880 |
| तेभ्योऽपि ते श्रे | १५११ | ते वयं धृत | २३९५ | तेषां गुप्तिप | | तेषां द्वेधा वि | |
| तेम्योऽपि दानं | १९५४ | ते वयं न श्रि | | तेषां गुरुत्वं | 2/30 | तेषां न चाल्य | 8 રૂપ |
| | | | | • • • • | 1010 | . भराय चाएथ | 19088 |

| तेषां नदीप | १४४५ | तेषां | भागो वि | २ #१ ४१८ | तेषां | संकीर्त | ર | ९७१ | तेषामन्यत | ९८६,२२८१ |
|-------------------|---------------|---------|------------|--------------------|-------|---------------|-------------|--------------|---------------|------------------------------|
| तेषां न लक्ष्मी | : २८८८ | तेषां | भेदं प्र | १९५७, | | संख्याय | | | तेषामन्योन्य | प४ |
| तेषां नैकंच | रपर | " " | ••• | १९५८ | तेषां | संपूज | २५ | 1 80, | तेषामपि क | १६९७ |
| तेषां पञ्च बि | ३०५ | तेषां | भोगवि | *{*{ | | | | | ्तेषामपि प्र | १४७२, |
| तेषां पण्यप | २१०४ | तेषां | मदान्धे | २५२३ | | संमार्ज | 1 | ५१३ | | १९५४ |
| तेषां पदाति | २७२० | तेषां | मध्ये नि | # २३ २८ | तेषां | सकाशा | | ३७६ | तेषामपि म | १२२४, |
| तेषां परत | १९०८ | | | २१०५ | | सङ्ग्राम | | ३८६ | | २४४८,२७०४ |
| तेषां पानस | २८३६ | तेषां | मात्राप्र | २५३० | तेषां | | | | तेषामपि श्री | २४४९ |
| तेषां पुण्याह | २९४० | तेषां | मानं तु | २८४५ | | | ११२४,२ | ३९६ | तेषामपीदं | १८९५ |
| तेषां पुत्राश्च | २५३८, | तेषां | मुखानि | २२६९ | | | | | तेषामप्यध | १२९२,२०८४ |
| | રવેજવ | | मुण्डज | १६५१, | तषा | सर्वेषा | | ५१८ | I. | १७६९ |
| तेषां पुराणि व | ८४४,२४५०, | | | १९५६ | तेषां | सहस्रा | | | तेषामध्यव | २००० |
| | | 1 | यः क्षत्रि | ६०८ | 1. | सहाय | | ७४० | तेषामभावे | १२४९,१५४९ |
| तेषां पुरुषा | १३८४ | | | <i>እ</i> አ <i></i> | | सांकथ्य | | ३७६ | तेषामभावो | १५५० |
| तेषां पुरोहि | ८५८ | तेषां | यथागु | १०२८, | तेषां | सान्त्वं | क्रू २ | ६०५ | तेषामभीक्ष्ण | १६४६ |
| तेषां पृष्ठे कु | २७५३ | 1 | _ | १ ४४० | तेषां | स्पन्दनि | त २ | ६०४ | तेषामभ्यव | २६१९ |
| तेषां प्रतिशां | २७०२ | | | ८४२ | तेषां | स्यन्दिन | त ∗ | " | तेषाममानि | १५६७ |
| तेषां प्रतिवि | २६००, | | | २०६ | तेषां | खं खा | म १ | ७७४ | तेषामर्थश्च | #8680 |
| | २७७४ | तेषां | यस्मिन्वा | २०५६ | तेषां | खभूमि | | ७३२ | तेषामर्थसं | १९२५ |
| तेषां प्रदरं | २७२९ | तेषां | युद्धं तु | २१५० | तेषां | खर्गे ध्रु | १ | ८९० | तेषामर्थे नि | २३२८ |
| तेषां प्रपक्षः | २७२० | तेषां | ये वेद | २३९६ | तेषां | हरणो | 2 | १२२२ | तेषामलाभे | २०९८,२१६७ |
| तेषां प्रपक्षाः | २७१६, | तेषां | यो नो ध्व | ८०४ | तेषां | हि दिव | ं २ | ४६२ | तेषामविदि | # १२४५ |
| | * ₹७₹० | तेषां | वधोऽति | २००० | तेषां | हि प्रम | ग ्र | ७६ ९ | तेषामशुद्धा | २२४ १ |
| तेषां प्रपक्षे | २७१९ | | | २९१ २ | | | | ४५५ | तेषामसम | २१५२ |
| तेषां प्रसादे | १०६६ | | वा तूर्य | २१०९ | | | गे ≄२ | ५७५ | तेषामसुरा | ५२६ |
| तेषां प्राद्धर्भा | २९१ ४ | | विशेष | १३१४ | तेषां | हेतुर | | ८१९ | | १२१२ |
| तेषां प्रीत्या य | ६४६ २३१०. | तेषां | वृत्तं प | १४०८, | तेषां | ह्यकाम | | ६०७ | | ७६५,११२५ |
| तेषां बन्धनो | 2201 | | | २३३० | तेषा | | | ३९० | तेषामाढक | २२७३ |
| तेषां बलं तु | २३१५ | तेषां | वृत्तिं प | १३८६, | | नजः प्र | | ३४८ | तेषामात्मैव | #8086 |
| तेषां बलं वि | १५४२ | | _ | # १ ४०८ | तेषाम | | | ९७० | तेषामादित्य | |
| | २४७३ | तेषां | वृत्ते प | • ,, | 1. | रज्ञात | | ९१४ | _ | • - |
| तेषां बलवि | १८९१ | | | ५०९ | तेषाम | ञ्जिलि | २ | ९३७ | तेषामानुपू | २२१९ |
| तेषां बहूनां | ७२८ | | • | २०६८ | तेषाम | निय | २ | १०९ | तेषामासज्य | ६३१ |
| तेषां बाह्यं चा | १६४५ | तेषां : | शरीरा | २८०१ | तेषाम | नुग्र | ₹. | ८९९ | तेषामुत्तिष्ठ | २६१९ |
| तेषां ब्रह्मेदी | २४५ | तेषां : | शास्तिक | | तेषाम | • | | | तेषामुद्धर | [ુ] ર૬૨ ૪ |
| तेषां जाहाची | १०२९ | तेषां | য়ুপুদ ় | , | _ | | | | ŀ | २९१०,२९५४ |
| क्ष्मां भागवि | 8886 | तेषां | श्रीविंज | २८६६ | | | | | तेषामेकः प्र | २९१ २, |

| तेषामेकयो | १९३१ | तेषु समोप्ते | २३२ | ते समयोगे प | *~₹९४ | ते ह्येनमप | १२२५ |
|------------------------------|----------------|-------------------|---------------|------------------|-------------------|---------------------|---------------|
| तेषामेकेनो | १९३२ | तेषु सर्वे प्र | #१०७५ | तेऽसी सवम | २८३ | तैः कृत्वा सह | २३८४ |
| तेषामेव क | २९८२ | तेषु सर्वेषु २८९ | | तेऽस्य ग्रह्माणि | ११०७, | तैः पश्चिमा व्या | 5 88 |
| तेषामेव त | २९०९ | | 8,2969 | | २४,१६३२ | तैः समेत्य म | १२४५ |
| तेषामेव वि | १७३१ | ते षोडश ध | ं २२७० | तेऽस्य मर्माण | # १७२२ | तैः सार्धे चिन्त | १ २५२, |
| तेषु चेदहि | १८९८ | ते षोडश सु | ,, | तेऽस्य योगे प | २३९४ | १७। | ७३,१७७८ |
| तेषु चैताव | २३२० | तेष्वकृतप्रा | २९१४ | तेऽस्य सम्यग | # २३२९ | तै: साधि मन्त्र | १२४५, |
| तेषु ज्येष्ठेषु | #686 | i . | २२९३ | तेऽस्य सर्वे प | १२५७ | | <i>६७७३</i> क |
| तेषु ज्येष्ठो भ | ८६० | | २६६ १ | तेऽस्य सर्वाण्य | २३२९ | तैक्ष्ण्यं जिह्यत्व | १०७९ |
| तेषु तु नित्य | | | १९,१९६७ | ते हततो जि | २२३ | तैजसं मद | २५३० |
| तेषु तुष्टेषु | १०३२ | | ६५५ | ते ह तदन्त | २०२ | तैजसं वै वि | ७९१ |
| तेषु तेषु तु | ११६७ | तेष्ववस्कन्द | २८०७, | ते हते सर्व | २१० | तैजसेष्वथ | ९४३ |
| तेषु तेषु पृ तेषु तेषु पृ | २९८९ | | | ते ह प्रथम | २०५ | तैरज्ञातान् ख | १२३० |
| तेषु तेषु हि | # ११६७, | तेष्वेव तद | | ते हासंपाद्यो | १११ | तैरनुमतः | २८३ |
| 113 113 14 | २३७३ | तेष्वेव यात्रा | | ते हि गृहप्र | 9 9 9 10 | तैरनुष्टितः | २८५३ |
| तेषु तेष्वभि | * २७७ ५ | तेष्वेव सज्ज | २०११ | | १७५८ | तैरप्रमत्त | १०४३ |
| तेषु तैः सह | ₩२७७५ २६२६ | 7-73 | २५६ | ते हि घातन | ७४६ | तैरभिषिच्य | ३२३ |
| _ | | ने संगतिने | | ते हि जानन्ति | २०५० | तैरभ्युच्चित | २४५३, |
| तेषु देशेषु | २८७२ | ते संवत्सर | • | ते हि तछोभा | १६६४ | | २५५६ |
| तेषु पुष्पफ | १४५१ | > | | ते हि मर्मण्य | | तैरमित्रास्त्र | ५०७ |
| तेषु प्रशान्ते | १९१६ | ते सहोषा ह | | ते हि मर्माण्य | # | तैरयं ताप्य | १०४२ |
| तेषु भिन्नेषु | १९६० | ते सम्यञ्जो वै | | ते हि यशियाः | # ₃ ,, | तैरियं पृथि | ८२३ |
| तेषु भोगेषु | ८०२ | ते सर्व आर्ध्न | | ते हि राज्ञां ध | ४२६ | तैरेव भङ्गे | २६९३ |
| तेषु भ्रातृष्व | ८५७ | ते सर्वमेवा | | ते हिराज्ञो ध | | तैरेवाधर्म | ६०९ |
| तेषु मे तात | १०९५ | ते सर्वे तस्य | | ते हि सर्वे म | " २८०० | तैरेवैतत् | રેષદ |
| तेषु यः सम | ६५३ | | | ते हि सर्वे स्थि | १८९५ | तैरेवैनं त | २२१ |
| तेषु यथास्व | २४५३, | ते सर्वे रूप | * ,, | ते हि सुश्रप | 3 ? ? | तैर्बलेनेन्द्रो | ३५० |
| २५ | (५५,२५५६ | ते सर्वे पाप | | ते होचुः कस्य | | तैर्भम्येकान्त | २०६८ |
| तेषु राजन्प्र | \$ 8800 | ते सर्वेऽवस्थि | | ते होत्थाप्यमा | | तैर्मन्त्रयमा | १७७० |
| तेषु राजा नि | १७०२ | ते सर्वे सर्व | | ते ह्यपरग | १३३० | तैर्मन्त्रिभर्भ | १२४६ |
| तेषु राजा प्र | ११०० | ते सहाया न | १२३० | ते ह्यस्य मर्म | १२२४ | तैर्मन्त्रिभर्म | * ,, |
| तेषु व्यसना | २६३४ | ते सहैव स | १०९ | ते ह्यस्य विश्वा | ,, | तैर्मन्त्रैर्नित्य | २९०४ |
| तेषु शस्त्रमि | १२७३ | ते सामसाध्याः | १९४८ | ते ह्यस्य सर्व | | तैर्यजस्व म | |
| तेषु शान्तिद्र | # २९२० | ते सुखप्रश्न | | ते ह्यस्य स्वप | | तैर्वाऽहं निह | ८ ०४८ |
| तेषु शान्तेषु | | ते सोमेन रा | ४७ | | १७७३ | तैर्विगृहीत | २७५९ |
| तेषु सत्कार | १०७० | ते स्थ वैद्याः कु | २३८० | ते होनं कुपि | F 0 C | तेर्वेव व्यज | २५६५ |
| तेषु सन्ति गु | १०६९ | ते स युद्धेष्व | २३५३ | ते ह्यनत्प्रथ | 4 19 4/4 | तैहिं में संधि | २५१ |
| • | | - | | , | 96.0 | । पार न ताथ | १२१२ |

| तैलं मधु घृ | २६ ० | ं तोरणं शस्य | १४७८ | तौ हि द्विकार्य | 2166 | त्यक्त्वा सहाया | # DE 10 - |
|---------------------------|---------------|---------------------------|---------------|-------------------------|---------------|------------------------------------|--------------------|
| तैलं वसा म | * ,, | तोरणत्रित | | ्तौ हि सयोनी | 75 o | त्यज तद्राज | |
| तैलघौताश्च | १५१ | १ तोरणस्थान | | त्यक्तं गृढपु | १०११ | | २४४७ |
| तैलपर्णिक | २ २३ | ५ तोरणात् तोर | τ " | त्यक्तं रिपुब | | त्यजन्ति तेऽव | 华 >> |
| तैलाज्यम् | ७४० | ८ तोरणात् पश् | धे २८८३ | त्यक्तकोधोऽप्र | ६६४ | | *१७३३ |
| तैलोत्तरं द | ७१ ०४: | २ तोरणादक्षि | | ्रेत्यक्तनिद्रोद | | त्यजन्ति नृप | ६११ |
| तैश्च तुल्यो भ | *46 | 1. | | ्रेत्यक्तवर्णाश्र | १४२८ | त्यजन्ति मित्रा | •प२ १३६२ |
| तैश्च यंथोचि | 126 | 1. | २५२९ | I | | त्यजन्ति संग | २७८ ६ |
| तैश्चापि नैवं | २०५ | 1 - | २६ ७८ | | | त्यजन्ति ह्येन | १६९१ |
| तैष्टे रोहितः | 9 | 22 | 2668 | त्यक्तव्यास्त दु | # १२९२ | त्यजन्ति ह्यनं | ¢ ,, |
| तैस्तद्वृत्तं तु | 2386 | 1 | २५२९ | त्यक्तस्नेहाः स्व | # 2५१२ | त्यजन्तु सैनि | १५३४ |
| तैस्तद्वृत्तं शु | ११४ | | ६४२ | त्यक्तस्नेहाश्च | " | त्यजन्ते ते न | ર ५४५ |
| तैस्तु दद्यान्म | २९५१ | | २७९० | त्यक्तस्वधर्मा | २४१४ | त्यजन्त्येते च | #१७३३ |
| | २९७५ | | १९४३ | त्यक्तात्मानः स | १५०१ | त्यजन्येते ५ व | " |
| तेस्तु पूर्वम | २८०३ | _{र्} तोषयेयुर्नृ | ११५० | त्यक्तालसान्दै | #२ ४०९ | त्यजन्नभूत | १८७६ |
| तैस्तुल्यश्च भ | ५६८ | तौ क्षयव्यय | प३ | त्यकोदात्तं म | ६६०० ४ | त्यजाऽऽयुधम | #२७६० |
| तैस्तैः प्रकारः | *१८९३ | तौ चामित्रप्र | २०९३ | त्यक्तोपात्तं म | १०७४, | त्यजेत्कुलार्थे | २२०४ |
| तैस्तैः सुभाषि | २८६१ | तौ चेन्न भिद्ये | र २६४१ | | १६९३ | त्यजेत्स्वामिन | १७०८ |
| तैस्तैर्न्यायै र्म | ५६५ | तौ तथेति प्र | # २९३९ | त्यक्त्वा कामान्ध | # 490 | त्यजेथा मम | २५४४ |
| तैस्त्वा सर्वेर | १ ४ | , तौ तु शत्रू वि | वे ९१९ | त्यक्त्वा ताराः प | ९६४ | त्यजेद्धिरक्तं | १७१४, |
| तोके वा गोषु | ४९० | तौ दृष्ट्वा नव् | | त्यक्त्वा तु दर्प | ११५६, | १७१ | १७,१७४४ |
| तोत्रेण नम | २५३३ | तो निबोध म | १०६० | | | त्यजेयं भव | १०९६ |
| तोयजीरक | २६७१ | ता श्रह्मण द | २९६ | त्यक्त्वा तु विवि | 1-11 | त्यज्यते धनि | ११३९ |
| तोयपानेन | २७ <i>०</i> २ | तौ यत्र विप्र | | त्यक्तवाऽऽत्मानं र | | त्यागं श्रेष्ठं मु | ५९२ |
| तोयपूर्ण वि | | तौ यत्र विही | २४७९ | त्यक्त्वा दारांश्च | | त्यागः सत्यं च | ११८८ |
| | क २३५७ | तौ यदा चर | ५५५ | त्यक्त्वा देशं या | २५२१ | त्यागधर्मवि | २००८, |
| तोयपूर्णेर्वि | " | तौ युध्यमानौ | २१३२ | त्यक्तवा धर्म य | १०७३ | | २०१२ |
| तोया चैव म | २९७० | तौ राजभव | १८१३ | त्यक्तवा नीतिब | | त्यागमूलं हि | २७७३ |
| तोयानि चाभि | ११२२ | तौरूपं च | | त्यक्त्वा प्राणभ | | यागवांश्च पु | २४४४ |
| तोयावतार १५२ | | तौर्यत्रयास | | त्यक्त्वा प्राणान् प्रि | 1 | यागवाञ् जनम | |
| तोयाशयाश्र | २६ १६ | तौर्यत्रिकं वृ | | यक्ता प्रीतिं च | 1 | यागवाताध्व | ,, ५ <i>९</i> ७ |
| तोयाशये वा | २११० | तौ विवादम | | यक्त्वा भोगान्ध | | यागविज्ञान | |
| तोयेन ह्यूद्रै: | २९७३ | ती विहायस | ```` = | यक्त्वा रज्जुं वि | - 1 | यागी च सत्त्व | १२९७ |
| तोयैस्त्वामभि | २९६९. | तौ ध्यजयेतां | | यक्त्वाऽलसान्दै | | यागा च सत्त्व यागी विनीतः | १०१७ |
| | | तो सरस्वन्तं | | यक्त्वा संताप | 1 | यागा विनातः या गे च तस्य | ११९० |
| तोयोपेतं वि | | तौ स्वावनप | | यक्त्वासभात | 1 | | २८८३ |
| तोरणं कन | २८८५ | तौ इ मध्यमे | 829 | | | यागेन यः स यागो विवास | २७६८ |
| | • | • • • • | , | | 100616 | नाना ।ववास | २९२९ |

| | _ | , , | | 1.5. | | | |
|--------------------|-------------|--------------------|-----------------------|---------------------------|----------------|---------------------------------|-----------------|
| त्याज्यं नरस्य | | ० त्रयी वार्तीद | | | १४९ | ३ त्रिद्वारामर्थ | २३७४ |
| त्रपु्सीसक | २८३५ | र ् ८६५ | ,८६७,८८३ | त्रिंशच्छतेर | १४२६ | | २७२२ |
| त्रपुरैः कर्क | २८७ | | | | | | २५ ९७ |
| त्रय एते म | २४८। | 1 - | १४९९ | , त्रिंशत्कोटी हिं | २९४६ | त्रिधा वा पञ्च | १३७६ |
| त्रयः पञ्चस | १२७४ | 1 | रे४६३ | त्रिंशदक्षरा | २१५ | त्रिधा विभक्तैः | २७५१ |
| त्रयः प्रजित्त | ८४३ | त्रयोदश म | २९७ ३ | त्रिंशदब्दप्र | १३६७ | त्रिधा व्यवस्थि | २७५३ |
| त्रयः प्राचीना | १४५० | त्रयोदस्यां तु | २८६० | 0. | २७५२ | त्रिधा ह श्याव | ५९ |
| त्रयः सप्ताहि | २२८६ | त्रयोऽभियोक्ता | २६ १९ | 10. | २२७८ | त्रिनाडिका भो | ९५७ |
| त्रयमेतन्म | २४०९ | | રપ ર | 1 | १३७५ | त्रिनिधनत | ૨ ૪૬५ |
| त्रयश्च | १९३७ | | ४०९ | त्रिंशद्वर्षी म | | त्रिपञ्चसप्ता | १३७१ |
| त्रयश्च तुर | १४९९ | | ९१० | त्रिः परिभ्राम | | त्रिपथाद्राज | १४९३ |
| त्रयस्त्रयश्च | २७५ ३ | | १० २ ९ | त्रिकालस्नायि | | त्रिपदाः शिखि | २४८९ |
| त्रयस्त्रिशं स्तो | ४३५ | l . | २५३ | त्रिकुटं चर्म | १५०५ | त्रिपुरारिं भ | # २९६२ |
| त्रयस्त्रिशच्छ | २३८ | | | त्रिकोणकेन्द्रो | २४६३ | त्रिपुरुषमू | ८३२ |
| त्रयस्त्रि×्शत् | २७४ | | ८८३ | त्रिकोष्ठं पञ्च | १४८५ | 1, | २ ३१२ |
| त्रयस्त्रि×्शता | ४३२ | i e | ^२ १६२७, | त्रिकोष्टैः पञ्च | १४८६ | 1 | २१,१३०७ |
| त्रयस्त्रिशत्स | १५१९ | | १६३१ | त्रिगर्तैः सुम | # २७ १९ | त्रिभागाधिका | १ ४४९ |
| त्रयस्त्रिशदे | २८५३ | त्रय्यां धर्मी ह्य | 666 | त्रिगर्तैर्मत्स्य | २७१० | त्रिभागेणोत्थि | २८४७ |
| त्रयस्त्रि×्राद्धि | ४३२ | | # ५६७ | त्रिगतैंश्च म | २७१९ | त्रिभागोनोम | २२६ ० |
| त्रयाणां पञ्च | १७६७ | त्रय्यामान्वीक्षि | ८६४, | त्रिगुणा वा य | १४८६ | त्रिभागोनो व | २२५९ |
| त्रयाणां भक्षा | २०४ | १० | २४,११७१ | त्रिगुणेन सू | र ४८५ २८५४ | त्रिभिः पादैः स | १४९३ |
| त्रयाणां वा च | २५३१ | त्रय्या संवृत | ५६७, | | २७३६ | त्रिभिः सार्धेश्च | १४६० |
| त्रयाणां सार | १६५६ | | | त्रिगुणेऽश्वो र | .,, | त्रिभिरंशैर्ब ११ | ⁄६,१३६ ५ |
| त्रयाणामपि | २७९६ | त्रय्या हि रक्षि | | त्रिगुणो वा क्व | ₹ ९८७ | त्रिभिर्नयैजि | १९६९ |
| त्रयाणामप्यु | १९३४, | त्रस्तमुद्धिम | | त्रिचतुःपञ्च | • • • | त्रिभिर्वर्षेस्त | २९२ १ |
| - | २४०२ | त्रस्तान् कुन्तीसु | २७९६ | 9 | - 1 | त्रिभिर्वा पञ्च | २३४० |
| त्रयाणामध | २७२९ | त्राणायाप्यस | २७६५ | त्रिच तुर्जा ति | 1 | त्रिभिस्त्रिभिर | 484, |
| त्रयाणामेक १६४६ | | त्रातः स पुर | ११२२ | त्रिचतुष्पञ्च | २७३३, | | १,१६४१ |
| त्रया वै पित | | त्राताः सर्वे प्र | ५९१ | | २८३१ | त्रिभिक्ति भिर्भ | २५२१ |
| | ३१६ | त्रातारमिति | २८७८ | त्रिणवं स्तोम | ४३५ | त्रिभूमिका वा | १४८६ |
| त्रयासाध्यं सा | १९८० | त्रातारमिन्द्रे | २८७२ | त्रिणवत्रय | | त्रिमुखं द्विमु | २७५२ |
| त्रयीं पठन्व | ९०२ | त्रायते हि य | 809 | त्रितयेन त्रि | 1 | त्रिरज्जुकं नि | २२७५ |
| त्रयीं विद्यां नि | ६३० | त्रायख भो मा | #2028 | त्रिदश स्येव | | त्रिरन्त रिक्षं | |
| त्रयीं विद्याम | * ,, | त्रायस्व मां मा | 11 | त्रिदशा इव | 1 | ^ | ३८ |
| त्रयी चाऽऽन्वीक्षि | 1 | त्रासनं रक्ष | | त्रेदशाः सुह् | | त्रिरयनम २८६ त्रिरात्रं पुरो | .३,२८६४ |
| | | त्रासनं रिपु | | त्रेदिग्द्वाराऽभि | 3×8 2 | ।नरात्र पुरा नियनं === | १९६८ |
| त्रयीतः खङ्ज | | त्रासने रिपु | | त्रेद्वारमेव | 2000 | त्रिरात्रं राजा जिस्ताम | " |
| | • | • | <i>"</i> | | 2828 | त्रिरात्रमुषि | २५४२ |
| | | | | | | | |

| त्रिरात्रोपोषि | ર ^ક ્ષ ५७ | त्रिविधानि शा | १११९ | त्रिषु सर्वेषु | # 3×63 | त्रेतायुगे पू | 10/3 |
|------------------------|-----------------------|---|--------------|------------------------------------|--------------------|-----------------------------|-------------------------|
| | २५२० ३५८,२६५९ | 7100 | | त्रिष्टुप्छन्दा वै | | नेतानुग पू त्रेताविमोक्ष | १९८३ *536 |
| | ६६०,२६६१ | | १७५३ | 1 - 0 | " | त्रेगर्तेरथ विवास | *६३५ |
| • | 2923 | | २४८९ | 1000 | | तैगतस्य त्रैदेशानां म | \$ ₹७ १ ० |
| त्रिरुद्घोषित | २२७ ९ | 1 a - | २०४९ | | २५३१ | त्रैयम्बकम | २८४५ |
| त्रिरेनमभि | २९३ ४ | त्रिविष्टपे पु | २०१२ | त्रिसमा ऋषि | २९७० | | २३५७ |
| त्रिलाभवर्ज | २४६४ | | | त्रिस्कन्धं ज्ञान | १६३६ | त्रैराशिकवि | २३५१ |
| त्रिवर्ग इति | ५७३ | _ | ૭૬ | त्रिहस्तदण्ड | १५३३ | त्रैलोक्यं वर्त | २७८९ |
| त्रिवर्गे वर्ग | ७५७ | | १९९ | ۱۵ ۵ | ર ર૮ ₹४, | त्रैलोक्यजय | २८९३ |
| त्रिवर्गत्रय | ५९८ | त्रिवृतस्तोमेन | , , , | 2 | | नलाक्यराज्य | # ६२६ |
| त्रिवर्गपाद | ७४४,७४८ | विष्टुरस्थानन त्रि वृद्रा थंत | " | 1 | | त्रैलोक्यराज्यं | " |
| त्रिवर्गफल | ં દ્રદ્દ પ | । नष्टद्रायत | ३१० | त्रिहस्ते साध | २८३४ | त्रैलोक्यराज्ये | ,, |
| त्रिवर्गभय | १२२७ | त्रिवृद्धिष्टया | *₹₹७ | 100 | १२४३ | त्रैलोक्यलाभे | २४६८ |
| त्रिवर्गयुक्त | # ५५७ | त्रिवृत्रो विष्ट | ⇔ ,, | त्रींस्त्रीन् वारांस्त्रि | २८९४ | | २८८९ |
| त्रिवर्गयुक्ताः | ,, | त्रिवृत्रो विष्ठ | " | त्रीणि कर्माणि | १०३२ | त्रैलोक्यस्यापि | २४४ १ |
| त्रिवर्गविदि | ५६८ | त्रिवेणुसंत | २६७ १ | त्रीणि त्रिकाण्य | २७२२ | त्रैलोक्ये क्षत्र | ५५४ |
| त्रिवर्गश्चापि | १ ९९६ | त्रिशक्तिदेश | १९८० | त्रीणि त्र्यहाणि | २९१२ | त्रैलोक्ये ते य | ६२८ |
| त्रिवर्गीस्त्रिवि | # २० ४६ | त्रिशङ्कुर्वि म | २५०१ | त्रीणि पञ्चाथ | २९०० | त्रैविद्यविद्रा | # ८७ ३ |
| त्रिवर्गहीनो | ६५० | त्रिशतं चतुः | २२१८ | त्रीणि वा एता | ३३४ | त्रैविद्यवृद्धा | ,, |
| त्रिवर्गाचर | १७६३ | त्रिशतं दार | १३७८, | त्रीणि वासाःस्य | ३२० | त्रैविद्यानां या | ५९३ |
| त्रिवर्गेणाभि | 恭 と え ら | | २८,१७५७ | त्रीणि सेनामु | १४९९ | त्रैविद्या वणि | 980 |
| त्रिवर्गेणो प | ७६३, | त्रिशतैः षट्श | २७५१ | त्रीण्याद्यान्याश्रि | १४५६ | त्रैविद्येभ्यस्त्र | ८६६, |
| | ८२९,८३० | त्रिशमान्तर | २७२१ | त्रीण्युत्तराणि | ,, | | ८७६,८७८, |
| त्रिवर्गे त्रिवि १८ | | त्रिश्चलानां प | १४६४ | त्रीनुपायान | १५०४ | | ८७९ |
| त्रिवर्गे विदि | २८ ३, २- ७५ ४५६८ | त्रिषंधि देवा | ५२० | त्रीनुपायानु | * ,, | त्रैशोकमुत्त | ३३ २ |
| त्रिवर्गेर्दश ् | 4 9 6 | त्रिषंधेः सेन | ,, | त्रीन्कर्षकांश्च | २२८६ | त्रैष्टुभरछन्द | १९८ |
| त्रिवर्गोऽत्र स | ५६६ | त्रिषंधे तम | 422 | त्रीन्धारयति | ६१८ | त्रेष्टुभो राज | ४३५ |
| त्रिवर्गोऽयं ध | ५५४ | त्रिषंधे प्रेहि | 1. 2 0 | त्रीन्वर्णाननु | | त्रेष्ट्रभो वे रा | 282 |
| त्रिवर्गी हि स | # ५ ६६ | त्रिषं धेरियं | T T | त्रीन्वर्णानुप | * ,, | त्र्यंशगाऽभ्यन्त | १८४४ |
| त्रिवर्णाः परि | | त्रिषंधेस्ते चे | i | त्री रोचना दि त्री रोचना व | 3 8 | त्र्यंशेन चाधि | १४७२ |
| त्रिवर्णोपजी | - I | त्रिप ड्दशस | | ता राचना प त्रुट्यते व ह | ३७ २९०३ | त्र्यङ्गुलावरं | २३०८ |
| त्रिविक्रमो म | | त्रिष ड्नवान्त्ये | 1 | जुट्यत प र त्रेताद्वापर | 1 | त्र्यभिकान्तप | |
| त्रिवितस्यन्त | i | त्रिष् वणो य | 1. | त्रताद्वापर त्रेतानिर्मोक्ष | ६३५ | | २७२८ |
| त्रिविधश्चास्य | 1 | | | | | त्र्यम्बकं यजा | १३७, |
| त्रिविधाः पुर <u>ु</u> | | त्रिषु कार्याण्य | 1 | त्रेतायां कर्मि | १४१६ | | ३००१ |
| न्नामयाः पुरु | | त्रिषु च तुर्षु | 1 | त्रेतायाः कर | ١, ١, | त्र्यसंत्रिशक्ति | १४९३ |
| त्रिविधानां म | 344 | त्रिषु चैतेषु चित्र चेंद्र | १७६८ | • | | ^{च्यहातिरिक्ते} | २९१८ |
| , सम्बद्धाः च | ५८४५ | त्रिषु पूर्वेषु | २४९२ | त्रेतायाः कार ५५७ | ,२३७९ [।] | त्र्यूषणं पञ्च | १४६९ |
| | | | | | | | |

| | | | | | | | • • |
|--------------------|---------------|-------------------------------|----------------|------------------------------|---------------|------------------|---------------|
| त्वं कर्मस्वनु ५४ | ९,२२०९ | त्वं पुनः सूर्य | २८०२ | ्तिं हि सत्यव | ६२८ | त्वमप्येतं वि | १०७८ |
| त्वं कुत्सं शुष्ण | | त्वं प्रभुः शाश्व | | त्वं हि सौम्य कृ | | त्वमप्येवं वि | e ,, |
| त्वं गत्वा बाहु | * १०५५ | | २८७४ | त्वं ह्य१ङ्गवर | | त्वमम्बा सर्व | રર્પે૪૪ |
| त्वं गुरुः सर्व | ६०५ | त्वं प्रमाणं म | ८०६,८२६ | त्वक्यत्रफल | | त्वमश्वामृत | २८८७ |
| त्वं गोत्रमङ्गि | ३६८ | त्वं बन्धभूतो | | त्वजातास्त्वयि . | ४०७ | त्वमसौ कुत्स | २० |
| त्वं च श्रूरत | * ₹७६१ | ' त्वं ब्रह्मासि ' इ | ३ २ २९८,२९९ | त्वत्तः समस्त | २९०७ | त्वमस्यावप | ४०९ |
| त्वं च ग्रूरोऽसि | " | त्वं भद्रो असि | ४५ | | १०९४ | त्वमाविथ सु | |
| त्वं च सर्वात्म | २९०१ | त्वं मन्त्रबल | # ₹ ०₹८ | त्वत्तश्चापि प्रि | * ,, | (पनापिय स | २० |
| त्वं चापि कुश | २९३७ | | २८७१ | त्वत्तो वा तव | ५४३ | त्वमाश्रितो द्रु | # ₹^२३ |
| त्वं चापि पुत्र | * २०३० | त्वं महीमव | ર ૪ | त्वचोऽहं श्रोतु | १०९६ | त्वमाश्रितो न | 21 |
| त्वं चापि प्रचु | १२३० | त्वं मां यथाव | १०३९ | त्वत्तो हि बलि | १६२२ | त्वमितो याहि | २१५७ |
| त्वं चापि प्रति | २०१३ | त्वं मायाभिर | ३६९ | त्वत्प्रतिज्ञां प्र | *१९०१ | त्वमिन्द्राधिरा | ५१२ |
| त्वं चाहं च दु | २०९९ | 'त्वं मित्रम्' इ | | त्वत्प्रभावस | ५७३ | त्वमिन्द्रास्यधि | ٠,, |
| त्वं चाहं च भू | २०९२ | त्वं मुहूर्तो नि | २८७१ | त्वत्प्रसादं प्र | १९०१ | त्वमुत्तमा स | २८७१ |
| त्वं चाहं च मि | २०८९ | त्वं मे माता पि | १६३६ | त्वत्प्रसादाद्ध | १६९५ | त्वमेकः सर्व | २८६५ |
| त्वं चाहं च शू | २०९५ | त्वं राजेव सु | ८७ | त्वत्समस्तु स | १९४३ | त्वमेतं देशं | " |
| त्वं चैव सौम | २७१७ | त्वं रुद्र घोर | २९०१ | त्वदङ्गानि प | १५११ | त्वमेताञ्जन | ,, ,, |
| त्वं ज्योतिः सर्व | २८७१ | त्वं वज्रमतु | | त्वदर्थमद्य | १०९७ | त्वमेतान् रुद | १८ |
| त्वं ताँ इन्द्रोभ | ३७८ | त्वं विप्रैः सत | २८७१ | त्वदर्थमुत्स | २४०० | त्वमेतावत्का | २०८५ |
| त्वं तु बालख | ६६३ | त्वं विश्वस्य मे | ۶, لر | त्बदर्थमुप | १६६६ | त्वमेतावन्तं | ,, |
| त्वं तु मोहान्न | २०५० | त्वं विश्वेषां व | | त्वदीयानां प | २७०७ | त्वमेवं प्रेत | २३८ १ |
| त्वं तु रावण | ६६४ | त्वं विष्णुस्त्वं स | ३ १ | त्वहोषैनिह | २७९९ | त्वमेव चामृ | २८७१ |
| त्वं तु छुब्धः प्र | * ,, | त्यं विहि विह्न | २८७१ | | १९६५ | त्वमेव धन | ,, |
| त्वं तु छुन्धश्च | ,, | त्व वाह ।बह त्वं समुद्रो अ | १९१ | त्वद्वेतोर्यज | २८७१ | त्वमेव नाथः | ., ८३९ |
| त्वं तु गुक्राभि | २४५० | त्वं सिद्धिस्त्वं स्व | | त्वद्भार्यो रूप | १९६५ | त्वमेव नोऽस्था | १९० |
| | 110 (1 | | 1 | त्वयुक्तोऽयम | २०२० | त्वमेव पर | २८७१ |
| त्वं तु सर्वी म | | त्वं सिन्ध्रॅरवा | (| त्वद्विधेभ्यो म | २०३२ | त्वमेव प्रीति | १०६८ |
| त्वं त्राता त्व | - 1 | त्वं सिन्धो कुभ | | त्वद्वीर्येण प्र | २०३० | त्वमेव मेघ | २८७१ |
| त्वं दस्यूँरोक | | त्वं सूरो हरि | | त्बद्वीर्येण वि च्यानियाः | * ,, | लया च मह | * ६२५ |
| त्वं दैवीर्विश | | त्वं सोमासि स | - • | त्वन्निमित्तम | 3030 | त्वया चाप्यथ | ६५९ |
| त्वं द्यां च पृथि | | त्वं हत्यदिन्द्र | | त्वन्मन्त्रबल | २०२८ | त्वयाचैव कृ | *१२१४ |
| त्वं नः सोम वि | | त्वं हि मन्यो अ | | त्वमंग्रे गृह | *838 | त्वया तत्कुल | २१३२ |
| त्वं नो वृत्तिं वि | 1 | त्वं हि मे जाति | i | | * ₹८७१ | वया तात प्र | *८ ४६ |
| त्वं पापबुद्धे | i | त्वं हि मेऽत्यन्त | •, , | त्वमन्तकः स | >> | त्वयात्यक्ताग | ६२८ |
| त्वं पिप्रोर्नुम | | त्वं हि वेत्सि वि | | त्वमन्धगुण | | त्वया दत्तामि | २४८७ |
| त्वं पुनः कार | 1 | त्वंहिशक्तोर | | त्वमपामपि | ३६८ | त्वया देवि प | |
| त्वं पुनः प्राज्ञ | २००९ | त्वं हि ग्रूरः स | ३७३ | त्व म ्यगुण | | त्वया निसृष्टे | २५४४ |
| | | | | | | | २७९८ |
| | | | | | | | |

| | | | | • | | | |
|------------------|----------------|--------------------------------------|---------------|-------------------|----------------------|-----------------------------|-------------------------|
| त्वया पुनर | २७९ | ८ त्वय्यासक्ता म | न ६०५ | र∣त्वे असुर्ये१ व | 302 | ं दक्षिणस्यां त्वा | 233 |
| त्वयाऽभिसृष्टे | * ,, | त्वरमाणाः प्र | # २७७२ | , त्वे विश्वा तवि | ३६ ९ | ì | २ ३३ , |
| त्वया मन्यो य | २५ ३ | 8 | | र त्वे विश्वा संग | *4. 80 | 1 | २९ ३ ४ |
| त्वया मन्यो स | ४८ | | | त्वेषं रूपं कृ | ४५७ ४५७ | 1 | ८२ ३, #२९३४ |
| त्वया मां सहि | २०३ | १ त्वरमाणा हि | ,, | त्वोतासो न्यर्व | V 2 V 0 0 | दक्षिणाक्ष्णः प | ***** ? ७०२ |
| त्वया मे संधिः | २१६ | ४ त्वरितास्त्वभि | | दंष्ट्राली राक्ष | २९९४ २९९४ | दक्षिणात्रखु | |
| त्वयाऽयं द्विष | २८ | | | दंष्ट्रिणी रिक्व | २९९ १ | 1 _ |)))h\c |
| त्वया यतः प्र | 681 | | | दक्षं दधाते | ₹ ४ | 1.0 | የ ሄሄ • |
| त्वया वयं म | 86 | | २३ | | १२०९, | 1-6 | ७९७ |
| 'त्वया वयम्' | इ २५३ | * | 60 | 1 | - | दक्षिणापथे | 2404 |
| त्वयाऽवलोकि | २५४। | - 1 | ७८ | दक्षजो रीच्य | १२८१ २९ ७६ | 1 | २५ <i>४</i> ३ |
| त्वयावातव | * | I | २९५९, | दक्षता भद्र | १७ १ ७, | | रप४३ १४६३ |
| त्वया वा पीडच | | 1 | २९७६ | | १७२१ | दक्षिणाभिश्च | २८७३ |
| त्वया सह वि | ५५ ३ | त्वष्टा विष्णुः प्र | | दक्षत्र्यंशग | १८४४ | | ४२५ |
| त्वया साधि हु | | त्वष्टा वे रूपा | ३०३ | दक्षत्वं धार | ११८३ | दक्षिणामप | २४६३ |
| त्वया हि धर्मी | | त्वष्टुराऽमुष्य | २०३ | दक्षन विश्वं | ३७२ | दक्षिणामारो | २८४ |
| त्वया हि पृथि | | , त्वष्ट्रई वे पु | ३१ १ | दक्षव्यूहं स | | दक्षिणाये त्वा | હપ |
| | | त्वष्टुकर्मणः | | दक्षन्यूहः स | | दक्षिणा वृत्ति | ११०४ |
| त्वया हि याव्य | | त्वधेव विश्वा | २२४९ | दक्षसंस्था वा | ', १ ४८७ | दक्षिणाशाप्र | * ? % ? |
| त्वया हि वाच्य | * ,, | 1 | ८५ | दक्षां दक्षायि | | दक्षिणाशाभि | 41104 |
| त्वयाह्यभेव | | त्वष्ट्रेव विहि | २४४९ | दक्षिणं चत | | दक्षिणा सर्व | " |
| त्वयि चापेत | , v | त्वष्ट्रैव तद्रू | ३०३ | दक्षिणं पक्ष | | _ | ५९४ |
| त्वयि चैव ह्य | *1144 | त्वां रक्षति स | २०४८ | | - 1 | दक्षिगास्त्वं द | ५५१ |
| | रररर | त्वां राजन्ननु | १०४७ | २७१ | | दक्षिणे श्रीर | ७ २९५० |
| त्वयि जीवत्य | १९६५ | त्वां वाजी हव | ४९२ | | 1 | दक्षिणे गात्र | १५१७ |
| त्वयि निवृत्त | २६ २५ | त्वां विशो वृण | 961 | दक्षिणं पदं | | दक्षिणे च म | २७१९ |
| त्वयि प्रव्रज्ञि | १३२७ | त्वां वृत्रेष्विन्द्र | Year | दक्षिणं पाद | | दक्षिणे तुम | ,, |
| त्वयि प्रवाजि | # ,, | त्वां संरक्षेत | 2086 | दक्षिणं पार्श्व | | दक्षिणेन प | २५१३ |
| त्वयि भारत | | त्वादृशं हि कु | २०१२ | दक्षिणं वात | | दक्षिणेन पु | १४४० |
| त्वयि विक्रम | | त्वाममे प्रथ | 80 5 | रक्षिणं वाऽथ | 1461 | रक्षिणे पश्चि | २८५६ |
| त्विय स्थितः शि | | त्वामवस्युरा | فر ا | (क्षिणं शृङ्ग | 3080 3 | रक्षिणेऽपि प्र | २५०२ |
| त्वयि स्थितो ह | - 1 | वामासाद्य य | ६०५ द | क्षिणत उ | 384 | (क्षिणे पृष्ठ | २४७४ |
| त्वयीदं सर्वे | ७२ ह | वामिद्धि हवा | | क्षिणतः प | 112 | (क्षिणे मण्ड | २९८३ |
| त्वयैकेन म | 2886 6 | वाष्ट्रं दशक | | क्षिणद्वार | ع درد | त्वण मण्ड (क्षिणे मृत्यु | १४९७ |
| त्वयैतद्विष्णु | २५४४ ह | | ६३,१६८ द | | | ।दाणादक्त | १४८६ |
| | १२७९७ = | गाड्रमटाक र र वाष्ट्रो दशक | | | १४५० द | | १६८ |
| त्वयोक्तो नैष | fi | गड़ा दशक विषीमानस्मि | ३०९ द | | | क्षो दाक्षिण्य | २३९४ |
| | " (10 | . च नायाया रल | ४०९ द | क्षणश्चाभ | २७१२ द | णंच वर्ज | *2488 |
| | | | | | | | |

| दग्धंस्थाणुप्र | ७९१ | दण्डकाष्ठस्य | २८ ४४ | ८ दण्डपाणिर्य | १०९५ | दण्डश्राति | ७२७ |
|--------------------------------|---------------------|-----------------------------|---|----------------------------|------------------------------|------------------|--------------|
| दग्धस्थूणाप | • ,, | दण्डक्यो नृ | प क९३५,९४० | | • • • | दण्डश्चेत्र भ | 3 |
| दग्धा गुहां प | १२९६ | दण्डचूतमृ | | दण्डपारुष्य | E 6 2 | ५०० श्रम भ | ५६३,७७९ |
| दग्धान् वृषमू | २६६१ | दण्डधरा वे | 3378 | दण्डपाद्रष्या | | दण्डसंपत्सा | ২ ৩২% |
| दग्धा रामस्य | २५०० | दण्डधारण | १ ०५३ | | १ ५७१ | दण्डसाध्यं य | १५४२ |
| दग्धे च धूमि | २४६२ | दण्डनियम | | दण्डविङ्गल | # २९६४ | दण्डसाध्ये रि | १९८६, |
| दग्वे च वर्ज | २५४१ | दण्डनीति प | | दण्डप्रणय | | | २४२१ |
| दण्ड एव प | | दण्डनीति पु | | 1 . | ु ८२२,८२५, | | क्रदर्भ |
| दण्ड एव व | 5 ,, | दण्डनीतिः | | दण्डप्रत्यय | १९७९,१९८० | दण्डसस्य तु | १९६९ |
| दण्ड एव स | | दण्डनीतिः स | | दण्डप्रभावो | 9 4 4 6 | दण्डस्तु देश | १९६७ |
| दण्ड एव हि ६ | १५,७६६, | | ५९८,२३७९ | , | १५२३, | दण्डस्य दर्श | १९३८ |
| | ९५,१९८३ | दण्डनीतिक | 496 | | 26/3 | दण्डस्य पात | १५७४ |
| दण्डं चतुर्थे | | दण्डनी तको | | दण्डबलःय | 25.40 | दण्डस्य भीतै | ' ७३७ |
| दण्डं च दूष | | दण्डनीतिम | | दण्डबाहुल्य | 2023 | दण्डस्य मत्वो | 302 |
| दण्डं च देव | | दण्डनीतिमृ | - | दण्डभयोप | | दण्डस्य विष | १९३८ |
| दण्डं चामर | २८२९ | दण्डनी तिरि | | | 288 | रण्डस्य स्युः स | २७३४ |
| र ण्डं तु प्रण | •१९६८ | र जना सार् टण्डनी तिरे | V32 454 | दण्डभूभाग | १३६६ | दण्डस्य हिं म | ५६३,६८६ |
| दण्डं दण्डीत्र | ११२७ | | ५३१,८६८, [।] अध्यक्ष | दण्डमगाम | ६७७ | दण्डस्वैव भ | ५६१,५६२ |
| दण्डं दण्डचेषु | 1 | दण्डनीतिर्ज | ८७८,१११५ ६१५ | | | दण्डहीने य 🔅 | 200 |
| दण्डं दम्येषु | | दण्डनीतिर्य | | दण्डमायावि | | रण्डाकारो भ | २७५३ |
| दण्डं धर्मस्य | | | , , , , , , , , | दण्ड मत्रयो | | रण्डातिसंघा | ६७८ |
| दण्डं प्रकल्प | 1986 | 60// | = (\0, \0, \0, \0, \0, \0, \0, \0, \0, \0, | दण्डामत्रव्य | | (ण्डात्त्रिवर्ग: | ६१४ . |
| दण्डं बाऽभिस् | | ्र्रेड,८ (ण्डनीतिस्त्र | ६५, * २३७९ | दण्डमुख्यव्य | २६ २७ द | ण्डात्प्रतिभ | '08 |
| दण्डं विनय | 2360 | (ण्डनीतेः प्र | ५५७,८६५ | | १५५२ ७३८.८२३ | ण्डादन्यत्र | ₹८०% |
| दण्डः कन्दः श | २८३६ | | | दण्डयत्यात्म | 2,70,017,8 | ण्डादेतत्प्र | १५२३, |
| दण्डः पक्षाणि | २८३९ द | ण्डनीतेश्र | २५७,२३६१ ह | ६ण्डायत्वा च १ण्डयेचः म | | | 1468 |
| | #२९६४ द | | | .ण्डयसः म (ण्डवताः च | ६५३ *** | ण्डान्तरा द्वि | 1886 |
| दण्डः शस्ति प्र | ५६१ ट | ण्डनीत्यां प्र | | (ण्डवतो मि | १५५३ द ⁸ | डान्ते कर | २८३७ |
| 2.33 | ४,७३७ द | ण्डनीत्यां य | ५५७. ट | ण्डविष्टिक | १३९३ द | डाभावे च | 1444 |
| दण्डः संपदा | 668 | عد عدد | १९९,२३७९ द | | १७०३ द ⁰ | डाभावे प | |
| दण्डः संरक्ष 🛊 ५६ | | र ण्डमीत्या च | | | ६३,२७३० दण | | 661 3 |
| दण्डः सुदेशे | #2 6 7 4 GT | ण्डनीत्या भ ७ | 20,8884 G | 4 | • | | |
| दण्डः सुप्तेषु | ५६१, द [ा] | ख्रीयाम | 5 / € - | ण्डशस्त्रकु स्टाउपे | २४४६ दण | | #8484° |
| - | | | • | ण्डशुद्धीत गडराजकोः स | ७२२ दण | | 2999 |
| दण्डः स्तब्धेषु | ४,७३७ द्व १९१५ | 'डनात्या य च्याचे च | | ण्डशुद्धचोः स | * ., ३७ | | \$1806 |
| | १९१५ _{द्य} | ज्यकायु जनकी स | | ण्डश्च चाम | २८२९ दण | डाष्ट्रकसु | 39 39 |
| | १८३६ दण | | २७३३ द | | १९२३ द | ण्डनी किङ्क | २९९६ |
| य-उक्रयस स . स् . ३३ | १८ १५ ५ | - मानार | १९८२ द | ण्डश्च ।पङ्ग | २९६४ द | डे त्रिवर्गः 🕒 | *4 18 |
| A. A. 12 | | | | | | | - + |

| _ | | | | | | | |
|---------------------------------------|------------------------|---|----------------------|----------------------|-----------------------|-------------------|-----------------------|
| दण्डेन च प्र ६६५ | | | | दत्वाचते सु | १६९४ | 'ददात्यमित्रे | १०३८ |
| दण्डेन तान्व | १९७९ | | १८१४ | दस्वाच दक्षि | २८५६ | ददात्यसम्बद्ध | १२१२ |
| दण्डेन नीय | ५७७ | दण्डो हि भग | ६१५ | दस्वा चाभयं | २१०५ | ददामि ते वै | २८६५ |
| दण्डेन रूप | ७५७ | दण्डो हि महा | १९१९ | दस्त्रा तु साध | ६८२ | ददाह तद्व | १०९२ |
| दण्डेन प्राप्य | ७२७ | दण्डो हि विज्ञा | ११०५ | दस्त्राऽऽत्मरक्षि | ७३०, | ददाह पाव | ,, |
| दण्डेन रक्ष्य ५१ | ६१,६१६ | दण्डो हि सुम | ६८८ | | | ददृशुर्धर्म | ર લ્ફેદ્ |
| दण्डेन वा त्रा | २६४१ | दण्डचं दण्डे नि | १०३६ | दस्वा दानं तु | ***** | ददृशुभूमि २४८ | ५,२९१७ |
| दण्डेन वा प्र | २६४० | दण्डयं प्रमोच | १९६८ | | ቁሪ ५४ | दहशुश्च त | २८६७ |
| दण्डेन सहि | ५७७ | दण्ड्यः स पापो | ७१८, | | ७००,८५४ | ददी क्षिप्रं स | • २९४४ |
| दण्डेन हि स | १९६३ | | | दस्त्रान पश्चा | १०३८ | ददी दण्डभ | १९६९ |
| | * १९३३ | दण्ड्यस्तु संप्र | १०३२ | दत्त्वा निवन्धं | *१११३ | | २०१४ |
| दण्डेनाभिप्र | _ | दण्ड्यस्यादण्ड | १९८३ | दस्वाऽनुतापः | १ ७६० | _ | १५२२ |
| दण्डेनैव प्र | •• | दण्ड्यांस्तान्दण्ड | ७५०, | दस्वाऽन्यद्भूभु | ७३०, | ददी शतं वृ | # ₹९४ ६ |
| दण्डेनैव स | ः, १ <i>०७७</i> | | ९८५ | | १३५९ | ददी सहस्र | " |
| दण्डेनोपन १८९ | | दण्डयास्य दण्ड | ११२४ | दत्त्वा पश्चाद् वि | | दद्याच गुर | २९१३ |
| दण्डे प्रतीय ६८ | 2,22a6 | 4-04100 4 4 | १३८८ | I . | व ७२८ | दद्याच दक्षि | ७२९ |
| दण्डे सर्वे स्थि ७४ | | | १८,१९७९ | दस्वा प्रयुक्त | रूप१८ | दद्याच मह | ११०२ |
| दण्डे स्थिताः प्र | | विष्डवारत्तव रा | १९६७ | दस्त्राऽभयं यः | ર્લ રૂ રૂ, | दद्याच्छुभ्राणि | २८५१ |
| ६ण्ड स्थताः म दण्डे खर्गो म | ५६४ | दत्तं कुमारे | ७ इ ७ | | ३ २०४१ | दद्यात् कार्यानु | २८२५ |
| दण्डो दत्तः स | ,, ६१७ | दत्त मयाऽमु | ११२० | दत्त्वाऽभयं स्व | *633 | दद्य।त्तदर्ध | १७५७ |
| दण्डो दमन | | । दत्त लख्य सा | १८४० | दस्वा भूमि नि | 2 2 2 2 | दद्यात्पुरोहि | २८८६ |
| दण्डा दमन दण्डो दमना ५३ | 1920 | दत्तः खमांसं | १०९० | दस्त्रा भूम्यादि | १११५ | दद्यात्प्रतिक | १३७७ |
| दण्डो (नपात्यो दण्डो (नपात्यो | २,४२५५ १ ९८६ | दत्तपरिहा | | दस्यायः क्रिय | २१ ३ ० | दद्य:त्प्रभूतं | २९२६ |
| | | दत्तभागवि | | दस्वा विधान | २९ <i>०</i> ४ | दद्यात्प्रसादं | १५४३ |
| दण्डोपनत | ६७५ | दत्तभुक्तफ | | दत्त्वा श्रद्धान्वि | २८५ <i>०</i> | दद्यात् प्रहृष्टो | २६८६ |
| दण्डोपनता | २६४६ | दत्तमाहार | | दस्या समहि | *2८९° | दद्यात्सकाञ्च | . ९६ ० |
| दण्डोपनये | २१९७ | दत्तमूल्यादि | १८४२ | दस्त्रा समीहि | | दद्यात्सुवर्ण | २९२३ |
| दण् डोपनायि | ६७५ | 1 | | दस्त्रा हिरण्यं |)) | दद्यादधी त | १७५२, |
| दण्डोऽभिरक्ष | *५६१ | दत्तस्यानपा | ६७२ ⊕ २९२१ | ददतश्च य | २८५३ #१ २९० | | २८२६ |
| दण्डो भूतेषु | ७२७ | दत्तस्वभाव | | ददत्यन्नानि | * (< \ \ \ | दद्यादावस | ર |
| दण्डो महान्म | 1906 | दत्ता गयाया दत्ताद्याश्चापि | , , , | ददद्वलं वा २२ | | | १४६३ |
| द्वहो रक्षति | ७७९ | दत्तायास्त्रान | | ददर्श गांख | #१८१२ | दचादानं द्वि | १०२७ |
| दण्डोरगी र | २७५० | दत्तावाक्षन दत्ताभयं सा | | ददर्श जम्बू | | | १०३२ |
| दण्डोवान को | १९२८ | दत्ताभ्यङ्गः प्र | | ददर्शतं प | 8050 8030 | | ९५९ |
| दण्डो विधात्रा | ५६३ | रतान्यक्षः त्र दत्तास्त्रादि स्व | ı | ददर्श पति | | | |
| दण्डोऽसी गोग्र | 1920 | दत्तास्त्रादि स्व दत्तास्त्रादि स्वा | | ददश पात ददर्श सुर | | • | २७०२ |
| दण्डोऽसी धान्य | | दत्तास्त्राद स्वा दत्ते वरे ग | | | | दद्याद्राजन | * ५७९ |
| | " | 711 77 11 | ५ ५७ | ददाति प्रति | ६०६ | द्याद्राजा न | " |

| 271127222 | 26.46 | 1 | | <u> </u> | | | |
|---------------------------------|--------------|-------------------|----------------|------------------|--------------|----------------------|-----------------|
| दद्याद्वस्त्वनु वजावर वजर | | दमनाद्दण्ड | ५६२,७३७, | | | दश चमसा | ३२५,३३ ४ |
| दद्याद्वा तद्रा दर्धात गर्भे | २८२६ | | ७४९,१९८० | | १९०६ | दश चाङ्गर | २९७६ |
| द्धिकामग्रि | 4800 | दममेव म | | दर्शे नु विश्व | 4 | दश तान स | ६२५ |
| | | दमयाञ्चव | | दर्शनं चाप | | ंदश दक्षिणा | |
| दिधि चर्म च | २९४३ | | ७५२,७५९, | दशन दन | २५ ०५ | ंदशदण्डार | २२७५ |
| दिधि देवसु | २९८१ | MI . | ८८७,८८९ | दर्शनं रुधि | ,, | दश दश च | ३३४ |
| दिधिधान्याम्ला | २२५९ | दम्भं मोई म | १०३७ | दर्शन व्यव | | दशद्वादश | २८२ ९ |
| द्धिमण्डोद | २९६७ | दम्भं स्तैन्यं पै | , | दर्शनात्तस्य | | दशधरणि | २२७ २ |
| द्षिमधुष्ट | २५२४ | | *१७२१ | | २४८३,२९१६ | दशधर्मग | ५९७,१३१३ |
| द्धि मधु स | २१६ | दम्भनार्थे च | *५७ १ | दर्शनीयं च | १९०२ | दशधेनु स | ₹••₹ |
| दिधिसिन्धूद्ध | २८४० | दम्भनार्थाव | •• | ्दर्शने प्रसी | १७०६ | दश घेनूः र | · ,, |
| दध्ना गव्येन | २९०७ | दम्भाभिमान | २∕ ६ १ | दर्शपी:र्णमा | ८९८ | | २८४६ |
| दभ्ना च ताम्र | २९५०, | दम्भाश्रितान्क | १७०९ | दर्शयत्यच्छ | | दश नागस | २३७ |
| _ | २९७५ | दम्भोरभिमान | २५७७ | दर्शयन्ति र | 980 | दश नाडिका | |
| दध्ना च सूति | २६५२ | दया न तस्मि | 3//5 | दर्शयत्रेन्द्रि | ५५८ | | - |
| दध्ना शिरो ह | ९४२, | दयामास्थाय | ११ २८ | दर्शयन् मार्द | | दश पञ्च च दशपणिको | ६६३ |
| | २८५२ | दया मैत्री च | # १०३४, | दर्शवामास | ५९० | दशपलं मां | १७०१ |
| दन्तकाष्ठत्व | * ९८४ | i | - | दशंयाम्येष | २०५० | l . | २३१५ |
| दन्तदर्शन | २००२ | 1 | १४२,१६०६ | दर्शियष्यामि | | दशपलं ल | २३१२ |
| दन्तभङ्गे ग्रु | २५१३ | दयाछुत्वं प्र | १२०५ | द्शिश्राद्धं ग |); | दशपस्तेन | १३८६ |
| दन्तमूलप | २३१६ | दयाऌर्मृदु | 1,00 | दलामं श्रेष्ठ | ९६ १ | • | २३१६ |
| दन्तथुगं स्व | १३९४ | दयात्राञ्झील | १६३१, | | १३७१ | | १६४ |
| दन्ता ओष्ठी त्व | 968 | | २३५१ | दलितस्थाणु | | दशपेयो ही | ३०२ |
| दन्ताम्रात्कुञ्ज | २४८४, | दयावानप | १३१८ | दलेषु क्णि | | दश प्रकोष्ठ | १४९६ |
| 4.(1141/3/31 | २९१ ६ | दयावान्सर्व | | दवाग्निधूम | १५९६ | दश प्रोक्ताः | - |
| दन्ताग्रेषु तृ | 2668 | | १०९८ | | ३ २३ | | १७५१ |
| दन्ताजिनस्या | १३२९ | दयिताश्चन | १०६० | दशदशिनी | - 1 | दशभागश्चे | २२९२ |
| दन्ता न्वस्य जा | १८५ | दरदेश्च श | * २७१ ० | दरकं पार | 1440 | दशभागिकी | \$ 886 |
| दन्तान्वस्य प | | दरदैश्चूचु | " | दशकं मण्ड | •• , • | दशभिर्वत्स | १६४ |
| | " | दरिद्रं पात | | दश कामस | • • • | दशमं द्वाद | १३४१ |
| दन्ता न्वस्य पु | 33 | दरिद्राणां तु | | दशकुलीं गो | २३२२ | दशमांशाधि | १२६५, |
| दन्ताश्च परि | | दर्दु(स्य स | | दशकुली सं | १३९५ | | <i>१७५५</i> |
| दन्तिदन्तद | | दर्पणं चार्घ | २८४५ | दशकं टिमि | ८३६ | दशमीं प्रसृ | ₹ ₹४ |
| दन्तुरा रौद्र | २९९ ६ | दर्पणः स्वर्ण | २८४२ | दश गादक्षि | २९०७ | दशमी भव | ३२५ |
| दन्तुरी चैव | *\$000 | दर्पणे च मु | ९५९ | दशगुण इ | २२१ ९ | दशम्यां ह्यन्व | • |
| दमं शीचं दै | १०३७ | दर्वस्तु पर | | दशग्रामाधि | 1 | दशरात्रादू | ,,, |
| दमः शमः क्ष | ११७७ | दर्गे नाम श्रि | | दशय मी श | | | 23.00 |
| दमः सत्यम | | दर्भपाणिस्त | | दशयामेशि | | दशवर्षस | ७२९,१०६६ |
| 4:4: =:::: | - | • | (| / | 4848 | दश वा एत | ि २५३ |

| द्शः वाऽष्टीः प | १३७४ | दरयुभिः पीड | १९४३ | दाता नापात्र | १०६३ | दोनमानानि | |
|------------------------------|--------------------|-------------------------------------|-----------------|-----------------|--------------|---------------------------------|------------------------------------|
| द्रश शता स | . ३५ | दस्युभिः पीडच | . २०४२ | दाता प्रहर्ती | | दानमानालं | *** |
| दशशस्त्रास्त्र | १७५४ | | ११०० | दाता प्रियंव | | दानमानैर्वि | १७५२ |
| दश श्रूत्येषु | ? १६५६ | दस्युभ्यः प्राण | २८१७ | दाता भृत्यज | | दानमीश्वर | १०३१ |
| दशश्रीत्रिय | ७८९ | दस्युभ्याऽथ प्र | 660 , | दाता भोक्ता प्र | | दानमेके प्र | १०५१ |
| दशसमृद्धो | ३२५ | | २३९७ | दाता यज्वा च | | दानमेव हि | १९४६ |
| दश हवी १ ष | 60 | दस्यूनां निष्कि | १३२५ | दातारं संवि | १०७५ | | १९५२ |
| दशहस्तं तु | २८८५ | दस्यूनां सुल | २६ ०६ | दाता इती नृ | ८२० | दानरिक्तेन | १९४१ |
| दशहस्तमि | १५३३ | दस्यू न्नहन्ति | *६५२ | दाता हर्ताऽसि | * ८०६ | दानवानचि | १९५२ |
| दशहस्तस | २८८१ | दस्यून् हिनस्ति | ,, | दातुः पालयि | १११५, | | ८२३ |
| दशहस्तात्म | १४८९ | | ३३,२०४१ | | ११२१ | | १५०६ |
| दशहस्तो भ | १५१९ | दहर्त्यामस्त | १०३२ | दातुमईति | 2080 | दानवानेव | ^२ १९५२ |
| दशारोनाष्ट | १४७३ | दहत्यन्तर्ग दहत्वाशु रि | १८७३ २५३८ | दानं कर्तव्य | १११६ | | * ,, |
| दशाङ्गुलाधि | 27 - 14 - 17 27 | दहनोऽथ ज | १५४२ | दानं दया स | ६६६ | | |
| द्शाददात्स | २३७ | दहन्त्वाद्य रि | २५४६, | दोनं द्विगुणं | १९२३ | दानवेन्द्रास्त्व | १५०४ |
| दशाधिपत | २६० २ | | २८९२ | दानं बहुफ | २९७ १ | दानवैः परि | 2660 |
| दशाध्यश्चान् | १३८५, | दहन् दावामि | २७०२ | दानं मोह दै | *१०३८ | दानवैर्वहा | १४७५ |
| , | २२०८ | दहेयुस्तांश्च | 2628 | दानं छब्धेऽपि | १८०५, | दानशीलश्र | ११७४, |
| दशाध्यायस | ५३१,५७८ | 1 | | | १९४५ | | 2388 |
| दशानां भूमि | १८६७ | दह्याम्यनिश | २४४७ ≉२९९५ | दानं छुब्धेषु | १९१५ | दानशीलो नृ | १९५५ |
| दशाब्दसंहि | १ ४९४ | दाक्षव्यूहं स | | दानं श्रेयस्क | १९५२, | | \$ 0 0 |
| द्शाष्ट्रपष्ठं | १३५६ | दाश्ववयूहः स | " | | १९५५ | दानशीण्डः क्ष | ७६३ |
| दशाहुनयः | 60 | दाक्षिणात्याश्च | १५१३ | दानं संमान | १७६० | दानसंमान | २८५ १ |
| दशी कुलं तु | १४०७, | दाक्षिण्यम्ब | १२०५ | दानं संवर्ध | 01942 | | ર |
| 4 3. 0 | २३३० | 4123 21 1 11 | ११८८ | दानं सेनैव | १४३० | दानस्य विष | १९३८ |
| दशी हलं तु | # 3800 | दाक्ष्यं ह्यमर्थः दाक्ष्येण कुरु | १९०६ २०४० | दानच्छेदे ख | . ११७५ | दानाच्छेदे स्व दान।तिध्यक्रि | ११७५ |
| दशोक्तानि कु | ષહદ્દ, | दादयण कुर दाक्ष्येणायुःर्व | _ | दानदण्डः स्म | ५६२ | | १०३४ |
| , , , | १५४८ | दादियणाञ्जय दाडिमाम्रात | . क्र. १४६६ | दानदण्डाः स्मृ | | दानाध्ययन दानानि च म | * \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ |
| दशोत्तराणि | १४९९ | | . १०५६ | दानदर्शना | * ,, \$99 | | ૨૮ ९९ ५ ९૪ |
| दशोत्तरे द्वि | १७०१ | दाण्डक् मिक | ६७३ , | दानधर्मर | ८४५ | दानानि दद्या | |
| दखवश्च नि | ११०४ | | ,१९१८ ३,१९१८ | दानभेदैश्च | १९३८ | दानानि ब्राह्म | ७४७,८६७ |
| दस्यवश्चेत्र | ६५१ | राण्डक्यो तृप | | | ્ર | 1 . | ७४९ |
| दस्यवस्तद्व | j | दाण्डक्या दृष | ९ इ५, | | ५७९,७३२, | दान।हेंषु स्व | 5 80 |
| दस्यवोऽपि न | १०७१ | e | १६ ०५ | ₹०३ | ३२,१०६७, | | \$\$ \$ |
| देखवोऽप्यभि | | दातःयं धर्म | १३८८ | | २३८० | दाने तपसि | २३८३ |
| इस्पबोऽन्याम इस्पबोऽन्युप | कर् ६०६ | | | दानमानस | ११५७ | | १३२४ |
| 42313-34 | 35 | दाता त्वं धार्मि | 5083 | दानमानादि | २९५५ | दानेन च य | #२६०० |

वचनस्ची

| दानेन तप | २३९६ | दायाचतां च | १८९९ | दासे भृत्येऽथ | ११४४ | दिने दिने या | ११४३ , |
|-----------------|---------------|-----------------|--------------|----------------------|--------------|------------------|-------------------|
| दानेन दिव्या | ६०२ | 1 | | दास्यमेके च | *१९९९ | : | २३४८ |
| दानेन प्रण | १३०१ | दारं च गुले | २६ ४४ | i . | ,,, | दिवं च रोह | ७१ |
| दानेन बहु | १११९ | दारनाशे तु | . २७८८ | 1 | ई ं ३ | दिवं मर्त्य इ | २३८ |
| दानेन मन | •६६२ | 1 - | २७३२ | दास्याः पुत्रः कि | | दिवं रूढ्वा म | 90 |
| दानेन वच | ° 94 | दाररक्षणं | ९६९ | दास्यामि कार्य | | दिवः पृथिव्याः | #880 |
| दानेन वश | १९५२ | दारवैरपि | १४७३ | दास्यामीति च | | दिवः स्वराः | ४६६ |
| दानेन विद्या | . #६०२ | 1 | २५४४ | दास्थाम्यापत्स | ११५७ | दिविश्वते बृ | - ; · , ४१ |
| दानेन विन | ११२४ | दाराभिलाष | १९६५ | दिक्पतावनु | २४६३ | दिवश्चोल्काः प | २४८५ |
| दानेन हि स | १९४१ | दाराभिलाषो | १९६४ | दिक्पालपूज | २५३९ | दिवसं तिथि | 949 |
| दानेनान्यं ब | १०६८, | दाराश्चास्य प्र | १९०३ | दिक्पाला देव | २९८३ | दिवसपञ्च | २२२० |
| | ९,२३८० | दारिद्रय खल्ज | १३३४ | दिक्रालानां ग्र | २८८६ | दिवसस्य तृ | २४७१ |
| दानैमिनैश्च | ં હદ્દ ૪, | दारिद्यं पात | ५५९ | दिक्पालानां घ | २९८३ | दिवसस्य ह | २२७८ |
| and the second | ११८९ | दारिद्यमर | १३५९ | दिक्याला रक्ष | १४९६ | दिवसानुवृ | २२१५, |
| दान्तं दुःलीनं | १८२४, | दारिद्यमिति | २३८५ | दिक्पाला लोक | २८९४ | | २२१६ |
| * | १८२८ | दारुचापप्र १५१ | ०,१५२२ | दिक्षु प्रज्विल | २४९१ | दिवसे तिथि | क्ष ९५९ |
| दान्तं यच स | १९०० | दार्रण विम | १९५३ | दिक्ष्त्रष्टी पुत्रि | २८३३ | दिवसे दिव | २७०८, |
| दान्तः क्षमी नि | २३४५ | दारुण हर्म | १११८ | दिगष्टद्धर्च विध | २८३ २ | २७३ | ५,२८६२ |
| दान्तः शुरश्च | - ৩६४, | | १८६२ | दिगष्टषट् च | २८३६ | दिवसे पञ्च | २३२६ |
| | ११८९ | | १४९७ | दिगीशास्त्वभि | २९३ ५ | दिव स्पशः प्र | * |
| दान्तः सत्त्वहि | ११७६ | दारूणि वै वा | २९३ | दिग्दाहिक्षति | २६९४ | दिवस्पृथिब्याः ् | 880 |
| दान्तः सदा प्रि | ११७५ | दारूण्येवैते | ٠,, | दिग्दाहपरि | २९२ ४ | दिवा काकः की | २२५६ |
| दान्तस्तु सध | २३४३ | दावाग्निद्व | १०३२ | दिग्दाहे भूमि | २५२७ | दिवा च दुर्गे | ९८२ |
| दान्तान् कर्मसु | १२२३ | दावामिनेव | १०८८ | दिग्दाहोऽष्टि | २९११ | दिवा च पूज | १५१२ |
| दान्ते शय्यास | २९३६ | दाशराज नि | ८३९ | दिग्देशमार्ग | २३६४ | दिवाचरो रा | २५०८ |
| दान्ते सिहास | # ,, | दाशाणिकाः प्र | २७०९ | दिग्धं निर्विष | १ ४७० | दिवानिशं क | १ ४७५ |
| दान्तो युक्तज | प१० | दाशाणिश्चाप | १३९४, | दिग्धहस्तं मृ | २१३१ | दिवानिशं ख | \$ 808 |
| दान्तो विषेयो | ५८४ | | | दिग्वेनवश्च | २९६४ | दिवानिशं च | >> ' |
| दापयित्वा क | | दाशाईणाभ्य | | दिग्ध्वजाष्टक | ३००२ | दिवा प्रसुप्तं | २८१० |
| द।प्यश्चाष्टगु | ● २३३४ | दासः पादी प्र | | दिग्युक्तभ्याम् | २५३४ | दिवा बाह्यणो | ३४६ |
| दाप्यस्त्वष्टगु | " | दासकर्मक | | दिग्विदक्षु स्थि | २९३५ | दिवायामं च | २६ ०८ |
| दाम्भिकः कप | १७१७ | | | दिङ्नाथं कुल | २५४७ | दिवा रक्तं वा | १८०० |
| दायं वित्तं ज | | द सशब्देन | १३३२ | दिङ्मात्रमिद | २८४८ | दिवा रात्रिच | २९२६ |
| दायः परिम्र | | द।साच चुत्रा ३ | | | २९८४ | दिवा रात्री स | १४८४ |
| दार्यावभागः | | दासाहितक | १३९१ | दिद्योन्मा पाहि | १ ५५ | दिवा सतारे | २९२३ |
| | 0,8886 | दासीकर्मक १९५ | ७,२६६८ | दिनकृद्दिव | २४६९ | दिवा सुप्तं स | २८०७, |
| दायादाभिम | 3686 | दासीश्व शि.ल्प | १२३० | दिनस्य पश्चि | २४७१ | | · |
| | | | | | • | • | * 3280 |

| दिवाखप्नं वृ | १५७७ | , दिःयास्त्रविद | 368.8 | दीक्षादमप | 95.00 | दीयमाने च | |
|---------------------------------|-------------------|--------------------------------------|----------------|-------------------------------|------------------------|---------------------------------|----------------|
| | | ७ दि दैराभर | | र रासारमा दीक्षा बहुवि | | 1 | ९५९ |
| दिवास्वापं वृ | | ^७ दिव्यैश्च सुसु | | प्रदाका बहुाव विश्वितं ।चर | | दीर्घे कालं ह्य | # १ ०८२ |
| दिवास्वापो गु | | ९ दिशः पालं सु | | दिश्वितस्तिस्त | | दीर्घे कालम | " |
| दिवाऽऽहवनी | | २ दिशः संपाद | | ्याकातस्तरतः ।दीना धर्मप | | दीर्घे दीनं सं | २५२० |
| दिवि यद्वर्त | | ्रादशः सर्वाश्च | | ्राना धमप , दीनानाथान्ध | - | दीर्घे न आयुः | ४०९ |
| दिविष्ठस्य भु | २८६५ | i | | | | दीर्घे वा चतु | १४९३ |
| दिवि स्वनो य | ४५३ | ' ~ | २९१ ६ | | | दीर्घे विंशति | २९८२ |
| विवीव पञ्च | 84. 66 | -1 | १७२६ | 1 14 | ७२,२६८३ | | # २०१७ |
| दिनीव सूर्ये | | 1 | | दीनान्दृष्वा पा | | दीर्घे स्यादीर्घ | १४९३ |
| दिवे दिव आ | ›› ጓ ሄ፥ | | | दीनान्धकुप | | दीर्घः पादैक | " |
| दिवो दिव आ | | | | दीना प्रकृतिः | ९१३ | दीर्घः समधु | १५२२ |
| | 9 ,, | दिशाऽनया व्य | | दीनास्तुरङ्ग | # ₹४ ९ ४ | दीर्घकान्तार | २६११ |
| दिवीकसां गु | २४७ ० | 1 (| २८४४ | दीपवृक्षांस्त | २९४० | दीर्घकालम | १९१२ |
| दिव्यं चैत्रान्त | ८४६ | 1.4.21 304 41 | १ ४७५ | दी गशिखायां | २४२० | दीर्घकालाध्व | *२५९२ |
| दिव्यं तीत्रफ | * ₹९२० | दिशि दिश्येक | १३६१ | दीपांश्च विवि | २८६२ | दीर्घ इालोषि | १०८७ |
| दिव्यं दर्शन | २९८ ७ | दिशि प्रतीच्यां | ८५७ | दीय रात्री च | " | दीर्घजङ्घो ह | १०८५ |
| दिच्यन्तरिक्षे | *८४६ | दिशो ग्रहक्षी | २५२३ | दीमत्वाच ग्रु | # ८१७ | दीर्धता लघु २८ | ३८,२८४० |
| दिव्यप्रमदा | ९५७ | | २९२ १ | दीप्तशान्तो वि | २५०८ | र्वार्धदष्ट्रा च | २९९ ४ |
| दिव्यमम्भः प | २९२ ५ | | | दीप्तस्थाने र | २५२८ | दीर्घदशित्व ११ | ८३,११८५ |
| दिव्यमम्भोम | *3९२५ | | * ६ १ | दीमस्फुटित | १५०१ | दीर्घदर्शी च | २३३८ |
| दिव्यमाभर | २९३३ | | १०८७ | दीमाञ्छान्तो वि | 82406 | दीर्धदर्शी म | १२१८ |
| दिव्यसंसाध | १२६८, | | - | दीप्राभिमुख | २५२८ | दीर्घद्वितये | १४९५ |
| | १ ८२७ | 1421 14314 | # ,, | दीतायां दिशि | २५०८ | दीर्घपथभा | २३०८ |
| दिव्यस्त्रीभूत | * २९२१ | ायसा हि पाल | २९८१ | दीता वाशन्ति | | दीर्घप्रयाणो | २६ ९६ |
| दिःयस्त्रीरूप | " | । ५६ मा जन | હષ | दी प्रमस्त्राच्छु | | दीर्घप्रस्थः प | १ ४७६ |
| दि व्याद् भुतेषु | | दिष्टं बलीय दिष्टभःव ग | २००७ | दीते गृहे की | | रीर्घमन <u>्यु</u> र | |
| दिव्यानि मणि | | | २३८३ | दीते दीतम् | | रानगञ्जर दीर्घमायुर | २०८२ |
| दिव्यानीत्याच | | दिष्टचा गाण्डीव | २९३७ | दीते शान्तम् | | | २८५७ |
| ादण्यानात्याच दिव्यान्तरिश्च | | दिष्ट्या च सक | ७२९ | दीमा वहिर्ल | | दीर्घमायुर्घ कर्ननम् | २३८० |
| • | | दिष्ट्या त्वया जि दिष्ट्या धरन्ति | " | दीप्यमानः स | | दीर्घमुष्णं च दीर्घमुष्णं वि | ८४७ |
| | | ।दष्टया घरान्त दिष्ट्या ध्रियन्ते | , , , , , | | | - | * · ,, |
| 104 | 1 | | " | दीप्यमानः स्व दीयते भोज | | र्श्वरोगोन्मा | १६४६ |
| दिव्यान्तरिक्षै | 1 | दिष्ट्या पुरोच | ;, | | १९०१ | रीर्घवालाः सु | २८४० |
| . र.जा आ /श | २५१८, | दिष्ट्या स्वधर्म | | दीयने यत्तु | १९५५ ह | रिर्घवृत्तव | २८४८ |
| दिव्यान्तरीक्ष | 3 | दीक्षां दीक्षायि | | दीयते खच्छ | ११३१ ह | रिर्घश्वासाः स | २५२० |
| दिव्यावलम्ब | | दीक्षां यज्ञे पा | | दीयन्तां ग्राम | २१३१ ह | तिर्घसूत्रं स | २०१७ |
| 1 4- 1146-4 | 4441 | दीक्षां राज्ञः सं | * ,, ': | दीयन्ते यत्र | १९५५ व | | ,, |
| | | | | | | | |

वचनस्ची

| | વ | | | | | _ | |
|------------------|--------------|----------------|----------------|-------------------------|--------------|----------------------------------|---------------------------|
| दीर्घसूत्रस्तु | २०१८ | दीर्णी मत्येव | | दुःशीलोऽथाकु | १२९०, | दुरावार्ये च | २७७२ |
| दीर्घसूत्रस्य | | दीर्यते युद्ध | २३५३ | | २०८३ | दुरासदां दु | १२१३ |
| दीर्घसूत्रोऽनृ | १२९०, | दुःखं च काले | १०३७ | दुःसाधमपि | ११०६. | दुरासदो दु | ७३८,८२४ |
| • | २०८३ | | ९०७ | | १९३२ | | १२१२, |
| दीर्घस्य मानं | २८३७ | दुःखं चतुष्ट | # १ ५४७ | दुःस्पर्शा गुर | १४६७ | | १६९३ |
| दीर्घोछधूरचै | २६६६ | दुःखं चानिष्ट | २०३८ | दुःखप्नदर्श | | दुराहामीभ्यः | २५३६ |
| दीर्घाः कार्यगु | २४५४, | | ,, | i - | २९८१ | दु रुक्तशस्यं | १५५८ |
| | २५५८ | दुःखं तत्र न | २०४६ | दुःखप्ननाश | 484, | दुर्ग कार्य नृ | १४८० |
| दीर्घा चैत्रोन | २८४७ | दुःखं पराज | २८२४ | | 1011 | दुग कुयन्मि | १४४३ |
| दीर्घाधियो र | ३० | दुःखं प्रतप्त | १५९५ | दुःखप्नलाभं | १९९१ | दुर्ग कुर्वन्यु | १४८० |
| दीर्घाध्वकाल | २५९२ | दुःखं सुलेन | २०३८ | दुःखप्नशम | | दुरी कोशश्च | १९५८ |
| दीर्घाध्वनि प | १६०६, | दुःखपङ्कार्ण | ११२८ | दुःस्वप्नानि च | | दुगे ग्रहीतु | २१८४ |
| २६ | ७१,२ु६८१, | दुःखग्रदश्च | १४७५ | दुग्वदोहादि | ८९५ | दुर्गे च परि | १४६१ |
| | १८९,२८०७ | दुःखप्रलापा | १०५० | दुग्वा हि भुज्य | ६/१ | दुगंतु सप्त १ | १६९,१६५६ |
| दीर्घाध्वनि य | १३४८ | दुःखमप्रीतिः | ९०७ | दुदृमृदुमि | *2568 | दुर्गे दग्धं ह | २६१८ |
| ē | 2333 | दु:खहा धर्म | २८९३ | दुन्दु भमाह | २८५४ | दुर्गे बल नृ | 4860 |
| दीर्घी पत्रपु | २८४७ | दुःखादान इ | १३२० | दुन्दुभीन् समा | | दुगे गष्ट्र स्क | २६१९ |
| दीर्घायुपो न | *{*8 | दु:खादुद्विज | २०३८ | दुन्दु भी भिर्मृ | २९३ <i>१</i> | दुर्गः कोशादु | १५५ १ |
| दीर्घा विलासा | २८३८ | दुःखान।मेव | १०४९ | | *6885 | दुरीकोशव | १६८१ |
| दीर्घासिबद्धा | २९३ ९ | दुःखामर्षजं | २६ ९७ | दुन्दुभे त्वं स | २५३८, | दुर्गकोशव्य | १५५१ |
| दीचिंका तर | २८ ४७ | दुःखाय जाय | ११५६ | | ४६,२८९३ | दुर्गगम्भीर | १ ४४३, |
| रीर्घे एकत्रि | १ ४९६ | दुःखःर्तःयान | २५१२ | दुन्दुभेवचिं | ५०७ | _ | \$ \$8\$ \$ |
| दीर्घे एकप | | दुःखितास्ते वृ | १५१३ | दुरनुबन्धं | ११०५ | | 8000 |
| | " | -3 | १५१२ | दुरभिनिवे | | दुर्गतिं दर्श | २७८९ |
| दीचें एकवि १४ | | | ७,२८०४ | दुराग्रहस्य | | दुर्गतिं पर | १६२६ |
| दीर्घे एकाद | | दुःखेन रक्ष्य | | दुराचारं न | | दुर्गतः पर | * ,, |
| दीर्घे चतुर्भा | 1 | दुःखेन शिलष्य | | दुराचारः श्ली | | दुर्गतीर्था बृ | १२१३ |
| दीर्घे त्रयो रा | | दुःखेन इलेष्य | | दुराचारान्य | | दुर्गद्वार।णि | १४९७ |
| दीघें दीर्घायु | | दुःखेन सुख | | दुराधस्तृग | #२९६० | | २४९९ |
| दीर्घेऽध्वनि प | | दुःखेनाभिप | | दुराधस्तृष्ण | * ,, | दुर्गप्रति स्त | २०९४ |
| दीर्घेन राज | १४९६ | दुःखेनाऽऽसाद्य | १२२१ | दुरापमपि | | दुर्गभङ्गः स्था | १९८७ |
| दीर्घे प्रस्थे स | १४७६ | दुःशासनः पु | २४४० | दुरारब्ध क | २१५८ | दुर्गभूमी ज | 3860 |
| दीर्घी द्वादश | २७१८ | दुःशासनः प्रा | २४३९ | दुरारूढं प | 8020 | दुर्गमध्ये गृ | १४५९ |
| दीर्घी बुद्धिम | १९९७, | दुःशासनः श | २४२६ | दुरारोहं च | | दुर्गम [.] युघ १: | २२९.१५ ३ ३ |
| | २०४७ | दुःशासनमु | २७१६ | दुरारोहं तु | २७०१ | टर्ग मत्रप | |
| दीणें हि दृष्वा | २३९१ | दुःशासनो वि | १८९६ | दुरारोहं प १४६ ० | ,*१७८७ | डर्म प्रस्कृति हर्म प्रस्कृति | २१६ द |
| दीणी इत्येव | २५५ १ | दुःशासनो ब्र | २७२० | दुरारोहपा | 8863 | दुर्गयुक्तं चा | १२४५ |
| | | | . • | - • | 00041 | યુગલુવા પા | १६५६ - |

| • | | | | | | | |
|-------------------------------|---------------------|-------------------|-------------|----------------|-------|------------------------|--------------|
| दुर्गराष्ट्रद | | दुर्गी संपूज | | दुनीमकण्ट | | दुर्भाषिणो म | |
| बुर्गराष्ट्रदू | | दुर्गा सहश्च २९ | | | *२५५१ | दुभिक्षं तत्र | २८८३ |
| दुर्गराष्ट्र प्र | | दुर्गुणासूच | २३४७ | दुर्निवारत | , | दुर्भिक्षं नात्र | १४९६ |
| दुर्गराष्ट्रयोः | | दुर्गे च तत्र | १४६३ | दुर्निवार्यत | २६ ०४ | दुभिक्षं मर | २८६७ |
| दुर्गविधान | ६६९ | दुर्गे च यन्त्राः | • ,, | दुर्बल एव | २०९२ | दुभिश्चमावि | ७९९ |
| दुर्गविनिवे | ,, | दुगें तु सम | १४८० | 3 300 11 . 31 | | दुर्भिक्षवेद | २९ २७ |
| दुर्गसंपत्ति | | दुगें द्वाराणि | १४६३ | दुर्बलमपि | | दुभिक्षवेदि | .,, |
| दुर्गसाध्यास | | दुगं प्रतीकः | ६०५ | ू दुर्बलम्भ | | दुभिक्षव्यस | |
| दुर्गसेतुक १३ | | | ६८२ | दुबंलप्रा | २०९७ | - | 2883, |
| दुर्गस्थश्च नि | | दुगें प्रवेशि १४ | ७४,२०७३ | दुर्बलसाम - | | दु ^{भि} क्षशम | २११७,२११९ |
| दुर्गस्यश्चिन्त | | दुर्गे यन्त्राणि | १४९७ | -2 | | | १४९६ |
| दुर्गस्थितं फ | | दुगेंषु च म १० | | -2- | | दुर्भिक्षस्तेना | |
| दुर्गस्य च ख | | दुर्गेषु चास्य | २६२३ | 1 0 | | दुर्भिक्षान्मर | २१८४ |
| दुर्गस्य विस्त | १४९८ | दुर्गेषु वणि | १६४७ | दुर्बलस्य त्व | - | दुर्भिक्षे राज | |
| दुर्ग हे ग्र | # \$ 8 8 6 6 | दुर्गे सर्वगु | | दुर्बलस्य ब | | दुर्भीहत्वमा | ११९२ |
| दुर्गहीनो न | १४८१ | 13. 66 20 | | दुर्बलस्य हि | ६०८ | दुर्भातुस्तस्य | १९०० |
| दुर्गा काञ्चन उर्गः भाग वि | २८९३ | दुर्गे हि कोश | | दुर्नलस्याभि | १५५६ | दुर्भतिं पाप | *१७०९ |
| दुर्गीक्षमा शि | ५८ ५७ | दुर्प्रहो मुष्टि | ११०० | दुर्वलांस्तात | | दुर्भन्त्रमेनं | १७८३ |
| दुर्गावतो ज | | दुग्रह्यो मुष्टि | * ,, | दुर्बलात् भूमि | २०९२ | दुर्भन्त्रो भिन्न | |
| दुर्गाचानव | | दुर्जनं परि | ११२० | दुर्बलानन | | दुर्योधनं चा | २४२७ |
| दुर्गाणां चाभि | | दुर्जनः परि | १७१६ | दुर्वलानाम | | दुर्योधनं त | |
| दुर्गागां रक्ष | | दुर्जनमध्ये | १११८ | दुर्बलार्थे ब | | I - | २३५८ |
| दुर्गाणि तत्र १३० | ८४,१४४० | दुर्जनस्य च | १७०८ | दुर्वलाश्चापि | | दुर्योधनं पा | ८४१ |
| दुर्गादीनि च | २०९६, | दुर्जयश्चतु | २७३४ | | | दुर्योधनः स | २७१८ |
| x 2 1 3 | २१०२ | दुर्जयान् करि | २६८७ | दुर्बेलाश्चैव | ۰,, | दुर्योधनक | 2888 |
| दुर्गाद्याभ्यश्च | | दुर्जयेन स | २७२९ | दुर्बलाश्रयो | २१९९ | दुर्योधन त | १८९३ |
| दुर्गाध्यक्षः स्मृ | २३३८ | दुर्दर्शना हि | ११०६, | दुर्बलेन तु | १९६९ | दुर्योधन नि | ८४२ |
| दुर्गाध्यक्षो हि | २३३९ | 3, | Eovs | दुर्बलेन ब | ,,, | दुर्योधनप्र | १८९८ |
| दुर्गापाश्रया | २०९७ | दुर्दशों हि रा | १२०१, | दुर्बली नष्ट | ६३७ | दुर्योधन म | |
| दुर्गापाश्रयो | २१९५ | 34411 16 (1 | | दुर्बलोऽपि रा | ८०८ | _ | २३५८ |
| दुर्गाभावे च | १५५२ | | ' ' ' | दु र्वलोऽभिजा | १५५६ | दुर्योधनमि | २७५९ |
| दुर्गाभ्यश्चैव | | दुर्दिनग्रह | | | | दुर्योधनमु | ८४२,२३५७ |
| दुर्गाय उग्र | | दुर्दिने कूट | 1 | दुर्बलो राजा | | दुर्योधन य | १८९५ |
| दुर्गार्पणः को | | दुर्दिने न च | ,, | दुर्बुद्धिमक्र | १२८८ | दुर्योधनश्च १ | ८९९,२४८५, |
| दुर्गावाप्तिहिं | | दुर्धरा पृथि | ११०० | दुर्बोधे सुते | १००६ | | ७१८,२८०२ |
| दुर्गा विद्या च | | दु र्धर्षतिग्मां | ८२१ | दुवसिण शि | १११६ | दुर्योधनस्त | ६२५ |
| दुर्ग शिवा क्ष | २८९३ | दुर्धर्षतीव्रां | * ,, | - | | ~ | ६२८,२७१२ |
| | | | | - | | s · · · · • | , |

| ~ | | | | | | | |
|--------------------------------|-------------------------------|--------------------------------|--|-----------------------|-----------|------------------------|----------------|
| दुर्योधनस्य १ | ९००,२७९ | ९ दुष्कृतं यत्र | | ७ दुष्टानां दम | 7605 F | ५ दूतकर्मान्ति | १४७२ |
| दुर्योधनाद | २७१ | ४ दुष्कृतः सु | कु २३९ | .७ दुष्टानां नि | प्र ≉६२ः | दूर्तप्रणिधिः | ६६८ |
| दुर्योधनाप | १९० | ० दुष्कृतस्य प्र | T ., | दुष्टानां नृप | | दूतवध्या न | |
| दुर्योघनेन | | २ दुष्कृतानि | | ४ दुष्टानां शा | | | १६७६,२३३९ |
| दुर्योधने रा | | ६ दुष्कृती बा | | 0 | ७४७,११०३ | दूतश्च हि हु | |
| दुर्योघनोऽपि | | ३ दुष्कृतो ब्रा | | द्रष्टाचिष्टतन्दे | ١ | दूतसंप्रेष | ९४६,१७७७ |
| | ७ १ २,२७१ [,] | ८ दष्टं गजमि | १०१३,१०१ | ू दुष्टान्वाऽप्य | ाथ १७१२ | दूतसामर्थ्य | પહલ |
| दुर्योधनो वा | २७९८ | दुष्टं ज्ञात्वा | वि १७१ | | षि | दूतस्ततः क | १२६५ |
| दुर्लमं क्लेश | | दुष्टं पन्थान | | ् बुष्टामात्यस | १३२० | दूतस्तत्कुरु | १६ ७४ |
| दुर्लभः पुरु १ः | | | | २ दुष्टामात्येन | १२१८ | दूतस्य प्रेष | ००० १ क |
| दुर्लभः स पु | | , दुष्टः पाण्डव | | दुष्टामात्येषु | १७६३ | दूतस्य इन्ता | १६६६ |
| • | | दुष्टदण्डः स | ७४५ | ुदुष्टाङ्गत च | ५७५ | दूतहन्ता तु | *१६६६, |
| दुर्लभस्य च | | दुष्टनिग्रह | ७६१ | दुष्टन मन | १८९६ | | १६८६ |
| दुर्लभस्य हि | ,, | 1 | १३९,१४३३ | दिहते साम | | दूतादिप्रेष | २८२८ |
| दुर्लभैश्वर्य | १६९८ | | १८२७,२४ <i>१</i> ४ | 363 44 | | दूतानवध्या | |
| दुर्लभो हि सु | | दुष्टनिग्रहं | ११२० | 301 561(1 | | दूता न वध्या | |
| दुर्वाचा निग्र | | दुष्ट पाण्डव | #१८९७ | दुष्टापसग | २८७३ | दूता न वध्या | |
| • | | दुष्टपौरजा | २१०२ | ाढष्ट्राटाप भाग | य ११८५, | दूतानां च च | ९४३ |
| दुर्वार्य चैव | | दुष्टरस्तर | | 1 | १२३१ | दूताना चाऽऽ | |
| | | | ર ५४ | Ja | | दूतानां ब्राह्म | १३६१ |
| दुर्वांसा दुर्वि क्वांस्टर् | | दुष्टरीतुई दुष्टश्चैको द्वा | ३४९ २१ ५७ | 3 | | दूता वध्या न | १६६८ |
| दुर्वृत्तकारि | ११४४ | दृष्टसंमद १३ | २५२७ १६२, *१४ १९ | दुष्पार्ष्णियाह | 1 | दूतास्त्रयोऽमा | १६८६ |
| दुर्वृत्तसद्वृ | १९७८ | दुष्टसामन्त | ८१६,८२२ | i _ | | दूती कर्मा त | ०१ ४७२ |
| दुर्वृत्तेऽप्यकु | # १७३२, | दुष्टस्य दण्डः | ७२४,९६४, | 3 4 | | दूतेन भवि | १६६८ |
| | २६८७ | | १५८,१३७८ | 3-1-11.11 | ı | दूतेन वेदि | ۰,, |
| दुई ते वा सु | १७३२ | दुष्टस्थापि न | २८२३ | दुष्प्रणीतो हि | ७७९ | दूतेनैव न | १६८२ |
| दुर्वेदा एव | ३११ | दुष्टांश्च हन्या | १०३० | दुष्प्रापं दान | २८९९ | दूते संधान | १६५८ |
| दुर्वाहृताच्छ | १२१२, | दुष्टाः पशुमृ | રે રે ૧ ૧ ૧ ૧ ૧ ૧ ૧ ૧ ૧ ૧ ૧ ૧ ૧ ૧ ૧ ૧ ૧ ૧ ૧ | दुष्येयुः सर्व | ६८७ | दूतो म्लेच्छोऽप | य १६८२ |
| | १६९३ | दुष्टाः खदोषे | १९१४ | दुस्तरो ह्येष | २५४ | दूतो हिन लि | १६८६ |
| दुईदां छिद्र | ११७६ | दुष्टात्मानस्तु | ११८५, | दुहन्त्यूधर्दि | | दूरकार्याग्र | १५२३, |
| दुश्चेष्टितं च | #५७५ | | 2232 | दुहाथां घर्म | # \$ 8 \$ | १५ | (७८,१५८३ |
| दुष्करं बत | २००६ | दुष्टादुष्टांश्च | ७३१ | दुह्याद्धिरण्यं - | #७३६ | रूरतो मे नि | 48029 |
| दुष्करं सर्व | # १२९३ | दुष्टानप्यथ | 🕳 १७१७ | दूत एवं हि १ | ५७४, १६८६ | इरदर्शी दी | २८३४ |
| दुष्करां यान्ति | १९४० | दुष्टानां क्षप | २४१५ | दूतं चैव प्र १ | ६७२,१६८६ | दूरदेशं न | २१८ ४ |
| दुष्कर्मदण्ड | ८३१ | दुष्टानां चैव | १८९७ | दूतः परम | | दूरपरिह | |
| दुष्कुलीनः कु | १२८७ | दुष्टानां त्रास |) इं | दूतकर्म | ६७७ | रू. ११८७ दूरमार्गास | <i>१११७</i> |
| रा. सु. २ | 3 | | | | , -, | Ø. 11.11/2 | २१८४ |

| | | 0. | | | | | |
|----------------------------------|---|-----------------------------|-------------------------|-----------------------------|---------------------------------------|--------------------------------------|---------------------|
| दूरस्थमपि | | १ दूषितो दूर | | दूष्येम्यः इ | | ९ हश्यन्ते जीव | २३९४ |
| दूरसंस्य रि | | दूषीविषं म | | दूष्येषु वा | क २०६ | ५ दृश्यन्ते मान | |
| दूरस्थानां च | | दूष्यं महामा | १३९९ | दूष्येषु वा | द १९१ | ७ दृश्यन्ते मानु | |
| दूरादेवाभि १ | २९७,१२९८ | दूष्यकूल्यानां | १ ३३२ | दूष्यैवां मेरि | द १५७ | ° हश्यन्ते वा य | |
| दूरादेवेक्ष | १२०६ | , दूष्यदण्डोप | १४०२ | हगमात्या | - | ° ट्रिका किक | • |
| | २२८,१७६० | बूष्यप्रकोपै | २६ १८ | दृग्बन्धने सं | *.* | र | १२२१, २५०३ |
| दूरापसर | #१ ५२४ | दूष्यबलेन | २८०५ | हढं विगृह्य | १५१ | | १ ०४४ |
| दूरायातं ह | १५८७ | दूष्यबाहुल्य | २७२३ | हदं सतां सं हदक्मस | • - | √ 23π 25 - | • |
| दूरे ग्रामनि | | दूष्यमन्त्रिणा | २५६ ९ | | २७२ | े दश्यमानेष | 1 * ,, प७ |
| दूरेचरान्मा | १८७१ | दूष्यम भित्य | १३३२ | 100.11.11 | | हें न गान | १६२२ |
| दूरे चित्सन्त | 98 | दूष्यमहामा | १,३९८, | ६७ता मन्त्र | • | १ दृष्टं समप | *१५१५ |
| दूरेऽपि हि भ | ९३२ | र् रे | १९९,१४०० | 1 | १२५६,१२५ १४४ | े इष्टं सामप | " |
| दूरेहेतिः प | * 283 | | १५८९ | ह ढपादप्र | | ાદક ક્ષતન્મ | १२१३ |
| दूरेहेतिरि | ,, | दूष्ययुक्तं न | * ,, | ह ढप्रहारी | २९३१ ७ ३ ४,७४९ | Comitin 4 | ०७०,२४०१ |
| दूर्वी मोहनि | २९८३ | दूष्ययुक्तं स्व | | ह ढप्राकार | | , हिष्टगुणा ब | *२६९१ |
| दूर्नाः सिद्धार्थ | #3560 | दूष्ययुक्तदु | १५६८ | दृढभक्तं प्र | 7889 | र दृष्टद्वारो ल | # १६८७ |
| दूर्वाक्षतेः स | २८८७ | दूष्यवदुपां | २१०२ | हडभक्ति कृ | १६५ ६ | 1 | २६२१ |
| दूर्वीक्षीरघृ | ९८१ | दूष्यशत्रुसं | ६७६ | इद्धाक्तिर | १२४४ १२५६,१२५४ | े दृष्टमात्राः पु | ८२० |
| दूर्वीदियव | १५४३ | l | १९१९ | दृढमसौ चा | , , , , , , , , , , , , , , , , , , , | हष्टमात्रण | २८६७ |
| र् वां दीन्मू ध्नि | २८ ४९ | | | ह ढमातृक | • • • | दृष्टमेव य | *१५१५ |
| दूर्वी पटोल | १४६७ | दूष्यसमीप | | | २८७५ १०७५,२००५ | इष्टरूपप्र | *६१९ |
| दूर्वीऽऽर्द्रगोम | २५१ ६ | दूष्यस्य दूष १५ | ७८,१५९४ | हदवास्तके | | ्रहष्टल्यः सु हष्टवत्यस्मि | १६३५ |
| दूर्वासिद्धार्थ | | दूष्यस्य वा भृ | | हदनतः स | | दृष्टा धर्माः श | १९०१ |
| दूर्वेभदाना | २९८० | दूष्या दूषिर २८। | | ह ढशासन | | द्यानद्या | ५९१ ७.८४ |
| | ९६४ | दूष्यादूष्याणा | | ह ढसुराल | | द्धापदान | ५१४ |
| दूषणं चैव दूषणं मन्त्र | 1,50 | र् दूष्या दूष्येति | | दृदस्य युद्ध | १३७४ | | ६६१ |
| | • | दूष्याद् दूष्येति | | टढाङ्गं गुरु | २८ ४ ६ | į. | ५४६, |
| दूषणं यव राजं जेन | , · · · | रू "२ रू "" दूष्याननुप्र | ~ " is | ढाङ्गं लघु | " | हष्टास्तेभ्यस्तु इष्टास्तेभ्यस्तु | ६१,१५०८ |
| दूषणं स्रोत | ``' | रूपानुपांशु | १९१७ | डाङ्गश्चत १ | ५२५,२३ ४२ | | * ९३४, |
| दूषणेन च दूषणेन च | 10/1 | | , , , , | तिवस्त्योरो | | र दृष्टास्तेभ्योऽपि | ४०,१६०६ |
| दूषयेचास्य २६६ दुष्येच स्टि | | (1111914 40 0 | 9,4204 | श्यते च स्फ | २५०१ | इडासाम्याऽ।प | ९३४, |
| दूषयेत् परि | २६७९ है | ्ष्यामित्राट २०११ | 7098, | श्यते तु प्र | • 1 | -A- A-me | १६०५ |
| दूषयेद्वाऽस्य | #२६६७ | ₹ १८८ | ,२१९५, | ात छ न इयते मजि | | दृष्टा हि जीव | १९२७ |
| दूषयेन च | १११ ६ | ५ ६ २० | 9, 2 ६ ४७, ह | रत्य साथू काने लेल | 320 | दृष्टा हि पुन ९६ | |
| दूषितं पर | १२२१ द | ष्यामित्राभ्यां | ं २८०५ हैं १८५२, हैं | प्पत लाक स्थाने हिट | | दृष्टिं क्षिपति | १७१५ |
| दूषिते हि म | ૨ ૧૨૪ ° | (v II | २१५८ हा | भ्यात्य हुए स्वाते चित्र | रपपर | दृष्टिं क्षिपत्य | *१७१५ , |
| | | | 11/0/8. | भ्यता १६ ह | २३७४ | | १७४५ |
| | | | | | | | |

| | | | | 15 5 4 | | | |
|-------------------------------|---------------|-----------------------------|---------------|----------------|-----------------|-------------------------|-----------------|
| दृष्टिघातं भु | | दृष्ट्वा प्रयाति | | देवक्षेत्रं वै | | ्रेदेवतार्थे च | *६६२, |
| दृष्टिभङ्गो न | १४७८ | | १७१५, | | १०९७ | ' | * १३२६ |
| दृष्टिमुष्टिह | १५१६ | 1 _ | .६,१७४५ | देवगुरुध | ે ६६ | देवतार्थेषु | ६६२,१३२६ |
| दृष्टिमेव य | १५१५ | | १६९६ | देवतां त | | 1 | |
| दृष्टे ज्वालां वि | २५२७ | दृष्वा मतिम | २४८३, | देवतागृह | २६२९ | 1 | ११३३,११४२ |
| दृष्टे निमित्ते | २५ ०६ | | २९१६ | देवता च | | नेननाथा वि | में #१०८५ |
| दृष्टेऽप्यर्थे सं | २४१९ | दृष्वा मुखं स | ९६४ | 1 | | देवतासु न | |
| दृष्टेरदानं | १७६० | दृष्वा राजा द | # ८४५ | देवतातिथि | | 322772 7 | |
| दृष्टेरे वारि | १५१२ | दृष्ट्वाऽर्जुनमु | २४४१ | देवतादेह | २६२९ | देवतास्वेवै | ४३१ |
| दृष्टो धर्मी हि | *१०९१ | दृष्वाऽऽर्तोऽपि हि | | देवताध्यक्षे | | | १२१२,१६९३ |
| दृष्टो पन्यास | २१३८ | दृष्वा लेखं य | १८३६ | देवतानां = | • | | ٠ ٩ |
| दृष्टो हि धर्मी | १०९१ | दृष्ट्वा वनग | १९०२ | | २९१६ | | ४५६ |
| दृष्ट्या प्रसन्नो | *१७ १५ | दृष्वा विटं दु | ७४१ | देवतानां । | | देवदानव | ६८६,२९६६ |
| दृष्वा कुशबृ | १९०० | दृष्वाऽविद्यं दु | * ,, | देवतानां न | | देवदेवः हि | |
| दृष्वा कृतं मू | २७६२ | दृष्वा शास्त्राण्य | ७६५ | देवतानां प्र | ा १९९ १ | देवदेव ज | २९८७ |
| दृष्वाऽऽगतान्स | १७४२ | दृष्वा सुपर्णी | २५५२ | देवतानां य | ा २ ४८४, | देवदेव म | २८७४ |
| दृष्वा च तां स | ६२५ | दृष्वा सुरैर्दे | २७८६ | | २९०७,२९१६ | देव देव म | २८७० |
| दृष्वा च सोऽन | १६९६ | दृष्वा सुविफ | ११५० | देवतानां वि | | देवदैत्योर | ७३७, |
| दृष्ट्वा ज्ञातिव | ? <i>\</i> | दृष्वैवं सवि | ९९६ | देवतानां स | | | ७४९,१९८० |
| दृष्ट्वा ज्योतिर्वि | 944 , | दृष्ट्रेवैवा ऽऽचेष्ट | १८८७ | _ | | देवद्रव्यादि | ७४८ |
| 0041 v411(114 | • | दळहा चिद्धिश्वा | ४६९ | देवतानाम | ११० | देवद्रव्याप | ७३९, ७४० |
| | १६३५ | हळहो नक्षत्र | ३७ | देवतानामृ | ६१३ | देवद्विजप्र | १४३८ |
| दृष्वातं कूर राज्य कं कि | # १६९५ | देयं च प्रति | <i>=</i> १९५३ | देवताऽपि | | देवद्विजव | १३८१ |
| दृष्वा तं जीवि | ६६१ | देयं चोरह | •७१७ | देवतापुण्य | ९५७ | l | |
| दृष्ट्वा तत्कार्य | २३४० | देयं चौरह | | देवतापूज | २८२४ | देवद्विजाति देवने बह | २५०३ १५४७ |
| दृष्ट्वा तयोः प | २०२५ | देयं पौरह | " | देवताप्रति | ৢ ৩२४,९५७, | | १५४७ |
| दृष्ट्वा तां पाण्ड | ६२५ | 1 | .,, | | १९९२,२४८८ | देवपत्न्यश्च | २९८४ |
| दृष्ट्वा ते च ब | #२८६७ | देयः पिण्डोऽन | ५८० | देवताभ्यर्च | 608 | देवपत्न्यो द्रु | २९६६ |
| दृष्ट्वा ती दंप | १०९२ | देयश्च प्रति | १९५३ | देवतायत | ופעני טער | देविषतृपू | २२१ ४ |
| दृष्ट्वा तौ नकु | * २०२५ | देयस्य प्रति | " | | 91400 2002 | देवपित्रपि | ७५५ |
| दृष्या देवब इष्ट्वा देवब | | देया धारा स | २९०३ | नेवन जन | | देवपीयुश्च | ३९८ |
| · · | २८६७ | देयानि पुष्प | | | २४८४,२९१६ | देवप्रेष्यनृ | *२९२२ |
| दृष्ट्वा द्रव्यम | २४६३ | देवः स जय | - ' ' | देवतार्चन | र७८६ | देवप्रेष्यान्नृ | |
| दृष्ट्वा निमित्तं | #२५०६ | देवः साक्षात्स्व | २८६४ | देवताची त | ि #२९२२ | देवब्रह्मस | " |
| दृष्ट्वा पताका | १५१३ | देवः सेनाप | *2८७० | देवताची तु | ,, | देवब्राह्मण | 39 69 |
| दृष् वापदान | *१५०८ | | २७८५, | देवतार्चाः | u | रपश्राखण | ७४५,१०२७, |
| दृष्वा प्रकृष्ट | #६१९ | _ | २७८९ | देवताची भ | ,, | देवब्राह्मणा | ११७१,१३५८ |
| दृष्वा प्र क ृष्टं | ,, | देवकर्मकु | | देवताचिव | • | देवभागा <u>नु</u> | १०३१ |
| | • | | • • | | **1744 | । रवनागानु | ८२२,८२५ |
| | | | | | | | |

| देवभोगम | 2/419 | देवस्वं ब्राह्म | 107.4 | . | | ع_حا | |
|------------------------|---------------|----------------------------|----------------|-----------------|-----------------|-----------------|----------------|
| देवमार्गम देवमार्गम | र८२७ १५२१ | I s | | देवानां पूज | | देवाही मानु | २७९९ |
| | | 1 | | देवानां यः पि | | देवालयमृ | २९७३ |
| देवमाल्याप | | देवा अपि भ | | देवानां यज | | l - | ७४८,११२० |
| देवयशैश्च | ५९५ | I - | | देवानां हापि | | देवालये मा | १४३३ |
| देवयात्रां स | * ₹९२२ | देवा अमृते | | देवानाप्याय | | देवा वा इमं | १९० |
| देवयात्रासु | ,, | देवा अहैव | | देवानामपि | ५८१,७२८ | | ३९७ |
| देवरथपु | २३१६ | 1 | ३४६ | देवानामर्ध | १०२ | देवावासप | १४७७ |
| देवराजस | २७६४ | देवा इन्द्रज्ये | ५०६ | देवानामीश्व | ६२० | देवा वै नाना | २ १०८ |
| देवराज सु | २७६९ | देवा इव च | # ७९७ | देवानामुत | አ ጾ | देवा वै नानै | २ १०८ |
| देवराजोप | २७१७ | देवा इव स | ,, | देवानुपग | | देवा वै ब्रह्म | ११० |
| देवराताय | १९३ | | | देवानुवाच | | देवा वै यथा | १०९ |
| देवरात्रिं च | २८६२ | | | देवानृषीन्पि | | देवा वै यद्य | ३३ ५ |
| देवर्षिपितृ | ६११ | 1 | २९७७ | | | देवा वै राज | ३४१ |
| देवलं नार | २६५८ | देवा एतस्या | क्ष३९७ | देवान् गुरून्ध | ९६६ | | ४२९ |
| देवलः पर्व | २९६ ४ | देवांशान् सात्वि | ७६ ३ | देवान्तराणि | १४७८ | 1_ | २८७० |
| देवलक्ष्मवि | १४७८ | देवाँश्च याभि | | देवान्तरेषु | ,, | देवाश्च गहीं | ६०६ |
| देववत् पूज | #3906 | देवाः कपोत | २४७७, | देवान्पितृतृ | १ ર્વ્યપ | | ७९४ |
| देववन्नर | ७९३ | | २९२७ | देवान् पितृन्स | २९७४ | | ५९४,७९४ |
| देवविश ए | | प्याः कपाता | # ₹९२७ | देवान्यज्ञैऋ | | देवाश्च मनु | 7 |
| | ३४२ | 1 4 414 1 1017 | २०० | देवान् वा एष | | देवाश्च वा अ | |
| देवविशंख | | देवाः पुत्रभ | ८६६ | देवापिः शंत | | देवाश्चेतामृ | • |
| देवविशा वे | ३४२ | देवाः पूजां न | ६०६ | देवाऽपि नाव | | | ४८४ |
| देववृक्षेषु | | देवाः शक्रपु | क्षर८६४ | ५५।ऽ।५ नाव | | देवासुरन | १५२६ |
| देवशिल्पानि | ४४५ | देवाः सर्वे ग | २८७२ | देवापिरभ | | देवासुरा ए | ५२४ |
| देवसंपूज | ७४१ | देवाकारोपे | ९१३ | देवापिस्तु म | ८४२ | देवासुराः सं | २६,४७८, |
| देव सवित | १९६ | देवागारे ग | | _ | " | | ५२६,५२८ |
| देव सवितः | | देवागारे नृ | ,, ८०५ | देवा भवन्ति | | देवासुराणां | २४०८ |
| देवसिद्धि प्रा | | देवागारेषु २४८ | | देवा भागं य | | देवासुरा वा | २२३,५२७ |
| देवसृष्टो वा | २५०,२५१, | 1. | રહ૮५ | देवा मनुष्य | | देवासुरे दि | # ₹००₹ |
| | ३१३,३१९ | | १९९१ | देवा मनुष्या | | देवासो मन्युं | ३७१ |
| दे वसेनाप | | देवातिथीनां देवातिथीनां | | देवा मनुष्याः | ८०२ | देवास्तं सर्वे | ४९६,५०० |
| | ६७०,२७८७ | 2 | ७५५ | देवा माषनु | ८०५ | देवास्तु किङ् | क ७६३, |
| देवस्थानैः प्र | 400,4020 | दवादयस्तु | २९०८ | देवायतन | २९३९ | , | ८३० |
| _ | ६५९ | देवादिपू ज | २८२५ | देवायत्तमि | ७७३९ | देवास्ते प्रिय | ७५० |
| देवस्मृतिर्वे | | देवादीनां तु | २९०८ | देवाराधन | | देवा ह्येकोन | * २८६ • |
| देवस्य त्वा स | | देवाद्वृष्टिः प्र | ७८९ | देवा राष्ट्रस्य | ३६ १ | देविका इन्द्र | # २९६९ |
| हैतम -22 | २१९,२५४ | | २५८९ | देवारिबल | | देविका सिन्धु | ,, |
| देवस्य त्वेति | २९३ ५। | देवानां च मु | १०९० | देवार्चनं स | ९५८ | देवि त्वद्दष्टि | |
| | | | | | | | |

| | | | | | | | 101 |
|-------------------------------|----------------------|------------------|----------------------------------|-----------------|---|----------------------------|-----------------------|
| देवीं वाचम | 88 | ०∣देशः श्रेया | नि २५५: | ६ देशजाश्चैव | #99.43 | देशान्तरस्था | |
| देवीं संपूज | | | १५५२,१७७ | र देशत्यागप | | 1_ | ११०३ |
| देवीगृहं ग | ९९ | ४ देशकालकु | | रे देशत्रयाधी | १९८७ | la - | १७१७ |
| देवीग्रहग | * ,, | | १८६ | | | देशान्नदीमा देशे काले च | १३७६ |
| देवीगृहे ली | | रे देशकालप | २२३८ | 4414411 | २८१८ | ı | १९९४, |
| देवी जनित्र्य | २१ | ८ देशकालप्र | १०५५,१२६। | र दशधमें जा | १०२९,१९६७ | 22 2 | १५०,२८२५ |
| देवी तु काशि | 99 | ४ देशकालब | 203 | दशधमाश्च | ५९६ | देशे चैवाशु | २५०८ |
| देवीनां मातृ | १४७ | 1 | १७६७,२१३५ | १ देशधर्मा जा | | देशे त्वदृश्यः | २५४३, २७३ <i>१</i> |
| देवीप्रतिष्ठा | २८७ | · · | २१३६,२१४६ | १ देशनाशश्च | १ ९८७ | देशे देशे य | |
| देवीभक्ताश्च | २८९ | _ | , ९ १६ | | | देशेश्वरांस्त | २८२४ |
| देवी मनोर | 299 | 1 | | दशफलाव | 1104 | देशेषु चत्व | १४१९ |
| देवीमातृस | | ९ देशकालयो | ११२० | परामापागु | #१७२५ | देशैकदेश देशैकदेश | # १६४१ |
| देवीरापः सं | १ ४८ | 1- | १३५७ | यरागायास्य | (222) | देहः कोशो यो | २५०२ |
| देवी सांनिध्य | २९०: | देशकालव | | दशसदस्रा | रर४२ | _ | २४६४ |
| देवेम्यः कर्म | १२५ | देशकालवि | 500 | देशभ्रंशो य | 1177 | देहत्यागाच | ७४२ |
| देवेभ्यो ब्राह्म | ६२१ | | 475) 02/10 12/10 | देशमपीड | १२३८,२३५० | देहान्पुराणा | ५६५ |
| देवेऽवर्षत्य | ७३८,८२४ | | १२४१,१२७९, १ ५ ६७,१८०५ | देशमल्पव व | १४५४,२५५८ | देहावधि न | ७६ ० |
| देवैः पूर्वग | | देशकालव्य | * 2 088 | | | देहि दक्षिणां | २४६ |
| देवो देवानम | ৬২ | | | देशवापाना | 77671 | देहिनामात्म | ७३८ |
| देवोद्यानं सु | १४३९ | 4214100 | २१०१ | देशविहारः | | देहिनि गता | ९९८ |
| देवो न पूज्य | १४८० | 1 20 10 00 1100 | २०६५ | देशस्थित्या ब | 2348 | देहि मे ददा | १२८ |
| देवो न यः पृ | ४१, ८३ | युन्ता ना त्या स | २०७२, | नेताकी जंज | ∨و باویائ | रेहि मे नग रेहि मे योध | १४७४ |
| देवोपभोग्यं | | देशकालान्त | र८५७, ५८५ र | देशस्य काल | ११९०। | | २७८९ |
| देवो वो द्रवि | र `` ४ ३ १ | देशकालाभ्य | २५९७ | देशहारो ध | 1,200 | (हीत्यर्थना | १८३४ |
| देग्या उपास | २८९४ | 1_ | २०४४ | देशाचारान्स | 1040 | हि भवन्ति | ८२३ |
| देव्याः सूचय | * 24 0 8 | l - | ! | 42111431 4 | 1042 | हे शिरसि | १६३९ |
| देव्ये कार्य नि | | देशकालेन | | देशादिधर्मः | C 34 1 | तेयानुश | ६४५ |
| देव्यो जयावि | | देशकालीप | २१५० | देशादिधमी | 00, | त्यः स गद | १५२२ |
| देव्या जयावि देव्यो जायावि | | देशकाली च | ૨૪ ५७ ૨૭૭५ | देशाहेशात्स | 140 | यानां दान | ८२३ |
| देशं कालं च | " | देशकाली तु | 200 | देशाधिकारि | 2024 | यानां राक्ष | २५४० |
| | २०२० | देशकाली स | ६६५, | देशाध्यक्षांश्च | • | नेकं मासि | १८३८ |
| देशं कालं त देशं कालं व | २४७० | प्रामाला प | i | | | यं खेदश्च | # २७७५ |
| | १६३९ | | # ₹ •88 | देशाध्यक्षोऽपि | १३८५, दैं | यं यथाऽब | २३७० |
| देशं कालं स | | देशगुणैः प्र | २६९२ | | २२०८ दैन | यं हर्षश्च | २७७५ |
| देशं न चास्य | , | देशग्रामजा | २८१८ ह | देशानलब्धॉ | २४०४ दै | | १४९६ |
| देशं परिह | 1 | देशजाः पश | १९८७ ह | रेशानुरूपः | १३८१ दै | | 2014 |
| देशः पृथिवी | ३५५५ | देशजातिकु | ५७७ हि | शान्तरवा | १११९ दे | | 99 |
| | | | | | 0 0 0 9 1 % | च्या ।परा | २८७२ |
| | | | | | | | |

| दैच्यें द्विशत | १४९१ | ६ दैवतचैत्यं | १३३ | १ दिवादमि | रु १९३१ | दैव्यो वै वर्णी | V2.9 |
|--------------------|----------------------|-----------------------------------|-------------------|-----------------------|------------------|-----------------|-------------------------|
| दैच्यें सप्तद | _ " | दैवतप्रति | | ७ दैवानुलो | | दैशिकाश्चार | ४२ १ ६१७,१५०२ |
| दैर्घ्योन्नतिप | ³ | | | 12 | ानो २४०८ | दैशिकाश्चावि | |
| दैवं क्षत्त्रं या | , १९१ | A ~ | | 12-3 | म १३९५ | 133314114 | #६१७, * १५०२ |
| दैवं तस्य प्र | ७४७ | ٠ ـ ـ ـ ـ ـ | - | 3 0 | ःसा २४६० | दोग्धारः क्षीर | ** \ ' \ ' \ |
| ••••• | २४०९ | 2 | | 3-6- | ग ७२३९९ | दोग्धि धान्यं | हि १३१४ |
| दैवं धर्माध | २४१ ५ | 3-7 | | 3 | में ७३९ | दोग्ध्री धान्यं | € ₩ ,, |
| दैवं नयान | *280 | 19-2-2 | | र् दैवासुरे । | दि ३००३ | दोग्ध्री घेतुः | ४१२ |
| दैवं पुरुष | 496 | اما | ११७३ | र दिवीं वाच | i दु ५०७ | दोग्ध्री धेनुरि | ४२४ |
| | १५,१५७८ | 7 la - | * ,, | देवीं सिरि | इंमा १०५७ | दोलेति कथ्य | २८४४ |
| | | दैवतोपहा | २११०,२६३ | दैवीर्मनुष्ये | | दोलोपरि प | " |
| | ४०,२३९९ | | १३६३ | ् दवा।वशस | त्व क्ष्प१२ | दोषं गुणं वा | #१६९९ |
| ર ર ૪ | ००,२४०९ _, | दैवपीडन | १५६३ | 44 4 3 | | दोषजं वात | ९०७ |
| २४ | १७,२४२१ | दैवपौरुष | २४०१,२४० ७ | दैवेन के | • • | दोषद्रव्यानु | १९८७ |
| दैवं पूर्व वि | २४९६ | दैवप्रमाणो | २०९८ | देवन चैवे | | दोषनिग्रह | ८२६ |
| दैवं मानुषं १५ | ४९,२४१७ | | ७४५ | दवन चव | १९ ४ | दोषभयान्न | ११९२ |
| दैवं विनाऽति | २४०१ | 1.8 | 2300 | देवन विष | ४ २३७२,२४०४ १ | दोषवत्कर | ७४६ |
| दैवं शान्तिक | | दैवमयान | २०६९,२४०१ | | ः २४६९ | दोषविजता | ११०५ |
| • | २४०१ | दैवमानुष | 3366 | दवनाभ्याः | | दोषशुद्धिर्ब | १५६९ |
| दैवं हि पर | ६१४ | 1 | 2 You 2 You | दैवेनोपह | १०५६,२३९५ | दोषग्रुद्धौ हि | १९१७ |
| दैवकर्मक | | 1 | २०७०,२४० <i>१</i> | दव पुरुष | २३९२,२४०५, | दोषांश्च मन्त्र | १७६४ |
| दैवज्ञः प्रय | २९१० | दैवमेव तु | 1,00,1,00 | | २४०८,२४१५ | दोषांश्च लोभ | १२९१, |
| दैवज्ञः सूत्र | | दैवमेव न | #5X06 //4/ | दैवे पूर्व प्र | | | २०८४ |
| दैवज्ञकञ्चु | २९८५ | दैवमेव वि | | दैवे प्रतिनि | - | 1 | १५९६ |
| दैवज्ञगुरु | १४७२ | दैवयोगवि | " " | दैवे सर्वार्थ | २८४२ | दोषाणामेव | # १ ० ४ ९ |
| दैवज्ञमन्त्रि | ११५८, | दैववित् पूज | २९ ० ८ | दैवे सुमानो | ,, | दोषानुरूप | १२०५ |
| | ०,१६३८ | दैववित् प्रय | | | १६ ३७ | दोषान् गुणान्वा | १६९९ |
| देव ज्ञमु प | | दैवविदा चा | 2446 | दैवोपघाता | ૨૧૨૦! | दोषान्त्रित्राग | १०७९ |
| दैवरावैद्य | | | | दैवीपपीडि | १५७८,१५९० | दोषाश्चत्वार | २८४० |
| दैवज्ञसंयो | २६३३ | จากจาก สิสมาริกั | 110411108 | द्वापभाग्य | # ₹८६५ | दोषेण युज्य | ७२८ |
| दैवज्ञस्थप | | _ | ररहर | दैवोपहत | ५९८,२११३, | दोषे दण्डात्प्र | ८२६ |
| दैवज्ञा मान्त्रि | 4808 | दैवखभाव | २३९९ | | २११७,२१७६ | रोषे दर्पे च | * ७३६ |
| दैवतं पर | | | | दव्यः काशः | स ४११ | रोषेषु सम | १२१९ |
| दैवतं हि प | L. | दैवहीनाय देवाडाना क | | दैव्यासुरी म | ⊺ १५२६ ∣ | रोषै: प्रमुक्ता | *१२९१ |
| दैवतं हि म | - | दैवात्कालवि दैवात्पयोधे | २८४२ | दैःयेन मिथु | ३३३ | रोपैवियुक्ता | २०८४ |
| • | >> (| ५नारपयाघ | २४०८ | इं व्योपसृष्टे | २९१५ | रोषेर्वियुक्ताः | १२९१ |
| | | | | | | | |

| | | | | 1.1.6.41 | | | 104 |
|------------------------------|---------------|------------------------------|--------------|---------------------|--------------|-------------------|----------------|
| दोष्णां बलान्म | १७९८ | , चूतप्रमुख | १ ५४७ | द्रव्यनाशः के | १ ५५८ | द्रुपदः श्वज्ञ | १८९९ |
| _ | २५८७ | चूतम चयोः | १५६० | द्रव्यनाशाच्छ | ,,, | द्रुपदश्च म | २७१५ |
| दोहकालम | २३०४ | यूतमाह व | २४७३ | द्रव्यनाशो व | २६ ० ३ | | १९०२ |
| दौरात्म्यं धार्त | २००३ | चूतमेतत्पु १ | ११२,१५४७ | | २७७४ | | १८९९ |
| दौर्ग संक्षेप | १५२५ | चूतसमाह्य | ६७२ | द्रव्यप्रकृति | १७१८ | द्रुमतृणोद्ध | २५०४ |
| दौर्गान् पथिष्व | | चूतस्त्रीव्यस | १५५९ | | १९२९ | द्रुमाः केचन | १३२४ |
| दौर्बल्यं ख्याप्य | ७०५, | चूतादनर्थ | १६०१ | द्रव्यभक्तिच्छ | २६ ३५ | | १०९१ |
| • • | १३४४ | | १७१३ | द्रव्यभूता गु | २३६९ | द्रुमाणां श्वेत | २५०४ २५०४ |
| दौर्बल्यादास | २३८४ | चूताच नेक | ८९३ | | २६७२ | द्रुमाधिका न | * १ ४७८ |
| दौर्भाग्यं भाग | ६१५ | चूताध्यक्षः चू | २३२७ | द्रव्यवनं दु | २१६७ | | |
| दौर्लभ्यात्क्षत्रि | १८३० | | १६०९ | द्रव्यवनक | २२६५ | द्रुमभ्यो वर | २९६५ |
| दौवारिकान्त | १२८२, | चूते तु जित | १५५९ | द्रव्यवनच्छि | ,, | | *२९२१ |
| | १७०० | चूतेन तद | १५४६ | द्रव्यवनयो | २०९९ | द्रमोद्भेदक | " |
| दौष्कुलेयाश्च | १२१६ | चूतेन द्विष | *१६०० | द्रव्यवन्तश्च | УР | _ | ३७६ |
| दौष्टन्तिरत्य | २३८ | चूतेन ह्यस | " | द्रव्यस्त्रीलोछ | २६ ३८ | | ८३८ |
| दौहित्रभागि | १४८७ | चूते मद्ये त | ११२४ | द्रव्यहस्तिव २ | ०९६,२३१८ | | * ,, |
| दौहित्रस्तात | ८४३ | 1 72 | १५४७ | द्रव्यहेतोः कु | | द्रोणं ज्ञात्वा घ | २७९६ |
| दौहित्रा दक्ष | १४८७ | | २४१ | द्रव्याणां संच | २०५३ | द्रोणं तव सु | २३५७ |
| द्यावादिना प | | द्यौरहं पृथि | १८०७ | द्रव्याणामाद्री | ९७४ | द्रोणं प्रधान | २९८९ |
| द्यावापृथिवी | | चौर्न प्रथिना | ४८१ | द्रव्याणि शुक्ल | ग २५२६ | द्रोणकर्णम | २७६० |
| द्युः पूरणा वि | | चौश्च त्वा पृथि | | | ९६९,२०३२ | द्रोणपुत्रस्तु | २७१८ |
| द्युतानो मार | | चौश्चम इदं | 42.4.4.4 | द्रव्याण्यनूना | २५२२ | द्रोणप्रमाणं | २९०५ |
| द्युतिमान्के <u>त</u> ु | | द्रक्ष्यन्ति त्वद्य | 1 | द्रव्यापहार | २१४९ | द्रोणादनन्त | २७१३ |
| चुतिर्वपुर चुतिर्वपुर | | द्रमिळाश्च क | *2800 | द्रव्याभावे घृ | २९०३ | द्रोणान्तहेतो | २३५ ६ |
| चुनिशोभ य | | द्रामळात्र्य क द्रवमाणे च | | द्रव्येषु यस्य | १०५० | द्रोणाय निह | |
| दुभिरक्तुभिः युभिरक्तुभिः | | द्रवमाण च द्रविणदान | | द्रव्योपकर | ५५ ३ | | २७९७ |
| चुमत्सेनस्य | | | l l | द्रष्टव्यमिति | ९२३ | द्रोणाहावम | ३८४ |
| युन्तरतगरन द्युम्निनीराप | | द्रविणी द्रावि | ı | द्रष्टाचव्यव | १८२२, | द्रोणेन विहि २७ | |
| | | द्रविणोपार्ज | १०५३ | | 1 | द्रोणो भूरिश्र | २७१४ |
| चूतं च मद्य सर्व क्रिकेटन | | द्रवेषु हीना | | द्रष्टारो व्यव | 9 | द्रोहात्किमन्य | ५६० |
| चूतं विनेन्द्रि —: | | द्रव्यं चोपन | •२५११ | | *8888 | | " |
| चूतं समाह | १११०, | द्रव्यं भूमिग | | द्रष्टुं शक्यो ह्य | १४४५ | द्रोहाद्भुक्तं त | ७४१ |
| 224 | ११,२४७४ | द्रव्यं लिखित्वा | | द्रष्टुमत्युग्र | २७०६ | द्रोहो भयं श | २ ५७७ |
| चूतं स्त्री मद्य ९३ | | | २५११ | द्राक् कुर्यात्तु स | १७४४ | द्रौणिस्तु रभ | २७१३ |
| चूतकामं का | १००८ | द्रव्यं हि क्रियां | ९०२ | द्राक् संधानं पु | | द्रौणेरनन्त | |
| चूततो धार्त | ७ १९०९ | द्रव्यं हि राजा | १३८१ | द्राविडाश्च क | *१०९९ | द्रौपदेयाः स |)) |
| चूतपरता १११ | ६,१५७६ | द्रव्यदानम १९ | ५२,१९५३ | द्रघ्न्यात्नीज्याप | T 2433 | द्रौपदेयाभि | २७०७ |
| • | | | ` | | - '\44' | ×। ७५५॥ | २७०९ |

| द्रौपदेयाश्च | २७१४ | द्वात्रिंशद्भाग | २२७ ४ | द्वादश्यां तु शि | २८६८ | द्वावाददते | ८०५ |
|------------------------|------------------------------|--------------------|---------------|--------------------------|--|--|-------------------------------|
| द्दन्द्वं वै मिथु | २५६ | द्रात्रिंशदे क | #१ ४७२ | द्वादश्यां पूज | २८६९ | द्रावाददाते | १०७३ |
| द्दन्द्वं वै वीर्य | २६ ९ | | २२७८ | द्वादश्यां पौर्ण | २८६० | द्वाविंशतिः पु | |
| द्वन्द्वत्वेन स | ³ १ ४९२ | द्वात्रिंशन्मौक्ति | २८३७ | द्वादश्यां मण्ड | २८७७ | द्राविंशतिश | ७६६ |
| द्वन्द्वनिव्यजि | २१७६ | द्वात्रिंशांशं ह | १३७५ | | २८६० | द्वाविंशतिस्तु | १४९५ |
| द्वन्द्वान्तरोगा | # 2५२५ | द्वादशं शतं | २९१३ | द्वापरे चार्ध | १९८४ | द्वाविंशद्धस्त | २८७७ |
| द्वन्द्वार्तरोगा | | द्वादशगव | १३८ | द्वापरे तान्त्रि | १४१६ | द्वाविमौ प्रस | #५६७, |
| द्रयानि वै वा | " ২ৎ३ | द्वादशपण | २३१७ | | ६५४ | | १०३६ |
| द्रया वै देवा | ४२५ | Treat mil | १६५,३२७ | | २७४९ | द्वाविमी पुर | २७५६, |
| द्वयीषु न जु | २७४ | टाटरा एस | ३२६ | द्राभ्यां निवारि | ६०४ | | १७८४,२७९२ |
| द्वयेन वा ए | २८१,२९ १ | द्वादशमहि | २८८७ | द्राभ्यां मन्त्रय | १७७० | द्वावेतौ ग्रस | ५६७,२३७० |
| द्वयोः संबन्ध | २६५५, | I G IGSI LIIMIY | ३२५,३२६, | द्वाभ्याः राजन्य | ५२८ | द्वावेव सुख | २०१७, |
| 4 • · · | १६६५ | 1 | ३२७,३३३, | द्वाभ्यां समाभ्यां | २ १ ५६ | | *2086 |
| द्वयोः संवाद | . १६५५ | l . | ३३५,४२१ | द्राभ्यां हीनाभ्यां | | द्रासप्ततिम | ५७७ |
| द्वयोरहाल | १४४७ | द्वादश राज | १८५१ | द्वाम्यामुञ्छिन्नो | ,, २ १ ९५ | द्रासप्ततिवि | ٠,, |
| द्वयोरपि त | * १५७ ३ | द्वादश वा व | ३०५,३२० | द्वाभ्यामुपहि | 1111 | द्विकं शतं प | १३११ |
| द्वयोरपि पु | २१६३ | द्वादशवाह | २८८७ | 1 _ | ,, | द्विकर्णस्य तु | १७८२ |
| द्वयोरपीर्घ | 2866 | द्वादश व मा | | द्वारकादिपु | १४१५ | द्विकालं जल | १५४३ |
| द्वयोरप्येत | १५७३ | 3.3 | ३०४,३०८, | द्वारका श्रीगि | २९७८ | दिग्रबं सार≕ | |
| द्वयोरापन्न | २०२४ | | ३१८ | द्वारमावृत्य | २७२१ | द्विगुणं दैर्घ्य | १ ४७२ |
| द्वयोरिमं भा | २०३४ | द्रादशसाह | २२९६ | द्वारमाश्रित्य | . ,, | द्विगुणं द्विगु | 2900 |
| द्वयोर्द्वयोर्व्य | १५५६ | द्रादशसु वा | ₹ ₹₹ | द्वारशाखासु | १४७३ | | १२६२,२३०६ |
| द्वयोर्मध्ये चि | २१९ २ | द्रादशसु ।व | ४२१ | द्वारस्था पूज्य | २८९७ | द्विगुणं रसा | 2208 |
| द्वयोस्तु दक्षं | ६४९ | द्वादशहस्त | १४९६ | द्वाराणां च गृ | १४७५ | द्विगुणपक्ष | २७२७ |
| द्वयोस्तु व्यस | १५५३ | द्वादशांशेन | १४७३ | द्वाराणि विंश | १४९५ | | |
| द्रयोस्त्रयाणां | १४०५, | द्वादशाक्षरा | ४३५ | द्वाराणि षोड | | द्विगुणप्रत्या द्विगुणलोहां | २६१६ |
| | २३२९ | द्वादशाङ्गुल | २९८९ | द्वाराणि साध | | ाद्र गुणलाहा द्विगुणवेत | २२७२ |
| द्धाःस्थानां दिश | | द्वादशाङ्गुला | २२३६, | द्वाराण्येतानि | The state of the s | हिगुणादिर <u>हि</u> गुणादिर | १७०१ |
| द्याःस्थान्वर्षत्र | २६ ३२ | , | २२७५ | द्वारादेयं शु | | ाद्रगुणाद् र द्विगुणान्तरं | १४९५ |
| द्वात्रिंशतः क | 8 803 | द्वादशाढकं | २२९१ | द्वारार्थमष्ट | - 1 | द्विगुणान्तस्त् व | २७२ १ *२७ ४३ |
| द्रात्रिंशत्तु त | | द्वादशानां न | २ १८६५ | द्वारे गृहस्य | | द्विगुणान्त्यस्त्र्य | |
| द्वात्रिंशत्प ल | 1 | द्रादशाब्दप्र | 1 | द्वारे शोभां पु | 1 | द्धिगुणान् द्विग् | - / |
| द्वात्रिंशत्प्रमि | | द्वादशाभ्यधि | | द्रारेषु च गु | | व्ययुगान् । द्वर् द्विगुणायाः श |] # २९०० १३८६ |
| • | ३२ १ ,४३५ | | | द्रारेषु पर | | ाबसुगायाः स द्विगुणाश्च त | १२८५ २८३० |
| द्वात्रिशदङ्गु | | द्रादशेति म | | बार्य पर द्वावमी उद्ध | | हिगुणो दण्ड | |
| द्वात्रिंशद्गुच्छ: | | द्रादशैव ग्र | | द्वावपि प्रस्तु | | हिगुणा दण्ड हिगुणो हिती | २२९७ २०६२ |
| द्वात्रिंशद्वस्त | | द्रादश्यां च च | | द्वावपि मन्त्रि | | ाक्षराणो ५ स्ता द्विगुणो ५ स्तस्त्व | |
| • | \ 1 | | 7040, | מיזוז חויק | ६५७४। | । <i>श्र</i> रीयां रूपद्रत | २७३३ |

वचनसूची

| जिल्ला प्रकर | 23.0 | کب شهی | 05.05 | 1 Arraya | 22.42 | · Carran A | 2461 |
|--------------------------------|------------------|-------------------------|-----------------------|--|------------------|--------------------------------|-------------------------|
| द्विगुणो महा | • | द्वितीयं वर्ण | | द्विपला वर | | द्विषद्वलस्त्री | २४६५ |
| द्विगुणो याव | २२६ ० | द्वितीयः कुरु | | द्विपत्रुषवि | | द्विषद्भिश्चाति | • |
| द्विगोयुक्तं गो | २६५९ | | | द्विपाचतुष्पा | | द्विषन्तं कृत | १०७३ |
| द्विचतुर्दण्ड २७३ | | द्वितीयकाल द्वितीयमप | | द्विभागाधिको | | द्विषन्तं मे प | २९०६ |
| द्विचतुर्वाण ० - ० | २८४१ | | | द्विभूमिके पा | | द्विषन्मित्राद्यु | १२४५ ३ २ |
| द्विचत्वारिंश | २२७५ | í . | १३१२ | द्विमुहूर्ताव | | द्विषन्मे म्रिय | ३६२,३६३ |
| द्विजं विहाय | # १८२५ | 1 | २६५८ | द्वियोनिं त्रिवि | • | द्विषष्टिपल | २२७३ |
| द्विजदास्याय | १३५८ | द्वितीया च च | | | २५५२ | दिष्टदारो ल | १६८७ |
| द्विज वै द्यव | १४५९ | | | द्वियोनिं विवि | | द्विसप्तत्यां म | *२०५ २ |
| द्विजवैश्यव | e ,, | द्वितीयामस्य | | द्विरज्जुकः प | २२७५ | द्विसप्तत्या म | ,, |
| द्विजसेवार्च | २४१४ | द्वितीयायां च | २८६ ० | द्विरद इव | १९८६ | द्विसहस्रं प्र | ,, २७०३ |
| द्विजस्य क्षत्र | १६१६ | द्वितीयायां द | २४७४ | द्विरदमद | २५२३ | द्विहस्तं तोर | १४४९ |
| द्विजातय इ | ७०९ | द्वितीयावर | २९८८, | द्विरदानां प्र | २७१७ | द्विहस्तबाहु | १५२१ |
| द्विजातिः श्रद्ध | ५८२ | રઁ ૧ | .९०,२९९१, | द्विर ध्वर्युर्जु | ३१५ | द्वीपं पन्नग | ८५९ |
| द्विजातिसंभ | २८४३ | | .९२,२९९३, | द्विरह्नः स्नान | २३११ | द्वीपिचर्माव | २७७० |
| द्विजातीनां त्र | * १६ १७ | | ९९४,२९९५ | द्विरेफो गन्ध | * ९३२,९३८ | द्वीपिजं सिंह | |
| द्विजातीनामृ | | द्वितीये तु त | २५०६ | द्विर्हीता वष | ं३१५ | द्वापिज । सह द्वीपिजन्मव | २९७५ |
| द्विजानां परि | ८ ३ ४ | | २ ५० ५ २९१९ | द्विलयभागे | २४६९ | 1 | १४३९ |
| द्विजानां पूज ७२ | | | | द्विवितस्तिर | २२७५ | द्वीपिनं लेलि | १६९५ |
| | | | २६५९ | द्विविधं कथि | १९४७, | द्वीपिनः खड्ग | १६९४ |
| द्विजानां वच | ८०५ | | ९४४ | | १९४८ | द्वीपी जीवित | १६९५ |
| द्विजानां वेद | २८७५ | | २६ ०७ | द्विविधं कीर्त्य | २१८९ | द्वीपे निवासि | १४२९ |
| द्विजानां शत | | द्वितीये वह्नि | २५२८ | द्विविधं विजि | २८१७ | द्वे एव प्रकृ | १८६८ |
| द्विजानाममृ | | द्वितीये सति | १९०४ | द्विविधः कथि | १९८० | द्वे चामरेऽधि | २६७० |
| द्विजान् दीनान्ध | | द्वितीये स्नान | ९४४ | द्विविधस्य च | ५७० | द्वे द्वे सहस्रे | २३७ |
| द्विजान्विहाय | १८२५ | द्वितीयेऽहनि | # २५३९, | द्विविधस्य म | १३२६ | द्वेधा तण्डुला | २६५ |
| द्विजिह्नं वद | ११३१ | રેપ | ४३,२५४४, | द्धिविधां तां व्य | 1 | द्वेधाऽधिकं सा | १८४१ |
| द्विजिह्नमुद्वे | १७१६ | | २८६० | ाद्वापया ता प्य द्वि विधांस्तस्क | | द्वे प्रज्ञे वेदि | ४६७ |
| द्विजिह्ने वान | २४८२ | द्वितीयेऽह्नि त | २५३९ | ।द्वाप <i>पारतार</i> क | १४१०, | द्वे मुख्ये तत्र | १४९४ |
| द्विजे दानं चा | ७४९ | द्वित्रिचतुःस | १३७४ | ٥ | १६५३ | द्वे वेध्ये दुष्क | *१५१८ |
| द्विजोत्तमाय ९४ | २,२८५२ | द्विदण्डं वा | • | द्विवेदं ब्राह्म | १६२५ | द्वे वेध्ये पुष्क | " |
| द्विजोऽन्यो वा म | ११०२ | द्विदण्डो हस्ति | ŀ | द्विवेदब्राह्म | | द्वे वे शामस्य | રંપદ |
| द्विजो विष्णुक | २५२३, | द्विधनुःसह | २२७६ | द्विशतं वा श | २७५१ | द्वे शते धनु | * ₹ ६८ ४, |
| | | द्विनाडिका सं | ९५७ | द्विशीषिश्च द्वि | २४८९ | | |
| द्विट्छिद्रदर्शी | • • • • • | द्विनाम्नी दीक्षा | २४५ | द्विषतां कार | | १) टेबर्च क्ट | ७२७,२७३५ |
| . • | ` ` ` - | द्विनालिको गु | | द्विषतां रक्त | | दे राते पञ्च देष्टि दिष्ट उ | २७२२ |
| द्वितीयं तु त द्वितीयं दण्ड | | द्विपक्षो मासः | 1 | द्विषतो भीम | 2006 | दाष्ट्र । द्रष्ट्र उ | १८७९ |
| ।श्रवाय ५०७ | *14141 | · N 1211 -1170 | (,,,,,) | व्यवसार माम | र७६१ | द्रेष्यता शत्रु | १५५७ |

| द्वेष्यो भवति | १९४६, | ह्यौ तुटौ लवः | २२७६ | धनदस्य च | 3 ه ک | धनिकं चाप्र | ७६५ |
|------------------------------|--------------------|----------------------------|----------------|--------------------------------------|-----------------|-----------------------|-------------------------|
| | | द्वी दण्डी वल | २७२८, | | *८०६,८२६ | | |
| द्वे सती अशृ | # \$ 9 9 | | २७३४ | | १९७८ | | १४८९ १३६७ |
| द्वे सुती अशु | ,, | द्दी दर्शकी तु | २३४० | धनदेन स | | धनिकेम्यो मृ | १३६६ |
| दे हैं ते छन्द | ३३१ | द्रौ द्रौ ग्रेयौ च | १४८५ | | | धनिकोऽयं म | ९२५५ १९६५ |
| द्वैगुण्यमिति | २०५५ | द्रौ पक्षावनु | * २७३१ | | १४७६ | 1 . | १३८८ |
| द्वैधचित्तान्वि | १२३० | द्वीपक्षीबन्ध | " | धनप्रदाने | ८२० | धनिनः श्रोत्रि | ८२५ |
| द्वैधीभावं ग | २१९२ | द्रौ भागाविति | ८६६ | | १५१,१९८४ | धनिनो बल | २५९८ |
| द्वैधीभावं गु | २७०१ | द्रो मन्त्रिणो सं | १२७४ | धनप्राणोऽति | २३४३ | धनिष्ठादिच | २७०१ |
| द्वैधीभावं च | १७९९, | द्रा मासावृतुः | २२७८ | धनभोगसु | २८३५ | धनिष्ठादिषु २ | |
| | ५,२०८ <i>१</i> | ाटा गालस्यता | १४९५ | धनमनुभ | १००४ | धनिष्ठाद्यत्र | २४६२ |
| द्वैधीभावं त | | | २९२९ | | १३२७ | धनिष्ठाऽऽद्री व | |
| द्वैघीभावं स | ,, | द्री लवो निमे | २२७६ | 1 | १९९८ | धनुः प्रहर | १५०२ |
| द्वैधीभावं सं ९४६ | | द्रौ लोके धृत | ७८७ | धनमूलं ज | १३५६ | धनुः शत्रोर | ४९२ |
| | 3 | दी सैतिषरा | १२ | | १२०८ | धनुः शस्त्रं श | *२३६९ |
| द्वैधीभावः सं | ०,२०७३ ,२०७३ | | २५३ | | २३९० | धनुःश्रेष्ठानि | *१५१४ |
| क्ष्यामानः प | _ | द्यक्षरस्तु भ | १०५० | धनवान्धर्म | १३५९ | धनुः संपात | २५३३ |
| द्वैधीभावः स्व | ■ " २१९१ | द्ययनः संव | २२७८ | धनहानिस्त्व | १९६५ | धनुः सूची च | २७४१ |
| द्वैधीभावसं | 2049 | द्यास्या द्विजिह्या | ३९९ | , | १३८० | धनुरस्त्रं श | २३६९ |
| द्वैधीभावस्त | १९९६ | u= == - | २३ | धनहीनस्य | १३५९ | धनुराकृति | १४८० |
| द्वैधीभावस्य | २०७३ २०७३ | धत्त्रराणा व | १४७६ | धनहीने का | 8008 | धनुरिध्मे ध | २५३३ |
| द्वैधीमावि काः | ६७४ | धनंजय कु | २४४४ | धनाख्यं पूर्व | १४७१ | धनुर्गृह्य पृ | ११२३ |
| द्ववानात्यकाः द्वैघीभावेन | | धनंजये न | २४२७ | धनात्कुलं प्र | ५६०, | धनुर्दुर्गे म | * १४५३, |
| 2 | १५६९, | घनंजयो र | ४८२ | 8 | ३१३,१३८१ | | ४६१,१४७७ |
| २१९० | ,२ू१९१, | धनं धर्मप्र | १०५१ | धनात्स्रवति | ६०६ | धनुद्रेब्यत्र १५ | ५१०,१५ २२ |
| | २१९२ | धनं धर्माय | ११३३ | धनाद्धि धर्मः । | ५६०,१३१३ | धनुर्द्दन्द्वं म | १४९३ |
| द्वैधीभावो द्वि | २१९१ | वनं धमार्थ | ७४६ | धनाद्यैरुप | १५७८ | धनुर्धरास्त | १५४३ |
| द्वैधीभावोऽप | २१९२ | धनं भोगं पु | #{0८२, | धनानां रक्ष | ६२० | धनुर्धारी भ | २३३६ |
| द्वैधीभावोऽय | ,, | • | # १६९९ | धनानां राक्ष | * ,, | धनुर्बिभर्षि | ६७ |
| द्वैषीभूतो वा | | धनं भोज्यं पु | | धनानामीश्व | १३८२ | धनुर्यूपो र | १०५७ |
| दैधीभूतो हि | २०५९ | | | धनानि गौः व | हा २९२५ | धनुवैदं स | १५१४ |
| द्वैपवैयाघा | २८८१ | धनं वा पुरु | - 1 | धनानि तेम्यो | 1 | धनुर्वेदवि | २८०६ |
| द्वैपायनेन | | धनं संरक्ष १३७ | | धनानि भोगा | | धनुवेंदस्य | ५५३ |
| द्वैपायनो य | | धनं हरति | | धनापहार #२ | | पतुर्वेदार्थ | |
| द्वैराज्यमन्यो | | पग हराता धनंहिक्षत्रि | | यनापहारे क रा धनापहारे | | | ७४७ |
| द्वैराज्यवैरा | | वन हि सात्र धनत्यागः सु | 1 | | | धनुर्वेदे ग <u>ु</u> | १५१४ |
| द्यौ चेत्केन्द्रति | | | | धनाभिजन | i | धनुवेदे च | \$ 2 5 8, |
| | ,,,,, | धनदस्तु कु ७६ [.] | 5, T T C S 1 | पना। मजात | # ,, ' | | ८६५,८६७ |

| *** 0 | | | | | | | |
|-------------------------------|----------------|---------------------------------|---|--------------------------------------|--------------------------|-------------------|----------------|
| धनुर्वेदे ति | | धन्विनो रक्ष | | घमें संरक्ष | | वर्भज्ञाः ग्रुच | २३५२ |
| धनुर्वेदे न | १५१४ | _ | | धर्म संहर | ५५९ | धर्मज्ञा दृढ | १६३९ |
| घनुर्वेदे ऽश्व | ८६४ | धन्वी बाणस्त | #२ ९६१ | धर्मे समाच | ६४८ | | १०७२ |
| धनुषां क्षेप | १४६४ | | २९७९ | । धर्मः कामश्र | . ५५९, | धर्मज्ञानां स | १०९९ |
| धनुषां द्वे श | २७०२ | घरण्यां पाद | * ,, | 1 | १३१३,१३२७ | | २६६९ |
| धनुष्कोटया म | ७९२ | घरण्यां स्थाप | | धर्मः प्रतिवि | | 22 | १८०९ |
| धने धान्यादि | १४९७ | धरामरान्प | ०१७ | धर्मः प्रमाणं | ५६५ | धर्मज्ञो गुण | *ሪ४७ |
| धनेन जय | १३२४ | घरित्रीपाल | ७३८,७४७ | धर्मः प्रोक्तः | | धर्मज्ञो गुरु | * ,, |
| धनेन दर्पे | ६६५ | धरो ध्रुवश्च | *२९५८ | धर्मः शरीर | ६२२ | धर्मजोऽस्मि ३ | पु २०३१ |
| धनेन पूज | २५४१ | घरो रुद्रश्च | ,, | धर्मः ग्रुमं व | | धर्मणा मित्रा | ३६ |
| धनेन ब्राह्म | २९१० | धर्ती कराणां | १३६० | धर्मः श्रेयस्क | | धर्मणा वै दे | ३५१ |
| धनेन मह | १२१९ | धर्ता धुर्यो धु | २९७७ | धर्मः संशब्दि | | धर्मणैव ध | " |
| धनैर्विशिष्टा | १०८३ | धर्तारा चर्ष | १ | धर्मः सत्यं त | | | " |
| धनोगवः क | # १ ४६९ | धर्त्री दिशां क्ष | ३३९ | धर्मः सुचरि | ५५७ | धर्मतः कार | ७२१,१३८४ |
| धनोरिध वि | १७, ३६७ | धर्म एताना | १८०९ | धर्म क र्मक्रि | १८०१ | धर्मतः पाल | १२४६ |
| धनोष्मणा प | १४०९ | धर्म एव स्थि | ७२९ | धर्मकर्मस | *२३६३ | धर्मतः सह | १६१६ |
| | | धर्मे कृत्वा क | २४२८ | धर्मकामादि | १५७८ | धर्मतत्त्वं हि | ११५६ |
| धन्यं यशस्य ६ धन्यं यशस्यं | | धर्मे कृत्वा म | ६११ | धर्मकामार्थ | ५४०,५४२, | धर्मतो नीति | २०१४ |
| | २८६७, | धर्मे च रक्ष | #५६१ | | • १२, १२ ९ ७, | धर्मत्राणं पु | २४३६ |
| ₹ | ५०७,२९८६ | धर्मे चार्थे च | ९४३ | | २९८,१३६५, | धर्मदारान्व | १६०१ |
| धन्यः स्यां यद्य | १०९४ | धर्मे ज्ञानं च | २९८८ | | | धर्मदारेषु | ७५४ |
| धन्यानि तु नि | २६६९ | धर्मे तवापि | ६३८ | धर्मकार्ये य | १५८२,१७६२ २००३ | धर्मदोषप्र | # ₹₹९९ |
| धन्या यशस्या | २८८४ | धर्मे तुयः प्र | २४२८ | धर्मकार्याण | २००२ १०६५ | धर्मद्विविधे | १७७९ |
| धन्योऽसि रे यो | - 1 | धर्मे द्वैतव | ७६ ३ | धर्म कृत्येषु | २३५२ | धर्मधृतमे | ४६४ |
| धन्योऽस्म्यनुगृ | ८४६, | धर्मे धर्मभृ | 1 | पमग्रुतिः ग्र | १११७ | धर्मधृत्या जु | " |
| • | # २९३७ | धर्म धर्मेण | | ^{यसञ्जाता} ख धर्मचर्या स | | धर्मनित्यं स्थि | १२४० |
| धन्वदुर्गे म | १४४१, | धर्मे पुत्राग्र | | यमय्या स धर्मच्छद्म स | 33-1 | धर्मनित्यः प्र | 2000 |
| १४५ | ३,७१४६१, | धर्म पुरुष | | यमण्डम स धर्मच्छद्मा ह्य | | धर्मनित्या पा | * २४२७ |
| . • | १४७४ | धर्म पूर्व ध | | यम च्छन्ना ह्य ध र्मच्छलम | | धर्मनिश्चय | १०८५ |
| धन्बदुर्गम | १४६० | धर्म पूर्वे ध | | धर्मशंच क | | धर्मनिष्ठाञ्श्रु | १०६५ |
| धन्वनः सह | १४६५ | धर्मे प्रहाद | * ,, ६२८ | | | धर्मनिष्ठे ज | २७९० |
| धन्वनागाघ | ४९२ | यम त्रहाद धर्मे प्राप्य न्या | | धर्मज्ञः सचि | i i | | ३२,११५२ |
| धन्वनागेति | | धर्मेवावद | | वर्मज्ञः सत्य | | धर्मनी तिवि | |
| धन्वना मह | | धर्म विचर | १८९० | ·· 1 () () () | | धर्मपत्न्यस्त | ११५३ |
| धन्वना सह | * ,, | धर्मे विनश्य | | धर्मज्ञः सर्व | | | २९५६ |
| धन्विनः चर्मि | # ₹७३२ | धर्म शंसन्ति | | | १२३,११८२, | धर्मपत्न्यो द | \$ 33 |
| धन्बिनामनु | | धर्म ग्रुभं वा | ६६५ | 38 | , ६८, * २००६ | यमपाठक धर्मकरू | १९७० |
| | | | • | 24 | , ~~; * ~ ~ 0 0 & | वसपालक | 4 ,, |

| ध _{र्मपालो} ऽक्ष | દ શ્પ | धर्मराजेन | २७५९ | धर्मसंस्थाप | ११५२। | धर्मात्मा यः स | ६०८ |
|---------------------------|---------------|-----------------|-------------------------|--------------------|------------------------|------------------|----------------|
| भूपाशनि धर्मपाशनि | | धर्मराजोऽपि | २९३७ | धर्मसमवा | ४७७ | धर्मात्मा सत्य | १०६०, |
| धर्मपुत्रो रु | | धर्मलब्धाद्धि | २७६७ | | ४,१५०६ | | ११७६ |
| धर्मप्रणारो | | धर्मलाभोऽर्थ | २७८८ | धर्मस्तु ते व्य | १०५४ | धर्मात्मा हि सु | १०३४ |
| धर्मप्रत्यय | ६१८ | l. | २३९९ | धर्मस्ते निख | २९३४ , | धर्मादर्थोऽर्थ | ७५१, |
| धर्मप्रधानं | १११८ | 1 | १२९३ | | २९७१ | | ३३,१६०५ |
| धर्मप्रधानो | ६१२ | | # १०५२ | धर्मस्ते पर ६६ | ७,१९७० | धर्माद्विचलि | ६८८ |
| धर्मप्रवर्त | ८३१ | | ६११ | धर्मस्थास्त्रय | १८१४ | धर्माद्वैजव | ११२५ |
| धर्मफलम | | धर्मव्यतिक | १०४७ | धर्मस्य कार | ७५० | धर्माद्वै यव | * ,, |
| धर्मभागं म | १४१८ | धर्मब्युच्छित्त | | धर्मस्य ब्राह्म | ६०७ | धर्माधर्मप्र | ८३२, |
| धर्ममपि लो | १११५ | धर्मशास्त्रं पु | ८८६, | धर्मस्य मूल | ११०५ | | ११५४ |
| धर्ममर्थे च | ५३८,६६५, | | ८२२,२९६६, | धर्मस्य शील | ६२४ | धर्माधर्मफ | ६३० |
| | ७४२,९५७, | - | २९७७ | धर्मस्य ह्यंश | १०२५ | धर्मा धर्मव | २९९७ |
| १ | १०६,१ं२२३,ं | धर्मशास्त्रपु | ८८९ | धर्मस्याऽऽख्या म | - | 1 | १०,१२८८ |
| | २४६,१७६८, | | १५०१ | धर्मस्याऽऽनृण्य | २३८२ | धर्माधर्मी त्र | ८६८ |
| | १८०५ | धर्मशास्त्राणि | ९१० | धर्मस्यापच | १५०४ | धर्माधर्मी वि | १४२३ |
| धर्ममर्थे चा | २६ २१ | धर्मशास्त्रानु | १८१८, | धर्मस्यार्थस्य | १३८२ | धर्माधर्मी सु | ९२७ |
| धर्ममाचर | १०४० | 1 | ८२६,१८२७, | धर्म खानां भ | ३५१ | धर्माधिकर | १४६२, |
| धर्ममाराध | १०६६ | , | ,० (५, १० (०, | धर्महेतोः सु | १३८१ | १४ | ८५,२३३७ |
| धर्ममिञ्छन | . ९९५ | धर्मशास्त्रार्थ | १८२३, | धर्महेतोस्त | १३६४ | धर्माधिकारि | १८२९, |
| धर्ममूलत्वा | १९३२ | . ; | ८२४,१८३०, | धर्मीश्च स्थाप | २७५८ | | \$ २३३७ |
| धर्ममूलस्तु | ६२२ | #3 | २१०, क ्र३५९ | धर्मांगमो र | क्र४१८ | धर्माधिगतः | १३३४ |
| धर्ममूलां श्रि | १०४१ | धर्मशास्त्रेषु | ७ ६६ ० | धर्माचारवि | १२४६ | धर्माध्यक्षः स | २३५२ |
| धर्ममूलोऽर्थ | ७४५,७४८ | 1 - | १८६५ | धर्मीच ब्रह्म | ६२१ | धर्मानुष्ठाने | ५७१ |
| धर्ममेकेऽभि | रं००९ | t . | १४२९,१९८५ | धर्माच्छरण्य | ६६६ | धर्मान्वितान्सं | ६२४ |
| धर्ममेतद | #१०६७ | 1 | १२४५ | धर्माच्छरीर | *६२२ | धर्मान्वितेषु १० | ८२,१२४४ |
| धर्ममेतम | 97 | धर्मश्च वृद्ध | *२९६४ | धर्माणामवि | १०८१ | | कं २७५८ |
| धर्ममेव प्र | હે ૬ | 1 - | " | धर्मातिक्रमा | ७७२ | 1 | १२८७ |
| धर्ममेवानु | ६११ | 1 | ૨ ९९४ | धर्मात्मनां क्व | २०१३ | धर्माभिचारि | २०४५ |
| धर्ममेवाभि | १०८१ | ı | २४४९ | धमीतमा गुरु | ८४७ | धर्माय चैव | २७५७ |
| धर्मयुक्तस्त | २८६५ | 1 1 2 1 2 | ५७७,५९७, | धर्मात्मा तेन | १२२१ | धर्माय नित्य | ७७० |
| धर्मयुक्ता द्वि | ६१६ | | ६१०,७४४, | धर्मात्मा धर्म | १६१७ | धर्मीय राजा | ६०५ |
| | १७९४,२८१२ | | १८२२,१९९६ | धर्मात्मानं जि | ६२७ | धमीरण्यं फ | २९६८ |
| धर्मयुद्धैः कू | र६९०, | 1 | 999 | धर्मातमानः कृ | १६१४ | | ५९७ |
| - 4 | २८१ २ | | ५६७ | धर्मात्मा पञ्च | १२०९, | | १३२६ |
| धर्मरक्षा नि | # ₹९९७ | 1 | | | १२८८ | | १३६३, |
| धर्मरक्षा वि | * (1,5 | 1 | ** १३६४,१४२३ | धर्मात्मा मन्त्र | # 8 ६ 8७ | · · | १३६४ |
| | " | 1 | | [ननारमा मन्त्र | -37,0 | 1 | • • • • |

| धर्मार्थे क्षीण | 936 | , धर्मार्थौ वेदि | | 1 | | - 200 -0- | |
|------------------------------|-------------------|-------------------|-----------------|------------------|---------------|---------------------------|--------------------|
| વનાવ જાળ | | | | , धर्मेण राज्यं | | धर्मोन्नि नी ष | १९८१ |
| - 22 | १७३८ | | ८६५,#८६५ | | ६६६ | 1 34 - | #१३५० |
| धर्मार्थे च हि | | धर्मावसथि | | २ घमेंण रुब्धु | *१३५१ | 4 | १२३० |
| धमाय चव | | धर्माविरोधि | | र घर्मेण लब्ध्वा | १८५९ | धर्मी योऽसावा | ५९१ |
| धर्मार्थे मल | ११ १८ | 1 | ६८० | धर्मेण वर्ध | ११२६ | | |
| धर्मार्थे युध्य | ६०३ | | ५८० | | ३५१ | धर्मो वै वेदि | |
| धर्मार्थे रोच | १०६६ | 441242 | . # ,, | घर्मेण व्यय | १०६५ | | १४,१९७४ |
| धमर्थिकाम | ५३१,५७८ | धर्मासनग | ८१५ | धर्मेण शास | ८०६,८२६ | धर्मी हि पर | *६६७ , |
| ७४५ | ५,७६०,८८८ | ्रधर्मासनप्र १ | १३७,१८२६ | धर्मेण सर्व | ५७९ | | #8900 |
| | ६५, ७ १०१२ | | १८२८ | धर्मेण हि म | ५९७ | धर्मी ह्यणीया | १३२० |
| | ०८८,१२३० | | ८२० | धर्मेणार्जितु | * १३५१ | घम्ये पथ्यं य | १८९५ |
| | २४१,१२७२ | | १८११ | | | धर्म्ये स्वग्ये च | २४५१ |
| | २९८,१३८३ | | * ,, | धेंमेंणैनं सं | * ,, ३५६ | धर्म्यमर्थ्ये य | #8694 |
| *\$1 | ५८२,१७६३ , | धर्मासि सुध | ४१९ | 1 | १३ ५९ | धर्म्यमाकाङ्क्ष | 600 |
| \$ | | धर्मिष्ठान् धर्म | १७११, | धर्मेणैव प्र | | धम्याः पापानि | २३९७ |
| धर्मार्थकामा | ५५७,७७७ | | 20/ 2330 | | ५७२ | धर्म्यामारेभि | १४२३ |
| धर्मार्थकामाः | ६२२,६४९ | धिर्मिष्ठान् व्यव | ਬਿਲ ਹੈ | 1 | ६४७ | धर्म्येषु दानं | ८२० |
| धर्मार्थकु श | २०१९ | धर्मी गृही वा | १०६७ | धर्मेणोद्धर | ७२२ | धर्षणीयो रि | ५७१ |
| धर्मार्थगुण | २३८८ | धर्मे च नाप | | धर्मे तिष्ठन्ति | १८२२ | धर्षितं च ज | ५७५ ६६४ |
| धर्मार्थ प्रति | १५९२ | धर्मे च निर | क्षद् | | ६०६ | भातवश्च शि | |
| धर्मार्थप्राण | १५७८ | 1 44 4 14 1 | | धर्मे त्वयाऽऽत्र | | | २८३५ |
| धर्मार्थविदु | प२ | 1 4.4 41.44 | १८९८ | धर्मेन वर्त | ७५० | भाता कृष्टीर | * ६५ |
| धर्मार्थशास्त्र | २२१०, | 74 417 4 | पद्य,दश्द, | | १८२६ | धाता ददातु | ∦६ ४ ३ |
| | २३५९ | Ĭ | ९३,११७४, | 1 | | धाता दधातु | ६४ |
| धर्मार्थशास्त्रा | २५२३ | १७१ | १,*१७६२, | | ११२३ | धाताऽपि हि स्व | २३७३ |
| धर्मार्थ सहि | ६११ | | २३३९ | धर्मे वर्त्मनि | १०५२ | धाता पुत्रं य | ६५ |
| धर्मार्थहिते १ | | धर्मेण कामा | १११८ | | ६०६ | घाता प्रजाना | # ,, |
| धर्मार्थावसि धर्मार्थावसि | | धर्मेण च म | %५९७ | धर्मेश्वरः कु | २४३३ | वाता प्रजाया | " |
| | ५५८ | धर्मेण चय | #१५०७ | धर्मेषु दानं | #220 | गता मात्राः स | ८२१ |
| धर्मार्थाव <u>धु</u> | १३१४ | धर्मेण जय | | धर्मेषु निर ५१ | ६८,१२०८ | नाता मित्रोऽर्थ | २९५९, |
| धर्मार्थावनु | ५५७ | 1111 5 1 | | धर्मेषु स्वेषु | १०५९ | | २९७६ |
| धर्मार्थाविरो | ७७५,९२१ | | ६४७ | धर्मे स्थिता स | *५९७ । | वातारं गई | २००८ |
| धर्मार्थे कल्पि | ७२८, | धर्मेण निध | २७६६ | धर्मे स्थिता हि | ६११ | गता रातिः स | ६५,३८८ |
| . * . | १३५८ | धर्मेण पुरु | ५९६ | धर्मो ज्ञानं च | *3966 | गता विधाता | २४०८ |
| धर्मार्थौ धर्म | | धर्मेण पृथ्वीं | २८२७ | धर्मोतिथता स | 1 | गता विश्वा वा | |
| धर्मार्थौ यः प | | धर्मेण यज | १०२७ | धर्मोदयं सु | | गतुपात्राण वातुपात्राण | ६ ४ ३८३७ |
| धर्मार्थौ यत्र | ११५६ | धर्मेण रञ्ज | | धर्मो नाम म | | _ | २८३५ |
| धर्मार्थी विदि | | धर्मेण राज्ञो | १८५९ | | | बातुरब्रो मु | # २९६० |
| | • | | v - v 81 | | # 2 8 2 € L | वातुरुयो ध्व | " |
| | | | | | | | |

| घातुरुग्रो मु | | धान्यानां संग्र | १३६८ | ८ धार्मिकं पाल | ८२८ | घिष्व वज्रं द | ર ષ |
|------------------------|--------------|------------------------------------|---------------|---|----------------|----------------------|---------------|
| घातुवादप्र | १३८३ | १ धान्यानामष्ट | १३३५ | धार्मिकः कुला | ११९७ | धिष्वा शवः शू | ३७३ |
| घातुसमुत्थं | २२४३ | १ घान्यानि चाथ | २९८५ | धार्मिकः सत्य | | धीभिः कृतः प्र | ५०७ |
| घातुसांकर्य | ८९४ | | #२९२ ५ | धार्मिकश्च ज | १४४२ | धीमतां सत्य | २७६२ |
| घा <u>त</u> ुस्तथेज्या | २९२९ | | ९८३ | धार्मिकस्याभि | | धीमन्तो वन्द्य | 2888 |
| धातोः सूत्रं मा | १ ३७४ | | १४८४ | | | धीमानायति | १२५० |
| घा तोश्चामीक | २४१० | 1 | | | | धीमानुत्सा ह | २४१० |
| धात्रा परोप | १०८६ | धान्येऽष्टमं वि | १३५० | i | २२०९ | धीमान् सत्यधृ | * १६३२ |
| धात्रे पुरोडा | १४० | | २६१५, | | २१६० | धीरं शूरं म | *१२४४ |
| धात्र्या हस्तग | २०३५ | | ६२८,२८०६ | 1 | * ₹९९७ | घीरं श्लक्ष्णं म | |
| घात्वन्तरस | १३८२ | | २ ६,४९ | 111111111111111111111111111111111111111 | #2860 | | ,, १०६१ |
| घात्वाकराणां | *१३६० | | ९०२ | 1 | २७६ ३ | धीरा इन्द्राय | * ₹ ९२ |
| धात्वादीनाम | २८४७ | | २८३१ | 4114131111 | २००६ | धीराः कष्टम | ७४६ |
| घात्वौषधीनां | ८९४ | 1 | ६६६ | , , | ११८० | धीराः कुच्छ्रम | ६८२ |
| घानुष्काणां त्र | २६७१, | | * ,, | धार्म्य ग्रुल्कम | १३०८ | धीरा देवेषु | |
| | २६७२ | | १५१२ | घार्यश्च पृथि | २८३१ | पारा ५५५ | ₹८४, |
| धान्यं भहात | २८५८ | धारयन्त आ | ३० | धार्याः सुस्वान्त | १७५२ | | ३९२ |
| धान्यकल्पं सी | २२५८ | धारयन्ति च | २८२९ | 1 | १४६८ | धीरा नराः क | २३७५ |
| घान्यपशुहि १३२ | ९,१३९० | धारयन्ति ज | ७४२ | 1 | २९९७ | धीरैरलो ख | १८२९ |
| धान्यमाषा द | २२७० | धारयन्ति म | ८०५ | वायन्छ ।यन्य | ५०७ | धीरोऽमर्षी शु | <i>६११७५</i> |
| घान्यमूला हि | २०९६ | धारयिष्यति | २८६५ | धिक् क्षमामक | *१९६९ | धीरो मर्षी ग्रु | ۷ ; |
| धान्यमूल्यं को | २२५७ | धारयेत्पर | १८०५ | धिक्तं पुरुषं | 909 | धीरो यथोक्त | १े६७२ |
| धान्यरसलो | १३३० | घारयेदथ | # १४६३ | धिक्तस्य जीवि | ११०२, | धीवरा नसृ | ११२२ |
| धान्यवस्त्र ग्ट | १८४२ | घारयेदश्व | " | | 7.1 | धीस त्वोद्योग | १२६१, |
| धान्यवस्त्रस्व | ९६२ | धारयेहक्षि | २९०७ | धिक्राब्दो हि बु | २०३२ | | १७३० |
| धान्यवी शस्त्र | १४८३ | धारयेन्ट्र प | १२७०, | धिगस्तु क्षात्र | i | धुन्धुमाराच | १५०७ |
| घान्यशाकमू | १३९६ | | • | धिगस्त्वमर्षे | | धुरमुद्यम्य | १०८४ |
| धान्यषड्भागं | | धारादानं प्र | २९०४ | धिग्दण्डं प्रथ | * १९७ २ | | २७८८ |
| १३२७ | 1 | धारादानेन | | धि ग्दण्डस्त्वथ | | धूतपाप्मा जि | *2840 |
| धान्यसंरक्ष | | धारा वारिध | ,, २९९१ | | | यूपंच विवि | २८५१ |
| घान्यस्नेहक्षा | 1 | धाराहोमश्च | | धिग्धिक् शरीर | | यूपदा ने न | 980 |
| धान्यस्य दश ७९६ | 1 | धार्तराष्ट्रः स | | धिग्बलं मृग | | रूपदीपन | |
| धान्यहैरण्य | | भार्तराष्ट्र स्य | 1. | धिङ्मामस्तु सु | | • | ७३९ |
| धान्याकस्य त | #963 | • • | 1 | धिया धीरो वि | 22.02 | रूपमाल्यह — े : | १४४४ |
| धान्यादेविंव | | | امعموه | धिया सर्वान्सं | | यूपशेषं रा | २८५१ |
| का र्या केश | 1 | धार्तराष्ट्रा ण्य | 1001 | | १२४५ ह | प्राश्च देया | २८०७ |
| धान्यानां च त | | धार्तराष्ट्रेषु प्रार्टिकं कारि | | धिष्ण्या आहव | | प्रेन चान | २८५० |
| | र सदर। | धार्मिकं जाति | १९२०॥ | धिष्ण्यान्येतान <u>ि</u> | २४७१ ह | ्पो वासग्र | १४६९ |

| | | | | | | | • |
|----------------------------|---------------|------------------------------------|----------------|-----------------------|----------------------------|------------------|----------------|
| धूपो वासो ग्ट | #१४६९ | े पृतिं चैवानु | १२५६, | चिनुकाश्चोष्ट् | २७०३ | ध्रुवायै त्वा दि | ७६ |
| धूमं ध्वजाः प्र | * 2888 | | १२६० | | २५ ९ | | #58 |
| धूमकेतुर्म | २४९० | धृतिः प्रशस्ता | २८३१ | घेनुर्दक्षिणा | ११४ | | # ,, |
| धूममझि प | ५१३ | धृतिः प्रागल्ग्य | ११८३ | | १४२,२८५५ | | ર १ ५२ |
| 'धूमम्' इति धू | | 1 - | ११७३ | धेनूनां द्वाद | | `I <u> </u> | २९८५ |
| धूमश्चानमि | २९२३ | धृतिमन् त म | •२ ३ ९२ | धेनूरनडु | ११०१ | lead narri o A | ८४,२८८५ |
| धूमाक्षी संप | ५२० | धृतिमन्तश्च | २५९७ | धेनोः शीलज्ञः | १७०८ | ध्वज ममच्ट | २८९७ |
| धूमाग्निरजो | २७०० | धृतिमान्देश | ,, | धेन्वामेव प | ४२४ | ध्यसम्बद्धाः | २५२ ३ |
| धूमादभ्रम् | २७८ | धृतिमान्मनु | # ૨ ९५९ | | २४९७ | ध्वयच्छत्रप | २८९६ |
| धूमायन्ते ध्व | २४९४ | धृतिदक्षियं सं | १३१९ | la | *? ३ २७ | ध्वजदानेन | ७४० |
| धूमायन्ते व्य | २१३३ | धृतिर्वपुर | # २९६० | भैयचि कुरु | ****** * ? ७ ६ ५ | ध्वजमूलम | २२८० |
| धूमार्चिनील | ९८६ | भृतिर्वसुर | २९७७ | घौक्यं घौक्षस | # १ २४४ | ध्वजमूलोप | २२७९ |
| धूमिता सातु | २५०८ | घृतेऽपि मन्त्रे | १७९३ | घौताघौतवि | २३ ४३ | ध्वजमेतं प्र | २८६७ |
| धूमो वायोरि ६३ | • | 1 | २८७७ | ध्यायतः किं न | #1901 | ध्वजस्थानमे | ९७० |
| धूर्तःस्त्रीवाशि | १२८० | धृत्वा वृक्षं त धृष्टं शूरं प्र | २८७७ १०६८ | ध्यायन्तं किंन | | ध्वजस्य परि | २८७५ |
| धूर्तता शाख्य | ११३६ | घृष्टकेतुर्न | २७१ २ | | " | ध्वजाः समुच्छ्रि | २९४० |
| धूर्ताः संदर्श | ११५५ | घृष्टद्युम्नं च | | _ | २४९४ | ध्वजाग्रे चेदि | २४८५, |
| धूलीं मरक | १३६३ | 25301 4 | २३५६, | ध्यायन्तमर्जु | १९०२ | | २९१७ |
| धूलीमरक | २८३० | ਮੁਕਤਾਤ ਨਿ | २७६० | ध्यायन्ति यां यो | | ध्वजाग्रेषु वि | २८३९ |
| धृतदण्डस्य | १०५४ | भृष्टद्युम्नः शि • | २७१० | ध्यायन्ननेन | २५२९ | | २५ ०६ |
| धृतप ल्यय | २८९१ | धृष्टद्युम्नमु भारतान्यः | १८९९ | | २९३९ | | २८८७ |
| धृतराष्ट्रः सु | ८४१ | धृष्ट सुम्नश्च | २७०७, | • | २५,२९ | ध्वजानां हनु | " |
| भृतराष्ट्रम | १८९१ | | #2000 | ष्रुवं चाभाव | २३८८ | ध्वजान् षडत्र | २८४५ |
| धृतराष्ट्रश्च ८६४, | २४४३, | धृष्टद्युम्नस्त | | ध्रुवंत इन्द्र | ९१ | ध्वजार्थे तत्त्व | २८७४ |
| | ,,२९६० | भृष्ट्युम्नस्य | | ध्रुवं ते राजा | ,, | ध्वजार्थे देव | २८७७ |
| भृतराष्ट्र स्त्व | ८४० | | | ध्रुवं ध्रुवेण | ,, | ध्वजार्थमन्य | # 2८७४ |
| धृतराष्ट्रस्य २ ४४३ | ,२७०६ | भृष्ट्युम्ने न | | ध्रुवं प्रज्वलि | ७२४९१ | ष्वजार्थे देव | ,, |
| भृतराष्ट्रात्म - | २३५४ | धृष्टद्युम्नो वि | | ष्ट्रवं प्राप्स्याम | ८४१ | ध्वजार्थे वर्ज | ,, |
| धृतराष्ट्रोऽ पि | १८९१ | घृष्टवन्तम | 2202 | ध्रुवं युधिष्ठि | २३५६ | ध्वजिनीं च स | #२३६५ , |
| धृतराष्ट्रो म १८८५ | 1 | धृष्टावदाता | امتنونا | ध्रुवं विश्वमि | ९१ | | २६८८ |
| धृतराष्ट्रो य | २९३६ | घृष्टिर्जयन्तो | ! | ध्रुवः प्रज्वलि | | ध्वजिनीं तु स | २३६५ |
| • | | | i i | भुवस्तिष्ठासि | १०७ | ध्वजो वा कार | २८९४ |
| धृतराष्ट्रो ल्मु | २१३३ | धृष्णुत्वे हि प | í | ध्रुवाणि वैष्ण | २९४७ | ध्वजो रथस्य | ८०४ |
| धृतव्रताः क्ष | 1 | धेनुं चारोगा केनं असि हि | | ध्रुवा दिग्विष्णु | ४७ | ध्वाङ्क्षाः शकुन | ५१६ |
| धृतव्रताय | 8 | धेनुं भूमिं हि केन्य प्रतित | | ध्रुवा चौरिति | २९१०, | ध्वान्तं वाताग्र | २४ ३ |
| धृतव्रतो वै | | धेनुः प्रतिह | ३२६ | २९। | १४,२९७ ५ | ध्वान्ता वाता अ | |
| घृताधरो त्त | ९६५ | धेनुकाःया शि | રહ4૨' | ध्रुवा चौर्ध्रुवा | ९१ | ध्वान्ता वाताम्र | ** >> |
| | | | | - | - • • | ं संस्थान | * 99 |

| | | 2 | | l | | , , | |
|------------------------|-----------------|--------------------------|---------------|------------------------------|-----------------------|-----------------------------|----------------------|
| न ऋते त्वतिक | | न कार्येन च | | न कृतस्य न | | नक्षत्राणि क | २४३६ |
| न ऋतेऽर्थेन | | न कार्ये भृत १७५ | | | * १४६ ९ | नक्षत्राणि ग्र | २९८३ |
| न कदर्यः क | | न कार्यकालं | | न कृत्या कर्म | ;; | नक्षत्राणि प्र | . २९४७ |
| न कन्योद्रह | ५६४ | न कार्यमिह | | न केती नृप | | नक्षत्राणि मु | २९८४ |
| न करोति त | | न कार्यव्यास | | न केनचिद्या | | नक्षत्राणि वि | २९ २७ |
| न कर्णनासा | २८२४ | न कालनिय | | न केवलं गा | | नक्षत्राण्युप | १०७३ |
| न कर्णिकैर्ना | * ₹७७८ | न कालवर्षी ११५ | | | १९५२ | न क्षत्रियार | २७५ ९ |
| न कर्णिभिन | २७५ ४ | न किंचित्कस्य | १३५८ | न केवलाभ्यां | २०८० | | २९१३ |
| न कर्णिभिनी | २७७८ | । न । काचत्काच | १७८९, | न कोशः पर | १०६० | न क्षमाद्यक | १९६९ |
| न कर्णीन त | २७८७ | | १९३८ | न कोशः ग्रद्ध | १३२५ | न क्षिपेद्वच | १७१७ |
| न कर्तव्यं वि | २४२ ९ | 13 161.443 | | नक्तं गाईप | ४२२ | न क्षीरवृता | ११६३ |
| न कर्तु शक्य | १८४७ | न कि व देन्य | *₹६८ | नक्तंचरा र | १४९६ | | १३०१ |
| . गण्डसम् नकर्मकुरु | १३१६ | 41.40 | ३२ | नक्तं राजन्यः | ३४६ | न क्षेत्रजादीं | ८५९ |
| न कर्म कुर्या १५ | | नि कुल्प तप | १०५४ | नक्तमेव च | २५९९ | न क्षेत्रे स्थाप | २२८९ |
| न कर्मणां वि | | ान कुपारवह | १७४६ | न क्रीडयेद्रा १२ | | न खड्गे वद | १५१२ |
| | २४२८ | . 3 | १२६९ | न क्रुरवारे | ११२५ | न खलुं कपिः | १००५ |
| न कर्मणाऽऽप्ने | | 1 4 34 113 6.11 | १७५५ | न क्रोधं जन | ७२८ | न खल्ज कुला | १३८० |
| न कर्मणि नि | | न कुर्याद्विप्रि | | न क्रोघोऽभ्यन्त | १९०६ | न खल्ज तथा | १८०२ |
| न कर्मणि वि | | न कुर्वीतान्त | १३२३ | न क्लीबस्य गृ | १०५० | न खलु दैव | २४१८ |
| न कर्षयेत्प्र | १७४४ | नकुलं ते व | १९०२ | न क्लीबो वसु | | न खछ दोष | २८४४ |
| न कवेः सद्द | | न कुलं वृत्त | १०४१ | नक्षत्रं कृत्ति | | न ख़्छ परे | ९१३ |
| न कश्चित्कस्य | १२९६, | नकुलं सह | *१९० २ | २ ५ | ४६,२८९२ | | ७६७ |
| १२९ | ९७,२०२६, | नकुलं हरि | २०२१ | नक्षत्रक्ल्पो | | न खलु मुखे | १३७९ |
| • | २०७३ | नकलः शर | 1 | नक्षत्रगुणै | | न खडु युगै न खडु युगै | ९६५ |
| न कश्चित्तु बु | २८५९ | नकलः सह | | | 1 | न खलुखामि | ેપ ે १२₹८, |
| न कश्चित्राप | २१३२ | _ | ,२७०६, | | 2862 | । यह लाम | ४ २४८, २३५० |
| न कस्यचिदु १२९ | ९४,२० ९२ | | ,,२७१५, | | | न खल्वेकान्त | ९०८ |
| न कस्यचिद्रि | *१८५८ | | २७१९ | नक्षत्रमुल्का | • • • | न खातपूर्वे | ११०२ |
| न कस्यापि कु | ११९७, | नकुलस्य मृ | | नक्षत्रमेकं | • • • • | न गच्छेदन्य | १५९९ |
| | १७५८ | नकुलाक्षास्त | १५०१ | नदानम नक्षत्रलो कः | **** | . ५ ७५ ५ । गणाः कृतस्त | प४ ४२७७ |
| न कस्थापि ले | | न कुले पूज्य | ११४३, | नक्षत्रलाकः | | । गणाः इतस्य । गन्धर्वपि | ۶۳ ۹۷۹ |
| न कस्याऽऽसीत | ८९४ | | ११८९ | नक्षत्रवह् | २४६२ | । गान्यम्। सर्वे जन्म | |
| न कांचिदिम | ९७३ | नकुलो मूष | 462 | 1क्षत्रवर | २५०१ | | १४७४ |
| न कामपर | | नकुलो मूषि | | ाक्षत्रसूची स्थानम्य | १४२८ | | ११२० |
| न कामये सु | | ग्डुर्स हूर न कूटनीति | * ,, ; | क्षित्रस्य दि | २५४१ न | | २९७२ |
| न कामान्न च | *6008 | ** | 2 2 2 4 2 | ाक्षत्रस्थाऽऽन <u>ु</u> | कर६१८ न | | १४७८ |
| न कामासक्त | | ~ | | ाक्षत्राणां ग्र | १७६६ न | | # ,, |
| | 1406 | न कृतस्य तु | #२०३६ न | । क्षत्राणा म | २३५६ न | गराणा त | २९२० |

| | | | | | - | | |
|-------------------|----------------|-------------------|----------------|-------------------|---------------|--------------------|----------------|
| नगराणां पु | १४८० | न चतंत्राय | | न च राज्यस | १ ३२४ | न चानुजीवि | ९९३ |
| नगरादप | २९२५ | न च तत्राऽऽरा | ! १३९२ | न च रात्री सु | ७११७ ३ | न चानुशिष्या | *१६८७ |
| नगराभ्याशे | २६ ३६ | न च तन्नेष्ठि | २३७६ | | ११०५ | न चानुशिष्ये | ,, |
| नगरे नग | १३८६, | न च तानपि | * 8996 | न च लोकर | २०४४ | न चान्तरेण | २३७८ |
| १ ४ | १०७,२३३० | न च ते जातु | | । न च वश्या भ | | न चान्यस्य कु | *१६१७ |
| नगरे नव | १४८० | 1 4 7 417 | २८०२ | न च वाऽसंवि | | न चान्योन्यं सं | १६४६ |
| नगरेन्द्रांश्च | १११९ | न चते वर्ध | १२१९ १९०२ | न च विश्वसि | | न चान्योऽपि स | |
| नगरे यो व | र १४९४ | 1 4 (1 44 | | न च वैश्यस्य | | न चापि कर्म | २३९३ |
| नगरे वा पु | २८७६ | 1 4 4 5 40 | १८९३ | न च वो हृदि | | न चापि कृष्णा | १८९३ |
| नगरेषु प्र | | 14 4 (14) 4 | १७७१ | न च ब्यालम | | न चापि गूढं | |
| | १४७५ | 1 1 11 11 1 | १९१३ | न च शक्तोऽपि | | न चापि तेषां | १८१• |
| न गवाश्वेन | | न चलक्तुंत | २००२ | न च शत्रुर | ५७१, | I | १८९५ |
| नगशालाग्र | | न च त्वमिव | २००८ | | ₹,२००४ | 1 | " |
| न गाहेज्जन | ७३४,९८१ | 1 . | २८०३ | न च शुद्धानृ | १०६७ | ויו אווא אום | ११०४ |
| न गृष्नुपरि | १२०७ | A CAMPIA | * ,, | न च संदर्श | | | २००४ |
| न गृहं गृह | १०८७ | | ٠,, | न च संदेहे | 1965 | न चापि वैरं | २००१ |
| न गृहे मर | २७६८ | | २९७१ | | | न चापिस म | १२१९ |
| न गृह्णन्ति त | १९५२ | न च देवग्र | २८९५ | न च स्मरति | | न चाप्यन्यम | 1665 |
| न गेहे मर | २७९१ | न च देवीग | 998 | न च इतस्य | २१०५ | न चाप्यपक् | १८९८ |
| न घातयेयुः २६ | .०३,२७७४ | न च देवेषु | २९ २७ | न च इन्यात्स्थ | २७७८, | न चाप्यभीक्ष्णं | १०७० |
| न चकर्यच | २६ ०५ | न च नीतिर्भु | १५४६ | | २७९४ | न चाप्यराज | 608 |
| न च कश्चित्कृ | #२० २६ | न च पङ्क्ति ह | * २ ९८८ | न च हिंखं ध | १७१३ | न चाप्यलब्धं | २१५१ |
| न च कश्चित्र | ५६३ | न च पश्येत | *{0{} | न च हिंस्यध | ٠,, | न चाप्यासीद | \$ 888 |
| न च कामाद्ध | | न च पश्येतु | | न च हिंस्याद्ध | * ,, | न चाप्येतान् ह | २७६३ |
| न च कामान्न | १ <i>०</i> ७४. | न च परवत्तु | १७१४ | न च हिंस्बोऽभ्यु | | न चामित्रप्र | * १ २९३ |
| | * २०१३ | न च पित्रा वि | २८६५ | न च हीनाति | १६१२ | न चायं मम | * |
| न च कुब्जान | १५१६ | न च प्रशास्तुं | • १ ६९३ | न चातिकुप्ये | | न चार्थहेतो | |
| न च कुर्वन्ति | क २६०५ | न च प्रियत | # ? ३१७ | न चातितोयं | 1 | | १८९८ |
| न च कृत्स्नास्त्र | #2800 | न च बाहिरि | १४५२ | न चातिधैर्ये | | न चाऽऽर्घात्सह | १०८५ |
| न च क्वचिद | ६३६ | न च बाह्यन | ९७३ | न चातिष्ठतिप | | न चालसस्य | ११०५ |
| न चक्षान्तेन | १०६१ | न च भृत्यफ | १६९३ | न चाऽऽत्मार्थे कं | | न चाल्पविभ | \$ 888 |
| | | न च भौमदि | २९४७ | न चात्र तिर्य | | न चाह्पसाध | १५२९ |
| न च क्षुषाऽव | 988 6 0 to | न च मध्यमो | 4948 | | 1048 | न चावर्षस | \$888 |
| न च क्षुधाऽस्य | 9 7 9 4 | न च मां पाण्ड | ,,,, | न चात्रान्योऽग्रि | | न चाऽऽसां विश्व | 968 |
| | र २ २८ | न च मिध्याप | | न चाऽऽददीत | | न चास्थाने न | १३८७ |
| न च गच्छेत | २४६३ | न च मूर्वैर्न १७८ | | न चाऽऽदेयं स | | न चास्मिन्सर्व | १ ९९९ |
| न च गच्छेदि | | न च मेऽत्र भ | १२१२ | | १३४४ | न चास्मै मानु | २०१२ |
| न च गृह्णन्ति | ı | न चमे ब्राह्म | | न चानघेण | २५९० | न चास्य कश्चि | १६४८ |
| न च जात्याऽन | १४३० | न चरत्यि | ५८५ | न चानिवेद्य | | न चास्य वच | १ २११ |
| | | | | | | | 1122 |

| न चास्य विद्वो | ११२२ | न चैव तिष्ठा | *544 | न जीवत्पितृ | ९६१ | न त | त्फलम | २७८८ |
|-----------------|---------------|----------------------------------|---------------------------------|--------------------------|---------------|-----|--------------------|---------------|
| न चास्य विष | | न चैव न प्र १०६ | | न जीवितार्थे | २००९ | न त | ।त्र किल्बि | ५६५ |
| | | न चैत्र राजा | | न ज्ञातिमनु | १९५८ | | | १४६९ |
| न चास्य शल्यं | | न चैत्र ह्यभि ६३ | | न ज्ञायते हि | ५७०, | | | ५६४ |
| न चास्य सङ्गो | १०१२ | | | | ११७४ | न त | त्र तिष्ठ १२ | ९९,१८७८ |
| न चास्य सर्व | | न चैत्रात्यश न चैत्रात्यश | १७१ ४ | न ज्ञायन्ते हि | # ५७० | न र | तत्र दोष | ६४७ |
| न चास्य ल्पेन | १३२५ | न चैवाध्यय | _ | न ज्यायसा स | २१३३ | न र | तत्र नागाः | १६३७ |
| न चाहमस्य | १९८९ | न चैवास्ति त | * ,, {२२१ | नटगायक | ११४० | न र | तत्र लङ्घ | • २८७६ |
| न चिन्तयति | १५४८ | न चैवैताव | २ ३ ७४ | 1 | १०९,२८६८, | | तत्र लय | ,, |
| न चिरं पाति | १४९६ | | १३३ ० | | ९०२,२९४० | | तत्रानिच्छ | १२८९ |
| न चिरेण प्रि | १०७४ | al al 11 hr a | 2244 | | ३९२,२८९४ | | तत्रोपवि | १६८७ |
| न चेक्षुवत्पी | *{₹{ | 1.1 .4 .4 .4 . 4 | १८९८ | नटभूमिश्र | 0२ ८६ | न | तत्संश्राव | १७१३ |
| न चेते मां इ | २३५४ | | ५८ ५८ #प५ | नटस्य भक्ति | # २०४३ | न ः | तत्स्वर्गेषु | २८२४ |
| न चेत्प्रबुध्य | १९९९ | 1 | १९९७ | नटांश्च नर्त | #२६०० | न ः | तथाकर्पू | ११९४ |
| न चेन्सर्वान | e २४४३ | न चोपयुङ्क्ते न चोर्ध्वगुष्का | ९६४ | नटाश्च नर्त | ,, | न र | तथा दृश्य | १०३५, |
| न चेदं दार | १०४६ | न चोष्टान ब | ५६४ | र्नाटकेपांस | # ₹५०८ | | | ११२३ |
| न चेरनुग्र २०६ | ४,२०६५ | | | न तं कमप्य १ | २३४,२३४९ | न र | तथा बलि | २८९० |
| न चेशदास्य | २००४ | न चोष्ठी न मु | •१६८९ | न तं देशं प्र | २७६१ | 1 | तथा बाध्य | १९९९ |
| न चेद्धर्त य | ५६ • | न चांछी निर्श्व | " | न तं पश्याम्य | | 1 | तथा मन्त्रि | ११८९ |
| न चेडमें स | ६०५ | न जग्मुः संवि | १५०४ | न तं भवीर | १०४०, | | तथाऽर्थः पु | १ ५४० |
| न चेद्रागं कु | २४२७ | न जरां यान्ति | . १३७१ | | १७२,१६९२ | न | तथा हीन | ११९० |
| न चेमां विश्व | *968 | न जरा न च | ७९३ | न तंयक्ष्मा | अ १०६ | | तथे गवः | 2889 |
| न चक्पुत्र | ८४९ | न जहाचित ९६ | | न तं यक्ष्मा, | ऐ २८५० | | तदा जीवि | २३८५ |
| न च हमत्य | १७६५ | न जातु कल | १९११ | न तं यश्माः, | पे २८५४ | 1 | तद्गृहाभि | ९६७ |
| न चैक्रमत्ये | * ,, | न जातु करिव | २५९९ | न तं रक्षति | ७२९ | न | तद्बुधाः प्र | २०३५ |
| न चैच्छचरि | १ ०७७ | न ज तुगच्छे | २१२१ | न तं राजाना | ६० | न | तद्भार्यापु | १७४१ |
| न चै।दिष्टं | २४४६ | न जातु जन | ११२४ | न तं संशायि | | | तद्राज्ञा प्र | ৬४४,७४८ |
| न चतदेवं | २३७८ | न जातु बल | १०७६, | न तं स्तेना न | ६९ २ | न (| तद्वर्षश | २०३९ |
| न चनकेष्ठि | 466 | | २००६ | न तंस्तेनान | | | | १३५५ |
| न चैतां प्राज्ञ | १०६७ | न जातु ब्राह्म | ६ ९ ५, | न तच्छक्यं स | | • | तद्यभिच | १३५६ |
| न चैनं भर्तु | १९०३ | 94 | , <i>ల६०</i> क, <i>ల</i> १४७ | न ततोऽस्ति र | | | | २०२६ |
| न दैनं भुव | | न जातु विचृ | 2011 | न तत्कुर्वीत | | | तन्मित्रं य | १२८७ |
| न चैनाः कुल्याः | | न जात्यान कु | १७४० | न तत्खनेद्य | | | तपोभिस्त | *२७६७ |
| न चैव नैष्ठि | | न जात्या बाह्य | | न तत्त्रथा ता | १५८७ | न र | तप्येदर्थ | *१०७४ |
| न चैत्र भुवि | | न जात्वदश्ची | | न तत्त्रया ता | २० ४७ | | | 68 |
| न् चंत्रं वर्ति | | न जात्वन्यः प्र | | न तत्तरथ न तत्तिष्ठति | १२१ ९ | a : | तयोरन्त | १३५८ |
| ही चैत्रं सम | | न ।जहत्सुनी | | न तत्प्रवर्त | | | तसा <i>रि</i> त्रद | ર્ષ્દ્ર હ |
| | اوه و ه | 4.40 | 3.4 | فمدادات | 6.70 | ' | an distribution of | |

| न | तसिन्धार | 900 | न तु निः। | संश २३७५ | न तेऽपि तुल्या | २०४९ | 'न त्वां विनिह | ७२०८३ |
|---|----------------------------|------------------|---------------------------|---|---------------------------|----------------|------------------------------------|----------------|
| न | तस्यं जीवि | १०४२ | न तुनिम | वंच *१५१८ | न तेः बमेमि | २०५० | _, न त्वात्मनः सं | ९६९, |
| न | तस्य तिष्ठ | २९७ १ | न तु नृपा | वे ९३७ | न तेम्योऽभ्यधि | ११२८ | | २०३१ |
| न | तस्य त्रिषु | ६३२ | न तु पश्य | ामे २३५४ | न ते मृता ये | ११६२ | [।] नत्वा तृपं य | १७४२ |
| न | तस्य दत्तं | ५९४,७९४ | न तु पाप | क्र ११०१ | न ते राज्यं प्र | १९१० | नत्वा संपूज्य | २९८७ |
| न | तस्य धनं | ७७७ | न तुप्रच्छ | | न ते वर्णःये | २ ५४५ | नत्वाऽऽसीताऽऽर | स्थ ं इ |
| न | तस्य भव | २८९६ | | ः १२१२,१६९३ | न ते शक्याः स | १७६४ | न त्वीदशं त्व | २०३० |
| न | तस्य भ्रम | *६३३ | न तु प्रवि | | न तेषां चाह्य | * २०३१ | न त्वेत्रं खलु | * १९१२ |
| न | तस्य भ्रश्य | ६३३, | न तु बुंड | | न तेषां वच | 3068 | न त्वेवं मम | १२१८ |
| | | २०४१ | न तुमां | | न तेषां शाव | २८९४ | न त्वेव वर्ति | १०७७ |
| न | तस्य मर | २९२ ८ | न तु माम | • | न तेशां शृणु न ते सखास | ५९८ | न त्वेत्र कुर्या | १२२७ |
| | तस्य माता | • २ ४४८ | न तु मित्र | | न ते सर्वास | 9 | न त्वेत्र चेल | १९१२ |
| न | तस्य राज्ये | २८७९ | न तु राज | _ | न ते सुखंप्र | ६५७ | न त्वेव जाल्मीं | २०१०, |
| | तस्य रुघि | २७६७ | 4 8 (14) | • • | न ते सौम्य भ | # २०२२ | | २३८३ |
| न | तस्य वच | १ २५४ | न तु राज्य | | न ते सौम्य वि | ,, | न त्वेत्र मम | * १ २ १ ८ |
| न | तस्य शत्र | २९ २८ | न तुल्यदोष न छ वक्तु | | न तेऽस्ति भय | २०२८ | न त्वेत्र वच | ६४४ |
| न | तस्याऽऽज्ञां | | न तु बध्य | | न तेऽस्त्यद्य म | \$ 2030 | न त्वेव विद्य | २६४५ |
| न | तस्थाऽऽज्ञा | Я #,, | न तु वन्ध | | न तेऽस्त्यन्यन्म | •• | न त्वेत स्वभू | २६१४ |
| न | तस्थैहिका | ९०७ | न छ वन्ध | | न तेऽस्त्यविदि | ः २८६५ | न त्वेवाऽऽत्मा प्र | |
| न | तस्यो(च्छत्ति | १८७४ | 2 | २८१ ५ | न तैः सह म | १८०१ | न त्वेवाऽऽत्म।ऽव | |
| न | ता अर्वा रे | ४४९ | न तु शौर्ये न तुषाग्रि | | न तैर्भुक्तेय | २४४३ | न त्वेत्रानर्थ | * 2026, |
| न | ताहक्सह | # १ ०८५ | न तुः स्थान | - | न तायेषु मु | 8824 | | १७४४ |
| न | ताननुम १ | १ ४८,१७९९ | न त इत्या | त्ति ४५ ५६ ल्हि १६६६ | न तौ धीराः प्र | २०२३ | न त्वेत्रानात्म | १७०३, |
| न | ता नशन्ति | | न तु हन्या | | न त्यागो न पु | १०५२ | > | १७१८ |
| न | तानाभर | | न ते कार्य | | न त्याज्यस्तु भ | १६२६ | न त्वेवासिद्धि | २०२२ |
| | तानुच्चार | | न ते गति | | न त्वं परस्या | २३८७ | न त्वेवो.डशत | •२६०६ |
| | तान् सरित | | न ते जन्म | | न त्वं पश्यसि | _ | न त्वेबोत्साद | २३५४ |
| | ताम् स्तराप तिष्ठन्ति न | १० १० | न ते जयफ | | न त्वं इन्तान | २४४८ | न त्वेबोद्धृत | २६ ०६ |
| | | - 1 | न ते दूरं | • | न त्वन्यामिह | २०२२ | न दक्षिणा वि | ३२ |
| | तिष्ठन्ति ख | ८३० | न ते धार्या | | न त्वन्ये क्षुद्र | 1414 | न दण्डादका | ६८१ |
| | तिष्ठेद्युव | *468 | न तेऽधिका | | न त्वमईसि | 1111 | न ददाति ब | १६ ९७ |
| | तीर्थयात्रा | १११६ | न तेन जग | | न त्वयाऽप्युत्स | | नददः शङ्ख | २८९४ |
| | तु कार्या त्व | | न तेन धर्म | | न त्वरेत न | ₹008 | नदन्तिः संस्थि | २७०२ |
| | तु कृत्स्नं ज | | न तेन रूप | | न त्वर्थसाध | • २५ १ १ | न दद्याद् ह्यङ्गु | १ - २७ |
| | तु कतुस | | न तेन ब्रह्म | í | न त्वशृशूष | | नदभूमिश्च | २८६ ० |
| | तु तत्प्रत्य | | | । ५६५,१०६०, | | | न दर्शयन्ति | १२९१, |
| न | तु नाम व | १९६९ | | २७५५ | न त्वां प्रतिइ | २८०३ | | २ ०८४ |
| | | | | | | • | | 7-61 |

| न दर्शयेत्स्वा | | नदी योधम | २७७१ | नद्यद्रिवन | २३६५,२७३३ | , न निर्बंध्नारि | ते १६९० |
|-----------------|--------------------|---------------------------------|---|----------------------------------|---|---------------------|----------------------------------|
| न दानस्य न | | , नदी योधस्य | ٠,, | I | २७३४,२७४९ | | |
| न दायादाद | २६ ९६ | नदीरयस्त | . २१४८ | | | न निर्वदति | * १६९० |
| न दारा न च | # 986 | न दीर्घकालं | १७७१ | | १४१५ | न निवर्तेत | ७३३,११५३, |
| न दिवाऽग्रिज्वे | २५९९ | नदीवच वि | * २०११ | नद्याः पूर्ण | प २१८४ | | १४०१,२७७७, |
| न दिवा ज्वाल | * ,, | नदीवेग इ | २७७५ | नद्यां नीयम | | 1 | २७८६,२७९१ |
| न दिवा मद्य | १४३१ | 1 | # ₹ ९ ४४ | नद्युदपान | | न निषिद्धः | प्र १४७५, |
| नदी कक्षव | १३१० | | ८०४ | | ર ૨ ५૪९ | l l | र १ ४७६ |
| नदीकूलद्व | २९५० | 1 | १३८९ | न चूतमृग | | न निष्कृतिभ | |
| नदीकूलमृ | | नदीषु दुर्गे | # ₹५९८ | नद्यो गङ्गार | | न निहन्याच | • • • |
| नदी च सोम | #२९६८ | नदीषु मार्गे | ,, | नद्यो गमीर | | | |
| नदीतटद्व | | नदीषु हंस | ६५६ | नद्योदपान | | न निहन्याद् | |
| नदीतीरे च | १२४९ | नदीसरस्त | २६ २८ | नद्यादपान नद्यो हदप्र | | न नीरात्परं | १३०२ |
| नदीतीरेषु | १३४८, | | २०३९ | | | ननु क्षीणे नृ | |
| | ३३,२५४० | न दुःखी पुरु | | न द्रोणः सः | | ननु शान्तात्य | |
| नदीदुर्गे तु | २०९४ | न दुर्गतिम | १०९३ | न द्राणः स्व न द्वन्द्वं द्वन | | न नूनं कार्य | ६४९ |
| नदीदुर्गे हि | " | न दुर्गतोऽसी | १०३७ | न द्विजानां | | न नूनं तस्य | १९०० |
| न दीनः क्षिप्र | # { 8 8 8 8 | न दुर्भिक्षे सु | | | • |] | १५११ |
| नदीनदेभ्यः | २९४३ | न दुर्विनीता | 1 | न द्विषतः प | | नन्दकस्याप | २५४६ |
| नदीनां संग | २९२८ | न दुष्करमि | | न धनं पुरु न धनं यज्ञ | | नन्दकोऽस्त्राणि | |
| नदीनां सेत | १४३३ | न दुष्टः कश्चि | 2248 | न धन यज्ञ न धनार्थी व | | नन्दःयूहो म | २९९९ |
| नदीनां स्रोत | २४८४, | न दुष्टपरि ११ | | न धर्मपर न धर्मपर | | नन्दा च सूर्य | |
| | १९१६ | न दूतवध्यां | | न धर्मयुद्धे | | नन्दा च सोम | • • • |
| न दीनो नापि | १४४५ | | 1 | न धर्मवच | २७८ ४ | • • • | # ₹९७ ० |
| नदीपतिभ्य | २९४४ | न दूता घ्नन्ति | " | ग पमपप न धर्मोऽस्ती | 6 88 | नन्दा चालक | ,, |
| नदीपथे च | २२६५ | न दूताय प्र | (0 () () | | | नन्दा चैवोप | # ,, |
| नदीपथो वा | | न दूषणम | • | न धर्षयति | २०२३ | नन्दाभक्ता न | |
| नदीपर्वत | २०९४ | न देवचरि | 7111 | न धारयेत | २८३१ | नन्दामि वः प्र | |
| नदीपूरः स | | न देवताभ्य | ∨ 23 ₹ 1 | न धारयेत्पु | १३७० | नन्दामि सौम्य | |
| न दीप्यते चे | | न देवमभि | ! | न ध्रुवं सुख | र७६२ | नन्दायाः कथि | |
| नदीबन्धवि | | न देवि तिष्ठा | l` | न ध्वान्तमन्त न नर्मसचि | 4444 | नन्दाय्याः कवि | > |
| नदीभ्यः पौञ्जि | | न देशान्तर | 1 | | • | नन्दाब्यूहं स | 4 # ,, # २९ ९ ९ |
| नदी मधुर | | | 2000 | न नाशयेत्स्व | | | |
| नदीमातृकं | 3000 | न दैवप्रमा ११ - केटे- क्ट | | | | नन्दिना च पु - | |
| नदीमार्गेषु | | न दैवेन वि | \$ 2800 = | | | नन्दिनाऽथ पु | |
| नदी यत्र प्र | | न दोषः स्यात्प | | नित्यं परि | | निद्नी च नि | |
| ारा प्रम | | न दोषो हिंसा नद्यः संक्षिप्त | | । नियुक्तो ह | | तन्दि नी चैव | 3000 |
| | 276010 | াখা- বাধান | ६ ३५ न | निर्दिष्टानि | * १६१७ | नन्दापनन्द | २८७५ |
| | | | | | | | |

| न न्यूनं लक्ष | १७४४ | न प्रयच्छामी | १८३४ | न ब्राह्मणाप | #१०७१ | न भृत्यान्त्रेष | ११०५ |
|-----------------|-----------------------------|---------------------------------|---------------|--|-----------------------------|----------------------------|---------------|
| नन्वर्थसाघ | २५११ | न प्रसुप्ते त | २९४७ | न ब्राह्मणे प | १०३५ | न मेदं जन | ११ ४४ |
| न निवममिति | १८७ | न प्रातर्वर्ष | ९६५ | न ब्राह्मणोप | १०७१ | न मेदसाध्या | १९१५ |
| न पण्डितो म | १२३० | न प्राप्नोति फ | २००३ | न ब्राह्मणो हिं | ३९८ | न भेरीशङ्ख | २७५८ |
| | ६९,११७४ | न प्राप्तोत्याप | | न ब्रुयातिंकचि | * १७२३ | न भैक्षलब्बे | १३१० |
| न परं विद्य | २४४६ | न प्रियं नाप्य | | न ब्रूयात्प्रच्यु | #१ ६७९ | | १३६२ |
| न परपरी | १६०९ | न प्रीणयति | | नभः सचन्द्र | १५०३ | नम इषुक् | ४११ |
| न परस्य प्र | # १८१२ | न प्रेक्षकाः प्र | २७९० | नभः समग्रा | ं १५१३ | नमः कुलाले | " |
| न परस्य श्र | ,, | न प्रेष्या वच | ५६४ | ľ | १२१७ | नमः श्रत्भ्यः | " |
| न परो विद्य | \$ २४४६ | न बलस्थोऽह | २६ ०७ | 1 | | नमः पुङ्जिष्टे | ,, |
| न पर्यायवि | ९६ १ | न बलेन वि | १५२६ | न भगव इ | 3 | नमः शंभो त्रि | २५३९, |
| न पश्याम्श्र | * २९४१ | न बहुनभि | १९१३ | न भगान् पीड | ३५२,३५३ | | २५४३ |
| न पश्यामोऽन | ५६ ० | न बहूनां न | *१४६३ | न भयं तस्य | २७३१ | नमः श्रम्यः श्र | 888 |
| न पातकं ना | ६३९ | न बहूनाम | ,, | न भयं द्वीपि | # ६ ३३ | नमः सदाऽस्मै | २८७१ |
| न पातकं भ | | न बालिशान | | न भयं बिद्य | १६९५ | नमः सभाभ्यः | ४६४ |
| न पानीयं पि | २७५६ | न बाहुल्येन | २५५ २ | न भयाद्विनि | 2033 | नमः सेनाभ्यः | 888 |
| न पापानां व | १६६८ | न बाह्यं द्रव्य | १ ०४९ | ा गमाधान च मनेत वि | # २७७१ | न मत्तस्य | १०९ |
| न पापे कुरु | १६९८ | न विभेति नृ | १२६६ | न भयेषु वि | ११५९ | न मद्यं पिबे | १११६ |
| न पारजायी | ६०२ | न बुद्धि परि | ५९८ | न भवत्सद्द | ११५७ | न मध्यदेशे | १४७६ |
| न पिशाचैः सं | ३९६ | न बुद्धिर्धन | ११७२ | न भवन्त्यर २४ | - | न मध्ये हस्ति | १४९४ |
| न पीडनीयो | २०९४ | न बुध्यसे ज | ६६४ | न नवम य | ८४१ | न मनः खोप | १४३३ |
| नपुंसकाः स | | न बोधयन्ति | १ ७४६ | न भव्यमान | २८४० | नमन्ति फलि | ७४७ |
| नपुंसकानि | २५१५ | न ब्रह्मचारी | ७ १६१९ | न भस्मधार नभस्ये रोहि | १११६ | न मन्त्रं बहु | *१६९१ |
| न पुण्यपुर | २०७९ | न ब्रह्मचार्य | ५६४ | नमस्य राहि न भाव्यं दार | २९०४ ७ ३ ५ | न मन्त्रयीत | # १७६२ |
| न पुत्रो मात | ^२ २९ ४ | न ब्रह्मणा न | ५९१ | न भिन्नकार्षी | ,,, | न मन्त्रयेत | |
| न पुनः किं तु | | न ब्रह्माणं न | ५६२ | ન ાનસવાવા | , , , , , , | न मन्त्रयेतां | ,, १८९६, |
| न पुनः कुर्या | १६१२ | न ब्रह्माणं वि | ७३७ | न भिन्नवृत्ते | ९२६५ | | 1696 |
| न पुनः शिरो | ८९६ | न ब्राह्मणं न | * ,, | | ६५५ | न मन्त्रयेय | १२१९ |
| न पुरुष्तं | ९७७ | न ब्राह्मणं वि | * ,, | न भीतंन प | | न ममार्थोऽस्ति | २४४५ |
| न पूजयिस | २०४९ | न ब्राह्मणव | ६९६ | न भीरुरिति | | न मयाऽऽत्मेच्छ | २७७६ |
| न पूज्यन्ते ह्य | | न ब्राह्मणवि | ११०० | न भाषारात न भुक्तिपरि | | न मया त्वं न | २ ३८१ |
| न पूर्णेऽसीति | | न ब्राह्मणस | 193/ | _ | ```\ | न मया स्वेच्छ | ₹ ₹७७६ |
| न पृथिव्या स | ` ' ' ' | न ब्रह्मणस्य | 300 | न भुङ्क्ते मय्य | ,,,,,, | नमस्कारप्र | |
| न पौरुवाद | | न ब्राह्मणस्या | | न भुङ्क्ते यो नृ | , , , , | _ | • 988 |
| न प्रजाः पालि | ſ | न ब्राह्मणान्घा | | न भुझते चि | | नमस्कारेण चराचन्द्रीः — | २३९ |
| न प्रजानुम | 1 | न ब्राह्मणान्या | | न भृत्यपक्ष ११ [.] ∃ अञाहराज्य | i i | नमस्कार्याः स | १७१४, |
| न प्रमादो ह्य | | न त्रासमान्या न त्राह्मणान्स | | न भृत्यशाला | १ ४९४ | • | १७१७ |
| न नपाया ल | 70071 | 1 21161-11.71 | 1148 | न भृत्यानां बृ | र६९१ | नमस्कार्याश्च | <i>७४३</i> |
| | | | | | | | |

| | | | | | | - | |
|-----------------------------|--------------|-------------------|---------|-------------------------|---------------|-------------------------------|-----------------------------|
| नमस्कृत्वा च | | न मिथ्याऽतिक | | नमो मृगयु | | न यस्य हन्य | ५०१ |
| नमस्कृत्वा त | २८५० | न मुक्तकेश | - | नमो रथेभ्यो | | नयाग्रहस्ते | २१४४ |
| नमस्त ऋषे | २४३ | | | नमो विश्वेश्व | २८९७ | न याचिनत प्र | #408 |
| नमस्तक्षम्यो | ४११ | न मुक्तकेशं | २७७८ | नमो वृक्षप | २८७४ | न याचन्ते प्र | ,, |
| नमस्तसै न | ४०४ | न मुखे नेत्र | १६६७ | नमोऽस्तु वः श | २५४८ | न यानं न ग | ९६ १ |
| नमस्ते घोषि | ६८ | | #१७८ | नमोऽस्तु वाम | | न या नयक | २५२९ |
| नमस्ते देव | ६८,२८७१ | नमुचावासु | ,, | न मोहो लजा | | नयानयवि | ११७६ |
| नमस्ते नील | २९०१ | नमुचिष्न न | २८७१ | न म्लायन्ति स | * 2४९५ | नगणनग | 489, |
| नमस्ते पुण्ड | २८६७ | नमुचिई वै | २८५ | न म्लायन्ते स्र | " | l. | ्र २,० ९३ <i>०</i> ,११७४ |
| नमस्ते राज | १ १ | न मुञ्जति म | १०९७ | न यं दिप्सन्ति | ų | | २६८, ८६८ |
| नमस्ते रुद्र | ६६ | न मुह्यदर्थ | १०७४ | न यः शस्यं घ | १९१२ | | ९६६, <i>१००</i> ७ |
| नमस्ते सर्व | २८९३ | न मूर्व्छितः क | १०३७ | नयचारश्च | ५७७ | नया हि बह | २१५ <i>०</i> |
| नमस्ते स्कन्द | २९० २ | न मूलघातः | | नयज्ञः पृथि | | न युक्तं कैत | १ ७६७ |
| नमस्येयुश्च | ७९७ | न मुलफल | | न यज्ञांस्तन्व | | न युक्तानि म | |
| नमस्येरंश्च | ۰,, | न मुल्यं गुण | | न यज्ञाः संप्र | | न युज्यते क | २४२२ |
| नमस्ये सर्व | २५४४ | न मृतेषु रो | ११६२ | | | | |
| न महताऽप्यु | ११९१ | न मृषाऽभिहि | १६८९ | नयतामून्मृ | | न युद्धं कृट | |
| न मां परो ना | २०५५, | न मे तुल्याबु | २३५८ | न यत्प्रकाशं | | न युद्ध भूट न युद्धधर्मा २ | २८१२ |
| | २१७७ | न मे त्वत्तः प्रि | | | | l . | |
| न मां परो ह | २१८४ | न मे दासो ना | ३९७ | 1133010 | | न युद्धमाश्र | १९३७ |
| न मां ब्रुयुर | २००४ | न मे पिता प्रि | १०९४ | ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' | | | * ₹७७ ९ |
| न मां रथस्थो | २७६१ | i | 1.20 | 144114 | | न युद्धादिध | २७६३ |
| न मांसलोभा | ६३८ | न मे पितुः पि | " | | | न युद्धे तात | २००४ |
| न मातरि न | १२९७ | न मे प्रियं कु | | नयनाभ्यां प्र | | न युध्यते भि | १५९० |
| न मातृतो ज्यै | ८५३ | न में प्रियं य | २६ ०५ | | ३६८,४९० | न युध्यमानं | २७९४ |
| न मात्रार्थे रो | १०३७ | न मेऽभ्यंसूया | १८८५ | 1 | प४, ७प४ | न युध्येत भि | #१५९० |
| न मात्राय रा न मा दिव्या | | न मे राष्ट्रे वि | ६०२ | | ४३,२३४८ | नयेत्कालं वृ | ९६२ |
| | | न मे वायुः स | २०४९ | नयविक्रम | ९२४ | नयेत्परव | ९२३ |
| न मानी न च | \$888 | न मे शस्त्रैर | ६०२ | न यवीयान् स्थि | | न ये दिवः पृ | १८ |
| न मामन्यत्र | २८०३ | न मेऽस्ति विभ | १०८९ | | ८५७ | नयेन जाग्र | ९६१,९९५ |
| न मामन्येन | # 33 | न में स्तेनो ज | ४३६,६०१ | नयश्च विन | હદપ | नयेन व्यव | २०७२ |
| न मा मर्त्यः क | | नमोऽसये प्र | | न यष्टव्यं न | | नयेषु कुश | २३५३ |
| न मायया न | २७६७ | न मोचयेद्दि | | न यस्य कुश | | नये सुकुश | # ,, |
| न मारयेतु | १११९ | | | न यस्य कूट ५६ | | | |
| नमिता पूर्व | १५१५ | नमो नमस्क्र | | न यस्य कूटं | | न योजयेन्द्र | १८२६ |
| न मित्रं कश्च | २ ६५ | नमो मन्त्रिम | | न यस्य माता | ı | नयोदिता वा | २ ६ ९८ |
| न मित्राण्यर्थ | १८९६ | | | नयस्य विन | | न योनिदोषो | #68C |
| न मित्रार्थे रो | | नमो मात्रे पृ | १५९ | | | न योनिपोषो | |
| | , , | , | 373 | | 2 40) 244' | -1 -411-131-31 | " |

| | | | | ~ | | | 111 |
|----------------|--------------|--------------------------------|--------------|------------------------------|-----------------|-----------------------------|-----------------------|
| न योनिसंक | | ५ न राजव्यस | १५९ः | १ नरेश्वरे ज | १२६१ | नवधा स्थाप | २९८७ |
| न योऽभ्यसूय | १०३ | ७ न राजसेवा | १ ११६ | न रोगो ना | | न वनस्थोऽवि | |
| नरं शस्त्रह | | २ न राज्ञः परं | 606 | न रोचते वि | | 1 . | ६४९ |
| नरः पापस | | ६ न राज्ञां राज | | नरोऽन्यथा । | | 1 ^ • | ५७७ |
| नरः प्राप्नोति | २७८ | न राज्ञामघ | ९५ ० | नर्तनं इस | २५०३ | | १०९६ |
| नरकं पीड | १७१ | • न राज्ञा मृदु | | नर्ते ब्रह्मण | | नव पङ्क्तीई | २९८८ |
| नरकं यान्ति | २७८५ | १ न राज्ञो राज | | नर्माय पुंश्च | ४१७ | | २८३६ |
| नरकं वर्ज | १६ २६ | 1 | १३००, | न लक्ष्मणासि | न २३९९ | नवभूमिप | *2436 |
| नरकर्मवि | १७१ | | १८७९ | न लङ्घिता | | नवमवाप्य | २८१७ |
| नरकस्याप्र | . ২৩৩ | 1 . (1-1 -11 /1 | १०३ ९ | न लता वर्ध | | , नवमासधृ | * 284 3 |
| नरकायैव | १३६५ | | १२१६, | नलतूला न | २२३६ | | २९४८ |
| नरके निप | 2886 | 1 | २०१३ | | ९३८,१६०५ | | २४७१ |
| नरकेषुत १३ | ६०,१४१८ | नराणां च ग | १६३९ | न लब्धस्य वि | | | २८५४ |
| न रक्षति प्र ६ | | | २७०२ | न लमेद्धर्म | ७९९ | | २९४७ |
| न रक्षन्त्वप्र | ११४४ | 1.16141414 | १४९९ | 1 | १६०१ | नवम्यां पूजि | २८९० |
| न रिक्षता तु | ११४३, | | १७६१ | निलनीवाम्बु | 2888 | नवम्यामाश्व | पश् |
| · | १४२५ | 11(1144241 (| ८०१,१०६३ | | | 1 | २८८९ |
| न रक्षोभ्यो भ | ६०३ | नग नियन्त्रि | | न लिप्यते य | ,, | नवरत्नेर | ₹00₹ |
| न रज्यति च | १२९१, | नरान्तरवि | २३६३ | न लेभे स तु | | न वराहं न | १०९७ |
| | २०८३ | | ७२६,२३३५ | | ५८ ७ ३ २ | | |
| नरतुरग | २५ २७ | नरान परीक्ष | | नल्बमात्रप | २० ४८ | न वर्णनो ना न वर्णिनो ना | २४ १ ४ १४९४ |
| न रत्नानि प | .२४४३ | नरान्विनीता | | | | न वर्धितं ब | रहरू ११३९ |
| नरदुर्ग च | १ ४९७ | न रामसह | | | ६१२,२७७६ | न वर्षे मैत्रा | ३ ९९ |
| नरदुर्ग ज | २७०२ | नराशंसयी | | नवं हि द्रव्यं | 2006 | न वर्षति च । | |
| नरदुर्गे वि | १४६० | नराश्वनागा नराश्वनागा | | न वः प्रियत स्वकं स्वर | | न ववर्ष स | |
| नरदेहाद्वि | ११५२ | नरास्तमुप | | नवकं नव | | | ६३५ |
| नरयानेन | २८९४ | | | नवगोधूम | | नवसमाज | ११ ४४ |
| नरवानेनो | २५४९ | नरास्तुष्टा ध न रिष्येत्वाव | | नवग्रहयु | 1 | न वसःमो वि | २ ८०७ |
| नरवेलो म | १४३२ | • | | नवग्रहान्पू | | नवस्तु राजा | १५५५ |
| नरश्चेत्कृषि | १३८८ | नरे <i>न्द्र</i> जाया | | नवप्रहाश्च न वांणग्भ्यः स | २८८८ | न वा अनम्यु | २२८,२३३ |
| नरसिंहव | १४७९ | नरेन्द्रधर्मी | | न वाणग्म्यः स नवतेरुत्त | | न वा उसोमो | ३८० |
| नराः संयान्ति | ८०४ | नरेःद्रपत्नी | 40.4.2 | नवदण्डोऽभि | २८४७ : | न वाएप क्रू | २९२ |
| | | नरेन्द्रलक्ष्म्या ७ | 4011011 | | ५८ २७ : | न वाएष स | २९७ |
| नराः खदार | 2888 | न रे न्द्रलक्ष्या | * 8088 | गपदशा म | ४११ : | न वाएषस्त्री | २८३,३१७ |
| न राक्षसा न | | नरेन्द्रवच | १२४६ | | *\$&@C | न वा देवा अ | ં રૂહ |
| नराङ्घिबाण | र४७३ | नरेन्द्राद्याः प्र | १५९० | नवदुर्गास | ,, | नवागतं हि | १५८७ |
| न राजकुल | २८१४ | नरेन्द्रान्त्रिदि ७ | १०,१४१० | न वधः पूज्य | • | नवागतदू | |
| न राजते भू | २४६८' | न रेवता प | ३७६ | 26 | | न वाच्यं तस्य | १५६७ |
| | | | • | | 200 - 1 | ा ना न्य तस्य | १२२२ |
| | | | | | | | |

| | | | | | | | _ | | |
|--------------------|---------------|-----------------|-------------------|----------|--------------------------|---------------|----|----------------------|----------------------|
| न वाच्यः परि | | न विश्वसेद | ७२८,७३४, | | | ३२० |]न | शक्यमेके | २१५२ |
| न वाजपेये | ११३ | | ४७,११०९, | | | ३४६ | न | शक्यरूप | #२००५ |
| नवाद्या भद्र | १४७६ | | १९५,१२९६, | | | | | शक्या धर्म | २८०० |
| नवानि मन्त्रा | १११९ | | १९७,१८८९, | | | | | शक्या ये व | १९७९ |
| न वामनाः व | = | 1 | ८९७,२०२९ , | | | | | शक्या ये ख | · ,, |
| न वा यायात् | | | , ३२,२०३६, | | | | | शक्यो धर्म | २८०० |
| न वा लोभार | | 1 6 | ०४५,२०७३ | | | २९८२ | न | शक्यो न्याय | ६८९ |
| नवाष्ट्रसप्त | २८३६ | | २६९९ | नवैव | तत्र | २९८३ | न | शक्रभव | २३८८ |
| नवास्तु यम | १२२५ | न विषं विष | ७२८,७४१ | नवैव | ता न | ३९९ | न | शङ्खलिख | १ ३२२ |
| न विक्रणैः पृ | ३९८ | न विषमं ना | १४९४ | 1.4 | वातं प | १६२० | | | # 2048 |
| न विग्रहं रो | १०३७ | न विषापहा | १००७ | 1 | वातः प | * ,, | | शत्रुरङ्क | 1950 |
| न विग्रहं स | # २१७७ | न विषीदेत् | १११६ | न वै | वासं वि | *१७१२ | | शत्रुख १९ | ९६,२०५४ |
| न वित्तविभ | १६५६ | न विष्णुः पाश्र | | न वै | विशा प्र | ३४२ | न | शत्रुवेश | * १९९७ |
| न वित्तेन न | २०३७ | न वाव न च | १४८९ | न वै | व्यवस्था | | | शत्रुविंदृ | १९११ |
| न विद्यते त | १०८३ | नवीनकर | १७४८ | न वैश | योनच | १७५१, | न | शल्यं वा घ | * १९१२ |
| न विद्यते तु | ११५६ | नवीनोत्तुङ्ग | २३४६ | | | २३६६ | न | शस्तं तुत | * २५०२ |
| न विद्यतेऽप्यु | * ६ ३८ | न वृत्त्या परि | १०६३, | न वै | श्रतम | ८६५ | न | शुभः सूक | २५११ |
| _ | | | १६९२ | न वै | उ सतां वृ | 4068 | न | ग्रुभप्रद | १४७६ |
| न विद्यतेऽभ्यु | | न वृद्धिर्बहु | १९९७ | न वै | स्त्रियं घ्न | ٥٥ . | न | ग्रभस्तूष | *2488 |
| न विद्यया के | ७२२ | 1 - | ७९९ | | हिरण्ये | ३२० | | शुभा मन्त्र | १४७८ |
| न विद्यां प्राप्तु | ५६४ | | २७७३ | नवो व | | २५४३ | न | ग्रुष्क वे रं | २०४६ |
| न विधत्ते र | २८१७ | न वेदानधि | #६०६ | न व्य | | १५७१ | न | श्रुद्रोनच | २४१३ |
| न विधत्ते पु | * ,, | न वेदामनु | " | ı | ाधितम | १५८७ | न | श्रूराः प्रह | २७६ १ |
| न विभीषय | २०४० | नवेन गोम | २५२ ९ | नव्यार | • • | २६०१ | | शेकुः सर्व | २७०७ |
| न विमानिय | १५०१ | नवेन चान | २२५९ | न व्य | | *२७३१ | न | शेषमेवो | २६ ०६ |
| न विमानित | १५८७ | नवनानव | , , , , | • | रगण्य हे कल्प | | न | शोचन्ति म | ६६२ |
| न विमुञ्जन्ति | •२७६१ | न वेपसान | २१ | • | | " ४९,२९७५ | नर | यतां पूर्व | २९२० |
| न विरुद्धान्त | | नवेऽप्यभिजा | १५५६ | न व्रतै | | १०३२ | नर | यतां सर्व ६८ | १,१८१४ |
| न ।पर्ज्यान्त | १२९१, | नवेमे पुर | २८६,३१५ | | | ६०४ | नर | यन्ति चिकि | * ७८ ९ |
| ~ ~ ~ | | नवेषु मृद्धा | اهمر | | यं पुन | | नर | यन्ति चेत | २८९८ |
| न विरोधस्त | , | न वै किंचिद | ., , , , , | न शक | | १५१३ | नर | येदभिमृ | ८०१ |
| न विवाहाः स | | न वेतं चक्षु | 1 | | यं मृदु · | ५७१ | नर | येदविन | ८७९ |
| न विश्वसेच | ५६८,७४९, | | ३२७ | | | *१२१८ | न | श्रीः कुलक | ७२६ |
| | | न वै तसी ध्यौ | ३२६ | न शक | यते स | २१२०, | न | अतदान | २६ ९२ |
| न विश्वसेत्कु | | न वै देवाः स | ४२६ | | | २१२७ | न | % श्रेयः सत | १९०३ |
| न विश्वसेत्प | | न वै द्विपन्तः | १०७६ | न शक | यद्ग्र | # २७७३ | | | १४८६ |
| न विश्वसेत्पू | १२९६ | न वैनतेयो | २५५२ | न शक | यमकृ | | | रलाघते स्प | १७४१ |
| न विश्वसेतिस्त्र | ११२४ | न वै प्रभन्ना | २०४८ | | | | | धा खं स्थान | *१६९८ |
| | | | | | | | | | |

| 4 | | | | | | | |
|------------------|---------------|-------------------------------|-----------------|--------------------------------------|------------------------|-------------------------|-------------|
| न श्वा खस्थान | | न स जातु चि | *८३९ | ∣न सृतेषु न | २७५८ | न हन्यानमुक्त | २७८६ |
| नष्टं विनष्टं | | न स जातु सु | ,, | न सूर्योद्रह्नि | #\$860 | न इयस्थान | कर६८४ |
| नष्टकीर्तेर्म | | न स जातोऽज | ११०० | न सूर्यो विह्न | | न हर्तव्यं वि | १०९५ |
| नष्टकोणं नि | | न स जीयते | ४८३ | न सोऽर्थे प्राप्तु | " #₹० २ ० | न इवा अपु | ३५७ |
| नष्टप्रस्मृत | | न स तिष्ठेचि | १६९०, | न सोर्श्वमप्न | | न ह वा इहा | २७२ |
| नष्टप्रस्मृता २२ | • | 1 | १७६४ | न सोऽस्ति नाम |)) | न इवा एनं | २२७ |
| नष्टा दुर्योध | | न सतो नास | ६३३ | न सोऽस्ति राज | १९५२ | न हास्मिन्नस्पं | १९४ |
| नष्टा धर्माः श | | न स दैववि | २४०० | न सोऽस्ति लोके | ,, १९ ५५ | न हास्यशील | १७१३ |
| नष्टापहृतं | | न सद्योऽरीन्वि | १९१२ | न स्कन्दित न | , , , , , , , , , , | न हिंस्यात्पर | ५६७ |
| नष्टायां प्रति | | न स धर्मे न | १०६५ | न स्कन्दते न | 4974 | न हि कश्चित्कृ | २०२६ |
| नष्टावलोक | | न स नेतुम | * ७१५ | न स्तेयदोषं | " | न हि कश्चित्क्व | 2886 |
| न्धे धर्मे म | १८२२ | न सन्ति कुल | १६९४ | | ६३६ | न हि कदिचत्क्ष | १९०४ |
| न्ष्टेन स्थात | १११७ | न स मित्राणि | २०२७ | न स्त्रीणां सह | # ,, | न हि कामात्म | १०६६ |
| नष्टे ब्रह्मणि | ५७२ | न सम्यक् फल | * \$ \$ \$ \$ 9 | न स्त्रीणामक | - | न हि कामान्न | |
| नष्टे शरीरे | १०५० | न सम्राट्काम | ११४ | न स्त्रीसेवा च | | न हिकार्पण्य | २०१३ |
| न संकीर्येत | २८६४ | न स यस्मै न | ३४८ | न स्थेयं विष | | गाहभागण्य न हिकिंचिद | २३७७ ६२७ |
| न संग्रह्णाति | २३४५ | न स राजा व्य | ८७,४९० | न स्पृत्रयते रा | | | ६२५ |
| न संतप्यति | २८ ०४ | न स रात्री स | ११७३ | न रष्ट्रस्थत रा न स्म शस्त्रं ग्र | | न हि कुलाग | १९४५ |
| न संत्यक्षति | १८९३ | न सर्पास्तत्र | २२८८ | ા સ્મ રાસ્ત્ર પ્ર | | न हि कृत्स्नत | २४४५ |
| न संत्यजेच | ११५० | न स संतप्य | ११०४ | | | न हि केवल | १६१५ |
| न संत्याज्यं च | १०६१ | न स संशय | २०१८ | न स्थात्संधिर्म | | न हि गरिःर्व | १२७४ |
| न संधिमिच्छे | २१२३ | न स सिंहफ | १६९९ | 1 41414 | | न हि जातुद्व | २३५३ |
| न संध्यासु न | ९६७ | न सस्यघातो | १९१४ | 1 | | न हि जात्वव | 600 |
| न संनिपातः | १९११ | न सहस्राधि | | न खपेत्स्त्रीय न खभावेन | | न हितंकाच | ४२८ |
| न संनिपाते | २६०३, | न साधयति | # 2 0 4 E | न स्वभावन न स्वल्पं च | रर९३ | न हि तत्त्रीण | १३२५ |
| | | न साम दण्डो | 2634 | न खल्प च न खल्पेनास्मि | **** | न हितत्र ध | १२९० |
| न संरम्भेगा | १०३७ | न साम रक्षः | 2 6 2 6 | न खल्पनास्स न खे सुखे वै | #१२१८ | न हि तत्सक | १२६४ |
| न संवत्सर ५ | ६४,७९९ | न साम्ना शक्य | | | १०२० । | न हितस्थान्य | २६ ०५ |
| न संशयम १८९ | ,०,२०४४ | न मास्त्रीस्थि | | न हंसो ग्रध्नु | 0009, | | २ |
| न संश्रयः रुग | * १२१८ | न सास्त्री द्यभि | # ,, | न हंसी ग्रध | | न हितेजी वे | २०२५ |
| न संस्थितहो | २८६३ | न साहसिक | • • • | न हतमनाः | | न हिते त्रिवृ | ३२९ |
| न संहतानि | | न सिन्धुगा हा | | | | न हिते मर्प | २८०४ |
| न संहतात्र | | न सीदति च | | न हन्तव्या द्वि | | न हिते वीर | २७७५ |
| | 1 | | | न हन्याच्छर | | न हि तेषाम | १२१४ |
| नं संहतार्त | " | न सुप्तं न वि २७७ सम्पर्यः | ५,२७५४ | न हन्यादानृ ' | | न हि दण्डाह | १४११ |
| न सकामा व | * ₹४४३ | | 93 | न हन्याद्बाह्य | ७४६ | न हि दुईसल ६० | ८,२१५१ |
| न स क्षयो म | | न सुष्वाप पु | 4660 | न हन्याद्वन्दि | २७८३ | न हि देतीगृ | #998 |
| न स जातः पु | २८०३ | न सूचको न | १४४५ | न हन्याद्विनि | | न हि दैवम | २४१८ |
| रा. स. २६ | Ē | | | | • | • • • | 1010 |

| | | | | | | | | Ŕ |
|---------------------------------------|-------------|------------------|------------------|--------|-------------|--------------|--------------------|----------------|
| न हि दैवमु | | न हि वायोर्व | २०४९ | | | २९३३ | नाकामः काम | લે ૪૮ |
| न हि दैवेन | २३९३ | न हि वैक्लब्य | १०६७, | न ह्य | जनो ज | १४०३, | नाकामतो ब्रा | ६४९ |
| न हि दोषो गु | १०६९ | | २३८० | | | | नाकामतो वि | ,, |
| न हि धर्मम ५५ | ६,८६५ | न हि वैरं म | २०५२ | | | | नाकारणं वि | १५३६ |
| न हि धर्मवि | २८०४ | । नाइ वराम | २०३७ | 1 | | | नाकारणात्स | २२०५ |
| न हि धर्मीद | ५५७ | न हि वैराणि | २००१, | | | १९१३ | | १९०६ |
| न हि धर्माद्र | ६६६ | | | न ह्य | धर्मोऽस्ति | | नाकार्यमस्ति | १९०५ |
| न हि धर्मार्थ | १५४८ | न हि शक्तोऽसि | #२०२३ | | | | नाकार्यमिह | #६३९ |
| न हि घारयि | १७६६ | | " | ! | न्नं नोद | | नाकालवर्ष | २४७० |
| नहिं नु याद | २२ | | ६१० | J | | | नाकाले प्रण | १०७६ |
| न हिन्वानास | १८ | | २६९९ | न ह्या | मित्रव | २०३२ | नाकाले म्रिय | २८९८ |
| न हि पश्यामि ५६२ | २,२१५० | न हि शौर्यात्प | २७७३, | न ह्या | मित्रे व | * ,, | नाकुण्डली ना | १४४४ |
| न हि पापं कु | ६०९ | , | २७९२ | | | #२६०१ | | १४९७ |
| न हि पापम | ८४१ | न हि संशयि | २१ २२ | न ह्यर | (ण्येषु | १ ३२४ | नाकुलीना न | १६९८ |
| न हि पापात्प | #७९५ | न हि सत्याद्य | १०५९ | न ह्य | छं त्वद्वि | २३५८ | नाकृत्यं ब्राह्म | ७२८ |
| न हि पापात्पा | : ;; | न हि सर्वत्र | १९०४ | न ह्य | वस्येन्द्रि | ९१९ | नाकृत्वा विद्वि | २४१२ |
| न हि पार्थाः स | | न हि साम्ना न | १८९४ | न ह्या | वेज्ञाय | १८७६ | | |
| न हि पालन | | न हि सुप्तमृ | | न हार | साभिः प्र | *६५ ८ | नाऽऽक्रान्तिसाध्यो | २१२९ |
| न हि पुत्रं न | | न हि सोऽस्ति पु | ु २७० ६ | न ह्य | हं न च | २३८५ | नाऽऽऋुष्टं सह | ७९९ |
| न हि प्रशास्तुं | | न हि स्त्रीग्रहा | १००२ | न ह्या | त्मपरि | २३७६ | नाऽऽकोष्टुं सह | * " |
| न हि प्रहर्त् | | न हिस्वं द्रव्य | १५४१, | न ह्य | थानमृ | १०५८, | नाऽऽक्षेप्ता तद्रि | १७४० |
| न हि प्राणस | ८०२ | 1 | १७५८ | | | २३९५ | नागं चतुष्प | * ⋜९४७ |
| न हि बुद्धचाऽन्वि | २०२२ | न हि स्वमस्ति | ५८० | न हुए | गयेन | १८९३ | नागं रथं ह २५४ | २,२५४४ |
| न हि बुद्ध्या स | २०५२ | न हि खसुत | ७४९, | न ह्य | तेऽर्थेन | * ६४७ | नागकिंनर २५३८ | ,२५४६, |
| न हि मन्ये नृ | ८४८ | | .૧,૧૧૪ ૧ | | | १२३१ | | २८९२ |
| न हि महान | १२७५ | न हीदानीमु | | l | हो भृत्य | | नागत्वाऽन्तं नि | १२२८ |
| न हि माता पु | | न हीदशं सं | १०३४, | | | | नागदन्तभ | १३६३ |
| न हि मानं प्र | १५४६ | J. | (२,१६०६ | | | २३८० | | २९६५ |
| न हि मानप्र | | न हीदशा ग | २४५० | न होवं | i मित्र | २०२६ | नाऽऽगन्तुकेष्व | १२३३ |
| न हि मिथ्याऽभि | | न हीनं मणि | १८ ४४ | | | ६८० | नःगपर्वत | २२३४ |
| न हि मे वृजि | | न हीनसम | १३७५ | | | | | र्व क्ष२६८४ |
| न हि यज्ञस | | न हीनाङ्गं न | १६३६ | | | २४२३ | | |
| न हिराज्ञः प्र | | नहुषः खर | , | | | * ,, | नागरककु | २१ १० |
| न हिराज्ञः सु | | . • | २९६३ | | | १८०२ | नागरश्चितो | २६३५ • ३०७ |
| न हिराज्ञां सु | | न हैतेषामे | | | वं व्याधि | | | ,१३९५ |
| न हिराज्ञा प्र न हिराज्ञा प्र | * ,, | न होममन्त्रा | १९९६ | | | | नागवनपा | १३९४ |
| न हिरामो म | | नहाः स पापो | #७१८, | | | | नागवनाध्य | " |
| · · · · · · · · · · · · · · · · · · · | २४९९ | l | * ? ? 9 9 | नाकस्य | । रह | १०४९। | नागवृक्षो लि | २२३८ |

| | | | - | | | |
|---------------------------|------------------------------------|-----------------------|-----------------------------|---------------|------------------------------|-----------------|
| नागश्चतुष्प २९ | ४४७ वातः पापीय | १९५८ | , नात्यन्तगुण | . ५६ | ८ नाधनस्य भ | १३८२ |
| नागश्चाऽऽगात्त १६ | (९५ | | ९ नात्यन्तरा नै | | नाधनस्यास्त्य | ५६०, |
| नागानश्चानम २० | १२ नाऽऽततायिव | २७८१ | र नात्यर्थे परि | 34.05 | | 6363 |
| नागानां भीम २७ | 26 | २७९३ | नात्यर्थवर्षी २ | ४५९,२५८ | ्। नाधनाः प्राप्त | २५७१ |
| नागाश्च विप्रा २६ | ९२ नातमं लोहं | ५ १५५ | ^९ नात्याज्यमास्त | 8691 | नाधनो धर्म ५ | E |
| नागास्त्त्रामभि २९ | ्रे नातप्तलोहो ६३ नामप्रिक्य | २१११ | 1 11/11/1 4 - 1 | ११३६ | ्रानाऽऽधयो ब्या | ष २८९५ |
| | ८३। गातारादस्य | १६ | 1 74 | ६४,१७३५ | ्राधर्म सम | २ ५८ ५५ २७५७ |
| नागे नागे र २७० | ्रानातारारस्य | * ,, | नात्याह किंचि | | नाधर्मयुक्ता | २ ०१२ |
| २७ | • ३ । या। तक्षमाम | 楽 と 0 は | 1111 | | नाधर्मश्रार | २७६६ |
| नागेन्द्रकल्पं २६ | ५ ३ | २०८२ | 1 3 | # ₹५८० | नाधमें कुरु | 2000 |
| न।गेन्द्रमोक्ष २५ | ०४ ना।तकामत्स | • ,, | नात्र तिरोहि | २६८,२८८ | नाधर्मेण म | २७६६ |
| | ज्ह्र नातिकुद्धोऽपि नातिकुरो ना | ९६६ | 1111 41113141 | ९४२ | | २४३० |
| नागेषु हि क्षि १५३ | १४, नात्रकृत मा | १४२८, २३४४ | | #१६१९ | नाधर्मी विद्य ५ | ९९,१०३६ |
| २६. | ८७ नातिगाढं प्र | | नात्र प्लव ल | " | नाधर्षयत्त | ७९३ |
| नामि पतङ्ग १७ | ८६ नातिगाधे ज | १६९० २०१७ | गान पापा | ८०५ | नाधर्षयेत्त | # ७९३ |
| नामिहोत्रवे ११ | १६ नातिदण्डो न | | 1114 41.412141 | · + ,, | नाधातुनीग | १४९७ |
| नामेर्देवता २ | ° ° नातिदीर्घ ना | ११८२ | | १८५८ | नाधिकारं चि | २३४० |
| नाम्रन्थिनीति २८ | | 2979 | नाथों वे भूमि | १८११ | नाधिका शस्य | २९०२ |
| नाग्रहीष्यन्पु ८ः | 1.11/12/2011/1 | - ५३७८ | नादण्डः क्षत्रि | ५६१, | नाधिगन्तुं म | 282 |
| - 00 | ६२ नातिभन्नं पी | क ्र, २६९७ | | १०५१ | नाधीते नात्र | 4608 |
| नाचामरो ना १४० | | २४ <i>०</i> १ | नादण्डस्य प्र ५६ | | नाधीयीरंस्त्र | ८२४ |
| नाच्छित्वा पर ५६ | 1 0 | १७१४ | नादण्डचं दण्ड । | | नाध्यगः छत्क्व | १२४६ |
| १८९०,२०४ | `) ~ ~ | ७९३ | नादण्ड्यान्दण्ड | ७२७ | नाध्यगच्छद् नाध्यगच्छद्वि | ५५५ |
| नाऽऽच्छिन्दे चापि१६३ | ``\ | १०८७ | नादण्डचो नाम | 4704, | | # १ २४६ |
| नाऽऽच्छिन्दे चाप्य | नातिसमीप | १४८६ | 890 | 1011101 | नाध्यापयन्त्य नाध्यापयेद | ६०१ |
| | नातीयात्कार्य | १७९६ | नादण्डचो राम | | | ५७९ |
| क ,, नाजितेन्द्रिया ७७ | ू नातीव स्त्रियो | १००३ | नादण्डचो विद्य | ,,,, | नानभिवाद्यो | १६२९ |
| नाज्ञातिरनु १०६ | ्रीनातो यतेत | १९३७ | नाऽऽददीत नृ | , , | नानयोरन्त | # ७ १९ |
| # 8 9 4 | ्र नाऽऽत्मच्छन्दन | , , | नादाक्षी नाद | | नानर्थकेना | २०४३ |
| नाऽऽज्ञापयेछे १७५ | । जाररत्याकृत्य प | ,, | नादितां भृश | | नानर्थयन्प्र | #१ २८७ |
| १८३ | | | नादूरे पत्ति | | नानर्थयन्वि | " |
| नातः कूरत २७६ | 1133(41-07 1 | | नादेयैः सार | | नान।कर्मसु | १०९९ |
| -1 | 4177(4144 16 | 1 | नाऽऽदेेथोऽमित्र | #२०३७ | नानाऽऽकृतिं ते | २८४३ |
| | भ नाऽऽत्मसंगोप | | न।देवं देह | ९६६ | न।न।कृतिब | १५०३ |
| | नात्यन्तं गुण | # ५६४ | न।देशकाले | १९०४ | नागहोप | १४८४ |
| | नात्यन्तं मृदु | | नादोपरि शि | | नानाचित्रध | ₹₹७ 00 |
| २५० र, २९८ | ५ नात्यन्तं सर | 99 | नाद्य शक्याम | | नान:चिह्नध | |
| | | | | | • | 99 |

| नानात्मत्रान्न | १४४५ | . नानालिपिज्ञौ | १६३५. | नान्यं धर्मे | प्र ५५५ | नापिता रज | २३४७ |
|----------------|----------------------|---------------------|------------------|---------------|--------------------|-----------------|--|
| नान।देशनि | *{88 | 10 | ३७,१८४७, | | | | ११८९ |
| नान:देशस | १९५५ | 1 | . २३३५ | 1 | | | १००२ |
| नान देशीय | ८९६ | नानावणिग्ज | १४४३ | 1 . | | | १२३७, |
| नानादेश्यैः स | १४१९ | | १९५५ | | | | २३५ <i>०</i> , |
| | १४२१ | | २७५२ | | | 1 | १८४ |
| नानाद्विजग | १०९२ | नानावर्णस्तुः | २८३७ | नान्यत्र बुरि | | नापैति काया | |
| नानाधियो व | ३८१ | ,नानावणीकु | २८४३ | नान्यथा तन | म ८३९ | नाऽऽप्तजनैर ९ | २४११ |
| नानानं वा उ | ,, | नानावर्णेन | १४९६ | | थे १८५९ | | ,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,, |
| नानान्यति | ,, २७१८ | नानाविषांश्चे | २४३३ | | | | ',,, ,, २०० १ |
| नानापक्षिम् | * १ ०९२ | 1 ~ . | ७४० | नान्यथा ह्य | | नाप्रतिग्रह | २००४ २६९५ |
| नानापक्षिःया | २५ ४८ | | १५१८ | नान्यथा ह्य | मि ,, | नाप्रतिग्रहो | २७५ <i>१</i> |
| नानापण्यस | २९४० | ^ | २५४० | नान्यथैतन्म | #८३९ | नाप्रधाने नि | २८४६ |
| नानापद्मव | 4 | | ४०६ | नान्यमत्र प्र | १८९४ | नाप्राप्य पाण्ड | २३७ १ |
| नानापुष्यस | | नानावृक्षल | १४८३ | नान्याधिका | १७४४ 🏻 | i | |
| नानाप्तदक्षि | ,, ६०१ | I | २७१० | नान्यानपीड | १३२३ | नाब्रहा क्षत्र | ६९९ |
| नानातैः कार | १०६४ | 1 | १८६ | नान्यायं च | | नाब्रह्मचारी | ६०२ |
| नानाप्रकार | २ ९६२ | | २५४० | नान्यैः शयी | | नाबाह्यणं भू | ५५५ |
| नानाप्रकार | २४५८ २ ४५८ | | ર | नान्यैनिकारं | १०६९ | नाबाह्यणस्ता | " |
| नानाप्रदक्षि | # \$ 08 | | ४३७,६०१, १४४४ | नान्योऽग्रिज् | लि ९८२ | नामक्तं चार | * १ ० ६ ४ |
| | . ૨૨, १५२३ | | | नान्यो ज्ञाते | | नाभविष्यच्छ्व | ८२१ |
| नानाभरण | # २९ ४६ | | 20 5 * | नान्यो धर्मः | क्ष ६५७ | नाभसं मध्य | # २९२ ० |
| नानायकं क्व | ८६० | नानिर्दिष्टे त | | नान्यो निका | | नाभागोऽथ य | #२७५८ |
| नानायन्त्रायु | १४४३ | 1 | १७१४ | नान्योपतापि | | नाभागो हि य | " |
| नानायुधध | રંહ4૨ | नानिर्दिष्टो द्वा | १७१७ | नान्यो राजा | न २७६६ | नाभाविष्यस | १७८० |
| नानायोधस | १५२२, | नानिवेद्यप्र १२ | | नापकर्षसि | ५४९,२२०९ | नाभि विनाऽन्य | २५०३ |
| | *१५२३ | नानुतिष्ठति | #६६४ | नापत्रपेत | १०७४ | नाभिनन्दति | १७०० |
| नानायौधस | | नानुतिष्ठसि | ,, | नापराधं तु | १९८४ | नाभिमध्ये त | २९८१ |
| नानारञ्जन | १५२३ | नानुत्पन्नेषु | २९१४ | नापराघं हि | ११४० | नाभिमात्मान | १८५२ |
| | २६०१ | नानुशोचिस | २००८ | नापरीक्षित | ७३४,क७३४, | नाभिर्मे चित्तं | १८१ |
| नानारत्नच | ₹४४₹, | नानुशोचेत 🕝 | e ,, | | ५,९६८,९८१, | नाभिर्वा अस्थै | २८० |
| ~~~~ | \$ 888 | ना नृग्वेदवि | १६६७ | | #967,962 | नाभिश्रोणी स्फि | २५१४ |
| नानारत्नम | २९४५ | नानेन ऋतु | २७६ ९ | नापरीक्ष्य न | | नाभिषेच्यो नृ | २९४७ |
| नानारूपं कु | | नानैव मासोः | | नापरीक्ष्य म | १२०८, | नाभिह्वारे प | ५१० |
| नानारूपा ओ | | नानैवार्धमा | ,, | १६ | .९८, ७१ ७६२ | | ५६२ |
| नानार्थिकोऽर्थ | | नानैवाहोरा | | नापश्यत्सर्व | १८१२ ' | नाभीतो यज | " |
| नानाथेंषु च | | नान्तमेषां प्र | | नापागाः शौद्र | त १९१ | नाभीमूले क | १५३७ |
| नानालंकार | २९८४ | नान्धः कुरूणां | 1 | गपात्रवर्षी | 0609 | नाभुङ्खानो भ | २४३४ |
| | | | 1 | | • • • • | | • • |

| 7744 | | c | | | | | |
|-----------------|-----------------|------------------|----------------------|------------------------|-----------------|----------------------------------|-----------------|
| नाऽऽभ्यन्तरा न | # १५१६ | ्नायु युत्सुर्नि | | ५ नाऽऽरोहेत्कामु | | ्रावज्ञेया म | १९९७ |
| नाभ्यामभूत्र | | नारक्षिते गृ | ९६ | ० नाऽऽरोहेत्कुञ्ज | ७३४ | , नावज्ञेयो रि १ | ८८६,१९९६ |
| नामंस्यत य | | नाऽऽरण्येम्यः | | ₹ | ९८१ | | •4६३ |
| नाम नाम्ना जो | ६५ | | हि 🛊 " | नाऽऽरोहेद्विष | ९८४ | नावध्यक्षः | ६७१ |
| नामभेदेन | २८९४ | | २०५ | ॰ नार्जुनं जह | २७१९ | | • २२९९ |
| नाममात्रेण | १०४५ | | ५४ | | | | ८२३ |
| | १२,२८२ ० | 111/4/1 3 | ६२६ | | १५४६ | | १८९२ |
| नाम विश्राव्य | २३८६ | नारदे यनम | २०५१ | नार्थमल्पं प | ७१३ १९ | नावमन्तव्य | ८२४ |
| नामहात्मा न | १ ४४४ | नाऽऽरब्धानि | म १७८० | नाथिकोऽर्थिन | १८९० | नावमन्यामि | # २०१४ |
| नामहापुर | ६०५ | नाऽऽरम्भितस | ११५७ | 11. 11.3. 11 | १४४५ | नावमन्ये च | ,, |
| नामात्यसमि | २४४३ | नाऽऽरम्भो बहु | | नार्या नरेण | २५३ <i>१</i> | नावमन्ये ज | ,, |
| नामात्यसुह | * ,, | नारयः प्रति | १३१७ | | | नावमानं नो | ११ ४४ |
| नामादी यो भ | २४७२ | | २९९ ४ | 1 | प १२४५ २७६६, | नावमानये | २८२५ |
| नामानि रूपा | १५२१ | नाराचैर्जर्ज | २७०३ | 1 7 | २८१५ २८१५ | नावमान्या बु | #१०४६ |
| नामान्येतानि | ६१५ | नाराजकं क्ष | | 1 | | नावमान्या रा | १२७०, |
| नामापि स्त्रीति | ९३३, | गाराजक दा | ८६२, | | २६ ०६ | | १७ ४७ |
| | १६०५ | | ११५४ | - • | * ,, | नावमान्यास्त्व | १०४६ |
| नामित्रो विनि | २८१५ | नाराजऋस्य | २६ | नालं च जाली | १४७० | नाऽऽवयोर्विद्य | 2030 |
| नामुद्रहस्तो | १४९१ | नाराजके कु | ८०३,८१९ | नालं वर्णद्व | २८४१ | नावश्यायोऽपि | |
| नामृष्ट्रभुङ्न | १४४५ | नाराजके गु | ८० ३ १२ १२ | नालम्पटोऽधि | १२७८ | नावां मुखे प | ६३५ |
| नामृष्टभूष | १ ४४४ | नाराजके ज | ८०३,८०४ | नाल्साः प्राप्नु | २०४४, | | २८४८ |
| नामृष्टभोजी | _ | नाराजके ध | ८०३ | | 1 | नावा वृतं प राज्य बड़ेन | २५८१ |
| नामृष्टो नानु | ,, | नाराजके प | " | नालाग्निचूर्ण | 25// | नावा वृतैर्ना | # ,, |
| नाम्या तत्सर्व | * ,, | नाराजके पि | ۷,, | नालास्त्रं शोध | 91.30 | नाविकसार्थ | २२६४ |
| नाम्नाऽयं केलि | १४७१ १४९६ | नाराजकेषु | હેલ્પ | नालास्त्राणि पु | | नाविकाः खन | २३४७ |
| नायं लोकोऽस्ति | | नारायणव | २७१९ | नालास्त्राथीं मि | | नाविज्ञातं पु | १६७६ |
| | २६ ०६ | नारायणस्या | ६५५ | नालिकं द्विवि | | नाविज्ञातः पु | १६७८ |
| नायकं तत्कु | * २७७२ | नारायणाय | २८६० | | | नाविज्ञातां स्त्रि | ७३४, |
| नायकं नीति | १२४४ | नारायणे त्वे | ६५६ | नालिकाभिर | 888 | | ७४९,९८ १ |
| नायकं वाप्र | २७७२ | नारायणोऽब्ज | ર પે૪૪ | नालिकास्त्रेण २६८८ | ४,२६९०¦ः | नाविज्ञाय प | ११९३ |
| नायकः पुर | २६८८, | नारिष्टं नेत | २८४० | नाली कुनाली । | ३९९९ : | गविद्यो नानृ | * १६९९ |
| | ३,२७३४ | नारी तु पत्य | १०९५ | नाली सुनाली | | गविश्वासाचि | २०३९ |
| नायकास्तव | २३५६ | नारी पुत्रं धा | ५०७ | नाऽऽलोक्स्येत्स्व | | । विश्वासाद्वि | |
| नायमुद्योग | २४५३ | नारीसंज्ञाश्च | | नाल्पं महद्रा | २१४९ न | | * ,, |
| नायसोछिख्य | | नारंतुदः स्था | | नाल्पमर्थे प | | गट्ययमु ग्रह्मस्यन्ती | ६३९ |
| नाऽऽयुधव्यस | 1 | नाऽऽरुह्य विष | , ,,, | •• | | गष्टुत्रस्तरता गावेक्षन्ते रा | ९६७ |
| नायुध्यमानं | i | नाऽऽरोहयेत्व | | नाल्पेन तप | | | २४३८ |
| नायुध्यमानो | | नाऽऽरोहयेतु | l l | गाराम सप नावजानाम्य | | गवैद्यो नानृ | १६९९ |
| • | | • • | 1304 | ા કળાળા+લ | ६०२। | नाशं तथा श | २८६९ |
| | | | | | | | |

| नाशकद्रक्षि | # ८४५ | नासामवेद | १६६७ | नास्त्यसाध्यं ब | ६३०,। | नाहं जीवति | २३५४ |
|--------------------------------|--------------------|-------------------|----------------------|-------------------|--------------|------------------|---------------------|
| नाशक्नोद्रक्षि | ८४५ | नासावर्थी ध | २०८१ | | १५०२ | नाहं ते विप्रि | १०९१ |
| नाशयेद्वल | #8060 | नासिकाबन्ध | २६६ ० | नास्त्यौचित्यमे | ७६८ | नाहं त्वया स | २०३१ |
| नाश यहरू नाशहेतुर्भ | १७८१ | नासिकायां प्री | २५०२ | नास्थाने क्रोध | १२९१, | नाहं त्वां प्रति | २८०३ |
| | ५७२ | नासिका श्रव | १९८७ | | २०८४ | नाहं त्वा नाभि | २०५० |
| नाशाञ्च ब्रह्म नाशुभं विद्य | १०९३ | नासिद्धी व्यथ | २३७८ | नास्थिशल्यः श | २७८७ | नाहं निकृत्या | १५४६ |
| नाश्चम ।पथ नाशो भवति | *2823 | नाऽऽसीत्पुरे वा | १२४६ | नास्मिञ्जातु कु | २३८७ | नाहं प्रमाणं | २०३८ |
| नाशो योग्यन | १८७२ | नासुरैर्न पि | १०९९ | नास्मिन्नर्थे म | २७७५ | नाहं राज्यं क | ७३० |
| नाशा याग्यन नाऽऽशौचभाज | २७८८ | नासुहृत्पर ६०३ | १,१७६२ | नास्मिन्पश्यामि | २०१३ | नाई राज्यं भ | १६२३ |
| • | ९५८ | _ | * \$888 | नास्मै पृश्नि वि | ३९८ | नाहं राज्यम | " |
| नाऽऽशौचसूत नाश्रन्ति विधि | १५८ ११०२ | नासूयामि द्वि | ६२७ | नास्मै समितिः | ३९९ | नाहं राज्यसु | १०६६ |
| | | नासोष्ठकपो | १५३६ | नास्य कृत्यत | ५७९ | नाइंवादी न | ११७५ |
| नाऽऽश्रयन्ति च | ७६६ | नासौ देवो वि | ५९० | नास्य कृत्यानि | १८९० | नाहं शरीरे | ६५६ |
| नाऽऽश्रयेद्वाल | १०८० | नास्तिकं भिन्न | २४५६ | नास्य क्षत्ता नि | ३९८ | नाहत्वा मत्स्य | ५६२, |
| नाश्रेयसः प्रा | २४२५ | नास्तिका दाम्भि | १७४१ | नास्य क्षेत्रे पु | | | ०,२०४५ |
| नाश्रेयसः से | २४२४ | नास्ति कार्ये द्य | १५७१ | नास्य गुह्यं प | ,, १७७२ | नाहमस्य प्रि | १६८९ |
| नाश्रेयसामी | ,, | नास्तिक्यमर ५५ | | नास्य च्छिद्रं प | ६१ १, | नाहमेतद | २०१२ |
| नाश्रेयानीश्व | \$,, | | ११७७ | | २४,११०९, | नाहमेताद | १३२० |
| नाश्रयान् वै प्रा | # २ ४२५ | नास्ति जातु रि | * २० २८ | 20 | ४३,१८८६, | नाहस्ताभर | १४४४ |
| नाश्रेयान् वै से | # 4848 | नास्ति जात्या रि | १८५८ | , , | २०४४ | नाहासा सम | १९९७ |
| नाश्वेन रथि | २७६५ | | ८,२०४५ | नास्य जाया श | 396 | नाऽऽहूयेदप | ७४३ |
| नाषडङ्गवि | # { 8 8 8 8 | नास्ति धनव | १३३४ | नास्य घेतुः क | ,, | नाहैवास्मान्नि | २९० |
| नाषाड्गुण्यवि | २०७२ | | ६४९ | नास्य प्रत्यक्षं | २०१,२०६ | नाऽऽह्वयेदप | #08 <i>\$</i> |
| नाष्टास्रं न त | २८३० | नास्ति भर्तृस | १०९१ ³ | नास्य ब्राह्मणो | ४२१ | नि:शब्दं चाप्र | १५०३ |
| नासंनद्धो ना | २७६५ | नास्ति भार्यास | ३ १०८८ | नास्य यज्ञक | *५८ <i>१</i> | निःशब्दा हीन | २५२९ |
| नासंविभज्य | ६०२ | नास्ति भीरोः का | ११०६ | 1 | | निःशर्करा नि | # २६८ ४ |
| नासच्छास्त्रर | #202 | नास्त मेत्री स्थि | २०२ ९ | ,, | * ,, | निःशर्करा वि | २६७२ , |
| नासच्छास्त्रव | ,, | ł . | २७५६ २७५६ | 1 | " | 1 | ४,२७५१ |
| नासतो विद्य | #६३३ | नास्ति राज्ञां स | | 411.54 41.4 74 | १६८७ | निःशीरा च तृ | ^{०, २०} २१ |
| नासत्यं क्वापि | ११२३ | नास्ति लोके स | २९२८ | | ४८३ | निःशोषं कुपि | २०९८ |
| नासत्यौ देव | २९५८ , | नास्ति वै जाति | २३७० | नास्य वर्तान | ** | - | |
| | ૨ ९७६ | नास्ति वैरम | क्र०३६ | नास्य वाच्यं भ | २३९४ | निःशेषं मज | # १६६० |
| नासम्यक्ङृत | १८८६, | नास्ति वैरमु | ,, | न,स्य व्रणश्च | २६५ | निःशेषं मार्ज | " |
| ~" | २०४६ | 1 | प१० | नास्य श्वेतः कृ | ३९८ | निःशेषकारि | २०१३, |
| नासहायस्य | १२४९ | नास्तीदृशं सं | # १०३४ | नास्याधिकारो | २००० | | २६ ०७ |
| नासहायास्तु | | नास्त्यग्नेदीर्व | 606 | नास्यानिष्टानि | १६८९ | निःश्वासं पर | २५१३ |
| नासाध्यं मृदु | | नास्त्रलसस्यै | ११०६ | \ | | नि:श्वासोच्छ्वास | ७९० |
| | | नास्त्यविवेका | | नास्रक्ष्यद्यदि | ८२१ | निःसंशयं नि | ६५० |
| | | | | | | | |

| निःसंशयं फ | २३७५ | √निखिलां पृथि | में २३५८ | /निग्राह्यस्ते स्व | #995 | ्रिनित्यं धर्मे क्ष | ५९२ |
|---------------------------|----------------|-----------------------------------|---------------|----------------------|-------------------|---------------------|-----------------------|
| निःसंशयं वि | २१६४ | निखिलाः पृ | थि 🐇 ,, | नियाह्या एव | १०६० | | २८६९ |
| निःसंशयो न | ११५६ | निगडैर्बन्ध | ર્ષ જ | निचयश्च नि | ५७० | नित्यं नैमित्ति | १४५९ |
| निःसत्यता नि | १५९९ | निगदितवि | २८२७ | निचयान् वर्ध | १४४३ | नित्यं पञ्चोप | १७६३ |
| निःसारणं मृ | १४९४ | निगू ढश्चुप | •२६७९ | | २१९७ | नित्यं पाञ्चाला | |
| निःसारतां न | १३६८ | निगूढचारि | १४१० | | | नित्यं प्रवास | # २५ ९३ |
| ' नि:सालाम् ' | इति २८५३ | निगूढबुद्धि | १०८१ | निजदेहमि | २८८८ | नित्यं प्रवासा | १५३०, |
| निःसृतो नाश | १७६१ | | * ,, | निजदैवानु | २१७६ | | ७२५९२ |
| निःस्थाणुवृक्ष | २६७ २ | निगूहतः फ | २२८ १ | निजपतेष | १४३५ | नित्यं बुद्धिम | २०४० |
| निःस्थाणुसिक | २६८४, | निगृहीताद | ९६८,१०७३ | निजलमद | १४९४ | नित्यं मनोप | ११३२, |
| | રહષ્ શ | निगृहीतेन्द्रि | ८७९,८८८ | निजवेलात | १३८२ | | १४२,१६०६ |
| निःस्नेहतां चा | १७१३ | निग्हीतौ तौ | १२७४ | निजशक्या स | १२०५ | | |
| निःस्पृहः स च | २३४४ | निग्रह्णीयात्स्व | | निजश्च विदिल | २५८७ | नित्यं युक्ता रा | . |
| निःस्प्रहाणां का | ११६३ | निगृह्णीयान्म | #१५१७ | निजागमोक्त | ९१२ | नित्यं रक्षित | १०७९ |
| निःस्रावयामा | २०१७ | निगृह्य तं म | १ १२२ | निजानुत्पत | १०४४ | नित्यं राज्ञात प | ७४३,१४१८ |
| निःखाध्यायव | ११२१ | निगृह्य बोध | १७४८ | निजोऽथ मैत्र | २ २५७७ | नित्यं राष्ट्रम | १०८१ |
| निकटस्थायि | १९५७, | निग्रहं चाप्य | १०३४ | नितत इव | २०६,२२० | नित्यं छोके हि | २७३१ |
| | २६६९ | निग्रहं चास | ७३३ | निततेव दू | २२० | नित्यं वश्यं स्र | १२९४, |
| निकामं सक्त ९ | 33,8604 | निग्रहं प्रकृ | २२०० | नि तद्दधिषे | ર ૨ ५३५ | | २०९१ |
| निकामे निका | ४१२,४२४ | निग्रहः पण्डि | प४ | नित्यं क्षताद्वा | १२०९, | नित्यं विप्रति | १६८९ |
| निकायेषु नि | ७३२,८२५ | निग्रहप्रग्र | #१ ७६१ | | १२८९ | नित्यं विवर | १९१३ |
| निकुम्भं नर | २६५ ९ | निग्रहश्चापि | २०४६ | नित्यं गीतेन | * ₹८६९ | नित्यं विश्वास | २०३२ |
| निकृतस्य न | १०६९ | निग्रह श्चैव | ७४५ | नित्यं गोब्राह्म | ६३२ | नित्यं संचिन्त | ६६५ |
| निकृतिर्देव | १५४६ | निग्रहाद्धर्म | १०५६ | नित्यं च कार | २८५ १ | नित्यं संनिहि | २८६०,प१ |
| निकृतेनेह | २३८८ २३८८ | नियहानुय | ५५७,५७७, | नित्यं च जुहु | २८६९ | नित्यं संमार्जि | १ ४८ ९ |
| निकृत्या काम | * १ ५४६ | | | नित्यं च पट | २८६८ | नित्यं संसेव | १७४६ |
| निकृत्या यत्प | 2099 | વ | | नित्यं च वश्याः | | | ६४,११८९ |
| निकृत्या हन्य | ६३४ | 8 | , , | नित्यं च विज | 1 | नित्यं स्वार्थप | २१४४ |
| निकेतनानि | 88/19 | निग्रहीतुं त | | नित्यं चारेण | १६४० | नित्यं खाहा ख | १०६७, |
| निकोचा भि षु | 9./66 | निग्रहीतुं य | | नित्यं तद्भाव | १५२३, | | २६८० |
| निकोचारिष्ट | | निग्रहेण च # | · . | · | | नित्यं खेभ्यः प | ७३६, |
| निक्षिप्तरास्त्रे | | निग्रहेण हि | | नित्यं तस्माच्छ | १२८९ | | १४,१४१७ |
| निक्षेपोपनि | | निग्रहेणास जिस्से सम | | नित्यं तस्मिन् स | , | नित्यं हि प्रति | # १६८९ |
| निखने <u>द्</u> रोवि | i | निग्रहे प्रग्र निग्राह्यः सर्व | १०३४ | A | | नित्यं हिरण्य | ९१५ |
| ानखनद्गाप निखन्यते ग्र | २६६० | ાનપ્રાહ્ય: લવ | | नित्यं तु ब्राह्म | | नित्यं हि व्यस | १०६१, |
| ानखन्यत | | नियाह्यस्ते स | | नित्यं त्यक्तं रा | ५९२ | | १५४८ |
| । न ५ व ५ झ | 4580,1 | 13161411 A | ७९२। | नित्यं दे वकु | १५११ | नित्यं हुग्रश्च | १५१३ |
| | | | | | | | - • • • |

| | ७ नित्यविश्रम्भ | २६९१ | निद्रान्तरितः | १८०१ | निन्देन्न च | १११६ |
|--------------------------------|-------------------------|------------------------------|-------------------|---------------|--------------------------------|----------------------------|
| नित्यनैमित्ति ८९८,१६३१ | , नित्यशश्चोद्धि | २०४३ | निद्राभिभूतां | ६५६ | निन्द्यास्य मानु | |
| २३५१,२९० | १ नित्यश्च कामे | १५५७ | निद्रायां च नि ६ | ८२,१५७१ | निपतति शि | २६ ९ ३ |
| नित्यपरीक्ष १२३७,२३५ | ° नित्यश्च कोप | " | निद्रार्तमर्ध | २८०१ | निपातय म | र५११ |
| नित्यपुष्पफ १०५ | नित्यश्च रात्र | २०९३ | निद्रार्थे च वि | १४८४ | | २०३५ |
| नित्यप्रवास २५९ | | १५३२ | | । ५५३ | | २३३७ |
| नित्यबुद्धिम ७६: | २ नित्यस्नानं द्वि | ९६५ | 1 | २५२० | निपुणानर्थ १७ | |
| नित्यमत्ताश्च २७२ | | * १५१३ | निधनं क्षत्रि | *२७५६ | | . ,, ः ः, २३ ३ ९ |
| नित्यमत्तैः स 🛮 🕫 १४४५ | नित्याकारण | 2362 | | ,, | निपेतुस्तस्य | 19488 |
| नित्यमदन्त ९६५ | नित्याधिकाराः | २२२९ | 0 3 | ११२१ | la . | २४२८ |
| नित्यमर्थय ७६९ | १ नित्यानन्तरं १५ | | | २०७७ | निबोध चय | १०५६ |
| नित्यमर्थवि ५५: | नित्यानि पाण्ड | १८९९ | 1_ | २०१ | निबोध च शु | १०३५ |
| नित्यमर्थेषु १२४३ | नित्यानुषक्तो | २१६७ | 1 | ૨ ૪९ | निमृताधिकु | ११८९ |
| नित्यमल्पभो २०९ <i>०</i> | नित्यान्याहा र्य | २९२९ | 1 | २९०३ | निमङ्क्येऽहं | २३६ |
| | ९ नित्याभ्यन्तर | १६०२ | 1 | | निमज्जत्याप | 6 2022 |
| नित्यमस्मिन्स #१२८६ | 1 | २०९३ | निधि द्विजोत्त | १३६०, | निमज्जमानं | ७५८ |
| नित्यमाटनि २५९४ | | ५०५२ # २९०१ | 1114 12414 | १३६२ | निमन्त्रयीत | # २० ४६ |
| नित्यमात्महि १५९४ | 1 | # 4201 | निधि पुराणं | १३६० | i | |
| | | " | निधि बिभ्रती | 806 | l _ ' ' | ,, १०७ १ |
| नित्यमुख्याः स्यु १७०२ | 10 | ६०४ | निधि ब्राह्मणो | १३१ २ | 1 | २६७ <i>०</i> |
| नित्यमुत्तम २६७९ | 10.5 | २४३७ | CC: | _ | निमित्तं तत्र | २४८५ |
| नित्यमुत्साह ७२६,११८१ | 10. | ** 85.53 *** 85.53 | निधिर्भमौ वि | त ,, १८४२ | | १४७९, |
| नित्यमुदक २३२६ | 10-1-1 | *१६२३ | निधित्रद्भाग | १३६० | | - |
| नित्यमुद्धत 🛊 १५०९, | नित्योदको ब्रा | ;; | 3 | | | ७६,२४६० |
| #8480,#8900 | । गरमाञ्च जान | | निधीनां तु पु | १३४३ | - | २५०१ |
| नित्यमुद्यत ६००, | नित्योद्युक्तो द | | निधीनां हि पु | \$,, | निमित्तराकु | २३३६ |
| १०७९,१५०९, | नित्योद्धिमाः प्र | | निध्यधिगमो | १३०६ | निमित्तानि च | २४८५, |
| १५१० ,१८८५, | 1 | - 1 | निध्यादिकं च | १८४१ | | ०१,२७७५ |
| १८८६,१े९६८, | नित्यो नित्योत्पा | | निनीषुः पद | # 10 10 | निमित्तानीह | २४८३, |
| ^२ ९७ <i>०</i> ,२०४२ | ।गत्या ।हरण्य | | निन्दन्ति स्वान | १०६२, | | २९१६ |
| नित्यमेभिर्गु २३४४ | | # १६९ ४ | S > | | निमित्तान्येव | * ₹५१९ |
| नित्यमेव त १४१८ | निदर्शनक | | निन्दन्ते खान | | निमित्ते शकु | २३६०, |
| ^ - | निदर्शनान्य | | निन्दन्त्यवम | *१७७६ | निक्किस | २४५७ |
| नियमेवेट | निदेशकारि | | निन्दया पर | | निमित्तेषु म ८० <u>०</u> ०० | २४८५ |
| A | नि दे शकार्य | | निन्दांच दण्ड | | निमित्तैर्विहि | २७०२ |
| ^ | निदेशयति १५२ | र,२३६६ | निन्दाप्रशंसा | 1 | निमिनिशि ज | # ₹००२ |
| ^ - | निदेश व श | | निन्दा प्रशंसा | १८३४ f | _ | २२७६ |
| गान्यमा १५ ६४६ | नि दे शात्सृत | २७२० । | निन्दितानि च | २०८१ f | नमेषमात्रे | २६९२ |

| | | | | • | | | • |
|-----------------------|------------------|----------------------------------|---------------------------------------|---------------------|----------------|-----------------------------|---------------|
| निम्नं दुष्कर | # १५१ | ८ नियुक्तपुरु | # १७१ | ्रिनरन्तरं य | २४६५ | ्रीनिष्तसाहस्तु | २०९७, |
| निम्नं पुष्कर | " | नियुक्तश्चाप्य | १९६८ | निरन्तरयो | १ ९२९ | | રંપપંજ |
| निम्नलातरा | 2890 | नियुक्तस्तान्म | १६५६ | निरन्नमपि | २६ ९५ | निरुत्साहांश्च | |
| निम्नमुन्नत | 6 8 4 8 4 | नियुक्तिर्मनित्र | १ २४७ | निरन्नस्य स | ९६५ | | ११०६ |
| निम्नयोधिनो | २०९५ | | १७०० | निरपेक्षस्य | १२२९ | | १ ४४५ |
| निम्नस्थलप्र | २३१७ | व्यक्तियुक्तीयः प | ٠,,, | निरभिमानो | १ २६४ | निरुद्धं गग | १०९७ |
| निम्नख्रलयो | २०९५ | 10 | २६६ ९ | | १९४१ | निरुद्धा भार | १४१६ |
| निम् ने षुच नि | #2986 | नियुङ्जीत प्रा | २३४० | निरभ्रे चाथ | \$ ₹९२४ | निरुद्धो देश | २०८४ |
| निम्नोचानां तु | 2428 | | १७१२ | | ,, | निरुद्धिमस्त | ११२३ |
| निम्बकाष्ठेन | २८३३ | | १ ०६९ | I | २३८३ | निरुद्विमा व | १०३५ |
| निम्बकुशाम्र | २२६० | नियुतं प्रयु | १८४७ | निरमित्रान | १०० | निरुद्धियो हि | १८८६ |
| निम्बाटरूष | ९६० | <u> </u> | १५१४ | निरमुं नुद | ५०९ | निरुन्धानाः स | |
| निम्बानां सिन्धु | १४७६ | नियुद्धकर्म | १५२१ | निरमुं भज | ३४३ | | १२३१ |
| नियच्छन्नित | २३८७ | 1 ~ 4 | ११३६ | निर्थं कल | ११७२ | निरुपमह | *2424 |
| नियच्छ यच्छ | २००९ | नियुद्धादी नृ | ९६० | निरस्तं चाप्य | ८५८ | निरुपहत | ,, |
| नियतमिति | #2688 | नि येन मुष्टि | ४८१,४९१ | निरस्तं नमु | १५६ | निरुष्य कस्मा | २४३० |
| नियतमुप | * ,, | नियोक्तव्या य | १ं७१६ | निराजीव त्वा | १५५६ | निरूपितमि | ७३०,१३५९ |
| नियतविष | ७५८ | नियोगं पौरु | १७११ | निराजीव्यं त्य | १७३१ | निरूप्य तत्प्र | १६५६ |
| नियतस्तोर | २५२८ | नियोगविक | २१०३ | निरातङ्के नि | २१७६ | निर्ऋतिसहि | २५४२ |
| नियतस्त्वं न | ५७२ | नियोगसंप | १२४८ | निराबाधक | २५६ ९ | निरोद्धव्याः स | |
| नियतां सिद्धि | १५१९ | नियोगिनां स्थि | १४९३ | निराल्सा जि | १८२७, | | ७०८,१९७८ |
| नियतात्मा म | ०११ ७६ | नियोगिमन्त्रि | ,, | 86 | २८,२३४४ | निर्गच्छतश्चा | २ ३०१ |
| नियतान्येव | २९०७ | नियोगिषु ल | १२३८, | निराल्खाः सु | १७०९, | निर्गच्छन्ति च | |
| नियतायश्च | ९६ १ | | २३५० | | १७१६ | * | २३४८ |
| नियतो यत्र | ७९२ | नियोजयति | १६९८ | निरालोके हि | १७३४ | निर्गच्छेच वि | #२ ६७७ |
| नियतोऽसद्ग्र | ११५३ | नियोजयसि | २३८७ | निराशिषो जी | ५८९ | निर्गच्छेत्प्रवि | ९९३, |
| नियन्तव्यः स | ११७२ | नियोजयामा | | निराशिषो व | ५८५ | २६ | ६७१,२६७८ |
| नियन्तव्याः स | १३८७ | नियोजयेच्च | २७४९ | निराज्ञीः स्थात्स | ५८३ | निर्गच ्छे दिध | ९७३ |
| नियन्तारम | 2302 | नियोजयेत्स | ११२४ | निरासारं वा | २१९७ | निर्गच्छेयुर्वि | १६५७ |
| नियन्ता सर्व | 6 2 2 1 | नियोजयेद | | निराहारस्य | ६३८ | निर्गतस्य तु | २५०६ |
| नियमस्तु म | | नियोजयेद्धि | | निराहावान्कु | | नेर्गतो नृप | २४६४ |
| नियमितम | | नियोजयेद्द | , - , - | निरिन्द्र भूम्या | | नेर्गत्य नग | २९१२ |
| नियम्य ग्राम | | नियोजयेन्म नियो जयेन्म | | निरीक्ष्य निपु | #2886 f | नेर्गमत्सु च | २ ९२३ |
| नियम्याः संवि | | नियोज्य तत्र नियोज्य तत्र | | नेरीतिको म | | निर्गमर्क्षाणि | |
| | | ानवाऽव तात्र निरङ्कुशमि | | नेरुक्तं तत्स | | नर्गमञ्जान नर्गमर्क्षेषु | २४६२ |
| नियम्याः सर्व | 1. | निरता यज | · · · · · · · · · · · · · · · · · · · | नेरुच्यमाना | | नर्गमे च प्र | 399 |
| नियुक्तः कर्म | १७०५ | | | निष्दत्खाता नि | | | |
| | - 1 | - | 4 - 4 B. K. | | 1408 | निर्गुणं चापि | * \$ 1028 |

| निर्गुणं ह्यपि | ,, | निर्निमित्तं प | २५१३ | िनिर्ययुः स्वान्य | 30 o × |)निलीयन्ते ध्व | 2000 |
|-------------------|--------------------------|-----------------------------------|---|-------------------------------------|----------------|--------------------------------------|-----------------------|
| निर्गुणोऽपि व | र ८१८,८२ | १ ।न(निमत्तकु | २९२० | निर्याणेऽभिया | ९७७ | 1 | ,,,,, |
| निर्गृहं पूर्व | २८४ | | 98 8 | 1 | • | | १ ४२७ |
| निर्गृहं सग्र | " | ानर्बलोऽपि य | *44 | । ग्यापाधाञ्च ।व | १९१० | la | १४२६ |
| निर्घातः श्रुय | • २ ,५ | ६ निर्वाध्येन ह | #५०९ | | ११ ४४ | | ७३१,९२२ |
| निघतिश्च प | | निर्भयं तु भ | ७१०,१४१० | निर्ल्जा नर १०१ निर्ल्जा निर्ध | ६२,१६९२ | निवर्तेतास्य | २७ <i>०</i> ६ १२७२ |
| निर्घाताः पृति | " थे २३५ [,] | 1 | *980 | | २९९७ | 100 | # १२५२ |
| निर्धणश्च म | | ٥2 | २३५१ | 111/2001 (10) | # १०६२ | <u> </u> | |
| निजयः पर | ७२ | 166 - | ७९९ | 1.14.11.4.04 | २४४० | 1_ | २८५१ |
| निजितं सिन् | 1 २३८ | 1 2 6 | ५६९, | ानवततास्य १२ | | 6 | २४३० १७४,२१८१ |
| निर्जिता यस्व | | . | ११७४ | निर्वाणं तु सु निर्वाणं हि सु | १०५२ | निवारणं च | |
| निर्जिताश्च म | | निभैत्सन चा | १९८२ | | * ,,, | ਰਿਕਸ਼ਤੀਕ | ७४७ ७७९ |
| | १४५०,२८१ | 22.2.2 | # १९०९ | निर्वाते ग्रुचि | १७९५ | निवारितं नृ | - |
| निर्जिय पर | ६८१,७२४ | | # २५ १ ७ | निर्वादास्य | २३९० | निवाशा घोषा | \$ 85 0 |
| | ७४६ १४१ | · | १९५७, | ।गपादानव | " | निवासाय प्र | ••• |
| निर्झरागम्य | २६ ७ : | 8 | २६६८ | निर्विकाराय | १०१२, | 1 | १४८१ |
| निर्दण्ड च स | २८३५ | निर्मत्सरान्का | १२६४ | ~~ | ११२४ | निविष्टः सर् निविष्टमन्य | १ ४४३ |
| निर्दण्डं दण्ड | ,, | निर्मत्सरो गु | २३४४ | निर्विण्णातमा ह | २३८६ | 1 | २६४७ |
| निर्दयं चाभि | *3866 | | २३८१ | निर्विद्यति न | * २००६ | ानवृत्त प्रात १ | ०७४,१६९३ |
| निर्दयस्य द | ११ १९ | निर्मन्युश्चाप्य | | निर्विद्य हि न | ,, | निवृत्तपरि | १३९१ |
| निर्दानं साम | १ ९४१ | निर्ममो निर | ₩ ,, ६५८ | निर्विन्ध्या च तृ | # ₹९६९ | निवृत्तपूग | ६३५ |
| निर्दिष्टकाल | २२५१ | | वपट २७५९ | निर्वीयें तु कु | " | निवृत्तयज्ञ | " |
| निर्दिष्टफल | ६५४,७०२ | | 498 | निर्वृक्षक्षुप | २६७९ | निवृत्तयूप | * ,, |
| | १ १०२ | | 2 6 0 0 , | निर्वृतः पित | 1160 | निवृत्तस्त्रीस | 996 |
| निर्देशो न्वस्त्व | 1 864 | 1 | २७७ ४ | निवेदयित्वा | २६०० | निवृत्तिरस | १९८२ |
| निर्दोषः कर्म | * { 0 | निर्मर्यादानि | ६३१ | निर्वेदो जीवि | २००१ | निवृत्ते चैव | २७५८ |
| निर्दोषकर्म | ,, | निर्मर्यादान्नि | *492 | निर्वेदो नात्र | २३७५ | निवृत्ते विहि | ate |
| निर्दोषश्च क्ष | * १२९२ | | | निर्वे क्षत्रं न | | नि वृ त्तोत्साहं | • " |
| निर्दोषा ते भा | प९ | निर्मयदि नि | ,00 | निर्वणश्च स | | निवृत्त्या तीर्थ निवृत्त्या तीर्थ | ? १९२ ० |
| निर्दोषो वा स | १ २९२ | निर्मर्यादे व | 777 | निर्वणोऽपि च | | लिबेदनीयं | 2888 |
| निर्धनं पार्थि | | निर्मलाः स्वर्ग ६। | | निर्हरेच तृ | | ानवदनाय निवेदयति | 2506 |
| निर्धनैरन | १७५३ | निर्माणे शुक्ति | | निर्हस्तः शत्रु | 406 | | २४८५, |
| निर्धनो मृत | | | ''' ' | निर्हस्ताः शत्रु निर्हस्ताः शत्र | | | .११,२९१७ |
| निर्धारितक | j | निर्माया उत्ये | ,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,, | | | निवेदयन्ति | २५०८ |
| निर्ध्वजश्चाष्ट | | निर्माख्यमिव | ```` | निर्हस्ताः सन्तु | | | ३४,१०७० |
| निर्धंजे च च | | निर्मुक्तः सर्व निर्यत्सु कोशा | | नेईस्तेभ्यो नै | | निवेदयेयु | १३६० |
| निर्निमित्तं तु | 36310 | ानयत्त्रु काशा निर्ययुः सिंह | | नेलीनाश्च वि | \ | नेवेदितव | १६६७ |
| , | | 1.1.3. 1.06 | 4008 T | नेलीयते चे | २८६९ | नेवेद्य तन | १ ७४२ |
| | | | | | | | |

वचनसूची

| निवेद्य पुत्र | १२८५ | निश्चितानां च | ६६३, | निषेवेदात्म | १७६८ | निष्पीडितस्तू | ७४२ |
|---------------------------------------|---------------|-----------------------|---------------------------|----------------------|---------------|-----------------------------|---------------------|
| निवेशनं च | २०४० | | ११७७ | निष्कण्टके त | २१८४ | निष्प्रकम्पम | १५०३ |
| निवेशनं पु | 3866 | निश्चितानाम | ५५२, | निष्करादुप | २६ ४४ | निष्प्रधाना हि | ૨ ૄ ૫ ૫ |
| निवेशयतु | ८५९ | 46 | ₹ , • ११ ७७ | निष्की स्रग्वी सं | ५२९ | निष्प्रभास्ते स | २८३१ |
| निवेशयेत्त | १५३२ | निश्चितान्यस्वा | े रे८४१, | निष्कृताहाव | *₹८४ | निष्प्राणी नामि | #२७६५ |
| निवेशसम | १३९१ | | १८४६ | निष्कृतिः स्वामि | २६७०, | निष्फलं क्लेश | 3066 |
| निवेशार्धे ह | १४४९ | निश्चितार्थे त | #१६६७ | | ७,२७९० | निष्फलं भस | २५२८ |
| निवेश्य कार्मु | १५१६ | निश्चितार्थस्त | " | निष्कृतिर्न भ | १०९३ | निष्फलो ह्यार | १०२० |
| निवेश्य कालं | १८४८ | निश्चित्य शास्त्र | १९६६ | निष्केवल्यमु | 99 | निसर्गतः शा | ९१३ |
| निवेश्य पूर्वे | २०६८ | निश्चित्य सचि | *८४६ | निष्कम्य तोर | २८८४ | नि सर्वसेन | १७,३६७ |
| निश्चम्य तां पा | ६५१ | निश्चित्यैव पु | १२२० | निष्कम्य नाग | २८८५ | निसृष्टार्थो मि | १६७६, |
| निशम्य दान | १५०५ | निश्चेदरपि | २४९ १ | निष्कयश्चतु | २२९६ | | १६७७ |
| निशम्याथो पा | २४३६ | निश्चेहरचि | * ,, | निष्कान्तः पृत | २७५८ | निसृष्टिस्थाप | १८३५ |
| निशाकाले ब | २९०६ | | * १०९२ | निष्कान्ताः पृत | * ,, | निस्तम्भे निर्ग | १७९५ |
| निशान्तप्रणि ६१ | ६९,१३९५ | निश्चेष्टो मार | | निष्कान्ते च त | * २७१६ | ।नस्तर्तुमाप | १९०९ |
| निशाप्रचार | २३६३ | निश्छद्रे निर्ज |)) | निष्कान्ते चर | " | निश्चिशमण्ड | २२६ ९ |
| निशायाश्चर | २४७१ | | १७९५ | निष्कामयेत्तो | २८८३, | निस्त्रिशवक्रो | २४६६ |
| निशि चेन्द्रध | २४९४, | निश्रमुन्नत | १५१७ | _ | २८८५ | निस्त्रिशेन रि | २७०३ |
| | २९१६ | निश्वासोद्गीर्ण | ११३१, | निष्कामेयुस्त | २/८३, | .नस्यृहश्च प्र | २३२८ |
| निशि चौरभ | २५१२ | a | ११४१ | • | २८८५ | निहताश्चेव | * 4044 |
| निशितं शस्त्र | २७८९ | निषणं पाणि | ११०३ | निष्टं भज यो | * ₹ ₹ | नहता युधि | ૨૯ ૯ |
| निशितान्यो ब | #२६७८ | निषसाद धृ | २२८,२३३ | निष्टनन्ति च | २४८५ | निहत्य भ्रूण | રહ ૬ ફ |
| निशि निशि दि | ३००२ | नि पसाद धृ | ४,१६१ | निष्टमू ह्युः | ५७ | निहत्य राव | २५०१ |
| निशि यामत्र | १७५६ | निषादवंश | ११२२ | निष्टिग्न्यः पुत्र | ३८६ | नित्य शत्रं | 8088 |
| निशि विश्रब्ध | २८०७ | निषादैः सहि | २७०९ | निष्ठा ऋता ते | १७६३ | । नहत्ये ना न | १५१२ |
| निशि विस्नम्भ | २८१० | निषाद्यां क्षत्रि | ६३१ | निष्पङ्को रस | २ ४५२ | निह नध्ये न | २७५ ९ |
| निश्चकाम त | ६२८ | निषिद्धः शाल्म | १४७५ | निष्यताकथ्व | २८३ ९ | निहान्त बल | २१२० |
| निश्चयः स्वार्थ | # २०३९ | निषिद्धवृक्ष | ,, | निष्पताको ध्व | ,, | ।महन्ति बल्टि | 804 |
| निश्चयश्चत | #१७८१, | निषीदद्धर्म | २९३६ | नष्पनिताप्रे | २२९६ | नहन्ति यस्त | ર હશ |
| | १७८२ | निषीदेत्येव | ७९१ | निष्पतेदात्म | २२०४ | ानह,न्त सम | ,, |
| निश्चयस्तु स | १७८१ | निषु सीद ग | २५ | निष्पात्तः सर्व | २८९७ | निहन्यात्सर्व | ۰٬۰ ۶۰۰ |
| निश्चयात्तु म | २६ ९४ | निषेदुरभि | | निष्यत्ती निश्चि | २२२५ | नहारं च ह | · १२८ |
| निश्चला भव | १२९२ | निषे दुर्ज्व ल | | निष्पद्यन्ते च | १३४५ | निहारमिन्नि | 79 |
| निश्चित एवा | २४१८ | निषेधे तु वि | २८५९ | निष्पन्नसस्य | १३९६ | न्ह हीनसेवि | ,, २ ३ ८४ |
| निश्चितं मे स | १९०८ | निषेवितव्या | ५८४ | निष्पन्ने हरि | १३२५ | नीच स्वरूप प्र | * १९३ २, |
| निविचतश्चार्थ | २०३९ | निषेवितो व | | निष्पन्नो न च्छे | १५३६ | | • |
| निश्चिता खड | १०९० | निषेवेतात्म | * \$ 566 | निष्परिग्रह | | नीचद्रुमा म | १९३८ |
| · · · · · · · · · · · · · · · · · · · | | | | • • | - ((| 1 12.11 4 | २६ ० २ |

| नीचिप्रयः ख | ७६ ३ | नीतिशास्त्रं स | * २०२२ | नीराजनोप | 2311 | नुनं नाश्रद्द | २७९७ |
|-----------------------------|------------|-------------------|-----------------------------------|----------------------|---------------|---------------------------|---------------|
| नीचमध्योत्त | | नीतिशास्त्रवि | * १२४६ | 1 | १५१२ | | २४ ६ १ |
| नीचमल्पप्र | १९३२ | नीतिशास्त्रानु | ११७८ | नीरुजः सुखि | २८९४ | | १६६७ |
| नीचहीनो दी ७६ | | | ५३३ | नीलं नीलोत्प | २८७५ | | 998 |
| नीचाचिराढ्य | १३७८, | नीतिशास्त्रार्थ | १०२७, | नीलं मरक | २८४१ | न् गप्रभृत | १०८५ |
| | १४३४ | I | १,२१९२, | नीलः कपिल | २८४५ | I . | १८१२ |
| नीचीनवारं | Ę | | २३५१ | नीलचन्द्राकु | २७७१ | | २८२४ |
| नीचीनाः स्थुरु | ર | नीतिशेषं खि | २१४६ | नीलचर्मावृ | * ,, | नृणां बहिश्च | ७४६ |
| नीचे रति मा | २९९० | नीतिस्ते पुष्क | ७४९ | नीलपछव | २५३९ | रणां रोमाञ्च | २५ <i>१ ०</i> |
| नीचेषूपकृ | १६३० | नीतेः फलं घ ७२ | | नीलरक्तं तु | . १३६३, | नृत्तश्चै वोप | १०९७ |
| नीचैः पद्यन्ता | 404 | नीत्या सुनीत | *६६६; | | २८३१ | नृत्ताय सूतं | 888 |
| नीचैः प्रवृत्त | • 24 86 | | *८ <i>०</i> ५ | नीलरुद्रैश्च | २८५६ | नृत्यं गीतं त | २९८ २ |
| नीचैःप्रवृत्ता | ,, | नीत्या हि किंचि | # १ ०३७ | नीललोहित | # ₹४९४ | | २७२० |
| नीचैरन्तःपु | ९९२ | नीत्वा करीन्द्रै | २८६९ | नीललोहिते | ५१४ | नृत्यन्ति परि | २४९० |
| नीचैदींसा उ | ३९७ | नीपकोकाम्र | १४३१ | नीलवर्णे च | २८७५ | नृत्यमान इ | २७०८ |
| नीचैनींचैस्त | *2882 | नीपश्चारिष्ट | १४६६ | नीलवस्त्रादि | २८३३ | नृत्यमानं च | २७६ २ |
| नीचो नीचैस्त | ,, | नीयते खच्छ | *११३१ | नीलश्वेतामि | २५४६ | नृदुर्ग गिरि | १४५३ |
| नीचो भवेन्नो | १४२९ | नीयन्ते यत्र | 1960 | नीलां श्वेतामि | २८९२ | नृदेवो भूमि | १८१२ |
| नीताय तुर | २८८६ | नीयमाना य | २८७५ | नीलाञ्श्वेतानि | २५३८ | वृपं चकार | १ ४७४ |
| नीतिं त्यक्त्वा व | ७६ १ | नीयमाने ग | २८८६ | नीलादनन्त | २७१० | नृपं संबोध | १२६८ |
| नीतिं बृहस्प | २३७६ | नीयमानो न | 2//6 | नीलावलीय | २२३१ | तृपः प्रजापा | ८६१ |
| नीतिः किल न | १११७ | नीरजस्कास्त | २९७२ | नीलीरक्ते व | ९०४ | नृपः स्वधर्म | ७६२ |
| नीतिकोविदा | १४१६ | नीरजस्कोऽभि | *2486 | नीलोत्पलद | ६१४, | रुपः खप्राक्त | ७६१ |
| नीतिशं शौच | १३०२ | नीरता वाम | 1886 | १५ | ११,२५४६ | नृपकार्ये वि | १५३५ |
| नीतिज्ञान् व्यव | १२४५ | नीराजनं च | 2630 | नीलोत्पलस | १५०४ | ट्रपंत्र । प ट्रपंघातक | |
| नीतिज्ञैन्यीय | १७६१ | नीराजनं त | 3//6 | नीलो दण्डश्च | २८३६ | | २८७५ |
| नीतिज्ञो देश | ११०५ | नीराजनं द | 24.0 | नीलोद्धतक | २९७० | नृपचिह्ना नि | ३००२ |
| नीतिधर्मानु | | नीराजनवि २८८ | 2 2// | नीलोद्भतक | # ,, | नृपतिः कार | १ ४५८ |
| नीतिभ्रष्टनृ | ,-, | नीराजनस्य | २८८५ | नीवीनिंब न्ध | १२३७, | नृपतिः सह | २८७६ |
| नातिष्रष्टरः नीतिमतां तु | (< < 0 | नीराजनाम | 3/// | • • • | | नृपतिः सुमु | ५६८ |
| नीतिमन्तः प | 1225 | नीराजनामा | 2388. | नीवीमवलि | E | नृप तिव ि य | ११२४ |
| नातिमन्तः प नीतिर्यथाव | १२१९ | | 2662 | नीहारनिमि | २८११ | न् पतिस्त्वभि | २९७३ |
| नीतिवत्मी <u>न</u> | १८०३ | नीराजनाया | 46661 | नीहारस्तिमि | ٠,, | नृपते तस्य | # २०३५ |
| | 1101 | नीराजनाव | | तुदन्न रा तिं | ३९० | नृ पतेर्मति | १२४४ |
| नीतिवियुक्तः | 4446 | नीराजनावि | , , , ₋ , ₁ | तुदेद् वृद्धिस | 4 | नृ पतेर्भुचु | १०८५ |
| नीतिशस्त्रास्त्र | १२६६, | | 2666 | तू चित्स दभ्य | | नृपती कोश | १६७३ |
| १५२५ | ,१६२७, | नीराजनोक्त | | रृतं च तव | | न्यतौ मार्द १० | |
| 7 | २३६५ | | २५४४ | रुनं तेषु नि | २७७५ | नृपती वाऽधि | १२३० |
| | | | • | - | . •1 | | • • • |

| _ | | | | | | | |
|------------------------------|----------------|------------------------|---------------------|--------------------------------------|-------------------|----------------------|--------------|
| न्टपदुर्गुण १ | १४४,१७५२ | | ८२४ | २ | १५३,२१५४, | नेन्म इदं वी | २८७ |
| र्यवासग्र | १ ४७३ | नृवर्धमानं | *२५०७ | | १६२,२१७८, | | १४१५ |
| न्टपसंगोपि | २६८९ | | " | 2 | १ ९८,२५५४, | नेमा आपो अ | २ |
| नृपसंचिह्नि १ | ७५०,१८३८ | नृशंसमह | ९ ७ o | . 1 | ९५५,२५५६, | la - | ५८५ |
| न्टपसं बन्धि | ११५६ | नृशंसवृत्ति | २०१० | ર | ५६२,२६ १९ | | १८५२ |
| न्टप स्तेनाय | २८७७ | नृशंसस्य म | १०९० | नेति कौटिल्य | | नेमे मृगाः ख | १०४८ |
| नृपस्य कोश | १३५८ | नृशंसेनाति | १ ०६६ | lative Astalat | ५३१,१ २२५ | नेयं मतिस्त्व | २३८९ |
| नृपस्य च स्व | १०१२, | नृशंस्थामय | २३८३ | नेति चेद्राह्म | २३८५ | नेषुर्लिप्तो न | २७६५ |
| | ११ २४ | नृषद्वरस | १५९,२९४ | 1 | ५३१, | नेष्यते पृथि | |
| नृपस्य ते श | ८२२ | नृषु तस्माद | २०३२ | | २२५,१७७० | नेह युक्तं चि | १७१२ १२१३ |
| नृपस्य धर्म | १९८३ | नृसमा ऋषि | # २९७० | नेति बाहुद । | ५३२,१२२५ | नेह युक्तं स्थि | |
| नृपस्य पर | ७६ १ | नृसिहं पूज | २५४३ | नेति भारद्वा | १५४९, | I _ | * ,, |
| नृपस्य हि ते | १२६१ | नृसिहेन पु | ३००३ | مد | १५५७ | नेह विश्वसि | " |
| नृपस्या नुम | २८५९ | नृणां भवन्ति | २३९९ | नेति वातव्या प | | नैःश्रेयसी तु | १८९१ |
| रुपस्या ऽऽपदि | १३५८ | नक्षेत यत्ना | ११२५ | नेति विशाला | ५३१, | नैकंचकंप | १२४९ |
| नृपस्यासद् गु | १७५२ | नेच्छते दीय | १२२१ | AG 2 | | नैकं न चाप | १०५१ |
| नृ पांशसद्द | હદ્દધ | नेच्छ त्यन्याधि | १७४१ | नेति होवाच | १९० | नैकः कार्याणि | ७२३ |
| रृपाज्ञया वि | १५३४ | नेच्छत्रुः प्राशं | ४६० | नेत्तं लोकम | २९५ | नैकः पश्येच | १८२७ |
| रृपाणां पर | ६५४ | नेच्छेच युग १४ | | नेत्यब्रुवन् | १ ४ | नैकः स्वपेत्क | ९८५ |
| न्याणामक्ष | ६९१,७३३ | नेतरेषु | १३३३ | नेत्रं चैकं ल | १५०५ | नैकत्र परि | ८६४ |
| नुपाणामुप | ₹008 | नेता दण्डस्य | ११८३, | नेत्रनासापु | २५१ २ | नैकत्र वास | १५३३ |
| रृपामिषेक | २७७४ २९८५ | 20 3 | ११८६ | नेत्रवक्त्रवि १० | | नैकत्र संव | ११५० |
| रुपावमानं | २५०९ २५०९ | नेति कौटल्यः | १५०९, | नेत्रस्याधः स्फ | 44361 | नैकद्वारं वा | १४९४ |
| नृपाहूतस्तु | १ ७४८ | १५। | ५०,१५५१, | नेत्रस्रोर्घ्वं ह | " | नैकमिच्छेद <u>्र</u> | १२१६ |
| नृपेण पुष्टि | २९० ३ | કે બ | ५२,१५५३ , | नेत्राञ्जनं च | 170 | नैक्वेशघ | १६५६ |
| नृपेण बलि | २७∙३ | _ | ५५,१५५६, | नेत्राभ्यां शकु | 4015 | नेकशाखे <i>न</i> | ર |
| नृपेण श्रावि | १७१३ | | | नेत्राभ्यां सर | ,,,,, | | ६४३ |
| न्ट्रपे णाऽऽहूय | १२१९ | ર | ٦ | नेत्रे शिखण्डी नेत्सोमाहुती | | नैकस्तु मन्त्र | 1660, |
| रुपेम्यो ह्य धि | १७४३ | | 3 1 | नत्त्वानाडुता नेदं सम्यग्व्य | ३१४ | वेस्टर विच | १७८२ |
| नुपो निहन्या | १७४२ १६६५ | १५१ | ,, ., | _ | | नेकस्तु विच | ९६१ |
| नुपोऽप्यधार्मि | | १५६ | . 5 . 6 4 6 8 . ! | नेदन देवै ोकं | 1 | नेकस्मिन् पुरु | १२४३, |
| नृपो यदा त | २९१२ | ર १ ५૬ | | नेद्दशं बन्धु नेदेनं दे वा | २३८३ | नैकस्य कार्य | १८१० |
| • | ११४०, | | | | * * 1. | | १२३१ |
| ्रव नुषो यदि भ | ६२,१९८४ | 306 | १०,२०९१, १२.२०९३ | | ,, | नेकस्य मन्त्र | १२४८, |
| नृषा याद म नृषो विप्रः सु | \$686 86.86 | | १२,२०९३, | नेद्रज्ञेणाऽऽज्ये | २७४ | | <i>१७७</i> ० |
| | २५२७ | | €,२ १० ०, | | १९९ | नैक्स राजा | २ १६५५ |
| रुपो वेधा नृ | ८२० | 440 | १,२१०६, | नान्द्रयण बी | ५२५ | नैकस्य वच | १६६५ |
| | | | | | | | 011.3 |

| नैकाकिनीं तु | ९८५ | नैतौ संभव | १३२४ | नैव पक्षार्ध | ક પ્રભ ક | नैवोग्रं नैव | ६४६ |
|------------------------------|---|------------------------------|---------------------------------------|--------------------|--------------------------|-----------------------------------|------------------------|
| नैकान्तं विज | २७७६ | नैनं कुशो न | | नैव प्रशम | | नैवोत्सहे भ | ५ ह ५ ६ ४ १ |
| नैकान्तविनि | १०६७ | नैनं झन्ति प | | नैव प्रीतम | | नैशमभयं | ५४५ २८५० |
| नैकान्तसिद्धि | २३७८ | नैनं दभ्नोति | | नैव भगव | | नेष युद्धेन | २८२७ २७९६ |
| नैकान्ते न ग्र | ९९६, | नैनमन्येऽव | १०७६ | नैव भार्या न | ६०६ | 1- | _ |
| | १५४,२१४७ | नैनमाप्नोति | | नैवमन्येऽव | 4 १ ० ७६ | | • ,, २८०० |
| नैकान्तेनाप्र | १२१२, | नैपुण्यं चार्थ | ११७५ | I. | | नैष शक्योऽति | |
| | १६९३ | नैपो नैम्बोऽः | य २८३८ | नैव राज्ञां त | #१०६७ | ľ_ | " ২८४७ |
| नैकेन चक्रे | २४०७ | नैमित्तिकं त | | नैव राज्ञा द | | | |
| नैकेन सहि | १७८२ | नैमित्तिको ल | | नैव राज्यं न | ५७२ | 1. | १६८८ ११२४ |
| नैको नक्तंदि | ९६६ | नैयय्रोधपा | | नैव शक्या स | | नैषां पुत्रा वे | १६१८ |
| नैतच्छुद्धाग | ६४३ | नैर्ऋतं चरं | | नैव शत्रु न | | | |
| नैतच् छ्रत्वाऽऽग | 參 ,, | नैर्ऋतं नैर्ऋ | | नैव शान्तिर्न | | नैषामर्थी व | . ,, |
| नैतत्कारण | ७९१ | नैऋते चत | #३००२ | नैव ग्रुद्रास्तु | १२६९, | नैषामविदि | # ,, १२४६ |
| नैतत्खादन् प्रा | ६३८ | नैर्ऋते पूर्व | ,, | | १७५१ | I. | ર |
| नैतत् प्रशंस | २६ ०५ | नैर्ऋतेभ्यः प्र | | नैव संप्राप्नु | २३८४ | नैषामुक्षा व | १६१८ |
| नैतदयः, न | २८३ | नैर्ऋत्यां निर्ऋ | | नैव संवेश | १७६१ | नो एव क्षत्रि नोग्रं दुर्योघ | ३६४ |
| नैतदशकं | ४७९,४८० | नैर्ऋत्ये यज | २९८३ | नैव स्थापयि | 244 8 | नात्र दुवाब नोचतुर्विवृ | २०८२ |
| नैतद् दृष्टं ग | २७६३ | नैर्बाध्येन ह | | नैव स्म स ज | २८०० | नाचतुः। वश्व नोच्छिन्द्यादात्म | १८९८ |
| नैतद्राजिष | २३८० | नैवं भवन्तो | | नैव स्वैरि | १००८ | ना। च्छन्द्वादात्म | १३१६, १३३९ |
| नैतद्र।शाम | १०६७ | नैवं विनष्टं | २७७६ | नैवातिपापं | *588 | नोच्छितं सह | १२२० |
| नैतद्विभाषि | | नैव कार्य न | | नैवातिशी तो | ***°` २ ४५२, | नो तह्यीश्विनं | ३१७ |
| नैतन्ममेति | 2000 | i_ | ७४३,१४१८ | | २६ <i>०१</i> | नोत्तमेषु गु | १११९ |
| नैतयोरन्त | | नैव जातिर्न | | नैवापकारे | 2030 | नोत्पातग्रह | २८९७ |
| नैतस्य कश्चि | • | नैव जातो न | | नैवापकार्ये | _ | नोद्धारं कुरु | ८५८ |
| नैतस्थाभिष <u>ि</u> | ` ` | नैव तस्य सु | * 1 | नेवाऽऽपदः स | ₹ ,, २८८० | नोद्विमश्चर | ७८९ |
| नतस्यामाय नैतां ते देवा | 110 | _ | | नैवाभिभवि | | नोद्वेजयेज | १५९३ |
| नेता त ६वा नैतान्येकेन | 1. | नैव ताड्याः व नैव तिष्ठति | · · · · · · · · · · · · · · · · · · · | नेवासंनद्ध | ७३८,८२४ * २७६५ | नोधिश्छन्द्यात्तु | ७४६, |
| • | ' ' | | 1. | नेवास्ति ब्राह्म | | _ | १४१९ |
| नैतान्सरति | | नैव दस्युर्म | | नवादि श्राख | ७४१, | नोपकुर्याद | २०६८ |
| नैते क्रिमयः | | नैव दीःयाच | १११९ | ٠. | ७४८ | नोपकृतं म | १७५२ |
| नैते देवैर्न वैते रेक्ट-१ | | नैव द्विषन्त | # १ ० ७ ६ | | २९७१ | नोपघातस्त्व | १ २२० |
| नैतेनोद्ग्ही | i | नैत्र द्वीन त्र | I . | विद्यं सुप्र | २८९६ | नोपदेशं वि | ११५७ |
| नैतेऽपि तुल्या नैते महाभ | | नेव नित्यं ज | | विद्यादिभि | २८७३ | नोपायसाध्याः | १८९३ |
| ાલ નફાન | २७९२ | नेव निम्नं स्थ | १०८६ | विशिकानि | ९५५ | नोपेक्यं तस्य | * १७ १ ३ |
| | | | | | | | |

| | | | | | | | - |
|--------------------|--------------|-------------------|--|---------------------|----------------|-----------------|------------------|
| नोपेक्ष्यस्तस्य | १७१३ | न्यसेदमात्या | १ २०९ | न्यायेन रक्षि | १४३७ | पक्षदेशे त | २७५१ |
| नोपेक्ष्योऽल्पोऽपि | ११ २३ | न्यसेद्रक्तं पु | *2480 | न्यायेन राज | ११०४ | पक्षद्वयस्थि | २५२८ |
| नोर्ध्वे विंशति | २८३९ | न्यसेद्रजं पु | • ,, | न्यायेन शिबि | २६६९ | पक्षद्वयाव | ७२० |
| नो वा हतोऽपि | २७८९ | न्यसेद्वा पर | २८८८ | न्यायेनाऽऽक | | पक्षमाससं | २२१६ |
| नो ह्यवर्चसो | २५७ | न्यस्तदण्डो जि | ५९७ | न्यायेनार्जन | ७४९,११२७ | पक्षयक्षो ब | *२९६२ |
| नौकादशक | २८४७ | न्यस्तमानोऽस्मि | २०२४ | न्यायोपेतं ब्रा | २४२९ | पक्षयोश्चग २ | ७३३,२७४० |
| नौका दिजल | १४३३ | न्यस्तशस्रस्तु | २७९६ | न्याय्यं तत्र प | \$ 88\$ | पक्षवस्त्रश | २८४२ |
| नौकादीर्घ य | २८४७ | न्यस्तशस्त्रो म | २८०२ | न्याय्यदण्डत्व | १०२१, | पक्षसंधिषु | *१६१७ |
| नौक्षाद्यं निष्प | २८४६ | न्यस्ताधनां मा | १८२५ | | १९६६ | पक्षाणां चापि | १६०१ |
| नौकाद्यं विप | २५९६ | न्यस्तायुधप्र | २७५५ | न्याय्यष्टत्तेषु | ८२१ | पक्षाणां विश्व | % •% |
| नौकानां वरु | २८८७ | न्यस्य बाणं ध | १५१६ | न्याय्यो गुणो | | पक्षाणां संह | #१६०१ |
| नौकानीराज | " | न्यस्याऽऽयुधं र | २७६० | न्याविध्यदिछी | १९ | पक्षादिनाऽने | २५८० |
| नौकारथादि | ટેં૧્પ | न्यस्याऽऽयुधम | ,, | न्यासायैवाभ | ७९१ | पक्षादीनाम २ | ७३४,२७४ ५ |
| नौकाशतकं | २८८७ | न्यस्थैवं कल | २९८३ | न्यासितः सम | २७०४ | पक्षाब्धिरस | २४७३ |
| नौकासु मणि | २८४८ | न्यायतः परि | ८३२, | न्युब्बा इति ह | [] २०५ | पक्षा मासाश्च | २०१८ |
| नौकेयं दीर्घि | २८४७ | | १२०२ | न्यूनतां धार्त | १९०९ | पक्षाववस्था | २७२७ |
| नौचक्रिवन्त | #१३०५ | न्यायतश्च क | ११३८ | न्यूनतां पाण्ड | २५५१ | पक्षानुरस्यं | ,, |
| नौचक्रीवन्त | ,, | न्यायतो दुष्कृ | १२१३ | न्यूनाः परेषां | " | पक्षिणां बल | १०३२ |
| नौधसंच का | २२७ | न्यायतो युध्य | २८०१ | न्यूनाधिक्यं स | वा १७४५ | पक्षिणामप्य | १६९७ |
| न्यक्कारावज्ञे | ९०७ | न्यायदण्डत्व | *१०२१ | न्यूना या वह | २९०२ | पक्षिणो मृग | २०११ |
| न्यक्रतृन्य्रथि | ३७९ | न्यायपूर्वम | १६२२ | पकं द्रुममि | २३८४ | पक्षिणो वर्ष | # १ ० ८ ६ |
| न्यग्भावं पर | २०४९ | न्यायप्रवृत्तो | ७६३, | पकं पकमि | १३३४ | पक्षिणो वात | " |
| न्यग्भूतास्तत्प | १६९९ | | ८२९,८३० | पक्वमांसिकौ | २६ २७ | पक्षिणो विवि | १४६०, |
| न्यग्भूत्वा पर्यु | #8999 | न्याययुक्तं रा | ११०३, | पक्वशस्या हि | | | २५७३ |
| न्यग्रोध इवा | २०६ | | १४०३ | पक्वसस्या हि | २४५२, | पक्षिमृगाणां | २२९४ |
| न्यग्रोधमण्ड | २८०१ | न्यायविद्धर्म | ५३८ | | २६ ० १ | पक्षिवासस | २८७७ |
| न्यग्रोधशिरी | २५४८ | न्यायवृत्तं त | १६१३ | पक्कापक्वेति | | पक्षिवृक्षक्ष | ७२८ |
| न्यय्रोधस्य त | 2600 | न्यायागतं घ | ११२३ | पक्वेष्टं शैल | २९०० | पक्षीच शाखा | २५०१ |
| न्यग्रोधस्याव | २०५ | न्यायागतं रा | ८४२ | पक्वेष्टका भ | १४७३ | पक्षी भेको म | २८४८ |
| न्यग्रोधोदुम्ब | १४६८ | न्यायाङ्गान्यग्र | १८२४ | पक्वेष्टकास्त | | पक्षे पक्षे स्व | १५४२ |
| न्यग्रोधीदुम्ब | * ,, | न्यायादण्डस्य | ७२७ | • • | २२१ १ | पक्षे हीनो ब | २१६६ |
| न्यग्रोहं सन्तं | २०६ | न्यायान्पश्येतु ९ | , ,, , , , , , , , , , , , , , , , , , | पक्वीषधिव | २४५२ | पक्षेरथ ब | २८२९ |
| त्ययोहो वै ना | ,, | न्यायापेतं य | | पक्षं सैत्यज्य | ११४६ | पक्षेर्वाऽथ ब | २८३१ |
| न्यमज्जयद | પ ૬ છ | न्यायेन च च | १८१४ | पक्षकक्षोर ६ | ६७७,२७२३, | | |
| न्यमन्त्रयद्धो | १६६६ | न्यायेन दण्ड | १९६६ | २७ | १२७,२७२८, | पक्षी कक्षावु | इ४ <i>७</i> २,इइ |
| न्यवारयद | १०३५ | न्यायेन पाल ७: | २१,१३०७ | | રંહરલ | पक्षी तु भीम | २७२ <u>७</u> |
| न्यवेदयत | | न्यायेन योजि | | प श्चकोटिप्र | 31900 | पक्षमणोऽपि नि | २७०९ |
| | | | • | • | 1003 | नरमणाऽ।प नि | ५३३ |

| पङ्कजे जय | २९० | पञ्चदशह | የ ४४८ | पञ्चमे स्थान | २८६ ० | पञ्चसहस्रं | २२९७ |
|--------------------------------|-----------------------|-----------------------------------|----------------|-------------------|--------------------|--------------------|-----------------------|
| पङ्कदिग्धो नि | | पञ्चदशाद | ३१० | | २४७ २,२५ २९ | | २६ <i>१</i> ३ |
| पङ्कपांशुज | २६७२ | , पञ्चदशाहो | २२७७ | पञ्चमो द्वार | र ३ ५३ | 1 | ર |
| . • | | पञ्चद्रोणे शा | | पञ्चम्यां च | र २२०४ १७४३ ह | | १४७२ |
| पङ्कपांसुज | १६ ०६ | , पञ्चधनुःश | २७२१ | | २५३३ | 1 . | १७४८ |
| ` 4 | ।६८१,२६८ ९ | | २७२२ | | १०८९ | 1 ' ' | २८२९ |
| | 2601 | पञ्चधनुषि | ,, | पञ्चयज्ञवि | ७४५,२८२८ | 1 | २८३८,२८४५ |
| पङ्कविषम | २३०: | पञ्च नस्तात | १९९८ | पञ्चयज्ञांस्तु | १०८९ | 1 | २८४६ |
| पङ्के निमज्ज | २९८३ | १ पञ्च नाडिका | . ९५७ | पञ्च यत्र न | ८२५ | 1 | |
| पङ्कोदकसं | २३२४ | | २२७ ६ | पञ्च योजना | 23 8 0 | 1 ~ | |
| पङ्कोदकेन | २५० | | ६३९ | 1 | १३७५ | 1 | • • |
| पङ्क्तिद्वयग | १४८९ | 1 | १३६ १ | | • | | १५२५,२३६५ |
| पञ्चकं मण्ड | १८६७ | पञ्चपलं ल | २३०८ | | २८८२,२८८३ | प्रभावतं व्यक्ष | २८९६ |
| पञ्चकं शतं | 2288 | 1 | २२ ७२ | पश्चरात्र प | २३३२ | गळाजाजी के | १ ७५४ |
| पञ्चकर्म वि | १५२० | पञ्चन्रकार व | १४२१,१७३७ | पञ्च रूपाणि | ८०५,८१७ | पञ्चारत्नयो | १४५० |
| पञ्चकल्पवि | १६२५ | पञ्चप्रकारं | १४७२ | पञ्चर्षमं ख | २३०६ | पञ्चारित ध | २७२२, |
| | १६२६ | पञ्चभागवृ | २ २२६० | पञ्च ७५५। | २३०१ | 1.41001 | २७३६ |
| पञ्चकानि च | २९०१ | | २३०५ | पञ्चवत्सर | १७५६ | पञ्चारत्निर्ध | |
| पञ्चकालवि | • १६ २५ | | २३०८ | पञ्चवरी च | १६५२ | पञ्चालानां कु | # 2036 |
| पञ्चकुष्ठक | २६५१ | 1 | २५३० | पञ्चवर्णानि | २९१४ | पञ्चालानाम | |
| पञ्चगन्येन | २८६२ | | २९७८ | पञ्चवर्णेन | २८५८ | पञ्चालि कदे | *2822 |
| पञ्चचत्वारिं | २७२२ | 1 - • | २९२८ | पञ्च वा गुजा | | पञ्चावयव | २२६८ |
| पञ्चचूडा सा | २९६१ | पञ्चभिश्च त | २५१० | पञ्चिवशित | १११७, | पञ्चाशत्कनी | ५३९ |
| पञ्चत्रिंशत्क | १४७३ | पञ्चभिस्तु श | 2900 | | ४२६,१४२७. | _ | १९२ |
| पञ्जित्रिशत्प | २२७ <i>१</i> | पञ्चमं चाष्ट | २८७३ | | .२४३,२३१२ | पञ्चाशत्कोटि | ८३६, |
| पञ्चत्रिरात्सु | | पञ्चमांशांखः | १५२७ | पञ्चविंशश | १४२५ | (स्थारा जन | १ ४ १ ४ |
| पञ्चात्रशत्सु पञ्चत्रिशद | २४७२ | पञ्चमांशाधि पञ्चमांशाधि | १ ४८५, | पञ्चविशाधि | १४२७ | पञ्चाशत्तम | १३८२ |
| पञ्चत्रिंश द् धृ | २२७८ | 1-4/11/11/14 | १४८६ | पञ्च वै दिशः | २९८ | पञ्चाशत्साह | २६१३ |
| पञ्चतिशद्ध पञ्जतिशद्ध | ♣१ ४७३ २४७२ | पञ्च मा राज | | पञ्चशतद्वि | १४१५ | पञ्चाशद्धि | # २३३८ |
| पञ्चित्रराज्य पञ्चित्रशानिव | | पञ्चमी श्रीक | 1 | पञ्चशमान्त | २७२१ | पञ्चाशद्पि | २५५२ |
| | १४७३ | पञ्चमे चानु | | पञ्चशीर्षा य | २४९१ | पञ्चारादूर्ध्वा | २८४७ |
| पञ्चत्रिशोद्ध | * ,, | पञ्चमे चार्थ | _ | पञ्चषड्भाग | १३६२ | पञ्चाशदेव | १९२ |
| पञ्चदशं तृ | `` | | | पञ्चषष्टिस | १४९९ | पञ्चाशद्भाग | १३३७, |
| पञ्चदशः स्तो | | पञ्चमे दिव | | पञ्चसंवत्स | २२७८ | | १३६१ |
| पञ्चदशमु | | पञ्चमे नव | २५१५ , | गञ्चसप्तति | १४२७, | पञ्चाशद्धागो | २२७४ |
| पञ्चदश र | | पञ्चमे मन्त्रि | 888 | | २२७३ | पञ्चाराद्वर्ष | १२४३ |
| पञ्चदशस्तो | | पञ्चमे वाऽथ | * ७२२ र | म्बस त्तन | 1 | पञ्चाशभाग | *१३३७ |
| पञ्चदशस्त्वा | 99 | पञ्चमे वाऽनु | 1 | ाञ्च सप्ताथ | | पञ्चाशस्त्रक्ष | ८३६ |
| | | | | | ••• | | • • |

| पञ्चाशाब्दाधि | २३३८ | | | पतन्तु तव | २५ ४६ | . पतितोऽवाक्टि | १४९९ |
|----------------------------|----------------|------------------|----------------|-----------------|------------------|------------------------|-------------------|
| पञ्चेन्द्रियाणि | ९२२, | पण्डितान् पृ | | पतन्तूपरि | २५३८ | पतिधर्मर | १०८७ |
| _ | ९२३ | पण्डिते च र् | ु १७० ९ | पतन्त्युल्काः स | उ २४९३ | पतिपुत्रव | २३८५ |
| पञ्चेषुका भ | * १ ४७३ | | २०४७ | | २१२३ | | १८४ |
| पञ्चैतानि प | १०९३ | पण्डितैश्च वि | १७१७ | पतयो बान्ध | १०४१ | पतिर्बभूया | ર્ષ |
| पञ्चोपघाव्य | १२४० | पण्डितो ह्यर्थ | ५४५,६५९, | पताकां पृथि | २८३९ | पतिर्विश्वस्य | ६३ |
| पटचरैश्च | २७०९ | | १२२३ | पताकाकल | २८४८ | पतिर्ह्यध्वरा | 80 |
| पटयति प | १६०४ | पण्यं कुर्याद | २०८८ | पताकाकार | २८१३ | पतिव्रता प | # 3069 |
| पटरीव ह्य | ३३४ | पण्यं वणिग्भि | १३०५ | पताका चत | २६७ १ | पतित्रताभि | |
| पटलान्तरे | २२५५ | पण्यतुलामा | ९१६ | पताकातोर | २८५६ | पतित्रतासु | ६०११ |
| पदुपटह | २५२४ | पण्यनिचय | २०९७ | पताकाध्वज | १४९६, | The state of | ,४४७,६०० |
| पडुभिः पट | २८७५ | पण्यभारः पा | २३०१ | २७ | ७७१,२८९५ | पतिव्रता सं | <i>380</i> |
| पटे ताम्रप | * ? ? ? 8 | पण्यमार्गास्त | १४८९ | पताका नव | २८३७ | पतिहीना तु | ₹ |
| पटे वा ताम्र | " | पण्यव्यवहा | २२२२ | पताकाभिर | २९८५ | पतिहीनाऽपि | # ,, |
| पट्टं शिरसि | २९३५ | | २६४६ | पताकाभिर्ध्व | १५४२ | पतेच नर | " ነ |
| पद्दबन्धं प्र | २९५३ | | २३३४ | पताकाम्युच्छ्र | २८०६ | | |
| पष्टबन्धन | २९४६ | पण्याकरव | ५५६ | पताका यदि | २८३९ | पतेयुर्नर पतेयुर्नर | " |
| पहिशासिध | २७२० | पण्यादीनाम | ७३०,१३५९ | पताकायाः प्र | ७४० | पत्तनाध्यक्ष | ₩ ,, २२९९ |
| पट्टीशः स्वस | १५३२ | पण्याधिष्ठाता | २२६४ | पताकावर | २६७ १ | l | 7777 |
| पठतां शृष्व | २८९४ | पण्याध्यक्षः | ६७० | पताका वर्ज | # {}Y99 | पत्तनानुवृ | " |
| पठनं पाठ | २३४५ | पण्याध्यक्षः स्थ | | पताकाश्चैव | २८०७ | पत्तयः पक्ष | २७२४ |
| पणं यानं त | १३४७, | पण्यानां द्वाद | ७३०, | पताकासार्ध | २ २८३८ | पत्तयश्च म | १५४२ |
| | २३३३ | | १३५९ | पताकी वर्ज | | पत्तयोऽश्वा र | २७२९ |
| पणं यानत | •१३४७ | पण्यानां स्थाप | | पतिं भ्रातर | ५१६ | पत्तिं तु त्रिगु | १४९९ |
| पणनिमित्तो | १५६० | पण्यानामदे | २३२२ | पतिंवरा इ | | पत्तिबाहुल्यं | २७२३ |
| पणबद्धो भ | २१२९ | पण्यान्यादाय | ८०३ | पतिः सर्वक | | पत्तिभूर्विष | २६६९ |
| पणबन्धः सं | २१२८ | पतङ्गमिति | २९३ ४ | पतितं तुज | | पत्तियोधग | १५१३ |
| पणबन्धः स्मृ | २११३ | पतङ्गाग्निस | २८०१ | पतितं स्वामि | | पत्तिब्यूहः पु | २७२४ |
| पणवानक | ५७६ | पतत्यभिमु | | पतितः शोच्य | l l | पत्तो ह्यसुज्य | १०२८ |
| पणानां द्वे श | १९८७ | पतत्रिणां च | 4001 | पतितस्तु भ | | पत्त्यध्यक्षः | ६७१ |
| पणानेकश | १३५५ | पतत्रिमृग | १५०३ | पतितान तु | • १३५ ९ | | ७,१७०१, |
| पणितः कल्या | २१८६, | पतत्रिराड्वै | २५३७, | पतितानां न | l | १७० | २,२७२५, |
| | २ १८७ | | | पतितानि तु | ,, \$4.55 | | २७२९ |
| पणितस्तस्या | २१८६, | पतनीयमि | | पतितान्न तु | | पत्त्याढचे योध | १४७४ |
| | ٠٠٠ ''ا | पतन्ति चिर | 1 | पतिते तुत | * (544 | पत्नी तु बहु | #२९५६ |
| ५१८९ पणो दे योऽव | 3.4.661 | पत्तन्ति चैत्य | | पतिते शक | २८७६ | पत्नी ते बहु | >5 - |
| पण्डक्मद्य | 1 - 1 - 1 | वतन्ति शीर्घ | १५१३ | पतितो यश | 33 | पत्नीयत्यपि | \$600 |
| 44 21 5\ 4-6-lida | ***** | | • • • • • • • | 141 | ५४४४ | पत्नीशाला कु | १ एक १ |
| TT 25 3/. | | | | | | | |

| n- m | | · | _ | | | | |
|----------------------|---------------|------------------------|---------------|-----------------|---------------|-------------------------|---------------------|
| पत्न्यस्त्वामभि | | पदातीनां क्ष | | पद्मश्च मण्ड | | परं सुदर्श | १४७४ |
| पत्न्यो जनन्य | २५२३ | 1 - | २७१७ | 1 | २८९७ | परं स्थानं म | ा २ ४२८ |
| पत्न्योऽपि तेषां | २६९३ | 1 | २७८२ | | १४४५ | परं ह्यभिमु | २७८८ |
| पत्यभावे य | १६१६ | 1 | २७८७ | 1 | २९८२ | परः सहस्त्रा | ५१४ |
| पत्यादिगुण | १४९६ | | २०१६ | | ८९२ | परकर्मीद | २१०१ |
| पत्यौ गिरां ल | २४६५ | 1 | १८४६ | 1 | ६३,२७३० | परकार्येषु | १६३० |
| पत्रं कारय | १८३९ | | ७३२ | पद्मोत्पलयु | २९४१ | | २७४५ |
| पत्रच्छेदे फ | २७३१ | पदिकद्श | २३६० | | २४९० | परकोपप्र | २०८१ |
| पत्रपूर्णेस्त | २९०७ | 1 | २७८८ | | २८३३ | परक्षेत्रं स्व | १०२० |
| पत्रमाश्चिष्टं | २२५४ | L . | २६७०, | | १०५० | 1 . | १६३० |
| पत्रशाकतृ | १ ३३८, | २७८ | ८७,२७८९ | पपात भूमी | ६३६ | | ६७८ |
| १ ३१ | ६१,१३६२ | पदे पदे य | २७८८ | | ५३३ | परचक्रभ | २९२ ४ |
| पत्राङ्कुरल | २९२ १ | पदे पदे स | २७८३ | 9 . | | परचक्रवि | १५२६,१५८३ |
| पत्रिका रोहि | १४७० | पद्भिवैं न्यग्रो | २७७ | पप्रच्छ सरि | | परचकाचौ | १ ४१४ |
| पत्रिणी चैव | २९९५ | पद्भ्यां दक्षिण | ४०७ | पप्रच्छात्रिर्म | # ₹९२० | परचकाट | |
| पत्सङ्गिनीरा | ५०८ | पद्भयां ह्येनं प्र | ४३४ | पप्रच्छानन्त | ५५२ | परचकादि | १३९३,२३०२ |
| पथः समं पु | १४७८ | पद्भ्यामुद्धर्ति | ९५९ | पप्रच्छावस | ६४६ | परचक्राभि | ७२८,१३५९ |
| पथिकोत्पथि | २२८०, | पद्मं कुम्भश्च | २८३९ | पप्रच्छासी म | २९२० | | १३१४, |
| | २३२३ | पद्मं श्मशाना | ६५३ | पप्रच्छुः सुर | ८०७ | 1 33 | १२०,#१५८३, |
| पथिद्वैधीभा | २६ १ ० | पद्मः शङ्खो ग | २८३ २ | पय एवास्मि | ३२६ | ण=स्रेत • | २०१६ |
| पथि पान्थो नृ | २५०८ | पद्मनाभः सु | २९६२ | पयःपानं भु | १८८० | । गरयकाय र | ०३१,१३५९, |
| पथिव्याधिक | २३१५ | पद्मना शालि | १५१२ | पयसा सह | २४१ | | २९०५ |
| पथ्यं भुक्त्वा न | २०४० | पद्मपक्षो ब | # २९६२ | पयसि स्थाली | २८५४ | 17/14/11/3 | १६०८ |
| पथ्यं मुक्त्वा तु | * ,, | पद्मबीजनि | १४७५ | पयस्थाभाज | | | ११८६ |
| पथ्या रेवती | "९६ | पद्मरागवि | २८३३ | पयस्या वै ध | ३३४ | परतः कोप | १९५८ |
| पदं मध्यम | १३२५ | पद्मरागश्च | २८४३ | | " | परतो धन | *2488 |
| पदं स धत्ते | *2883 | पद्मरागस्त | | पयोगोधूम | २९१३ | परतो न वि | १५३७ |
| पदं समाका | 660 | पद्मरागस्तु | 0 3 | पयोष्णी वार | २९९२ | परत्र भीर | १८३० |
| पदद्वात्रिंश | २५४२ | पद्मरागैर्म | 8808 | परं चाऽऽश्वास | १०८१ | | १८२४,१८२८ |
| पदसमूहो | १८३३ | पद्मरागो दि | २८३५ | परं तु भाग्या | १२०४ | परत्र सुख | २००९ |
| पदातयस्तु | 1 | पद्मवर्णस्त्व | २७०४ | परं दुरन्त | २४५८ | परत्राजिघां | ७६७ |
| | १५४२ | पद्मवर्णोऽपि | | परं परं भ | ६३६ | परत्रेह च | १३६५ |
| पदातास्त्वग्र | #2000 | पद्मवर्णी ब | | परं पारं ग | # १६३५ | परदत्तां च | १०३१ |
| पदातिकुञ्ज | २७३२ | मद्मव्यूहः स | | ारं पारंग | १६३९ | परदारेषु १ [.] | ४९४,१६३१, |
| पदातिनाग २४५। | ७,२६०२। | गद्भाव्यूह स्तु | | ारं बीजंप | २४९८ | | . २३५१ |
| पदातिनागै २५५ | ३,२६०७ । | ग्झशङ्खग | | ारं ब्रह्म प | | परदुर्गम | ર |
| पदातिबहु १५२ | | ग्दाशङ्खध | | ारं विश्वास | | - | २६४७ २३६४ |
| पदातियन्त्र | | ाद्मश्चे कुलि | २९६३ | चया रं विषद् | #2363 | परदूतप्र परवेशं व | २३६ ४ |
| | | • | | 1116 | ******* | भरदश म | २५४४ |

| परदेशजं | १२३६,२३५० | | | : परस्त्रीषु वि | १५७ | ८ परस्परेणा | १२४६ |
|--------------|--------------|------------------------------------|-------------------|-----------------|------------------------|----------------|--------------------------|
| परदेशप | . १३१२ | परमिश्रः प्र | ा २ १६७ | परस्त्रीसंग | ९३९ | ९ परस्परोप | ७४५, |
| परदेशप | ર ५९४ | परमिश्राप्र | १९२७ | परस्थानग | १७१० | : | ' ११६९, १९ ४८, |
| परदेशावा | २८१४ | परमिश्रायां | १९१९ | परस्थानास | । १ ७२३ | . I | २११३,२११७, |
| परदेशीया | २३०३ | परमेष्ठी त | २०४९ | परस्परं च | ७९५,*१९५७ | 9 | २१२९,२१३० |
| परधर्मी भ | ७२४ | परम्पराग | १६३५ | परस्परं तु | १९५७,१९५८ | परस्मादाग | 969 |
| परनिहितं | १३१३ | परयौगिक | २८४६ | | | 1 | २०५५,२०८४ |
| परपक्षे स्व | १९५९ | परराजक | २८२८ | परस्परं प्रा | १९६४ | परस्य अप | २०८६ |
| परपणिता | ६७४ | परराजग्र | १७१२,१७१७ | परस्परं ब | * ₹ 0 ४४ | परस्य चाप्य | |
| परपरिग्ट | 980 | परराज्यम | १२९२ | परस्परं भ | ७९५ | परस्य चैत | २५६१,२६८० |
| परपरिग्र | १६०९ | परराज्येऽपि | | ١. | ११९४,१९९३ | परस्य चैते | १६४७ |
| परपश्चनां | २३०३ | परराष्ट्रं म | ७४६,१४१९ | परस्परं म | १ १५५ | प्राथ्य जैजा | २५६६ |
| परपिण्डमु | २३८० | परराष्ट्राट | ₹090 | परस्परं वि | ६२० | पास्य हैने | 24.84 |
| परपुरग | २१७५ | परराष्ट्राव परराष्ट्राव | २८८ ५ | परस्परं स | १२६९ | परस्य नाम | १०४५ |
| परप्रणेयो | २०८१ | परराष्ट्रे ह | १ ७५२,२८२६ | परस्परं हि | # ? ३२३ | परस्य ता 🎞 | |
| परप्रमथ | २७९६ | परलगद | १ ४९४ | परस्परक | १२३८,२३५० | पास्य तो 🏻 | |
| परप्रयुक्तं | २०४७ | परलोकगु | ५९४,७९४ | परस्परज्ञाः | २५५२,२६०४ | परस्य भार्यी | • • • |
| परप्रयुक्तः | २०८७ | परलोक भ | १२३० | परस्परद्वे | १९२० | | |
| परप्रयुक्ता | २६३० | परलोकवि | | परस्परब | २०४४ | परस्य मुख्या | |
| परप्रयुक्ते | #२०४७ | परवाताय | २१४१ | परस्परभ | ५६१, | परस्य वाचि | |
| परप्रवृत्ति | १६४७ | परविश्वास | १४८५ | | ६३५,२५१६ | परस्य वाऽप् | |
| परभायसि | १०७३ | _ | २ <i>०७९</i> | परस्परम | १२१८, | परस्य वाम | 8 |
| परभूमिजं | २२६४ | परविषये | १८८५,२८२६ | | १७६७,१९४३ | परस्य विप २ | १३५,२१४२, |
| परभूमिजा | २३२१ | | ६६८,२२६४ | परस्परवि | ९४६, | २ | १६८,२५९६, |
| परभूमिव्यू | २६१४,२७२१ | परवृत्तान्त परवक्ताः व | ११८३ | | १७७६,२१८४ | | २६७ ९ |
| परभूमौ रा | 7 70 4 1 | परवृद्धचा तु | | परस्परसा | १९३१,२५५६ | परस्य विष | २६३३ |
| परमं यत्न | 0.01 | परव्यसन | २०६० | | १६१८,१६३२, | परस्य वेश्मा | ६५५ |
| परमण्डला | | परव्यूहस्य | २७५२ | | १६५५.२१८० | परस्य व्यस | २४५२ |
| परमता वै | | परशुकुठा | २२६ ९ | परस्पराद्वा | १६४९, | परस्य साध | १७५५ |
| परमप्याप | | परशुश्रक | १५४२ | | اروه و ماوه و | परस्थाऽऽत्मार् | • |
| | | | २१७०,२४५५ | परस्परानु | | परस्यान्तरु | १९२६ |
| परममीका | | परश्वधक | २६७ १ | | 1 | परस्थापच | २१७८ |
| परमसांव | | परश्वधानां | १४६४ | mrenzini | ર | परस्थैतद्वा | १६६९ |
| परमां तं प | | पर्सस्थाप | १३२९ | परस्पराप | | परस्वधानां | #१४६४ |
| परमां त्वा प | • • • | परसैन्यं चा | ,,,, | परस्परापा | | परस्वहर | ११५५ |
| परमां प्रकृ | | परसैन्यप्र | | परस्पराभि | १३२३,१८६८ | परस्वे चित्त | २७९० |
| परमात्मना | | परसैन्यवि परसैन्ये न | | परस्परामि | | परहिंसार | # १२१७ |
| परमात्मा ह्य | २९९२ । | परसन्य व | २६६९ | परस्परेण | १८९३ | परहिंसार | |
| | | | | | | | 99 |

| परां मेध्याश | 639 | . पराधीनेष्व | 9 9 1. 0 | ے حسال | | | |
|---------------------------------|---------------------|-------------------------------|---------------------|---------------|----------------|-------------------------|---------------------|
| परां विनीतः | 268 | | २५४२,२७८८ | परावृत्ते दि | २२७ ७ | परिचर्या व | २४३७ |
| परां सिद्धिम | ८८५ ८६४ | परानीकव्य | . २३९४,१५० ९ | पराशक्तेः | • • • | परिचारक | २११० |
| पराक्रमं च २४ | | परानीकस्ते | | 1 | 400 | परिचारग | १२६७, |
| पराक्रमक २ | १२९.२६ ९६ | परानीकस्य | १४१ ४ | | १४९४,२८३४ | | ४८७,१७४९ |
| पराक्रमवि | ર ૫ ૬ ૯ | 1 | • • | 1 | २८ ३६ | परिचार्य त | #4८4 |
| पराक्रमे च | १०९३ | " " " | • • • • | 9 | ७२६ | 1 // *** | १२१५ |
| पराक्रमो व ११ | | 1 | • - • | | २८३३ | परिच्छिन्नं फ | . २११६ |
| पराक्रमो हि | २६ <i>१</i> ९ | . 1 | २०८८ | | २४४० | परिच्छित्रः क्षे | १०८ |
| पराङमित्र | 400 | 1 | ५३९,२८९५ | | १९५८ | | २०४० |
| पराङ्गुखं न | | परापनाद | ७३०,१२४६ | परिकर्मसु | १२५६,१२६० | | १४९५ |
| | २७८६ | 1 | १११८ | परिकल्प्याऽः | स १०७१ | परिणाहे प | १४९४ |
| पराङ्गुखस्य | २७६१ | | १६४७ | परिकुद्दन | २२५५ | | २८३८ |
| पराङ्मुखा २६ पराङ्मुखी २५ | | | ११ १, | परिकुप्यन्ति | | परितः प्रति | १४८६ |
| पराङ्मुखे ह | | 1 | ५२९,२४८५ | पारक्रमस्त | | परितः शिबि | १४७६ |
| परा चिच्छीर्षा | २७८६ | urbaka | २३६५ | पारकम्य कु | | | १४८२ |
| पराजयं तु | १७,३६८ | | ११८३ | पारकथस्त | २११ ४ | परितापिषु | ९९० |
| पराजयं धा | २५१५ | प्रमाध्याची | ६६५ | पारकथा भ | २०६१,२०८४ | परितुष्टस्तु | १२९२ |
| | 2864 | | ११८३,११८६ | पारक्लशन | २४०४ | परितोषक | १०९७ |
| पराजयश्च १ ९ पराजयस्त | | परामर्शी वि | *१२४१ | 11/15/20 1 | | परित्यक्तम | १५६९ |
| पराजयेत्स्रो | २५ १३ ७२६ | परामात्यप्र | १९५७,२६६९ | परिक्षिप्तं प | १५९७ | परित्यक्तो भ | ६६० |
| पराजयोऽपि | | परामित्रान् | ५०७ | गरकाण अ | १५७८,१५८६ | परित्यजध्वं | १८९२ |
| पराजिताः प्र | * \$ \$ \$ \$ | परा मे यन्ति | | परिक्षीणः अ | १६५०, | परित्यजेद ' | |
| पराजितान् पराजितान् | 488 | परायणं पा | १६६६ | | १९५६ | 1 | १२८४ |
| पराजितास्ते - | २४४० | | ७०५,१७२५, | परिक्षीणाग्र | *१५८६ | परित्यजेदि परित्यजेन | २१४१ |
| | २४३९ | | | | १२२२ | परित्यजेद्य | #१८९२ |
| पराजितो न | " | | १७४३ | | ७२० | परित्यजेन्तृ | ९७७ |
| पराजेष्यमा | | परार्थ भार परार्थ स्त्रीनि | ७७६ | परिक्षीणो ब | १९६२ | परित्यजेन्मू | १५६१ |
| पराञ्जिगीष | 100 | पराय स्त्रान | | परिक्षीणो वा | २६३१ | परित्यज्य भ | १०४९ |
| परा तत्सिच्य | ३९९ | परार्थनाश | _ 1 | परिखा च त | | परित्यज्य हि ६ | द६,१७६७ |
| परात्मनोर्ब परान्तंत्राच्या | | | | परिखाश्चेव | | परित्राणाय | १३१७ |
| परात्संकाम परादभिभ | ' '1 | परार्थमस्य एक्टरिकर | | परिखासंस्थि | | परित्रातुं य | २७८५ |
| | | परार्धास्तर पराध्यस्तिर | | परिग्रहीता | | परि त्वा धात् | ७१ |
| परा दस्यून् परा दुःष्वप्यं | | A . | | परिग्रह्म त | २७०३ | परिदन्न इ | ५१२ |
| पराधिष्ठान | 1 | | .०५५,२१९४ | परिग्रहव | २४४५ | परिदाय नृ | २७१९ |
| | | ररावमन्ता | #६६५ | परिग्रहश्च | # ११३ ८ | परिद्युनान्च | १८९३ |
| पराधीनं क्र पराधीनास | १८४० | | १६६८ | परिघो दण्ड | | 'परिंघत्त ' इ | २८४९ |
| पराधानास पराधीनेषु | २१८४ प | | २७२३ । | गरिघो नाम | २०२७ | गरिनिष्ठित | ^२ ५७९ |
| रामायु | १२०४। | ग्रावृत्तम | *१५२० | परिचर्याव | 2६०२ | | ९१२ |
| | | | | | | | • |

| परिपाल्य म | १०८५ | परिवृद्धस्य | ११३९ | परीक्य पूर्वैः | ८२५ | परेष्टा च प | २९९८ |
|----------------|---------------|--------------------------------|-----------------------------------|-----------------|--------------|----------------|-----------------|
| परिपाल्यानु | | परिवेषं र | *2528 | , | | परे स राजा | ७२८ |
| परिपूर्ण य | ८१५,८२२ | | २९२१ | l | ५५० | | २६ |
| परिपूर्णश्च | २७६० | | ८७० | परीक्ष्य साधु | १९५७ | परेह्येनान् | ४६५ |
| परिपृष्टः स | २८५६ | परित्राजिका | १२२७ | परीक्ष्य साधुं | | परैः खस्या | मे २४२० |
| परिपोष्या भृ | ૧ હવ્ | परिवाड् यो | २७५६, | परीक्ष्यास्ते म | | परैरपीडि * | १४१७,१४७७ |
| परिभवन्ति | १७४९ | | ८४,२७९२ | परीतराज | २५१७ | | २३२८ |
| परिभवमु | १९८६ | | २०१५ | परुषमुक्तो | १५५८ | परैर्वा संवि | २०११ |
| परिभवो द्र | १५५७ | | १५८७ | परुषविष | २६९४ | परैर्वा हन्य | २७७६ |
| परिभवोप | २१०५ | | १५६७ | परुषा कद | २२ ३६ | परोक्षं द्विप | ३३३ |
| परिभाषण १ | ३२८,२२१२ | | २८०१ | परुषानमू | ५१३ | परोक्षनिन्दा | १५७७ |
| परिभिन्नस्व | ६३७ | l _ | १२२१ | परुषा श्वेत | २२ ३६ | परोक्षनिन्दे | १६०७ |
| परिभूतः स्वैः | १५५८ | परि ष्वजध्वं | ३८५ | परूंषि विद्वां | 808 | परोक्षप्रिया | १५,२६,२०६ |
| परिभ्रमेच | २६७१ | परि सद्मेव | ४५९ | परे कोटीस | २७३४ | परोक्षमिव | २०६ |
| परिभ्रमेद्रा | २९७५ | परिसूनम | २२९५ | परेङ्गितज्ञः | १६८६ | परोक्षमिवै | " |
| परिमर्शो वि | १२४१ | परि स्पशो नि | Y | परेङ्गितशा | १२८० | परोक्षयाऽपि | ६५८ |
| परिमाणं पा | १८४३ | परि स्पशो व | 6 | परेण चोक्तः | १६७० | परोक्षया व | * ,, |
| परिमाणं वि | १९६८ | परिस्रवेच | १८१० | परेण निहि | १३५६,१३५८ | परोक्षा देव | ८०२ |
| परिमाणान् | #2 228 | परिहासश्च १० | | परेण याचि | २७८९ | परोक्षे कार्य | १२९५,१२९७ |
| परिमाणोन्मा | ११४४ | परीक्षकैः स्व | १३६९ | परेण युध्य | २७८७ | परोक्षे किले | १६३० |
| परि मा सेन्या | 288 | परीक्षकैद्री | १७४० | परेण सह | २७५८ | परोक्षेऽपि । | ु १२०६ , |
| परिमितं चै | ४२१ | परीक्षितं स | ९८५ | परेणापकृ | ६५२ | 1 | १२२८ |
| परिमितं वै | २९९ | परीक्षितगु | १२४० | परेणाभियु | १२८३,२३६९ | परोत्पन्ने स्व | ८६१ |
| परिमितम | ४२१ | परीक्षिताः स्त्रि | ९७९ | परेणाऽऽ छ | | परोद्वेगका | २१० ५ |
| परिमुष्णन्ति | ६४३,६४४ | परीक्षितैर्व | १६४१ | परेत पित | १३४ | परो धर्मः स | ा ७४ ५ |
| परिमृदितं | २२४७ | पराक्षितम् परीक्षेतात्य | २२५६ | परे परेभ्यः | २५६७ | परोपकर | १७४०,१७४४ |
| परि यदिन्द्र | 36 | पराक्षतात्व परीक्षेत्प्रत्य | १६९८ | परेभ्यस्त्रिगु | २५५ १ | परोपकारो | ११६३,२३४४ |
| परि यद्भूथो | <i>७</i> इ | परीक्ष्यकारि ९ | | परेभ्योऽभ्या | ग ९९० | परोपगृही | २४१८ |
| परिवर्तन | १४२७ | | ५ २,२ २ ० ५, ७८,१ १ ०५, | परेयिवांसं | ४७ | परोपघाते | ११६३ |
| परिवत्मनि | २५३५ | 8 8 | ८१,१२२३ | पर्युवाच | * ,, | परोपजापा | १६४९, |
| परि वर्त्मानि | ५०९ | त्रीक्ष्यकारी | ११९०, | परेषां कौञ्च | २७१६ | | १७०६,१९५६ |
| परिवर्त्य नृ | १२६९ | 1 | २०१९ | पर्या पुरास | | परोपताप | ११८३,११८७ |
| परिवादं च | १०९९ | I A — — | #१२४० | परेषां प्रति | २६०३ | | |
| परिवादो द्वि | ११०० | 1 | | परेषां विव | २७९३ | परोपतापि | #११३ ४ |
| | २०६,१२०७ | 1 | # २३३८ | परेषां व्यूह | २७५१ | परोपतापी | १२९१,२०८३ |
| परिवार्य र | *२७१९ | | १२२१ | परेषामास्प | १२२१ | परोपदिष्टं | १२४८ |
| परिविश्वस्त | | परीक्ष्य तार्या | ११०६ | 1 | २६०१ | 1 | ९३७ |
| परिवृत्ति या १ | ५२५,२३६६ | परीक्ष्य तेषां ७ | २८,१४१६ | ।परेषु बल्लि | १६७० | परोऽपेहि स | यो २९११ |
| | | | | | | | |

| | | | | • | | | |
|---------------|---------------|----------------|------|--------------------------|---|-------------------------|----------------------|
| | व ८७,८१९,८२ | ९ पर्यास) भव | ३३३ | पलाशफल | ६४९ | पशुभिरेवै | ^२ २७३, |
| पर्जन्यः । | | ३ पर्युक्योपस | २९०६ | पलाशमूलो | १५१८ | 1.30.1.1.1 | २७६,४३३ |
| पर्जन्यः । | | ३ पर्श्रुपासन | ६७८, | | ३००२ | पशुमान्त्सूया | ર 4 ૬ |
| पर्जन्यः । | | | | पछुं प्रवाल | २८३० | 120.11.4/21 | *** *** |
| पर्जन्यः । | | 1 9 - | २२५ | पर्छेर्दशभि | २९०० | पशुमान्भव पशुमृगद्र | ४५९ २२ १३ |
| पर्जन्यना | | १ पर्यूहमद्य | ३४२ | पवन त्वं व | २०५० | l . | |
| पर्जन्यम् | | ४ पर्येषेत क्ष | २०५८ | पवनसट्ट | २५४८ | पशुरक्षाः कृ | २४१४ |
| पर्जन्यमि | व ६५७,१०६६ | , पर्वणि पर्व | ९६७ | पवनामी त | २९८३ | पशुवन्मार पशुविकेता | २७६८ |
| | १०६८,१७११ | , पर्वतत्रपु | १४६५ | पवनानल | २८७७ | | २३०४ |
| | २३८ | 1 6 | २९८१ | पवमानस्य - | ₹ ₹ | पशुब्याधिम | १३९६ |
| पर्जन्याख | | | | पवमानस्य पवमाने वा | २ २ ४ २ १ १ | पशुत्रजोप पशुत्र वरी | १५६५ |
| पर्जन्याद्य | | | १०७३ | पवमानो अ | ۱۱۱ دی | पशुषु तुरी पशुहिरण्य | १०८,१०९ |
| पर्जन्यो १ | घन ८२ | | २०४८ | पवमानी क्यं | | | १३०३ |
| पर्णाशा | | ९ पर्वतानां प | ६२० | | 288 | पश्चनां मन्यु | १५९ |
| पर्णासनं | | १ पर्वतानां य | २३५४ | पवस्वेन्दो वृ | ३२३ | पश्चनां मर | *3886 |
| पर्णासना | ह्या #१४६ | पर्वतानाम | २२३९ | पवित्रं पर | ७२१ | पश्चनां मार | " |
| पर्णासना | 電 #,, | | १५५१ | पवित्रस्थान | २५२९ | पश्चनां ये च | ८२३ |
| पर्णिका | | 1 0 | ११२२ | पवित्रेण पृ | ४०७ | पश्चनां रुद्र | २९२२ |
| पर्णी शर | ताह्वा १४६ | | १०४८ | पवित्रे स्थो वै | २७८ | पश्रुनां वा ए | • • • |
| पर्णोऽसि | तनू ९ | | २९८४ | पशवः पक्षि | २९२५ | पश्चनां चृष | ५६५ |
| पर्पटं च | | CO-10-17-07 | ६२१ | पशवश्छन्दो | ३५१ | पश्चनां व्यस | १५८५ |
| पर्पटी च | | | २८९९ | पशवो नाभि | ८०३ | पश्चना 🗠 राम | १३५ |
| पर्यङ्गः ह | | ४ पर्वतोत्थमृ | २९७३ | पशवो नृशः | ४३३ | पश्चनामधि | ७९६,१३१३ |
| पर्यङ्कम | | | १५४२ | पशबोऽपि व | ७६५,१९८३ | पश्चनामेवा | ३५१ |
| पर्यङ्के य | रु २९८ | 1 0 2 0 | २९७३ | पशवो यज्ञः | ३ ३३ | पशूनामेवै | २७३ |
| पर्यन्तर्मा | | 1 ^ | १३९५ | पशवो वा इ | ३५१ | पशूनेव त | २५६ |
| पर्यस्तां प्र | | 1 | १३९७ | परावो वा उ | ३२२,४३३ | पशूनेवाव | ४२२ |
| पयिकाम | | · 1 • | ,, | परावो वै पू | २७६,२८३, | पश्चाच्छ्रतोऽधि | व २५३१ |
| पर्याप्तं : | | `\ | १३९६ | | ३०३ | पश्चात् कुमा | २५२६ |
| पर्याप्तं ह | | ` | | पशवो हि पू | २५६ | पश्चात् कोप | २१ २५ |
| पर्याप्तवः | | | | पशवो हि प्र | ,, | पश्चात्कोपचि | ६७६ |
| पर्याप्तवेत | • • • | ' | १३७४ | पशब्यश्चेव | २८६५ | पश्चात्कोपाति | १५९० |
| पर्यायं न | व्य २३७ | ١ . | | पशब्या बहु | १४३८ | पश्चात्कोपाभि | * ,, |
| पर्यायं न | ाध्य 🐞 📜 | 1 | | पशुचर्माङ्ग | • | पश्चात्कोपे सा | • • • |
| पर्यायेण : | च २७४ | 1 | | पशुदत्तेने | | पश्चात्तापवि | १८०५ |
| ' पर्यावरें | 'इ २९१ | | | पशुघान्यहि | १४३४ | पश्चात्तापाय | १७८५, |
| पर्यावर्ते | દ ૨૪७, | | | पशुपाल्याश पशुपाल्याश | १३५८ | 1711117 | १९३८ |
| प्यसिन् | | पलायमानः | | पशुभि रेव | | पश्चात्तापो य | १८९१ |
| | | • | ,, | -· •• | • | | ,- ,, |

| पश्चात्तु वेग | ९६ १ | पश्चिमाविव | १८६९ | पांसुकर्दमो | २६१६ | पाण्डवेय स | १५०७ |
|-------------------|------------------|----------------------|----------------|-------------------|---------------|-----------------------------|---------------|
| पश्चात्पञ्च च | १४९४ | पश्चिमासन | २७५१ | पांसुन्यासे र | २३२४ | पाण्डवेषु य | १८९१ |
| पश्चात्पर्याय | २८ | पश्चिमेन श | २४६२ | पांसुपूरित | १५९७ | पाण्डवो धर्म | १६०० |
| पश्चात्पार्ष्णिया | १८५० | पश्चिमोत्तरं | १४५० | पांसुदोषण | १४४६ | पाण्डुपुत्रस्य | २५२८ |
| पश्चात्प्रकोपः | २५७४ | पश्यतां भूमि | २८०२ | पांसूत्कराक | # ९९१ | पाण्डुरं गज | २४८७ |
| पश्चात्प्रतिज्ञा | २२२१ | पश्यता लोक | *६१३ | पांसूत्करोत्क | ,, | पाण्डुरदर्श | २४८२ |
| पश्चात् प्राङ्ति | ३४५ | पश्यति व्यस | १६८० | पाकमायाति | २९२१ | पाण्डुरर्षभ | २४९८ |
| पश्चात्संघार | # ₹४९५ | पश्य तेषां कृ | २००९ | पा कयज्ञवि | २९०६ | पाण्डुरश्च वृ | २९४१ |
| पश्चात्संसाध | २४९५, | पश्य दुष्कृत | २०२६ | पाकयज्ञा म | ५९४ | पाण्डु श्वेतं चा | २२४६ |
| | ૨ ૪૬७ | पश्यद्भिर्दूर | १७८५, | पाक्या चिद्रस | ३ २ | पाण्डुस्तु राज्यं | ८ ४४ |
| पश्चात्सर्वेषु | २८५१ | | १९३८ | पाखण्डिविक | # २९०३ | पाण्डूनां सह | २८०१ |
| पश्चात् सेना | २६०९, | पश्यन्ति कौतु | २७८९ | पाङ्क्ताः पशव | ३३३ | पाण्यादिपच्छे | १९७८ |
| | १३,२७३५ | पश्यन्ति नूनं | २७६२ | पाङ्क्तो यज्ञः | | पात मा प्रत्य | १५१ |
| पश्चादग्रे ध्व | २८४६ | पश्यन्ति प्रजा | १४१६ | पाञ्चजन्यामि | ः २९३७ | पातयन्निव | १०८६ |
| पश्चादपि न | 2132 | पश्यन्नपि भ | १२६२ | | | पातयेत्तस्य | २८६२ |
| पश्चादितरे | २८७ | पश्यन्वा पुत्र | १९९८ | पाञ्चालनाथो | २५२१ | पातयेत्सर्पि | २८९९ |
| पश्चादेवैन | ३१६ | पश्यन्संचित | २०७३ | पाञ्चालाः ग्रूर | १५१३ | पातयेदपि | ७२७ |
| पश्चाद्दष्टस्तु | २५ ०४ | पश्य बुद्धचा म | २००९ | पाञ्चालानां कु | २४४३ | पातयेन्महि | २८९४ |
| पश्चाद्धन्धने | २२५ ४ | पश्यमानस्त | २०५१ | पाञ्चालानाम | २४२२ | पाता वर्णाश्र | ७५७ |
| पश्चाद्भये तु | २७३३ , | पश्य व्यूहं म | २७१४ | पाञ्चालिकावि | २९८५ | पातितः सम | २७९८ |
| | ,२५२, १५,२७४९ | पश्याग्रयश्च | ५६३ | पाटचरक्वौ | १६६४ | पातैः पुरुष | २१५४ |
| पश्चाद्राज्ञे तु | २८२ ६ | पश्यामि लोका | १०९५ | पाटनैः कर | २७०३ | पातैनं प्राञ्च | २८२ |
| पश्चाद्वा संकृ | २८०७, | पश्यामि खं स | २३७१ | पाटली पाट | २९९९ | पात्यमानस्त्व | २७९८ |
| • | 3606 | पश्यामो न च | २९४१ | पाटामिन्द्रो व्या | ४६१ | पात्यमानाः प | * २७६४ |
| पश्चाद्वै सोमो | ३१६ | । पश्येचारांस्त ९ | | पाठस्थानानि | १४७९ | | ७६८ |
| पश्चाद्वजेद्र | २५४७ | पश्येचारान् | १६५३ | पाठालोधते | २२९२ | | १९,२२१० |
| पश्चार्धमिव | २७२१ | पश्येचोरांस्त | #943 | पाणिपादत | १५१५ | पात्रभूतैश्च | *१३१९ |
| पश्चार्धे तस्य | २७१८ | पश्येत्सुरान्स | ९५७ | पाणिपादाश्र | २५१४ | पात्रमित्यु च ्य | ७२२ |
| पश्चाह्नः प्रति | २३१२ | पश्येथाश्च त | ९४३ | पाण्डराभप्र | २५४५ | पात्रस्य ह वि | #६९ ४ |
| पश्चिमदक्षि | १४५० | पश्येदुपाया | १०८३ | पाण्डवाः सम | २७१५ | पात्रस्य हि वि | ,, |
| पश्चिमद्वार १४७ | | पश्येद्गुरुं ते | ९६० | पाण्डवा धार्त | २७११ | पात्रे त्यागी गु | ११७८ |
| पश्चिमप्लव | १४९३ | पश्येन्त्रपो ह | २५८४ | पाण्डवानां कु | २४८५ | पात्रे प्रदीय | ६९४ |
| पश्चिमस्यां दि | ८२३ | पश्येयुरन्ये | २९४९ | पाण्डवानां च | १८९६ | पात्रे सपुष्पे | २८८० |
| पश्चिमात्कोण | २४७३ | पद्येयुरव | ९९२ | पाण्डवानां वि | १०४५ | पादं पशुश्च | १३४७, |
| पश्चिमा दक्षि | २४६१, | पस्त्यासु चक्रे | १४९,२७९ | पाण्डवान्धार्त | २००३ | | २३३३ |
| | २४६३ | | २९२४ | पाण्डवाश्च वि | | पादः पञ्चघ | २३२४ |
| पश्चिमाद्रौद | | पांशुपूरित | * १ ५९७ | पाण्डवी पोत | २५२९ | | |
| पश्चिमायां च | २५३० | पांसवश्च वि | २९६२ | पाण्डवेभ्यः स्व | | पादगोपाश्च | २७३३ |
| | | | | | 4- 4 3 | सन्तास्थ | २७३८ |
| | | | | | | | |

| पादचारा भ | # २७३८ | ८ पानदोषात्प्रा | १५७ | ८ पापकर्मणि | २ ४१ [.] | ४ पापैः पापाः सं | १६१९ |
|--------------------------|---------------|--------------------|-----------------|--------------------|--------------------------|------------------------------|---------------|
| पादपश्चेव २ [.] | ४८४,२९१६ | ६ पानपो द्वेष | १२९१ | , पापकर्मत | # \$ 9 9 | ९ पापैः पापे क्रि | |
| पादपाद्राष्ट्र | ,, , ,, | | २०८ | २ पापकर्मात्य | १९९ | | ,, १०५६ |
| पादपानां य | २३४३ | | २४६६ | र पापकुन्नास्ति | १२३ | 1 | ०४,२०८३ |
| पाद्पीठे र | 3861 | ४ पानभोजनो | २५५ : | | २ ४६३ | | २४६५ |
| पादपैः पुष्प | १५९। | | # १५७\ | | १ ४७) | | १८६ |
| पादप्रहार | १५२ | | " | पापपराजि | ५२८ | | २४६७ |
| पादभागैस्त्रि | ५४९ | 1 11 1 1 20 1 20 1 | ४८,२०४ \ | ४ पापमाचर | ६१ | | २६ ९३ |
| पादमाक्रम | २५१३ | १ पानव्यञ्जन | ં રફ્ષ | 1 | १३ २६ | 1 . | ५२४ |
| पादयोरेव | १९८७ | । पागसाम् जास्य | १६०८ | | २९६ ५ | ` | |
| पादयोख्त म | २७१३ | | १५६० | 1 . | 820 | पायनार्थं च | ः २३०६ |
| पादलझं क २० | | पानसो राज | २८३५ | · · · · · · | १७१३ | पाययित्वा म | २६९० |
| पादसंचार | १५२१ | पानस्त्रीधत | १७२९ | | १६२१ | पायसं पूर्व | २५५० |
| पादहीनं व | २३०८ | <u> गाउँकीयका</u> | १८०१ | | ७९५ | पायसेन ब्रा | २८९८ |
| पादहीनां भृ | १७५६ | पानाक्षिमी हि | १६०४ | 1 | १४३४ | पायूपस्थ ह | ९२८ |
| पादाङ्गुष्ठे न | २९७८ | шаша | | CONTENT CAR | १०८६, | पारपयक | १५५६ |
| पादाजीवं ता | २२४३ | | * १३८७ | | २५ <i>९</i> ७ | । पारपयाना | २६ ० २ |
| पादातं स्वग | १५२६ | | " | पापादपि भ | ७२७ | । पारक तार | # १५२१ |
| पादातास्त्वग्र | २७०७ | | २२९१ | ППППП | | muma | १०१० |
| षादाधिको ज्ये | २२९१ | पानागारे प्र | * ₹०४५ | | १६५९ | । पारंपरंप चार ३७ | ८, १५३५ |
| पादावरमे | २३०८ | पानागारेषु | १६४०, | पापानां नित्र | ७२३ | पारशवत्वा | *680 |
| पादे तु दक्षि | २७१९ | 866 | ९,२०४५, | पापानां प्राण | १९८७ | पारसमुद्र | २२३४ |
| पादेऽस्याऽऽस | २६६ ० | _ | २२९० | पापानुबन्धं | २४३१ | पारा चर्मण्व | २९६९, |
| पादोनं युव | २८३६ | पानात्कार्यादि | १५७८ | पापान्यपि च | ६२४ | | २९७८ |
| पादोनं स्त्रीणा | २२६१ | पानादर्थश्च | १५४८ | पापान्यपि हि | ७६ २४ | पारावतं ना | १४६६ |
| पादोनमश्व | २३०६ | पानीयं यव | २४८५ | पापान् सर्वे | ५६५ | पारावतका | ९६६ |
| पादोना कला | २२६० | पानीयं वा नि | १२१९ | पापान्खल्पेऽपि | १९०४ | पारावतकु | १५०० |
| पादोनेनापि | | पानीयमान | २९४४ | पापामचोक्षा | #६५६ | | २६५० |
| | ६५४ | पाने तु शब्दा | १५६० | पापाशङ्की पा | १०३९ | | ८३५ |
| पाद्मेन चैव | *२६६४ | पान्तु ते मुन | २९७७ | पापाश्च देया | २८०६ | पारिखाँदैरि | १४८२ |
| पाद्यार्ध्यमधु | २०१४ | पान्तु त्वां वस | २५३८, | पापाश्च पञ्च | * ₹९४८ | पारिजातेन | ५४१ |
| पानं चापि पि | १५७६ | २५ ४। | ५,२८९२ | पापाश्चोपच | ,, | पारितोषिक | ९६२ |
| पानं पानीयं | ९७५ | पान्थप्रपीड | | पापास्तृतीये | | पारितोष्यं चा | २६९ १ |
| पानं वस्त्रम | # 8 4 5 8 8 | पान्थशाला त | | पापा ह्यपि त | | पारितोष्यं भृ | १८४१ |
| पानं स्त्री मृग | | पापं कर्म कृ | | पापिष्ठो कूट | | पारि पतन्त | २७२९ |
| | | पापं कुर्वन्ति | ६५७ | पापीयान् भ | | पारिप्लव म | १२८७ |
| पानकानां प्र | | पापं तुं सुक | | गपीयान्हि ध | ''' | पारिभद्रक | ર |
| पानक्षिप्तो हि | | गपः क्षत्रिय | | पापेन कर्म | | पारिमद्रक पारियात्रे क्षे | २६५५ १४१६ |
| | | | - ', | 4 · 7 · 4 · 4**** | <i>२</i> ०५५। | नार्यात श | १४१६ |
| | | | | | | | |

| पारियात्रे त्र | १४१५ | पार्षिणप्राहः स्थि | #१८५८ | पालयन्ति म | ७३९ | पाषाणघट | २३४७ |
|-------------------|---------------|----------------------------|---------|----------------------|---------------|-------------------------|------------------|
| पारिवाजिका | १६४५ | पार्ष्णियाहः स्मृ | १८५९ | पालयन्ति य | ७४७ | पाषाणघटि | १४९७ |
| पार्थः प्राप्य घ | २३६९ | पार्ष्णिप्राहचि | ६७५ | पालयन्पुरु | ५९६ | पाषाणधात्वा | ८९४ |
| पार्थ या पर | २८९० | पार्ष्णियाहमा | २१९७ | पालयानास्त | ५७२ | पाषाणपाति | २७०२ |
| पार्थिवं कुरु | २५३० | पार्ष्णिग्राहमि | १८८२ | पालयामास | २८६६ | पाषाणयुद्ध | १५१३ |
| पार्थिवं सिल | २५३१ | पार्ष्णिग्राहमु | १८५८ | पालयास्मान्य | ६३२ | पाषाणेनापि | १३७० |
| पार्थिवस्त्वां व | २८७७ | पार्ष्णिग्राह्यो | २१६१ | पालयित्वा त | ५९८ | पाषा णै रिष्ट | २७०१ |
| पार्थिवस्य च | # २३२७ | पार्ष्णियाहश्चा | २१०४ | पालयित्वा प्र | 466 | पाहि न इन्द्र | २४ |
| पार्थिवस्य तु ७४१ | ६,२३२७ | पार्ष्णिग्राहस्त | १८४९, | पालयिष्यामि | ७३९,७४८ | पाहि मां सत | २८५० |
| पार्थिवाः पुरु | ५९७ | | ८,१८६३, | पालयिष्याम्य | ७९२ | पाह्यस्मान्सर्व | ७९६ |
| पार्थिवामेय | २५३० | | १८६९ | पालयेज्ञघ | २६७१ | पिङ्गलः पार्थि | १६१२ |
| पार्थिवादिक | ,, | पार्ष्णिग्राहस्य | २१७६ | पाल्येद्ब्राह्म | ७२७ | पिङ्गला प्रीति | २५३१ |
| पार्थिवानां गु | ११७७ | पार्ष्णिप्राहाद्यः | १८८२ | पालयेद्वाऽपि | ११०४ | पि ङ्गलायुग | २५२९ |
| पार्थिवानाम | १०३६ | पार्ष्णिग्राहाधि | २४५६ | पाला रां भव | २७७ | पिङ्गाक्षो द्युति | २९७७ |
| पार्थिवान् सम | २४८७ | पार्ष्णियाहाभि | १८४९, | पालितं वर्ध | १३५१ | पिच्छिलमार्द | २२ ३७ |
| पार्थिवेन सु | २८५७ | | २४५५ | पालितां वर्ध । | ७२२,२८२३ | पिटिकानां म | २८७२ |
| पार्थिवो जाय | ७९४ | पार्ष्णिप्राहास्त्र | २१६२ | पालिता यस्य | ५९७ | पिण्डकरः ष | २२५७ |
| पार्थिवो वाडि | २५३० | पार्षिणप्राहे च | २१६० | पाली भु ज ङ्ग | २९९३ | पिण्डकाथधू | २२३५ |
| पार्थी धर्मार्थ | *६४७ | पार्ष्णियाहेण | २१७६, | पालेवतं भा | * १४६६ | पिण्डदा ने वि | ८६१ |
| पार्थी वाक्यार्थ | ,, | | #२६७६ | पाल्यमानास्त | #५७२ | पिण्डशीर्षाति | *8408 |
| पार्वतं वन | २६११ | पार्ष्णियाहेऽभि | *2844 | पाल्यो युष्माभि | १ ५९ २ | पिण्डशीर्षाह | |
| पार्श्वकोष्ठात्तु | १४८६ | पार्ष्णियाहो भ | १८५८, | पावकासः शु | ४६९ | पिण्डिका मुण्डि | " २९९६ |
| पार्श्वतः कर | ६४३ | | २१६३ | पावनं पुर | ५९७ | पिण्डिनी मु ण्डि | _ |
| पार्श्वतः सिन्धु | २७१७ | पार्ष्णि ग्राहो ऽभि | २१६३ | पावनी च त | २९६९ | पितरं कुश | ₩ ,, ረ६७ |
| पार्श्वतोविष | २८०५ | पार्षिणमस्य ग्र | २६ २५ | पावनी चाम्बि | ₹000 | पितरं चापि | १०१५ |
| पार्श्वयोरम्र | १४८७ | पार्षिणमूलं च | ५४७ | पाशमेक् मु | २१३२ | पितरः परे | ં હલ |
| पार्श्वयोरश्वा | २६०९ | पार्षिणरित्येव | २५१४ | पाशासियष्टि | 96991 | पितरमिव पितरमिव | |
| पार्श्वयोक्स २७३३ | ,२७३५ | पालकस्य भ ७४ | ६,१४१९ | पाशुपाल्यं कृ | ७५३,८८६। | | १६३० २ |
| पार्श्वयोवीिथ | १४७३ | पालकस्य य | | पाशो ह्यसि प | 10 - 11 | पितरि विक | 3006 |
| पार्श्वस्थायी हि | २१६ १ | पालनं क्षत्रि | ५५६ | पाश्चात्यसादि | | पितरो यश | १९८ |
| पार्श्वस्थो वाव | २१९५ | पालनं पुर | ५९६ | पाषण्डचण्डा | | | ८४४,८४८ |
| पार्षतं तुर | २३५७ | पालनात्सर्व | ,, | पाषण्डनै ग | | विताऽऽचार्यः सु | |
| पार्षिण गृह्णीया | २१५३ | पालनाद्वर्ध | | पाषण्डविक | | पिता पिताम | २५ १८, |
| पार्षिण मेन ग्र | २१८५ | | | पाषण्डसंघ १० | | 341 | ४६,२८९२ |
| पािष्णः स्यादायु | २६७१ | पालने यत्न | - 1 | पाषण्डांस्ताप | | पितापुत्रयो | १५५५ |
| पार्ष्णिग्रहणा | २१६२ | पालने हि म | १०३५, | | ८९,२०४५ | पिता पुत्रस्य | १८२ |
| पार्षिणग्राहं च | २१६९ | _ | | पाषण्डिगणि | १३५८ | पितापुत्री च | १०९५ |
| पार्ष्णियाहं वा | २६२५ | पालयत्येव | २०४९ | पाषण्डिनस्ता | | पितापुत्री वि | ७४३ |
| | | | | | | - | - 1 |

| पितामहं २ | मा २३५५ | ممو ا | 3 400 4 | enca. | | | |
|---------------------------|--------------------|---|------------------|---------------------------|---------------|---------------------------------|-------------------------------|
| पिताम हः | | | |) पित्रोनिं दे श | | पिशिताशुचि | २५ २५ |
| पितामहः | | · 1 | ८,१५२१, | | १९०९ | पिशितेन पि | २७०३ |
| पितामहः <u>पितामहः</u> | | . ' ' | १२,१५८८, | | २३८० | | १६०९ |
| पितामह । | | 1 170 | ९,१७१२, | , पित्र्यामनु प्र | २४७५ | पिश्चना मूक | ७६६,१९८३ |
| idana6 . | . १०८५ १०९६,१२९ | • • • | ७,१८५७, | पित्र्ये तिलीद | २५४९ | 1 | १२९०, |
| पितामहर्षि | | , , , | .९,२३ २७, | | २८१९ | | २०८३ |
| पितामहव | | _ | २८,२३३९ | . पित्र्योंऽशः शव | म्य १८९५ | ١٨ . | २२६० |
| | # ₹५० | 15. 39 | * १४७१ | पिन्बन्त्यपो म | 80 0 | पिष्ट्वा शर्कर | १५३१ |
| | ि ११२२,१९० - | 1 | १२९ | पिपर्त नो अ | ₹ १ | 1 | २८७६ |
| पितामहस्य | | 1.15 " 11 | २४४२ | | १०९२ | 1 - | |
| पितामहान | | 1.10 | १२९ | | २९ ४९ | 1 | * ₹८७६ |
| पितामहान | | 1 | ₹₹००, | पिपीलिका पु | २ ९ ९२ | | # 4234 3 234 |
| पितामहाय | | • | १८७९ | | | 'l-A | २०५३ |
| पितामहाय | | पितृयज्ञास्त | ५९४ | , ।पपालकाव्य | २९२७, | ரி என்று இ | ६७५ |
| पितामहार्य | | ⁹ पितराज्यं प | ८५९ | | *२९४९ | ਪੀਫ਼ਜ਼ਜ਼ਜ਼ | |
| पितामहेन | | ੈ ਹਿਰਕਰਸ਼ਕ | ५७९ | 1 ' 1 ' " 1 1 7 7 | १४६६ | पीडनानि च | १५६६ |
| पितामहैरा | ·- | गितस्याः स्वरू | 1860 | אוריואר בין | २२५ ९ | पीडनास्कन्द | ७११ |
| पिता मात | | ' पितसेबाप | १०१६ | 1776100 6 | २४९९ | 1 | ५७५ |
| | ७६४,११८९ | , पितृहन्तुन | २८०२ | | ,, | पीडनीयोच्छे | २०९४ |
| | २०४१ | पितुणां देव | १ ०९९ | 1111212 | २६ ९३ | पीडयन्ति सु | २८९५ |
| पिता राजा | | | 7055 ८२३ | पिबन्तं न च | २७९४ | पीडयेचापि ९ | ६८,१०८० |
| पिता हिर | ाजा ६३३ | | | पिबन्ति मदि | ६६० | पीडयेदहि | १८७ • |
| | 208 | 1 6 | २८२४ | | | पीडां करोति | ७२६ |
| पिता हि स | र्व ८०७ | ापराचा श्रद्ध | ८५८ | पिडाङाशा अ | ६४० | पीडां निवार | २९० ४ |
| पितुः सखा | | I ICAMI STU | #८५९ | पिशङ्गी पष्टी | ४७५ | पीडा चाऽऽपद | # 404 |
| पितुराज्ञोल्ल | | | ८५२ | | १६६ | पीडा पिशाच | * ₹५०४ |
| पि तुर्गोत्रेण | ८६० | पितृणामिव | २३५६ | וודף ווירויו | २९८८ | पीडितस्य कि | १३२२ |
| पितुस्तपोब | १०१६ | पितृन् पैताम | 2848 | | ü ,, | पीडितानाम | ११२८ |
| पितृघातको | | | | पिशाचा ऊर्ध्व | २९७७ | पीडितोऽपि हि | ११३२, |
| | १३९ ९ | पितृनभातृन्प | ८४४ | पिशाचा दर | २७०९ | • | ४२,१६०६ |
| पितृतः प्राप्त | | | १२,७२७, | पिशाचा दार | # ,, | पीड्यते तस्य | २८५१ |
| पितृपक्षस | ११ ६४ | र ३८४ | | पिशाचादि भ | २९१९ | पीड्यमानां प्र | ७२६, |
| पितृपिताम | #२३२७ | | | पिशाचाधिभ | * ,, | | १४१६ |
| पितृपितृ ब्या | १३००, | पितेव पासि | | पिशाचानां हि | #3969 | पीड्य मानाः प | २७६४ |
| | १८७९ | पितेव पुत्रा | १०९५ | पिशाचान्त् सर्वा | | पीड्यमानाः प्र | |
| पितृपुत्रभ्रा | २६१३ | पितेव हि नृ | 688 | विशाचा रक्ष | . 1 | | १४१२ |
| पितृपैताम | ८४७,९७४, | पित्राऽपरिक्क | | पिशाचास्तस्मा ३ | 95 3010 | रीड्यमानो ह्यु रितं क्याप्टि | १८७० |
| | ९९७,१०४०, | | \$ \$ 2 2 If | पशाचेभ्यो ब | | गितं कृष्णमि विकंत्रकं क | २८४२ |
| | २२५,१२४२, | पित्राभक्ता न | ı | परा। पन्या च पिशितरुधि | 1 | र्गितंद्रव्यंत | # २५ ११ |
| | • | 🔾 🧯 | 00011 | पारात रा व | २५२०। | गितकास्ताम् <u>च</u> | २२४० |
| | | | | | | | |

| ਮੀਤਰਜ਼ਾਂ ਤ | 21.00 | , गंदलीगजीया | 9V. | पुत्रं शङ्खप | /23 | पुत्राणां गुण | १०१२, |
|----------------------|---------------|---|-----------------------|------------------------|------------------------|------------------------------------|-----------------|
| पीतद्रव्यं त | ર | पुंस्त्रीप्रयोगा प रकापसम | २४४८ २७ १ ० | पुत्रं हि मात | | 34141 34 | ११ २४ |
| पीतपद्याष्ट | १४९५ | पुच्छमासन्म | | पुत्रः स खाः | | पुत्राणां ते ज | २७१० |
| पीतरक्तः क्षी | २९७७ | | २८४० | | | पुत्राऽऽत्मा नाव | २३८९ |
| पीतरक्तासि | # २९६५ | पुच्छे आस्तां म | २७१९ | पुत्रकामा हा | । १ २ ४ २३२७ | पुत्रादपि हि | 436Y |
| पीतरकैस्त | २९०७ | l | २७१७ | पुत्रजन्मनि | | पुत्रानन्यान् प्र | १२३० |
| पीतरागं भ | २२५ ० | | #२७१९ | पुत्रदारघ | १४७६ | | 2 242 |
| पीतलोहित | २४९४ | | १३८२ | पुत्रदारम | १३९२ | | |
| पीतवत्सा प्र | १३७४ | | १६४ | पुत्रदारादि | ११३८ | पुत्रान्पौत्रान्प | १०९६ |
| पीता चर्मण्व | #२९६९ | पुण्डरीकश्च | # २९६८ | पुत्र धर्मे म | ११२३ | पुत्रान् भ्रातॄ्नि | पु४ |
| पीता नीला सि | * ९८४ | पुण्डरीकांश्च | ५५१ | | माऽव *२३८९ | पुत्रान् भ्रातृंश्च | १९४० |
| पीताऽमराव | *२९६ ९ | पुण्डरीकामु | ७ २९६१ | पुत्र नैतत्त्व | १२२० | पुत्रामात्यादि | १२३० |
| पीतावभास | ९८४ | पुण्डरीका सु | ,, | पुत्रप्रौत्रगु | २३२७ | | १०३६ |
| पीतिका नाग | २२३८ | पुण्यं च में स्था | २००४, | | १ ९५५ | पुत्राश्चास्य प्र | १८९२ |
| पीतैर्निवस | #2400 | | २४४० | पुत्रपौत्रव | १०८७ | पुत्रासो न पि | ८३ |
| पीतैश्च वस | * ,, | पुण्यं मे सुम | २००३ | पुत्रपौत्रवि | *२०३ ५ | पुत्रिकापुत्रा | ८४९ |
| पीतो रक्तः सि | # ₹९६५ | पुण्यकर्मणि | १००९ | पुत्रपौत्रे वि | ,, | पुत्रेऽपि च प्रा | १२४६ |
| पीतो रक्तक्षि | | पुण्यच्छेदश्च | १३६० | पुत्रमरणं | १५३७ | पुत्रभ्यः श्राद्ध | ६२१ |
| पीत्वा तैलं प्र | ,; २५०० | पुण्यवस्त्राप | *२९६८ | पुत्रमिव पि | १७८,३१५ | पुत्रेभ्यश्च न | १७२२ |
| पीत्वा यं रातिं | 228 | पुण्यशीलाः स | २३२६ | पुत्रयोरपि | २१०७ | | ००,८५४ |
| पीत्वा रसं स | # ₹४५३ | पुण्यषड्भा | *{*{* | पुत्ररक्षण | ९६९ | पुत्रेषु च म | १६४१ |
| पीनवक्षा वि | ११७६ | पुण्यस्त्वं शङ्ख | २८९३ | पुत्रबच त | १०९५ | पुत्रेष्वपि हि | १०६९ |
| | २९८२ | | २३२४ | | ११०२ | पुत्रेष्वाशास १०६ | ७,२३८० |
| पीयूषधार पीयूषमपि | १८०३ | पुण्यस्य लोको | १६२१ | पुत्रवद्यापि | ५९२ | पुत्रैतजन्म | ११२४ |
| पीछं प्रवाल | १३६३ | पुण्यांश्च लोका | ६०० | पुत्रवत्परि | | पुत्रैस्तव दु | २७१५ |
| पीछुत्वङ्मषी | २६५५ | पुण्या गन्धाश्चा | २४९५, | पुत्रबत्पालि | ११५०, | पुत्रोत्सवे प्र | २९ •४ |
| पीछमयो म | २६५६ | | ૨ ૪९६ | 1 | १५३३,२५९६ | पुत्रो धरित्र्या | २४६६ |
| पीवस्वतीर्जी | ४५० | पुण्यात्त्रड्भा ७१ | ७,१४११ | पुत्रवत्याल्य | *५९२ | पुत्रो भ्राता पि | २७६२ |
| पुंनामानं ह | 24 84 | | २८८९ | पुत्र वर्धस्व | ७३० | पुत्री भ्राता व पुत्री भ्राता व | ८०० |
| पुंनामान्येव | 2488 | पुण्यावाप्तिः शा | १६२८ | पुत्रव्यसन | १६१५,२७९७ | | |
| पुंसः परीक्षि | १६४१ | पुण्याहं वाच | २९८० | पुत्रसंकामि | १०५२ | पुत्रो यस्त्वाऽनु | ८३८ |
| पुंसः प्रयत्न | क २३७४ | | ३००१ | पुत्रसर्वस्व | २१०८ | पुत्रो वाऽप्यय | ७४३ |
| पुंसां चावरा | १३०९ | | २८६० | पुत्र स्ने हश्च | *२००२ | पुत्रो वा यदि | २०४५ |
| पुंसां वा प्रमु | २५ २२ | | २५४४ | पुत्रस्नेहरतु | | पुनः कार्याण्यु | १७७९ |
| पुंसां शताव | * ? ३ 0 ९ | पुण्याद्दबस | २५१७ | _ | " | पुनः पुनः प | २३५१ |
| पुंसामाप्तप्र | १२९९, | पुण्ये नक्षत्रे | २९०५ | पुत्रस्य पितु | 1 | पुनः पुनः प्र | * २०४६, |
| G IV . | 8606 | पुत्रं पुत्रीकृ | ८६१ | पुत्रस्थापि न | | २४८ | ३,२७५३ , |
| पुंसा सत्यपि | २४०५ | पुत्रं ब्रह्माण | १८३ | पुत्रा इव पि | ५६९,११७४ | | २८९३ |
| पुंस्कारयुक्त | | पुत्रं भ्रातर | २५६५ | पुत्राः पौत्रा | भ्रा १४८७ | पुनः पुनः श्र | રહ4 રૂ |

| पुनःपुनर | ু | | | ९ पुरं कृणुध्व | र ३८५ | . पुरस्त्वा दघे | ३६५ |
|----------------|---|------------------|---|-----------------------------------|----------------|---------------------------------|----------------------------------|
| पुनः पुन | | ६ पुनर्बृद्धिक्ष | | ४ पुरः पश्चा | च २८०९ | | १९३ |
| पुनः पुनः | | ६ पुनर्वृद्धिभ | • | पुरः पश्चा | तु २८०७ | | |
| पुनः प्ररोत | - | १ पुनर्वे देव | , , , , | 19 | ३ ५७४ | | २९१ ६ |
| पुनः प्रस्थ | | | | 19 | ा ४१,८३,८४ | | ७२९ |
| पुनः प्राप्ते | | I . | | 19.9 | لان ه | - | ۷٥٥ |
| पुनः साम | | 1 | | २ पुरम्रामाधि | ा १ ४१६ | | २३२१ |
| पुनन्तु मा | | | • | 19 " | | | ه دره ه |
| पुनरन्येर्गु | १ २४३ | 1 | | ° पुरतश्चर्मि | २७३२ | | २२३८ |
| पुनरर्कसि | २५४६ | 10 | | ९ पुरतो धन | | 1 | .८६५,८७ २ |
| पुनरस्था | | . 10 | - | १ पुरद्वारे स | 2229 | | |
| पुनरस्थे क्ष | | 19.00 | | पुरपत्तन | १४७८,१४७९ | | • • • |
| पुनरस्थे पु | | पुनानो व | | ۱ و | | | १९१४ |
| पुनरस्थे ब | ••• | पुमांस्तत्राट् | ु १७८ <i>५</i> | | *२८२८ | -A- | ५५० |
| पुनरस्थै ब | ,, | पुमान्स्रीव | स्र १९९३ | र्पुरवाहन | २९२३ | पराणि भोगा | १०५१ |
| पुनरस्थे भ | • | पुमा सेना | | TITOT CLAS | T २५७४ | पुराण्यस्मान्म | ₹ ₹ |
| पुनरस्थे र | | पुर इमांछो | | .2 | स १५०१ | 1 - | २५ <i>०</i> ७२७,१४ १ ६ |
| पुनरस्थे रू | | | | I | २९०८ | पुरा दुर्योध | |
| पुनरस्थे स | • • • | परंच ते | | · | | 100 | ६२४ |
| पुनरावर्त | १८४२,२६१५, | पुरं च तैः | 77 | पुरस्ताच्चि | | पुरा दृष्ट्वा सु पुरा देवासु | |
| | २७७३,२८११ | | - " | 117727 | | | २८७२ |
| पुनरेव म | २४८८, | पुरं तत्र च | १०९६ | TITIZITETI TO | | | १४६० |
| | २४९८,२४९९ | 3 | | प्रस्तातध्व | २६० ९ | 19 | ६५२ |
| पुनदीय ब्र | ३९८ | पुरंदरस्य | ३७९ | पुरस्तादभि | | 34517 711 | *{<{} |
| पुनर्न इन्द्रो | | पुरंदराय | २८६ ० | | २८०५ | 9 | १०९९ |
| पुनर्नः पित | १३४ | पुरं दृष्ट्वा | रा १४८९ | पुरस्तादम्या | २६ ० ९ | | २८५९ |
| पुनर्नयवि | १०५९ | पुरंधिर्योषा | ४१२ | पुरस्तादलं | ९७२ | 3 | ७८९ |
| पुनर्नवम | २६६०,२६६१ | पुरंधिर्योषे | ४२४ | पुरस्तादुप | २६ ०७ | पुरा वसुम | ५९० |
| पुनर्नो अग्नि | | पुरं नीराज | २८८८ | पुरस्तादव <i>-</i> पुरस्तादेवा | २००७,२०१२ | पुरा वैश्रव | २३७९ |
| पुनर्भेदश्च | | पुरं यो ब्रह्म | | | 3600 | पुरा सुमेह | १५१ १ |
| पुनर्वत्रैक | १७६५ | पुरं विशेच | | पुरस्ताद्धीयं | २८०७,२८०८ | पुरा स्नानबि | *३००३ |
| पुनर्यातो नि | | पुरं विषह | २३८३ | | 700 | पुरा हुष्टः सु | *2364 |
| पुनर्वचसा | ' ' | पुरं वृत्ताय | | पुरस्ताद्ब्राह्म | 100 | पुरिकायां पु | १२१७ |
| पुनर्वसुग | | पुरं समाव | 3,65 | पुरस्ताद्भूत | 1000 | पुरीं सभोद्या | १४४५ |
| पुनर्वसुर्गु | | | \$866 | | 1 | | |
| पुनर्वसुश्च | | पुरं सुदुर्ग | ९८१,१४६० | | , , | पुरीमयोध्यां | * {888 |
| पुनर्वसी ग | | पुरं हट्टस | | पुरस्तान्नाय | २६०९ | पुरीमावास | # { & & } |
| पुनर्वसी प | | पुरं हिरण्म | ४०५ | पुरस्ताछाभे | २५६४ | पुरुकुत्सानी | ८६ |
| \$ 1701 9 | ३५५०। | पुरं हिरण्य | ,, , | पुरस्तेनास्य | | पुरुषं कृष्णं २४ | ८१,२४८२ |
| | | | | | | | - |

| पुरुषं घ्नत्या | २२९८ | पुरुषेणास | १२०८, | पुरोधा मधु | २९५३ | । पुष्करश्चप्र २ | ९६७,२९७७ |
|----------------|------------------------------|-----------------------------|-----------------------|---------------|----------------|--------------------------|-----------------------|
| पुरुषं वेष | #१६३६ | | | | १२६५,१७५४ | पुष्करेण च | ७४८ |
| पुरुषः कर्म | २३७४ | पुरुषे दोष | | पुरोधाश्चाभ | . ७९ २ | पुष्करेऽधम | १५१८ |
| पुरुषः प्रकृ | १९१५ | पुरुषे पर | | पुरोयानम | २६ १७ | पुष्करे नैमि | २९०४ |
| पुरुषः फल | २३७४ | | १३८८ | पुरो यायावि | रे १८६९ | पुष्कलं फल | २५३१ |
| पुरुषकार | २४०१ | पुरुषेरल | ९६९ | पुरो वा इमे | ५२७ | , – | १५४३ |
| पुरुषप्रकृ | # १९१५ | पुरुषेश्च वि | १२२९,१५१३ | पुरोहितं च | ११०७, | पुष्टा मेऽद्य भृ | #२४५६ |
| पुरुषप्रमा | २७०० | पुरुषो गर्तः | २८६ | | र १६२४,१६३२ | पुष्टा योधा भृ | * ,, |
| पुरुषप्रय | २३७४ | पुरुषोपक | २३० १ | पुरोहितं प्र | १६१४, | पुष्टोऽपि स्वामि | १७५३ |
| पुरुषभोगं | ³ २०९ १ | पुरुषोऽर्थप | १३२६ | | * १६२४ | पुष्टयर्थे च स्व | |
| पुरुषमुष्टि | १००३ | पुरुषोऽष्टी : | | पुरोहितं म | २९८० | पुष्णन्ति सोम्य | |
| पुरुषमूर्ति | ३५६ | पुरुहूतदि | २४६६,२५४६ | पुरोहितः श्रे | १७४९ | पुष्पं पुष्पं वि | ६८१,७२६, |
| पुरुषवद्धि | २०९७ | पुरुहूतस्य | २८८६ | पुरोहितः स | | | २६ ,१०४० |
| पुरुषवान् सु | २५ ६ | पुरुहूतहु | २५४६ | पुरोहितकु | *284 | पुष्पतो मध्व | ६४९ |
| पुरुषव्यस | ६७५ | पुरूरवस | १६१६ | पुरोहितपु | २६१३ | पुष्पदन्तो म | २९ ९३ |
| पुरुषव्याघा | ४३५ | पुरूरवा अ | २९७६ | पुरोहितप्र | १६२३ | पुष्पन्यासः स | २९६८ |
| पुरुषशक्त्य | १९६६ | पुरू वर्षीस | | पुरोहितम | १२२६,१६१५ | पुष्पन्यासस्त | # ,, |
| पुरुषश्चाप्र | २९६५ | पुरे जनप | ६६६,१०७०, | पुरोहितमि | # १ ६१५ | पुष्पप्रकर | २८६२ |
| पुरुषसंधि | २६२ ० | 2-6- | १४४२,१६४१ | पुरोहितमु | १६२३,१६२७ | पुष्पफलवा २३ | ११३,२२८३ |
| पुरुषसंमि | २९११ | पुरे पर्यट | ११४८,१४२८ | पुरोहितव | १६१५ | l . | २२८२ |
| पुरुषस्तरु | # २३३६ | पुरे राजग्र पुरे वा नग | \$ 809 | पुरोहितश्च | २९३ ५ | 1 ~ | १३८५ |
| पुरुषस्य पु | १२०३ | 1 - | | पुरोहितस्त | *१६२६ | | ७२६ |
| पुरुषस्य हि | २४४९ | पुरे वा राज पुरेषु नीतिं | त ६६६ १ ९१४ | पुरोहितस्या | २०१ | _ | २८३१ |
| पुरुषस्थेव | ४५५,४५६ | पुरेषु येषु | २९२ ३ | पुरोहिताचा | १८१ ४ | पुष्परागैः का | २८३३ |
| पुरुषाणां स | २७६८ | पुरेषु शङ्ख | | पुरोहितानु | ७२८,१४१६, | पुष्पवत्फल पुष्पवत्फल | २५२८ |
| पुरुषादानु | १७७१ | पुरोगमन | १७४९ | 9 , | १६२५ | पुष्पवत्यां म | २५ <i>२</i> ७ |
| पुरुषाधिष्ठि | - १००९ | पुरोगवा वि | * 3 93 | पुरोहिता म | १०९९ | - | |
| पुरुषानेत | २५५ | पुरागवा प पुरोद्रुहो हि | # * | पुरोहितामा | રૂપહપ | पुष्पसमोद | २०४८ |
| पुरुषान्तर १७ | ११,२०६१, | पुरोधसां च | 246 | पुरोहिताय | २०१,२९४५ | पुष्पस्नानं त | * प १ १ |
| | ८४,२३३७. | परोधसाऽभि | | पुरोहितेषु | 0 (0) | पुष्पहीनं स | १३३ ४ |
| | #2360 | पुरोधसा हु | २५४३,२५४४ | पुरोहितो ज | | पुष्पात्पुष्पं वि ७ | ४६,१४१९ |
| पुरुषान् विनि | | पुरोधाः पूर्व | | पुरोहितो ज्ये | | पुष्पादिद्रोण | २८९६ |
| पुरुषापचा | | पुरोधाः प्रथ | | पुरोहितोऽन्य | १६२६ | पुष्पिण्यौ चर | १८६ |
| पुरुषापाश्र | | पुरोधाः सोप | | पुरोहितो ब | २८७७ | पुष्पे पुष्पं प्र | २४८४, |
| पुरुषार्थम | २३९० | T. | i | पुलहश्च पु | २९५ ५ | | २९१६ |
| पुरुषार्थस्त | २४०४ | - | २८८४,२९२२ | पुलाकः पिष्टं | २२६ ० | पुष्पे फले वा | २९२ ४ |
| पुरुषावधि | | पुरोधा बाह्य | | पुलिन्दैः पार | | पुष्पैः पुष्पव | ૨ ૬૭५ |
| • | | * | | | 4. 6.4 | '' U'' | 1204 |

| पुष्पैः फलैश्च | २८६३ | २ पूजियत्वा | ⊒ ৯և∨ | <u> </u> | | | |
|------------------------------|------------|------------------------------|-----------------------|----------------------------|-----------------|------------------------------|------------------------|
| पुष्पैरपि न २५ | ४५१,२६६ | 3 | | १, पूजान्ते संस्कृ | २८५ | ९ पूज्यान्संपूज | १०३४ |
| पुष्पैर्गन्धैः फ | 266 | | वि १४४ | ७२ पूजामन्त्रान् उ | र २८९ | र पूज्ये पूजिय | #11/2 |
| पुष्पैर्माल्येस्त | २८६ | | | ° र्ग पूजामस्मै प्र | १०८० | पूज्यैः सह ना | १२०३ |
| पुष्पैश्च विवि | | , पूजयित्वा | #329 | पूजाहीः पूजि | २८१६ | पूतना रेव २५ | .३८,२५४६, |
| | २८५६ | पूजयित्वाऽ | _ | पूजितं कल | २५३० | s | २८९२ |
| पुष्यत्यपां र | ८३१ | पूजयिष्यनि | | | १२०० | पूतपापमा जि | २४५० |
| पुष्यनक्षत्र | | पूजयेञ्च <u>त</u> ु | | २ पूजितं सित | १ २९५३ | | *२९५७ |
| पुष्यस्नानं त | | पूजयेच्च म | 45 | १ पूजितश्च त | २९८७ | | १०९८ |
| पुष्यस्नानाय | | | | २ पूजितश्च य | १०८५, पर | पूतिकरञ्ज | २६४ ९ |
| 3 4010114 | | पूजयेच्छत्र | २९० | २ पूजितस्यार्थ | २०३६ | | " |
| गरमानेकच | | पूजयेज्जुहु प्रजयेन क | २९७ | | २८६८ | 'पूतिरज्जुः ' इ | ર વર્ષ ३६ |
| पुष्यामेयवि पष्टात्योगे अ | | पूजयेत् कृ | | | २८८९ | | ५१३ |
| पुष्यात्क्षेमे अ | | पूजयेत्तन्म | | ८ पूजिताः पूज | | पूरयेत्सर्व | २९७८ |
| पुष्याश्चेषाम | | पूजयेत्ताह | | • पूजिताः शुभ | | पूरितो हि ज | १०८६ |
| पुष्ये प्रयोगं | | पूजयेत्तान् | वे २८९ | | ७३९ | पूरुणा च कु | #636 |
| पूजनं सुर | | पूजयेत्तिल | " | पूजिताः संवि ६ | ०१,१२०९ | पूरुणा तु कृ | * ,, |
| पूजनी दुःख | २०३५ | पूजयेत्तु घ | १५२ | २ पूजिता देव | २८९७ | | "" |
| पूजनी नाम | २०३४ | पूजयेत्पाल | ७४० | पूजितानां च | २८७८ | पूर्श्ववीयां | <i>"</i> ८४२ |
| पूजनीया ज | २८९१ | पूजयेत्पुष्प | २५ २८ | पूजितान् माल्य | २८८३ | पूरो प्रीतोऽस्मि | ८३७ |
| पूजनीया य | २८९९ | पूजयेत्फल | २५ २९ | पूजिता राज | २८८४, | पूर्णकद्वीप | २२ ३ ५ |
| पूजनीयाश्च | २८५८ | पूजयेत् स | २८८४,२८८५ | | २८८५ | पूर्णकुम्भाः सु | २९३६, |
| पूजनीयो ह | २५४३ | पूजयेथा म | १२१८ | पूजिताश्चार्थ | १६४४ | | * २ ९४ १ |
| पूजन्या सह | २०३४ | पूजयेथा या | ११०१ | पूजितास्ते सु | | पूर्णकुम्भाः स्र | • |
| पूजयत्यति | ६१० | पूजयेदति | * ६ १ ० | 1 ^ ` | १२१४ | रूपुकुम्भाः ख | २९२७ |
| पूजयानस्तु | २९१० | पूजयेदुन्छि | *२८६९ | पूजितोऽहं त्व | 5333 | रूपकुम्मा त पूर्णकुम्मे त | २९४ १ २५२७ |
| पूजया नोतिस | 9610- | पूजयेदुतिथ | ,, | पूजोपचारै | 2/5 2 | र्राज्यम् स पूर्णकोषां सि | |
| | १६७० | पूजये दे व | | पूज्यं पूजिय | | रूपचटैः प्र | २९८ ३ |
| पूजयामास १०८० | | यूजयेद्धा मि | | पूज्यतेयं पु | 1 | ूर्णचन्द्रान | # ₹\$४४ |
| | २९३७ , | | २१. १३८× | पूज्यन्ते दण्डि | | | ८४६ |
| पूजियत्वा च | | | 262X | पूज्यन्ते यत्र | | र्णिपात्रम | 4८१ |
| पूजयित्वा त | २८६२, | ज़ियद्राज | २८९१ | पूज्यपू जने | | एर्गमासो हि | २९६२ |
| २८७४ | ४,२५५४ g | जयेद्वरु | 3//4 | रूपयूजाग्य पूज्यपूजाग्य | | ्रणेवर्णवि | # १ ४७७ |
| पूजयित्वा तु | २८८६, पु | जयेद वाम | | | २७९० पृ | • | २५०१ |
| : | #२९५४ पू | त्र । र् गाञ्ज जयेत्रव्यह | 3000 | पूज्यमानस्तु | *२९१० पृ | | प२ |
| दराजामा । | २९७५ पू | √्र्र्र्यू जयेन्त्रत्य | | पूज्यस्त्वेभिर्गु | ११४३, पृ | ण विधाय | २९८५ |
| पूजियत्वा नृ | २५४३, पू | ्ः ट्रिंग जांजपंच | २८६८ | प्रकाश कर्जी | ११८९ पृ | णा गन्धवे | २७७२ |
| | २८६७ पू | जाकायीय | | पूज्यांश्च सर्वा | इहर पू | णीतुसर्व | २४६२ |
| | | | √८८ वृ। | पूज्यां देवा द्वि | ७४९।पू | र्णीदर्विप | १२८ |
| | | | | | | | |

| पूर्ण दर्वे प | #176 | पूर्वे पूर्वे ग १५२३,१५४ | २. पिर्वपश्चिम | . \$ \$%0\$ | naffrara i | २ ३ ०८ |
|------------------------|----------------|---------------------------|-----------------------------|--------------------|-------------------------------|--------------------------------|
| पूर्णाननो य | २५ २७ | | | | पूर्वामिवाहां पूर्वामिवाही | |
| पूर्णानि जल | | पूर्वे पूर्वे गु ११६६,१५७ | | #8८५८ | पूर्वामवाहा पूर्वीचरितं | ३०० |
| पूर्णान्येता नि | *१२९३ | | | | | १११६ |
| पूर्णीयतं द्वि | | पूर्व पूर्व चै १५०९,२५६ | | २८९० | 1 6 | १५० २ #2 9 // |
| पूर्णायुषस्य | ,, | 1 | २ पूर्वप्लवो ह | | | # २९४४ ३ २४८६ |
| पूर्णीयुधो भृ | ,, | 1 12 1 | ० पूर्वभागं प | २४७१ | यूर्वादितस्त्रि | . २०८५ २४६७ |
| पूर्णायुरन | | | ३ पूर्वभारती | ७२०,१४१५ | पूर्वान्नयेत - | २४७३ |
| पूर्णा वामेन | | I | ९ पूर्वमन्यम | ३६१ | I 9. | २४७४ |
| पूर्णासु त्रिद | | 1 '. ' | ५ पूर्वमप्यति | २३९५ | I & | २००४ |
| पूर्णीहुतिं जु | २४७ | पूर्व महान्या २९० | ६ पूर्वमहर्भा | | पूर्वा पटोल | \$ {846 |
| पूर्णेन घृत | २९०९ | पूर्व या देव 🛊 २९९ | ० पूर्वमुचैःश्र | २८५८ | पूर्वा पूर्वाच | |
| पूर्णेन्दुमण्ड | २९४२ | पूर्वे संपूज १४७ | ९ पूर्वमुपका | १७८० | पुर्वाभाद्रप २ | १४७२,२५५० |
| पूर्णेन्दुमालो | ७३२,८२२ | पूर्वे संभाषि १९६ | १ पूर्वमेव त | २९०९ | पूर्वाभिषेक - | २९८६ |
| पूर्णे वर्षस | | | ६ पूर्वमेव हि | | | ०१७,११५४ |
| पूर्णिघंटैर | २९ ४४ | पूर्वे सिद्धं प २२२ | २ पूर्वमेवाह | ७२९ | पूर्वार्धमामे | २४६८ |
| पूर्णो व्ययस | | | ९ पूर्वयोः प≅ | | पूर्वावाप्तं ह | २३७० |
| पूर्भवा शत | | पूर्वे स्वामिना ,, | पूर्वयोः प्रण | २०६१,२०८४ | | |
| पूर्व कर्तुग | | पूर्वेहिब्रह्म #१६२ | १ पूर्वरात्रान्त | | पूर्वीह्न आह | *? ८१० |
| पूर्व कृतां न | | पूर्व हि ब्राह्म ,, | पूर्ववच त | | पूर्वाह्ने ताम | ९५७ |
| पूर्वे कृत्वा वि | | पूर्वे हिस्त्रीस २७५ | 16 | | पूर्वाहे ब्राह्म | १२११ |
| | | पूर्वः पूर्वश्चा १९२ | 1 e/ | | पूर्वाहे व्याया | २३१२ |
| पूर्वे चापर | | पूर्वः पूर्वी गु १८५ | 122200 | | पूर्वे कपाले | २४६ 🕈 |
| | क १ ७६७ | पूर्वजन्मक २४१ | ापवपरस्य ५ | | पूर्व कुबेरे | २४७० |
| पूर्वे चोत्तर | | पूर्वजन्मार्जि ८५ | पूर्ववदण्ड | | ूर्वेच दक्षि | १४७६ |
| पूर्व दारेम्यः | | पूर्वजान्नाव #८४ | र् पूर्ववन्नि र छ | | पूर्वे च प्रह | २८०६ |
| पूर्व नरस्ता | | पूर्वजे नाव ,, | पूर्ववर्णवि | | पूर्वेण पश्चि | १८३६ |
| पूर्व न सह | | पूर्वतो हेम २९५०,२९७ | पूर्ववायुरि | | पूर्वेण मुष्टि | १५१६ |
| पूर्व निविष्ट | ं२०२९ | पूर्वदक्षिण २५३ | र पूर्वसमुद्र | | पूर्वेणेन्द्रं द २ | |
| पूर्वे निश्चित्य | ११०५ | पूर्वदक्षिणं १४५ | | # १ ९ ६ १ | पुर्वे पर्वत | ६५२ |
| पूर्व परीक्षि | ९५९ | पूर्वदेवैर्य ५३४,७६ | र्पूर्वस्य हस्ति | | पूर्वे पूर्वेभ्यो | |
| पूर्व परोक्षं | १०७१ | पूर्वद्वारिव १४७ | पूर्वस्थां दिहि | शे ८२३,२७०१ | पर्वे: पिताम | ४२५ |
| पूर्व पर्यच | | पूर्वद्वारस्थि २४६ | र पूर्वी पूर्वी (| वे १९१८ | पूर्वैः पूर्वत | 980 |
| पूर्व पुरोहि | | | ्रे पूर्वी संध्याम | | Tan Add | २३८७ |
| v · | | | e/ | , ,,,,, | पूर्वैः पूर्वनि | १०७८ |

| पूर्वेरनुग | २८०० | पृच्छन्तस्ते तु | 26.94 | 1 -6-4 | | 1 | |
|----------------------------|----------------|--|---------------|------------------------------|-------------------|---------------------------|---------------|
| • | | 1 | | पृथिबीं च सु | | पृषतमृग | २५२६ |
| पूर्वेराचरि | १७८४ | 1 | ७६११, | _ | २८५० | | ५२२ |
| पूर्वेलवाछ | *१४६ ९ | | | पृथिवीं लाङ्ग | २३७५ | 1 | १७०५ |
| पूर्वीक्तदक्ष | *\$00\$ | प्रस्काति स्यां स्ट ८ | ७५ ० | 1 - | ४०७ | 1 - | ६२६ |
| षूर्वीक्तयोगे - | २४६५ | पृच्छामि त्वां स ६ पृच्छामि त्वा कु | | | १३२८, | | |
| पूर्वीक्तलक्ष | ३००१ | ट-छाम (पा कु | ६११, | i | २२ ४५ | पृष्टीमें राष्ट्र | १८१ |
| पूर्वीक्तानां त | २८८६ | प ृच ्छयमानोऽपि | २०१९ | 15177197 | २९०० | पृष्टो गृहीत | ५५२ |
| पूर्वीक्तान् पूज | ,,, | 1 | *१६ ७९ | | २०१९ | I . | ४२ |
| पूर्वीत्तरं त | # १४७८ | पृच्छयमानो हि | १६८६ | पृथिवीपति | ७५०, | | ा ८६७ |
| पूर्वोत्तरं प | २८७५ | पृणन्तो अक्षि | २४०१ | 27 | ४२१ ,१ ७३७ | पृष्ठगोपास्तु | २७१० |
| पूर्वोत्तरप्र | १ ४७७ | हरागायाः अ | २४९६ | पृथिवी ब्राह्म | १०९५ | 1 | २७०७ |
| पूर्वोत्तरसु | | टग्गलाच | ८९५ | पृथिवी वायु | २९६५ | पृष्ठतः कक्ष्या | ९७२ |
| •1 | १४७९ | | १७८१ | पृथिवी शोणि | ं २४९१ | पृष्ठतः शक | २६ ० ३ |
| पूर्वीत्तरे त | १४७८ | _ | * ५५७ | पृथिव्यां क्षत्रि | २००३ | पृष्ठतः सक | २७५२ |
| पूर्वीत्तरे त | २८८२, | 1 | " | पृथिब्यां चतु | ८४३ | पृष्ठतः सदु | २६ ९५ |
| | ९,२९०८ | पृथक् पृथक् कि | ८९३ | पृथिव्यां यानि | १४६० | पृष्ठतः सर्व | २७१४ |
| पूर्वीदितगु | २८१३ | 1 | " | पृथिव्यां राज | ८०७ | पृष्ठतश्च पु | २१६३ |
| पूर्वी दुन्दुभे | ५०७ | पृथक्षृथक् ख्या | १७४९ | पृथिब्यामन्त | २९१ ५ | पृष्ठतो द्रौप २ | ७१२,२७१५ |
| पू <mark>र्वोपका</mark> री | १९०४ | पृथक्पृथक् प्र | 668 | पृथिव्या रूपं | ४६६ | पृष्ठतो धन्वि | क्षर७३५ |
| पूर्वीपचित १२९ | ४.२० ९१ | पृथक् पृथङ्म | १७९९ | पृथिन्या लाभे | ६६७ | पृष्ठतो निन्दि | २५०९ |
| पूर्वोऽयं वार्षि | २४५२ | पृथक् स्तम्भान्त | १४८७ | पृथिव्यु हैत | २९४ | पृष्ठतोऽनुग | २५४५ |
| पूर्वी यो देवे | ८१ | पृथगिषमा | २२१४ | पृथी ह वै वै | २७६,३४८ | पृष्ठतोऽनुत्र | २३८७ |
| | | पृथगे वै षा | २९ | इंड पप्प म | 960 | पृष्ठतोऽप्यर्जु | # ₹७०७ |
| पूषन् तव व | २८९८ | पृथगगणांश्च | | पृथुर्दिलीपो २ | ९६४,२९७७ | पृष्ठतोऽभिह | २८०५ |
| पूषन्ननु प्र | ٧, | _ | ७४६ | 20 | ७ ८७६ | पृष्ठतो भीर | રંહદ્દહ |
| पूषा गा अन्वे | २८९८ | पृथग्घोषा उ | ५०६ | पृथुसीमं म | १४७७ | पृष्ठतो वि ष | २८०५ |
| पूषा नः पातु | ४९४ | पृथग्जनस्य | २४९० | पृथुसीम म | १४८० | पृष्ठतो वृष | २९५४ |
| पूषा नो गोभि | ७९ | पृथग्बलवि | १६२३ | पृथुस्तस्मात्स | ११२२ | पृष्ठमर्बुद | २७०९ |
| | | पृथ ग्भव न | २७४९ | पृथुस्तु विन | ८७६ | पृष्ठमासीन्म | २७१२ |
| पूषा प्रतिष्ठा | ४७९ | पृथग्भावो वि ८६ ० | ,११४७ | पृथुस्तूत्पाद | १५०७ | पृष्ठाग्रगान्क्र् ९ | .९६,११४८, |
| | ,# ₹ ४५ | पृथग्भूतो मि | २२१९ | पृथोः स्तवार्थे | ११२२ | 4 | १४२८ |
| पूषा भगम् | 10/ | पृथग्वा दारु | | पृथ्वीं संकल्प | | पृष्ठान्येव ता | ३२२,३२८ |
| पूषा वाजंस | 2101 | ट्यग्त्रा वि प्र | 1 | पृथ्वीलाभो भ | | पृष्ठे कलिङ्गाः | २७१७ |
| पूषा विशां वि | | रूथा सह | | ष्ट्रभएणी च | | पृष्ठेच कक्ष | २७५१ |
| पूषा वै देवा | [| टुथङ् नियोज | 1 | टा भर्ताः पृक्षिर्दक्षिणा | | | |
| 'पूष्णे स्वाहा ' इ | 1, | ट्टबर्गानामा ट्टबर्गाटपि सह | | | | पृष्ठे दुर्योध एवे काल | २७१० |
| पृच्छतः सर्व २४८३ | 2688 | प्रधिवि मान | | पुषतकाच गणनस्य | | पृष्ठे परा ज | २५०२ |
| | , , , , , , , | 2· 41 -11/1 | २९४ । | ટત્રાવસુ | ५ ६६५। | पृष्ठे भूमी व | २ ७५२ |
| | | | | | | | |

| पृष्ठे सम् | २७१२ | 1 237 | / # 9 0 V A | ,∫पौर्णमास्यां तु | 2.46 | 1 | |
|------------------------------|---------------|---------------------------------|----------------|------------------------------------|----------------------|-----------------|------------------|
| टेट अनुग पेटकापदे | ं २२५५ | | | . مددا | | प्रकाशयुद्धं | २१३३ |
| पेटीचर्मह | | ् । २१ पौरमुख्यैस्त | ५१,२९४३ | | ३३१ | 1 | १४१० |
| पटाचमह पेतुरुका म | ४५६५ १५०५ | 1.9 | २९७२ | •1 | ९३६, | | १३६० |
| पद्धरस्का म पेत्वस्तेषामु | १५०५ ३९९ | | १८३८ | - A - 10 | ९४०,१६०५ | | ५७४,१५००, |
| परपर्यापानु पेयापेयं कु | 433 620 | 1 | २८६९ | 2 2 | २४७३ | | ६५८,१६६५, |
| - | | पौराञ्जानप | *१३१ ७, | _ | २९८० | 1 | १९८०,१९८१ |
| पेयापेये कु केन | # ,, | | १९४० | पौषे मासि तृ | २८५९ | प्रकाशांश्चाप्र | १४१०, |
| पैतामहस्त | •२९६३, | पौराणां कर्म | १४५९ | पौष्णं चरं भा | १४२ | | १६५३ |
| | २९७७ | पौराणिकाः शा | ११५१, | पौष्णं चरुम् | ७९, | प्रकारो सर्व | २८०२ |
| पैतामहास्त | २९६ ३ | | २३४१ | | १६३,१६८ | | |
| पैशुन्यं साह | १५७२ | पौराद्याश्चोप | १५७८ | पौष्णश्चरः | ३०९ | प्रकाशोऽष्टवि | ५७४,१५०० |
| पैशुन्यद्रोह | १७२१ | पौराञ्चेत्रोप | १४८२, | पौष्णसावित्र | २९३४ | प्रकीर्णकः प्र | २३०९ |
| पैशुन्येनाप्य | १९६५ | | १५८२ | पौष्णसावित्र्य | # ,, | प्रकीर्णकानि | ६७२ |
| पैशून्यं साह | *१५७ २ | पौरुषं चामि | २२७५ | पौष्णाः पशवः | રેપદ | प्रकीर्णकेशे | २७६१ |
| पेष्टे रिपुमु | २५४२ | पौरुषं चैव | #2809 | पौष्णे धनिष्ठा | २८२७ | प्रकीर्णभाण्डा | ६५५ |
| पोतकीशकु | २५२९ | पौरुषं दैव | २ २४०९ | प्रउगमुक्थ | 90 | प्रकीर्णविष | ९२३, |
| पोतकीस्था न | २५२८ | पौरुषं पौरु | | प्रकक्षदेश | २७५१ | | क ९२६,९३७ |
| पोतयानमा | १११९ | पोरुषं हिप १०५ | २८४२ | प्रकक्षेऽयुत | २७५२ | प्रकीर्णिकाव | २७२६ |
| पोते प्रत्याग | १३८२ | | | प्रकक्षे सचि | | प्रकीणें विष | ९२६ |
| पौ रस्येनेमं व | વ | רויראוי | २४१८ | प्रकण्ठीः कार | " १५९८ | प्रकुर्यात्सत | ९८५,१२३० |
| | २४६ | पौरुषे कर्म | १०५६ | प्रकराणां स | २५९८ २२८९ | प्रकुर्यादाय | २३३३ |
| पौरस्येनेमर स | २४७ | ., | १६३७ | प्रकरिया बु | | प्रकुर्याहिन | ९६ १ |
| पौण्डीरकश्च | २९६८ | पौरुषेण वि | २४०८ | प्रकर्तन्या ह्य प्रकर्तन्या ह्य | १६९८ | प्रकृतिकोप | १२८४ |
| पौण्ड्राः पुलिन्दा | | | २४०९ | | * ,, | प्रकृतिकोपः | ११०६, |
| पौतवाध्यक्षः | | पौरुषे निष्ठि | १११८ | प्रकर्षता गु प्रकर्षन्निव | २७ ११ २७०५ | | १५४४ |
| पौत्रं तव पु | २७१७ | पौरुषेयेऽधि | ५१६ | प्रकृत्राभव प्रकृत्रितेव | . ' | प्रकृतिगुण | १५४५ |
| पौनर्भवं तु | ८६० | पौरुषेयो हि | २००२ | प्रकालयेहि प्रकालयेहि | | प्रकृतिप्रग्र | २८०४, |
| पौनर्भवं स्व | ८५९ | पौरेभ्यो नृप | २६०० | प्रकालयाह् प्रकाशं वाऽप्र | २२७० २०३७, | ٦, | ८०७,२८०८ |
| पौरंदरं न | २८७६ | पौरै: स्नातै: सु | २९७२ | 411KI 1134 | २७८१ | प्रकृतिभिरि | १५४५ |
| पौरकार्यहि | | पौरेरनुग | २८६८ | प्रकाशः कथि | १९८० | प्रकृतिभिनृ | ।४९,१४२८ |
| पौरकार्याण | | पौरै क्चाऽऽत्माभि | | प्रकाशकर प्रकाशकर | | प्रकृतिभ्योऽधि | १६६३ |
| नारकावान | 10,11 | पौरोगवाश्च | | प्रकाशकूट | - 1 | प्रकृतिमुख्य | २१५ ६ |
| पौरग्रहैर्ब | | पौरोहित्यं हि | | मकाराक्ट प्रकाशगम | ₹ • ४ | प्रकृतिराज | १५६३ |
| पारग्रहव पौरजानप | | पौराहित्य प्र पौरोहित्ये प्र | | | ``` | प्रकृतिरुप | |
| | | पोराहल न पौर्णमासी प्र | " | प्रकाशदण्डं | 1201 | • | ९६७ |
| | | | 1 | प्रकाशदण्डा प्रकाशक्य | " 1 | | ७५,११३७, |
| | ' ' | पौर्णमासेना <u>१</u> ९८२ | | प्रकाशपक्ष | १८७७ | १५ | (५३,१५७९, |
| १२४२ | ,,१३१७,। | पौर्णमासो हि | *२९६२। | प्रकाशमेत | १११० | ે | ५९१,२४५८ |
| गा.स. ३० | • | | | | | | |

| | | | ۹ ۱ | | 1 | | |
|------------------|---------------|-------------------|-------------------------|----------------------------|----------------------|-----------------|-----------------------|
| प्रकृतिष्वरू | १५५६ | प्रगल्भः स्मृति | १६७६ | प्रच्छादयति | | प्रजाधिकार | ९३७ |
| प्रकृतिसंप | ६७३, | प्रगल्भा वाग्मि | १२७९ | प्रजगुर्देव | # २९४६ | प्रजानन्देन | १४३३ |
| ११ | ०५,१५४४ | प्रगल्भाश्चानु | १२१६ | प्रजनं खेषु | | प्रजानष्टान | १४२८, |
| प्रकृतिस्थश्चा . | २४३२ | प्रगल्भो बुद्धि | १६७२ | प्रजनः खेषु ५ | <i>७९,</i> १०५१ | · | २३४४ |
| प्रकृतिस्फीत | १८६१ | प्रगल्भो मति | २३५१ | प्रजननं ब्र | | प्रजानां कल्म | ६०० |
| प्रकृतीनां क्ष | २१५४ | प्रगीतं चापि | २९४६ | प्रजननं वै | २५६,३३४ | प्रजानां च त | ७५७ |
| प्रकृतीनां च | ९६३, | प्रगृहीतश्च | १६९० | प्रजयातु वि | ८३० | प्रजानां दर्श | ८१७ |
| १० | १७,१६६२, | प्रग्रह्म दुर्नु | २४२५ | प्रजलादम्बु | # २९२२ | प्रजानां निर्गु | 636 |
| | ,०५,२०५३ | | | प्रजाएव त | | प्रजानां परि | ९५० |
| प्रकृतीनाम | १८९६ | प्रगृह्य मन्युं | २४०० | प्रजां च रोहा | ७१ | प्रजानां पाल | ५६५,७२६, |
| प्रकृतीश्च म | ९५९,९६० | प्रयह्म शस्त्र | २७६४ | प्रजांतुन वि | ४२२ | | ૭૨૬, ૧૦૨૫, |
| प्रकृत्यनुप्र | १४८८ | प्रग्रह्म शिर | २९३९ | प्रजातुन वे | ,, | l . | ०५२,११२३, |
| प्रकृत्यनुम | १०१७, | प्रगृह्यासिम | १५०५ | प्रजां पश्चन् प्रा | ४२३ | | ४६,#१२४६ |
| | ०३३,१७४८ | प्रघासिनो ह | *१२ ४ | | | प्रजानां पृथि | ११२३ |
| प्रकृत्यवय | १५५३ | प्रघास्यान् हवा | " | प्रजां हिंसित्वा | ३९८,३९९ | | ७२१, |
| प्रकृत्याऽधार्मि | १५२४, | प्रघोषयेद | २५९ ९ | प्रजाः क्लिशा | | 144111 | ७२६,८२४, |
| | २५९० | प्रचक्षे म | २७०७ | 1 | ^{०६५} ,२२१० | | ०७०,१४१६ |
| प्रकृत्या पाप | २०८२ | | २८३४ | प्रजाः पालय प्रजाः पालय | ११० २ , | | ७९१ |
| प्रकृत्या ह्युप | २०१२ | प्रचण्डेर्वीर | २७०३ | अजाः पालप | १८१० | 1 | ۷۰۵ |
| प्रकृष्टदेश | १५८९ | प्रचरद्भिर्ह | ७४४ | प्रजाः पालयि | ६८१,७४६, | | |
| प्रकृष्टभौमं १ | २९५,२०९२ | प्रचरेत न | . २८०४ | | | प्रजानां शम | कर ५८ ७ ३ ९ |
| प्रकृष्टेऽध्वनि | २५ ९ १ | प्रचलितग | २६ ९४ | | | प्रजानां संधि | |
| प्र केशाः सुव | २४५ | प्रचारं भृत्य | १३१८ | प्रजाः फलानि | | 1 | १९०७ |
| प्रकोपयन्ति | ५८९ | 1 . | १८५३ | प्रजाः संरक्षि | ६०० | प्रजानां सुख | #0 <i>\$0</i> |
| प्रकोपश्चेव | 9८४ | प्रचारचरि | २२१८ | | ७४९, १ १२७ | | " |
| प्रक्लेदश्चेव | * ,, | प्रचारयेन्म | १७९२ | प्रजाः सर्वाः । | म ७६२ | प्रजानामति | •६३५ |
| प्रक्षीयमाणं | ,,, २०१७ | प्रचारसमं | २२१९ | प्रजाकार्ये स्व | १२०० | प्रजानामधि | ६२० |
| प्र क्षोदसा धा | | प्रचारसमृ १३२ | ।८, २२२ १ | प्रजाकृतस्य | ७२९ | | २९१२ |
| प्रख्यातपौरु | #१ ५२२ | प्रचारे चाव | २२२४ | प्रजागुणः पु | *१६१८ | प्रजानामभि | ६३५ |
| प्रख्यातवंश | ११८५, | प्रचुरकुसु | | प्रजा जागति | *६२१ | प्रजानामाप | १४८२, |
| र : | २३०,१२३१ | | २५२० | | ,, | { | ५७८,१५८२ |
| प्रख्यातवृत्त | | प्रचोदितो धृ | ८४२ | | | प्रजानामायु | * ५३१, |
| | २३४८ | | १११२ | • | ९७०,१००८ | 1 | ५३४,4 4७८ |
| प्रख्याता त्रिषु | ७९१ | प्रच्छनवञ्च | 4880 | प्रजातिः सप्त | | प्रजानामिह | २८५३ |
| प्रगण्डं दक्षि | | प्रच्छन्नवैरि | १७४६ | | | प्रजा निःस्वा | |
| प्रगण्डीः कार | | प्रच्छन्नोपग | | प्रजातेस्त न | | प्रजानुरागा | २१२० |
| प्रगल्भं दक्षि | | प्रच्छन्नोपहि | ,, | प्रजात्मश्रेय | | प्रजाऽन्यथा | |
| प्रगल्भः सन्न | | प्रच्छन्नो वा प्र | | प्रजा दहति | | प्रजापतये | 2266 |
| | , | | ,,,,, | | 2,0 | 1-4-11 434 4 | ,,,,, |

| | 3 | प्रजापालना | / واوا | प्रजासु पितृ | 1A B 4 | l mmaran | 01.03 |
|------------------------------|----------------|-------------------|---|-----------------------|--------------|-----------------------------|---------------------------------------|
| प्रजापतिं | • | , luaman | | | | प्रणतनृप | २५२३ |
| प्रजापतिः | • • | ' i | - , | प्रजासु न्याध | | प्रणदद्भिश्च | २९४३ |
| प्रजापतिः | | | | प्रजा सृद्धिज | | प्रणम्य गुरु | \$ 29₹७ |
| प्रजापतिः | | 20000 | १४१४ | | | प्रणम्य जग | ५३४,७५९ |
| प्रजापतिः | | namzer | १७५२ | 1 | ६८७,७३६ | प्रणम्य देवां | ९६४ |
| | ३६५,४५५ | 1 | | प्रजास्तत्र वि | ५३७ | प्रणम्य पादा | ५५४ |
| प्रजापतिः | स २५२३ | प्रजाभिर्विधृ | | प्रजास्तमनु | ७०६ | प्रणम्य लोक | १८२४ |
| प्रजापतिप | ८२३ | प्रजाभ्यो ब | | प्रजास्ताः साधु | ११४९, | प्रणयं राज | ८७० १ |
| प्रजापतिमि | ने २३५५ | प्रजाम्यो बर् | - | _ ~ . | १४२८ | प्रणयेद्वाऽपि | 49 Ę८, |
| प्रजापतिमे | | | वे६३४,२०४२ | | ७४७ | | #8060 |
| प्रजापतिय | | । प्रजाया व्यर | | प्रजा हीनघ | १३६७ | प्रणयेन ब्र | १०८९ |
| प्र जा पतिर | | प्रजाय चक्र | | प्रज्ञयाऽतिश | १६२९ | प्रणयेयुर्य | १९६८ |
| प्रजापतिरि | २६,२४८३ | प्रजा रक्षति | ६१३ | प्रशाचक्षुर | ८४० | प्रणष्टस्वामि | #8304 |
| प्रजापतिरे | | प्रजा रक्षन्प | | प्रज्ञातलक्ष | २०१९ | प्रणादं युध्य | 2866 |
| प्रजापतिर्दे | | प्रजा रक्षयि | \$998 | प्रज्ञातवादि | #१६३६ | प्रणामावसा | ९१४ |
| प्र जापति र्न | | प्रजा रक्षेन्नृ | १४२३ | प्रज्ञातारो न | ३८२,४७६ | प्रणिधीश्च त | १६४१ |
| प्रजापतिर्म | | प्रजा राजभ | ७९७ | प्रज्ञा तेजः पा | *८१८ | प्रणिधीनां च | १६५२ |
| प्रजापतिम | | प्रजार्थे क्षत्रि | २७८३ | प्रज्ञानतृप्तो | २००९ | प्रणिधीन् पर | १६५५ |
| प्रजापतिर्थ | १९५,२७४ | प्रजार्थ श्रेय | #१०१२ | प्रज्ञानाशात्म | #६ २४ | प्राणपत्य बृ | २८८० |
| | 2 2 | प्रजार्थे निह | २७९ १ | प्रज्ञा रूपेण | ७३१ | प्रणिपत्य ह | |
| प्रजापतियों | ३०४,३०५ ४५५ | प्रजावतीः पु | \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ | प्रशापनाश | १८३४ | प्राणपत्य हु प्रणिपातं च | ५६६ |
| प्रजापतिर्वा प्रजापतिर्वा | | प्रजावतीः स | | प्रज्ञापयतो | २२२ ४ | त्राणपात च प्रणिपातप्र | १ ९१३ २५०० |
| प्रजापतिर्वि | , | प्रजावतो भ | ११०१ | प्रज्ञा प्रगल्भं | *८०१ | | |
| प्रजापतिर्वे | ७८,३३४ | प्रजावांस्तेन | | प्रज्ञाप्रणाश | ६२४ | | 40,88 3 , |
| | વ | प्रजाविनय | ६१९ | प्रज्ञाभिमानी | १६९२, | | ४२,१५०९, |
| प्रजापतिर्हि | | प्रजाविभवो | १६१० | | اورمرو | र ' प्रणीतमृषि | ९१३,२५६२ |
| प्रजापतिश्च | | | ११४९,१४२८ | प्रज्ञालामे हि | 2666 | | ११०० |
| प्रजापतिस | ११७६ | | | प्रज्ञावन्ती न | 8/9/1 | प्रणीतश्चाप | ६९७,७४२ |
| प्रजापतीनां | · | | | प्रज्ञावान् वा बु | 243. | प्रणीतोऽथाऽऽ | · · · · · · · · · · · · · · · · · · · |
| प्रजापतेः व | ह ७९१ | प्रजाश्च पाल | | प्रज्ञाशरेणा | 2998 | प्रणीतो दुष्प | # ७५७ |
| प्रजापते त्व | र ६३ | | | प्र राशास्त्रच | રષ્ષ્ષ | प्रणेतुं शक्य | ६९० |
| प्रजापते न | ६३,१५७,२८९ | | | प्रज्ञासम्ब | ६४३ | प्रणेयं राज | \$ 000 |
| प्रजापतेरा | | | | प्रशाहताः कु | २४१९ | प्र तत्ते अद्य | २९३१ |
| प्रजापतेस्त | ६२१ | प्रजासुखे सु | | प्रज्ञा ह्यमोघं | 1 | प्रतमामिवा | ₹ ९२ |
| प्रजापरिपा | १०३० | | | प्रशैषिणो ये | " २४३३ | प्रतर्दनाद | १५०७ |
| प्रजापालन | | प्रजासुंबैः सु | | | | प्रतर्दनों मै | २७७२ |
| न जा भारती | १०६७,२३८० | | | प्रज्वलेदप्सु | | प्रतानवत्यः | |
| प्रजापालनं | | प्रजासु च स | | प्रण आयूंषि | 1 | | १४३२ |
| -4 -41 115- 1 | 4 • • • | | 5 (9) | י י אוקוז | 81 | प्रतापं कुल | १६८० |

| प्रतापकाल | #2848 | प्रतिग्रहश्च | ११३८ | प्रतिपद्गम | 2 √10 8 | प्रतिभागं च | 0 3 4 4 |
|---------------------------|---------------------|-------------------------------------|------------------------|------------------|------------------------|---------------------|---------------|
| प्रतापय सु | १०८९ | 1 ~ ' | ७२१ | | *99 | | . १३४४ |
| प्रतापयुक्त | ८१६,८२२ | I | १६६७ | | | 1 | * ,, |
| प्रतापयुक्ता | १८६२ | | ११०० | | रऽदर १४०१ | प्रतिभोगसु | २०११ |
| प्रतापयुक्ती | ,, | प्रतिग्रहोऽध्या | १४३० | | | 1 | २८७८ |
| प्रतापवति | ९१७ | - | १६६७ | 1 . | | प्रतिमानान्य | २२७१ |
| प्रतापवृद्धिः | १८५९ | | २०० २ | 1 ~ . ~ | २६४६ ' २६३ ६ | . • | २८५९ |
| प्रतापष्टुद्धी | ,, | प्रतिघाते ब | | | ຊໍ່`` | | " |
| प्रतापसिद्धाः | ૨ १२२ | प्रतिद्यानाः सं | २१६२ | प्रतिपन्नं ब्रू | रह ३५ | | १४५९ |
| प्रतापसिद्धी | # १८६२ | | ५१७ | प्रतिपन्नं य | २६ ४७ | प्रतिमाश्चाऽऽलि | |
| प्रतापाय प | २८३८ | 1 | ५१५ | प्रतिपन्नं रा | १३९९, | प्रतिमासं द्वि | १४९९ |
| प्रतिकंच श | ५४९ | भावक्छमा छ। | | | २६ ३८,४७ | प्रतिमासमु | १३१० |
| प्रतिकर्म प | *१६३२ | प्रातजन्यान्यु | ३६० | प्रतिपन्नप्र | ८३२ | | ३७४ |
| प्रतिकर्म पु | " | मात जा पतु | १९१८ | प्रतिपन्नम् | २६ ३७ | 1 - | * १५१३ |
| प्रतिकल्पास्तु | #२७ [°] ३७ | प्रतिजानन्ति | ५४९ | प्रतिपन्नम | २१५७,२६४० | प्रतिरवणे | ८००४ |
| प्रतिकारैिव | હ દ્દેષ | प्रतिजानामि | २४०० | प्रतिपन्नमि | २५६६ | | १४९३ |
| प्रतिकूलं त २४ | | प्रतिजाने च | • ,, | प्रतिपन्नमु | २६४६ | | * २९०५ |
| प्रतिकूलं तु | ૭૪૫ | प्रतिज्ञां चाधि | ७९२ | प्रतिपन्नस्था | १४०२ | प्रतिरुद्धस्य | ,, |
| प्रतिकूलः पि | ८३८ | प्रतिज्ञातं च | # ₹७ ९ ८ | प्रतिपन्नान | २६ ३५ | प्रतिरूपं ज | २७६७ |
| प्रतिकूलग्र | २५१ ४ | प्रतिज्ञातं तु | | प्रतिपन्नान् | गू प८ | प्रतिरोधका | १५६५ |
| प्रतिकूलम | #636 | प्रतितिष्ठति | " २२१,३५० | प्रतिपन्ने दू | २६ २५ | प्रतिरोधकाः | |
| प्रतिकूलानु | 2884 | प्रतितिष्ठामि | 222 | प्रतिपन्नेषु | प६ | प्रतिलभ्य व | " |
| प्रतिकृत्य य | २८०१ | प्रति त्यन्नाम | १४५ | प्रतिपन्ने सं | २६४ ६ | 1 | १०७७ |
| प्रतिकृष्टेषु | २००९ | प्रतिदानं त १ ९ | | प्रतिपन्ने हि | २६३० | प्रतिलेखो भ | १८३६ |
| प्रतिकेतृभ | २२८० | प्रतिदानं पा | १८४२ | प्रतिपाद्यानु | ११६३ | प्रतिलेपिना | २२५० |
| प्रतिक्षणं को | १६०० | प्रतिदास्ये च | | प्रतिपुष्कल | २०४५ | प्रतिलोमं च | २४६१ |
| प्रतिक्षणं च | | प्रतिदिनं ग्र | १३१७ | प्रतिपुष्पफ | * ,, | प्रतिलोमं तृ | २७२५ |
| प्रति क्षत्रे प्र | ,, १८२ | प्रतिदिनं द | २८५६ | प्रतिपूज्याभि | #2013 | प्रतिलोमं न | १६९८ |
| प्रतिगृह्णाति | | त्रातादन द प्रतिदिनं न | " | प्रतिपूरुष | १३५ | प्रतिलोमकु | २५११ |
| प्रतिग्रह्णीष्व | | त्राप्प म प्रतिदीप्तस्त | ,,, | प्रतिपेदे ज | . १ ५ | प्रतिलोमग | # ,, |
| प्रतिगृह्यात्र | | प्रातदातस्त प्रतिदु र्गवि | * (/ - 0 | | *७९१,२९३७ | प्रतिलोममु | २१०५ |
| प्रतिग्रह इ | | प्रातदुगाव प्रतिदूताप | - 1 | यति प्रजायां | · · | प्रतिलोमस्त | |
| | ३३,२७३५ | त्रातपूताप प्रतिद्रव्यं स | | | | | २५०७ |
| प्रतिग्रहं ये | | प्रति धर्मे वि | | प्रतिप्राकार | १४९४ | प्रतिलोमान <u>ु</u> | ७२९ |
| मतिग्रहम्र | | | | प्रतिबन्धः प्र | , , | प्रतिलोमास्त | * २५०९ |
| | | प्रतिध्वस्तमु | २७६८ | • | २२२२ | प्रतिलोमे च | २४६३ |
| प्रतिग्रहनि प्रतिग्रहा | | पतिध्वस्तोष्ठ | | प्रतिबलक | ६७६ | प्रतिलोमे बु २४६ | १,२४६३ |
| मतिग्रहप ११६ | | प्रतिपत्ति वि | ५७२ | प्रति ब्रह्मन् । | म 🛊 १८२ | प्रतिवर्षे स्व | १५२८ |
| प्रतिग्रह्म | २७५२। | पतिपत्प्रभृ | २८५४ । | प्रतिभां बुद्धि | ९३९,१६०६ | प्रतिवातं न | २१२ १ |
| | | | | | • | | • |

| प्रतिवातं हि | क् र१२१, | | २४२१ | प्रत्यक्षं सुख | 6 464 | प्रत्यहं नृप | २८९१ |
|------------------------|-----------------|--------------------|---------------|-----------------------------|--------------|------------------------------|-----------------------|
| | २१२८ | | १५६७ | प्रत्यक्षतः सं | १२४७ | प्रत्यहं प्रति | १५४२ |
| प्रतिविश्रब्ध | १८८९ | | २१९७ | प्रत्यक्षतो ले | ९६ १ | प्रत्यहं वाह | १५४३ |
| प्रति वि हित | २६३० | प्रतिहन्ति मु | २४२१ | प्रत्यक्षतो वि १ व | र५६,१२६० | | १५४२ |
| प्रतिब्यूहं त्व | २७१४ | प्रतिहन्तुं न | २४०० | प्रत्यक्षदर्शी | ५४० | प्रत्याख्यानमु | १८३४ |
| प्रतिब्यूह्न | २७०८ | प्रतिहन्याद्ध | १९०७ | प्रत्यक्षपरो | ११०६, | प्रत्याख्याने शु | ^२ १२२६, |
| प्रतिशतात्तु | १३७२ | प्रतिहितामा | ६५ | । १ १ | १४८,१७७० | नातारमाग छ | ર |
| प्रतिशुक्रबु | २४६८ | प्रतीक्षन्ते म | २६७०, | प्रत्यक्षमपि | १९८९ | | १२२७ |
| प्रतिश्रुत्काया | ४१७ | | २७८७ | प्रत्यक्षमेत | 6 | प्रत्याख्याय पु | 680 |
| प्रतिश्रुत्य क | #8048 | प्रतीघातं प | # ₹५९८ | -1(14)(1 | 2303 | प्रत्यादेवं प्र | २०८५ |
| प्रतिश्रुत्य भ | १०९५ | प्रतीघातः प | ,, | प्रत्यक्षसुख | ५८९ | प्रत्यादेयम | २६२९ |
| प्रतिश्रीषि क | १०५४ | प्रतीचीं त्वा प्र | 808 | प्रत्यक्षाच प | ५६९,५७६ | प्रत्यादेया मे | २०९८ |
| प्रतिषिद्धान | २००९ | प्रतीची दिग्व | ७४ | प्रत्यक्षा परो १२ | 17 17 17 | प्रत्यापत्तेर्हि | ९७० |
| प्रतिषेद्धा न | * ,, | प्रतीचीनः प्र | ९० | प्रत्यक्षावेव | | प्रत्यालीढम | १५२० |
| प्रतिष्ठं सुप्र | २७२९ | प्रतीचीनफ | २५५ | त्रत्यसाथय प्रत्यसाश्च प | ६२९ | प्रत्यासन्नस्य | ६२३ |
| प्रतिष्ठः सुप्र २७: | | प्रतीचीमारो | २८४ | 4 | •५७६ | प्रत्यासन्ने वा | . २६२९ |
| प्रतिष्ठां प्राप्तु | ७४२ | प्रतीच्यस्य श्री | ४२२ | प्रत्यक्षीकर | ९६२ | प्रत्यासन्नो वा | १३३३, |
| प्रतिष्ठां विधि | . २८५९ | प्रतीच्यां त्वा दि | २३३, | प्रत्यक्षेण च | १२६४ | | २६ २५ |
| प्रतिष्ठामेवा | 288 | | २९३४ | प्रत्यक्षेण च्छ | १६६३ | प्रत्याहतं तु | \$ ६२७ |
| प्रतिष्ठाया ए | ४३३ | प्रतीच्यां दिशि | # 3938 | प्रत्यक्षेणानु | १०६१ | प्रत्याह ननु | ,, |
| प्रतिष्ठा वा अ | 3 | प्रतीच्येषा ५ श्री | ४२२ | प्रत्यक्षेषु स्व | १६५५ | प्रत्याहर्त्तुम | १०६६ |
| प्रतिष्ठा वा ए | ४३३ | प्रतीच्ये त्वा दि | હવ | प्रत्यव्रे कर्म २६ | ८५,२६९१ | प्रत्युत्थानं च | ८७३ |
| प्रतिष्ठिता च | 2860 | प्रतीतशब्द | १८३३ | प्रत्यङ्गेषु प्र | १८२ | प्रत्युत्थानाभि | २०४५ |
| प्रतिष्ठिते ऽ ह | 988 | प्रतीपः पृथि | ८४३ | प्रत्यङ् देवानां | ३६६ | प्रत्युत्थानास | १८८९ |
| प्रतिष्ठितो य | ११५५ | प्रतीपगत्वं | २५२० | प्रत्यङ् विश्वं स्व | ,, | प्रत्युत्थायोप | १०६५ |
| प्रतिष्ठेकविं | २१५ | प्रतीपमपि | š | प्रत्यजानात्त | ८३९ | प्रत्युत्पन्नान | २००८ |
| प्रतिसंचिन्त | २३९९ | | २४०० | प्रत्यन्तदेश | १४३९ | प्रत्युत्पन्ने वा | २६३२ |
| प्रति सं वत्स | १४३३ | प्रतीपमाग | २४०० | प्रत्यन्तेषु त | | प्रत्युद्गम्याभि | ७९५ |
| प्रतिसंवेष्ट | १०४० | प्रतीपमार | १३८२ | प्रत्यन्ते हस्ति | १३९४ | प्रत्युद्ययौ त | २७१८ |
| प्रतिसू र्यम | २८१० | प्रते अग्नयो | | प्रत्यब्दं पार्थि | | प्रत्युपकर्तु | ११९८ |
| प्रतिसूर्यवा | २८०५ | प्र ते तानि चृ | ४०४ | प्रत्यमित्रं नि | २०१० | प्रत्युपकुर्व | २०२४ |
| प्रतिस्थानं कु | २८५६ | प्र ते पूर्वाणि | २५ | प्रत्यमित्रश्रि | २३७० | प्रत्युपस्थित | २०४४ |
| प्रतिस्पन्दौष्ठ | २६०३, | प्र तेऽरदद्व | ४५२ | प्रत्यरी भग | २४६३ | प्रत्युवाच भृ | २९१२ |
| 414(1) 410 | २७७४ | प्रत्यक्षं चक्षु | २३७३ | प्रत्यवरोहः | ११ ४ | प्रत्युवाच स | १२९२ |
| प्रति स्पशो वि | 28 | प्रत्यक्षं च प | १६९० | प्रत्यस्तं ममु | | प्रत्यूषश्च प्र | २९५८ |
| प्रतिस्रोतो गा | २९१४ | प्रत्यक्षं फल | | ~ ~ ~ | | प्रत्यूषे च प्र | |
| प्रतिस्रोतो म | #2893 | प्रत्यक्षं भूमि | 1 | प्रत्यहं कल्प १७ | १०,१७१६ | ฐา ฯ ศ บ∂มนิเท ฮะ | १०३२ |
| प्रतिस्रोतोऽव | ",,'\ | प्रत्यक्षं वा परो | 2244 | प्रत्यहं किम | 1919 6 | अत्यूषऽयः स प्रत्येकं कथि | २५३० |
| - MAIMS | ,, . | | | | 999(| नायमा काय | १८५४ |
| | | | | | | | |

| | | | | | | • | |
|-----------------------------|------------------|-------------------------------|----------------|-----------------|---------------------------------------|------------------|---------------------------|
| प्रत्येकं च श | |)प्रथमे पुर | २६ ०७ | प्रदिष्टानि | च १९०३ | प्रधानाः सर्व | 2888 |
| प्रत्येकं द्वार | २९८२ | प्रथमे रात्रि | ९४४,१६५१ | प्रदिष्टाभय | १३९३ | | . २१६५ |
| प्रत्येकं प्रपाः | १३०९ | प्रथमो जल | २५३० | प्रदीपः सर्व | रे ८६८ | प्रधानाविति | २०१९ |
| प्रत्रासममि | ५७० | प्रथमो भूमि | १४७३,२५३० | प्रदीपान् १ | | प्रधानेष्वेव | २८४८ |
| प्रथ्ते प्रज | ४६५ | प्रथयन्ति न | | प्रदीपिता | ज २७९९ | प्रधानोऽप्यप्र | १७४६ |
| प्रथमं कर्ण | १९५० | 1 | ७९३ | प्रदीपैविवि | | प्र धारयन्तु | २५३२ |
| प्रथमं गच्छ | २८९८ | प्रथिता धर्म | * ,, | प्रदीप्तमन | २३२४ | | \$ 2800 |
| प्रथमं त्र्यङ्गु | #१ ५१६ | प्रदक्षिणं च | ८१९ | प्रदीसाश्च | दि २४८६ | | 2424 |
| प्रथमं दर्श | ९५६ | प्रदक्षिणं त | ७४१,२८५६ | प्रदीर्यते म | २४८४,२९१७ | प्रश्वंसतेऽरि | २४६५ |
| प्रथमं पार्थि | २५३० | प्रदक्षिणाग | | प्रदूष्य वा | | | |
| प्रथमं पूज | २९८३ | प्रदक्षिणा मृ | २४८५ | प्र देवत्रा | ब्र ४२० | प्रनष्टमस्वा | १३०५ |
| प्रथमं यः स | १२२२ | प्रदक्षिणाव | २९४९,२९७५ | प्र देवपात्र | । ४२८ | प्रनष्टस्वामि | # ₹ ₹ 0 ५ , |
| प्रथमं योध | २८०७, | प्रदक्षिणाइचै | | प्रदेशवाक्य | | | २४०,१३६०, |
| | २८०९ | प्रदक्षिणिद | | प्रदेशवाक्य | | , | १३६२ |
| प्रथमं लोक | २८७२ | प्रदक्षिणीक व | २९३१,२९७४ | प्रदेशानाव | , , , , , , , , , , , , , , , , , , , | प्रनष्टाधिग | ७१७,१३५२ |
| प्रथमं वामः | २५२९ | प्रदत्तभृति | | प्रदेष्टा नग | | 1 | 66 |
| प्रथमं शक्त | २८७७ | पददशीय | | प्रदोषकाले | | प्र नूनं पूर्ण | १३३ |
| प्रथमं शार्ङ्ग | २५१० | प्रदद्यात् परि | | I | | प्रनृतं ब्रह्म | १२२ ४६४ |
| प्रथमं सार | * ,, | प्रदद्यात्पाय | २९८१ | | १६५६,२९८१ | प्रनुस मर्तः | |
| प्रथमजो व | ११६ | प्रदद्यात्स वि | | प्रदोषे कुक | | प्रपक्षः शकु | |
| प्रथमपक्षे | २१९२ | | | प्रद्युम्नश्चार | _ | प्रपक्षकक्षो | |
| प्रथमर्क्षे भ | २५४८ | प्रदर्शयेद | २ १ ९१ | प्रद्युम्नश्चा | | | <i>२७२७</i> |
| प्रथमस्प | २३१३ | प्रदर्शितं वृ | १८४० | प्रद्युम्नस्या | | प्रपक्षे जव | २७५१ |
| प्रथमस्येषु | २५३३ | प्रदर्श कौश | १७१३, | प्रद्विषन्ति | | प्रपणिता क्ष | २१५७ |
| प्रथमां प्रथ | २९९० | -12.1 01.0 | १७१७ | प्रद्विष्टस्य इ | ₹ " | 'प्र पतेतः ' | - |
| प्रथमाख्यं प्र | २९९६ | ਧਟਵਰਰ ਹੈ ੨ | ५३८,२५४६, | प्रधर्षणीयः | #५७१ | प्रपद्य च कु | . ७९० |
| प्रथमायाः स | २९९७ | 748.816 | २८९२ २८९२ | प्रधानं क्ष | त्रे ७१३ | प्रपद्य भग | ५७२ |
| प्रथमायी स | * ,, | प्रदहन्तो दि | 2888 | प्रधानं दान | । १९६३ | प्रपनेषु च | *२९१८ |
| प्रथमावर | २९८८, | प्रदहेच हि | * १० ९६ | प्रधानं पूर्व | ३००२ | प्रपन्नोऽहं शि | २८५० २ |
| ^२ २९ ८ | | प्रदहेत हि | 47.24 | प्रधानं यान | ा २८४६ | प्र पर्वतस्य | રેડડ |
| ર`.° ગ•• | ۱ د | |)) 9 9 2 4 | प्रधानकर्मा | १५२१ | 1 | २४६७ |
| 5 | '3 '] | प्रदानं च प्र प्रदानं च वि | ११३८ ५७६ | प्रधानदान | | प्रपात्यमानः | १०९६ |
| २९९ 3 | 1, , , , , , , , | _ | | प्रधानदेह | | प्रपामण्डप | १४९३ |
| | ५.२९९६ | प्रदानं मे प्र | ₹४ | प्रधानपुर | २१२ ४ | | |
| ^क २ ९९ | 0 2001 | प्रदानकाले | १७३१ | प्रधानभङ्गे | | | २५९९ |
| ું ૧૯૯ | | प्रदानान्तानि | २५३६ | • | 3 | प्रपूतात्मा ध | ६४१ |
| प्रथमे ज्यङ्गु | | प्रदाय गूढा | | प्रधानभूष | २८४३ | | ४२३ |
| प्रथमे दिन | | प्रदाय शिष्य | | प्रधानमङ्ग | | प्रप्र तान्दस्यू | ३७९ |
| ः स्याप्य | 42481 | प्रदिशो यानि | ५२३) | प्रधानयोध | १५८९,२७०३ | प्रफुछवद | २६९० |
| | | | | | | | |

| प्र | बद्धाञ्जलि | १७०० | प्रभावहीनः | २१६६ | प्रभूताभियो | २२२५ | प्रमादयति | १०५६ |
|-----|---------------------|---------------|---------------------|----------------------|--------------------------|--------------|----------------------|---|
| प्र | बलं मान | १५३०, | प्रभावाच हु | २५४५, | प्रभूतेनारि | २५९४ | प्रमादवान् भ | ११९५ |
| | | १९ ४४. | 1 | २८९२ | प्रभोराज्ञां वि | १२०५ | प्रमादस्थाने | २२२६ |
| | बलव्यस | २१७६ | प्रभावितानां | २५८७ | प्रभ्राजमानां | ४०५ | प्रमादात्पति | २८७३ |
| प्र | बलेऽरौ सा | १९४३ | प्रभावोत्साह | र १७८२, | प्रमत्तः काम | | प्रमादादभ्या | २३०३ |
| प्र | बाधमाना | क ४५१ | ২ | | प्रमत्तचित्ते | ९६१,९९५ | प्रमादाद्दीते | २३२४ |
| प्र | बाबधाना | ,, | I . | ८४,२३६१ | प्रमत्तेषु च | | प्रमादाद्द्विष | १७७२ |
| प्र | बाहवा सि | २४२ | प्रभावो नन्दि | २९८७ | प्रमत्तेष्वभि | | प्रमादाद्धि स्व | १२१२, |
| | बोधितोऽस्मि | १५०३ | प्रभासुरा व २९ | | प्रमत्तोऽद्रेः कु | २५९६ | 1 | १६९३ |
| | ब्रहि भर | १९१५ | प्रभिन्नकर् | १६९५ | प्रमथांश्च स | २५४३ | प्रमादाद्यत्कृ | १०३५ |
| | ब्लीनो मृदि | ५१७ | प्रभुं विशेषे | *१७१५ | प्रमथाः परि | २५४० | प्रमादावस्क | १३२९ |
| | भग्नशुष्क | २५२५ | प्रभुः स्वातन्त्र्य | १२६४ | प्रमथाः प्रति | * ,, | प्रमादिनं हि | १२८८ |
| Я | भग्ना सह | २५५१ | प्रभुत्वं हि प | १०९७ | प्रमथाश्च स | २८९२ | प्रमादिनश्च | #8400 |
| | भद्रादिजौ | १५२५, | प्रभुभक्तश्च | * とゆ ミ | प्रमथास्तु स | २५३८, | प्रमादो गोत्र | १८०१ |
| _ | • | २३४१ | प्रभुर्नियम | १३८७ | | २५४ ६ | I | ९४४,११०४ |
| Я | भवं सर्व | ११२१ | प्रभुशक्तिहि | १२०५ | तापश्य रत | . 8688 | प्रमुखे तस्य | २७१७ |
| | भवार्थ हि | ६०६ | प्रभूतं कार्य | ८७२ | प्रमध्य द्रुप प्रमदवन | २६३२ २६३२ | प्रम्रियमाण | १२८३ |
| | भविष्यति | 2800 | प्रभूतं मे भृ | २५५९, | 5 | | प्रम्लोचा चाप | |
| | भाकरा ब | #२९५६ | | २५९२ | प्रमदाक्षिति | २४६८ | प्रम्लोचा चोर्व | |
| | भाचशक | २८३० | प्रभूतं मे मि | २५६ ० | प्रमदामिव | २४६९ | प्रम्लोचाऽथाप्य | |
| | भातां रज | 2980 | प्रभूतं मे श | " | प्रमदेव वृ | १२०५ | प्रयः सेनानी | 800 |
| | भाते छेद | २८७४ | प्रभूतं मे श्रे | ર ર્પ, ९ | प्र मन्दिने पि | ३७० | प्रयच्छतोऽर्था | ५९६ |
| | भाते तुल | १४७६ | प्रभूतं स्वं भू | * २५९२ | प्रमाणं चेन्म | १०५४ | प्रयच्छ नो हि | ८०७ |
| | भाते पुष्य | 2888 | प्रभूतं हि सु | २५९३ | प्रमाणं चैव | ३००२ | प्रयच्छन्तु च | १९१० |
| | भाते वायु | २०५१ | प्रभूतः सात | २१०० | प्रमाणं तत्र | १५१२ | प्रयतः सन् गृ | २५२८ |
| | भाते सर्व | २७०८ | प्रभूतकुञ्ज | २७०३ | प्रमाणं नात्र | १५१० | प्रयतः स्याच | ९८१ |
| | भावं पौर | २३९१ | प्रभूतगुण | २६४४ | प्रमाणं यदि | २७६३ | प्रयत्नः पर | ९०८ |
| | भावः ग्रुचि | ९२५, | प्रभूतनागा | १२३० | प्रमाणं सर्व | १९४६, | प्रयत्नज्ञान | ९२७ |
| -1 | | ११८३ | प्रभूतपय | २८९७ | २० | | प्रयत्नप्रेर्य | २४ १ २ |
| | | | प्रभूतप्रभा | | प्रमाणतः सौ | | प्रयत्नवान् प | २६ <i>७७</i> |
| | भावकाला जन्म | २१५१ २५५५ | प्रभूतमत्स्ये | | प्रमाणभक्तं | | प्रयत्नस्ताव | १७८७ |
| | भावमन्त्र भावयति | | प्रभूतमन्नं | २९० १ | प्रमाणभूतं | 1 | प्रयत्नेन नृ | १४६८ |
| | | | प्रभूतमपि | ११६३ | प्रमाणमप्र | | प्रयत्नेन मृ | 44 |
| - | भावयन्ति | • • • | | | प्रमाणानि च | | प्रयत्नेना पृ | • |
| | भाववान | | प्रभूतरत्ना | - | प्रमाणाभ्यधि | | प्रयद्दिवो ह | *१७९४ |
| | भाववानु | | - | २१०१ | Additional | | | १७,३६८ |
| | भावश्च हु | | | १३३३ | गाउँ कि | | प्रययौ सिंह २७ | |
| | भावस्त्वं हु | | प्रभूतान्तेवा | | प्रमादं याति | | प्रयाणे पूर्व | १५२४, |
| प्र | मा वस्ने ह | · 966 | प्रभूतान्ना घ | २८७२ ' | प्रमादमव | १६८८ | 28 | ६७२,२६८१ |
| | | | | | | | | • |

| #1 WY = 1 H Y Y Y | #21- 48 | ਹਿਤਾਸ਼ਤਿਤ ਤਿ | <i>1</i> 61. | l n Bar-ll-r | 0.31. 4 | 1 | |
|-----------------------------|-----------------|------------------------------------|----------------------------|------------------------------|---------------|--------------------------------------|-----------------------------|
| प्रयातस्याग्र | | प्रवक्ष्यन्ति हि | | प्रविशन्तीव | | | २०६१,२०८४ |
| प्रयाता निध | | प्रवरः सर्व | #२७ १ ६ ५५७,६००, | प्रविशन्त्यति | १५०१ | प्रवृत्तदानो | 833 |
| प्रयाति नाशं | १०,१६०५ २५८६ | अयलगाय धा | | प्रविश्व जिव प्रविश्व जेव | #8888 | प्रवृत्तधर्म | •१०५८ |
| प्रयात नारा प्रयातु नो भ | २४६६ | प्रवर्तन्तोऽन्य | | | १०९२ | प्रवृत्तमपि | ७४६ |
| त्रपाछ गा न | २३५४, | 0 | | प्रविशन् पर प्रविशेत ग्र | २६६९ | प्रवृत्तस्य हि | ५९४ |
| | २३५६ | 62 | | प्रविशेत्स्वहि | २९५५ | प्रवृत्तहिंसा | २२९४ |
| प्रयातोऽसि कु | १४९० | | | प्रविशेद्धो ज | १७९६ | प्रवृत्ताः सीम | |
| प्रयासतश्चा | २१०५ | प्रवर्धते त | ६०९ | | 986 | प्रवृत्ताश्चेव | २३९३ |
| प्रयासवधा | १५५६ | प्रवर्धयतु | * ₹८७० | 1-11.11.11 | २०३० | प्रवृत्तिन्छद्र | ११५८ |
| प्रयासनृद्ध | १७०२ | प्रवर्षयन <u>ु</u> प्रवर्षयन्तु | | प्रविश्य चानु | १७२३ | प्रवृत्ते सम | २८०६ |
| प्रयास्यमानो | २०५४ | । प्रवर्षाष्ट्र । प्रवर्षोष्णशी |)) | प्रविश्य तुर | २७१२ | प्रवृत्ती च | |
| २१ | ५१,२५५२ | | | 1 | २९४२ | प्रबृद्धप्रता | ८३३ |
| प्रयुक्तवन्त <u>ः</u> | २३८० | प्रवस्तास्य | | प्रविश्य प्रोक्ष | • २८५५ | प्रवृद्धानां च | • |
| प्रयुक्ता खामि ५ | | प्रवहणान | | प्रविश्य वद् | ६८२,७४६ | प्रवृद्धिमति | ७६४,११८९ |
| | २३७९ | प्रवाच्य तद्ध | | 1 . | २८५५ | प्रवृष्टे च य | २३९३ |
| प्रयुक्तैरीष | 2660 | 144111 | | प्रविश्य सम्य | *१७२२ | प्रवेपमाना | २५१२ |
| | | 12 7 1 | १५०१ | प्रविश्य सर्व | ८१५,८२२ | प्रवेशं कार | २८६५ |
| प्रये पश्यन | ३७२ | 1-1 1 6 | æ ", | प्रविश्य सानु | #१७२३, | प्रवेशः क्रिय | २८६६ |
| प्रयोगं कार | १३८८ | 14 2 | १५०० | | १७४२ | प्रवेशभेषु | २४६२ |
| प्रयोगाः कथि | १९३८ | 1 | * ₹५०२ | प्रविश्यान्तर | २०१८ | प्रवेशयेच | २५९७ |
| प्रयोगो यत्र | ८९१ | प्रवालं तोल | ं १३७३ | प्रविश्यान्तर्ग | *२९५५ | प्रवेशवाक्या | # <i>१७१</i> ५ |
| प्रयोग्यानामु | २३०९ | प्रवालकमा | २२३३ | प्रविष्टः सम्य | १७२२ | प्रवेशे दक्षि | २५२८ |
| प्रयोजनमि | १६७० | | २८२९ | प्रविष्टानिप | १७६१ | प्रवेशो निर्न | २१६७ |
| प्रयोजनेषु | १ १७३ | प्रवासयेत्स्व | ७३७ | प्रविष्टो वान | २१९७ | प्रवेश्यानां मू | |
| प्रयोजयति | # 2020 | प्रवासयेद्ब्रा | १२३० | प्रवीणः पेश १८ | १३०,२३२७ | प्रवेष्टुं नात्र | ८०६ |
| प्रयोज्याः स्युस्त्र | २८१३ | प्रवासायास | १५२२, | प्रवीणः प्रेक्ष | १६७२ | प्रव्रज्याप्रत्य | १६४२ |
| प्ररूढांश्चाशु | 2266 | | १५२३ | प्रवीणः प्रेष | २३२७ | t | |
| प्ररूपयन्ति | ५८९ | प्रवाद्यं शक | १ ५३१ | प्रवीणः स्वामि | २३२८ | प्रशमश्र क्ष | १९६९ |
| प्ररोहत्यमि | ५८५ ७२३ | प्रविज्ञानाय | १७५१ | प्रवीणोचित | १७४३ | प्रशमैकचि | ९०८ |
| | | प्रविभक्तम | १४४३ | प्रवीणोऽपि च | * १७२४ | प्रशस्तं कथि | १४७५ |
| प्ररोहमिव | १४४३ | प्रविवेश तु | * २०२५ | | | प्रशस्तं जीवि | १०५२, |
| प्रलब्धस्य हि | २३८६ | प्रविवेश सु | ,, | प्रवीणोऽपि हि | १७२४ | | २७९१ |
| प्रलम्भनम् | ६७८ | प्रविशन्ति च | #8408 | प्रवीरपुरु | २७३९ | प्रशस्तं धेहि | १७८ |
| प्रलापः क्रिय | २०३८ | प्रविशन्ति म | १२०५, | प्रवीरयोधै | २६८७ | प्रशस्तं वस्तु | # २९३८ |
| प्रलापः सुम | * ,, | | | प्रवीराणां तु | २६८६ | प्रशस्तं शास्त्र प्रशस्तं शास्त्र | # १४८१ |
| प्रलिम्पन्निव | | प्रविशन्ति य | | प्रवीरे वास्तु | | प्रशस्त शास्त्र प्रशस्तकृज | कर४८४ २५१८ |
| | | प्रविशन्ति स | i | प्रवृत्तं न प | 1 | • | २५१८ २५१ ४ |
| प्रलोभासन | २१८४ | | #2888 | | | प्रशस्तद्वुम प्रशस्तम्बं | २९३८ २९३८ |
| | • | | | | 1-10) | अ <i>≺।∀</i> ।ज्य | 7776 |

| प्रशस्त्रमेव | | प्रसन्नं ह्यप्र | | प्रसाद्य भग | | प्रस्थपड्भाग | |
|---------------------------------|----------------------|---|--------------|-------------------------------------|--------------|------------------------------------|--------------------------|
| प्रशस्तरत्नै | २८३१ | | | प्रसाधका भो | | प्रस्थाने च प्र | |
| प्रशस्तवस्तु | # ₹९₹८ | 4 | | प्रसाधनादि | | प्रस्थाने वा | |
| प्रशस्तवापी | १४८४ | | | प्रसाधनी दि | | प्रस्थितागता | |
| प्रशस्तांश्चैव | २५ ०६ | | | प्रसाधयति | | प्रस्थितागतौ | |
| प्रशस्तास्तु प | २८७७ | | '२५'०२ | प्रसाध्य शत्रुं | २०६८ | प्रस्थितो दि | |
| प्रशस्तेन नि | २५१९ | | | प्रसारवीव | २६४४ | प्रस्थे च परि | १४७६ |
| प्रशस्तोपादा | २५६ ९ | | ९४९,२९७५ | | | प्रस्थे हस्तद्व | ,, · |
| प्रशस्यते न | # ५६६ | प्रसन्ताश्च दि | २५०१ | प्रसिद्धव्यव | १४४२ | प्रस्थीदनः इ | र २२६२ |
| प्रशाधि त्वमि | २४४५ | प्रसन्नो न | ११२० | प्रसिद्धाऽनादि | २८९० | प्रहरणवि | १५०९,२५६३ |
| प्रशाधि पृथि | ६४६, | प्रसन्नो येन १ | १५१,१९८४ | प्रसीद देव | २८६७ | प्रहरतोऽप | २४२० |
| ? o ! | ५१,१६२३ | प्रसन्नो वास्य | १७१७ | प्रसीद देवि | २५ ४५ | प्रहरन्ति म | २८०४ |
| प्रशान्तं सर्व | #१ २४५ | प्र सप्तस्त | ४५२ | प्रसीदन्ति न | ५९९ | प्रहरिष्यन् हि | प्रे १८८९, |
| प्रशान्तदिङ्मु | २५२८ | प्रसमीक्ष्याऽऽत्म | र ७१८, | प्रसीद राज्ञां | २८७०, | i e | २०४६,२६०५ |
| प्रशान्ताः शम | #2000 | | १९७६ | | २८७४ | प्रहरेद्दण्ड | १५६९ |
| प्रशान्ताः सम | ,, | प्र सम्राजम | ₩ ₹७८ | प्रसीद लङ्के | १६६८ | प्रहरेद्वाऽऽब | २२०४ |
| प्रशा न्ताद्पि | २०३१ | प्र सम्राजे बृ | ६ | प्रसुप्तं भोज १६ | | प्रहरेद्वा ब | ٠,, |
| प्रशाम्यते च | ५६६ | प्र सम्राजो अ | ३७८ | | ८१,२६८९, | प्रहरेन्न त्व | १०६४ |
| प्रशास्ति चिर | #८६७ | प्रसर्पकाले | #८३४ | ,, | ર | प्रहरेयुर | २६३८ |
| प्रशास्तृसूत | ११३७ | प्रसवश्चाव्य २ | ९५९,२९७६ | | २८०७ | प्रहर्ता मति | ६३१ |
| प्रशास्त्रध्यश्च | * ,, | प्रसविता वै | २६ ० | प्रसुप्तांस्तृषि | २६० २ | प्रहर्षमतु | २९४४ |
| प्रशीर्णे च पु | २२८९ | | १०९९ | प्रसुप्ताः सर्व | २६५८ | प्रहर्षयेद्व | २६६७ |
| प्रश्नं कंचित्प्र | १२९० | प्रसद्य वित्ता | १९०२ | प्र सुव आपो | ४५२ | प्रहीणद्रन्या | १३१० |
| प्रश्नका्ले शु | २४५७ | प्रसह्यापह | पट | प्रसूत इन्द्र | ५०३ | प्रहीनबल | 288 |
| प्रदनाभिधान | १ ६३८ | प्रसादं कुरु | | प्रसूत इन्द्र | \$,, | नहागनल प्रहृत्य च कृ | १८८९, |
| प्रश्रयसत्का | ९०६ | | ا م عدد ما | प्रसूता नाग | २५१३ | अहात प हा | २८८ ५, २६ ०५ |
| प्रश्लिष्टपठि | ८९० | प्रसादमिति | | प्रसूति रक्ष | *966 | प्रहृष्टं वाह | 2864 |
| प्रश्वेदरचैव | | प्रसादमेवो | 22/2 | प्रसूतिवैक्ट | , , , , | | ^२ ६६०,२५१७ |
| प्रष्टिवाही र | | | | प्रसूती रक्ष प्रसूते हि फ | | प्रहृष्टनर प्रहेयो वै पा | ययण,स्तर् २६२ |
| प्रधीन्निश्चृत्य | | प्रसादयित्वा | 9000 | मसूत १६ च प्रसृतश्च ग | 1 | प्रहादंच नि | |
| प्रष्टुः सर्वार्थ | ર | प्रसादयेच | الحوم | प्रस्तानीः सू | | | |
| प्रष्टुरेंशे ग्र | 2488 | प्रसादयेन्म | e 2016 2 2 1 | प्रस्कष्वस्य प्र | | प्रहादः पुष्प | २९६३ |
| नदुरसः ड प्रसंघेरभ | | प्रसादवृत्त्या | [| प्रस्कम्भदेष्णा | | प्रहादश्च म | • २९६१ |
| प्रसक्तं काम | ६६३ | प्रसादश्च प्र | ا ـ ا | त्र स्कन्मद्रणाः प्रस्तावाद्विनि | 1 | प्रहादस्त्वब्र | ६२६,६२७ |
| | | प्रसादो देव | 1 | त्रस्तानाद्वान प्रस्तुतं प्राह | २०७३ | प्रहादस्य म | ६२७ |
| प्रसक्तः काम प्रसङ्गयानं २१७ | ,, 13 2 5 19 16 E | | r l | | ररवर | प्रहादेन ह | ६२६ |
| | | | | प्रस्तुतस्थार्थ | | प्रहादोऽपि म | τ,,, |
| प्रसन्नं कान्ति ९३ | १४,९६०५। | • | ७२,१६९२ | मस्यपाद तु | १८४७। | प्रहादो ह वै | २६ |
| | ^ | | | | | | |

| | | | | _ | | | |
|-------------------------|------------------|---------------------------|----------------|------------------------------------|-----------------------|--------------------------------|--------------|
| प्रहादः पुष्प | *२९६३ | 1 7 | # २८ ६८ | | २५२२ | .)प्राजापत्यं पा | १४२७ |
| प्रहादश्च म | २९६१ | 1 | २९२९ | प्राग्भागे मन्दि | २९३५ | प्राजापत्यं हि | २४६१ |
| प्रह्लादस्य च | | प्राक्पश्चाहक्षि | १४८९ | प्राग्भूत्वा मोच | २७५० | | ३२६ |
| प्रह्लादो विरो | | प्राक्प्रत्यग्गामि | १२६७ | प्राग्यो द्वी विजि | | प्राजापत्यम | ४५५ |
| प्रांशवः ग्रुक | १५१३, | | २८६८ | प्राग्वाहाश्चोर्ध्व | *२९४१ | | |
| | | प्राक्स्थितं च न | *७३९ | | | 1 | २९२९ |
| प्रांशवो व्याय | * २३३६ | प्राक्स्थितं तन्न | " | प्राङ्मानैर्य | २८२६ | प्राजापत्या वै | ४५६ |
| प्रांशबो ऽशय | " | प्रागतज्ञान | १२४६ | प्राङ्मुखं विवि | | 20 30 00 10 10 | २५२२ |
| प्रांग्रः सुरूपो | ,, | प्रागलभ्याद्वक्तु | १७६८ | प्राङ्गुखा चापि प्राङ्मुखी चापि | २९४३ * १४६३ | 1 | १४२७ |
| प्रांग्रः सुबद | १५११ | प्रागात्ममन्त्रि | ९२२ | | * ,, | प्रा जाप त्योऽश्वः | ३२६ |
| प्रांग्रः सुवृत्त | ,, | प्रागातमा मन्त्रि | ७३१ | प्राचीं गजेन | * ,, २५४९ | प्राज्ञं कुलीनं | २१७० |
| प्रांग्र दुर्दर्श | १५०४ | प्रागाद्यं दक्षि | २९८८ | प्राची दिगिष्ट | | पानं निगोन | # 8009 |
| प्राकाम्यं कथि | ⊕२९९३ | प्रगाद्यं देव | ३००१ | प्राची दिशा स | ं ७३ | प्राज्ञः शूरो ध | 1366 |
| प्राकाम्यः कथि | ,, | प्रागाद्यं ब्रह्म | ,, | | ३३८ | प्राज्ञः सुहृच | ६४९ |
| प्राकारं तोर | २९२२ | प्रागाद्यं वर्ण २९ | ८७,२९८८ | प्राचीनाः के कु | १५२५, | प्राज्ञः स्निग्धो म | ११७८ |
| प्राकारं भृत्य | ७१३१८ | | २९९० | | २३६६ | प्राज्ञत्वमुप | २३५२ |
| प्राकारगोपु | १४३३ | प्रागाद्यं स्थाप्य | · ,, | प्राची नामासि | •08,00 | प्राज्ञमजात्यं | २१०७ |
| प्राकारगोमु | १५१४ | प्रागाद्याः पङ्क्त | २९८८ | प्राचीनैः सह | ११५५ | प्राज्ञश्रूरयोः | २१०८ |
| प्राकारतोर | * ,, | प्रागासीनं त् | २७५० | प्राची पश्चिम | # २५१४ | प्राज्ञश्च सत्य | ८४३ |
| प्राकारद्वार | २९ २६ | | ६१४ | प्राचीमारोह | २८४ | प्राज्ञस्यागगु | |
| प्राकारद्वारा | २६ ४२ | प्रागुत्थानं च | १८७३ | प्राचीरप्रति | १४९७ | | * 4६९ |
| प्राकारपरि १४ | ७४, १ ४९२ | प्रागुदक्प्रव ५९ | ८,२८६८, | प्राचेतसस्त | १५०३ | प्राज्ञस्य नृप | २३९० |
| प्राकारमध्ये | १४४९ | 1 | १,२८९१, | प्राचेतसेन ५७ | ०,११७४ | प्राज्ञाः पुरुष | २३९३ |
| प्राकारमुभ | १४४८ | | ८,२९३६ | प्रान्यस्य श्रीरे | ४२२ | प्राज्ञाञ्जूरान्म | ४४ |
| प्राकारशून्या | २५२५ | प्रागेव तु क | १३१७ | प्राच्यां तु दिशि | ०२९३४ | प्राज्ञादप्राज्ञो | २१०७ |
| प्राकारसमं | १४४९ | प्रागेव तु घ | * ,, | प्राच्यां तेन कु | ८५७ | प्राज्ञानां कृत | ८६५ |
| प्राकारह∓र्या | १५२४, | प्रागेव पश्चा | १७१६ | प्राच्यां त्वा दिशि | २३३, | प्राज्ञा मेधावि | १०६९ |
| | २६७४ | प्रागेव पृच्छ | १८३० | | २९३४ | प्राज्ञेन तु म | २६ १८ |
| प्राकाराणां किं | १ ४७५ | प्रागेव प्रति | | प्राच्यां त्वामभि | २९३५ | प्राज्ञे नियुज्य | १२८० |
| | ٦ | प्रागेव मर | १२८२ | प्राच्यां दिशि त्व | *482 | प्राज्ञे नियोज्य · | १७०९ |
| प्राकाराणां स | १५७७ | प्रागेबोक्तश्च | | प्राच्यादि वृतं | | प्राज्ञो न्यायगु | ५६९, |
| | ६५,३२६ | | १६९३ | प्राच्या दिशस्त्व | ५१२ | • | ११७४ |
| प्राञ्चतानां प | ७६० | प्रागेवोक्तस्तु | #8288 | प्राच्या मातङ्ग | | प्रा ज्ञो पसे वि | १२८७ |
| प्राक्कर्मफ ल | | प्रा ग्ज्योतिषस्तु | | प्राच्येषा ५ श्रीर | | मारापताप प्राञ्जलिनिय | ५५८७ ५७८ |
| प्राक्कर्मवृश | | प्रा ग्ज्योतिषाद | | प्राच्ये त्वा दिशे | | प्राङ्विवाकं स | |
| प्राक् कर्महै तु | | प्राग्दिशि प्राङ्मु | | मान्य (या । प्रा प्राजापत्यं तु | १४२६ | भाञ्जवाक स | १२५४, |
| प्राक्कोशः प्रोच्य | १३२१ | प्राग्द्वाराः कथि | | गाजापत्यं त् | | m =0 | १८२५ |
| प्राक्कोशात् प्राप्य | · ,, | प्राग्दारो भास्क | | याजापत्य तू प्राजापत्यं त्रि | ४५६ । २४३३ | प्राड्विवाकस्त | १२६५, |
| | - • | | . , | | 70441 | 4004 | ,१८२३ |

| | | | | - | | | |
|---------------------------------|------------------------------|------------------------|---------|-------------------------------|------------------|-----------------------------|--------------|
| प्राड्विवाकान्स | ७२६ |) प्राणेष्वथाऽऽग | | प्रादुर्भवन्ति | ६०४ | प्राप्ते च प्रह | १९१२ |
| #१ २५४ | ',# १८२५, | प्राणेरप्युप ७ | ५०,११३४ | प्रादुर्भवन्त्य ११ | ३६,१७३९ | प्राप्ते द्वयात्रा | २८६० |
| * | २३३५ | प्राणेरेव त | ३३२ | | | प्राप्तेऽभिषेक | २९४८ |
| प्राणग्लानिः सु | १६०३ | | ३०७ | | २४८५ | प्राप्ते युद्धे क्व | ११५२, |
| प्राणद्यते त | ५९६ | प्राणोदानी वा | ,, | प्राद्विष न्कृत | १२१९ | | २७९१ |
| प्राणप्रतिष्ठा - | २८५९ | प्राणोदानी वै | २८३ | | १८७१ | प्राप्तेऽर्धे बाऽर्घा | २२६३ |
| प्राणप्रतिष्ठां | ³ ૨૮ ५९ | प्राणो वै त्रिवृ | ३३२ | प्राधीते शत | ६९३ | प्राप्ते शकष्व | २८७० |
| प्राणप्रदान | २०३१ | प्राणा व वायुः | ,, | प्रान्ते म्लेच्छान्त | ग १ ४९३ | प्राप्तेऽष्टमे ऽह्नि | २९२२ |
| माणवाधेष्व | 2820 | प्राण्युपघाते | ९६६ | प्रान्यचक्रम | <i>७७</i> इ | प्राप्तेश्वर्यो घृ | २४२५ |
| प्राणमात्रब | 2040 | भावःकृत्य द्व | १७४२ | प्राप्तं मित्रब | २८०६ | प्राप्तो भवति | २•०३ |
| • | | । भाराःभन्दारा | २८६२ | प्राप्तं मैत्रं ब | | प्राप्नुयादिति | २४४६ |
| प्राणयात्रा च प्राणयात्राऽपि | # ५५९ | प्रातः प्रातः श | २८५१ | प्राप्तकालं तु | #१२४५, | प्राप्तुवन्ति च | २७९१ |
| | * ,, | प्रातः शङ्खदु | ९४२, | | | प्राप्तुवन्ति प | २७८६ |
| प्राणयात्रा हि | ५५९, • • • • | | #2648 | पातकालस्तु | | प्राप्तोति द्वेष्य | १९०३ |
| | १३१३ २९९२ | प्रातः संगव | *2690 | प्राप्तकालेन | *८४६ | प्राप्तोति नैव | २४०७ |
| प्राणरूपी त | | प्रातःसंध्यार्च ९ | ५८,१६५५ | प्राप्त िमि त्ते | | प्रामोति सिद्धि | २८८९ |
| प्राणस्य रूपं | ४६६ | प्रातःसवन | . २१० | प्राप्तमेतन्म | | प्राप्नोति हि गु | 2366 |
| प्राणस्थान्नमि | ५६३, | प्रातःस्नायी जि | २८९५ | प्राप्तयुद्धानि | १९४३ | प्राप्नोति हि ह | १६९१ |
| | १०४६ | प्रातरुत्थाय ८ | ६५,९५७, | प्राप्तयौवरा प्राप्तयौवरा | १३९९ | प्राप्नोतीन्द्रस्य | २७६९ |
| प्राणांस्त्यजित | १२३० | | ९६७ | त्रातपापरा प्राप्तवत्मी कृ | ११ ९९ | प्राप्नोतीह कु | १०३४ |
| प्राणाचार्यः स | १६३६ | प्रातरेव हि | ९४३ | | | | ७३८,७४७ |
| प्राणात्ययेऽपि प्राणादपि प्र | १५२९ | प्रातर्नत्वा प्र | १०१७ | प्राप्तवानथ | ८६७ । सम्बद्ध | प्राप्य कार्ये ग | १७६७ |
| प्राणादाप प्र प्राणाद्धि बला | ११९५ | प्रातनीराज | २८८५ | प्राप्तवान्पर १०५ | | प्राप्य तुष्टाः प्र | *2360 |
| माणास् प्रण प्राणानपि च | ३६ ३ १७४७ | प्रात र्न ुसिंह | २५४४ | प्राप्तवान्मति | १२१९ | प्राप्य तृप्ताः प्र | १०६८, |
| मानानान च प्राणानादी या | २४२ ३ | प्रातमेध्याह | 26 42 | प्राप्तस्य रक्ष | ११४६ | | २३८ <i>०</i> |
| प्राणान्तकर प्राणान्तकर | २७९८ | | 20.3 | प्राप्तां च रज | १०८७ | प्राप्यते च य | ६२८ |
| प्राणान्तकरि | # ,, | प्रातस्तु संस्मृ | 3/010 | प्राप्ता धिकारां | २२९७ | प्राप्यते देव | ७३९ |
| प्राणान्दद्याद्या | 6 2823 | प्रातिकृल्यं तु | 3×84 | प्राप्ताश्च सिद्ध | ३००३ | प्राप्यते फल | ११०५ |
| प्राणान्हुत्वा चा | १०५७ | प्रातिलोम्येन | 9030 | प्राप्तासत्त्वं सु | | प्राप्य धर्म च | १८१० |
| प्राणापहो मा | | प्रातिवेधनि | २२७४ | प्राप्तिब्यूहं स | #२९९३ | प्राप्याऽऽपदं न | १०३७ |
| प्राणाय नमो | ६८ | _ | ८३४ | प्राप्तिव्यूहः स | | प्राप्यापि मह | १०१६, |
| प्राणायामान्त्र | २५२७ | प्रादादिन्द्रम | | प्राप्तिसृष्टेषु | *२००९ | • | १७१८ |
| प्राणावसानः | ९१४ | प्रादीपिकोऽग्रि | | प्राप्तुं कामय | १७६६ | प्राप्यापि युव ८६ | |
| प्राणाश्च सर्व | ६१६ | प्रादुरासन्न | | प्राप्तुं मेरुव | १६१५ | प्राप्यापि वसु | १८५९ |
| प्राणिना यः स | | प्रादुरासीत <u>्क</u> | | प्राप्तुं लक्ष्मण | | प्राप्योत्तमं प | १०१७, |
| प्राणिभिः क्रिय | ११११ | प्रादुरास्तां त | | प्राप्तुं वसुम | *१६१५ | | ११५४ |
| | | प्रादुर्भभूव | | प्राप्ते कार्ये श | | प्राप्स्यन्ति पुरु | |
| प्राणे मे वायुः | र्४८२ | प्रादुर्भवत्क्षु | 7 | प्राप्ते काले न | | प्राभृतं ते द | २७५८ |
| | | | • | • • • | 1.10. | 41.211 (1 A | २१८४ |
| | | | | | | | |

| प्रामं जयामी क४९९ पाइट्काले वि २८९५ प्राह काकस्य १२१० प्रियस्थापि न ६१ प्राय एव स *१५०० प्राय एव स ,, प्रायः कृतिम १३००, प्रावः कृतिम १३००, प्रावः कृतिम १३००, प्रावः किम्ब २९०६ प्रियं तथ्यं च १७२४, प्रियां मार्यो द्वौ २४३ प्रावः शाला नै १४८४ प्रावृत्तिकश्च १८३४ प्रावृत्तिकश्च १८३४ प्रावृत्तिकश्च १८३४ प्रावृत्तिकश्च १८३४ प्रावृत्तिकश्च १८३४ प्रावृत्तिकश्च १८३४ प्रावृत्त्वस्थ १८३४ प्रावृत्त्वस्थ १८३४ प्रावृत्त्वस्थ १८३४ प्रावृत्त्वस्थ १८०६ प्रियं ते नाम ४८९ प्रियाण्यनुभ ५५ |
|---|
| प्राय एष स ,, प्रावृत्तं कम्ब २९०६ प्रियं चापि न १३६२ प्रियां बहुत २५० प्रायः कृतिम १३००, प्रावृत्तं कम्ब २९०६ प्रियं तथ्यं च १७२४, प्रियां भायों द्रौ २४३ प्रावृत्तिकश्च १८३४ प्रावृत्तिकश्च १८३४ प्रावृत्त्य स्नाप २९०६ प्रियं ते नाम ४८९ प्रियाण्यनुभ ५५ |
| प्रायः कृतिम १३००, प्रावृतं कम्ब २९०६ प्रियं तथ्यं च १७२४, प्रियां भायों द्रौ २४३ १८७९ प्रावृत्तिकश्च १८३४ १७४३ प्रिया च दर्श १९० प्रायः शास्त्रा नै १४८४ प्रावृत्य स्नाप २९०६ प्रियं ते नाम ४८९ प्रियाण्यनुभ ५५ |
| १८७९ प्रावृत्तिकश्च १८३४ १७४३ प्रिया च दर्श १९० प्रायः शाला ने १४८४ प्रावृत्य स्नाप २९०६ प्रियं ते नाम ४८९ प्रियाण्यनुभ ५५ |
| प्रायः शाला नै १४८४ प्रावृत्य स्नाप २९०६ प्रियं ते नाम ४८९ प्रियाण्यनुभ ५५ |
| |
| प्रायमिध्ममु २८८० प्रावृषीवासि ९६८,१०८० प्रियं परस्य १२९५,२०९२ प्रियाण्येवाभि २१२ |
| प्रायशिश्व को १५५७ प्राशं प्रतिप्रा ४६०,४६१ प्रियं ब्रूयाद १०६३ प्रियातिथ्यास्त ६० |
| प्रायदाश्च त १५१३ प्राद्यं सुदुर्ध |
| प्रायशिश्वाऽऽचा २४५४, प्राश्याः प्रियङ्गु २५४९ प्रियं मा कृणु ,, प्रियाप्रिये प ७९ |
| २५५७ पामनोपर २७७० प्रियं मा दर्भ प्रियाप्रिये स २४३ |
| प्रायक्षो येवि ५५२,१५४७ । जिल्ले जिल्ले (ग्रियसावाच ३३८ |
| प्रायशो हि कु २३९३ पासाहं परि २३८३ पिनं सर्वस्य " प्रियामये त्व |
| प्रायशो हि नि २९१८ प्रासादं वा गू ९७१ प्रियं हितं च *१८९८ प्रियाये वा जा २४८ |
| प्रायश्चित्तं न २४५० । । । |
| प्रायिक्चत्तम २४४७, प्रासाद्वार २९२७ प्रियः प्रजाना ८४४,११७३ प्रियालपील १४६ प्रायिक्चत्तम २४४७, प्रासादध्वंस १२०२ प्रियः प्रजानां ८४४,११७३ प्रियालपील १४६ |
| 3 a a a a a a a a a a a a a a a a a a a |
| पायाञ्चलाव २५९६ । । । । । । । । । । । । । । । । । । । |
| प्रायण प्रिय १५९३ व्यापनीय । १० विम्नायान |
| ત્રાવળ જામ ૧૦૪૧ |
| प्रायण सन्ता २४५८। |
| प्रायण हिं । |
| प्रायोगिक मा १८७७ अचित्रवर २८२३ अन्दुरान कर्पा । |
| प्राया जगुः स २४७० । १९११ । १९११ । १९११ । |
| प्रायो बुद्धिम ११५७ प्रासादाग्रे शि १७६१ प्रियङ्गूणाम २२५९ प्रियो देवानां ४१ |
| प्रायो मन्त्रेण २५९२ प्रासादांग्रे ह्य १७९५ प्रियङ्गू रोच २९७९ प्रियो भवति १०७५ |
| पायो मिनाणि १२०० प्रासादानां म १४८५ । १४२४ २०२९,२६० |
| १८७८ प्रांतादे चात १४७९ प्रियमुत्सूज्य १७६७ प्रिया यस्य भ २१९ |
| प्रारब्धं यत्म्व १२०५ प्रासादेन तु २९८३ प्रियम व १९११ प्रियो यस्य स ,, |
| प्रांसादेषु वि २७९२ । अथमव हि इन १९५ |
| प्रारम्भयान २५२७ प्रासादै रतन |
| ्रप्रसादाबाव ६६१।।प्रथमवास ७५०.११३२.। पाण्यक्र हर १७४ |
| भाववाम च *१२१७ प्रासादोऽपि त १०८७ ११४२,१६०६ प्रीमीवास्यान नि ३८ |
| प्रायाय ^{व्य तु} भ प्रासानां च त्स *१४६४ प्रियवचना ९१४ प्रीताश्च देव ६ ११ |
| प्रार्थितेन पु #८३८ प्रासानां च स ,, प्रियवादी जि ११७७ प्रीतिं धर्मेवि #१८१ |
| प्रावाराभर *९८८ प्रास्तरं गुहां १४४५ प्रियश्च नः सा २४३३ प्रीतिं भोगं च *१३४ |
| प्रावारास्तर ,, प्रास्य पारं न ३७२ प्रियश्च प्रिय २००३ प्रीतिप्रवृत्ती १०८ |
| प्रावृट्काले च २८७७ प्रास्ताग्वाहू सु ३८ प्रियस्तथा प्र ११०४ प्रीतिभोगं च ७१३ ४ |

| प्रीतिमुत्पाद | | प्रेषणं संधि | १६७१ | प्रोष्ठपादे सि | २८७३ | फलपुष्पप | २५२९ |
|--------------------------------|---------------|------------------------|------------------------|-----------------------------|----------------|-----------------------------|------------------------|
| प्रीतिरेषा क | | प्रेषयेच त | | प्रो ष्वसै पुरो | ४८४ | फलपुष्पव | २८९७ |
| प्रीतो रथो वि | २९३ | | | प्रीरस्थस्य त | २७५१ | फलपुष्पवृ | २३४३ |
| प्रीतोऽस्मि पर | ६६७, | | # ९५५ | प्रीरस्थे युद्ध | २७५२ | फलपुष्पे त | # ₹ ९ ₹४ |
| | १९७० | प्रेषिता मानु | | प्रीष्ठपदे ग्र | २८६३ | फलप्रदा भ | ८५८ |
| प्रीत्या परम | ८५९ | प्रेष्यतां चैव | क्१८९३ | प्रौष्ठपद्याम | २८७६ | फलभूयस्त्वे | २१६४ |
| प्रीत्या यशो भ | 4 ६४६ | | १८९६ | प्रौष्ठपादाम | कप ११ | फलमूलाश | १६९६,२८०३ |
| प्रीत्या ह्यमृत | " | प्रेष्यतां वाऽपि | १८९३ | प्रक्षः प्रस्रव | #२९६८ | फलमूलोत्क | १६९४ |
| प्रीयते हि ह | ७९५ | प्रेष्यमाणा वि | १०६२, | प्रक्षप्रसव | ,, | फलमूलोद | * ,, |
| प्रीयमाणेन | २७१६ | | १६९२ | प्रक्षश्च पुष्क | ٠, | फलमेकं सु | २०३४ |
| प्रीयामहे त्व | २०४८ | प्रेष्याः पुत्राश्च | १९०३ | 1 | *२९६५ | फल्मेतत्प्र | २००८ |
| ष्ट्रथग्गणस्य | प४ | प्रैतानि तक्म | ३९९ | प्रवङ्गमाना प्रवनी प्राव | २६५६ | फलमेवास्य | २४०० |
| प्रेक्षणीयप्र | ७४० | प्रैयकं नील | २२ ३५ | ह्रवमानी हि | # २९९ ६ | फलवतीर्न | * ४१२ |
| प्रेक्षणीयैर्म | २ं८७३ | प्रैष्यन् जनमि | ३९९ | प्रविनी प्राव | २१३२ २९९६ | फलवतीर्ना | # ,, |
| प्रेक्षाकाले प्र | २८६१ | प्रोक्तं द्विपद | २८४५ | 1 | | फलवत्यो न | 泰)) |
| प्रेक्ष्य राजा द | ८४५ | प्रोक्तं पुण्यत | १७४२ | प्राविनी जल | २९९२ | फलशालिय | २८९७ |
| प्रेतं वा स्त्रीवे | २१११ | प्रोक्तमात्ययि | २४७० | प्लूताच कपि | # ₹९५७ | फलस्नानं च | २८५६ |
| प्रेतनिर्मालि | २६ ६ १ | प्रोक्तानि मङ्ग | ८४९२ | फणिज्जकोऽथ | * १४६६ | फलहारी जी | २९९५ |
| प्रेतव्यञ्जनो | 2888 | प्रोक्तोत्तमोऽय | १३००, | फणिज्झकोऽथ | ٠, | फलाकृतिस | १५१५ |
| | | | १८७९ | फलं कर्म च | १३१६ | फलातिभुक्तो | २०६२, |
| प्रेतब्याधित | १७०२ | प्रोक्तो राशिख | २४७२ | फलं किंपाक | १८५६ | | २०८४ |
| प्रेतस्था सर्व | २८९७ | प्रोक्षयित्वा म | ७४० | फलं घृतं द | २५१६ | फलाद्रसं स | १०४० |
| प्रेताङ्गं प्रेत | १३३३ | प्रोच्यते सोम | ८२६ | फलंच जन | १९४६ | फलानामप्य | ९८४ |
| प्रेता जयता | ५०६ | प्रोत्सारणाय | २८९३ | फलं दशगु | ७४० | फलानामुप | ● २५०३ |
| प्रेतासनग | २५२९ | प्रोत्सारयन्ते | *२७३२ | फलं पुष्पंत | २९२३, | फलानि च वि | |
| प्रेतो यन्त्वेक | २८८० | प्रोत्सारयाऽऽग्र | २८९३ | | २९२४ | फलानि चैव | १४६७ |
| प्रेत्य चेह च | ≉११०३ | प्रोत्सारितज | 998 | फलं वृक्षस्य | १०३२ | फलानि पात | १०५३ |
| प्रेत्य स्वर्ग त | " | प्रोत्साहयन्त्ये | २७३२ | फलकानि वि | १५४२ | फलानि शात | " |
| प्रेत्य स्वर्गम | * ,, | प्रोवाच लोका | १०९३ | फलकान्यथ | ا م م | फलानि श्रोत्र फलानुमेवाः | |
| प्रेत्येह चैव | ,, | प्रोवाच वेदा | ८७८ | फलकृत्पूर्व | 21. 2 | | १२५६ |
| प्रेत्येह मह | ११२४ | प्रोवाच श्वा मु | १६९५ | फलक्षेत्रानु | | फलापहानि फलापहार | २५०३ |
| प्रेत्येह सुस्थि | २८८७ | प्रोवाचेदं व | २७९९ | | ६२,२०८४ | फलापहार फलाय लगु | * ,, |
| प्रत्यैतयोर | १६२१ | प्रोषितागम | २५१० | फलनाशे कु | १४३२ | गलाय लगु | १४२१, |
| व्रम्णा समीप | | प्रोषिते दीन | १०८७ | फलनिर्दृत्ति | २००२ | | १७३७ |
| प्रस्था समाप प्रेरितस्त्वनु | • • • | प्रोष्ठपदे ग्र | २८६३ | फलनेवेद्य | | फलार्थमूलं | * २०१२ |
| | 220,222 | | २ [,] २८६८ | फलन्ति हि गु | २८९३ | फलार्थोऽयं स | १८८७ |
| | | | | | ७२९ | फलितं पुष्पि | १३८४ |
| प्रेव प्रस्तोता | ३ ५ ६ | श्रोष्ठपादाम . | पर् | फलपुष्पं त | क २९२३ | फलिनश्च स | २८३६ |
| | | | | | | | . • |

| ^ \ | | | | | | | |
|----------------------|---------------|------------------|--------------|--------------------|------------------------|----------------|-----------------------|
| फिल्यो न अ | | | २०३८ | | १०८९ | ,∫बलं संकर्ष | • ६०३ |
| फिल्यो ह वै | | बन्दिनां निःस्व | ९५८ | | #१५०६ | बलं संजाय | ७०५ |
| फलीकरण | २५३४ | बन्दिभिर्वेद | २८५६ | बभूव मृग | २८६४ | बलं हि क्षत्रि | १०५३ |
| फलेन नाम्ना | | बन्धकीपद्म | ७३१ | बभूव यज्ञो | ६१६ | बलं हि चित्तं | २१६४ |
| फलैंशेंयाः स | १८०५ | | १३३०, | बभूव राजा | ५९० | बलकोशवि | २१७६ |
| फलैर्मूलैस्तृ | १३८२ | 1 | २६२१,५८ | | १०९७ | बलदर्पवि | ८९४ |
| फलोपलब्धिः | २४१५ | बन्धनं तस्य | १०१२ | | १२२० | बलद्वयम | २ १९२ |
| फल्गुतीर्थे बि | २९७८ | | १९८७ | | | बलनीराज | २८८७ |
| फल्गुप्रतिलो | २७२५ | बन्धनस्थान | २९७ ४ | 1 % | ८५७ | बलप्रजार | १३६५ |
| फल्गुबलम | " | बन्धनस्थाश्च | २८५६ | | # ₹७ ९ ७ | बलप्रधानं | # २९५ <i>०</i> |
| फल्गुबलाव | २८०५ | बन्धनस्थोऽपि | १७१७, | 1 ~ | | बलप्रमथ | #3966 |
| फल्गु भु जम | ९६५ | | #२४५७ | | " | बलप्रस्थान | * २५०९ |
| फल्गु सैन्यं च | #२७३९ | | २४५७ | 7.11 41(14) | १५०५ | बलमपीड | २६ ९६ |
| फल्गुसैन्यप्र | २८०९ | | २३२६ | 141 State . | | बलमराजो | ३४५ |
| फल्गु सैन्यस्य | २७३९ | बन्धनान्तो नि | ९०९ | 1 3 | | बलमस्मिन्य | ३४४ |
| फाणितः पञ्च | २२९३ | बन्धनैर्घात | २६८८ | שושרארן | * २९६० | बलमुखैः प्र | २९४ ५ |
| फाणितगुड : | २२५८ | बन्धयित्वा च | २८७३ | बभ्राम तस्मि | | बलमुख्यैः सु | 486 |
| फाल्गुनं वाऽथ | २४५४ | बन्धयित्वा तु | १९६५ | नश्च हान्या र | ी ४०६ | बलमूलो भ | १३६७ |
| फाल्गुने वाऽथ | * ,, | बन्धवधभ | १०१० | बश्चारव ह | ३१२ | बलमेव रि | १५२६ |
| फाल्गुन्यामुत्त | - २४५३ | बन्धुत्वादथ | २०४९ | बभुदिक्षिणा | १४१,१६३ | बलयः पुष्क | २८६२ |
| फुछज्वाला म | २९९८ | बन्धुदुर्ग म | # 8888 | भश्रु ग पात | ५२४ | बलवच त | ર |
| फेनाघातो व | २२८७ | बन्धुपुत्रप्र | २८१३ | बभूग्रसेन | ६०४ | बलवतश्चा | ^२ १५५६ |
| फेनायमानाः | २४९३ | बन्धुप्रदश्च | १४७५ | बर्हिन यत्सु | ४८२ | बलवताऽधि | |
| | ७३४,७४९, | , s, | ५०,११३४ | बर्हिष्मती रा | ५४ | | ११५९ |
| | ०९,२०४४ | बन्धुभिर्बन्धु | *{{₹ | बलं कस्माद्व | २४३० | बलवता वि | ६७५ |
| बकुलश्चाथ | २८३७ | बन्धुभिबन्धि | १७७९ | बलंच तहै | २७२० | बलवती सी | प३ |
| बदरिकासा | १४१५ | बन्धुभिश्च सु | १७३४ | बलं तु दर्श | १९९५ | बलवत्पक्ष | १००६ |
| बद्धगोधाङ्गु | २६७० | बन्धुमुख्यप्र | २१०७ | बलं तु नीति | २००० | बलवत्पक्षो | १२३२ |
| बद्धतीर्थाश्चे | २३०० | बन्धुरत्नाप | १६७१ | बलं ते बाहु | २४६ | बलवत्परि | १४१४ |
| बद्धदीर्घास | #२९३९ | बन्धुरप्यहि | #१८७६ | बलं त्रिगुण | २५५१ | बलवत्संनि | २०३१ |
| बद्धप्रतिश | * ₹८९१ | बन्धुरात्माऽऽत्म | १०४३ | बलं पञ्जवि | १२०८ | बलवत्संयु | १७०४ |
| बद्धरोषाणां | | बन्धुनस्यि नि | १६०७ | बलं पराक | ११४६ | बलवत्सप | ८३९ |
| बद्राञ्जलिपु | २५३०,प१ | बन्धुस्नेहर | | बलं प्रसाद | # २५५३ | बलवत्साम | १९२५ |
| बदाञ्जलिरु | 1 | बन्धूनां मधु | ११६४ | बलं बुद्धिर्भू २१ | | बलवदर्श | १८९९ |
| बद्धादिभिः स | | बबन्धुर्विवि | | | | बलबद्धया | २२०६ |
| बद्धासिर्वद्ध | | बभाषे प्रण | | बलं यस्य तु | | बलबद्धिग्र | २११३, |
| बढ़े चैव प | | बभूब पर | | बलं वै ब्रह्मा | ३४५ | | १३,२१२९ |
| विधरान्धज | | बभूव पृथि | | बलं शक्तिः, स् | 1 | | १४९४ |
| | | | | , - | | | , , , , |

| बलवन्तं क | •६३८ | | # २९९६ | , बिलं विभज्य | २८८५ | बलीयसा प | २१२९ |
|------------------------------|-------------------|-----------------|--------------------|--------------------------------------|----------------------|---------------|--|
| बलवन्तः कृ | २८०१ | | २९९७ | | २८८४ | | में क्ष्यरश्च, |
| बलवन्तम | રે શ ५૪ | | १५२४,२५९० | | | ı | રશ્વરૂ,રશ્વેં, |
| बलवन्तमा | २२०७ | | ९६५ | 1 | : १९०२ | | २१९८,२६१८ |
| बलवन्तश्च | •६६१, | बलात्कारस्व | ९१३ | | ७१९, | बलीयसि प्र | २१२१,२१२८ |
| · # 840 | ८,१८९९ | बलात्कृतान | | ł | १३५६ | | २१९४ |
| बलवन्तस्व | #1422 | बलात्कृतषु | ५९६ | 1 11.00 | १४७८ | बलीयानब | ६८०,७७९ |
| बलवन्तृप | ११९० | बलात्तदन | *२१२७ | बलिनं किय | २२०७ | बलीवदीनां | २२६२,२ं३०५ |
| बलवर्णते | १११९ | बलात्तदेनां | ८८१ | बलिनः प्रत्य | २०४७ | बलेः पुरं शो | |
| बलवानरा | २०९७ | बलात्स्नहन | [,] #२५९० | 1 41/2-10 (11-1 | २०७३ | बलेन चतु | ७८६ |
| बलवानल | १२९५ | बलादिषु च | १११६, | | २२०२ | | २०५२ |
| बलवान्कोश | २०८१ | | २१७१ | | २२०७ | बलेन यश्च | #६१६ |
| बलवान् क्षत | १६९६ | बलादुपार्जि | २१८४ | 1 11 | १८७३, | बले नयश्च | " |
| बलवान् ख्याप्य | # 004 | बलाधिकाय | २०५२ | २०४ | (२,२११३, | बलेन विजि | |
| बलवान् प्रति | - २ ४१५ | बलाधिकोऽहं | | | *२२०२ | बलेन संवि | १०९३ |
| बलवान्बुद्धि | ११४२, | बलानां चूत | | बिछना विग्र | २०४२, | बलेन सद | २३६९ |
| 74 II G. S. | ११८९ | बलानां दर्श | • | | # ₹0४₹ | | રહદ્દ, રંટ શ્પ |
| 2227 21 T | | बलानां हर्ष | <i>५७</i> ० | बलिना संनि | २०२२ | बलेनैवास्मि | 384 |
| बलवान् वा रा बलवान्हि प्र | २५६४ ७९५ | बलानि च इ | ह १८४९ , | 1 . | ર | बलेनोचेन | १३७५ |
| | | | २०५२ | बलिना सह २१ | 3 | बले प्रतिष्ठि | ६३०,१५०२ |
| बलवान् हीने | २१३३ | बलानि दूष | १९१२ | बलिनोर्द्धिष | २१९०, | बले म इन्द्रः | 2 |
| बलविशिष्टः | २८०४ | 1 . | १५२४,२५९० | | ^२ २१९२ | बलेषु हस्ति | १५३८ |
| बलविशेषे | १९६७ | बला प्रमिथ | २९८८ | बलिनो वश | १५२६ | वलोपादान - | |
| बलवेगा म | २९९५ | बलाबलं त | ५४२,१९०० | बलिनौ मति | i | | ६७६,२१६० |
| | ५,६७६, | बलाबलज्ञो | २३३६ | 41.0 () 41.0 | | बल्बजानपी | ५२५ |
| | ,२११९ | बलाबलप | २३६१ | बलिभिविवि | | बष्कयणीनां | ९६७ |
| बलःयसना | ६७७, | बलाबलर | २३५ १ | बलिभिस्तु वि | | बहवः पण्डि | १२२१ |
| | ,२८०४ | बलाबले चै | ८६८ | नालामखाप बलिद िन | | बहव्श्व म | २४४७ |
| बलशक्तिवि | २८१३ | बलामध्यम | १५१७ | | | वहवो ग्राम | # १०८४ |
| बलसंरक्ष | १३६७ | बलाय च त | २९८८ | बलिर्बाणस्त | | बहवो दण्ड | २५१४ |
| बलस्य चतु | १७६६ | बलार्थदेशे | ९६४ | बलिबस्रान | | बहवो तृप | १५७७ |
| बलस्य च म | ५५४ | बलार्थमूलं | २०१२ | बलिषड्भाग ६३ - चिक्रेन | 1 | बहवोऽप्येक | २०१९ |
| बलस्य व्यस | १५४७, | | २१९० | बलिष्ठेन | | बहवी भृगु | #१५७७ |
| _ | ,२६९० | बलार्धैमरि | " | बलिष्ठान् रात्रू | | बहवो मन्त्रि | १२७५ |
| बलस्य स्वामि | | बलिं गृह्णन्तिव | (0,10) | बलिष्ठेन त | १९८६ | बहवो रिप | २१२९ |
| बलस्यावल | | बलिंच मह्यं | ~ \ \ \ \ | बलिहोमस्व | | बहबोऽविन | ८७५,८७८ |
| बलाककाकी | | बिलंच ये प्र | | बलीयसां म | १९०५ | बहिः कन्याकु | ९७२ |
| बलाकापङ्क्ति | ,, 1 | बलिं ददुश्च | " | बलीयसाऽत्य | २१४६ | बहिः कोपे स | ************************************** |
| • | | | | | • | • , | 412/0 |

| _ | | | | | | | |
|--|-----------------------|------------------------------|----------------|--------------------------|---------------------|----------------------------|----------------|
| बहिः खातात्तु | २६७८ | | | बहुश्रुत्या र् | | बह्धीः समा अ | १०,३८६ |
| बहिः खातात्स्व | * ,, | बहुभिर्गुण | | बहुषु हि इ | हु २१०० | बह्वीनां पिता | ४९३ |
| बहिः परिखा | १४५१ | बहुभिर्भिद्य | | बहु संकसु | २००८ | बह्वृचं साम | १६१७ , |
| बहिर्घिश्र | २३२३ | | १७८०,१७८२ | | * ,, | 1 | * १६ १८ |
| बहिरन्तर्द ११ | १६,१९३७ | बहुभिर्यः स्तु | ११५६ | बहुसंमत | १२६८,१८२७ | बह्वृचं हि नि | १६ १२ |
| बहिरन्तश्च | २२६७ | बहुभिश्च वि | २८८९ | बहुसहाये | १२७५ | | * १६१७ |
| बहिरागतो | ९६५ | बहुमध्याल्प | १३७५, | बहुसाध्यावि | ने २३४१ | बह्रेकपुत्र | २१०८ |
| बहिर्जानुभ | १४४७ | | १३७६,१८४१ | बहुसूत्रकृ | ११९० | बह्व्यः प्रतिवि | ६४३ |
| बहिर्दूरान्त | १५९८ | बहुमित्राश्च | १२११,१६९३ | बहुहलप | · २२८ ५ | बह्वचस्तु मत | #१७६५ |
| बहिनिःसत्यो | २८५०, | बहुमित्रो हि | १२९९, | बहुहिरण्या | ३४५ | बह्वचोऽपि मत | • |
| | २८५४ | | १८७८ | बहूनहोरा | १८१३ | बाकुलस्तु शु | ' |
| बहिर्विहार | १४०० | बहुमुखं वा | . २२६३ | बहूनां पित | | बाकलेन स | २८३६ |
| बहिश्च खाता | #२६७८ | बहुमुख्यम १ | २३६,२२२८, | बहूनां सम | २३७५ | बाढमेवं क | १०९७ |
| बहिश्चतुर्गु | २३२५ | | २३५० | बहूनामपि | ্ ८४७ | बाणचापासि | १७६६ |
| बहिश्च रा नु | २ ६० २ | बहुरायस्पो | ३४५ | बहूनामेक | ८४९,२६२१ | बाणप्रहारा | २९२० |
| बहिश्च वर्ण | २८५६ | बहुरूपस्य | १०७९ | बहूनामैक | ११९० | | |
| बहुकल्याण | * २ ४४२ | बहुरूपो वि | ५३१,५७८ | बहूनि ग्राम | | | .१६९९ |
| बहु कल्याण | | बहुई वै प्र | २२६ | बहूनि च | | बाणवेदामि | २८३२ |
| बहुकापीस | ,, २८ ४३ | बहुलं रत्न | १८९६ | बहूनि यज्ञ | | | २७०३ |
| बहुक्लेशेना | ं ११९ २ | बहुलाभं सु | १८०५ | बहूनेको न | | 1 . • | २८४७ |
| बहुक्षयम्य | २१७ १ | बहुलाभक | २१७ १ | | १३६०,१४१८ | बाणेन साकं | १५११ |
| बहुग्वे बह्व | 384 | बहुलाभिमा | २१२ | बहून्याक्षेप | २०५० | बाणैर्मन्त्रप्र | २८१३ |
| बहुत्वात्पर | # 2492 | बहुलारक्षं | २६ ४४ | बहून्याश्चर्य | २७९३ | बाधकंच य | ७४५ |
| बहुत्वादेव | २५९२ | | २५५० | बहून् वा र | सद्गु २२० ७ | बाधते खछ | १०८९ |
| बहुत्वाद्भूत | | बहुलीभूते | १९२१, | बहुनां बहु | ે ૨૬૧૫ | वाधन्तेऽभ्यधि | १९८१ |
| ^{नलुरना} र् <i>पू</i> रा बहुदण्डान | * ,, የ ३ ५९ | | २६२३,२६२४ | बह्रपथ्यं ब | ६३०,१५०२ | वाधन्ते व्यधि | # 3 9 6 8 |
| बहुदासपू | ३ ४५ | बहुवक्त्रशि | २५४८ | ब ह्दप्र | १६०३ | बाधस्व दूरे | ર |
| बहुदीर्घास . | * 3838 | | २९०४ | बह्वमित्रस्तु | २१ १९ | बाधस्व द्वेषो | #3 |
| बहुदुर्गा म | २६०२ | बहुवर्षस | #१८१३ | बह्वर्थवक्ता | १८३७, | बाधेतां दूरं | ५११ |
| न्दुपुरा म बहुदेशव | १६५६ | बहुबछीयु | २८७७ | | २३३७,२३५१ | बान्धवान्निह | २४४१ |
| ~ | ९,१७५८ | बहुवादं म | १११९ | बह्वर्थसंर | १९५४ | बान्धवा विनि | १३५९ |
| बहुधा चाभि | २८८६ | बहुःययक्ष | # २ १७१ | बह्रस्पतां च | | वाईस्पत्यं च | ७९,१४२, |
| बहुनऋझ | १२१३ | बहुब्याक्षेप | # 2040 | बहस्त्रसंयु | 2484 | 8 | , १६७, १६८ |
| बहुन च स्र | १११६ | बहु व्याहर | १६६७ | _{बहादानोऽह} | | बाईस्पत्यं चो | ८२१ |
| बहुपुत्रः प्र | | बहुवीहिय वहुवीहिय | ३ ४५ | बहायत्तं क्ष | .भ ६५५२ ५८८ | बाईस्पत्यः सु | २७२० |
| बहुपुष्पैः सु | | बहुशतम | 2666 | | ५८८ २९६ ० | बाईस्पत्यश्च | ३०५,३०९ |
| बहुबीजश | | नहुरातम नहुश्रुतः कृ | | बहायुश्चामृ वहासी स्थ | | बाहरपत्यश्च बाहरपत्ये च | १०६१ |
| बहुभाबोऽनु | | बहुश्रुतानां बहुश्रुतानां | | बहाशी चा | | _ | |
| | 1774 | -3 ે 2ળના | 11001 | बह्वाशी स्वर | .स. , <u>,</u> | वाईस्पत्यैस्त | २९१०. |

| बालं∙दुष्टं सा | १११८, | बालोऽबालः स्थ | २३९८ | बाह्यतोऽश्वैः स | ∄ २७५३ | विभेमि कर्म | ७९६ |
|------------------------|-----------------|-----------------------------|-----------------------|--------------------------|--------------|----------------------|------------------------|
| _ | १७७९ | बालो मनो न | ७३० | बाह्यद्रव्यवि | १०५० | बिभ्यत इत | ४३५ |
| बालः कुमार | २४७२ | बालो बृद्धो दी | २११३, | बह्यभाषासु | #१२६७ | बिभ्यतोऽनुप | ९१९ |
| बालदायादि | ७०२, | | २११७ | बाह्यमाभ्यन्त | १०६९, | बिभ्यत्येषां स | र १०९८ |
| , | ७४४,७४८ | बाल्यं वाऽप्यथ | ११५७ | | .२१२,२२८२ | विभ्रतां रक्त | # २४९९ |
| बालद्रव्यं ग्रा | १३९२ | बाल्यात्परं वि | २४१६ | बाह्यव्रतवि | १६६ ४ | बिभ्रत्कृष्णाजि | T १५०५ |
| बालपुत्रासु | ७४४,७४८ | बाष्पपूर्णमु | २०३५ | बाह्यश्चेद्विजि | २०१६ | बिभ्रद्दण्डाजि | ६५२ |
| बालपुत्रेषु · | # 088 | बाहुकणिक्ष | १०१४, | बाह्याङ्गुलिः | | विभ्रद्धमी ध | *2838 |
| बालवृद्धव्या | ११०५, | | १२६४ | बाह्याङ्गुलिसि | | विभ्रद् द्रापिं | हि ४ |
| १३९ | १,१७०२, | बाहुगुण्येन | # १ ४५५ | बाह्यान्कुर्याञ | २५९९ | बिम्बानि स्था | |
| | २३०४ | बाहुत्राणैः शि | १५४२ | बाह्यान्तरं च | *१०५० | | १३८४ |
| बालवृद्धातु | ७३६ | बाहुदण्डे व | २८७३ | बाह्याभ्यन्तरः | ६७६,१०५० | बिम्बोऽयं वि | धि १५१९ |
| बालवृद्धेषु | ५९६ | बाहुभङ्गे तु | २४८४, | बाह्याभ्यन्तरा | ६७६ | बिरुदार्थ कु | २१४९ |
| बालसंसेवि | १९११ | • | २९१७ | बाह्याश्च त्रिवि | १८५७ | बिलं विवेश | २०२७ |
| बालस्थान्यप्र | २११८ | बाहुभ्यां क्षत्रि | # ७९०, | बाह्याश्च मैत्रीं | प४ | बिल्खं पाद | ,, |
| बालस्याप्यर्थ | १७७० | १६१६ | ं,∉२३७९ | बाह्यभ्योऽतिब | ९२२ | बिल्बं च कुम | |
| बाला अपि की | # ₹९४० | बाहुभ्यां वै रा | २८१, | बाह्य वनोप | १४७९ | बिल्वपत्रं प्र | २८९३ |
| बाला अपि रा | १२६९, | • | १८७,२९१ | बाह्य वीध्यां प | २९८८ | बिल्बपत्रकृ | २८९४ |
| | १७४७ | बाहुभ्यां संप | २४९८ | बाह्येषु प्रति | १९१७ | बिल्वपद्मोत्प | २९१३ |
| बालातुरेषु | ६५४ | बाहुभ्यां ह्येन | ४३४ | बाह्योत्पत्तिर | १९१६ | बिल्वपादः पा | |
| बालानपि च | ८४५, | बाहुभ्यामुत्त | १३१० | बाह्निकास्तित्ति | २७०९ | बिल्बप्रभृती | ३५२ |
| [,] २४५ | .०,२८१ ५ | बाहुयुद्धं तु | ८९४ | बाह्वीकस्य प्रि | ८४३ | विल्वश्च पन | १ ૪હ ષ |
| बालानां तल | २८७५ | बाहुल्यात् ध्रुव | २०९७ | बाह्वीकेन त्व | ८४४ | बिल्वाग्निमन्थं | *१४६८ |
| बालानां मर् | २९२३ | बाहुवीयीिंज | ^२ १६२३, | बाह्लीको मातु | ,, | बिल्वाटकी य | |
| बालानां शान्ति | २९१९ | | ર ૨ ३ ७ ९ | बाह्वादिभिश्च | ૮૬૫ | बिल्व। दकी य |)) 46 |
| बालानाथस्त्री | १०३० | ਗਵਪਤੀ ਰ | ६४७ | बाह्वायत्तं क्ष | *4८८ | बिह्वाहा रः फ | * ,, ૨ ૧ ૧૫, |
| बालान्वा दुर्ब | ७२८ | बाहुश्रुत्यं त बाहू उपाव | 282 | बाह्वोर्वे धनुः | २८१ | 1414111 | ૨ ९७९ |
| बाला र्क ग्रुति | १३८२ | बाहू प्रगृह्य २८० | | बिडाल कु ब्ज | 1 | बिल्वेन च य | १२१५ |
| बालाश्चन प्र | १३४९ | बाहू में बल | १८१ | बिडाल कु ञ्जा | ,, | बिल्वेन हि बि | |
| बालाश्च नाव | १०९५ | बाहू वै मित्रा २ | | बिडालमत्ति | ५ ६२ | बिल्बोऽग्रिमन्थ | |
| बालाश्चापि की | २९४० | 118 | | बिन्दुका बिन्दु | २९९० | बिसानि खाद | २४८२ |
| बालिशात्प्राज्ञा | २०९४ | चन्ने, गर्नेण | ५६७ | बिन्दु भिर्भय | 1 | विसानि भक्ष | |
| बलिशाद्भूमि | ,, | बाहोः पुत्रेण | १३१७ | बिन्दुमात्रं क | 3866 | | २४८१ |
| बालैरासेवि | * १९११ | बाह्यं जनं 🗳 | 1 | विभीषिकाऽभि | | विसी महाबि | २२३६ |
| बालो निवार्य | १११९ | बाह्यकोपरा | २५६४ | ात्रमा।अका ः । | | बीजं भक्तेन | १३२३ |
| बालोऽपि नाव | ८११ | बाह्यकोपे स | १९५८ | A | | बीजं महागु | . २३९३ |
| बालोऽप्यबालः | *२३९८ | बाह्यतः छुब्ध | २६ ०८ | बिभ्याद् ब्रा ह्य | १०२१ | बीजक्षयक | ११२५ |
| बालोऽप्यसौ क | 282 | बाह्यतो रथि | २७५३। | बिभेद तस्य | ८५८ | बीजपूरक | १४६६,२९८३ |
| | | | | | | | - |

| बीजपूरैः स | E e/ C | बुद्धियुद्धेन | 2/20 | l agence she | | I | |
|---------------------------------|----------------------|-------------------------|-------------------|---------------------------|---------------|---|----------------------|
| वीजभोजिन: | | | | बुद्ध्वाऽऽर्यः | | बृहन्मूलो बृ | ૨ ૦५૦. |
| वीजानुपूर्व्या | | बुद्धिरुत्पद्य | | बुद्ध्वा शर्ति | | बृहस्पत आ | ३९ |
| वाजागुपूच्या वीजैः पुष्पैस्त | १६३८ | 1 | १०८१ | बुध्यते सचि | | बृहस्पतये | २७६,२९०२ |
| वागः पुग्नसः वीभत्सायै पौ | २९५१ ४१७ | बुद्धिर्बुद्धिम | १७६२, | | | बृहस्पतिं दे | १९११ |
| वागरणाय पा बुधः संपत | ४ <i>१७</i> २४९२ | | २०५२ | -2-0- | | 56, 40 | ८६,३ं५९ |
| बुध जी वसि | | 3144111 | ६४९ | | ११०८ | बृहस्पतिं व | ७९७ |
| बुधमार्गव | २४७१ | बुद्धिर्लज्जा व | २९५६ | बुध्येरन्नव | *९९२ | | ८१ |
| बुधस्य लग्नां | २४६६ | बुद्धिशक्तिरा | २०७६ | बुभुक्षाकालो | ९६५ | बृहस्पतिप्र | . ५१४ |
| उपस्य लगा बुधाश्च निर्वा | २४६९ | बुद्धिश्चिन्तय | २३९५ | बुभुजुस्ते स्व | ८५७ | बृहस्पतिरा | ³ 4२०,५२१ |
| उपान्य । पपा बुधे भौमे च | ६५० २४७२ | बुद्धि श्रेष्ठानि | १०७८ | बुभूषेद्वल | ६३०,१५०२ | बृहस्पतिरि | ¥°¥, |
| बुद्धाः खल्ज न | १२२३ | बुद्धिश्रेष्ठा हि | ६४३ | बुंहये त्क र्ष | १८८० | | २४८३ |
| बुद्धा प्रबुद्धा | 3998 | बुद्धिसंजन | | बृंहितेन ग | २७०२ | बृहस्पतिर्द | ७९ |
| बुद्धावर्थे यु | १२७६ | 2 4 | , १४७७ | बृबुं सहस्र | ३७८ | बृहस्पतिर्दे | ३५७,१४९६ |
| बुद्धि तस्याप | १०४५ १०४५ | बुद्धी कल्लप | १०४५ | बृहच ते र | २ ३ २ | बृहस्पतिर्न | २९०६ |
| बुद्धिः कर्मसु | १०३४ | बुद्धचा च शक्त्या | | बृहच्छूरार्य | १४४३ | बृहस्पतिर्ब | ७८,८०, |
| नुद्धिकौशस्य बुद्धिकौशस्य | ५० <i>५</i> ४ ७६० | बुद्ध्या चाऽऽत्मगु | - | बृहतीइव | ४१ | 26/11/19 | ₹ ४ ४,२४३५ |
| | 3 | बुद्धया चैवानु | 2000 | बृहत्कक्षा म | २९९ ७ | बृहस्पतिर्म | २ ९० ५ |
| बुद्धिक्षयक | ९६ ० | | # १३१९ | बृहत्कण्टारि | २८८१ | बृहस्पतिम ि | १०५ |
| बुद्धिखड्गस | १७६० | बुद्धचात्मके व्य | 6 80 | बृहत्कुक्षी बृ | # ₹९९७ | बृहस्पतिर्वा | २६७ |
| बुद्धिजीवनै १२५ | ५४,१७८० | बुद्धचा त्वमुश | २०२८ | वृहत्ते जालं | ५१४ | बृहस्पतिवैं | ર |
| बुद्धितो मित्र | ६१२ | बुद्धचा दाक्ष्येण | १३२४ | बृहत्पक्षं म | २७५० | | १०८, |
| बुद्धिद्वैधं वे | ६४३ | बुद्धचा बलेन | | बृहत्साम क्ष | ३३८ | | ८,३०७,३६५ |
| बुद्धिपूर्वे स्व | २३७३ | बुद्धचा बुद्धिरि | ७६२ #६२३ | बृहत्साम प्र | 99 | बृहस्पतिर्ह | ३५९ |
| बुद्धिपूर्वहि | २४१७ | बुद्धचा वुध्येदि | * 444 | बृहदश्वः कु | २९६ ४ | बृहस्पतिहिं | ५३१,७० |
| बुद्धिपौरुष | 2006 | | " | बृहदश्वस्तु | . ,, | बृहस्पतिर्हे | ৩৩ |
| बुद्धिप्रयत्नो | २४१० | बुद्धचा बोध्यानु | १७८६ | बृहदाभोग | १५१३ | बृहस्पतिस | २३५५ |
| बुद्धिमद्भिविं | | बुद्धचा भक्त्या चो | | बृहदु गायि | ४५६ | बृहस्पति स्त्वो | २४२ |
| बुद्धिमन्तं स | | बुद्धचा भवति | ७९४ | बृहद्धि जालं | 483 | बृहस्पतेः प्र | २०३ |
| बुद्धिमन्तोऽवि | | _ | \$ 8 0 ८ २ | बृहद्वलात्त | २७१३ | बृहस्पतेः स | २२८६ |
| बुद्धिमाननु | | बुद्धचाऽ वबुध्ये | १३१९ | बृहद्दलेन | | वृहस्पते प्र | ८९,४४१ |
| बुद्धिमानाहा - | | बुद्धचा संप्राप्य | ८२१ | बृहद्भिः कुञ्ज | | _ | १३६,१७३८ |
| _ | १००९ | बुद्धचा सुप्रति | | बृहद्भिरति | 1 | वृहस्पतेर वृहस्पतेर | २७९९ |
| बुद्धिमान्नीति | | - | . 1 | वृहन्तं मानं | | वृहस्पतेर्म | ६१९ |
| बुद्धिमान्मति | १६७६ | बुद्धचैवोपक | | बृहन्ति हेव | - | | ९११,१९४६ |
| बुद्धिमान्वाक्य | | बुद्ध्वाच सर्वे | १ ६७५ | | | | ५५६,१२५५ ५५६,१२५५ |
| बुद्धिमान्बीक्षि | ६६० | बुद्ध्बाऽर्थशास्त्रा * | १५३५, | बृहन्ने षाम | | _{ट्रि} रारञ्जरा बोधयन्तः प्रि | १२७९ |
| बुद्धिमास्थाय | ६४२ | | | वृह न्मित्रस्य | | नाय परा । न बोधयेत्कार | १२६७ |
| | | | | • | *** | 7 7 / 7/1 | 7 740 |

| नीद्धर्सचितं १११८ व्रह्मचर्यं च ८०२ व्रह्मणे व्राह्म ४११ व्रह्मचर्यं त ६०८,१०३५ व्रह्मणे राजा ३६० व्रह्मचर्यं त ६०८,१०३५ व्रह्मणे राजा ३६० व्रह्मचर्यं त ६०८,१०३५ व्रह्मणे स्वाहे १९८ व्रह्मचर्यं त ६०८,१०३५ व्रह्मणे स्वाहे १९८ व्रह्मणे १८२ | * . · · · · · · · · · · · · · · · · · · | - ' | | | | | | |
|---|---|---------------|-----------------|-------------|-------------------|-----------------------|--|----------------|
| निहादयो न ११२० व्यावये त ६०८,१०३५ व्यावणे राजा ३६० व्यावये वे २४३६ व्यावणे राजा ३६० व्यावये वे २४३६ व्यावणे राजा ३६० व्यावये वे २४३६ व्यावणे राजा ३६० व्यावये वे २४३६ व्यावणे १९८ व्यावणे १९८ व्यावणे १८३० व्यावणे १८४० व्यावणे १ | बोधयेयुः प्र | | | १०५९ | ब्रह्मणे ब्रह्म | २९०५ | ब्रह्मपुरस्ता | २११,२१५, |
| त्रवीति मधु २०२६ त्रवाचये वे २४२६ त्रवाणे साहे १९८ त्रवाणे साहे १९८ त्रवाणे साहे १९८ त्रवाणे १०१ त्रवाणे १०१ त्रवाणे १०१ त्रवाणे १०१ त्रवाणे १०१ त्रवाणे १०१ त्रवाणे १०१ त्रवाणे १०१ त्रवाणे साहे १९८ त्रवाणे १०१ त्रवाणे १०१ त्रवाणे १०१ त्रवाणे १०१ त्रवाणे १०१ त्रवाणे साहे १९८ त्रवाणे १९८ त्रवाणे साहे १९८ त्रवाणे साहे १९८ त्रवाणे १९८ त्रवाणे साहे १९८ त्रवाणे १९८ त्रवाणे १९८ त्रवाणे १९८ त्रवाणे १९८ त्रवाणे १९८ त्रवाणे १९८ त्रवाणे १९८ त्रवाणे १९८ त्रवाणे १९८ त्रवाणे १९८ त्रवाणे १९८ त्रवाणे १९८ त्रवाणे १९८ त्रवाणे १९८ त्रवाणे १९८ त्रवाणे १९८ त्रवाणे | बौद्धसंचितं | | | | | ४१३ | | • ३३२ |
| न्नवीति यदि १८८८ न्नसचर्यमा १६३० न्नसचित १६१० न्नसचर्या १६३० न्नसचित १८८८ न्नसचर्या १८३० न्नसचर्या १८३० न्नसचर्या १८३० न्नसचर्या १८३० न्नसचर्या १८३० न्नसचर्या १८३० न्नसचर्या १८३० न्नसचर्या १८३० न्नसचर्या १८३० न्नसचर्या १८३० न्नसचर्या १८३० न्नसचर्या १८३० न्नसचर्या १८३० न्नसचर्य १८४ | | | | | | ३६० | ब्रह्म प्रथम | २९८ |
| त्रवीष्ठ सर्ग २०१० त्रवाचर्याश ५८२ त्रवाचेवेत २५५,३०३ त्रवाचेवेष १०२, त्रवाचेवेष १०२, त्रवाचेवेष १०२, त्रवाचेवेष १०२, त्रवाचेवेष १०२, त्रवाचेवेष १०२० त्रवाचेवेष १०२० त्रवाचेवेष १००० त्रवाचेवेवे १००० त्रवाचेवे १००० त्रवाचेवेवे १००० त्रवचेवेव | | | | | | १९८ | ब्रह्म प्रपद्ये | १९७ |
| न्नसीमि तां तु | | | I . | | | ४१२ | ब्रह्मप्रसूतं | १६१३ |
| त्रवीमि हत्त , , , , , , , , , , , , , , , , , , | | २०१० | | | | २५५,३०३ | ब्रह्म ब्रह्मचा | १०६ |
| त्रवीमि हत्त | | #२०१० | ब्रह्मचयेण | - | | २७६,२७७ | ब्रह्म भ्राजदु | २९० ६ |
| त्रवीयेष स्व २०४९ त्रहाचयों स्व २९६२ त्रहाणों द्विप १८४७ त्रहामृत्यू च १०७ त्रहाचुंचेन ३००१ त्रहाच्योंप २०१० त्रहाणों द्विप वर्षणे त्रहाचांप ए ५६२, त्रहाचां प ५६२, त्रहाचां प ५६२, त्रहाणों च ५०० त्रहाणां च ५०० त्रहाचाणां च ५०० त्रहाचां च ५०० त्र | | . ,, | | | | ३४१ | - | |
| त्रसंचिष मधु | | २०४९ | 1 | २९६२ | , , , , | १८४७ | 1 | 8040 |
| ब्रह्मचूर्चन ३००१ ब्रह्मचारिणः ८६९ व्रह्मणो मान १६१५ व्रह्मचारी प्र ५६२, व्रह्मणो मान १६१५ व्रह्मचारी प्र ५६२, व्रह्मणो मान १६१५ व्रह्मचारी प्र १९५० व्रह्मचारी प्र १ | ब्रवीषि मधु | #२०२९ | 1 | | | ७२८ | | |
| नहा कावनतो ५९ नहा चारी य ५६२, तहा धात्रं च ६९९ नहा धात्रं च ६९९ नहा धात्रं च ६९९ नहा धात्रं च ६९९ नहा धात्रं च ६९९ नहा चेव घ ६९७ नहा चोत्रं च ६९९ नहा चेव घ ६९७ नहा चोत्रं च ५२६ नहा चोत्रं च ६९७ नहा चोत्रं च ५२६ नहा चोत्रं च ५२६ नहा चोत्रं च ५२६ नहा चोत्रं च ५२६ नहा चोत्रं च ५२६ नहा चोत्रं च ५२६ नहा चोत्रं च ५२६ नहा चोत्रं च ५२६ नहा चोत्रं च ५२६ नहा चोत्रं च ५२६ नहा चोत्रं च ५२६० नहा चेत्रं च ५२६० नहा चेत्रं च ५२६० नहा चेत्रं च ५२६० नहा चोत्रं च ५२६० नहा चेत्रं च ५२६० नहा च ५२६० नहा च ५२६० नहा च ५२६० नहा च ५२६० नहा च ५२६० नहा च | ब्रह्मकूर्चेन | ३००१ | 1 | | ब्रह्मणो मान | १६१५ | . • | |
| नसं सत्ते प ३४९ नसंचारी च ३९७ नसंचारी च ३९७ नसंचारी न ५८५ नसंचारे प ६६९ नसंचारी न ५८५ नसंचारे प ६६९ नसंचारे प ६६९ नसंचारे प ६६९ नसंचारे प ६६९ नसंचारे प १८६ | ब्रह्म कृण्वन्तो | ५९ | ब्रह्मचारी गृ | | ब्रह्मणो मुख | १६१६ | ब्रह्मयागं प्र | २८५६ |
| ब्रह्मसत्त्रं पु ७२८ व्रह्मचारी त्र ५८५ व्रह्मचार्त्रं पु ६६४ व्रह्मचात्रं पु १६४६ व्रह्मचात्रं पु १६४६ व्रह्मचात्रं पु १६४५ व्रह्मचात्रं पु १४४५ व्रह्मचात्रं पु १४४५ व्रह्मचात्रं पु १४४५ व्रह्मचात्रं पु १४४५ व्रह्मचात्रं पु १४४५ व्रह्मचात्रं पु १४४५ व्रह्मचात्रं पु १४४५ व्रह्मचात्रं पु १४४५ व्रह्मचात्रं पु १४४५ व्रह्मचात्रं पु १४४५ व्रह्मचात्रं पु १४४५ व्रह्मचात्रं पु १४४५ व्रह्मचात्रं पु १४४५ व्रह्मचात्रं १४४५ व्रह्मचात्रं १४४५ व्रह्मचात्रं १४४५ व्रह्मचात्रं १४४५ व्रह्मचात्रं १४४५ व्रह्मचात्रं १४४५ व्रह्मचात्रं १४४५ व्रह्मचात्रं १४४५ व्रह्मचात्रं १४४५ व्रह्मचात्रं १४४५ व्रह्मचात्रं १४४५ व्रह्मचात्रं १४४५ व्रह्मचात्रं १४४५ व्रह्मचात्रं १४४५ व्रह्मचात्रं १४४५ व्रह्मचात्रं १४४५ व्रह्मचचात्रं १४४५ व्रह्मचचात्रं १४४५ व्रह्मचचात्रं १४४५ व्रह्मचचात्रं १४४५ व्रह्मचचचात्रं १४४५ व्रह्मचचचच्यात्रं १४४५ व्रह्मचचचचच्यात्रं १४४५ व्रह्मचचचचचचचचचचचचचचचचचचचचचचचचचचचचचचचचचचच | ब्रह्म क्षत्रं च | ६०९ | | | ब्रह्मणो वा ए | ४८० | ब्रह्मयागवि | २८५६, |
| ब्रह्मसंत्रं पु ७२८ वहाणी व ५८५ वहाणी हि स ३४९ वहाणी हि स ३४५ वहाणी हि स ३४९ वहाणी हि स ३४५ वहा | ब्रह्म क्षत्रं प | ३४९ | 1 | ३९७ | | ३४६ | | २८५ ७ |
| ब्रह्मसंत्रं सं ६३१ व्रह्म चैव घ ६९० व्रह्मणो हि सा ३४९ व्रह्मराशिं सं २४५ व्रह्मसंत्रम ५९३ व्रह्मसंत्रम ५९३ व्रह्मसंत्रम ५९३ व्रह्मसंत्रम १६२४ व्रह्मसंत्रम १६२३ व्रह्मणा संत्रमं १६२३ व्रह्मसंत्रम १६२३ व्रह्मणा संत्रमं १६२० व्रह्मसंत्रमं १६२० व्रह्मसंत्रमं १६२० व्रह्मसंत्रमं १६२० व्रह्मणा संत्रमं १६२० व्रह्मसंत्रमं १६२० व्रह्मसंत्रमं १६२० व्रह्मणा संत्रमं १८३० व्रह्मसंत्रमं १६२० व्रह्मसंत्रमं १६२० व्रह्मसंत्रमं १६२० व्रह्मसंत्रमं १८२० व्रह्मणा संत्रमं १८२० व्रह्मसंत्रमं १८२० व्यक्षमं १८२० व्रह्मसंत्रमं १८२० व्रह्मसंत्रमं १८२० व्यक्षमं १८२० व्रह्मसंत्रमं १८२० व्रह्मसंत्रमं १८२० व्रह्मसंत्रमं १८२० व्रह्मसंत्रमं १८२० व्रह्मसंत्रमं १८२० व्रह्मसंत्रमं १८२० व्रह्मसंत्रमं १८२० व्रह्मसंत्रमं १८२० व्रह्मसंत्रमं १८२० व्रह्मसंत्रमं १८२० व्यक्षमं १८२० व्रह्मसंत्रमं १८२० व्रह्मसंत्रमं १८२० व्रह्मसंत्रमं १८२० व्रह्मसंत्रमं १८२० व्रह्मसंत्रमं १८२० व्रह्मसंत्रमं १८२० व्रह्मसंत्रमं १८२० व्रह्मसंत्रमं १८२० व्रह्मसंत्रमं १८२० व्रह्मसंत्रमं १८२० व्रह्मसंत्रमं १८२० व्रह्मसंत्रमं १८२० व्रह्मसंत्रमं १८२० व्रह्मसंत्रमं १८२० व्रह्मसंत्रमं १८२० व्रह्मसंत्रमं १८२० व्रह्मसंत्रमं १८२० व्रह्मसंत्रमं १८०० व्र | ब्रह्मश्चत्रं पु | ७२८ | | ५८५ | ब्रह्मणोऽस्य त | ४६६ | ब्रह्मराजन्या | ४१३ |
| ब्रह्मसंत्रम | ब्रह्मक्षत्रं सं | ६३१ | ब्रह्म चैव ध | ६९७ | | ३४९ | | २४९१ |
| ब्रह्मसत्रम | ब्रह्मक्षत्रं हि | १६१८ | ब्रह्मजज्ञान | २८५६ | ब्रह्मणो हि जा | ४२६ | ब्रह्मराशिर्वि | 42408 |
| ब्रह्मस्त्रम १६२४ व्रह्मस्त्रम १६२३ व्रह्मस्त्रम १६२३ व्रह्मस्त्रम १६२३ व्रह्मस्त्रम १६२३ व्रह्मस्त्रम १६२० व्रह्मस्त्रम १६२० व्रह्मस्त्रम १६२० व्रह्मस्त्रम १६२० व्रह्मस्त्रम १६२० व्रह्मस्त्रम १६२० व्रह्मस्त्रम १६२० व्रह्मस्त्रम १६२० व्रह्मस्त्रम १६२० व्रह्मस्त्रम १८४०, २८३२, २८३०, २८३०, २८३०, २८३०, २८३०, २८३०, २८३०, २८३०, २८३०, २८३०, २८३०, २८३०, २८३०, २८३०, २८३०, व्रह्मस्त्रम १८३०, व्रह्मस्त्रम १८०, वर्षस्त्रम १८०, व | ब्रह्मक्षत्रप्र | | ब्रह्म जज्ञान | | ब्रह्मण्य इति | १०९५ | 1 | |
| ब्रह्मश्चर्तिम १६२६ वृह्मण एव ३४९ वृह्मण्या व द २८२८ वृह्मण्या व द २८२४ वृह्मण्या व द २८२८ वृह्मण्या व द २८२४ वृह्मण्या व द २८२४ वृह्मण्या व द २८२४ वृह्मण्या व द २८ | ब्रह्मश्रत्रम | * १२४५ | | | ब्रह्मण्यनुप् | ५५५ | | 239 6 |
| ब्रह्मक्षत्राव | ब्रह्मश्रत्रमि | १६२३ | 1 | | ब्रह्मण्यश्चावि | | 1 | ११०० |
| बहाक्षत्रस्य १६१८ व्यक्षक्षत्रस्य १६१८ व्यक्षक्षत्रस्य १६१८ व्यक्षक्षत्रस्य १६१८ व्यक्षक्षत्रस्य १६१८ व्यक्षक्षत्रस्य १६१८ व्यक्षक्षत्रस्य १६९८ व्यक्षक्षत्रस्य १६९८ व्यक्षक्षत्रस्य १६९८ व्यक्षक्षत्रस्य १६९८ व्यक्षक्षत्रस्य १६९८ व्यक्षक्षत्रस्य १६९८ व्यक्षक्षत्रस्य १६९८ व्यक्षक्षत्रस्य १६९८ व्यक्षक्षत्रस्य १६९८ व्यक्षक्षत्रस्य १९८२ व्यक्षक्षत्रस्य १९८२ व्यक्षक्षत्रस्य १९८२ व्यक्षक्षत्रस्य १९८२ व्यक्षक्षत्रस्य १९८२ व्यक्षक्षत्रस्य १९८२ व्यक्षक्षत्रस्य १९८२ व्यक्षक्षत्रस्य १९८२ व्यक्षक्षत्रस्य १९८२ व्यक्षक्षत्रस्य १९८२ व्यक्षक्षत्रस्य १९८२ व्यक्षक्षत्रस्य १९८२ व्यक्षक्षत्रस्य १९८२ व्यक्षक्षत्रस्य १८९० व्यक्षक्य १८९० व्यक्षक्षत्रस्य १८९० व्यक्षक्षत्रस्य १८९० व्यक्षक्षत्रस्य १८९० व्यक्षक्षत्रस्य १८९० व्यक्षक्षत्रस्य १८९० व्यक्षक्षत्रस्य १ | ब्रह्मक्षत्रवि । | #१६१७, | 1 | | ब्रह्मण्याच्द | २८२८ | 1 | ७४६ |
| ब्रह्मक्षत्रस्य १६१८ व्रह्मक्षत्रिय १४९४,२८३३, व्रह्मक्षत्रिय १४९४,२८३३, २८३०,२८३८, २८३०,२८४३, व्रह्मण्यद्वि स २४१४ व्रह्मण्यद्वि स २४१४ व्रह्मण्यद्वि स २४१४ व्रह्मण्यद्वि स २४१४ व्रह्मण्यद्वि स २४१४ व्रह्मण्यद्वि स २४१४ व्रह्मण्यद्वि स २४१४ व्रह्मण्यद्वि स २४१४ व्रह्मण्यद्वि स २४१४ व्रह्मण्यद्वि स २४१४ व्रह्मण्यद्वि स २४१४ व्रह्मण्यद्वि स २४१४ व्रह्मण्यद्वि स २४१४ व्रह्मण्यद्वे स १४०० व्रह्मण्यद्वे स १४०० व्रह्मण्यद्वे स १४०० व्रह्मण्यद्वे स १४०० व्रह्मण्यद्वे स १४०० व्रह्मण्यद्वे स १४४० व्रह्मण्यद्वे स १४४० व्रह्मण्यद्वे स १४४० व्रह्मण्यद्वे स १४४० व्रह्मण्यद्वे स १४४० व्रह्मण्यद्वे स १४४० व्रह्मण्यद्वे स १४४० व्रह्मण्यद्वे स १४४० व्रह्मण्यद्वे स १४४० व्रह्मण्यद्वे स १४४० व्रह्मण्यद्वे १४४४ व्रह्मण्यद्वे १४४० व्रह्मण्यद्वे १४४४ व्रह्मण्यद्वे १४४० व्रह्मण्यद्वे १४४४ व्रह्मण्यद्वे | | २८९८ | ર | | ब्रह्मण्यो दान | | | * \$ && |
| ब्रह्मक्षत्रिय १४९४,२८३३, व्रह्मण्ये प्रस्त विद्या १६६२ व्रह्मक्षत्रिय १४९४,२८३३, २८३८, २८४०, २८३८, २८४०, २८४२, २८४३ व्रह्मणस्ता ते ४११ व्रह्मणस्ता ते ४११ व्रह्मणस्ता ते ४११ व्रह्मणस्ता ते ४११ व्रह्मणमा वा ७२ व्रह्मण्या वा ५८९३, व्रह्मणा विभि २८९३, व्रह्मणा वा स २८९० व्रह्मणा वा स २८९० व्रह्मणा वा स २८९० व्रह्मणा वा स २८९० व्रह्मणा वा स २८९० व्रह्मणा वा स २८९० व्रह्मणा वा स २८९० व्रह्मणा वा स २८९० व्रह्मणा वा स २८९० व्रह्मणा वा स २९५० व्रह्मणा वा स २९६० व्रह्म | ब्रह्मक्षत्रस्य | १६१८ | | ।५४५,२८९२ | ब्रह्मण्योऽयं पु | * १०९ ३ | | ४२० |
| त्रहाणस्वय २९६८ व्रहाणस्वय २९६८ व्रहाणस्वय २९६८ व्रहाणस्वय २९६८ व्रहाणस्वय स २४१४ व्रहाणस्वय स २४१४ व्रहाणस्वय स २४१४ व्रहाणस्वय ते ४११ व्रहाणस्वय ते ४११ व्रहाणमात्री वा ७२ व्रहाण्य स्वर्धने उ २०० व्रहाण्य विमान २८९३, व्रहाच्य सर्व १९६२ व्रहाच्य प्रभू व्रहाच्य सर्व १९६२ व्रहाच्य प्रभू व्रहाच्य सर्व १९६२ व्रहाच्य प्रभू व्रहाच्य स्वर्धने १९६२ व्रहाण्य सर्व १९६२ व्रहाण्य सर्व १९६२ व्रहाण्य सर्व १९६२ व्रहाण्य सर्व १९६२ व्रहाण्य सर्व १९६२ व्रहाण्य सर्व १९६२ व्रहाण्य सर्व १९६२ व्रहाण्य सर्व १९६२ व्रहाण्य सर्व १९६२ व्रहाण्य स्वर्धने १९६२ व्रहाण्य सर्व १९६२ व्रहाण्य सर्व १९६२ व्रहाण्य सर्व १९६२ व्रहाण्य सर्व १९६२ व्रहाण्य सर्व १९६२ व्रहाण्य सर्व १९६२ व्रहाण्य सर्व १९६२ व्रहाण्य सर्व १९६२ व्रहाण्य सर्व १९६२ व्रहाण्य सर्व १९६२ व्रहाण्य सर्व १९६२ व्रहाण्य सर्व १९६२ व्रहाण्य सर्व १९६२ व्रहाण्य सर्व १९६२ व्रहाण्य सर्व १९६२ व्रहाण्य सर्व १९६२ व्रहाण्य सर्व १९६२ व्रहाण्य सर्व १९६२ व्रहाण्य सर्व व्रहाण्य सर्व १९६२ व्रहाण्य सर्व १९६२ व्रहाण्य सर्व १९६२ व्रहाण्य सर्व १९६२ व्रहाण्य सर्व १९६२ व्रहाण्य सर्व १९६२ व्रहाण्य सर्व व्रहाण्य सर्व १९६२ व्रहाण्य सर्व १९६२ व्रहाण्य सर्व १९६२ व्रहाण्य सर्व १९६२ व्रहाण्य सर्व १९६२ व्रहाण्य सर्व १९६२ व्रहाण्य सर्व व्रहाण्य सर्व १९६२ व्रहाण्य सर्व १९६२ व्रहाण्य सर्व १९६२ व्रहाण्य सर्व व्रहाण्य सर्व १९६२ व्रहाण्य सर्व १९६२ व्रहाण्य सर्व १९६२ व्रहाण्य सर्व १९६२ व्रहाण्य सर्व १९६२ व्रहाण्य सर्व १९६२ व्रहाण्य सर्व १९६२ व्रहाण्य सर्व १९६२ व्रहाण्य सर्व १९६२ व्रहाण्य सर्व व्रहाण्य सर्व १९६२ व्रहाण्य सर्व १९६२ व्रहाण्य सर्व १९६२ व्रहाण्य सर्व १९६२ व्रहाण्य सर्व १९६२ व्रहाण्य सर्व १९६२ व्रहाण्य सर्व १९६० व्रहाण्य सर्व | ब्रह्मक्षत्रिय १४९४ | ,२८३३, | | · · | व्रह्मण्योऽयं स | " | | १६२२ |
| बहाणस्ता स २४१४ व्रह्मतेजोम ६८२ व्रह्म वा अग्निः २८ व्रह्म वा अग्निः २८ व्रह्म वा अग्निः २८ व्रह्म वा अग्निः २८ व्रह्म वा अग्निः २८ व्रह्म वा अग्निः २८ व्रह्म वा अग्निः २८ व्रह्म वा अग्निः २८ व्रह्म वा अग्निः २८ व्रह्म वा अग्निः २८ व्रह्म वा अग्निः २८ व्रह्म वा अग्निः २८ व्रह्म वा अग्निः २८ व्रह्म वा अग्निः २८ व्रह्म वा अग्निः २८ व्रह्म वा एप १९ व्रह्म वा प १९ व्रह्म वा वा एप १९ व्रह्म वा वा एप १९ व्रह्म वा वा एप १९ व्रह्म वा वा एप १९ व्रह्म वा वा एप १९ व्यू वा वा प १९ व्रह्म वा वा वा वा वा वा वा वा वा वा वा वा वा | | ٠, | | | | ३५७ | | ६३८ |
| त्रहाणाश्चा ते ४११ व्रह्मित्रदश १४७९ व्रह्म वा इद ३५४,४३ व्रह्माव्यक्ष १९५ व्रह्माव्यक्ष १९५ व्रह्माव्यक्ष १९५ व्रह्माव्यक्ष १९६ व्रह्माव्यक्ष १९६ व्रह्माव्यक्ष १९६ व्रह्माव्यक्ष १९६ व्रह्माव्यक्ष १९६ व्रह्माव्यक्ष १९६ व्रह्माव्यक्ष १९६ व्रह्माव्यक्ष १९६ व्रह्माव्यक्ष १९६ व्रह्माव्यक्ष १९६ व्रह्माव्यक्ष १४४४ व्यक्ष १४४४ | • • | | _ | २४१४ | ब्रह्मतेजोम | ६८२ | | २८२ |
| ब्रह्मक्षत्रे अ १९५ व्रह्मणामी वा ७२ व्रह्मत्व सर्व *१६१७ व्रह्मवा एप १९ व्रह्मत्व के २२० व्रह्मणामी वा २८९३, व्रह्मत्व सर्व *१६१७ व्रह्मत्व सर्व क्षत्र व्या एप १९ व्रह्मत्व के २२० व्रह्मणा वा सं २९४५ व्रह्मत्व सर्व क्षत्र व्या एप १९ व्रह्मत्व सर्व क्षत्र व्या एप १९ व्रह्मत्व सर्व क्षत्र व्या एप १९ व्रह्मत्व सर्व क्षत्र व्या एप १९ व्रह्मत्व सर्व क्षत्र व्या एप १९ व्रह्मत्व सर्व क्षत्र व्या एप १९ व्रह्मत्व सर्व क्षत्र व्या एप १९ व्या १९ व्या एप १९ व्या एप १९ व्या एप १९ व्या एप १९ व्या एप १९ व्या एप १९ व्या एप १९ व्या एप १९ व्या एप १९ व्या एप १९ व्या एप १९ व्या एप १९ व्या एप १९ व्या एप १९ व्या एप १९ व्या एप १९ व्या एप १९ व्या एप १९ व्या प्या प्या प्या प्या प्या प्या प्या प | | | | ४११ | ब्रह्मत्रिद्श | १४७९ | | |
| ब्रह्मक्षत्रे क २२० ब्रह्मणा निर्मि २८९३, ब्रह्मदण्डम १९१३ व्रह्मवित्तस्य २६० व्रह्मक्षत्रे क २०१५ व्रह्मणा या स २८९० व्रह्मणा या स २८९० व्रह्मणा या स २८९० व्रह्मणा व्राक्तं १४७ व्रह्मणा व्राक्तं १४७ व्रह्मणा व्राक्तं १८७० व्रह्मणा व्राक्तं १८७० व्रह्मणा व्राक्तं १८७० व्रह्मणा सिर्हे १८५५ व्रह्मणा स्वाम् ८३९ व्रह्मणा स्वाम् ४३९ व्रह्मणा स्वाम् | | | | 1 | | *१६१७ | ब्रह्म वा एष | १९८ |
| बहा क्षत्रेण ५५५,०६९९, ७८९ ब्रह्मणा या स २८९९ ब्रह्मणा या स २८९० व्रह्मचियां या स २८९० व्रह्मचयं या स २८०० व्रह्मच्यां या स २८०० व्रह्मच्यां या स २८०० व | | | ब्रह्मणा निर्मि | .,, | | १९१३ | | २६ ०६ |
| त्रहाणा या स २८९९ व्रह्माणा या स २८९९ व्रह्माणा या स २८९९ व्रह्माणा या स २८९९ व्रह्माणा या स २४९० व्रह्माणा या स २४९० व्रह्माणा या स २४९० व्रह्माणा या स २४९० व्रह्माणा या स २४९० व्रह्माणा या स २४९० व्रह्माणा या स २४९० व्रह्माणा या स २४९० व्रह्माणा या स २४९० व्रह्माणा या स २४९० व्रह्माणा या स २४९० व्रह्माणा या स २४९० व्रह्माणा या स २४९० व्रह्माणा या स २८९० व्रह्माणा या स २९०० व्रह्माणा या स २९०० व्रह्माणा या स २९०० व्रह्माणा या स २९०० व्रह्माणा या स २९०० व्रह्माणा या स २९०० व्रह्माणा या स २९०० व्रह्माणा या स २९०० व्रह्माणा या स २९०० व्रह्माणा या स २९०० व्रह्माणा या स २९०० व्रह्माणा या स २९०० व्रह्माणा या स २९०० व्रह्माणा या स २९०० व्रह्माणा या स २९०० व्रह्माणा या स २००० व्रह्माणा या स २००० व्रह्माणा या स २००० व्रह्माणा या स २००० व्रह्माणा या स २००० व्रह्माणा या स २००० व्रह्माणा या स २००० व्रह्माणा या स २००० व्रह्माणा या स २००० व्रह्माणा या स २००० व्रह्माणा या स २००० व्रह्माणा या स २००० व्रह्माणा या स २००० व्रह्मा | | | | | | | ब्रह्मविद्यां ब्र | * २४३६ |
| ब्रह्मश्चे द्वि २८४८ वहाणा लोक ६१७ वहाणा लोक वहाणा लोक वहाणा लोक वहाणा लोक वहाणा लोक वहाणा लोक वहाणा होते वहाणा होते वहाणा होते वहाणा होते वहाणा होते वहाणा होते वहाणा होते वहाणा होते वहाणा होते वहाणा होते वहाणा होते वहाणा होते वहाणा होते होते वहाणा होते होते वहाणा होते होते होते होते होते होते होते होते | Na 4144 111 | | ब्रह्मणा या स | 40 22 | | ८९८ | ब्रह्मविद्याक | १४७८ |
| ब्रह्म ख़िल्ल वे २११,२१५ ब्रह्मणा शालां ४०४ व्रह्मियो नि २३९७ व्रह्मिविष्णुम २८७४,२८६ व्रह्मणा सिंह २९५५ व्रह्मन् २९८,२९९ व्रह्मिविष्णुम २८७४,२८६ व्रह्मिविष्णुम २८७४,२८६ व्रह्मिविष्णुम २८७४,२८६ व्रह्मिविष्णुम २८७४,२८६ व्रह्मिविष्णुम २८७४,२८६ व्रह्मिविष्णुम २८७४,२८६ व्रह्मिविष्णुम २८७४,२८६ व्रह्मिविष्णुम २८७४,२८६ व्रह्मिविष्णुम २८७४,२८६ व्रह्मिविष्णुम २८७४,२८६ व्रह्मिविष्णुम २८७४,२८६ व्रह्मिविष्णुम २८७४,२८६ व्रह्मिविष्णुम २८७४,२८६ व्रह्मिविष्णुम २८७४,२८६ व्रह्मिविष्णुम २८७४,२८६ व्रह्मिविष्णुम २८७४,२८६ व्रह्मिविष्णुम २८७४,२८६ व्रह्मिविष्णुम २८७४,२८६ व्रह्मिविष्णुम २८७४,२८६६ व्रह्मिविष्णुम २८७४,२८६६ व्रह्मिविष्णुम २८७४,२८६६ | ब्रह्मक्षेत्रे दि | | ब्रह्मणा लोक | 4101 | | | | |
| ब्रह्मणी प ३९९ ब्रह्मणा सिंह २९५५ 'ब्रह्मन्' इत्येव २९८,२९९ ब्रह्मचिष्णुय | _ | | | ४०४ | ब्रह्मद्विषो नि | 23000 | | |
| ब्रह्मधोषस्य २८६२ व्रह्मणा स्वामि ८३१ व्रह्म पर्यच १४४५ व्रह्मविष्ण्वीश २८५ व्रह्मधोषस्य १४४४ व्रह्मणि खळ २१३ व्रह्मणा हि.स. २०१ व्रह्मणा हि.स. २०१ व्यक्त प्रति | | ןייייוי | | २९५५ | 'ब्रह्मन्' इत्येव | | | |
| ब्रह्मघोषस्व १४४४ ब्रह्मणि खळ २१३ ब्रह्मपुत्रो म ८२४ ब्रह्मवीर्थे मृ २३९ | | | | | _ | 1 | यक्षावण्युय राह्यक्रिक् टर | *२८९५ |
| अल्पापस्य १०६० वहाणि हि.स. २०१ वहा गाउँ । | | | | 1 | | 1 | यका यीके | २८७३ |
| अवान उ | | 3 1 | | Ł | | | यहायको - | २३९६ |
| | 46.41 3. | • • • | | , ,, | 3.117 | 120 | મલકુલા ર | १६१९ |

| ब्रह्म वै क्षत्रा | ४३५ ब्रह्माणमग्र | २४९८ | محت شعب | | | |
|--------------------------------|---|---------------------------|----------------------------------|----------------|--------------------------|-----------------|
| ब्रह्म वै गाय | ४६६ ब्रह्माणमन्त | २१८१ २१८१ | ब्राह्मं प्राप्तेन | | , ब्राह्मणस्त्वब्र | ६२६ |
| ब्रह्म वैपला २५५, | | ६४७ | | ७८५,८६६ | 1 | ७४२ |
| | १६६, ब्रह्माणी पूर्व | २४७४ | 1.00 | ३९७,४२४ | 1 | ५७९, |
| [ૄ] ર ૨ ७६, | | | 1 | • | 1 * | १५८५,७२८ |
| • | १९८ ब्रह्मा त्वो वद | _ | ब्राह्मणं च पु | १६१३ | 1 | २६५८ |
| • | ११० ब्रह्माददाव | १५०५ | ब्राह्मणं जाति | • • | | १०४९, |
| | २१५ ब्रह्मादिभिः प | | ब्राह्मणं तु प्र ब्राह्मणं दश | १२५४ | | * १६१७ |
| | ०२७ ब्रह्मादीनां च | <i>₹४७७</i> | त्रासणं न ह | ६४७ | | .८५,२७६० |
| | ५५७, ब्रह्माऽध्यायस | ५३७७ ५३४ | अालण न ह | १११६, | | १०९६ |
| | ९८० ब्रह्मा३न् त्वः | | | १११९ | 1 | १८१२ |
| | ४२० ब्रह्मा पिताम | | ब्राह्मणं नैव | ७ ३ ७ | ब्राह्मणस्याप | ९५६ |
| | 9×8 | *६१८, ६२१ | ब्राह्मणं पात्रे | ४२८ | ब्राह्मणस्यापि | १०५२, |
| ब्रह्मस्वं नैव 🐞 | 797. | | ब्राह्मणं पुरो | •१६१३ | | २७९१ |
| ब्रह्मस्वं प्रण | | ६१८ | ब्राह्मणं मे पि | • • • • | ब्राह्म णस्याभि | *१३ ०६ |
| - 00 | ,, ब्रह्मा ब्रह्मत्व | ₹00₹ | ब्राह्मणं श्रुत नामणः स्टि | १८३० | ब्राह्मणस्याऽऽहि | # १८१२ |
| | १२८ ब्रह्मा ब्रह्माण्डा १४१ ब्रह्मा यियक्ष | , , , | ब्राह्मणः कुपि | •१०३५ | 1 | . ५८५ |
| | 1 | 1,1,5 | ब्राह्मणः प्रच | २३८० | ब्राह्मणस्थेव | 4 |
| | १०६ ब्रह्मा विष्णुश्च ०६६ | 7004.1 | त्राह्मण: संज त्राह्मणकृत्प | ४२४ | व्राह्म णस्थै ष | " |
| \ | . 1 | ८८४,२९८४ | मासणपरस्य ब्राह्मणश्चनि | २०४ | ब्राह्मणस्वा नि | १०३६, |
| * | 7901 7 7101 | . १३५८ | | ७५२, | | २९२८ |
| | 0.3 | १५२२ | | ३३,१२७१, | ब्राह्म णस्वा न्य | २७५५ |
| ब्रह्महत्याफ २६७०,२७ | ्रा अलास्त्रण त्व | २७६ ० | 54 | 1 | ब्राह्मणांश्चापि | ६२४ |
| | । तलारमम् यस | ₹४४ ॄ | ब्राह्मण प्रति | | ब्राह्मणांस्तर्प | ११०१ |
| - 33 | ^{४२} ब्रह्मा स्वयंभू | | गालग त्रात बाह्मणत्रभ | | ब्राह्मणांस्तु त | ११२० |
| | ^{७९} ब्रह्माहमन्त [े] | 2000 | गहा गत्रम् गहा गत्रम् | | बाह्मणाः क्षत्रि | २३५७ |
| _ | ^{४२} ब्रह्मा हि यज्ञं | २९६, | | | व।हाणां विज | ११५६ |
| ब्रह्म हिबृह ११३,२६ | देश | | ८ २८, ९६ बिगप्रव | | त्राह्मणानां क | ७४२ |
| - 0 0 | १३ ब्रह्मिष्ठानां व | | ासणम जः | | | ८०,७९३ |
| • | ब्रहोदमन्य | 1 | _ | | गःह्मणानां क्षि | ७४१ |
| ब्रह्म हियज्ञः २६ | ४ वहोद्धावमी | | ासणश्च रा | | गहाणानां ग | २७९० |
| ब्रह्मा चेद्धस्त ३० | उ ब्रह्मेव स्थिरो | ı | ।सणश्च [्] रा | ४५४ | ।हाणानां च | ५५१, |
| व्रह्मा जनार्द ८२ | 1 | , '1 | ।लगश्च रू ।हाणश्चेद | ४२३ | ६०१,६० | |
| _• . | 1.00 1.110 | • ., | | १३१० | | ર ,१३१५, |
| | ९ व्रह्मैव च ध | ` | सणस्चैव | ७१९, | | ,,,,,, #3803 |
| **** | २ ब्रह्मेव तद्य | ४६६ | | ७,१३५८ | ाह्मणानां त | |
| | ९ ब्रह्मैव संनि ६९ | ८,२३९६ ^{ब्राह} | सणस्तु कृ | १३५८ | · 5- 11-11 M | ७४२, १०५२ |
| ा सर ३८६ | ६ व्रह्मेबानु हु | १९५ ब्राह | झणस्त्रिषु | रें ३९७ ब्रा | क्षणानां त | ७४२ |
| | | | | | • • | = • • |

| ब्राह्मणानां प | ७४१ | ब्राह्मणा मनित्र | ८४६ | ब्राह्मणेभ्यः स | ७४२, | ब्राक्षणोऽपि य | ६२६ |
|-----------------------------|----------------|-------------------|---------------|----------------------|----------------|-----------------------|---------------|
| ब्राह्मणानां प्र | | ब्राह्मणा मे म | #७९२ | | १०३१ | ब्राह्मणो बन्धु | १९९ |
| | | ब्राह्मणा मे स | ,, | ब्राह्मणेभ्यश्च | ६२१, | ब्राह्मणो मल | २८४३ |
| ब्राह्मणानां मू | _ | ब्राह्मणा मे स्व | ६०१ | | १०३१ | ब्राह्मणो मुख | ०१६१६ |
| ब्राह्मणानां य | 0,000 | ब्राह्मणा यं प्र | १०९९ | ब्राह्मणेभ्यश्चा | २६१२ | ब्राह्मणो यदि | 9C0, |
| | २४५० | ब्राह्मणाय च | ५८० | ब्राह्मणेभ्यस्तु | *७१९ | | २३९७ |
| ब्राह्मणानां व | ७४२ | ब्राह्मणाय तु | ७१९ | ब्राह्मणेभ्योऽति | १०७१ | ब्राह्मणो रुषि | १०३५ |
| ब्राह्मणानां श्व | २६६ १ | ब्राह्मणाय य | २८८० | ब्राह्मणेभ्योऽथ | ५५५, | ब्राह्मणो वेद | १२५५ |
| ब्राह्मणानां स | ∗६०७ | ब्राह्मणार्थे सु | # १ 0 ९ ३ | | ८६७ | ब्राह्मणो वैव | ४२६ |
| ब्राह्मणानां सु | १०९३ | ब्राह्मणार्थ हि | 2396 | ब्राह्मणेम्यो द | २९४६ | ब्राह्मणोऽस्य मु | * ३८३ |
| त्रासणाना छ ब्राह्मणानाम | ξ | ब्राह्मणार्थे ग | २७८८ | ब्राह्मणेभ्यो न | ५७९, | ब्राह्मणो हि कु | १६१७ |
| अश्विमानाम | १०९८ | ब्राह्मणार्थे स | २७६७ | | ५८,२३८७ | ब्राह्मणो ह्यारा | १०९६ |
| ब्राह्मणानामि | ७४२ | ब्राह्मणा लिङ्गि | | ब्राह्मणेभ्यो भु | क १०३१ | ब्राह्मण्यं ब्राह्म | ७१८ |
| ब्राह्मणा नाव | ११०३ | ଧାନ୍ୟା ।ଦାଅ. | १३४८, | ब्राह्मणेषु क्ष | ७१६ | ब्राह्मण्यनुप | # 4444 |
| ब्राह्मणानुप | ७१९ | | २३३३ | ब्राह्मणेषु च | ५६५ | ब्राह्मण्या च द | * ₹८₹८ |
| त्राह्मणानेव ६ | | ब्राह्मणावस | ११०३ | ब्राह्मणेषु त | * ,, | ब्राह्मीं क्षेमाम | २९०९ |
| ब्राह्मणान् क्षत्रि | ७२४ | ब्राह्मणा वसु | ८०३ | ब्राह्मणेषु तु | ७४१ | ब्राह्मीं देवीं शि | २९८३ |
| ब्रह्मणान्नाव | ७२८ | ब्राह्मणा वै प | ● २०३३ | ब्राह्मणेषु प्र | ११०२ | ब्राह्म मुहूर्त | ९५७, |
| | , ०२,२३९७ | ब्राह्मणाश्चतु | ७९९ | ब्राह्मणेषूत्त | ५५५ | ९६ | ४,११२४ |
| ब्राह्मणान्पर्यु | ८७३,८७८ | ब्राह्मणाश्च नि ५ | ४१,२९३८ | ब्राह्मणेष्वेव | ٠,, | वाहीन्द्रयाम्य | १४५१ |
| ब्राह्मणान्पूज | ७२३, | ब्राह्मणाश्च म | ७४२ | ब्राह्मणैः क्षत्रि ६ | | ब्राह्मचं प्राप्तेन | # ७८५ |
| | ७४१,९५७ | ब्राह्मणाश्चैव | २८६२ | ब्राह्मणैः शिल्पि | | ब्राह्मचा श्रिया दी | २३९२ |
| ब्रह्मणान्त्रथ | १०३६, | ब्रह्मणासः पि | ४९४ | ब्राह्मणैः षोड | १४३० | ब्राह्मचे मुहूर्ते | ११०६ |
| | (૮૬,૨९૨૮ | ब्राह्मणा हि प | २०३३ | ब्राह्मणैः सह | ८६६ | ब्रु वता मप्रि | २८०३ |
| ब्राह्मणान्त्रहा | १०९५ | ब्राह्मणा हि म | ७४१, | ब्राह्मणैः सहि | २८७८ | ब्रुवते राध | १९७० |
| ब्राह्मणान् भक्ते | | | १८,११०० | ब्राह्मणैर्निन्च | . #२९२८ | ब्रुवन् परार्थ | १६६८ |
| | . <i>२९७४</i> | ब्राह्मणा हि श्रि | | ब्राह्मणैर्यः प | १०९९ | ब्रुवाणं तुत | २७०६ |
| ब्राह्मणान्भोज | १०६५ | | ७४२,७४८ | ब्राह्मणैर्विप्र | ५५५ | ब्र्याः कर्ण इ | રે૪५૨ |
| ब्राह्मणान्वाच | | यामणे जाति | १९८१ | ब्राह्मणैश्च त | २०४९ | ब्रयाः केशव | २३७९ |
| ब्र(ह्मणान्वेद | 900, | गराणेन प | ३९६ | ब्राह्मणैश्चापि | २०३३ | ब्र्याच कुर्या | *८२१ |
| ब्रह्मणान्वे त | ७२४,८६६ ६०७ | | १४३० | ब्राह्मणो गुण | १६१५ | ब्र्यात्किमय | ♦१७२३ |
| | २९२८ | 2.2 | ४२६ | ब्राह्मणी जात | १६१६ | ब्यात्प्रत्यङ्मु | २९३५ |
| ब्राह्मणान्सुह् | | | ५९३ | ब्राह्मणी जाति | १२३३, | ब्र्यात्प्रश्रित | १६७९ |
| ब्राह्मणान् स्वरि | | | ७४२ | l | २३४९ | 0 | २७६४ |
| ब्राह्मणा ब्रह्म | १९९, | 1 20- | १ ६२६ | 1 - | | ब्र्यादहं वो | |
| | # १०९५ | 1 242 | | 1 | #1414 | ब्र्याद्रद्याणि | * १६१७ |
| ब्राह्मणा ब्र्यु | २८५३ | 1 | १६२४ | 1 | * १०२९ | 10 0 | १४३९ |
| ब्राह्मणा भूमि | ११२४ | ब्राह्मणेभ्यः क | १३११ | ब्राह्मणी निष्कृ | क १६ २६ | ब्र्यान किंचि | १७२३ |
| | | | | | | | |

| ब्र्यानिः श्रेय | १८९६ | भक्षिताप ह | २२८ ४ | भगो अनुप्र | 806 | मद्रकाल्याः श्रि | २५४४ |
|--------------------------|-----------------|---------------------------|-------------------------|------------------------|---------------|-----------------------------|---------------------|
| ब्र्युस्तन्मन्त्रि | # १ ७६ ७ | l | २८७८ | भग्नखण्डघृ | २२५६ | भद्रप्रदश्च | १४७५ |
| ब्रहि कामान | १०५४ | मक्यं प्रशंस | # २० ३० | भग्नदं ष्ट्रन | १५९८ | भद्रमधस्ता | २४७७ २४७७ |
| ब्रूहि धर्मान्सु | ५८५ | भक्ष्यं मृगय | # २०२१, | l ^ | २७६५ | भद्रमन्द्रैर्भ | *\$888 |
| ब्रहिमे त्वं नि | २५ ० २ | ર | ०३०,२०३१ | भग्नसंधार | २७३१ | भद्रमस्माक | कर १००० २४७७ |
| ब्रेहि मे सुम | ६१९ | मक्ष्यभोज्यैश्च | *638 | भग्रस्फुटित | २९१३ | भद्रमिच्छन्त | १०७ |
| भक्तं तेभ्यो द | १३०५ | भक्ष्यभोज्योप | १६५३ | भग्ना इत्येव | २६ ०४ | भद्रमिद्धद्रा | |
| भक्तं तेभ्योऽपि | # ,, | भक्षमाणाः प्र | ७४३, | भग्नानां च स्व | | | ४५२ |
| भक्तं भजेत १०५ | <u>७४,१६</u> ९३ | | १४१८ | _ | ४८४,२९१७ | भद्रलक्षण | २७५२ २८३३ |
| भक्तमात्रव्य | २५६९ | मक्ष्यमाणो ह्य | २३७२ | भग्नेषु योधे | र६ ९३ | भद्रश्रीकाष्ठ क्षेत्रस | २८३३ |
| भक्तमात्रेण | १३६१ | भक्ष्यमुत्सृज्य | २५३१ | भग्ने खरीन्ये | 2023 | भद्रश्रीयम् | २२ ३ ५ |
| भक्तवेतन १२ | ८४,२५६० | मक्ष्यामक्यं च | | भङ्गः पातस्तो | | भद्रहारी ग्र | *२९९२ |
| भक्तसंविभा | १३९६ | भक्ष्याभक्ष्यस | ६३६ | भङ्गकाथोप मङ्गकाथोप | २६५ <i>१</i> | भद्रहा विश्व |)) |
| भक्तानामनु | १०९८ | भक्ष्यार्थ संलि | * २०२१ | 1 | | भद्रां भगव भद्राख्यं कथि | २८५० |
| भक्तानुकम्पि | २५४० | भक्ष्यार्थमेव | २०३० | भङ्गपातच | *२५२० | l | * ₹९९१ |
| भक्तान्यूजय | 8000 | भक्ष्यैर्नानावि | २८८६ | भङ्गपातव | " | भद्राख्यः कथि | " |
| भक्तिं मेत्रीं च | १२५६, | भक्ष्यैर्भोज्यैश्च | ८३४, | भङ्गविस्मृति | २५२२ | भद्रान्कुण्वन्नि | ४७७ |
| | १२६० | | २९८३ | भजते पुर | १७६८ | भद्राभद्रप्र | १४७५ |
| भक्तिरेषा न | १२२५ | भक्ष्योत्तमप्र | १०३९ | भजस्व श्वेत | २०११ | भद्रा भूत्वा प | ४२२ |
| भक्तिविश्रम्भा | १००५ | भगं नक्षत्र | # 2 880 | भजेत पुर | # १७६८ | भद्रा भूत्वा सु | " |
| भक्तोऽनुरक्त≉ | १६९४ | भगदत्तस्त | २७१५ | भजेरथस्य | 22 | भद्रामाभ्य | २९९० |
| भक्त्या वृत्तिं स | १२११ | भगदत्तो य | २७०५ | भज्यते शक | २८६९ | भद्राश्च केतु | • २९६५, |
| भक्षं विचर | २०२१ | भगमस्मिन्य | # ₹४५ | भञ्जन्दुमान्प | # २०४९ | | २९७७ |
| भक्षकात्पञ्च | २४७४ | भगवंस्त्वत्प्र | १०७७ | भञ्जनमित्रा | ५१५ | भद्राश्वः केतु | २९६५ |
| भक्षणं चाम | * ૨ ५०५ | भगवन्कर्भ | १०५३ | भट्टं वैद्यं पु | १४७६ | भद्रासनं क्षी | २८३१ |
| भक्षणं चाऽऽर्द्र | | भगवन् देव | २५३९, | भण्डकानां स | २६५८ | भद्रासनं च १६ | |
| भक्षणं पक् व | " क्षद५०३ | | ર ५४३ | भण्डीरपाकं | | भद्रासनं त | २८३० |
| मधण पप्त भक्षणं पक्षि | | भगवन्धर्म | ** 3844 | भद्रं गृहं कृ | " ४४९,४५८ | भद्रासनं न | " |
| _ | ", १६,२३५० | भगवन्नर | ५७२ | भद्रं पश्यन्त | | भद्रासनं न्य | २९०९ |
| भक्षयन्तं तु | १०५३ | भगवन्सर्व | # 2844, | | 209 | भद्रासनम | १८२४ |
| भक्षयामि म | १०९७ | 4 | 2868 | भद्रं पुरस्ता | २४७७ | भद्रासनस्थे . | २९३५ |
| भक्षयामि य | ६ ४२ | भगवन् हिर | 344 3 44 | भद्रंभद्रं न | " | भद्रासने श | २५४९ |
| भक्षयेदन्व | ९६१ | भगवानपि | | भद्रं वद द | ,, | भद्राहमस्मै | ६३ |
| मक्षार्थ क्रीड | २०३८ | भगवानुश | ५३ १, ५७८ ५६६ | भद्रं वद पु | " | भद्रैर्भन्द्रैर्भ | # {\\\\ |
| मधार्थ लेलि | २०२१ | | | भद्रकालि म | २८८९ | भद्रो धर्मी म | २९५५ |
| भक्षार्थ हाव | *2030 | भगवान्पव | *२०४८ | भद्रकालीं प | २ २८८९ | | ર ૪ ૨ ૨ |
| भक्षितानि म | | भगवान् पूज्य | २८६६ | | | | 822 |
| manuel 4 | 1048 | भगाय स्वाहा | २७७ | भद्रकाङीय | 46681 | भद्रो भूत्वा सु | ४ ५५ |

| | | | • | | | | 444 |
|------------------------------|----------------|-----------------------------|--------------------|------------------|----------------------------|-----------------------------|---------------------------|
| भद्रो मन्दो : | मृ २५३ | ८, भये ध्याये | द्वा २५३ | ७ भर्तुरथेष्व | १०७४,१६९ | ३) भवतो ऽर्थक | १२१४ |
| | २५४ | ५ भयेन भेद | 866 | ८ भर्तरधीस अ | १७२३,१७ ४ | २ भवत्कार्ये । | . १२ ५ ० म १९५१ |
| भद्रो मन्द्रो । | | २ भयेभ्यश्च र | त ⁻ #६९ | ५ भद्धराज्ञा भ | | | |
| भयं तस्य न | ६३ | ३ भये महति | २ ९१ | ८ भर्तुरादेशं | ं १८३ [।] १००१ | | २८७४ १० ९ ६ |
| भयं ते सुम | १०९ | ६ भये विशेषे | १०२ | 1 | | · | |
| भयं यतो वा | #२६६ | ४ मयोपधाञ्च | १२२ | | १७१४ | 2000 | २ ३९७ |
| भयं राज्ञो न | २८८ | , भरणं पुत्र | ५८४,५९ | | १४३५ | ਮਰਕਾਰਤ | २६६१ |
| भयं वित्तवि | २५ ३ | , भरणं पोष्य | १७१ | ° मर्तुदिचत्तानु | २७७ <i>९</i> १७३० | · 37 | १७१९ |
| भयं हि राङ्कि | | , भरणं सर्व | ६५१ | भर्तुप्रत्यय | | । भवन्यात्मान | १७१८ |
| भयं ह्यशङ्कि | * ,, | भरणी कृत्ति | | भर्तस्नेहप | ६ १७ २७७६ | | |
| भयकारण्य | १०२९ | भरण्यां सति | | 7756 | २४९८ | भवत्याप्यायि | १७६७ |
| भयन्ते विश्वा | ४७३ | | २९५९,२९७६ | भर्त्सं यित्वा त | २४५८ १९०९ | भवत्युदारं | १९४२ |
| भयमवृत्ति | २०८८ | भरतश्चापि | ८४७,१५०७ | भर्तिसता तर्जि | , १९०५ चित्रक | भवत्येतन्म | २५४४ |
| भयमाहुर्दि | ६०६ | । भरतस्थव | २३८ | भर्तिसतां त्रारि | À an | भवद्भिर्नान्य | २७८६ |
| भयमृत्पद्य | ७९३ | luretaki | ५३१,५७० | भर्तिसतामपि | " | भवनाय न | २९८२ |
| भयश्रीभोग | १४९३ | भरद्वाजस्य | २०४२ | भर्तिसतामभि | " | भवनेषु वि | २५१४ |
| | ५७४,२०८३ | भताच तत्स | # ₹७८० | 1 | * ,, | भवनो भाव | . २९७६ |
| भयाच्छरण | ११६४ | भर्ता तत्सर्व | " | भछातकं पू | . २८८६ | भवन्तं तेऽनु | ७९६ |
| भयात्त्वेकत | * ₹०३९ | निया य नान | | भछातकं शा | २८८५ | भवन्तं पर्य | १२१४ |
| भयादुत्पद्य | ***\ 2033 | | १५४८ | भछातक्या | २६५१ | भवन्तः प्रति | #८३८ |
| भयादेकत | २०३९ | | २५६७ | ı | २८८३ | भवन्तः सर्व | १२१७ |
| भयादण्डस्य | ६१६ | मतार नः त्र भतरि रक्ष | २६३९ | भल्लूका हि बु | २८८७ | भवन्तः स्वार्थ | 4 5 ,, |
| भयाद्धोगाय भयाद्धोगाय | ६८३,८१९ | 1 | २५३८, | भवतः शील | ६२७ | भवन्तमभि | * १२१ ४ |
| भयाद्वृत्तिं स | २७५७ |) | ५४५,२८९२ | | ६२५ | भवन्तस्तु पृ | २३५३ |
| भयाद् द्वतिस भयाद् द्वतिस | २३८७ | भतीरमुप भर्तुः कुप्यन्ति | २८०४ | भवता चैव | १९९८ | भवन्ति चामी | २४६८ |
| • | २३१८ | _ | ५४६, | भवतारक्ष १० | | भवन्ति ज्वलि | ८८०,९३६ |
| भयान्तरेषु | | | ६१,#१५०८ | भवता विप्र | | भवन्ति निध | २७६९ |
| भयान्न च नि | २७७१ | भर्तुः कुर्वन्ति | | भवताहिव | | भवन्ति नृप | ७३८,७४७, |
| भयान्न विनि | ≉२७७ १, | | | भवति गतो | २४६४ | | १७४९ |
| भयाय दक्षि | २७९२ | भर्तुर ङ्कात्स | | भवति श्रेय | २२०७ ३ | नवन्ति परि | १७८६ |
| | . २५११ | भर्तुरन्वास | # १७२३ | भवति हि वि | | वन्ति भक्ताः | २८९४ |
| भयाय स्थात्स | | भर्तुरन्वासि | | भवतीह म | | विन्ति मित्रा | |
| भयाय स्वामि | | | | भवते नृप | | विन्ति राज्ञा | 000\$ |
| भयार्त विद्र | | मर्तुरथे तु | | भवतेव कृ | | वन्ति राज्ञां | *२५५ ३ |
| भयातश्चि क्षु | | भर्तुरथें च | 1 | भवतेव हि | | ावान्त राज्ञा वन्ति लग्न | " |
| भयावमाना | १५७० | | | भवतोऽनुन | | | २४६३ |
| भ्यावहो वि | २५१३ | भर्तुरथे तु | २७७१ | भवतोऽनम | /cc . | ावन्ति विप ावन्ति सुखि | २४९५ |
| | | | • | | . ८५५। • | ापारत सुख | ७२९ |
| | | | | | | | |

| भवन्ति स्तम्भ | | भवितव्यं स | १०६१ | भव्यं वा सह | २८८७ | भाजनं पर | २४१० |
|-----------------|------------|----------------|----------------------|------------------------------------|-----------------|----------------------------|---------------|
| भवन्तीति कि | • | 1 | ८४७ | भव्यः सुखोज | २८४२ | भाण्डपूर्णानि | १३४७, |
| ř | १८७९ | भविष्यति च | ८४७,९६१ | भःयकः कण्ड | *१४६ ६ | | २३३३ |
| भवन्तीह फ | १७८५, | भविष्यति न | ६६७ | भव्यकर्कन्धु | " | भाण्डवाद्यानि | २८६२ |
| | १९३८ | भविष्यति नि | १०३५, | भव्यामेकार्थ | २११५ | भाण्डागार्प | २९८० |
| भवन्तु विज | २९७६ | | ११२३ | भव्यारम्भी क | २०६२ | भाण्डागारायु | १४४२, |
| भवन्तोऽपि व् | हु २६७० | भविष्यति हि | १०९० | भव्यो भद्रो ज | २८३९ | २४८ | ४,२५९९, |
| भवन्तोऽप्यनु | क८३८ | भविष्यतीत्ये | २३८९ | | ३००१ | | २९१६ |
| भवन्तो मम | ११५७ | भविष्यत्यभि | २९१८, | | २७५६ | भाण्डानि च व | २२८५ |
| भवन्तो वक्तु | • | | २९७ २ | | २८६२ | भानुदिग्प्रह भानुदिङ्नव | २८३६ |
| भवन्त्यनुगु | . २१०६ | भविष्यन्ति सु | २८७२ | 1 | ७६८ | भानोः प्रजाप | २८४१ २८९९ |
| भवन्त्यराज | #C08 | भविष्यमि ज | २१३ २ | | ९०९ | भानौ कुलीर | २४७ <i>०</i> |
| भवन्त्यर्थक | ३५०९ | भविष्यामि य | | भरमसात्कुरु | १९८७ | भाये दार्वाहा | |
| भवन्त्यल्पज | १५२६ | भविष्योत्तरे | २८४६ २८४ ६ | भस्मा कान्ता त | ₹000 | नाय दावाहा भारं हि रथ | ४१५ |
| भवन्त्युचलि | CCC | 1 | | भसाङ्गारशि | २५२८ | भार हर्य भारद्वाजं वै | २१५० |
| भवन्त्युज्ज्वलि | | भवेच मधु | #038,088 | भरमीभवति | १०८८ | | २१४ |
| | *<18 | भवेत्कालवि | ६५४ | भागः पुनः पा | २४३८ | भारद्वाजकु | २५२६ |
| भवन्नेत्राः प | २३५६ | भवेत्कृतयु | ५९९ | भागग्राही क्ष | १४२८, | भारद्वाजज | * ₹५₹५ |
| भव भूमिप | २५४६, | भवेत्क्रोशात्म | | | | भारद्वाजमु | # ₹0४₹ |
| | २८९३ | भवेत्तथा तु | १५३२ | ्रागत्रयं स्था | .१,२३४५ २७३१ | भारद्वाजवि | ५३४ |
| भव राजा ज | | भवेत्तस्य फ | २५१० | भागदानक <u>्रि</u> | | भारद्वाजश्च | २५०९ |
| भवश्च पृक्षि | ५१४ | भवेतु सिद्धि | २८९७ | भागदानाक भागद्रव्यं व | १८४७ | भारद्वाजस्य | # ₹०४२ |
| भवाद्यैर्विष्णु | ३००१ | भवेत्स तान्प | १३८६ | 1 | १२६८ | भारद्वाजो म | २७१७ |
| भवानपि त | ६११ | भवेत्स पक्ष | २७३४ | भागभाग्रक्ष | ८३१ | भारद्वाज्यज | २५२५ |
| भवानीं भ्राम | २८९४ | ľ | ७९९,१९४४ | भागरोषं स्थि | १२६८ | भारावतार | १८१३ |
| भवानीप्राङ्ग | २८९० | भवेदेकस्य | १७५५ | भागशो विनि | ५४९ | भारिकः स्निग्धो | २२४२ |
| भवानुत्थाप | , , | | | भागहारं तृ | १४२८, | भारुण्डसद्द | १०७२, |
| भवानुशन | २३५३ | भवेद्दण्डाय | १५१५ | _ | २३४१ | | ६,२००६ |
| भवा नो अमे | ३७६ | _ | १५३,१९६४ | भागाईभ्रातृ | १०१६ | भारो हि सुम | ६१० |
| भवान् नाईति | २६२१ | भवेद्या तृप | २१७६ | भागिनेयाश्च | १४८७ | भागेवं परि | १०८५ |
| भवान्पिता भ | १०५० | भवेद्ययासो | १५३५, | भागीरथ्ये तृ | २८६० | भागेवं प्रणि | २८५६ |
| भवाय सर्व | २८७९ | | २४१६ | भागेनैकेन | १३८३ | भार्गवस्त्वाह | ६२६ |
| भवाशर्वी मृ | ६५ | भवेद्वा निश्च | १७८१ | भागो दे यः स | २९०६ | भार्गवाङ्गिर ५९८ | |
| भवितव्यं न | ७३१,९२२, | भवेन्मन्त्रफ | २८२५ | भाग्यं नक्षत्र | २४५० | भागवेण ह | . १०१६ |
| | १७६६ | भवेन्मूल्यं न | | भाग्यवन्तम | ११०९ | भागीवो होता | १६६ |
| भवितव्यं प्र | | भवे भवे ना | | भाग्यवान्नित्य | २९०३ | भार्याः पुत्रदु | १२३० |
| भवितव्यं फ | 1 | भवेयातां स्थि | | भाग्ये शुक्रः श | २४७० | भार्या दे शोऽथ | ६३३, |
| भवितव्यं वि | 1 | भवेयुनीत्र | 1 | भाङ्गमौङ्गान्पा भाङ्गमौङ्गान्पा | 2438 | • • • | २०४९ |
| | • | • | •- | | | | \- - • |

| भार्यापुत्रबा | 2229. | भिक्षामन्यामा | 639 | भिन्नमन्त्रिब | २१४६ | भीतवत्संनि | * २०३३ |
|-----------------|--------------|--------------------------|-------------|---|--------------------------------------|-------------------------------|------------------------|
| 1113111 | १८५७ | भिक्षुक्याम | १३२९ | भिन्नमुद्राणा | २२७ ९ | भीतवत्संवि | १८९०, |
| भायभ्यां सहि | ७२९ | भिक्षुकांश्चा कि | २५९९ | भिन्नयोधं ब | २८०१ | l . | १३,२०४४ |
| भार्यामस्य भि | २६ २२ | भिक्षुकाः प्राड्वि | ६१७ | भिन्नयोरुपां | 2898 | | - १४६८, |
| भार्यामस्य स्नु | १३३ २ | भिक्षुकाश <u>्चार</u> | * १६६१ | भिन्नराष्ट्रो भ | १२६४ | | १७१५ |
| भार्या माता पि | ६५२ | भिक्षुकीप्रति | १६४६ | भिन्नवृत्ति च | १६३६ | मीतान् भयांश्च | 2448 |
| भायीयां वर्त | #2608 | भिक्षुकी वा दू | 2800, | भिन्नवृत्ति न | ¢ ,, | भीतापमानि | १९६४ |
| भायीयां वा सु | १७५७ | | १४०२ | भिन्नश्चन्द्रम | २४६२ | भीतिरुत्पद्य | १९६५ |
| भायव्यिञ्जना | २६ २२ | भिक्षुकी वा प्रि | प९ | भिन्नरिलष्टा तु | १ २२२ | भीतेष्वभय | ११६० |
| भार्या हि पर | १०८८ | भिक्षुक्यश्चार | १६६१, | भिन्न सं घात | २७२७ | भीम एव सौ | १९१ |
| भायीहीनं य | १०८७ | जिसुर नन्तर | १६६५ | भिन्नसंघार | #२ ६८४ | भीमं चैवाप्र | १४५९ |
| भावः पश्चनां | २९१५ | भित्त्वा शरीरं | १०५० | भिन्नसाधार | २७३५ | भीमं प्रहर | २७०६ |
| भावमन्तर्ग | १६८० | भित्त्वास्वस्थात | २०३५ | भिन्नस्वरे जा | १६१२ | भीमव्यूहः स | २९९७ |
| भावयंस्तप | ८०४ | भिनत्ति न च | ६१० | भिन्नानां शम | २९१२ | भीमसेनं त | २७०६ |
| भावयन्नात्म | * ,, | भिनत्पुरो न | ३७३ | भिन्ना नैकार्थ | १७६७ | भीमसेनं हि | १९०१ |
| भावयेत्पर | ११३१ | भिन्दंशिखन्दन्ह | ६१५ | भिन्ना बहुप्र | १४७८ | भीमसेनमि | " |
| भावग्रुद्धिर्द | ६४७ | भिन्दन्ति मन्त्रं | १७८२, | भिन्ना विमन | प३ | भीमसेनव भी गरेन | २७९६ |
| भावसंग्रुद्धि | ७५६ | | १७९५ | भिन्ना रिल्हा तु | 0 १ २ २ २ | भीमसेनस्त | ६४८ |
| भावाद्भाव | २९०२ | भिन्दन्त्यवम | १७७६ | भिन्ना हि शक्या | १९५८ | भीमसेनस्तु | २७९६, |
| भावानुरक्ता | २४६९ | भिन्दिपालस्य | #8420 | भिन्ना हि सेना | १४९९, | भीमसेनस्य | २७९७ १८९२ |
| भावाभावप | ८९१ | भिन्द्याचतुर्वि | १९५९ | | ६,२६९० | भीमसेनार्जु | २३५५ |
| भावाभावी च | १११३ | भिन्द्याचैव त | २६६८, | भिन्नेषु प्रधा | २१६४ | भीमसेनो ग | २७०६, |
| भावित्वाच म | २७९७ | । जन्यायन अ | २८०६ | भिन्नेष्वन्यत १९२ भिन्नेर्यन्मन्त्रि | र,२४६४ १७६७ | जानरामा प | २७० ५ , |
| भाविनी च प्र | २९९८ | भिन्द्यात् सर्वनि | २६६९ | ामन्नयःमाः न भियं द्धाना | ४८९ | भीमसेनोऽग्र | २७०६ |
| भावे च भावो | 600 | भिन्द्ययीवन्ति | २७८३ | भियो दधाना | * ,, | भीमसेनो म | १८९९ |
| भावेन यस्मि | # ६५६ | भिन्नंच प्रति | २६८५, | भिषक्पुरोहि | २५ ४३ | भीमां भीमायि | २९ ९ ० |
| भावैः परीक्ष | ११२० | ामक प्रमार | २७३६ | भिषगायु र्वे | १६६५ | भीमा जाया ब्रा | ₹ <i>5</i> 50 |
| भाव्यं धर्ममृ | ७३५ | भिन्नं राष्ट्रं व | ७६ १ | भिषग्भेदेन | २१२५ | भीमा भीमत | २९ ९ ७ |
| भाव्यं पथ्याशि | ११६४ | भिन्नं हि तत्का | १९६३ | भिष्यभैष्डया | ९७५ | भीमाव्यहं म | _ |
| भाव्यं सदा भा | १६२६ | भिन्नं हि खज | १९०९ | भिषजां च व | ९५९ | भीमास्या जालि | ₩ ,, २९९१ |
| भाव्यर्थतज्ज्ञा | १७०९ | भिन्नकाषीप | १३६१ | भिषजो भेष | २०३८ | भीमास्या ज्वालि | |
| भाषापत्रं तु | १८४० | भिन्नकूटान्ध | १५६९ | भिषजो भैष | # ,, | भीमो वा बलि | * ,, ८४ १ |
| भासनकुल | २६५ १ | भिन्नक्रमं व्यु | १८४८ | भीतं मूर्खे स्त्रि | ,, * { 5 ₹ 5 | भीरवः शोच | ८ ह ५ ७२९६ ० |
| भासुरा सुर | २९९३ | भिन्नगर्भ ह्य | १५८६ | भीतः स्वदोष | | भीरवः शोभ | # 1 7 4 v |
| भास्करादिक | २८४८ | भिन्नमण्डल भिन्नमण्डल | *2920 | मातः स्वदात्र भीतः स्वदोषा | _ | 1 | " |
| भिक्षाच राज | १३८२ | l . | 3 | l | * ,, | भी हं मूर्व स्त्र | १९६९ |
| भिक्षामन्यां भि | ६३८ | भिन्नमनुष्या | २०५६ | भीतमत्तोन्म | २७५५ | भीरं वा प्रति | १९२० |

| रहरेण मीन्दर्वेद्रप २११८ मीन्दर्वेद्रप २११८ मीन्दर्वेद्रप २११८ मीन्दर्वेद्रप २११८ मीन्दर्वेद्रप २११८ मीन्दर्वेद्रप २११८ मीन्दर्वेद्रप २११८ मीन्दर्वेद्रप २११८ मीन्दर्वेद्रप २११८ मीन्दर्वेद्रप २००० मीन्दर | | | | | | • | | |
|---|-------------------|------|---------------|-------------|--------------------|---------------|-----------------|---------------|
| भीरव नास्ति कद ३२ थुंडाते विश्व २९२२ भूतानां कृष्ण २३१५ भूत्यानां सेव २०१२ भूति नास्ति कद ३२ थुंडात वह ९६२ भूतानां ति १३५७ भूतानां ति १३५० भूतानां ति १३५७ भूतानां ति १३५० भूतानां ते १३५० भूतानां ते १३५० भूतानां ते १३५० भूतानां ते १३५० भूतानां ते १३५० भूतानां ते १३५० भूतानां ते १३५० भूतानां ते १३५० भूतानां ते १३५० भूतानां ते १३५० भूतानां ते १३५० भूतानां ते १६६० भूतानां ते १६६० भूतानां ते १६६० भूतानां ते १६६० भूतानां ते १६६० भूतानां ते १६६० भूतानां ते १६६० भूतानां ते १६६० भूतानां ते १६६० भूतानां ते १६६० भूतानां ते १६६० भूतानां ते १६६० भूतानां ते १६६० भूतानां ते १६६० भूतानां ते १६६० भूतानां ते १६६० भूतानां ते १६६० भू | भीरको भीर | | | २८१५ | भूतातमा जीव | ६१६ | भूत्वाचन भ | २००७ |
| भीच्छं त | | | भुञ्जते रुक्म | ६२५ | भूतानां करु | ७३८,८२४ | 1 ~ | २९१ ५ |
| भीष्मं द्रोणं त २००९ प्रश्नीत वाल्ल १२०० प्रश्नीत वाल्ल १२०० प्रश्नीत वाल्ल १२०० प्रश्नी विलेख १८०० प्रश्नी प्रमाशावा २०१२ प्रश्नी प्रमाशावा २०१२ प्रश्नी प्रमाशावा २०१२ प्रश्नी प्रमाशावा २०१२ प्रश्नी प्रमाशावा २०१२ प्रश्नी प्रमाशावा २०१२ प्रश्नी प्रमाशावा २०१२ प्रश्नी प्रमाशावा २०१२ प्रश्नी प्रमाशावा २०१२ प्रश्नी प्रमाशावा २०१२ प्रश्नी प्रमाशावा २०१२ प्रश्नी प्रमाशावा २०१२ प्रश्नी प्रमाशावा २०१२ प्रश्नी प्रश्न | - | | | २९२२ | भूतानां कृष्ण | २३१५ | 1 - | ०१२,११२४ |
| भीष्मः इत्ता म २०११ धुर्व विलिल ११८० भीष्मः इत्ता म २०११ धुर्व विलिल १८८० भीष्मः इत्ता म २०१२ धुर्व विलिल १८८० भीष्मः केलेन २००० भुर्व भाष १८९० भीष्मः केलेन २००० भुर्व भाष १८९० भीष्मः विलेल २०११ भीष्मः विलेल १८९० भीष्मः विलेल १८९० भीष्मः विलेल १८९० भीष्मः विलेल १८९० भीष्मः विलेल १८९० भीष्मः विलेल १८९० भीष्मः विलेल १८९० भीष्मं विलेल १८९० भीष्मं विलेल १८९० भीष्मं विलेल १८९० भीष्मं विलेल १८९० भीष्मं विलेल १८९० भीष्मं विलेल १८९० भीष्मं विलेल १८९० भीष्मं विलेल १८९० भीष्मं विलेल १८९० भीष्मं विलेल १८९० भीष्मं विलेल १८९० भीष्मं विलेल १८९० भीष्मं विलेल १८९० भूर्व वाचा १८९० भू | | | | ९६२ | भूतानां चैव | ७६ १० | | *१४५८ |
| भीषाः शान्तन १८९८ सुर्व विकेल % % भीषाः शान्तन १८९८ सुर्व विकेल % % भीषाः शान्तन १८९८ सुर्व विकेल % % भीषाः शान्तन १८९८ सुर्व विकेल % % भीषाः शान्तन १८९८ सुर्व वो शांव १९९६ सुर्व वो शांव १९९६ सुर्व वो शांव १९९६ सुर्व वो शांव १९९६ सुर्व वो शांव १९९६ सुर्व वो शांव १९९८ सुर्व वे १९९८ सुर्व वे | | | | १३८७ | भूतानां तन्नि | १३५७ | 1 - | ८६१ |
| भीष्मः सैन्येन २००९ सुवः संस्कारं ५९२ सुवानां हि य १०६५ मूबलं पृष्ठ २४८ स्थानामा १००० सुवा सरकारं ५९२ भूवानां हि य १०६५ मूबलं पृष्ठ २४८ सुवानामा १००० सुवा सरकारं ५९२ सुवानामा १००० सुवा सरकारं ११०४ सुवानामा ११५० सुवानामा ११६० सुवानामा ११५० सुवानामा ११५० सुवानामा ११६० सुवानामा ११५० सुवानामा ११५० सुवानामा १९०० | | | | ९८२ | भूतानां भूति | | | १४३९ |
| सीष्माशाय २००१ सुवा संस्कार ५०२ स्वाना हि य १०६६ स्वान स्वरं पृष्ठ २००२ सीष्माशाय २०४२ सुवनो भाव २६५६ सीष्मेण धार्त २००८, धृत वाषोग ४८ १३७० सुवा वारव ११८० सुवा वारव ११८० सुवा वारव ११८० सुवा वार्व १९८० सुवा वार्व १९८० सुवा | | | 1 - | * ,, | | | | २१ २८ |
| भाषभाषाध्य र १९१२ मुनो भाव २९५९ मुना नादा म **३००० भूतानाम र १०५० मुना मान प्रत १६०० मुना मान प्रत १६०० मुना मान प्रत १६०० मुना मान प्रत १६०० मुना मान होता १५०० मुना मान होता १५०० मुना मान होता १५०० मुना मान होता १५०० मुना मान होता १५०० मुना होता १००० मुना होता १५०० मुना होता १००० मुना होता १००० मुना होता १००० मुना होता १००० मुना होता १००० मुना होता १००० मुना होता १००० मुना होता १००० मुना होता १००० मुना होता १००० मुना होता १००० मुना होता १००० मुना होता १००० मुना होता १००० मुना होता १००० मुना होता १००० मुना होत | | | 1 ' | | 1 801111 16 4 | | e , , , , | २४७४ |
| प्राचान पर १९ र स्वि चायोग क्ष ५०० प्रवानाम १९०० स्वानाम १०० स्वानाम १०० स्वानाम १०० स्वानाम १०० स्वानाम १०० स्वानाम १०० स्वानाम १०० स्वानाम १०० स्वानाम १०० स्वानाम १०० स्वानाम १०० स्वानाम १०० स्वानाम १०० स्वानाम १०० स्वानाम १०० स्वानाम १०० स्वानाम १०० स्वानाम १०० स्वानाम १०० | | | 1 - | | 1 | | 1 ' - | |
| प्रश्निक पाण पाल पाल पाल पाल पाल पाल पाल पाल पाल पाल | | | | | 1 | | 1 . | |
| भीष्येण पर्व ११०४ भुनि वाचीण ५७८ भूतिन जिति कहण भूमा वा एत २५०,३० भूतिन जिति कहण भूमा वा एत २५०,३० भूतिन जिति कहण भूमा वा एत २५०,३० भूतिन जिति कहण भूमा वा एत २५०,३० भूतिन जिति अहण भूमा वा एत २५०,३० भूतिन जिति अहण भूमा वा एत २५०,३० भूतिन जिति अहण भूमा वे होता ३४ भूतिम स्ताया वे होता ३४ भूतिम स्ताया वे होता ३४ भूतिम स्ताया वे होता ३४ भूतिम स्ताया वे होता ३४ भूतिम स्ताया वे होता ३४ भूतिम स्ताया वे होता ३४ भूतिम स्ताया वे होता ३४ भूतिम स्ताया वे होता ३४ भूतिम स्ताया वे होता ३४ भूतिम स्ताया वे होता ३४ भूतिम स्ताया वे हे रू रू भूतिम स्ताया वे हे रू रू भूतिम स्ताया वे हे रू रू भूतिम स्ताया वे हे रू रू भूतिम स्ताया वे हे रू रू भूतिम स्ताया वे हे रू रू भूतिम स्ताया वे हे रू रू भूतिम स्ताया वे हे रू रू भूतिम स्ताया वे हे रू रू भूतिम स्ताया वे हे रू रू भूतिम स्ताया वे हे रू भूतिम स्ताया वे हे रू रू भूतिम स्ताया वे हे रू रू भूतिम स्ताया वे हे रू रू भूतिम स्ताया वे हे रू रू भूतिम स्ताया वे हे रू रू भूतिम स्ताया वे हे रू रू भूतिम स्ताया वे हे रू रू भूतिम स्ताया वे हे रू भूतिम स्ताया वे हे रू रू भूतिम स्ताया वे हे रू रू भूतिम स्ताया वे हे रू भूतिम स्ताया वे हे रू रू भूतिम स्ताया वे हे रू रू भूतिम स्ताया वे हे रू रू भूतिम स्ताया वे हे रू रू भूतिम रू रू रू भूतिम स्ताया वे हे रू भूतिम स्ताया वे हे रू रू भूतिम स्ताया वे हे रू रू भूतिम स्ताया वे हे रू रू भूतिम स्ताया वे हे रू भूतिम स्ताया वे हे रू रू भूतिम स्ताया वे हे रू भूतिम स्ताया वे हे रू भूतिम स्ताया वे हे रू रू भूतिम स्ताया वे हे रू रू भूतिम स्ताया वे हे रू भूतिम स्ताया वे हे रू भूतिम स्ताया वे हे रू रू भूतिम स्ताया वे हे रू रू भूतिम | माष्मण धात | | | | | | | ८२० |
| मीष्मेण सर्व क ,, मीष्मेण सर्व क ,, मीष्मेण सर्व क ,, मीष्मेण सर्व क ,, मुना जनस्य १५५ मुक्त प्रतात १६६ मुक्त प्रताम १६५ मुक्त प्रताम १६५ मुक्ते प्रताम १६५ मुक्ते प्रताम १८६ मुक्ते प्रताम १८५ मुक्ते प्रताम १८६ मुक्ते प्रताम १८६ मुक्ते प्रताम १८६ मुक्ते प्रताम १८६ मुक्ते प्रताम १८६ मुक्ते प्रताम १८६ मुक्ते प्रताम १८५ मुक्ते प्रताम १८६६ मुक्ते प्रताम १८६६ | अधिकामा सन्दे | | 19. | | | | | ર ર |
| मीष्णेण सि र०१४ मुनो जनस्य १६६३ मुक्तमोत्रण १३६३ मुक्तमोत्रण १३६३ मुक्तमोत्रण १३६३ मुक्तमोत्रण १३६३ मुक्तमोत्रण १६६ मुक्तमोत्रकादि भुक्तमोत्रकादि भुक्तमा १६६६ मुन्योगीर्वर्ध १२९९, १४८२ मुक्तमा १६६६ मुन्योगीर्वर्ध १४१९, १४१९, मुक्तमेत्रकादि ११८० मुक्तमेत्रकादि ११८० मुक्तमेत्रकादि ११८० मुक्तमेत्रकादि ११८० मुक्तमेत्रकादि ११८० मुक्तमेत्रकादि ११८० मुक्तमेत्रकादि ११८० मुक्तमेत्रकादि ११८० मुक्तमेत्रकादि ११८० मुक्तमेत्रकादि ११८० मुक्तमेत्रकादि ११८० मुक्तमेत्रकाद १९८० मुक्तमेत्रकाद १९८० मुक्तमेत्रका १९८० मुक्तमेत्रकाद १९८० मुक्तमेत्रकाद १९८० मुक्तमेत्रका १९८० मुक्तमेत्रकाद १९८० मुक्तमेत्रकाद १९८० मुक्तमेत्रकाद १९८० मुक्तमेत्रकाद १९८० मुक्तमेत्रकाद १९८० मुक्तमेत्रकाद १९८० मुक्तमेत्रकाद १९८० मुक्तमेत्रकाद १९८० मुक्तमेत्रकाद १९८० मुक्तमेत्रकाद १९८० मुक्तमेत्रकाद १९८० मुक्तमेत्रकाद १९८० मुक्तमेत्रकाद १९८० मुक्तमेत्रका | | | 13 | | 1 | | Aut and | |
| मुक्तमात्रेण १३६३ मुक्तमात्रेण १३६३ मुक्तमात्रेण याँ दि क्ष २९९८ मुक्तमात्रेण याँ दि क्ष २९९८ मुक्तमात्रेण याँ दि क्ष २९९८ मुक्तमात्रेण याँ दि क्ष २९९६ मुक्तमात्रेण याँ दि क्ष २९९९ मुक्तमात्रेण याँ दि क्ष २९९९ मुक्तमात्रेण १६० मुक्तमात्रेण १६० मुक्तमात्रेण १६० मुक्तमात्रेण १८९० मुक्तमात्रेण १८९० मुक्तमा १६५० मुक्तमे पाम १८९० मुक्तमे १९९० मुक्तमे १९०० मुक्तमे १९०० म | | ,, | 1 - | | 1 ' | | 9, 11, 11, 21, | |
| भुक्तवान्विह ९४७ भुक्तमा यां दि कर्४५६ भुक्तानुम्या ८४४, भूमा स्त्या १४७ भूका यां दि कर्४५६ भुक्तानुम्या ८४४, भूमा स्त्या १४७ भूमा स्त्या १४७ भूका यां वि १२८५ भूका यां वि १३८२ भूका यां वि १८८६ भूका यां वि १८८५ भूका यां वि १८८६ भूका यां वि १८८६ भूका यां वि १८८४ भूका यां वि १८४४ भूका यां वि १८८४ भूका यां वि १८८४ भूका यां वि १८८४ भूका यां वि १८८४ भूका यां वि १८८४ भूका यां वि १८८४ भूका यां वि १८८४ भूका यां वि १८८४ भूका यां वि १८८४ भूका यां वि १८८४ भूका यां वि १८८४ भूका यां वि १८८४ भूका यां वि १८८४ भूका यां वि १८८४ भूका यां वि १८८४ | | | ٠٠٠ | | | " | 1 % | ३२० |
| भुक्तिस्रत ९६६ सूर्कम्पोल्कादि ,,, भुक्तेग्रादण्डै १२९९, स्वानुग्रह २१३५, म्मा होता ३२ अक्ताउलं श्रीफ ९६० भुक्तावा राज्यं चि २८७३ भूगतानां वि १३८२ भूगतामां प्र १००० भूगताभ्या प्र १००० भूगताभ्या प्र १००० भूगताभ्या प्र १००० भूगताभ्या प्र १००० भूगताभ्या प्र १८०० भूगताभ्या प्र १८०० भूगताभ्या प्र १८०० भूगताभ्या वि १६६७ भूगिः प्रतिष्ठा १९८० भूतिना रक्षां २८५०, भूगिः प्रतिष्ठा १९८० भूगतेगतिप २८९० भूगतेगतिप २८९० भूगतेगतिप १८०६ भूगतेगतिप १००० भूगतेग्वा च त २८८४ भूगिः स्वर्ध १८०० भूगतेगतिप १००० भूगतेग्वा च त २८८४ भूगिकम्पादि २८७० भूगतेग वि १९०० भूगतेग्वा व त २८८४ भूगिकम्पादि २८७० भूगतेग्वा व त २८८४ भूगतेग वि १९०० भूगतेग्वा व त २८८४ भूगिकम्पादि २८७० भूगतेग्वा व त २८८४ भूगिकम्पादि २८७० भूगतेग्वा व त २८८४ भूगिकम्पादि २८७० भूगतेग्वा व १९०० भूगतेग्वा व १९०० भूगतेग्वा व १९०० भूगतेग्वा १००० भूगतेग्वा व १९०० भूगतेग्वा १००० भूगतेग्वा व १९०० भूगतेग्वा १००० भूगतेग्वा व १८०० भूगतेग | | | 1 ' | | | | 1 ' | ३४५ |
| सुक्तवा यहीत ९५९,९६० सुक्तां वर्षे १२९९, सूतां नुग्रह २१३५, भूतां नुग्रह १५०८, भूतां नुग्रह १५०८, भूतां नुग्रह १५०८, भूतां नुग्रह १५९४, भूतां नुग्रह विवि ११२५ भूत्रहे हिवि ११२५ भूत्रहे हिवि ११२५ भूत्रहे हिवि ११२५ भूत्रहे हिवा १५०० भूत्रहे | | | 1 - | कर४५६ | युतागुकन्या | | भूमा सूतव्रा | ३४६ |
| सुक्ता प्राच्यं चि २८७३ भूतता वा वा याम १६५ भूक्ता वा वा याम १६५ भूक्ता वा वा याम १६५ भूक्ता वा वा याम १६५ भूक्ता वा वा याम १६५ भूक्ता वा वा याम १६५ भूक्ता धराम १६२ भूक्ता वा वा याम १६६ भूक्ता धराम १६६ भूक्ता वा वा याम १६६ भूक्ता धराम १६६ भूक्ता वा वा ११८७ भूक्ता धराम १६६ भूक्ता वा वा ११८७ भूक्ता वा वा ११८७ भूक्ता वा वा ११८७ भूक्ता वा वा ११८७ भूक्ता वा वा ११८७ भूक्ता वा वा वा वा वा वा वा वा वा वा वा वा वा | | | g | | מדכונו | | भूमा होता | ३२० |
| भुक्त्वा राज्यं चि २८७३ भुक्त्वा व्यायाम ९६५ भुक्त्वा व्यायाम ९६५ भुक्त्वेह विवि ११२५ भुक्ते घराम ३५२ भुक्ते घराम ३५२ भुक्ते पाष्ट्रफ ८३१ भुक्ते राष्ट्रफ ८३१ भुक्ते राष्ट्रफ ८३१ भुक्ते राष्ट्रफ १३८७ भूते राष्ट्रफ १३८७ भूते वेषे १४१० भूते राष्ट्रफ १४३ भूते राष्ट्रक १८९७ भूते राष्ट्रिके १८९७ भूते राष्ट्रिके १८९७ भूते राष्ट्रिके १८९७ भूते राष्ट्रिके १८९७ भूते राष्ट्रिके १८९७ भूते राष्ट्रिके १८९७ भूते राष्ट्रिके १९८७ भूते राष्ट्रिके १९८७ भूते राष्ट्रिके १९८७ भूते राष्ट्रिके १९८७ भूते राष्ट्रिके १९८७ भूते राष्ट्रिके १९८७ भूते राष्ट्रिके १९८७ भूते राष्ट्रिके १९८७ भूते राष्ट्रिके १९८७ | | | सूकाशदण्ड | | l . | | भूमि केचित्र | १५०६ |
| भुक्ता व्यायाम ९६५ भूगुणैर्विधं १४१९, १५९४ भूताभया म ३००० भूमी द्रव्यं ग १२० भूताभ्रतप कर्श्य भूमी पादैवि २५१ भूत्रकेत प्राप्ट १४१० भूताभ्रतप कर्श्य भूमी पादैवि २५१ भूत्रकेत प्राप्ट १३८० भूत्रहोहिणः १११७ भृत्वाधार्था व १६६७ भूमी सेवोध्य २९१ भूत्रकेत प्राप्ट वे २८१० भूत्रकेतिप २८९० भूत्रकेतिप २८९० भूत्रकेतिप २८९० भूत्रकेतिप २८९० भूत्रकेतिप २८९० भूत्रकेतिप २८९० भूत्रकेतिप २८९० भूत्रकेतिप २८९० भूत्रकेतिप २८९० भूत्रकेतिप २८९० भूत्रकेतिप २८९० भूत्रकेतिप २८९० भूत्रकेतिप २८९० भूत्रकेतिप २८९० भूत्रकेतिप २८९० भूत्रकेतिप १६६६ भूत्रकेतिप १८६० भूत्रकेतिप १८६० भूत्रकेतिप १८६० भूत्रकेतिप १८९४ भूत्रकेतिप १८९६ भूत्रकेतिप १८९६ भूत्रकेतिप १८९६ भूत्रकेति १८९६ भूत्रकेति १८९६ भूत्रकेति १८९६ भूत्रकेति १८९६ भूत्रकेति १८९६ भूत्रकेति १८९६ भूत्रकेति १८०६ भ | | | A | | | | भूमिं गुणव | १४३८ |
| भुक्ते धराम् ३५२ भूचरो दोला २७०० भूताभ्रतप क्रिश्च मिम द्रव्यं ग १२० भूताभ्रतप क्रिश्च मिम पादैवि २५१ भूतद्रोहिणः १११७ भृताश्चार्था वि १६६७ भूमि मिन्द्रोप ५६ भूतपूर्वम १३८९ भूतिकामस्त २९१९ भूतिकामस्त २९१९ भूतिमा स्री छ। २८९० भूतभ्रतिप २८९० भूतभ्रतिप २८९० भूतभ्रतिप २८९० भूतभ्रत्यम १६३६ भूतमितत्प १०५९ भूतिभागं च क्रश्च भूमि सख्यव क्रश्च भूतमितत्प १०५९ भूतेणा च त २८८४ भूतिमान्केत् क्रश्च भूतमिकम्पादि २८७८ भूतेणा च त २८८४ भूतिमान्केत् क्रश्च भूतभ्रतम् स्री भूतमा स्री छ। २८९४ भूतेणा च त २८८४ भूतिमान्केत् क्रश्च भूतमिकम्पादि २८७८ भूतेणा च त २८८४ भूतिमान्केत् क्रश्च भूतेणा च त २८८४ भूतिमान्केत् क्रश्च भूतेणा च त २८८४ भूतिमान्केत् क्रश्च भूतेणा च त २८८४ भूतिमान्केत् क्रश्च भूतेणा च त २८८४ भूतिमान्केत् क्रश्च भूतेणा च त २८८४ भूतिमान्केत क्रश्च भूतेणा च त २८८४ भूतिमान्केत क्रश्च भूतेणा च त २८८४ भूतिमान्केत क्रश्च भूतेणा च त २८९४ भूतेणा च त २८८४ भूतिमान्केत क्रश्च भूतेणा च त २८९४ भूतेणा च त २८९४ भूतेणा च त २८९४ भूतेणा च त २८९४ भूतेणा च त २८९४ भूतेणा च त २८९४ भूतेणा च त २८९४ भूतेणा च त २८९४ भूतेणा च त २८९४ भूतेणा च त २८९४ भूतेणा च व २९९४ भूतेणा च २९९४ भूतेणा च २९९४ भूतेणा च २९९४ भूतेणा च २९९४ भूतेणा च २९९४ भूतेणा च २९९४ भूतेणा च २९९४ भूतेणा च २९९४ भूतेणा च २९९४ भूतेणा च २९९४ भूतेणा च २९९४ भूतेणा च २९९४ भूतेणा च २९९४ भूतेणा च २९९४ भूतेणा च २९४४ भूतेणा च २०४४ भूतेणा च २०४४ भूतेणा च २०४४ भूतेणा च २०४४ भूतेणा च २०४४ भूतेणा च २०४४ भूतेणा च २०४४ भूतेणा च २०४४ भूतेणा च २०४४ भूतेणा च २०४४ भूतेणा च २०४४ भूतेणा च २०४४ भूतेणा च २०४४ भूतेणा च २०४४ भूतेणा च २०४४ भूतेणा च २०४४ भूतेणा च २०४४ भूतेणा च | - | | | | र्गता-अक्ष्य | | भूमिंजयो वृ | २७१७ |
| मुक्ति धराम् ३५२ मुक्ति धराम् ३५२ मुक्ति महीं स २४६९ मुक्ति राष्ट्रफ ८३१ मुक्ति राष्ट्रफ ८३१ मुक्ति राष्ट्रफ ८३१ मुक्ति राष्ट्रफ ८३१ मुक्ति स तस्य १३८७ मुक्ति स तस्य १८०६ मुक्ति स तस्य १८०६ मुक्ति स तस्य १८०६ मुक्ति स तस्य १८०६ मुक्ति स तस्य १८०६ मुक्ति स तस्य १८०६ मुक्ति स तस्य १८०७ मुक्ति स तस्य १८०७ मुक्ति स तस्य १८०७ मुक्ति स तस्य १८०७ मुक्ति स तस्य १८०७ मुक्ति स तस्य १८०७ मुक्ति स तस्य १८०७ मुक्ति स त्र १८०७ मुक्ति स तस्य १८०७ मुक्ति स तस्य १८०७ मुक्ति स तस्य १८०७ मुक्ति स तस्य १८०७ मुक्ति स तस्य १८०७ मुक्ति स तस्य १८०७ मुक्ति स तस्य १८०७ मुक्ति स तस्य १८०७ मुक्ति स तस्य १८०० मुक्ति स तस्य १९०० मुक्ति स तस्य १८०० मुक्ति स तस्य १८०० मुक्ति स तस्य १८०० मुक्ति स तस्य १९०० मुक्ति स तस्य १९०० मुक्ति | • | | า้ามีกลล | | Namu u | | · ` _ | |
| मुङ्क्ते महीं स २४६९ मृत्तद्वोहिणः १११७ मृत्तश्रार्था वि १६६७ मृति भिक्तीष ५६ मृत्तपूर्वम १३८९ मृत्तपूर्वम १३८९ मृत्तपूर्वम १३८९ मृत्तपूर्वम १३८९ मृत्तपूर्व ये २८१९ मृत्तपूर्व ये २८१९ मृत्तप्रताय १८५० मृत्तप्रताय १८५० मृत्तप्रताय १८५० मृत्तप्रताय १८५० मृत्तप्रताय १८५४ मृतिमान्केतु कर९६२ मृतिम्यस्तु व २८८४ मृतिमान्केत् कर९६० मृतिमान्केतु कर९६२ मृतिमान्केतु कर९६२ मृतिमान्केतु कर९६२ मृतिमान्केतु कर९६२ मृतिमान्केतु कर९६२ मृतिमान्केतु कर९६२ मृतिमान्केतु कर९६२ मृतिमान्केतु कर९६२ मृतिमान्केतु कर९६२ मृतिमान्केतु कर९६२ मृतिमान्केतु कर९६२ मृतिमान्केतु कर९६२ मृतिमान्केतु कर९६२ मृतिमान्केतु कर९६२ मृतिमान्केतु कर९६२ मृतिमान्केतु कर९६२ मृतिमान्केतु कर९६२ मृतिमान्केतु कर९६२ मृतिमान्केतु कर९६२ मृतिमान्वेतु कर९६२ मृतिमान्वेत्व कर९६२ मृतिमान्वेत्व कर९६२ मृतिमान्वेत्व कर९६२ मृतिमान्वेत्व कर९६२ मृतिमान्वेत्व कर९६२२ मृतिमान्वेत्व कर९६२ मृतिमान्वेत्व कर९६२ मृतिमान्वेत्व कर९६२२ मृतिमान्वेत्व कर९६२२ मृतिमान्वेत्व कर९६२ मृतिमान्वेत्व कर९६२२ मृतिमान्वेत्व कर९६२२ मृतिमान्वेत्व कर९६२२२ मृतिमान्वेत्व कर९६२२२ मृतिमान्वेत्व कर९६२२२२२२२२२२२२२२२२२२२२२२२२२२२२२२२२२२२२ | | | 20-27 -27-20 | | | | | |
| मुङ्कते राष्ट्रफ ८३१ भूतपूर्वे ये २८१९ भूतिना रक्षां २८५०, भूतिमा रक्षां २८५०, भूतिना रक्षां २८५०, भूतिमा रक्षां २८५०, भूतिमा रक्षां २८५०, भूतिमा रक्षां २८५०, भूतिमा रक्षां २८५०, भूतिमा रक्षां २८५०, भूतिमा रक्षां २८५०, भूतिमा रक्षां २८५०, भूती यहीतो ६२५७७, भूतिमा रक्षां २८६६ | * <u>-</u> | | | | अवाधाण वि | | भूमि भिन्नीय | |
| मुङ्क्ते स तस्य १३८७ मृत्पूर्वे ये २८१९ मृतिना रक्षां २८५०, मृप्तिः प्रतिष्ठा १३८५ मृत्येतिष २८९० मृजगेशम २८३० मृतमेतत्प १६३६ मृतिमान्केत्र कर९६२ मृप्तिः सस्यव कर९४५ मृप्तिः स्वर्थः २८५४ मृप्तिः स्वर्थः २८५४ मृप्तिकम्पादि २८७६ मृप्तेवः वेवे ३२६ मृप्तिकम्पतः कर९४५ मृप्तिकामस्य कर९४५ मृप्तिवाः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः मृप्तिवाः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्य | भुङ्क्ते महीं स | २४६९ | 1 | | न्ताव्याया ।व | | | |
| मुङ्क्व शौचं प १२१७ भुजगेशम २८३० भुजगेशम २८३० भुजन्नेशम १३६३ भुजङ्गमम १३६३ भुजङ्गमम १३६३ भुजङ्गमम १३६३ भुजङ्गमम १८७६ भुजङ्गमम १८७६ भुजङ्गमम १८७६ भुजङ्गमम १८७६ भुजङ्गमम १८७६ भुजङ्गमम १८७६ भुजङ्गमम १८७६ भूतवर्मा क्षे २७१६ भूतेग्यस्तु व २८८४ भूतिमान्केछ भूतेग्यस्तु व २८८४ भूमिकम्पादि २८७८ भूतेज्या च त २८८४ भूमिकम्पादि २८७८ भूतेन चैवे ३२६ भूमिकम्पे स ३२९१८ भूतेग्यस्तु व २८९४ भूमिगुणाना २०९८ भूतोण्यस्तु व २८९४ भूमिगुणान २०९८ भूतोण्यस्तु व २८९४। भूमिगुणोद २३०८ भूतो मृतेषु ९८, २४०, | भुङ्क्ते राष्ट्रफ | ८३१ | | | म् ।तकामस्त | | | |
| भुजगेशम २८३० सुजङ्गमः श २८४४ सूतमेतत्प १०५९ सूजङ्गमम १३६३ सूतमेतत्प १०५९ सूत्रेज्या च त २८८४ सूमिकम्पादि २८७८ सूत्रेज्ञ समि १८७६ सूत्रेज्ञ स्वामि क्षे २७१६ सूत्रेज्या च त २८८४ सूमिकम्पादि २८७८ सूत्रेज्ञ स्वामि क्षे २७१६ सूत्रेज्ञ चेवे ३२६ सूमिकम्पा स ३२९१८ सूत्रेज्ञ स्वाम्यामत्र १५१६ सूत्रामि १५०३ सूत्रेज्ञ स्वामि १६०० सूत्रेज्ञ स्वामि १५०० सूत्रेज्ञ स्वामि १६०० सूत्रेज्ञ स्वामि १५०० सूत्रेज्ञ स्वामि १६०० सूत्रेज्ञ स्वामि १६०० सूत्रेज्ञ स्वामि १६०० सूत्रेज्ञ स्वामि १६०० सूत्रेज्ञ स्वामि १६०० सूत्रेज्ञ स्वामि १६०० सूत्रेज्ञ स्वामि १६०० सूत्रेज्ञ स्वामि १६०० सूत्रेज्ञ स्वामि १६०० सूत्रेज्ञ स्वामि १६०० सूत्रेज्ञ स्वामि १६०० सूत्रेज्ञ स्वामि १६०० सूत्रेज्ञ स्वामि १६०० सूत्रेज्ञ स्वामि १६०० सूत्रेज्ञ स्वामि १६०० सूत्रेज्ञ स्वामि १६०० सूत्रेज्ञ स्वामि स्वामि १६०० सूत्रेज्ञ स्वामि स्वामि १८०० सूत्रेज्ञ स्वामि स्वामि १८०० सूत्रेज्ञ स्वामि स्वामि १८०० सूत्रेज्ञ स्वामि १९०० सूत्रेज्ञ स्वामि स्वामि १८०० सूत्रेज्ञ स्वामि स्वामि १९०० सूत्रेज्ञ स्वामि स्वामि १८०० सूत्रेज्ञ स्वामि स्वामि १८०० सूत्रेज्ञ स्वामि स्वामि १९०० सूत्रेज्ञ स्वामि स्वामि १९०० सूत्रेज्ञ स्वामि स्वामि १९०० सूत्रेज्ञ स्वामि स्वामि १९०० सूत्रेज्ञ स्वामि १९० सूत्रेज्ञ स्वामि १९०० सूत्रेज्ञ स्वामि १९०० सूत्रेज्ञ स्वामि १९०० सूत्रेज्ञ स्वामि १९०० सूत्रेज्ञ स्वामि १९०० सूत्रेज्ञ स्वामि १९०० सूत्रेज्ञ स्वामि १९०० सूत्रेज्ञ सूत्रेज्ञ सूत्रेज्ञ सूत्रेज्ञ सूत्रेज्ञ सूत्रेज्ञ सूत्रेज्ञ सूत्रेज्ञ सूत्रेज्ञ सूत्रेज्ञ स | | १३८७ | • | | भातना रक्षा | | भू।मः प्रातष्ठा | १३८५ |
| भुजाशम २८३० भुजाशम २८३० भुजाशम १८३० भुजाशम १३६३ भुतमेतत्प १०५९ भुतिमान्केतु \$२९६२ भूतिमान्केतु \$२९६२ | भुड्क्व शौचं प | १२१७ | भूतप्रेतपि | | ~ | | | #२९४६ |
| भुजङ्गमः श २८४४ भूतमेतत्प १०५९ भूतिमान्तेत् | | २८३० | भूतभव्यभ | १६३६ | भूतिभाग च | | - | २८४९ |
| भुजङ्गमिव १८७६ भूतवर्मा क्षे २७१६ भूतेन चैवे ३२६ भूमिकामस्त #२९१९ भूजङ्गचित्त २१४३ भूतशर्मा क्षे #,, भूतेम्यस्तु व २८९४ भूमिगुणाना २०९८ भूजिष्यं१ पात्रं ४०९ भूतसंगीम १५०३ भूतो ग्रहीतो #२५७७ भूमिनुणोद २३०८ भूतो मृता च किप २९५७, भूतो मृतेषु ९८, २४०, भूमिदानादि २८६६ | - | | भूतमेतत्प | १०५९ | भूतिमान्केतु | #२९६ २ | | २८७८ |
| भुजङ्गमिव १८७६ भूतवर्मा क्षे २७१६ भूतेन चैवे ३२६ भूमिकामस्त #२९१९ भूजङ्गचित्त २१४३ भूतशर्मा क्षे # ,, भूतेम्यस्तु व २८९४ भूमिगुणाना २०९८ भूजिष्यं१ पात्रं ४०९ भूतसंगीम १५०३ भूतो ग्रहीतो #२५७७ भूमिनुणोद २३०८ भूतो स्तेषु ९८, २४०, भूमिदानादि २८६६ | भुजङ्गमम | १३६३ | भूतये भूति | १७२१ | भूतेज्या च त | २८८४ | भूमिकम्पे स | # २९१८ |
| भुजङ्गवि २१४३ मृतशर्मा क्षे # ,, मृतेम्यस्तु ब २८९४ मूमिगुणाना २०९८ भुजाभ्यामत्र १५१६ मृतसंरक्ष ९१० मृतेषु दृश्य २९१८ मूमिन्छिद्रवि ६६९ भुजार्था सक ८५८ भूता च किप २९५७, भूतो मृतेषु ९८, २४०, मूमितृणोद २३०५ भूतो मृतेषु ९८, २४०, मूमिदानादि २८६६ | भुजङ्गमिव | १८७६ | भूतवमी क्षे | २७१६ | भूतेन चैवे | ३२६ | भूमिकामस्त | #2989 |
| भुजाभ्यामत्र १५१६ भूतसंरक्ष ९१० भूतेषु दृश्य २९१८ भूमिन्छिद्रवि ६६९ भूजिष्यं१ पात्रं ४०९ भूतसर्गीम १५०३ भूतो ग्रहीतो ७२५७७ भूमिनृणोद २३०७ भूतो भूतो युज्य १९०८ भूता च किप २९५७, भूतो भूतेषु ९८, २४०, भूमिदानादि २८६६ | भुजङ्गवृत्ति | | | | भृतेभ्यस्तु ब | २८९४ | | २०९७ |
| भुजिष्यं १ पात्रं ४०९ भूतसर्गीम १५०३ भूतो ग्रहीतो ७२५७७ भूमितृणोद २३०५ भूतो सक ८५८ भूता च किप २९५७, भूतो भूतेषु ९८, २४०, भूमिदानादि २८६६ | | | | ″ | | | भमिन्छिटवि | ६६९ |
| अज्यते सक ८५८ भूता च कपि २९५७, भूतो भूतेषु ९८, २४०, भूमिदानादि २८६६ | | | | 1 | | | | |
| भुज्यन्ते युज्य १९०८ | | | • | | ٩ . | | | |
| ८०४० द्वाराष्ट्रीय विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व व | भुज्यन्ते यज्व | | ••• | | d d | 1 | | |
| | | | | | | 17711 | क्षणपालाच्य अ | 7075 |

| भूमिद्रव्यक | २१०३ | भूमौ यावद्य | ११५२ | भूयश्च वक्ष्या | १७०६, | भूषणत्वेन | १३८२ |
|--------------------------------|------------------------|------------------|---------------|----------------------------|-----------------------|----------------------------------|-----------------------|
| भूमिद्रव्यपु | २६ १९ | भूमौ हि जाय | १३८५ | ` | २६३४ | भूषणे तु त्य | *२८२९ |
| भूमिद्रव्यह | २६१९ | भूम्नैवासिन् भू | ३४६. | भूयश्च खप | # २५०४ | भूषणेषु त्य | ,,, |
| भूमिपानां च | *५९३ | भूमेवनमे | २७१ | भूयश्चायं वृ | १२८४ | भूषणैर्भूषि | १९५५ |
| भूमिपानां म | ७४५ | भूम्यनन्तर | २१३९ | भूयसा परि | १२१४ | भूषयन्ति च ११ | ४०,१६६२ |
| भूमिपालस | २४९३ | भूम्यनन्तरः | १८५१ | भ्यस्ते यत्र | ५७२ | भूषितं मुकु | २८७८ |
| भूमिपालानां | ५९३ | भूम्यम्बुधरा | # 3404 | भूयांसं लभ ५ | ९५,१०४१ | भूषितान्नग | १४८० |
| भूमिपालो य | ६२२ | भूम्यम्बुधारा | क २५०४ | भ्यांस्ते हीय | २३७९ | भूषिता हार | * ₹०० १ |
| भूमिप्र दे श | २६७५ | भूम्यम्बुधीनां | ,, | भूयान्वे ब्राह्म | १८७ | भूषितो भोज | ९६ ० |
| भ मिप्रदे शे | Д. | भूम्यम्बुध्योरा | * ,, | भूविष्ठं कर्म | २३७६ | भूसंस्कारं रा | # ५९२ |
| भूमिप्राऽस्य की | * ,, ४६७ | भूम्यथे तृपा | २४१९ | भूयोऽपि दीव्य | १६०७ | भूस्वामी तु स्मृ | १३५७ |
| भूमिभागस | १८४१ | भूम्यर्थमुतिथ | २१४९ | भूयोभूयो र | 886 | भृकुटिं वात | * १७१४, |
| भूमिमित्रहि | ७४५ | भूम्यर्थिनं भू | २१२८ | भूयो भूयोऽव | २८९० | • | १७१७ |
| भूमिमिन्द्रियं | ३५२ | भूम्यर्थेऽनृत | २५३७, | भूयो वा याचि | २१८७ | भृकुटिं वान्त | १७१४ |
| भूमि रत्नादि | \$ 7८६६ | | ४५,२८९२ | भूयो वा हिर | २६ ३५ | भृगवोऽङ्गिर | २७६० |
| भूमिरिष ब्र | ४०९ | भूम्यर्थे भूमि | ११४३, १४२५ | भूयो विनय | ६५८, | भृगुं हिंसित्वा | ३९८ |
| भूमिरस्पफ भूमिरस्पफ | . २०५३ | | | , , | ९२० | भृगुः सनत्कु | २९८४ |
| मूमिरेती नि | १०५३, | भूम्या अधि प्र | ४५२ | भूयोऽस्य दक्षि | | भृगुतीर्थ चौ | २९६७ |
| भू।भरता ।ग | ५३,२७९१ | भूम्यां देवेभ्यो | ४०७ | भूरिति य इ | २१९ | भृगुतीर्थ प्र | * २९६७, |
| भूमिर्मित्रं हि | , २१४२ | भूम्यां मनुष्या | " | भूरिति वै प्र | ४२५ | | २९७८ |
| ٧. | 234 | भूम्येकदेश २०६ | ६२,२०८४ | भूरित्यृग्वेदा | ४४६ | भृगुतुङ्गः स | २९६७ |
| भूमिई जगा | 2833 | भूम्येकान्तरं | १८५१ | भूरित्येव ऋ | ጸ ጸጸ | भृगुतुङ्गः सु भृगुपुत्रम | " २४६६ |
| भूमिहिंरण्यं | २४४४ २०९२ | भूम्यै दशम्यां | २८६ ० | भूरिग्ररव | २४६८ | भृगुरङ्गि र | २८७० |
| भूमिलामं श | २८१६ | भूम्य पर्जन्य | ४०८ | भूरिश्रवाः श | २७१०, | मृगुरत्रिर्व २९ ५ | |
| भूमिवर्जे पु | २८ १६ २६ १ ६ | भूम्य पीठस | * 886 | ` | २७१६ | मृगुर्ददावृ | (२,२५७५ ६२१ |
| भूमिवासव | २८५ ० | भूय एव तु | १८९४ | भूरिश्रवा म | २८०२ | भृगुस्तृतीय | ₹ २ १ |
| भूमिश्च सस्य | ૨ ૯ | भूयः कुरु त | १९२२ | भूरिश्रवास्त | ⊕२७१६ ४७४ | न्दुउर्हताच भृगूणां त्वाऽङ्गि | |
| भूमिष्ठमुप भूमिष्ठाः स्वर्ग | १ ९४२ | 97774 9777577 | २६२ १ | भूरीणि भद्रा | | भृग्वङ्गिरस | #8990 |
| भूमिसंधि या | २६२० | भयः शोकस | २८०४ | भूजेपत्रं शि | १४६७ | भृग्वङ्गिरोवि भृग्वङ्गिरोवि | २९१२ |
| भागताय ना कामिताय ना | २०६२, | भूयः संस्कारा | ७४१ | भूर्जपत्रशि भूद्वीदशाकी | * ;; २५२३ | भृग्वङ्गिरो वि | • १६१७ |
| भूमीनामात्त | २०८४ | भूय: स भग | ६२० | -` • | १४३८ | भृग्वत्र्यङ्गर | १५०३ |
| · -~ | ४०९ | | १०९५ | भूर्नेदीमातृ | | भृग्वाङ्गिरस | १९७० |
| भूमे मातर्नि | ११३९ | 1 ' | २८१७ | भूर्भुवःस्वरो क्योरिक स | ३६० . २०६५ | भङ्गमालोप | २८३३ |
| भूमेरुपार्ज | | 1 ' | *2826 | भूलोंकोऽथ भु | = | भ्रष्टमञ्ज स | ९८५ |
| भूमेर्विभूत | 2882 | 1 % | | शक्रोकोरण भ | २९७७ १३ ९६५ | l | २८३६ |
| भूमो वै विट् | २५९,३०७ | | ,, 5 h a | भूलोकोऽथ भु | 9 | 1 - | |
| भूमी च जाय | * < २८५ | भूयश्च तैस्तैः | 470 | भूवित्तमित्र | २१३५ | (। भृङ्गारसप्त | २८ १ ४ |

| 07 | | nec | | 15 | | | |
|----------------------------------|--------|---------------------|--------------|-------------------------|---------------|-------------------------------|---------------|
| भृताभृतज | | भृत्यान् भोगैर्द्धि | | ८ भेदनं संह | | ,∫भैक्षं विप्रति | २३८० |
| भृताभृतप | ११३७ | भृत्यान् स्थापय | १६९ | | # 8487 | भैक्षचर्या न | ५८७ |
| भृतिं दद्यानि | ११४९ | 'I - ^ | | | १९४३ | रे मैक्षचर्यान | १३२२ |
| | २८२५ | | \$800 | | पः | भैक्षचर्याम | २४२७ |
| भृतिं विनारा | १७४८ | | १९,२३३ | 1 | १९५७ | भैक्षचर्याख | ५८३ |
| भृतिं विनास्वा | १७५३ | भृत्या मनुज | १७१३ | | १९०९ | भेक्षहोम त्र | |
| भृतित <u>ु</u> ल्यव्य | १७४१ | भृत्या यमुप | १७१ | भेदयेद्भिन्न | २०६८ | , । यहामञ | ५५६ |
| मृतिदा ने न | १७५० | ਪਤਸ਼ਾ ਤੇ ਤਕ | क्ष१६९८ | 1 - | ं २७३२ | मैक्ष्यचर्या त | \$ 4८७ |
| मृतिदाने स | १७५५, | भागा से सन | १६९७ | भेदरक्ष्याः प | * " | भैक्यचर्या न | 48322 |
| | १८४७ | | १७१७ | भेदवज्रेण | १९६५ | 1. | १०४६ |
| भृतिमेता व | १७५५ | । भूजा शहरू | ११४४ | | १९२३ | 1. | # ५५६ |
| भृतिबक्ता तु | | भृत्याश्च गृष् | १५४४ | | प्र | 1. | २७११ |
| न्हातस्ता <u>ज</u> भृतिरूपेण | " | भृत्याश्च त्रिवि | # १७१६ | भेदाद् गणा वि | | 1 | २५४७ |
| | १८४२ | । भून्याश्च तान्ध | १९५४ | भेदाद्विनाशः | ६०५ | 1 .1.1.4.4.411.4 | २३२४ |
| भृतो बत्सो जा | ७३६, | भृत्येन मित्रे | २०८६ | । मदायान क्र | १५२७ | भोक्तव्यं खेच्छ | ९२३ |
| ७४९,१३१ | | भृत्ये परीक्ष | १७१६ | 1 | | भोक्ता च भूप | # 3883 |
| भृत्यं परीक्ष | १७४० | मृत्येभ्यो विभ | २८२० | Takhadi ik | १५३४ | भोक्ता तस्य तु | १३८७ |
| भृत्यं प्रशिक्ष | १७५० | मृत्यभ्यो विस् | १०४५, | मेदितां शत्रु | २६९० | भोक्ता भूतप | २९९ २ |
| भृत्यः कुटुम्ब | १७४७ | | | 114/11/21/14 | १९५७ | भोक्तुं पुरुष | 2888 |
| भृत्यः कुर्यात्तु | १७१७ | भृत्यैः सह म | १६९२ जन् | . , , | *२९९९ | भोक्ष्येऽखिलम | १८७९ |
| भृत्यः स एव | १७५३ | 5,11, 26,11 | ७३५, १७१५ | ו יוועיוו פוע | " | भोगं गृहीत्वा | २२९८ |
| भृत्यचामर | २९३५ | भृत्यैविंहीय | २३८४ | भेदे गणा वि | የ ሞል | भोगं दायमा | २२९६ |
| मृत्यभर णी | ६७३ | | | भेदे दण्डेऽनु | . १९८९ | भोगं राज्यं त | ७४२ |
| भुत्यलब्धिश्चा | २५०२ | ٠٠٠ نے ا | १७४० २५७७ | भेदेनोपप्र | १९१२ | भोगद्वैगुण्यं | २६१३ |
| भृत्याः परिभ | ७३५, | | ٦ . | भेदे विनाशो | १५४६ | भोगपत्रं तु | १८३९ |
| • | ,१७१५, | भृत्यो युक्तः स | १७०० | भेदो न भवि | २१३१ | भोगप्राप्तं वि | |
| | १९०३ | भृत्यो वा यदि | ५६५ | भेदो नो तस्य | १२५६ | भागप्रात ।प भोगप्राप्तिश्च | १८७५ |
| भृत्याद्यैर्यन | | भृत्यो वै रूप | *१७०० | भेदोपादाना | ६७७ | गागशातव | २६६९, |
| भृत्या धनह | I | भेटकानां सू | १४७६ | भेदोपायेन | 1 | | २ ७८७ |
| भृत्यानां ग्रह | | भेतव्यं हि स | १०३५ | भेद्या स्वकार्य | | भोगप्राप्या च | #२६६ ९ |
| • | | | 8679481 | | 1 | भोगभेदाः स | २७३३, |
| भृत्यानां भर | | भेत्तुकामः प | 1011 | भेरीपटह २० | २३४७ | | २७४३ |
| १२६४, | १५७८, | भेदं कुर्वीत | 1 14 41 | मे रीपणव | | भोगभोगव्र | २९९८ |
| ४५८२ अञ्चलको केन | ,१८०५ | े १९६३, | १९६४ | भेरीप्रहार | २७०३ | भोगांश्च दद्या | ७१३ |
| श्वत्यानां वेत श्वत्यानां संग | १५४२ | भेदंच प्रथ | | मेरीमृ द ङ्ग | २६०४ | भोगायतनं | ९०८ |
| भृत्यानां संग्र | २४७३ | भेदंवाबूदा | | भेरण्डा वाम | | भोगे चाऽऽयुषि | १९९६ |
| भृत्यानामनु | १०२९ | मेददण्डा <u>न</u> ु | | मेर्यश <u>्चा</u> ऽऽकाश | | भोगेषूदय | #१०७६ |
| भृत्यान् भक्तिम | २४८६। | भेददण्डी स | १९४३ | | | भोगेष्वदय | |
| | | | | | - • • | • • • | " |

| | | | | • | | | 4. 9.2 44 |
|-----------------------|---------------|-----------------------|---------------|------------------|---------------|----------------------------|------------------------------|
| भोगेष्वायुषि | #8998 | भ्रमत्तुरंग | | भ्रातृन्सर्वान्स | | मङ्गलाचार ७४ | |
| भोजनं तं सु | २५४२ | भ्रम्रतमा | | भ्रान्तं प्रचलि | १५१८ | • | २४०८ |
| भोजनं पाय | २९८१ | भ्रमरेऽन्तःपु | १४९५ | भ्रान्तमुद्भ्रा | | मङ्गलादे श | १४१० |
| भोजनवत्स | १००१ | भ्रश्यते शीघ | १९०३ | भ्रान्तेः पुरुष | ' ' | मङ्गलाचप्र | ⊕ ५५२ |
| भोजनान्यथ ७९ | | भ्रष्टप्रमाणा | २५२२ | | , , | मङ्गला धन | १४८० |
| भाजनायोप भोजनायोप | #१२२० | भ्रष्टश्री: खामि | ९३७ | भ्रामयेनग | | मङ्गला धनु | *)) |
| भोजनार्थ च | १४८४ | भ्रष्टा भवन्त्य | ११५० | भ्रुकुटी चण्ड | | मङ्गलानां श | २९७४ |
| | २८२८ | भ्राजमाना व्य | २७०४ | भ्रूणहत्यां च | | मङ्गलानाम ६ | |
| भोजनासन | १२२० | भ्राजिष्मती दु | २४९५, | भूमध्ये च तृ | | मङ्गलानि च | ८४३, |
| भोजने चोप | ८१,११२४ | A.1.4 3 | २४९६ | मकरदंष्ट्रा | ९९९ | ਜਵਾਜ਼ੀ ਤ | २४ ९६ ३५३३ |
| | २८५६ २८५६ | भ्रातरं चापि | # १०१३ | मक्रन्दास | ८९३ | मङ्गलानि त | २५२३, |
| भोजयेच्छक्ति | | भ्रातरं भगि | १०१६ | मकरस्य तु | २७१८ | मङ्गलानि पु | _{(४२,} २५५० २३८९ |
| भोजख- २८४ | | भ्रातरं वाऽपि | १०१३, | मकरोऽथ ग | २८३८ | मङ्गलान उ मङ्गलानि स | २८४९ |
| | ४६,२८४८ | भ्रातरो वै म | १४ | मकरो व्यति | २७३३, | मङ्गलान उ मङ्गलान्बल | २९८१ |
| भोजस्तु जाङ्ग | २८४२ २८३६ | भ्राता मे गुण | \$686 | | * ₹७४४ | | १४८० |
| भोजस्त्वाह- | | भ्राता शत्रुः क्लि | २०३६ | मकरो व्यव | २७४४ | मङ्गला मङ्ग मङ्गलालभ २९ | |
| भोजेनापि न | १४९४ | भ्रातुरस्य हि | १०५५ | मकुटं प्रक्षा | २९३१ | | |
| भोजोऽपि— | २८३८, | भ्रातुरेतद्व | *२७१९ | मक्षिकाणां च | २४८६ | | ५७६,९५९, |
| | २८४७ | भ्रातुर्भायवि | * ₹८०४ | मक्षिका मश | २८४० | | १, # २९०९, |
| भोज्यमनं प | ९८६ | भ्रातुर्वर्तसि | ,, | मक्षिकास्ते प | ६६ | | ९१०,२९५४ |
| भोज्यानि चैव | २९२८ | भ्रातुस्तद्व | રહે १९ | मख़स्य तेत | २३ | मङ्गला विज | २८ ३४ २५१२ |
| भोज्ये ऽसं मतो | १२७२ | | २८०४ | i . | ४७१ | मङ्गल्यं चत | |
| भौज्यं वा एत | २०७, | | १८७९ | I | १६१२ | मङ्गल्यं तन्न | १५११ |
| | २३१,२३२ | भ्रातृभिः सह | २७०६, | 1 | १०४८ | मङ्गल्यरूपा | १०९४ |
| भौमं चैवाप्र | #१ ४५९ | | २७०७ | मगधेश्च क | • २७१३ | मङ्गस्यलब्धिः | २५०७ |
| भौमं ब्रह्म द्वि | १०६० | भ्रातृभिश्च त | १९०० | मघवन्तं प | २८६८ | मङ्गल्यशब्दाः | २४९६ |
| भीमं याम्यफ | # २९२० | भ्रातृभ्यां सहि | २७१२ | मघवन्नेत | ४८० | मङ्गल्यस्थाप्र | ५५२ |
| भौमाः पूर्वे प्र | २४८३, | भ्रातृब्य तानि | २९०६ | मघा च फाल्गु | २९५७ | मङ्गल्यानां त | १५१२ |
| | २९१६ | 1 MIS. 16. | ,, | मघादिषु त | २४७१ | मङ्गल्याश्च रि | |
| भौमादनन्त | २५३० | निश्चारित्या साल | १८९१ | मघादिसप्त | " | मङ्गल्याश्च य | २९०९ |
| भौमान्तरिक्ष | ९४२, | 1 2 3 | ११ ४४ | 1 | २४७० | मङ्गख्यास्ते प | १५१२ |
| २८५ | ५२,२९०९, | | ७ १०१६ | 1 . | २४९० | मङ्गस्ये वा ह | २६ ३७ |
| _ | २९८४ | Mich ti are | २४५० | मङ्गलं कुसु | १ ४७५ | | २९४३ |
| भौमाप्यतेज | २५३१ | ો સાંતુષ્યુગાન્ય - | ሪሄሄ | • | २९२८ | 1 | |
| भौमे त्वल्पफ | २९२० | ै २४५ | ५०,२८१५ | | %६६३, | | *१२६२ , |
| भौमे पञ्चद | २ ४६३ | भ्रातृन्बन्ध्श्र | ११५७ | 1 | | म ज्जास्थिस्नेह | २९२ ४ |
| भौमोदर्वेऽरो | २४६९ | | *68 | भङ्गला चर्चि | २९९३ | । भजारनेहव | १४४२ |
| 41414221 | | * | | | | | |

| मजेत्त्रयी द | ५८९ | मण्डलं वा प्रो | २०६४ | मत्तः कोऽभ्यधि | ८२२ | मदं खप्रम | १७६३ |
|------------------|---------------|---|----------------|-------------------|---------------|------------------|---------------------|
| मज्जेद्धर्मस्त्र | ७९८ | मण्डलः स म | *२७१३ | मत्तः प्रियत | ८४५ | मदः प्रमादः | १७८२, |
| मञ्जाधिकारे | ७४९ | मण्डलः सर्व | •२७३१, | मत्तकाशिन्यः | ११२० | | १७९५ |
| मञ्जासीनः श | २६९ ० | ২ ৬ | ३३,२७४१ | मत्तद्विपच | २९८० | मदः प्रमादो | ६१५ |
| मिञ्जष्टं जल | २८७५ | मण्डल: सुम | २७१३ | मत्त्रमत्त | २१४४ | मदिक्लन्नक | १५१३ |
| मञ्जूकारोच | २९४१ | मण्डलक्षोभ | २१३९ | मत्तस्य न प्र | १०८ | मदधीनमि | १२०५ |
| मडका लड | २७०९ | मण्डलचरि | ६७५ | मत्तात्प्रमत्ता | १०७३ | मदनकोद्र | १३९७ |
| मणयो रूप्यं | २२५५ | मण्डलितक | #१८६६ | मत्तानां सुवि | * ₹७१८ | मदयन्तिका | २५४८ |
| मणि वा पङ्क | २९०० | मण्डलप्रोत्सा | ६७८ | मत्तानामधि | ,, | मदयन्ती व | २९७९ |
| मणिः कौटो मा | 2238 | मण्डलमस्य | २०६६ | मत्ता भक्ष्यार्थि | #२५१० | मदरक्तस्य ११ | ३२,११४२, |
| मणिकुम्भमु | २८४६ | मण्डलब्यूह | २७३३, | मत्ता भिक्षार्थि | " | | १६०६ |
| मणिचामर | ૨૮ ૪૫, | | २७४४ | मत्ता व्यसनि | १७४१ | मदहेतून | ९६ १ |
| | २८४६ | मण्डलस्था च | ५७७ | मत्ते गजे गो | ६५६ | मदा एतेऽव | # \$ 083 |
| मणिधातुगु | २८ ४४ | मण्डलस्य चा | २०५९ | मत्तो गजव | २९४२ | मदाऽक्षेपा म | २९९६ |
| मणिना भूषि | १७१६ | मण्डलस्य तु | २९८३ | मत्तोनमत्त्रप | २७६३ | मदान्वितैर | # {888 |
| मणिनियम | २८४५ | मण्डलस्थाभा | २६४८ | मत्तोन्मत्तैर्दु | १०३७ | मदावस्थां च | २७५२ |
| मणिभिः कृज | १४७५ | मण्डलाकार | १५१५ | मत्प्रसादाद्द | ७४० | मदिरामद | २१४९ |
| मणिमध्यं वा | २२३ <i>०</i> | मण्डलाइहि १८ | | मत्या परीक्ष्य | १२८७ | मदिरामुदि | २४६८ |
| | 4440 | मण्डलानि च | १८४९, | मत्वा चार्थव | १३५८ | मदीयानां च | १२१९ |
| मणिमध्योऽर्ध | " | | ૨ ૦५૨ | मत्सकाशम | १०९६ | मदीया मान | |
| मणिमुक्ताम | २३५७ | मण्डलानि स | १८५८ | मत्स्यकच्छप | ९९० | मदोद्रभी म | " * ? ९९८ |
| मणिमुक्तायु | • ,, | मण्डलासंह | २७३३, | मत्स्यग्राहवि | ९७६ | मदोद्धतः क्रि | |
| मणिर्वलिषु | २८३९ | • | # २७ ४१ | मत्स्यन्यायेन | क्र७३६ | _ | *१७९० |
| मणिविद्रुम | २८८७ | मण्डलेशश्च | २८३७ | मत्स्थपक्षिणां | २२९४ | मदोद्धतस्य | *१२६२ |
| मणिस्निग्धोद | २२३७ | मण्डलैः काक | २५१७ | मत्स्यपरंप | २६५१ | मदोद्वृत्तः क्रि | १७९० |
| मणीनां हर | १४७५ | मण्डलोऽसंह | २७४१ | मत्स्यप्लवह | १३९१ | मदोद्वृत्तस्य | १२६२ |
| मणीनामथ | २८३७ | | | मत्स्यबन्धका | २२९९ | मदोन्मत्तस्य | * ,, |
| मण्डपं कार | २८५६, | | ८५,१४७० | मत्स्यशङ्खाङ्कि | २८८५ | मद्वाहुबल | 3666 |
| | २८९१ | मण्ड्ऋवसा | २६५५ | मत्स्या इव न | *C08 | मद्यकामं यो | १००८ |
| मण्डपेश्चर्म | २७०२ | मण्डूको ग्रस २४ | · | मत्स्थाम्भसा तु | १४३२ | मद्यपः कित | १४२८ |
| मण्डलं चतु | | मतस्तु मम | ् १५०२ | मत्स्या यथाऽन्तः | २२२८ | मद्यप्येकश्च ११ | ५१,१९८४ |
| | २९३५ | मतिकमंसु | १७०४ | मत्स्यार्थीव ज | ११०६ | मद्यभोजन | २६ ३८ |
| मण्डलं चिन्त | १८५९ | मतिनदीयं | २६९८ | मत्स्याहिशङ्ख | १३७१ | मद्यमांसप | १३८७ |
| मण्डलं तव | # 8८५८ | मतिमन्तः सा | १२४६ | मत्स्थो मत्स्यमु | १८७४ | मद्यस्य आढ | २३१२ |
| मण्डलं तु स | २७१३ | मतिमाञ्श्रेय | २७९६ | मत्स्थो राजा र | २४३० | मदाङ्गनावा | १६०७ |
| मण्डलं त्रिक | १८६६ | मतिमान्धृति | १२४३, | मत्स्वामिनाऽसं | १६८३ | मद्रकः सिन्धु | * ₹७१० |
| मण्डलं मण्ड | १े८६७ | २२ | | मथीद्यदीं वि | ८२ | मद्रकाः सिन्धु | " |
| मण्डलं मनु | २७ १ ३ | मतिस्मृतिस | | मदं वा वार | | मद्रास्त्रिगतीः | २७१६ |
| | | | _ | | | | |

| • | मद्रिपुं साध | २१९३ | मधूकपुष्पं | * १४६५ | मध्यमोदासी | २०६३, | मध्ये ह्युपहि | १८५२ |
|---|-------------------|----------------|------------------------|-------------------|------------------|--------------|--------------------------|--------------|
| | मद्विषेश्च क | ५९३ | मध्य आमिक्षा | ं३४२ | | २६४८ | मध्योदासीन | ११३८ |
| | मद्विनाशे वि | ११२३ | मध्यं तदस्य | *३८३ | मध्यमोऽर्थे क | ५५७ | मध्वः सोमस्या | ५४ |
| | मधुकं चेति | *१४ ६९ | मध्यंदिने च | # ९४६ | मध्यमो विंश | १४८९ | मध्वश्राति | २४८१ |
| | मधुकं पुष्प | १४६५ | मध्यंदिनेऽर्ध | ९४६, | मध्यरात्रे वि | ९४३ | मध्वाज्ययुक्तं | २९२५ |
| | मधुकं वेत | १४६९ | | १७७६ | मध्यव्यूहे फ | | मध्वाज्ययुक्ते | २९२४ |
| | मधुक्रनिर्यू | २२९२ | मध्यं प्रपूर | | मध्यस्यः सत्त्व | १०७९ | मध्बवामृत | ६४८ |
| | मधुच्छन्दाः शृ | १९२ | मध्यः कर्मभू | १४१४ | मध्यस्यदोषाः | | मध्वो अयं दि | ३३३ |
| | मधुदुग्ध व | ११४४ | मध्यज्यायः क | १८७६ | | २००५ | मनःकर्णसु | २९४० |
| | मधुदोहं दु | १३१८ | मध्यत एव | | मध्यस्थान्सर्व | ५६२ | मनः कृत्वा सु | २३८१ |
| | | २९७ ५ | मध्यतः सुव | २६९,२७५, | मध्यस्थायिनं | १९२० | मनःपरिज | ९६६ |
| | मधुपर्कादि | | | | मध्यस्थायिनि | ,, | मनःप्रसादः | १७८२, |
| | मधुपर्कांचे | २९३३ | मध्यतो मन्दि | २८४८ | मध्यस्थावाम्ब | २५३० | | १७९३ |
| | मधुपर्केण | २९२२, | । प्रध्यत्ज्ञा द २। | ७३३,२७४० | मध्याह्ने मन्त्र | १८०५ | मनः प्रह्लाद | ९३४,१६०५ |
| | ~ ~ | २९५३ | प्रध्यपदास्य | | मध्ये कम्बल | २८९८ | मनःसमेता | २४६९ |
| | मधुपणीं वि | # १ ४६५ | मध्यमं त्वनु | २०६३ | मध्ये कलत्रं | २६०९, | मनवे शास | ३७२ |
| | मधुपर्णी वि | " | गरममं =बरि | २१६२ | २६, | ८८,२७३३, | मनवे सूर्य | १५०६ |
| | मधुप्रपातो | १२१३ | गण्यमं गर | *१३२५ | | २७३४ | _ | २५४५ |
| | मधु प्रियं भ | ५३ | | | मध्ये कृत्वा तु | २९३ ६ | | ४६६ |
| | मधुमतीर्भ | २७४ | | | l | | मनसश्च प्र | २७०२ |
| | मधुमतो लो | ४५४ | | | मध्ये चान्ते च | | | २५ ०७ |
| | मधु मधुक | २२४ १ | मध्यममुदा मध्यममुदा | | मध्ये दुर्योध | २७१८ | , , | १०९६ |
| | मधुमांसैर्मू | ६३१ | | | मध्येन ध्नन्तो | 488 | 11.101 .16 | १५१८ |
| | मधुमान् भव | ४५४ | गणगणभेदान | 3306 | मध्ये निम्नो द | | मनसा चक्षु मनसा चिन्त | १५१८ २००३ |
| | मधुमिश्रं ब्रा | २९३२ | ग रमण्डलेट | २०६३ | 1 - | રહપર | | ર |
| | मधुरत्वे भ | २९६२ | | २०६४ | 1 | २८५६ | मनसा चिन्ति | |
| | मधुरवच | ११३५ | THETHTOTAL | २३०८ | 1 | १०३३ | मनसा निर्द | १६९७ |
| | मधुरानूष | २३५५ | | २२७ ५ | 1 | | मनसाऽन्यश्च | ७६ ३ |
| | मधुरेणैव | १८९५ | | १४६,१७७८, | मध्ये युधिष्ठि | २७१ ४ | मनसाऽपि न | ८६१, |
| | मधुँरै: प्रश्रि | १२१७ | | ८५३,२६ <i>२</i> ६ | _ | १०८१ | | ११४४ |
| | मधुरै: प्रस | * ,, | | | मध्ये ब्यूहस्य | २७१९ | मनसा भाव | २०३२ |
| | मधुरैः सुख | १९५१ | | | मध्ये शिखण्डि | २७०८ | मनसाऽर्थान्वि | ` २३७३ |
| | मधु वा मि | २९२६ | · • | | | २७५२ | मनसा वा इ | २९ १ |
| | मधुश्यामा च | ९८३ | 1 | २९८२ | 1 | १४९३ | मनसा सन्न | २७९६ |
| | मधुरयावा च | * ,, | मध्यमानीत | १४९७ | मध्ये साधुमृ | | गचिक में = | - 3 |
| | मधुसर्पिषी | २५४९ | | | मध्येसेनामु | २७२० | मनसि मे च | |
| | मधुस्रावे भ | | मध्यमामध्य | | मध्ये सेनामु | * ,, | मनसैव ब्र | ४४५ |
| | मधुहेव दु | १३६२ | । मध्यमे तोर | २८८२ | मध्ये सैन्यस्य | २७१० | । मनसोऽभिप्रा | १९३७ |
| | | | | | | | | |

| _ | | | | | | | |
|--------------------|----------------------|---------------------------|---------------|-----------------------|---------------|--|---------------------|
| मजेत्त्रयी द | ५८ | ९ मण्डलं वा प्रो | २०६४ | मत्तः कोऽभ्यधि | (33 | मदं खप्नम | 9106 3 |
| मज्जेद्धर्मस्त्र | ७९ | ८ मण्डलः स म | *२७१३ | | ८४५ | | १७६३ |
| मञ्जाधिकारे | ७४९ | ९ मण्डलः सर्व | क२७३१, | | ११२० | 1 . 4. 4.114. | १७८२, |
| मञ्चासीनः श | २६ ९ | ১ বঙ | ३३,ं२७४१ | मत्तद्विपच | २९८० | 1 | १७९५ |
| मिञ्जिष्टं जल | २८७५ | , मण्डलः सुम | २७१३ | | २१ ४४ | 1 ~ . | ६१५ |
| मञ्जूकारोच | २९ ४१ | | २१३९ | मत्तस्य न प्र | १०८ | मदधीनमि | १५१३ १२०५ |
| मडका लड | २७०९ | मण्डलचरि | ६७५ | मत्तात्प्रमत्ता | इ००३ | | |
| मणयो रूप्यं | २ २५५ | | # १८६६ | मत्तानां सुवि | *2086 | मदयन्तिका | १३९७ २५४८ |
| मणि वा पङ्क | २९०० | | ६७८ | मत्तानामधि | ,, | मदयन्ती व | २९७९ |
| मणिः कौटो मा | २२३१ | THEFT | २०६६ | मत्ता भक्ष्यार्थि | # 3480 | मदरक्तस्य ११ | |
| म णिकुम्भमु | २८४६ | | २७३३, | मत्ता भिक्षार्थि | " | ••• | १६०६ |
| मणिचामर | २८४५, | | २७४४ | मत्ता व्यसनि | १७४१ | मदहेत्व | ९६ १ |
| _ | २८४६ | | ५७७ | मत्ते गजे गो | ६५६ | मदा एतेऽव | #१०४२ |
| मणिधातुगु | २८४४ | I. | २०५९ | मत्तो गजव | २९४२ | मदाऽक्षेपा म | २५९६ |
| मणिना भूषि | १७१६ | | २९८३ | मत्तोनमत्तप्र | २७६ ३ | मदान्वितेर | # {888 |
| मणिनियम | २८४५ | मण्डलस्याभा | २६४८ | मत्तोन्मत्तेर्दु | १०३७ | मदावस्थां च | २७५२ |
| मणिभिः कृज | १४७५ | मण्डलाकार | १५१५ | मत्प्रसादाह | ७४० | मदिरामद | २१४९ |
| मणिमध्यं वा | २२३० | मण्डलाद्वहि १८५ | 19,१८६४ | मत्या परीक्ष्य | | मदिरामुदि | २४६८ |
| मणिमध्योऽर्घ | ,, | मण्डलानि च | १८४९, | मत्वा चार्थव | | मदीयानां च | १२१९ |
| मणिमुक्ताम | २३५७ | | २०५२ | मत्सकाशम | | मदीया मान | |
| मणिमुक्तायु | _ | मण्डलानि स | १८५८ | मत्स्यकच्छप | | मदोद्रभी म | " * ጓ ९९८ |
| मणिर्वलिषु | २ ,, २८३९ | मण्डलासंह | २७३३, | मत्स्यग्राह्वि | | मदोद्धतः क्रि | *{\9 \$ 0 |
| मणिविद्रुम | | | # ₹७४१ | मत्स्यन्यायेन | क्ष७३६ | मदो द्धतस्य | |
| मणिस्निग्धोद | २८८७ | मण्डलेशश्च | २८३७ | मत्स्यपक्षिणां | 4478 | | *१२६२ |
| | २२३७ | मण्डलैः काक | ,,,- | मत्स्यपरंप | २६५१ | मदोद् ष्ट्रत्तः क्रि | १७९० |
| मणीनां हर | १४७५ | मण्डलोऽसंह | 7001 | मत्स्यप्लवह | 11 | मदोद् वृत्तस्य परोज्या वस्य | १२६२ |
| मणीनामथ | २८३७ | मण्डूकपणी ९८ | 747 9 9 9 1 | मत्स्यबन्धका | 1111 | मदोन्मत्तस्य | # ,, |
| मण्डपं कार | २८५६, | मण्डूऋवसा | 351.14 | मत्स्यशङ्खाङ्क | | नद्वाहुब ल | 3666 |
| - 4 . | 46.58 | मण्डूको ग्रस २४८ | [| मत्स्या इव न | | ाद्यकामं यो | १००८ |
| मण्डपैश्चर्म | 1001 | मतस्तु मम | | मत्स्याम्भसा तु | | म्बपः कित | १४२८ |
| मण्डलं चतु | र९३५ | मतिकर्मसु | | मत्स्या यथाऽन्तः | | ाद्यप्येकश्च ११५ | |
| मण्डलं चिन्त | १८५९ | प्रतिनहीयं | 1 | मत्स्यार्थीव ज | | ाद्यभोज <i>न</i> | २६३८ |
| मण्डलं तव | # 8242 | मतिमन्तः सा | | नत्स्याहिशङ् ख | | ाद्यमांसप | १३८७ |
| मण्डलं तु स | २७१३ | नातमाञ्जेय मतिमाञ्जेय | 2484 1 | त्स्यो मत्स्यमु | १८७४ | ाचस्य आढ | २३१२ |
| मण्डलं त्रिक | १८६६ | नातमाञ्जूष मतिमान्धृति | 53/3 - | तस्यो राजा ह | २४३० म | | १६०७ |
| मण्डलं मण्ड | ^२ १८६७ | | 1 (7° 7' 1 | त्स्वामिनाऽसं | 1 | द्रकः सिन्धु | # 3७१० |
| मण्डलं मनु | | पतिस्मृतिस | ,२३५९ इ | ाथाद्यदान सदंवानार | | द्रकाः सिन्धु | " |
| | • • • | | 2 48 \$ 1 F | १५ व। वार | २५१३ म | द्रास्त्रगतीः | २७१६ |
| | | | | | | | |

| • | मद्रिपुं साध | २१९३ | मधूकपुष्पं | | मध्यमोदासी | ं२०६३, | मध्ये ह्युपहि | १८५२ |
|---|-------------------------|---------------------------|-------------------------|--------------|-------------------|--------------|--------------------------|----------------|
| | मद्विषेश्च क | ५९३ | मध्ये आमिक्षा | ं३४२ | | २६४८ | | ११३८ |
| | मद्विनाशे वि | ११२३ | मध्यं तदस्य | # ₹८₹ | मध्यमोऽर्थे क | ५५७ | मध्वः सोमस्या | ५४ |
| | मधुकं चेति | *१४ ६९ | मध्यंदिने च | | मध्यमो विंश | १४८९ | मध्वश्राति | २४८१ |
| | मधुकं पुष्प | १४६५ | मध्यंदिनेऽर्ध | ९४६, | मध्यरात्रे वि | ९४३ | मध्वाज्ययुक्तं | २९२५ |
| | मधुकं वेत | १४६९ | | १७७६ | मध्यव्यूहे फ | २७३३ | मध्वाज्ययुक्ते | २९२ ४ |
| | मधुकनिर्यू | २२९२ | मध्यं प्रपूर | | मध्यस्थः सत्त्व | १०७९ | मध्ववामृत | ६४८ |
| | मधुच्छन्दाः शृ | १९२ | मध्यः कर्मभू | १४१४ | मध्यस्यदोषाः | १०७६, | | ३ ३३ |
| | मधुदुग्धव | ११४४ | मध्यज्यायः क | १८७६ | | २००५ | मनःकर्णसु | २९४० |
| | मधुदोहं दु | १३१८ | मध्यत एव | ४३३ | मध्यस्थान्सर्व | ५६२ | मनः कृत्वा सु | २३८१ |
| | मधुपकादि | २९७५ | मध्यतः सुव | २६९,२७५, | मध्यस्थायिनं | १९२० | मनःपरिज | ९६६ |
| | | | | २७६,३०१ | मध्यस्थायिनि | ,, | मनःप्रसादः | १७८२, |
| | मधुपर्काचे मधुपर्कोग | २९३३ २९२२, | मध्यतो मन्दि | २८४८ | मध्यस्थावाम्ब | २५३० | | १७९३ |
| | मधुवर्केण | | मध्यदेशे ह २ | ७३३,२७४० | मध्याह्न मन्त्र | १८०५ | मनः प्रहाद ९ | ३४,१६०५ |
| | | २९५३ | मध्यपद्मस्य | २९८९ | मध्ये कम्बल | २८९८ | | २४६९ |
| | मधुपणीवि | # ? ४६५ | मध्यमं त्वनु | . २०६३ | मध्ये कलत्रं | २६०९, | मनवे शास | ३७२ |
| | मधुपर्णी वि | " | मध्यमं त्वरि | २१६२ | २६८ | ८,२७३३, | मनवे सूर्य | १५०६ |
| | मधुप्रपातो | १२१३ ५३ | मध्यमं पद | *१३२५ | | २७३४ | | ર ५४५ |
| | मधु प्रियं भ | ૧ ૧ ૨ ૭૪ | मध्यमः पञ्च | | मध्ये कृत्वा तु | २९३६ | मनसः खराः | ४६६ |
| | मधुमतीर्म | | मध्यमः साम्य | | | રહ 4૨ | | २७०२ |
| | मधुमतो लो | ४५ ४ | | ६७५,२०६६ | 1 | १३८८ | • • • • • | २५०७ |
| | मधु मधुक | २२४१ | मध्यममुदा | | मध्ये दुर्योध | २७१८ | मनसा ग्रह | १०९६ |
| | मधुमांसैर्म् | ६३१ | मध्यमयामि | 2324 | मध्येन ध्नन्तो | 488 | - | |
| | मधुमान् भव | ४५४ | मध्यमश्चेत्स्व | | मध्ये निम्नो द | १४९३ | मनसा चक्षु मनसा चिन्त | १५१८ २००३ |
| | मधुमिश्रं ब्रा | २९६२ | मध्यमश्चेद | | मध्ये पदात | २७५२ | | વ |
| | मधुरत्वे भ | २९६२ | मध्यमश्चेद्वि | | मध्ये पद्मं तु | २८५६ | मनसा चिन्ति | १७७२ |
| | मधुरवच | ११३५ २३५५ | मध्यमसम | | मध्ये पृथिव्या | १०३३ | मनसा निर्द | १६९७ |
| | मधुरानूष | १८९५ | मध्यमस्य पु | | मध्ये भित्त्वा धू | | मनसाऽन्यश्च | ७६ ३ |
| | मधुरेणैव | | मध्यमस्य प्र ९ | | | २७१४ | मनसाऽपि न | ८६१, |
| | मधुरैः प्रश्रि | १२१७ | | ८५३,२६२६ | | १०८१ | | ११४४ |
| | मधुरै: प्रस | * ,, | मध्यमस्याऽऽत | | मध्ये ब्यूहस्य | २७१९ | मनसा भाव | २०३२ |
| | मधुरैः सुख | १९५१ | मध्यमस्रोत्त | | मध्ये शिखण्डि | २७०८ | मनसाऽर्थान्वि | २३७३ |
| | मधुवामक्षि | २९२६ | | | मध्येऽष्टौ रथि | २७५२ | मनसा वा इ | २९१ |
| | मधुरयामा च | ९८३ | मध्यमानामि सःस्यानीन | | मध्ये साधुमृ | १४९३ | मनसा सन्न | २७९६ |
| | मधुरयावा च | * ,, | मध्यमानीत | | | | मनसि मे च | ~ ૧ |
| | मधुसर्पिषी | | मध्यमा बाह्री | | मध्येसेनामु | २७२० | _ | २४८२ |
| | मधुस्रावे भ | | मध्यमामध्य | | मध्ये सेनामु | * ,, | मनसैव ब्र | ४४५ |
| | मधुहेव दु | ४३५२ | मध्यमे तोर | २८८२। | मध्ये सैन्यस्य | २७१० | । मनसोऽभिप्रा | १९३७ |
| | | | | | | | | |

| मनलापं न ६८२,७४६ मनोजवस्तः २९५८, मनलं क्लाट थ ६६० मनलेहेः उ २०६६ मनलं काल २६६४ मनलेहेः व २४६५ मनलेहें व २४६५ मनलेहें व २४६५ मनलेहें व २४६५ मनलेहें व २४६० म | मनस्तापं न ६८२.७४६ मनोजवस्त २९७ | ८. मन्त्रं कत्वाऽथ | 00. | | |
|---|---|---|-------------|-------------------|---------------|
| मनिलां त २४३३ मनिलां त २४३० मनिलां त १४०० म | | | ५५ ० | मन्त्रभूतैः कु | #७९१ · |
| मनास्ताः त २११६ मनोत्ता प्र १९९० मनोत्ता प्र १९९० मनोत्ता प्र १९९० मनोत्ता प्र १९९० मनोत्ता प्र १९९० मनोत्ता प्र १९०० मनोत्त | | ६ मन्त्रं जगाद | | _ | |
| सनास्ता म ११९६ मनोह्य म भनोह्य म १९९५ मनोह्य स १९९५ मनोह्य म १९९५ मनोह्य म १९९५ मनोह्य म १९९५ मनोह्य म १९९५ मनोह्य म १९९५ मनोह्य म १९९५ मनोह्य स १९९५ मनोह्य स १९९५ मनोह्य स १९९५ मनोह्य स १९९५ मनोह्य स १९९५ मनोह्य स १९९५ मनोह्य स १९९५ मनोह्य स १९९५ मनोह्य स १९९५ मनोह्य स १९९५ मनोह्य स १९९५ मनोह्य स १९९५ मनोह्य स १९९५ मनोह्य १९९५ मनोह्य स १९९५ मनोह | | | | 1 | |
| सनीखान २५८० सनीखान म ११७८ सनीखान म सन्प्राचन न ११७८ सनीखान २५८० सनीखान २५८० सनीखान २५८० सनीखान २५८० सनीखान २५८० सनीचना २५८० सनीचना २५८० सनीचना २५८० सनीचना २५८० सनीचना १५०० सनीचन १५०० सनीच | | | | | |
| मनीषणां त २५२० मनीजाि २५०६ मनीजाि २५०६ मनीजाि २५०६ मनीजाि २५०६ मनीजाि २५०६ मनीजाि २५०० मनोनाि १००० मनोनाि १००० मनोनाि १००० मनोजाि १००० मनोनाि १८०० मनोनाि १८०० मनोनाि १८०० मनोनाि १८०० मनोनाि १८०० मनोनाि १८०० मनोनाि १८०० मनोनाि १८०० मनोनाि १८०० मनोनाि १८०० मनोनाि १८०० मनोनाि १८०० मनोनाि १८०० मनोनाि १८०० मनोनाि १८०० मनोजाि १८०० मनोनाि १८०० मनोनाि १८०० मनोजा १८०० मनोजाि १८०० मनोजाि १८०० मनोजाि १८०० मनोजाि १८०० मनोजाि १८०० मनोजाि १८०० मनोजाि १८०० मनोजाि १८०० मनोजाि १८०० मनोजाि १८०० मनोजाि १८०० मनोजाि १८०० मनोजाि १८०० मनोजाि १८०० मनोजाि १८०० मनोजा १८०० मनोजाि १८०० मनोजाि १८०० मनोजाि १८०० मनोजाि १८०० मनोजाि १८०० मनोजाि १८०० मन | | | | | |
| मनीषिणां त २५३२ मनीनुमन्ता २९७६ मनं स्विधि १७८१, मन्त्रभेत ह १७६६ मन्त्रभेत ह १७६६ मन्त्रभेत ह १९६६ मन्त्रभ | मनीषया नि २५८७ मनोऽनुकूल ८ | | | | |
| मनीविणां स | | 1 ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' | | | |
| मनुः ककुरुख २९६४ , २९७७ मनोन्मनीं च | | 8 | | | १७६९ |
| मनुः प्रजानां १५०७ मनोन्मनी य भानां न्या स्थानमा १५०० मनां स्थानमा १५०० मनां न्या स्थानमा स्थ | | l | | 1 - |) 7 |
| मनुः प्रजानां १५०७ मनुना वापि १०५९ मनुना वापि १०५९ मनुना वेव | ३९७७ प्रजेन्सर्वी = | 1. 1. 1. 1. 1. | | | |
| मनुना चापि १०५९ मनोन्मनी म २९९७ मने च हुवा १३४ मने च हुवा १३४ मने च हुवा १३४ मने च हुवा १३४ मने च हुवा १३४ मने च हुवा १३४ मने च हुवा १३४ मने च हुवा १३४ मने च हुवा १३४ मने च हुवा १३४ मने च हुवा १३४ मने च हुवा १३४ मने च हुवा १३४ मने च हुवा १३४ मने च हुवा १३४४ मने हुवा १४४४ मने हुवा १४४४ मने हुवा १४४४ मने हुवा १४४४ मने हुवा १४४४ मने हुवा १४४४ मने हुवा १४४४ मने हुवा १४४४ मने हुवा १४४४ मने हुवा १४४४ मने हुवा १४४४ मने हुवा | | i | २५४७ | मन्त्रमूलं य १५ | ७७८,१८०४ |
| मनुना बैच | | 10 | | | |
| मनुना वर्णि ११७५ मनोप्रहश्च #२९५६ मनुण्यादा ११७६१ मनुण्यादा ११४५ मनोप्रहश्च #२९६६ मनुण्यादा १४५६ मनो मनुष्य २१६६ मनो मनुष्य २१६६ मनो मनुष्य ११६६ मनोहरा प्रमानेहरा प्रभुक मन्त्रयेता १९६६ मन्त्रयेता १९ | <u></u> | 10 | १७७९ | मन्त्रमूल हि | १७६५ |
| मनुना वर्षि ११७५ मनोप्रदेश #२९५६ मन्त्रपुताः स १७०२ मन्त्रपुताः स १७०६ मन्त्रपुताः स १७०६ मन्त्रपुताः स १७०६ मन्त्रपुताः स १७६६ मन्त्रपुताः १३३१ मनो अवत्य #२०३६ मन्त्रपुताः १४४० मनो मनुष्य २३०२ मनो मनुष्य १५०६ मनो मनुष्य १५०६ मनो मनुष्य १५०६ मनो मनुष्य १५०६ मनो मनुष्य १५०६ मनो मनुष्य १५०६ मनो मन्त्रप्य १५०६ मनो मन्त्रप्य १५०६ मनो मन्त्रप्य १५०६ मनो मन्त्रप्य १५०६ मनो मन्त्रप्य १५०६ मनो मन्त्रप्य १५०६ मनो मन्त्रप्य १५०६ मनो मन्त्रप्य १५०६ मनोहर्या १५०६ मनोहर्या १५०६ मनोहर्या १५०६ मनोहर्या १५०६ मनोहर्या १५०६ मनोहर्या १५०६ मनोहर्या १५०६ मनोहर्या १५०६ मनोहर्या १५०६ मनोहर्या १५०६ मनोहर्या १५०६ मनोहर्या १५०६ मनोहर्या १५०६ मन्त्रप्या १५०६ मन्त्रप्या १५०५ मन्त्रप्या १५०५ मन्त्रप्या १५०५ मन्त्रप्या १५०५ मन्त्रप्या १५०५ मन्त्रप्या १५०५ मन्त्रप्या १५०५ मन्त्रप्या १५०५ मन्त्रप्या १५०५ मन्त्रप्या १५०५ मन्त्रप्या १५०५ मन्त्रप्या १५०५ मन्त्रप्या १५५० मन्त्रप्या १६०५ मन्त्रप्या १५५० मन्त्रप्या १५५५ मन्त्रप्या १५५० मन्त्रप्या १६०५ मन्त्रप्या १५५० मन्त्रप्या १६०५ मन्त्रप्या १६०५ मन्त्रप्या १६०५ मन्त्रप्या १६०५ मन्त्रप्या १६०५ मन्त्रप्या १६०५ मन्त्रप्या १६०५ मन्त्रप्या १६०५ मन्त्रप्या १६०५ मन्त्रप्या १६०५ मन्त्रप्या १६०५ मन्त्रप्या १६०५ मन्त्रप्या १६०५ मन्त्रप्या १६०५ मन्त्रप्या १६०५ मन्त्रप्या १६०५ मन्त्रप्या १६६० मन्त्रप्या १६६६ मन्त्रप्या १८५० मन्त्रप्या १० | | `ँ मन्त्रकाले वि | १८०२ | मन्त्रमूलिम | <i>७१७७८</i> |
| मनुष्यक्षरं १३३१ मनोऽप्रवादो | | मन्त्रगुप्तिः प्र | प४ | मन्त्रमूलाः स | १७७२ |
| मनुष्यक्तं १३३१ मनो चुद्धित्त २९६५ मनो चुद्धित्त १४४१ मनो चुद्धित्त १४४१ मनो मनुष्य १३६१ मनो मनुष्य १३६१ मनो मनुष्य १३६१ मनो मनुष्य १३६१ मनो मनुष्य १३६१ मनो मन्ता च १९५६ मनो मनुष्य १३६१ मनो मन्ता च १९५६ मनो मन्ता च १९५६ मनो मन्ता च १९५६ मनो मन्ता च १९५६ मनो मन्ता च १९५६ मनो मन्ता च १९६६ मन्त्रवाले १८८० मन्त्रवाले १८८५ मन्त्रवाले १८८५ मन्त्रवाले १८८५ मन्त्रवाले १८८५ मन्त्रवाले १८८५ मन्त्रवाले १८९४ मन्त्रवाले १८९४ मन्त्रवाले १८९४ मन्त्रवाले १८९४ मन्त्रवाले १८९४ मन्त्रवाले १८९४ मन्त्रवाले १८९४ मन्त्रवाले १८८५ मन्त्रवाले १८९४ मन्त्रवाले १८ | | או ושנירידין | | i . | |
| मनुष्यदुर्ग १४४१ मनो भवत्य #२०३६ मन्त्रव्यदुर्ग १४५७ मनो भवत्य #२०३६ मन्त्रव्यदुर्ग १४५७ मनो मन्ता च १६५६ मनो मन्ता च १६५६ मनो मन्ता च १६५६ मनो मन्त्र च १५८० मन्त्रव्यद्या १५७६ मनो मन्त्र च १५८० मन्त्रव्यद्या १५७६ मनो मन्त्र च १५८० मनो मन्त्र च १५८० मन्त्रव्यद्या १५७६ मनो मन्त्र च १५८० मनो मन्त्र च १५८० मनो मन्त्र च १५८० मन्त्रव्यद्या १५८७ मनो मन्त्र च १५८० मन्त्रव्यद्या १५८७ मनो मन्त्र च १५८० मन्त्रव्यद्या १५८७ मनो मन्त्रव्य १५८० मनो मन्त्रव्य १६६४ मनो मन्त्रव्य १५८० मन्त्रव्यद्या १५८० मन्त्रव्यव्यद्या १५८० मन्त्रव्यव्यव्यव्यव्यव्यव्यव्यव्यव्यव्यव्यव्यव | | भन्त्रग्राहा हि | | | |
| मनुष्यदुर्गे १४५७ मनो मनुष्य २३९२ मनो मनुष्य २३९२ मनो मनुष्य १४५७ मनो मनुष्य २३९२ मनो मनुष्य २३९५ मनो मनुष्य १४५७ मनो मनुष्य १५५७ मनो मनुष्य १५१७ मनोहरमा भा १५१७ मनोहरा म भनोहरं म १८३७ मनोहरं म १८३० मनोहरं म १८४० मन्त्रवेत्वर १८४०,१७०४ मन्त्रवेत्वर १८४०,१७०४ मन्त्रवेत्वर १८४०,१७०४ मन्त्रवेत्वर १८४८,१७०४ मन्त्रवेत्वर १८४८,१७९८ मन्त्रवेत्वर १८४८ मन्त्रवेत्वर १८४८,१७९८ मन्त्रवेत्वर १८४८ मन्त्रवेत्वर १८४८ मन्त्रवेत्वर १८४८ मन्त्रवेत्वर १८४८ मन्त्रवेत्वर १८४८ मन्त्रवेत्वर १८४८ मन्त्रवेत्वर १८४८ मन्त्रवेत्वर १८४८ मन्त्रवेत्वर १८४८ मन्त्रवेत्वर १८४८ मन्त्रवेत्वर १८४८ मन्त्रवेत्वर १८४८ मन्त्रवेत्वर १८४८ मन्त्रवेत्वर | | भ्रम्बन्धवा | | I - | |
| मनुष्यद्वन्द्व १४९३ मनो मन्ता च २९५९ मन्त्रचल्यं सु "मन्त्रचल्यं १७८० मन्त्रचल्यं १५९७ मन्त्रचल्यं १५९७ मन्त्रचल्यं १५९७ मन्त्रचल्यं १५९७ मन्त्रचल्यं १५९७ मन्त्रचल्यं १५९७ मन्त्रचल्यं १५९७ मन्त्रचल्यं १५९७ मन्त्रचल्यं १५९७ मन्त्रचल्यं १५९७ मन्त्रचल्यं १५९० मन्त्रचल्यं १५९० मन्त्रचल्यं १५९० मन्त्रचल्यं १५९० मन्त्रचल्यं १५९० मन्त्रचल्यं १५८२ मन्त्रचल्यं १५७२ मन्त्रचल्यं १५७२ मन्त्रचल्यं १५७२ मन्त्रचल्यं १५७२ मन्त्रचल्यं १५७२ मन्त्रचल्यं १५७२ मन्त्रचल्यं १५७२ मन्त्रचल्यं १५७२ मन्त्रचल्यं १५७२ मन्त्रचल्यं १५७६२ मन्त्रचल्यं १५७६२ मन्त्रचल्यं १५७६२ मन्त्रचल्यं १५७६२ मन्त्रचल्यं १५७६२ मन्त्रचल्यं १५७६२ मन्त्रचल्यं १५७६२ मन्त्रचल्यं १५७६२ मन्त्रचल्यं १५७६२ मन्त्रचल्यं १५७६२ मन्त्रचल्यं १५७६२ मन्त्रचल्यं १५७६२ मन्त्रचल्यं १५७६२ मन्त्रचल्यं १५७६२ मन्त्रचल्यं १५७६२ मन्त्रचल्यं १५७६२ मन्त्रचल्यं १५७६३ मन्त्रचल्यं १५७६३ मन्त्रचल्यं १५७६३ मन्त्रचल्यं १५७६३ मन्त्रचल्यं १५७६२ मन्त्रचल्यं १५७६२ मन्त्रचल्यं १५७६३ मन्त्रचल्यं १५७६२ मन्त्रचल्यं १५७६२ मन्त्रचल्यं १५७६२ मन्त्रचल्यं १५७६३ मन्त्रचल्यं १५७६३ मन्त्रचल्यं १५७६३ मन्त्रचल्यं १५७६३ मन्त्रचल्यं १५७६३ मन्त्रचल्यं १५७६३ मन्त्रचल्यं १५७६३ मन्त्रचल्यं १५७६३ मन्त्रचल्यं १५७६३ मन्त्रचल्यं १५७६६ मन्त्रचल्यं १५७६६ मन्त्रचल्यं १५७६३ मन्त्रचल्यं १५७६३ मन्त्रचल्यं १५०६३ मन्त्र | - I - | प्रत्यनिका म | | | |
| मनुष्यप्रेता २३२५ मनो महन्न ७,, मनोरमा भा २९५६ मनुष्युग्या २५७६ मनोल्थ्यग १५१७ मनोल्थ्यग १५१७ मनोल्थ्यग १५१७ मनोल्थ्यग १५१७ मनोल्थ्यग १५१७ मनोल्थ्यग १५१७ मनोल्थ्यग १५१७ मनोल्थ्यग १५१७ मनोल्याणां च ४८९,८२३ मनोहरं प्र प्रति मनोहरं प्र प्रति मनोहरं प्र प्रति मनोहरं प्र प्रति मनोहरं प्र प्रति मनोहरं प्र प्रति मनोहरं प्र प्रति मनोहरं प्र प्रति मनोहरं प्र प्रति मनोहरं प्र प्रति मनोहरं प्र प्रति मनोहरं प्र प्रति मनोहरं प्र प्रति मनोहरं प्र प्रति मनोहरं प्र प्रति मनोहरं प्र प्रति मनोहरं प्र प्रति मनोहरं प्र प्रति प्रत | - | र प्रत्यक्तिकां म | क्षर०७५ | | |
| मनुष्यप्रता २३२५ मनोष्ययुग्या २५७६ मनोष्ठ्यया १५१७ मनोष्ठ्यया १५१७ मनोष्ठ्यया १५१७ मनोष्ठ्यया १५१७ मनोष्ठ्यया १५१७ मनोष्ठ्यया १५१७ मनोष्ठ्यया १५१७ मनोष्ठ्यया १५१७ मनोष्ठ्यया १५१७ मनोष्ठ्यं प्र १८१४,१८२८ मन्त्रयेति १७९६ मनोष्ठ्रं प्र १८१४ मनोष्ठ्रं प्र १८१४ मनोष्ठ्रं प्र १८१४ मनोष्ठ्रं प्र १८१४ मनोष्ठ्रं प्र १८१४ मनोष्ठ्रं प्र १८१४ मनोष्ठ्रं प्र १८१४ मनोष्ठ्रं प्र १८१४ मनोष्ठ्रं प्र १८९४ मनोष्ठ्रं प्र १८९४ मनोष्ठ्रं प्र १८९४ मनोष्ठ्रं प्र १८९४ मनोष्ठ्रं प्र १८९४ मनोष्ठ्रं प्र १८९४ मनोष्ठ्रं प्र १८९४ मनोष्ठ्रं प्र १८९४ मनेष्ठ्रं प्र १८९४ मन्त्रयेता १८४६ मन्त्रयेता १८४६ मन्त्रयेता १८४९ मन्त्रयेता | | X I | | | ४६४ |
| मनुष्ययुग्या २५७६ मनुष्यलेके १०९४ मनुष्यलेक १०९४ मनोष्टत्वा ग्राम ४२३ मनोष्टत्वा ग्राम ४२३ मनोष्टत्वा ग्राम ४२३ मनोष्टत्व १८९४ मनोहरं श्र २८३७ मन्त्रयेतेह १७८२,१७८३ मन्त्रयेतेह १७८२,१७८४ मन्त्रयेतेह १८५०,१७७४ मन्त्रयेत्वा १८५० मन्त्रयेत्वा १८५० मन्त्रयेत्वा १८५० मन्त्रयेत्वा १८५० मन्त्रयेत्वा १८५० मन्त्रयेत्वा १८५० मन्त्रयेत्वा १८६० मन्त्रयोगाद्व १८७८ मन्त्रयोगाद्व १८०८ मन्त्रयोगाद्व १८७८ मन्त्रयोगाद्व १८७८ मन्त्रयोगाद्व १८७८ मन्त्रयोगाद्व १८७८ मन्त्रयोगाद्व १८७८ मन्त्रयोगाद्व १८७८ | मनुष्यप्रेता २३२५ मनो मरुच 🗈 " | i | | | १७७० |
| मनुष्यलोके १०९४ मनोस्ता ग्राम ४२३ मनुष्यवित्र १६९४ मनोस्ता ग्राम ४२३ मनोस्ता ग्राम ४२३ मनोस्ता ग्राम ४२३ मनोस्ता ग्राम ४२३ मनोस्ता ग्राम ४२३ मनोस्ता ग्राम ४२३ मनोस्ता ग्राम ४२३ मनोस्ता ग्राम ४२३ मनोस्ता ग्राम ४२३ मनोस्ता ग्राम ४२३ मनोस्ता ग्राम ४२३ मनोस्ता प्राम १०७६ मनोस्ता प्राम १८०६ मनोस्ता १८४५ मन्त्रवन्त्र १८४५ मन्त्रवन्त्र १८४५ मन्त्रवन्त्र १८४५ मन्त्रवन्त्र १८४५ मन्त्रवन्त्र १८५५,१७७४ मनोस्ता १८५० मनोस्ता १८५० मनोस्ता १८५० मनोस्ता १८५० मनोस्ता १८५० मनोस्ता १८५० मनोस्ता १८५० मनोस्ता १८५० मनोस्ता १८५० मनोस्ता १८५० मन्त्रवन्त्रवन्त्र १८५० मन्त्रवन्त्रवन्त्र १८५० मन्त्रवन्त्रवन्त्रवन्त्रवन्त्रवन्त्रवन्त्रवन्त्रवन्त्रवन्त्रवन्त्रवन्त्रवन्त्रवन्त्रवन्त्य १८५० मन्त्रवन्त्यवन्त्रवन्त्रवन्त्रवन्त्रवन्त्रवन्त्यवन्त्रवन्त्रवन्त्रवन्त्रवन्यवन्त्रवन्त्रवन्त्रवन्त्रवन्त्रवन्त्रवन्त्रवन्त्यवन्त्रवन्त्यवन्य | 1 | ~ 1 | #१२४५ | मन्त्रयित्वा त | २९३९ |
| मनुष्यविज १०७६ मनोहरं प्र २८३७ मनोहरं प्र २८३७ मनोहरं प्र १८३० मनोहरं प्र १८३० मनोहरं प्र १८३० मनोहरं प्र १८३० मनोहरं प्र १८३० मनोहरं प्र १८३० मनोहरं प्र १८३० मनोहरं प्र १८४२ मन्त्रवेते १७८२ सन्त्रवेते १७८२ सन्त्रवेते १७८२ सन्त्रवेते १७८२ मन्त्रवेते १७८२ मन्त्रवेते १७८२ सन्त्रवेते १७८२ मन्त्रवेते १७८२ मन्त्रवेते १७८२ मन्त्रवेते १७८२ मन्त्रवेते १०९२ मन्त्रवेते १०९ | 11777777777 | | १२०७ | मन्त्रयीत प | # १२८५ |
| मनुष्यविज १०७६ मनोहरं प्र २८३७ मन्त्रदेति १७९६ मन्त्रयेताऽऽहि १७९६ मन्त्रप्रविज क्ष क्ष क्ष क्ष मनोहरं श्री २८३७ मन्त्रप्रविज क्ष क्ष क्ष मनोहरत्व २८४५ मन्त्रप्रविज व ९५७ मन्त्रयेतीः स् १७८२ मन्त्रप्रविज व ९५७ मन्त्रप्रविज व ९५७ मन्त्रप्रविज व ९५७ मन्त्रप्रविज व ९५७ मन्त्रप्रविज व ९५७ मन्त्रप्रविज व ९५७ मन्त्रप्रविज व ९५७ मन्त्रप्रविज व ९५७ मन्त्रप्रविज व ९५७ मन्त्रप्रविज व ९५७ मन्त्रप्रविज व ९५० मन्याव व ९५० मन्त्रप्रविज व ९५० मन्त्रप्रविज व ९५० मन्त्रप्रविज व ९५ | יייי איייי _३ मन्त्रज्ञैर्मन्त्रि १८१ | 8,8636 | मन्त्रयद्भम् | |
| मनुष्यविष # ,, मनुष्याणां च ७८९,८२३ मनोहरत्व २८४५ मनोहरत्वं २८४५ मनोहरत्वं २८४५ मनोहरत्वं २८४५ मनोहरा म २९९५ मनोहरा म २९९५ मनोहरा म २९९७ मनोहरा म २९९० मनोहरा म २९९० मनोहरा म २९९० मनोहरा म २९९० मनोहरा म २९९० मनोहरा म २९९० मनोहरा म २९९० मनोहरा म २९९० मनोहरा म २९९० मनोहरा म २९९० मनोहरा म २९९० मनोहरा म २९९० मनोहरा म २९९० मनोहरा म २९९० मनोहरा म २९९० मन्त्रयेतह १७८२,१७८४ मन्त्रयेत्वः १८५०,१७७४ मन्त्रयेत्वः १८५०,१७४ मन्त्रयेत्वः १८५०,१७४ मन्त्रयेत्वः १८५०,१७४ मन्त्रयेत्वः १८५०,१७४ मन्त्रयेत्वः १८५०,१७४ मन्त्रयेत्वः १८५०,१०४ मन्त्रयेत्वः १८५० १८६०,१०८० मन्त्रयेत्वः १८५० १८६०,१०८० १८६०,१०८० १८६०,१०८० १८६०,१०८० १८६०,१०८० १८६०,१०८० १८६०,१०८० १८६०,१०८० १८६०,१०८० १८६०,१०८० १८६०,१०८० १८६०,१०८० १८६०,१०८० १८६०,१०८० १८६०,१०८० १८६०,१०८० १८६०,१०८० १८६०,१०८० | 77.0 | | | | |
| मनुष्याविष # ,,, मनुष्याविष # ,, मनुष्याविष # ,, मनुष्याविष | ۵ ۱ | 77 | | | • |
| मनुष्याणां च ७८९,८२३ मनोहरत्वं २८४५ मनत्रद्वते हि १४९३ मन्त्रयेत्पर १२८५,१७७४ मनोहरा म २९९४ मनोहरा म २९९० मनोहरा म २९९० मनोहाऽऽचार्य २९८२ मनोहाऽऽचार्य २९८२ मनोहाऽऽचार्य २९८२ मनोहाऽऽचार्य २९८२ मनोहारा म ३९९० मनोहारा म १४६९ मन्त्रयेत्व २९४३ मन्त्रयेत्व १६३ मन्त्रयेत्व १६३,१७८३ मन्त्रयेत्व १८६३ मन्त्रयेत्व १८६३ मन्त्रयेत्व १८६३ मन्त्रयेत्व १८६३ मन्त्रयेत्व १८६४ मन्त्रयेत्व १८६४ मन्त्रयेत्व १८६४ मन्त्रयेत्व १८६४ मन्त्रयेत्व १८६४ मन्त्रयेत्व १८६४ मन्त्रयेत्व १८६४ मन्त्रयेत्व १८६४ मन्त्रयेत्व १८६४ मन्त्रयेत्व १८६४ मन्त्रयेत्व १८६४ मन्त्रयेत्व १८६४ मन्त्रयेत्व १८६४ मन्त्रयेत्व १८६४ मन्त्रयेत्व १८६४ मन्त्रयेत्व १८६४ मन्त्रयेत्व १८४९ मन्त्रयेत्व १८४९ मन्त्रयेत्व १८४९ मन्त्रयेव्य १८४९ मन्त्रयेव्य १८४९ म | 1.5 1111 | 11222 - | | मन्त्रथतह १७ | |
| मनुष्याणाम ७९७,२६६२ मनुष्याणम १६०६,२७७४ मनोहरा म २९९० मनोहरा म २९९० मनोहरा म २९९० मनोहरा म २९९० मनोहरा म १७६६,१७८२, भनेहर्या रक्षि ७९९ मनोहरा म १९९० मनोहरा म १९९० मनेहर्या रक्षि १५६० मनोहरा म १९९० मनेहर्या रक्षि १५६० मनेहर्या १०७२ मनोहरा म १९९० मनेहर्या श्रम्हर्यो १९८२ मन्त्रपूर्वे स १७९९ मन्त्रपूर्वे स १७९९ मन्त्रपूर्वे स १७९९ मन्त्रपूर्वे स १७९९ मन्त्रपूर्वे स १७६८ मन्त्रपूर्वे स १७६८ | 7:139M 4 96 5.2 4 5 1 | `\ | | | १७८२ |
| मनुष्याणाम ७९७,२६६२ मनोहरी म २९९० मनोहराऽचार्य २९८२ मनोहराऽचार्य २९८२ मनोहराऽचार्य २९८२ मनोहराऽचार्य २९८२ मनेहराऽचार्य २९८२ मनेहराऽचार्य २९८२ मनेहराऽचार्य २९८२ मनेहराऽचार्य २९८२ मनेहराय १४६९ मनेहराय १४६९ मनेहराय १४६९ मनेहराय १४६९ मनेहराय १४६९ मनेहराय १८८२ मनेहर १८८२ मनेहर १८८२ मनेहर १८८२ मनेहर १८८२ मेथे १८८२ मनेहर | मनुष्याणां म ६०६ मनोहरू प | ` ^ | 4845 | मन्त्रयेत्पर १२ | ८५,१७७४ |
| मनुष्यापस २६०३,२७७४ मनुष्या रक्षि ७९९ मनोहारा म | | | र २४५,। | मन्त्रयेत्सह | |
| मनुष्या रिक्ष ७९९ मनोहारी म | मन्ष्यापस २६०३ २७७० | र ५७६६ | ,१७८२, | १७ | |
| मनुष्यास्तन्त्र ५६३, मन्त्रप्यास्तन्त्र ५६३, मन्त्रप्यास्तन्त्र ५६३, मन्त्रप्यास्तन्त्र ५६३, मन्त्रप्यास्तन्त्र ५६३, मन्त्रप्यास्तन्त्र ५६३, मन्त्रप्यास्त ५००० मन्त्रप्यास्त ५००० मन्त्रप्रयास्त्र ५००० मन्त्रप्रयास्त्र ५००० मन्त्रप्रयास्त्र ५००० मन्त्रप्रयास्त्र ५००० मन्त्रप्रयास्त्र ५००० मन्त्रप्रयास्त्र ५००० मन्त्रप्रयास्त्र ५००० मन्त्रप्रयास्त्र ५००० मन्त्रप्रयास्त्र ५००० मन्त्रप्रयास्त्र ५००० मन्त्रप्रयास्त्र ५००० मन्त्रप्रयास्त्र ५००० मन्त्रप्रयास्त्र ५००० मन्त्रप्रयास्त्र ५००० मन्त्रप्रयास्त्र ५००० मन्त्रप्रयास्त्र ५००० मन्त्रप्रयास्त्र ५०००० मन्त्य ५०००० मन्त्रप्रयास्त्र ५०००० मन्त्रप्रयास्त्र ५०००० मन्त्रप्रयास्त्र ५०००० मन्त्रप्रयास्त्र ५०००० मन्त्रप्रयास्त्र ५०००० मन्त्य | मनुष्या रक्षि ५०० | | २०७४ | मन्त्रयेदिह | |
| मनुष्योरग १०७२ मनोहालश * ,, मनतपूर्वः स १७९९ मन्त्रयोगाद्ध २९०४ मन्त्रपूर्वः स १७६८ मन्त्रयोगाद्ध २९०४ मन्त्रपूर्वः स १७६८ मन्त्रयोगाद्ध २९०४ मन्त्रपूर्वः स १७६८ मन्त्रपूर्वः स १७६८ मन्त्रपूर्वः स १७६८ मन्त्रपूर्वः स १७६८ मन्त्रपूर्वः स १८५८ मन्त्रपूर्वः स १८५८ मन्त्रपूर्वः स १८५८ मन्त्रपूर्वः स १८५८ मन्त्रपूर्वः स १८५९ मन्त्रपूर्वः स १८५ मन्त्रपूर्वः स १८५९ मन्त्रपूर्वः स १८५ मन्त्रपूर्वः स १८५ मन्त्रपूर्वः स १८५ मन्त्रपूर्वः स १८५ मन्त्रपूर्वः स १८५ मन्त्रपूर | ं । मनाहारा म | | र९४३ | मन्त्रयेन्मन्त्रि | |
| मनुष्वद्ये ३६६ मन्त्रं कुर्योत्तु १७८२ मन्त्रपूर्वाः स १७९९ मन्त्रयोगाद्ध २९०४ मन्त्रपूर्वाः स १७६८ मन्त्ररक्षण स्१७७२ मन्त्रागतं स २५३१ मन्त्रं कत्वा व १०६० मन्त्रपूरसा १८४९ मन्त्ररक्षणे ,, | मनह्योग्य १४६ | | ७९१ | | |
| मने: पुत्रेण २७९० मन्त्रं कृतं वि १७६५ मन्त्रपूर्वा: स १७६८ मन्त्ररक्षण #१७७२ मन्त्राया १८४९ मन्त्ररक्षण मन्त्ररक्षण ,, | 本)) | मन्त्रपूर्वः स | १७९९ | मन्त्रयोगाद्ध | |
| मनोगतं स २५३१ मन्त्रं कत्वा त १७६५ मन्त्रप्रभूत्सा १८४९ मन्त्ररक्षणे ,, | ्रं राज्यात १७८ | ् मन्त्रपूर्वाः स | १७६८ | मन्त्ररक्षण | |
| ्रेप्ट्रिसिन्त्र केल्वा हा व्यवस्था विकास विकास विकास कर विकास कर विकास कर विकास कर विकास कर विकास कर विकास कर | ननाः पुत्रण २७९० मन्त्रं कृतं वि १७६। | मन्त्रप्रभूत्सा | १८४९ | मन्त्ररक्षणे | |
| | | मन्त्रबाह्यण | ٠ ١ | | |
| क रेड्री स. राख्या 🛊 रेड्रे | | | = •- I | 1 : i / s. Al al | 班 热 |

| | | | | ~ | | | |
|-------------------|----------------|------------------------------------|---------------------|-----------------------|---|------------------------------------|------------------|
| मन्त्रवत्साधि | # ₹७८० | मन्त्रिणः खार्थ | १७९३ | मन्त्रिदैववि | # १४६२ | मन्त्रे गुप्ते स | १०३८, |
| मन्त्रवादोत्स | १११५ | मन्त्रिणश्चाखि | ७४८, | मन्त्रिनीराज | २८८८ | | १७६२ |
| मन्त्रवित्काल | १२४२ | | १२५६ | | २४८,१७७१ | मन्त्रेण चोच्छ | २८७६ |
| मन्त्रवित्साधि | १७८० | मन्त्रिणश्चैव | १२४४ | मन्त्रिपुरोहि | ६६८, | | 448 |
| मन्त्रविद्यागु | ११२० | मन्त्रणस्तु नृ | १२५६, | | ।२६,१२७०, | | २ ९५५ |
| मन्त्रविनमण्ड | २९८२ | | १७८२ | | ५०,१६८४, | | १७७२ |
| मन्त्रविस्रावी | १७७२ | मन्त्रिणस्तु प्र | * १२५२ | | १०२,२५६४ | | 2 |
| मन्त्रशक्तिः श्रे | २५५५ | मन्त्रिणस्ते न | १८९८ | मन्त्रिप्रधाना | १८४९, | मन्त्रेणानेन २९८ | २,३००१, |
| मन्त्रशक्तिसं | " | मन्त्रिणां च भ | | | २०५२ | २० मन्त्रेणेन्द्रं स | ०२,३००३ |
| मन्त्रशक्तिसा | १८५२ | l _ | १२४१ | मन्त्रिभिः सर्व | १२४७ | मन्त्रेरितम | २८७४ |
| मन्त्रशक्तिही | २१६६ | मन्त्रिणां भोग्य | क१७९३ | मन्त्रिभिः सह | १७६६ | मन्त्रारतम मन्त्रे समुप | २६८८ |
| मन्त्रश्च वर्णि | ५७४ | मन्त्रिणां मन्त्र | \$? २ ४ २ , | मन्त्रिभर्मन्त्र | १५९२, | | १७६७ |
| मन्त्रसंपदा | · १७७२ | | *१७६५ | | • १७६५ | मन्त्रे सुनिश्च | १७८१ |
| मन्त्रसंरक्ष | १२८० | मन्त्रिणां मन्त्रि | १८०५ | मन्त्रिभर्मन्त्रि | १८०५ | 20.4 | * ,, |
| मन्त्रसंवर | # १२४६, | मन्त्रिणामथ | १४७२ | मन्त्रिभिहित | १७६५ | मन्त्रैः सदाऽर्च | २५४६ |
| १७६१, | १८९०,प३ | मन्त्रिणामपि | १७६९, | l | ९६६,१००७ | मन्त्रेरेतैर्य २९ | ८८,२९८९ |
| मन्त्रसंहन | १७६३ | | ८०,१७८२ | मन्त्रिभिस्त वि | | मन्त्रेहीनेन् | २१४९ |
| मन्त्रसाध्यत्वा | २५६ ९ | मन्त्रिणामुप | २५६९ | नाः नामखः ।प | • | मन्त्रो गर्भः | ३२७ |
| मन्त्रस्तु सर्व | ११२३ | मन्त्रिणावृत्वि | १२४५ | मन्त्रिभिस्त्रिभि | १७९८ | मन्त्रोद्योगोऽनु | ११३७ |
| मन्त्रस्य शक्ति | २५७९ | मन्त्रिणा खामि | १२५४, | मन्त्रिभस्त्वं य | • | मन्त्रोऽपि | १७७९ |
| मन्त्रहीनो भ | १७७३ | 4 | १७७९ | मान्त्रामस्त्व य | , | मन्त्रो मन्त्रफ | १२४९, |
| मन्त्रहोमज | २०२९ | मन्त्रिणो दूर | १४९४ | | १७६४ | | ₹ , १५४९, |
| मन्त्राधिकारः | ६६८, | मन्त्रिणो भूभु | १२५७ | मन्त्रिरूपा हि | १७६८ | | ९८,१५८ ० |
| | १२७८ | मन्त्रिणो मन्त्र | १२४२, | मन्त्रिवर्गस्य | १२५० | मन्त्रो वातो वा | २५४७ |
| मन्त्राधिकारे | २१०८ | માં વસા પુરવ | १७६५ | मन्त्रिवेदवि | १४६२ | मन्त्रो विजय | * ६५९, |
| मन्त्रानुष्ठान | | मन्त्रिणो यत्र | .१२५४, | मन्त्रिशिल्पना | १८४२ | मन्त्रीषधिष्ट | * १७ ६४ |
| १६२ | ७,१६३८ | | * १७६५ | मन्त्रिसंवत्स | | मन्त्रीष धि प्र | १९९ ४ |
| मन्त्राभिषेक | १५३५, | मन्त्रिणो यस्य | १२४४ | मन्त्रिसांवत्स | | मन्त्रीषध्यो न | २६६९ |
| | २४१६ | मन्त्रिणो राज | १२७४ | | 2/2/ | मन्त्रायय्या म मन्त्र्यादिवर्जा | २९३३ |
| मन्त्राय् समु | १८९५ | मन्त्रिणोऽर्थग्र | १२७९ | मन्त्रिहीनाश्च | | मन्थाादवजा मन्त्र्याद्यधिकु | २५६५ |
| मन्त्रा ये कीर्ति | २९७१ | मन्त्रिणो वाल | ७९२ | मन्त्री च प्राड्री | er yakı i | - | २८२५ |
| मन्त्रार्थकुश | १७८३ | मन्त्रिणो हि व्य | १७७० | १७ | | मन्थरापर | २८४७ |
| मन्त्रावसाने | २९५३ | मन्त्रिण्यननु | १२४१ | v · | 1 | मन्थरायाः प | , >> |
| मन्त्रास्तवैते | २५३९ | मन्त्रितं दक्षि | 2667 | मन्त्री तु नीति | | मन्थो वा सर्वे | २३०५ |
| मन्त्राह्मेदेवि | २६८८ | मन्त्रितांश्च स | | मन्त्री नेत्रं हि | | मन्दगर्भा म | २९९८ |
| मन्त्रिणः प्रकृ | १२४२ | मान्त्रताव्य त मन्त्रितुल्यश्चा | | मन्त्री नेत्रे हि | | मन्दघोषाणि | २९२७ |
| मन्त्रिणः प्रति | | मन्त्रितो यो ब | 8080 | मन्त्री पुरोहि | * ,, | मन्दयत्नं त | २८०९ |
| रा. सू. ३५ | | | | 3/116 | र इप र । | मन्दरस्थापि | १४५७ |
| *** M* 1, | | | | | | | |

| मन्दराग्रप | | १ मम तेजो ब | २०४९ | ममायं देश | १७१२ | मया ह्यनुस् | १०९७ |
|--------------------------|-------------|-----------------|-------------------|------------------------------|---------------------------------------|-----------------------------------|-----------------------|
| मन्दवारे त्य | | । ममत्वं चन | ७९८ | ममायमिति | १०८१, | | २४४५ |
| मन्दाकिनी द | | ममत्वं न प्र | ५६४ | | १३४१ | 1 - | २०२३ |
| मन्दाक्षया म् | | ममत्वं हि न | २३७० | ममार तं मृ | ሪሄሄ | _ | ११४०, |
| मन्दान इन्द्रो | | मम त्वमित्र | # २०२२ | ममार्थे चैव | ७३१ | | १६६२ |
| मन्दिरमानं | | मम दत्त्वा नि | 3666 | ममेति च भ | १०५० | मयि कुच्छाद्वि | २०२४ |
| मन्दुरा गज | १९८७ | मम देवा वि | ४८४ | ममेदं स्थान्म | १३२४ | मयि क्षत्रं प | ९७ |
| मन्देनैश्वर्य | १५४७ | मम द्विता रा | ८५ | ममेदमिति | ६०६,६५१, | मयि च भव | २६९२ |
| मन्दो मध्यस्त | १७५६ | मम धर्मज्ञ | *१६३६ | | ८, *१०७३, | मयि देवा द | ४१३ |
| मन्द्र ओजिष्ठः | २१२ | मम धर्मब | • २७६५ | i | १४०,१३६०, | मयि प्रतिब | २१९७ |
| मन्द्राः सुजिह्नाः | ४७४ | मम धर्मार्थ | २००४ | ,, | ,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,, | मयि यज्ञो वि | ११२१ |
| मन्द्रा कृणुध्वं | ३८३ | मम धर्म्य ब | રંહદ્દ ५ | ममेदिह श्रु | २५५ ३५ | मयि लोकाः स्थि | ११२३ |
| मन्द्राग्रेत्वरी | ४०९ | मम न ग्रह | २०२६ | ममैतदिति | • • | मयि वागस्तु | २४५ |
| मन्द्रो होता ग्र | 80 | ममन्थुर्दक्षि | ७९१ | | १०७३ | मयि वा संग | २३८७ |
| मन्मथः कथि | २९९७ | मम पैतृक | | ममैतद्विहि | १०९७ | मयि वै त्यज्य | २०५० |
| मन्मथायिक | ,, | मम प्रियं धृ | १८९५ | ममैवं क्लिश्य | ६०४ | | |
| मन्यते करी | રદ્દ ં જ પ | _ | २४३८ | ममोभा मह्य | २८५० | मयूरचाष मयूरपि च ्छ | १३६९ |
| मन्यते कर्ष | * ,, | मम मातस्त्व | २३८७ | मया गावो गो | • • | • | २७५२ |
| मन्यते हि य | ८४७ | मम माता त्वि | ७५० | मया च विष्णु | | मयूरपृष | ९८६ |
| मन्यन्ते जाति | १४२९ | मम रोषः स | २०४९ | मया चापि हि | - • • | मयूराः पुण्य | # ₹४८ ६ |
| मन्यन्ते सन्त | १०४२ | मम बराषु | ३८९,४०१ | मया त्ववध्या | # 3884 | मयूराः पुष्प | " |
| मन्यवेऽयस्ता | ४१६ | मम वश्यं ज | १६९७ | मया निसृष्टं | ,, | मयैतन्विन्त | १५०५ |
| मन्युं विश ई | ४८७ | मम वैश्याः ख | ६०२ | मया ८ नेकै रु | २८०० | मयैवं चिन्ति | * ,, |
| मन्युना दह्य | २३८८ | मम शूद्राः स्व | | मयाऽपि चोत्तं | उ७०१ | मयोक्तं नृप | * २०४२ |
| मन्युप्रहर | १०३२ | मम सर्वे त | " १ ९४३ | मयाऽप्यवश्यं | ११०४ | मयोक्तं भर | ,, |
| मन्युरिन्द्रो म | ४८७ | मम ह्यमित्रे | | मयाऽऽप्युपायो | | मयोभूवति | ४५० |
| मन्युर्भगो म | | | २०२२ | मया प्रतिष्ठ | ४७९ | मय्यभागिनि | 288 |
| मन्युर्विश ई | * ,, | मम ह्यर्थाः सु | २००६ | मया प्रत्याख्या | | मरकतकु | २५२४ |
| मन्येतारिं य | # ,, | ममागुणैर्गु ११ | ४०,१६६२ | मया प्रसूता | ४७९ | मरणं धर्म | २०३२ |
| मन्यतार् य मन्योरियाय | | ममामे वर्च | | मया बाह्यम | २६४६ | मरणं प्राप्त | २०१८ |
| | | ममाग्ने वर्ची | | मया मुखेना | ४७८ | मरणं वह्नि | २५ <i>२</i> ५ |
| मन्योहिं विज | | ममाग्रे वर्ण | | मया यतिकय | 1 | गरम नाल मरणान्तः स्त्री | 905 |
| मन्यो वज्रिन | ४८७ | ममाऽऽज्ञया द्वि | 1 | नना यारमय मया यदम्ब | , , , , | गरणान्तमि · | १०७५ |
| मन्यौ म ईशा | | ममान्तरिक्ष | | नना पदम्य मया राज्ञा जे | - ' ' | मरणे निश्चि | * २७३१ |
| मन्बन्तरेषु ७९२ | | ममापि ताव | 1 | | ,,, | गरणात्पात मरणोत्पात | |
| मन्वाचैराद्य | | ममापितुव | | मया संमन्त्र्य मया साधि म | 1111 | मरणात्पात मरीचिः कश्य | २०३८ |
| मम कामः स | ८३८ | ममापि त्वं वि | | मया साध म मया स्नेहप | (,,,, | | २९७६ |
| मम ज्येष्ठेन | ,, | ममाप्येषा म | 828 | मया स्नहप मयाऽस्योपक्व | | म री चिमृषि | १५०३ |
| | | | | . ॥७ लामहा | ५११५। | मरीचि रत्रिः | २९८४ |

| मस्तः परि | ं २३६ | मर्माणि ते इ | २५३५ | महता शत्रु | २२०७ | महद्भयं वे | २४८६ |
|------------------|----------------|-------------------|-----------------|---------------------------------|---------------------|----------------------|----------------|
| मरुतः पर्व | હવ | मर्माणि ते व | ४९६ | | ६०५ | महद्भिः पुण्य | ८२४ |
| मरतश्च त्वा | २२८,२३२ | मर्माविधं रो | ५२२ | महतीं श्रिय | ७२८ | महद्भिः पुरु | १२७१ |
| मरुतस्ते दे | ७७ | मर्मुज्यन्ते द्वी | 4 99,288 | महती देव | ८००,८११, | महद्भिरिष्ट्वा ८ | . ०१,१०६३ |
| मरुतां पिता | હષ | मर्यादां शाश्व | २७६७ | | ८२४ | महद्यशा स्त्व | #2८७१ |
| मरुतां प्रस | १५८ | मर्यादां स्थाप | ११२१, | महती सत्क्रि | २४१६ | महद्दे यक्षं | ४४६ |
| मरुतां वा ए | * ३ ४१ | १ | २२४,१८२५ | महते क्षत्रा | २६८,२८८ | महर्षि किल | # ७९७ |
| मरुतामोज | २९३ | मर्यादातिक | १४३७ | महते जना | " " | महर्षि परि | ६११,७९७ |
| मरुतोऽथाश्वि | २८९४ | मर्यादासु प्र | ६३४ | महते जान | ,, , ,, | महर्षिभिः पि | * 2८७१ |
| मरुतो यं श्रा | ३३४ | मर्यादासु वि | # ,, | महते दैव | २९३९ | महर्षिभ्यो द | १५०६ |
| मरुतो वै दे | ४१२ | मर्यादा स्थापि | ५६२ | महते योऽप | १९९६ | महर्षिर्भग | ७९२ |
| महत्तेन म | २७५७ | मर्यादोछङ्घ | ૨ १૨૬ | महतोऽपि क्ष | १५९९ | महर्षिसुर | १५०५ |
| मक्तेन हि | ५६७ | मलपङ्कं प्र | २४९९ | महतो वा दे | २ १९७ | महर्षेः कीर्त | ५३८ |
| महत्तो नाम | ८३५ | मलमासे वि | २९३१ | महत्तदस्य | | महर्षेवीच | २७०५ |
| मदत्वतीय | ७७ | मलवेषं न | १११६ | 1 | २१ | महछघुस | १२९८ |
| महत्स्तोमो वा | ४२९ | मलिनपर | २५२२ | महत्तदस्या | #96 | महश्चिद्यस्य | *१२४ |
| मरुदुर्ग स | १४९७ | मलिनाम्बर | २५०३ | महत्तद्वृष्णो | " | महस्पुत्रासो | 9 |
| मरुद्रणवृ | २४५० | मछानामथ | २८५८ | मह्त्तां प्राप्तु | १७३३ | महाँ असि म | २३ |
| मरुद्रणा लो | * ₹८७०, | मछी पद्मं च | २८४१ | महत्त्वात्तस्य न महत्त्वेन च | ५७७ | महाँ इन्द्रः प | ४८१ |
| | २८७४ | मल्वं विभ्रती | 806 | महत्यापफ | ७९४ ११ ५२ | महाँ इन्द्रः पु | ٠,, |
| मरुद्रणैर्वृ | *२४५० | मषीभसनि | २५२७ | महत्यपरा | १३८५ | महाँ इन्द्रो य | २८५४ |
| मरुद्धिः परि | १५०४ | मण्णारे भर | २३८ | महत्यर्थाप | २२२ ४ | महांस्त्वेन्द्रो र | ४०७ |
| मरुद्धिः सह | २४५० | मसूरकं त्रि | २२३० | महत्य ल्पोऽ प्यु | | महाकण्टक | १४८२ |
| मरुद्धिरम | ४६९ | मस्तकायन | #१५१८ | महत्यवका - | २०९६ | महाकर्णम | २९६३ |
| मरुद्भ्यः क्रीवि | इं १ २८ | मस्तके मन्त्र | २८७३ | महत्यादिवन | २९० ४ | महाकर्णी म | ,, |
| मरुप्रगाढं | २५८१ | महच दण्ड | १५४७, | महत्या सेन | १९८७, | महाकर्म भ | २३८ |
| मदस्थलमि | ११३०, | | १५७६ | ı | ७१०,२७१४, | महाकल्पश्च | २९५७, |
| | े ११४१ | महचाऽऽवर | ७४५ | 1 | રહે ૧૭,૨૭૧૬ | | २९७६ |
| मर्कट एन | २४८१ | महतः स्थला | २०९५ | महत्सधस्यं | ४०७ | महाकल्यश्च | # ₹९५७ |
| मर्कट एनं | २४८२ | | १९१६ | महत्सर इ | १०८७ | महाकालं पु | २९६२, |
| मर्त्यधर्माण | २३५८ | महता तु प्र | ७३६,१४१७ | महत्सुखम | २९ १२ | | २९७ ७ |
| मर्त्यातीता म | २९९२ | महताऽत्यन्त | १५२९ | महत्सु चोप | ५३८ | महाकालश्च | * २९५७, |
| मर्दनं पर | ५९५ | महता बल | ٥٠٥ | महत्स्वप्यप | १५९४ | | # ₹९६८ |
| _ | ६७२,२६८५ | महतामभ | २६ ९८ | महदिदम | १६०७ | महाकुलीन | १३४६ |
| मर्दयन्तु र | રપ૪૪ | B . | २७११ | महद्धि भर | १०९६ | 1 | |
| मर्दिताः शत्र | २८४९ | महता राज | ११२२ | महध्द्यभीक्ष्णं | ७८०,२३९८ | 1 .4.2.4.11 | १९४७, |
| मर्मदोषाणि | # ₹९२७ | महता वात | १०८६ | महद्रलं धा | | महाकुलीनो | १९४८ |
| - | | | | | 10 79 | . नहा 3 ळाना | १ १७७ |

| महाक्षयं व्य | #६०४ | महानवम्यां | २८५४, | महापूजां त | १००३ | महारथस्य | ८५७ |
|----------------------|----------------------|----------------|--------------|--------------|---------------|---------------------------|----------------------|
| महाक्षयन्य | ६०४, | 20 | | महाप्रज्ञान | १९३९ | महारथैः स | १५४३ |
| ^२ २०९ | ५७,२१९७ | महानसं च | १४६२ | महाप्रतोली | • २६७५ | महारथौघ | २७०८ |
| महाघण्टा वि | *२९९२ | महानसं त | · ,, | महाप्रस्थान | १०९१, | महाराजस्य | # २९३९ |
| महाघोषा म | ૨ ९९५ | महानसे वा | २९०२ | | १०९२ | महाराजाङ्क | " |
| महाजनस | २१३८ | महानालिक | २३४७ | महाप्रासाद | १४४३ | महाराजादि | ८३६ |
| महाजनांस्त | १०१६ | महानिरष्टो | १४२,१६३ | महाबला म | २५४०, | महारोमा म | २९९४ |
| महाजयस्त | २ ९९ ४ | महान्तं चिद | ३६९ | | २९९७ | महार्थमत्य | ५८४ |
| महाजया वि | २ ९ ९२ | महान्तं त्वा म | २१८ | महाबलो म | २५४५ | महार्थवत्स | २०८२ |
| महातूर् <u>य</u> प्र | २७ <i>०</i> २ | महान्तं नर | ८०१ | महाभाग्यं द | ५९८ | महाईमाल्या | २३८५ |
| = | | महान्तं निश्च | १०९२ | महाभिजन | ७९६ | महालक्ष्मीः पु | १४८० |
| महात्मनां च | ८६५ क १२९२ | महान्तं भर | १३८६ | महाभूता भू | २४९४ | महालक्ष्म्यादि | " |
| महात्मनां तु | # (4 / 4 | महान्तमृत्स | २८६१ | महाभोगम | २०९० | महालग्नश्च | २९६७ |
| महात्मनां हि | " | महान्तमेतं | ५६६ | महाभोज्यानि | २८६९ | महालयश्च | * ,, |
| महात्मा च त | २९९२ | महान्तीह नि | २५०१ | महामना भ | ६२४ | महावशा म | २९९६ |
| महात्मा द्रुप | २७११ | महान्तोऽपि हि | | महामनाश्चा | % ६३० | महाबातप | ९९० |
| महात्मानं म | ६२० | | १६०५ | महामनाश्चै | " | महावातस | ٠,, |
| महातमा राज | ७ २०१३ | महान्तो महा | ช่อช | महामहयो | १३०९ | महावाताह | ११२९ |
| महादंष्ट्रः क | २९९३ | महान् दाशर | ५६ १ | महामहयोः | * ,, | महावारण | २८१३ |
| महादण्डश्च | २५९ ९ | महान् दुर्योध | २७०४ | महामात्रक | २७०३ | महाविषय | ७८६, |
| महादन्तश | १४६९ | महान्दैवकु | ६०९ | महामात्रव | क्षद्र | | २०९६ |
| महादानं त | २८५८ | महान् दोषः सं | *2442 | महामात्रस्य | २६७ १ | महावृक्षो जा | ६०९ |
| महादृतिरि | २७६६ | महान्धर्मी म | १०८५ | महामात्रा ब | १६६१ | महावृषान्मू | ३९९ |
| महादेवस्त | ६२१ | महान्वृक्षो जा | * ६०९ | महामिन्दुं म | ३५१ | | २३९० |
| महादेवस्य | २८६२ | महान् सुसिद्ध | १५२९ | महामुभे रो | २४ | महावेगा सु | २९९८ |
| महादेवो द | २९९३ | महान् ह्यस्य म | ४५३ | महामेघनि | #१६५६ | महाव्याहृति | २९०१ , |
| महादोषः सं | | महापक्षो य | १७९६ | महामेघे म | २४८२ | All Alexa | • |
| | २५५२ | महापथव | १११९ | महामेघे वा | २४८० | Talanara | . २९३४ |
| महादोषम १०० | 1 | महापद्मश्च | २९६२ | महामेघोप | १६९६ | महाब्यूहाष्ट | २९९२ |
| महादोषो हि | | महापराध | १९७८ | महामोहा म | ३०० | महाव्रतं म | २८९५ |
| महाद्विपस्क | २७२० | महापराधा १९ | २१,२६०५ | महायत्नः कु | ७२६, | महाशब्दो न | " |
| महाधनाच ११४ | ३,११८९ | महापराधे २५६ | ५,#२६०५ | | १०११ | महाशान्ति प्र | २९१२, |
| महाधनाशो | | | ९७,२९७१ | महायशाः के | २४३३ | | ^२ २९१५ |
| महाध्वाङ्क्षो म | | _ | ४६,१२३० | महायशास्त्व | | महाशान्तित्र | २९०७ |
| महाननुग्र | | महापापाभि | ११४४ | महायोगं म | | महाशालान् <mark>वि</mark> | १४४३ |
| महानर्थश्च | | महापापी य | | महारत्नानि | | | |
| महानवम्या | २८५५ | | | महारथश्र | | महाशूद्र उ महाश्रयं ब | २९३२ ५८८ |
| | | | , | -413 | 1146 | न्त्रियम् भ | ५८८ |

| | | 1_0 | | | | \ | |
|---------------------------|------------------------|-----------------|---------------|-----------------------|---------------|------------------|----------------|
| महाश्रयो म | | महीघृतसु | | मह्यं दत्त्वा प्र | *840 | मागधः पुंश्च | ४१८ |
| महाश्रावं जी | * २४२७ | 1 | | मह्यं दत्त्वा व | " | मागधभिन्न | ९५७ |
| महासं कर | २७३७ | 1 ' ' | * ,, | मह्यं नमन्तां | ४८४ | मागधश्च ज | २७१५ |
| महासंकुल | २७३३, | 1 | ८४५ | मह्मपरं | १८८ | मागधाश्च क् | २७१० |
| | %२७३७ | महीन्द्राणां वि | २८४५ | मह्यां संपूज | २८७२ | मागधिका पौ | २२३८ |
| महासरस्त | २९६७ | महीपतिस्ता | ७२३ | मां गोपतिम | २४४ | मागधेश्च क | २७१३ |
| महासहाय: | २४३० | महीपतीनां | ९५६ | मां चतुर्थीमि | ४७९ | मा गमः क्षीण | २३८० |
| महासारम | २१०० | मही प्रचलि | १०९७ | मां तृतीयमि | " | माघः फाल्गुन | २२७८ |
| महासाहसि | १६६५ | महीभुजो म | १२८० | मां ते वनग | १९०२ | माघस्यांधे फा | २४७३ |
| महासिद्धिप्र | २८९५ | महीमहिम | ८४६ | मां त्रातुमुप | २६४६ | मा घोषा उत्स्थु | ४०२ |
| महास्रावं जी | २४२७ | मही वामूति | ५८ | मां द्वितीयमि | ४७८ | माङ्गरुयलब्धि | *२५०७ |
| महाखनं म | २८०० | मही सस्यव | २९४६ | मांधाता मुचु | २९६४, | माङ्गल्यशब्दा | # २ ४९६ |
| महाहर्षः प्र | # ₹ ९ ९४ | | १२४ | · | २९७७ | माच तेऽत्र वि | १०५५ |
| महाहासा म | ७ २९९५ | महेन मघ | २८७२ | मां नरः स्वश्वा | . ८५ | माचते निघ्न | ५६५ |
| महाहदः सं | २०१० | महेन्द्रमप्य | १३३४ | मां पञ्चममि | | मा च सैन्धव | २३८६ |
| महि क्षत्रं क्ष | રેંહ૪,રેંહષ | महेन्द्रमिव | ११८७, | मां विसृज्य म | २७२१ | मा ज्ञातारं मा | ५१४ |
| महिषं न: सु | #२४,#९९, | | २३५५ | मां वै वनग | 4 8902 | माञ्जिष्टं जल | #२८७५ |
| | ३४३ | महेन्द्रयान ' | २७०८ | मांसं च रुघि | | माणिक्यरचि | २८३३ |
| महिषद्यीं ब | २८९३ | महेन्द्रवाणा | * २९७० | मांसं पञ्चाश | | मात इन्द्र ते | २९ २ |
| महिषस्था म | २८९७ | महेन्द्रवाणी | ,, | | २३१२ | मात एनस्व | ٠., |
| महिषस्थोत्त | १३७४ | महेन्द्रे गरु | १४१६ | मांसं मत्स्या दू | २५१६ | मातङ्गान्मद | २७०२ |
| महिषाण्युप | २९३२ | महेन्द्रे त्रय | १४१५ | मांसतुला द | | मातङ्गो मत्त | २३८७ |
| महिषासो मा | ४७० | महेन्द्रो मल | २९६६, | मांसपलविं | २२६१ | मातरं पित | ७९८ |
| महिषीं धर्म | २८२८ | · | २९७७ | मांसमधुष्ट | १३११ | मातर्थपि हि | १६०९ |
| महिषी च त | १६२५, | महेन्द्रो लोक | १५०६ | मांसमन्नं फ | *६३६ | मा तात साह | ५५५ |
| • | २८८७ | महेश्वरप्र | १५०७ | मांसमन्नं मू | ,, | माता धेनुः | २५९ |
| महिषीप्रमु | १२३० | महेश्वरवि | १११८ | मांसमाममा | | माता पिता गु | *633 |
| महिषीयु व | १९५७ | महेष्वासाः स्थ | | मांसभैथुन | | माता पिता च | ६१८ |
| महिषोष्ट्र ग | १३५५ | महेष्वासो म | | मांसवर्षे पु | २४९३ | माता पिता बा | २०३६ |
| महिषोष्ट्रब महिलाल्य | २७०२ | महैश्वर्ये म | | मांसशोणित | २४८६ | मातापित्रोरा | ११२० |
| महिष्यजावि | १३७६ | महोत्पाताश्च | | मांसस्पृष्टोप | २५१४ | मातापित्रोर्व | ८३८ |
| महिष्यादिषु महीं करोति | २५१२ | महोत्साहः स्थू | | मांसस्य भोज | २९८१ | मातापित्रोहि | |
| महीं जिगीव | २४५ <i>१</i> | महोदधिः स | T I | मांसानि च | | मातामह कु | ५९३ |
| महीं विजय | १ ६१५ २३९२ | महो पकार | | मांसापनय | | _ | १४८७ |
| महीं सागर | ९३०,९३ ७ | महोपकारं | 1 | मांखेला कु ष्ट | | मातामहरू | ८६७ |
| महीं खल्पां नै | ११४ ३ , | महोरस्को म | | मा कार्षीरिति | १८३ ४ | माता मातृकु | १३००, |
| | ११८९ | | | मा कृथाः सर्व | | | १८७९ |
| | | , | • • • • | ा रामाः सम | ४६ ९ | माता मातृस | ११४७ |

| | मा तीक्ष्णो मा स | . १ ९१३ | १ मा त्वद्राष्ट्रम | 201 | ्र मानवं षष्टि | A | 1-0 | |
|---|---|----------------|--|---------------------|--------------------------------|-------------------------|---------------------------|-----------------|
| | मातुः परिज | १०१० | 1 • • • • • • • • • • • • • • • • • • • | | | | मान्त्रिकास्त्रेण | २६८८ |
| | मातुः प्रवेशो | २५० इ | 1 | १०५३ | | १९५५ ७४७,१७१६ | 11 /1 /10 | २७२ |
| | मातुः शय्यान्त | 998 | . | २०८, कद ०८ | मानवैः कृत | • | 1 | #६०५ |
| | मातुः स्तनम | २२०१ | | " | | १४१६ | 1 | " |
| | मातुल: स्वशु | | | | मानसंजाता मानसं वृद्ध | २३२० | 1 | १०५१ |
| | | 2623 | मा त्वा पश्येत्स | ,, | | ५५० | 1 | ६०५ |
| | मातुला भागि | 2029 | 1 | | · | १३७३ | | * ₹९९७ |
| | मातुश्चित्तक्षो | १२८४ | 141604144 | # १०८४ | I | ११५७ | | * ,, |
| | मा तुषामिरि | २३८२ | | ८०७, | Transfer | २९८५ | मान्योऽधिकारी | १२३४, |
| | मातृकादुहि | २२ ९७ | 1 24 | १२७,१६४८ | मानादनायु | २३४२ | | २३४९ |
| | मातृकायास्त | २८६९ | 11/24/4144 | ७३६ | 11114113 | ७३१, | मान्यो मानयि | ११२३, |
| | मातृकार्धप्र | | .11/(44)44 | १४१५ | | ९२२ | | ११८२ |
| | गानुसोषं प्र मातृदोषं प्र | २८७७ | 1,11//41, ,414. | • | मानादिकं पू | २८४५ | मा पापिष्ठत | २७६० |
| | | | मा दीदरस्त्वं | २३९१ | मानाध्यक्षो दे | २२७४ | मा पुत्रान् मा सु | |
| | मातृपितरौ | १०१९ | 1 2 | १९०६ | मानितं वा न | १५७० | मा ब्राह्मणस्य | |
| | मातृपितृभ्यां | " | मा देवानां मि | २३९ | मानी प्रतिमा | १२४९ | | ३९८ |
| | मातृभक्तिः प | ७३८ | माद्रीपुत्रो पु | २४४० | मानुषं नया | २०६९, | मा भ्राता भ्रात | ३९५ |
| | मातृब्यञ्जन | १००१, | माधवं सार | ८५८ | | ४०१,२४१७ | मामग्रे यज | ४७८ |
| | Middler | १३३३ | | ६०५ | मानुषस्य भ | ३५३ | मा मध्ये मा ज | २३८२ |
| | मातृहस्ताद | २२९७ | | ८५९ | मानुषाणाम | ५९४, | मामनेन या | १०९ |
| | मातॄणां चैव | ८४७, | माधुरमाप | २२३८ | | | मामभ्यपका | २ ३ ४ |
| | remi 6- | 40.24 | | ८१,२०८४ | मानुषीं कार्य | | मामभ्यस्तम | ₹४ |
| | मातॄणां पितृ | 1100 | मा धूमाय ज्व | २३८३ | • | | मामभ्युद् ये | 4 2 |
| | मातॄणां लोक | २९०१ | माध्यंदिनस्य | 24,280 | मानुषेणामि | | | " |
| | मातृश्च पूज मा [°] ते केशान | र९८१ | मा न इन्द्राभि | | मानुषे सह | المسام | मामाहासीचा | 90 |
| | म। तकशान | २४६ | मानं कोषं त | | मानुषैः पक्षि | 2001 | मा मा हासीनी | Φ,, |
| | 'माते प्राणः' इ | २८५३ | पानं पूर्वव | | मानुषोरग | #80193 | मामाहि×्सिष्ट× | #१७९ |
| | माते मर्म वि | 805 | मानं विधम | . , | नानुष्ये जाय | 14 | ग मा हि स्सीः स्व | i ,, |
| | माते राष्ट्रेया | ₹ ₹ C C 1 | मानं सार्धद्वि | | गनेन च य | ८२४ २६०० | रा मा हिंसीज | # ६३ |
| | मातेव वा इ | २५९ 🕫 | ना नः पश्चानमा | 40C I | गनेन रक्ष्य | १०४१ | ।।मिहाप्रति | २८०३ |
| • | माऽऽत्मानमव | | गनः सेनाअ | | गनेन संख्य | १८४३ म | ।।यया क्रिय | २८१३ |
| | मात्राभिरनु | | ।। नः स्तेन ई | | । ।।नेनेव त | ,,,,, | ।।यया चाक्षि | २७९७ |
| | मात्रा वर्णी ग्र | | ानध्नस्य आ | | गणपाय त गिनो वधीर्वि | ~ | ।यया तु वि | |
| | मात्रासु प्रति | | P | | ।। ना पंचाप ।। नो विदद | ` | | ११५५ |
| | मात्राखराः स | | ाननं बुद्धि | # ,, ₽ \$/ob □ | । ना।वदद गनोविदन् वि | , , | ायया निर्जि | २७९७ |
| | मात्राखरे कु | _ | ानमात्रम | २६९४ म | । ना विदन् वि । नो हिंसीज | 1 | ायां प्रत्रोधे | ७३० |
| | मात्राखरो य | 1 ' | नियन्तः स | 79 78 P | । ना हिसाज्य । नो हिंसीद्धि | | ायां विना म | ११५५ |
| | | | | .014 | । ना ।हलााद | # (%) | ायाः सुविहि 🛭 | १९१२ |
| | | | | | | | | |

| माया कात्याय | २८९० | मारुतोपह | १२४१ | मार्जारमयू | ९७२ (| मा विषादं कु | २४४८ |
|-----------------|---------------|-----------------|----------------|------------------------|------------------|--------------------|-----------------------|
| मायाचारो मा | १०४५, | मारुतोपहि | \$,, | मार्जारर वः | २५२६ | मा शरीरं क | २५४४ |
| | | मारुतो बल | રં ૦ ૫ ૧ | मार्जारऌब्ध | २१४६ | मा शिरोऽस्य प | २७६२ |
| माया भिर्देव | .२६१८ | मारुती नेष्टा | ३३४ | मार्जारश्वन | २३२५ | माषकः कुडु | २२७३ |
| मायाभेदन | २९३४ | मारुद्रणी च | २९२९ | मार्जारस्य च | २०२० | माषकलनी | २२९२ |
| मायाया जन | ११५५ | मार्कण्डेयव | १०३५ | मार्जाराक्षकं | २२३३ | माषकाणि च | २९०५ |
| मायायोगि | १३९५, | मार्कण्डेयस्त | # ? २४५ | मार्जारेषु दु | १२३६, | माषपणीं च | १४६५ |
| १३ | 96,8688 | मार्कण्डेयो गौ | ८०२ | | २३५० | माषपणीं त | # ,, |
| माया विद्यश्व | २९९२ | | * ,, | मार्जारोरसि | २०२५ | माषयवकु | રર્દ ५ રૂ |
| मायाविनं च | २७९८ | मार्कण्डेयो दी | २९८४ | मार्जारो त्रीडि | २०३१ | माषिका पिङ्ग | २५०९ |
| मायाविनं तु | * ,, | मार्गे सन्मार्ग | १७८४ | मार्जारोष्ट्व | २६५७ | मा स×सृक्षायां | १७९ |
| मायाविभेदा | १९१४ | मार्गदेशिकं | २५६० | मार्दवं दण्ड | १९१२ | मासद्विमास | ^२ २३०२, |
| मायाश्च विवि | १९१२ | मार्गमचलं | १६२९ | मार्दवादथ | १०८४ | 1, 5, 5, 1, 5 | २३०३ |
| मायाहतः श | १९९१ | मार्गविपर्या | २३२५ | मार्दवादिकि | ८९५ | मासाः पक्षाः ष | *२०१८ |
| माया हि बह | *२१५० | मार्गशीर्ष तै | २४५४, | माल्ती कर | १४६७ | मासादूर्ध्व मा | |
| मायिकं सर्व | ८९१ | | २५५७ | मालतीमूर्वी | २२६६ | | २२२० |
| मायिकैः सेव्य | ११५५ | मार्गशीर्षः पौ | २२७८ | मालती यूथि | १४७६ | मासानष्टी य | ७३२, |
| | ६८,१०८० | मार्गशीर्षे ग्र | २४५४ | मालती वन | *१४६ ७ | 2 | ८२२ |
| मायोपायं प्र | * १९९१ | मार्गसंरक्ष | ११४६ | मालवशकु | १४१५ | मासार्धमासा | २४३५ |
| मायोपायाः स | १९३८ | मार्गसंस्कर | . १४२९ | मालवैदक्षि | २७१३ | मासार्धेऽस्य म | २४६२ |
| मायोपेक्षा व | १९३७ | मार्गसंस्कार | १३७७ | मालां ज्वलन्तीं | | मासि मासि क | ८३५ |
| मायोपेक्षेन्द्र | १९३८, | | ११ ४४ | मालाकार इ | ६८१,७२६, | मासि मासि च | २८५८ |
| | १९३९ | 1 . | १४८९ | l . | ४६,१०४०, | मासि मासि य | ३०८ |
| मारकं न च | ८२४ | मार्गावरोध | २५११ | 1 | ७६,१४१९, | मासे पक्षेद | २१८४ |
| मारणं तस्क | १८०५ | 1 | २४५३ | i | ४२८,२३४४ | मासे सहसि | २४५५, |
| मारयन्ति वि | १०३५ | | *2463 | माला कार स्य | १३६ <i>७</i> | | २६६८ |
| मास्तर सप्त | १४२ | 1 "- " | y, (() (| मालाकारोप मालाकारोप | | माऽस्तं गमस्त्वं | २३८२ |
| मारुतः सर्व | ७३२,८२२ | | ર પઁ૪૪ | 1 | ४३६४ | मा स्प्राक्षीर्भीम | २७६२ |
| मारुतमेक | ३४२ | | २९०४ | माऌ्राकार | २६८९ | मा स्म तांस्ताद्य | २७६८ |
| मारुतस्य मा | . 33 | मार्गेषु स्थाप | ७२७ | मालेयकं पा | २२३३ | मा सं तात ब | ६०८ |
| मारता घेनु | # २७०९ | 1 | १४८९ | माल्यदामप | २८६६ | मासम्तात र | * ,, |
| मारुतीं पृक्षि | १६६ | मार्जकारक्ष | २२६२ | माल्यधूपास | १४५९ | | १०६५ |
| मारुतीमामि | ३४२ | मार्जने गृह | ८९५ | माल्येन चैक | २६५ २ | मासम धर्म प | ६३८ |
| मारुती विट् | ,, | मार्जरक्तवृ | २५०९ | मा वः स्तेन ई | ४५० | मा स्म लुब्धांश्च | १०६५, |
| मारुती वै वि | ₹४० | मार्जार इव | ११३२ | मा वधीर्मम | ६३७ | | |
| मारुते वै वा | ३३४ | | | मा वधीस्त्वं वि | स्त्रे ६३२ | मा स्म लोभेना | 2280 |
| मारुतोदक | २०१५ | मार्जारमक् | २०२५ | मा वनं छिनिः | र्ग २ ४४० | मा स्म सीमन्ति | *8388 |
| | | | | | | . य २.१ /मधादी | - २३८३ |

| मा स्माधर्मेण | १३१४ | (मित्रं हतं का | १९५९ | मित्रमित्रं श | १८४९ | मित्राण्येतः प्र | ११६७ |
|-------------------------|----------------|-----------------------|----------------------|-------------------------------|-------------------|------------------------------|---------------------|
| माहस्म कस्य | | र मित्रं हिरण्यं | २१६८ | मित्रमित्रम | २१६३ | मित्रादथाप्य | २१६९ |
| माहात्म्यं च म | # ? ~ & ! | मित्रं हि रात्र | १८५९ | मित्रमित्रेण | ,, | मित्रादात्म <u>न्</u> ट | ' २ २ ०६३ |
| माहात्म्यं बल | १०६७ | | १२९३ | मित्रमुखा ह्य | રર્લ ૨૧ | मित्रादिषु प्र | १९७८ |
| | २३८० | | ८०,३४४ | मित्रमुपकृ | १७०८ | मित्रा दुत्पति | 2833 |
| माहाभाग्यं भ | २८१८ | | ٥٧ | मित्रयुक्ताः पृ | | मित्राद्वैरं हि | |
| मा हिं सी स्तत्र | 800 | | १०५ | मित्रलक्षण | १८८१ | मित्राबृहस्प मित्राबृहस्प | * २६४ |
| माहिषं शार १५ | १०,१५२३ | मित्रः शत्रुश्च | १३० ० , | मित्रवन्तं सु | १२८७ | मित्राभावे प्र | १९२७ |
| माहेन्द्रं ग्रहं | ३०१ | _ | १८७९ | मित्रवन्तमु | २३६२ | मित्राभियोगि | ર |
| माहेन्द्रं च ग्र | २३८६ | मित्रः सम्राजो | , 3 3 3 | मित्रवांश्च स | २६२ १ | | २१६१ |
| माहेन्द्रचां प्रथ | २५२८ | मित्रकुच्छेऽपि | २०८९ | मित्रवान्नत | # १ २४६ | मित्रामित्रम | १०७२ |
| माहेयेन ज | २९५ ० | मित्र घातको | २६४७ | मित्रवान्साध | १३००, | मित्रामित्रसं | १९२० |
| मितं ददाति | १०९१ | मित्रज्ञाश्च कु | १ २९१, | | १५८४ | मित्रामित्रहि | १५२३, |
| मितं भुङ्क्ते सं | | ł | २०८४ | मित्रव्यञ्जनो | १९१८, | 0.0 | १५८३ |
| मितश्च संमि २९। | ५९,२९७६ | मित्रता सर्व | १०५१ | | २६३१ | मित्रामित्राणा | १९१९ |
| मिता पृथिव्यां | ४०४ | भित्रप्रकृतिं | २०५ ५ २०६७ | मित्रव्यसन | ६७६,२०६९ | भित्रामित्रा व | १५७८. |
| मितार्थः कार्य | १६८६ | भित्रबन्धुसु . | १४७१ | मित्रसंग्रह | १२९५ | मित्रामित्रेष <u>ु</u> | १९३१ |
| मिताशनो दे | 468 | मित्रबलम मित्रबलम | १५०९, | मित्रसाधार | २५९३ | मित्रायापि न | १७४८ |
| मित्र एवैनां | २२१ | ।मनवरुप | २५६ २ | मित्रस्य चानु | २१७९ | मित्रायुवो न | ४३९ |
| मित्रंच मे ब्रा | ६३९ | भित्रबलमा | २६ ०९ | मित्रस्य चैवा | २१३४ | मित्रार्थे चाप | २१३५ |
| मित्रंच शत्रु | # १८५९, | भित्रबुद्धया च | १२१९ | मित्रस्य हि प्र | ३ ६ | मित्रार्थं चाव | २१३६ |
| _ | २०२९ | 1 | | मित्रस्यासि व | २८१ | मित्रार्थमिभ | १२११, |
| मित्रं चामित्र | १८४९, | मित्रभावाद् ध्रु | १२९४, २०९२ | मित्रहिरण्य | ६७५,२०७८ | 6=1% =-17 | १२९३ |
| | २०५२ | मित्रभावि भ | | मित्रहिरण्ये २ | .०८९,२०९१ | मित्रार्थे बन्धु | २१४९ |
| भित्रं चेन्न सं | १९२० | ामत्रमाप म | १२९४, २०९२ | भित्राटवी ब | १५०८ | मित्रावरुण | १५८, |
| मित्रं चैत्राप्य | # २१३४ | 6 | | मित्राणां चान | | | २५२,२९१ |
| मित्रं तावच | १५३० | मित्रभावेन | १५३४ | मित्राणां चैव | # १२९२ | मित्रावरुणा | २९६,३३९ |
| मित्रं त्वस्थान | १२९३ | मित्रभूतः स | २१६३ | मित्राणां प्रकृ | १२८८ | मित्रावरुणौ | ७५,२२७ |
| मित्रं न चाऽऽप | १७१५ | मित्रभृत्यब | २७५२ | मित्राणां संग्र | १२९२ | मित्रासारमु | २६४६ |
| मित्रं नित्यम | '१२९४, | भित्रभेदं च | १८७६ | मित्राणामन्त | १८७६ | मित्रासारव्य | " |
| | २०९१ | मित्रमण्डल | २९२० | | २०, क १२९३ | मित्रीकुर्वीत | १८७१ |
| मित्रं बन्धुं वा | २ं६४७ | मित्रमभृत | | मित्राणि च न | | मित्रे गुणाः स | १२९७ |
| मित्रं वा स्वामि | २७९३ | मित्रममित्रं | | मित्राणि न च | | मित्रे च साम | १९४४ |
| मित्रं विचार्य | १८७६ | मित्रमाकन्द | 1 | मित्राणि वा ^{हर} | | मित्रेण ग्राह | २१६३ |
| मित्रं शत्रुं य | १९४२ | | ~ 1 | मित्राणि वाऽस् | | मित्रेण चाऽऽत्म | |
| मित्रं शत्रुभि | १५८९ | _ | ,३,२७९३ | | | मित्रेण चैवा | *2848 |
| मित्रं स्वसद् , | 1 | भित्रमित्रं त | •१८५८ | • | ८८०,२०४० | | १८४९ |
| | • | | -,-,-,- | , | 000,70001 | ान-१५ ।मान | 100% |

२७३

| मित्रेण वै रा | २७७ | मिथ्या प्रतिज्ञां | ६६५ | मुक्तशीर्षे मु | . २७८३ | मुखादै वास्य | ३१२ |
|-------------------------|---------------|----------------------|----------------|---------------------------------|-----------------|------------------------|-----------------------|
| मित्रेण रात्रो | १८५८ | मिथ्याप्रवृत्ता | २४५१ | मुक्तश्च व्यस | २०२४ | मुखाद्वचेनम | <u>ጻ</u> |
| मित्रेण सस्व | *१८७० | मिथ्याऽभिशस्तः | १९५८, | मुक्त सं धारि | १५१४ | | २५०५ |
| मित्रेण हिस | ,, | | १९६१ | मुक्तसङ्गप्र | ७३८ | मुखेन परि | १२३३, |
| मित्रेणा ऽ ऽहूत | २६४१ | मिथ्याभिशाप | १४२८ | मुक्ताकनक | १३६४ | | २३४९ |
| मित्रेणैव भ | २०६९ | मिथ्या वदन् प | २३३४ | मुक्ताकाञ्चन | २५४८ | मुखेन शस्त्र | # ७ ९ ६ |
| मित्रेणोपग्रा | २५६५ | मिथ्यावध्यास्त | २८०० | मुक्तानां कल्प | १३७२ | मुखे निक्षिप्य | २५२८ |
| मित्रे दण्डो न | १९४३ | मिथ्यावादी च | २३३१ | मुक्ताफलम | ३००० | मुखे मदमु | २७५१ |
| मित्रेऽन्यमित्र | | मिथ्यावादे चै | २२२४ | मुक्ताफलाः शु | २८३१ | मुखे वहति | १२५० |
| मित्रे वा यदि | ः २०२९ | मिथ्यावादे स्ते | २२२१ | मुक्ता भाव्याश्च | १४५९ | मुख्य एव भ | ४२१ |
| मित्रे शत्रावु | | मि थ्याविनीतः | @ ₹४४३ | मुक्ता वीरक्ष | २९३७ | मुख्यं जघन्यं | २८३७ |
| मित्रेषु वत्स | २०७३ | ' ' ' ' ' ' ' ' | ५६७ | मुक्ता वैदूर्य | २८४३ | मुख्यं दन्तिब | र १५४३ |
| | २०३१ | मिथ्यावृत्तः स | २४४३ | मुक्ताशुक्तिभि | २८३३ | मुख्यद्वारं द | १ ४९४ |
| मित्रेष्वमित्रे ६० | | मिथ्यासत्यस | ११४९, | मुक्तास्तबकै २८४ | ५,२८४८ | मुख्यश्चैवैष | २७५७ |
| मित्रैः प्रहीय | १३२० | | १४२८ | मुक्ताहारं तु | २९४५ | मुख्यस्त्रीबन्ध | २०६१, |
| मित्रैः सह वि | १९०३ | मिध्योक्त्वा च | | मुक्ताहारं न | * ,, | _ | 2068 |
| | *१ २९० | मिथ्योपचरि | ٥٠٠ | मुक्ताहारमृ | २९४९ | मुख्यानमात्या | १०७६ |
| मित्रैरर्थक १२९ | ०,२०८३ | मिथ्योपेतानि | . १०३९ | मुक्तिभाजो न | २७८६ | मुख्यामात्यैः स | * 2944 |
| मित्रैर्वा ऽ तिस | #१ ७६५ | मिनन्ता दस्यो | ५४ | मुक्तिहीनं तृ | १४६२ | मुख्यामात्येश्च | |
| मित्रैर्वाऽपि स | * ,, | मिम्यक्ष येषु | ४५७ | मुक्त्वा चापं वा | १५१६ | मुख्येन शस्त्र | ,, ७९६ |
| मित्रो अंहोश्चि | ३६ | मिश्रं च संवी | २५८१ | मुक्त्वा तु पश्चि | e ", | मुख्येषु त्वेषां | 1989 |
| मित्रोदासीन ५४ | ४,१८७८ | मिश्रं शत्रुभि | ७१५८९ | मुक्तवा बाणंत | १५१७ | मुख्येरवग्र | १२८५ |
| मित्रोपकार | २१५८ | मिश्रकेशी म | २९६१ | मुक्तवा रज्ज्ञं प्र | *२०१८ | मुख्यो मेदो हि | १५४७, |
| मित्रोपघात | १५७० | मिश्रकेशी सु | ٠,, | मुखं त्वासीतसु | #२७१६ | _ | ६,२६९० |
| मित्रोपभोग | २०२७ | मिश्रपक्षं न | २८२९ | मुखं दक्षिण | 3 ર ૮ | मुचुकुन्दं म | 646 |
| | ६०,२८७ | मिश्रैमिश्रो वि | २५०८ | | ર | मुचुकुन्दस्त | १६२२, |
| मिथः कथन | १७०४ | मिषतः सर्व | १८९७ | मुखं पश्चात् | २८ | | २३७९ |
| मिथःकृत्यं च | १८९६ | | ९३२,९३८ | मुखं पूर्ववि | २७५१ | मुचुकुन्दस्य ः | १६२२, |
| मिथः संघात | ७४५ | | २५२७ २५२७ | मुखंवा एत | ४२१ | | २३७९ |
| मिथः संबन्ध | १९४८ | मीने शङ्खे ध्व | | मुखं वै त्रिष्ट | ४३३ | मुचुकुन्दान्म | १५०७ |
| मिथुन् मेवै | २५६ | | ८९,२३४५ | मुखत एवे | 33 910 514 | मुचुकुन्दो वि | १६२२ |
| | १६,१४० | मीमांसा वेद | ८९१ | मुखप्रसन | # १७२४ | मुच्यते नात्र | २८९७ |
| मिथो भेदश्च | १९५८ | मुकुटं प्रक्षा | *2931 | मुखमासी स्तु | २७१६ | मुच्यते सर्व | २९१० |
| मिथो भेदाद्ब्रा | १६२१ | _ | ७१७१ ४ | मुखमुत्तर | २८ | मुञ्जन्यङ्गार | 2888 |
| मिथ्याकरण | રેશ્લ | | २५०६ | मुखलिङ्ग ग | | मुञ्जामि त्वा वै | १२ |
| मिथ्या चरति | १९९८ | मुक्तकेशाति | २५२७ | मु _' ख वि कार | १८०० | मुञ्जैनं न हि | 8090 |
| मिथ्याचित्तः स | २१९२ | मुक्तपुष्पाव | # १ ४४३ | मुखस्य श्याम | ९८० | मुञ्जपृष्ठ इ | 586 |
| | | | | | | • | 100 |

| मुञ्जपृष्ठं ज | ६१८ | मुस्तचन्दन | ७१ ६४७ | मूर्वानियोज | १७१७ | मूलधनाद् द्वि | १३७८ |
|------------------------------------|----------------|-----------------------------------|---------------|------------------------------|----------------------|-----------------|---------------|
| मुखनल्बजा | २२६६ | मुहुरत्युग्र | २५१७ | मूर्वामात्यप्र | ५९८ | मूलनक्षत्र | २८९० |
| मुण्डजटिल | ९७३ | मुहुर्मुहुश्च | १५०५ | मूर्खे नियुज्य | १२८० | मूलप्रकृत | १८६४ |
| मुण्डबटिला | २११० | मुहुर्मुहुश्चा | २१२६ | मूर्खे नियोज्य | १७०९ | मूलफलपु | १३०३ |
| मुण्डा निस्तन्त | ६४७ | मुहूर्त ज्वलि | २३८२ | मूर्ली जीवद्दि | १३६९ | मूलबलं श्रे | १५१० |
| मुण्डो जटिलो | १६४३, | मुहूर्त भोज | ९६२ | मूखा ।नयाज्य | # १७०९ | 1 | |
| | २६ ३५ | मुहूर्त दे श | | निर्देखा माळाउना | १०१५ | मूलमन्त्रेण | २९०१ |
| मुण्डो वा चटि | २६ ३५ | <u> मुहूर्तदित</u> | ६३२ | मूर्खी ह्यधिक | १०६५, | मूलमेतितत्र | ६२२ |
| मुदानूनं प्र | २७६२ | | ९६२,१६०६ | | २२१० | मूलमेवाऽऽदि | १८८६, |
| मुद्रमाषरी | २२८७ | मुहूर्तमपि महर्वालक्ष | २०४३ | मूर्व्छितास्तु त | २८६७ | | २०४२ |
| मुद्रमाषाणा | २२६० | मुहूर्ता छ ब्ध सम्बद्धि | १०९० | मूर्ति कण्ठे स | २५४३ | मूलरक्षणा | २५५९ |
| मुद्गरस्य तु | १५२० | मुहूर्ताश्चोक्त | २९४७ | मूर्तिः स्याद्रुधि | २५४७ | मूलरक्षास | २४५६ |
| मुद्रणं भेद | २५४१ | मुहूर्तास्तिथ | | मूर्तिः स्थान्मणि | " | मूलवृत्तिहि | २३२७ |
| मुद्रां विनाऽखि | ८६१, | मुहूर्ते सगु | # २९७२ | 1 ~ | १५१३ | मूलवृत्त्यिं | २३२८ |
| | १०१ ४ | मुहूर्ते सुगु | " | मूर्तिवित्तस | २ ४६४ | मूलहरता | २२२७ |
| मुद्राध्यक्षः | ६७१ | मुह्यता तु म | २३९५ | मूर्धनि म आ | રે૪૮૨ | मूलहरम <u>ि</u> | २१९४ |
| मुद्राध्यक्षो मु | २३१७ | मुह्यन्त्वद्यामू: | ५०९,५२२ | मूर्धस्थाने शु | २५२८ | | |
| मुद्रारक्षणं | २६ ०८ | मुह्यन्त्वेषां बा | ५१६ | मूर्घक्षिलक्ष | ७२८९६ | मूलाग्रयोर्छ | १५३१ |
| मुनिं कालक | \$ 2006 | मूकमूषा पू | २२५ ३ | मूर्धानं चत | २९५२ | मूलानि च प्र | * २७६६ |
| मुनिः कालक | र्देश ०, | | ०७४,१६९३ | मूर्घीनं दिवो | ४३ | मूलान्यस्य प्र | " |
| ^२ १२ | १५,२००६ | युष्याताह | २२९९ | मूर्धानं पञ्च | ૨ ९७५ | मूलाबाधक | २१६१ |
| मुनिधौतं त | १५१७ | मूढा अमित्रा | ५०९,५२२ | मूर्धिन कण्ठे स | * 2483 | मूले तु संस्थि | २९८३ |
| मुनिप्रोक्ताश्च मुनिप्रोक्ताश्च | ११५२ | मूढा दुराचा | १११८, | मूर्धिन दूर्वाक्ष | २९७८ | मूलेभ्य इति | * ₹९२४ |
| मुनिभिर्दीर्घ | २७९२ | | | मूर्धिन पादप्र | २६८९ | मूले मूलक | २५५० |
| मुनिमाश्रित्य | १६९७ | मूढीभूतास्त | | मूर्धिन स्थास्याम्य | २७२ १ | मूले म्रियते | १५३६ |
| मुनेः पाद्यवग | १६९६ | मूढो ग्राहयि | | मुध्नि स्थितम | २७९९ | मुलेऽकें श्रव | २४७० |
| मुनेरपि म | ९ ₹४, | मूढो यदि क्लि | १९०५ | l ' . | २२६९ | मूले वरुण | २९ १९ |
| _ | ર ી | मूढो योधाव | | मूर्वैलावाछ | १४६९ | मूलैव्यंवह | १३६७ |
| ५३ मुनेरपि व | १९,१६०५ | मूत्रवृद्धि क | | - · | २४६२ १४६२ | मूलो मूलव | *2408 |
| | १२२१ | मूत्रे ष्वर्धद | २३२ ४ | मूलं भागो व्या | | पूर्व जाति न | १५२२ |
| मुरदाइत प्रकार कर | *२८६८ | मूर्खे छन्दा <u>न</u> | | पूर्ल गागा ज्या मूलं मूलव | २२१४ २५ <i>०१</i> | मूल्यं तस्य सु | १३७५ |
| मुषितो दूर मुष्टिप्राहनि | १५८५ | | १९३८ | | | | |
| | १५२२ | मूर्कः पुत्रः कु | | मूलं स्वामी स | ११६९ | मूल्यत्वेन च | १८४२ |
| सुष्टिय।ह्याणि सुष्टिघातम | १५१० | मूर्खत्वमन्य _ १ | 1 | मूलकर्मिक | ५७७ | मूल्यमेतद्वि | १३७४ |
| गुष्टवातम् गुर लं पर् | | मूर्खदुर्जन | | मूलकर्मादि | २८८० | मूल्यरूपप | २३३८ |
| उवल पर् मुस्र्षिमुद्र | | मूर्खस्य नियो | , , | मूलकीलभ्र | १५३१ | मूल्यहानिस्तु | १८४४ |
| | १४४९ | . | 1 | म्लन्छेदे भ | ७४५ | मूल्याधिक्याय | १३७१ |
| मुखं चन्दन | १४६७। | मूर्वाणां पण्डि | १२२१ | मूलच्छेदे वि | | मूषकं मन्द | २०२३ |
| | | | | | | | |

| मूषकश्च बि | २०३२ | मृगयासंप्र | २८१० | मृतस्य नास्ति | २७९० | मृत्युर्वि धीय | १८९२ |
|-----------------------------|------------------|-------------------|---------------|--------------------------------------|---------------------|------------------------------|------------------|
| मूषकाजिर | # १४६९ | मृगयासक्तिः | १६०८ | मृतस्य नोप | २७८८ | मृत्युश्च वस | ८१२ |
| मूषकाञ्छल | २९२७ | मृगराजं हि | १२२० | मृतांश्च पुन | १६१५ | मृत्युस्तत्पूज | २५१० |
| मूषिकं भक्ष | 3666 | मृगराजेन | " | मृता युद्धेषु | २७० १ | मृत्युहन्त्री वि | २९९१ |
| मूषिकं मन्द | *२० २३ | | १८८८ | मृतिसंसूच | २५३० | मृत्योराषमा | ५१४ |
| मूषिककरं | १३९६ | मृगराजो हि | " | मृतेन लभ | २७८३ | मृत्योरिव जु | ८०१ |
| मूषिकभये | ,, | मृगवच व | २५२५ | मृते भर्तर्य | ७२० | मृत्योर्थे अघ | ५१४ |
| मूषिकश्च वि | * २०३२ | मृगव्यासक्त | २८१३ | मृते मात्राख | २४७३ | | |
| मूषिका जतु | १४६९ | मुगसंकीर्ण | २३१३ | मृते राज्ञिन | २९४७ | मृत्योश्चतुर्वि | ६२० |
| मूषिकाऽऽभक्षि | १८८७ | ्र मृगसंघात | १४३९, | मृतो दुःखं न | २७६ १ | मृत्योस्तु दुहि | ७९१ |
| मूषिकोऽस्य रा | ,, | e | * १५९८ | मृतोद्भवा म | २९९५ | मृत्यो काराल | १ ४९७ |
| मृगं शतभि | ૨૪ ૭૨ | मृगसिंहव | #206 | मृत्काष्ठकोष्ठाः | २२६३ | मृत्स्नातः स्नप | |
| मृगपिक्षवि | २९२७ | मुगस्वरा द्वी | १५०० | मृत्ताम्ररौप्य | २९७३ | मृदङ्गवाद्यैः | २९२९ |
| मृगपश्चप | १३९६ | | १५६६ | मृत्ताम्रहेम | * ,, | मृदङ्गवेणु | \$ 888 |
| मृगपञ्चना | २२९५ | मुगा इव ह | ४७० | मृत्तिकां वृष | # २९३५ | मृदवः सत्य | ६५२ |
| मृगमांसे न | १८८८ | मृगाः सन्तीति | ११९२ | मृत्तिकाकण | १३८३ | मृदा विरचि | १४९७ |
| मृगयां तु प्र | १५७९ | मृगाः सिंहा व | | मृत्तिकाकाष्ठ | ८९५ | मृदुगुरुप्र | १७४० |
| मृगयां पान | १५४७, | | १०८६ | मृत्तिकाकृत | १३८२ | मृदुता कठि | 968 |
| | १ ५७७ | मृगाणां च ख | १६३९ | मृत्तिकाकृति | १४८० | | ६८० |
| मृगयाकामं | १००८ | मृगाणां महि | २८४१ | मृत्तिकामृदु | १५४३ | | * { ? o 8 |
| मृगयाक्षस्त्री | १५४६ | मृगाणामध | ६३८ | मृत्तिकावृष | | मृदुना मार्द मृदुना मार्द | ,, |
| मृगयाऽक्षा दि | * १ ५७२ | मृगादयस्तु | २८४३ | _ट मृत्पिण्डसंस्था | १५१८ | | २०४७ |
| मृगवाऽक्षास्त | | मृगाश्च पक्षि | १४६४ | मृत्यूतं स्नप | * 3840 | मृदुनैव मृ ७५ | ४७.*२०४७ |
| | ५७६, ३४,९४०, | मृगी च मृग | २९५७ | मृत्यूतः स्नप | * ,, | मृदुपूर्वे घा | १२१८ |
| | १८,१५७७, | मृगो भ्रमण | २८४४ | मृत्यवे ब्राह्म | ~ " २ ४८३ | मृदुपूर्वे प्र | १३८६ |
| | ०५,१६ <i>०</i> ६ | मृजया रक्ष्य | १०४१ | मृत्यवेऽमून् प्र | 488 | मृदुपूर्व हि | •१२१८ |
| मृगयाऽक्षो दि | १ ५७२ | मृजावान्स्यात्स्व | १०७९ | • | | मृदुमप्यव १९ | |
| मृगयातिस ११ | १६.१५७६ | दिजाहि । पत्रा | ४०१ | मृत्युंजयं त मृत्युंजयम | २९०३ | मृदुरित्य व | |
| मृगयाचूत | १७०६ | मृण्मयं शात्र | २८८६ | _ | # ,, | मृदुर्भवत्य | २०४७ |
| मृगयापर | १५७१ | मृष्मयश्चात्र | २९०६ | मृत्युं प्राणेश्व मृत्युः प्रजाना | ६२० ७५ | | १९०४ |
| मृगयाभिस्तु | १५२७ | मृतं राष्ट्रम | ७८९ | | | मृदुहि राजा | १०५९ |
| मृगयायां गु | ९६३, | मृतचेलप | ६३६ | मृत्युमलक्ष्मी | | मृदुशीलं त | # १ ०८१ |
| | | मृतचैलप | * ,, | मृत्युमृच्छति | * ९३२, | मृदुश्च स्थिर | १११७ |
| | | मृतस्य चापि | २६७०, | | | मृदुसंस्तर | १५१७ |
| मृगयायां तु मृगयायां प्र | १५५९ | | २७८७ | मृत्युमृ च्छत्य | | मृद्नाति यदि | २७९१ |
| मृगयायाम <u>ु</u> | | मृतस्य तस्य | | मृत्युयानं स | २४४२ | मृद्रीकारसो | २ २९२ |
| | | मृतस्य नामि | | मृत्युभैयं स्थि | १४९७ | मृन्मयस्येव | २०३९ |
| मृगयारिक्ष | *१५९८ | I | २७८७ | मृत्युवी रक्ष | ५९६ | मृन्मयाहारु | ७४८ |
| | | | | | | | • |

| मृन्मयानां च | १३३८, | मेध्यमेवैन | રહેર | भैत्र्या जयेत्स | १५३०. | (मौक्तिकानां स | १३८२ |
|---------------------------|---------------|--------------------------------|----------------|---------------------|---------------------------------------|-------------------------------------|------------------|
| _ | १३६१ | मेध्या वा एत | π ,, | | १९४४ | | 286 |
| मृन्मयेन ज | २९७५ | 1 | २९६१ | मैन्दप्रभृत | ₹ ९४४ | 1 | ९४३ |
| मृषावादं प | १०७४ | | ८७८ | मैन्दश्च दिवि | २९४३ | | १५४३ |
| मृष्टं भोजन | २५२८ | मेरमासाद्य | २९८७ | मैवं वोचः प्र | १६६६ | मोल य न ्ता मोलं बह्वब्दा | १५२६ |
| मृळा सुक्षत्र | ४ ९ | मेरोरुपरि | २८७२ | मैषाम च्छेषि | 4 8 8 | | |
| मृळीकायोक | 8 | मेरी हिमाल | २८४० | मोक्त ब्यस्तेष | १ ९०९ | . ~ | *२५८९ |
| मेक्लैः कुरु | *२७१३ | मेर्वादिषोड | · १ ४३३ | मोक्षं मोक्षेण | | मौलं भूतं श्रो | २७३२ |
| मे क्लैस्त्रैपु | | मेलयित्वा ब | २७०२ | मोक्षणं चत | 1116 | मौलं भृतं श्रे | .१५२३, |
| मेखलात्रय | ः २८९१ | मेलयित्वा स्व | १८४० | मोक्षधर्मश्च | २७४९ | 1. | ८९,२६७६ |
| मेघदुन्दुभि | २९० २ | मेषवृश्चिक २ | .४७२,२४७३ | | ५६६ १११ ९ | ' ' ' ' ' | १५४२ |
| मेघवदुत्था | 2000 | | ૧ ૨ ૧૧ | | * * * * * * * * * * * * * * * * * * * | 1.1100 222 3 | १४५९ |
| मेघवर्णः सु | २९६२ | नेक्क्स चर्च | १४९५ | | | मौलपुरुषा | ९७६ |
| मेघवर्णश्च | | मेषादिराशि | २४७३ | 1 20.11 11.2 | ,, ५७३ | मौलबलावि | १५४० |
| न्यवण्य मेघसंकुल | * ,, १०८६ | मेषादिलग्न | २८३७ | मोक्षस्यास्ति त्रि | | मौलभुक्तं श्रे | •२६७६ |
| - | | मेहते वान | ९८३ | मोक्षे प्रयाणे | ,, | मौलभूतं श्रे | १५४२ |
| मेघस्वनाः कु | १५०० | मैत्रं चरम् | ७९,१६८ | मोचयेत्कृप | २६०२ | मौलभूतश्रे | *२६७६ |
| मेघस्वनाः को | • ,, | मैत्रं प्रधाव | ११२५ | मोचयेयं मृ | १४१६ | मौलभूतक १५ | |
| मेघाः शस्ता घ | २५ ०७ १ | मैत्रं मुगशि | 3800 | मादकाक्षत | २००३ | मोलमनुर मोलमनुर | २६२० |
| मेघान्धकार | १९९५ | मैत्रश्चरः | | मोदकैः श्वेत | २९५ ४ | मौलशिक्षित | १५२९ |
| मेघे न वर्ष | \$ 9८० | 1. | ३०९ | मोदकैरक्ष | * ,, | मौलश्च नर | ६१७ |
| मेघे वा विद्यु | २४८० | मैत्राः क्र्राणि | २३९७ | | २५३९ | गोलम गर मौलसाद्यस्क | |
| मेघैर्मुक्तं न | १०८७ | मैत्रादिक्च | २७०१ | मोदकैर्वा ब | २८८६ | | १५२६ १५४० |
| मेघोद के स्तु | १७५२ | मैत्रादिषु दि | २४७१ | मोदते पाप | ३००४ | मौलाख्यमाप | |
| मेघोन वर्ष | # २३९८ | मैत्रादिसप्त | ,, | मोदाः प्रमोदा | १८१ | मौलाञ्छास्त्रवि | १२५०, |
| मेथिष्ठाः पिन्व | 288 | मैत्राद्याः परिच | र २४६२ | मो षु पणीरँ | ३९७ | | १७७३ २ |
| मेदकप्रस | २२९१ | मैत्राद्यान्यप | २४६३ | मो षु वरुण | 9 | मौला द्वादश | १८६५ |
| मेदचण्डाल | 3 | मैत्रान्साधून्वे | 8808 | मो षूण इन्द्र | १२४ | मौलानाढ्यान् | १२५५ |
| न५ पण्डाल मेघाविनं ह्य | 77701 | मैत्राबा ईस्प | | मो यूण इन्द्रा | • ,, | मौलाऽपि पुरु | १४९९ |
| मेघाविनां वि | ,,,,, | मैत्रावरुणी | | मोहयेत् स्तम्भ | २८१३ | मौलास्तु दीर्घ | २५९ १ |
| मेधावी धार | | मेत्रावरूण्या मेत्रावरूण्या | 1 | मोह संदे ह | ९०२ | मीला हि पुर | # ₹४९९, |
| मेधावी मति | | मनापरुष्या मैत्राश्चिपुष्य | | मोहात्प्रकुर्व | # १ ७८६ | १६ | ०६,२६९० |
| | 1. | | २४७१ | मोहात्प्रक्षिप | ,, | मौलीभूतं श्रे | २६७ १ |
| मेधावी वाक्य | | मेत्रीकरण | १५४२ | मोहाद्राजा स्व | | मौले बले तु | १५४२ |
| १८३७ | ,२३२७, | मेत्रीप्रधानं १९ | ३८,१९३९ | | | मौल्याधिक्यं कु | १८४१ |
| 2- 4-6 | | भेत्रे सरिदु | २५४९ | मोहाद्विदत्थ | 1 | म्यरस्तजभ्न | ८९१ |
| मेथावी स्मृति | ८०१, | मेत्रेन्द्रत्वाष्ट्र ् | | मौक्तिकं वाऽथ | | प्रियते तत्र २४० | |
| . १२० | ९,१२८१ | मैग्यमारात्ष्ट | १५३० | मौक्तिकानां दु | | म्ब्रयत सन् २४८ म्रियते राज | २४,५५५ २८८५ |
| | | | | _ | \ \ / | 111 119 | 100,1 |

| म्रियते रुद | २७६२) | य एनं हन्ति | 396 | यं कामयेता | ५२८ | यं वाजिनं ग | २८७१ |
|----------------------|-------|-----------------|------------------|----------------------|-----------------------------|--------------------------------|----------------|
| म्रियते वा म | | य एनमाप | १२२५ | यं ऋन्दसी अ | ६२ | यं वात: परि | ७२ |
| • | | य एनमुत्प | १२६१ | यं ऋन्दसी सं | ४८९ | यं वा मन्येत | १७०३ |
| म्रियमाणोऽपि | | य एभिः स्तूय | ७८९, | यं गन्धर्वा अ | ४०७ | यं संपरयेनि | # १३ ४३ |
| म्रियमाणोऽप्या | ६९५, | | #603 | यं ग्राममावि | ३९७ | यं समाश्रित्य | २७६१ |
| | १३३८ | य एवं कार | २८५१ | यं च कंचिद्दि | *460 | | २९८ |
| म्रियेतापि न | २०८३ | य एवं कुरु | | यं च धर्मे च | ७९६ | | |
| म्लेच्छे यवन | १४१५ | य एवं कृत | २३७८ | यं च पन्थान | १७६६ | यंहि वैद्याः कु | |
| म्लेच्छेषु केतु | २५२१ | य एवंनामा | | यं चासूयन्ति | १६८९ | यः करोति नि | १०६८ |
| य आत्मदा ब | ६१ | य एवं वर्त ६० | | | २३७६ | 4. 1.717.1.1.1 | ७३२ |
| य आत्मनः प्रि | २३८४ | | | यं दु पश्येनि | १३४३ | यः कल्याणगु | १०७६ |
| य आत्मनाऽप | १०३८ | य एवं विदु | | यं तु मन्येत | | यः कश्चिज्जन | १२१०, |
| य आदित्यं क्ष | ४१० | य एवं विद्वा | ર ે, | | २०६४ | | १३१५ |
| य आपिर्नित्यो | 6 | . 2 | | यं त्वा पृषती | ७१ | यः कश्चिदप्य | *१२८७ |
| य आह्वेषु | २७८१ | . з | १०८, १ ०९ | यं त्वा होतारं | ३९४ | यः कश्चिद्धर्भ | १०७७ |
| य इतोऽनुशा | १९७ | य एवं वेद २७ | ,२८,११० | यं त्विमं धर्म | ५५९ | यः कश्चिद्विज | १६१६ |
| य इमां प्रती | ५२२ | य एवं न्यूह २७३ | | यं दृष्वा कुर | # २७०६ | यः काममन्यू | १०३७ |
| य इमे द्यावा | *42 | य एवं संस्कृ | २८५३ | यं दृष्वा पार्थि | | यः कामाथीतु | ७७२ |
| य ईर्षुः पर | #8088 | य एवं स्तूय | ८०१ | यं न पश्येन | ,, २५३५ | यः कारणम | १३०० |
| य ईर्ष्युः पर | , | य एव कश्चि | ७१९, | | | यः कार्येन प | ११०६ |
| य ईशे अस्य | ६१ | | # १३५६ | यं न वायुव | #२०४९ | यः कार्यनिश्च | १ ७६६ |
| य उ एन ५ हि | ३५४, | य एव तुस | १६१६ | यं निद्धुर्व | 90 | यः कालो हि व्य | |
| | ४३७ | य एव देवा | ५६२ | यं निरीक्षेत | १०९६ | यः काला ।ह न्य यः किमप्यसं | १९१२ ७७४ |
| य उ एवंवि | ३५१ | य एव नृप | २८२२ | यं न्विमं पुत्र | १८२ | यः कृते प्रति | |
| य उक्तो दर्प | २८४२ | l | १ १३ | यं न्वेवैकय | ३१९ | | # २०३ ६ |
| य उक्तो राज | १४९५ | य एवमेता | २१७ | यं पूजयेम | ७९६ | यः कृशार्थः क | # ५६० |
| य उक्थ्यम् | १०९ | 1 | १०४१ | यं प्रतिब्यूह्य | २७०७ | 11 21411 41 21 | ,, |
| य उत्पन्नः पु | ८९७ | य एव खस्या | १८८१ | यं प्रशंसन्ति | ^२ ११७३ | यः कोपं कर्तु | २५६६ |
| य उत्पातास्त्रि | १६१२ | i | २३९१ | यं प्राप्य विजि | १६१५ | 70 7/17/91(1 | ११७३ |
| य उदारा अ | ५१७ | य एवाऽऽहव | | यं बाहुतेव | ३६८ | यः क्षत्रियः स्व | ६६७ |
| य उद्देशे न | | | રહપ | l. ~ ~ | २७०८ | यः खलु पुत्रो | १०१९ |
| य उद्धरेत्क | | य एष राज | * % % | यं भेषजस्य | १०६ | यः खलु यथा | ८९९ |
| य एकश्चर्ष | | य एष राजा | | यं मन्येत म | १२०९, | यः पञ्चाऽऽभ्यन्त | |
| य एतदेवं | | य एषोऽग्रेरि | " २४८२ | | र १२८९ | यः परस्ता ^{द्} या | • • • |
| य एतान्विश | | य ओजोदा ब | | यं यं कराभ्यां | | • | ३४० |
| य एतेन य | | यं कमपि स | | यं यज्ञसंघै | ८५९ | यः परस्वम | #७९५ |
| य एतन य य एनंतत्र | | यं कामये तं | | य यशस्य यं यमर्थम | २७८५ | 94. | ११०४ |
| | | यं कामयेत | | | २३७४ | | १७६७ |
| य एनं परि | 440 | । य कालयत | ३४ १ | यं रक्षन्ति प्र | ३६८ | यः पापं कुरु | ६२३ |
| | | | | | | • | 111 |

| यः पितातं पु | २८९ | यः सहायान् प | २६७ ०. | यच वृत्वाऽति | • ✓ | यजन्ते च म | #1500 |
|---------------------------------|---------|--------------------|----------------|-----------------|------------------------|-----------------|-----------------|
| यः पितृपैता ७५ | | | . ५,२७९० | | १७६ ६ | यजन्ते मान | #७९९ ५६२,७३७ |
| यः पित्राद्यर्जि | १३८२ | | ५९६ | _ | * १७ ९३ | यजन्ते राज | १ ४६० |
| यः पुत्रस्तं पु | २८९ | 1 00 0 | ४८२ | 1 | १८९९ | यजमानं ह | \°4° |
| यः पुत्रो गुण | ८३८ | यः स्यादधर्म | १८५९ | 1 | | यजमानो वै | - |
| यः पुनः पुरु | १९०५ | यः स्यादनुप्रा | १८८९ | यञ्चाग्रादाय | २२१ ९ | यजस्व वाजि | ,, २४५०, |
| यः पूर्णरूढः | २५२६ | यः स्याद्दान्तः सो | ५८७ | | ` १ १० २ | | २८१५ |
| यः पृथिवीं बृ | ४१० | यः स्वधर्मे प | ११२५ | यचान्यत्किचि | २ ९३ ८ | यजस्व विवि | १०५१ |
| यः प्रजाकामः | ४५४ | यः स्वधर्मे स्थि | ७२७ | यच्चापि किंचि | | यजुर्भिरेवा | 386 |
| यः प्रमाणं न | १०३९, | यः स्वयं प्रति | #५६५ | | . २२७२ २०३० | यजुर्वेदं क्ष | ४२५ |
| | २०७३ | यः खल्पेनापि | # १ २४२ | | #\$ • \$ | यजुर्वेदस्थो | ४६६ |
| यः प्रमाणम | १६९८ | यः स्ववर्णाश्र | ७२२ | यञ्चाप्यत्र भ | 3 403 | यजुर्वेदोप | ८९० |
| यः प्राणतो नि | ६१ | यः स्वसूत्रम | २९२९ | यच्चाप्यन्यदे | . ५५४ | यजुर्वेद्यथ | २९७५ |
| यः प्रियं कुरु | १०७४ | यक्षः सिद्धात्म | २९७७ | यञ्चाप्यशक्य | १८९९ | यज्ञंष्यतीका | २२७ |
| यः शर्धते ना | ३७४ | यक्षगन्धर्व | १०९२ | यञ्चायोध्याह | | यजेच विवि | ७३८ , |
| यः शश्वतो म | " | यक्षरक्षःपि | ६१३ | 1 | 4860 | | ७४५,७४७ |
| यः शास्त्रं दण्ड | १११७ | यक्षराक्षस | ७९३ | यचारमाकं की | २४२७ | यजेत च य | હર ર |
| यः शास्त्रदृष्टे | १३५८, | यक्षाध्यक्षः स | २९४५ | यचास्य कार्य | ५७१ | यजेत निर्ऋ | २९०६ |
| | १९७९ | यक्षिणी मालि | २९९२ | यचास्य सुकृ | २७८० | यजेत राजा | ७३३, |
| यः शास्त्रबुद्धि | १८२५ | यश्चेश्च सप्त | १४७५ | यचिकीर्षति | २४८ | (1-41 | ११०७ |
| यः ग्रूरो युध्य | २७८८ | यक्ष्यमाणो वै | ४३७ | यचिद्धि त्वं गृ | ४९८ | यजेताहर | #906 |
| यः संपदीव | १३०० | यच कार्य न | ९५८ | यचैवोपन | २५११ | यजेत् तं पूर्व | २८७८ |
| यः संप्राप्तध | १९५२, | यच किंचित्त | * २ ३९९ | यच्छक्यं ग्रसि | १०४० | यजेद्राजा न | ११०२ |
| | १९५३ | यच किंचिदि | * २०४९ | यच्छन्ति सचि | १९१३ | यजेद्वस्त्रादि | २८७४ |
| यः सङ्गत्पाप | १९१ | यच किंचिन्म | २०२६ | यच्छयानः प | ४०८ | यज्ञयैरज | |
| यः सत्करोति ५६ | | यच कोशद | २८१८ | यच्छयीमहि | २७५७ | | ३३५ |
| यः सत्यसंधः | ,,,,,,, | यच गुह्यं भ | १७१३ | यच्छुकिये स | ३३२ | यज्ञाग्रतो दू | २५३९, |
| यः सपत्नो यो | ,,,,, | यच तद्भुक्म | १९०१ | यञ्छूद्रे यद | १२५,४६४ | | २५४३ |
| यः स ब्रूयात् | , , | यच त्वं मन्य | १८९२ | यच्छेत् | 14.11 | यज्ञातिपूज्यो | १४३३ |
| यः समाम्यो३ व | 111 | यच पण्यं प्र | २२६३ | यच्छ्मश्रुणस्त | - (- | यज्ञायतेऽल्प | २४१५ |
| यः समुद्यं | • • 1 | •• | امممعع | यच्छ्रायन्तीयं | , | यज्ञ उह वा | २०१ |
| | ٦ ' | यच पूर्वेस | * (000) | यजते यद | | यत्र एव त | ,, |
| मः माञ्चा च | | - | | यजतेऽहर | 500 | यज्ञं कुर्वन्ति | 989 |
| यः समृद्ध्या न यः सम्यग्वर्त | · · | यच भर्ताऽनु | १६८८ | यज देहि प्र | ५६५ | यज्ञं सृष्टम | १९५ |
| यः सर्वभूत | | यच भूतंस | ६०८ | यजनं राज | ११३९ | यज्ञकर्भवि | *{६१७ |
| यः स वात इ | | यच भूतं सं | | यजनाध्यय | | यज्ञकर्माणि | * ,, |
| यः सहस्रं श | | यच यस्रोप | | यजनैयाज | | यज्ञतो निर्मि | २८३५ |
| | (33 | यचरा हाच | *१०७२ | यजन्ते चत्र | ७९९) | यज्ञदानिक | ७४५ |

| यशदानप्र | 2011 | यज्ञेषु सर्वे | २५ २३ | यतरं वे सं | l a e | यतिंकचिज्जग | 931. / |
|----------------------------|--------------------------|-------------------------|---------------|----------------------------|------------------|------------------------------|---------------------------------|
| यर्दानर | १०२६ | 1 | ७३० | यतश्च भय | २६६३, | यत्ति चिज्ञय यत्तिकचिज्ञय | १३५८ *१६१ ६ |
| यज्ञदानर | હર ે | 1 | १०३६, | | 3 | यत्तिचत्कथि यत्तिकचित्कथि | **\ 4 \4 ? ४७६ |
| यज्ञदाने प्र | #2088 | | २ ४३७ | यतस्तन्निब यतस्तन्निब | ६६४,२७३० १३७९ | यत्तिचत्कुरु | |
| यशमुखं वा | २५४,३२० | यज्ञैदिनैश्च | २८ १ ६ | यतस्त्वया प्र | *८४६ | ના <i>રમા પ</i> રજીર | १७०९, |
| यज्ञमुखमे | ३ २० | यशैषिणो ये | | यतिष्यन्ते न | करा १८९२ | यतिंकचिदपि | <i>0</i> |
| , यज्ञमुखेनै | २ ५४ | | * २४३३ | यतीनामग्र | १८५५ १९०१ | नारका युपान | १३३८, |
| यरामुह वा | ३५० | यज्ञो दक्षिणा | १०६ | यतीन्सालान्न | 7 03 | यतिंकचिदार | १३६१ |
| यज्ञमेके प्र | १०५ १ | यज्ञो दानं त | ७२९,९५८, | यतेत देश | १५ ६६ | | २०९८ |
| यज्ञमेव प्र | | | २३८० | यतेत योग | १९१३ | यत्तिंकचिदुप | ७५१ |
| यश्मेवास्मि | 非 ,, ョ き きき | यज्ञो दानं द | १०९३ | यतो द्रव्यप्र | 808 | यत्किचिदेत | २४३३ |
| यज्ञमेवोप | | यज्ञोन सप्त | ८७ | यतो धर्मस्त | १२०९, | यतिंकचिदौष | १६३९ |
| यरायाजी च | ८०२ | यज्ञोपवीत | ११०२ | | १२८८ | यत्किचिद्दुष्कृ | #२७७९ |
| यज्ञती दक्षि | १०३१ | यज्ञोपवीती | २७७२ | यतो न पुन | ५०९ | यरिंकचिन्मन्य | २००७ |
| यशता दाक्ष यशविष्नक | ४६४ | यज्ञो बृहन्द | # ₹४४ | यतो निमित्तं | १५७० | यतिंक चेदं व | • |
| यराविष्नक यरुविष्नार्थि | १५११ | यज्ञो मनीष | ५८१ | यतो भुक्तं सु | | यत्कृतं तच | २०३८ |
| | " | यज्ञो विद्यास | १०५३ | यतोऽभ्युदय | १७५३ | यत्कृतं तत्तु | # ,, |
| यज्ञविद्या म | २५४४ | यज्ञो वै यज | २०१ | यता उन्युद्य यतो लाभस्त | ७६६ | यत्कृतं ते म | ~ ,, २०३९ |
| यज्ञशीलः पु यज्ञशीलः स | १०९३ | यशो वै विष्णुः | ₹•४ | यता लामसा यतो लोष्टस्त | २२६५ २५३७ | यत्कृते प्रति | २०३६ |
| | * ,, | यशो हि देवा | | यतो वा अधि | | यत्कृतौ स्वामि | १६८३ |
| यज्ञस्थानात्त | २९७५ | यज्ञो हैषामा | १११,५२९ | | | यत्कृत्यं धृत | 288 १ |
| यज्ञस्य सर्व | ११० | 1 | ", ", | यतो वा दूष्य | २८०५ | यत् कृत्वा नृप | २८७७ |
| यज्ञस्यार्थार्थ | १३२३ | यतः कृतास्तु | २९८२ | यतो वा मित्रै | २६३० | यत्कृत्वा ऽमानु | ५५८ |
| यज्ञांश्चीव प्र १ | | यतः कृष्णस्त | १८९९ | यतो वायुर्य यतो हि सर्व | २६ ०२ | यत्कोपभीत्या | |
| यज्ञाः सुसिद्धा | २५२३ | यतः परस्या | २७२६ | यता हि तप यत्कर्म धर्म | * 4८१ | પ લ્યાય ખાલ્યા | १२६६, |
| यशादु ह वा | १९८ | यतः फल्गु य | २६८६, | यत्कम घम यत्कर्म राज | 222 | यत्त ऊनं त | १६२७ |
| | ५५६,१ ४४४ | २५ | ७०३,२७३४ | यत्कर्भ वै नि | ९६ १ १०५६ | यत्तकर्णी म | ४ ०९ |
| यज्ञान्साधय | ११०१ | यतः शङ्का भ | र २६०० | | | | २४२६ |
| यज्ञायज्ञीय | ३३०,३३४ | यतः शङ्केत | # २६६३ | यत्कल्याणम | १०७६ | यत्तद्द्वादश | १९९७ |
| यज्ञार्थ चैव | •११०७ | यतः संधिम | २६३० | यत्काम इद | ४०५ | यत्तु दानप | २३८० |
| यज्ञार्थे द्रव्य | १३६७ | यतः सत्यं य | २७५६ | यत्कामास्ते जु | €₹, | यत्तु बाहुब | १२०८ |
| यज्ञार्थं मण्ड | २८८५ | यतः सर्वप्र | ६७७ | × _ c | १५७,२८९ | यत्तु राज्यं भ | १२०५ |
| यज्ञार्थमन्य | १३२३ | यतः स्मृतिः प्र | ९०५ | यत्कार्ये यो नि | • | यत्तु लिङ्गान्त | ५९५ |
| यज्ञावकीर्णा | ४३४ | यततस्तव | २३९२ | यत्कार्ये विनि | १७५१ | यत्तु संश्रय | २२०७ |
| यज्ञे तव म | १९०१ | | | यत्काले ह्युचि | ९६२ | यत्तु सम्यगु | <i>७८७</i> |
| यरोन वाचः | | यतते योग | *१९१३ | यत्काष्ठाभिमु | २८८४ | यत्तूपरस्त | ४५४ |
| यशे यजमा | ४४१ | यतन्ते च य | ८५८ | यत्किचनका | ११९९, | यत्ते चन्द्रं क | * ₹४१ |
| | २०१ | यतमानस्त सन्तराजोऽधि | * 444 | _0- | २०९८ | यत्ते तनुष्व | ر برع ع |
| यगे राष्ट्राद | १ ९०२। | यतमानोऽपि | १८९७। | यत्किचनेदं | * ₹४३३ | यत्ते तेन क | ११०१ |
| | | | | | | , | 1106 |

| _ | | | | | | | | |
|--------------------------------|----------------|-----------------------------|-----------------|------|------------|--------------|------------------|---------------------------|
| यत्ते नद्धं वि | ४०४ | यतपुष्करस्र | ३ २४,३२५ | यत्र | नाहम | १६१० | यत्र शूरास | ४९७ |
| यत्ते भूमे वि | ४०८ | यत्पृष्ठतोऽशे | २६९४ | | नीतिब | ७६ १ | यत्र स्यामी लो | ५३७, |
| यत्ते भ्रातृश्च | १९०२ | यत्प्रजापति | ३३५ | यत्र | नेता च | १७६७ | ५६२, | ६८७,७३६ |
| यत्ते भ्रातृनम | # १९० १ | यत्प्रजापाल | ७२४ | यत्र | नैवाद्य १ | ९९८,२३८५ | | २८८५ |
| यत्ते मध्यं पृ | ४०७ | यत्प्रतिगृह्णी | ११० | | पापा ज्ञा | ६०९ | L | ९०१ |
| यत्ते माता य | २८४९ | यत् प्रसह्य हि | २६२ १ | यत्र | बाणाः सं | ४९६ , | यत्र सन्तो न | १७९३ |
| यत्ते वाक्यं धृ | २४२२ | परमणादादा | १०१९ | | | २५३२ | यत्र सुखेन | १४०३ |
| यत्ते वास इ | २९०७ | यत्प्राप्तामपि | १७६६ | यत्र | बाह्या अ | १९१६ | यत्र स्त्री यत्र | ११७३ |
| यत्ते शिल्पं क | 288 | यत्प्रायः सैन्यो | | यत्र | ब्रह्म च | ४१३ | यत्रस्थश्च स्व | २८५७ |
| यत् ते सधस्यं | ७२ | यत्प्राश्रीयाद | २०१ | यत्र | ब्रह्मा प | २४८० | यत्र स्थानं प्र | २६१४, |
| यत्तो भीष्मवि | २७०७ | 11/415/11 | २३२ | यत्र | | ७४३,२६५७ | | २७२१ |
| यत्त्रिर्निरष्ठी | ३१४ | 41/44 4 16 | १७६७ | यत्र | भीष्मः इ | ता २४३१ | यत्राचलस | २६६८ |
| यत्त्रिवर्गावि | ७७९ | 143.411.4 | २३१ | यत्र | भूम्येक | ं २११६ | यत्राऽऽचारस्त | ९६४, |
| यत्त्रिवृतः प | ४३३ | 1.70 100 910 | प१ | यत्र | मध्यम २ | ५९६,२६७९ | | ११५८ |
| यत् त्रिवृतम | ३ २९ | यत्र कर्माणि । | | | मन्त्रिम | १७९३ | यत्राऽऽट्या बह | १९५५ |
| | 447 | 7.1 11.76 | १७७९ | यत्र | मुझव | ६१८ | यत्राऽऽत्मनः सै | |
| यत्त्रिवृतमु यत्त्वया सत्य |)) /30 | यत्र कामाव | २५४० | | मुझाव | 恭 ,, | | પ ષ, રષપદ્વ |
| | ८३९ | 1 | १४४१ | यत्र | यत्र ह | २७६९, | | १६२२ |
| यत्त्वस्य सह गःचेत्र राजो | १२०८ | 1 | व्या ४६७ | 1 | ર | ७८४,२७८८ | यत्रादृष्टभ | . |
| यत्त्वेव राज्ञो | १०९३ | 1 4 4/44 | २४८३, | यत्र | यत्रैन | # 8 5 6 6 9 | यत्राधर्मे प्र | ६१२ |
| यत्त्वेषयामा | ४७२ | | २९१६ | यत्र | यत्रैव | ६५२ | यत्राधर्मर | ७२७, |
| यत्नं कुरु म | २०२६ | यत्र तच्चेत | १७९२ | यत्र | यन्ति स्र | | | ८२१ |
| यत्नवान्भव गट्याःच्याःच्याः | ८६५ | यत्र तत्र च | २७८६ | | यन्ति स्रो | | यत्राधर्मी ध | 2 |
| यत्नाच्च ब्रह्म | १८३८ | यत्र तत्र ह | *२७६ ९ | यत्र | यस्य वि | २६ ७० | यत्राधि सूर | 1047 6 2 |
| यत्नाच्चोपच | १६८८ | यत्र तिष्ठति | २१९३ | यत्र | याद्य व्य | | यत्रानः पूर्वे | 80 |
| यत्नाद्वीक्षेत | २८८६ | यत्र तु दण्डः | २०६३ | 1 | - | ६७२,२६८५ | यत्रा नः पूप | ४५८, |
| यत्नेन बोध्य | #१७२८ | यत्र दण्डः सु | ५६४ | | वर्जय | १३४९ | पना गरः छ | *~c, *८* |
| यत्नेन रक्ष | ७२८ | यत्र दानप | | | वा अह | ३४८ | यत्रानरः सं | ४९५ |
| यत्नेनाऽऽराध्य | १७२८ | | * ₹₹८० | | | | यत्रावलो व | ६०९ |
| यत्नेनोपच | १२१२, | यत्र दूष्यः प्र | १४०१ | | वा इन्द्रो | . १५० | | |
| ४६. यत्परः सह | १३,१७४३ | यत्र देशे वि यत्र धर्मरू | # २९२७ | | विद्वान | १८२५ | यत्राव्रवीत्सू | २४३९ |
| यत् परस्य दु | १९६९ २०२६ | _ | ७२७,८२१ | | वै देवाः | २५ २ | यत्रा भयन्ते | 828 |
| | २७२६ | यत्र धर्मस्त | ५७३ | | वै पाप | ६५३ | यत्रायुद्धे ध्रु | २१७६ |
| यत् पवस्व वा | ३२३ | यत्र धर्मी ह्य | | | वै विव | २१३२ | यत्रा वो दिद्यु | ४७३ |
| यत्पानपात्रं | २८४१ | यत्र धीमान | *२३७६ | यत्र | वै सोम | २७५, | यत्राऽऽसते म | १०८२ |
| यत्पुनर्यथा 🗻 | | यत्र नामनि | २४७२ | | | २८५,३१६ | यत्रास्तमित | ५८३ |
| यत्पुरं दुर्ग यत्पुरोहितः | | यत्र नास्ति नि | २४७३ | यत्र | ब्यवस्थि | ८९१ | यत्रास्य कश्चि | ९५९, |
| न(पुराहतः | २५८। | यत्र नास्ति ब ६ | ३३,२०४१ | यत्र | शत्रुः प | २११६ | | ्१७८१ |
| | | | | | | | | |

| यत्रास्य कार्ये | # १६३७ | यथाकामं ब्रा | २८५३ | यथा चेमानि | * ₹०१५ | यथादेवता | ४२३ |
|------------------|----------------------|------------------|----------------|-------------------|---------------|-----------------|-----------------|
| यत्रास्य साध्यं | ,, | यथाकामस | ९६६ | | २९०५ | यथादेशं क | २७४९ |
| यत्रास्थारक्षि | २६३८ | यथाकामात्प | १८४४ | | १९२० | यथादेशं य १ | ११८,१३७५ |
| यत्राहमित्य | ९०५ | यथाकालं च | २२८९ | यथा चोत्पादि | ११६४ | यथा दैवम | #2800 |
| यत्रेन्द्रं देव | २०३ | यथाकालम | ं २२१९ | यथाऽच्छिद्रं भ | ११५८ | | १६१० |
| यत्रेश्वरांश्चा | १८३६ | यथाकालमु १७ | १७,१७२२ | यथा छिद्रं त | २०९८ | यथादोषं द | ७७८,९१८ |
| यत्रैतदूर्धी | ३५५ | यथाकालोचि | ८९३ | यथा जयार्थ | २६०३, | यथाऽऽदौ कथि | |
| यत्रैतद्वेरा | २४८२ | यथा काष्ठां स्थि | २९८३ | | २७७४ | यथा द्रव्यं च | १८४६ |
| यत्रैतानि न | १८४८ | यथा कूलानि | २०१५ | यथा जयार्थि | २६००, | यथाधिकाधि | १७५४ |
| यत्रैतेन य | * * 28,824 | यथाक्रमें च | ७२३ | | २७७४ | यथाऽधिकत्प्र | १३६७ |
| यत्रैवं पिशु | १९६५ | यथाक्रमं पू | २९८३ | यथा जीमूत | २५३८, | यथा न इन्द्रः | # 98 |
| यत्रोद्यतस्त | २४६६ २४६६ | यथाक्रमं स | २८४१ | ३५, | ४६,२े८९३ | यथा नः श्रेय | १३६ |
| यत्रोपविष्टा | १८२८ | यथा ऋमेण | १३१९, | यथा जीवाः प्र | ५८९ | यथानः सर्वा | *88 |
| | વ | 83 | ३४,१३६२ | यथा जीवाः प्रा | * ,, | यथा नः सुम ३ | |
| यत्रोभी व्याप | १८४५ | यथाख्यातमा | २४३ ४ | यथाज्ञप्तं कृ | ૮૬ં૭ | यथान भक्ष | २२२९ |
| यत्रोष्य च स्वं | | यथा गणाः प्र | प३ | यथाऽऽज्ञप्तं त | १७०८ | यथान विद्यु | १६४१ |
| यत्रीषधीः स | ४६ ० | यथा गन्धर्व | २४८६ | यथाऽऽज्यस्य प्र | १९५० | यथान विध | ९३७ |
| यत् संभायी भ | | यथागमं च | * १७६७, | यथा तथा ह्य | १४३२ | यथा न संयु | • २७९६ |
| यत्संहितं पु | * 388 | | २८६१ | यथा तासां च | १३१८ | यथा न स्थात्कृ | |
| यत्समाः पव | ३२२ | यथागमं शा | २९२१ | यथाऽऽत्मनः प | | | 1810 |
| यत्सह सर्वा | २९३० | यथागुणान्स्व | १७५० | | २४२५ | यथानियोग | १६५६ |
| यत्सहायानमृ | १२१८ | यथा गुरुत | १३७२ | यथाऽऽत्मानं प्रा | | यथानिर्दिष्टा | २२९९ |
| यत्साहसं द | १६१० | यथा गौः पाल्य | | यथाऽऽत्मानं य | १०९८ | यथा नीतिं ग | ५९२ |
| यत्सीमनु ऋ | ४२ | i | १३६४, | यथा त्रयाणां | | यथानुगुण | २५ ९६ |
| यत्सीमन्तं क | २४७ | | २१,१७३७ | यथा त्वं मह | ६२५ | यथानुरूप | १२५५ |
| यत्सुरामं व्य | १७८,३१५ | यथाऽभिसाक्षि | १२९२ | यथा त्वं मोक्षि | २०२६ | यथाऽनुवर्ति | १७१२ |
| यत्स्कन्नमस्य | ५८२ | यथाऽग्रजस्य | ८६० | यथा त्वया प्र | *२०३८ | यथानीन ग्र | १८९१ |
| यत्स्यादेवंवि | १२०९, | यथा चण्डालो | | यथा त्वयाम | २७५९ | यथानो वस्य | * १३६ |
| | १२८९ | ~ | | यथा त्ववेक्ष्य | | यथाऽन्तरात्मा | १५४५ |
| यत्स्वप्ने अन्न | - २४७८ | यथा चतुर्भिः | १७०८, | यथात्वां पुरु | १८९५ | यथाऽन्नं क्षुधि | १ ०४६ |
| 'यत्स्वप्ने ' इल | | | १७१६ | यथा त्वां प्राप्य | ६०५ | यथा पत्याश्र | १०९५ |
| यत्स्वयं कर्म | २३७३ | | प३ | यथा दस्युः स | | यथाऽपरं य | . # ₹७५८ |
| यत्स्वयं नम | * ७९५ | यथा चन्द्रं वि | * ८०२ | यथा दाण्डक्यो | | यथापराध | २२१९ |
| यथर्तुवरो | | यथा च मम | १८९४ | यथा दारुम ७८ | | यथा परो न | १९५७, |
| यथाकथंचि | | यथा च योग | ९७७ | यथाऽऽदित्या व | 800 | | २६६ <i>९</i> |
| यथा करोत्या | | यथाचरित | | यथा दीर्घे बृ | | यथा पितात | |
| यथा कलां य | २४७८ | यथा च लेख | | यथा दुर्गाश्रि | | यथापुरं य | १४८७ |
| यथाकामं का | - १००१ | यथा चारब | #8400 | यथा दृष्टिः श | | | २७५८ |
| रा. सू. | ર ૬ | | | | 0 - 6 1 | यथा पुरस्ता | १४४५ |

| यथा पुष्पक | 9 31. 0 | यथा मदान्धो | | | | | |
|------------------|---------------------------------------|-------------------|---------|-----------------------|---------------|-------------------------|---------------|
| यथापूजावि | 3908 | 1 | | यथाऽयुक्तेन | | यथाईण च | २९८० |
| | | ı | १९५६ | | २७५८ | I | १२६६ |
| यया पूर्णात | २९०० | 1 | १०४० | _ | २७७४, | | २००८ |
| ययापूर्वे गु | २८४३ | 4 | १०९४ | | २७९४ | यथा लीनः स | १६५१, |
| यथा पूर्वेत | २८५९ | | ५९५ | 1 | १४२८, | _ | १९५६ |
| यथापूर्वे तु | १३७३ | | १०४६ | | २३४५ | | २४९४ |
| यथा पृष्टो न | २२१२ | | ७२७ | 1 | १४८० | यथा होके त | १७६६ |
| यथाऽप्येतर्हि | ४७८ | l | १११७ | यथा राजन्न | २०१९ | यथाऽल्पाल्पम | १३३६ |
| यथा प्रत्यूष | २९४४ | यथामात्वं गै | | 1 | 466 | यथा वः संयु | ३७९६ |
| यथाप्रदेश | ८२३ | यथा मात्वं त | • / | यथा राजा च | १३१६ | यथा वः स्वाहा | ४३९ |
| यथा प्र प्रज | ४२२ | यथा मित्रं ध्रु | २१६९ | | # २०१९ | यथावत्पूजि ` | २०१४ |
| यथा प्रमुच्य | ६४५ | यथामुख्यं सं | २६०३, | | ३५० | यथावत् प्रति | Y Pe |
| यथा प्राण ब | ६८ | , | २७७४ | 1 | १०७७ | यथावत् संप्र | प४ |
| ं यथाप्राप्तं तु | १८४५ | यथामुख्यान् सं | . #२६०३ | 1 | ४३७ | यथावदुक्तं | २०४७ |
| यथाऽप्लापः ,य | | वयामुख्यान्सा | १३८७ | | ३४८ | यथावद्गुरु | ६२७ |
| यथा फलेन | १३३६, | यथा मृगप | १६९५ | 1 | ५७२ | यथावद्भित | २९४ ६ |
| • | १३६१ | यथा मृगस्य | ६२९ | यथा राज्यात्प | २००० | यथाऽवध्ये भ | |
| यथा बर्हाणि | १०७९ | यथा मृगाः सं | ५०७ | यथा राष्ट्रप्र ७ | २८,१४१६ | यथाऽवध्ये व | २७५७ |
| यथावलं च | २४१३ | यथा मे भर | ८४७ | | १०४६ | यथाऽवस्य व यथावन्तृप | * ,, |
| यथाबलं प्र | १९८६ | यथा मंत्री च | १०३४ | यथार्थे परि | * १०६५ | यथा बप्ने वे | १५१३ |
| यथाबलं य | १५२५, | I JUSTIC TETETATE | २५३७, | यथार्थमस्य | * १७१३ | यथावणे य | १९१३ |
| | • • • • • • • • • • • • • • • • • • • | २५ | ४५,२८९२ | यथार्थमेव | #२७६५ | ľ | . ? ३७० |
| यथा बीजाङ्कु | १४२५ | वयाऽव पव | २८८ | यथार्थवर्ण | * ₹५९९ | यथावर्णप्र | २२५१ |
| यथा बुद्धिः प | * २०४३ | यथा यथा तु | १५३१, | यथार्थवादो | 908 | यथावर्णेर्य | २८७८ |
| यथा ब्रूयान्म | ***\ | 1 | १७५५ | यथार्थसंज्ञा | १४९३ | यथा वर्धय | *655 |
| यथा भद्रां श्रि | | यथा यथा न | १३१६ | यथाई गुण | | यथावसर | १२०१ |
| | १९९९ | यथा यथा भ | १३७२ | यथाई चाथ | ५४७ | यथा वह्निश्च | १३५८ |
| यथा भन्नीश्र | *१०९५ | यथायथाव | | यथाई चाप्य | # १७११ | यथा वाऽनुग्र | २०६८ |
| यथा भवेद | २७३३ | यथ।यथा वृ | | यथाई पूज्य | ,, ११५७ | यथा वा श्रेयो | २१६४ |
| यथा भवेन | २७३७ | यथा यथा वै | ६३८ | यथाईगुण | १८३५ | यथा विक्रयि | १४२८, |
| यथाभागं य | # २७१९ | यथा यथा श्रे | २३४० | यथाईतः सं ६ | 79 O C | | २ ३ ४५ |
| यथाभावं य | ,, | यथा यथाऽश्वा | ľ | यथाऽईति भ | २ ३ ५५ | यथाविधानं | १४७५ |
| यथाभिमत | | यथा यथाऽस्य | _ 1 | यथाईदण्ड | .,,,, | यथाविधि न | |
| यथाभिरूपं | | यथा यथा हि | | ययाहदण्ड यथाईदण्ड: | ••• | | २५१० |
| यथाभिलचि | | यथा यथैव | , | | | यथा विविध | १९१३ |
| यथाभूमिप्र | २९३३ | | | यथाईपूजां | | यथा विवृद्धं | *२४२५ |
| यथा भूमिभा | | यथा यमः प्रि | 933 | यथाईप्रति | | यथा वृकाद | ५०७ |
| यथा भोजेन | २८३३ | | | यथाईमेता | ९५७ | यथा वृत्या म | #600 |
| | ·- (() | 6 | १५,८२२ | यथाह् वण | २५९९ | यथा वृद्धं वा | २४२५ |
| | | | | | | | |

| यया वैतंसि | रं९११ | यथा सद्यः प्र | ७८९ | यथाऽस्थै जि | } ∨ss |)यथा [°] ह्यपालाः | *4.5 |
|-----------------------|-----------------------|---------------------------------|---|---------------------|---------------------------------|----------------------------|--------------------|
| यथा वै ब्राह्म | १३ २२ | | | यथास्वं भूमि | ७ •५५ २२८७ | | *८ ० २ |
| यथा वै श्रेष्ठी | | यथा समधु | १०८४ | | ७४३,१४१८ | | # €४४ |
| यथान्यावर्त | २९०६ | 1 | | यथा स्वपन्त्य | २६५८ | यथा ह्यश्रोत्रि | १७७२ |
| यथाशक्ति चो | 2 १ ० २ | 1 | ८१६, | | | यथा होकेन | २४ <i>०</i> ६ २ |
| यथाशक्ति घ | २८ ६ १ | 1 | ८२२ | यथा स्वल्पं स | 7 44 | यथा ह्येवेयं | ४६६ |
| यथाशक्ति प्र | २८५ <i>५</i> २८५०, | 1 - | ६३७ | यथा स्वादिध | | यथेदं ब्राह्म | ३४७ |
| | | 1 | | यथा स्वाभ्यधि | | यथेदं विधि | *३००२ |
| यथाजन्मिम १०५ | २९०६ | | १९२५ | यथास्वामिशा | १२३२, | यथेध्यमान | २४२४ |
| यथाशक्तिस १२९ | 55,4008 | यथासामर्थ्य | १२४८, | | १३७८ | यथेन्द्रं दैवी | ३४२ |
| यथाशक्त्यनु | १३१७ | | १७७१ | यथाऽहं तं नि | 7 2083 | यथेन्द्रश्चतु | ७३२,८२२ |
| यथाशक्त्या पू | २४३६ | यथासाम्यं स्वा | ९६५ .०० २८० | यथाऽहं भर | १ ९२ | यथेमां वाचं | ४१३ |
| यथाशक्त्या स | २९७३ | यथाऽऽसा राष्ट्र # यथा सार्धम | १४४,५४४ २६०५ | यथाऽहं शत्रु | ९३ | यथेमानि नि | २४८८ |
| यथाशक्त्या हि | #१०८९ | j | | यथा ह काम | १९७ | यथेमे पुरु | ७ १७६५ |
| यथा शक्या यु | १८०५ | यथाऽसावव | # 2888 | यथा हनाम | ५१३ | यथेयं न प्रा | ३५३ |
| यथा शत्रून्घा | १०४६ | | " | यथाऽहमाश्र | १७०३ | यथेष्टं विधि | ३०२ |
| यथाऽशनैर्वि | ७६ १ | यथासासर्व | २८९९ | यथाऽहमुत्त | · | यथेष्टमन | २२८७ |
| यथा शल्यं भि | १८०९, | I . | १४८४ | 1 _ | 9.9 | यथैकगेहे | १६२० |
| | १८२३ | यथा सुसंस्कृ | २८७६ | यथाऽहमेषां | ९२,९३ | यथैनं नाति | *2202 |
| यथा शल्यक | १३१८ | यथा सृष्टोऽसि | ५६३ | यथाऽऽह राज | · · · · · · · · · · · · · · · · | यथैनं नाभि | |
| यथा शाखायाः | ३२९ | | ९९ | 'यथा हब्यम | ('इ २८८१ | यथैव क्षेत्र |)) 3 (9 (o |
| यथाशास्त्रं प्र | ७१५, | यथासो मित्र | # ₹४१ | यथाहस्तम | २ ३ ,१३ | | २८१७ |
| 3797° | १९७४ | यथाऽऽस्तां संम | १०५१ | यथा हि गर्भि | १०६१ | यथैव दंश | १३२६ |
| यथा शास्त्रं प्र | #538 | यथास्थानं य | २९८२ | यथा हि पुरु | ५६५, | यथैव धृत | १८९४ |
| यथाशुभग्र | १४७८ | यथास्थान् वि | २ १४८० | १ | ०४६,२४४६ | यथैव पुरु | १७६५ |
| यथाग्रुष्काणि | १०८९ | यथाऽस्मादधि | *2208 | यथा हि मलि | १२२९ | यथैव पूर्णा | ५६० |
| यथा स्येनात्प | ५०७ | यथाऽस्य धर्मी | * \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ | यथा हि रइम | ं ५६६ | यथैव प्रवि | २६३ ९ |
| यथाऽऽश्रित्य म | १२१३ | यथाऽस्य नोद्वि | # १८५ ९ | यथा हि शत्रु | १५३०, | यथैव प्राणि | १४३९ |
| यथा श्रुत्वा म | ६५७ | यथाऽस्य पुत्रो | *8683 | • | | यथैव हास्ति | २३५५ |
| यथा श्वगणि | १६५१, | यथादस्या जह | ३५८ २ ४ ४६६ | यथा हि सुम | ५५५ | यथैव हि भ | २३५४ |
| | १९५६ | यथाऽस्याः शिर | | यथा हेम प | १७०९ | यथैवाझिमु | 4 |
| यथाऽश्वमेघा | २३९७ | | " | यथा ह्यकस्मा | 8328 | यथैवामेर्मुः | १६३६ |
| यथा संतुष्य | २८९० | यथाऽस्याः स्वराः | " | यथा ह्यगोपाः | (03) | વવવાસ નુ કે | #१६३६ |
| यथासंपत्ति | | यथा स्थात् सुध | , , , , , , , , , , , , , , , , , , , | | *19.40 | यथैवाऽऽङ्गिर | १९२ |
| यथासंभव | १२५७ | यथा स्याद्दुष्क | | | *900, | यथैवेन्द्रस्त | ७९५ |
| यथासंभाषि | २८१७ | यथा स्थादिदि | ?; ?3// | यथा ह्यनास्वा | 222 | यथैवेन्द्रो म | १०५३ |
| यथा सद्भिः प | | यथाऽस्याभ्य घि | 3303 | यथा झन्न | 2 1746 | यथवन्द्रा म यथवैतद्ब्रा | 200 |
| यथा सद्भिर्वि | | यथाऽस्यास्तन्त्र | Vee | गणाः स्ट्री <u></u> | 988.*C 0X 1 | -22- | # १०९५ |
| 141 (11) (11) | 44/) | | ह ब् द्र) | पया धनत्रः | ७८०,२३९८ | यथैवैनान्पु | |
| | | | | | | • | 99 |

| यथैषामिन्द्र | ५१८ | यदग्न एषा | . VI. 9 | 1 सवाचनार | | | |
|----------------------|----------------------------|---------------------------|----------------------------|--------------------|---------------|-----------------|---------------|
| यथोक्तं तत्र | ८३४ | 1 | | यदप्यमुष्मा | २४०८ | यदा खलु वै | ३४६ |
| यथोक्तं तस्य | ा १९७८ | ' ' '. | 860 | गर्यस्पत | १२०८,१२२८ | यदा गृध्येत्प | - २४३७ |
| यथोक्तं दूत | | यदङ्गमल्प यदचिन्त्यं ह | २७२६ | | १७२४ | यदा च कश्चि | * ७१९, |
| • | १९९७ | यदजः प्रथ | | ı | | | १३५६ |
| यथोक्तं नैत्र | | यदजस्तद | દ્ધ | 1 | ५२८ | 1 - | , १११७ |
| यथोक्तः स | | | ४५५ | यदमित्रमा | २१०४ | यदा चतुर्गु | १४३४ |
| यथोक्तकार्ये | 946 | 1 ' | २९१ १ | यदमित्रमे | ,,, | यदाच धन | ८२५ |
| यथोक्तगुण | १ २७ ५ | , . | २८५० | यदमित्रान् | | यदा चन्द्रार्क | २५१ ४ |
| यथोक्तदण्ड | | 1 ' | હ <i>૬</i> ૫, | यदमित्रासा | २१०४ | यदा च प्रवि | . १५९९ |
| यथोक्तमव | ५५३,२२०९ | 1 - | १०४१ | यदयोनिध | *२७५९ | यदा चास्य प्रा | २१९४ |
| यथोक्तमृत्वि | | | . ३३२ | 1 | *७२ ३ | यदा छिनस्य | ्र३९६ |
| | १६१४ | | # १ ७९ | | ०६० | यदा जयति | ं ६१०, |
| यथोक्तमेत | #६१३ | | " | यदर्थे चाप्य | | ١ | २७८९ |
| यथोक्तवच | २९३ ९ | | २०८,२३४ | यद्थे शक्तु | | 1 - | ८२० |
| यथोक्तवन्त | # ८ ३४ | 7474144 | १४९५ | | #२००५ | 1 | २७५९ |
| यथोक्तवादि | १६६६ | . (| २३ ४. | | १३३४ | यदाजी निह | २७६ १ |
| | ६६१,१६६६, | यद्धिदेव यद्धीते य | ३०० | यदव्या इव | ४५४ | यदा ज्ञानेषु | ८६७ |
| | , २२,,,५५५५, १६६७,१६७६, | | ६००,७०८ | यदसर्वेण | २ १९ | यदातत्र त्य | २७९० |
| | १६८६,२२१० | यदनु सम | ७२३ | यदसाध्यं हि | १९५५ | यदा तदा ग | २४६६ |
| यथोक्तवृत्ते | ५९५ | 1 - | ३ ३४ *१७९ | यदसी लोक | ८२३ | यदा तदैनं | ८२० |
| यथोक्तान्तः | | यदन्तरिक्षं | | यदस्माभिर | २ १८४ | यदाऽतिथिगु | ८१७ |
| यथोक्ता ब्रह | | यदन्तर्देशे | १३४,४०४ | यदस्मिन्नावि | | यदातिथ्येन | ₹०४ |
| यथोत्तरं गु | २८४ ० | यदन्तदश यदन्ति यच्च | २८६४ | यदस्य कार्य | · · | यदा तु धन | 600 |
| यथोत्तरं द | | | २४८० | यदस्य दर्श | ८२५ | यदा तु पीडि | २५९७ |
| यथोत्तरं दि | २८ ३ ४ २८३८ | | ११० | यदस्य धर्म्य | | यदा तु प्रति | २९१ ४ |
| यथोत्तरा द | २८४६ | | २ ३ ७५ | 1 | • • • • | | |
| यथोदित <u>पु</u> | | 1 | १४९२ | यदस्य रुधि | | यदा तु मान्त्रि | १५३० |
| यथादतपु यथोदितानि | १६२५ | | ४५४ | यदस्य सुकृ | #2020 | यदा तु यान | २५७ १ |
| यथोहिष्टान्य | ७२६,१४६० | | २८४१ | यदस्यां प्राणि | | यदा तु वश | २८२३ |
| यथोद्धरति | २७०८ | | २१७२ | यदह पुमा | २८३, | यदातु विज | २३९६ |
| यथोपकारं | १४०३ | यदन्यत्सुख | २००६ | | ३१७ | यदा तु सर्व | २४८३, |
| यथोप दे शं | १३३० | यदन्यद्वि | २६ ९४ | यदह रथं | ३१७ | | २९१६ |
| | ७६८,८२३ | यदन्यदिष्ट | २३७७ | यदहा कुर | ७२९, | यदा तु स्थात्प | २१७९ |
| यथोपन्यस्त | | यदन्यद्द्विव | १४९३ | | १०६६ | यदा तु हीनं | २००४, |
| यथोपलब्ध | | यदन्येषां हि | ६२९ | यदा कर्मसु | २४८३ | | २०८३ |
| यथोपसाद्य | ८७८ | यदन्यैः पाल्य | _ 1 | यदा कार्यव | | यदा तूभय | २७७१ |
| यथोवाच पु | २७६० | यदपश्यं स | _ 1 | यदा <u>क</u> ुलीनो | | यदा तेजः स | ८१७ |
| ययौजीयांसो | ५२७। | यदपि शत | | यदा क्षमस्तु | | यदातेस्युः सु | |
| | | | • | - 11 41-11/3 | 4046. | न्यात खः ध | ६२२ |

| ~ | | | | | | | |
|------------------------------|---------------|----------------|---------------------|----------------|----------------------|-----------------|---------------|
| यदा त्वधार्मि | 600 | यदा भुङ्क्ते म | | यदाश्वत्थानि | २३१ | | २२०० |
| यदा त्वबुध्य | १०७८ | यदा भुवि ज | *२३ ९६ | यदा संध्योपा | १११७ | | २०५१ |
| यदा त्वमात्य | ८२० | यदा मन्येत १९ | ९८९,२१४२, | यदा समर्थी | २०५३ | यदि तिष्ठन्तं | ३६४ |
| यदा त्वमीद्द | २४४९ | २ | १६८,२४५५ | यदा सम्यक्प्र | ६१० | यदि ते कृत | २७६७ |
| यदा त्वर्थिगु | ८१७ | यदा मां चैव | २३८५ | यदा सम्यग्गु | *२१७० | | ११०२ |
| यदा दहति | ८२६ | यदा मात्रास्व | २४७३ | यदा सर्वमि | રં ૧ ૦ ૫ | | १९३३ |
| यदा दानं द्वि | ,, | यदा यदुचि | १७४२ | यदा सस्यगु | २१७०, | _ | . १८९७ |
| यदा दुर्गस्थि | २१८१ | यदा यायाद्वि | # 2844 | | રે૪५५ | यदि त्वं सुकृ | |
| यदाऽऽदी कथि | *686 | यदा युक्त्या न | | यदासां निह | 2882 | | २०३१ |
| यदा द्वाविप | २१९०, | यदा रक्षति | ६ १० | यदा सारणि | | | |
| | २१९१ | | | 1 | # ६ १० | | १०९७ |
| यदाऽधिकाङ्गो | ર ે ૧૫ | यदा राजा ज | ८३७ | यदासीद्वान्ध | १९५१ | | २०३१ |
| यदाऽधिगच्छे | #2882 | यदा राजा धु | ٥٥٥ - | यदाऽस्य उद्ध | | | २३८७ |
| यदाऽऽधिपत्ये यदाऽऽधिपत्ये | #**** ८२५ | यदा राजाऽऽर् | | यदाऽस्य दर्श | ८२२ | यदि त्वेतन्म | १२१९ |
| यदा न कुर्या | | यदा राजा शा | | यदा स्थानमह | १९१३ | यदिदं घोर | ६४२ |
| • | १८२८ | यदा राजा स | १३१८ | यदा स्वपक्षो | ^२ २०५३ | यदिदं दृश्य | १३२४ |
| | ६६६,८०५ | यदा राष्ट्रे ध | ६०९ | यदा स्वयं न | १८१७ | यदिदं धर्म | ५६४ |
| यदा न शक्य | ११२१ | यदार्यजन | १०७६ | यदा हि क्षम | | यदिदं पृथि | ४७९,४८० |
| यदा नाऽऽद्रिय | १९०९ | यदाऽवगच्छे | २१ १२ | | १९०८ | यदिदं श्रेय | # 6 80 |
| यदा निवर्त्य | ५९४ | यदाऽवभृथा | २१५ | यदा हि तस्य | १०९ | यदि दक्षः स | 2 388 |
| यदा निवृत्तः | ५९७ | यदा वा एते | ३३० | यदा हि ब्रह्म | १६१८ | यदि दक्षिण | |
| यदा परब | २१९९ | यदा वा एन | 302 | यदा हि सोऽम | १०८ | यदि दण्डः स्ट | २८६४ |
| यदाऽपराधि | ८२५ | 1 . | | यदा ह्यासीद | ٥٠٠ | | |
| यदा परिनि | ११०२ | यदावाएषा | ३३ २ | यदि कामये | 3 | यदि दण्डान्न | ५६३ |
| यदा परे च | २०५३ | यदा वा पद्ये | ं २१५१, | _ | ३४२ | | १८९५ |
| यदा पश्यति | 600 | २१ | ५२,२ृ१७७, | यदि काल: प्र | 4 | यदि न प्रण | ६८५ |
| यदा पश्यामि | # 2024 | | રેશ્હ૮ | | ८३०,२०३८ | यदि न स्थान | ८२८, |
| यदा पुरेष्व | ६६६ | यदा वा प्रया | २४५४, | यदि कालेन | २०३८ | | :३०,२३७४ |
| यदा पुरोहि | ६५२ | | ર ૫५૮ | यदि किंचिन्म | #२०२६ | यदि न स्युर्भ | १९०६ |
| यदाप्तदक्षि | | यदा वाफल | २१५२ | यदि कृत्यं न | २३८५ | यदि न स्युमी | * ,, |
| | . ६१० | यदा विप्रो न | १८२८ | यदि कृष्णं न | २५८ | यदि नाऽऽत्मवि | न ६०९ |
| यदा प्रकृष्टा | *2838 | यदा वृक्षशिछ | ६०९ | यदि घोरं स | | यदि नावग | ३४०,३४१ |
| यदा प्रभृति | १८९५ | यदा वेदोक्त | १११७ | | #६ ४२ | यदि निःश्रेय | |
| यदा प्रहृष्टा | २१३४ | यदा वै क्षत्रि | 3 २०४,२०५ | यदि चिन्तु त्व | | यदि नैवंवि | १७६७ |
| यदाबध्नन् | २८४९ | _ | | यदि चेदप्य | १२८७ | | २८०० |
| यदा बहुवि | १९१४ | यदा वै म्रिय | 3 ३६२,३६३ | यदि चेन्न स्थि | , | यदि नो वह | २९०३ |
| यदा ब्राह्मणो | २३९ | यदा शत्रुवि | १३६६ | | १८५७ | यदिन्द्रमया | १०८ |
| यदा भज्येत २४८ | १४,२९१६ | | ६१० | यदिच्छामि म | २९३० | यदिन्द्र वज्रि | |
| यदा भवति | ८२५ | यदा ह्यूरं च | २७६१ | यदि जाग्रतं | ३६४ | | २१ |
| यदा≤भिषिक्तः | | यदाश्रित्य त | | यदि तच्छक्य | | यदिन्द्राग्नी म | ३६७ |
| • | • • | • • • • • • | ,,,,, | नाप तच्छक्य | ६२४ | यदिन्द्राहन्प्र | १५ |
| | | | | | | | • • |

| यदिन्द्रो अपि | १७९ | यदि सारक्त | # 3 0 6 0 | यदुस्तुर्वश्च | ८९ | यदेवैनं द | ` ३०६ |
|------------------|---------------|-----------------|--------------|----------------------|-------------------------|-------------------|--------------------|
| यदिन्द्रोऽयज | ३६५ | यदि सिध्यति | ११५८ | यदुस्त्री तेनो | ^२ ३१७ | यदेवैनं दि | ,, |
| यदि पश्चात् प्र | २१७६ | यदि स्याद्दण्ड | | यदूचुस्ते च | | यदेवैनं प्र | |
| यदि प्रतीच्यां | २८६४ | | २७४१ | यदूनामाश्र | | यदेवैनं प्रा | " |
| यदि प्रतीपं | २४०० | यदि स्वर्गे प | #१६१६ | यद्दन्छयाऽथ | # १ ० ५ ३ | 1 | " |
| यदि प्राच्याम | २८६४ | यदि स्वर्गे प | १६१६ | यहच्छयाऽपि | | यदे वै नमू | ** |
| यदि प्रेयुर्दे | ५२१ | यदि स्वविष | १०९७ | यहच्छया वि | . ,, ২४४९ | | " |
| यदि ब्राह्मण | १७४९ | यदि स्वस्ति प्र | २४४२ | यदेकवि श्रो | ४३३ | | ४२३ |
| यदि मन्येत | १९८९ | | #२०३१ | य दे कस्मिञ्ज | ०५५ ७९१ | यदेवैषा स सु | " |
| यदि मां चापि | २७९८ | यदि ह्ययं वि | २४३३ | यदेकस्याधि | ૧ ૨૫, | यदेषाः राजा | ३०९ |
| यदिमे विह | २०४८ | यदि ह्यसौ भ | ५९१ | | * ` ` ', ४ ६४ | यदेषां श्रेष्ठं | 888 |
| यदि यमौ न | २६ ० | यदीं शुणोत्य | ४२४ | यदेकस्यापि | * १२५ | यदेषां सर्व | ६८१,७४६ |
| यदि राजन् प्र | ६२७ | यदीच्छिस म | ११०० | यदेकोऽध्यग | २९ | यदेषोऽर्वाची | ३२९ |
| यदि राजा धु | #600 | यदीच्छिस श्रि | ६२५,६२९ | यदेको रम | २०१० | यदेष्वन्ववि | २९० |
| यदि राजा न ७ | १८,#७९९ | यदीच्छेच्छाश्व | १४९४ | यदेतत्त्रयै | ४४५ | यदैतन्निय | २१४२ |
| यदि राजा म | ७९९ | यदीच्छेच्छोभ | १०९६ | यदेतत्संवि | # २३९१ | यदैव प्राकृ | #3068 |
| यदि राज्ञोपे १४३ | ११,१९८५ | यदीदं धर्म | क ५६४ | 1 ~ | ४३० | यदैव लभ | २३८६ |
| यदि राज्यं न | १८९५ | यदीमां भव | १०४६ | यदेतदप्सु | ३ ४३ | यदैव वैरि | १४९३ |
| यदि राज्याभि | १२३० | यदीमानि ह | ५५९ | 1 - | २७६० | यदैव शत्रु | २३९० |
| यदि वध्येत | २७९१ | यदीमृण्वन्ति | ८७ | यदेतदुभ | २८३९ | | १९१३ |
| यदि वशांन | २०७ | यदु केशवः | २८३ | यदेतद्ब्रवी | २७ | | . 3883 |
| यदि वा किव | १२८३ | यदुक्तं द्विप | २८४ ६ | यदेतद्वैष्ण | २८६ १ | | |
| यदि वा पश्ये | १८५२, | यदक्तं मन | | यदेता आपो | २७२ | | * ,, ₹∘४ |
| २०५ | ७,२०५८, | यदुक्तं विष्णु | | यदेतावानु | ३२४ | | |
| _ | , २५६८ | यदुक्तमात्म | | यदेते चत्वा | ४३० | 171111 | # ४€ o |
| यदि वा मन्य | ્ર૪૪६ | यदुक्थानि भ | ३२२ | यदेतैईवि | २६७ | यदौदुम्बरा | २३१ |
| यदि वा मन्ये | १०५८, | यदुत्पतन्व | २४७६ | यदेनमाहुः | *६३० | यद्गायत्रीं बृ | 98 |
| 3 | .५,२१८५ | यदुनाऽहम | ८३८ | यदेनश्चक | * 4 2 4 * 8 2 4 | यद्गुल्गुलु से | १०७ |
| यदि विप्रत्य | १२२० | यदुपेश्चन्त | २४३८ | यदेमि प्रस्फ | 3 | यद्ग्रामे यद | १२५,४६४ |
| यदि वैरिषु | १०९७ | यदुवैक्षन्त | * ,, | यदेव कुरु | ८१८ | यद्घृतेनाभि | २३४ |
| यदि शकुन | २४६९ | यदुभी दिवा | ३४६ | यदेव प्रकृ | १०८४ | यद्दध्नाऽभिषि | " |
| यदि शास्त्रं प्र | ६३९ | यदुभ्यश्च शि | १५०७ | यदेवमाहुः | ६३० | यहिवि चक | ३९३ |
| यदि शूरस्त | | यदुर्ज्येष्ठस्त | ८३७ | यदेव मित्रं | १०८३ | यद्दीयते त | १९५५ |
| यदिष्टं क्षत्र | | यदुॡको व | | यदेव वाचो | | यद्देवा अभ्या | ३३५ |
| यदि संन्यास | | | | यदेव साधु | | यदेवानां क | |
| यदि सर्वम | | - | | यदेवास्मा अ | | यहेवानां मि |)) Yo |
| यदि साऽऽरक्त | 4 8069 | • | | यदेवैतद | | यहैवघटि | १४९२ |
| | | - | ` ' | • • • • | , | .41.11 | 101/ |

| 4 | _ | 1 | | 1_> | | | |
|------------------|----------------|---------------------|------------------------|------------------|------------------|--------------------------------|--------------|
| यदैवादाह | \$ 2४०० | 79 | १७९६ | | #२० ५३ | 8 | *६५८ |
| यद्द्वादशसु | ४२१ | यद्यद्भर्ताऽनु | *{६८८ | यद्येवं प्रति | ७ २०११ | यद्विश्वे देवाः | ३३५ |
| यद्द्विगुणवा | २२५५ | यद्यद्यैनेव | २८७५ | यद्येव ५ समृ | ३११ | यद्वीरः सम | २७८८ |
| यद्ध किंच क | ३६५ | यद्यद्योगव | २४६४ | यद्येव प्रति | २०११ | यद्वृत्तं पूर्व | १०५६ |
| यद्ध त्यं मायि | २१ | यद्यद्वन | # ₹0 १ ४ | यद्येवमभि | २०५३ | यद्वृत्तमुप | # ६१२ |
| यद्भानां ती | २२५५ | यद्यद्विप्रेषु | १९७८ | यद्येष बल | २७९८ | यद्वृत्तिजीवि | १३०१ |
| यद्धन्ति भूतै | २४४८ | यद्यधमीत्फ | १३६० | यद्येष हेतु | ६४१ | यद्वृत्तिमुप | ६१२ |
| यिं किंचिदि | २०४९ | यद्यपि भ्रात | २०२९ | यद्रक्ष्यमुप | २३४९ | यद्वृत्रं तव | 22 |
| यद्धि गुप्ताव | १३१९ | यद्यप्यलुब्ध | १९५२ | यद्राजानो वि | ४६२ | यद्वै चतुर्थ | |
| यद्धि भूतं भ | २००७ | यद्यप्यलुब्धा | * ,, | यद्राजा रक्ष | १०६५ | | ર५४ |
| यद्वययं पुरु | २३७३ | यद्यप्यल्पत | १२६३ | यद्राष्ट्रभृद्धी | २ ३ ३५ | यद्वै नः पितुः | १४ |
| यद्भलः साम | २१९४ | यद्यप्यशीला | ६२९ | यद्राष्ट्रेऽकुश | ६०१ | यद्वै पशुमा | २५६ |
| यद्दलानां ब १२० | | यद्यप्यस्य वि | ५७१ | यद्रकदण्डं | २८४४ | यदै पुरुष | ,, |
| यद्वहुगुण | १८०४ | यद्यप्येतत्सं | # 6 80 | यद्दामि म | ४०९ | यद्वै पुरुषा | २९२ |
| _ | ं २ ०८,३६५ | यद्यप्येनः सं | 79 | यद्वयं कौर | २००० | यद्रै पुरोहि | २ १०८ |
| = | | यद्ययं प्रति | २०१३ | यद्वयं सुह | | यद्वे ब्रूते कु | ८४२ |
| यद्रहाणः श | ११० | यद्यर्धदिव | २७९७ | यद्वर्णजो भ | * ₹४४८ | यद्वे राजन्या | |
| यद्गासणमु | ६२७ | यद्यवानां तो | २३२ | l | १८२८ | | २९० |
| यद्बाह्मणार्थे | ६३९ | यद्यस्ति बाहु | १६२२ | यद्वसन्तः | ४२१ | यद्वै राजसू | ३२९ |
| यद्बाह्यणास्त | ७४३ | यद्यहं प्रति | # २०१३ | यद्वस्ते तद्द | १३९ | यद्वै वर्चस्वी | २५७ |
| यद्बाह्मणेना | १७५६ | यद्यहमिम | ३५५ | यद्वा एषोऽन | ३४१ | यद्वै षोडशे | ४३३ |
| यद् ब्रूत तच्छ्र | २०८२ | यद्यहमिमा | ३५३ | यद्वां पज्रासी | ५६ | यद्दै सवासा | २४९ |
| • | | यद्याभिजात्य | १५३५, | यद्वा कपोतः | २४७७ | यद्वो मनः प | ४६ ३ |
| यद् ब्रूथ तच्छ्र | * ,, | | २४१६ | यद्वा कृष्णश | २८६४ | यद्यहत त | ४६५ |
| यद्ब्र्युर्वच | २५३१ | यद्यामं चकु | ४७ | यद्वाक्यं मधु | १७२७ | यद्त्रीहीणां तो | २३२ |
| यद्भवानाह | २०२८ | यद्यासीनं म | ३६४ | यद्वा क्षुरः प | २४७ | यन्ति वा एते | ३२३ |
| यद्भार्गवो हो | ३२४ | यद्यु कामये | २४७ | यद्वाग्बदन्त्य | ४४० | यन्तु नदयो | २४५ |
| यद्भिनत्ति प | १९६५ | यद्यु त्रीन् गृह्णी | ^२ ३१५ | यद्वाजपेयः | ११० | यन्त्यस्य देवा | ४६४ |
| यद्भैक्षमाच | २४३१ | यद्युदङ्ङित्वा | રૂપ્ષ | यद्वातजूतो | ८२ | यन्त्यस्य सभां | ,, |
| यद्भैक्ष्यमाच | # ,, | यद्युदीच्यां क्षु | २८६ ४ | यद्वा द्विपदं | २८८८ | यन्त्यस्य समि | " |
| यद्यगाधं म | २७०१ | | | यद्वा परस्य | २७२६ | यन्त्यस्याऽऽमन्त्र | |
| यद्यच साध | १३६८ | यद्यु नववि | २८६,३१५ | यद्वा पुरेष्व | #६६६ | यन्त्रगोष्पण | ः २२६९ |
| यद्यरेऽभिरू | २०९ | यद्युपेक्षेत | ७२८ | यद्वा मित्रमा | २६४७ | यन्त्रतोमर | |
| यद्यत्सहाय | १४८३ | यद्युवा एन | २२४ | यद्वारवन्ती | ३३० | _ | २७०५ |
| यद्यस्याद्वाचि | ८८९ | यद्यु वैक्क्क | २५५ | 'यद्रावान ' इ | २१३ | यन्त्रभङ्गे त गुन्तुगर्कः क | २८६९ |
| यद्यदाचर | ६०० | यद्यु सीम्यश्च | ७० ६ | यद्वा स्वयं न | 48280 | 12 11 | १५१४ |
| यद्यदाश्रय | २४१३ | यद्येतत्सं वि | २३९१ | यद्विज्ञानान्तृ | ७६०, | • | १५४३ |
| यद्यदेवंग | ३०३ ४ | यद्येतद्रोच | २०१० | | | | २२३८, |
| | | | • | | ८८८ | ı | २३३ ९ |

| यन्त्रमुभय | २२७ १ | १ यन्मां भवन्तो | | - 1 | | _ | |
|----------------------|---------------------|--|--|--------------------|---------------------|------------------------------|----------------------------|
| यन्त्रलेखन | | 1 | | २ यमार्याः क्रिय | | यहिं वा एर | ते ४३५ |
| | २८ १ ः | م. نــــــــــــــــــــــــــــــــــــ | २०५ , | | ३२६ | 1 | ५८ |
| यन्त्रविश्लेष | २६ ३ | مم حــهــا' | | यमाश्रिता लो | ८०१ | | ा २९८३ |
| यन्त्रशस्त्रामि | २४२१ | ` | | • | ७८०, | यवकशालि | २६५० |
| यन्त्रशस्त्रास्त्र | १३७४ | माना अंगेलं 🔾 | | 1 | २३९८ | यवक्रीतोऽथ | # ₹९६४ |
| यन्त्रशस्त्रास्त्रा | • • • • | ्रायम्म ज्यक्ष ।प्र | - , | 1 - | १०९९ | यवक्रीतोऽर्थ | ,, |
| यन्त्राघातामि | | | २९३ ७ | | २३८३ | यवनाः किरा | r ५ँ९ ३ |
| यन्त्राढये वेद | | यम इवाप | ९०३ | 1 | २८७२ | • | १०८५ |
| यन्त्राणि धातु | १४३१ | यमं वैवस्व | ६२० | | ३५१ | _ | २९८९ |
| यन्त्राणि विवि | i ५७६ | यमः पितॄणा | . 64 | | १२८९ | | २२४ १ |
| यन्त्राणि सेतु | २३४३ | | ९४३ | यमैञ्छामावि | १०२ | | * २५ १२ |
| यन्त्रायुधाद्या | १४६८ | | ३६ | यमो नो गातुं | ४७ | यवगें तु मृ | *\\\\ ? Y७४ |
| यन्त्रायुधेश्च | १४५८ | यमदंष्ट्राः म | २९९६ | यमो मन्दर | # २९६२ | | २३१२ |
| यन्त्रास्त्रेः शत्रु | २१८३ | यमदण्डभ | ५६१,७३७, | यमो यच्छति | ६१० | यवसस्यार्ध | २ १ १२ २३०८ |
| यन्त्री दिशां ६ | | ı | ७७९ | | २९६४ | 1 | २२०८ १५२४,२६८३ |
| यन्त्रेण चोच्छ | # २८७ ६ | | १४९४ | यमो राजा धा | ६१० | यवसादिषु | |
| यन्त्रेणोत्थाप ^ | २८६८ | यमद्वारात्स | १४९७ | यमो राजा वै | २४३६ | यवसानां प्र | # 2 ६८३ |
| यन्त्रैरुपनि | २६ १८ | यमद्वारे च्छि | १४९४ | | | ववणागा अ | १४६४, |
| यन्त्रैश्च परि | ५४५,६६२, | यमद्वारे सा | १४९५ | यम्यां हि विवि | ८०४ ३० ०२ | यसमेन्यन १ | 8890 |
| | 10 13 13 13 1884 | | , °, °, °, °, °, °, °, °, °, °, °, °, °, | यम्यै यमसू | | | १८४,२४५७, |
| यन्नक्षत्रग | २४६२ | 1 | | | # ४१६ | | ५४२,२६०० |
| यन प्राश्रीया | २०१ | 1 | १४९७ | ययातिर्नहु | १५०७ | यवसादक यवसोदक | ४६९,२५४२ |
| यन्नानादेव | | यमपहिको | १६६४ | ययातेश्च य | १०१६ | | २५१२ |
| यन्निमित्तो भ | ३२२ | | #८५३ | यया दासान्या | ३७७ | यवा ऐरण्ड | # १ ४६७ |
| | १८४२ | यमयोश्चैव | ८५३ | यया प्रमुच्य | | यवा गोधूमा यवासैरण्ड | २२५९ |
| यन्निहक्तं नि | ४३० | यमर्थे शक्नु | १९१०, | यया यया प्र | 4.9.636 | | * १ ४६७ |
| यत्रैयग्रोधा | २३१ | | २००५ | यया ययेह | | यवीयसस्त ^ | ८४१ |
| यन्मध्वाऽभिषि | २३४ | यमर्थमभि | २५१५ | • | | यवीयसे त | ÷ ,, |
| यन्मन्त्रतोऽरि | १२६६ | यमवहण्ड | ८२१ | यया वृत्त्या म | _ 1 | यवीयांसं त | ८४३ |
| यन्मन्यसे प | १०३९ | यमशक्स | | ययावै सत | 1 | यवीयांसोऽपि | # ,, |
| यन्मन्येत म | #१२८९ | थमश्विना सु | | ययाऽस्य वाचा | 1 | यवीयांसोऽभि | " |
| यन्मम द्रव्यं | | यमसूर्ये च | | _ | | यवोदरै: ष | १४२६ |
| यन्मया चोप | | गमस्य लोका | i | ययुरश्वेर्म | | यवोदरैर | १४२५ |
| यन्मयोक्तं म | | गय लामा ामस्य लोकाः | | ग्युस्ते नग | ७९० ह | ाश आस्तर | २२७ |
| यन्महानिन्द्रो | | ानल लाकाः ामस्येन्द्रो अ | | योश्चित्तेन | १२८८ ह | ाश एवासिं | २०७ |
| यन्महात्रीही | | ।मस्वन्द्र। अ ।माजीवन्ति | # १७९ व | थ्यै गान्धार | | ा शःकीर्ति वि | २७८३ |
| | | जा <i>नावाता</i> | २३८४ व | यो प्रकर्ष | २७०९ य | | |
| | | | | | | । सारकामान्य | 5 40 4 |
| यन्मां त्वमव | #२०५० व | ामाय यम | ४१६ य | यौ मातङ्ग | . | | १३८३ ७२४ |
| | #२०५० व | | ४१६ य | | २७०४ व | ाराः खर्गे नृ ।शः खर्गेनि | ७२४ ७२४ १ ७०९ |

| यशः स्वर्ग्यवि | 83/0 | ।यश्च वेदप्र | ६१८ | यस्तानतीत: | 2×8 € | यस्तु सिंहः श्व | १६९९ |
|---------------------|---------------|-----------------------------------|----------------------|-------------------|------------------------|-----------------------------|-----------------------|
| यशश्चेत्सत | १२०५ | | | यस्तामेवं वि | १९०७ | यस्तु सेनाप | |
| यशक्चोभय | २७८८ | 1 | | यस्तायन्मन्य | , ,,,,,, १ २ | पद्ध समाप | २७७२, २७८८ |
| यशसः पति | *3888 | 1 . | ७९२ | यस्तित्याज स | ४४२ | यस्तु स्थात्काम | १६१४ |
| यशसैवैनं | १ ९४ | यश्चात्र धर्मी | # ,, | यस्तिष्ठति च | १ २ | i . | |
| यशसो वा ए | २०७ | 1 | २६३७ | यस्तु कल्यं स | ૧ ૫ | यस्तु हित्वा म यस्तूपनता | १६६८ |
| यशस्तरोर्म | २६ ९३ | यश्चापश्चन्द्रा | ६३ | यस्तु कालव्य | १२९३ | 'यस्ते गन्धः ' | २ १० ६ |
| यशस्ते श्रेय | २९७ १ | यश्चापश्चन्द्राः | | यस्तु केवल | २५९७ | | २ २८४५, १५०,२८५१ |
| यशस्विनं वे | ५५५ | ì | * ,, | यस्तु कोधं स | १९०६ | | |
| यशस्विनी म | २३८ १ | यश्चामात्यं मा यश्चामात्यान्मा | ६०९ | यस्तु तं द्वेष्टि | *८१३ | ٠, ١٠٩٠ | |
| यशस्वी ज्ञान | • १ १ ७ ५ | | * ,, २ २२८ | यस्तु तिक्तं क | *20Y0 | | २८५४ ३ |
| यशाः पृथिव्या | ७१ | | | यस्तु धर्म य | १०८८ | यस्ते गन्धः पु | 800 |
| यशा यासि प्र | " | यश्चास्यापकु यश्चिदापो म | २१०५ | यस्तु धर्मवि | * ₹७६७ | यस्ते गन्धः पृ | ४०७ |
| यशोदागर्भ | २८९० | यश्चेदं शृणु | ६२ १०९३ | यस्तु धर्मे प | १ २•७ | यस्ते देव व | 3 ₹ ८• |
| यशो देहि सु | २८९३ | यश्चैवं विद्वा | • | यस्तु न त्राय | १०३२ | यस्ते पृथुस्त | ४५४ |
| यशो धर्मस्त | ७७९ | यरचेव ।वद्व। यरचैवोपल | . ४४ ६ | यस्तु नापेक्ष | # ₹७७ १ | यस्ते मन्योऽवि | ४८६ |
| यशो मन्दर | २९६ २ | | # 24 8 8 | यस्तु नाऽऽरभ | २४०१ | यस्तेषां तद | २८०२ |
| यशो यज्ञास्त | *२९६४ | यश्चेष मानु | ८०६,८२६ | यस्तु नावेक्ष | २७७१ | यस्ते सर्पो वृ | 8•6 |
| य शोवीयाँयुः | १११७ | यरचैषां यथा | २२२६ | यस्तु निःश्रेय | १०७५ | यस्ते हवं वि | 94 |
| यशो वै हिर | १९४ | य श्चैषां वृत्यु | ७४५ | यस्तु नोच्छेद | रदर्भ | यस्त्यक्तमार्गा | ٠. ७२७, |
| यशोऽस्मिन् प्रथ | ७२४ | यश्चोऴङ्घ्य स्व | | यस्तु पक्वमु | 2080 | | १९७९ |
| यश्च कवची | ५२२ | यश्छद्मचारी | १९९३ | यस्तु पश्यति | * ૨ ५०५ | यस्त्वं कथं वे | વ∙ફ |
| यश्च कश्चिद्द्वि | ५८० | यष्टयस्तोम | • | यस्तु पूर्वम | १९ ४६ | यस्त्वं प्रच्यावि | * 2• १३ |
| यश्रञ्जिमि | ४२१ | यष्टव्यं ऋतु | १०७० | यस्तु भग्नेषु | २७८५ | यस्त्वं प्रव्रजि | " |
| यश्च तत्कुडी | 2616 | यष्टव्या विवि | ११२३ | यस्तु भीतः प | २७७९ | यस्त्वधर्मेण ७ | •६,१८२७ |
| यश्च तसात्प | २६०५ | यष्टव्यो धर्म | ७११७५ | यस्तु मे विहि | १०९७ | यस्त्विमेत्रेण | ₹•₹• |
| यश्च तिक्तं क | २०४० | यष्टा च सर्व | ं ७६३ | यस्तु याम्योऽभ | 歩 とのり | यस्त्वरूपेनापि | १२४२ |
| यश्चतुर्गुण | ६२९ | यष्टिं च वैण | २८६५ | यस्तु याम्यो भ | ;, | यस्त्ववध्यव | ६४५ |
| यश्च त्रयाणां | ५८७ | यष्टिघातम | # १५२१ | यस्तु योधः प | ₹ २७७ १ | यस्त्वां धर्मप | १९०० |
| यश्च त्वा प्रति | १४०१ | यष्टीनामष्ट | २२३० | यस्तु रञ्जय ६ | ३३,२०४१ | यस्त्वां राजन्म | " |
| यश्च दण्डः स | ६१८ | यष्टु मिच्छति | ५८३ | यस्तु राजा स्थि | ६६५ | यस्त्वा करदे | २०१, |
| यश्च दिष्टप | २३७२ | यष्ट्याह्या मधु | १४६९ | यस्तु वर्षम | २०४० | | * ₹४३ |
| यश्च धर्मात्प्र | ७९२ | यस्तस्य तेजो | ८२१ | यस्तु वृद्धचा न | #१ २८९ | यस्त्वादृशो वि | २३८६ |
| यश्च नखम | ७९५ | यस्तस्य पुरु | 600 | यस्तु शोचति | २०३९ | यस्त्वा शाले नि | \ \ \ \ \ \ |
| यश्च नावेक्ष | क २७११ | यस्तस्य मूल्यं | १३७५ | यस्तु संमान | ७२६ | यस्त्वा शाले प्र | |
| यश्च नित्यं जि | १९०७ | यस्तस्यार्थी न | १२०९, | यस्तु संहर | १२४२ | यस्त्वेको बहु | ,, १२ १ ६ |
| यश्च मुख्यः प | १२८२ | | १२८८ | यस्तु सर्वम | * १९४६ | यस्त्वेतानवि | |
| यश्च वेदः स | ६१८ | यस्तात न क्रु | १६९१ | यस्तु सर्वमि | | यस्त्वेतानि प्र | ७३१,९२२ |
| रा. सू. ३ | હ | | | | , , - • | ן איייוויד אין | १०३९ |

| यस्त्वेवं कुरु | २८९८ | · | १९८५ | यस्मिन्यस्मिन् हि | १८३८ | यस्य चेच्छति | ९५१,९५६ |
|-------------------|-----------------|-------------------|----------------------------|--------------------------------|----------------------|----------------|----------------------|
| यस्त्वैवं ब्राह्म | ८१ | यस्मिन् गृहे हू | ६५६ | यस्मिन्राज्ये गि | १४९२ | यस्य चेच्छन्ति | *948 |
| यसा एतइ | ४३२ | | २८७८ | यस्मित्राज्ये प्र | १४९६ | यस्य चौरः पु | १९६८ |
| यसाच गृह्य | १९८७ | यस्मिन्त्सूर्या अ | २४१ | यस्मिन् राष्टे नि | ع ع 97 | यस्य च्छायामृ | *६१ |
| यसाञ्च साम | १२८२ | यस्मिन् देशे य | २५९६, | यस्मिन् लग्ने भ | १४९४ | यस्य च्छेदक्ष | २७८५ |
| यस्मात्तद्व्यस्य | १५८० | | ९,२८२३ | यस्मिन्वा गुणे | ^३ २०५६ | यस्य छायामृ | ं ६१ |
| यसात्तसात्प्र | ७३७ | यस्मिन्द्वेषं पि | १०१६ | यस्मिन् वा स्नात | २९०६ | यस्य जिन्नति | *24 8 8 |
| यंसात्तु लोके | १९०७ | यस्मिन्धर्मी वि | ६०६ | 4 | | यस्य तपो न | २६९ २ |
| यसात्त्रस्यन्ति | १०४० | यस्मिन्धृतिर | १८९९ | यस्मिन्बिलीय यस्मिन्बिश्वास | ६०६ | यस्य ते तप | ૧૦ ૫૫ |
| यस्मात्पश्यन्ति | ६६४, | यसिन्नधि वि | * ६२ | थासाम्प्रवास | ११३६, १७३९ | यस्य तेऽविदि | *६६४ |
| | १६४२ | यास्मन्न नश्य | ५९६ | यस्मिन्स इति | ८९२ | यस्य ते विदि | क्रप्प व |
| यसात्सर्वास्व | ६०२ | यासमञ्जन | * ६२८ | | | यस्य तोमर |)) |
| यस्माददान्ता | ५६२, | यस्मिन्नर्थे हि | १०७९ | यस्मिन्सहस्रं | २३८ | यस्य दण्डश्च | २७७१ १ २०३ |
| • | ४९,१९८ <i>०</i> | यस्मिन्नश्वास | १७९ | यस्मिन् हिंसा ना | •६४१ | 1 . | # १२९३ २ |
| यसादन्यं सं | # 2004 | यास्मन्न । इसा | ६४१ | यस्मिन् हि सर्व | ६१३ | यस्य दर्शन | ८२१ |
| यस्मादिमाः प्र | २६९, | यस्मिन्नाश्वस | २०२३ | यसै कं जुहु | #६३ | यस्य दस्युग | ६४६ |
| | २७५,३०१ | यस्मिन्नाश्वास | · # ,, | यसै कामान्व | २४३३ | यस्य दाराः सु | ९९५ |
| यसादुद्विज | १९०४ | यस्मिनिन्द्रो व | # 8 \& 8 | यसी च काम | ४१० | यस्य दूत: प्र | २४७६ |
| यस्माहते न | ३९ | यस्मिन्नुन्छिद्य | १८७४ | यसै देवाः प्र | १०४५ | यस्य देशस्य | २४८५, |
| यस्मादेतत्त्र | १२९८ | यस्मिन्दृग्वेदो | ८९० | यसै पूजां प्र | ८०७ | | २९१ ७ |
| यस्मादेतेः स | १२५४ | I - C - · · · | ८५२ | | १९५५ | यस्य चौरुर्वी | * ६२ |
| यस्मादेवम | १६९७ | यस्मिन्नेतत्तु | # १२९९ | यस्मै वै राजा | ३४८ | यस्य न ग्रह | # २३९९ |
| यसादेष सु | \$ 209 | यस्मिन्नेतत्त्र | *१२९८ | यस्मै शुक्रः प | ४५४ | यस्य न स्युर्न | ६०४ |
| यसादेषां सु | ,, | यस्मिन्नेतद्धि | #8२९९ | यस्य कस्यापि | २४७२ | यस्य नास्ति गु | ६१२ |
| यस्माहण्डो द | ७ ३ ७ | यस्मिनैतन्न | ,, | यस्य कृत्यं न | ७२८, | यस्य नेच्छति | #९५६ |
| यसाद्धनस्यो | १३२१ | यस्मिन् पणः प्र | २११५ | | १७६२ | यस्य पुत्राश्च | ७४६ |
| यसाद्धारय | *६६६ | यस्मिन्पतुर्भ | १०१६ | यस्य कृष्यसि | # ८ ०६ | यस्य पूर्वस्य | ३३६ |
| यसाद्वलस्यो | *१३२१ | यस्मिन्पुरे व | १९८७ | यस्य कोपो म | १६८९ | यस्य प्रभावा | ८२६ |
| यस्मिस्तु भावे | ६५६ | यस्मिन्प्रतिष्ठि | १०६८ | यस्य कोशब | • १३२२ | यस्य प्रसादे | ८१२ |
| यस्मिञ्जनो ह | * ,, | यस्मिन्प्रसन्ने | ८२४ | यस्य कोशश्च | १२९३ | यस्य प्रागेव | २३८९ |
| यस्मिन् करोति | १२८९ | यस्मिन् प्रीतो भ | १७४६ | यस्य क्षेत्राद | १२८९ | यस्य फूत्कार | १५१३ |
| यस्मिन्कर्मणि | १७१२, | यस्मिन्ब्रह्मा रा | ३५९ | यस्य ग्रहस्य | 2898 | यस्य बुद्धि प | |
| १७ | १७,२३३९ | यस्मिन्भयार्दि | #8082 | यस्य चापि न | * ६०४ | यस्य बुद्धिः प | १८९० |
| यस्मिन् काले स् | 3 2833 | 1 | * १७९१ | यस्य चाप्रिय | ११५५ | यस्य भार्या गृ | १०८८ |
| यस्मिन्कुद्धे ज | ८२४ | | १८७४ | यस्य चारश्च | ५७०, | यस्य भूमिस्त | १३८५ |
| बस्मिन्धमा च | १०५१ | | १२८७ | 111 31/11 | १ १ ७४ | यस्य भृत्यज | १६९३ |
| यस्मिन् क्षुरप्र | १५३६ | | १०४५, | यस्य चाराश्च | #400 | • | |
| यस्मिन् गढो ५ | | ľ | - 1 | यस्य चिह्नीकृ | २७८९ | यस्य मन्त्रं न | १७६२, |
| | | | , | • • । नलाइः | 79671 | | १७७५ |

वचनस्ची

| यस्य | मे भव | २३९१ | [यस्य | सुद्रव | 8300. | यस्यां स्थितः सा | २५०८ | यस्यास्ति निय | ११५३ |
|------|------------|---------------------------|----------|----------------|----------------|------------------------------|-------------------------|-----------------|-----------------|
| | यथादे | ४२३ | ``` | 3 | १८७९ | | 8.6 | | 808 |
| | यद्दीय | ક | यस्य | स्फीतो ज | ર શ્પર, | यस्यामिसाक्षि | *१२९२ | | # २३९१ |
| यस्य | यस्य स | २८६१ | ļ | | २८१५ | यस्याधीनं भ | १४२९ | | २०९३ |
| यस्य | याज्यो₋ मृ | | यस्य | सम विष | ६०१, | यस्यानियमि | ११५३ | यस्या हृदयं | ४०६ |
| यस्य | यानस | २४६४ | | | ८,११०२ | यस्यान्यकुलो | १६१३ | यस्या ह्येवंवि | * ? ५०० |
| यस्य | यावन्ति | # २७६७ | यस्य | सम्बयस | २६०३, | यस्याभावे च | 600 | यस्येक्वाकुरु | کا |
| | युद्धे प्र | २ २७८८ | | | २७७४ | यस्याभावेन | * ,, | यस्येन्द्रचापं | २६ ९४ |
| | योधाः सु | २१५ <i>१</i> | यस्य | स्म सङ्ग्रा | # २६०३ | यस्याभिचार | ,,, ,,, | यस्येन्द्रो अपि | # १७९ |
| | राज्ञः प्र | 4 ६ ९, | | स्यात्ताद्द | #8069 | यस्याभिमुखं | २६९ ६ | यस्येमाः प्रदि | ६१ |
| | | ११७४ | | स्यादुद्य | १२०५ | यस्याभियोगा | १४९० | यस्येमे विश्वे | ٠,, |
| यस्य | राज्ञस्त १ | ₹९५,७४१ , | | स्याद्धर्म | १६१४ | यस्याभिषेके | २९४६ | यस्येमे हिम | " |
| | | ४४,१८२६ | यस्य | स्याद्विज | २००१ | यस्यामनं नी | 806 | यस्येयं पृथि | ८५८ |
| यस्य | राज्ञो ज | ે ૨૮ ५ १ | यस्य | खदार | १११८ | यस्यामापः प | ४०६ | यस्येह निग्र | २३९९ |
| | रुष्यसि | ८०६,८२६ | यस्य | खल्पं प्रि | २३८८ | यस्यामिदं जि | ,, | यस्येह व्रणि | २०३९ |
| | वर्णस्य | १७५१ | यस्य | हस्ते द्र | '१३८० | यस्यामेत ए | ર ૧૭ | यस्यैकस्य ज | ८२४ |
| यस्य | वशास | ४५४ | | हित्वं स | ८३९ | यस्य। मेवंवि | २५०० | यस्यैतानि न | ११७५ |
| | वा अय | ४२३ | | ह्यथीि | २३८५ | यस्यायं विश्व | ३८० | यस्यैवं बल | १०९३ |
| यस्य | वाऽनन्त | २१९४ | यस्य | ह्येते सं | ६३२ | यस्यार्थः स पु | १३५९ | यस्यैव बल | |
| यस्य | वाऽपि न | ६०४ | | कृष्णम | ४०९ | यस्यार्थराशि | | | ٠,, ١ |
| यस्य | वा प्रवी | १९२२ | | गायन्ति | ४०८ | यस्यार्थस्तस्य | १३५६ | यस्यैवमग्रि | ४२२,४२३ |
| यस्य | वा यस्मा | १९२४ | | दशर | *8888 | | १३५९ | , | १२८८ |
| यस्य | वा यात | २१६१ | | दिशि भ | ₹ ९० १ | यस्यार्थाः स च | १३२७ | यस्यै विशो रा | |
| यस्य | वायोरि | ३७८ | | दिशि रि | *266 | यस्यार्थाः स पु | ५५९, | यस्योदयास्ता | ॰ २४ ६ ५ |
| यस्य | वास्वदे | १९२१ | | दिशि स | ı | 5 7 5 7 | , १३२७, | यस्योद्यमे त | " |
| यस्य | विश्वे हि | * ६१ | | दिशि स्थि | ,, २४७३ | यस्यार्थाः स म | १३६२ | यस्योपरि स्व | २१७६ |
| यस्य | वृत्तं न | १०५८, | | पूर्वे पू | _ 1 | यस्यार्थी धर्म | १३२७ | या अङ्गिरस | ४५० |
| | 20 | २३८२ | यस्यां | पूर्वे भू | | यस्यायाः यस यस्यायस्तिस्य | * ,, | या अन्तरिक्ष | २४१ |
| | वेदिर | २७७१ | | ब्रह्म च | १९०८ | | ५५९, ३ ३ ३३,० | या अन्तरिक्ष्या | * ,, |
| | वै ताह | १०८७ | यस्यां | भवन्ति ६० | ०,२४९६ | 777 | ३,१३२७, १३६२ | या आपो दिव्या | : |
| | व्रजति | २५११ | यस्यां | मीयन्ते | ४०७ | यस्यावमू ज्य | ı | | # 288 |
| | शर्मन्तु | ३७९ | यस्यां | वातो मा | | यस्याविभक्तं | * ₹५१२ ५५४, | या ओषधय | २५ ४३ |
| | शस्त्रप्र | १९०१ | यस्यां | वृक्षावा | ४०७ | , , , , | १६८७ | या ओषधयः | *३६१ |
| | शूरस्य | २३८४ | | वेदिं प | ,, | यस्याश्चतस्रः | ४०६ | या ओषधीः सो | ર |
| यस्य | शोणित | २७७१, | यस्त्रीं | सदोह | | यस्याऽऽश्रितो भ | ८३१ | या ओषधीत्यो | • • • |
| | | * ,, | यस्यां | समुद्र | ४०६ | यस्यासी पन्था | # & ₹ | या ओषधीरो | २९७५ |
| यस्य | सम्यक् प्र | १९७९ | यस्यां | संसंद | ४६७ | यस्यासौ सूरो | | या ओषधीरी | #२९५ १ |
| | | | | | | | ** 99 ' | च जावबार् | " |

| यां गतिं ब्रह्म | २५३७, | यातव्यं येन | २५ ४१ | यात्रादिने तु | a SUV 9 | यात्रोत्सवस | ९९१ |
|------------------|------------------|----------------------------|--------------|------------------|----------------|------------------------------|--------------------|
| ર ५) | ४५, २८ ९२ | ٠ . | २१५३ | | 2 488 | | २२४ २६७५ |
| यां च रात्रीम | | 'I _ | ६७५ | | २५१३ | | 4904 |
| यां दिशं नृप | २५३९ | I | २१८८ | यात्रा नृपस्य | ` २४६० | | #1701 |
| यां देवा अनु | ५२३ | 1 | ६७४ | यात्रान्ते तु क | १९३० | | " |
| यां द्विपादः प | ४०९ | | १६७६ | यात्रा प्रसाद | १४९४ | याथातथ्येन याथार्थ्यतस्त | १७६७ |
| यां धूमोऽवत | २५३४ | | | यात्राभिरनु | # ? ? 0 ₹ | 7171-4001 | ११५५ |
| यां मरुद्धच आ | ३०९ | 1100-1-1-71 | २०६४ | यात्रा भृगोरं | २४६९ | यादवकाञ्ची | १४१५ |
| यां मृतायानु | ३९९ | 1 | २१५७ | यात्रामभ्युतिथ | १७०३, | यादवाः कुकु यादवानां कु | %६०५ |
| यां यज्ञसंघै | - २७८९ | 1444 414 | २४६६ | | રંપપ | यादवीपुत्र | ८४३ ५९७ |
| यां यां कलांस ४ | | 1 | २४६७ | यात्रामाज्ञाप | २००५, | या दिवि याऽऽदि | ? ? ? ? |
| यां रक्षत्यख | ४०६ ४०६ | | २५११ | २ १ | १५०,२५५२ | या दिवि साबृ | ₹∘८, |
| यां वा इमा ५ स | २६ १ | 1 | २००२ | 1 | ५४७ | | १०९ |
| यां वृत्तिं वर्त | ६६३ | 1 1 2 4414 | २७६७ | यात्रायां द्विवि | २४७० | या दिव्या आपः | * ९९, |
| यां सदा सर्व | २८५० | וי דויטורן | २४६५ | यात्रायां यदि | # २००५, | | 288 |
| यां स राजीव | ८६७ | 1 4 5 4 4 | २४७२ | 4284 | (०,#२५५२ | यादक्तपति | ७६२ |
| यांस्ते भ्रातृनम | १९०१ | 1 3 3 | २७९९ | यात्रायां वाम | २५ ३७ | याद्यच्छिकं म | २००८ |
| याः प्रज्ञाता रा | २६ ९ | 1 " "3 5" | * ,, | यात्रायां शक | २९० २ | यादुच्छिकं स | * ,, |
| याः समधिग | ९०२ | 1 | २४६४ | | २४७१ | याद्दव्छक्त्वा | ११०६ |
| याः सरूपा वि | ४५० | 11113414 | २४६८ | यात्रायामभि | १५११, | याद्यां च्छको यु | 1980, |
| | | 11/10-11 | १६०४ | | १५२२ | 1161-0411 3 | २६०४ |
| याचकं विमु | २३४४ | 1 | #२५५३ | यात्रा राम् शु | २५१५ | यादृशं नग | १४४२ |
| याचकेश्यो द | २३४५ | | २८६० | यात्रावस।ने | २८६१ | यादशस्ताद | २६९८ |
| याचते चीम्य | ८०६ | यात्रां यायाद | २००५, | यात्रा विघात | २५१३ | याहशा वै य | 14 3C |
| याचितो नेति | ७२३ | | ०,२५५२ | यात्राविधान | २५३९, | यादृशे नग | ,° ⊕१४४२ |
| या चैव मृग | # २७९९ | यात्रां यायाद्व | २५५३ | ્ . રહ | .४३,२८२४ | याद्द्यैः सह | १७६६ |
| याचैषा विश्रु | २४८९ | यात्राकालकि | १६८१ | यात्राविधानं | २८५८ | या देवतासु | ६४६ |
| याच्यमर्थम | २६ २४ | यात्राकालक्ष | * ,, | यात्रा विशुद्धा | २४६४, | या देवेषुत | |
| याच्यमानं म | | यात्राकालवि | २४५५ | | ,,,,, | याद्विपक्षाच | ४५• ४०४ |
| याच्यमानो म | " | यात्राकालाः | | यात्राविहार | 7800 | या धर्तारा र | |
| याजनाध्याव | ५५६, | यात्राकालाश्च | ५७४ | यात्राविहारे | | यान इमाः प्रि | ३७ ५२६ |
| . | ७५ ३ | यात्राकाले र | २५१४ | यात्रावेतनं | | यानं धुरेण | २५२६ २५२६ |
| याजयैनं वि | २०१२ | या त्राघात क | २५११ | यात्रा शुभफ | | यानं बह्दनु | २८४६ |
| याज्ञवल्क्यः स | *२९६४ | यात्राऽजसिंह | | यात्रासमाजो | 1 | नाग मल्गु यानं यद् द्विप | २८४४ २८४४ |
| याज्ञवल्क्यश्च | ,, | यात्रा तथाऽप | | यात्रासिद्धिं स | [| गाग पर्गाह्य यानं बस्त्रम | ७९८, |
| याज्ञसेन्या व | ५६१ | यात्रादण्डवि | 663 | यात्रासिद्धिः स | i | חיו אשף | ७५८, १६९१ |
| यात एपार | 9600 | यात्रादावव २३१ | १,२८८२ | यात्रासिद्धिर | " २८४५ | यानं बस्त्राण्य | * ⁶ 96, |
| यातयामानि | ५८० | यात्रादिगीशा | २४६६ | यात्रोत्सवः स | २८६० | 1 (1) | १९०३ |
| | | | | | 10401 | | 1204 |

| यानं वाहन | #969 | यानि वृक्षेषु | २८७७ | याभि: कुत्सं श्रु | ५० | याभिक्रिमन्तु | ४९ |
|-------------------|-------------|------------------|-----------------------|-------------------|------------|------------------|-----------------|
| यानं सिंह।स | २९८४ | यानुपाश्रित्य | ६९७ | याभिः कुत्समा | ५३ | याभिस्त्रिशोक | ५१ |
| यानं स्थाद् द्विप | २८४४ | याने तद्दरी | २५०९ | याभिः कृशानु | ٠ ,, | याभी रथाँ अ | ५३ |
| यानक्षोभो या | १५९५ | यानेनाभिया | २५३३ | याभिः क्रियाभि | | याभी रसां क्षो | ५१ |
| यानङ्गिराः क्ष | ६०५ | यानेऽरिसैन्य | २४६५ | याभिः पठवी | ५२ | या भीरूणां प | #२६०३ |
| यानप्रतीप | २५२५ | यानेवास्मा अ | ^२ २५६ | याभिः पत्नीर्वि | ,, | याभी रेमं नि | ४९ |
| यानमासन | २०७२ | याने शय्यास | ९८५ | याभिः परिज्मा | ४९ | याभ्यां हि देवाः | ९१९ |
| यानर्थभाजो | १२१६ | यानेषु कन्या | ६५६ | याभिः पूर्भिद्ये | પ શ | याभ्यामन्तरि | ५१५ |
| यानवश्यं नृ | ११२५ | याने सपाद | १७५७, | याभिः पृक्षिगुं | 40 | याभ्यामिदं वि | #१७९ |
| यानवाहन | ९८९ | पान ध्याप | २६ <i>९०</i> | याभिः शंताती | ५३ | यामदित्या आ | ३०९ |
| यानाभरण | २९४६ | यानोत्सुकत्वं | २५०७ | याभिः शचीभि | પં 0 | यामद्वयं श | ९६ ३ |
| यानासनवि | १९८७ | यान्गुणांस्तु गु | १०६३ | याभिः शर्यात | ५ं२ | यामन्वैच्छद | ४०९ |
| यानासनाश्र | २०७३ | याऽन्तरिक्षे या | १११ | याभिः शारीरा | " | याममात्रं व | ર ષે ર૮ |
| यानासने वि | २०७४ | याऽन्तरिक्षे सा | १०८, | याभिः ग्रुचन्ति | ų̈́o | यामवृत्त्या सु | २२२८ २६७७ |
| यानि कर्माणि | ११२२ | | १०९ | याभिः सिन्धं म | न ,, | यामश्चिनाव | |
| यानि क्षत्रस्य | १९५ | यान्ति यानान्य | २ ९ २६ | याभिः सुदानू | પંશ | l . | ४०६ |
| यानि ग्रामीण | १३८६ | यान्तु देवग | २९१० | याभिः सुदास | | यामस्य घटि | १६३५ |
| यानि ग्राम्याणि | # ,, | यान्यकार्याणि | २७९९ | याभिः सूर्ये प | પ ફ | यामार्धे तु ब | २४७३ |
| यानि चकार | ५२३ | यान् यज्ञसंघै | २६१२, | याभिरङ्गिरो | પ ર | यामाहुस्तार | ३९७ |
| यानि च दैवो | १६३४ | 11.7 16.01 | २५ <i>५२,</i> २७७६ | याभिरन्तकं | ४९ | यामिकार्थम | २३४८ |
| यानि तीर्थानि | २९७१ | यान्याश्रित्य नृ | | याभिरिन्द्रम | २१८,२६९ | यामिकै रक्षि | १४८६ |
| यानि तेऽन्तः शि | ४०४ | | १८५८ | याभिर्गोभिष | २३७ | यामिन्द्रेण सं | ५२० |
| यानि दुःखानि | २७६७ | यान्येव ब्रह्म | १९५ | याभिधियोऽव | ४९ | यामेव कुमा | ३५३ |
| यानि देवरा | ३२८ | यान्समाश्रित्य | *६९७ | याभिर्धेनुम | ,, | याम्यपावक | २९९० |
| यानि पुण्डरी | ३०४ | यापयेद्यत्न | २१९० | याभिर्ध्वसन्ति | ५३ | याम्यां चैव शिं | # १ ४८ o |
| यानि प्रयुक्ता | २५३८, | यापयेद्वक | २१९२ | याभिर्नरं गो | ,, | याम्यां तु कार | २९ १९ |
| | ६,२८९२ | या पर्वतेष्वो | 80 | याभिर्नरा श | ં ५૨ | _ | १४८० |
| यानि प्राप्नोति | २३७३ | या पशुषु त | रे०८,१०९ | याभिर्भरे का | ४८ | याम्यादीशान | २४७३ |
| यानि बिसानि | ३०४ | याप सर्पे वि | 806 | याभिर्मनुं शू | ५२ | | १४७१ |
| यानि मनुष्य | ३२८ | याऽपि चैवंवि | १०९३ | याभिर्महाम | ५१ | | # ₹००२ |
| यानि मिथ्याभि | ६०९, | या पृथिव्यां या | १११ | याभिर्मित्राव | १४६, | याग्यायामभि | २९३५ |
| -6 2 -6- | ६६२ | या पृथिव्यां सा | | | २६ ९ | याम्ये पूर्वात्र | २४७१ |
| यानि में सन्ति | २०२८ | याऽप्सु यौषधी | १११ | याभिर्वम्रं वि | ५१ | यायस्य प्रकृ | १००४ |
| यानि राजप्र | १४०६, | | | याभिर्वितिकां | ५० | यायात् परं का | २४५८ |
| | २३३० | या विभर्ति ब | ४०६ | याभिर्वशम | 99 | यायात् संनद्ध | २७३३, |
| यानि राजवि | २४८३, | या बृहद्रथ | १०८,१०९ | याभिर्विप्रं प्र | 4 ર | | २७३५ |
| | २९१६ | याभिः कण्वं प्र | ४९ | याभिविंश्वलां | نره | यायादिरं व्य | २४५८ |
| र्यानि लिङ्गानि | २४९४ | याभिः कर्वःन्धुं | ** | याभिव्यश्वमु | ५१ | यायादुद्धृत्य | े २८ ६८ |
| | | | | | | 96., | २८ ५८ |

| यायाद्भूपः श | २४६४ | यावत्प्रज्ञाम | २४२६ | यावन्न कृत | १८९४ | युक्तं न्याय्यं च | २७६७ |
|------------------------|---------------------|-----------------|---------------|------------------------|------------------------|---|------------------------|
| यायाद्भूपो य | २१७६ | यावत्प्रमाणं | १४९३ | यावन्न चाल | * ₹८९० | युक्तं यत्प्राप्नु | ८४९ |
| यायाद्यथोक्त | २४०९ | यावत्संख्यं न | ७४० | यावन्न तेषां | १८९४ | | १०८१ |
| यायाद् वर्धकि | २६ ० ९ | यार्वत्सप्ताह | २८८६ | यावन राजा | •१६२६ | युक्तदण्डो न | 8 8 6 64 |
| यायाद्वैरिपु | # २६७५ | यावत्स स्यात्स | ७०२, | या वन्ना ऽऽयाति | | युक्तदण्डो भ | ७२७ |
| यायाद् व्यूहेन | २७३३, | | ७४४ | यावन्नीराज | २८८६ | युक्तद्वादश | १४७५ |
| २७: | ३५,२७४९ | यावत्स्यात्स स | ১४७ | यावछोहाय | ४५६ | युक्तमयुक्तं | १६२८ |
| यायिग्रहव | २४६१ | यावदन्यत्र | १६९७ | या वा अपुत्रा | र् ^२ २६२ | | ११९५ |
| यायिग्रही ग्र | " | यावदश्वर | | यावेती मन्य | २३५८ | युक्तश्च देश | * २५५३ |
| यायिन्यो न नि | १२९७ | यावदस्तम | २६५९ | या वैत्वा कौशि | १९०१ | युक्तश्चेवाप्र | ७०२ |
| याऽर्णवेऽधि स | ४०६ | यावदायुः प्र | २११ ४ | या वै विद्याः सा | २४३४ | युक्तस्य वा ना | १८११ |
| यावकं पाणि | २५५० | यावदिक्षुवि | ८९४ | या वो माया अ | \$ \$ | युक्तां नागस | # 28 9 9 |
| यावकैः पाय | २९८३ | यावदीशे ब्र | ३९१ | याश्चानिष्कासि | २२८४ | युक्तां हंसस | " |
| यावचक्रमि | २७६१ | यावदुपक | २०९७ | याश्चान्याः सरि | २९४१, | युक्ताचारं स्व | १२४४ |
| यावच राजा | १८९४ | यावदूर्धम | १०७८ | | # ₹९४ १ | युक्तानात्महि | १६५५ |
| यावचाकृत | १८९३ | यावदेकैक | ४३७ | या संज्ञा विहि | ५८५ | युक्ता महत्सु | १२०९ |
| यावच्छत्रोरिछ | २१३३ | यावद्गोत्रे रा | १५२७ | यासु देवीष्व | * ६२ | युक्ता यदा जा | ६०९ |
| यावज्जीवं तु | १७५७ | यावद् गोस्तन | # २३७१ | यासु सन्तो न | ११८६ | युक्ता यदा न | ;, |
| यावज्ञीवं ना | ^२ ३११ | यावद् ग्रामस्य | २६५८ | याऽसौ प्राङ् निवि | में २७५९ | युक्तायुक्तं वि | १६६८ |
| यावजीवं नि | २३८१ | यावद्धचकृत | #१८९३ | यास्तु कोशव | #२०१६ | युक्ता वहेयु | ५६४ |
| | * १ १ ० १ | વાવદ્વાભાગ્ય | १७५७ | यास्तु स्युः केव | " | युक्ताश्चाधीय | ७९९ |
| यावतः साधु यावतीरोष | | July C | ३४२ | 1 11 11 11 11 | ४०८ | युक्तास्तथा का | २२२८ |
| | ३६ <i>१</i> ३२१ | 1 7 4 | २८९५ | 1 | 90 | युक्तितः प्रव | ९०२ |
| यावती वाक् त | | 1 | १२२५ | | " | युक्तिप्रत्यक्षा | १२६८, |
| यावती वाक्ता | १०९ | 9 | २५७३ | 1.5 1.1.1 | १०८८ | 311111111111111111111111111111111111111 | १८२७ |
| यावती हि वा | १०८ | 1 " " " | २७८९ | | २५७४ | युक्तिबंछीय | ८९२ |
| यावतो ग्रस | ७४२ | 11701 3 | २८५३ | *** | २४९ | युक्तिशास्त्रं च | ८६५ |
| यावतो याव | २६६,२९३ | 1 | २७७ | या खयंप्रशी | २६४ | युक्तिश्छलात्म | १९९३ |
| यावतो वै सा | ११०१ | 1 | २७८ | याहि वाहस्य | २७९० | युक्ते च देवे | *१९३३ |
| यावत्कीर्तिमें | १८९५ ४५६ | " " " " | ३४२ | 1 | १९०९ | युक्ते च दैवे | १९३३, |
| यावत्कृष्णाय | | 1414-01- 514 | १८३ | 1 | २४६५ | ł | २६६८ |
| यावत्तरो म | 19 | 1 | २७८८ | यियासोरन्य | २१८२ | 1 2 66 | |
| यावत्तु धर्म | १४२९, | 1 | ₹₹• | युक्तं च माल्य | *२९३८ | 1 | १०३९ |
| | १९८५ | 1 | १८३ | | | युक्तो भवत्स | २३५६ |
| यावत्तु नीय | २८७३ | 11.11.00 | १३५ | युक्तं चेदन्य | | युक्तो मुहूर्ती | २४५३ |
| यावत्तेऽभि वि | ४०८ | 1 | ३३६ | | | युक्तो विवर | १९१२ |
| यावत्परेणा | | यावन्तो हि दे | | युक्तं तं किङ्कि | | युक्तोऽस्य वध | १९१३ |
| यावत्पश्यामि | २०२५ | यावन्त्येवान्ना | ४५६ | युक्तं तु होम | २८८६ | युक्त्या तथा प्र | २१४६ |
| | | | | | | | |

| युक्त्यादण्डं धा १० | ५७, | युद्धकाले स | १९६९ | युद्धाशंसिम | २७०३ | युध्मो अनर्वा | ४७७ |
|---------------------|------------------|---------------------|----------------|----------------------------------|-------------------------|-------------------------------|-----------------------|
| | 46 | | १५३५ | | २००० | युध्यते श्रून्य | १५९० |
| | 00 | युद्धगान्धर्व | ५४१ | युद्धे जयः प | | युध्यते हि प्र | १५८७ |
| | ४२ | युद्धदीक्षां प्र | २७६३ | | २६१९ | युध्यतोहिं द्व | २१३३ |
| युगपद्योज २३ | ४९ | | २७०२ | युद्धे तद्योगा | | युध्यन्ते भूमृ | २७८६ |
| युगपस्त्रण २९ | ६ ० | युद्धप्रवृत्ति १५२ | | | १६४२ | युध्यन्ते य स् या | ४०८ |
| युगप्रवर्त ११५१,१९ | 328 | युद्धबुद्धिस | १९५४ | युद्धे तु संत्य | २०१७, | युध्यमानश्चा | |
| | ०२ | युद्धभूमयः | ६७७ | | २७७४ | નુ -નનાનામા | २१९८, |
| | ५७, | | २३६३ | युद्धे पराजि | # १६१७, | युध्यमानस्य | २६१९ |
| ६००,२३ | | युद्धमुत्सुज्य | ११५३, | | २८२४ | युध्यमानाः प | 200C |
| _ | ٠ <i>५</i> १, | ,3 4.3.6.1 | २७९१ | युद्धे रक्षन्तु | २५३८, | 3-1411111 | २७७७, २००० |
| | 808 | युद्धमेते ह्यु | १९८२ | ર ૫ ૪ | १५, २८९२ | युध्यमाना ह | २७९१ |
| युगानामायु ५३१,५ | | 19-1-19 | २७७० | युद्धे वा विजि | ५४७ | _ | २७६४ |
| युगे युगे ह्या ५ | . ९१ | | २६७७ | युद्धे विनाशो | २१२३ | युध्यस्व यत्न युध्यस्व राज | २ ३ ९२ |
| | ९२ | 10 | २८२३ | युद्धेषु दृष्ट | ५९८ | | २३८० |
| • | ८६ | 19-11 | २७३९ | युद्धेषु पुर | | युध्यस्व सम युध्येत श्रूरा | १०७१ |
| | ५५ | - | २७२५ २३०९ | युद्धे स्वल्पेन | # १ ६४२ | युध्येत स्वन्द | २७३ १ *2555 |
| | ६८ | · · | | युद्धे हि संत्य | # ₹0 १ ७, | युध्येतानृत | *२६६६ * |
| युजं वज्रं वृ | 16 | 9-1-1-1-1 | ८९० | | # ₹७७४ | युध्येता भृ त | १५८८ |
| | ८०८ | युद्धसंभार १४८३ | | युधः सहस्वे | રે ५૪ | युध्येताऽऽ व श्य | १५८७ # २७३६ |
| | ६५ | ् २४५ युद्धसाधन | ९,२५९६ | युधिष्ठिर इ | १९८२, | युध्येता न्ट त | *{५८८ |
| युजन्तु त्वा म | ९३ | 9-1 | १४८६ २७८९ | | २२०४ | युनक्तं सीरा | ३८३,३९२ |
| | ٠٠ ۶६६ | 1 - | २६९३ | युधिष्ठिरः का | २७०८ | युनक्ति मेध | २३७५ |
| _ | 544 66, | | १ ७४७ | युधिष्ठिर त | १०६५ | युनिष्म त उ | |
| | ५५, १५ | | २७८३ | युधिष्ठिर धृ | २५९७ | 311-17 (1 0 | १०१, ३४३ |
| | . १५ १९४ | 1 _ | * १५१ ४ | युधिष्ठिर म | १०९३, | युयुत्सवश्चा | २४ ९६ |
| | ्र ७३ | 1 | | | २९३७ | युयुत्सुः संज | २०३६ २९ ३ ६ |
| | .७५ ७८८ | | २३६८ ११४७, | युधिष्ठिर य | *१०६५ | युयुत्सुर्व्यूह्य | २७ <i>१</i> ६ |
| | ३८५ | . * | २६८ ९ | युधिष्ठिरस्तु | २४४१ | युयुषानो म | |
| | ४४९ | | २६९ ४ | युधिष्ठिरस्य | २४४८ | युवं च्यवान | #२७ १ ५ |
| | १२९ | - | १६८१ | युधिष्ठिरात्तु | २७९७ | युवं तं मित्रा | ५६ |
| | ₹₹, | 1 - | #2998 | युधिष्ठिरो घ | २४४० | युवं तानिन्द्र | 400 |
| | 9 % o | | २७९२ | युधिष्ठिरोऽब्र | २७१४ | | ५०३ |
| _ | ७६७ | 19 | २३८८ | | | युवं तासां दि | ४९ |
| | ૭૭५ | | २७४० | | २ ४८७ | युवं तुग्राय | ५७ |
| | ९८७ | | | युधिष्ठिरो रा ८ युधि स्वामिनं | .४४,११७३ | | ५५ |
| गरकाचे व | ,, | युद्धावहो म | १९८७ | युधो वै पृत | <i>૨</i> ७ <i>९</i> ५ | | <i>७</i> |
| | | | | 172 1 | ३५४ | 'युवं शचीभि | 40 |
| | | | | | | | ,,, |

| युवं स्यावाय | 66 l | यूपेन च स्पये | 42/1 | ये च | देवाधि | /231 | ये चास्य दुर्गे | २६२६ |
|---------------------------|---------------|------------------------------|--|------|------------------------------|---------------------|-----------------------------|-----------------|
| युवः सुराम | | | | | दैवेनो | | ये चास्य धान्य | १६४८ |
| युवंहस्थो भि | | यूप गापा म । यूयं न उग्रा | ४७३ | | दोषस | | ये चास्य भूमि | ७३६ |
| युव भिर्वले युवभिर्वले | | यूयं निहत | *२७९९ | | • | | ये चास्य भूमि | * ,, |
| | | यूय गहरा यूयं राजान | **\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\ | ये च | । धीरा ये | | ये चास्य संब | * |
| युवराजस्य | | | २७ <i>९</i> ९ | ये च | प्रवासि | २६२४ | ये चास्यामात्याः | २१०६ |
| • | ८६२,११५४ | | २४८७ | ये च | वाणैर्न | # १४४३ | ये चेते पूर्व | १२४३, |
| युवरा जादि | १८४५ | | | ये च | ब्र् युस्त | २८०२ | , e., | १८१० |
| युवराजेन | २१२४ | | #・ ,, マ ッ とり | ۱. | रक्षास | ५९७ | ये चैनं याच्य | २६२४ |
| युवराजे वा | १२८३ | | | ये च | रन्यन १२९ | ५१,२ ०८४ | | ८४३ |
| युवराजो म | २८२६ | यूयमुग्राम | ६९, १०२,५०८ | | रन्त्यभि | *१२९१ | ये चैव पूर्व | • १२ ४३, |
| युवराजोऽमा | १०१४, | ये अन्तरिक्षे | , ७२,२७८ ५ १ ९ | | राष्ट्रोप | •६३२ | - | * १८१0 |
| | १२६४ | 1_ | - ```` ३ ६७ | | ारा ह्यच | १०७२ | ये जनपदे | १६४५ |
| युवराज्याभि | २९७८ , | | २ ५७ ४३३ | | ारा स्थय विद्यार्थी | १३०८ | ये जन्तवः प | २८४३ |
| | २९८५ | 1 | | | । (पद्यापा । शिष्टान् प्र | ६३२ | | |
| युवां च कुरु | | ये कर्णाः स प | १४३ | ١. | । सङ्ग्राम | ५५५ #२७६४ | | " २८४२ |
| युवां नरा प | | ये कार्थिकेभ्यो | १४०९, | l - | । राष्ट्रगान । सम्याः स | ₩२७५७ ४६५ | | 2200 |
| ्युवानो रुद्रा | ४६९ २३४६ | | २३३० | | । स्वधर्म । स्वधर्म | ७३२ | | ४३३ |
| युवारूपेण | २३८६ | 1 | # १४० ९ | | ानार्य स | ११७३ | l | |
| युवा वै जव | १८८७ | 1 . 6 | ३४० | | गनार्थे स | | ये त आरण्याः | ४०९ |
| युवो रथं दु | | ये के च भ्रात | १९२ | | गान उ गन्ये कर्म | ७ ,, २३४० | येत इन्द्रद | २० |
| युवोदीनाय | ४९ | 1 4 4 714 | #३४४ | | गन्ये कत | १०४८ | ये तत्र निह | २७६४ |
| युष्मत्प्रसादा | २८४९ | 1 10. 1 | १०७१ | | बान्ये गुणि | ११५१, | ये तत्र युद्धं | २३९७ |
| युष्मदेति मु | ४९१ | ये केचिद्भूमि | १०७५, | 1 | | २३४१ | ये तस्य क्षत | १२८९ |
| युष्मांश्च दायं | १९३ | | २००५ | ये च | बान्येच म | ८६७ | ये तीक्ष्णमन्त्राः | १२४७ |
| युष्माकं देवा | ३७१ | ये केशिनः प्र | २४५ | | गन्ये पीठ | २८३६ | ये तु कारण | १६६० |
| युष्माकं मित्रा | ₹ ० | ये केसरपा | | 1. | नान्ये वास्तु | १४९४ | येतु ऋतुभि | # ५७९ |
| युष्माभिरिह | २०१४ | 1 | ४०९ | | गन्ये विन्ध्य | ७९१, | ये तु नेच्छन्ति | ६६३ |
| युष्माभिर्वल | ३५० | ये गर्भा अव | ३९७ | Ì | | ११२२ | ये तु पश्यन्ति | १०५० |
| यूकामक्षिक | *२४५६ | ये गुप्ताश्चेव | २५९८ | ये च | ान्ये साध | २३४६ | ये तुबुद्धचा हि | २०५० |
| यूकामाक्षिक | \$,, | ये ग्रहाः पञ्च | ४११ | | गपमानि | १७४१ | ये तु येनैव | १९५७ |
| यूकामाक्षीक | २४ ५६ | ये ग्रामा यद | ४०९ | | वापरत्नं | १५११ | ये तु विंशति | 2000 |
| यूथच(मे | १३९४ | > | ४५४ | | गारता गापि तेषां | १०९४ | ये तु सङ्ग्राम | २७६४ |
| यूथवृषं वृ | २३०५ | i | # २६०३ | | ाप तथा गपिसत | | ये ते के चस | ४६३ |
| यून: पुंसश्च | | ये च कण्टकि | | | ाप चत राप्यत्र स | ?) # 10 0 10 | ये ते नित्यम | १९०४ |
| ूरा उपन यूनान्पुंतश्च | | ये च कारणा | | | ॥ प्यत्ताम | | ये ते पन्थानो | ४०८ |
| यूनि मात्रास्व | | येच ऋतुभि | | | ॥ खुषा प ॥ प्येषां पू | | ये ते पाशा व | |
| यूपं छिन्दन्ति | • | ये च त्वाऽभिप्र | | • | गल्पतेजो <i>ग</i> ल्पतेजो | | य त पाशा व ये तेभ्यो भूत | १३ |
| 4 4. (1 | 1414 | ाच पार्थाञामश | र ०७ ५ | 14 4 | ।।एपत्रण। | दप्प | प तन्या भूत | २०२ |

| येते मन्दामृ | | येन त्वमिह | | ये नृशंसा दु | | येभियामभ्य | २४• |
|-----------------------|---------------|--------------------|--------------|-----------------------------|----------|-------------------|----------------------|
| ये तेषां पाप | | येन त्वेतानि | | ये तृश्र सा नि | | येभिर्वाचं पु | ,, |
| ये त्वत्र निह | | येन देवान | | येनेन्द्रो हवि | | येभिर्वाचं वि | " |
| ये त्वदीया म | २७०४ | येन द्यौरुग्रा | | येनेमं शत्रु | २•२२ | ये भूतान्यनु | १३८८ |
| ये त्वहृष्टेन | २७६४ | येन धनेन | ३े९१ | येनैनमेत | 140 | ये भेमिपालाः | २८८८ |
| ये त्वां प्रपद्य | २८५० | येन पीडा न | २१३८ | येनैव गच्छ | २११९ | ये भुत्याः पार्थि | १६९९ |
| ये त्वां ब्राह्मण | १२१४ | येन प्रकारे | १६६२ | येनैवमभि | ३००३ | ये भृत्या हीन | १७४१, |
| ये त्वादानप | १२१२ | येन मां नाभि | 2012 | ये नै षामुद्ध | ંદ્દ ૦ ૫ | | १७५५ |
| ये त्वादृतात्म | २३८४ | येन मार्गेण | १३२५ | येऽन्ये कामास्त | ५९० | येभ्यश्च राजा | ^२ २६२४ |
| ये त्वामत्यर्थ | १२२३ | येन मृतं स्न | | ये पन्थानो ब | ३९१ | | १९३ |
| ये त्वामुत्पथ | .,, | येन यत्साध्य | | ये पापिष्ठास्त्व | | ये युध्यन्ते प्र | ५२३ |
| ये त्वेकमत | ७१६३ २ | येन येन वि | *६३८ | ये पार्थिवा रा | | ये ये नो न प्र | ६३२ |
| ये त्वेकरत | " | ये न रक्षन्ति | ¢६६३ | | २७०१ | l . | |
| ये दूरयात्रां | २५८२ | ये न लोभान्न | १०७७ | 7317 71 74 | | ये ये प्रजाव | १४२३ |
| ये देवा अग्नि | २५ २ | येन वा तुष्ये | | ये पुनः स्युर | | ये ये भ्रष्टा अ | # 17 |
| ये दे वाः पुरः | १३९, | येन वा परि | | य पुनः (पुर ये पुनर्धर्म | | | १७४३ |
| | २९५२ | येन वा विधि | " २८५९ | | | ये योद्धारः प्र | २७९० |
| ये देवाः सोम | २५२ | येन विन्नान | २८९४ | | | येऽरक्ष्यमाणा | १०५६ |
| ये देवा देव | १४५, | | | | २८६६ | | 米 ,, |
| • | २६५८ | येन विज्ञात | २९८० | _ | | ये रिथनो ये | ५२२ |
| ये देवा मित्रा | २५ २ | येन वृत्तेन | ६११ | | २८६७ | ये राजानो रा | 90 |
| ये देवा यम | " | येन व्ययेन | १८४३ | 1 -11 1-41 - 41 | ११४ | ये राज्ञो भृत्याः | २८६३ |
| ये देवा राष्ट्र | ७१ | येन शक्यस्त्व | २०२२ | ये प्रियाणि च | ११३३ | ये राघांसि द | 880 |
| ये देवा विश्व | २५२ | येन शीलेन | ६२५ | ये प्रियाणि प्र | # | ये राष्ट्रमभि | २३९१ |
| ये धनादप | १९९९ | येन संदम्य | १९८२ | 2 87 | ४२,१६०६ | ये राष्ट्राधिक | १४१३, |
| वे धर्मकुश | .490 | येन संवर्ध | २३२७ | ये बन्धुषु निः | १६४५ | | ४,२३३३ |
| ये धीवानो र | _ ९७ | येन सत्येन | रे८८७ | ये बालिशा ये | ६६१ | | २१३३ |
| येन कर्मणे | ३३५ | येन सांनिध्य | २९०१ | ये बाहवः , उ | २५३६ | | ११७३ |
| येन कुच्छात्पा | | येन साधार | २३७० | ये बाहवी या | ५१४ | | ₹•४ |
| येन केन प्र | १३६५ | येनाभिषिक्तो | १६३६, | ये बृहत्सामा | ३९९ | ये विमणो ये | ५२२ |
| येन केनाप्य | १३०२ | 1 | ર ९५५ | ये ब्रह्मजात्या | २८४४ | ये वहन्ति धु | १०७२ |
| येन खट्वां स | | येनार्जिताः स्त्रि | ६८२ | ये ब्राह्मणं प्र | ३९९ | ये वा भवद्वि | १२१२ |
| येन गच्छथः | | येनाजितास्त्र | ७४६ | ये ब्राह्मणार्थे | २७८६ | 1 | ५२३ |
| येन च गुणे | २८१९ | 1 | १३२७ | ये भविष्यन्ति | ८२३ | l . | * १३०८ |
| येन जयन्ति | क्रे४३ | 1 | २४६ | येभिः शिल्पैः प | | | |
| येन जयासि | ,, | येना संगच्छा | ४६२ | 20 20 | ••• | गे वारणः अ | . २०३९ - |
| येन तत्स्थाप्य | | येनासौ गुप्त | | येभिरादित्य | " | ये व्यपेताः स्व | ७२४ |
| येन तेन वि | | ये नियुक्तास्त | | येभिराभृतं | " | ये व्यर्था द्रव्य | १३०८ |
| 979 97 | 9./ | | 4 - 3 | | ₹४७ | र्ये व्यूहरच | २३४७ |

| _ | | | | - | | , | |
|----------------------|---------------|------------------------------------|----------------|---------------------------------------|-------------------------|---------------------|----------|
| ये ग्रुक्ता अह | | येषामात्मेव | १०४८ | ं यैर्गुणैस्तु सु | ११८८ | योगक्षेमा हि ६५ | . |
| ये ग्रुक्लाः स्युस्त | ा ३ ४० | येषामास्येन | ७२८ | | २२०५ | | |
| ये ग्रुद्धवंशा | 1986 | | १ १७३ | | २४०० | योगक्षेमो नः ४१२,४२ | |
| ये ग्रुभ्रा घोर | ४६९ | येषु देशेषु ८ | २४,२६३८, | यैर्वेहपायै | | योगक्षेमो हि १६२३ | |
| ये शुष्ककाष्ठा | २८३६ | | २८७२ | यैर्विवासस्त | # 3800 | *१६२ | |
| ये शूरा ये च | १७३१ | | १०२७ | येर्हुतानि श | २७६४ | योगगूढोप २१३ | |
| येषा कोपामि | ७४२ | | १६३२ | यस्तैरुपायै | २८१३ | योगतीक्षणग १९६ | |
| येषां गमे न | २४६७ | ये संग्रामाः स | ४०९ | यो अग्निः सप्त | 88 | योगदर्शन १३३१,२६३ | |
| येषां गोत्राह्य | ६०३ | | २०४५ | यो अद्य सेन्यो | • د ه، | योगधर्मवि #२००८ | |
| येषां च प्रति | ७९०, | ये सहस्रम | ३९८ | " " " " " " " " " " " " " " " " " " " | | *208 | • |
| | १०३१ | | २७६८ | यो अन्तरिक्षं | ५१२ #६२ | योगपुरुषा १३३ | |
| येषां चारश्च | ६६४, | ये सैन्यधनि | १३७८, | यो अन्तरिक्षे | स्पर | योगमस्य वि २५९ | |
| | १६४२ | 1 | १५ ३५ | यो अपाचीने | ः ३७९ | योगयात्रा भ २४७ | 8 |
| येषां त्रीण्यव | ८६४ | | *283 | यो अश्वानां यो | ₹७ <i>१</i> | योगवामन ६७८,२६२ | C |
| येषां नश्यत्य | * १३२७ | 1. | ६३१ | यो अश्वेषु वी | | योगविज्ञान १२९ | ૭ |
| येषां पक्षघ | १८९९ | येऽस्माकं देव | २८६७ | यो अस्मा अभि | 8 o S | योगव्रता यो | C |
| वेषां पुरोग | ६०३ | येऽस्मान प्रति | *६३१ | यो अस्य विश्व | #५०१ | योगश्च विज १०२ | २ |
| येषां पूर्वकृ | २४०८ | येऽस्य राजधु | १ २४५ | यो अस्य समि | ६८ | योगस्य नेता २८७ | 0 |
| येषां प्रसादा | ৽ ४२ | ये हता निशि | २७८३ | यो अस्य सर्व | ५१० | योगातिसंधा ६७. | C |
| येषां बलकु | १०८४ | ये हितं नय | १७६८ | यो जन्म सब | ६९ | यो गाथानारा १० | 9 |
| येषां बालाश्च | *१ •९४ | ये हितोदय | * ,, | المناه المناه | *१९० ९ | यो गाथा नारा १०० | C |
| वेषां मन्युर्म | १९०८ | ये हि राष्ट्रोप | ६२२ | વાગલાન વ | #922, | योगाधियोगः २४७ | |
| येषां योधाः शौ | २४९७ | | ८०४ | योगं च रक्ष | # १ ३ ३ ५ ** 9 4 5 4 | | C |
| येषां रथीघा | २५२३ | ये हि सुता दे | ३४ | योगं च राक्ष | *१७६८ | योगा वेगा सु ,, | |
| येषां राजाऽश्व | ५६१ | ये ह्यस्य गुह्य | १२२४ | योगः क्षेमश्च |)) * 9 9 4 7 | योगिनां चैव #३०० | ₹ |
| येषां राज्ञा स | १२८० | ये ह्यव धीरा | *२००१ | योगक्षेमं च | *११०२ | योगिनीनां ब २४७१ | ሄ |
| येषां वचन | ७४२ | ये ह्येव वीरा | ,, | 1 | ७३३, | योगिनो भोज २८५६ | ŧ |
| येषां वा दूष्या | १४०२ | यैः कृतः सर्व | ६९६,७४२ | 8 8 8 | 'S, ₹000, | योगीश्वरस्तु १६० | ₹ |
| येषां वृद्धाश्च | १०९४ | यैः पीतः साग | ७२८ | , , , , | ६,१३१८, १५,१३६१ | योगेयोगे त ४८३ | |
| येषां वैनयि | १२४० | यैः पूजिताः प्र | २८९१ | योगक्षेमं प्र | | योगैः क्षितिपा २४६१ | 8 |
| येषां संख्याय | | यैः संचरन्त्यु | 806 | योगक्षेमं व | ८५५ | योऽग्रिष्टोमम् १०५ | |
| येषां स्वप्रत्य | ,, | यै रश्वमेधो | २६९३ | | ४८६ | योग्यधातुस २८८८ | : |
| येषां खादूनि | | _ | | | # ८५५ | योजनमध २६१० | > |
| येषां हि राजा | ८२५ | पराविष्टः ।व | ६६३, | | | योजनाचत २६७१ | <u> </u> |
| येषां हीत्रं स | l l | गैक्टिक गर्ल | | योगक्षेमसु | २३५२ | योजनानां श १०७७ | |
| येषामध्येति | | यैरिन्द्रः प्रक्री यैरुद्विजेते | | | १०६८ | १ ३७५ | • |
| येषामभ्येति | | | # 3 9 6 8 | योगक्षेमस्य | ५९९ | यो जनान्महि ८८ | : |
| | * ,, (| यैर्गुणैयोंजि १० | र२,११२४ | योगक्षेमाः प्र | ,,] | योजनीयां श्रु २५३५ | L. |
| | | | | | | | |

वचनस्ची

| यो जयत्यन्त | २ ९६ | योद्धा नयवि | १२४२ | योघौ घनुर्भृ | २६७१ | | #१८१२ |
|-------------------|-----------------------------|------------------------------|-------------------|---------------------------------------|-----------------------|--------------------------|-------------|
| योजयेचिन्त | १०१४, | योद्धुं नाश | २७९७ | यो न इन्द्राभि | २ ४८५ | योऽपि स्यात्पीठ | १९९६ |
| | | योद्धे खयम | २११८ | यो न ईशाता | ર ९ | योऽप्यन्यः कार | १०९८ |
| योजयेत य | १६५१, | योद्धशन्यं हि | १४९३ | यो नः सनुत्य | ३ ९ | यो बीभत्सोई | २४३९ |
| | १९५६ | | *2688 | यो नः सोमाभि | # ४८५ | यो ब्राह्मणं दे | ३९८ |
| योजयेत्ताद्य | १७०९ | | २८३७ | 'योनः स्वः' इति | | यो ब्राह्मणं म | " |
| योजयेदिति | २८३९ | योधनं शस्त्र | २७८९ | यो नः स्वो अर | ४९६ | यो ब्राह्मणवि | ११०० |
| योजयेद्विधि | * १५१९ | योधयिष्यामि | २३५७ | यो नः स्वो यो अ | | यो ब्राह्मणस्य ३९ | ९,१०३४ |
| यो जानात्यर्जि | १३६९ | योधयेयं र | २३५८ | યા મું ભાવા પ | *** >4, | यो ब्राह्मणान्प | ६३२ |
| योजा न्विन्द्र ते | ^२ १ ३३ | यो धर्मः कार | ७४५ | यो नः स्वोऽरणो | # ४ ९ ६ | यो भूतः सर्व | ६८ |
| यो जितः पञ्च | १०४३ | योऽधर्मविजि | #२०१६ | | १२०९, | यो भूतानि ध | २८१७ |
| योजितावर्थ | १८९६ | | #६२४ | | १२८१ | यो भृत्यात्मपी | ७७५, |
| यो ज्ञातिमनु | 2838 | यो धर्मार्थौ स | ,, | यो न कुर्यादि | २८६२ | | २२२७ |
| योऽज्ञानादन्य | २८४८ | यो धर्मी यत्सु | ર १०५ ● | योऽनङ्गेनापि | ७७७ | यो भ्रातृब्यवा | ३३५ |
| योज्यः स पत्ति | १५२५, | योधांश्च दृष्ट्वा | ९६ ० | यो न जानाति | ६०७ | यो ममार प्र | 86 |
| | ર રૂ ૬ પ | योधाः समर | १५०१ | | २४७७ | यो महत्यर्थ | २२२७ |
| योज्यस्तुष्टेहिं | * १६४१ | योधाः समर्था योधाः समर्था | *2888 | यो न दर्शय | १९०२ | यो मा कश्चाभि | २८८१ |
| योज्या व्यस्ताः स | १९७५ | | | | | यो मान विद्या | १८०७ |
| योज्यास्तुष्टेहिं | १६४१ | योधाः समृद्धाः | " | यो न बुध्यति | १८५३ | यो मानितोऽमा | १२०९, |
| योऽतिरात्रम् | १०९ | योधाः स्रोवास्त | १२४० | यो न मानय | १०७३ | | १२८१ |
| योऽतिसक्तो नृ | ११४० | योधानमात्या | ६५८ | योन यशोभ | २६४ | यो मितं भुङ्क्ते | ९६५ |
| योऽत्यन्ताचरि | ६१३ | योधानां शिल्पि | १४६३ | यो न यानं न | #8860 | यो भित्रं सम | १२९५, |
| यो दण्ड्यान्दण्ड | १८१८, | योधानाममि | १४४५ | यो न वायुव | २०४९ | | २०९२ |
| | १९७४ | योधानामात्म | २७७२ | 1 | १८८१ | योऽमित्रैः सह | १२४२ |
| यो दम्भादथ | २८३९, | योधानुत्तेज | २६६९, | यो नित्यं क्षम | १९०३ | यो मे व्यावर्त | २८०३ |
| | २८४६ | 1 | २७८७ २७७२ | योनिबालव | २८१८ | यो मे हिरण्य | ₹८० |
| यो दशपुरु | ३३४ | योधान् मत्वा प्र | २७७२ २४५६ | योनिवैं प्रजा | ४५६ | यो मोचयेन्म | २००३ |
| यो दुःखं नाभि | २०३९ | ાવાવાનું મહ્યા ત્ર | २४५६ २७७२ | | ६,११९ ० | यो मोहादथ | २८३८ |
| यो दुष्कृतंक | २९३२ | | प२ | | ५५,४५६ | यो मोहान्न नि | १•४४ |
| यो देवांश्च म | १९०२ | 1 ** ** | १५०१ | योनेजितो यौ | १२३३, | योऽयं प्रथिव्याः | २४८५ |
| यो देवेभ्य आ | 63 | [MIMIM 2 .1 | ५३२ | | २३४९ | योऽयं लोभान्म | २४३८ |
| यो देवेष्वधि | ६३ | | १४३० | यो नो दूरे अ | ८४ | यो यत्प्रतिब | १८०२ |
| यो देहमात्रा | ८९९ | | રદ્દે હર, | यो नोद्धतं कु | १०३७ | यो यत्र कर्म | १२३८, |
| यो देह्यो३ अन | ३७९ | 1 | रेंद्द ८५ | यो नोद्धतं जा | e ,, | " ' ' "' | |
| यो दैवो वर | १ ४ | | | यो नो द्वेषत्पृ | ४०७ | यो यत्र निपु | २३५• |
| योद्धव्यं तु त | | योधेश्चेवाभ्य | # ૨ ९४५ | यो नोपकर्तु | २००५ | 1 11 11 11 11 | २२१• |
| योद्धव्यं रक्षि | | योधी द्वी वर | २६७ १ | योऽपकर्तृश्च | | यो यत्र विदि यो यथा वर्त | २३३९ |
| | , , | | | · · · · · · · · · · · · · · · · · · · | 1708 | ापा यया वत | <i>२७५७</i> |

| _ | _ | | | . 4. | _ 1 | <u> </u> | |
|-----------------|------------------|------------------------|---------------|----------------------|-----------------------|-------------------|----------------|
| यो यद्यदुत्प | | यो रोहितो वृ | | यो वै पूर्वव | _ | यो हवे त्रीन्यु | ३६० |
| यो यद्वस्तु वि | | योऽर्जुनेनार्जु | १९०१ | यो वै प्राणः स | रे५३ | यो ह वै ब्रह्म | ३६२ |
| | २३३९ | योऽर्थः शत्रुवृ | १९२५ | यो वै राजा ब्रा | २९९ | यो हि कश्चिद्द्वि | १०८८ |
| यो यद्वस्त्वभि | #१७३५ | | १०७५ | यो वै रुद्र: सो | २५३ | | # १२९३ |
| यो यस्तेषाम | ६५१ | योऽर्थो धर्मेण | ६४८ | यो वै वरुणः | | यो हि कालो व्य | |
| यो यसिज्जीव | २०२८ | यो लोभान्न स | २४५१ | यो वै वाजपे | ,, १११ | यो हि तेजो य | २३८४ |
| यो यस्मिन्कर्म | २३२७ | यो वः शुष्मो हृ | ¥00, | | | यो हि दिष्टमु | २३७२ |
| यो यस्मिन्कुर | ५८६ | | ४६० | यो वै विष्णुः स | २४९ | यो हि दोग्ध्रीमु | १३१४ |
| यो यस्य गदि | १४९६ | यो वसन्तामि | ४२१ | यो वै श्रेयांस | ३३५ | यो हि धर्म व्य | १२०८ |
| यो यस्य देव | ९१२ | यो वा अनूचा | २६४ | यो वै संताप | २३७० | यो हि धर्म स | * ,, |
| यो यस्य भक्ति | २९०१ | यो वाजपेय | १११ | यो वै स धर्मः | ४३७ | यो हि धर्मप | ७६४ |
| यो यस्य हि द | २८३५ | 141 41 11/1/ | १४९६ | यो वै सवादे | ३२८ | यो हि नाऽऽभाष | १९४६ |
| यो यानैरद्भु | १९०२ | यो वान लभ | | यो वै सुपुष्ट | २५९५ | यो हि परम | २६७ |
| यो युक्तायुक्त | ९०१ | 1 11 11 11 11 11 | 4 १२१२ | यो वै सोमं वा | ११० | यो हि पापस | २४५० |
| यो युद्धे याति | २६७ २ | । या पानावना | ५४ | यो व्यंसं जह | ३७० | यो हि भृत्यो नि | 8000 |
| यो यो वर्णीऽप | ७१८, | | २१६६ | योषित्येव रू | ४२४ | यो हि मित्रेषु | १२९३ |
| | १९७६ | 1 41 71 71 71 76 | ३०० | योषिद्धोगोऽपा | २५०२ | यो हि राज्ये स्थि | १०५२ |
| यो यो वर्णोऽव | *७१८ | विश्व विश्व श्वापः । य | २०८९ | योषेव शिङ्क्ते | ४९२ | यो हि वंशंस | \$ 2८१७ |
| यो रक्षति म ७२ | | | १२४१ | योऽसी चेदिप | २४८५, | यो हि शत्रुंस | ,, |
| | १६२५ | यो विकर्मस्थि | ५९३ | | २९१७ | यो हि शत्रुम | १७६८ |
| योऽरक्षन्बलि | १३४४ | यो विचिन्त्य धि | ५३८ | योऽसौ शिष्यत्व | ६२८ | यो हि शत्रोर्वि | २०१५ |
| यो रक्षिभ्यः सं | ११०२ | यो विजिगीषी | १८८१ | यो३स्मान्द्वेष्टि यं | ७३,७४, | | १९०५ |
| यो राजंकोशं | १२१० | यो विद्याविनी | 900 | | હષ | यो हि स्वधर्म ७६ | • |
| | १३१५ | | १३७९ | योऽस्मिञ्जीवित | 42026 | | ८३० |
| यो राजभ्य ऋ | ३२ | | २०२९ | योऽस्मिन्नक्षीभ्यां | २९०६ | यो हृत्वा गोस | १३४६ |
| यो राजा दम्भ | १४९५ | 1.000 | | योऽस्मिन् यस्त्वा | २८५० | योऽह्राय सर्वे | ८२१ |
| यो राजानं न | १६१६ | यो विष्टभ्नाति | ,, | योऽस्य पुत्रः स | २६ २५ | योऽह्नि कुर्याद्र | २८९८ |
| यो राजा रक्ष | #१०६५ | 1 | १० | योऽस्य वे मुख | # 9 9 8 | यो ह्यधर्मम | ६६६ |
| यो राजा स पि | ७४७ | यो वेत्ति पुरु | १९९६ | योऽस्यां जनिष्य | ८३९ | यो ह्यनाढयः स | ६३०, |
| यो राज्ञो दम्भ | ६५३ | या वद मानु | २७०५ | यो३स्येशे द्विप | * ६१ | | १५०२ |
| यो राज्य आश | ३४९ | યાવ જરાયાઃ | ४५४ | योऽहं स भवा | १८३४, | यो ह्यमित्रैर्न | २०२० |
| यो राष्ट्रमनु | ७३६, | था व कारवाद | २३८७ | 1 | १९४७ | 1 | १६९३ |
| ~ ~ | १६,१४ १ ७ | imiaineen. | १६९१ | यो हन्यात्पित | १६६६ | l _ | ७९४ |
| यो राष्ट्रादप | ३३६ | को है जनम | २७६५ | यो हन्यात् सम | २७५७, | | ५५८ |
| योऽरिणा सह | १८९• | I ~ A ~ . | ३०० | | २७९३ | 1 | *588 |
| ` | | यो वैन देवा | १३२५ | यो हन्याद्विम | | यो ह्याद्रियेद्ध | |
| यो रोहितो वि | | , यो वै न पापे | | यो ह वाव सो | | यो ह्येवमवि | " २३८८ |
| | · | | | | 170 | 0.001/114 | ,,,,,, |

| यौगपद्यात्तु | . १२४८ ो | रक्ता कराली | २९९२ | रक्षन्तु सर्व | २५ ४२ | रक्षितं वर्ध १ | ३३४,१३३५ |
|-----------------------|---------------|------------------------|----------------------|-------------------|---------------|------------------------------------|--------------------------|
| यौ च तौ राज्ञो | १६२६ | रक्ताक्षः पिङ्ग | ७२७ | रश्चन्धर्मेण | ७०८ | रक्षितं व्यस | १२९७, |
| यो ते दूती नि | 2800 | रक्ता चैव म | १ ४७० | रक्षन्नक्षयि | ६३१ | | १२९८ |
| | | रक्ता चैव वि | . २९९७ | रक्षन्नाश्रमि | a ,, | रक्षितव्याः प्र | १०३५, |
| यौधाः कुब्जा वा | १४६•, | रक्ताद्वृत्ति स | १७१८, | रक्षन्प्रजाः प्र | ६१६ | | ११२३ |
| | २५७३ | | १७२८ | रक्षत्राज्यं बु | #804८ | रक्षितव्या प्र | ११•४ |
| यौनाः श्रौतास्त | # १२४० | रक्तानां वा शे | । 🚜 ६०७ | रक्षत्राष्ट्रं बु | " | रक्षितव्यो र | २७७५ |
| यौनानुबन्धं | १८३२ | रक्तानि वा शे | | रक्ष मां रक्ष | २५३८, | रक्षिता जीव | * ११७६ |
| यौवनं जीवि | -११४१ | रक्ता मालांग्र | ,, २ ९९ ५ | ৰ | १५४६,२८९२ | | |
| यौवनं प्रति | ८३७ | रक्ताम्बरध | રહ १ ७ | रक्षमाणैः सु | #2020 | रक्षिता तद्ध | 4886 |
| यौवनस्यं च | १२८४ | रक्ताद्रेवस | १५०६ | रक्षया तच्छ | ५९७ | रक्षितात्मा च | #९६८, |
| यौवनानि म | २४७७ | रकाशोक्स रक्ताशोक्स | २८७६ | रक्षया स हि | ५७९ | | \$? • 0 Y |
| यौवनेन म | २१४९ | रक्ताश्च नाभ्य | ५७२ | | ७४६,१३६२ | रक्षितात्मा तु | |
| यौवनोत्सेका | १००८ | रक्तासिताद्या | 24.89 | रक्षयित्वा स | ७२९ | | १०७४ |
| यौवराज्याभि | * ₹९४१ | रिक्तकादल | १३७२ | रक्षसांत्वाव | | रक्षितारश्च | १२४६ |
| यौवराज्याय | २९३७ | रक्तिकायाश्च | ,, | रक्षसां भागो | २५४७ | रक्षिता वृत्ति | ७३९ |
| यौवराज्येऽथ | ८६३ | रिक्तत्रयं तु | १३७१ | रक्षसाऽपह | १३२७ | रक्षिता सर्व | ११७६ |
| यौवराज्येन | ८५९ | रक्तिमात्रः पु | १३७३ | रक्षसामसु | *१६१७ | रक्षितास्तद्ध | ७४३,१४१८ |
| यौवराज्येऽभि | ८४५ | रक्तेश्च कुसु | २९०८ | रक्षस्यात्मान | ५४९ | रक्षिता खस्य | ११७६ |
| यौ समेयाऽऽस्थि | १६१८ | रक्तोष्णीषाश्च | २४८७ | रक्षस्व धर्म | * 384° | रक्षितो राजा | ९६ ९ |
| रक्तं दग्धं गृ | २५१० | रक्षका वस | १४९५ | रक्षां मन्त्रस्य | | रक्षिष्यन्ति च | ७२८ |
| रक्तं निवस | २५०० | रक्षणं च कु | १८०५ | 1 | | रक्षेच सर्व | <i>७</i> ४४ |
| रक्तं पीतं व | १३७३ | रक्षण चैव | ५७७५ | रक्षां राजा प | | । उश्लेच्हरू प | ११६४ |
| रक्तः शुक्रश्च | २८४५ | रक्षणं सर्व | • | रक्षांस्यपाव | १६२२ | TOTAL TOT | ८८५ |
| रक्तः श्वेतोऽरु | २८३८ | • | १०७९ # ५९७ | रक्षांस्यपि हि | • | 2-6- | १३९३ |
| रक्तचन्द्न | २९४४ | रक्षणात्तच्छ | | रक्षांस्युपाव | *१६२२ | | |
| रक्तचित्रेण | १४९६ | | ७१०,१४१० | रक्षातिक्रमे | २२९५ | उधेत्मपतना | |
| रक्तपट्टान्न | १४९५ | रक्षणार्थाय | १५०५ | रक्षाधिकर | १०७५ | ਭੂਬੇਟਸ਼ਟ ਹੁ ਵੇ | • ,, १५६९ |
| रक्तपद्मारु | #3938 | रक्षणीयं स | ११२४ | रक्षाधिकारा | ८१८ | रक्षेत् स्वदेहं | २६२ <i>१</i> |
| रक्तपीतसि | १३६९ | | ७ ९६९ | रक्षाभ्यधिकु | १३८६ | रक्षेदायुक्त | 997 |
| रक्तपुष्पद्रु | २५०३ | 1 | " | रक्षामेव प्र | ५७० | | |
| रक्तपुष्पारु | २९२१ | रक्षणीया वि | ११०४ | रक्षार्थ मनु | २५४८ | रक्षेदेवाऽऽत्म रक्षोघ्नं कृत्या | |
| रक्तवस्त्रकु | २५४६ | रक्षत्यपि च | ७९० | रक्षार्थमस्य | ८०८,८३० | 1 , 5//3/ | |
| ्रक्तवस्त्रप | २९८२ | रक्ष त्वमपि | २०३२ | रक्षा विधेया | | A control to | |
| रक्तवस्रावृ | २८३३ | रक्षष्वं मां म | # २५ ४० | रक्षिका देव | • • - | 1 | |
| रक्तवासाः पि | २४९९ | | 880 | | १ ४९६ | 1 /201 (11-4) | वे " |
| रक्तवृष्टिश्च | १९९५ | | | रक्षिणां ह्यात्त | • • | 1 | १४७९ |
| रक्तश्वेतस | ं २६५२ | | २५४४ | रक्षिणामवा | २३२६ | | १३९७ |
| रक्तां कृष्णां स्त्रि | २९८२ | 'रक्षन्तु मां म | २५४० | रक्षितं रक्षि | १५९८ | 1 | १४६८,२९२१ |
| | | | | | | d, | |

| रक्षोभूतादि | #8866 | रज्जुश्च रक्ता | २८३६ | रत्नश्रेष्ठत | १३७० | रथः शरीरं | १०४३ |
|---------------------|-------------------------|-----------------------------|-----------------------|-------------------|---------------|--------------------------|----------------------|
| रक्षोयश्चादि | * 2९२१ | रज्यते सत्फ | ७६५ | रत्नश्रेष्ठो दु | ,, | रथगत्या स | १५२५, |
| रक्षोहणमि | २९०७ | रञ्जनात्खळ | ७८१ | रत्नइस्ताः ग्र | २५१४ | | २३४२ |
| रक्ष्यं बालध | १०२३ | रञ्जयन्प्रकृ | ८४५,२४५०, | रत्नांग्रुदग्धं | | रथचक्रेण | २५३३ |
| रक्ष्यमाणः सु | २७२० | | વ ૮ ૧ પ | रत्नाकरस्य | १९५५ | रथचक्रोद्ध | २९५० |
| रक्ष्यमाणा न | ११०४ | रञ्जयिष्यति | ७३८ | रत्ना च यद्वि | ४५९ | रथचकोद्भ | * ,, |
| रक्ष्यमाणा य | १०१३, | | १३६३,२८३१ | रत्नादिश्चो घ | २३३९ | रथचर्यासं | १४४६ |
| | १०१४ | रिज्जताश्च प्र | ७८०,७९३ | रत्नानां लक्ष | १३६३ | रथनागाश्व | १५१४ |
| रक्ष्यमाणो म | २७२० | रटन्ती शान्त | - | रत्नानां संप्र | # ७३९ | रथनेमिनि | २७०४ |
| रक्ष्यरचेव प्र | १९५८ | रणतीर्थे प | २७८९ | रत्नानां सर्व | १४६४ | रथपतिर्य | १४९२ |
| रक्ष्यसे तेन | २०५० | रणप्रस्थान | २५०९ | रत्नानां खर्ण | २३४२ | रथमश्वग | २८४९ |
| रक्ष्याः स्वेभ्यः प | २५६७ | रणप्रयः सा | १९६१ | Course are | १३८३ | रथमुख ओ | 3 3 6 |
| रक्ष्या देव्यः स | १ ४७७ | रणयशे प्र | २३५५ | | २८२४, | रथयात्राव | २८९६ |
| रक्ष्या हि राज्ञा | ६६० | रणादु भन्नो | | | २८२५ | रथयुद्धं स | २७०१ |
| _ | | रणार्जितेन | ं२८२३ | ारलाम्य त्रव | २९०९, | रथवा ज्यस्त्र | 4868 |
| रङ्गभूमी दि | २८६१ | | २६ ९२ | 1 | २९८३ | रथवाहणं | *8 % |
| रङ्गसीसे द्वि | १३७४ | 1 - | | 1 (1 (1) 3 4 1 | ७३९ | | A0 20 |
| रङ्गस्थानं तु | २८६० | रणे प्रसोद्धं | २४२३ | | २८३० | रथवाहनं |)) |
| रङ्गोपजीवि | २८६ १ | I | | 1 | १३७६ | रथव्यूहेन | २७२४ *2848 |
| रचयञ् शोभ | २५३१ | 1 | | 1 2 | १९५५ | रथश्च सम्य रथस्थाने ह | * २९४१ |
| रचयेदुत्त | २७५१ | 1 | * 3833 | 1 . | २९८३ | रथसाग ह | २७३३, २७४० |
| रजः प्रशान्तं | २४५३ | 101 2000 | ा २ ४८५ | 1 . | १३७३ | रथस्य चाश्वा | २७ ३ २ |
| रजतं वा सु | १२९२ | 1 13 17 | २७६८ | : रत्नै: प्रशस्तै | २८२९, | रथस्य त्वक्ष | २८७५ |
| रजतं षोड | १३७४ | 17-13 -11-1 | २७९५ | | २८३० | रथस्य सारं | १५२५, |
| र्जतिमव | २४८३ | 1 / 1 / 1 / 7 | २७९६ | रत्नैः सर्वेर | २९८३ | (44 0) | २३४२ |
| रजतस्य सु | १३८२ | रणे हत्वाऽि | पे २७८६ | रत्नैरलंकु | २८८४ | रथांश्च संस्पृ | २८८६ |
| रजतस्वर्ण ११ | ४४,१८४३ | रतिपुत्रफ | ५५२,१ १९९ | , रत्नैराग्रः शि | <i>૨</i> ૧૭५ | 1 | |
| रजन्याः प्रथ | २४७ १ | " | १२३०,१५७९ | م مدا | २८८८, | रवायु । अयु | १५२७ |
| रजसा वाऽथ | २९२७ | रतिप्रियः सु | • | ı | રે ૧૪૫ | 1 | \$0\$ |
| रजस्तछोक | १९०६ | | | 1 | २९४३ | 1 | २७३२ |
| रजस्तुरं त | ४७२ | | ₹ ९४४ | 1 2 22 | १५४२ | | २७२३ |
| रजस्तु लोक | * १ ९ ० ६ | | | . • | २८३३ | 1 ' ' ' ' ' | ४७६ |
| रजस्बलाभि | ११६३ | ١ . | _ | रत्नेश्च पूज | | रथानां पार्श्व | २७३३, |
| रजोवृतादि | 2883 | 1 | ₹ ,, २९५३ | | २८२१ | | २७३५ |
| रज्जुब्छेदे प | २० २५ २८६४ | 1 | | 1 | | रथानां वाजि | • २६८४ |
| रज्जुभि: पञ्च | २८७८ | 1 ,, , ,, ,, | १३७५ | | २७५३ | 1 | 2513 |
| रज्जुवर्तकै | २२८५ | 1 | १५१ १ | | ७६,३३७ | | #२६८४ |
| रज्जुवलन | | ्रारत्याम यु रत्नशोभा स् | \$808 \$ | 1 | २३६९ | 1 | ५७४, |
| . 4 | 1709 | . । रत्यसामा १ | ५ २९९८ | १ रथः कार्यस्त | २६७१ | 1 | १ ५०० |
| | | | | | | | |

वचनस्ची

| रथानामयु २७०९ | रथौघमेघ २९४९,२९७५ | रवेस्तु वर | रहःप्रचार ९३३,९३९, |
|---------------------|-------------------------------------|----------------------|---|
| रथाभावे तु २७३३, | रथ्याकर्दम २५१४ | रबौ स्वातिम प११ | , १६० ५ |
| २७४० | 1 | रवौ हरिस्थे २८५९, | रहसि च नृ १८२७ |
| रथाश्वं प्राशं १७०८ | रध्यासु कुट २३२४ | २८७७ | रहस्यमेद १६०२ |
| रथाश्वं हस्ति २८१९ | | रिमग्रहण २६७१ | रहस्याख्यायि ९४८,१६५३ |
| रथाश्वग्ज १५१४,२७१८ | रन्ध्रे सूत्रनि २९०० | रश्मिवतामि #२३५४ | रहस्येन प्र २१३८ |
| रथाश्वगोग : १८४२ | 1 ' ' '' | रश्मीनां व्यति २४८३, | रहोगतस्य १७१३,१७१७ |
| रथाश्वनौकु २५८५ | 1 1 1 | २९१ ६ | रहो विसर्ज २८७९ |
| रयाश्वबहु २४५७,२६०२ | रमते निन्द १०३६, | रश्मीवतामि २३५४ | राक्षसाधिप #१६६७, |
| रिथकानीक १७०१ | २९ २८ | रसं सर्वमु २४५३ | १७६६ |
| रथिनः पत्त २७११ | रमते निर्द | रसिकयाश्च १९८० | राक्षसानां व १७६६ |
| रथिनः सादि १५४२ | | रसगन्धीष १३८२ | राक्षसानाम २४९७ |
| रथिना चर २७७४ | रममाणः श्रि २००९ | 1 | राक्षसान्तक २९९० |
| रथी च रथि २७५८, | रममाणा ह २८६२ | 1 | राक्षसा यत्र २९२७ |
| २७८७ | रममाणो न ८६७ | रसवती र २७४ | राक्षसाश्च पि ७४१ |
| रथीतमः र २४१,२४४ | रमयन्ति वि २६९३ | रसवतीरि २६९ | राक्षसाश्च प्र २९२८ |
| रथीव राज १८६० | रमस्व योषा ६४९ | रसवन्ति च २९२८ | 1 |
| रये अक्षेति २९५१ | रमामि स्म पु *१०९१ | रसविद्धेन २१११ | |
| रथे गजेऽश्वे ११८२ | रम्भा चैवाङ्कु १४६७ | रसवृद्धीर | राक्षसेन्द्रवि २५०१ राक्षसे विप २८४२ |
| एथे च कुज्ज १०१२ | रम्यं पशब्यं #१४५८ | रसस्य तु २२७३ | राक्षसेवाऽपि २४९९ |
| रये तिष्ठन ४९३ | राके प्रशास | रसस्य नीला ९८७ | रागद्वेषवि ७४०,२८२८ |
| रथे तिष्ठेति | रम्यं यशस्य 🛊 ,, | रसस्य मध्ये ९७४ | रागद्वेषण १२५५ |
| रथेन खर २४९९ | | रसस्य राजि 🛊 ९८३ | रागमानम १२६२ |
| रथेन चर २७९४ | रम्यमानत १४१७,१४५ र, | रसस्य राजी 🗱 🤸 | रागात्कोधाद्ध २३९४ |
| रथे नागे त ९५९ | १४६० | रसस्याऽऽढकं २३०८, | रागानुरक्त |
| रथेमाश्वप २७५३ | रम्यस्थानस्थि २५३१ | २३१२ | रागानुरागौ *१७२६ |
| रथे रथे ग २६७१ | रम्यां वसति २१८४ | रसाः सर्वे क्ष ६०० | रागापरागी ७४८,१६५५, |
| रथे रथे र २६७२ | | रसामियोगे २६३१ | १६७६,१६७८, |
| रथेऽश्वे कुझ | १४२० | रसाञ्जनं भ १४६७ | १६७९,१७१४, |
| रथैरनेक २७१३,२७१४ | | रसानाशय २९३२ | १७२६,१७४४, |
| रथैरवम १५३९ | रयुतं स्त्रीगी २६९४ | रसाय त्वेत्ये २९१ | १८०५ |
| रथैईयैर्ग २७५३ | रय्या वर्चसा २४६ | रसायनप्र २४७३ | रागा रङ्गव २९९९ |
| रथोद्रहन | | रसालवृक्षः १४७५ | Tille Times |
| रथो बलं स १५४२ | 2986 | रसैस्त्वामभि २/८१ | |
| | 1 | रसो गोरोच #२९४१ | |
| | रविसुतकु २४६८ रवेः प्रियं र १३६९ | | १७९९ रागे दर्पे च ७३६,७४९ |
| | • | | |
| | 1131 | रण गार्च ५३४. | रागापरक्त १२६२ |

| राघवश्च म | २४९८। | राजदण्डभ | ५६१,७२७, | राजधानी तु | १४९३ | राजपुत्रः प | १०१४ |
|-----------------|----------------|--------------------------|---|----------------|--------------------|----------------|--------------------------------------|
| राघवस्थाभि | * ₹९४१, | | ,७६२,७७९, | राजधानी द | " | राजपुत्रः सु | 48088, |
| • | ૨ ९૪५ | • | ८३० | राजधान्यन्त | | | १०१५ |
| राघवाद्धि भ | २५०० | राजदण्डैश्च | १४९३ | राजधाम तु | ,, १ ४७९ | राजपुत्रमा | ८४९,१२८४ |
| राघवाय द | २९ ४५ | राजदण्डोन्न | १ ४९४ | राजधामाप्र | 1860 | राजपुत्रर | ६६९ |
| राजंस्त्वामभ | १२११ | राजदण्डो भ | १४९५ | राजनामा च | क्रदेश | राजपुत्रस्य | क्षर०११ |
| राजकर्म सां | २८५६ | राजदुर्गाव राजदुर्गाव | १२१ ३ | राजनि च द | * १० २९ | राजपुत्रानि | ८४१ |
| राजकर्मसु | *१७१० | राजदूतक | १ ३६१ | राजनि च प्र | " | राजपुत्रा म | १०१३, |
| राजकाण्डे म | १४९३ | राज दे वाद्य | २ ९७५ | राजनि स्थाप्य | 2333 | | १०१५ |
| राजकाण्डेश्च | " | | | राजन् किमन्य | ५६० | राजपुत्रा वि | ८०४ |
| राजकार्योप | २३४३ | राजदोषा हि | | राजनात्मान | ૧૨ ૧૫ | राजपुत्रैर्म | १०१३ |
| राजकीयं ली | १८४७ | राजदोषेण | ५५७,२३८० | राजन्निःसंश | १८९८ | राजप्रणिधिः | ६६९ |
| राजकीयं स्मृ | १८४८ | राजदोषैर्वि | • | राजन्नित्यं स | १८८७ | राजप्रेष्यं कृ | #4८६ |
| राजकुले तु | ८६० | राजदौष्ट्याच | | राजन्पुत्रस्य | १०११ | राजप्रैष्यं कृ | · ;; |
| राजकृत्यं से ९६ | ६३,११४८, | राजद्रव्यं च | १३ ६२ २२२२ | राजन्य एव | ४२४ | राजभागस्तु | १३७६ |
| | १७९८ | राजद्रव्याणा | | राज३न्यं ग्राम | | राजभागादि | " |
| राजकृत्यं हि | ७३३ | राजद्वारं तु | १४९४ | राज३न्यं भृति | | राजभिः कृत | . #६६५ |
| राजकृत्यमु | १७५०, | राजद्वारेऽन्य | | _~ | ,, ५७०,७९०, | राजभिः पीरि | इं ६३४ |
| _ | १८३८ | राजद्वारे पु | २९२६ | ì | ११७४ | राजभिर्धृत | ६६५,१९६८ |
| राजकोशस्य | १२१०, | | | । राजन्यस्मर | ९५७ | राजभोज्यानि | |
| | १३१६ | 1 | १०६० | राजन्यवास्य | ८०२ | राजमध्ये प्र | ८३९ |
| राजकतुरे २४ | ५२,२५५१ | राजद्वेषी चा | १९५८ | राजन्यो बन्धु | १९८ | राजमन्त्री स | १२८१, |
| राजक्रीडाभा | २६४८ | राजद्वेषी त | १९६१ | 3 | | | १८०९ |
| राजक्षेत्रेण | १४९३ | राजधर्म पु | २७५ ९ | राजम् राशा र | | राजमहिषी | १०२९, |
| राजगामी नि | १३५६, | | ७४८,७८६ | राजन्त राशा | १०६८ | | १२२७ |
| | १३५८ | राजधर्मप्र | *१६१७ | राज्यसम् | २८४८ | राजमहिषीः | # १० २९ |
| राजग्रहं स | १४८४ | | | 16/20142-1146 | १४९४ | | 米); |
| राजचिह्नानि | २८८४, | | १६६७,१९११ | 1 11 11 15 11 | १४९७ | | |
| - | २८९१ | | १४१७ | 1000000 | २६ २२ | | १४५० |
| राजचिह्नार्च | २९०९ | | ५७१ | | १०२९ | | १४८९ |
| राजच्छत्रद्व | १४९४ | राजधर्मान | १०६७,२३८० | राजपरिग्ट | १६१० | | |
| राजच्छत्रमि | १४९५ | राजधमन्प्र | ६८२,७८१ | राजपरिग्र | २३२५ | | * \$ \$ \$ \$ \$ '' |
| राजच्छत्रान्त | १४९४ | राजधर्मान्वि | | राजपात्रमि | २८३२ | Contained | * \ |
| राजच्छत्रैक | १४९५ | 1 | | राजपीठ इ | २८३५ | 1 | २२७ ९ |
| राजच्छत्रैस्तु | १४९३ | 1 | ,, <i>ও</i> ২ ৬ | 1 | |] · · · · · · | 288 |
| राजतः कीर्ति | | 1 | | | ,, | राजमूलमि | |
| राजतानां वि | | राजधर्मेषु | ५७०,११७४ | | " | राजमूला इ | * ६३ * |
| राजदण्डत्र | | राजधर्मेव | | राजपुत्रं त | | राजमूलाः प्र | |
| राजपुर्वन | 6868 | । राजधर्मोऽय | ७२२ | राजपुत्रः कृ | १००९ | राजमूलानि | ६३४ |

| | | | παÌ | राजा कालो यु | 1.888 | राजा तु जन्म | प ११ |
|----------------------------|---------------|------------------|---------------------------------|-----------------|--------------|-----------------|--------------|
| राजमूला म | | राजशब्दिभि | . ५५ २६२२ | राजा काळा उ | | राजा तु त्रिवि | |
| राजमूलो म | | राजशरीरे | | राजा काशिक | | राजा तु धर्मे | ६६३ , |
| राजमूलो हि | | राजशासन | ९१३ | राजा किल मा | २६२२ | (141 % 4.1 | १३०९ |
| राजयक्ष्माभि | २९१८ | राजशास्त्रप | ५३१,५७० | राजा कुरूणां | 1 | ਸਤਾਰ ਬਾਇੰ | • |
| राजयानारू | | राजशास्त्रवि | *१६१८ | | | राजा तुधार्मि | |
| | १४२८ | राजश्रियाऽभि | | | | राजा दु मध्य | २७०७ |
| राजयुक्ताप | १२१० | राजश्रीभैव | २६७० | | - | राजाऽऽत्मदैव | |
| राजरक्षां प्र | ९८४ | | २७०,१७४८ | राजा कृष्टीना | | राजाऽऽत्मद्रव्य | |
| राजरक्षार | ९८१ | राजसंश्रय | १६६८ | राजा कौशिक | *१६०१ | राजा त्राता तु | *२३९६ |
| राजरथश्च | २९१३ | राजसत्कार | ७९७ | राजाऽऽक्रन्दाभि | | राजा त्राता न | , |
| _ | ६७५,१३९८ | • | ४६५,२९३५ | राजा गुणश | ११७५ | राजा त्वपरा | १८२९ |
| राजर्षभक | *१ ४६५ | | २९५१ | राजाग्निभय | १४७१ | राजा त्ववहि | ७१८,१९३७ |
| राजर्षयश्च | ६०७ | राजसूयाश्व | ५८८,६५८, | | ८४२ | राजा त्वब्यस | १५९२ |
| राजर्षयो जि | ५६ ० | │ ₹ | ,०४८,११०१ | राजा च जाङ्ग | १३८५, | राजा त्वशास | ६६५ |
| राजर्षयोऽपि | # ,, | राजसेवां त | १७१४, | | १४४१ | राजा दण्डध | ११०० |
| राजिंकुल | २८०४ | | १७१७ | राजा चतुर्थ | ६०० | राजा दद्यात् | २८५३ |
| राजर्षित्वेन | 466 | राजसो दामि | म ७६३ | राजा च प्रजा | १३११ | राजादनं क | १४६८ |
| राजशींणां च | ६११ | राजसो मान | | राजा च त्राह्म | ८२५ | राजादनाम्र | १४३१ |
| राजवींणां वृ | ६२९ | | • • • | राजा चरति ६ ० | ५,१६१७, | 1 | १४४३ |
| राजलिङ्गानि | २५०७, | 1 (1 4 (4) 2 4 4 | । १४९४ | | २३७९ | राजा दशर | १०३२ १०३२ |
| ., | २८८९ | 1 | | राजा चरेज | १६६५ | राजा दहति | |
| राजलीला न | | I KI ME THE OF | २६ <i>७१</i> , _२ ६७६ | राजा चरैर्ज | #१६५७ | राजा दायाद | १७१२ |
| राजवंशात्तु | ८४७ | राजहस्तद्व | २८४७ | राजा च सर्व | १०३२, | राजा दीर्घद | ११७१ |
| राजवर्षे मा | २२१ ४ | । राजहस्ताम | २८४७ | | १३६५ | राजा दृष्टिम | १८४५ |
| राजवश्यवि | | TTTTTTTTT | १४९६ | राजा चानुशि | १०२९ | राजा देशान्त | १७१२ |
| राजवस्याव राजविद्याप्रि | १२८० , ७५० | ਸਤਕ ਕਿ ਕਿ | २८८३ | राजा चारैर्ज | १६५७ | राजाऽऽदौ च | |
| | | | १४९६ | राजा चारण | ७ २९ | राजाद्यङ्कित | १८३८ |
| राजविवाद | १५६३ | राजहस्ते रा | | 16141 141 11 | ७९५, | 1 | र्च •२९५३ |
| राजविहार | ,, | 1 | ર | 1 | ८०५ | | ८२१ |
| राजवृत्तवि | * १६६७ | | २८४७ | | १६१७ | | *{\}\ |
| राजवृत्तानि | ६०८ | 1 | १४९३ | | २९५३ | | # ६६५ |
| राजवृत्तान्य | | 1 | १४९५ | 1 | २२ ९७ | | ७२९ |
| राजवृत्तिर | ६६७ | | १३६१ | | | | |
| राजवेश्मगृ | २९७ ३ | | | | ११४४, | | ६६५,८३३ |
| राजवेश्यागृ | * ,, | राजा कर्ता | च ६६६,८०५ | | १७४८ | 1 ~ ~ | ६८१ |
| राजव्यञ्जन | १२८ | र राजा कर्मा | ने १७१६ | राजाजां नाति | १७०८ | | # ५६७ |
| राजव्यञ्जनं | २६९५,२७५ | १ राजा कर्मस् | ु १७१ ० | | २७६३ | | ५६७,१०३६, |
| राजव्यञ्जनो | . २६१ | ३ राजा कार्यव | र ८२१ | राजा तदात्म | १३५५ | 1 | o43,8843, |
| राजव्यसन | १२८ | र राजा कार्या | णि १८२) | राजा तदुप | ७०४ | sl - | २३७०,२७९१ |
| • | • •- | | | | | | |

| राजानं त्वा दे १४ | राजा नीत्यां सु ६६६,८०५ | राजाभिप्राय *१८३७, | राजा वसेत्त १४७१ |
|---------------------------------|---|-----------------------|---------------------------|
| राजानं प्रथ ५७०,७९०, | | | राजा वा मृत्यु २९१८ |
| ११७४ | | | राजा वा म्रिय २८६९, |
| राजानं मां च १६४२ | राजानो न चि ८९,४७५ | | २९२७,२९२८ |
| राजानं ये ह्यु १७३० | 1 | राजा भोजो वि ८०१, | राजा वा राज ९२२,१७६८, |
| राजानं रक्ष २५४६ | राजानो बहु ६६५ | ८२१ | २४८४,२९१६ |
| राजानं राज ५४५,६५९ | राजानो राज ९५८,२४८५, | राजा मनीषी १०५२ | राजावासम २६२८ |
| १२०७,१२२३ | २४८८ | राजा माता पि ८०२, | राजा विजय ९४२,२८५२ |
| १६९०,२९३१ | राजानो लोक ६५३ | ८०४ | राजा विभूति १२५६, |
| राजानं वर्ध ६१६ | | राजा मित्रं के १३०२ | १६३७,१७८१, |
| राजानं श्राव २३९२ | | राजा मुखं म ७८९ | |
| राजानं सम २०४२ | | | राजाविरोधि १८३९ |
| राजानं सर्वे ८२१ | राजानैर्घत १५४३ | | राजा वृक्षो ब्रा ७२३ |
| राजानं स्वकु १०१५ | 7737 1777 3/9 | राजा मे प्राणी १८० | राजा वै प्रथ ७८९ |
| राजानः क्षत्र 🛊 २७५८ | TIST UTU S AS 219VV | 14 24 HH 15 W 2 10 6 | राजा वै प्रथि 🍇 ,, |
| राजानः पर्यु ५९० | & | राजा यत्कुरु ७२३ | राजा वै राज ११३,११४ |
| राजानः श्रोत्रि ९५८ | | राजा यत्तु व १७१२ | राजा शत्रुंज #२०४२ |
| राजानः सत्यं ९०,३९८ | 1 ~ • | राजा यथाहें १७१२, | |
| राजानः सन्तु २९३१ | | २३३९ | |
| राजानगच्छे *२१२१ | · 1 · · · · · · · · · · · · · · · · · · | राजा रक्षार #९८१ | ७४३,१४१८ |
| २१२ ८ | 1 2 | राजा रहिंस १४२४ | 1 |
| | , राजाऽप्यमित्र २८२४ | राजा राजका २८२७ | |
| २६३५ राजानमन्त्र २७०५ | | | १४६६,१४६७ |
| राजानमन्ब २७०५ राजानमत्र ७२९ | l | राजा राजतेः ७८० | राजा संशास २८२६ |
| राजानमभि ३५५,८२८ | • <u>1</u> | राजा राज्यम २०१४ | राजा सत्यं च ८०२,८०४ |
| २९३३,२९५ ३ | 3//4 | राजा राज्यमि १५५४ | राजासनच २८३३ |
| | | राजा राष्ट्रं य १३२३ | 1 |
| _ | l | राजा राष्ट्रानां ७ | |
| | 1 | राजा राष्ट्रेश्व २४४४ | राजा समुद्ध ११५८, १४३४ |
| राजानमुत्ति ९४४,११०४ | 1 , | राजार्थे तु या १२८४ | राजा सर्वस्ये १०२३ |
| राजानमुप ९९३ | 1 | राजार्थे कार २२२१ | राजा सर्वी=ग १∨१/ |
| | राजा बल्यर्थ १३६१ | राजा लक्षण १०४५ | |
| | 1 | राजा लब्ध्वा नि १३५२ | |
| राजानश्च ये २४३० | 1 | राजा लोकद्व ७३५ | राजा स व्यस १५७८ |
| सजानक्चेन्ना ७१९,८१६ | | | राजा सहाय १४१७, |
| राजा नाम च ८१८ | | राजा वन्यार्थ १३६२ | १४६०,१४७४ |
| | राजा भवेच्छ ७४८ | | राजा सहार्थ १७६८ |
| राजानीक्षि १५८५ | ्रीराजाभिपन ८०१ | राजा वसुम ६११,७९७ | राजा सिंहास १८२५ |
| | | | |

ः वचनसूचीः .

| राजा सुकृत - २७८२ | राज्ञः परैः प | . ७९७ | राज्ञः स्वहस्त | ४९५१ | राज्ञां विनाश | * * \$ 50 \$ |
|-----------------------|-------------------|------------------------------|----------------------------|---------------------|-------------------|--|
| राजा सुप्तेषु ६६६,८०५ | राज्ञः परोक्षे | | राज्ञः स्वहस्तै | | राज्ञां विलास | २८४८ |
| राजा सुभाग ११४० | राज्ञः पापम | कुरहर७ | • | | राज्ञां विश्वासो | २१०६ |
| राजा स्नातः पु २९७३ | राज्ञः पुरुष | | राजश्च दद्य | | राज्ञां वै पर | *५६६ |
| राजा स्नातो म २९८० | राज्ञः पूर्वस्य | | राज्ञश्च न त १७ | 1 | राज्ञां वैश्रव | ८२३ |
| राजाऽस्य जग ८२७,८३० | राज्ञः पृथ्वीपा | ८९६ | राज्ञश्च सूत | ९५८ | राज्ञां श्रियं बु | *{ 8 } 8 |
| राजा स्वर्गम १०३२ | राज्ञः प्रख्यात | | राजश्च हि प्रि | २४३४ | राज्ञां सदण्ड | ७६६,१९८३ |
| राजा खलेख्य १८४४ | राज्ञः प्रज्ञान | १२४२ | राजश्चाथर्व | #१६१७ | राज्ञां सेनाप | क २३६१ |
| राजा खखाधी । १०३२ | राज्ञः प्रणाशं | २४६७ | राज्ञश्छत्रं वि | २८३६ | राज्ञा कोशग्ट | १४६२ |
| राजा स्वाधीन ,, | राज्ञः प्रतिकृ | २१९९ | राज्ञस्तस्माद | १७३८ | राज्ञाऽग्रमहि | *२८२८ |
| राजा स्वापत्स १३६६ | राज्ञः प्रत्यहं | ९४३ | राज्ञस्तस्य सु | ७३२ | राज्ञाऽग्न्यमहि | |
| राजा हि धर्म ६५७,७०१ | राज्ञः प्रबल | ११४१, | | ९९८ | राज्ञा च सर्व | २८१९ |
| राजा हि पर ८३२,९०३ | | १६०६ | | २९०९ | राज्ञा चाधिकृ | |
| राजा हि फल #७०१ | राज्ञः प्रमाद | . १०४९ | _ | १७१४ | राज्ञा चापस्य | १५११ |
| राजा हि मृत्यु #२९१८ | राज्ञ: प्रमादा | २१५४ | राज्ञस्तु मर | २८८३ | राज्ञा तु धारि | |
| राजा हि सर्वे ११९९ | L . | २८४९ | _ | ७४१ | राज्ञा तु रिक्ष | |
| राजा हि हन्या ५६६ | 1 | २८२८ | राज्ञस्तूपर | २९३७ | राज्ञा तु स्वय | ११२० |
| राजा ह्येवाखि ७९७ | (14) | १७१३ | राज्ञस्त्रिवर्ग | १२४४ | राज्ञाऽऽदिष्टं : | |
| राजेक्वाकुप्र २८५३ | Cition is an in | ५४३ १४३ | राइस्त्वा सत्य | १२ | राज्ञा धर्मप्र | २९२८ |
| राजेतरेवा १३०७ | 14. 25. | | राज्ञां कोशाश्व | २८४८ | राज्ञा नियोजि | |
| राजेति संच *८१८ | 1/120 21/11/ | ११९०, | राज्ञां च कार्थ | ९४२ | राज्ञा परीक्ष्यं | ७२० |
| राजेन्द्र पर्यु २०५४, | | १२३२ | राज्ञां च क्रम | १८४८ | राज्ञा पुत्रे च | |
| 2442 | 1 (10) | २९२१ | राज्ञां चतुर | १४३८ | | १८१४ |
| राजेव युध्वा ४५२ | 1 (141. 131 3) | #१ ४ १ ४ | राज्ञां चित्तप्र | २८३५ | राज्ञा पुरोहि | १६ १ ७, |
| राजैव कर्ता ६०८,६६६ | 1600 0000 | १३२० | 1 - | १०३१ | | १६२५ |
| ८०५ | 6141 aca 2 | ८५,१४२२ | राज्ञां तु प्रव | ७२९ | राज्ञा प्रतिष्ठि | ७८९ ७ १८,१९७७ |
| राजैवैन १ रा ३४९ | राशः धनाना | # २८०१ | | १५१२ | | २८७ |
| राजोपकोश १२१९ | 1 " | १६१९, २८०१ | राश दुरग राज्ञां दु सूत | ९५८ | | २३३८, |
| राजोपरिच २८६४,२८७७ | | *१७१३ | 1 | . ૧૭ ૭૪ ૫ | (141.1 4.3 | 2348 |
| राज्ञ एव रा ११३ | 1600 0000 | *<७५२ २३४६ | 1 . | १७६६ | राज्ञामाज्ञानु | २५३१ |
| राज्ञ एवाप ६०१,१०६८ | 1 44 44 44 44 | १८३४ | 1 | *२ ७६१ | ı | 636 |
| राज्ञः कार्ये प ९६४ | | १७१३ | 1 . | 2980 | राज्ञामात्ययि | ९४२ |
| राज्ञः कुलं श्रि १४१४ | 144 | | राज्ञां पूज्यत | | राज्ञामुपाय | * १७६ १, |
| राजः कोशक्ष १३२१ | | ४४°४५ ८९,१४२५ | | २८२९ | | *{\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\ |
| _ | 1 | ८ ५, १० ९ १ २ ३ ६८ | | २५५० | 1 | |
| | र राज्ञः स्यादायु | ६८१ | 1 | ५७० | | १७६१,१९०९ |
| | राज्ञः स्वधर्मः | | राज्ञां राष्ट्रक | | | ८४८ २८३५,२८४ १ |
| राज्ञः परीक्षे *१२५५ | X I | , , , , | ,, <u>v</u> e. | ~// | 1 (1217414 | 10 4174084 |

| राज्ञा यच्छ्रावि | | राज्ञोऽन्यः सचि | १४०७, | राज्ञोऽवश्यत | १७४७ | राज्यं पालय | 985.888 |
|--------------------------|----------------------|---------------------------------|----------------------|-------------------|------------------|----------------------|---------------------|
| राज्ञा यत्नव | १५१२ | 1 - | २३३० | | २९२३ | राज्यं पालिय | ११०४ |
| राजा युद्धाय | १५४२ | 1 ' | १२०२ | राज्ञो विनाशे | २९२८ | 1 | |
| राज्ञा राजस | १४८६ | | १४३८ | | १४९४ | | ८५९,८६२ |
| राज्ञा राजान | ५२७ | | •२३९६ | | १०८ | | २९८ <i>०</i> |
| राज्ञा राजैव | २७६६ | 1 1 | २८८३ | राज्ञो वृत्तानि | ७ १ २ | 1 . | |
| राज्ञाऽवज्ञातो | १२०० | राज्ञोऽपि दुर्गु | ११४६ | | ७३९ | 1 | १६४१, |
| राज्ञावरुद्ध | ,, | राज्ञोऽपुरोहि | १६२५ | राज्ञोऽस्थाने कु | ११६२, | | १७६३ |
| राज्ञा वा सम | ५८० | राज्ञो बलं न | १४९२ | 1 | १७५९ | | |
| राज्ञा विहीना | ८०१ | राज्ञो बलं व | २३९६ | राज्ञो हि क्षीय | २३ <i>९</i> ६ | 1 | |
| राज्ञा संवृत | १७८० | राजी बलिदा | * १३०३ | राज्ञो हि दुष्ट | ८९६ ८९६ | 1 | |
| राज्ञा सप्तेव | ११६५ | राज्ञो भायश्चि | ६०८ | राज्ञो हि प्रति | ८ ५५ ८ ०५ | · • | |
| राज्ञा सभास | १८२०, | राज्ञोऽभियोगा | २७६ <i>१</i> | राज्ञो हि मन्त्रि | १६२८ | राज्यं वाऽप्युग्र | |
| | १८२६ | राज्ञोऽभिषिक्त | २७५ <i>६</i> १२२८ | राज्ञो हि रक्षा | | 2. 4 : | |
| राज्ञा सर्वप्र | ७४०, | राज्ञोऽभिषेक | | 1 | १४०८, १९,२३३० | राज्यं वै पर | |
| | ७४३ | (शिक्षाकायम | २८४१, | राज्ञो हि व्रत | ९२, ५२२० ११०४ | 1 | ५६६ |
| राज्ञा सहायाः | १७११ | राज्ञोऽभिषेकः | २९५५ | राज्ञो हि समु | १२०३ | 1 | २०३३ |
| राज्ञा सेनाप | २३३९, | राज्ञाञाचनम् | २५४६, | राज्ञीह्मयं स | | | ५७१ |
| ^२ २३६ | ६१,२३६८ | राज्ञो भेतव्यं | २९३१ | | ७२७ | राज्यं स्थिरं स्थ | |
| राज्ञा खहस्त | १८४८ | राज्ञा मतस्य राज्ञोऽभ्यन्तरो | 202 | राज्यसि प्राची | ७६ | राज्यं हारित | #१५ ४७ |
| राजा हि पूजि | <i>ا</i> د ه د ام | | १५५४ | राज्यं कुरूणा | ८४२ | | ५७१ |
| राशि धर्मिणि | ६८१ | राज्ञी महातम | # ९ ५,० | राज्यं कुर्वन् सु | ७३० | | २९१५ |
| राज्ञि रक्षिते | | , , | " | राज्यं च जीवि | १९४५ | | १२८३ |
| राश रावत राज्ञीपुरोहि | ९९७ | राज्ञो मुकुट | २९७५ | राज्यं चाप्युव्र | *२३८६ | | ८१,१४०३ |
| | | राज्ञो मृतस्य | १६३७ | राज्यं चेदं गृ | | राज्यतन्त्रेष्वा | ", " |
| राज्ञे च दद्यु | | राज्ञी यज्ञिक | ७८९ | राज्यं चेदं ज | १६९३ | राज्यतुर्यीश | ११४७ |
| रांशे दत्वा तु | | राज्ञो यथाऽपि | #१६२६ | राज्यं चैव गृ | ८३७ | राज्यप्रतिसं | ६७३ |
| राज्ञे दद्युर्य | | राज्ञो यथा स | ,, | राज्यं तदेत | ८४२ | राज्यप्राप्तिं च | #280 |
| राज्ञे बलिदा | | राज्ञोयदाज | ६०९ | राज्यं तावत्पू | | राज्यप्राप्तिनि | १ २०५ |
| राज्ञे राजन्या | ३३२ : | एज्ञो यदि न | ११५५ | राज्यं तिष्ठति | | राज्यमण्डल | २९८५ |
| राज्ञो द्वितीय | ८५७ | ((ज्ञो यद् द्विप | | राज्यं तु पाण्डो | 1 | राज्यमप्राप्त | ٥٧٥ |
| राज्ञो धर्म न | | (ाज्ञी रहस्यं | | (ाज्यं दत्त्वा च | | (ाज्यमलक्ष्मी | *2904 |
| राज्ञो धर्मस्तव ' | १८२६ , | ाहो गजन | | ाज्यं दातेति | | (।ज्यमस्मिन् य | ₹ ४४ |
| राज्ञोऽधिकं र | १०२१ र | ाज्ञा राष्ट्रस्य | १४२९, | | | (ाज्यमुतसूज | १३२७ |
| राज्ञो नियोगा | 4044 | | | ाज्यं धर्मे च | | (ज्यमु वा अ | |
| राज्ञोऽनुग्रह | | ाज्ञो लञ्चन | १२०२ र | | | | ₹ ₹ ¥ |
| राज्ञो नु ते व | ४५ र | ाज्ञी वधं चि | | ाज्यं न प्राप्त | | ाज्यमूलमि ९ १ | |
| राजी नृतन | २९८४ र | | | | | ाज्यमेके प्र | १०५१ |
| | • | · •: •• | 70 8 4 1 K | ाज्यं नामेप्सि | ९१९।र | ाज्यलक्ष्मीस्थि | २५४४ |
| | | | | | | | |

| राज्यलब्धुश्च ८५८ | (राज्योपघातं १४२३ | राम षड्भाग *१४१८ | राष्ट्रं तवानु ५४६,६६१ |
|---------------------------------------|--|---------------------------|-----------------------------|
| राज्यवंशातु #८४७ | | राम संवत्स २४६१ | राष्ट्रें तोरणं २८७६ |
| राज्यविभन ८६०,११४७ | | रामसृष्टिश्च १४१५ | राष्ट्रं पश्चवः ३३६ |
| राज्यवृक्षस्य २१४७ | 1 - | राम स्नेहात् स #१६३६ | राष्ट्रं पसः ३४६ |
| राज्यसंवत्स प११ | 1 | रामस्य यौव २९४२ | राष्ट्रं पालय #६८१ |
| राज्यस्त्रीस्थान २१३५ | | रामाहाशर १८९८ | राष्ट्रं प्रजा ३३६ |
| ^ર ૨ १३६ | रात्राविन्द्रध २४८४, | रामाभिषेक २९४०, | राष्ट्रं प्रदीय १९५५ |
| राज्यस्थः क्षत्रि १०२७ | | • ,, | राष्ट्रं बलम २३९१ |
| राज्यस्य कर्ता ७८६ | 1 • • • • • • • • • • • • • • • • • • • | रामाभिषेके ,, | |
| राज्यस्य दण्ड ६१७ | | रामाभिष्टव २९४० | राष्ट्रं यच्छ्रेष्ठो ३३६ |
| राज्यस्य मूल १६५५ | रात्रावुलोको २४५९ | रामायाभ्यव ६५८ | राष्ट्रं रक्षन्बु १०५७ |
| राज्यस्य मूलं ८९९ | | रामेण संग २४९७ | राष्ट्रं वै राष्ट्र ३३५,३३६ |
| राज्यस्य यश ११४६ | रात्रिप्रेक्षायां २६६१ | रामो राजसु #८४७ | राष्ट्रं सजाताः ३३६ |
| राज्यस्य षड्गु २०७२ | रात्रिभागौ द्वौ २३१२ | रामो राजीव ८४७,२९३९ | राष्ट्रं सुरक्षि ५४४ |
| राज्यांशं वा स २८२५ | | रामो राज्ञः सु ८४७ | राष्ट्रकर्षी भ्र ७४९ |
| राज्याङ्गं तदु २८३९ | रात्री चान्द्राय २४६२ | रामो हाऽऽस मा २०३ | राष्ट्रकामाय ३३५ |
| राज्याङ्गद्रोहि ७४९,११६९ | | रायश्चेन्तती ४५१ | राष्ट्रगुप्तिं च १३८५,१३८६ |
| राज्याङ्गानां च #१४२२ | | रायस्पोषेण ३९० | राष्ट्रदाः स्थरा १४६ |
| राज्याङ्गानां तु " | रात्री दक्षिण २५१३ | रायस्पोषेणे २४५ | राष्ट्रपीडाक #१४१८, |
| राज्याङ्गानां व ११६९ | | रायस्पोभेति २९१० | 2228 |
| राज्यात्प्रच्यव १३२० | रात्री दृष्टे शु २५४३ | रावणं राघ २५०० | राष्ट्रसत्यवि २१४६ |
| राज्यात्स च्यव १४३९ | रात्री देयो ब २८७४ | रावणश्च म २४९९ | |
| राज्याद्धमीतसु १२५४ | रात्री न यज्ञ २८८६ | रावणस्य च २४१५ | `^ |
| राज्याद्भावो नि २३८९ | रात्री प्रजाग २८७३ | रावणस्य सु २४९९ | राष्ट्रमप्यति १३१६ |
| राज्याधिकारे ५६५ | रात्री भूतग २५४४ | रावणोन्छित्त १८७४ | राष्ट्रमस्मिन् य ३४४ |
| राज्यान्तक्र #१११० | रात्रौ विसर्ज २८७३ | राशिमूलमु २२८९ | राष्ट्रमुख्यान्त २५६५ |
| राज्यान्ते सैनि १४९३ | | राशिवर्धन २३८२, | राष्ट्रमेव भ ३३५ |
| राज्याभिषेक २५०५ | रात्र्यन्ते चत २९१७ | २६०३,२७७४ | राष्ट्रमेव वि ३४६ |
| 3003 | 1812991 4 11 7330 | राशिखरम २४७२ | राष्ट्रमेवासी ३३६ |
| राज्यायेत्येवै २९५ | 1/177 '11' | राशिस्वराः स ,, | राष्ट्ररक्षा स ७४५ |
| राज्यार्थे पाण्ड १८९४ | रामं रत्नम २९४५ | राशिखरे वि २४७३ | राष्ट्रस्य किं कु ८२४ |
| राज्येनामात्य १२१५ | 144 /444 | राश्युद्रमेना २४६८ | राष्ट्रस्य कृत्यं ,, |
| राज्ये निवेश ८४ | 1 (141) 114. | राष्ट्रं कर्णेज ११५२,१९८४ | राष्ट्रस्य यत्क्व ७९४ |
| राज्येनैवास्मि ३४५ | Man Kara is | राष्ट्रं च कोश १३१७ | राष्ट्रस्य संग्र १४०४,२३२९ |
| राज्ये प्रकृत ११६ | | राष्ट्रं च पीड २००५ | राष्ट्रस्थैतत्कु ७९४ |
| राज्ये स्थितः पू ८५० | 1' | राष्ट्रं च येऽनु १०७२ | |
| | 1 | | राष्ट्राणि वै ध ३६० |
| · · · · · · · · · · · · · · · · · · · | 11/11/5/2 | ,, ^V , a | (//\frac{7}{2}, \tau - 1 \) |

| राष्ट्राणि वै वि | ३५९ | रिपुनिघन | २४६६ | रुक्मिणी देव | દુષ્ | रुद्राणामिव | ⁻ २३५६ |
|--------------------------------------|-----------------|-----------------------------|--|------------------------------------|---------------------|--------------------------------------|-------------------|
| राष्ट्राण्येवैनं | | रिपुप्रपीडि | १९ ४४ | रुक्मिणी सत्य | २९९ १ | l | २८ |
| राष्ट्राद भीक्ष्णं | २५८६ | रिपुबलमु | २४६५ | रुक्मो होतुः | ३२६ | | २८९९ |
| राष्ट्रादायात | १३८३ | रिपुराष्ट्रे प्र | २१४६ | रुचं नो घेहि | ४१२ | | ₹००१, |
| | .९५,१९७८ | रिपुरुच्छेद | १८७० | रचं ब्राह्मं ज | ८१ | ł | ०२,३००३ |
| | ३६,१४१७ | रिपुर्देष्टा दु | २३९८ | रुचं विश्येषु | ٧ १ ٦ | रद्राय काल | २९८८ |
| राष्ट्रान्तपाला | ર ે પહેલ | रिपुवंश्येन | २१७६ | रुचकं चोत्त | १४७१ | रुद्रास्ते देवा | ७७ |
| ्र राष्ट्राय मह्यं | ९३ | रिपुस्थानेषु | १८८८ | रुचकैः पारि | १४७५ | रुद्रास्त्वा त्रैष्ट | २२८,२३२ |
| राष्ट्राव्यपेत | # १६८१ | रिपूणां निम्र | १८•५ | रुचिकं खस्ति | २९८२ | रुद्रास्त्वा दक्षि | २४१ |
| राष्ट्रे खळु वा | ३३६ | 1,0, | • १५१३ | रुचिमत्कुच | २६ ९३ | रुद्रेणार्धक | ६६ |
| राष्ट्रे चरन्ति | रस्य ८०२ | 1 - 1 | , (c . (a 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 | रुजन्द्रुमान्प | २०४९ | रुद्रेभ्य इति | २९२४ |
| राष्ट्रेण राजा | १३२३ | रिपून् विजित्य | ,११७५ अध्यक्त | 1 | १४७० | रुद्रो देवी च रुद्रो देवी स | १४७९ |
| राष्ट्रेणैव रा | ३३६ | । (दुर्द । नाजान | २५ ३ ७, | 1 | # \$ & @ o | रुद्रा ५५। स | # ,, "2066 |
| राष्ट्रेणैवास्मै | ३३५,३३६ | रिपून् विनिध्न | २८९२ २५४५ | स्तज्ञः सर्व | १६९५ | रश्रामणाण | # २९५५ , |
| राष्ट्रे तु येऽनु | #8002 | | | रुतज्ञा सर्व | २०३४ | रुद्रो वे कूरः | २९७६ |
| राष्ट्रे जनउउ राष्ट्रे नित्यं प्र | १ ७५४ | रिपोः प्रजानां | १९४४ | रु तदीसश्च | २५०८ | रुद्रा व कूरः रुद्रोऽसि सुरो | ५२६ २९९ |
| ** | २८७३ | रिपोः प्रमध्ना | २४६९ | रुदन्ति दीना | २४९४ | रुप्राउति <u>धुरा</u> रुघिरपीत | |
| राष्ट्रे पुरे च | | रिपोः शत्रुप | १६८१ | रुदन्तो वा ह | २९२३ | | २५२२ |
| राब्ट्रेब रक्षा | \$8800 | रिपोर्मित्राः से | १७४१ | रुद्धमेकाय | २३८६ | रुधिरविला रुधिराज्यार्द्र | २५४९ ३००२ |
| राष्ट्रे खपति | ६०२ | रिपोर्विनाश | २१७ ६ | रुद्र इत्यबु सर्वे उपन्य | . ५२६ | रुषिरेण प | |
| राष्ट्रोत्थकर | १९५५ | रिपौ मित्र स | १८२७, | रुद्रं दृष्ट्वा ब रुद्रः पिनाक | # १ ५०५ | | १५०६ |
| राष्ट्रोपघातं · | # १४२३ | 1 | १२८,२३४४ | रुद्रः सराम् रुद्रः शरव्य | २८७० | रुमायां वर्त स्थादशास्त्र | २८०४ |
| रास्ना चैव कु | # १४६७ | रिरिचान इ | ₹ १९ | रुद्रः शरव्य रुद्रखड्गन्न | ४९९ | रुशदश्चाद्ध च्यो च्योन | १५०७ |
| राहुः केतुर्ग | २५४४ | रुक्ता कराली | * ₹९९२ | रद्रज्ञाम रद्र जलाष | १५०५ ४६१ | रुहो रुरोह | ६९ |
| राहुश्चाप्यप २४ | | रुक्म आहव | ३३४ | रुद्रमियं च | | रूक्षा रूक्षस्व | २५ ०७ |
| राहोर्मार क रिक्तभाण्डानि | २८३५ | रुक्मं चापि म | ७९३ | रुप्रनान प रुद्र यत्ते क | ७३७ | रूक्षा सकण्ट | १४२० |
| (१क्तनाव्यान | १३४७, | हक्मं रू ^{प्} यं त | २५ ०६ | रुप्र यस क रुद्ररौद्रप | १५७ २९० ६ | रूढवैरिद्रु | २४१२ |
| A | २३३३ | रुक्मं रौप्यं त | 华), | रद्र ा ट्र रुद्रव्यूहस्य | २ ९९० | _ | २८,२२१२ |
| रिक्तहस्तो न | 200 | रुक्म १ होत्रे | १६५,३०५ | रुद्रश वि तर्भ | २९९९ | रूपदर्शकः | २२४३ |
| रिक्तानि चैव | २,५ ०६ | रुक्मगर्भश्चै | २६६३ | रुद्रस्य ब्रह्म | २५३७, | रूपभेदैनी | २८९० |
| रिक्तासु सूर्य | २४७० | रुक्मदः सर्व | ७४० | | ४५,२८९२ | रूपयौवन १९ | ५५,२९४२ |
| रिक्तोऽनुकूल: | २५२५ | रुक्मपुंखसु | १५११ | रुद्र स्येषुश्च | ६७ | रूपवन्तो गु १२ | ९१,२०८४ |
| रिपवो येन | १८७१ | रुक्मपुंखाः सु | १५२२ | रुद्रस्थै लव | ६८ | रूपवर्णस्व १२ | |
| रिपुं यातस्य | २१७३, | रुक्मभौमः शि | २९६५, | रुद्रा इन्द्राद | | रूपवान्सुप्र | २३३८ |
| , | ૨ ૧૭૫ | ٠ | २९७७ | रुद्रा एकं व | 1 | रूपसत्त्वगु | १२२९ |
| रिपुघातस | १३५९ | रुक्मिणी च न | | रुद्राणामपि | | रूपसौक्ष्म्यादि | २८४३ |
| | | | | | , | | ,, |

| | | | | <i>COL</i> | ا ه ما | | 27.88 |
|-------------------|--------------------|-----------------|----------------|----------------------------------|---------------|---------------------------|--------------------------|
| रूपा चतुर्था | ३००० | रैवतक ए | | रोहिते द्यावा | ७१ | लक्ष्मीरुत्साह | २४११ |
| रूपा चतुर्भु | * ,, | रैवतके शा | १४१६ | रोहितो दिव | ٠,٠, | लक्ष्मीर्जयः क्ष | |
| रूपाजीववृ | १६६५ | रैवतश्च कु | २९५८ | रोहितो द्यावा | ६९ | लक्ष्मीर्देवी स | २९५६ |
| रूपाजीवाः स्ना | ९७३ | रैवतश्चाक्षु | २९७६ | रोहितो यज्ञ | ७० | लक्ष्मीर्वेदः श | 华 >> |
| रूपाजीवाः स्त्रि | ९९३ | रैवताद्युव | १५०७ | रोहितो यज्ञं | ,, | लक्ष्मीर्वेदी श | * ,, |
| रूपाजीवा भो | २२९८ | रैवन्तश्च कु | २९७६ | रौद्रं कर्म क्ष | ११०१ | लक्ष्मीविजय | २८३३ - |
| रूपाणि पञ्च | ७३१, | रोगकुह्क्षि | १४९३ | रौद्रं गावीधु | १४२ | लक्ष्म्या लक्ष्मी | |
| | - | रोगनामनि | १६३९ | रौद्रं रूपं वि | १५०६ | लक्ष्म्यास्तन्त्रं | म २८५९ |
| रूपाभिपाती | १०३९ | रोगरक्षोभ | ५५ ३ | रौद्रं रूपम | o, | लक्ष्यं संयोज | १५१८ |
| रूपिकम <u>ष्ट</u> | २२ ४३ | रोगाभिभूतं | १६२७ | रौद्रं वदति | २४९१ | लक्ष्यं स योज | * ,, |
| रूपेण मत्तः | ५५०५ ६०३ | रोगिणं त्वृतिव | *१६१७ | रौद्रं वर्जय | #२७७६ | लक्ष्यते विमु | १७१५, |
| रूपेण सुप्र | | रोचते में म | २३५६ | रौद्रं विजान | ,, | | १७४५ |
| रूपण सुप्र | *२३३८, | रोचते सर्व | १८६० | रौद्रवैष्णव | २९१० | लक्ष्यमेदी य | १५३२ |
| रूप्यं हेम च | २३६० | रोचनाख्यम | २९८ ३ | रौद्रहोमस | क १६१७ | लगुडानां गु | १४६४ |
| रूप हम च | *२६८६ , | रोचना गुग्गु | २९०७ | रौद्राभेयवा | २८८१ | लग्नं यः कथ | |
| _ | २८२५ | रोचनाचन्द | २८५६ | रौद्रे वचाश्व | २५४८ | ल्यत्रिधर्मा | २४६५ |
| रूप्यकुम्मेन | २९५०, | 1_ | | रौद्रहोंमैर्म | # १६ १७ | लगायपना लग्नस्य येंऽशा | |
| | २९७५ | रोचनापत्र | १४७० २४२ | रौद्रो गावेधु | २५३ | लगस्य शुद्धिः | |
| रूप्यभाण्डं घ | २२४९ | रोचमानं म | | रौप्यकाञ्चन | १९५५ | | |
| रूपस द्वी भा | २२५ ३ | रोदने व्याधि | २९२३ | लकुचो नारि | १४३१ | लग्राचतुर्थे | २४६७ |
| रेखाः षडूर्ध्व | २४७२ | रोदसी आ व | ४७१ | लक्षः पुष्याभि | २९०७ | लग्नात्प्रसाध | ₩२९९० |
| रेखाविन्यास | २४७३ | रोधनं न भ | १२६६ | लक्षकर्षमि | ८३५ | लगादि शोध | • |
| रेचनं कोश | १८७२ | रोधनी क्षोभ | # २९९८ | लक्षणंच त | १९३७ | लमाद्वा राशि | |
| रेजुस्तत्र प | २७१ ४ | रोधिनी क्षोभि | ,, | लक्षणं चैत | २८६५ | लग्नारिकर्म | २४६५ |
| | | रोषेण मह | १६६८ | रुक्षणं पञ्च रक्षणं पञ्च | ५७४ | लंभ कर्कट | # २९४ १ |
| रेणुकायाः सु | २१२० | रोहते साय | # 6 0 8 8 | लक्षणं सुह | १३००, | लग्ने गुरुर्बु | २४६४ |
| रेतिस म आ | २४८२ | रोहिणीं गोत्र | # १ ५०७ | | १८७८ | लग्ने तु विव | २४६३ |
| रैतोषायै त्वा | २८९८ | रोहिणीं पीड | २४८९ , | लक्षणद्वय | २८४६ | लंबेन दिङ्मु | २४६२ |
| रेवतश्च कु | *2946 | राहिया याउ | २४९१ | लक्षणाध्यक्षः | २२४३ | लग्ने नवांशः | # ₹ \$ \$6 |
| रेवती प्रथ | २९९२ | रोहिणी चैव | ૨ ९९४ | लक्षलम्भादि | २१०८ | ल्मे नवांशे | 71 |
| रेवती रङ्गि | २९९५ | रोहिणी श्रव | २४७१ | लक्षितमल्पं | २२९० | लंगेन हीना | २४६९ |
| रेवत्यश्विध | २८४३ | 1 ' ' | | लक्षेद्रुधिर | •६२९ | लग्ने वातच | ર |
| रेक्त्यां वृष | | रोहिण्यां वैष्ण | २९१९ | लक्ष्मणश्चापि स्टब्स्मणश्चापि | ८०३ | लंगे स्थिरे न | २४७१ |
| | २५४९ | रोहिण्यां शनि | २४७० | | १२९२ | लघुता गुरु | २८४२ |
| रेवत्यां सिद्ध | २५५० | रोहिण्याद्यं त | २४६२ | लक्ष्मणस्याग्र | ર | लघुतादाघ | २८३८ |
| रेवत्यादित्र | २७०१ | रोहिण्याद्री त | २९७२ | लक्ष्मणेन स | २४९८ | लघुता दृढ | २८४८ |
| रेवत्यादिषु | २४७३ | 4 | २५३८ | लक्ष्मीः संतिष्ठ | २६७०, | लघुदीघ िका | १५३० |
| रेवन्तश्च कु | # २९५८ | | १५०७ | | २७८७ | | १५२८, |
| हेवोत्तरस | | रोहितं देवा | 90 | लक्ष्मी: सरस्व | . २५४४ | 1 | १५३१,१७५७ |
| • • | | • = = | | | • | | |

| लघु यत्कोम | २८४६ | लब्धिश्च राज | # २५ ०५ | ८ लवणोत्तरं | 9 000 | a l farmonia 6 | <u> </u> |
|----------------------------|--|--------------------------------|--|------------------------------|--------------|---|---------------------------------------|
| लघुयन्त्राग्ने | २३४७ | | | , लवनकाले | • | २ लिप्समानो हि ७ लिप्सुर्वो कंचि | |
| लघु(पि सिं | २६९७ | | ,, १६ ९३ | _ | ₹ ४ ₹ | 1 | · · · · · · · · · · · · · · · · · · · |
| लघुव्यसन | ^२ २१५३ | 9 | * ,, | लाक्षा प्रियङ् | | ्री लीनं तु तस्य | २०८३ |
| लघुसमुत्थ | २ २०९ ० | 1 9 . | | 1 | • | I-A | २०२५ * ,, |
| लघु स्निग्धम | २२३ ४ | _ | # 18 94 | 1 | ₹ ९ ° | , | •• |
| लघूत्थानान्य | १७९४ | | १० ५० | 1 2 | | 4 4 | ,, १०६२, |
| लघोरप्यप | ११५७ | 1 | | 1 | | ` | १६९२ |
| लघौ स्वल्पं गु | २५३० | लब्धाऽपीमां पृ | - | 1 | | ा=कि≕ं ≕रोट-ः | ७४७,१७१६ |
| लघ्वपि हि व्य | २१५३ | | २४३१ | 1 | 991 | | *3888 |
| लङ्का चेयं पु | 2400 | | ५५५ | | | | कराउ०१ ७४७,१७१६ |
| लङ्का दृष्टा म | " | लमत तद लभते तस्य | २८९९ | · 1 . | | -7-2 | १२०२ |
| लङ्कायां भस्म | " | लभते पुरु | २१८४ | 1 | | ` | ર |
| लङ्कायां रक्ष | २ ९ ४४ | | १५०७ | | १६१४ | 1 | १९८० |
| लङ्कायां सौम्य | २९४३ | | ५४७ | 1 ~ | २५३ <i>०</i> | 1 | १३९२ |
| लङ्घयेन्छास्र | ६८२,७४६ | लभन्ते ह पु | २४४२ | 1 | | 10 | २४३२ |
| लङ्घयेद्वाम | २८८३ | लभगनोऽति | १९४ | | २४६५ | | # ? ? o o |
| लङ्घितः परि | २४७१ | लभेत लब्धा | २०९९ | 1 | २१५७ | 1 | " |
| ल्जते ऽभि मु | | लभेत साम | १२८५ | लाभत्तस्य भ | २९८२ | छुब्धं क्षीणं च | १९३८, |
| _ | क्षरुष् | I . | १६५१, | लाभस्त्रिविधो | २०८१ | | १९३९ |
| लञ्चलुञ्जा हि | १२०१ | लभ्यते तुर | ६,१९५७ १५४३ | लाभाः क्षयक लाभाद्वाऽपि ३ | २९८१ ग | छन्धं क्षीणं प्र | १९५४ |
| ल्ञ्चेन कार्य सराज्या | " | लम्पटा पन्न | - | लाभाधिक्यं क् | | 10 | १९२० |
| लताजालप | २०२० | लम्बकोडा ह | ₹000 | लाभार्थ किय | | | #६६३ |
| लताधर्मा धा | २४४० | 3 a a 8 | २५४८ +२९९ ४ | लाभार्थलम | १९४५ | | १०८२ |
| लताफलं च सर्वाः स्टारा | १४७५ | लम्भपालनो | **\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\ | लामायलम लामे न हर्ष | २४६७ | छन्धः क्रूरस्त्य | १२९०, |
| लब्धं कलासु | १३७२ | लये च सप्त | | | १६९० | | २०८३ |
| लब्धं प्रशम | ,,,,, | | ५८० | लाभो महान्। | | छन्धः क्रूरोऽल | १८६२ |
| लब्धप्रशम | , | ललाट दे शे स्टाप्टरण | २७८५ | लालनीय: पा | १०२० | छब्धः पापेन | १९९७ |
| लब्धमपि च | | ललारनासा समामार | १५१६ | लालिताऽहं त्व | | लुब्धक् ब्यञ्ज | २६२८, |
| लब्धलाभाप लब्धशस्त्रः श | | ललारपुर सन्दर्भः तम्ब | १५१७ | लिखित्वा शास | - | | २६४२ |
| लब्धसंश्रयः | | ललामः प्राशृ लवणः क्षार | ५२५ | लि खेद्रणीन | २४७२ | छुब्धकश्वग २३ | ०४,२३१८ |
| लब्धस्य च प्र | 1 | | २९६६ | लिङ्गपू जन | ६८१ | छन्धकाः श्वग | १३९७ |
| लब्धाच सप्त | | लवणक्षार 🛊 | ,,, | लिङ्ग व चन | १८३६ | लुब्ध∓ाद्गीत | ९३१ |
| लब्धायां सिद्धः | _ 1 | लवणक्षीर 🛊 | | लिङ्गान्तरे व | ५९४ | छ∘धकेन स | १०९२ |
| लब्धावकाशो | and the second s | लवणसंग्र | | लिङ्गान्येतानि | 960,966 | खुब्ध कै ः श्वग | ९७६ |
| लब्धास्त्रः शब्द | | खनणाध्यक्षः | | लिङ्गायतन | | छ ब्धकोद्गीत | ९३८ |
| लन्धिहानिः स्त्री | | छवणा ब्धिस | 2680 | लिच्छिविकव | | छ ब्धत्रस्ताभि | १४९०, |
| न्यु।पाः स्त्री | र ५३७ | लवणेक्षुसु २८४० , | २९७७ | लिप्तध्वजं प | २६६३ | | २५ ९६ |
| | | | | | • • | | * * * * * * |

| लुब्धमर्थ प्र | 3777 | लोकपालाः स | 2800, | लोकस्य व्यस | * १०६१, | लोकेऽस्मिन्द्वाव | ८१७ |
|----------------------------|---------------------------------|-------------------------|-----------------|------------------------|----------------|---------------------------------|-----------------------|
| | *१९३ २, | | २५४१ | | # 8486 | लोके ऽस्मि न्मङ्ग | 688 |
| | ८,२०४७ | लोकपालान् ग्र | २९०१, | लोकस्य संस्था | ५६६ | छोको निन्दति | ११४०, |
| छ न्धस्यासंवि | 2116 | | २९५३ | लोकस्य सम | २३८३ | | १६६२ |
| छुब्धानां ग्रुच | १२२१ | लोकपालाष्ट | २५२९ | लोकस्य सीम | ६०० | लोकोऽयं निखि | ७२७, |
| छ न्धानुजीवि | २११८ | लोकपालास्त्र | २८७० | लोकस्यार्थप्र | ८८४ | | ८२१ |
| खु ब्धानु जीवी | ,, | लोकपालेभ्य | २८५४ | लोकांश्चण्डस्ता | ११५१, | लोको रक्षति | २०२९ |
| छन्धा लोभेना | ર્શ્વેષ્ષ | लोकपालो <u>त्त</u> | ५८९ | | १९८ ४ | लोकोऽग्रुभस्त <u>ि</u> | २६९३ |
| छन्धे दोषाः सं | १०८२, | लो क पालोप | १ ४४४ | लोकाघाराः श्रि | ११८४ | लोक्यं धर्मे पा | २८६५ |
| • | १६९९ | लोकप्रसादं | ८२६ | लोकाननुच | ५४१ | लोभ ऐकदे | २१५५ |
| छन्धेषु साम | १९३७ | लोकप्रसिद्ध | १७८९, | लोकानन्यान् सु | ६९७ | लोभः प्रज्ञान | 1996 |
| लेखकः कथि | १८३७, | | 2,8988 | लोका न बहु | ६६३ | लोभप्रमाद | ११५८ |
| _ | २३३७ | लोकप्रियत्वं . | ८४६ | लोकानलोका | #६९७ | लोभमेको हि | प ३ |
| लेखकः पाठ | १६३५, | लोकमुख्येषु | ५९५ | लोकानां विष्णु | २९२२ | लोभमोहादि | ५७२ |
| | १७१६ | लोकयात्रा न | ६५१ | लोकानां स हि | ६१८ | लोभस्य वश | " |
| लेखकाः कथि | # १ ८३७, | लोकयात्रामि | ६४४ | लोकानुग्रह ९८ | ५,१४२२, | लोभात्संकर्ष | १४२७ |
| - 0 | * २३३७ | लोकयात्रार्थ | ५६४ | 9 | 8498 | लोभादैल ख | ९३ ५, |
| लेखकानपि ७२ | | लोकयात्राव <u>ि</u> | १७०३ | लोकानुराग | ७३६ | | ०,१६०५ |
| लेखकार्थे श | २३३५ | लोकयात्रा स | Ч ४ | लोकान्विश <u>्वा</u> स | १८८७ | लोभाद् <u>ज</u> या च | ११५१, |
| | १३७७, ८, १७ ५७ | लोकयात्रा हि | ६२२ | लोकापवादा | १२५५ | लोभाद्वा धृत | १९८४ २ ३ ७८ |
| लेख परिसं | ८,५७५७ १८ ३ ३ | लागना गर् लोकयोचम | १०४९ | लोकायतज्ञो | ९०८ | लोभान्न कर्ष | १९८४ |
| लेखप्रधाना | 124x | लोकर ञ्जन | ५६७ | लोकाराधन | #२•४६ | लामान्न कप लोभाभिपाती | *{•₹5 |
| लेखयांचक | | लोनरजन लोकविरुद्धं | ११२० | लोके कार्यों भू | ७४३ | लोमेनातिब - | 2055 |
| लेखानुपूर्व | * ₹९₹९ | लोकवृत्ताद्रा | २३७० | लोके चलम | ६३१ | लोमेनासे व | १७५२ |
| | १८४४ | लोकवृद्धया न | १५९४ | लोके चाऽऽयव्य | | लोभो धर्मिक | 1499 |
| लेख्यं खाभिम | " | लोकवेदश | १८२८ | लोके चेदं स | ५८७ | लोमजं वस | २८४२ |
| लेख्यसंस्थान २ ० | ८६६ | लोकवेदोत्त | 6 468 | लोके धर्म पा | *2644 | लोमजं सर्व | २८४५ |
| लेलिहानः शु | २९०२ | 1 _ | १२०४ | लोके ऽधिकारि | १४३४ | लोमरोन ह | ४६७ |
| ले लेह्यमान | १६९५ | लोकःयवहा लोकशास्त्रन | १२६६, | लोके न कश्चि | ८२४ | | २०२० |
| लोकं च संक | ७९२ | (અમસાસ્ત્ર-1 | - १८२६ | लोके प्राणमृ | १८९५ | लोमाशिकापि | २५२ ६ |
| लोकः पश्यतु | २४०० | लोकशास्त्रवि | १२६८ | लोके भूतानि | ५९२ | लोमासिकाः पि | ७ २५० ९ |
| लोकः सर्वो म | १२२९ | | ७५८ | लोके रोमस्य | # ८४६ | लोलामचोक्षा | ९ ५६ |
| लो क तन्त्रवि | २५९७ | 1 | ८९२ | लोके वेदे च | ९८५, | लोलाया: फल | २८४७ |
| लोकत्रय नि | २९१२ | | ३५,७४ ९, | | १४२१ | लोलाया मान | >> |
| लोकपर्याय | ११७२ | 1 | ४८,१५७७ | लोकेशाधिष्ठि | ९५ १ | लोखप्यमाना | # १०१२ |
| लोकपालं ग्र | # २९५३ | 1 | २४ १४ | | २८७२ | लोखभ्यमाना | १०१२, |
| लोकपालब्र | | लोकस्य नान्य | २३७७ | लोकेश्वरप्र | . ९१ ९ | .1 | १०१४ |
| • • • | • • | - | | | | | |

| लोष्टकाञ्चन | १२९१, | लौकायतिक | 8889. | बक्ष्येऽनुजीवि | १७१७ | वज्रीव हि त्रि | أماماء |
|-----------------------|------------------------------|--|---|-------------------------------------|-----------------------|-------------------------------|----------------------|
| | २०८४ | | १११ ९ | 1 - | ১४৩ | वज्रेणैवैत | १८७५ |
| लोष्टकाष्टक | २५१३ | लौकायतिको | १११८ | | | वज्रेणैवेन | २५५,२७४ |
| लोष्ठकाञ्चन | * १ २ ९ १ | लौहस्त् चाट | २८३५ | 1 | १४९५ | | ₹ ४२ |
| लोइं च धात | १३७३ | लौहित्यश्च त | २९६८ | 1 | १३७३ | वज्रे ग्रूले ह | २८२९ |
| लोहं प्रधानं | ^२ १५१ २ | 1. | १५४२ | 1 - | १०३९ | वज्रेश्च लक्ष | 2960 |
| लोइं सर्वे च | २८४ १ | 1 | १ ५१० | 1 . | २०२६ | वज्रो नामैष | १५११ |
| लोह घण्टा प | ६३६ | 1 | ९६७ | 1 | १८९६ | | २७०७ |
| | ર | ــــــــــــــــــــــــــــــــــــــ | १००१ | مد ا | १०९१ | वज्रो वा आज्य | • |
| लो हच र्मवि | १५४२ | ੰ ਕਿਲਾਬੜਾੜਿ | ,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,, | वचसा प्रिय | २१ ९ २ | वज्रो वा आप: | २७४ |
| लोहजालजा ——— | २२६९ | 'l <u></u> | १५१० | वचां धात्रीं र | | विश्रावा आपः विश्रोवे पञ्च | • • |
| लो हजै स्ताम्र | १७५१ | वंशासनी वि | \$? \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ | 1 | • | वज्रो वैरथः | ₹ <i>५</i> 0 |
| लोहताम्रा दि | २८४७ | वंशानां ते न | 808 | 1 | २८८६ | वज्रो वै विक | २९१ |
| लोइदैत्यं स | १५२२ | वंशानामपि | १५१० | 1 | २५१६ | वज्रा व ।वक वज्रो वै स्पयः | . २५५ |
| <i>स्रोहनामा</i> ऽभ | २८९१ | | १५१२ | वज्जटः पारि | # ? 8 % 0 0 | वश्रा व स्पयः | ે ર૬૬, |
| लोहभाण्डानि | १९८७ | वंशानुचरि | ८९२ | 1 | २७४ | | ३ ४२ |
| लोहभूता नि | १५२ २ | वंशे विशाल | ८ २५ ५३२ | वज्र इन्द्रः वज्रं च पद्म | ३५० | वञ्चकान् मुख | ०१ ६६० |
| लोहमणि म | ९७४ | वंशोऽथ बाकु | २८३८ | | २८३९ | वञ्चकेषु न | ११९८ |
| लोहमिव स्थि | २४८३ | वक्तव्याश्चानु | २८२८ १३८८ | वश्र भरक १ | ३६३,२८३• | वटकषाय | २६५४ |
| लोहवस्त्राजि | २३३७, | वक्ता तस्यापि | * १ ६७६ | विष्रं मुक्ता प्र विष्रं शक्ति च | | वटो निषिद्धः | १४७५ |
| • | २३५१ | | | नित्रं शक्तिश्च वित्रं शक्तिश्च | • | वडवा दक्षि | १७२ |
| लोहवस्रा दि | क्र३३७ | 1 11 1 1 1 1 1 1 | १ ०४४ | वज्रः कालाग्न | | वडवायाः प्र | २३०७ |
| लोहसारम | १५२८, | | | वज्रकः पारि | | वडवाष्ट्रष | ,, |
| | १५३२ | | । <i>क</i> र्द्रुद ५३९ | वज्रनाहङ्गु | 9889 * • • • • • • | वडवा हस्ति | २९२९ |
| लोहाध्यक्षस्ता | २२४३ | वक्ता विधाता | | वज्रमणिमु | # १५०१ | वडवोष्ट्रक | १५३७ |
| लोहानां च म | 968,966 | 1 | १२५५ | वज्रमीक्तिक | २१०० | वणिक् कृषीव | १६५६, |
| लोहानि राम | १५१• | वक्ता हिताना | १६९२ | वज्रस्य भर्ता | २९८३ | ` | १६५८ |
| _ | | वक्तुं कृताञ्ज | \$ 38 9 0 | पश्रस्य गता | २८७१, | विणक्पथः प | २१६७ |
| लोहाभि सार | _२ ८९६ | | २०४,२९८७ | * 0 | # ,, | वणिक्पथे तु | २३३९ |
| लोहाभिसारि | #₹८९ १ | वक्रवाहङ्गु | १५०१ | वज्रस्यैतानि | १५२० | वणिक्पथेन | २१६७ |
| लोहाभिहारि | २८९१, | वकां ज्ञात्वान | ७३४ | वज्रहस्त सु २ | ८७३,२८७७ | वणिग्जनकु | ९१६ |
| | २८९₹ | वकानुवकं | २४९१ | वज्रा च नन्द | ₹000 | वणिग्जनैः शो | * १ ४६८ |
| लोहिता इव | २८३ | वक्ष्यन्तीवेदा | ४९२ | बज्रा च मन्म | ₩,, | वणिग्जनैश्चा | |
| लोहितेन स्व | २८९८ | वक्ष्यमाणस्तु | 1 | बज्रादिव प्र | " | वणिग्वार्धुषि | " १ ३५८ |
| लोहितोदां के | 1 | वक्ष्यमाणेन | 1 | वज्रा नदी म | | गु. वणिग्वृत्तीन् सा | |
| लोहिनी चौर्भ | | वक्ष्यामि तच्चो | | वज्रा शङ्खव | २९९६ | चन्यः द्वलाय् चा | ७२९, १ ८१७ |
| | | वक्ष्यामि तु य | | नश्रा राह्वा वज्रा राह्वाऽति | | वणिजः कर्ष | १४१७ |
| छोहीभूता नि | | वक्ष्यामि तेऽन्यो | * | | | | ६४९ |
| | • | • | = + + + \ \ | • ~ 1 > 1 > 1 | 75441 | वणिजस्तु सं | २ २९१ |

| वणिजो मन्त्र | શે ६५५ | वधः क्लेशोऽर्थ | | वध्येष्वपि न | | विनाजीवः प्र | २६ ०९ |
|--------------------------------|-----------------------------|------------------|----------------|----------------|------------------|---------------|------------------------|
| वणिजो रूपा | २६ ०८ | वधः परिक्ले | १६११, | वध्येष्वपि म | | वनानि यत्र | १९८७ |
| वत्सतरी द | १६३ | 891 | ७०,१९८६ | वध्योऽयमिति | १ ९६५ | वनानीव म | १७८७ |
| वत्सतरीष्व | २८९८ | वधकाः पाप | २५०६ | वध्यो राज्ञा स | उ | वनायुजैर्न | # \$888 |
| वत्सतर्युन्ने | ३२७ | वधदण्डेन | ६५२ | वनं जगाम | ८४१ | वनितानामि | १५३६ |
| वत्सनामं च | २८१३ | ब धबन्धकु | *२०३८ | वनं प्रस्थाप्य | १९०० | वने कुदुम्ब | ५६३ |
| बत्सपुत्रो म | २९ ९३ | वधबन्धप | ७९८, | वनं राजा धृ | | वने चरति | ५९७ |
| बत्सरं या प | | १५० | ८५,१६१२ | वनं संप्रस्थि | | वने चरन्ति | ۰,, |
| बत्स राज्यार्भि | १४७७ | बधबन्धभ | २०३८ | वनकुलका | २३३५ | वनेचरा ज | २८२९ |
| नत्त राज्येऽभि | ७३१ | वधमेव प्र | १८८६ | वनगज इ | ७७२ | वने महति । | ६९४,२०२• |
| वत्सरे लक्ष | # ,, १३ ७७ | वधश्च धर्म | ७ ३८ | वनगूढा वा | २६ २७ | वने वनच | १६४७ |
| वत्सरे वत्स | | वधश्च भर | १०५२ | वनचरव्य | २१११ | वने वने प्र | २५३८, |
| | ८३५, | वधस्तस्य तु | ११६८ | वनचर्या च | १२१९ | , , | १५४५,२८९२ |
| वत्सलं संवि | ५५,१८४० १०६८ | बधाय नीय | ६५१ | वनजाः स्थल | २८८८ | वने वासः प | <u> </u> |
| | | वधायोन्नीय | ٠,, | वनदिङ्मार्ग | १५२४, | | ८२ |
| वत्सलत्वाद्द्रि वत्सस्थानमे | २४४८ ९७० | वधार्थे पाण्डु | ર ૭ ९૮ | : | १६७२,२६८२ | | . |
| नत्सापेक्षी दु | | वधीर्वनेव | ३७८ | वनदुर्गे नृ | १४६० | वन्ध्यया भार | |
| परणापन्ना दु | १३१८, | वधीहिं दस्युं | १७,३६७ | वनदुर्गे म | १४९७ | | २३९८ |
| 2201 2202 | १३६२ | | | वनदुर्गे स | " | वन्ध्या कर्की | |
| वत्सा वत्सत वत्सिका वत्स | २३०२ | वधे चैव प | #888\$ | वनद्दन्द्रमि | १४९२ | | ₹00# |
| नारतका वस्त वत्सेनेत्र हि | " | | २७६२ | वनप्रवेश | २८६८ | वन्ध्याश्च | १४१५ |
| वत्सेशपद्म वत्सेशपद्म | ९७ ० | 1 | १ ६६७ | वनमात्मवि | १४३९ | वन्यं नागण | |
| नत्सरापद्म वत्सो विराजो | २८३२ | ł | २०४६ | वनमामन्त्र्य | २ ४४५ | 1 . | १६९६ |
| | ७१ | ,,, | ६५२ | वनमेव ग | | | १४७५ |
| वत्सो वृषो घे | | वधो नाम भ | ६५१ | | १०६६ | वन्यान् वनग | |
| वत्सौपम्येन | १३१६ | वधोऽर्थग्रह | *१९८१ | वनराज्या प | १५९८ | वपु:सत्त्वब | १७२१ |
| वदतो में नि १२ | | वधोऽर्थहर | १९८०, | वनविनिर्ग | प१० | वपुष्मान् वीत | • |
| वदत्यकस्मा | *१७२८ | | १९८१ | वनशैलस | १४७९ | ລຕໍ່ຮາບສ | १६८६ |
| वदनाद्रुधि | * २५१२ | | १२१३ | वनस्था अपि | ८७५ | वपूष्यपह | २४९२ |
| वदनार्थे प | १११८ | वध्यन्तां पश | २८६२ | वनस्थाश्चेव | * ८७५,८७८ | _ | ४९•,२५९६ |
| वदने प्रवि | २७८६ | वध्यन्ते न हि | ₩२०३२ | वनस्पतिं व | ३८६ | वप्रस्योपरि | १४४६ |
| वदन्ति सत्र | २८११ | वध्यन्ते न ह्य | 793 | वनस्पतिः पू २ | ४८४,२९१६ | वभ्रावश्चामृ | * ₹ \$\$ |
| वदन्ति सर्वे | १ ९३७ | वध्यन्ते श्रद | # २० ३९ | | २८५१ | वमते कपि | *२५०९ |
| वदन्तीहैव | २४१५ | वध्यमानेषु | | वनस्पतीनां | ७२३,८२३ | वमनं निर्गु | *१६०३ |
| वदान्यः सत्य | #283 | वध्यमानोऽपि | | वनस्पतीन्भ | १०७० | वमनं विह्व | >> |
| बदामि राज्ञा | १०२७ | वध्याः खछ न | *१२२३ | वनस्पतीन् वा | · ५१४,५१८ | वमनाद् गूढ | २६ ४४ |
| वधंन कुर्व | १६६७ | वध्यानामिव | ६०६ | वनस्पतेर | १०४० | वमन्ति रुधि | २४८८ |
| वधं हि क्षत्र | | वध्ये विवास | क्€ లक् | वनस्पते वी | | वमन्त्यभि त | ર |
| | | | | | - ,• | चनार्याल (1 | २९ २२ |

| * ^ * | ٠ | | | | , | - 4 | |
|------------------|----------------|---------------|-------------------|--------------------------|---------------------|------------------------------|----------------------------|
| वमौ विरेच | | वरं खामिनो | I I | वराहर्भख | | वरुणो वै रा | १४ |
| वयं तद्वः स | 3 3 | वरघोषा म | २९९५ | वराहवस्ति | | वरुणोऽसि स | |
| वयं तु ब्राह्म | १२१५ | वरणार्थे प्रे | १२७९ | वराहविहि | २५३५ | वरुणो हेती | <u> </u> |
| वयं तु भ्रात | ८५८ | | १५१८ | वराहश्वल | #२५०३ | वरुण्यं दीक्षि | रे८० |
| वयं तु लोभा | २४४ १ | वरत्रायां मि | २८७३ | वराहेण द | २४९९ | वरुण्यं वा ए | र २६४ |
| वयं ते राज | १०४९ | वरदानम | २८९६ | वराहेण पृ | ४•८ | | ए २६४,२६७, |
| वयं त्वामनु | २३५४ | वरदानात् प | ु २७५९ | | ૨૦૫• | | २७१ |
| बयं त्वेतान्प | • २००६ | वरदानेन | ८३८ | वरिष्ठमि | ६९२ | वरुण्यो वा | ए २६५ |
| वयं त्वेनान्प | 33 . | वरमज्ञानं | ९०३ | वरिष्यन्न पु | २९३३ | वरुण्यो हि ः | प्र • • २५८ |
| वयं दीक्षां प्र | ११२१ | वरमन्धो न | १५९२ | वरुण उ ह | २९ ४ | वरेण च्छन्द | १०७७ |
| वयं देवस्य | ६४ | वरमयान | २८४४ | वरुणं राजा | १८४ | वरे प्रदिष्टे | ६२७ |
| वयं राजभिः | ८७,४११ | वरमराज | ९०१ | वरुणः पव | રુ ૨૬५५ | वरेयवो न | ४७६ |
| वयं राजसु | *८७ | | १५४१,२६९४ | l . | २९७ | वरो दक्षिणा | . ११६ |
| वयं वधेन | २००० | वरमात्मनो | , | वरुणः सम्रा | | वर्गरिक्तषु | १३७२ |
| वयं वा इदं | ४४७ | | ११३१,११४१ | 1 | ८०,३४४ | वर्च एवं त | २५ ६ |
| वयं वै त्वच्छ्रे | २७ | l . | - | वरुणः साम्रा | ७८ | वर्चः सोमः | ^२ २५७ |
| वयं शूरेभि | ४८१ | वरमुपवा | ११६३ | वरुणप्रघा | २५१ | वर्चसैवैन | |
| वयः स्थाम प | २८९ | वरियत्वा तु | | 1 | २९८ | वर्चस्वी सूय | २७१,२७२ १५७ |
| वयं हि बाहु | १०४७ | वरवाजिस | २७५१ | वरुणश्चैव | ८२४ | I | |
| वयः कर्म च | १९६६, | वरवारण | २७५२ | | ३३५ | वर्चीधसे य | ३९४ |
| | १९७६ | वरस्त्रीणां त | २५०५ | वरुणसवो | २७१, | वर्ची धायइ | |
| वयः कार्ये च | * १ ९७६ | वरस्त्विन्द्र | | | २९०,२९४ | वर्जनं विष | ७२६ |
| वयमाश्रय | २३८५ | वराग्निवद्भि | १ ४४४ | 1 | ४२३ | | १९१०,२००५ |
| वयमिन्द्र त्वा | ४८५ | वराङ्कुशध | २६७१, | वरुणस्य वै | ३२४ | वर्जयन्ति न | ६६३,१६४१ |
| वयमेकस्य | २३५३ | | | वरणस्य ह | ३ ३३ | वर्जयेत्कुटि | * १२९५ |
| वयमेतद | ८४१ | वरान्नपान | १४४४ | वरुणाद्ध वा | २९०, | वर्जयेत्स्रार | ११२५ |
| | ४७,२०२५ | वरान् हनिष | य २४३० | | २९४,३०१ | वर्जयेत्ताद्द | १२९५,१२९७ |
| वयमेवास्य | २४४३ | वराप्सरःस | २६७०, | वरुणानिल २ | .९० <i>१</i> ,२ं९९० | वर्जयेत्संत | १५७९ |
| वयस्या ज्ञात | २४४७ | : | १७७२,२७८७, | वरुणानी ते | २४७७ | वर्जयेन्मध्य | २४७१ |
| वयस्था भागि | * ,, | 1 | २७८९,२७९०, | वरुणाय वै | १८९ | 0.5 | १७८२ |
| वयस्यार्थे प्र | १२९२ | | २७९२ | | २ ९ ९० | विजतं चैव | # १२४३, |
| वयोभ्यश्च त | ९८६ | वरासनं वि | १७०४ | वरुणेन य | ८१५,८२२ | | #१८१० |
| वयोऽवस्थां च | १७३३ | 1 - | | वरुणेन स | Yox | वर्जिते कण्ट | 3968 |
| वरं च सर्व | | _ | २४८१,२४८२ | 1 | | वर्ज्या शति | |
| वरं मानिनो | २२०६ | वराहखर | | वरुणोऽपाम | | वर्णे रूपं प्र | |
| वरं मृतः कि | २६ ९३ | | २९६७ ,२९७८ | बस्तो स्टि | | | १३४१ १३६०,१३६२ |
| वरं रूपमु | | वराहमक | २६६३,२७३० | नच्या साद | | वर्णतश्चीत्प वर्णतश्चीत्प | ९२ ५-, ९२५९ १५१२ |
| वरं वृणीष्व | | वराहमृग | | वरुणा वा अ वरुणो वा अ | | वर्णधर्मा न | |
| = | , ,- | **** | 1710 | ાત્રયના મા અ | । २९६ | 'वणवसान | ७३२ |

| | | | | • | | | |
|--------------------------|---------------|------------------|------------------|---------------------------------|---------------|---------------------------|------------------|
| वर्णपदवा | २३५० | वर्णिनां लिङ्गि | ७४९,७५६ | वर्धमानोऽल्प | # १ ३६ ३ | वर्षाहेमन्त | २२१ ४ |
| वर्णपुष्पब | #२९०१ | वर्णेष्वग्न्यच | # \$888 | l - | ८७९,८८८ | वर्षा ह्यस्यर्तुः | ४२७ |
| वर्णप्रधानं | २९५० | वर्तता क्षत्र | २७६१ | वर्धयेच्छास्त्र | १५२७ | l | 868 |
| वर्णमाक्रम | १३७० | वर्तते पक्ष | | | ,, | वर्षीयसि वै | २९३२ |
| वर्णरूपं प्र | १३६० | वर्तते भग | ७३८ | वर्धयेद्वाहु | ,, | वर्षेण भूमिः | ४०९ |
| वर्णश्चतुर्थः | १६१६ | वर्तन्ति यद | १०१८, | वर्धस्व च श्रि | २९३४ | वर्ष्म क्षत्राणा | ₹•0, |
| वर्णश्रेष्ठान्पू | १४४५ | | ११५४ | वर्धस्व त्वं श्रि | २९७ १ | · | *\$&\$ |
| वर्णश्रेष्ठयात्कु | २३५६ | वर्तमानः प | २२१५ | वर्धस्वेन्द्र जि | २८७०, | वर्षान्क्षत्रस्य 🚜 | १००,३४३ |
| वर्णसंकर | २७५६ | वर्तमानः पि | ८४३ | | २८७४ | वर्षान् राष्ट्रस्य | ९ ५. |
| वर्णसंघातः | १८३३ | वर्तमानः स्व | २०११ | वर्धितं पाल | २०४२ | वष्मणिमस्मै | २४० |
| वर्णहीने मा | २२५ २ | वर्तमानस्त | ५५ १ | वर्धितं पाल्य | * ,, | वल्यस्य हि | २८३७ |
| वर्णा आश्रमा | ५३५,७८८ | वर्तमानाश्च | १२६८ | वर्धेते तावु | ७२८ | वलिभिः पलि | ११६४ |
| वर्णाः प्रभाः वि | | वर्तमानो न | १८९१ | वर्मकर्मस | २३६३ | वॡकान्तानि | ४३२ |
| वर्णाः सर्वाश्र । | | वर्तयन्त्यन्य १४ | १३०,१९ ८५ | वर्मण्वन्तो न | ४७६ | वलेश्चामर | २८३९ |
| वर्णादिकं तु | २८३८ | वर्तसे वृत्ति | ५४२ | वर्मतोमर | 2384 | वल्गनो नीचै | २३०९ |
| वर्णादिधर्म | ८९२ | वर्तस्व पुरु | ५९४ | वर्मप्रदस्त्वं | २५३८ | वल्गन्तमुचै | १५१२ |
| वर्णादिस्वर | २४७२ | वर्तस्व बुद्धि | १०७८ | वर्म मे द्यावा | ५२४ | विस्मिते च प्छ | * ? ५ १ ९ |
| वर्णीनां परि | १६१६ | वर्तितं तुत | २९८९ | वर्म मे विश्वे | | विलातेश्च प | |
| वर्णीनां सर | २९८३ | वर्तितव्यं कु | १०६१ | वर्मिणो वाह | ,, २५६ ३ | | २८८४ |
| वर्णानामाश्र | ६५४, | वर्तितस्तु त | # ₹९८९ | वर्मिभिः सादि | | वल्गुल्युल्कः | २५०९ |
| | ८०९,८२४ | वर्तुलं च च | १४८० | वर्मिभिश्च स | २७१८ | वल्गूयति व वल्मीकं मधु | ३५९ |
| वर्णानाश्रमां | १०२४ | वर्तुलांश्चतु | १४३३ | वामामश्च स वर्षत्रिभागः | *२७३२ | वल्माक मधु वल्मीकपथ | १३६२ १३८३ |
| वर्णान्मध्यम | *१५१ ७ | वर्तुलानि वि | १५४२ | | २२८६ | वल्मीकपित्र्य | २८७४ |
| वर्णी मा चन्द | २९६९ | वर्तेत दण्डो | २१० २ | वर्षपूगामि | २०४८ | वल्मीकमूषि | |
| वर्णावरोधे | २३० ५ | वर्तेत याम्य | ७०६ | वर्षमाज्यं घं वर्षर्तुव्यत्य | ७२ | | २५१४ |
| वर्णाशा <i>बन्द</i> | # २९६९ | वर्धते त्वर | १०७६ | | २१८४ | वल्मीकमृद | २९७३ |
| वर्णाश्चे वाऽऽश्र | ८८५ | वर्धते भूगु | १४३८ | वर्षशीतोष्ण | | वल्मीकशता | २५४९ |
| वर्णाश्रमव | ८९७ | वर्धते मति | ६१२ | वर्षाकाले प्र वर्षाज्यावमी | # ₹४०९ | वल्मीकाग्रमृ | २९५०, |
| वर्णाश्रमव्य | ७३३,७४९ | वर्षत्वंचिश्र | *2938 | | ७२ | | २९७५ |
| वर्णाश्रमाः स्व | 🐞 ५ ३ ५ | | ८२९ | वर्षाणामयु वर्षादि दक्षि | ७४२ | वल्मीको मूल | २३७० |
| वर्णाश्रमाचा | ७५७ | वर्धन्ते तत्र | ६५३ | वर्षान्तेऽभ्युदि | | वछभैः कामि ववन्देऽजं च | १३९३ |
| वर्णाश्रमाणां | ८१९,९१२, | वर्धन्ते प्रापट | २३७१ | वर्षां भिषेकं | | ववन्दऽज च ववृषे वय | १५२२ |
| | | वर्धन्यां देवि | | वर्षारात्रम | | | ७३१ |
| वणस्ताननु | ५८५ | वर्धमानं च | | वर्षावग्रहे | | ववीच सुर | २७९९ |
| वणस्ति।नानु | * ,, | वर्धमानमृ | | वर्षाशरद्धे | ?3.o∨ | वशं गतो रि | १८७४ |
| वर्णिकापरि | | वर्धमानाकु | | वषस्ति न प्र | 201.0 | वशं चोपन | १९११ |
| वर्णितपस्वि | | वर्षमानो ज | | वर्षाखल्पग | 4848 | वशं मे ब्राह्म | २६५८ |
| | • | | | | र४५२ | वशं वैश्याश्च | 97 |
| | | | | | | | |

| वशां मैत्राव | १६५,३०५ | वसन्ति वासा | २०४८। | वसिष्ठो वाम ८ | . ०२,१२४५, | वस्तुजातस्थै | १३७५ |
|--------------------------------|----------------|------------------|--------------|-----------------|-------------------------------|-----------------------------------|---------------------|
| वशा दक्षिणा | १६६ | वसन्तु भग | .४३७ | | २९४ ५ | वस्तुयाथातम्य | - १३६९ |
| वशापुत्रासु | ७०३ | वसन्ते पञ्च | १४३२ | वसीयान् भव | २ ⁻ ४ २३ | वस्तुष्वशक्ये | २५७६ |
| वशा मेषा अ | १७९ | वसन्तेऽर्कं इ | १०६१ | वसुअश्विनि | २९०१ | वस्त्रं चतुर्वि | २८४२ |
| वशा मैत्राव | ३ २७ | वसन्तो ब्राह्म | ७२३ | वसुः प्रीत्या म | | वस्त्रं पत्रम | ८५५, |
| वशित्वं कथि | 2998 | वसन्तो मध्य | २४५९ | वसुः सूनुः स | 88 | | ८२,*१७१४ |
| वशिनी नामा | *08,99 | वसन्तो वे ब्रा | ४२० | वसु काल उ | ७३८,८२४ | | ८५५,#९८२ |
| वशीकुर्याद्वि | १८५७ | वसन्पितृत्र | १२१७ | वसुदेवसु | १८१३, | वस्त्रं पुष्पम | ७३४, |
| वशे कुर्याद्व | १९३७ | वसन् विवर्ध | ७३९ | | ३००३ | ١. | ९८१,९८२ |
| वशे कृत्वा स | ८४३ | वसवः पुर | २८ | वसुदो रूप | ७४० | वस्त्रं रत्नम | १७१७ |
| वशे जगदि | २७८८ | वसवस्ते दे | ७६ | वसुद्रव्यं घृ | ७२९०३ | वस्त्रं शलाका | २८३६ २२८२ |
| वशे जाते पु | २८१७ | वसवस्त्वा गा | २२८,२₹२ | वसुधा वसु | १०४० | वस्त्रचतुष्प | २२८२ |
| वशे बलव | क्ष६३० | वसवस्त्वा पु | २४१ | वसुनाऽपत्य | २९०३ | वस्त्रभाण्डादि | \$\$\$\$ ***** |
| वशे श्रियं स | 2882 | वसवो मर | ५६२ | वसुना राज | २८६६ | वस्त्रमस्त्रम | १७१४ |
| | * १ ९९८ | वसवो राज्या | ₹४ | वसुपुष्पोप | ७२१,१३८४ | वस्त्रसंमार्ज वस्त्राणि तेम्यो | ८९५ २८४३ |
| वश्यत्वात्पुत्र वश्यमनित्यं | | वसस्व पर | २०११ | वसुपूर्णा च | २८६५ | वस्त्राण तम्या वस्त्राण्यतिम | । ५८४३ १९५५ |
| | २०९० | वसानामथ | १४६४ | वसुभ्य एव | ४६५ | वस्त्रादिमा र्ज | १ ४८४ |
| वश्ययोर्ए | " | वसामि धर्म | ६५५ | वसुभ्य एवे | " | वस्त्रादीनां च | २३ ४३ |
| वश्यसामन्त | १२०५ | 1 | ६५६ | I HUXXVI Z | २९०३ | वस्त्रापथस्त | २९६८ |
| वश्याः पुत्राश्च | | 1 4 2011-1 1 1/2 | #६५५, | वसुषण्मुनि | १४२६ | वस्त्राभरण | २६३८ |
| | ५६९,११७४ | 1 | ६५६ | वसुहोमं म | ६१९ | 1 | १४८४ |
| वश्यामात्यब | १४४२ | | ६५६ | वसुहोमोऽपि | | | ८९३,११४८ |
| वश्येन्द्रियं जि | ९ १९, | 1 | ६५५ | वसूनि नो व | " | वस्त्रास्तरण | २२८४ |
| | ०४३,११८१ | वसामि सत्ये | " | | 806 | वस्त्रैर्नीराज | २८८८ |
| वश्यो बलव । | | | २५२९ | वसूनि विवि | १८९४ | वस्त्रैविचित्रैः | २८७२ |
| वषट्कृते जु | २६५,२६९, | | २३५६ | वसून्वसुम | ७२७ | वस्त्रेसदेव | २८७५ |
| | ३०१ | वसिष्ठं मुनि | २९३७ | वसेतामाश्र | २८८४ | वस्न इव वि | # १२८ |
| वसतामाश्र | *4८४ | वसिष्ठं वाम | ,, | वसेत्स नर | ७२१ | वस्नेव विक्री | ,,, |
| वसतिभोगा | २२९८ | वसिष्ठं हव | C | वसेत्सह स | १२९३ | वहतः प्रथ | १३२२ |
| वसति सम | २०२० | वसिष्ठः कश्य | २७६० | वसेदविस | १६७० | वहतश्च य १ | २९०,२०८३ |
| वसन्त उत्त | २४६२ | 1 | २९४ ५ | 1 | १९९८ | बहति वा अ | 338 |
| वसन्तमव ् | २६३५ | वसिष्ठः समा | ३३६ | वसेयुः पूजि | १३९८ | वहत्यभिर्दे | 99 · |
| वसन्ता ब्राह्म | ४२• | वसिष्ठगौत | १५०३ | वसोः सूनुः स | ነ *አጸ | वहन्ति बह | હ ५ ૬ ५ |
| वसन्ति च सु | ८२१ | वसिष्ठ धर्म | ८०५ | वसोर्धाराप्र | २९०३ | | २८८७ |
| वसन्ति तत्र | * ₹0४८ | वसिष्ठमीशं | ६२० | वसोर्धारा प्र | २८९९ | | २ ९३ |
| वसन्ति तव | ,, | वसिष्ठमेवा | ८०२ | वसोर्घारास्थि | ,, | वहा वा आहे | |
| वसन्ति भूता | १०८२ | वसिष्ठाङ्गिर | | वस्तव्यं यत्र | | वहिनी धेनु | १३८ |
| | | | | | | • | |

| वहेदमित्रं | ₹८८७. | वाक्यं स मन्दं | # १७ १५ | वाग्दण्डस्त्वथ | इ.१९ ७५ | वाचा दण्डो ब्रा | ५६२ |
|--------------------------------|-------------------|------------------------------|------------------|-------------------|-------------------------|----------------------------|---------------------|
| | ₹,₩₹०७• | वाक्यं हितमु | २०२४ | वाग्धिग्वधः स्व | | 1 | |
| | \ \$,१००७ | वाक्यकर्मानु | ६७३ | वाग्भवा वाक्प | | वाचा पेशल | १९४८ |
| वहिं कुमारं | २९०७ | वाक्यज्ञं मधु | १६६७ | वाग्भिः प्रोत्साह | | i . | ०८,१०९ |
| बह्रिं जुहोति | ५८२ | | १६७० | वाग्भिरप्रति | २०४७ | | १८८९ |
| विह्नं प्रदक्षि | २९५४, | 1 - | # \$ 900 | वाग्यज्ञा ब्राह्म | ७२८ | वाचा युद्धप्र | # २७५८ |
| | ૨ ૬७५ | वाक्यविद्वाक्य | १७६६ | वाग्यतः संग्र | २०१० | वाचा युद्धे प्र | " |
| विह्नः शतक | ८०५,८०६ | _ | १८३७, | वाग्यतः सह | २९४० | वाचा वा एन | " ३१३ |
| विह्निनी विह्न | રં૧૬૧ | | २३३७ | वाग्वा अनुष्टु | ३२४, | | ३३ ० |
| विह्नर्वे नामौ | ४६५ | वाक्शल्यस्तु न | १०४५ | | ३३ २ | वाचा विपश्चि | ११३२ |
| वह्रेरत्तर | २९१ ० | वाक्श्ररो दण्ड | #७९५ | वाग्वीव मन्त्रं | ५०७ | बाचा हि दीय १ | |
| वहेर्दक्षिण | २९४८ | वाक्संयमो हि | १०४४ | वाग्वै धेनुः | ३२७ | वाचिकसंव १२३ | ३.२३४९ |
| वह्नेनीगस्य | २८७५ | वाक् सत्हत्य | १२९७, | वाग्वै यज्ञाय | ३३४ | वाचि दण्डो ब्रा | क्ष५६२ |
| वहाँ क्षिप्तश्च | २८४० | | १२९८ | वाग्वे राष्ट्री | አ አአ | वाचि मेऽग्निः प्र | रू २४८२ |
| वह्नौ पवित्रा | ९६ ० | वाक्सायका व | १०३३, | वाग्वै वाजस्य | १०८,११० | वाचैव तद्व | |
| वह्नौ हुताच्छ्रे | ७४२ | | १०४५ | वाग्वै वायुः | . ३ २२ | | ३०३ |
| वह्न्यभिलाषा | ९६५ | , , | ४९,११२७ | | ર ૧ ૧,૨૭૪, | वाचेव प्रय वाचेवेनत्त | ३२४ |
| वाक्कूरो दण्ड | ७९५ | | १७६४ | 1 | ३०३,३१३ | वाचेवनत्त वाचेवेनमे | ३३४ |
| वाक् चैव गुप्ता | १ ०४४ | वागनुद्वेग | १९४९ | वाङ्गकं श्वेतं | २२३७ | विष्यवनम | २६९, |
| वाक्पारुष्यं च | १५७९ | वागनुष्टुप् | ३२१, | बाङ्मात्रेण वि | २०४३ | | २७६ |
| वाक्पारुष्यं त | ५७६, | | ₹ ₹• ,₹₹४ | वाङ्मात्रेणैव | १२२० | वाचो बन्धुरि | २७८ |
| • | १५४८ | | <i>६</i> ४४ | वाचं क्षुणुवा | ५०६ | वाचो रसो य | ३३० |
| वाक्पारुष्यं द | १ ६०७ | वागस्त्रा वाक्श | * " | वाचः ग्रुभाः स | ा २५२३ | वाच्यावाच्ये हि | १९०५ |
| वाक्पारुष्यं न | <i>१५७७</i> | वागिति यज्ञा | ४३५ | वाचमभ्युद्य | ३२४ | वाच्येवास्य म | ३२७ |
| वाक्पारुष्यं प | १५७८, | वागुर्युऌक | ७ २५०९ | वाचमेवास्मि | አ አአ | वाच्येवास्य र | ३३० |
| • | १५९३ | वाग्ग्मी प्रगल्भ | १२५६, | वाचमेवास्य | ३ २२ | वाज ५ हगछ | १०९ |
| वाक्पारुष्यं श | १६११ | | १२५८ | वाचयामास | २३५७ | वाज५ ह्यतेन वाजपेयरा | 33 30 as 4 |
| वाक्पारुष्यं स | १५७७ | वाग्ग्मी प्रगल्भः | ११७८, | वाचयित्वा द्वि | ૨ ३५५ | याजयया वाजसनि र | २९०४ |
| वाक्षारुष्यद् वाक्षारुष्यम् | १५४६ | ८८ वाग्घि वा ज स्य | ८३,११८६ १०९ | वाचयेदेव | २९३ २ | वाजाना ५ सत्प | 308 |
| वाक्पारुष्यम | ६७२ १५५८ | वाग्जीवी वैता | १६६५ | वाचश्चाप्यश | २३५५, | 4191711 4 (1(4 | ૨૪ १, ૨૪૪ |
| वाक्पारुष्यान्न्य | १७५० | वाग्दण्डं प्रथ | १९७२ | | | वाजाप्यो वा ए | १०९ |
| वाक्पारुष्यार्थ | १५५८ | वाग्दण्डजं च | १५७२ | वाचस्पत ऋ | 90 | वाजिगतिवि | |
| वाक्यं च सम | १५५८ १७१५, | वाग्दण्डपरु | ११४४, | वाचस्पते नि | ४८६ | 411-1-11(11)4 | १५२५, |
| 1111 4 331 | १७४५ | · | १५३० | वाचस्पते पृ | 90 | वाजिनं तद | २३४२ |
| वाक्यं चाप्रति | ₹७०० | वाग्दण्डयोश्च | २ १५७८, | वाचस्पते सौ | | वाजिनां च प्र | \$\$\$\$\$ |
| वाक्यं तु यो ना | १६९२ | | ८४,१५९३ | वाचा क्षिपति | ,, १ २४१ | | १६९९ |
| वाक्यं समन्दं | | वाग्दण्डयोस्तु | | वाचा च हि म | | 1 | २४८५ |
| • | | | | | 884 | वाजिपक्षः प | २७०५ |

| वाजिवारण | # ₹ ४ ४ | ३ वाद्यं प्रकुर्व | 7 200 | lam after | | | |
|-------------------------------------|----------------------|---------------------|-------------------|-----------------|---|----------------------------|-----------------|
| वाजिसेवासु | १५२० | र, वाद्यगीते र | | १ वामः कपिञ्ज | | वायव्यं कुरु | २५३० |
| J | २३४ | | • • | 1 | | 1 - | # १४७१ |
| बाज्येवैनं पी | | | २८६ ९ - | 1 | १५१७ | वायव्या चैव | २९९१ |
| वाञ्छितं चापि | \$ \$ 2 \ 2 \ 100 | 1 | | 1 11 11 21 | ર ે ५ २८ | वायव्यामान | २४७१ |
| वाञ्छितार्थक वाञ्छितार्थक | | | | | | वायव्या वारु | - २९२८ |
| नाञ्छतायक वा ञ्छितार्थप्र | २५० | | न २९२६ | वामदक्षिण १ | ४८७,२७४९ | वायव्ये तैज | २५३० |
| वाडिमूले ग्रा | २५३ | ויסודפורו | १७५१ | | २९८८ | 1 | २९८३ |
| वाडवं न च | १४७१ | I GIGINIETTE | र १८४२ | वामदेवाय | ३००१ | वायव्यैवीरु | २८५८ |
| वाणिजको वृ | १६३ । | | /98 | l ——— | २५३९, | वायसं तु वि | १२११ |
| वातं च ष्ठीव | १६ ४३ | | | 1 | २५ ४३ | जागग को ज | १२१२ |
| नातघूणित | १०६ ३ | anamai S | | वामनो दक्षि | १६३ | | # ,, |
| बातत्विषो म | २४६। | 'l | ,-, | वामनो वही | ११६,१४१ | वायसात्पञ्च | ८७२ |
| नातधूमाम्ब <u>ु</u> | 806 876 | ` | • • • | वामपक्षं स | * २७१२ | वायसाश्च रु | 4 2888 |
| नातधूमाश <u>्च</u> नातधूमाश्च | १४६८ | वानप्रस्थांश्च | ८६९ | वामपाणिक | | I GIN TIH TI | २५४७ |
| . • | * ,, | I | १९७९ | वामपादे तु | २ ६८९ *२०१९ | वायुः पूतः प | १७१, |
| बातप्रेरक | १ ४८७ | | | वामपादेन | * ₹७ १ ९ | | ₹ {४ |
| वातमातप | २२८६ | | | वामपार्श्वे तु | २५१२ | वायुः सशर्क | २५ ०७ |
| ' वातरंहा: ' इ | • | | १३९२ | वामपार्श्वेऽभ | * २७१९ | वायुना सप | २०४९ |
| वातवर्षे म | १०८७ | | ५८३ | 1 | " | | ४८५,२९१७ |
| वातवेगर | २९९५ | 1 ~ | ५९६ | वामभागेऽथ | १४३२ | वायुरन्तर <u>ि</u> | ७५,१०५ |
| वातस्य प्रवा | ४०९ | 1 | # १७६ ४ | वामभागे प | २८६८ | वायुरभ्रमि | |
| वातापिर्भक्षि | ७२८ | 4 | " | वामहस्तेन | १५१७, | नायुरमित्रा वायुरमित्रा | \$080 620 |
| वातायनं पृ | १४८५ | वान्राणां न | | | १५१९ | वायुरोगाः प्र | ५२१ |
| वाताश्वका वि | #२६७७ | वानरै: पीड्य | र १६६८ | वामाः प्रयाणे | २५२४ | | २८४० |
| वाताश्विका वि | ,, | वानस्पत्यः सं | i ५०७ | वामाः प्रशस्त | • | वायुर्गन्धस्य | ८३१ |
| वातासो न ये | ,, ४७६ | वान्तं च छी | व १६९२ | वामा ज्येष्ठा त | २९८८ | वायुर्नः पातु | # ₹४४ |
| वातोत्पातैः स | १६१९ | वान्तं निष्ठीव | *१०६ २ | वामादयः क | •• | वायुमी तस्मा | २९११ |
| वातोद्भतार्ण | २७१७ | वान्तोन्मत्तज | # २५२४ | वामा प्रशस्ता | ,, #२५२४ | वायुर्माऽन्तरि | १०३ |
| वातोन्मत्तज | २५ <i>२</i> ४ | वापनं सर्व | २४७३ | वामार्चिः शाव | 2888 | वायुर्वा अह | ४८० |
| वादयामासु | ₹ ₹₹8 | वापातिरिक्त | २२८७ | वामाचिदुंष्ट | | वायुवद्ध्वंस | ८२१ |
| | | | | वामीकृताव | 21.22 | वायुश्च पूषा | २२७ |
| वादित्रघोषे २८८ | | वापीकूपत | ७२१,७३०, | _ | २५२२ | वायुश्च सर्वे ७ | २०,१४१५ |
| वादित्रशङ्ख | २९७२ | | -, | वामेतरवि | २७०२ | वायोः पूतः प | # 8 0 8 |
| वादित्राणां च | १४६४ | वापीकूपारा | | वामेन पादे | २७६२ | वायोरग्रिजी | ३६३ |
| वादित्राणां सु | | व।प्येस्त्रिषंधी | २५३६ | वामे पादे तु | | वायोरूष्माणः | ४६६ |
| वादित्राणि च | *२९४१, | वामं तु वेष्ट | २५१३ | वामे वाऽऽयं ह | | वायोर्मुर्तिः श्वे | २५ ४७ |
| | २९४२ | वामं दक्षिण | | वामोऽनुलोम | - | वायो ग्रुको अ | |
| वादित्राणि प | १४६९ | वामं पक्षं स २ | ७१२,२७१६ | नामो भयातु | ** 2480 | नायोश्च निर्ऋ | 411,441 2480 |
| वादित्रै: | २५३३ | वामं पार्श्वे स | * 3088 | | 1 | नायाः सूर्य, च | |
| | | | | | 8691 | नाना सून, प | २९११ |

| वायोस्तु पूजां | २९२६ | वारुणी यवं | રહ ફ | वाशन्ति विख | २९२६ | वास्तुलक्षण | ৬४८ |
|----------------------|--------------------|------------------------------------|---------------|-----------------------|----------------------|-------------------|----------------------|
| वाय्वमिदिक्स | २४६१, | l _ | १७१ | वाशन्ते विस्व | # ,, | वास्तुविद्यावि | २३३८ |
| | २४६३ | वार्क्षे चन्दन | १५१० | वाशा स्थ राष्ट्र | રંહર | वास्तुसंशुद्ध | २८९९ |
| वाय्वग्निदिक्ख | २ ४६७ | वार्क्ष चैवाम्बु | १४६१, | वाशीमन्त ऋ | ४७५ | वास्तुहृदया | १४५० |
| वारणं सर्व | રહે ५ | • | १४७७ | वाश्रा इव घे | १५ | वास्तूककार | १ ४७५ |
| वारणस्य प्र | ૧ ૬५५ | वार्तया धार्य | ५५६ | वासं तत्र वि | २६६८ | वास्तोष्पतिर | ¥•• |
| वारणा इव | १५०१ | वार्ती दुयां चा | *७२० , | वासं वने म | २८७४ | वास्तोष्पत्यैर्वा | २९०६ |
| वारणा दश | २७०७ | _ | *८७८ | वासः पोतुः प | ३ २७ | वाहनं तु रा | २८१४ |
| वारणैर्भद्र | १५४३ | B . | ७२०,८७८ | वासगृहं य | ९७१ | वाहनं नर | ૨ ९४ १ |
| वारयन्ति वि | *१० ३५ | वार्ती प्रजा सा | १५८१ | वासन्तार्क इ | *१०६ १ | वाहनप्रति | २२९० |
| वारयित्वा प | #२५५३ | वार्ताः स्वका वि | | वासयेत गृ | ११०० | वाहनयोधा | १४९९ |
| वारवन्तीय | १६६, | वार्तीच दण्ड | ८८४ | वासयेत् कर्श | २५९ ४ | वाहनानां च | २४८९ |
| | ३३०,३३४ | वार्ताच्छेदेन | # ८२९ | वासयेदरि | 2066 | वाहनानां प्र | १७५० |
| वारग्रलमि | २४७२ | वार्ताच्छेदे हि | " | वासवं गज | २८५९ | वाहनानि च | |
| वाराणसी म | २९७८ | वार्ताजीवन सर्वा सामग्री | 988 | वाससां चित्र | २८७५ | वाहनानि प्र | • |
| वाराहः पर्व | #२९६७ | वार्ता दण्डनी ' वार्ताधर्मे ह्य | ५३१,८६८ | त्राससी नेष्टा | १६५,३०५ | वाहनापच | १८९४ |
| वाराहपर्व | * ,, | 1 | ५५६ | वासाय च ग्र | १४७३ | वाहनाये कु | २९२ ४ |
| वाराही भैर | १४७९ | वार्तीमूलो ह्य | ٥٥٥ | वासुदेत्र इ | 08683 | | १५१३ |
| वाराही शकु | २५२९ | वार्तायां संश्रि ५९ | - | वासुदेवः सं | २५४४, | वाहमेदवि | २३६८ |
| वारिधारास | १०८६ | वार्ताविशेषं | १६८६ | | ૨ ९७६ | 1161.11 41.1 | १५१९ |
| वारिपथे च | २२६५ | वार्तासमृद्धौ | ९१ ४ | वासुदेवस्य ६ | ०३,२५४०, | वाहाश्रितस्य | " |
| वारिपथे तु | २१०० | वार्ताहराः सौ | २३४७ | | ^२ २८५९ | 1 3116 1111 | १५४३ |
| बारि भूरि न | २७५२ | | १६६५ | वासुदेवो ज | ૨ ९५५ | वाहिनीं प्रमु | # २७२• |
| वारिवित्तेश | ८२० | वार्तिकाणां क | ७२८०२ | वासुदेवोद्ध | २९२ २ | वाहिनीप्रमु | " |
| वारिस्थलप | २०९६ | वार्तिकानां क | " | वासो दक्षिणा | ११६ | वाह्यमानम १७ | ८९,१९३८ |
| बारणं चर बारणं दश | १६८ | वार्त्रघ्नं वै ध | २८१ | वासो भयाय | २५ १० | विंशकं याव | २९०• |
| વાવળ વરા | ७९,१४२, १६३,१७२ | वार्धुषिकाच | १३७७ | वासोभिः शय | २८६८ | विंशकं वाय | ٠,, |
| वारुणं यव | १४१,३ १६ | वार्यमाणोऽक | २३९५ | वासोभिः संह | २८६२ | विंशतिगुण | २२१९ |
| वारुणं वै रा | ₹४० | वार्यमाणो य | २५१३ | वास्तव्या गवे | २५३,२६७ | विंशतितण्डु | २२७१ |
| वारुणं श्रव | २९७ २ | वार्षिकांश्चतु | ८१४,८२२ | वास्तव्यो वा प | | विंशतितौिल | २२७२ |
| वारुणयोगा | 2888 | वार्षिकान् हैतु | ७२९ | 1 | ९७१,२६०७ | विंशतिदोला | २८४६ |
| वारुणश्चरः | ३०९ | वालखिल्यादि | २९७७ | वास्तुकम् | ६७१ | विंशतिपणाः | २२७४ |
| वारणी तेषु | २९ १९ | वालखिल्यास्त | २९६४ | वास्तुखण्डाञ्ज | | विंशतिभाग | २२६४ |
| वारणी वसु | १ ४७० | वालिखिल्य औ | ८९९ | | १४५० | विंशतिभागः | १३०३ |
| वारुणेन तु | ر. ده ی | वालिनो मन्द | २८०४ | 1 | २९७७ | विंशतिमित्यौ | १२४८, |
| वारुणेनाभि | २९७८ | 1 ~ | १९१५ | वास्तु दे वेषु | ७२९ २२ | | १७७१ |
| वारुणे वरु | | वाबुधानाव | ३७ | वास्तुमानेन | १४९७ | विंशतिमीण | २२३ ० |
| | | | | | | | • • • • |

| विंशतिवर्षी | 2312 | (विकारिणि प्र | • • | 18-2-0 | | | |
|-----------------------------|---------------|--------------------|----------------------------|----------------------|---------------|----------------------|-----------------------|
| विं शतिस्तेषु | १ ४९४ | | | विक्रमो विलग | २३१० | विगुणोऽपि हि | १२२४ |
| विंशती द्वे च | २९१ १ | | २५३९ | 1 | २६४७ | विगृहीतश्चे | ं २०६ |
| विंशतीशं श | १४०५ | | | विकयं क्रय | १३१६ | 1 0. | २०५९ |
| | 233 | | ऋ दु५०४ १५०५ | विक्रये पण्या | २२ १ ५ | | १५१७ |
| विंशतीशः श | | विकृतं चेन्मु | ९५७५ ९५९ | 1 | १३९९ | 1 | १७१८, |
| विंशतीशस्तु | १४०६ | १ विकृतं यदि | | 1, 1,14,71 451 | १२८३, | | १७२२ |
| | 233 | राषक्रत याद) | २४८४, | 1 | २६ ४७ | 1 | २१३२ |
| विंशत्येते गु | #८७३ | . | २९१७ | 1 | ५६७ | 1 411/ | * २१७२, |
| विंशस्य पुत्रः | ሪሄፋ | וייינייין | २९२५ | 1 | २०८८ | | २१७४ |
| विंशांशं भाग | ७१३ ६० | । पञ्चतस्तत्कु | १९६० | 1 - | १३६७ | | # ₹₹८₹, |
| विंशांशं लाभ | १३६३ | ्रावक्षतत्त्व क | 举); | विक्रीतक्रीत | ६७२ | | २१८३ |
| विंशांशं वा षो | १३७५ | Hadwall M. C. | २४२४, | | १५६९ | विगृह्य याति | २१७२, |
| विंशांशभाग | १३६० | | २९१७ | | १३७५ | | २१७४ |
| विकटा मुकु | २५४८ | ાવકતાવા પ્ર | २९२ ९ | | # 9८३ | विगृह्ययान | ६७४ |
| विकरालं म | | 1135/11-41 | २९१४ | 1 | " | विगृह्ययानं २१ | |
| _ | ሪ५ሪ | ापद्यात च स्व | ९८३ | विक्रोशन्त्यो य | ७०२ | | ૨ ૧७૨ |
| विकरालनि | * १५२० | 1.15.00 4134 | ર્ ષ૪ષ | विक्लवं दूत | १६६७ | विगृह्य शत्रू | २०५३ |
| विकरालवि | " | विकृतिं यदि | २५३७, | विक्लवो वीर्य | # 2800 | विग्ह्य सं धा | २ २१७१, |
| विकराली क | २९९ ६ | | • | विक्लवो हीन | | ार्ट्स प्रमा | २१७ २, २१७४ |
| विकर्तनं क | १५२० | | १८५६ | 1 - ' | ,, २५६१ | विगृह्यासन ६५ | |
| विकर्तुः यत | १५२९ | | 484 | 1 . | २०९० | _ | १४,१९९६, ११,२१७७, |
| विकर्मिकिय | १११२ | विक्को मढो म | २३१२ | 1 | | . ``` | • |
| विकर्मणि स्थि | ५८५ | विक्रमं च प | १८९ ४ | विक्षु चके व |); | विगृह्येति च | २१७९ |
| विकर्म तद्भ | ५७९ | विक्रमकाले | प ६ | विक्षेपव्याधि | २७९ २२ १५ | विग्रह्मैनं त | २०७४ |
| विकर्मस्याञ्छी | ११११ | Darress | ११०६ | 194194114 | २२१५, | _ | २१८१ |
| विकर्मस्याश्च | ६०१, | विक्रमस्य प्र | २०८६, | विक्ष्वेत्येवैत | २२५८ | विग्रहं केन | २०१९ |
| 2-2- | * १३१५ | | 2133 | विख्यात पी रु | २९७ | विग्रहं शम | २१३८ |
| विकर्मस्थास्तु विकर्णकर | १३१५ | विक्रमस्व दि | *288 | 1464(त्रम् | १५२१, | विग्रहः स च | २१४६ |
| विकर्माणश्च विकर्षितः स | १०३५ | विक्रमस्व म | कर ४४ ५ २३७७ | | | विग्रहकाले | २६ ९६ |
| | २१४५ | विक्रमाधिका | | विख्याप्य संव | | विग्रहप्रग्र | *१९०९ |
| विकलेऽपि हि विकल्पन्तेऽव | ८२९ | विक्रमाधिग | २१०८ | विगतक्रोध | | विग्रहश्चेति | २०७२ |
| | १७४९ | विक्रमान्तरे | २३९२ | | | विग्रह्स्य तु | २१३६ |
| विकल्पा बह | २५५ इ | · | | विगन्धता च | ९८४ | वि ग्रहायो च | २७०० |
| विकल्पा बहु | | विक्रमितुका | 1 | विगाह्य वाहि | २७७१ | विग्रहेण स्व | #2160 |
| विकारं याति | १०१५, | विक्रमेण च | १८९४ | विगुणान् भेद | प५ | विग्रहेणाथ १८५ | (७,१९३७ |
| विकाराश्च त | २१२१ | विक्रमेण म १०७५ | ,१८९४ | विगुणाश्चापि - | #2838 | विग्रहेऽपि स्व | २१८० |
| विकाराश्चाऽऽयु | २९०१ | ।वक्रमा बल | २०७६ | विगुणा ह्यपि | | विग्रहे वर्त | # १३ २० |
| | ५५५ | विक्रमो भद्रा | २३१० | विगुणोऽपि य | | विग्रहे सत | 2834 |
| | | | | | • | | ** * * |

| विग्रहे हि क्ष | २०५८ | विच्छिन्नधर्म | १९५८, | विजिगीषुः श | २०५९ | विज्ञातमर्थे | # € XX |
|-----------------------------------|-----------------|----------------------------|---------------|--------------------------------------|--------------------------|----------------------|--------------------------|
| विग्रहो वर्ध २०० | | | १९६१ | विजिगीषुर | १८६४ | विज्ञातव्यो वि | ५५६ |
| विग्राह्य पूर्व | 2 १ ६ ३ | विच्छिन्नविवि | १५७८, | विजिगीषुरा | ं २५५४ | विज्ञातानि त | # १ २५५ |
| विष्नं कुर्वनित | २८९४ | | २१८३ | विजिगीषुर्दि | २१५७, | विज्ञाता फल्गु | २३३७ |
| विष्नं निमित्त | १८९१, | विच्छिन्नवीव | १५८६, | | २१८५ | विशातुकाम | ६५० |
| | २०४४ | १ | ५८९,२१८१ | विजिगीषुर्नृ | २१८४, | विज्ञानं हृद | ९२७ |
| विव्रस्य शम | १५११ | विच्छेदो नित्य | २९०३ | _ | २४०७ | विज्ञानगुण | १०९४ |
| विचचार म | * १०८ ५ | विजयं भूमि | २८९९ | विजिगीषुर्म | ं | विज्ञानबल | ६३४, |
| विचन्द्रा शर्व | ***\ | विजयं लभ | २६ ० २ | विजिगीषुर्मि | १८५१ | ₹ • | ८३,१०८४ |
| | | विजयं सम | २५०१ | विजिगीषुस्त | २१६३ | विज्ञानमथ | ६४४ |
| विचारयति १८२ | | विजययुक्ताः | २६१२ | विजिगीषोः पु | १८६७ | | #१३२१ |
| विचारे पण्डि | १८३० | विजयस्य ह्य | २१४३ | विजिगीषोर | १२९५, | विज्ञानेनाऽऽत्मा | ८७२, |
| विचार्य आत्म | \$ \$७८१ | विजया नाम | २८४४ | | ८४९,२०९२ | | ११०५ |
| | ६१,९९५ | त्रिजया मङ्ग | " | विजिगीषोर्वा | २०६६ | विज्ञानोहापो | ९०२ |
| विचार्य कुर्व | २४७० | विजयाय हि | #७ ९ ६ | विजिगीषोस्तु | २२०५ | विज्ञाप्यमानो | १७२८ |
| विचार्य ख़े | १२१९ | विजयायाऽऽइ | ,, | विजिज्ञासुरि | *१२१४ | विज्ञाय च म | १६९७ |
| विचार्य तेन | २८३६ | विजयार्थे नृ | २८९४ | विजितातमा तु | ९१९ | विज्ञायते न | ९६ ० |
| विचार्यमात्म | १७८१ | विजयार्थे म | २८७२ | विजितातमा म | १०५२ | विज्ञायते ब्र | १६१४ |
| विचार्य सर्व | २३३१ | विजयार्थे हि | #२६०३ | विजितेऽभये | २४९,२५१, | विज्ञाय दे शं | # १६७६ |
| विचिकित्सुर्घु | १२२९ | विजयी रिवम विजयी ह्यर्थ | २४६२ | | २५२,२५३, | | ९५८ |
| विचितवस्त्र | २२४८ | ।वजया स्थय वि जयुषा य | ६४७ ५७ | | २५४ | विज्ञाय राजा | २४५८ |
| विचित्रभक्ष्य | १६६५ | ाव जथुता य विजये द्वाद | १४९६ | विजित्य क्षम | २६ ०५ | विज्ञाय स्वपु | २१८४ |
| त्रिचित्रमाल्य | २५४६ | विजयो जय | | विजित्य च ज | | विशेयं बल | १५०८, |
| विचित्रमिद | २१३२ | | २८९३ ५७४ | विजित्य च म | ५५२ | | २५५ 🕏 |
| विचित्रवस | १४९६ | विजयो नाम | २८४५, | विजित्य च रि | | विज्ञेयं बहु | # १ ५०८ |
| विचित्रवीर्यो | ८४१ | । विजया गाम | २९८३ | विजित्य तुय | १५१९ १०३५ | विज्ञेयं भूमि | २५१४ |
| विचित्रां रच | - | विजयो मङ्ग | २८४५ २८४५ | विजित्य पृथि विजित्य शत्रू | र०२५ २८७३ | विशेयः खल | २७५३ |
| | २८९६ | | ५४४,१७६१ | विजित्वा त ्य विजित्वा तुय | | विज्ञेयः शक | २७५२ |
| विचित्राश्चाग विचिन्त्य कार्या | १४६८ | विजातं विकृ | 2929 | विजेतुं प्रय | १९३४ | विज्ञेयाः स्थ्रल | २ २८४० |
| | ९६४ | विज्ञानन्नपि | १७२४, | विजेषकृदि | ४८९ | विशेषो निन्दि | २८३६ |
| विचेताः पर विचेता न्यप | २७९७ | 14-91-1-11 | १७४३ | विजेष्यामि र | ०८ ५ क्ष र३ ५८ | विशो यामान | # २५ २७ |
| विचेष्टन्तः स्म | २७६० ७२३९३ | विजानिर्यत्र | ३९८ | विजेष्ये च र | | 1 | ३ २९,४ ३ ५ |
| विचेष्टन्तश्च | 6 4474 | वि जानीह्याय | १ ३७० | विज्ञप्तं यन्म | " १ २०५ | बिट्स्बध्ययन | १०२७ |
| | " | विजावति प्र | ं ४०४ | विज्ञातदेश | १ ६७६ | la` a | ३२२ |
| विच्छिद्यन्ते क्रि | # 449, | विजिगीषत्यु | # \$ 6 9 \$ | विज्ञातद्रव्य | . ९९३ | विड्भाजनानि | ३ ३३ |
| १३३ विच्छिद्यन्ते स | १६,१३५९ | विजिगीषुः प | | विज्ञातनाम | २७५२ | 1 - ' | |
| | # १०५६ | _ | • | विज्ञातमर्थे विज्ञातमर्थ | | विड्वै गमः | |
| विच्छिन्नं भोग | २३८२ | .1 | 7310 | 1140044 | 204 | । । नजून गणः | ३४६ |

| विण्मरुत: | ३४२ |)विदघाति वि | २३७३ | विद्य ते भाव | 2/91 | विद्यामतिनि | • Sanala |
|----------------------|--------------------|--------------------------|-----------------|----------------------------------|--------------|---------------------------------|------------------------------|
| वितंसगिल | १ ९२४ | | २७०९ | I . | ४६ ३ | | १४७५, |
| वितत्येह य | १८२३ | | २२६७ | 1 | ર | | १४७६ |
| वितस्ताकूल | १५१० | विदारयेद्व्यू | २७४६ | ાગમ લ સ્વસ | २४७८ | , विद्यामदा घ विद्यामादित्या | १०४२ |
| वितस्ता देवि | २९६९ | विदार्यते श | २४६५ | | २४७९ | ावधामादित्या विद्यामार्जये | ₹ 0 |
| वितस्तिपञ्च | १५१५ | विदायमि त | १५०४ | विरादे गर | २९८९ | | ८७८ |
| वितस्तिसंभि | २८४२ | विदितं मे हु | २४८७ | - Z | २९१ १ | विद्या मुख्याश्च | |
| वितस्यः पञ्च | *१५१५ | | २५५ १ | 1 🕰 | २५३३ | ानवायुक्त ज | 202 |
| वित स्त्यधिक | २९८४ | विदिताः सर्व | ५९५ | | १२१४ | । पथापामप | २३८३ |
| वितस्त्येकैक २ | .८ ३९,२ ८४४ | विदितानि य | १२५५ | | १९०० | । गयाराज्याघ | १८४२ |
| वितानतुल्यो | २८ ४२ | | १६८८ | 10.5 | ८२४ | । । नवाच अल | \$ 8 \$ 0 |
| वितानध्वज | २८७६ | 1 ~ ~ ~ | २०२४ | 10 0 | 1096 | | |
| वितानश्चाथ | २८३९ | | १६६७ | ١ . | १०१७ | 1 - 1 - 21 (saff al | १३१ ५ |
| विताने अपि | २८४२ | | १७६६ | विद्यां पुनः स | ८७८ | विद्यावत्सु श | ८८७ १ ७४९ |
| वितानी मङ्ग | " | विदुरा नाम | २३८१ | विद्याकलानां | ११४८, | विद्याविदो लो | ५६८, |
| वितानो विज | ,, | विदुरायाश्च | ,, | | १ ४२८ | | १२०८ |
| वितानोऽष्टवि | ,, | विदुरेनं ना | રંહ | विद्याक्लाश्र | १४२९ १४२९ | विद्याऽविद्यावि | ₹₹ 0८ # ८६७ |
| वित्तं वार्धुषि | १३५८ | वि दुर्गी वि द्वि | ३६८, | विद्याकलोत्त | | | #८५७ ९२०, १ ७२० |
| वित्तक्षये ही | २४२८ | | ४९० | विद्याक्लात | ११४८, | विद्याविनीता | |
| वित्तत्यागं द | १०५८ | विदुर्य एव | ८१९ | विकासको ८% | १४२८ | | # १२४५ |
| वित्तत्यागो द | # ,, | विदुर्यस्यै व | ø ", | विद्यागुणोऽर्थ विद्या तपो वा | १११७ | 144114411(11 | ८७२,८७९, ८८८ |
| वित्तनाशं र | २५३१ | विदुला नाम | # २ ३८१ | विद्यात्तरा वा विद्यात्तदासां | १०८२ | विद्यावृद्धान्स | ८८८ ८६५ |
| वित्तपूर्णी म | ११४२, | विदुलायाश्च | | | 622 | विद्याशिल्पाप | १६७९ |
| _ | | त्रिदुषां शास | ₩ ,, १७९० | विद्यादलक्ष्मी रिकार- | १०३३ | विद्याशिल्पोप | |
| त्रित्तमाप्नोति | १४१८ | विदुषामि व | | विद्यादात्महि | २५१९ | विद्याशीलव विद्याशीलव | # ,, |
| वित्तवानेव | १३५९ | . • | | विद्यादुत्साद | १४११, | _ | ११७२ |
| वित्तस्य संक्ष | 9 9 7 1 | विदुस्ते वीर | ५४५ | 6 | १६५३ | विद्याशूरं त | २३९२ |
| वित्ताद्याप्नोति | 48787 | त्रिदुस्ते सर्व | | विद्याद्यदाऽऽभि | 0 220 | विद्या शौर्य च | १३००, |
| वित्तानामधि | 23%0 | विदूरे च प | | विद्याद्राजा स | ५९२ | ^ | ८०,२०४० |
| विचाप्तिरनि | 14501 | भि दे शगम | 1 | विद्यानां ग्रह | ८६६ | विद्याश्चतस्र . | ८८३,८८४, |
| वित्ते यत्ता स | - 1 | त्रि दे शपण्या | १३६१ | विद्यानां च क | 669 | farmers. | ८८८ |
| वित्तेश स्वैव | * ,, | वि दे शवासो | ११५९ | विद्यानां तु य | | विद्यासमुद्दे विद्यासीभाग्य | ६६८ |
| वित्तेशानिल | 2990 | वि दे शेष्वपि | * ? 284 f | विद्यानां दर्श | | | २८९९ |
| वित्तेरोशान | 11 | वेदेश्यांश्च ख | ७ २९ , f | वेद्यानाशी ख | 2200 | विद्यास्नाता व | #666 |
| वित्रास्यमानाः | ,, ६५३ | | | वेद्यानासा ख | 1 | विद्यास्नातास्त | " |
| विदग्धश्च वि | 3888 f | वे दे हान्द्रष्टु | | वेद्याभिजन | 236.0 | विद्यास्वभिवि ८१ | ६७,१०९४ |
| विदद्गव्यं स | ३६७ रि | वे देहे षु त | १५१२ | | 1770, | विद्या ह्यनन्ता | ८८९ |
| विद्धत्या स | #2399 f | वेद्धो धर्मी ह्य | i | र६ १ वेद्याभिराभि | २,२३३५ | वेद्या ह्येकात | १४७९ |
| | | ,, ,, | 100711 | नवा। गर्∥स | ८८७। | वेद्यु ज्जायतां | ३६३ |
| | | | | | | | |

| | | .05. | | | | | |
|------------------------------|----------------|-------------------|----------------|----------------------------------|--|----------------|----------------|
| विद्युष्जिह्या म | | विदेषं कश्म | | विधिना शास्त्र | २३५८ | विनयज्ञान् कु | १२५६, |
| विद्युता त्रास | * ,, | विद्वेषं च वि | * १७२५, | | १०५२ | | १७८२ |
| विद्युता भारि | ,, | | १७४४ | 1 | * ,, | विनयञ् श्रिय | १४२४ |
| विद्युता वा प्र | २९२२ | विद्वेषयेच | २८१३ | | ७६९ | | ८७१ |
| विद्युत्प्रदग्धो | २६५२ | विधत्स्व प्राप्त | २०२४ | 1 - | १८९६ | विनयश्च वि | ६१५ |
| विद्युत्सूर्यस्त | *२९६१ | विधर्ता चाय | ७७ | विधिप्रयुक्ता | * १०८२ | विनयस्य मू ८ | .७२,११०५ |
| विद्यु त्स्फूर्ज स्त | ,, | विधर्मतो त्रि | १२४२ | | ,, | विनयस्येन्द्रि | ९३६ |
| विद्युद्वज्रह | २८७४ | वि धवत्वाय | #१ ४७२ | विधिरस्याभि | २५४०, | विनयेचापि | #१८११ |
| विद्युद्धै विद्यु | ३६२ | विधवान भ | ५९९ | | २९८७ | विनयेन्नय १७ | ९८,१९४२, |
| विद्युन्महाब | २९९ ४ | विघवाश्च म | ६०० | विधिरेवं स | *१ ५९९ | | २५८९ |
| विद्युन्माली हि | ३००३ | विधानं देव | ५६३ | विधिरेष स | ,, | विनयैरपि | १८११ |
| विद्रवेचैव | १८१० | विधानं दैव | * ,, | विधिवत्कल्प | २९१२ | विनयोपग्र | १०१३ |
| विद्राणी द्रवि | #२९९६ | विधानं वेद | ٠,, | विधिवत्कालि | २८९६ | विनयो हीन्द्रि | ९२३,९२४ |
| विद्रावयामा | १५११ | विधानमात्रं | २८८५ | विधिवदक्षि | ५६४,७९९ | विनश्यति त | २८६९ |
| विद्रुतानां तु | २८०६, | विधानमिति | २७३३, | विधिवद्दीय | १९५५ | विनश्यत्यस्य | * ,, |
| • | २८०७ | | २७३८ | विधिवद्यान २४ | | विनश्यन्ति स | १३६० |
| विद्रुमं सम | १४६८ | विधानमेत | २९५५ | विधिश्च पाप | २८९९ २८९९ | विनश्यमानं | १०६० |
| विद् रमै रपि | २८३३ | विधानशून्यं | २८३७ | विधिस्तस्याभि | ५८ ५५ * २५४० , | विनष्टः पश्य | पश |
| विद्विज्ञास | २८१६ | विधानां दर्श | १२४५ | ।पाप राज्या ण | ***\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\ | विनष्टप्राय | २५४४ |
| विद्वत्पुरोहि | ર ૬ફર્પ | विधानाक्रम्य | # २५ ९७ | विधीयतां त | **\\C\\ ? \\C\\ | विनष्टायां द | ५९४ |
| विद्वद्भिरेकी | ५७६ | विधापाचक | २३ ०९ | विधीयते न | १०६० | विना कुटुम्ब | १४२९ |
| विद्वद्भोज्यम | ७२४ | विधाय विह्न | २९५१ , | विधुन्वन् गाण्डि | | विना कौशिक | ८९३ |
| विद्वांसः प्रथि | ५९८ | | २९७५ | विधुन्वन्य गाण्ड विधुन्वन्नसि | इ २७११ १५०५ | विनाऽमि विस्फ | २९२३ |
| विद्वांसः शिल्पि | १ ४४२ | विधाय वृत्ति | ८५७ | विधुश्चापि दि | * २९५ ९ | विनाऽऽज्ञया वि | |
| विद्वांसश्चैव | ६४८ | विधाय हृदि | २४५९ | विधूतः परु | **\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\ | विना तच्छोध | । १ ५६३ |
| विद्वांस्त येव | ५०८ १९०५ | विधारणो म | રું વહે, | विधूम्रैः परु | | विना तु सैन्य | रववर १४८३ |
| विद्वांस्तु ब्राह्म | 8382 | | २९७६ | विधूयेहाशु | " | विनादण्डंक | |
| विद्वांस्त्यागी श्र | १०५७ | विधास्ये प्राप्त | * ₹•₹४ | विधृतास्ते त | | | ७५० |
| विद्वा नप्य थ | | विधि कृत्स्नं प्र | २८५६ | विधृतिः पाप | | विना दायाद | १७१२, |
| विद्वानशेष विद्वानशेष | ७४२ १३५२ | विधि नीराज | २८८५ | विष्टातः पाप विषेयानां च | ४२८ | कियाने किय | १७१७ |
| विद्वान् भवतु | | विधि पप्रच्छ | ७९७ | विष्याते व ह्नी | | विनादो विक | २९९४ |
| विद्वान्वज्रिन्द | १६१५ ३७१ | विधिक्रियाव्य | ७६० | विध्यायतः प्र | | विना दोषेण ७१ | |
| विद्विषां चाडु | २७१ २६९५ | विधिज्ञो मृग | ६३१ | विष्वस्तगण विष्वस्तगण | | विना नौकास | २८३६ |
| विद्विष्टनाय विद्विष्टनाय | २५ <i>५</i> ५ | विधिना कल्प | | | | विना परस्व | ११५५ |
| विद्विष्टमपि | | | | विध्वस्तोऽयं ह | | विना पुरुष | २४०४ |
| | १७२५ | त्रिधिना पूज | | विन इन्द्रमृ | | विना प्रकृति | १२६६ |
| विद्विष्टानुपां | १६४९, | विधिना मण्ड | | विनदन्बाऽथ | २३८१ | विनायकः कु | २८८२, |
| | १९१६। | विधिना मन्त्र | २९४४ | विनयकर्म | १२८४। | à | २८८४ |
| | | | | | | | 1008 |

| विनायकः क्षे | २९९३ | विनिवृत्तश्च | २५४० | विन्यस्य वद | 2633 | ਜਿਹ ੀ ਰਸ ਤ | ११४१,१६०६, |
|--------------------|---|----------------------------------|--------------|----------------|----------------------------|---------------------|---------------------------------|
| विनायकस्य | २५४० | विनिवृत्ताभि | प४ | विन्यासो धन् | | । वयसावयु | १९४१,१९६९ १७४ १,१ ९६९ |
| विनायकाय | ^२ २८६० | विनिवृत्तेन | २५४० | विपक्षमुत्था | १७२७ | विपरीतस | २६७ <i>०</i> |
| विनायकी पू | २९९ ९ | विनिशिष्यामि | ११४४ | विपक्षलक्ष्मी | २१९३ | 1 | ७६३ |
| विनायको <u>ः</u> द | २९२ २ | 100 | २७०३ | विपक्षवच | ^२ ९८६ | विपरीतस्तु | ७६५,११८९, |
| विना वधं न | ५६३ | विनीतः शास्त्र | ११८१ | विपक्षे जय | २१७६ | | १७८३,२०५३ |
| विना विघ्नं म | | विनीतः सत्त्व | ११७९ | विपत्करं तु | * २५ १२ | विपरीतां द | ं ७२२ |
| विनाशं तस्य | २९ २५ | विनीतक्रोध | ५६ ३ | विपत्करे नै | 7868 | विपरीता द | २०९४ |
| विनाशनीया | १९४२ | विनीतता धा | ११८५ | विपत्कल्पत | २५१२ | विपरीतानि | १७६८ |
| विनाशयन्तो | * १७६८ | विनीतत्वं घा | ११८३ | विपत्तारे नै | २४६३ | विपरीतान्न | २०५३ |
| विनाशयेद्धि | * २५९८ | विनीतधर्मा | ५५५ | विपत्तावपि | २४०९ | विपरीतान्नि | * ,, |
| विनाशयेद्वा | | विनीतमीर | १०१३ | | २०७०,२४० <i>१</i> | विपरीता प्रा | २०९४ |
| विनाशहेत | ,, १९ १ ० | विनीतवत्त | २२०३, | विपत्तेश्च प्र | १ ७८०, | विपरीता ब | २०९३ |
| विनाशहेतु | २४४८ | -2-2 | २२०७ | l . | • | त्रिपरीता व्य | ,, |
| विनाशाय च | १७६८ | विनीतवेषा | १८१६, | विपत्सु कर्म | १७८२,१७९१ *१७२९ | विपरीता श्रे | २०९६ |
| विनाशाय स्व | * " | 222 | १८२९ | विपत्सु धर्म | , de | विपरीता ह | १५६६ |
| विनाशे तस्य | ۷8. د ۲ | विनीतवेषो | १८२४ | विपदन्ता ख | ች ›› ९ ৹९ | विपरीतोऽति | २०६३, |
| विनाशे धार्त | १०४६ | विनीतस्त्वथ | ८७७, | विपद्यते ते | | | 3 २१०७ |
| विनाशेऽपि स | २३७७ | 22 | ११८० | विपद्यन्ते स | २८४७ १०५६ | विपरीतोऽध | २४५३, |
| विनाश्य कुरु | २५२९ | विनीतस्त्वर्थ | # ८७७ | विपन्ने च स | | | २५५५,२५५६ |
| विना संस्कार | २८४० | विनीतांश्च कु | १२४४ | । प्रमण प प | [°] १०५९, २३९५ | विपरीतोऽन्त | |
| विना स्वधर्मा | ७६२,८३० | विनीतांश्च प्र | प४ | त्रिपन्नेष्वपि | १७६६ | विपरीतो ह | २०९६ |
| विनि:स्नावित | प१० | विनीता गुरु | २८२८ | विपरिच्छिन्न | २३८२ | विपर्यये कृ | २१०३ |
| विनिःस्रुत्य म | *२४९३ | विनीतात्मा हि | ८६६, | विपरिदधा | २ ९३ २ | _ | २४५४,२५५८ |
| विनिन्दति कृ | १७५३ | ८७४, विनोद एष | ९२६,९३७ | विपरिधाना | 4244 | विपर्यये चा | 2020 |
| विनिपातप्र | # 8000 | विनोदश्च वि | १४९६ १४९५ | | " | | १६१४,२७२१ |
| विनियच्छति | ११५२, | विन्दत्यायुर्वे | ८९० | विपरीतं त | १७६६ | त्रिपर्यये झ | २७२८ |
| | १९८४ | विन्दानुविन्दा विन्दानुविन्दा | | विपरीतं न | ११२०, | विपर्ययेण | २५ <i>०</i> २ |
| विनियुज्जीत | १००५ | ર | २७०५, | विपरीतः क | # २०५ ३ | वि प र्ययेणा | # ,, |
| विनियोगातम | ७२० | | १०,२७१६ | १५५५।तः क | २०६१, | विपर्यये त | २२१ ९ |
| विनियोगोऽस्ति | * ,, | विन्ध्यपर्वत | १४४५ | fanta, n | २०८४ | विपर्यये तु | # १२२३, |
| विनिर्गच्छंस्त | २७०१ | विन्ध्यर्क्षवन्ता | ८५९ | विपरीतः प | १५६६ | _ | # { ? 8% |
| विनिर्गतश्च | *२५०६ | विन्ध्यश्च पारि | , ,, ,, | विपरीतः पु | २१०७ | विपर्यये त्व | २०९३ |
| विनिर्गतस्य | * ,, | ^ • | | विपरीतः प्र | 1142 | विपर्यये नि | १८८२ |
| विनिर्भयो न | | विन्ध्याचले स्था | | विपरीतः स्थ | २१०० | विपर्यये पि | १८५० |
| विनिह्यो न | • | विन्ध्ये नित्यं व | १४१५ | विपरीतक | दू५२९, | विपर्यये पू | २०९२ |
| त्रिनिवृत्तः प्र | २५४४ | विन्ध्ये पञ्च | ,, ا | | रे५३० | विपर्वये प्र १ | ९३१,२५६८ |
| | | | | | | | |

| - 42-0 | | 10: 0: | | | | | |
|----------------------------------|---------------------|---------------------------|---------------|-----------------------------|---|------------------------------|-----------------------|
| विपर्यये म | | विप्राणां त्रिंश | | विभावयेन | ७१७,१३५२ | | ५००,५०२ |
| विपर्यये मू १ | | | ७२८ | विभिन्नकल | ६ ३६ | विमानचय | १४४३ |
| विपर्यये वि | २१८५, | विप्राणामक्ष | #६९१ | विभिन्नजाति | २८४७ | विमाननात्त | १६१८ |
| विपर्यये शी | २१९८ | विप्रादन्येभ्य | १३५८ | विभीषणम | २१३३ | विमानमिव | *{ ४४ } |
| विपर्यये सा विपर्यये सं | २६१० | विप्रालाभे तु | १८३० | विभीषणमि | २९४३ | विमानशत | १०९१ |
| | २१५२ | Industrial South | २९२२ | विभीषणव | १६६८,१७६६ | विमानस्थं सु | ,, |
| विपर्यये स्फो | २२४६ | विप्रासो न म | ८९,४७५ | विभीषणस्य | १८७३ | विमानस्थी तु | १०९२ |
| विपर्यये हि | १२२३, | विप्रेण प्राण | #६३६ | विभीषिकाद्य | | विमानात्पुष्प | २४९९ |
| | १२४७ | विप्रभ्यः काम | १०२६ | विमीषिकाऽ | | विमानितो ह | ६०८ |
| विपर्ययोऽम | २७३४ | विप्रेम्यो दक्षि | २९ ३५ | विभीषिका वि | | विमार्गेषु शि | 2860 |
| विपर्यस्ते वा | २४८० | विप्रेभ्यो दीय | १११५, | ावमा।षका । विमुं विशेषे | • ,,, | वि मिमीष्व प | ७१ |
| विपालाश्च य | 6 608 | | ८१,२८२२, | | | विमुक्तदोषः | ६५० |
| विपिपानाः स | # \$ 96 | | २८२३ | विभु प्रभु प्र | ४७६ | विमुक्तमूर्ध | २८०२ |
| विपिपाना ग्रु | १७८,३१५ | विप्रै: पुरोहि | २८७८ | विभुश्चापि वि | | विमु क्त स्त प | * ६ २२ |
| विपुलं यश: | ३५२ | विप्रैः सह म | १८२९ | विसुश्चापि प्र | • | विमुक्तस्तम | |
| विपुलश्च त | ७४२ | विष्छते नर | ५७२ | विभुश्चैव प्र | • • • | विमुखः पर |); |
| विपुलां कीर्ति | १०३४ | विफलस्य हि | | विभूतिं चत | | विमुखीकर | ११५० |
| विपुलांसो म | *११७ ६ | | १८१३ | विभूतिभूता | ८२३ | | १५१४ |
| विपुलारम्भो | २१५९ | विभक्तपुर | क्ष२०१५ | विभूतिर्भोग | २९९५ | विमुखो भग | २७८७ |
| विपृष्ठं सोद | <i>क१५२१</i> | विभक्तमुख्या | २७२१ | विभूती: पर | ११८६ | विमुञ्जतेऽथ | *२९२५ |
| विप्रः क्षेमाश्र | ५८३ | विभक्ताये च | १८३९ | विभूषितं तु | २९५१ | विमुञ्जन्ति त | " |
| विप्रः स उच्य | ४६० | विभक्तेश्च वि | २६७६ | विभूषितं र | २८२९ | विमृग्वरीं पृ | ४०७ |
| विप्रकर्षेण | २३७५ | विभज्य काले | ५४२, | विभूषिता ग | | विमृशेत्स्वम | १७९९ |
| विप्रकृष्टेऽध्व | #१ ८५६ | | ६६२,९४३ | 9 | | विमुख धर्म | ७२२ |
| विप्रक्षत्रवि | १८३० | विभज्य दण्डं | १५०६ | विभ्रंशश्चेव विभ्रमश्चेव | ५७४ | विमृश्य राज | २७०३ |
| विप्रचित्ति च | २७७२ | विभज्य दण्डः | ६२१, | | * ,, | विमुष्टार्थः का | १६८६ |
| विप्रचित्तिमु | २९६१ | | १९६८ | विभ्राजमाना | | विमृष्टार्थी मि | |
| विप्रमुक्तोऽथ | २०२७ | विभज्य देश | १८९१ | विमध्यातिक | ७९८ | विमु ष्यै तानि | " १४९६ |
| विप्रमुख्यः कु | १८२६ | त्रिभज्य प्रक्षि | २७४१ | वि मन्युमिन्द्र | | विमोहनं कु | |
| विप्रयातांस्तु | २७६ १ | विभज्यमान | 4 2१८१ | वि मन्योः श | | वियुक्तो दार | १६२० |
| विप्रलम्भं च | | विभज्य सत | ६६५ | विमलं विज | २९८२ | | १९८७ |
| विप्रश्चेत्त्याग | १०७१ | विभज्य सर्वे | २८९४ | विमलकः स | २२३२ | वियुज्यतेऽर्थ | १५७१ |
| विप्रस्तु शस्त्रं | २७८८ | विभज्यामात्य | १२२५ | विमलक्षीम | २९४ ० | वियोगो वा भ | २९८२ |
| विप्रस्थाने प्र | | विभवेन द्वि | 1 | विमलस्तीक्ष्ण | १५०५ | वियो जघान | ६ |
| विप्रस्य मह | | | १४१९ | विमलाः स्वर्ग | | वियो जयेद्ध | # १८११ |
| विप्रस्य सर्व | | विभवेन ख | २५६३ | विमलादित्य | २७०४ | वियोनिषु च | २९२९ |
| ।वप्रस्थ सव विप्राञ्छास्त्रवि | | विभवो याव | २७२७ | विमलास्तेभ्य | १३६३ | विरक्तः कार | १७१५, |
| | | त्रिभागपत्रं विभागको स | | विमले च प्र | #२५०१ | | १७४४ |
| विप्राणां कोटि | 46551 | विभागशो य | १ ३७७। | विमले ते वि | 99 | विरक्तः सान्त्रि | ७६ ३ |
| | | | | | | | |

| विरक्तपौर | २०१ | ५ विराधो विरा | 9// | २ विलवणमु | | 10 | |
|---------------------|---------------|---|---------------|-----------------------------|--------------|------------------------------|----------------|
| विरक्तप्रकु २ | ११३,२११ | ७ विरामा या च | २८२ ११९५ । | a a - | २२ ४५ | विवादसंश्रि | १८२३ |
| विरक्तलक्ष १ | | | | ५ विलास एष | | विवादसौरि | २६ ०८ |
| विरक्ताः परा | | ५ विरुद्धकाम | 991 | | १४९६ | | १८२५ |
| विरक्ता बल | २१५ | विरुद्धदेश | २ १९ । | 10 . | | विवादिनो न | १९७८ |
| विरक्ता यान्त्य | ` २१५ | ५ विरुद्धदेशे | २५८६ २५८६ | • | | विवादेन स | १९८७ |
| विरक्ताश्च न | १२९ः | १, विरुद्धद्रव्य | २८१ ३ | | २०१७ | विवादे पृच्छ | १८२४ |
| | २०८ | | | | # ९८३ | 1 - | १८०९ |
| विरक्षो विमृ | . ५૦ | 11.1.00.11.1 | १६८६ | 1 | ७२२ | विवान् हि पव | २०४८ |
| विरजस्के र | २९२ | विरुद्धो देश | 940 | | २०१८ | विवासयेत्ता | २९२५ |
| विरजस्कोऽभि | २५१ | | २०६१ | | २५९१ | विवास्यमाना | ८४१ |
| विरजास्तु म | ७९ | (Exercise - | १८५१ | 10 00 | ,# ,, | विवाहदान | ११५० |
| विरज्यति च | ९८३ | , | १२६९ | | २१५३ | विवाहसंयु विवाहां ज्ञाती | ६७१ ४०९ |
| | # १२९ |) _ | १७४७ | ا حا | २५८६ | | |
| विरज्यते के | ७३ | विरूक्षयित्वा | ७४० | विलोभ्य च प विलोभ्यापि प | २८०९ | विवाहेऽपि शु | १४७९ |
| विरुच्यते त | * ,, | विरूपकर | १६६८ | विलाम्याप प | २६९१, | विवाहे भोज विविदास्य सु | १७४० |
| विरज्यन्ति न | # १ २९ | विरूपमथ | * ₹५०० | | ७२८०९ | विविक्तदर्श | ८४५ |
| विरज्यमान | २१८६ | विरूपमाप | " | विवक्षितांश्च | २५८४ | • | १७१५, |
| विरथान् रथ | ३७९० | विरूपव्याधि | २११० | विवदन्ती त | *१८१२ | हिं कि≕ि ० | २६,१७४५ |
| विरमेच्छुष्क | १९१६ | विरूपाक्षस्य | २९६८ | विवदन्तौ नृ | " | विविक्तमिति | १८९१ |
| विरलास्त <u>न</u> | २८४० | विरूपाणां वा | २२५६ | विवदन्वाऽथ | क्ष२३८१ | विविक्ते पृथि | ८५८ |
| विरले रोग | ,, | विरूपोऽर्थवा | १३३४ | विवदमाना | | विविक्तैश्च वि | #२६७६ |
| विरागं प्रिय | १००९ | त्रिरूपो लोभ | २३५२ | विव दे त्तत्र | १८२४ | विविद्धा कक | ५२२ |
| विरागः प्रधा | २१५५ | विरेमतुस्तु | ६४८ | विवधासार | | विवि धवस्तु | १४३५ |
| त्रिरागजन | ७३४ | विरोचन ५ खं | २६ | विवर्जयीत | 9044 | त्रित्रिषस्य म | #१३२६ |
| विराजः श्नुष्टिः | # ₹८₹, | विरोचनश्च | २७९७ | विवर्जयेच्वा | | विविधां दैव | १८३५ |
| | ३ ९२ | विरोचनस्तु | * ,, | विवर्जितानां | !' | विविधांस्तन्व | ८०३ |
| विराजते सा | १८७८ | विरोधनैश्च | ૨ १५४ | | | वेविधाकार | # १० ९९ |
| विराजते हि | १ ०९३ | विरो धये च्छ | १८४९ | विवर्जितो न | | वेविधाचार | ,, |
| वि राजदक्ष | ९४३ | | | विवर्णक छु | | वेविधासन | ८९४ |
| विराजमा ति | १५२ | विरोधे कर्म | | विवर्ण ने त्रे | | वेविधासु च | ८६६ |
| विराज्येवैनं | २१५ | वि रोहितो अ | | विवर्धते त | _ [" | वेविधैः क्षीर | १५४३ |
| विराटमन्त्र | | विरौति कुक्कु | | विवर्धयति | 11. | विधोपास्य | ८९० |
| विराटश्च त | # २७०६ | िराज्या≔ | | | 440 15 | विताध्यक्षः | ६७१ |
| विराटस्तु त | રહશ્પ | ।वल् राणच विलक्ष्य मपि | | विवस्वानिव | १६५७, | विताध्यक्षो | २३१७ |
| विराडिस द | | ^{ावलस्} यमाप विलग्नतिथ्या | # 84 80 | ने ना गर = | १६६५ हि | ाष्ट्रत्य हि य | ७९९ |
| विराड् वा इद | | विलङ्घयित्वा - | | वेवाएष इ | परप वि | वृद्धाः शत्र | १५७८ |
| विरा डि ३चैव | 6 8 E | ^{। चलङ्} यायत्वा विलम्बमानः | #2080 f | | ६७१ वि | वृद्धाश्च वि | * १ ५९४ |
| | *** | । न ः र जम ्मि | २६३१ Jf | थवादपद | प ६ वि | ब्रह्मश्चानु | १५४४ |
| | | | | | | | |

| विवेको हढ | 40 -1- | 1 000- | 6 9 9 15 24 |) Carlos es | 91. | 1 0-2 0 | |
|-------------------------------|------------------------------|-------------------------------------|-------------------------------|-------------------------|----------------|-----------------------------|------------------------|
| | १२०५ | | ,५,५,५५४, ८८,२ १ ४७ | वश्रवस्य विशेषतस्त | | विशो नियुत्व विशो मरुतः | ₹ ₹₹ |
| विवेक्तुं नाह | १८९२ | । विशिष्टचिह्नि | २६९१ २६९१ | विशेषतो म | रुउप् ७९६ | विशो वै पस्त्या | ७४ ६ |
| विवेचयति | १८२३ | 1 | | विशेषतोऽस | १२५१, | i e | ່ |
| विवेचिता चो | १२३१ | विशिष्टदण्ड विशिष्टरं | १३६६ | 19414(115(1 | | विशो वै मरु | २५९,२९१, |
| वि वो धमत्वो | ५०३ | विशिष्टबलं विशिष्टबलं | २६१४ | 626 . | \$00 \$ | | २९३,३०९ |
| विश इतराः | ३४७ | विशिष्टबला विशिष्टबली | २१९६ | ।वराषम्।त र विशेषमथ | १५६,१७५८ | विशो वै विश्वे | ३०७ |
| विशं चैवासी | २१५ | विशिष्टबुद्धी | ् ७९० २ | विशेषयेच विशेषयेच | २८४४ | विश्रभ्यन्तं प | २८०७ |
| विश× वा एत | ३४२ | विशिष्टसंज्ञ | १८४६ | | * १६९० | विश्रमन्ति म | २०४८ |
| विशः सप्तद | २१५ | विशिष्टसंज्ञि | १८४०, | विशेषये न | " | विश्रम्भयित्वा | ११५५ |
| विशतस्तान् वि | * १४२४ | | १८४६ | विशेषविच | ११७६ | विश्रम्भाच्छर | ११५३, |
| वि शत्रून् वि मृ | #40 ? | विशिष्टां वान | ६२५ | विशेषविच्छु | १०३७ | • | २७९४ |
| विशन्ति येन | २५१० | विशिष्टादल्प | २१५७ | विशेषविष | # १७३५ | विश्रम्भी नित्य | #२१२ ४ |
| विशमस्मिन् य | ३ ४५ | विशिष्टानां चै | प ६ | विशेषश्चर | २८४५ | विश्रम्भो हि बु | * २० ३ २ |
| विशमेवाव | ३४० | विशिष्टो देश | २६७२, | विशेषश्चाथ | २८₹२, | विश्रयस्व दि | 288 |
| विश्रमेत्रास्मा | २७२ | | र २८०७ | | २८३६ | विश्राम्यन्ति म | १७३४, |
| विशमेवा स्यै | २९३ | विशिष्यैतांस्त | २८५९ | विशेषस्त | १ ९२३ | | *२०४८ |
| विशस्त्वा सर्वी | ٩٥, | विशीर्णकव | २७६६ | विशेषस्त गु | २१७७ | विश्राब्य पिल | २०३२ |
| | .९,२४१ | विशीर्णता को | २८४२ | बिशेषान्तर | # १४७१ | विश्रुतस्त्रिषु | #१ २४६ |
| विशांच वै स | १०२ | विशीर्णयन्त्र | १५७८, | विशेषान्नर | 39 | विश्रुता राज | २३८१ |
| विशां राजान | ** | 1440414 | १५८५ | विशेषान्मर | ø ", | विश्वंभरा व | ४∙६ |
| विशाखयोः स | २४९१ | विशीर्णे कार्मु | १५०२ | विशेषेण च | ₹ ४ ₹८, | विश्वकर्मामा | ₹•४ |
| विशाखाद्यं भ | 2862 | विशीर्यते ख | 2119 | | २८६९ | विश्वकर्मी स | १ ४७४ |
| विशाखायां ग | २८८५ | विशुद्धकाष्ठ - | २८३६ | विशेषेण चा | १२०७, | विश्वकर्मा ह | १४७६ |
| | २८८५ १२४९ १ | विशुद्ध कोण | | | १६४० | विश्वचर्षणिः | ४८७ |
| ્ ર | | _ | २८३७ | विशेषेण त | २८७२ | विश्वन्तरो ह | २०२ |
| | १,३०९ | विशुद्धपद रिक्का | १७८६ | विशेषण तु | # ९ ९४, | विश्वभुक् च वि | ा २९५८ , |
| विशालविज | २७४२ | विशुद्धपार्श्व ० ९ | १७९७ | - | ८३५,२८९९, | | २९७६ |
| विशालशालं | १४९२ | | \$,, | • | 2986 | विश्वभुग्विश्व | *294८ |
| | १,५७० | | * ,, | विशेषेण हि | २४६१ | विश्वभृत स्थ | २७३ |
| विशालाक्षो म | ११७६ | বি য়ু দ্ধ দুষ্ট: | २६७३ | विशेषेणैत्र | ८३५ | विश्वरूपं त्वा | २०३ |
| विशाला गुण | २७५१ | | २४९५ | विशेषो घाण | | विश्वरूपो म | |
| বি য়া ন্তাসা ज | २५९९ | | २९०३ | विशेषो नास्ति | - | विश्वलेपः प्र | ५६१ |
| विशालो विज | २७३३ | विशुद्धे सर्पि | • ,, | विशेषोऽयं तु | | (| ५६४,७९८ |
| विशावैतत्क्ष | २९१ | विशेक्षुदन्ति | १९८७ | | | विश्ववेदसो | ४७ १ |
| विशिखामध्ये | २२४५ | विशे त्या यन्त्रा | ४११ | विशेषोऽस्ति : | , , , | विश्ववेदी त | ८५८ |
| विशिखा ऽमर | १४७१ | त्रिशेषं नाधि ५५ | | विशेष्यन्ते न | ८०४ | विश्वव्यचा अ | ५२८ |
| विशिखायां सौ | ६७० | विशेषतः कु | १३२२ | विशैवैनं प | ३४२ | विश्वस्तं भय | २०४५ |
| विशिष्टं बहु | १०५२ | विशेषतः पू | ८४७ | विशैवैन ५ रा | ३४० | विश्वस्तं वा प्र | २०३१ |

| विश्वस्तः शक्य | २ ६ ०६ | विश्वावसौ मु | २८४९ | विश्वे देवा उ | , २८. | विषभुक्तं ज | 1849 |
|---------------------|-----------------------|----------------------|---------------------------------------|------------------------|-------------------|--------------------------|---|
| विश्वस्तवद | १०६९ | | २६ ०६ | - | ५१४,२ ९३ ४ | भविषम आ ल | |
| बिश्वस्तांस्तान् वि | *{४२४ | विश्वासघात | २६९९ | विश्वेदेवांस्तु | २८८५ | विषम इव | ४३०,४३ १ |
| विश्वस्तानाम | ६६ ५ | विश्वासजन | १९५१ | विश्वेदेवाः शि | | विषमं जन | २४९२ |
| विश्वस्तान्यनृ | ९९६, | विश्वासनार्थे | ७९६ | विश्वे देवाः स | | विषमं पश्य | 288 |
| | ४,२१४७ | विश्वासमाग | २२ ०५ | विश्वेदेवा वै | २८८४ | विषमपुरु | १२७५ |
| विश्वस्ता रज | २८०२ | विश्वासमुप | २६३९ | विश्वे दे वास्त | २८८० २९३५ | विषमस्यं हि | २०१९ |
| विश्वस्तास्तेषु | *२०३ २ | विश्वासयित्वा | २ २०४५ | | | विषमस्यस्त | २७९८ |
| विश्वस्तास्त्वाशु | " | 1 | ४,७४९, | विश्वे यद्वां मं | 0 \$ | विषमस्थस्य | २६ ४४ |
| विश्वस्ता हि वि | १४२४ | • | ११०९ | विश्वो वो अज | | विषमस्थो ह्य | २०२२ |
| विश्वस्तेषु च | ६४८ | विश्वासयेद ११३६ | | विषं ते भीम | २७९९ | विषमा इव | ५२४ |
| विश्वस्तेषु हि | * ,, | विश्वासयेत्प | १०६९ | विषंन बाध | # १ ४७• | विषमेकािक | ७४१ |
| विश्वस्तैः सह | 448 | विश्वासस्ताद्य | १२९७ | विषं भुक्तं ज | # १४६९ | विषमेतहै | ३९९ |
| विश्वस्वं मात | 8•0 | विश्वासस्ते भ | १२८१ | विषं महाहे | १७१६ | विषमे तुर | १२४७ |
| विश्वा अभिष्टिः | # ₹ ६ , | विश्वासां गृह | | विषं मायाश्च | ५९८ | विषयध्वंस | २१३७ |
| | *4 ? ? | 117'41'01 '66 | ४३९ | विषं विषमे | ११०६ | विषयान्परि | १०७७ |
| विश्वा आद्याः पृ | * ₹•₹, | | ४२ | विषं विषेण | १८७४ | विषयामिष | ९२७,९३७ |
| | ₹ ४४ | विश्वासाद्धि प | २० ३ ७ २०३४ | विषं सुविष | १७८९ | बिषयाश्चैव | \$ \\ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ |
| विश्वाः पिन्वथः | ३ ५ | विश्वासाद्वध्य | २०३६ २०३६ | विषं हालाह | २८१३ | विषये दान | ५६९,११७४ |
| विश्वा धामानि | ४६ | 1 _ | २०२५ ९,७३४, | विषद्नांश्च म | ९५९ | विषये भय | 1433150° |
| विश्वानि भद्रा | ४७३ | | २,७२४, , ११ ०९, | विषघ्नागद . | ९६८ | 1 | ५६९,११७४ |
| विश्वान् देवान्म | २८८२ | 1 | , १८८९, | विष्टनानि च | ९७९ | विषये नापु विषये वापु | |
| विश्वानं बिभ्र | ४• ४ | 1 | ,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,, | विष्टनैरग | | 1 . | २८०३ |
| विश्वान्तु देवा | 169 | | , | विषघ्नैरुद | " | विषयेष्विन्द्रि | ६५३,९२०, |
| विश्वामित्रः स्यू | २९६४ | विश्वासाद्विन | ₹• १७ | विष ित्र स्य | 6 969,924 | - 4- 6 -00 | १०९७ |
| विश्वामित्रवि | १६१५ | विश्वासार्थं च | #७९६ | l | १४६९ | I . | *६६४ |
| विश्वामित्रस्त #६ | | विश्वासी च त | | विषण्णानां पा | | विषयरर्थ | #8 80 |
| विश्वामित्रस्तु | ६३७ | ।विश्वाता च त | ११३६, | विषणानां मो | ", | विषयैर्वैर्ने | #१०१२ |
| विश्वामित्रस्य | ६३५ | विश्वासो न तु | ८६०१ | विषण्नालिक | २३२५ | विषयोगाश्च | ५५३ |
| विश्वामित्राप | १६१५ | 5 | \$\$0 | विषतृणोद | १४३५ | विषयोगास्त | # ,, |
| विश्वामित्रो ज | | 1 | १ ४१७ | विषदिग्धेन | ९९ ४ | विषयो व्यथ | २६ ०५ |
| ापवामित्रा ज | ६४२, | · · | १९११ | विषदेन वि | *5८२ | विषवर्गः | २२६६ |
| विश्वामित्रोऽथ | २७६० | विश्वा हि भूयाः २६ | ,#५११ | विषदोऽथ वि | ۰,, | विषवहिष्टि | 1346 |
| | ६३६ | विश्वे ते देवा | ৩৩ | विषदो वा वि | " | | १७००,२८१३ |
| विश्वामित्रोऽपि | ६४२ | विश्वे त्वा देवा | २२८, | विषदोषभ | ९९६ | | # १ ४७२ |
| विश्वामित्रोऽह | ६३७ | | २,२४२ | विषनिषेक | १२७१ | विषह्यदाना | २०६१ |
| विश्वावसुस्ता | #२९६० | विश्वेदेवने | २५ २ | विषप्रदस्य | લ ે હવ | विषद्य दाना | 2068 |
| विश्वावसुस्तु | ,, | विश्वे दे वभृ | | विषप्रदिग्धे | | विषाक्तेन च | |
| | | | • = • | | , | THEFT I | 42.2.20 |

वचनस्ची

| विषाच् रक्ष्यो 🔻 | ९८२ | विष्ण्वाद्येरपि ८१ | ६२,११५ ४ | विस्तारेण स | १४८६ | विद्वत्य च य | # 980 |
|--|---|---|--|--|---|--|--|
| विषाणां धार | 2886 | विष्ण्वीशशक | २८७६ | विस्तार्यते य | *590 | विद्धत्य तु य | 33 . |
| विषादमञ्जे | २३७८ | बिष्पर्धसो न | ४३९ | त्रिस्तीणे कार | २८८२ | विद्वदयं वै | 4.0 |
| विषादी वावि | # ९८ २ | बिष्वग्लोपः प्र | *\ \ \&\\ | विस्तीर्णकू ल | ६५६ | 'बिहृदयम ' | |
| त्रिषालक्तक | १००२ | (4 4 00 00 00 | *636 | विस्तीर्णम े यो | १४९३ | वीक्षमाणो व | ₹८•• |
| विषु विश्वा अ | 864 | बिष्यग्वाताश्च | २४९ ० | विस्तीर्यते य ६९० | ,१०३१ | वीक्षयित्वा नृ | ર ે૮૮૬ |
| विषेण माय | १८८८ | त्रिष्वञ्चस्तस्मा | १०७ | विस्फुलिङ्गा वि | २९९८ | वीक्षांचके म | २८०० |
| विभेण वा मा | २८१३ | विष्त्रञ्जो अस्म | 899 | विस्फुलि ङ्गो द्ध | २५१२ | वीक्षितादुष्ट | 969 |
| विषेणोपनि १९८० | ०,१९८१ | | ५३७,७८८ | विस्मयं पर | २७५८ | वीडु ह रास्त | ३९७ |
| विषेनी बाध्य | १ ४७० | | , , | विस्मृते सुरु | २६३१ | नाडु ए रा आ वीणादूर्वा क्ष | २९८१ |
| विष्कम्भचतु | १४४७ | विसंवादितं | \ 7 | विसंसयति | १०६२, | वीतरागा म | |
| विष्टिक्षमापु | २८४४ | विसर्गार्थ सु | ८२५ | | ,,१७४९ | | २९९७ |
| विधिनायक | # २४५६ | विसर्गोऽर्थस्य | ५७६ | विस्नम्भात्प्रिय | २१ २४ | वीतव्य स न | १२०५, |
| ৰিছিনৰিশ্ব ५৩১ | ४,१५०० | विसर्जनस्य | २८७८ | विस्नम्भान्निहि | १८४१ | | ५७९,२४११ |
| विष्टिनंविच | ં _# ५७४ | विसर्जनाका | १०∙३ | विस्नम्भेण हि | | वीतिहोत्रो न | २९७६ |
| विष्टिन्नीविचा | * ,, | विसाध्यराज्ञ | . ९१५ | विस्नम्भे नित्य | २१ २४ | वीथिवीथिषु | ११४४, |
| बिष्टो बृष्टचां वा | २४६ १ | बिसूत्रेषु प्र | १४८० | विहताशः क्ष |)) | | २३४८ |
| विष्ट्यादिदुष्ट | २९८० | विसृजञ् श्लेष्म | २७६८, | | २०२७ | वीथ्यग्रे च द्वि | |
| विष्णुं देवग | ७३७ | | २७९१ | विहरन्ति प | ६४६ | वीरक्रीडावि | २८१३ |
| विष्णुकान्तं स | २७८८ | | | विहरन्मधु | ९९० | वीरणसारै: | ११२० |
| | 4966 | ।।वसज्रज्ञत | # 5 6 6 8 | | | I | |
| _ | | विस्जेच त | # १९९ १ | विहरेत्साव | ९६ २ | I | ९९७,१६८४ |
| विष्णुना खड्ग | १५२२ | विसुजेन्न च | १०६४ | विहरेत्साव विहरेयुर्य | ९६ २ ७९८ | I | |
| विष्णुना खड्ग विष्णुना दे व | १५२२ २५४५ | त्रिसृजेन्न च विसृज्य कथ | १०६४ ७१ ७२२ | विहरेत्साव विहरेयुर्य विहरेवे द्विष | ९६ २ | वीरपुरुष | ९९७,१६८४ |
| विष्णुना खड्ग विष्णुना देव विष्णुना विधृ | १५२२ २५४५ २८९३ | विसुजेन्न च विसुज्य कथ विसुज्य च प्र ९ | १०६४ *१ ७२२ ४५,१७७५ | विहरेत्साव विहरेयुर्य | ९६ २ ७९८ | वीरपुरुष | ९९७,१६ ८४ २९ ५८, |
| विष्णुना खड्ग विष्णुना देव विष्णुना विधृ विष्णुना सद्द | १५२२ २५४५ २८९३ ११७६ | विसुजेन्न च विसुज्य कथ विसुज्य च प्र ९ विसुज्य तान्स | १०६४ ७१ ७२२ ४५,१७७५ २९७८ | विहरेत्साव विहरेयुर्य विहरेवे द्विष | ९६ २ ७९८ ४ ६ ५ | वीरपुरुष वीरभद्रश्च | ९९७,१६ ८४ २९ ५८, . २९ ७६ |
| विष्णुना खड्ग विष्णुना देव विष्णुना विधृ विष्णुना सद विष्णुदाणास्तां | १५२२ २५४५ २८९३ ११७६ २८५९ | विस्रुजेन च विस्रुज्य कथ विस्रुज्य च प्र ९ विस्रुज्य तान्स विस्रुज्य धन | १०६४ *१ ७२२ ४५,१७७५ | विहरेत्साव विहरेयुर्ये विहरे वे द्विष विहाय कामं विहाय सर्पां | ९६ २ ७९८ ४६५ १९१ २ | वीरपुरुष वीरभद्रश्च वीरभद्रा ग वीरलोकं स | ९९७,१६८४ २९५८, • २९७६ १९९१ २७५८ |
| विष्णुना खड्ग विष्णुना देव विष्णुना विघृ विष्णुना सह विष्णुप्राणास्तां विष्णुरङ्गिर | १५२२ २५४५ २८९३ ११७६ २८५९ ६२१ | विस्रुजेन्न च विस्रुज्य कथ विस्रुज्य च प्र ९ विस्रुज्य तान्स विस्रुज्य धन विस्रुज्य धन | १०६४ *१ ७२२ ४५,१७७५ २९७८ १०९१ २२२ | विहरेत्साव विहरेयुर्ये विहरे वे द्विष विहाय कामं विहाय सर्पा विहाराहार | \$& ? ७९८ ४६५ १९१२ २५२१ ९६९ | वीरपुरुष वीरभद्रश्च वीरभद्रा ग वीरलोकं स वीरलोकम | ९९७,१६८४ २९५८, • २९७६ १९९१ २७५८ २७८९ |
| विष्णुना खड्ग विष्णुना देव विष्णुना विधृ विष्णुना सह विष्णुप्राणास्तां विष्णुरङ्गिर विष्णुरेव स्व | १५२२ २५४५ २८९३ ११७६ २८५९ ६२१ २४९८ | विस्रुजेन्न च विस्रुज्य कथ विस्रुज्य च प्र ९ विस्रुज्य तान्स विस्रुज्य धन विस्रुज्य वाच विस्रुज्येनं त | १०६४ * १७२२ ४५,१७७५ २९७८ १०९१ २२२ १९९१ | विहरेत्साव विहरेयुर्ये विहरेयुर्वे विहाय कामं विहाय सर्पो विहाराहार विहितं हृश्य | ९६ २ ७९८ ४६५ १९ १२ २५२ १ | वीरपुरूष वीरभद्रश्च वीरभद्रा ग वीरलोकं स वीरलोकम वीरलोके व | ९९७,१६८४ २९५८, २९७६ १९९१ २७५८ २७८९ |
| विष्णुना खड्ग विष्णुना देव विष्णुना विष्ट विष्णुना सह विष्णुदाणास्तां विष्णुरङ्गिर विष्णुरेव स्व विष्णुर्मरीच | १५२२ २५४५ २८९३ ११७६ २८५९ ६२१ २४९८ १५०६ | विस्रुजेन्न च विस्रुज्य कथ विस्रुज्य च प्र ९ विस्रुज्य तान्स विस्रुज्य धन विस्रुज्य वाच विस्रुज्येनं त | १०६४ \$ | विहरेत्साव विहरेयुर्ये विहरेयुर्वे विहाय कामं विहाय सर्पा विहाराहार विहितं दृश्य विहिताचर | \$ \$ 7 \$ \$ 4 \$ \$ 8 \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ | वीरपुरुष वीरभद्रश्र वीरभद्रा ग वीरलोकं स वीरलोकम वीरलोकं व वीरश्र सम | |
| विष्णुना खड्ग विष्णुना देव विष्णुना विधृ विष्णुना सह विष्णुप्राणास्तां विष्णुरङ्गिर विष्णुरेव स्व विष्णुर्मरीच विष्णुर्विरिञ्चो | १५२२ २५४९ २८९६ १८५९ ६८५९ ६५९६ १५०६ ८२३ | विस्रुजेन्न च विस्रुज्य कथ विस्रुज्य च प्र ९ विस्रुज्य तान्स विस्रुज्य धन विस्रुज्य वाच विस्रुज्येनं त | १०६४ • १७२२ ४५,१७७५ २९७८ १०९१ २२२ १९९१ २८७८ २०३२, | विहरेत्साव विहरेयुर्ये विहरेयुर्ये विहाय कामं विहाय सर्पा विहाराहार विहितं दृश्य विहिताचर विहितानि हि | \$\$\forall \cdot \ | वीरपुरुष वीरमद्रश्च वीरमद्रा ग वीरलोकं स वीरलोकं न वीरलोकं व वीरश्च सम वीरस्रापश्च | |
| विष्णुना खड्ग विष्णुना देव विष्णुना सह विष्णुना सह विष्णुप्राणास्तां विष्णुरङ्गिर विष्णुर्भेरीच विष्णुर्भेरीच विष्णुर्भेरीच विष्णुर्स्तं जग | १५२२ २५४५ २८९३ १८५२ ६४९२ १५०६ १८२३ २९०१ | विस्रुजेन्न च विस्रुज्य कथ विस्रुज्य च प्र ९ विस्रुज्य तान्स विस्रुज्य धन विस्रुज्य वाच विस्रुज्येनं त विस्रुष्टं शक्र विस्रुपं म | १०६४ • १७२२ ४५,१७७५ २९७८ १०९१ २२२ १९९१ २८७८ २०३२, | विहरेत्साव विहरेयुर्ये विहाय कामं विहाय सपी विहाराहार विहितं हस्य विहिताचर विहितानी हि विहितानीह | \$4 \tau \tau \tau \tau \tau \tau \tau \tau | वीरपुरुष वीरभद्रश्र वीरभद्रा ग वीरलोकं स वीरलोकम वीरलोके व वीरश्च सम वीरस्तापश्च वीराः कष्टम | |
| विष्णुना खड्ग विष्णुना देव विष्णुना विष्ट्र विष्णुना सह विष्णुरङ्गिर विष्णुरङ्गिर विष्णुरेव स्व विष्णुर्मरीच विष्णुर्मरीच विष्णुर्मरीच विष्णुर्स्त्वं जग विष्णुस्त्वष्टा प्र | \$4 4 5 6 6 8 6 8 6 8 6 8 6 8 6 8 6 8 6 8 6 8 | विस्रुजेन्न च विस्रुज्य कथ विस्रुज्य च प्र ९ विस्रुज्य तान्स विस्रुज्य धन विस्रुज्य वाच विस्रुज्य नं त विस्रुष्टं शक विस्रुरेण म | १०६४ | विहरेत्साव विहरेयुर्ये विहरेय कामं विहाय कामं विहाय सर्पां विहाराहार विहितं दृश्य विहिताचर विहितानि हि विहितानीह | \$ 4 \$ 6 \$ 7 \$ 8 \$ 9 \$ 9 \$ 9 \$ 9 \$ 9 \$ 9 \$ 10 \$ 10 \$ 10 \$ 2 \$ 2<td>वीरपुरुष वीरमद्रश्र वीरमद्रा ग वीरलोकं स वीरलोकं व वीरलोकं व वीरख्य सम वीरस्तापश्च वीराः कष्टम वीराः संमावि</td><td>9,90,86 2,94 2,94 2,94 2,94 3,9 2,28 8,89 8 8,89 8</td> | वीरपुरुष वीरमद्रश्र वीरमद्रा ग वीरलोकं स वीरलोकं व वीरलोकं व वीरख्य सम वीरस्तापश्च वीराः कष्टम वीराः संमावि | 9,90,86 2,94 2,94 2,94 2,94 3,9 2,28 8,89 8 8,89 8 |
| विष्णुना खड्ग विष्णुना देव विष्णुना सह विष्णुना सह विष्णुप्राणास्तां विष्णुरङ्गिर विष्णुर्भेरीच विष्णुर्भेरीच विष्णुर्भेरीच विष्णुर्स्तं जग | \$ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ | विस्रुजेन्न च विस्रुज्य कथ विस्रुज्य च प्र ९ विस्रुज्य तान्स विस्रुज्य वाच विस्रुज्य वाच विस्रुज्येनं त विस्रुष्ट शक विस्तुरेण म विस्तुरेण हि विस्तुरेणव | ₹ ○ € ४ | विहरेत्साव विहरेयुर्ये विहरेयुर्ये विहाय कामं विहाय सर्पा विहाराहार विहितं हस्य विहितानर विहितानि हि विहितानीह विहितानेह | \$4 \tau \tau \tau \tau \tau \tau \tau \tau | वीरपुरुष वीरमद्रश्र वीरमद्रा ग वीरलोकं स वीरलोकं व वीरलोकं व वीरश्च सम वीरस्वापश्च वीराः कष्टम वीराः संभावि वीराणां त्वं न | |
| विष्णुना खड्ग विष्णुना देव विष्णुना विघृ विष्णुना सह विष्णुप्राणास्तां विष्णुरङ्गिर विष्णुर्भरीच विष्णुर्विरिञ्चो विष्णुस्त्वष्टा प्र विष्णुस्त्वष्टा प्र विष्णोः क्रमोऽसि | १५५३ ६९१८ ६३ २८१८२९ ६३१८२ २४२९६३१८२ १४९१ १४६, | विस्रजेन्न च विस्रज्य कथ विस्रज्य च प ९ विस्रज्य तान्स विस्रज्य धन विस्रज्य वाच विस्रज्येनं त विस्रष्टं शक विस्तरेण म विस्तरेण हि विस्तरेणव विस्तारं चात्र | १०६४ • १७७५ • १७७५ १०७५ १०९९ १०९९ १०९९ १०९९ १०९९ १०९७ १०९५ १०९७ १००७ १००७ १००७ | विहरेत्साव विहरेयुर्ये विहरेयुर्ये विहाय कामं विहाय सपीं विहाराहार विहिताचर विहितानी हि विहितानी ह विहितानी ह विहितानी कमं विहीनं कमं | \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ | वीरपुरुष वीरभद्रश्र वीरभद्रा ग वीरलोकं स वीरलोकं व वीरलोकं व वीरलोकं व वीरश्च सम वीरसापश्च वीराः कष्टम वीराः संभावि वीराणां त्वं न वीरा महत्स्वा | |
| विष्णुना खड्ग विष्णुना देव विष्णुना सह विष्णुना सह विष्णुप्राणास्तां विष्णुरङ्गिर विष्णुर्भरीच विष्णुर्भरीच विष्णुर्भरीच विष्णुर्भराच जग विष्णुरस्वष्टा प्र विष्णार कमोऽसि | १५४ ३ ६ ९ १ ८ ६ ३ १ ५ ८ ९ ५ ६ १ ८ ६ ३ ९ ० ६ ३ १ ८ ९ ६ ३ १ ५ ९ ९ ९ १ ८ १ ८ | विस्रुजेन्न च विस्रुज्य कथ विस्रुज्य च प्र ९ विस्रुज्य तान्स विस्रुज्य वाच विस्रुज्य वाच विस्रुज्येनं त विस्रुष्ट शक विस्तुरेण म विस्तुरेण हि विस्तुरेणव | १०६४ • १७७५ १७७५ २०७८ १०९८ १०९८ १०६२ १०६५ १०६५ १०६५ १०९८ | विहरेत्साव विहरेयुर्ये विहरेयुर्ये विहाय कामं विहाय सर्पां विहाराहार विहिताचर विहितानि हि विहितानीह विहितानाह विहितानाहा तु | \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ | वीरपुरुष वीरभद्रश्र वीरभद्रा ग वीरलोकं स वीरलोकं व वीरलोकं व वीरश्च सम वीरसः कष्टम वीराः संभावि वीराणां त्वं न वीरा महत्स्वा | |
| विष्णुना खड्ग विष्णुना देव विष्णुना विधृ विष्णुना सह विष्णुप्राणास्तां विष्णुरिक्षर विष्णुर्भरीच विष्णुर्भरीच विष्णुर्भरीच विष्णुर्स्वश्चा विष्णुस्त्वश प्र विष्णो: कमोऽसि विष्णोरिष्टिमि | १५५३ ६९१८ ६३ २८१८२९ ६३१८२ २४२९६३१८२ १४९१ १४६, | विस्रजेन्न च विस्रज्य कथ विस्रज्य च प ९ विस्रज्य तान्स विस्रज्य धन विस्रज्य वाच विस्रज्येनं त विस्रष्टं शक विस्तरेण म विस्तरेण हि विस्तरेणव विस्तारं चात्र | १०६४ • १७७५ • १७७५ १०७५ १०९९ १०९९ १०९९ १०९९ १०९९ १०९७ १०९५ १०९७ १००७ १००७ १००७ | विहरेत्साव विहरेतुर्ये विहरे वे द्विष विहाय कामं विहाय सर्पा विहाराहार विहिताचर विहितानि हि विहितानीह विहितानि म विहीनं कर्म विहीनजम विहीनानां सु | \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ \$ | वीरपुरुष वीरमद्रश्र वीरमद्रा ग वीरलोकं स वीरलोकं व वीरश्र सम वीरश्च सम वीराः कष्टम वीराः संभावि वीराणां त्वं न वीरा महत्स्वा वीरा माया च वीरा माया च | |
| विष्णुना खड्ग विष्णुना देव विष्णुना सह विष्णुना सह विष्णुप्राणास्तां विष्णुरङ्गिर विष्णुर्भरीच विष्णुर्भरीच विष्णुर्भरीच विष्णुर्भराच जग विष्णुरस्वष्टा प्र विष्णार कमोऽसि | १५४ ३ ६ ९ १ ८ ६ ३ १ ५ ८ ९ ५ ६ १ ८ ६ ३ ९ ० ६ ३ १ ८ ९ ६ ३ १ ५ ९ ९ ९ १ ८ १ ८ | विस्रजेन्न च विस्रज्य कथ विस्रज्य च प्र ९ विस्रज्य तान्स विस्रज्य वाच विस्रज्य वाच विस्रज्य वाच विस्रज्येनं त विस्रद्ये ह विस्तरेण म विस्तरेण ह विस्तारं चात्र विस्तारं चाऽऽऽ | १०६४ • १७७५ १७७५ २०७८ १०९८ १०९८ १०६२ १०६५ १०६५ १०६५ १०९८ | विहरेत्साव विहरेयुर्ये विहरेयुर्ये विहाय कामं विहाय सपीं विहाराहार विहिताचर विहितानि हि विहितानी ह विहितानी ह विहीन कमं विहीन कमं विहीनानां सु विहीनानां स्व विहीनानां स्व | \$ \$ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ | वीरपुरुष वीरभद्रश्र वीरभद्रा ग वीरलोकं स वीरलोकं व वीरलोकं व वीरश्च सम वीरसः कष्टम वीराः संभावि वीराणां त्वं न वीरा महत्स्वा | ९९७,१६८४ २९५८ २९५८ २७८९ १४९७ ७४६ ३४९० ३४९० ३९९० ३९९९ ३९९९ ३९७० |
| विष्णुना खड्ग विष्णुना देव विष्णुना विधृ विष्णुना सह विष्णुप्राणास्तां विष्णुरिक्षर विष्णुर्भरीच विष्णुर्भरीच विष्णुर्भरीच विष्णुर्स्वश्चा विष्णुस्त्वश प्र विष्णो: कमोऽसि विष्णोरिष्टिमि | \$ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ | विस्रजेन्न च विस्रजेन्न च विस्रज्य कथ विस्रज्य च प ९ विस्रज्य तान्स विस्रज्य वाच विस्रज्य वाच विस्रज्येनं त विस्रहें शक विस्तरेण म विस्तरेणव विस्तारं चात्र विस्तारखात विस्ताराखोड विस्ताराधीश | \$ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ | विहरेत्साव विहरेत्युर्ये विहरे वे द्विष विहाय कामं विहाय सर्पां विहाराहार विहिताचर विहितानि हि विहितानि ह विहिताना स्व विहीन कर्म विहीनकाम विहीनानां स्व विहीनां रिष्ठे | \$ \$ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ | वीरपुरुष वीरमद्रश्र वीरमद्रा ग वीरलोकं स वीरलोकं व वीरलोकं व वीरश्र सम वीराः कष्टम वीराः संभावि वीरा महत्स्वा वीरा महत्स्वा वीरा माया च वीरा शे तृह्य वीराश्च नीय | ९९७,१६८४ १९५६ १९९५ २७८९ १४९७ १४९७ १४९० १४५० १४० १८० /ul> |
| विष्णुना खड्ग विष्णुना देव विष्णुना सह विष्णुना सह विष्णुप्राणास्तां विष्णुरङ्गिर विष्णुर्मरीच विष्णुर्मरीच विष्णुर्मर्वे जग विष्णुरस्वष्टा प्र विष्णोः क्रमोऽसि विष्णोर्रष्टिमि विष्णोर्रछाटा विष्णोर्विकम | \$ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ | विस्रजेन्न च विस्रजेन्न च विस्रज्य कथ विस्रज्य च प ९ विस्रज्य वाच विस्रज्य वाच विस्रज्य वाच विस्रज्येनं त विस्रहेण म विस्तरेण हि विस्तरेणव विस्तारं चात्र विस्तारं खाऽऽव विस्तारखात विस्ताराखोड | \$ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ | विहरेत्साव विहरेयुर्ये विहरेयुर्ये विहाय कामं विहाय सपीं विहाराहार विहिताचर विहितानि हि विहितानी ह विहितानी ह विहीन कमं विहीन कमं विहीनानां सु विहीनानां स्व विहीनानां स्व | \$ \$ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ | वीरपुरुष वीरमद्रश्र वीरमद्रा ग वीरलोकं स वीरलोकं व वीरश्र सम वीरश्च सम वीराः कष्टम वीराः संभावि वीराणां त्वं न वीरा महत्स्वा वीरा माया च वीरा माया च | ९९७,१६८४ २९५८ १९९८ २७८९ १४९७ १४९७ १४९० २४९० २०९९ ३९९९ ३९७० ३९७० ३९९९ ३९४५ ३९४५ ३९४५ ३९४५ ३९४५ १२४५ |

| वीरास्थिशर्क | २७७१ | वीर्येणैवैत | ³ ૨૮ ૭ | वृङ्क्ते द्विषतो | 34 • | वृत्तिमूलम | ११०५ |
|---|-------------------------------|----------------------|-----------------------------|--|----------------|--------------------------------|---------------|
| वीरुधामंग्र | ६२ ० | ٦, ٦ | , | वृजिनं च न | # ५ ६७ | _ · | ५७६ |
| वीरेर ध्यु षि | ६६१ | वीर्येणैवैन र | ७०,२७१, | वृजिनं स्वामि | १२२३, | | १७०७ |
| वीरो हप्तोऽभि | २७६८ | | [°] ૨૭૭ | | | वृत्तिविज्ञान | #4068 |
| वारा <i>ह</i> राग्यान वीरोपवर्णि | १७६ १ | वीवधासार | २१९७ | वृजिनस्य न | ५६७, | वृत्तीनामेष | ११२३ |
| वीरोऽप्य वीर | २११८ | वीहि स्वाहाऽऽहु | ११५ | | ११७४ | वृत्तेर्भरत | *५७६ |
| वीर्थ एवाध्य | | वीछुंद्वेषा अ | ४५८ | वृजीते परि | * 894 | वृत्तेश्च स्वाम्य | १ ५२४, |
| वाय एवाच्य | ३२२,३२३, | वीछुहरास्त | #३९७ | <u>वृण्याच्छान्ति</u> | २९ १२ | | २५९० |
| वीर्ये त्रिष्टुप् | ३ २८,३४९ २१२,२६२ | वीळोश्चिदिन्द्रो | ३७१ | वृतं देवग | १५०४ | बृत्तोपनय | ८७१ |
| वार्य (नहुर् वीर्य पञ्चद | २१५ २ १ ५ | वृक्षवचानु | # १ १ ० ९ | वृतश्च तेत्री | ७३९ | वृत्त्यर्थे कल्प | १४२७ |
| | | वृकव चा पि | ७३४ | वृता बलेन | २७१७ | वृत्त्युच्छेदे त | *१६२६ |
| वीर्ये राजन्यः वीर्ये वा अ ध्र | २ १ २ ाः २७७ | । भक्षाच्या भ | # ₹088 | वृतो रथस | २७१९ | वृत्रं यदिन्द्र | ३६८ |
| वाय वा अःर वीर्य वा आपः | | । वक्तन्यात 🔺 🗘 | ३४,७४९, | वृत्तं खण्डास | २८७२ | वृत्र% हि हन्ति | 3 |
| | | । रर | ०९,२०४४ | वृत्तं तु दह | २८७५ | | |
| वीर्यवाइन्द्रः वीर्यवाऋष | २७७ ३ २७ | । तद्रधा प्राप्त | २५०९ | वृत्तं तु खम | # १ •६७ | वृत्रमस्तृत | २०३ |
| वाय वा ऋत वीर्ये वा एत | | वक्ता वत | २९५४ | वृत्तं प्रहाद | ६२८ | वृत्रस्य चिद्धि | २३ |
| वाय वा एत | २७०,२८२, २ | वकारिसिंह | # 2409 | 1 . | १०५७ | वृत्राण्यन्यः स | ₹ |
| | २८७,२८८, | वृकाश्च जम्बु | | वृत्तं राज्ञां प्र | २८२९ | वृत्रे हवा इ | ₹ १ ७ |
| -2 £ 22 | ₹₹0,₹₹₹ | नको नामा | ,, २३७५ | वृत्तं वा चतु | २८३२, | वृथाकोला ह | २६७८ |
| वीये वे त्रिष्टु | ३ २३ | वक्षंचाबज | १४७६ | פר ור ויב | २९ ८३ | वृ थाचारस | २५ ९७ |
| वीर्य वै पृष्ठा | ३ २२ | वक्षग्रह्माव | २६६ ६ | वृत्तं स्वराष्ट | २८४१ | वृथाटनं दि | १५७७ |
| वीर्य वे भगः | २७७ | वृक्षत्वक्संभ | २८४३ | _ | ८७१ | वृथाट्यां ना वि | वे १६०९ |
| वीर्य वे भर्गः | ३०१ | वक्षमलेऽपि | १ 0 ८ ७ | 10 | | वृथा धर्म व | १११७ |
| वीर्य वै श्लोकः | - | वस्रश्च नण | १४७३ | 16 | १३६३ | वृथा धर्मध्व | १११६ |
| वीर्य वे साम | ३ २८ | वृक्षसंकट | १५९५ | 16 ""11" | १८९६ | बृथाऽभिमानो | २१४ ५ |
| वीर्य वे स्तोमः | | वश्रम्यानाय | २५२९ | 1 - | १८३८ | वृद्धं बलं न | २७७२ |
| वीर्यमपाः र | ३ २८७ | वृक्षस्याग्रे र | २५ ३ १ | | 8008 | वृद्धं राष्ट्रं क्ष | * १६१८ |
| वीर्यमेवास्मि | र९८,३२७ | वृक्षाः पतन्ति | # 3898 | | १७१८ | वृद्धः कुलोद्ग | २३३८, |
| वीर्यमेवैत | २६२,२६९ | वृक्षाणां च त | 39 89 | - ' - ' | ٠,, | | २३५१ |
| वीर्यवत्य इ | २७९ | | ८२३ | 0 | ६६६ | वृद्धबाल ज | २७६३ |
| वीर्यवत्यः सु | २६९ | वृक्षादि प्रस | ८९३ | वृत्ता वा भङ्ग | २८७५ | ट्र साल्य ट्रह्मबालध | ११०२ |
| वीर्थवन्तम | २८२ | वृक्षाद्वा लक्ष | २८९६ | वृत्ताष्टदिग्द | २८३९ | l | |
| वीयद्विक्याद | २३५६ | वृक्षानुन्मध्य | | वृत्ति च लेभि | ६३२ | वृद्धबालःया | ९१५ |
| वीर्यान्विते र्या | २४६८ | हक्षान् संपुष्य | २४९४ | वृत्ति तस्यापि | १७१२ | वृद्धबाली न | #२७७२ |
| वीर्यायेत्येवे | २६८,२८८ | ह्याम् धरुष | १४२ ८, | वृत्ति तु कल्प | २७८८ | वृद्धिमत्रो ह्य | 2141 |
| बीयेंण वा ए | २७०,२७१ | वृक्षाम्लक्र | २३ ४४ २२७ ० | वृत्ति तेषां प्र | १५४२ | वृद्धश्चान्तः <u>पु</u> | २३३९ |
| वीर्येण ह वा | ४३५ | - | २२५९ २८४६ | वृत्तिकामांश्री | १६४२ | वृद्धसंयोगः वटसेन्यम | \\$ \$ |
| वीयंगैतदा | | वृक्षोपरि त | | वृत्तिच्छे दे त वृत्तित्रयमि | १६२६ | 1 | १७२,११०५ |
| •• | ,,,, | , ezn 11/11 | ₹ 5 ₹ 8 | । हात्तत्रयाम् | ७५ ३ | बृद्धसेविषु | ६५५ |

| वृद्धसेवी च | #29X | वृद्धयाऽ ब्ध्यङ्गुल | #2231 | वृषेभशिखि | २९०२ | वेतनकाल | २२८४ |
|--------------------------------------|-----------------------|----------------------------|------------------|-------------------------|---------------|-----------------------|------------------|
| | ४,१०३१ | वृद्धचाऽवृद्धचा च | १८४२ | वृषे यथेप्सि | २८९७ | वेतना गुरु | २८४२ |
| वृद्धसेवी म | ે ૧૭૫ | वृद्धचै धनं ग्र | | वृषे रसाय | १६३९ | वेतनेषु च | २२८४ |
| वृद्धसेवी हि | ८७४ | | ०५,५०८ | वृषेव यूथे | ५०७ | वेतसैर्धन्व | *२•५० |
| वृद्धस्तु व्याधि | ८४९ | वृश्चिकस्थे र | २८८७ | वृषेव वाजी | २४७५ | वेतसैर्बन्ध | " |
| वृद्धस्य चिद्व | ३७० | वृश्चिकाल्यहि | २६६१ | वृषोऽथ कीट | २९४८ | वेतसो वेग | २०१५ |
| वृद्धांश्च तात | ६५९ | वृष ण्वद्भव | ३३३ | वृषोऽश्वः कुञ्ज | २५१३ | वेताललक्षेः | १४७५ |
| वृद्धांश्च नित्यं | ८७४, | वृषदर्भ म | १०९६ | वृषो हि भग | ६०६ | वेतालानां पि | * १९९२ |
| 4 · · · · · · · | *८७८ | वृषपर्वा च | २९६० | वृष्टिं यथा द | २४६७ | वेतालो रौर | २९९४ |
| वृद्धानां वच | २३९४ | वृषपर्वी प्र | १९५३ | वृष्टिः सृष्टिः स्थि | | वेतालोल्कापि | ^२ ९९२ |
| बृद्धाना मिव | #६•६ | _ | २८८७ | वृष्टिर्जयन्तो | १२४६ | वेत्ताच दश | ५६८ |
| वृद्धानुशास | १७३१ | न्रुषभ पिशि | २५४९ | वृष्टिजीयतां | 363 | वेत्ता विधाना | # १२५५ |
| वृद्धा नोपासि | २७९९ | वृषभस्य त | २९८४ | वृष्टिवें वृष्ट्वा | ३६२ | वेत्ति ज्ञानवि | |
| वृद्धान् कञ्चुकि | ७२६, | वृषमे सम | २५२७ | | ७६२,८३० | | # 494 |
| | २३३५ | वृषमालम्य | २९७५ | वृष्टिश्चेन्नानु | રેફેહેંપ | वेतुमईसि | 424 |
| वृद्धान् मौलान्कु | १८२५ | वृषलं तं वि | ६०६ | वृष्टिसृष्टिस्य | २९०२ | वेत्यादानवि | ५९५ |
| वृद्धान्साधून् द्वि | ७२६ | वृषलक्ष्यं प १०९ | | वृष्टेर्वे विद्यु | ३६ ३ | वत्य पयाद | ३५२ |
| वृद्धान् हि नित्यं | ८७८ | बृषलीपतिः | ५८६ | हुष्टे शापं न | ₹'९४ | वेत्थ ब्राह्मण | २०४ |
| वृद्धावङ् गुल | २९८३ | बृषशृङ्गोद् धृ | ર૬५૦, | वृष्ण ऊमिर | २७ ० | वत्य यया प | ३५३ |
| वृद्धिं क्षयं च | २०६९ | 6.54.76 | રે ૧ હે પ | 1 - | ४९२ | 4(4 41) 3 | ३५२ |
| वृद्धिं च पर | १८९६ | वृषश्च ऋत | રવેંપ૮, | वृष्णश्चन्द्रान | * | वत्य ययाउवा | ३५३ |
| वृद्धि च लेभि | *६३२ | | २९७६ | · · · · · · · · · · · · | | 14/4 414/11 | ३५२ |
| वृद्धि व्रजेत्त | २८२८ | वृषश्च कति | *2946 | वेगः सुदुःस | # २७७३ | प न सामाप | २२६६ |
| वृद्धिकामो हि | ८४५ | 1 - | | वेगदर्शी व्य | २९ ४४ | 14414 40 | * १४६७ |
| ष्टाब्समाना गर वृद्धिक्षयी च | २०५२ | | * ,, | वेगव्यायाम | ९६५ | 1441440 | ,, |
| | 2838 | 1 | २९० ९ | वेगा वेगव | २९९६ | 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 | १५४२ |
| वृद्धेन हि त्व वृद्धैः संमन्त्र्य | २४४४ ५५६ | | २९ <i>१०</i> , | । वागन्याः पर | ३८४७ | वेदं षडङ्गं | २३५७ |
| | | 1 - | * ₹ \$५४ | । यस व | १५१३ | वेदः कृत्स्नोऽधि | १४३० |
| वृद्धोपदेश ११४ वृद्धोपसेवा | ४,५ <i>६८७</i> ५७८ | 1 | *\\$\'° | वेगोत्सर्गे त | ९५८,९६० | वेदज्ञानं त | १०५३ |
| वृद्धापसवा वृद्धोपसेवी | رود د ک | वृषा त्वं वध | ५०७ | वेणा वैतर | २९७० | वेद तत्ते अ | ७२ |
| दृद्धा परापा वृद्धो बालो न | # २७७२, | 1 _ | ૄ | | ८९५ | वेदधर्मिक | ५९३ |
| 281 4101 1 | ૨ ૭९૪ | 1 - | १७,३६८ | I | १३६३ | वेदधर्मान | ११२१ |
| वृद्धो राजा धृ | १९९८ | 1 | १०१ | वेणुमूलशै | २६५५ | वेदध्वनिप्र | ७२१ |
| वृद्धो वैश्रव | | वृषाश्च कुञ्ज | રપેરહ | | ९५८ | वेद नावः स | ¥ |
| दृद्धा पत्रप दृद्धी प्रसन्नो | | वृषाश्वजम्बु | | वेणुशरश | | वेदनाशे स | २९१८ |
| वृद्धा प्रसन्ना वृद्धयां च कुर | | वृषेन्द्रः पुर | ५०१ | [N | ९९४ | E | २७६४ |
| - | | वृषेन्द्रस्य वृ | ₹•₹ | 15 | * ,, | वेदमाता हि | |
| बृद्धचा कृषिव बृद्धचाऽद्व्यङ्गु | タンア もをとなみ 云 | वृषेभगृह | | वेण्या वैतर | | वेद मासो धृ | २९९१ |
| इस या अपूर्य कुछ | · * / · * / | | | | - (,00 | । न्य माला प्र | 8 |

| वेदलाङ्गल ७४१ | वेदे षडङ्गे | 966 | ()surf orm | 201010 | 12 | 20.00 |
|-----------------------|---|-------------------------|------------------------|----------------|-------------------|-----------------------|
| 3 | 1 | | वेश्यास्त्रीणाम | | वैदेहकश | २६ २२ |
| | 1 4 4 4 4 4 | | वेषभाषानु | १७२५ | वैदेहकान्ते | १६४३ |
| | 1 17 1012 0 | ५५६ | वेषमाचारं | १२०० | वैदेहकाश्चा | २३२२ |
| | 1 1 1 1 | २४२८ | वेषाभरण | ९७९ | वैदेहकास्तु | १५६४ |
| वेदविद्यावि १४५९ | 1 . 7 41 | ५३८ | वेष्टयत्यथ | २५१३ | वैदेहकौर | १४१५ |
| वेदविद्यासु ८६७ | 17,1317 | ६४९ | वैकक्ष्यमपि | १५१७ | वैदेहस्त्वथ | २० १ ४ |
| वेदवेदाङ्ग ७९१,८६४, | | २९६६ | वैकुण्ठं पूज | २८५८ | | |
| ८६६,११७४, | | * ६४९ | वैकृते वात | २९१८ | वैद्यः प्रयोगैः | १६२७ |
| * ₹१७६,१६२४, | विद्याकाराः प | २७५३ | वेखानसम | ३३२ | वैद्युतं भस्मा | २६५५ |
| १६२६,२७६० | वेद्याश्चीत्तर | २८८५ | वैखानसाग | १११९ | वैद्युतेन भ | ९७२ |
| वेदवेदार्थ १६२५ | वेधसो वा ग | १ २०६ | वैखानसानां | ५८२ | वैद्येषु श्रीम | १२०१ |
| वेदव्यासश्च २९६४ | वेधादिसद | | वैखानसा म | २९८४ | वैधव्यदाय | १४७२ |
| वेदशास्त्रार्थ १८२९ | ' विध्यस्था ने ष्व | ८९५ | वैगुण्ये च प्रा | १५४९ | | २४६१ |
| वेदस्मृतिर्वे २९६९ | | १५१७ | वैगुण्येन त | २७९९ | • • • • | २४६३ |
| वेद हीति २०४ | वेनो नष्टस्त्व | रर२१ | वैचित्र्यं व्यव | १२६४ | वैधृतौच व्य | |
| वेदाः प्रतिष्ठा ६२१ | 1411 15((4 | ७६४ | वैजयन्तीक्षु | २३१५ | वैनतेयान्म | २४८९ |
| वेदाङ्गवेद २५२३ | वना विनष्टा | ८७५ | वैडूर्यः– उत्प | २२३ १ | वैन्यस्ततस्ता | ७९२ |
| वेदाचारवि ५५६ | विपमानः सू | २५०१ | वैद्धर्यकन | | वैपरीत्याद्य | २४७१ |
| वेदाध्ययन ५९६,५९७ | वेलां प्रदेशं | १८४८ | l . ' ' . | १५३७ | वैपुल्यं दश | २८८२ |
| ६०२,१६२३ | वलाः सवाः प्र | २५१४ | वैडूर्यस द | २८७५ | वैमानिकाः सु | २९८४ |
| २९३७ | पलाद दश | २५०८ | वैणवं कट | २८८१ | 1. | |
| वेदानधीत्य ५८८,२७६९ | विकास विकास र | * ₹५०८ | वैणवानां च | #१३६१ | वैयाघं तुभ | २९३ ४ |
| वेदानां पार २८५३ | I ATAMINI TRI | १३८२ | वैतनाः किंक | १७६० | वैयाघ्रचमी | २८३० |
| वेदानामादि २९७९ | । वलामदर्त | २४९४ | | # १६ ७८ | वैयाघ्यं तु भ | # २९३४ |
| | विलाया न तु | १०९६ | वैतानं कर्म | #१६१७ | वैरं कारय | १२१५ |
| वेदाय उप ४ | वेशभाषानु | १७ ४४ | वैतालिकाः सु | २३४७ | वैरं न कुर्वी | २०५२ |
| वेदा ये अध्या ,, | | प५ | वैतालिका ब | १४६०, | | |
| वेदा यो वीनां ,, | | #8800 | | ર ५७३ | वैरं पञ्चवि | २१३५ |
| वेदाश्चत्वार | वेशाभरण | * \$308 | वैदलानां च | १३६१, | वैरं पञ्चस | २०३७ |
| वेदाहं तव १०६७ | 1 | | | १३६२ | वैरं वाऽपरै | २१५७ |
| वेदिं भूमिं क ७२ | | १६४१ | वैदिकानि च | र ५९९ | वैरं वा परै | २१६४ |
| वेदिका इन्द्र *२९६९ | वेश्मद्वारमृ | *२९५० | वैदिशे तु ज | 2908 | वैरं विकारं | २१३ १ |
| वेदितव्यानि २०२८ | वेश्याङ्गनान | २८८८ | | | l. | २०२ <i>०</i> |
| वेदिमुछिख्य २९४८ | वेश्याद्वारम् | २९५०, | वैद्यें पुष्प | | वैरन्त्यमभि | |
| वेदिर्यस्य त्व 🙀२७७१ | | ૨ ९७५ | वैदेश्यं सार्थ | २२८१ | वैरप्रभेद | २१३९ |
| वेदीप्रमाणं 🙀३००२ | वेश्या प्रदीय | ې د <i>بر</i> بر | वैदेहकर | ६७२ | वैरबन्धकु | २०३८ |
| वेदी यस्य त्व २७७१ | वेश्याभिश्च न | २१४७ | वैदेहकःय | े१३३२, | वैरमन्ति क | २०३९ |
| वेदी ग्रुभा ग्रु २५२२ | l . | #2888 | 2 | • | वैरमारभ | # ₹04 १ |
| • • • | वेश्यासक्तिः प्रा | १००३ | | १०,२२८१, | वैरमासज | • |
| | , | > \\ | ı | 7979 | । गर्यारामा | " |

बचनसूची

| वैरयातन | १५५७) | बैश्यः सर्वस्व | २९३२ | वैश्वानरं द्वा | १४१,१६८ | व्यक्तश्चानु प्र | १०८१ |
|--------------------------|------------------|-----------------------|--------------------|----------------------------|---------------------|-------------------------|--|
| वैरसंदीप | | वैश्यक ल्पस्ते | २•४ | वैश्वानरं बि | ४०६ | व्यक्तिर्भवेचा | २५२१ |
| वैरस्योपश - | २०३६ | वैश्यशूद्रज | ^२ १४१७, | वैश्वानरः स | ४२ | व्यग्रस्य राज | १८३० |
| वैराग्निः शाम्य | २०३७ | १४६१,१४७ | ४,१४७७ | वैश्वानरस्य | ४१,१०८ | व्यप्रेष्वन्येषु | २८१३ |
| वैराज ५ साम | ७७ | वैश्यग्रुद्रप्रा | १३८५, | वैश्वानरो द्वा | ३०९ | व्यङ्गताच श | # १५ 6€ |
| वैराजे साम | ३३९ | | १४४१ | वैश्वानरो ब | ३७९ | व्यङ्गत्वं च श ६ १ | |
| | १ ५५४ | वैश्यस्तु चतु | १३१३ | वैषम्यं पर्या | १४९१ | व्यङ्गनं च श | १५०६ १२०३ |
| वैराज्यं तु प्र | | वैश्यस्तु धन | १६१६ | वैषम्यं हि प | ७९२ | व्यङ्घिश्चतुर्द | १३७३ |
| वैराज्ये तु जी | १५५५ | वैश्यस्य गुरु | १५१४ | वैषम्यमर्थ | ६४३ | व्यचरत्स मु | १६९६ |
| वैराणां चाप्य | १२७९ | वैश्यस्याध्यय | ८६९ | वैषम्याणां प्र | ११३९ | व्यचिष्ठे बहु | ३७ |
| वैरिणा बल | २२०७ | वैश्यस्यापि हि | # ५७९ | वैषम्य विक | २१५७ | **** | २७७३ |
| वैरिणा वा स | २६४० | वैश्यस्यापीह | 19 | l . | | •यञ्जनस्याऽऽग्र | 969 |
| वैरिणा सह ७ ^९ | ४७,२१ १ २ | वैश्यस्यार्थे च | * \$ 0 3 8 | बैषम्ये सर्व | २२२४ | | *56 |
| वैरिनिर्मृ ल | २४७३ | वैश्यस्यैव तु | " | विष्णव त्रिक | १६३ | | " |
| वै रिलक्षण | १८७९ | वैश्यानां समु | " ९ १४ | वैष्णवं मण्ड | २८८५ | | ९७४ |
| वैरूपंच वै | २२७ | 1. | १ २४३ | बिधावं वाम | ५२४ | व्यतीतायां तु | ८०२ |
| वैरूपः साम | ७७ | वैश्यान् वित्तन | | । बेष्णवाः परु | २५६ | व्यतीत्य शनि | २८७८ |
| वैरूपेण सा | *₹₹८ | वैश्याय प्रदा | २५३५ | े बैछावानथ | २९७३ | व्यतीपाते न | २८९९ |
| | ₹८,७३३८ | वश्य च कृष्या | ६५६ | वैष्णवानैन्द | २९७ ५ | •यत्यरिच्यत | २३५८ |
| वैरूप्यमङ्ग | १६६८ | , विश्य चण्लात | ५८० | ੈ ਡਿਆਰੀ ਚਰ | 292 | व्यत्यासात्क्रम | २५३१ |
| वैवस्वतं सं | 80,80 | , वेश्यन वेश्य | ५२७ | वैष्णवी जय | 280 | ्यत्यासन स | २५३ ० |
| _ | | । अञ्चरः जादस | २८५१ | वैष्णवे पूष | २९०६ | ज्ययमास रा | १२४१ |
| वैवस्वतेन | ८०७,८२६ | । वश्या गन्छद | 460 | ्र विष्णव पूर विष्णवेरथ | २९८) | , व्यहस्यन्त त | * |
| वैवस्वते रा | 80 | विद्यो धनाज | २३८ | a I | | व्यहरयन्त न | ,, |
| वैवस्वतोऽथ | २९ ५८ | वैश्योऽधीत्य कृ | २४३५ | वोचेयं ते ना | | ज्याम पाराश | १०३६ |
| वैवस्वतो य | * ,, | वैद्यो वै ग्राम | રૂ પ્ | ् बाढव्य धुय | २३८६ | 10413141154 | २६९८ |
| वैवाहिकः शा | ८९० | वैश्यो वे सूद्रा | ४३७ | , बोढाऽनड्वान | | 1 | १३६० |
| वैवाहिकम | २२८ | विश्वदेवं च | १६६ | ्वोढान ड्वा ान | | | १३९१ |
| वैवाहिकेन | २९८ | वैश्वदेवमृ | #29 | ज्ञायने ना श्र | २७९८ | 1 . | २२४३ |
| वैशाखादिषु | २८६ | 0 | \$ o' | ाह्यक्त चा माह | T #908 | व्ययद्वारेषु | २३३७ |
| वैशाखेऽप्यथ | १५१ | वैश्वदेवश्च | 90 | िव्यक्त पश्यन्ति | त २ ४९ | •ययशुल्कप्र | *?3& • |
| वैशाखे यदि | e ,, | े वैश्वदेवामि | ري. ع | व्यक्तं मिय च | ा #२३९ [,] | र व्ययश्चेवं स | १८४२ |
| वैशाख्यां तु प्र | ૨ ९૦ | ४ वैश्वदेवेन | રૂ પ | 1-4.00 0 11 | १८१३ | , व्ययसंजाता | २२१६ |
| वैशालाक्षमि | ५३१,५७ | ८ वैश्वदेवैस्त | २८५ | | १८२७,२८० | २ व्ययाश्च पर | १८४६ |
| वैश्यं च शूद्रं | ₹४ | 14 77 E | ४२ | 1 | ाच २ ४४ | ८ व्ययीकृतं र | १८४२ |
| वैदयं वाधर्म | १८२५ | ٠ اـ ١ | १२१३ | र, व्यक्तक्रोधप्र | # ६ ६ | ४ व्ययीकृतः प | १५७८, |
| | १८२ | | १६९ | ३ व्यक्तमार्भ्य | २५ १ | | 8424 |
| | | | | | | * | , , , , |

| ====================================== | | | | • | | | |
|--|----------------------|------------------------|-------------|-------------------------------|----------------|---------------------------|-----------------|
| व्ययीभूतं तु | १३६८ | व्यवहारस्था | ६७ | १ व्यसनं स्वामि | # \$ 2 2 3 | ₹, व्यसनेषु प्र | 26.0 |
| ब्ययीभूतमि | १२६८ | ^{•्यवहारस्थि} | ११ 0 | ર | | ७ व्यस ने षूप | २६९९ |
| व्यये च तद्वि | २३५१ | व्यवहारस्य | ६१ | व्यसनत्व रा | | | १३•१ |
| व्ययो द्विधा चं | ो १८४६ | व्यवहारांस्त | ९५२,९५ | | २०८ | | १०१४, |
| व्ययो यन्निध्यु | १८४३ | | 686 | . | १ ५४८ | | १०१५ |
| व्यराजंश्च दि | #2099 | | 1224 | , | ५५३,२०६ | | ६६४ |
| व्यराजताम | | व्यवहारा न | ٤٠١ | | १८३ | | ा २०० ३ |
| व्यर्थे भवति | " २३ ९ ३ | 1. | १८१४ | 1 | 7460 | ^९ व्यसनोपघा | २१६६ |
| व्यर्था सदोष | २४६४, | | १८२८ | 1 | र २६ इ | ^{, इ} यसन्यधोऽधो | १५७५ |
| · | | व्यवहारान्च | | | ५७८,१५८३ | | * ,, |
| व्यलीकं चापि | 2889 | 1 2 | १८१८, | 1 | | र व्यस्तः पायुः | २४७९ |
| व्यलीकमपि | _ | 1 50 | २६,१८२९ | | ુ હ ફ પ્ | | २४८१ |
| व्यवसायं स | * ,, | व्यवहारान्स्व | १८०९, | १० | ६१,१५४८ | ब्यस्तक्षीरम | १९८२ |
| 114114 | ₹•८ १ , | 1 | १९६६ | 1 | १५७७ | | १७८२ |
| व्यवसायस्त | २४११ | व्यवहाराश्च | १६४१ | •यसनानि दु | १५७१ | 2.2 | १८५६ |
| व्यवसायात्त | १०९५ | 1 | १८२४ | व्यसनानि प ७ | 31,1400 | व्यस्यति पुरु | १६०७ |
| | ६२१ | | २३६२ | व्यसनान्नित्य | १२०९; | | १५४९ |
| व्यवस्थापय | ६१६ | | १७६८ | | १२८९ | i . | |
| व्यवस्थितानि | २७१८ | व्यवहारे चा | १८४३ | व्यसनाभिया | २४ ५ ४, | व्याकुलेनाऽऽकु | 0070 |
| •यवस्थितार्य | ८७० | व्यवहारेण १३३ | ८,१३६१, | | २५५७ | | " |
| व्यवस्यन्ति न | #६६५ | # ? 9 | ६८,१८१• | व्यसनासक्त | २१७६, | , ~ · | ५०४ |
| व्यवस्यन्ति व | ,, | व्यवहारे घृ | १३६८ | | २४५ ६ | | ८९१ |
| व्यवस्ये बुद्धि | ६३८ | व्यवहारे मु | ९६ १ | व्यसनिनम | | | ९६६ |
| व्यवहारं त | ९६ ० | व्यवहारेषु १०५ | ५६.१८०९ | व्यसनिनां प्रे | | व्याख्याताः सर्व | १०२८ |
| व्यवहारं दि | *१८१ ४, | व्यवहारे स | ११८२ | व्यसनिषु वा | १६६५ | | ५९५ |
| | १८२५ | व्यवहाये व | १८४३ | व्यसनी परः | १५५० | व्याख्यान य त्वा | . |
| यवहारः प्र | ६१८ | व्यवहिताव्य | | | २१५१ | व्याघातकमू | २६४९ |
| व्यवहारः सु | | व्यष्टकायामु | | व्यसनी यात | १८५० | ब्या घुष्टतल | २७७० |
| व्यवहारः स्मृ | | व्यसत्यधो वा | | व्यसने कच्चि व्यसने जिल्ला | ददर | व्याघं दृष्वा क्षु | १६९५ |
| व्यवहारिक | | यसनं चतु | 1 | व्यसने क्लिश्य | #4005 | व्याघगोमायु | १२१७ |
| व्यवहारद | | यसनं चाभ्यु | 480 | व्यसने चतु | २४५४, | व्याघ्रचर्मणा | २१६ |
| व्यवहारधु | | यसनं तद्र | 1 | | २५५७ | व्याघ्र च र्मण्य | २९३४, |
| | १,१८२८ ह | | | यसने च प्र | २१७६ | | २९३५ |
| व्यवहारवि | 5/3/0 | यत्तम दाव : ०० | रपहर् | यसने न प्र | २७६५ | व्याघचर्मपि | १५४२ |
| | १८२७, _{व्य} | यसन द्वित्र | १६०७ ट | यसनेभ्यः स | १५९२ | व्याघ्रचमीऽऽस्त | २१६ |
| व्यवहारश्च | 6.0 | यसनं भेद २०५४ | ४,२५५२∫⋷ | यसने यः प | १२९०, | | * २९५ ३ |
| व्यवहारस्त | 110 00 | ।सन वाऽस्य | २३७६ | | २०८३ | याद्रचर्मोत्त | कर १९५ २९३६, |
| व्यवहारस्तु | •6 ₹6 Ez | ासने व्यस | १५९३ ह | यसनेषु चा | १५४९, | | ,२९७४, |
| | ५ १७। व | रसनं स्वमि | ६१२ | • | २१०५) | , , , , | , |
| | | | | | , | | 47~7 |

वचनस्ची

| व्याघ्रचित्रक २९८४ | व्याधिदुर्भिक्ष १५६१, | ब्यालग्राह प | ९७६ | व्यहं महामे | २७११ |
|---|--------------------------------|--------------------------|----------------------|--------------------------------|------------------------|
| व्याद्रमृगेश्व १५३७,२६९२ | | व्यालभये म | १३९७ | व्यहं वागीश्व | * २९९२ |
| व्याघ्रव्यालग २८२९ | २६८९,२८०७ | व्यावह।रिक * | | व्यूहं व्यूह म | २७१२ |
| _ | व्याधिना चामि २००६ | व्यावृत्तं च प | | व्यूहं व्यूह्म म | २७१८ |
| व्याव्रसिंहग ११६४ | | व्यावृत्तं लक्ष्म | २४८९ | ब्यूहः क्रौञ्चार | २७०८ |
| व्याव्यस्तूटज १६९५ | I | व्यास इन्द्रः पृ | ४७७ | न्यूहः पैताम | ₹ • • •. |
| व्याघादिभिः श ११५० | व्याधिभिर्विवि २५३८, | व्यासक्तंचप्र २ | .००५, | व्यूहः प्रथम | २९९६ |
| व्याघादिभिवं ९६३ १६०६ | २५४६,२८९२ | २१५०, | रपपर। | व्यहः स चक | २७१८ |
| व्याघ्रादीनां च १४१६ | व्याधिराप्यायि २३७० | | • 484 | व्यूहबैस्ते प्र | २७४५ |
| व्याघादीनां त २८८८ | व्याधो मृगव ११५५ | व्यासादीनभि | 970 | ब्यूहतस्ववि | २३६१ |
| व्याघानागो म *१६९७ | व्यानशिः पव ४६ | | 477 | व्यूहतन्त्रवि | |
| ध्याघान् मृगेन्द्रा १५१८ | | | ५२२४ | ब्यूहमध्ये स्थि | * ,, २७ १ ४ |
| व्याघीव चह १३१८ | 1 . | | २८२९ | -1 | २७५ १ |
| • याघीवदुद्ध # ,, | व्यापकं बहु १८४५ | | २३९९ | ब्यूहमात्मश्च व्यहयन्त्राय | २३५ ९ |
| ब्यामो अधि वै ९९, #२४१ | व्यापकाश प | | १७४९ | व्यूहयन्त्रायु व्यूहरचन | २७४९ |
| व्याघो नागो म १६९७ | व्यापन्नरस ९८३ | व्युच्छिद्यन्ते क्रि | ५५९, | व्यहश्च सर्व | २७३१ |
| व्याघोऽयमग्री २३९ | | १३१३,# | १३२६ | -ाूरुव्य उप व्युहसंपदा | २६१२ |
| व्याघो वैयाघे २४१ | व्याप्यमायव्य १८४५ | ब्युत्क्रान्तधर्म | ८०४ | व्यूहस्त चक | * 20 १ ८ |
| ब्याघ्रो वैदयाघ्रे 🛎 ९९ | 1 | ब्युत्कामन्ति ख | २३९५ | व्यहस्य जघ | २७१३ |
| व्यामी व्याम इ १६९८ | व्याप्यानां मूल्य १८४५ | व्युत्थानं च वि 🟶 | १२१९ | 1 ⁹ | 2019 |
| व्याघो हस्तिभ १६९६ | 1 | व्युत्यानं चात्र | ,, | व्यूहस्योपरि व्यूहस्योरिं | _ |
| व्याजेन कृत्स्नो ६४४ | | ब्युत्था प यन्तु | १८९२ | | ♥ ,, २७३ १ |
| व्याजेन विन्द १०८५ | l | व्युत्पन्ने कचि | ५५२ | ब्यूहाः प्राप्यङ्ग कारासामध | |
| व्याजन ।वन्द | | व्युष्टदेशका | ^३ २२२० | व्यूहानःमथ व्यूहाभ्यासं शि | ,, १५२५, |
| व्याडस्य भक्ति २०४३ | | 1 0 0 | ३३२ | 3 | २३६६ |
| | 1 | | २७१०, | व्यूहाभ्यासं से | ९६२ |
| व्यादितास्यः क्षु १६९५ व्यादिदेश प्र ८६६ | 1 | 1 " | २७१२ | ब्यूहाभ्यासे नि | १५३४, |
| | | 1 . | २७१६ | 4. | १७५७ |
| व्यादिदेश म २७१२ व्यादिष्टान्पुरु ८६६ | 1 | ब्यूढानीकस्त | | व्यु हा भ्यासैर्मु | ९६२ |
| व्याध्यश्च भ ५९९ | 1 | | ", ২৩ <i>१</i> ४ | न्यूहा यथासु | २७३४ |
| क्षांत्रको च अ | व्यायामः शास्त्र ,, | ब्यूहं तं पूर | | ब्यूहाय विद | २७१३ |
| •• | | 1 ', | ः २९९६ | | ५७४ |
| व्याधिग्रस्तस्य ११५९ | 1 | 1-2 | २७२५ | , ~· | २७१६ |
| व्याधितान्यङ्गा २३०२ | 201 | 1 . | २७१२ | | २७३२ |
| व्याधिते विशे १५५६ | • | 1 " | २७१६ | 1 | |
| | 1 | 1 - , , , | | 1 7 % | २७५० |
| ર | व्यायुधो भग्न २७८७ | 1 " | ६३००० | 0.0 | २६६९ |
| व्याधितो राजा १५५५ | [।] ब्याल एकक्रि २३१४ | । ब्यूहं भेदाव 🛊 | • २७३२ | ^{। ब्यू} होऽनुपृष्ठ | २७४० |

| | | | . 1 | | | | |
|-----------------------------|---------------|----------------------------|----------------|-----------------------------|-------------------|----------------------|----------------|
| व्यूहो वागीश्व | | शं नो देवीत्ये | | शक्ताः कथयि | १२१६, | शक्त्याऽन्नदानं | ६०५ |
| व्यूहो च व्यूह्य | २७११ | 1 . | , . | , | 1610 | शक्त्युद्ये या | ૨ ૪५૪, |
| व्यूही तु सूचि | २७५० | शंसनं न व | *१७१३ | शक्तान्कुलोचि | १२४५ | | २५५८ |
| ब्यूह्म तानि व | २७०६ | शंसन्त इव | २४८५ | शक्ता भवेन्न | १७५३ | शक्नोति जीवि | २३९४ |
| व्यृद्धं राष्ट्रं भ | १६१८ | 1 | '०६,२३३० | शक्तिः सिद्धिश्च | र १८५१ | शक्यं खडु भ | *१२९२ |
| व्योमचारी व्यो | २९९५ | शंसेद्ग्रामश | ,, , ,, | शक्तिका शक्ति | २९९० | शक्यं तत्पुन | ७१९ |
| व्योमयानं वि | २५९६ | शकटः शक | . २७५० | शक्तितो ब्राह्म | १५४६ | शक्यं तु मीण्डः | |
| व्रजं कुणुध्वं | ३८५ | शकटब्यूह | २७५३ | शक्तितोमर | ३ ०५२ | शक्यं तु मीन | * ,, |
| व्रजिक्षित स्थ | २७२ | शकटस्य तु | २७१८ | शक्तित्रयाप | २०७७ | शक्यं त्विह स | २७८९ |
| व्रजति यदि | २४६८, | | રંહપ રૂ | शक्तित्रयोप | | शक्यं द्रव्यव | २०९६ |
| | २५ २७ | शकधूमं न | ६३ | शक्तिदेशका ध | ,, કંહક રૂપ્લક | शक्यें ननु भ | १२९२ |
| व्रजन्ति तामा | २६ ९२ | शकायवन १० | | शक्तिप्रासकु | २२६८ | शक्यं पुनर | 8086 |
| व्रजन्ति वा मै | २५२१ | शकास्तुषाराः | . ५८३ ५९३ | शक्तिमत्तरा | १५५१ | शक्यं प्राप्तुं वि | १०९६ |
| व्रजमटन्या | २६४३ | शकिताश्चेप्स | | शक्तिमत्येक | २१० ९ | शक्यं हि कव | ७२३ |
| व्रजेच तांग | २८९ २ | शक्ताव्यस्त | # १८ ९३ | 1 | | शक्यं ह्येवाऽऽह | |
| व्रजेत्कृष्णा त | २५२९ | 1 "3" " " | २५४ १ | शक्तिमत्सु द | १९३१ | शक्यः कुमारो | १५६३ |
| व्रजेस्वेतां ग | * २५३७ | | २५३१ | शक्तिमान् हि | | शक्यः क्षद्रक | १५६२ |
| व्रजेदन्धिरि | રે ૭५૨ | शकुनकङ्गु शकुनतिथि | २६५४ | शक्तिमान् हि | पा २१५६ | शक्यः प्रकृति | १५६३ |
| व्रजेयुस्तं स | २५३१ | शकुनादी ग्रु | २४६९ | शक्तिराधार | *२९८८ | शक्यः प्राप्तुं वि | |
| व्रजेस्त्वं तां ग | २५३७, | | २४६३ | शक्तिशूलध | १५४३ | शक्यमेकं वा | २६४८ |
| | ૨ ५૪५ | राकुनिः सन्ध | २६७० | शक्तिशौचयु | २१७२ | शक्यसामन्त | ११८३, |
| वर्णे मशक | ७२८ | शकुनिश्च ख | २७१ ४ | शक्तिशौर्ययु | * २१७२, | | ११८४ |
| वतं गृहीत्वा | १६३६ | राजुगगद्ध स्व शकुनीनामि | २७०९ | | ૨ ૄ ૭ પ | शक्या अश्वस | १५०२ |
| व्रतं विद्या स | १४६३ १४६३ | _ | २१३ २ | शक्तिसंपन्नो | ૨ ૧५૬ | शक्याः साधयि | १८९४ |
| व्रतचर्याच | ४१५५ ८६६ | शकुने च नि शकुने मैव | २३६८ | शक्तिसाम्ये यो | | शक्याचस्त्रीर | |
| व्रतचर्या तु | | 1 T. | १५४६ | शक्तिस्त्रिविधा | ,, १८५२ | शक्या चाश्वस | |
| नतवन्ती श्वो | *१२१९ | शकुने मैवं | * ,, | शक्तिहीनः सं | 2044 , | शक्या दैवाह | १७६६ |
| नतविद्या व | २८६३ | शकुन्तक प्र | २४७७ | | 2898 | शक्यारम्भी वि | २०६२ २०६२ |
| नेपानचाप त्रियन्तामीप्सि | १६२८ | शकुन्मूत्रे वि | २५१२ | शक्तिहीनो ब | २१ | शक्या विषह | २० १ २ |
| व्रीहि भिर्म र्दि | १२१८ | शक्तं चैवानु | १०७४, | शक्तेनापि हि | 1 | शक्याशक्यप | |
| | १३७१ | | १६९३ | राजनात्र ।६ | ११४०, | शक्येषु मोहा | १७८५ |
| त्रीहिभिर्यत्रे | २९३० | शक्तः क्लेशस | १६७६ | शक्तो नयः स | १६६२ | शक्येष्वकाले | २५७६ |
| वीहिमयमे | ३१८ | शक्तः स्थात्सुमु | १०७४ | राका न पा स राक्तो नावार | *१७०० | शक्योऽरिः संप | * ,; |
| बीहियवैस्ति | ₹५१, | शक्तः स्थात्सुसु | # ,, | राका मापार शक्तो मूकोऽपि | | | # १८७२ |
| | * 2930 | शक्तप्रजन | | | | शक्योऽरिसंप | " |
| शंतनुब्रह्म | | शक्तयः षोड | | शक्तो राज्ञावि | | शक्यो विजेतुं | १८९९ |
| शंन एधि हु | | शक्तयस्तु च | | शक्तो व्यवसि | | शकः प्राप्य र | २८२४ |
| शंनो गोभ्यश्च | | शक्तस्यापरा | | शक्त्या तदनु | 4 | शकः साऽभिम | # ₹\$७० |
| | | *** * *** | 70071 | शक्त्या धनैः पू | ९५९): | शकः साहिम | " |

| शकः सेनाप | રષ⊻દ | शङ्खं च मणि | २९०६] | शतंते राज | ٦ | शतांशकादू | २४६६ |
|--------------------------------------|---------------------|-------------------|---------------|----------------------|---------------|-------------------------|--------------------|
| शक्रकेतो म | | शङ्खं पद्मश्च | * २९६२ | शतं दशस | १४५६, | शताङ्गुलः प | २३०८ |
| | | शङ्खः कर्कोट | २९७७ | • | १४८३ | शतादूर्ध र | १३७२ |
| राक्र ध्वजानां | *2403 | शङ्कः पद्मश्च | २९६२, | शतं दश स १४ | ४८०,१४९२ | शताध्यक्षान् | १३८५, |
| राक्र प्यजाना राक्रप्यजामि | | ** | २९७७ | शतं देवच्छ | २२३० | | २२०८ |
| रामध्यजालि राक्रध्यजालि | ः, २५ <i>०</i> ४ | शङ्कः शुक्तिः प्र | ं २२२९ | शतं नो रास्व | ३१ | शतानां तु श | १५२५, |
| राक्रस्त्रजाल राक्रलोकम | २५०३ २७८३ | शङ्खकर्पूर | २२४० | शतं पूर्भिर्य | ४३९ | | २३६६ |
| | ७९३ | शङ्खकुन्देन्दु | २९०२ | शतं ब्राह्मणाः | १६५ | शतानि पञ्च | २९०५ |
| शकश्च धन | | शङ्खचकग | २४९८ | शतं मेषान्व | ५७ | शतान्य शीतिः | २८३६ |
| शकसंपूज | २८६६ | शङ्खचामर | ३००२ | शतं रथस | २७०५ | शतान्युपरि | १ ४९९ |
| शकंसेनाप २५ | | शङ्खदुन्दुभि | २४९९, | शतं वरेण्यो | #2 ८७० | शतापाष्ठां नि | 396 |
| शकस्थानाच | २९७३ | 499 | २८७६ | शतं वै तल्प्या | | शता भिषेके | # २९३१ |
| शकस्य नृप | २८७८ | शङ्खपद्मस्तु | # २९६२ | शर्त शतं यो | १५२९ | शतायुर्वी अ | २८६,३१५ |
| शकस्य प्रति शक्यविगर्न | २८७७ | शङ्खपद्मेन्दु | २८४१ | शतं शतगु | २९४६ | शतायुश्च श्रु | २७१• |
| शक्रादिसर्व | २९८१ | शङ्क्षभेरीनि | २९५२ | शतं शतस | #१४५६ | शतार्धमङ्गु | १५२२ |
| शकाय कथि | २९८७ | शङ्खमुक्ताग्रा | २२९९ | शतकर्दमो | २६ ४९ | शतावरी छि | ९८५ |
| शकायुधं प | # २९२१ | शङ्खवज्रम | २२८२ | शतगुणम | २४६६ | शतावरी ज | २९७ ९ |
| शकायुधप | " | शङ्खश्च लिखि | १०५३ | | ८३६,१४१७ | शतावरीम | १४६५ |
| | ७३१,८२२ | शङ्खिनी शिख | *२९९१ | शतग्रामे चा | ८३६ | शतावरी म | |
| राके वृत्रव | २५४२ | शच्या सहैरा | ર ५४૬ | शतघ्रचट | # २५०९ | शतावरा म शतेन क्षत्त | ₹ ", ३४६ |
| शकोच्छाये तु | २८७० | शट[भङ्गच्छ | #२७३ २ | शत ष्ट्रीप रि | १४४३ | शतन शत शतेन धन. | |
| शक्त्ररी स्थ रा | २७३ | शठः पक्षौच | १९६१ | शतन्त्रीयन्त्र | १४६१ | शतन थन. शतेन पारी | १४ <i>७६</i> १४ |
| शङ्कनीये दे | २३२५ | शठः स्वधर्म | १०७७ | | ९५१,२९७५ | शतन पारा शतेन राज | |
| शङ्कमानः स शङ्कमानोऽभि | २७९६ | शठम् 'तथा ' | | शतद्रोणं ति | ७ ३००३ | | 384 |
| • | २९०५ | शठाञ्जात्त्रा न | *638 | शतद्रोणति | ,, | शतेन सूत | " |
| शङ्काजनन <u>ं</u> | . १९५६ इ.स्ट | शठा भङ्गच्छ | २७३२ | शतद्वारोप | १४९६ | शतेनाराज | ,, |
| शङ्कारूपक सन्दिक्तं न | ६७ ૨ ५७५ | शठाश्च कात | १७४१ | शतपञ्चक | २७५ ६ | शते शते च | २६ ३५ |
| शङ्कितत्वं च | | जारी हि बाह्यो | २५६७ | शतपुष्पया | २५ ४९ | शतेशाय द | १४१९ |
| शङ्कितस्त्वम | १२२२ | । शण सजर | १४४२ | शतभु जिभि | ४३९,४७३ | शतेशो विष | १४१८ |
| शङ्किताश्चेप्स | १८९३ | राजकाता | १५१९ | शतमूला श | # १४७० | श्तैनमन्व | २१ |
| शङ्कितेषु सा | १९३७ | 1 41010101 | १४६४ | शतमूली सि | ,, | शतैश्च सप्त | १४९८ |
| शङ्किनी हलि | # २ ९९२ | राणसर्जुर | \$,, | शतमेको यो | १४८० | शतौषधिमू | *२९३५ |
| शङ्किनी हालि | ")) | शण्डामकौं सु | १९६३ | शतयोजन १ | ४७४,१५०४ | शतौषधीमू | ,, |
| शङ्कुकर्णी म | २०२७ | 1 | २९ ३८ | | ५३४,७६० | शत्यं गोमहि | २३०६ |
| शङ्कुना तद | १४७९ | B | | शतवर्गस | १७०२ | शत्यः पत्तिमु | २६१३ |
| शङ्क्येषु शङ्कि | | 1 | २७१७ | 1 | २१४६ | शत्रबस्ते प्र | १२९२ |
| राङ्क इक्षुः शु | २५१६ | 1 | হও ০ ३ | 1 | २६ १ ३ | 1 - | १७१२, |
| शङ्ख इक्षुस्त | | शतं तुभ्यं श | | शतहस्तमि | १४८८ | 1 | १७१७ |
| 7 | - ' ' ' | | - | | | | |

| शत्रवो नीति | ७६१ | शत्रुमित्रोदा | 9 / \ 0 | - | | | |
|-------------------------------|---------------|-----------------------|---------------|------------------------|------------------|-------------------|---------------------|
| शत्रुं कृत्वा यः | २३९ ० | रानुगनगदा | | शत्रून् गत्वा तु | | शनैश्ररः पी | २४६१ |
| रापुरुया पर शत्रुंच मित्र | | | १८८५ | शत्रून् बाह्यांस्त | | | २९३७ |
| रातु चानन रातुं छिद्रे प | २०४३ २०४३ | | १९२६ | शत्रून् मित्रानु | १८५७, | _ | ४०९ |
| रातु । छद्र प रात्रुं जयति | २१३३ | ١٩ | २६ १८ | | १९३७ | शपथातिक | २१०७ |
| ~ | ११०६ | शत्रुराश्युद | २५१५ | शत्रून्सम्यग्वि | २०३१ | शपथेनाप्य | १८८८ |
| शत्रुं जिगीषु | १८५९ | शत्रुरूपाश्च | २०२८ | शत्रून् हत्वा म | ५५८ | शपन्ति निर्ध् | २७८९ |
| शत्रुं प्राप्य र | २८२५ | शत्रुरूपा हि | * ,, | शत्रून्हत्वा ह | १०५६ | शप्तास्ते याज्ञ | * १६१७ |
| शत्रुं वा मित्र | २६४१ | शत्रुनिमज्ज | २३८२ | रात्रूषाण्नीषा | ५०७ | शफन्युतो रे | .88 |
| शत्रुं सम्यग्वि | *२०३१ | शत्रुर्बुद्धचाः | | शत्रोः शङ्किता | १९३१ | शफादश्वस्य | بربر |
| शत्रुं हि कर | १३६७ | शत्रुमित्रमु | १२९१, | शत्रोः शत्रुं च | १८५७ | शबरा उद्ध | * २७०९ |
| शत्रुः प्रष्टुद्धो | १९९६ | | २०८३ | शत्रोः सार्धे स्व | २१७६ | शबरास्तुम्बु | |
| शत्रुक्षेत्रे फ | २५३० | शत्रुग्रद्धायां | १९१९ | शत्रोः स्वस्यापि | १५३० | शबरी शाम्ब | " * 3 996 |
| शत्रुखड्गमु | १७८४ | शत्रुश्च मित्र | २०२९ | शत्रोरगम्यं | १४७६ | शबल उद्वा | १४२ |
| शत्रुष्टमादि | २७९० | शत्रुश्चैव हि | २३७० | 1 | | शब्दः स्पर्शश्च | ९ २९, |
| शत्रुणाऽपि सू | ११६० | शत्रुषड्वर्ग | ९२१, | | *२०३१ | l | |
| शत्रुणाऽ प्युद | २५१५ | 1 | ९३६,९४० | शत्रोरनिष्ट | १ ४३४ | | ९३१,९३८ |
| शत्रुणा बाध्य | २२०७ | | २६८९ | शत्रोरन्नाद्य | २०३१ | शब्दनिर्वच | ८९१ |
| शत्रुणा मैत्रीं | २६३९ | शत्रु संब न्धि | १७५२ | शत्रोरपत्या | २०७३ | शब्दरूपर | २४९५ |
| शत्रुत्यक्तान् सु | १७५२, | | ७६ १ | शत्रोरपि सु | ११०६ | शब्दवन्तोऽनु | २६ ०४ |
| • | २८२६ | | १५३०,१९४४ | शत्रोरागतं | २०७७ | शब्दवेध्यं च | * \$ & & \$ |
| शत्रुनाशक | २९०८ | शत्रुसाधक | १९४३ | शत्रोरुद्वेज | # १ ९ ९ १ | शब्दस्यर्शर | ९०५ |
| शत्रुनाशार्थ | २१७४ | • | २०३२,२०३३ | शत्रोरुपनि | १५८९ | शब्दाः स्पर्शास्त | २४९७ |
| शत्रुपक्षं स | २३७० | शत्रुसाम्ये य | | शत्रोरेवंवि | १९८७ | शब्दापी च म | 3000 |
| शत्रुपक्षक्ष | # १६१८ | | २७७ <i>१</i> | शत्रोर्बलानु | २१२७ | शब्दाभिधान | १६३५, |
| शत्रुपक्षम | २६१९ | शत्रुसेनाक | | शत्रोर्मित्रत्व | २०७८ | ्१८३ | ७,१८४७, |
| शत्रुपक्षादा ९ | ८०,११२० | शत्रुसेविनि | २५७२ | रात्रो र्वधाय | २५ ९६ | | २३३५ |
| शत्रुप्रख्यातं | १९२१ | शत्रुसैन्यं क्ष | २५३१ | शत्रोर्वा व्यस | २४५६ | शब्दा यत्र व्या | ८९१ |
| ['] शत्रुप्रजाभृ | १६६३ | शत्रुसैन्यम | २६ ९३ | शत्रोहिं सम | २७७५ | शब्दायन्ते मु | २५२० |
| शत्रुप्रतिवे | १९२६ | शत्रुखैरात्म | १९६४ | शत्री मित्रे च ८० | 36 / 36 | शब्दायी च म | * \$ 000 |
| शत्रुप्रहितं ९ | ९७,१३८४ | शत्रुञ्जय प्र | # १०७१ | | * २ ७७५ | शब्दार्थविज्ञा | # ११९० |
| शत्रुबलम | १९२५ | शत्रू अहि प्र | . ,, | शनिसूर्यकु | २९०४ | शब्दार्थत्रिन्या | ,, |
| शत्रुबाधनाः | १५१ | शत्रूणां क्षप | २८०१ | शनैः शनैः पा | २८७८ | शब्दार्थानां न | હેંદ્દ ૦ |
| शत्रुभिर्बहु [.] | २०१९ | शत्रूणां च भ | | शनैः शनैः प्र | १०१७ | शब्दे स्पर्शे र | ८०२ |
| शत्रुभूम्या वा | २६४१ | | १६२८ | शनै: शनैर | | शमंतत्र ल | २००३ |
| शत्रुमपक् | २०७८ | 4 | ì | शनः शनर शनैः शनैर्म | २८९४ | _ | |
| शत्रुमित्रमु | १९२५ | • | २६०८ १६५६ | शनः शनम शनैरधर्म | २०५२ | शमं राजा धृ | 2822 |
| , जु. १ । उ रात्रुमित्रवि | | शत्रूदासीन | १६५६, १८८० | | १३६० | शमः शान्तश्च | ११२३, |
| रा नुगमनाव शत्रुमित्रस | १२५५ १८३ | राज्येंट्रे ग | १८८० | शनैरुत्थाप | २८८८ | | ११८२ |
| | १८ ५५ | शत्रूनेके प्र | २३९१। | शनैष्त्याय | ६६३७ | शमः संधिः स | २१०६ |
| | | | | | | | |

| शमनीयोऽग्र | # १६३६ | शरणं च ग | 282 | शरीरमवे | 8000 | शल्मिलं तमु | २०५० |
|--------------------|---------------------|-----------------|--------------------|---------------------|---------------|----------------|----------------|
| शमबुद्धीन्म | १११९ | शरणं पाल | १०८५ | शरीरयात्रा १०८ | ८,२०७४ | शल्मले नार | ,, |
| शमयन्सर्व | ७९७ | शरणं पाल्य | | शरीरं रक्षा | १०१२ | शहमले विप | २०४९ |
| शमयेद्दान | १६६० | शरणं यामि | | शरीयांस्ता | | शल्यकङ्कट | २६०१ |
| शमलं प्रति | ११० | शरणागत | १०८८, | शरीरस्फुर | २४५७ | शल्यकण्टक | . ,, |
| शमन्यायाम | २०६९ | १ | ०८९,१८६१, | श री रामिषु | २७६३ | शल्यगढाह्य | ८९३ |
| शमव्यायाभि | ં ६७४ | 1 | १३०५,२१४ ९ | श रीरा णि वि | | शल्यो भूरिश्र | २७०४ |
| शमन्यायामौ | २०६९, | शरणागतं १ | ०८८,१०९६, | शरीरान्निःसृ | • • | राछकी कारम | १४३२ |
| | २०७६ | | ०९७,११२० | शरीरायास | | शवरुधिर | २५२२ |
| शमस्तदर्थ | २१३७ | शरणागते | ५९६ ६५४, | शरीरारोग्य | | शिवष्ठास्य रा | २७३ |
| शमान्तरं प | २७२१ | | १०९८,२७६१ | शरीरे मा च | | शशकेनेव | २०७६ |
| शमान्तरस्तु | २७३६ | शरण्यः सर्व | ७३८ | | ેર | शशन्यट | રે ૫૦૬ |
| शमीपलाश | २९३६ | शरण्ये त्र्यम्ब | | शरीरे मे पृ | २४८२ | शशाङ्कर | २८९३ |
| शमीपिप्पल | # ,, | शरतल्पग | १५०३ | शर्कराअश्म | २८९८ | शशादिमेद | ८९२ |
| शमो दानं द | •११७७ | शरत्काले ग | २८५८ | शर्कराकृमि | २९८१ | | |
| शमो व्यायाम | ५७५ | शरत्काले म | રે ૮ ५९ | शर्कराद्यश्म | १४७७ | शशाप तान | ८४३ |
| शम्बरो विप्र | १५०४ | 1 | २१७६,२४६० | शर्कराभं द | १३७० | शशाप पुत्रं | 99 |
| शम्भुसूर्यय | २८७५ | शरदि वैश्य | ४२१ | शर्कराभं ही | १३७१ | शशास कपि | २७२० |
| श∓यापराव्या | ३०८ | | | शर्कराभश्म | # { | शशास शमि | # \$888 |
| शयनं वाह | ३००३ | शरद्धना इ | | शर्कराभस्य | १३७२ | शशिनि चतु | २४६६ |
| शयनगृहा | ९४३ | 12/12 | | शर्करोपर | * १४२० | शशे दिगम्ब | २५ २७ |
| शयनस्य गृ | ९८६ | | ર ૪५७ | शर्मप्रदस्त्वं | २५४६ | शश्वत्तथा स्था | २०२ |
| शयनादुत्थि | ९७४ | शरद्वे वैश्य | ४२१ | रापोपयस | २८९२ | शश्चतपुत्रेण | १८३ |
| शयनादुप | ६३५ | शर्प्य प्रस् | * ` ` २०२१ | | २५४१, | शश्वत्संसिद्ध | २३६५ |
| शयने वाऽथ | २९१ | शरभः शर | | 200 | ८,*२९७९ | शश्वतसंसिद्धि | * ,, |
| शयने वाम | ९६ | शरभत्वं सु | | | २९७९ | राश्वत्सौपर्णी | २४७७ |
| शयनोत्थाप | २८५८ | शरभोऽप्या | | | २९०७ | शश्वदक्षर | ५९२ |
| शय्यां कुशाचैः | २५३ | | | | * २६६९ | शश्रद्ध यावा | ३६५ |
| शय्यां कुशाभिः | · ,, | शरांश्च दिव | | | *८४२ | 1 | २९०,३०१ |
| शय्यां त्यजेत्तू | ९६ | | | शर्मिष्ठायाः सं | ,, | शश्रद्र्पं म | ६१५ |
| शय्या चतुर्गु | २९८ | | | र शिमिष्ठायाः सु | ८३७ | शस्तं प्रशस्त | १४८१ |
| शय्या दीघीर्घ | " | शरातिसर्गे | १९०६ | शर्वरी सम | ८०२ | शस्ताः सपद्म | २५४९ |
| शय्यायां वा त | २५४ | | * ,, | शर्त्रेण जग | २५४६ | शस्तान्येतानि | २५ ०७ |
| शय्याविताना | २३४ | | ૧૫ [°] ૦૨ | शलभानामि | २७१९ | शस्ते तस्मिन् | |
| श य्यासनानि | २०१ | | | शलाकाः षट्प | २८३६ | | २८३० |
| शय्यास्तरण | ८९ | | # 2801 | | २८३८ | L | १४९० |
| शरचापध | ^२ २७५ | 1 - ^ | १४०४,१४३८ | शलाकाशत | # ₹००२ | 1 (-11-1 | १०४६ |
| शरच पश्चि | २४६ | २ शरीरपीडा | | शल्कैश्च घटि | | रास्त्रकर्मक | |
| | • • | | • | | • , • , | | १६३९ |

| शस्त्रकर्मकृ | ६६० | शस्त्रेण वेणी | 2009 | शाखागतम | २०२१ | शान्तिपुष्टयमि | २९१३ |
|---------------------------------|-------------------------|------------------------------|---------------------|-----------------------------|---------------------|------------------------|----------------|
| शस्त्रघातह | २७८६ | रास्त्रेण वैश्या | १३५० | शाखानगर | १३८६ | शान्तिप्रधान | • २९७४ |
| शस्त्रप्रताप | २६ ०५ | रास्त्रेणाऽऽजीव | હંપ ર | शाखाप्रदान | १७५० | शान्तिमङ्गल | २९२८ |
| शस्त्रप्रतापे | ८३४ | शस्त्रेष्वन्येषु | ६६ ० | शाखाप्रपत | २९२३ | शान्तिमाचक्ष्व | २९०८ |
| रास्त्रबाहुस | २६८८ | रास्त्रैः कनिष्ठं | २६८८ | शालामी दुम्ब | २८८६ | शान्तिमाप्नोति | ८५९ |
| शस्त्रमितं वि | *१७१२ | शस्त्रैः पत्रैः क | २४९६ | शालाश्च तस्य | 2020 | शान्तिमिच्छन्नु | २७६७ |
| शस्त्रयुद्धं तु | २६८८ | शस्त्रैयन्त्रैः क | _ | शाखिनां गर्त | | शान्तिराङ्गिर | २९२९ |
| शस्त्रवर्मक | २२८१ | रास्त्रेर्विच्छिन | ₩ ;, २७८६ | | २२८८ | शान्तिरेन्द्री भ | २८६९ |
| शस्त्रवर्मायु | २८९२ | • | | शाङ्खकाहल शाठयं लौह्यं च | ९५७ १७१ ४ | शान्तिनीराज | 2668, |
| रास्रवाहना | ९६५ | शस्त्रोपजीवि | १२७८ | _ | | | ૨૮૮ ૫ |
| शस्त्रसंधान | ८९४ | शस्यते वसु | २९०३ | शाठ्यं लील्यं स | १७१७ | शान्तिर्भया ते | २९१० |
| शस्त्रसंमार्ज | २३४७ | शस्यन्ते भिष | १६३९ | शाठयं लील्यम | #8088 | शान्तिवृक्षम | * ₹८८१ |
| शस्त्रस्य तैल | १५३७ | शस्रोपघाते | # २६७२ | शाण्डिल्यश्च भ | २९६४ | शान्तिश्च ब्रह्म | २९०६ |
| शस्त्रहतस्य | २६५६ | शाकपाकक | २३५२ | शातकुम्भम | *२३५७ | शान्तिस्वत्यय | १०३१ |
| शस्त्रहस्तैर्म | १४९७ | शाकमश्चः प | २९१५ | शातकोम्भम | " | शान्ते निद्राभि | २८०६ |
| _ | ८,२१९७ | शाकयावक | २८९६ | शात्रवाणां वि | २८१३ | शान्तो दान्तो द | २४१४ |
| रास्त्रामरः ५० रास्त्रामितिष | ८,२५ <i>२</i> ७ ९९२ | शाकलं कपि | २२ ३ ४ | शात्रवास्तु स | १५४२ | शान्तोपजाप | २५९३ |
| शस्त्र(ङ्कुशप | २५१ ३ | शाकसौराष्ट्रौ | १४१५ | शान्तं च दान्तं | १६१२ | शान्तो विनीतः | १२३९ |
| 3.4 | ४ <i>२८२</i> ७४७,८६६ | शाकानामध्य | २२६१ | शान्तः ग्रुभफ | # ₹५०८ | शान्त्ये क्रप्त्ये प्र | 288 |
| शस्त्राणां पाय | ५७,००० ५७५ | शाकिन्यो यक्ष | २८९४ | शान्तदीप्तप्र | २५२८ | शान्त्यै प्राधानि | २९७ ४ |
| शस्त्राणां पाल | * ,, | शाकी भव य | ३७० | शान्तवृक्षम | २८८१ | शापानुग्रह | १०१६ |
| शस्त्राणि चैव | ** | शाकुनं कथ | २९९८ | शान्तां दिशम | २५१४ | शाब्दः क्लेशस | * १६७ ६ |
| रास्त्राण यप शस्त्राणि सर्व | ****** २९६६ | शाकुनं कथि | * ,, | 'शान्ता द्यौः' इ | ते २८५०. | शाम्बरी बन्धु | २९९८ |
| रास्त्रापिका रि | १२७८ | शाकुनंच त | * ₹५४१ | | २८५ १ | शाम्बरीमिन्द्र | २९३४ |
| शस्त्रावस्थ | २७ ६ २ | शाकुनं शास्त्र | २५३१ | शान्तायां दिशि | २५२२ | शाम्यत्यदग्ध्वा | २०३७ |
| शस्त्रासङ्ग | १४२८, | शाकुनः कथि | २९९८ | शान्ताखेवं दि | २५२५ | शाम्यन्त्यस्य त | २८८ • |
| रास्त्रास्त्रकुरा | २३४५ | | | शान्ति कृतवा दू | *२८५३ | | २७०५ |
| | | शाकुनाया म | "" | शान्ति वा सिद्ध | १३९६ | शारदाभ्रव | |
| शस्त्रास्त्रधारि | १४८४ | शाकुनाय्या म | * ,, १६६५ | शान्तिः पुष्टिक | *२९९७ | शारदाम्बुध | # ,, |
| शस्त्रास्त्रमन्त्रे | २८९१ | शाकुनिकः श | | शान्तिः स्वस्त्यय | २८५८ | शारिकाकपो | २६५० |
| शस्त्रास्त्रयोधी | २७४९ | शाक्ता अष्टी च | १४१५ | शान्तिकं पौष्टि | 2 | शारीरं दश | # १९७७ |
| रास्त्रास्त्रसंधा | १५२८ | शाक्तागमांश्च | १११९ | | •१६१७ | शारीरं द्रव्य | १०४९, |
| रास्त्रास्त्राभ्यां वि | ११५६ | शाक्ता वैष्णत्रा | " | १८० | ५,२४७३, | | १०५० |
| रास्त्रास्त्रेः सुवि | २७९१ | शाक्वररैव | ७७,२२७ | | २८७३ | शारीरं हि ब | १५२६ |
| शस्त्रेण च प्र | १०२९ | शाखां तस्य स | # २०२० | शान्तिकृत्यादू | २८५३ | शारीरः संनि | #१९७७ |
| शस्त्रेण निध | २७५७, | शाखां प्रति त | २९२९ | शान्तिके पौष्टि | क १६१७ | शारीरश्चार्थ | ,, |
| | २७६४ | शाखां हित्वा ज | #२०३ २ | शान्तिघोषेण | २९१० | शारीरस्ताड | * ,, |
| रास्त्रेण निह | २७८३ | शाखाः सेनाधि | २१४७ | शान्तिपुण्याह | १०२५, | शारीरस्त्वव |) ; |
| शस्त्रेण रसे | १३९८ | शाखाः स्कन्धान् | | | | शारीरो दश | " |
| | | | | | | • • | ,, |

| शारीरो द्विवि #१९७ | शाल्मले नार *२०५ | .०∫शास्त्रजां मति | *२०३० | शिक्षा कल्पो व्या | ८६९, |
|--------------------------|--|--------------------------------|--------------------|----------------------|-------------------|
| शाङ्गे समुचि १५२ | 1 | ९ शास्त्रज्ञमभि | ,, | २९६ | ६,२९७७ |
| शाङ्गे स्नायुचि १५१ | A A | ७ शास्त्रतत्त्रमृ | ९२३ | शिक्षान्यायोप | १५०३ |
| शार्ङ्गकंचन २५१ | | ७ शास्त्रदृष्टान | २८०३ | शिक्षालापिक | २०१८, |
| शार्वुलचर्म २८ | 1 • ^ | ३ शास्त्रदृष्टेन | २३५७, | | १६२८ |
| शादूलिंबिष २७५,२८ | | .१ २९४ | ३,२९४५ | शिक्षावेदी द्ध 🍐 | २३५१ |
| <i>a</i> , , | े ज्ञाधानोटमं 🗗 🖊 | ८ शास्त्रनित्यः पु | १९९९ | शिक्षा व्याकर | ८८६,८८९ |
| शार्दूलवच १२२ | 1 | 1 2 7 | १२९१, | शिक्षितं व्यह | १५२७ |
| शार्दूलस्तं तु 🛚 🛊 १२२ | शाश्वतोऽयं स्मृ #८४ | | २०८४ | शिक्षितैः सेज्जि | १५४३ |
| शार्बूलस्तत्र ,, | ر | ^{५७} शास्त्रनिष्ठः पु | #8999 | शिक्षितैर्बहु | ,, |
| शार्दूलस्य वं 🐐 १२२ | ै शास इत्था म | 1 | **\ | शिखण्डिनं च | २३५६ |
| शालकाष्ठेन २८३ | र शासकनिया २३ | Augusta . | १७७९ | शिखण्डिनं पु | २७१५, |
| शालग्रामस #२९६ | रासनं कार ७२ | 1 /11 /11 11 11 11 1 | १ २२५ | _ | ९८,२८०२ |
| शालग्रामोऽथ २९७ | 48 | . | | शिखण्डी तु त | २७०७ |
| शालपर्णी प्ट १४६ | ५ शासनं चय १६१ | । सास्त्रापप प | १२३८, | शिखण्डी तु म | २७१२ |
| शालमय्यस्तु २८७ | े शासनं त्वीद ११° | | २३५० | | |
| शालया पूर्व १४७ | e direction 22 | सास्त्रापद्यापप | १६६८, | शिलण्डी विज | २७१५ |
| शालया याम्य 🛊 " | 1 · · · · | . 1 | १९६९ | शिखण्डी सर्व | . ,, |
| शालां विना नै १४८ | \\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\ | राष्ट्रियग्रह | ६७९ | शिखराणां स | *4888 |
| शालाद्यपरि १४५ | ९। | ६९ शास्त्राणि च म | ८६७ | शिखीव केका | ११३२ |
| शालाप्रपात ११० | ३ शासनात्पुरु २७ | 1 | ९५४, | शिखीव केकां | ०११३२, |
| शाला भोग्ये नि १८४ | ु शासनादन्य १५ | | ९६ ० | 1 | ४२,१६०६ |
| शालाया विश्व ४० | । साम्रजारा ति 🕏 | ^{५५} शास्त्रानीतेन | *\$\$\$8 | शिखीशः शक | २९९३ |
| शालायास्तु त्रि १४७ | ė | ७० शास्त्रानुकारी | १०२६ | शिग्रुशेष्मात | २९८१ |
| शालावशेन २३० | | l l | ८७९,८८८ | शितपीतानि | २६ • १ |
| शालावुका इ १३२ | ~ <i></i> | ०५ शास्त्रार्थतत्त्व | १२३९ | शितिपदीं सं | २५३६ |
| राज्यहमा ३ १४९ | \ ' | ३६ शास्त्र बोद्धा र | | 1 | 489,422 |
| शालिग्रामस २९६ | | | १२६८ | 1 | १४२, १६३ , |
| शालिचूर्णैश्च २९८ | 1 | ०७ शास्त्रेषुक्तं मु | १९८३ | | १६६ |
| शालितण्डुल *१४४ | 1 | ०७, शास्त्रैरिधग | १९६९ | शितिबाहुर्वा | २६ १ |
| शालिपणी पृ 🛊 १४६ | * * | २६ शास्त्रोक्तं बलि | १३६०, | 1 | * २९६९ |
| शालिभक्तं घ २५५ | | 28, | १४१९ | 1_ | २७१६ |
| शालिबीहिको २२८ | Trick start 5 | · 1 | १४३१ | शिविकां वैज | |
| शालीनामष्ट २२५ | | ४४ शिशुमारा अ | | 1000 | ३००२ |
| शालीनामाढ २९४ | | १५ शिक्षया चोप | ६७ १५०३ | 1 | १४७५ |
| | 2 | ९२ शिक्षयेद्धर्म | • | | २३५५ |
| शाल्मलिं तमु #२०५ | , o oz | 1214144 | ७२६ | | २६१८ |
| शाल्मलीनां ति १४५ | `` | ९५, शिक्षां व्याधि पे ५६ | | | २६७२ |
| हााल्मलीविदा २६ ५ | (| 791 | २३४१ | शिबिरस्य ज | १४७६ |
| | | | | | |

| शिबिरस्य य | १४७५ | शिलोत्थः शा र्क | २८३६ | शिवास्ता मह्यं | ***• | शीतानिलतु | २९२ १ |
|---------------------|--------------|----------------------------|----------------------|--------------------|----------------|-------------------------|------------------------|
| शिबिरात् पूर्व | २८६८, | शिल्पं प्रतिक | *१३१६ | शिवेन मा च | २१८ | शीत।र्तश्च क्षु | १०८८ |
| | २८७३ | शिल्पशाश्च क | २३४७ | शिवो वो गोष्ठो | ₹९० | शीतार्तस्तद्व | १०८६ |
| शिबिराभ्यन्त | १४७६ | शिल्पप्रतिक | १३१६ | शिवो हवा अ | २०८ | शीताछुळत्तु | # २९ २१ |
| शिबिरे ऽतिनि | " | शिल्पवत्यः स्त्रि | १६४७ | शिशिरवस | २३ ०४ | शीताशाटीति | १७०७ |
| शिर उहवै | ३३४ | शिल्पवन्तः पा | १७०१ | शिशिराग्रुत्त | २२७८ | शीतोदकीयं | २२३४ |
| शिरः कण्ठुं रो | २९७५ | शिल्पानि शंस | ४४५ | शिग्रञ्शाखाम् | १७८२ | शीतोष्णतावि | #2928 |
| शिरःकम्पना | १११६ | शिल्पानि शिक्ष | १०१२ | शिश्रला न की | ४७७ | शीतोष्णानां वि | |
| शिरसि स्पृष्टे | १५३६ | शिल्पिनः कर्म | १३१२ | | ८९६ | शीतोष्णे च त | ⁾ । २४२१ |
| शिरस्त्रं मुकु | २८४३ | शिल्पिनः कर्मी | # ,, | शिष्टपरिपा | १ १२० | शीर्णता चाह्रि | *२९२१ |
| शिरस्त्राणक | २२६ ९ | शिल्पिनां कञ्चू | १४७२ | | ११२३ | शीर्णपर्णप्र २४८ | |
| शिरस्थं ब्युप | २८३३ | शिल्पिनो मासि | १३०४, | I . | ७२७ | शीर्ष तस्याभ | २७११ |
| शिरस्यभिह | २७६ ३ | | १३५७ | | १६०८ | शीर्षकमुप | २२३० |
| शिरस्थासीन | २७१२ | शिल्पोपचार | १४१० | शिष्टाः सर्वेऽपि | ७२७ | शीर्षे तस्याभ | # २७११ |
| शिरीषस्य फ | १४७० | शिव ईशस्त | ર્પ ૪૪ | शिष्टाञ्छिष्टाभि | ५६८ | शीर्षोपेताञ्जु | # १८३७ |
| शिरीषाम्रक | २९७९ | शिवं ध्यायस्व | २०३१ | शिष्टाञ् शिष्टाभि | १२०८ | शीर्थोपेतान्सु | १८३७, |
| | ८१,२६५३ | शित्रं भवतु | २८७०, | शिष्टानां नीचै | ९०३ | | २ ३३ ७ |
| हिारीषीदुम्ब | ०९८१ | ाराव मध्य | २८७७, २८७४ | शिष्टानां पाल | ७२७ | शीलं जिज्ञास | १२१४ |
| शिरोघातश्च | २५१६ | शिवः कपोत | | शिष्टा वै कार | ६३९ | शीलं प्रधानं " | १०४२ |
| शिरो दुर्यीध | २७१६ | शिवकुम्भे शि | २४७६ | शिष्टाश्चान्ये स | ५५३ ५९१ | शीलं समासे | #६ २९ |
| शिरोभङ्गे तु | २८६४ | शिवमभ्यर्च | २९८९ | शिष्टचर्थ विहि | ६३२ | शीलदोषान्त्रि | ६०८ |
| शिरोभारः का | २३०१ | | २९२४ | शिष्यमाणो घ | १००९ | शीलमलंका | |
| शिरोऽभूद्द्रुप | २७०९, | शिवलिङ्गग | १४७९ | शिष्यस्ते शासि | १०४५ | शालमलका शालमाश्रित्य | ११६३ |
| | २७१२ | शिवाध शग्मामा | २९७ | 1 | | ľ | ६२६ |
| शिरो मे श्रीर्य | .860 | शिवां स्थोनाम | 800 | शिष्याश्चास्य मू | २६ ३५ | शीलमूला म | ६२८ |
| शिरोरक्षश् च | २२१० | शिवाः स्यामानं | *4460 | शिष्याश्चास्याऽऽवे | • • • | शीलमेतद | १२८७ |
| शिरो ललाटं | २५१ ४ | शिवाः सतीरू | ४५१ | शीव्रं धारय | १०५४ | शीलवद्भिः कु | ९६९ |
| शिरो विंशति | २६१३, | शिवा च वाच | #२ ४८६ | शीघः समधु | १५१२ | शीलस्य तत्त्व | ६२८ |
| | २६८६ | शिवादय इ | १११८ | शीव्रपातेर | २१११ | शीलाचारवि | #२९२७ |
| शिरोहतस्य | २७८६ | शिवाद्यान् सन | २९०१ | शीघ्रमन्यत्र | २०१७ | शीलेन हित्र | ६२५, |
| शिलातोम्र | १५१४ | शिवा नाराय | २८९४ | शीघ्रमागच्छ | \$ २०२४ | | #६२८ |
| शिला भूमिर | ४०७ | शिवान्सुखान्म | ५८५ | शीघाभियाने | १५५३ | शीलेन हि त्व | ,, |
| शिला यत्र प्र | २४८४, | शिवामेवैत | २९७ | शीद्याश्चपल | # १५०१ | शीलोपपन्नो | १२३० |
| | २९१६ | शिवाय खामि | २५१२ | शीतपाकी कु | १४६५ | ग्रुकः शारिका | ९७२ |
| शिलाया हरि | १५३२ | शिवा रटन्ति | २५२८ | शीतमुष्णं त | २३७७ | ग्रुकपक्षनि | १३६३ |
| शिलाशकल | २५२८ | शिवा शान्ते ज्व | " | शीतांग्रुचक | २९८१ | गुकपक्षप्र | १५४३ |
| शिलाशस्त्रव | २६२९ | शिवाश्च भय | २३५५ | शीतांशुस्तीव | #८२० | गुकपित्ताण्ड | २६५४ |
| शिलाशिक्याव | २६३३ | शिवा श्यामा र | २५१० | शीतांश्वीर्शान | ,, | ग्रुकसारिक | २०४८ |
| | | | | | | | |

| | | | | _ | | | |
|------------------------------|-----------------------------|--------------------------|-----------------|--|-----------------------|--------------------------|-------------------------|
| शुकादेः पाठ | १५२५, | गुक्रपक्षे त | २८८९ | ग्रुचिर्दक्षः कु | | शुद्धस्यैको हा | २२४७ |
| · · · · | | गुक्रपक्षे प्र | 660 | शुचिर्दभङ्कि | ९३८ | शुद्धहीरक | २८३३ |
| ग्रुकान्वा शारि | १७६१ | गुक्रपट्टाच्च | २८३३ | शुचिशष्पाङ्कु | ९३१ | शुद्धाः पूता यो | ४०५ |
| ग्रुक्तानि चैव | •१४६६ | गुक्रमाल्यांश्च | २९३८ | शुष्चश्च कठि | # २३२७, | शुद्धाच वृत्ति | ७५३ |
| ग्रुक्तिमती सि | #2900 | <u> शुक्रमाल्याम्ब</u> | २४९७, | | २३३८ | ग्रुद्धात्मानो ज | २९१२ |
| शुक्तिश्च गज | २८४४ | | ,२४९९, | शुचिश्च व्यव | २३२७, | गुद्धात्संग्राह्य | १५३१ |
| ग्रक्तीमती सि | २९७० | (| 2९३५ | - | २३२८ | शुद्धा न आप | ४०७ |
| शुक्रं स्कदं गु | २८७६ | गुक्ररक्तपी | २८३७ | शुचिश्चेति स | २८३८ | ग्रुद्धान्तवनि | १८०५ |
| गुकः पानम | १६०३ | गुक्ररकोऽ थ | २८४८ | शुचिश्चैवाशु | ८१८ | शुद्धान्तस्तु म | १९५८ |
| गुकः प्रोष्टप | 2880 | गुक्रवर्णव गुक्रवर्णव | २८३७ | शुचिष्ट्वमसि | ૪૫ | शुद्धान्ते द्वारि | २३३९ |
| गुक्रज्योतिः प्र | ૨ ५४७ | | २८७१ | शुचिस्तु पृथि | ५६९, | शुद्धान्तेषु च | १६५६ |
| गुकज्योतिश्च गुकज्योतिश्च | १५४ | शुक्रारश्च कृष्ण | ३४० | | ११७४ | शुद्धा सा दह | १४७७ |
| | ९६५ | शु क्ला तिशुक्लं | २८४२ | शुचीनलुब्धा | १२०६ | ग्रदिर्बुदिर्यु | २९९७ |
| ग्रुकमलमू ग्रुकमसीत्या | २९३० | शुक्लानि चैव | १४६६, | शुँचीनां रक्षि | ७१३४५ | ग्रुद्धिर् वेदिमे | # >> |
| | २८४२ | २९४ | २,२९८० | शुचीनाकर | २३२८ | ग्रुद्धे काले दि | १४९३ |
| गुक्रवर्णा च | २८४५ २४६ ४ | शुक्रानि रज्जु | २८३६ | शुचीनामेक | * १२४५ | ग्रुद्धैर्मरक | २८३३ |
| ग्रुकवाक्पति ग्रुकवृद्धिक | ११२५ | शुक्लाम्बराः स | २५१४ | शुचीन्प्राज्ञान्ख | ७२६, | शुन इव लो | ૪ે५६ |
| + 5 | . २८३५ | धुक्रारक्ताः पी | २८३७ | | २३३५ | शुनं नो अस्तु | ३९ १ |
| ग्रुकस्य वैदू राज्य नाम न | ् २००० ३००० | शुक्राष्ट्रम्यां भा | २८७७ | शुचीन्खाकर | * २३२८ | शुनं वरत्रा | ३९३ |
| शुका तारा त शुकातिशुक | १४६५ | शुक्ले च वाल | ર ૧૪૨ | 1000 | १२२० | शुनं वाहाः शु | " |
| | २४७२ | | २८०२ | शुचेमित्रस्य | १४५ | शुनं सुफाला | 33 |
| ग्रुकादित्यदि | | ग्रुक्ले वसानो | २९७८ | शुची देशे प | २८५२ | शुनःशेषो य | 3 |
| गुकाद्वृष्टिरि | २२८ ^६ १४९ | शुक्लैः शुक्लाम्ब | २८८१ | शुण्ठो दक्षिणा | १६ ३ | शुनःशेपो ह्य | ą |
| शुका वः शुके | - | ग्रुक्लो रक्तोऽथ | | शुद्धं जीत्रित | २८१५ | <u>शु</u> नमन्धाय | 46 |
| ग़ुकेण गुर | २८७५ | ग्रुक्लो विशालः | २९९३ | शुद्धं पूर्णम १३ | १२८,२२१२ | शुनामनित्र | १३९६ |
| शुक्रेणचव | ८३८ | गुचयश्चानु | # १ २४५, | शुद्धं भूषण | १३८२ | ञुना समो न | ११४९, |
| शुक्रेण मे स | ÷ ,, | | १२४६ | शुद्धं वा मद्यं | ^२ २६ २६ | 18.11 | १४२८ |
| शुक्रे विनष्टे | २४६८ | 3 | ५०७ | गुद्धं गुद्धर | २२३६ २२३६ | शुनासीरावि | *** |
| शुक्रोक्तनीति | ७६६ | 7.3 | 693 8 | गुद्धं सुवर्ण | १३८२ | | |
| गुको बृहद्द | २४४ | 1 | २८५० १२९९ | 1 | २३६८ | 13 " | 33 - 1 |
| शुक्रो बृहन्द | # 55 | शुचिता त्यागि | *<{{ | | | शुने कोष्ट्रे मा | ›› ፍ ፍ |
| शुक्कं च माल्यं | *3836 | • | क ३५ ४ इ. ९० | | २४८७ | | १४६९ |
| शुक्लं च वाल | २९ ४५ | | <i>۾</i> ج | 1 | | शुनो निदर्श | * १६९९ |
| शुक्लं सर्वर | १४६९ | 1 ~ ^ . | | , शुद्धशुण्डावृ | | शुभंकर्मप | |
| गुक्लकेयूर | * 2866 | t | | , शुब्दशु ^० डा ह ! शुद्धश्चित्रश्च | रटसर ६७३ | 1.4 | १०९० |
| शुक्लचित्रेण | १४९५ | 1 - ~ ~ ~ | | , शुद्धस्फटिक | | 19 . | # ₹ ९ १ • |
| गुक्रपक्षत्रि | २८५८ | - | | , शुक्षरफाटक शुद्धस्फटिकः | | शुभं वसन | ,, |
| शुक्रपक्षनि | २८३० | 70. | . 0, 1, 1, 0, | । । छन्द्र/गाटमाः | ५५३ ३ | र ग्रुभं बाऽप्यशु | २५ २ <u>,</u> ९ |

| शुभं वा यच | #C 1.14 | 120200 | | | | | |
|----------------|---------------|----------------------------|---------------------|------------------------|--------------|----------------------|--------------|
| शुभं वायस्य | #440 | <u> </u> | | शुल्बं तारं वा | |) शुष्केणाऽद्री द | १०४४, |
| | " | शुभ्रं नु ते शु | | शुल्बभाण्डं स | २२४९ | | १६२० |
| शुभं वा यदि | र ० र ९ | शुभ्रमन्नं त | २८५१ | शुशुभाते च | १५०५ | शुष्केषु संप्र | २९२४ |
| शुभंहिकर्भ * | | | ३७३ | शुशुभातेऽति | 幣 ~ 22 | शुष्कैः काष्ट्रभ | ≉ ६६४ |
| शुभः स्यादभि | २८३५ | 130 | २४०८ | शुशुभे केतु | २ २७०५ | शुष्कैस्तृणैर्भ | |
| शुभक्षणं चा | १४७६ | शुमन्तुब्रीह्य | * ሪ५९ | शुशोच दुःख | २४४ १ | 1 - | |
| शुभग्रहे च | २७०१ | शुल्कं दण्डः पौ | २२१३ | शुश्रूषणं चा | ५८६ | 1 . | २९२.३ |
| शुभतिथिदि | २५ २५ | शुल्कं ददुस्त | # १३५६ | | रहरू ८६७ | • | १४६५ |
| ર્ગુમદં શ્વરાૃ | " | शुल्कं दद्यात्त | | | | <u>रू</u> क्धान्येषु | १३६१, |
| शुभदं सर्व | १४७३ | शुल्कं दद्युस्त | 47 ,, | शुश्वमाणा | २३७६ | | १३६२ |
| शुभदः सर्व | २९० २ | शुल्कं भूयस्तु | ,, १ ३ ६२ | शुश्रमणे | १०९४ | शुद्र एतान्य | ५८० |
| शुभदोऽनिष्टो | १५३७ | | २२ ४५ | 00 | ६०२ | शूद्रं तु मोक्ष | १०३४ |
| शुभप्रदश्च | १४७५ | | | 104 | २४९७ | शूद्रं तु मोच | * ,, |
| शुभभूमिभ | २८७४ | | | | २०३० | शूद्रं वैश्यं रा | |
| शुभमत्यन्त | २९०८ | 1 | , , , , , | शुश्रेषां यत | * ,, | | ५८७ |
| शुभर्क्षतिथि | | शुल्कदण्डा क | ५९,५३४५ | शुश्रूषां सत | ५८५ | | २००० |
| शुभस्थानस्थि | રૂપ રૂશ | शुल्कदेशा ह | १८४२ | | ५८७ | शूद्रः पैजव | 468 |
| \$ | 2002 | शुरकस्यात्य शुल्कभयात्प | १३७५ | | • ५५६ | शूद्रः सर्वत्र | २८४३ |
| शुभानामशु | ७४८, | | २२७९ | शुश्रुषा तु द्वि | " | शूद्रकर्षक | १३८९ |
| 33 | # १६५५ | 133 | " | शुश्रेषा तुब | १०४४ | शूद्रकल्पस्ते | ૨ ૦૫ |
| शुभानि तव | २५०१ | खरमनताचा | २३२१ | शुभूषा ब्राह्म ७ | 33,2802. | ` | |
| शुभानुबन्धि | | | 11. | 2 | ७७७ं,२७८६ | श्राम्य १० | 189,8820 |
| | 7447 | गुल्कव्यवहा | २२८२ | शुश्रूषाश्रव | ८७१,९०२, | | २०७६ |
| शुभान्यथैता | ३५०५ | शुल्कस्थानं प | २३३१, | 2, | | 9 | ∦६०७ |
| शुभा मृगप | २६९ ४ | 1 | २३३५ | ATMITT OTH | ११७८ | शूद्रश्च पादा | १३०८ |
| शुभा यासि रि | ७१ | ग्रुल्कस्थानं भ | १३६२ | शुश्रुषा अव | ११८८ | शूद्रश्चावाप्तं | 8383 |
| शुभार्थे सौम्य | १४७९ | ग्रहकस्थानं व | १३५५, | शुश्रेषितस्ते | ६२७ | शूदस्त्रीविद्रा | १६३० |
| शुभावहाः स्युः | २५१४ | | १३५६ | शुभूषुः श्रुत | ११७५ | शूद्रस्त्रीषु च | |
| शुभावहास्ते | २९२१ | ग्रुल्कस्थानाद | १३१२ | शुश्रुषुरन | १६१७ | SINNIG 4 | ७२८ |
| शुभाशुभफ | २४४७, | ग्रुल्कस्थानाद्रो | २२८० | शुश्रुषोः कृत | * 4८७ | शूद्रस्य द्विजा | ८६९ |
| २५ : | २८,२९८१ | ग्रुल् क स्थाने षु | १३४७, | शुष्कचर्मवृ | २८०५ | शूद्रस्य धर्मः | ७५३ |
| श्रुभाशुभे म | १२२२ | | २३३० | ग्रुष्कमत्स्यमां | २२५९ | शूद्रस्थापि हि | ५८० |
| शुभे ऋक्षेच | २८७४ | शुल्कांशं पर | १३६०, | गुष्कमत्स्याना | २६४ ५ | शूद्राः स्वधर्म | # { |
| शुभे ऋक्षेऽथ | # ,, | 9 | १३६२ | शुष्कवादो न | | रूद्रा भैक्षेण | ५९९ |
| शुभेन तेन | | ग्रुल्कादायिन | | रुष्कवृक्षाश <u>्च</u> | | | |
| शुमेनाथाशु | | गुल्काध्यक्षः | | - | | शूद्रामिच्छ प्र | ३९९ |
| श्रुमे मुहूर्त | 2/32 | अरमा व्यवः | I | शुष्कश्याममु | | शूद्राय दत्त | १७५६ |
| शुभे रुक्मं न | , | गुल्काध्यक्षः गु | | शुष्कसारदा | | शूद्रा यदर्थ | २४७ |
| शुभिर्ऋषभ | 20/2 | शुल्के चापि मा | | शुष्कस्य सर्व | ९८७ | शूद्रायैव प्र | #460 |
| ₩ 1777 | 42831 | गुल्को विडाल: | * २९९३ | गुष्काणामाशु | ९७४ | शूदायैव वि | · 22 |
| | | | | | • | 73 | 55. |

| शूद्रायीवस्र | ४११ | (ग्रूरः क्लेशस | २३३६, | (शूराणां रक्त | * २६७० | शुगालग्रध | # <i>₹७७</i> ० |
|-------------------------------|---------------|-------------------------------|---------------|------------------------------|---------------|------------------|------------------------|
| शूद्रा वा क्षत्रि | १५२५, | | | रूराणां सिंह | २७०३ | اح | १८८७ |
| | २३६५ | | २७७३, | , | २७८८ | 1 - | २५ १४ |
| शूद्राश्चतुर्णी | ६०७ | | २७९२ | I ` ^ | २७६२ | 16 ' | २५१२ |
| शूद्राश्च वार | २९५२ | ग्रूरकृतास्त्र | १५३७, | | २१०७ | | २७१४ |
| रू राद्राश्चाऽऽयीश्च | १०५६ | २१ | ०८,२६९१ | शूरा धीराश्च | १ २७९ | शृङ्गाटकार्ध | २६७५, |
| शूद्राश्चावर | *2942 | श्र्रत्य युक्ता | १७१६ | शूरानथ शु | ७२६,२३३५ | | २७३• |
| शूद्राश्चेवापि | १४४५ | ग्ररबाहुषु | २७७३ | शूरानुत्तम. | # १२२८ | शृङ्गाटके ग्रा | १४३३ |
| शूद्रेण च न | ५८० | शूरमक्षुद्र | १२४० | शूरान्कुलीन | " | शृङ्गाटमर्घ | • २६७५ |
| रूप व प शूद्रेण तुन | | र्गूरमञ्जलि | १९१५, | शूरान् प्रमुख | #२७३२ | 1 6 | #१ ४६५ |
| <u> </u> | # ,, | | २०४७ | शूरान्भक्तान । | ५६८,१२०८ | शृङ्गाभ्यां भीम | * २७ १ ४ |
| शूद्रेण शूद्र राज्या पर्ने | ५२७ | रू रमप्राशं | २१०८ | शूरान्यजन | #१ ४४२ | 1 = - | २३४६ |
| शूद्रेषु पूर्वे | १०२८ | ۱ ۹ | ६६१ | शूरान् वा मुख | | 1 | १११९ |
| शूद्रो राजन्भ | ५८६ | शूरश्च कठि | २३२७ | शूरान्विनीता ः | | शृङ्गिगौतम | २६५० |
| शूद्रो वा यदि | 920, | शूरश्च कृत | १२५५, | ग्रूरान् संग्राम | २२०८ | 1 2 | २९२१ |
| & | २३९८ | 3770T 373 | २३३६ | ग्रूरापसर | १५१४ | शृङ्गी शृङ्गाट | १४६५ |
| शूद्रो वै ग्राम्ये | ४३५ | 1 ~ | २८१३ | ग्रूरा वीराश्च | १०९४ | शृङ्गेभ्यो भीम | २७१४ |
| शूद्रो ह्येतान्प | * १६१६ | शूरश्च बल | २३३६ | शूराश्चपल | १५०१ | शृणु कात्स्न्येन | १०५८ |
| शूद्रो ह्येनान्य | " | शूरश्च बहु | 6 ,, | ग्रराश्च बुद्धि | २३५२ | | २०३४ |
| शून्यं वा निवे | १७०२ | श्रश्च व्यूह | १५२५, | ग्रूरा हेमम | २७०७ | शृंणु कौरव्य | ६१३ |
| श्रुत्यपालस्था | २६२३ | | २३४१ | ग्रूरेषु हि यु | . २०९९ | शृणु गाथां पु | * प १ |
| श्चन्यपालेनो | ,, | शूरश्चाऽऽर्यश्च | १२०९, | ग्र् रेस्त्यक्तात्म | २६२१ | शृणु गाथाः पु | प१ |
| ग्र् न्यभूयिष्ठ | ६३५ | | १२८१ | शूरो रूढो म | १५४३ | शृणु चात्रोप | २३७९ |
| शुन्यमूलाखा | १५६९ | शूरस्य सैन्य शूरस्याव्रे य | १४८३ २७९० | ग्रूरो वा ग्रूरं | ४९० | शृणु तान्यप | २९८२ |
| शून्यमूलो ह्य | २१६० | रूरस्थोत्थान | | शूरोऽस्मीति न | | शृणु देव म | ८२५ |
| शून्यागाराण्य | १६५४ | द्वारकारमान | १३००, १८७९ | शूरो हि काम | #२७६९ | शृणुष्वं क्षत्रि | २७६ १ |
| शून्यात्तच ग्र | १२२१ | शूरस्थोर्जित | २३८३ | ग्रूरो हि सत्त्व | e ,, | शृणु मच य | १०५५ |
| शून्यानि चाप्य | १४११, | शूराः प्रमुख | २७३२ | शूरो हि सत्य | " | शृणु मन्त्रं म | # २५३७ |
| | १६५३ | रूपाः प्राङ् <u>म</u> त | # ,, | शूल कर्मा णि | १५२० | शृणु मन्त्रानि | २८७० |
| शून्ये च तमु | * २०३५ | श्राच्छरण | ૨ ૭૬७ | ग्रूलकूपम सन्तर्भनं न | २६२९ | शृणु मन्त्रान्म | २५३७ |
| शून्ये तु तमु | ,, | ू शूराढ्यं प्राज्ञ | #1882 | शूलप्रोतं न शूलाग्रभिन | # ९८ २ | शृणु मूषिक | 8466 |
| श्रून्येन रहि | | शूराढचजन | ,, | र्युलायानम र्युलायुधाद्धि | २८९४ | शृणुमेलंम | ,, |
| शून्ये सद्म मु | १६५६ | रू शूराणां गति | २६७०, | रूलाञ्जनाह शूलेन मृन्म | २८९३ २९०९ | शृणु मे पुत्र | २०२० |
| शूरं कापुरु | २००१ | e. | २७८७ | शूले मत्स्थानि | ५६३, | शृणु मे शंस | ५९८ |
| शूरं महाब | २७५२ | शूराणां यद्वि | २६७०, | •(| ७१९,७७९, | - | |
| शूरः कृतज्ञः | १२८२ | | ८७,२७९० | , , , | ७९५,८१६ | | ९६३, |
| | | | | | - 17- 17 | • | १६६२ |

| शृणुयाद्विरु | રૂપ ૩ ૦ ો | रोषः पद्मश्च | 45650 | शैल्पाटल्य | # १ ४६९ | <u>क्रीष्ययोग</u> | २०४८ |
|------------------------------|----------------|---------------------------------------|----------------------|---------------------------|--------------------------|--------------------|-----------------|
| शृजुगान्मीन | १७४५ | | | राष्ट्रगण्डन रीलेयं बद | **\°\`\`\ २९८३ | शोषये दे ष | २६४ ९ |
| रुखाः या रुगुया यच | * ८६५ | la _ | | | ६५६ | शौचयुक्तः प्र | * २३२७ |
| रृज्यास्ते च शृणुयास्ते च | | , , , , , , , , , , , , , , , , , , , | .,, | राल्यु गाष्ठ शैवांश्च | १११९ | | |
| रृषुगरत प रृषु राजन्क | ः १०८५ | शेषमश्ववि | २२६ २ | रापाव्य शोकत्राणं भ | १२९७ | शौचयुक्तः स | *२३३८ |
| रृषु राजनि रृषु राजनि | १८८५ | शेषमहोरा | ८७२ | शोकमात्मनि | | शौचसामर्थ्या | १९१८ |
| • | २९८० | शेषमुरस्यं | २७२३ | शाकनात्मान शोकव्यसन | ११६२ | शौचहेतोर | १२२७ |
| शृणु राजन्प्र | | शेषमेकं त | २९८७ | शोके न ह्यस्ति | \$ 280 | शौचाचारवि | ' १६०७ |
| शृणु राजन्म | २ ७५९ | रोषमेव शु | _ | 1 | २००७ | शौचाशौचं हि | ९५१ |
| शृणु राजन्य | ६१९,१८८७ | रोष सं प्रति | * ,, `૨१३૨ | शोचतां पुत्र | ८०२ | शौचाशौचम | १२२८ |
| शृणु व्यूहस्य | २७१९ | रायसमात होषाः काचम | २१२ २ २२३२ | शोचन्तमनु | २३९१ | शौटीराणाम | २७६८ |
| शृणु शक्र प्र | २८९५ | रोषाः कार्यवि | 2900 | शोचमानाः पा | ८४१ | शौण्डब्यूहः स | २९९६ |
| शृंणुष्य राज | # २० ३४ | रोषाः कार्या वि | | शोचामि त्वां म | १९०० | शौण्डाव्यूहं स | ٠,, |
| रृणुष्त्रागम | २००३ | रोषाः प्रत्यव | ₹ " २३०९ | शोचेद्धि वैरं | २०५१ | शौण्डिकः कल्य | १६६४ |
| र्वृणुष्त्रावहि | १०८५, | रोपाः शान्ता दि | २५२८ | शोच्या भवति | १०९१ | शौण्डिकपाक्व | २३२२ |
| 2 | २९५ ५ | शिषाः सृष्टा ह्य | | शोणितं याव | ७४२ | शौण्डिकव्यञ्ज | २६४३ |
| शृणुष्वैवं य | * ? • ५५ | 1 | ५९१ | शोणितं वर्ष | २९२४ | शौण्डीरस्य न | ७३५ |
| रृषु सर्वम रृष्णु सर्वम | २०१० | शेषाणामतो | २२६२ | शोणितैर्वक्त्र | *२४९३ | शौण्डीराणाम | २७९१ |
| | १०७५ | शेषा नृपत | २७१९ | शोणितोदा सु | २७७१ | शौण्डीर्यस्य न | #७३५ |
| शृणोति प्रति राणोत पिरो | | शेषायव्यय | १८४६ | शोधनं कृप | १५२४, | शौद्रो वर्ण ए | ૨ ૧ ૫ |
| शृंणोत्र मित्रो | ૨ ९ | शेषास्तमुप | ८५० | | २६८३ | शौभिकः क्षपा | १६६४ |
| शृष्वतां भूमि | ८३९ | रोपेण कुर्युः | १३६० | शोधनीया त | २९७३ | शौरेरत्रिकु | ८५७ |
| शृष्वतां स्वक | २६ ९३ | रोषेण गात्रा | २८८१ | शोधयित्वा नि | १०१२, | शौरेरची नी | २५४७ |
| शुण्वतां खय | * ,, | शेशेषु वर्ज | २४६३ | | ११२४ | शौर्य च नाम | २३५३ |
| ्र शृण्वन्तीभिः प | | शेषैः प्रतिग्ट | २७२५ | शोधयेत्पशु | १३९३ | शौर्य च बल | _ |
| शृष्वन्तु व क्ष्या | | रोषो हि बल | २००१ | शोधयेत्सच <u>ि</u> | १२३१ | शौर्य धैर्य क्ष | • ,, |
| शुतशीतप | १४३२ | शैक्यायसम | २७७० | शोधयेद्विधि | | | १२०५ |
| शृतसातम् शेते निपद्य | १८६ | शैष्ट्यं सुदाक्ष्यं | २५ ७९ | | १५१९ | शौर्य प्रवर्ध | ९६३, |
| शेपो रोमण्व | | है।थिल्याद्गिरि | २८७३ | शोधितग्राह | १५९७ | -92 | १६०६ |
| रापा रामण्य शेरते विवृ | ३८२ | शैनेया हि चै | २४३३ | शोभनं फल | २५३१ | शौर्ये बलंच | १०६७ |
| | ८०३,८०४ | शैनेयोऽयं चे | _ | शोभनामुच्छ्र | २८९७ | शौर्य स्थैर्य दा | १५५१ |
| शेरेऽस्य सर्वे | १८६ | 1 | # ,, | शोभनीयं च | २९७२ | शौर्यकर्माप | १६५३ |
| शेखुः पाटल्य | १४६९ | शैम्बानामर्ध | २२६० | शोभयेयुः पु | २६ ० ० | शौर्यपाण्डित्य | ११४६ |
| शेषं कोशे ध | १३७८, | शैम्ब्यानि वा विं | २२७० | शोभा मनुज | २५१४ | शौर्यममर्षः | ११७८, |
| 8, | ५२८,१७५७ | शैलपातशि | १५९५ | शोभावशेन | २३१३ | | ११९९ |
| शेषं च हवि | २९३९ | शैलपादल | * ,, | शोभितं फुछ | २९४४ | शौर्ययुद्धर | १०१५ |
| शेषं तु नाग | ८२३ | l . | | शोभिता राज | | शीर्यविद्यार्थ | |
| शेषं संयोज | | शैलवनन | २०८५ | शामता राज शोभिताऽसि त | \$88\$ | 1 | ७२० २ |
| शेवं समान | | शेलवर्षीद | | | २५३८, | शौर्यवीर्यगु | २३२७, |
| •, | 1010 | <i>्राज्</i> य गा प् | १०७९ | । द५४ | ६,२८९२ | ļ | २३३८ |

| 0 02 | | | | | | | |
|-------------------------------|--------------|-----------------------|----------------|------------------------------------|-------------|--------------------|-------------------|
| शौर्यशिल्पाभि | २६१३ | श्येनाभिपत | | श्राद्धं चैवाग्नि | | श्रियो हि कार | १३२५ |
| शौर्येक्षन | २६९७ | | २००५ | आद्धयज्ञ िक | ६४९ | श्रियो हि सत | २४११ |
| श्ौल्किकैः स्थान [ः] | १३५४ | श्येनी भासी त | २९५७, | श्राद्धैः पितृस्त | ११२५ | | ६५४ |
| शौष्कास्यमनु | ५१८ | | २९७६ | श्रान्तं मन्दं नि | | श्री: संभूता य | ७९४ |
| रमशानसं भ | १५१० | रयेनेन ध्यूह | २७११ | श्रान्तं सन्तं नि | *२८०९ | श्रीकण्ठः श्रीघ | * २९९२ |
| श्मशानसूना | २५१४ | श्येनेनोद्धत | ∙२७३५ | श्रान्तं सन्नं नि | " | श्रीकण्ठशिखि | २५०९ |
| रमशानादन्य | २३२५ | श्येनेनोद् धृत | २७३३, | श्रान्तः पारिकु | २३७ | श्रीकण्ठोऽन्तश्च | २९९२ |
| रमशानानल | २९३३ | 1 | २७३५ | श्रान्तश्च तस्मि | ९६४ | श्रीगर्भो विज | ६१५, |
| श्मशाने तस्य | १२१७ | इयेनेनोभय | *२७३५ , | श्रान्तेन वाऽभि | | १५ | •७,२५ ३ ८, |
| श्मशाने यदि | ,, ' | | २७४९ | श्रान्तोपजाप | *२५९३ | | ।४६,२८ ९२ |
| रमशानेष्त्र पि | . ६९८ | श्येनो गुरुः क | *२५२४ | श्रायन्तीयं तृ | ३२४ | श्रीणामुदारो | 88 |
| श्यामं दोङ्गक | २२३ ४ | श्येनो रुरः पू | " | श्रायन्तीयं ब्र | १६६,३३४ | श्रीदेवीं वारु | २९९० |
| श्यामं बृहन्तं | १९०२ | श्येनो हब्यं न | ९४ | श्रावणः प्रोष्ठ | २२७८ | श्रीपञ्चम्यां श्रि | २८५९ |
| श्याममण्डल | ९८४ | श्रद्धापवित्र | ५८३ | श्रावणस्यार्ध | २४७३ | श्रीपर्णी शछ | १४६८ |
| श्यामा च दध्नो | ९८७ | श्रद्धामास्थाय | ११०१ | श्रावयेत्सैनि | १५३५ | श्रीपणी सछ | * ,, |
| श्यामा श्येनश | २५२६ | श्रद्धावतो भ | १५१५ | श्रियं च पुत्र | २००८ | श्रीपर्वते द्व | ૧૪ ૧૫ |
| श्यामिका कालि | २२३६ | श्रमं तवाव | * २७७५ | श्रियं जानीत | २६०३, | श्रीपुष्टिकीर्ति | १३७० |
| श्यामो ग्रहः प्र | २४९१ | श्रमं तेऽद्याव | " | | २७७४ | श्रीप्राणधन | १०४३ |
| श्यामो दक्षिणा | १४१, | अमव्यायाम | ८६४ | श्रियं ते संप | २१३३ | श्रीभिः षण्ड इ | १५७९, |
| 8 | ४२,१६३ | श्रमस्तन्द्रीश्च | પ શે૪ | श्रियं ददाति | 600 | | २४११ |
| श्यावभूतन | ६३५ | श्रमस्वेदाल | ९६५ | श्रियं धातमी | २९१० | श्रीभोजमते | २८३४ |
| रयावास्यचक्रः | ९८२ | श्रमाय कौला | 0 888 | श्रियं बलम ६ | ३०,१५०२ | श्रीमङ्गलप | १८४० |
| श्यावास्यवक्त्रः | * ,, | श्रमार्तस्य पा | ९६५ | श्रियं विशिष्टां | १०८३ | श्रीमता सात्व | २७०८ |
| श्यावो नीलश्चा | २२४८ | श्रमो व्यायाम | * ५७५ | श्रियं विष्णुमु | २९७८ | श्रीमती त्रीणि | १४४३ |
| श्येत आश्विनो | ३११ | श्रयेच्छायाम | १०८०, | श्रियं हि सत | • २४११ | श्रीमत्करिक | २४१२ |
| स्येत इव ह्ये | २६ ० | ı | १५,२१९४ | श्रियं ह्यविन | १०३९ | श्रीमत्यायत | २९४० |
| इयेताविव ह्य | •३११ | श्रयेत वैत | २१४३ | श्रियः सकाशा | ७९४ | श्रीमन्तं ज्ञाति | २१३१ |
| श्येनं चापेन | २७२९ | श्रवणं चैव | ८६६ | श्रियः स्थात्पर | #2880 | श्रीमन्तश्च म | * १२४५ |
| श्येनः सूची च | २७४० | अवणमाक | ९०२ | श्रियमुन्निद्र | 2488 | श्रीमन्तो बन्द्य | ११३३, |
| श्येनः सूचीमु | રંહ૪५ | श्रवणक्षेयु | २८७८ | श्रियमुपब | २२ ५ | 9 9 | ४२,१६०६ |
| स्येनकङ्कका | २६५६ | अवणादित्र | २४७१ | श्रियश्च सौम्य | १४७९ | श्रीमाञ्जैत्रः क्ष | ११२३, |
| श्येनकाकन | २६४४ | अवणादीनां | 2489 | | | • | ११८१ |
| इयेनपातं ग | | अवणाद्ध र | | श्रिया ५ हैतद्वि | ४६६ | श्रीमान्स याव | १९९९ |
| श्येनाः कपोता | १०९७ | | | श्रिया विहीने | | श्रीयज्ञं धन | २८५९ |
| श्येना गृष्ट्राश्च | २४८८ | 214-1 4 11 | | | | श्रीयुतो नृप | " |
| रयेनानुचरि | १०७५, | _ | 3/103 | श्रिया ह्यभीक्ष्णं श्रियो बलम | | श्रीने तस्याभि | ११६० |
| • गा गुपार | - 1 | श्राद्ध इवाश्रो | 9016 | ात्रया बलम् किन्ने ि | | श्रीर्विराट् | 60 |
| | # 40 04) | পাও ইবাসা | र र७६। | श्रियो विनाश | १९९९ | श्रीर्वे गाईप | २६६,२९३ |
| | | | | | | | . , |

| श्रीवैं शिरः | 33% | । श्रुतशीलब | १६०३ | ी शास्त्र स्थार सि | | 226 | |
|--------------------------------|-----------------------|---------------------------------|-----------------------|--------------------|---------------|-------------------------------|---------------------------------------|
| श्रीईता पुरु | १९९८ | | ५५०५ ७०१ | 1.00 | | श्रूयते हि नि | |
| श्रीई वा असि | | | ११३१ | 19 | _ | श्रूयते हि पु | १८१२, |
| श्रीलब्धिः स्या | त्मृ २५११ | 1 - | १२२० | 3 | | | १८९७ |
| श्रीवत्सवक्षा | २४९८ | 1 - | १५४७ | 3041 1014 4 | | भूयते हि शु | १७६९ |
| श्रीवासकः प्रि | | 1 ~ . | ८७२ | 3 | १४१८ | श्र्यते हि स्त्री | · · · · · · · · · · · · · · · · · · · |
| श्रीवृक्षपर्व | १५१२ | - | | 19 | १८९४ | | १००७ |
| श्राद्याप श्रीवृक्षवर्ध | १५३६ | 1 ~ | १८२० | 3 | २०३३ | | ५८५३ |
| आह्यानम श्रीव्युहं कथि | * २९९१ | | \$22 \$ | 9 | ६२५ | 1 ~ | ८२१ |
| आन्यूहः कथि | _ | | # २३६२ | 9 (| *२९०९ | श्रेणिमुख्योप | ५७५,२०४७ |
| आश्वर कोशश्च श्रीश्च कोशश्च | " ও ২ ৬ | श्रुतानुवर्ती श्रुता में कथि | ८८१ | 10 | | श्रेणीप्रकृति | २९८० |
| श्रीश्च राज्यं च | | 1 - | ५९ ५ | @ oz " | | श्रेणीबलं भृ | १५०८, |
| आश्र राज्य र | र १०३६, ११०० | 1 - | # ₹७०४ | शिर्या पाण्डुख | १८८५ | | २५५३ |
| প্री প্रीवृ क्षव | २८३ २, | 1 - | २७१३ ≉२७१० | श्रुत्वाऽपि दश | *१४१८ | श्रेणीमुख्यमा | २६३९ |
| 211 211 Z 41 3 | २९८ ३ | | 4 | श्रुत्वा श्येनस्य | १०९७ | श्रेणीमुख्ययोः | १५६४ |
| श्रीसंज्ञा चाष | २५१ <i>०</i> | थ्रुतिगोचर | १८०५ | शहरा सामसा | *६२२ | श्रेणीमुख्या ह | १७०१ |
| श्रीसर्वमङ्ग | २८३ ४ | श्रुतिभिः संमि | १८ <i>०५</i> २९८७ | श्रुत्वा हि धृत | #६२५ | श्रेणीमुख्योप | %२०४७ |
| श्रीस्ते सोमाद्व | | श्रुतिरास्तिक्य | ११४२ | | ९६० | श्रेयःकेतो व | ५०७ |
| | २५३८, ५८५ २८१२ | 1 | *908 | श्रुत्वैतद्वच | २८७२ | श्रेयः पुष्पफ | ६४९ |
| श्रीस्तोत्रं सत | ५४५,२८९२ २५४५ | 1 ~ ~ | म्७०८ २३४५ | l . | * ₹७९७ | श्रेयः प्रजापा | ७३८ |
| अर्थान प्रत श्रुतं ते धार्त | * १ ९९७ | शुतिस्मृतिवि शुतिस्मृतिवि | | श्रुत्वेवं तृप | **\\$\\$\\$\ | श्रेयः प्राप्नोति | |
| थुतं ते घृत | | श्रुतिस्मृतिस श्रुतिस्मृतिस | ٥ १८ • ١٩٥٢ | श्रुत्वैव तं म | २७९७ | श्रेयः सदाऽऽत | |
| ुः ५ टूर श्रुतं ते वच | " | Sucsua | * १२४३, | 1 - | | श्रेयश्च यदि | २०२४ |
| श्रुत ते पप श्रुतं मे तब | २ ३ ९२ २०२६ | श्रुतिस्मृती त | २९१ २ | श्रुत्वोपास्य स | १३२० | श्रेयसः श्रेय | |
| • | | श्रुतिस्मृती वि | २ ३ ४६ | श्रूयतां त्वभि | *२७७५ | I | ६५३ |
| श्रुतं मे मित्रा | २४२ | | ८९३ | श्रूयतामभि | " | श्रेयसा योक्ष्य श्रेयसे यच | २१३१ |
| श्रुतं वृत्तं च | *688 | श्रुतिस्मृत्यर्थ स्टिस्क्लि | હષ્ષ | श्रूयतामिति | ६५८ | | ७३१ |
| श्रुतः पूर्वे म | *१०९० | श्रुतिस्मृत्यवि ** | ७५९,८९२ | श्रूयते किल | १४९२, | श्रेयसो लक्ष | १२८१ |
| श्रुतचारित्र | ६४६ | श्रुतिसमृत्युक्त | १८२५ | ै १६ | १०,१८०१ | | २०१४ |
| श्रुतपूर्वा म | १७६६ | श्रुतेन तप भरेन निर्मा | २३८३ | श्र्यते च क | # 9 0 64 | श्रेयसौलं च | ६४९ |
| श्रुतपूर्वी म | १०९० | श्रुतेन विद्या | १७१४, | श्रयते च म | २३५३ | 11/2/10 16 | ÷ ,, |
| श्रुतमध्यय | ७२२ | | १७१७ | श्रूयते तल | ८०४ | श्रेयाँसं श्रेयाँ | ४६५ |
| श्रुतवन्तमु | १२४९ | श्रुत्यादिभिन्न | ८९३ | श्रयते वच | 26.30 | श्रेयांसमेन | १०३ |
| श्रुतविनय | ८८२ | श्रुत्या स्मृत्या ले | 1 222 | • | | श्रेयांस्तस्माद्य | २४३७ |
| श्रुतवीर्यत अवन्ये - | | श्रुत्वा गाथाः क्ष | १९०८ | 2 m 18 11 | | श्रेयान्पराज | ११०० |
| श्रुतवृत्ते तु | 1 | श्रुत्वा च जीव | १८९९ | श्र्यते हि कि | ९९७, | श्रेयान्स्वधर्मा | १९०६ |
| श्रुतवृत्ते वि | | श्रुत्वाच धृत | ६२५ | | | श्रेयान् हि पणि | |
| श्रुतवृत्तोप | | श्रुत्वा च सम्य | ६२२ | | ५,१६८४, | | १६१७ |
| १३ | ४९,१६६६ | श्रुत्वा तत्त्वं त | •६३८ | | | श्रेयो यदत्र | १९०२ |
| | | | | | | • | • |

| श्रेयो वन्वानो | la a 10 | श्रोत्रिया ब्राह्म | 9 3 410 | श्रभ्रेऽस्मिन्कृक | | 12 | |
|--|-------------------|---|---|------------------------------------|---------------|-----------------|------------------------------|
| श्रेयोऽस्तीति पु | ६२६ | I | | | * 77 | श्वेततारभा | २२५० |
| श्रेयोऽहं चिन्त | ५५५ ५७३ | l | ७२१,८१९ | श्वमार्जारक | १४६०, | 1. | २९४२ २ |
| श्रेयो हि मित्र | १९२८ | श्रोत्रियास्तप | २२४५ | | २५७३ | श्वेतबस्तमू | २६५३ |
| श्रेष्ठ एकस्तु | १८८० | 1 | #१३ ४६ | श्ववच राम | # २५१२ | | २४८८ |
| श्रष्ठ एकछ श्रेष्ठं तु सर्व | १४८२ | श्रोत्रियेषूप | ٧,, | श्वशत्रुर्भग | १६९५ | श्वेतवस्त्राम्र | २९५२ |
| श्रष्ठ | * १५१६ | श्रोत्रे मे दिशः | २४८२ | श्वग्रुरा गुर | २४४७ | श्वेतवस्त्राव | * ,, |
| अष्ठ महत्व श्रेष्ठं स्थिरत | १२०५ | श्रीतकल्पः स | ८९१ | श्वशुराश्चैव | १ ४८७ | श्वेतवासास्त | 2900 |
| | | श्रीतस्मार्तिक | १६३२ | श्वशूकरव | # २५९४ | श्वेतशुङ्गोऽग | ^२ #२९६६ |
| श्रेष्ठः सेनाप्र | २३५६ | 1 20 CH 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 | १५१० | श्वसितान्दक्षि | ९५९ | श्वेतश्च तुर | # ₹ \\ 4 |
| श्रेष्ठतमां म | १७७२ | श्रक्षणपूर्वाभि | २०४३ | श्वसूकरव | २५९४ | श्वेतश्च विपु | |
| श्रेष्ठबुद्धिस्त्र | ६२३ | STRIFFFIRSTS | २२८३ | श्वस्त्वाऽहमभि | २९३९ | | २९६२ |
| श्रेष्ठाञ्श्रेष्ठेषु ५४ | | श्रक्ष्णाक्षरत | १०७९ | श्वाते निदर्श | | श्वेतश्च शृङ्ग | २९६६, |
| _ | ७,#१२२३ | श्लाघते श्लाघ | १७२६ | श्वात्रभाजा व | १६९९ | | २९७७ |
| श्रेष्ठाभं ग्रुक्ति | १३७१ | र्श्वाघते श्वाघ्य | * ,, | श्वानगाजा प श्वा त्वं द्वीपित्व | ४५९ | | १९४ |
| श्रेष्ठाऽभ्यन्तर | १८४४ | श्ठाघनीयं य | <i>//</i> २३८५ | l . | | श्वेतस्तुरंग | २९४२ |
| श्रेष्ठे बुद्धिस्त्र | #६२३ | श्राधनीया च | १२२१ | श्वा दशाश्वस्त | २८८८ | श्वेताः सुमन | २५०६, |
| श्रेष्ठो न मान | १७५४ | श्लाघनीया य | | श्वानं पुनर्यो | #६ ४२ | | २५१६ |
| श्रेष्ठो ह वेद | ४४६ | 1 | • | श्वा नक्रमाक | २५८१ | 1 . | २९४८ |
| श्रेष्ठो हि पण्डि | # २०२२ | श्लाच्या चाऽऽन | | | ५२० | श्वेताये श्वेत | १४३ |
| श्रेष्ठियेनैवैनं | २१३ | श्रेष्मान्तकाक्ष | २८५६ | श्वा यात्रासम | २५२८ | श्वेतैरछत्रैः प | २७०४ |
| श्रोतव्यं तस्य | १२१०, | श्लोकश्चायं पु ५ | | श्वार्थमत्यन्त | १६९५ | | # २४९ १ |
| | १३१६ | श्लोकांश्चोशन | *१६१७ | श्वात्रित् पृथुत | २५०९ | | २४९० |
| श्रोतव्यमस्य | # १२१०, | श्लोकानाह सु | * ,, | श्वाविद्वृषभ | * ,, | श्वेतोष्णीषाश्च | २४८६, |
| | *१३१६ | श्लोका न्यायम | #२८० १ | श्वाविषः शस्य | २६५८, | | २४८७ |
| श्रोतव्यमिति | ९२३ | श्लोकाय खाहा | ঽ৩৩ | | २६५९ | श्वोभूतेऽभिजि | २८५२ |
| श्रोतारो वणि | १८२८ | श्लोकाश्चोशन | ५९८ | श्वा श्वानं हन्ति | २००० | श्वीभूते शंनो | २८६३ |
| श्रोतुं चैव न्य | 4 8609 | श्लोकेनानेन | २१३२ | শ্বিস কুষ্টধ | *१६१७ | 'श्रो युद्धम्' | इति २६१२ |
| श्रोतुं तन्मे य | ७९१ | श्लोकी चोशन | १०६० | श्वेतं च वाल | # ₹९४५ | षट्कं तैलम | २२६ • |
| श्रोतुमिच्छामि | ६२४ | श्लोको न्यायम | २८०१ | श्वेतं पर्वत | * २४९९ | षट्कंसो दण्डो | २२७५ |
| श्रोतुमिच्छाम्य | २८९५ | श्व एव पुष्यो | २९३९ | श्वेतं रक्तंत | २८४१ | षट्कमेतन्नि | १४२८, |
| श्रोतुमिच्छा ग्रु श्रोतुमिच्छा ग्रु | 303 | श्व: पुष्ययोगं | ,, | श्वेतं वाऽऽप्यथ | २८४२ | • | २३४१ |
| श्रीत्रं त्वक्चक्षु | ९२८ | श्वः श्वोऽस्य राष | ष्ट्रं २८६३, | श्वेतं स्निग्धं मृ | २२४६ | षट्कर्णशिख्य | १७६ १ |
| श्रोत्रस्योज्माणः | ४६६ | | २८६४ | श्वेतकुक्कुटा | २६५३ | षट्कर्णाद्धिद्य | |
| श्रोत्रियं व्याधि | | श्वलरकर | २५२२ | श्वेतकेतु ई | 7979 | षट्कणी भिद्य | १७७२ |
| श्रोत्रियस् येव | 2078 | श्वगृध्रगोमा | १२१३ | | ३५२,४६८ | ग्युमना । नध | १७८२, |
| नाम्यत्रम | 239e | श्वन्वतीरप्स | પ ૧૭ | थेतचम्प क | | | १८०६ |
| श्रोत्रियान्ब्राह्म | १०९८ | श्वभिः खरैः शृ | 2666 | खेतच्छत्रेण श्रेतच्छत्रेण | 2804 | षट्कर्मसंप्र | ५८५ |
| श्रोत्रियान्स्ना त | | श्वभ्रे त्वं कुक | | वतच्छत्रण श्वेततारं भ | ५७०५ | षट्कर्मसु नि | # 464, |
| iana ar Ann | - -)) | - W / 1 & 1 | 1014 | जनवार च | २२५० | | ११२५ |
| | | | | | | | • |

| षट्कर्मस्वनि | . 6/6 | ेषड्ग्रन्था रोहि | 9.45.4 | . I ==== : | | , | |
|---------------------|----------------|--|----------------------|-------------------------|---------|----------------------------|----------------|
| षट्कोणं शक | | र पड्अन्या साह १ षड् जित्वाऽऽभ्यन्त | १४६७ | | २२८७ | षाङ्गुण्यं च त्रि | १९९६ |
| षट्छतमत्य | | १ पड्नाणवेद १ षड्नाणवेद | | 1 | २७८४ | 1 ~~ | २०७३ |
| षट्त्रिंशत्कमि | १८६५ | | २८३६ १०२ ७ | 1 01 1-01/01 | २३३९ | | ५६८,५७७ |
| षट्त्रिंशदङ्गु | २२३ ६ | , | १३०५ | ्री युर्वाच्य स्त्रार्थ | २२०८ | षाङ्गुण्यनिश्चि | १७८३ |
| षट्त्रिंशद्गुणो | | ^९ षड्भागममि | | । प्रणावकाद | २३१० | षाड्गुण्यमन्त्र | १२६७, |
| षट् पञ्च च वि | 496 | | १३१ ३ | , 1 2 3 3 8 | १४६० | 00 | १६८२ |
| षट्पणोऽवक | २ ३ २४ | 1 ` . | १४४ ४ | 1 1221 2.414 | २८३६ | ष।ड्गुण्यमिति | १९९६ |
| • | | | १३५८ १३६१ | Assilat Alti | १४७७ | षाड्गुण्यमेत्रे | २०५५ |
| षट् पुरस्ताद | २७६ | ` ` | | विश्वासम्बद्धाः । प | ५८० | षाङ्गुण्यविधि | ५४१, |
| षट्पुष्पं त्रिफ | १८६८ | | १३६२ | 1 1 11 111 21 | २२७३ | १२० | १५,२३३६, |
| षट्प्रकारा वि | २५०८ | NEW TOTAL | ६६६ १३५७ | षण्मासमथ | २०७०, | षाङ्गुण्यविन्नृ | २ ३ ५१ |
| षट् प्रकृतय | १११९, | 2 | | 1 | २०७३ | " 13 " 1 2 | २०७२ |
| | १८५७ | | १३०७ | 1 | २८७८ | षाङ्गुण्यसमु | ६७४ |
| षट्सप्ताष्टम | २४६४ | 1 ~ ~ | १०२६ | 1 | २९२५ | षाङ्गुण्यस्य प | ८०६ |
| षट्सु षट्सु च | २३३२ | | १४७२ | | १११५, | षाङ्गुण्यंस्य प्र | ११८२, |
| षडक्षपीडा | २४५६ | 1 ' | २८३६ | | *११२१ | | २०५४ |
| षडङ्गं मन्त्र | १५२४, | 1 | २५०४ | षष्टिं सहस्रा | २० | षाड्गुण्यस्य वि | ६०५ |
| २५ ० | ९४,२७३२ | | २६८९ | षष्टिरातप | २२८६ | षाङ्गुण्यात्स्वो | · २८ २५ |
| षडङ्गरक्षा | ११६८ | षड्भिहस्तैर्मि | २८४६ | षष्टिर्वर्षस | | षाड्गुण्ये संधि | २०७६ |
| षडङ्गवित्सा | | षड्योजनान्त | | 1 ~ ^ | *680 | षाण्मासिकस्त | १७१० |
| | १६२७ | षड्वर्गे प्रति | १६९४ | पष्टिवेतन प्रिवेतन | ४०,११२१ | षाण्मासिकीं तु | १७५६ |
| षडङ्गान्योप | 880 | षड्डर्गमुत्सृ ९२३ | ,९३५, | षष्ट्या रथस | रुषक्र | षाण्मास्यं सार | १४९९ |
| षडङ्गुलप | १५१९ | • | | | र७०५ | षाण्मास्यस्मर | |
| षडङ्गुलादू | २२७१ | , | १६०५ | षष्टग्रुत्तरमि | 10.00 | षोडशक्लं | # ,, ३५५ |
| षडङ्गुलाव | २२७२ | षड्वर्तून्प्रयु | ३०८ | षष्ठं दुर्गप्र | 1864 | षोडशताआ | ₹ \\ |
| षडनर्था म | | `A. A | | षष्ठं भजति | 999 | प्रोडशद्रोणं वोडशद्रोणं | |
| षडश्रश्चतु | i | 2 | | षष्ठमायुर्व | 1714 | | २२८५ |
| षडित्थं मास | | ` <u>`</u> . | | षष्ठमेव त | 74471 | त्रोड राद्रोणा | २२७३ |
| षडुपरिष्टा | २७६ | • | | षष्ठांशंवाच | | बोडशद्वाद वेडस्टरम्के | <i>७७६</i> ९ |
| | | २५८९, वनकियं नर्म | 1 | षष्ठांशमूष | ,,-, | गेड राभागो | २२६४ |
| . 5. | | षड्विधं दुर्ग प्रविभो सम्म | १४४१ | षष्ठे कुजार्क | 1001 | गेड शांश िव | २८७५ |
| षडेते यस्य | | षड्विधो यस्य | | प्रष्ठे तूर्यघो | | ोड रा ब्द्ध | १७५३ |
| षडेवैतानि | *६८२ | | | प्रष्ठे देयं ब्रा | २८६० ि | ोडशारत्नि | २८८१ |
| षडे वो त्तरा | | | | पृष्ठे स्त्रैरवि | | ोडशाष्ट्री वृ | २९१२ |
| षडेवोत्तरे | 300 | मण्डवारगो : | | मेष्ठेऽहनि ज | २५४०, व | ोडशाहुती | २७४ |
| षड् गोलिङ्गम् | 220 | ^{भण्डान्} बृद्धान | ७२७ | | २९८७ व | ोडरोति बा | १२४८, |
| | 7707 6 | | | ष्टिऽह्मि विज | २५४४ | | १७७१ |
| | च ६ व ५ ७ ° ७ | पण्डम्यः शाक् र | १२८३।व | ष्ट्रियष्टमी च | २४७० व | डिशैव तु | # २ ९९० |
| | | | | | | - | |

| | _ | | _ | , | | |
|--|-----------------|--------------|----------------|------------------|-------------------|----------------------|
| षोडरीव स २९९०,२९९२ | स उ हेन्द्रस्ये | | स एव सर्व | | संकल्या च मु | *२९५६ |
| | स ऋचैव हो | | स एव हिय | | संकेतपूर्व | १४७६ |
| षोडशो दुर्ग २३५२ | स ऋतून् संव | | स एव हेतु | | संकन्दनः प्र | ५०७ |
| षोडशो वा ए ४२९,४३० | स एकया पृ | १८२ | स एवातिका | २७२७ | संक्रमोऽसंहा | १४४९ |
| षोढोदितो गु २५३० | स. एतं माहे | ४७८ | स एवास्मात्पा | ५२४ | संक्रान्तं पूज | # प१ १ |
| स आग्रापौष्ण २५६ | स एतं यज्ञ | ३३२,३५०, | स एवास्मिन्नि | ५२४,५२६ | | २४६२ |
| स आजगाम ४६८ | | ४६५ | स एवासी प्र | ४५४ | संक्रान्तिषु च | २९०४ |
| स आत्मन्वाज ११० | स एतं विष्णु | ५२४ | स एवासी रा | ५२४ | संक्रान्ती पूज | प११ |
| स आप्तः पर १९५ | स एतच्छ्राय | ३३० | स एवासै व | ५२५ | संक्रान्त्यां पूज | *455 |
| स इज्जनेन ३७५ | स एतस्मादे | ३१० | स एवैनं त्रा | ३३९ | संकुद्ध श्चेक | *{~~ |
| स इत्क्षेति सु ८६,३५९ | स एतामास | २२७ | स एवेनम | ३५८ | संकुद्धांश्च त | १६६५ |
| स इदं प्रति ४५ | स एतेन म | २३० | स एवोरस्या | २७२७ | संक्रुध्यत्येक | १२४१ |
| र ३ स इदंसर्व ११२,११३, | स एतेन व | २९९ | स एष ऊष्म | २६५ | सं कोशतामे | ५१४ |
| २७६,३४८ | स एतेन ह | २५• | स एष ऋतु | ४६६ | संक्षिप्तं मनु | ५३४ |
| स इदं सर्वे ११३ | स एतेनैन्द्रे | २३३ | स एष एव | २६ ०६ | संक्षिप्तं विष्णु | ,, |
| स इदमेषां ४६५ | स एतेनैव | ३५०,३५५ | स एष जन | १०३६ | संक्षिप्तमायु | ५७८ |
| स इद्राजा प्र ८६,३५९ | स एतेषामे | २८०,२८१ | स एष धर्मी | ३५६ | संक्षिप्तेनैक | १४६० |
| स इन्द्रं तुष्टा १८९ | स एत्यात्रवी | ४६५ | स एष पाण्डो | ८४० | संक्षिप्यते य | ६९१ |
| स इन्द्रस्य च २५४ | स एनं वज्रो | ५२५ | स एष ब्रह्मणः | ३६४ | संक्षेपतस्तु | ६२८,१७४१ |
| | स एनं शान्त | ३५८ | स एष राजा | १०३६ | संक्षेपतस्ते | २९४९ |
| | स एवं शर | १६९६ | स एष व्रत | ३१० | संक्षेपादिति | १७१८, |
| A CONTRACTOR OF THE CONTRACTOR | स एव ख़्छ | १९९७ | स एष सप्त | ₹० ४ ३ | | १७२९ |
| • • | स एव चित्र | २६५ १ | स एष खारा | १०८,१०९ | संक्षेपेण तु | *६२८ |
| | स एव धर्म | ८५२ | _ | र ६३ | संक्षेपेणेति | २८३८ |
| स उत्पुनाति २७८ | 1 | २७२७ | स ऐक्षत— क | ३५० | संक्षेपो नीति | १७३८, |
| 9 | स एव पट | 2248 | स ऐक्षताह | ₹४. | | २०३२ |
| | स एव परि | २८२४ | स ऐन्द्रीष्वेव | ३५० | संख्यागणित | १४९९ |
| T 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 | स एव बन्धु | १२८७ | संकटगत | २६२८ | संख्यातः स्वल्प | |
| | स एवमभ्य | २३५७ | संकटद्वार | * २५९९ | संख्याता अस्य | १३ |
| | स एवमुक्ती ध | ११,१६६६ | संकरो न भ | ६२० | संख्यातार्थेषु | १२२५ |
| | स एवमेता | ३४ | . • | १९९९ | संख्यातुं नैव | २३७३ |
| | स एव यतनः | १०४१ | संकर्षणदै | २६ ४३ | संख्यासमय | २७७० |
| | स एव राजा ५ | ७८१,२३९८ | संकर्षणानु | २३५६ | सं गच्छध्वं सं | ३८७ |
| | स एव राज्ञा | १६१६ | संकर्भन्ती क | | संगतः संधि | ર ૨ ११૪ |
| स उरस्त ए ४२७ | स एव लाभो | १३९७ | संकल्पमूला | | संगतां हि वि | # १९५७ |
| | स एव शक | ७८९ | संकल्पा च मु | | संगतानि च | १४६७ |
| | स एव शिरः | २३०९ | संकल्पाध्यव | | संगता राज | * |
| a 04a 8 1 1 2 | | | | 2/2 | । यनता दाज | 5 408 |

| संगराणाम | १५१४ | संचारयेयु | १६६१ | (संज्ञाभिम्लें व्छि | # \$ E E \$ |)संदधीत न | १०६४ |
|----------------------------|-----------------|------------------------------|-----------------------|----------------------------|----------------------|---------------------------|---------------------|
| संगरे मर | | | ५३१,५७८ | सं तं रिणीथो | 48 | | १०५२ १००४,२०८३ |
| संगीतशब्दाः | ર | 1 . | " " | संतता पत | २९० ३ | संदर्शने को | १७०६ |
| संग्रहीतज | ११७५ | 1 | ,, , ,, १२६८ | संतप्यसे क | *८४७ | संदर्शनेन | 0 ? 0 ८ २ , |
| | ૨, ૧૬ ૬૪ | | १ ३६६ | 1 . | १९५९ | 24.20.61 | * १ ६९९ |
| संग्रह्णन्तः प | १२९१, | संचिनोति य | २ ३ ४३ | 1 . | २८९० | संदर्शने स | १०८२,१६९९ |
| | २०८४ | संचिन्तयसि | ५५० | संतर्पयत्वा संतर्पयत्वा | ७४१ | संदर्शेनैव | *२ ६० ४ |
| संग्रह्णीयाद १२० | | | | 1 | • | संदानं मित्रो | |
| संग्रहः सर्व | ६१० | संचिन्वन्धीर | १ करस्पट १०४१ | 1 1.2 | २९७१ | संदानं वः, | ५१२ |
| संग्रहश्चेव संग्रहश्चेव | ६१ १ | संचूर्ण्य मुद्र | | A MANKE | ३९८ | | |
| संग्रहस्तस्य | १३६८ | | २७०३ ५ ९८६८ | | २११४ | संदानं वो बृ संदिदेश त | |
| संग्रहानुग्र | २०४६ | | *१४६५ २०२५ | | 466 | संदिहानो गु | ८ ६७ •६२० |
| संग्रहे विग्र | १८९० | संचादायछ संछन्नं सुमु | | विवास साहा | ८४७ | 1 | |
| संग्राह्यो वसु | १६९९ | सङ्घ्र सुसु संख्यास्तु मु | १०८६ | | १९०३ | संदिह्यमानो | #२७९६ |
| संघधर्मेण | १८७१ | संछाद्यमानो | * ,, | संतापयति | २४६९ | सं दुन्दुभे स | **\$ |
| संघमुख्य <u>पु</u> | ५८७५ एप | 1 | #१०५४ | संतापयेद्ये | २१२६ | संदुष्टाः सर्व | २८१ ५ |
| संघमुख्यश्च | प१० | संजयं विज | २७२९ | संतापश्च न | १०८९ | सदुहाया घ | ३ ४३ |
| संघमुख्यांश्च | | संजयन् पृत | ५०७ | संतापिताइन | १२२२ | संदृश्येत म | ६०६ |
| संघर्षशीला १०६ | प६ | संजयो नाम | २३८४ | संतुष्टः संम | १२४२ | संदृष्टा गुप्ता | ५१५ |
| संघलाभो द | ≀र,ऽदऽर प¢ | 441444 | # ₹४४ ₹ | संतुष्टपुष्ट | २१५ १ | संधत्ते चोप | १२९४, |
| | | संजातबद्ध | २१४७ | संतुष्टभृत्य | 2684 | | २०९२ |
| संघातवान्य २१२ | | संजातबल | २४४२ | संतुष्टश्चर | ८७३ | संधये जारं | ४१५ |
| संघातेषु भे | १९३१ | संजातमुप ५ | ३६,१३१६, | संतुष्टाः सर्व | ५२८१५ | संधां महतीं | ५२१ |
| संघातो राज | २७१७ | | १ ४१७ | | करट <i>१५</i> ६४७ | संधातव्यं बु | २०२० |
| संघात्येषु क्रि | २२५४ | संजातराज्य | ८३३ | संतोषः शील | | संधानकाम | २१७७ |
| संघानां वा वा | प७ | संजातलोहि . | २३१३ | auto alto | १७१७, | संधानजा पा | २१७६ |
| संघाश्चाप्येव | प१ ० | संजाते गोत्र | | ~~~ | १७२१ | संधानयात्रा | ,, |
| संघा हि संह | प्प | सं जानामहै | २५२७ | संतोषो वै श्रि | २३८३ | संधानासन | * १९९६ |
| संघेष्वेवमे | प१० | | ४०२ | संत्यक्तचिहं | २८५८ | | १७२,२१७५ |
| संचयक्षे च | \$ ८४६ | सं जानीध्वं सं | · | संत्यक्तनिद्रं | * ,, | संधाय यद | *२१८१, |
| संचयश्चात्र १४६ | | संजीवयन् प्र | ६४२ | संत्यक्तातमा स | १०५७ | २ | १८३,२१८४ |
| संचयांश्च न | ५८० | संज्ञपनं वो | ४०० | संत्यजन्ति प | * १३१६ | संघाययान | ६७४ |
| संचयानुवि | १३१९ | संज्ञानं नः स्वे | * 1 | संत्यज्यते प्र | २११८ | संधाय सम | २१८ १ |
| संचयानेव | २६०० | संज्ञानं नः स्वै | * * ,, | संत्यज्य दण्ड | १८२५ | संघाय सार्ध | २ १७२ |
| संचयान वि | | संज्ञानमश्चि | ,, | संत्यज्य राज्य | ५५८ | संधायान्यत्र | २१७२, |
| संचयित्वा पु | *११०१ | संज्ञाना ने षु | | संत्यज्य सर्व | १२९३ | | १७५,२१७६ |
| संचये च वि | २००९ | संराप्रतिका | २३१० | संत्यागमङ्ग | 1 | | |
| संचयो नास्ति | १०८९ | संज्ञाभाषान्त | | संदंशानां प | | समायासन संधायेति च | ६७४,१९९६ |
| संचरेयुः' से | २६९० | संज्ञाभिर्मुद्रि | | संद्धानो हि 🚚 | ا کیام ج | चनानात च संधारोति ति | # ₹•७४ |
| | | • | | | | जनानात हि | 77 |

| संधि च द्विवि | * ₹०७१ | । संधिविग्रहा | २०५५,२०७२ | .संनद्धः सा | र २६७१ | संपत्तिसुख | २८३५ |
|--------------------|-------------------------------|---------------|----------------|----------------|----------------|----------------|------------------------------|
| संधिं च विग्र | ^{५,५७} , | | 2044,2824 | संनद्धपार्श्व | २५८३ | संपत्तेश्च वि | *2888 |
| | ८,१७९९, | संधिश्चतुर्वि | २१२९ | l . | १५१२,१५१३ | संपत्तौ च वि | २११४, |
| - | ०,२०७१, | संधिश्च त्रि | | संनद्धमुचै | २५८५ | | . २११९ |
| | રૂ,રં૦૭૫, | | *2063 | संनद्धाः स | | संपत्प्रदश्च | १४७५ |
| .5 | २०८१ | संधिश्च विष् | ३ Г २०७३, | संनद्धेन च | | संपदुचाट | २८३५ |
| संधि तु द्विवि | २०७१ | | २०७४ | संनद्धेः संय | ु २ ६७२ | संपदो न वि | *२१२१, |
| संधिं वा कृत्वा | २६३१, | संधिश्च विवि | वे ५७४,२०८३ | संनद्धैश्चि | २६७० | | २१२८ |
| | २६ ४७ | संघिश्चातिब | ૨ ૦ ૭૫ | संनद्धो दी | क्षे २७७० | संपदो नाप | २१२१ |
| संधिं सविग्र | * २०७१ | संधिश्चोत्तर | | संनद्धोऽश्वं | | संपद्यदेषा | %६०७ |
| संधिं हि ताह | २१ २९ | संधीयते सं | २११ ६ | | २५७३,२६६९ | संपद्यदैषा | " |
| संधिः कथं वै | २०८२ | | 2896 | संनामिन्युत | | संपन्नः प्रति | २१६७ |
| संधिः कार्योऽप्य | | 0.4.4 | २ १६२ | _ | | संपन्नतर | १०४२ |
| u, ,, ,,, ,,, ,,, | २१२७ | संघेयस्य व | | संनाहगुणाः | | संपन्नशस्यं | #२६७२ |
| संघिः कार्यो ह्य | २१२० | संघेयानपि | ५६७ | संनिकृष्टत | | संपन्नसस्यं |),), |
| संधिः परिप | २०८५ | | \$,, | संनिकृष्टां व | | संपन्नस्तु प्र | १८६० |
| संधिकर्म | ६७५ | | १२९०,२०८३ | संनिकृष्टांश्च | | 1 | ^२ २०९ ३ |
| संधितास्ते न | #2026 | | २०८६ | संनिकृष्टान्व | | संपन्नाभावे | ८४९,१२८४ |
| संघित्सुरारा | २१२६ | | | संनिधाता | | | • |
| संधित्सुरेवा | 0 ,, | संधीवान | | संनिधाता | | A 1 16 6. | * १७२५ , |
| संधिनाऽऽसने | " ,, १९ २९ | l | २५१४ | | २ २१० | | १७४४ |
| संधि नैक तो | २०६ <i>०</i> | संध्यर्थ राष | | संनिधातृनि | - ६६९ | संपन्नोऽपि हि | १७२५ |
| संधिनोपन | २०६१, | संध्यां चोप | | संनिधातृस | १५६४ | संपन्नो वार्त | ८८६,८८९ |
| प्राथनामन | २ <i>०</i> ८४ | | १६५३ | संनिधौ न | च १५४२ | सं परमान्त्स | ५१३ |
| संधिमेद सं | १६७५ | संध्याघाताङ् | , ८ ९ ४ | संनिधौ वि | दु १८९१ | संपरित्यज्य | २४४२ |
| संधिमिच्छेत्स | २१२२ | संध्याज्वलनं | | संनिपत्य तु | २८०० | संपरेतोऽस्या | २४७९, |
| संधिमोक्षः | ६७५ | संध्यातिथि | म् २९७६ | संनिपत्य स | | | २४८१ |
| संधिरात्रिषु | २ ६ ३७ | संध्यादीनाम | र १९१६ | संनिपाताव | | संपश्यतः स | ७०२ |
| संधिविग्रह ५४ | | संध्यापुराण | ९६ १ | संनिपातो । | • | संपश्य त्वं न | •२४५३ |
| | | संध्यामभिम् | २४८६ | संनियच्छति | २६०४ १२० | संपदयमानाः | २८५३ |
| | ५,१८४८, ७,१९९६, | संध्यामुपास्थ | , #886,848, | सं नु बोचा | | संपश्य हि न | २४५३ |
| | २,२ <i>२</i> २५५, ३,२०५४, | | ९५८,१६५४ | संन्यस्ता भिष | | संपश्येथाः क | *२४३२ |
| | र,२०८०, ८,२०७३, | संध्यायां पर | | संन्यासं नृष | | संपश्येमं भो | २४२४ |
| | ७,२१७७, | _ | · | संन्यासी यु | | संपातं समु | १५१९ |
| | ७,२२७७, ५,२२०८, | संध्याश्च ति | | संन्यासेन म | | संपातयन्तं | # ₹९४८ |
| | ,#२३३६, | संध्याखधीत | | संपतन्ति न | . ,, | संपातवन्तं | २९४८ , |
| | , ह, २३५२ ५ १, २३५२ | | | संपतन्ति व | | ; | १९५१,२९७५ |
| ** | , | - | | | " | | ,,,,,, |

| संपातानान | २९०६ | संप्रगृह्य तु | १५०५ | संभवश्च य | ६८२,७८१ | संभ्रमाद्धि कृ | १२९३ |
|---------------------------|-----------------|-------------------|-------------------|-------------------|--------------------|---------------------------------|-----------------------|
| संपाती विन | २९६३ | संप्रदानाद्ध | 2888 | संभवा शार्ङ्गि | | संमन्तव्यं म | १८९५ |
| संपातो विन | • ,, | संप्रदीतेषु | ६३४ | 1 . | १३७७, | संमन्त्रयित्वा | # १ ७६५ |
| संपादयत्य . | १५४४ | संप्रधार्य च | १०३९ | 1 | १५२८,१७५७ | संमन्येऽहं त | २०३०, |
| संपादितात्मा | ११०५ | संप्रधार्य स | १९१२ | संभारपं दे | २३४० | , | २०३१ |
| संपाद्यते न | ११५८ | संप्रमुह्यन्ति | ५९४ | संभारानभि | ८४३ | संमानपूर्वे | २८६१ |
| संपाद्यमानं | २३७८ | संप्रमूढेषु | ७८०,२३९७ | संभारान्सैनि | ११४८, | संमानयेत्पू | #१०६९ |
| संपाद्य रूप | १३६२ | संप्रमोदम | ६२३ | | १५२४ | संमानयेत्स | २६६९ |
| संपाद्य रूपं | १३६० | संप्रयातान् बु | २७०६ | संभारा ये य | २९२९ | संमार्जनं च | २३४३ |
| संपाद्याऽऽस्मान | १२४९ | संप्रयुक्ते नि | #२६ ०४ | संभार्या भव | ३२२,३२८ | संमार्जनीकृ | २५३१ |
| संपीड्यमाना | २६ ०५ | संप्रयुद्धे प्र | ,, | संभावयत | २७५८ | संमीलनं प्र | २७४९ |
| संवीड्य सिंह | १५१७ | संप्रवृत्ते तु | २१५० | संभावयति | ६३३, | संमुख: सम | २७८९ |
| संपुटिका च | २२ ३७ | संप्राप्तकालं | ५४६, | | १७२८,२०४१ | संमुखेऽभ्येति | * २५१ १ |
| संयू जनी यो | ९६४, | | ६६१,१५०८ | संभावयध्व | # ₹७५८ | संमुखे शक | २४६३ |
| | ११५८ | संप्राप्तकाले | . ५४६ | संभावा भावि | १ ९९१ | संमुह्यामि वि | ६४२ |
| संपूजयति | ६१० | संप्राप्तस्त्रिदि | २५९७ | संभाविता ज | र ४४२ | संमूढा न वि | ११२१ |
| संपूजितग <u>्</u> ट | , | संप्राप्ते चैव | २१४४ | संभाव्य चैनं | १०९७ | संमूर्छितं सं | २६ ९४ |
| संपूजितांस्तां | २८६८ ७२९५५ | संप्राप्य निर | ७२२, | • | ११७६,२४५६ | संयच्छन्भव | ६१० |
| संपूजितास्ता | | ١ | १९६४ | संभूतिः सन | २९५६ | संयतातमा कृ | १२४० |
| संपूजितो म | ः २८६६ | संप्राप्य विज | २८२६, | 1. ~ | | संयतातमा प्र | ११७६ |
| संपूज्यन्ते भ | २५२१ | | २८२५ | सं भूम्या अन | | संयतैः संय | २९०३ |
| संपूज्य ब्राह्म | ११२४ | संप्रायात्सह | २७१८ | संभूयगम | २१७३ | संयतो ब्रह्म | २५४३ |
| संपूज्य भाग | ५३४, | संप्रीयमाणं | १८९६ | संभूयप्रया | ६७४ | संयमी गृहा | ११६३ |
| <i>e</i> 4 · · · · | ७५९ | संप्रेद्धो अग्नि | ५१० | संभूययानं | ঽ१७३ | संयाने दश | १३०९ |
| संपूज्य मण्ड | २९८२ | संबद्धं जन्म | १५४२ | संभूय राष्ट्र | ७३९,११८२ | संयान्तीनविः | २२९९ |
| संपूज्य वर | ६२० | संबद्धाः पुरु | १२४० | संभूय वाऽस्य | ं २६ २५ | संयुक्तं ब्राह्म | ७१९ |
| संपूज्य वासु | २८५९ | संबद्धो वारु | _क २७६६ | संभूय बोप | १३९७ | संयुक्तबल संयुक्तबल | २१ <i>०</i> २ |
| संपूज्य तिधि | २९१२ | संबन्धजः स | २१३० | र् संभूयसमु | | पंयुक्तस्त्वरि | २८६५ १८६५ |
| ्र संपूज्य विन्य | ३००१ | संबन्धस्त्रिवि | २३४९ | 9 | ६७२ | संयुक्तस्यापि | |
| संपूर्ण योध | २७१३ | संबन्धस्य स | १९४८ | संभूयसे तु | १३९१ | रंयुक्तस्थाप संयुक्तांश्च वि | २४०४ १९३५ |
| संपूर्णमण्ड | १८६० | संबन्धिपुरु | * १२४० | संभूयाभिग | २१५२ | संयुक्ताः काम | 4 888, |
| संपूर्ण कृत | # \$ 888 | संवन्धिवान्ध | २७६२ | संभूयैनं प्र | . २१८२ | ज्याताः नाम | २४४३ |
| संपूर्णासन | १७५० | संबन्धी ज्ञाति | १२३३, | संभृतेषु सं | २८६३ | संयुक्तात्मा स | |
| संपृष्टेन तु | # 2 900 | • | २३४९ | संभृत्य मह | २ १ ९१०, | चंयुक्तात्मा स संयुक्तो देश | #१०५७ २०७३ |
| संप्रकीणीन्त्र | #१५०६ | संवाधश्च त | • २६७१ | - | ५५१,२६०४ | | २५५ ३ |
| संप्रकीणेन्द्रि | १२९०, | संबुबोधयि | | संभोजनं सं | | तपुक्ता ।ह ब संयुक्ती दह | २३७ <i>०</i> |
| | २०८३ | संभवं चत | १३८३ | - 11 11 11 | 2832 | | ७८९ |
| संप्रकृतोत्त | | संभवन्ति गु | | संभ्रमन्त्याप | | सयुगे च म संयुगे वे म | 2008 |
| | | 9 | 10 (((| ~ M4.(414 | ५०५५) | च्छुग व म | २४४१ |

| संयुज्यते ध | २४३६ | संवत्सरं रा | *१३०६ | संवर्धयेत्स | ● ₹७₹८ | सं वोऽयं ब्रह्म | 800 |
|------------------|---------------|-------------------------|----------------------------------|------------------------|-------------------------------|-----------------------------|----------------------------|
| संयुतो द्वार | १४७३ | 1 | २७६६,२८१५ | संवर्षन्तः फ | # ५६४ | सं व्यवहारा | १२४७ |
| संयोगं हेतु | २२∙५ | संवत्सरं स | ७४८ | संवसन्तः प्रि | " | संब्यह्य मानु | *2006 |
| संयोगहेतु | * ,, | । संवत्सरः प्र | २ २५७.३०४. | संवादं भर | २०४७ | संशासका यु | २७१९ |
| संयोगात्केचि | # ₹४°६ | | ર ५७, ३०४, ३ ०५ | संवादं वासु | #€ 0 ₹ | संशयं पुन १८५ | ५०,२ •४४ |
| संयोगादातम | ९२७ | संवत्सरम | २०५ २४ ६ २ | संबादोऽयं म | ५९० | संशयं लभ | १३८८ |
| संयोगापूर्व | ८९४ | चंवत्सर्म संवत्सर्मि | रब्बर १ ५४२ | संवाद्य रूप | १३४० | संशयाच स | २००२ |
| संयोगे केचि | २४०४ | | २८७ <i>१</i> | संबासजं प | * १६९५ | संशासयेत्स्व | १५३४ |
| संयोगे च वि | # २००९ | संवत्सरति | | संवासा जाय | र । २ । २ । २ ० ३ ७ | संशितं क्षत्र | ५०५ |
| संयोगे प्रथ | २४७२ | संबत्सरसं | ३१०,३१८, ३२० | । संवासिभ्यः शी | | संशितं क्षत्रं | * ,, |
| संयोगे विप्र | २००९ | <u></u> | | संवासिभ्यो ब | १२५६, | संशितं म इ | * ,, |
| संयोज्या तु प्र | १७५५ | संवत्सरस्था | २४१९ | " " | १ २६० | सः शितं मे ब | \$,, |
| संयोद्धव्यं त | * २३५४ | संवत्सरस्य | 9८,२८५१ | संवाहं प्रेष | 2893 | 'संशितम्' इति | २५ ३ ४ |
| संयोपयन्तो | २४७६ | 1 | २९५७,२९७६ | संविदाना दि | 809 | संशिते मे इ | * 404 |
| संरक्षणं भ | १३६६ | संवत्सरात्को | | संविधातुं न | १९९८ | संशिष्याद्वा सं | २५३३ |
| संरक्षणे सं | ११४६ | संवत्सरादे | ३२५,४२१ | संविनीय म | ०१७६३ | संशुद्धः कर्ष | १३५८ |
| संरक्षति त्वां | # ₹08८ | संबत्सरान | १५०३ | संविभक्तं च | 969 | | 966 |
| संरक्षयेत्कृ | १३६९ | संवत्सरा नि | | संविभक्ताश्च | ६०२ | संशोधयेत्त | ३५९९ २५ ९ ९ |
| संरक्षयेत्प्र ११ | | संवत्सरानृ | ७ १५०३ | संविभक्ताऽस्मि | | संशोध्य त्रिवि | २५७ १ |
| U(diana 11 | १५२४ | संवत्सराभि | २९८६ | संविभज्य च | । ,, #५७९ | संश्रयः श्लाघ | १२१८ |
| संरक्षयेद्या | १४९० | संवत्सरे कृ | २१५ | संविभज्य य | વ | संश्रयवृत्तिः | ६७४ |
| संरक्षयेद्रा | १०१४ | संवत्सरेणै | ३३४ | 1 | ६०९ | तंत्रपद्यापः संश्रयस्तेन | ۹٥ <i>،</i> ۹۹ <i>،</i> |
| संरक्षेत्सम | ७४५ | संवत्सरेऽन्त | ा ३२६ | संविभज्य हि | ५७९ | तंत्रवरतम् संश्रयाश्चेव | # १ ५९४ |
| | . ९५,१४१६ | संवत्सरो य | ^२ ३३३ | संविभज्याति | ९६६ | संश्रयेद्गिरि ११५ | |
| संरक्षेन्मन्त्र | १७९१ | संवत्सरो र | 488 | संविभज्यास्त | १८९६ | संश्रयद्वेत | २०१५ २०१५ |
| संरक्ष्यमाण | २६ ९ ३ | संवत्सरो व | | संविभागं द | ६०२ | | |
| संरक्ष्यमाणो | ६९५,७४४ | | э` | संविभागं प | २८२४, | संशान्तमथ | *१५२० |
| संरक्ष्यान्पाल | १०७१ | संवत्सरो वै | २५७ | संविभागश्च | २ ८२५ ११ ६४ | संश्रितस्तु प | २०५९ |
| संरब्धो मीम | १९९० | संवत्सरोषि | १७५६ | रावभागव्य संविभागेन | ५९५ | संश्रिता दान | २४४९ |
| संरम्भामर्ष | २३९९ | संवदन्तोऽव | ८०४ | संविशेच य | # 986 | संश्रुत्यार्थीन् वि | १६४९, |
| संरुद्धगति | २१०० | संवननं स्वा | | संविशेतु य | | | १९५६ |
| संरोहति श | 608.8 | सं वरत्राद | - | संविशेत्तर्य |)) | संश्लेषं च प | # २६०६ |
| सं वः पृच्यन्तां | 800 | सं वरत्रान् | | ~ | ९५४ | संश्लेषं वाक | २०१२ |
| सं वज्रेणाभि | # 8 9 | संवर्णयेत्त | १६८८ | संवीतकम्ब | २९८४ | संश्लेषोऽन्यत्र | #२२०६ |
| सं वज्रेणास् | " | संवर्ती लकु | २९९३ | संवृते नर | # १८१२ | संसक्तविष | २९८२ |
| संवत्सर ए | ३२७,३३० | संवर्धनं प्र | * ११३९ | संवेक्ष्य तु त | *१३१ ६ | संसक्तीयः सु | २९ ०६ |
| संवत्सरं न | ३१० | संवर्धयन् स्त | ો ५५४ | संवेशनीं सं | २८५० | संसक्ते कल | २९८२ |
| संवत्सरं म | २५१० | संवर्धयेत्त | १३६४,१७३८ | सं वो मनांसि | ३८९,४०१ | | १०९४ |
| | | | | | • -7 • • | - "'3 74 | 1028 |

| संसर्गे न क्व | ९९३ | संस्थूलस्थूल | २७५१ | संहिता हि वि | * १९५७ | स कि प्रभुर्य | १६३१, |
|----------------------------------|--------|------------------------|------------------|-----------------------|---------------|----------------------------|---------------|
| संसर्गेन व्र | १७१३, | संस्पृष्टः सवि | * १४६९ | संहितेभ्यः प | २०९५ | | १७५८ |
| | १७१७ | संस्मृत्य पूर्व | १२१७ | 1.00 | २०८६ | स कि प्रभुर्यः | १७५९ |
| संसर्पणाद्धि | २६ ०४ | | १०९१ | 1 | \$ {80 | | " |
| संसिद्धमेवा | १३३३ | संस्मृत्य सा च | ., | सं हैवास्मे त | ३६५ | | " |
| संसिद्धाः पर | २७५८ | सरसवं बाई | र ३०६ | सर् ह्यती सुजे | ३६४ | स किं मन्त्री मि | २४१८ |
| संसिद्धिं पर | १०५३ | 1 | ર ૬૮७, | - 79-A | ,, | स किंराजा यो | ९१२ |
| संस्रष्टं धन | ४८९ | | २७३४ | | २७२७ | | ७७८ |
| संसृष्टं सवि | १४६९ | संहतं तु ग | २७०३ | 1 - | ६५८ | | प२ |
| संसृष्टं सोद | १५२१ | | १५१३ | l | १०९२ | स किंस्वामीय | १५४१, |
| संसृष्टा ब्राह्म | ५८१ | संहतस्य च | २१६७ | & c | १ ४५९ | | १७५८ |
| संसेचनं सं | ८९६ | | २८२९ | - A.W | # १०९२ | स किमभिजा | १६२९ |
| संसेविता पा | २४६९ | | * १६० १ | स कथं वर्त | ७५० | स कीर्तियुक्तो | १०३१ |
| संसेव्यमानः | २०१३ | | * १५१३ | स कदर्थस्तु | १३८२ | स कुबेरः स | ८१० |
| तंस्करोत्यव | ८१९ | | २९८ ४ | स कदाचित्प | १२८२ ६३६ | सकुशं पुष्प | २८७३, |
| संस्कारं लम्भ | ७४१ | संहतान् योध | २६०४, | स कदाचित्र | १०७८ | सकुसीदाकु | १८४२ |
| संस्कारकम | १६६७ | | ६५,२७ <i>०५,</i> | स कदाचिद्र | १८१२ | सकुत्कृताप | २०३५ |
| संस्कारश्चेव | २८०६ | 1 | ३०,२७३१ | सकरः स तु | | सकृतकृत्वा म | ११२४ |
| | | संहतावित | १५२० | | ८३५ | सकृत्परिण | ९११ |
| संस्कारेचाप्य | २८४० | संहता हि वि | १९५७ | स कर्दमा च | २३९४ | सकृत्पाशाव | १३८७ |
| संस्कारेण भ | " | संहता ह्यभि | | स कर्म कुरु | २६६९ | स कृत्वा पशु | #2642 |
| संस्कारेणापि संस्कारैः संस्कृ | " | संहते पांसु | १४७७ | त कम कुर स कर्मदिव | *2302 | स कृतवा मह | १२९३ |
| सत्कारः सत्क संस्कारो वाछ | ८६४ | यहरा पाछ संहतैर्बिस | | | २२२७ | सकृत्सतां सं | २०८२ |
| | २८४१ | 1 | प१० | सक्लं चातु | ५७७ | सकृत्सुभुक्तं | १७५३ |
| संस्तभ्योभय | १८६९ | संहत्य दण्डं | २६१ २ | सकलकल्ज | २८७९ | स कुत्स्नां पृथि | १७७५, |
| संस्तम्भयति | १२९९, | संहत्य योध | २७०१ | सकलत्रस्तिव | १८८८ | | २०८१ |
| | ८,१५८३ | संहत्यारिवि | २१५९ | स कल्याणः श | १९६० | सकृदभूरि | ९६५ |
| संस्तवैगीत | २३५७ | | #२७६८ | स कल्याणे म | २८०१ | सकृदुक्तं गृ | १८३१ |
| संस्तवैविध | २०३२ | | २८१३ | स कस्मात् त्वं जा | २४३६ | • | ८,२३२७ |
| संस्तुतो न हि | १६५६ | | | स करमाद्रीम | २७६३ | सकृदेव न | १३३० |
| संस्तुतो भव | ३४९ | | #१०६२ | स काकं पञ्ज | १२१० | सकृदेव प्र | # २७७५ |
| संखाः स्युश्चार | १६५८ | संहारी कालि | ३००० | सकापटचं ध | ९३८, | सकृद्दुष्टं च | १२९५, |
| संस्थानं चाष्ट | २७४९ | संहारी जात | २९९२ | | १६०५ | - 40 | २०७३ |
| संस्थानं प्रचा | २२१५ | | ७४,२०८९ | सकामायाः पू | | सकुद्येन कु | १२२९ |
| संस्थानवत्यः | १६५८ | संहितश्चेत् प | 3 | सकामासक्त | * ९३३ | सकृद्विघटि | ११९१ |
| संस्थानामन्ते | १६४६ | | | स किं गुरु: पि | | सकुन्निगद | ८७९ |
| संस्थापयेद्भू | १५१२ | संहिता: सम इ | | स किं धन्वीत | ११६० | सकुन्निपीडि सकुन्निपीडि | |
| संस्थूलस्थाणु | | संहिताभिश्च | | स किंपुरुषो ९०७ | | ्राम माष्ट्र | १२३७, २३५० |
| | | | - • • • | | 71177 | | 7470 |

| | | _ | | | | | |
|------------------|---------------|----------------------------------|----------------|------------------|-------------------|----------------|---------------|
| स कृषिकर्म | १६४३ | सख्यं सोदर्य | # २०२९ | सङ्ग्रामे राक्ष | २८४२ | स चिरं पाति | २८३७ |
| स कृष्णानां त्री | २६ २ | स गच्छेच्छत्रु | १०१८, | सङ्ग्रामे विज | | स चिरं पृथि | १४९६, |
| स केवलं भू | ११६२ | • | ११५४ | सङ्ग्रामेष्वनि ५ | १ ३३,७४९ , | _ | २८७९ |
| स केवलं व्या | २४६८ | स गच्छेत् पर | २७९० | २४ व | २,२७७७, | स चिरं सुख | २८४२, |
| स केशवम | १५११ | सगणः ससु | २७९८ | _ | २७८६ | | २८४८ |
| सकेसरः हिन | २२४७ | स गत्वाऽङ्गार | १०८९ | सङ्ग्रामे संय | ३३६ | स चिरायुर्जि | २९८६ |
| स कौमारक | ७३१ | स गत्वा दक्षि | * ₹४९९ | सङ्ग्रामे संस्था | १०२३, | स चिरायुर्भ | २८४१ |
| स कौरवस्था ८५ | ४४,११७३ | स गत्वा बाहु | १०५५ | | २७५४ | सचिवं देश | १२४४ |
| सक्तं ग्राम्येषु | #६६३ | स गत्वा भ्रात | १०५४ | सङ्ग्रामे समु | २५३२ | | " |
| सक्तुमिव ति | ४४१ | स गर्भे शिर | ६१९ | सङ्ग्रामो युज्य | # २४५२ | , | १२६७ |
| स क्रोधजं पा | २४२९ | स गुहायां शि | \$ 000 | स चकार त | १०७७ | | १२६५ |
| स क्षत्रियो वि | २५७३, | सगृहा त्रिवि | २८४८ | स चकार य | | सचिवस्त्वां का | १२३० |
| • | २६६९ | स ग्रह्णाति— कु | ३१५ | स च तसाद्ध | २०२७ | | १९८७ |
| स क्षिप्रमनु ५६ | 9.8808 | स गृह्णाति वि | ७४७, | सचतुर्विश | १८६६ | सचिवान् सप्त | १२५०, |
| सक्षीराणां च | २९ ४२ | | १७१६ | स चतुईस्त | २८३७ | १२७ | ९,१७७३ |
| स क्षुपो नाम | ६१९ | स ग्रहांछोक | २९०१ | स चतुष्पथ | २९१४ | सचिवामात्य | २७०२ |
| सखड्गं न्यस्य | २८८६ | स घाराजास | २० | स च दण्डस | # ५६४ | सचिवेनाप | # १२२० |
| सखलीनाः स | २६७१ | स घुणाक्षर | १२७७ | स च दण्डे स | ,, | सचिवेनोप | ,, |
| | | सङ्ग्रामं याच | २७८९ | स चन्द्रं म आ | | सचित्रैः संवि | १ ७६७ |
| स खलु कस्या | ७६८ | सङ्ग्रामं ये प्र | २७८६ | स च पूतो न | १०५५ | सचिवैः सम | • ,, |
| स खळु कोऽपी | ११९२ | सङ्ग्रामं योज | २४५२ | स च भवति | १५४५ | सचिवैनिस्य | १७१७ |
| स खल्ज त्यागो | ७६७ | सङ्ग्रामकाले | ११०६, | स च राजस्त | १६२६ | सचिवेश्वास्य | १७१४ |
| स खछ नो रा | १८०३ | | २५ <i>१</i> ४ | स च वेगेऽभ्य | २०१५ | सचिवोऽयं क | १६६७ |
| स खलु पिशा | ११९६ | सङ्ग्रामधृते | २८२७ | स च सर्वगु | *११७ ६, | सचेते अन | ३५ |
| स खल्च पृथि | ४४६ | • | २७६९ | | १६२५ | स चेत्तदभि | १६३७ |
| स खलु प्रत्य | ११९१ | सङ्ग्रामयज्ञः सङ्ग्रामस्तु नि | २६ <i>१</i> २, | स च सौख्यम | ७४१ | स चेत् संधी ना | २६२१ |
| स खलु महा | १३८१, | उड्डामख । | २७७६ | स च हेतुर | २०३६ | स चेत्संनद्ध | २७६५ |
| _ | १६३० | सङ्ग्रामान्न नि | २७८८ | स चानेन नृ | २७९८ | स चेत्समनु | ७९५ |
| स खलु लुब्धो | ७६८ | सङ्ग्रामे को ना | २४१९ | स चापि तान् ध | व ६५१ | स चेत्समो भ | २८३४ |
| स खल्ज सुधी | इ <i>७७</i> | सङ्ग्रामे गच्छ | २९१० | स चामात्यः स् | १२०६, | स चेत् ससैन्य | २७६५ |
| स खल्ज खस्यै | १७५९ | सङ्ग्रामे च प्र | २७७५ | | १२२८ | स चेदज्ञाना | २२२६ |
| स खल्वर्थी प | ৩६७ | सङ्ग्रामे तुमु | १२२९, | स चाऽऽश्रमेऽव | १६९६ | | |
| सखाय इन्द्र | ४८२ | | १५१३ | स चित्तानि मो | ५०३ | स चेदिविष | २८६४ |
| सखा ह जाया | १८३ | सङ्ग्रामे न नि | | स चिन्तयामा | ६३६. | स चेदेतां प्र | २४२७ |
| सिविभिर्न्यव | १८८७ | १०२ | ૮,૨૭५૪ | | #६ ३६ | स चेद् दण्डं द | २६४० |
| स खिलो मण्ड | *१८५ ६ | सङ्ग्रामेऽ नीक | २७६८ | स चिन्तापर | १८८७ | स चेद् दण्डसं | २६२० |
| सख्यं भवतु | २०८२ | सङ्ग्रामे पति | २७८६ | स चिरं जीव | १७५८ | स चेद्भयाद्वा | |
| स्रख्यं सोदर | २०२९ | सङ्ग्रामे प्रस्थि | ३७९० | | | स चेद्राजार्थ | त्र १ २२२५ |
| | | | | | | - 1051 717 | २२२७ |

| स चेद्रिसंधिः | २५८६ | स तं दृष्ट्वा वि | १०९६ | (स तस्मिनेवा | 86. | स तु गोवास | 2008 |
|-------------------|------------------|------------------|----------------|----------------------------|--------------|---------------------------------------|---------------|
| स चेनिकृत्या | २७६५ | स तं द्रष्टुम | | स तस्मिन्पुरु | ८४१ | | |
| स चेन्नोपनि | १०७१ | स तं राजा घृ | *2824 | 1 | २०२८ | स तु तत्राऽऽग | १८१२ |
| स चेन्नो परि | १०६८ | स तं संपूज्य | * ₹•₹ ४ | | रेररप | त तु तेनाभ्य | ८६७ |
| स चैकदैव | २८६७ | स तचक्षुः १ः | | | २०३२ | स तु निःसंश | * ₹₹७५ |
| स चैषां पापि | २०९८ | स तच्छ्रत्वा तु | . | स तस्य मित्रं | *2026 | स तु पञ्चमु | २९८३ |
| सचराणां च | # १२५६, | | ४७९,४८० | स तस्यां स्त्रीपु | * \ | स तु राज्यान्त | २९८२ |
| # १६३। | ७, क १७८१ | सततं क्रिय | १७१३ | 1 | ७२० | स तु वक्तव्य | २३९४ |
| स जघनेन | २ ९१ | सततं गुप्त | १८०५ | l | 4८४ | स तु वैकर्त | २७०४ |
| स जयति स | २५ २४ | | २९ १ ३ | | ६९,११७४ | स तु वै सह | #६६३ |
| सजलाराय | १४९२ | | ११२५ | स तां पूजां म | •२८६६ | स तु शीतह | १०८६ |
| संजातानां म | 88 | | १६५६ | सतां पेयं य | २४३१ | स तुश्वा व्याघ | १६९५ |
| सजातानुप्रे | १२ | ٩ | ९१९ | सतां मध्ये म | ५५ इ | स तु तूर्यघोष | २३६०, |
| संजातिपण्य | 3886 | सततं निर | ८४१ | सतां मार्गेण | १७९७ | | २७३० |
| सजातीनां च | १८४५ | सततं पृथि | १५७९ | सतां वत्मीनु | ७ ५६९ | स तूष्णीं रथ | ३५५ |
| सजातीयग्र | १४८८ | सततं प्रति | ११२४ | सतां वृत्ते स्थि | ५६८ | स तेन ऋप | २७९० |
| स जातूभर्मा | ३७१ | सततं युक्त | # १२४४ | सतां वेषध | २८०३ | _ | १२८२ |
| स जात्यन्धो यः | ११६३ | सततं राज | 282 | सतां संग्रह | ५७० | | १८१३ |
| स जितैस्तस्तु | ९२२ | सततं वर्त | १०७५ | सतां साप्तप | | स ते वरण्यो | २८७० |
| स जीवन्नपि | ९०९ | सततं सेव्य | ९६६ | स तांस्त्रीन् देवा | ४४६ | | १२८१ |
| स जुहोति— अ | २ ९३ | स ततः सिंह | # १६९६ | स तांस्त्रीन्वेदा | ,, | स ते सौहृद | ६०३ |
| स जुहोति— ए | २६ २ | सततमुप | ९६६ | स तादात्मिक | १३८६ | सतोऽपि दोषा | १८७७ |
| स जुहोति या | २७६ | स ततो ब्राह्म | ६२६ | स ताननुप १४ | | सतोयपूर्णैः | |
| स जुहोति— ह | | स तत्र तत्रा | १०३८ | स तान्तृपति | ८५९ | | *२९७० |
| स जेब्यति रि | २९० | स तत्र पुरु | # १२४६ | सतामनुग्र | ७१९ | सत्कारादनु १५३ | |
| | キとりそ | स तत्र बहु | ६१९ | सतामसतां | २६ ९८ | सत्कारेण च | १७५० |
| सजं तिष्ठति | * ₹९४१ | स तथा सर्व | २०२१ | स तारयति | २०२३ | सत्कारो युद्ध | २७८९ |
| संजं द्युतिक | * ,, | स तथेत्युक्त्वा | १८५ | सतालैगीन | 690 | सत्कृतं युक्त | १२४४ |
| सज्जनो न भ | १११८ | स तथोक्तस्त | १०८९ | स ताबत् प्रत्य | 8 | सत्कृतं वित्रि | १९०१ |
| सज्जमानम १२६ | 9 92621 | स तदाऽऽत्माप | १९९९ | स तावत्त्रोच्य | ६५२ | सत्कृतं स्वज | ७९७ |
| सज्जमानो ह्य | 1 | स तद्वचः प्र | | स तावान्त्रोच्य | l l | सत्कृतः संवि | १२४२ |
| सज्जोपकर | | स तद्रचः श | | स तासु नाग | # ,, ሪ५ሪ | सत्कृतः स्थापि | ,, |
| स ज्येष्ठं पुत्रं | | स तपस्तप्तवे | | स तिर्थक्तवं स्था | | सत्कृतस्यार्थ | २०३७ |
| सज्बालैः पव | | स तपोऽतप्य | - 1 | स तिस्तः पुरो | - 7 7 | सत्कृतानि स | १९०१ |
| स ज्वालैः पव | .u. I | स तमसा वि | | उत्तरासः पुरा सतीनसत्वा | , , , , | सत्कृतान्निय | ११५३ |
| सणसर्जर | * 8888 | स तमुन्माथ | | सतीषु निज | - 1 | _{परहाताश्च} इत्हृताश्च कृ | १२८७ |
| स तं दुष्टम | २४३७ | स तस्मात्संभ्र | | स तु कौशल | | तरहाताश्च हा सरहाताश्च प्र | १०६९ |
| | | | • | | - 1 / 4 / / | ज ्यात्र्य अ | 2002 |

| | | | | _ | | | |
|---------------------|----------------|-----------------------|---------------------|-------------------|------------------|-------------------|------------------------|
| सत्कृतोऽहं त्व | * ₹०₹८ | सत्यं बृहद्द | ४०६ | सत्यशीचस | २३२७ | सत्रिकक्षच | १४८४ |
| सत्कृत्य द्विज | २९३८ | सत्यं ब्रवीमि | १०९९, | सत्यसंधं प | २२०७ | सत्रिकवर्ध | २६१३ |
| सत्कृत्य भोज | ६३१ | | २७९७ | सत्यसंघः शु | १०२६ | सत्रिणश्चाऽऽयु | १७०३ |
| सत्कृत्य मह | #१९१०, | सत्यं यथार्थ | १८४४ | सत्यसंधश्च | ७२९ | सत्रिणस्त्वेनं | 3006 |
| | # २५५१ | सत्यं वी आपः | 333 | सत्यसंघा म | १२७९ | सत्रिणामेक | ,, |
| सत्कृत्य विधि | २३५७ | सत्यं वा यदि | १२६७ | सत्यसंघेन ७१५ | ५,१९७ ४ | सत्रिणो द्वन्द्वि | १६४८ |
| सत्कृत्वा पशु | २८६२ | सत्यं विद्वचसु | #६२८ | सत्यसत्त्वक्ष | २३६१ | सत्रिणो मित्र | र [े] १९१७ |
| सत्कोणं सुप्र | १३७० | सत्यं शपथो | २१०६ | सत्यसत्त्रधृ १२५६ | दे, १ २५९ | स त्रिविधो नि | १६८३ |
| सत्कियाभिश्चि | १५२७ | सत्यं शपे त्व | २०३१ | सत्यस्य रक्ष | ५६७ | सत्री चैनम | २५६ ६ |
| सत्क्षेत्रे बीज | १२७६ | सत्यं शौर्ये क्ष | १२०५ | सत्यस्यैव त | ३३३ | सत्री वा स्त्रीलो | रपदद ए८ |
| सत्त्वप्रज्ञावा | १६४४ | सत्यं श्रेष्ठं पा ५५% | | सत्यस्वैवासी | " | स त्रेघाऽपत | ₹ २ ४ |
| सत्त्वबुद्धयुप | १५७९, | | १२०५ | सत्यस्वभावां | * ६५५ | स त्वं गुरुरि | २ <i>५</i> ० २७५७ |
| | २४११ | सत्यं हासाद | १३५९ | सत्याचारास्तु | ११५८, | स त्वं गोविन्द | २७२७ २७९७ |
| सत्त्ववन्तोऽभि | *२ ६०४ | सत्यधर्मेव्य | २११३, | | १४३४ | स त्वं जातब | ७९६ |
| सत्त्ववीरगु | १४४५ | २११ ७ | ,२११९ | सत्याय हि य | ६५४ | स त्वं धर्मम | |
| सत्त्वशौर्यक्ष | #२३६१ | सत्यनामां दृ | *६६१ | सत्यार्जवं चा | ५८४ | 1 . | २०१३ |
| सत्त्वसत्यधृ | # १ २५९ | सत्यनाम्नी ह | •• | सत्यार्जवप | १३८८ | स त्वं पुरुष | ६६७ |
| सत्त्वस्य तम | २४१३ | सत्यपि दैवे | ,, २४ <i>१</i> ७ | सत्यार्थी धार्मि | २११९ | स त्वं मामभि | २०३० |
| सत्त्राभिजन | ६६५ | सत्यप्यमित्र | २०६७ | 'सत्याऽऽशीः' इत्य | ॥ ३४० | स त्वं यज्ञैर्म | १०५३ |
| सत्त्वेषु पृथि | ११२३ | सत्यप्यर्थे नि | १६०० | सत्यासु नित्यं | ६५६ | स त्वं संतान | १०८८ |
| सस्त्रेः सस्वानि | ५६२ | सत्यमन्युर्यु | ७८९ | सत्ये अन्यः स | ७२ | स त्वमेवंवि | २०४९ |
| सत्त्वैः सत्त्वा हि | * " | सत्यमपि दुः | १११७ | सत्येन रक्ष्य | १०४१ | स त्वष्टा चुको | ३१२ |
| सत्त्वैरलीढं | २५२२ | सत्यमस्म्यसु | ६२८ | सत्येन सम | ર ५४५ | स त्वां द्रव्यम | ५६१ |
| सत्पात्रप्रति ७४ | ४९,११२७ | सत्यमहं ग | ३९७ | सत्येन हि स्थि | २६००, | स त्वाऽकरेक | कर०र, |
| सत्पुरुषाचा | १५५७ | सत्यमार्जवं | १३८८ | | २७७४ | # Parenne | ३४३ |
| सत्य एवैन | ४२१ | सत्यमेव ग | ४६५ | सत्येनापि श | २६९८ | स त्वाऽयमह | ९६ |
| सत्यं गुर्वपि | २१५३ | सत्ययोनिः पु | #668 | सत्ये व्यवस्थि | ६१६ | स त्वायुषि प | १२१७ |
| सत्यं च धर्म | १३२४ | सत्यवाक्शील | १ २४२ | सत्ये स्थिताऽस्मि | १०९३ | सत्संश्रयोऽन्य | २२०७ |
| सत्यं च नापि | •६३२ | | | सत्ये स्थितो ध | ५९० | सत्समागम | १५९९ |
| सत्यं च पाल | #२१२० | सत्यवाग्गुण | १७४० | सत्ये हि राजा | १०५९ | सत्सु नित्यं स | २७६५ |
| सत्यं चानृत | १९०६ | सत्यवाग्दान | ११२३, ११८१ | सत्ये ह्यस्यामि | ४२१ | स दक्षिणतः | ٦ ٤ |
| सत्यं चेदं ब्र | ५६ ३ | सत्यवादी मृ 🕯 | १०३५, | सत्यैश्वर्य त | ११७१ | सदण्डं चाथ | २८३६ |
| सत्यं तदहः | ३५१ | ઉલ્લેખાવા જ ક | | | २१२० | सदण्डं तत्र | " |
| सत्यं तेनैव | * १२६२ | यज्ञासरी र | / 0E | सत्योऽपि हि न | | स दण्डो विधि | ६६७, |
| सत्यं दीक्षा | ३३३ | | 2042 | सत्रं हि वर्ध | 909 | - 2 | १९७० |
| सत्यं धर्मे पा | २४३५ | सत्यवादी ह्य | | सत्राण्यन्वास | | स ददर्श त | १८१२ |
| सत्यं न ते हि | १२६२ | सत्यवान् हि नृ | | सत्रादपस | | स ददर्शश्च | ६३६ |
| सत्यं पालय | ६१० | सत्यशौचयु १४४० | ०,२२०८ | । धत्रामाव हि | २१११ | सदर्पोऽपि स | २६ ९६ |
| | | | | | | | |

| सदर्भीयां क्षि | \$ 2980 | सदा प्रसाद | ११७३ | स देवलोके | २७८३ | सद्भिविवादं | १७१७ |
|----------------|-----------------------|----------------|------------------|----------------|---------------|-----------------|---------------|
| सदश्चान्तर | २७७१ | सदा प्रियहि | ११८१ | सदेवसंग्र | २९०० | सद्भिश्चानुग | २८०० |
| सदश्च इंव | २३९२ | सदा बहिनि | १०८० | स देवानभ्ये | १४ | सद्भृत्याश्च त | १७११ |
| सदसत् कर्म | २८२६ | सदा भवन्ति | ६५७ | स देवानुपा | ३५० | सद्भृत्यैश्चापि | १०१५ |
| सदसद्घोध | ७६५ | सदा भृत्यज | #११७५ | स देवैः सम | २८९१ | सद्य एव ह | १३७७ |
| सदसस्पति | ३९ | सदा मुरारि | ७३० | स देशो नाश | २९२६ | सद्यः केचिच ७ | ६१,२१४७ |
| सदस्या दक्षि | # २७७ <i>१</i> | सदा योधाश्च | २४९५ | स देशोऽनुस | ११६३ | सद्यः फेत्कारि | #३००० |
| स दस्यू राज | १२६९, | सदारविर | २६६ ० | सदैकनाय | ८६० | सद्य:शौचं भ | २८८७ |
| , | १७४६ | सदारस्तां गु | १०७८ | सदैव कुटि | ११५३ | सद्यः संतिष्ठ ९ | ५२,२७७६ |
| स दह्यमानो | २७९६ | सदारस्तामु | | सदैव दुःस्थि | ७६८ | सद्यः स्वकार्य | १९५७ |
| सदा अरिब | १५०७ | सदारो वाऽप्य | ५८३ | सदैव देव | *2८६७ | सद्यः स्वस्था भ | २८९२ |
| सदा कवी सु | ५९ | सदाऽलंकार ५ | • | सदैव निकृ | २४४३ | सद्येन पश्चि | ३००१ |
| सदा कुर्याच | १४२७ | सदा वातं च | *8566 | | १०७१ | सद्योजातं प्र | ,, |
| सदा कृतार्थी | १६६७ | सदाऽसताम | १०३३ | सदैव न्यूह | २६ <i>९</i> ० | सद्योजातोऽगु | * २९९३ |
| सदा क्षुतं च | १६८९ | सदा साध्य | ७२६,१ ९७८ | सदैव शकु | २०४८ | सद्योजातोऽनु | ,, |
| सदागमाद्रि | ११४३, | सदा सुबहु | १७४७ | सदैव सार | | सद्यो दानाय | ३७८ |
| _ | १३६५ | सदाऽस्तु सत्सु | | 1 . | ११५० १८०३ | सद्यो दीक्षय | १६४ |
| सदाऽऽचरति | #१ ६१७ | 1 | | | | सद्यो यथा प्र | *७८९ |
| सदा चापर | ९४३ | 122 123 Tr. C | २८९७ | सदैव हि गु | ६५३ | सद्यो वैगुण्य | ३५४५ |
| सदाचारः कु | १६३१, | सदा हर्षश्च | | | ७ ८६५ | सद्रक्षणं दु | १४३० |
| | २३५१ | 3 | * ₹४९५ | सदैवावध्य | १६८२ | _ | |
| सदाचारवि | २८५९ | सदा ह्यशास्त्र | ६४४ | सदैवोपह | . १०७० | स द्वादशद्वा | १४५० |
| सदाचारेषु | ११२५ | स दिशोऽन्वैक्ष | | | १६८६ | स द्वीपी ब्याब | १६९५ |
| सदा चित्तं न | ७२० | स दीव्यति पृ | ८३१ | सदो देवाना | 808 | सद्वृत्तरति | # ₹८९९ |
| सदा चोद्यत | ११४६ | स दुन्दुभे स | ४९८ | सदोद्युक्तः स | १८३० | स धनंजय | २४४५ |
| सदा चोद्यमि | २४०७ | सदुपायैश्च १५ | ९९,१९ ४४ | स दोषः | १७७० | सधनश्रेष्ठ | १४८८ |
| स दाता महा | ११९८ | सदृशं पण्डि | २०१० | सदोषमाय | १८३४ | सधना धान्य | २१५१ |
| सदाऽधर्मब | २११ ९ | सदृशं मर | # ? ८०४ | सद्दानमान | *{845 | सघनुर्प्रहः | २२७५ |
| | | सदृशं मृग | १२१८ | सहारका ह्य | ७४६ | सधनुर्धन्व | २७९६ |
| स दाधार पृ | ६० | सदशस्त्रीषु | ८५३ | सद्भावेन ह ७ | ५०,११३३, | सधनुर्भुष्टिः | २२७५ |
| सदाऽधिगच्छे | ८६६ | सहशा त्रणाः | १५३६ | | ११४२ | स धन्वी कव | ११२२ |
| सदानमान क्रथ | | स दृष्वा नाम | १८१२ | सद्भावेन हि | १९३८ | सधमादो द्यु | १४९,२७९ |
| सदान विश्व | २०३९ | | | सद्भिः पुरस्ता | १०३३ | सधर्म पौरु | २४०९ |
| सदाऽनुद्धत | १७४३ | स दृष्या मांस | ८००१ | सद्धिः संगत | २११ ४ | स धर्मविज | २६ ९७ |
| सदाऽनुरक्त | ९२६,९३७ | स दृष्या राघ | २८०३ | सद्भिराचरि | ६१९ | स धर्मातमा ध | २४३७ |
| सदाऽनुवृत्या | * २५७८ | स दृष्ट्वोपरि | २७६९ | सद्धिरासीत | १७१७ | स धर्मार्थप | ६२४ |
| सदाऽनुसृत्या | " | स देवः साग | १०९५ | सिद्धर्यो मृग | १५९९ | स घर्मी यं वि | १४२३ |
| सदा पूज्या न | ११०० | स देवकृत्रि | १८४१ | सिद्धिविगहि | २३८८ | स धीनां योग | ३९ |
| सदा प्रजाहि | ७२६ | स देवताना | ४२६ | सद्धिर्वियोगो | | सधूमोऽमृत | २९० २ |
| | | | | | | ø o | ,,, |

| सध्रीचीनान्वः | . 3 6 8 | सनृत्यं वा गा | २३४६ | स पत्त एव | X3/ | स पार्थिवैर्ट्ट | ५९० |
|---------------------------|-----------------------|------------------|----------------|-----------------------------|----------------------|-------------------------|-----------------------|
| सधीचीनेन | १९ | 4 | १६६३ | सपत्नक्षय | | स पार्थिवो दी | १२४६ |
| स नः पुरो यो | २७०६ | (| | सपत्नबुद्धि | • | स पालाशे वा | 248 |
| स नः पूर्णेन | 6 8 | सनेम ये त | = | सपत्नमप | २५ ४ | सपिण्डेष्वपि | # ७ २० |
| स नः प्रजास्वा | ३९२ | | ३७४ ३ | सपत्नवृद्धि | १८९१ | स पितरमे | १८७ |
| स नः समीक्ष्य | #204 | स नैव व्यम | ४३७ | सपत्नसहि | १८ ५६ २०४३ | सपीतरक्त | १३६९ |
| स नः खधर्मी | 2000 | स नैष्ठिको ब्र | ८९७ | | | सपुत्रं विवि | ८४० |
| स नगराभ्या | १६४३ | स नो मृड प | ६६ | सपत्ना वै द्वि | ३५९,३६० | स पुत्रः पुत्र | ८३८ |
| स नमोऽप्यन | . ५० २ ११६३ | स नो विश्वाहा | 8 | सपत्निपुत्रे सम्बन्धः | २८२८ | सपुत्रदारं | १७०५ |
| य गमाउ पर सनत्कुमार | २ <i>९</i> ५५ | सन्तस्तानि न | १७१२ | सपत्नी पुत्रे सप्रकारिका | ., | सपुत्रदारः | २६६०, |
| सनत्कुमारो | २ ९ ७६ | सन्ति चैषाम | १०९९ | सपत्नीविधा | १००० | (13.14. | २६६ <i>१</i> |
| स न विचिकि | २३ १ | सन्ति देवाश्च | १६९७ | सपत्नो वा अ | २५४ | स पुत्रपशु | 2838 |
| स नश्यति पु | ६८ २ | सन्ति नैकत | *2398 | स पत्न्या वच | १०८९ | स पुत्रपौत्र | २८६१ |
| ्स नष्टां गां क्षु | 423 #8282 | सन्ति नैकश | | स पथः प्रच्यु | २८०३ | सपुत्रपौत्रा | 600 |
| र नष्टा गा यु स न संशय | #\C\\ #\0\\ | सन्ति वै सिन्धु |)) 33.44 | स पद्भ्यामेव | ४३४ | | ₽ ₹₹ |
| य ग यसप सनातनश्च | *****C | सन्तीह देव | २३८४ | स परमाश्रि | २६ ३ ९ | सपुत्रभृत्य सपुत्रमर | ***** 3 96 |
| _ | | 1 | 980 | स परमेष्ठी | २३०,२३३ | सपुत्रमातृ | # २५४० , |
| | ८,११३५ | सन्तुसर्जर | # १४६९ | सपरिग्रह | * ₹४४५ | (ાંગુનનાંહ | • |
| सनातात इ | ३७३ | सन्तो विप्राश्च | २९२८ | स परिग्रह | " | 7 H2-27 | २५४४ |
| स नाऽऽप्रोति र | १०४० | सन्त्येव घृत | ३१२ | स परित्यज्य | २०५१ | स पुत्रवश | २००२ |
| स नाशमाया | २४६८ | सन्नात्मा नैव | १३२२ | सपरिभाण्डे | २२५४ | सपुत्रामात्य | २५४० |
| स नाशयित्वा | १९०५ | सन्मन्त्रिणः प्र | *१२५२ | स परैईन्य | २८३३ | स पुनरेत्या | ४६५ |
| स नास्ति राम | # १९५२ | सन्मानदिव | १००५ | सपर्णीरश्च | २९६ ३ | स पुनर्दिवि | २८४५ |
| सनिं मेधाम | ३९ | | | सपर्वतव १० | ०५१,२४९७ | स पुमानाय | 8008 |
| स निकृष्टां क | ७१०८१ | सन्माननं च | १८०५ | सपशुधान्य | १८४३ | स पुमान्सव | ११६३ |
| स नित्यं विज | १००४ | सन्मित्राश्च कृ | # १ २९१ | स पशोरपि | १००४ | स पुमान्सुखी | ,, |
| स नियतो ब | १०४३ | स पक्षवांश्चे | २२२७ | स पश्चात्पर्य | २८ | | १९७,१९९ |
| स निराशो नि | १०४६ | सपक्षा देव १५१ | | स पश्यति च | #६१० | स पूतातमा घ | * && \$ |
| स निरुध्यान | | स पक्षी पूज | # १०८९ | स पश्यति हि | ,, | सपूर्वः ऋतु | ७ २९६८ |
| सनिर्घाताः प | | स पञ्चदशो | '३५० | सपादकोशा | २८१० | स पूर्वः परी | ३६५ |
| -0-6-0 | | स पञ्चधाऽऽह | २५१ | सपादचर्म | २८०५ | स पूर्वाध्यें जु | २५ २ |
| सनिर्घाता दि | * २९१७ | स पञ्चानीका | २७२९ | सपादपञ्चा | २२९७ | सप्तकस्यास्य | १५७४ |
| सनिर्घाता म | " | सपताकं ग | १४६२ | सपादपणि | २२८९ | सप्तकृत्वः प | २८८८ |
| स निर्जित्य म | # ८३४ | | # ,, | सपादपणो | २२७३ | सप्तकोङ्कणा | १४१५ |
| स निर्ययौ म | ७९६, | सपताकध्व | २८३८ | सपादशत | | सप्तगणा वै | ₹४१ |
| | * ₹७११ | सपताकास्त्र | | सपादषट्श | ,, | सप्त ग्राम्या ओ | |
| स निर्ययौ र | | सपताके तु | | सपादहस्त | | सप्त प्राम्याः प | - 11 |
| स निष्क्रम्य म | २५४२ | सपताको नि | | सपापहारि | | सप्त जातान् न | - ' ' |
| स नीरोगो यः | | स पतित्वा श | | स पापीयान् भ | | सप्ततिद्वर्चिष | ,,, |
| | | | | ` | 1 10 | । तातात्रक्षयाच | १८६५ |

| • | | | | | | | |
|------------------|----------------------|----------------------|--------------------|-----------------------------|----------------------|-----------------------------|-------------|
| सप्तत्यन्दास्तु | २३३९ | सप्तरात्रमि | २६ ३ ५ | सप्ताहं पूज | २८६९ | । सबलो वट | १४७४ |
| सप्तदशं मा | ३१० | ' सप्तरात्रम् ' | इ २६३५, | सप्ताहं वर्ज | २४६३ | स बहिर्धन्वो | ४२० |
| सप्तदशः स्तो | १६५ | | २६३६ | सप्ताइवृत्ता | २३०१ | | ५६५ |
| सप्तदशस्तो | ३३४ | सप्तरात्रेण | ६२५ | सप्ताहाभ्यन्त | २९२० | स बाहम्यामे | ४३४ |
| सप्तदशस्त्वा | ७७ | | ર ફ પ | सप्ताहेन य २५ | ३९,२५४३ | सबाह्याभ्यन्त | હ પ્ |
| सप्तदशात्प | ३१० | सप्तर्चः ऋतु | २९६८ | ITHE MY | १४९३ | स बुद्धिनिग | २०६९ |
| सप्तदशो द | ३२९ | | २९८४ | | •२९६६ | स बुद्वा तस्य | १२१० |
| सप्तदशो वै | २७४,३०४, | | २४९१ | I | ६,२८,२९, | | ३६५ |
| | २८५३ | सप्तर्षीन् पृष्ठ | २ ६ ०२ | 1 . | ४४५,४७८ | | • ११२ |
| सप्त दोषाः स | १५४७ | सप्त वा अन्ना | | | | सब्रह्मचारि 'सब्रह्मचारि | १६३० |
| सप्तद्वीपव | १४१४ | | .२ ३ ०,२२७८ | | | स ब्रह्मणे प | २०१ |
| सप्तद्वीपा च | ८३६ | सप्त वै छन्दा | , ३३३ | | १५६० | स 'ब्रह्मन्' इत्ये | |
| सप्तथा लौक | १८४७ | सम शकर | २३०१ | 1 | રું ` ૪ ६५ | | |
| सप्तथा खुः स | . २७५३ | सप्त सत्रेण | ४०८ | 1 | | स ब्रह्मबन्ध | २०४ |
| सप्त नाडिका | ૧ ૫૭ | सत सत र | २७५२ | 1 | " | सब्रह्मिष्ग | . २४९८ |
| सप्त नाडिकाः | ,, | सप्त सप्त वै | २ ९३ | 1 | २ ५९४ | स ब्राह्मणस्य | ३९८ |
| सप्तपञ्चपु | १४७८ | सप्तसमुद्रा | | सप्रवेशाप | १४९३ | स ब्राह्मणान्नि | १९६७ |
| सप्तपर्णश | १४३२ | | १४१४ | स प्रसन्नम | १८८५ | स ब्र्यात्सह | २३१ |
| सप्तपुष्करै | ३३३ | | २८४६ | स प्रहृतश्च | ५२८ | स ब्र्यादम | ३६ ३ |
| सप्त प्रकृत | ११६६ | 1 | *१५२१ | सप्राकारं स | २४८६ | स ब्र्यादादि | ,, |
| | | | ११७० | सप्राकारां स | १४८३ | स ब्र्याद्ब्रह्म | ४३५ |
| | १७,१८६०, १६६ १८६० | सप्ताङ्गस्य च | * ५६७,५७५ | सप्राड्विवाकः | | स ब्रूयाद्विद्यु | ं ३६२ |
| | ६६,१८६७ | सप्ताङ्गस्य तु | *६१९ | रानाञ्चापपाकः | १८२४, | स भर्तुः शास | १६७७ |
| सप्त भवन्ति | ३४१ | सप्ताङ्गस्यापि | ११६८ | स प्राप्नोति श्रि | १८२७ | स भवांस्रातु | २७९७ |
| सप्तभिश्च त | २५१० | सप्ताङ्गस्यास्य | ११२६, | स प्रायश्चित्त | २८३९ | स भवानभ्य | १०५४ |
| सप्तमं चाष्ट | २८७३ | #8 | १६६,११६९ | त नापाव्यत स प्रियो लोका | २९०५ | स भवान्पातु | |
| सप्तमाचापि | २४५२ | सप्ताङ्गस्येह | रश्दद | | ११९८ | | २३५६ |
| सप्तमी च च | २४६२ | सप्ताङ्गानां तु | २१४६ | सप्रीतमन | | स भवान् राज्य | ७२९ |
| सप्तमी सर्व | २४७१ | | ı | स प्रेत्य लभ | 1 | स भवान्सर्व | १०५२ |
| सप्तमे मन्त्र ९ | | सप्ताङ्गानि च | | स प्रोक्तः शास्त्र | | सभा च मा स | ४६२, |
| सप्तमे इस्त्य | ९४४ | सप्ताङ्गे यश्च | | सफलविफ | २५२६ | | १८०७ |
| सप्तमेऽह्नि तु | २८८६ | सप्ताङ्गेषु प्र | | स बद्धो वार | २७६६ | सभाप्रपापू | १४११, |
| सप्तम्यां पौर्ण | | सप्तानां प्रकृ | | सबन्धुराष्ट्रा | ९२१ | १६५३ | ३,१६५४ |
| सप्तम्यां हस्त्य | २८५४ | | १५७६ | स बन्धुर्योऽनु | १८७६ | सभामध्यां कू | १४८३ |
| सप्तम्याऽश्वान् | २५३२ | सप्तानहोमा | | स बन्धुस्त्रिवि | | सभामभ्येति | १८०७ |
| सप्त राज्ञो गु | | सप्ताऽऽरण्याः | | सबलश्चेव | | सभामुदाया | २९३२ |
| naris e s | | सप्तारितना | | सबलाबल | | सभामेति कि | ४५९ |
| सप्तरात्रं घृ २९ | | सप्तारत्निरु | २३१२ | सबलेनानु | | सभामेव प्र | १८१७ |
| सप्तरात्रम | २९१५ | सप्ताशीतिप | २२७३ | सबलो नग | | सभामेवैते | ४६५ |
| | | | | | ~ \)(| - 41-1 171 | •47 |

| | : | · | | | • | | |
|-----------------|----------------|---------------------------------------|---------------|--------------|----------------|--------------|----------------------------|
| सभायां चाव | ६२५ | | | समदर्शिन | | समफलयोः | २१०८ |
| सभायां चाऽऽह | *६ २५ | समं तुरंगै | २५८१ | समदीर्घसु | २८३५ | l | २१९६ |
| सभायां प्रत्य | १४८७ | समं तुरगै | * ,, | समदुःखसु | १४१७, | | - २६१४ |
| सभायां याज्ञ. | २७९९ | समं वस्तज्जी | २४२३ | | १४६१,१६९४ | _ | ७४६ |
| सभायां हेम | २९४५ | समं वा अर्ध | *2688 | | १६३६ | समबुद्धिस्तु | १२३१ |
| सभाया मध्ये | १४४० | समं वा त्रिव | ६८०,७७६ | समधूकप | २५ ४९ | समभ्युद्धर | ५९५ |
| सभायाश्च वै | ४६४ | समं समाहि | २५१५ | स मध्यत प | ६ ४२७ | समभ्रेण व | ৩ |
| सभारः पङ्के | १६१२ | समं हि धर्मे | * १०५८ | स मध्यमः | स *२६७९ | सममब्राह्य | ६९३ |
| सभाराष्ट्रकं | २२३३ | समः प्रजासु | १०२४ | समनुष्योर | ६१८ | समयं कृत | • १२१९ |
| सभार्ये तु क्षि | \$ 2980 | समः शत्रौ च | | समन्तं वा व | र २८० | समयत्यागि | ૨ ૪५ <i>१</i> |
| सभाविहार | १९६८ | समः सम्बि | ११७६ | समन्ततः श | १९२७ | समयस्थान | ६७१ |
| सभासदः स | १२१५ | समः समेन | ३ २७८७ | समन्ततोन | " | समयान्तरि | ` ₹४ |
| सभासदस्तु | २३३९ | समः सर्वेषु | ७२३,७३८, | समन्ततो यु | | स मया बहु | २०४९ |
| सभासु चैव | * 3880 | | ८०६,८१७, | समन्ततो वि | १०६७, | समया माम | ३४ |
| सभासु सुर | "" | | ८२४,८२६ | | १७८३ | समये शत्रु | १७५२ |
| सभास्थान् पाण्ड | પં ૪૧ | समः सुहृच | | समन्तसंश | २०२१ | समयोगवि | *१५१९ |
| सभास्थान्पौर | २९७ ४ | | १८२२ | | | समयोऽयं कृ | १२२० |
| सभिकः कार | १३५६ | | ₹0₹¥ | | | समरागं स | २२५१ |
| स भीतः प्राञ्ज | ११२२ | 1 | ११४०, | l | १४५९,१७६१ | समरागले | २२४७ |
| स भुक्त्वा विवि | २८५० | " " " " " " " " " " " " " " " " " " " | १६६२ | 1 | | समरागी वि | |
| स भूतानाम | २४० | समग्रभव | * २४९७ | समन्तात्तस्य | • • • • | समराद् भन्नं | " ২ ৩८९ |
| स भृत्यगुण | १६९८ | समग्रमन्य | १४०३, | समन्तात्ताड | | समरे वा भ | ११०३, |
| स भृशं तप्य | ६३० | | २६४३ | समन्तात्संश | · · · · · · · | | ૨૭૭૪ |
| सभेयो युवे | ४२४ | समग्रमोक्ष | १९२९ | समन्तात्सर्व | १९९९ | समर्थ इति | १२२२ |
| सभोद्यानप्र | १४४३ | समग्रां वश | 202 | समन्ताद्भय | २०२१ | | ९७१,१००८ |
| सभ्यः सभां मे | ४६४ | समग्रां वा तृ | * १५२० | समन्ताद्वीथि | <i>६७४</i> १ ा | | ११३९ |
| सभ्या अपि च | ७२२ | समग्रार्धतृ | ,, | स मन्त्र इति | ते १७६७, | | १६८८ |
| सम्याः सभास | १८२७, | समङ्गात्रिवृ | १४६७ | | 8608 | | १७२३,१७४३ |
| 0.410 0.110 | २३४४ | समङ्गा वृष | १४६९ | स मन्त्रिणः | प्र १२५२, | समर्थश्च घ | ११७७ |
| सभ्याधिकारि | १२६३, | समज्यायोभ्यां | २५९ | _ | १७७८ | समर्थानश्व | ७२६,२३३५ |
| | १८४० | समतां वसु | ७९२ | समन्त्री च | | समर्थान् पूज | १२८१ |
| सभ्यानां बान्ध | ९६३ , | समता व्यव | ७४५ | स मन्त्री श् | तु १८०३ | समयन्यश्च | १२०९, |
| | १६६२ | समतिकान्त | १६८८ | समन्यूनाधि | ८९२,१५३२ | W111 124 | |
| सभ्या नृपति | १८२९ | समतीतोप | - १७१२ | समन्येषु ब्र | | समर्थी वाऽप | १२८१ |
| सम्यैः सह नि | १८२१, | समतीतो य | * ,, | स मन्येऽहं र | | समर्पयेन्द्र | |
| | १८२६ | समतृष्णानु | १९६३ | समन्वितः क | | समवस्कन्द | ५०८ |
| स भ्रातरं व | Ę | समतेति गु | २८४८ | समन्वितास्त | * २७२० | · · | २६६८, |
| सभ्रातृपुत्र | | समदनफ | | समन्वितो र | | a | २६८ ०,२ ८० ६ |
| | | · · • | | | । ५९४५) | समवाये चै | प ६ |

| समवायेषु १६४ | 0. 8669) | स महान् यो वि | ११९३ | समानं चिद्र . | ४८९ | समाप्तवच | ६४७ |
|------------------|----------------------------|----------------|--------------|-----------------------|--------------|---------------------------|-------------------|
| समविद्यै: स | १६३० | स महाभागो | ११५९ | समानं धर्म | ૧ ૦૫૫ | 1 | १४८,१४२८ |
| _ | .४,२५५८ | समहीनज्या | ६७४ | समानं मन्त्र | ₹८७ , | रुमातापच र समाप्तश्च ध | 2787,387 0099# |
| समवेक्य त | १३१६ | समहीनवि | २०६४ | 34114 41-4 | ४ ६ ० | समाप्य च ह | |
| समवेक्ष्येह | १०४४ | स महेन्द्रः स | | समान ५ हिर | २६ ० | समाभाष्य प्र | ८३४ २७५८ |
| समवेतानि | १२९३ | स मां मित्रत्व | २०२८ | समानजन्म | ७९० | समाभिजनः | १८८२ |
| समवेषं न | १६९१ | स मां राजन्क | २३७६ | समानधर्म | # 8 o 4 4 | समा भूमिर्ध | १५३९ |
| समन्यूढती | २३०४ | समां वा अर्ध | २८९९ | समानपृष्ठो | २७७३ | | |
| समश्च नाभि | ५४७ | समाः शत्रौ च | १८२३ | समानप्र भुं | १११ ६ | समा मध्या च | |
| समश्च राज | १२५५ | समाः स्थैर्यगु | १५१६ | समानमञ्ज | <i>५</i> १५५ | समामासत | १८४० |
| समश्चानभि | # 480 | समाकीर्णी म | १५०६ | समानमस्तु | | समायनमृ | २९०० |
| समश्चेत्र सं | ३०५ ९ | समाकान्तस्य | २१२० | समानयान समानयान | ३८७ २११२ | | १०१,२८११ |
| समश्रपणी | ४९९ | समाकान्तो ब | २१४३ | समानवार्त | १७४३ | | ११९२ |
| समश्चपणीः | * ,, | समागच्छन्ति | २०४५ | समानविद्ये | | समायां दण्ड | २६१४, |
| समसंघी तु | - ,, २०८९ | समागतश्च | २६ ३५ | जनागाय य | १२४७, | | २७२१ |
| समस्तकृत | * २३२७, | समागताः पा | २४२२ | | १७०१ | समायात्वभि | २९५६ |
| 04/2/5/ | *2336 | समागमं च | २०३३ | समानशक्ति समानशीलै | २०७७ | समायान्तं च | २७८९ |
| समस्तपक्ष | १२७१ | समागमे च | | | १६९८ | समायान्तं म | २६७१ |
| समस्तबल | . २६६ <i>९</i> | समागमे जि | # ,, २४६२ | समानसुख | १२४२ | समायान्त्वभि | २९६५ |
| समस्तरत | े २८३ <i>०</i> | समागम्य त | ११२२ | समाना व आ | とう。 | समायोगिव | २ १५१९ |
| समस्तवस्त्रे | २८३३ २८३३ | समागम्याभि | २९६६, | समाना वा आ | ٠,, | स मा रक्षतु | १०३,१०४, |
| समस्तरास्त्र | २२ <i>२५</i> २३२७ | | २९६७ | समानाशन | २६ ० २ | | ે ૧ ૦ ૫ |
| | | समाङ्गुलस्थाः | १५१२, | समा निम्नोन्न | १४५९ | समाराध्य ज | २७०२ |
| समस्तशीतां | ८२१ | 1 | १५२२ | समा निरुद | २६ ० २ | समा रेखा तु | २९८२ |
| समस्तरमृति | २३३८ | समाचिन्बन्ति | ६२७ | समानि सम | २३२८ | समालम्भन | २९४३ |
| समस्तहय | २३२७ | समाजविक | १४५९ | समानी प्रपा | ३९५ | समाववृत्र | १५७ |
| समस्तानां च | १७७४ | समाजश्च म | २४९९ | समानीय म | २७५८ | समावसेत् पु | १४८० |
| समस्तानाम | २७२७ | समाजे वा स | १३३२ | समानीय य | 4८८ | समावायव्य समावायव्य | १८०५ |
| समस्तान्पीर | •२९७४ | समाजोत्सव | १४४२ | समानी व आ | ३८७ | समा विषमा | ર ६१४, |
| समस्तान् बस्त | २६५२ | स मातामह | ११२१ | समानेन वो | ∜ ,, | | २७२१ |
| समस्ता वा य | २६५० | समादपि हि | २१५७ | समानेयः शु | १६३६ | समाश्रयं दु | १८७३ |
| समस्तैरपि | १२४५ | समा द्वादश | ८५९ | समानैः सेव्यः | १११५ | | १८७२ |
| समसा ऋध्य | ^२ ३३४ | समाधिमोक्षो | १६७१ | समानो मन्त्रः | ३८७,४६० | समाश्रयेद्धा | २२०३ |
| समस्य समे | २१४८ | समाधीन्द्रिय | ९०५ | समान्तरस्तु | *२७३६ | समाश्रिता लो | #608 |
| समहं विश्वे | १६० | | २०९ | समान्यो धाय्या | 282 | समासक्तं त | * 2609 |
| समहमिन्द्रि | १५८ | | २१२ | समापतत्सु १५ | | | १०१७ |
| समहमेषां | 404 | | - | समापिबन्तो | | समासतः का | |
| स महान् भूत्वा | | समानं ऋतु | * ३८७ | समापेतुर्म | १६६२ | | १२६५ |
| " . March . Wall | 96.9 | · जनान अनु | # ,, | यमापतुम | ररचर | समासतो ले | १८४६ |

| | | | | • | | | |
|-----------------------------|-----------------------|---------------|---------------|-----------------------------|--------------|---------------|----------------|
| समासात्कथ्य | १८४० | | | समुद्र ईशे | १०१ | समृद्धिं तत्र | २४८३ |
| समासादुच्य | १७४० | | २४४८ | समुद्रं चाऽऽवि | ६४९ | | २३८५ |
| समासाछक्ष | १२६८ | | | समुद्रं न सु | ९९,२४४ | | १४९३ |
| समासिञ्चन्ति | #६२७ | l . | १९७९ | समुद्रं वा वि | * ६४९ | समेक्षिणश्च | ५९५ |
| समासेनैव ५ | ^७ २७,१०६५, | समीक्य स धृ | ६८५ | समुद्रं विलि | १८४५ | स मेखली ब | । *७५ ४ |
| | २८४६ | समीक्ष्याऽऽरभ | १७६६ | समुद्रतीरं | २०३४ | समेखलो ज | " |
| समा स्थिराऽ | मे २६१५ | समीची नामा | *७३,७७ | समुद्रनेमि | ५५५ | समेति प्रज्ञ | १२२८ |
| समा स्थैर्यगु | # १ ५१६ | समीपे यत्स्थ | २१८४ | समुद्रफेन | २६५६ | समेत्य तास्त | * ७९५ |
| समाहर्ता च | २३१८ | समीपैर्विक्षि | #5८३ | समुद्रमण्डू | २६५ ३ | समेत्य राज | ८०२ |
| समाहर्ता ज | २३२१ | समीयतू र | २७५९ | समुद्रमिव | २३५५ | समेत्य संघ | २९४१ |
| समाहती तु | १५६४ | समीर्यति | * २०५१ | समुद्रलिखि | १८३८ | समेत्य सर्वे | ६०८,१२१०, |
| समाहती दु | २२१३ | समीर्येत | ,, | समुद्रव्यच | २४१,२४४ | _ | १३१६,२८९५ |
| समाहर्तु प्र | २३२८ | | २°०२ | समुद्रश्चाप्य | ७२३ | समेधाशास्ति | १६४३ |
| समाहर्नुपु | २६२ ३ | | २७८५ | समुद्रसर | १३९६ | समेन चाऽऽ | मं २०५९ |
| समाहतुप्र | ६७१,२३२० | स मुखत ए | ४२६ | समुद्रस्य पि | ૧૧ | समेन युद्ध | २७८८ |
| समाहत्व | २३२२ | | २५११ | समुद्रस्य स | १४७६ | समेन वा य | र २०९८ |
| समाहर्तुस | ६७० | 9 | २७२ <i>०</i> | समुद्राः श्रीर्म | २८७४ | समेन संधि | २११३ |
| समाहर्तृन्त्र | *२३२८ | 9 | २७२० २३७० | समुद्रा गिर | २८७० | समे निम्नोः | |
| समाहारः क | | | | समुद्रेभ्यश्च | २९४१ | | १२२८ |
| | १८४३ | 1 9 1 | २७१२ | समुद्रो जन | २३१७ | समेनैकेन | २१५६ |
| समाहितः प्र | 4८४ | 1 - | २८७८ | समुद्रो नदी | १०६ | समे प्रदेशे | २६७३ |
| | ८२२,१८२७ | | ६६३ | स मुनिस्तस्य | १६९५ | समे मानस | १४७८ |
| समाहितश्च | २०३२ | | २६२३ | 1 - | | स मे मान्यः | म ५९४ |
| समाहूय च | ११२४ | _ | ११२२ | समुपहत | १६०७ १३९ | समेवैनत्त | ३३४ |
| समाहूयात्र समाहृत्य ग्रु | 00S | | .९८,१८७२ | समूढ५ रक्षः स मूर्धन्यभि | | समे व्यहे दे | |
| समाह्यं च | २९८३ १६०२ | समुत्सर्प्य त | २७०७ | | | समे सर्वाय | - |
| समितौ स्वात्म | | 103/017 11 | ٠,, | स मूर्घाभिषि | 920 | समे हिला | २८३४ |
| समिदसि स | | 1 "37 " " | ६७० | स मूर्धनी राजा | | | _ |
| समिदाज्यच समिदाज्यच | २२२ ३ ००१ | 1 "3' \" ' | २५८८ | समूलं सान्त्र | ७२८ | समैर्नियुद्ध | १५२७ |
| समिद्दिशामा | | समुदीण त | २७९७ | समूलमेव | १९५४ | समैर्विवाहं | १०३८ |
| | ३३७ | समुदीर्णान्य | २३९६ | समूलशाखा | २०१४ | समोत्तमाध | ७३३,११५३, |
| समिद्धो अग्निः | ७१ | समुद्दिष्टं स | ६४४ | स मूलहर | १३८२ | | २४०१,२७७, |
| समिद्धिः श्वीर | २९२३ | | ११२५ | समूलो वा ए | ३५५ | • | २७८६,२७९१ |
| समिद्धिः परि | | समुद्धरेनि | | स मृत्युमुप | १२९५, | स मोहवश | १९९९ |
| समिद्धिः शार्ति | | समुद्यतम | ८५८ | १८ | ९०,२०४४ | समी च त्व | यि १/९/ |
| समिधः क्षीर | २८८३ | समुद्यताशा | २४६६ | स मृत्युमव | २०७३ | समी च श्वा |] ६३९ |
| समिधमा ति | | समुद्योज्य त | | समृद्धः संप्र | ११०१ | स मौलभृत | 2380 |
| समिधो मधु | २५२९ | । समुद्र इव | ११७६ | समृद्धाश्च वि | १५९४ | सम्यक् च व | क् ८०६ |
| | | | | | | • | |

| ग्राज्यस स्वास | 1988 | सम्यग्वृत्ताः ख | 1021 | п | यत्सावित्रो | 388 | स यद्धैतेन | ३०६ |
|---------------------------------|---------------------------|------------------|----------------|----|-------------------------|-------------|------------------------|----------------|
| सम्यक्तु दण्ड | . 1 | | | | यत्सोमपा | ३१२ | स यद्धैतेषा | ३ १२ |
| सम्यक्पालयि ६५ | , 50 8 8, 6 3 2 | सम्यग्वेदान्प्रा | | | यस्ताममा यथा क्षत्रि | 3 4 8 | | |
| सम्यक्प्रचार | ११३७ | | २१८३ २१८३ | | यथा दर्प | £ 00 | स यद्ब्र्याद | #286 |
| सम्यक्प्रजाः पा | १०२६ | सम्यङ्निरुध्य | | | | | स यद्येजाना | ३११ |
| सम्यक् प्रणय | १८११, | सम्यङ्निविष्ट | • | | यथाऽनुश यथा प्रेर | ६०५ २३७३ | | ८४९ २४८१ |
| (1, 14) | १९७९ | | - | | यथा बली | ३१२ | स यदेखान स यदैश्वान | २४८५ २५७ |
| | १९७० | सम्यङ्नीता द | | | | 477 | स यनस्तोऽद्र | |
| सम्यक् प्रणिहि | | सम्यञ्चः सन | ३९५ | | यथाऽयः सो | " | स यया प्रथ | ३१२ |
| सम्यक् प्रणीत | ६६६, १०३४ | सम्यञ्चोऽप्तिं स | | | यथाऽऽद्वेधा | 886 | _ | २८१ |
| | | सम्राजा उग्रा | • . | | यदिमं य | ४०४ | स यशो मह | ११६४ |
| सम्यक्प्रणीय | १०३४ | सम्राजो ये सु | | | यदग्नीषो | . २५७ | स यश्चायम | २४७९, |
| सम्यक्प्रयुक्ताः | १९३६ | सम्राडसि प्र | 90 | | यदभिष्ठि | २८५ | T T 00 = 11 | २४८१ |
| सम्यक् प्रवृद्ध | २८२६ १ ८७८ | सम्राडस्यसु | १०२ | | यदहर्दी | १९६ | स य श्रीकाम | ३५० |
| सम्यक् साधन | | सम्राडेको वि | ર . ૪૫ | | यदामापौ | २५६ | सयष्ट्याह्नम | * १ ४६९ |
| सम्यक् स्थितं चा | १५३७ २२३२८ | स य इच्छेत्स | • | स | यदामावै | २५५ | स यस्तं भक्षं | २०३ |
| सम्यगर्थस १२५ | | स य इच्छेदे | ४४६ २३०,२३१ | स | यदामेये | ३०६ | स यस्तत्कर्म | २४८ |
| सम्यगारम्य | १७८७ | l | - | स | यदा पण्य | १३३२ | स यस्यां ततो | २५५ |
| सम्यगासेव्य | १९४६ | ١ | ३४,४३४ | | यदाह क्त्र | ३५७ | स याति नर | ११५३, |
| सम्यगीहा पु | २३९४ | 1 | २४८२ | 1 | यदि काम | २ ४७ | | २७९४ |
| सम्यगुचरि | * १० ९४ | | | | यदि तथे | 223 | स याति वैष्ण | २७८९ |
| सम्यगुचारि | " | स यं दूतं प्रे | २६३ ९ | | यदि पाला | २५५ | स यानि पुर | २७६ |
| सम्यग्घि धर्मे | १०५८ | | २७० | | | *** | स यानेवास्मा | २५ ६ |
| सम्यग्जिज्ञास | | स यजति | | | यदि प्राङि | " | स यामनि प्र | ષ |
| सम्यग्दण्डप्र | १९६८ | I . | ७२ | | यदिमं लो | ३२९ | | - |
| सम्यग्दण्डे स्थि | | स यत्करणी | | | यदि मन्ये | १८०७ | स युग्मोरस्रो | २७२८ |
| सम्यग्दृष्टिम | २३८४ | 1 - | २४८१ | स | यदि शत | २८६, | स यूपस्तस्य | ু ২৩৩ ০ |
| सम्यग्बिंह च | १३६१ | स यत्केशान्व | ३१०, | | | ३१५ | | २४७ |
| सम्यग् बीजाङ्कु | # १४२५ | .[| ३११ | | यदि सोमं | २०४ | 1 | २६५ |
| सम्यग्भाद्रप | २८६६ | स यत्ततः शा | २७५,२८५ | स | यदिहापि | २५३ | स येनैवोज | ३०३ |
| सम्यग्भेदेन | १९६५ | _ | | | यदि हैत | ३१६ | स यो नष्टस्था | ३३४ |
| सम्यग्रक्षसि | ८२६ | स यत्तत्र या | १९६ | | यदेव ब्रा | ४२५ | सयोनी वा अ | २६ ० |
| सम्यग्त्राऽप्यथ | ७४३ | 1 | • | | यदेव मा | २९३ | सयोनी सव्य | ,, |
| सम्यग्विचारि | १८४४ | 1 | | | यदेव वा | | स यो वाजपे | ११३ |
| सम्यग्विजेतुं | | स यत्पुरा सं | | | यदेवाऽऽम | " | स यो चुषा च | |
| सम्यग्त्रिज्ञानि | | 1 ~~~ | | | | 37 212.4 | 1 . | |
| सम्यग् विदन्ति | ६४३ १६२० | | | | यदेवादो | २७८ | स यो हासी त | २५५ |
| सम्यग्विद्योप | | स यत्र तत्रा | | | यदेवास्मा | २५७ | स यो हैतां दै | ४६७ |
| सम्याग्बद्याप सम्यग्बिभाज्या | | स यत्र स्वकृ | | | यदेवैन्द्र | २९३ | 1 - | २८९४ |
| लुन्यान्यमाज्या | <i>रद७</i> १ | ।स यत्रावभृ | २८ १ | ।स | यद्वापि मु | ३१२ | स रक्ष्यमाणी | # ६९५ |
| | | | | | | | | |

| सरतां सर्व | 219219 | (स राजा राज | પ્રવ | सर्पचारी गो | × E 0 G | सर्वे ग्रस्तं म | २४९८ |
|---------------------------------------|------------------------------|-----------------|------------------|-----------------|-------------------|----------------------------|------------------------|
| स रत्नानि वि | | स राजा राज्य | | सर्पतित्तिर | १४७१ | | ९७३ |
| स रथकर्मा | | स राजा वर्ध | | सर्पदंष्ट्रादि | २८१३ | 1 | * २५०२ |
| स रथवाह | ૨९ ५ | | १७६२ | सर्पद्ष्टस्य | २६५८ | सर्व चैषामु | *\\\ २२ ४८ |
| स रथानीक | २७ <i>०</i> ५ | 1 | ७२३ | | | सर्वे ज्ञात्वा न | १११७ |
| सरलदेव | ર ેફ ૪ ૫ | | ६८१ | सर्पधिष्ण्ये ति | २५५० | सर्वे तदर्बु | 488 |
| सरलास्तत्र | ७४७ | | १८९७ | सर्पनिर्मोक | ६३६ | सर्वे तदस्तु | २४७८ |
| सरसालंकु | ८९२ | l - | १२५५ | सर्पनिमोंकं | २६५० | सर्वे तदस्मा | ८४२ |
| सरस्वती त्वा | १७८ | 1 | 2348 | सर्पनिर्वास | ९८२ | सर्वे तदाज्य ९ | |
| सरस्वतीन्द्रि | ४७८ | स राजा पृष्टः | २६३५ | सर्पभये म | १३९७ | | ९०९,२९८४ |
| चरस्वतान्द्र सरस्वती पु | ५७८ ७८,८० | स राज्यं धृति | ७१० ६६ | सर्पमूषक | | सर्वे तहाह २ | |
| चरस्वतीमि | ७८,८ <i>७</i> ४५ <i>१</i> | स राज्यं सुम | १५४७ | सर्पव्यालत्रा | २३०४ | सर्वे तद्राजा | १३ |
| सरस्वते स | १६७ | स राज्यमृद्धि | १०६६ | सर्पन्यूहः स | २७५३ | सर्वे तन्नास्ति | २० ० ७ |
| सरस्वत ए सरस्वत्या ए | ३ ३३ | स राज्याही भ | ८६० | सर्पश्चोमिश्च | १९९७ | सर्वे तसौ प्र | १७६८ |
| उरस्तत्वा स् सरस्वत्यां सु | क्रस्र क्रुड्र | § | ७४२,७ ४३, | सर्पसंवास | २०८८ | सर्वे तापय | * ५७१, |
| सरस्वत्याः सु | | | २७३२ | सर्पसमितौ | २९१४ | 01 011 | # १ ४४ १ |
| परस्तराः सु सरस्वत्ये च | ,, ११६ | स रायस्खामु | રપ | सपी इतर | ५१७,५१९ | सर्वे तेजः सा | |
| णस्त्रत्य च सर स्वत्ये स्वा | २ ५ २७६ | I | १८०५ | सर्पाः कीटाश्च | २२६६ | सर्व तकः रा सर्व त्वमेव | ४२५ |
| सरस्वत्योघ | २९६९ | सराष्ट्रं सप्र | १७६२ | सर्पाकारं र | २७५३ | | १५१४ |
| चरस्वत्याच सरस्वत्योद्य | | स राष्ट्रं सुम | *१ ५४७ | सर्पाक्षी लव | १४७० | सर्वे दृश्यं म | ११२४ |
| एरलत्याच सरहस्यं ध | * ›, ሪ ৩ ९ | | १८०४ | सर्पादीन्हन्या | १११९ | सर्वे धनव | १३२४ |
| उरहरू य सरांसि सरि | | सरितश्च म | २९८४ | सर्पास्थो वल | २७३३ | सर्वे न प्रति | ६५८ |
| वरावि वार | ६३५, *२०४८ | सरितां चाम्बु | २९२१ | सपिः सिन्धूद्ध | २८४० | सर्वे नरव | ८७९ |
| सरांस्वशोष्या | **°8८ २५२३ | सरितां चैव | २०१ ४ | सर्पिर्जुहुया | २९१ ४ | सर्वे पत्तिब | १५४२ |
| स राघवाणां | रररर ८४९ | सरित्समुद्र | १२०४ | सर्पिषस्त्रयः | २३१२ | सर्वे परिग्र | રે૪૭ |
| स राघवेमं | | सरिद्वेगेऽभ्य | #2084 | सपिंषि सित | ९५७ | सर्वे पर्यच | *१२१० |
| सराजकानि | ₩ ,, २८१६ | सरीस्पवि १४ | | सर्पिस्तिलोद | 2887 | सर्वे पापं घ | ११५५ |
| | | सरीसृपेभ्यः | ७९३ | सर्पिस्तैलव | 224/ | सर्वे प्रमुह्य | ६०८ |
| स राजपुरु | #६८ ४ | स रुक्मी प्रावे | ५२९ | सर्पो दंशति | १७०८ | | ६,#१३२४ |
| स राजर्षिर्ग | १०९८ | स इक्मी इक्म | १६०१ | सर्व एते त्र | # & 48 | सर्वे भवतु | १९१० |
| स राजर्षिर्वि | " | स रुद्रो दान | १५०६ | - | *१३८७ | सर्वे यद्यत्का | २३४६ |
| स राजा तस्य | ८५८ | स रेवान्याति | ३२ | सर्व एव गु | ६०५ | सर्वे राज्ञां च | १६५५ |
| स राजा धर्म | ६१८ | सरोभ्यो धैव | ४१६ | | | सर्वे वा आदि | ३०९ |
| स राजा पाण्ड | १०५५ | सरोमदात २९ | ५०,२९७५ | | | सर्वे वा एष | ११३,३११ |
| स राजा पार्श्व | १०९७ | | | सर्वे अमी<्र | | सर्वे वेत्सि म | २५४२ |
| स राजा पुरु | ६८४ | सर्गश्च प्रति | ८९२ | सर्वे कर्मेद | ७३६,७४९, | - | १६७० |
| स राजा बल | ८३४ | | २३४५ | | ४०२,२४०८ | | ३ १९ |
| स राजा यः प्र | ६०७ | सर्जोदु म्बर | २८८५ | सर्वे गृहस्य | | सर्वे वैनयि | |
| | | | | | | • | ७९७ |

| 2 4 2 | | | | | | | |
|-------------------------------|-----------------|---------------|-------------------------|-----------------|------------------|--------------------------|-------------------------------|
| सर्वे वै पूर्ण | २४७ | सर्वकालं घृ | | सर्वतश्चाऽऽद | | सर्वत्रानाज्ञा | २८६४ |
| सर्वे वै वरः | ,, | | *६३१,२९०३ | | ५९५ | सर्वत्रानुप्र २ | १९८,२६१९ |
| सर्वे वै विश्वे | ३०९ | सर्वकोपेभ्यो | ११९६ | सर्वतस्तु ह | | सर्वत्राविश्वा | ९६७,१००७ |
| सर्वे वै सेव | ३०३ | सर्वकौशल | १५०३ | सर्वतस्त्वात्मा | ९६८ | सर्वत्राशुची | १२२७ |
| सर्वे श्रेष्ठं व | १६२२ | सर्वक्षयो ह | २४२२ | सर्वतूर्यनि | २९८० | सर्वत्राष्ट्गु | २२ १९ |
| सर्वे श्रेष्ठं वि | 6 ,, | सर्वगग्रह | # ⋜९०२ | सर्वतेजोम | २७६९ | सर्वत्रिंशति | ^२ २८ ३ ४ |
| सर्वे संक्षिप | #६२१ | सर्वगा सुवि | ो २९९९ | सर्वतो धर्म | ७०७ | सर्वत्रैवाप्र | ९८५ |
| सर्वे साध्वर्थ | १०८३ | सर्वगुणसं | १६४८ | सर्वतोधुरं | १६१४ | सर्वत्रोत्सृष्ट | १९६९ |
| सर्वे ५ सीस५ स | ४५६ | सर्वग्रहस्व | २९० २ | सर्वतो नग | *१३८४ | सर्वथा त्वेत | २०० २ |
| सर्वर् सुवर्णर | " | | १२९४,२०९१ | सर्वतोऽप्रम | વ | सर्वथा त्वत सर्वथा धन | ५६० |
| सर्वे सोऽईति | #232 | सर्व च्छन्दस | | | २२६८,२९०० | सर्वथा नेष्य | १७१२ |
| सर्वे ५ ह वा अ | २७६, | सर्वज्ञः सर्व | | सर्वतो मन्दि | २८४८ | | |
| * 0 00 | ३४८ | सर्वज्ञख्याप | | सर्वतो योज | १३८४ | | . २८३ ९ |
| सर्वे हि त्रिवि | १४९२ | सर्वज्ञत्वेम | | सर्वतो वा प्र | | 1 . | ६९८ |
| सर्वे ६ हिरण्य | ४५६ | सर्वज्ञमपि | २७८ ६ | • | | 1 - | २, <u>०</u> |
| सर्वे ६ सोमः | इँ १३ | सर्वज्ञा सर्व | | | २८५१ | | |
| सर्वे ६ हेदं ब्र | ४२५ | सर्वज्ञोऽसी | | 1 | | 1 | |
| सर्व५ ह्येष पा | २५ ४ | सर्वत आत | | सर्वत्यागो र | | सर्वथा वृजि | २००१ |
| सर्वः पापफ | # २५०८ | सर्वतः क्षु | | | १३१८ | सर्वथा सदा | १९३२ |
| सर्वः सप्तद | ३२५ | सर्वतः परि | | 1 2 4 4 4 4 7 | १४७० | | # १ ६६७ |
| सर्वः सर्वे न | ८६४ | विवतः पा | | I | | सर्वथा सर्व | ५८३ |
| सर्वः स्वार्थप | १८७५ | t | १४९२,२६०६ ११२९०,२०८३ | 1 | | सर्वथा सुक | १२९३ |
| सर्वकर्मस | #8099 | 1 | | 1 | | सर्वथास्त्रीः | |
| सर्वकर्मसु १०९ | | 1 | | 1047 94 | | सर्वथाऽहम | १२९२ |
| | १२,२९२ ९ | | | 1 " 1 " 3" " | | सर्वथैतदि | १५०७ |
| सर्वकल्याण | १८९१ | | १९०९,२३८० र्थ्य २०१९ | וור רצטן | २५ २६ | सर्वथैव म | ११०३,२५५३ |
| सर्वकानन | ६३१ | | | שר דייין | | सर्वथैषां वि | २५०२ |
| सर्वकामदु | ११२२ | 104/11 | | 1011 -11 1 | # २०१९ | सर्वदर्शी प्र | १२६६ |
| सर्वकामधु | १४३५ | यवतः श्रः | | 1 | २०४९ | सर्वदा गम | २४७१ |
| सर्वकामर | २३८३ | 1990. 90 | | 1 | | | ७१७,१४११ |
| सर्वकामस | ७२७ | 1000 00 | | सर्वत्र रम | २०४० | सर्वदाऽनुग | ११७६ |
| सर्वकामान | | | २७३५,२७४९ | सर्वत्र शक | | सर्वदाऽभिग | * ,, |
| | २९०४ | | | सर्वत्र शुभ | १४७५ | सर्वदा भेद | १९४३ |
| सर्वकामान्य — | | सर्वतः सु | | सर्वत्र शूरा | १५०० | सर्वदा मङ्ग | ११२५ |
| सर्वकामैः सु | | सर्वतः स्य | | सर्वत्र संश | ११६३ | सर्वदा सर्व | |
| सर्वकार्यक | | सर्वतः स्व | | सर्वत्र सिद्धं | | सर्वदा स्थान्त | <u>।</u> १२६३ |
| स र्वकार्याणि — ें- | | सर्वतन्त्राप | • • | सर्वत्र हि वं | ो १५५७ | सर्वदुर्गेषु | #१ ०६०, |
| सर्वकार्येषु | १२४५ | ्। सर्वतश्चाऽ | ऽत्मा 🛊 ९६८ | सर्वत्राऽऽत्म | ानि २१०२ | J | *{888 |
| | | | | | | | |

| सर्वदेवता | 5494 |) \$} -= | m 9.40.4 | सर्वमेतद्व | १५०८ | सर्वलोकोप | 2401 |
|------------------------|--------------|--------------------------------|--------------------|--------------------------|-------------------|------------------------------|-------------------------------|
| | |)सर्वप्रान्ते त्व सर्वबन्धन | | त्त्वमतद्व सर्वमेतद्व | १५७८ २७७५ | | २८९५ |
| सर्वदेवम | ८२१, | सर्वबलका | २८१८ १११९ | चन्नतप्र सर्वमेतद्वि | १५८४ १५८४ | सर्ववर्णानां सर्ववर्णानां | २६४५ ** • <i>८</i> |
| | २५,८२६ | सर्वबाधा प्र सर्वबाधा प्र | १ ४३७ | सर्वमेषे म | | सर्ववर्णैः स | १३०८ |
| | ७,२७२६ | | | सर्वमेव ह | २५४६ | | १०६६ २ |
| सर्व दे शपी | १५६२ | सर्वबीजानां | २२८८ | | २३७ ४ | सर्वविंशति | २८३४ |
| सर्वदेशिल | २३५१ | सर्वबीजानि | २९४१ | सर्वमेवैते | २९३ | सर्वविक्रम | ७३७ |
| | ७,२३३७ | सर्वभयेषु | ११२० | सर्वमेषा | ३१९ | सर्वविज्ञानि | १८६१ |
| सर्वदोषान | २९८२ | सर्वभन्या च | २९९ २ | सर्वयत्नेन | १२८८,२००४ | सर्ववित्सर्व | ७२९ |
| सर्वदोषोडिझ | २७५१ | सर्वभूतत | #६३५ ०२:: | सर्वयन्त्रायु | # \$88\$ | सर्वविद्याक | ११४८,१४२८ |
| सर्वद्रव्यप्र | १५५२ | सर्वभूतात्म | 2388 | सर्वयात्रां प्र | | सर्वविद्याति | २७६७ |
| सर्वद्रव्याणि | २८१९ | सर्वभूतानि | १९०२, | सर्वयुद्धिक | २३६३ | सर्वविद्यान्त | ८६६ |
| सर्वद्रव्याभि | ३००१ | सर्वभूतानु | १९०३,२३७३ | सर्वरत्नस | # १४४३, | सर्वविद्यासु | ८६६, |
| सर्वद्रव्ये घृ | २९१३ | त्वमूता <u>छ</u> सर्वभूताम | ५७८ ३००० | | *₹९४५ | | १२५५,१२६३, |
| सर्वद्वाराः स्मृ | २४६ २ | | • | सर्वरत्नाधि | | | १६२५,१७९८ |
| सर्वद्वाराणि २४६ | | सर्वभूतेश्व | ५८९ | सर्वरत्नानि | 900 | सर्वविश्वासि | २३२८ |
| सर्वद्वारेभ्यो | १७७२ | सर्वभूतेष्व | ५९६,६३२ | सर्वरत्नान्य | , | सर्ववेदाङ्ग | ११७६ |
| सर्वद्वाविंशि | २८३४ | सर्वभूमिर्भ | २ २६ | सर्वरत्नैर्म | १५१४ | सर्वव्यापी म | |
| सर्वधनेषु सर्वधनेषु | १२०४ | सर्वभूमेः प | ७२७,८३५ | सर्वरत्नोत्त | २८३१ | सर्वशक्तिवि | २२० ३ |
| सर्वधर्मप सर्वधर्मप | ५९२ | सर्वभूम्युत्थि | २१ १६ | सर्वरसम | १३७९ | सर्वशस्त्रेषु | १५०० |
| सर्वधर्मभृ | २५०२ | सर्वभोगान्वि | ९९५ | सर्वरोगक्ष | २९ ०५ | सर्वशास्त्रप्र | १८२५ |
| सर्वधर्मवि | २७५८ | सर्वमङ्गल व | २८९४,२९०२, | सर्वरोगवि | *१६१७ | सर्वशास्त्रस | १८३१, |
| सर्वेधमीव | ११५३ | | ેર ૨ ९૮५ | सर्वलक्षण | ११८२,१२५५, | ļ | |
| सर्वधर्मेण | *१८७१ | सर्वमन्नाद्य | २७६ | | १६३६,२७५१, | | १८३७,२२०८, ^२ |
| सर्वधर्मे भ्यो | १८०८ | सर्वमन्यद् भ | | ١ | २९७ २ | _ | २३२७,२३३८ |
| सर्वधर्मीप | ५८५ | सर्वमर्थार्थ | १११७ | सर्वलोकं स | | सर्वशास्त्राण्य | १८३७ |
| सर्वधात्नां | २२४ १ | सर्वमईति | ८३८ | • | *५९४,¢ ७९४ | सर्वशास्त्रार्थ | ११७६, |
| सर्वधान्ये <u>ष</u> ु | १३७९ | सर्वमस्तीति | २८६१ | सर्वलोकप्र | ६८७,१८६८ | | २४४,६२३२७ |
| ै सर्वधामम | २९८३ | सर्वमात्ययि | १८ १४ | सर्वलोक्र प्रि | ११७६ | सर्वश्रेष्ठं घ | १५२२ |
| सर्वनिश्चय | १९०३ | सर्वमाप्नोद्धि | | सर्वलोकमि | * १२४२, | सर्वश्रेष्ठगु | 282 |
| | ५,२९७० | • | २१९ | | १ ९४६ | सर्वषड्विंशि | २८३४ |
| सर्वपापफ | ं २५ ०८ | सर्वमायुर | ४६५ | सर्वलोकव्य | ७६ १ | सर्वषोडशि | ^२ २८ ३ ४ |
| सुर्वपापवि | २९७ १ | सर्वमासग | २४५३ | सर्वलोकस्य | ५९४,५९७ | सर्वसंक्षेप | ६२१ |
| सुर्वेपित्तानि | १४६७ | सर्वमुपप | १ २२५ | सर्वलोकहि | ५८९ | सर्वसंग्रह | ११७६,१५०२ |
| सर्वपीतानि | * ,, | सर्वमु ह्येवे | ११२,११३ | सर्वलोकाग | २०१७ | सर्वसंग्रहे | १२७९ १३७९ |
| सर्वपुष्पैः स | २९७३ | सर्वमूलेषु | ११२५ | सर्वलोकान्वि | *९९५ | सर्वसंदोहे | २१९८,२६१९ |
| सर्वप्रदस्त्वं | *4436 | सर्वमेतत्प | २४८३,२९१६ | सर्वलोकाभि | *2942 | सर्वसंपत्प्र | |
| सर्वप्रव्रजि | | सर्वमेतद | # १ ५८४, | | | सर्वसंपत्स | १४४१ |
| सर्वप्रहर | ६१५ | | | सर्वलोकेषु | ५५८ | | १४६० , |
| | | | | • | , ,0 | • | १६५७,२१४३ |

| सर्वसत्त्वाः स | १६९४ | सर्वस्वेन प्र | प९। | सर्वाधिकर | ६७३,२२१२ | सर्वारम्भप | ७५५ |
|---------------------------|---------------------|--------------------------------|----------------------|----------------------------|-------------------|----------------------|------------------------|
| सर्वसत्त्वाङ्ग | २८९३ | सर्वस्वेन रा | | सर्वाधिपत्यः | ८५८ | सर्वारम्भान् बु | ५५८ |
| सर्वसत्त्वेषु | ७६७ | सर्वस्वैश्चापि | ६११० १ | सर्वानदन्तु | ५२२ | सर्वारम्भान् स | |
| सर्वसत्त्वोत्त | १६९७ | सर्वा अराती | ७१ | सर्वानन्दा ख | # २९९२ | | ,, ২३८७ |
| सर्वसस्वोप | १३५८ | सर्वा एनं वा | ३२२ | सर्वानपि खा | | | ८७२ |
| सर्वसस्यप | # 2898 | सर्वा एवाब्रु | २४९७ | सर्वानापदि | ११५७ | सर्वारम्भेषु | * ,, |
| सर्वसस्यप्र | ,, | सर्वां स्थारर | २१८ | सर्वानुभूतिः | २९६१ | सर्वारम्भोप | ,, ર ६ ૪५ |
| सर्वसस्यव | १४३८ | सर्वील्लोकान | ७३,२३० | सर्वानुष्ठाना | ११०६ | सर्वा ररोह | ७१ |
| सर्वसस्येभ्य | १३१० | सर्वोल्लोकान्त्स | ५२० | सर्वानेव च | *२०१८ | सर्वार्थत्यागि | १०७० |
| सर्वसाधार | २७ <i>०</i> ० | सर्वील्लोकान्ध | १०५८ | सर्वानेव तु | " | सर्वार्थ पा द | १९७८ |
| सर्वसामर्थ्य | રંપ ૧૭ | सर्वील्लोकानःया | १०५७ | सर्वानेवैता | ,,, ४३० | सर्वार्थसाध १४ | |
| सर्वसिद्धिक | १४१५ | सर्वोस्ताँ अर्बु | २ ५१८, | सर्वानेवैना | ४३१ | सर्वार्थिसिद्ध | २५२१ २५२१ |
| सर्वसेनाप | २३५६ | | ५२ २ | सर्वान् काम | | | १९६० |
| सर्वसैन्येन | २७०३ | I . | १९०१ | सर्वान्कामान | | 1 | 1740 |
| सर्वस्त्यागो रा | *466 | [राषा राणाच | १०८१ | सर्वान्कामान | - | सर्वावस्थं हि | * ,, |
| सर्वस्थानाधि | # २९९३ | 1 | | सर्वान् गुणा | | सर्वावस्थां द | *२९२३ |
| सर्वस्थानेषु | ७२६,२३३५ | विशिष्ट अना | ८६० | सर्वानं सर्व | - ३ ५२ | सर्वावस्थाधि | २९९३ |
| सर्वस्नानम | २८३१ | 14.11 | ७३९ | सर्वान्न निषे | | । मवावस्था । ह | # २३८७ |
| सर्वस्नेहधा | १४५१ | सर्वाः स्त्रियः क्षी | | सर्वान्निन्दति | | सर्वावा एत | १११ |
| सर्वस्मादिध | ११४८ | सर्वाकारेण | २७६२ | सर्वान्भ्रातृन्स | | सर्वा वा हस्व | २४५४, |
| सर्वस्मिस्तत्र | १६५९ | सर्वा गतियाँ | ४२५ | सर्वान्यज्ञान्त | | | २५५८ |
| | ६३४,१०८३ | 1 6 6 | २९४९ | सर्वान्वा ए | | सर्वा त्रिद्या रा | # ५८९ |
| सर्वस्य चोक्तं | | 1 6 | २५१२ | 104141 | २८३,३१३, | 2 4 2 | १०९१ |
| सर्वस्य जग | २७११ | सर्वाञ्छान्त्युद | २८४९ | | | | # २९९४ |
| सर्वस्य जीव | ५६६ | 00 6 | ९६४ | सर्वान् विव | ३१८,३१९ ास ७४० | सर्वाशिने स | २९०१ |
| सर्वस्य दयि | २०३८ | सर्वाणि च वा | २८५४ | सर्वान्सपत्ना | | सर्वाशी च म | २९९८ |
| सर्वस्य ह्येव | २ ६५ | सर्वाणि चैता | २२०४ | सर्वान्सुपरि | १०७२ | _2 _2_ | २६५८ |
| सर्वस्या एव | ३२२ | सर्वाणि तत्र | १३५६ | सर्वापदो वि | • | | ₹000 |
| सर्वस्यास्य य | ६८२,७५६, | सर्वाण सत्त्वा | २६७४ | सर्वाऽपि वि | | सर्वाश्च संप | ११०५, |
| | ७८५,८३० | सर्वाणि हि म | ७४६ | सर्वा बुद्धीः | | 1 | _' , १९३२ |
| सर्वस्थैकोऽप | १९०४ | | १३५८ | तत्रा भुक्षाः सर्वाभरण | | 1 00 | |
| सर्वस्थै वाच | ४६७ | | ५८९, | I | ३००० | 1 00 | ५८७ |
| सर्वस्थैवेन | ^२ ३०९ | 1 | , १५,२८६७ | Mannaga | १५५३ | | &00 |
| सर्वस्थैवोप | | सर्वाण्येनं प | • | सर्वाभिशर्ङ्क | | सर्वाश्रमप | ५९७ |
| सर्वस्वमपि | | 1 000 | ४५६ १ ३ ९३ | 1 11 110 11 | ७६ १ | 1 0 5 | ६३४ |
| सर्वस्वमाप सर्वस्वरहि | २०४० | | | (171377 | २६७ १ | सर्वाश्रयेषु | " |
| सर्वस्याधि | ७४० | सर्वातिशङ्की ५६ सर्वात्मनेव | | | २५३९,२८९३ | | २८३४ |
| रुवस्वस्थााघ सर्वस्वहर | | सर्वा दिशोऽनु | ₩ ₹₹₹₹ | सर्वायुधानां | | सर्वाष्ट्राविंशि | " |
| <i>भगत्नएर</i> | <i>₹ 500</i> | ग्रवना ।दशाऽनु | २५३ २ | । सर्वायुधेरु | २६७ १ | सर्वासती वि | ર९९ ४ |

| सर्वासां पूज | | सर्वे दक्षिणो | १४१५ | सर्वेषां | कर्भ | १३९५, | सर्वेषामेव | ५९९,६२०, |
|-----------------|-------------------------|------------------|--------------------|----------|-----------|--|-------------------------------|----------------------|
| सर्वीस्ता अर्बु | ५१७ | सर्वे दुर्गेषु | #8888 | | | ५०९,२३८९ | | ७४४,१०३६, |
| सर्वास्ता इष्ट | ४५६ | सर्वे देवा अ | | सर्वेषां | | ३००१ | | १००,१२२०, |
| सर्वास्ताः | ^२ ४४६,४५६ | सर्वे देवा घ | २९८३ | सवेषां | कृत | २०३६ | | ४६१,२३५६, |
| सर्वास्त्रविदु | २८०२ | सव धनुष | ८४५ | | | २५९८ | | ४६१,२८३१, |
| सर्वास्त्वामभि | २९६२. | सर्वे धर्माः सो | ५८८ | | | १४३९ | | ८४५,२८५६, |
| २ ९ | ६३,२९८४ | सर्वे धर्मा रा | ,, | सर्वेषां | _ | *१ ४६४ | | २८७१,२८९९ |
| सर्वास्त्वा राज | ९५ | सर्वे धर्माश्चा | ५८९ | | | २८३८ | सर्वेषु च क | प६ |
| सर्वास्याङ्गा प | ४०९ | सर्वे नन्दन्ति | ४४४,४६० | सर्वेषां | | # १ ४५५ | सर्वेषु तेषु | २०६०,१४४१ |
| सर्वा ह्यस्य वा | १११ | सर्वे नराश्च | # { 8 8 8 8 | सर्वेषां | _ | | सर्वेषु वत्स | २८९६ |
| सर्वा ह्येव व | ३०७ | सर्वे नित्यं श | १२०९, | ١., | | १७७४,२८२१ | सर्वेष्वीशान | २७०१ |
| सर्वा ह्येवेमाः | <i>'</i> ४ ६ ६ | | १२८८ | l 🛰 . | | २३०६ | सर्वेष्वेतेषु | ७२२ |
| सर्वे गन्धाम्बु | ३००१ | | ८४३ | सर्वेषां | दवा | १४, | सर्वेष्वेवाज | १०२८,१४४० |
| सर्वे गन्धोद | * ,, | सर्वेन्द्रियस | ७५६ | ١., | | रे३०,३६५ | सर्वे सत्त्वाः | स #१६९४ |
| सर्वे च ताला | २९३८ | | 等の24 | l . | | २८८३ | सर्वे समन् | १७६६ |
| सर्वे च नाग | ٠,, | सर्वेऽपि भूपा | ८२० | सर्वेषां | | १६६५ | सर्वे सुकृत | २७७३ |
| सर्वे च वेदाः | २७८९ | सर्वेऽप्येवेति | २५०९ | सर्वेषां | प्राणि | ६१३ | सर्वे सेत्रितु | २३५१ |
| सर्वे जनप | क्ष११०३ | सर्वेऽभिषेकं | २९६ ४ | सर्वेषां | प्रीति | २१८४ | सर्वे स्म तुर | |
| सर्वे जानप | ,, | सर्वेभ्यः क्षिति | ८३५ | सर्वेषां | बाल | ८४३ | सर्वे खकाले | १५२६ |
| सर्वेण तुप्र | १ ४५५ | सर्वेभ्यः शक | १५२९ | सर्वेष | राज | १२०७, | सर्वे स्वर्गति | # २७७३ |
| सर्वेण वा ए | ३१३ | सर्वेभ्यः सर्व | ३००१ | | ; | १२१०,१२६७ | सर्वे हि स्वं | स •२३७१ |
| सर्वेण हि वी | રે૮૫ | सर्वे मन्त्रग्र | १७६४ | सर्वेषा | १५ वा | | सर्वे हैव म | २१० |
| सर्वेणैवाधी | ४२५ | सर्वे महान | २३३७ | | वाक | | सर्वैः पराक | १९९६ |
| सर्वेणैवैन | ३०३ | सर्वेऽभित्रा गू | १३०० | मर्जेबा | ं वै रा | ** \\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\ | सर्वैः सगदा | २५४७ |
| सर्वे तथा न | १३८७ | | १८७९ | सर्वेषा | ा शाला | र १९५ । २२११ | सर्वैः स्तुतोऽ | भि २९५२ |
| सर्वे तथाऽनु | * ,, | सर्वे यूयं मे | २०८२ | सर्वेषा | शिल्प | . १४९७ | सर्वेरिप गु | ^२ २३६९ |
| सर्वे तमनु | * 8 3 8 6 | सर्वे योगा रा | ५८९ | सर्वेष | शिवि | प १४६४ | सर्वेरर्चित | ८२२ |
| सर्वे तुल्याभि | # १ ५०४ | सर्वे रक्तप | २७१७ | | | २८३८ | 1 | १८६२, |
| सर्वे ते चापि | . ११०१ | सर्वे राध्याः स | | सर्वेष | | २९१३ | | #23 6 \$ |
| सर्वे ते शत्र | २३८५ | सर्वे वर्णाः स्व | | | | २८६१ | सर्वेधमेंः स | 2/22 |
| सर्वे ते खर्ग | | सर्वे वर्णान | २३९६ | | | १४७४ | सर्वेह वा व | २४२२ |
| सर्वे त्यागा रा | | सर्वे वाचं शृ | २४२२ | | | १९५२ | सर्वोच्छेदे : | |
| सर्वे त्वां पूज | २०२८ | सर्वे वा पुन | ५४४,६६२ | | | | सर्वाच्छद न सर्वोत्तमं शै | • |
| सर्वे त्वात्ययि | | सर्वे ब्राता व | | सर्वेष | | σ 6 | सवात्तम रा | • |
| सर्वे त्वामभि | | , सर्वे शतिक | , , , , a e | सर्वेष | ामीश्व | ₹ <i>\</i> \$\ | सर्वोत्तमोऽः सर्वोत्पातप्र | |
| | २९८ ४ | सर्वे शृणुत | १८३९ | सर्वेष | ामुप | - २८ ४२ | संवात्पातप्र | • |
| सर्वे त्वीपयि | ₩ 6 X X | त्र सर्वेश्वरयु | 5 × 10 10 | Diffe | ाग्रेट | ^२ १२२६,१२२७ | -2 | *3886 |
| W | | | , , , | (179 | u=v | ऽ र र ५ , १ २ २ ७ | • 'सवात्पात स | २ ९२८ |

| सर्वोऽथ द्विवि | 2016 | ग नरना नेन | 2006 1 | स वां मधुप्र | uol | स विशमस् | ४३७ |
|-------------------------------|------------------------------------|---------------------------------|----------------|---------------------------------------|---------------------|---------------------------------|----------------|
| स्वाऽय ।द्वाव | | स रुब्ध्वा चेत सराजाः क्षीरि | 1 | त या मनुत्र सत्रात्यौदक्षि | 2,3 | स विशोऽनुव्य | ४६४ |
| -2 | | | | सत्रात्या दाक्ष स वादे विग्र | 484 | स विश्वान्देवां | १८९ |
| सर्वी दण्डिंज | | सलाभं चाध्व परिचर्णि | | स वाद ।वश्र | *989, | स विश्वाप्यपा सविषं प्रोक्षि | १४६९ |
| सर्वोद्योगेन सर्वोद्योगैरा | | सिलिलवर्जि | १४५९ | n mafæri | ** 5054 | सायव आप्त स विषीदति | २८३८, |
| | | सिलिलेन स | | स वार्ताकर्म | | स । पंपादात | ર |
| सर्वोपकर् | १४५९ | 2 42 | | स वावृधान | २३ | | २८३९ |
| सर्वोपचारै | | सिलेलेकार्ण | | स विगाढां नि | ६३७ | सविषेऽन्ने नि | # ९८३ |
| सर्वोपजीव | ७६०,८८८ | | 1012 | स्विष्नं मम | २८९४ | स्विषेऽन्ने वि | " |
| | २२७,१२४८ | स लोके लभ | 77-71 | स विचिन्त्याब | # ₹ 0₹४ | स विष्णुना च | ७९३ |
| सर्वोपरि ब्र | २८३७ | ্ ২३ | ८४,२५९७ | स विजित्य म | 840 | स विष्णुविक | २७७२ |
| सर्वोपरि स | ३००३ | स लोभविज | २६ ९७ | स विजेयो वि | ⊕ ५५६ १४५ | स विष्वङ्वीर्ये | ३३० |
| सर्वोपहार | २८९६ | सलोहजालै | २६८७ | स्विता त्वा प्र | | स विसुज्याथ | #१५०७ |
| सर्वोपायान्स | २०६९ | | ११४६ | सविता त्वा स | | स विसुज्याश्रु | ६ ३७ |
| सर्वोपायेन | १८७० | स विशिक्कर्म | १६४३ | सविता प्रस | ७५,२९३२ | स बिह्रत्येह | ५५४ |
| सर्वोपायैः कु | # ,, | सवत्त्रड्ऋचं | 333 | सवितारमे | २९८ | सवीयीः इत्ये | २७५ |
| सर्वोपायैर | २१३८ | सवत्सां धेनुं | ९४५,९६६ | सविता राष्ट्र ७ | | स वृक्षाग्रप्र | २०४५ |
| सर्वोपायै र | | स वदेत पु | ३६० | सविता वर्च | २४६ | स वृक्षाग्रे कृ | २११२ |
| सर्वोपायरा | १३२४ | स वध्यस्थाव | २७५७ | सविता वै दे | | स वृक्षांग्रे प्र | ७ ४७, |
| सर्वीपायैरु | ६४२,१३२२ | सवनाद्यैश्च | ८९१ | | २६६,२७६, | | # 2084 |
| सर्वोपायैर्नि | ६५३,१०७७ | | १५२८, | _~~~ | ३०३,३१६ | स वृक्षांग्रे य | ६६५, |
| | २७६७ | N T | ૧ ૭ ५ ૭ | सविता वै प्र | १८९ | | १८९० |
| सर्वीपायैस्त १ | १९४३,२२०१ | स वरुणं रा | १८५, | सिववारास स | | स वृतो भय | २८४९, |
| सर्वोऽप्यतिस | १२३६ | , | १८७,१८९ | सायप्रयः अ | २७८ | | २९१२ |
| | २३५ | े स वर्धमानः | २७६६ | I III I I I I I I I I I I I I I I I I | २६६,२७६, | स वृत्रं हत्वा | ३५० |
| सर्वो योधः प | र १७६ ९ | स वर्धमानो | १८९१ | | २०३,३१६ | स वृत्रहेन्द्रः | ३७४ |
| सर्वो छन्धः | क १०८३ | 3 1 ' | | सवित्रा प्रस | ३०१ | स वृद्धावन्ध | ६३१ |
| सर्वो हैव सो | २०९ | स ववन्दे त | १५११ | सवित्रा प्रसू | ४७९ | , } | |
| सर्वेषिधभ | १४७। | | ् ३ ४ | सवित्रे सत्य | १६७,२६६ | | १८४१ |
| सर्वौषधिम | २९७८ | र स वसीयाने | ३१३ | सवित्रे खाहा | २७६,२८८० | सबृद्धिकमृ | १८४२ |
| सर्वौषधियु | २९५: | २ स वसुभ्य ए | ३५० | स विद्यादस्य | १६७४ | सवेणुवीणा | ९६०,९६४ |
| सर्वीवधिर ' | २९ ^३ ४,२९४ ^७ | र स वसनेव | ,, | स विधाताऽपि | रे ८२० | सवेल्लारुष्क | # १४६९ |
| सर्वेषिधिव | | २ सबस्त्रं हेम | १४७९ | | २०१८ | 1 | १०८६ |
| सर्वीषधिस्व | | ३ स वा अपः | | स विनिन्दंस्त | | स वै दीक्षते | २६५ |
| सर्वेषिः स | | 1 " | | 1 | | स वैदूर्यम | १०९७ |
| सवाषयः स सलक्षणं त | | स वा उपरि | | स विनिन्दन्न | " | | * २३७ ० |
| | | ५ स वा एष इ | | . स विनीय म | | स वै धर्मस्त | *<< |
| स लक्ष्मी वि | | ८ स वा एष ब्र | | | १६३० | स वै धर्मी य | |
| सहज्जं निर | | ३ स वा एष् | | सविवेको य | | स वै धर्मीऽस्त्व | |
| स लब्धवल | १८९ | .७। स वा एषोऽ | पा ३४१ | १ । स विशः स | ा १०° | १ स वैन सर्वे | ४२६ |
| | | | | | | | |

| | | | | | | | , - |
|------------------|--------------|---|---------------------|----------------|-------------------|------------------------------|----------------|
| स वै न्येव व | ३११ | स ग्रूरः स च | ર ५४५ | स सम्यक्पाति | त्रे १३ ५५ | ससेन चिद्धि | ३६८ |
| स वै प्रयुजा | ७० ६ | स शूरो जीवि | २७९० | स सम्राट्त्सव | | | ५०२ |
| स वै यथा नो | १९२ | | २६ ०७ | स सम्राडिति | | | · ९८३ |
| स वै राजन् कृ | ५६० | स शोचत्याप | २८०३ | स सराष्ट्रो न | २४८४, | | |
| स वै व्यसन | १०७६ | स शौद्रं वर्ण | ४३७ | . , | ૨ ૬૧ું | स सोमश्च स | |
| स वैश्यतया | २०५ | सश्यापर्ण उ | २१० | स सर्पसारी | २७२८ | स सोमातिपू | ,, ३१३ |
| स वै संभृत | १०४४ | स श्रियो भाज | ९२० | स सर्वतोमु | २७२९ | सस्थूणस्थाणु | |
| स वै संवत्स | ३२५ | स श्रेष्ठो भूमि | १४२६ | स सर्वफल | ६३४ | सस्यृतसानु सस्यृत्रस्थानु | # ₹€ ८४ |
| स वै सुखम | १९०४ | स रलाध्यं जी | * १७३ ४ | स सर्वयज्ञ | ६३४,२०४२ | सस्नेहवर्ति | 31 20 51 |
| सवो वै देवा | २५९ | स रलाध्यः स गु | | स सर्वयङ्गै | २८१७ | स स्म कौसल्य | २४१५ |
| सवो वै सूतः | " | स रलाध्यो भव | १ ७३४ | स सर्वलोका | ६३३,२०४१ | व स्म कासल्य सस्मितं साद | • • • |
| सन्यं पादम | ३६१ | स श्वा प्रकृति | १६९७ | ससर्वसुख | " " | संख्यं च नाप | १४७४ |
| सव्यञ्जनाचा | #२६८३ | स श्वेतायै श्वे | १५ २७ २६३ | स सर्वेणैव | २१३ | | ६३२ |
| सब्यष्टारमे | २९४ | स षड्भागम | | स सर्वेष्वपि | १०३४ | सस्यभागं च | १३५७ |
| सन्यष्ठा वा ऐ | २९३ | सर्पकेतं वा | *१३१३ | स सवितार | १८९ | सस्यभागः प्र | १३५८ |
| सन्यसनस | १२७२ | स संख्ये निध | २६२८ | ससहायोऽस | १४९०, | सस्ययाचन | २२५७ |
| सव्यसाची च | २५२९ | | २७६९ | | ८९७,२३८७, | सस्यराजिश्च | ९८३ |
| सव्यावलम्ब | २९८२ | ससंतोषस्त | ६८७३ | | २७६४ | सस्यवर्णाना | २२५७ |
| स व्यूहराजो | २७२० | स संदीतं म | •१०८९ | ससागरां भु | २९७१ | सस्यवृद्धी र | २९२१ |
| सव्रणो नाभि | २७६५ | स संवत्सर | १८६ | ससात्यकीन् (| | सस्यस्य सर्व | ५८० |
| सव्रतः पाव | २९१२ | स संशयम | २०१८ | स साधयति | २०४७ | सस्यादरव १ | ४१९,१४२० |
| स शको ब्रह्म | ६२८ | स संहतप्र | २११५ | ससानात्याँ उ | | सस्यादि दाह | २६६९ |
| स शङ्कुरिति | २९१ ४ | स संहत्य नि | ६५७ | स सान्त्वयित्व | | सस्यादेः संग्र | १६८० |
| स शत्रुञ्जय | २९१० | स संहितप्र | *२११५ | स सारस्वती | २६९ | सस्यानां सर्व | *460 |
| स शब्दमात्र | १३४६ | स संहत्य च | ६४२ | स सुखं प्रेक्ष | #६३४ | सस्याभिहारं | २५९८ |
| सशर्करा स | १ ४२० | स सकलम १६३ | २८,२८२६ | स सुखं मोद | ६३४, | सस्थोपघाते | २६७ २ |
| स शशास ज | *१२४६ | ससङ्करच | १७५१ | | २०४१ | स स्वप्नलाभां | *१९९१ |
| सशस्त्रबन्धे | #994 | ससङ्गावृक्ष | # १ ४६९ | स सुखी मोद | ११५६ | स स्वर्गजित्त | १०६८ |
| सशस्त्रो दश | १७४८ | स सत्यश्च स | ११७६ | स सुखी विह | ७३२ | स स्वामी मरु | ११६३ |
| स शाण्डिलीं प्रा | २४६६ | | | ससुगन्धव | १३६८ | स खाराज्यम | ३ १०८,१०९ |
| सशाद्वलेषु | २५१४ | स सत्रिभिः श | १२२६ | स सुप्त इव | 1 | | |
| स शास्ति चिर | ८६७ | स सदैव दुः | ११६१ | स सुप्त एव | | स ह कुच्छी ब | २२९३ |
| स शिलायां शि | | - | | ससुप्रासी भ | 77 | सहक्रीडित | ३५३ |
| सशिष्यास्तेऽभि | 2674 | स सप्तदश ३१ स सभेयो यु | १०,५८५३ | ससुवर्णे घृ | 490१ | पर्काडित स.स.मीननो | १२२४ |
| स शीघं नर | | ससभ्यः प्राङ्वि | | | | स ह गीतमो | ३५३ |
| स शीर्षत ए | 330 <i>)</i> | 1 44.4. NIÃIA | | स सहत्कोध | | सहग्रामेषु | १५१२ |
| सग्रल्का कोशं | | ससम्यः प्रेक्ष | १८५७ | स सुहत्ताद | | सहग्राहिणः | २२१८ |
| स ग्रुद्रतया | | स समीक्ष्यक | 2548 | ससुहत्सानु | २७९९ | सहजं क्षुत्तृ | 900 |
| - - - | • | · ·· · · · · · · · · · · · · · · · · · | 74001 | ससुजे दण्ड | *६२० । | सहजं व्यस | १६०७ |
| | | | | | | | , , , , |

| सहजः कार्य | १८७२। | स ह विष्णुमु | ३१७ | सहस्रमाख्या | १९४ | सहायपुष्टं | १४८३ |
|------------------|----------------|----------------|----------------|----------------------------|---------------|--|---------------|
| सहजः स्वकु | ,, | सह वै देवा | ४६४ | सहस्रमु ह | २१० | सहायबन्ध | १२०८ |
| सहजः स्वेच्छ | २४७० | सह शक्रेण | १५३० | सहस्रयो ज | १४१५ | सहाययुक्ते १ | ०७८,१२२३ |
| सहते च प | २७८८ | सहसंजात | २०३५ | सहस्रशत | *२९४ ६ | सहायवर | १२२८ |
| सहतेऽतथ्य | ७१७२ ७ | स ह संनाहं | १८५ | सहस्रशृङ्गो | ७० | सहायवान्म | # १०१७ |
| सह तेनैव | #२७६७ | सह सद्भिर | १८२३ | सहस्रशैः स | १४४४ | सहायवान्स | " |
| स हतेनैव | # ,, | सह सभ्यै: स्थि | १८२४ | सहस्रशो म | २४९४ | सहायसंप | २५१९ |
| स इ तेनैव | " | सह सर्वाः स | १९३५ | सहस्रसां वा | ५५ | सहायसाध्यं | १२२४ |
| सहते पथ्य | १७२७ | सह सर्वेर्म | २३५३ | सहस्रस्थूण | ३५ | सहायसाध्ये | २०५५, |
| स हत्वा भक्ष | १०७८ | सहसा क्रिय | २१७६ | सहस्राक्षरा | ७२ | | २१८५ |
| सहदन्तश | क१४६९ | सहसा नाम्य | २८१५ | सहस्राक्षेण | ६१० | सहायसैन्य | १४८२ |
| स ह दीक्षमा | १९८ | सहसाऽनार्य | * ,, | सहस्राक्षो म | · · | स हाऽऽयस्तः | पि ३५३ |
| सहदीश्चित: | १२३३, | सहसा पाण्ड | ~ '' '' ५४१ | सहस्राणां द | | सहायाः कार | ५७३ |
| | २३४९ | महमारभ्याग | ६३७ | सहस्राण्यपि | # ६५९, | सहायाः साध | १७८०, |
| सहदेवं व | १९०२ | सहसोत्थाय | २ ४९९ | | *१२२३ | १ | ७८२,१७९१ |
| स ह देवरा | १९० | | | सहस्रादधि | | सहायाननु | १२१८ |
| स ह नारदं | १८२ | | • | सहस्राधिप | २८३९ | सहायानामे | ५५४,१६८७ |
| स ह निर्दश | १८५ | 1 | # १७८९ | सहस्राचिम | २९०१ | सहाय न्सत | ५६८, |
| सह निश्चित्य | ८४६ | 1 | १३७८ | सहस्रेण श | २९७ ९ | (, , , , , , , , , , , , , , , , , , , | १२०८ |
| स ह नेत्युक्त्वा | १८६ | 1 ' | २९ ३२ | सहस्रेषु हि | १५६२ | सहायाभावे | २१९६ |
| स हन्यमाने | १६२२ | 1 . | *२६८६ | | | सहायार्थम | १९९५ |
| सह पत्न्या वि | २९३९ | , - | २३७ | सहस्रैः पञ्च | ५३१,५७८ | सहायार्थे च | ८६६ |
| सहपां युकी १२ | | 1 ' | ४०८ | सहस्रैः पुरु सहस्रैकीयः | २८९४ २०७९ | सहायास्ताद्द | 2888 |
| सह पुत्रम | १८९४ | सहस्रं प्रति | २७०३ | | | सहायोत्थान | १७८२, |
| सह प्रजया | રઁરૂપ | सहस्रं यस्य | ७१ | सहस्रेरपि | ६५९,१२२३ | | १७९३ |
| सहप्रस्थायि | २५६६, | सहस्रं साक | २१ | सहस्व मन्यो | ४८८ | | |
| | २६३० | 1 | ०९६,२४७० | सहस्व श्रिय | २००८ | सहायोपच | २३८४ |
| स ह प्रातः सं | ४३६ | 1 ' | ५२२ | सहां च सह | २९० ९ | सहायोपचि | * ,, |
| स ह प्रातः स | ३५३ | सहस्रकुण | | स हामिरुवा | २५३ | सहार्थी भज | १२०९, |
| सह भ्रात्रा म | ८६७ | सहस्रगुण | *६९३ | सहा च सह | २९७ ९ | ` | १२८८ |
| सह राष्ट्रं च | २४८४, | | १७५४ | महाध्यायिनो | ५३१,१२२४ | सहाबान्दस्यु | ३७३ |
| ^ | २९१ ६ | सहस्रघाति | १४६३ | सहाध्यायिषु | १६२९ | सहाश्च सह | # १४६५ |
| सहले पांसु | * १ ४७७ | सहस्रदा ग्रा | ८९ | स हान्नाद ए | ३०७ | स हि गच्छंश | ध क्षर०७४ |
| सह वग्नुना | ૨ ૪५ | सहस्रदैः स | *{88 | सहापि शतं | २४८३ | · · | |
| सह वध्वोप | २९३९ | सहस्रद्वय | २७५१ | सहायं देश | * १७१२ | सहितः कुञ्ज | २९५५ |
| सह वा इद | ३५५ | सहस्रपादं | २४८६ | सहायः सम | १२४९ | सहितः पृत | २७०७ |
| स ह वा उद्गा | ३३३ | 1 ' ' | | सहायदुर्ग | १४८२ | सहिताः पर्य | २७१७ |
| सह वाऽपि व्र | २१६८ | सहस्रमपि | ८६६ | सहायपुष्ट | | सहिताः पुत्र | |
| | | | | | | | |

| सहिताः सर्व | २७०९ | स होवाच म | १९३ | सांवत्सरं न | १६३६ | सागरेण प | २४९७ |
|-----------------|----------------------|------------------------------|----------------------|---------------------------|---------------|----------------------|--------------|
| स हि तान् या | | स होवाच य | ૭૮, કેં૮૫ | सांवत्सरं नृ १६ | ३६,२९७४ | सागरे पति | २५०० |
| सहितास्तास्त | ७९६ | • | ^{(२} २३९ | सांवत्सरं स १६ | २६,१६३८ | सागरे मध्य | २९८२ |
| स हि तीक्ष्णश्च | १८९२ | स होवाच वा स.होवाच वि | १५१,१९ २ | सांवत्सरं सु | १६३६ | सा गाथा नारा | ११० |
| स हिं तैः संप | १०८६ | | 2 2 | सांवत्सरिव | १६२६ | सागोष्ठीन प्र | २०८० |
| सहितो मन्त्र | #१७६५ | स होवाच ग्र | १९१,१९२ | सांवत्सरस्या | २९४९ | साम्रं शतस | २७०८ |
| स हि नश्यति | ७४६ | स होवाच- स्त्री | ो ॄ ७८ | सांवत्सराणां | १२५६, | साङ्ग्रामिकं र | २३१० |
| स हि पौष्णो व | य २५६ | स होवाचाजी | १८८, | १६ | ३७,१७८१, | साङ् ग्रामिकम | २५४२ |
| स हि प्रच्छाद्य | १८८९ | • | १९०,१९१ | | १७८२ | साङ्ग्रामिकमे | २५३५ |
| स हि भीष्मं व | ता ८४० | स होवाचात्य | २३९ २३९ | सांवत्सरान | # १९९१ | साङ्ग्रामिकश्च | १२६७ |
| स हि वहेना | २५ ० | स होवाचालो | 230 | संवत्सरा न | ,, | सा चाभीष्टा सु | २८९३ |
| स हि वारुणो | २५ ९ | सहीजस इ | રહપ | सांवत्सरास्ता | * ,, | साचिव्यं कार्य | २६ ३५ |
| स हि वेद म | २३५४ | सह्यस्य चोप | ८५९ | सांवत्सरिक ७ | ३३,११०८, | सा चेद्धर्मक | #५५६ |
| स हि वैष्णवो | २५६ | 1 _ | | | ३४,१६३५ | सा चेद्धर्मिक | · >> |
| स हि श्रेष्ठत ८ | .३२,११५ ४ | सह्याद्री चत्वा | १४१५ | सांवत्सरिकै | *७३३ | सा चैव खछ | . ६४५ |
| स हि सम्राड | ८३५ | सह्य गणप | १४१६ | सांवत्सरेण | २८६८ | साञ्जलिः प्रण | *१०८७ |
| स हि सृष्टो व | २३५७ | स ह्येनत्प्रथ | ४८१ | सांवत्सरेषु | २८५८ | साद्वप्रतोली | २६७५ |
| स हि सीम्यो य | | स ह्येननेदि | " | सांवत्सरो वा | २८७७ | साण्डं त्रिभुव | २४९८ |
| स हीनः कर | १८९७ | स हीन्द्रो यह | २५९,३०७ | सांवत्सरो वि | #१६२ ६ | सातत्येन हि | १५५९ |
| सहृदयं सां | ३९५ | | # २९५१ | सांवास्यकं क | २०२३ | सा तत्र नीता | २४३९ |
| सहेतानिष्ट | १६७८ | सांख्यं योगः प | ा ≉ २९६६, | सा कद्रीचीकं | ७२ | सातस्य पर | ८४५ |
| सहेन्द्रियेण | ર ५ | | २९७७ | साकमेधैर्वै | २५१ | सा तात कचि | # ६५८ |
| स हेष्ट्रवैव स | ४६५ | सांख्यं योगो ह | गे ८६८ | सा किया संधि | | सातिं नो जैत्रीं | ४८९ |
| स हैतयाऽपि | ३ १३ | | २९६६ | साक्षादेवैनं | ३४१ | सातिना कृष्णा | २२३ ६ |
| स हैतेनापि | २५३,२५५ | 1 | * ,, | साक्षाद्वित्तेश | ८०६,८२६ | सातिना नल | ,, |
| | २६४,३०७ | 1 | ५४० | साक्षिभिर्लिख | १२६८, | सातिशयला | ९०८ |
| स हैनं जिहि | ३ १२ | 1 | १११९ | | - | सातिशयहि | १३७९ |
| सहैव नौ सु | २९३२ | सांग्रहण्येष्ट्या | ३४५ | साक्षिमद्रिक्थ्य | 8686 | सा तुङ्गा ह्यति | २८३४ |
| सहैव परि | ६१२ | सांधिकं च भे | १९२३ | साक्ष्यलोपी पि | १४२८ | सा तु यात्रा भ | २ १७६ |
| सहोदकमा | १३९१ | सांधिविग्रहि | २३३६, | सा खनिर्दीय | १९५५ | सा ते गतिया | २६१२, |
| सहोदकयो | २०९९ | 2 | ३३९,२३५१ | 1 | | | २७७६ |
| सहोदधिः स | #? ८७१ | | - | साऽऽख्याने स | | सा तेनेक्ष्वाकु | *8888 |
| स होदवस्य | | सांनाह्यानामु | | सा गता सह | | सास्वतः कृत | २७१९ |
| स होवाच | २ ३५३. ४४। | े सांनाह्या बन्ध | | सागरः सरि | | सास्वतैभिग | |
| स होवाच- | | , सांपरायिक | | सागरप्रति | | सास्विकं ताम | २८५८ |
| " ALL A | 5 | , सिपरायिक ८ सांप्रतं संश | | सागरान्तां म | | | ७६२ |
| य होजाञ व | | ९ सांमुख्येन प्र | | तागरान्ता म सागरान्ताम | | सास्विकात्कर्म | २४०९ |
| स होवाच द् | 48 | 2. Miles 11 4 | 746 | इ <i>ःचागरान्ता</i> म् | 4080 | । सात्य किर्धर्म | २७१२ |

| सात्यकिवीसु | २९३६ | साधारणे प | १५२९ | षाधूनामाच | ६३२ | सा नो बोध्यवि | ४५१ |
|----------------|---------------|------------------|---------------------------------|---------------------|-------------------|------------------|-----------------------------|
| सात्यिकश्चेकि | २७१५ | साधारणो म | २४५३, | साधू न्विरोष | ७२७ | सानो भूतस्य | ४०६ |
| सा त्वमभ्युद | ८४७ | | ,५५,२५५६ | | १४१३, | सानो भूमिः प्र | ४०८ |
| सा त्वां पङ्कम | # १९०१ | साधारणो वा | . १८५२ | | ४,२३३३ | • | ४०७ |
| सा त्वा पङ्कम | " | साधुः खळानां | १८८० | साधोश्चापि ह्य | | सा नो भूमिरा | ४०८ |
| सादन्यं विद | | साधुकर्मिक | १८२४ | साध्यं प्रमाणं | १८४८ | सा नो भूमिभू | ४०६ |
| सादयत्येष | २७६६ | साधुकारी सा | #१ ०२४ | साध्यन्ते तुर | १५४३ | सा नो भूमिर्व | ४०७ |
| सादयित्वा प | २५५३ | साधुकारी स्था | १०२४, | साध्या एकं जा | ५१४ | सा नो भूमिर्वि | ४०६ |
| सादरं लव | १४७४ | | ११७१ | साध्याः पराञ्च | २८ | सा नो भूमिस्तिव | " |
| सादिनश्च त | १५२५, | | २४४१ | साध्यादीन् सक | २८७८ | सानो भूमे प्र | ४०७ |
| | २३४२ | 1 3 | १४०३ | साध्या देवा व | ५९० | सानो मेधु घृ | #80E |
| सादिनामन्त | २७२०, | 1 11.0 | १२५९ | साध्या राजर्षि | १०५२ | सानो मधुप्रि | ,, |
| | २७७३ | साधुतैषाम | १२५६ | साध्याश्च त्वाऽऽ | प्या २२८ , | सा नो मन्द्रेष | ४४० |
| सादिभिः स्वन्द | २७२० | साध प्रमत्तं | *2688 | | २३२ | साऽन्तर्धीयते | ^२ ३ ६२ |
| सादिभिर्विम | २७१९ | साधु भूतल | ११८३ | साध्यासाध्यं वि | | सान्त्वं त्यागशी | |
| सादिभिश्चाऽऽसि | | साधम्योऽतिस्व | | साध्वन्यमनु | ६३७ | | १५५७ |
| सा दीप्यमाना | ७८ | -1.3 1.51.11(| १४२८ | साध्वप्रमत्तो | २८११ | सान्त्वं भेदं त | १९६९ |
| सा दुःखैर्बहु | # २५०० | साधु यजमा | , , , , , २५ ४ | साध्वसाधृश्चा | *1421 | सान्त्वं भेदस्त | " |
| सा दुःखैविवि | " | माध्यक्तिने २ | ४५४ ६९९,२७५ <i>१</i> | साध्वसाधून्धा | " | वारपण रख | १३१८ |
| सा देवी ह्यचि | २८७२ | | | साध्वसाधून्वा | | सान्त्वपूर्वमि | २०२२ |
| साद्यश्वपद | १३७८ | 1 | = | साध्वाचारत | ्र, २६००, | सान्त्वभेदप्र | १९१०, |
| १५ | २८,१७५७ | | १६६८ | | २७७४ | 1 | २६ ०४ |
| साद्यस्कश्चेव | १८४१ | | २१४१ | साध्वाचारप्र | ५९५ | (साग्रवमन्थव | १८३४ |
| सा द्वादशपु | ३३३ | साधु वा यदि | १८९३ | l . | | (11.74.11.9 | १९२३ |
| साधनीयानि | १९०९ | साधुवृत्तो हि | १०९८ | साध्वीनां पाल | १४ <i>७</i> | 1 " | १९४६ |
| साधयेत् तैल | २६५५ | साधुषु व्यप | २१९९ | साध्वी वा यदि | #8८९३ | | १०६५ |
| साधयेद्गूढ | २६०१, | | १००६ | साध्वीव्यञ्जना | १३३२ | 1 | . 🛊 १ ०६४ |
| ••• | २०८४ | | २०५३ | साध्वीस्त्रीणां पा | ৩४८ | 1 | " |
| साधयेद्दान | १९४० | | | सा नः पयस्व | ३९३ | सान्त्वयोगम | १०८१ |
| साधयेहारु | २७०२ | Gigariia | १०१८ | सा नः सीते प | ३९४ | | १८८६ |
| साधयेद्भेद | १९४१ | साधुसरक्ष | ७४४,१४१९ | सा नः सूक्तेर्जु | ४६० | सान्त्विता मृदु | १७५० |
| साधवः कुल | *१६९८ | साधु सा तत्र | २४९८ | सानुकोशो म | २८०३ | 1 - | २०२८ |
| साधवः कुरा | " | साधूक्तमपि | १७२८ | सानुरागाव | ७३८,८२४ | सान्त्वितास्ते न | #8980, |
| साधवः क्षीण | ૧ | साधूनां तु मि | २७६५ | सानुरागो रि | १४१९, | सान्त्वेन तु प्र | #3004 |
| साधारण ए ५ | | 1 | ٠,, | | १४२१ | 1 | १०९८, |
| साधारणं द्व १० | ,. ५९,२३९५ | साधूनां पूज | | साऽनुष्टेया सु | २८८ ९ | | २८१५ |
| साधारणं स्व | २४६० | | | सा नो दुहीय | * | 1 . | |
| साधारणग | | साधूनामर्च | | सा नो देवी सु | ३८५ | | १९१०, |
| • • | 1440 | · | 474 | ગામા દ્વાસુ | ५२८ | 1 | २००५ |

| सान्त्वेनोपप्र | 2/22 | सामत्रिष्टुभ्य | 32/ | सामन्तैकान्त | 205/ | सामसिद्धं प्र | 9 0 15 - |
|---|--|---|--|--|---|--|---|
| सान्त्वे प्रतिह | | सामदण्डी प्र | १९३३ | _ | २७५८ २९७२ | | १९५० |
| सान्त्वे प्रयुक्ते | | साम दानं क्ष | # ? ? ७ ७ | | | | १९४९ |
| सान्द्रसत्त्वा च | | साम दानं च | 4 86, | | २०६७ | सा महानव | २८९० |
| साऽन्यमासाद्य | | | | | २१३८ | सा मही ग्रुभ | <i>७७४</i> १ |
| | # ₹₹८५ | २ - | ७,१९००, | सामपूर्वे च साम पूर्वे प्र | १२६५ | | * १९४९ |
| साऽन्यानाश्रित्य | " | १९३ | ३८,१९३९ | साम भेदः प्र | १९३७ | सामाख्या सूनृ | " |
| सा न्याय्याऽऽत्म | | सामदानद | १९४५ | तान मद् अ | %५७३ , | सामात्यः सपु | # १६१७ |
| सा पटरणी | ३३ ४ | सामदानमे १९ | | _ | *१९०९ २ | सामात्यपरि | १५४८ |
| सापत्नं वास्तु | २१३९ | सामदानाभ्यां | २१०३ | सामभेददा | १११६, | सामात्ययुव | १८३८ |
| सापत्न्यं वास्तु | २१३५ | सामदृष्टानु | १९५८ | | १९३७ | सामादिभिः सं | २५७५ |
| सापराधम | # 8 9 9 8 | सामन्तं संहि | २१५७ | साम भेदस्त | १९३७ | सामादिभिरु | १९३८, |
| सापराधान | *१०६० | सामन्तं साम | २१८५ | सामभेदान् वि | २५९७ | २०५ | ,३,२५५३ |
| सापसाराणि | १४८१ | सामन्तः स नृ | ८३६ | _ | # १९३७, | सामादीनग्र | १९६९ |
| सापसारा प | २६७२, | सामन्तकाल | २४१६ | | १९८० | सामादीनां प्र | १९८६ |
| | २६८४ | सामन्तकोपो | १९५७, | सामभेदौ तु | १९४१ | सामादीनामु | १९३३, |
| साऽपि चान्यं नृ | २९०३ | | १९५८ | | | 893 | ४२,२५८ ९ |
| सा पुण्या सा प | २८९० | सामन्तदूते | २५८५ | | ६७३ | सामानं वद | ३३३ |
| सा पुरी कम | १४७८ | सामन्तमण्ड | २३५१, | 1 | ८६९ | सामानि तिर | २२७ |
| सा पुरी बहु | १४४५ | """ | | सामर्थ्यतश्च | १२२५ | सामानि साम | २७७० |
| सा पुरी यत्र | ,, | सामन्तयोर्व्य | ं २७०२ ३१०६ | सामर्थ्ययोगा | १८५८, | सामान्यं च वि | |
| सापेक्षं वा ना | २०द६ | सामन्तरा ज | २१७६ *१ ४४३ | २०२० | , #२०२६, | W(1) 4 14 | २८४४, |
| | | 1/11/11/14 | | | | | |
| सा प्रजापति | ७८ | 1 | | | | सामान्यं सर्वे | २८४७ |
| | ४२२ ^२ ७८ | सामन्ताः पृष्ठ | २१६२ | २० | २८,२०४५ | सामान्यं सर्व सामान्यतो इ | २९०० |
| साऽब्रवीत् | ४२२ | सामन्ताः पृष्ठ सामन्ताटवि | २१६२ १४८२, | | २८,२०४५ १६७६, | सामान्यतो हृ | २९०० ७४८ |
| साऽब्रवीत् साऽब्रवीदिडा | ^१ ४२२ ४२२ | सामन्ताः पृष्ठ सामन्ताटवि १५८ | २१६२ १४८२, २,१९२४, | २० [.] सामध्यीत्पाद | २८,२०४५ १६७६, १६७७ | सामान्यतो हृ सामान्यप्रास्त | २९०० ७४८ २८३५ |
| साऽब्रवीत् साऽब्रवीदिडा सा ब्रह्मनाया | ^२ ४२२ ४२२ ३९ ७ | सामन्ताः पृष्ठ सामन्ताटवि १५८ | २१६२ १४८२, २,१९२४, ८,२१०४, | २० सामध्यीत्पाद साम लज्जास्प | २८,२०४५ १६७६, १६७७ १९८९ | सामान्यतो हु सामान्यप्रास्त सामान्याख्यानि | २९०० ७४८ २८३५ २८४५ |
| साऽब्रवीत् साऽब्रवीदिडा सा ब्रह्मजाया सा ब्रह्मेति हो | ^२ ४२२ ४२२ ३९७ ४८० | सामन्ताः पृष्ठ सामन्ताटवि १५८ १९३ | २१६२ १४८२, २,१९२४, ८,२१०४, २१९७ | २० सामध्यीत्पाद साम लज्जास्प साम लब्धास्प | २८,२०४५ १६७६, १६७७ १९८९ | सामान्यतो हृ सामान्यप्रास्त सामान्याख्यानि सामान्या निष्कृ | २९०० ७४८ २८३५ |
| साऽब्रवीत् साऽब्रवीदिडा सा ब्रह्मजाया सा ब्रह्मेति हो सा ब्राह्मणस्य | ^२ ४२२ ४२२ ३९७ ४८० ३९८ | सामन्ताः पृष्ठ सामन्ताटनि १५८ १९३ | २१६२ १४८२, २,१९२४, ८,२१०४, २१९७ १५७८ | २० सामर्थ्यात्पाद साम लज्जास्प साम लब्धास्प सामवायिक | २८,२०४५ १६७६, १६७७ १९८९ ,,, | सामान्यतो हृ सामान्यपास्त सामान्याख्यानि सामान्या निष्कृ सामान्यान् दश | २९०० ७४८ २८३५ २८४५ |
| साऽब्रवीत् साऽब्रवीदिडा सा ब्रह्मजाया सा ब्रह्मेति हो सा ब्राह्मणस्य सा ब्राह्मणस्य | ે ૪૨૨ ૪૨૨ ૨ ૧૭ ૪૮૦ ૨ ૧ ૮ | सामन्ताः पृष्ठ सामन्ताटवि १५८ १९३ सामन्तादिक सामन्तादिप | २१६२ १४८२, २,१९२४, ८,२१०४, २१९७ १५७८ | २० सामर्थ्यात्पाद साम रूज्जास्प साम रूज्जास्प सामवायिक सामवायिका | २८,२०४५ १६७६, १६७७ १९८९ ६७, ६९३०, | सामान्यतो हृ सामान्यप्रास्त सामान्याख्यानि सामान्या निष्कु सामान्यान् दश सामान्यामात्य | २९०० ७४८ २८३५ २८४५ क२०२९ |
| साऽब्रवीत् साऽब्रवीदिडा सा ब्रह्मजाया सा ब्रह्मेति हो सा ब्राह्मणस्य सा ब्राह्मणस्य सा ब्राह्मणस्य सा भार्याया प्रि | * | सामन्ताः पृष्ठ सामन्ताटनि १५८ १९३ | २१६२ १४८२, २,१९२४, ८,२१०४, २१९७ १५७८ ८३६ ११४६, | २० सामध्यात्पाद साम लज्जास्प साम लज्जास्प साम लज्जास्प सामवायिक सामवायिका २१९ | २८,२०४५ १६७७ १६७७ १९८९ १९२ १९३०, | सामान्यतो हृ सामान्यपास्त सामान्याख्यानि सामान्या निष्कृ सामान्यान् दश | २९०० ७४८ २८३५ २८४५ क२०२९ १४३१ |
| साऽब्रवीत् साऽब्रवीदिडा सा ब्रह्मजाया सा ब्रह्मेति हो सा ब्राह्मणस्य सा ब्राह्मणस्य | * | सामन्ताः पृष्ठ सामन्ताटिव १५८ १९३ सामन्तादिक सामन्तादिप सामन्तादिषु | २१६२ १४८२, २,१९२४, ८,२१०४, २१९७ १५७८ ८३६ ११४६, | २० सामर्थात्पाद साम लज्जास्प साम लज्जास्प सामवायिक सामवायिका सामवायिका सामवायिक | २८,२०४५ १६७७ १६७७ १९८९ १९४५ १९३५ १६,२५७० १६,२१६४ | सामान्यतो हृ सामान्यप्रास्त सामान्याख्यानि सामान्या निष्कु सामान्यान् दश सामान्यामात्य | २९०० ७४८ २८३५ २८४५ *२०२९ १४३१ २८४२ |
| साऽब्रवीत् साऽब्रवीदिडा सा ब्रह्मजाया सा ब्रह्मेति हो सा ब्राह्मणस्य सा ब्राह्मणस्य सा भार्या या प्रि सा भीरूणां प | रे द द ४ द द ३ ९ ७ ४ ८ ० ३ ९ ८ १ ० ४ १ २ ६ ० ३, २ ७ ७ ४ | सामन्ताः पृष्ठ सामन्ताटवि १५८ १९३ सामन्तादिक सामन्तादिप | २१६२ १४८२, २,१९२४, ८,२१०४, २१९७ १५७८ ८३६ ११४६, | र ० सामर्थ्यात्पाद साम लज्जास्प साम लज्जास्प सामवायिक सामवायिका सामवायिके सामवायिके सामवायिके | २८,२०४५ १६७७ १६७७ १९८९ १९२ १९३०, | सामान्यतो हृ सामान्यपास्त सामान्याख्यानि सामान्या निष्कृ सामान्यान् दश सामान्यामात्य सामान्यामात्य सामान्या या भ | २९०० |
| साऽब्रवीत् साऽब्रवीदिडा सा ब्रह्मजाया सा ब्रह्मित हो सा ब्राह्मणस्य सा ब्राह्मणस्य सा भावां या प्रि सा भीरूणां प | * | सामन्ताः पृष्ठ सामन्ताटिव १५८ १९३ सामन्तादिक सामन्तादिष सामन्तादिष सामन्तादिस सामन्तादिस | २१६२ १४८२, १९२४, २,१९०४, २१९७८ ८३६ १३६५ ८३६ १२८३ | र ० सामर्थ्यात्पाद साम रूज्जास्प साम रूज्जास्प सामवायिक सामवायिका २१९ सामवायिके सामवादिक सामविद्य | २८,२०७५, १६७७ १६७४, १९४, १९२५, १९२५, १६,२१५, | सामान्यतो हृ सामान्यप्रास्त सामान्याख्यानि सामान्या निष्कु सामान्यान् दश सामान्यामात्य सामान्या या भ सामान्यार्थे व्य सामुत्थायिकै | २९०० ७४८ २८४५ २८४२ ३४२ १४४३ २९०२ १५५ |
| साऽब्रवीत् साऽब्रवीदिडा सा ब्रह्मजाया सा ब्रह्मति हो सा ब्राह्मणस्थ सा बाह्मणस्थ सा भार्या या प्रि सा भीरूणां प साम आदौ प्र साम औदौ प्र | * | सामन्ताः पृष्ठ सामन्ताटिव १५८ १९३ सामन्तादिक सामन्तादिष सामन्तादिष सामन्तादिस सामन्तादिस सामन्तादीना सामन्तानां च | २१६२ १४८२, १९२४, २,१९०४, २१९७८ ८३६ १३६५ ८३६ १२८३ | रु० सामर्थ्यात्पाद साम रूज्जास्प साम रूज्जास्प सामवायिक सामवायिका २१९ सामवायिके सामवायिके | २८,२६५७७ १६६९,७७०,०४१ १९५५,६३५ १९२१,२१ १६,२१५,६ | सामान्यतो हृ सामान्यप्रास्त सामान्याख्यानि सामान्या निष्कृ सामान्यान् दश सामान्यामात्य सामान्या या भ सामान्यार्थे व्य सामुद्यायिकै सामुद्रः शुरुकः | २ % % % % % % % % % % % % % % % % % % % |
| साऽब्रवीत् साऽब्रवीदिडा सा ब्रह्मजाया सा ब्रह्मित हो सा ब्राह्मणस्थ सा ब्राह्मणस्थ सा भार्या या प्रि सा भीरूणां प साम औदौ प्र साम चैव प्र साम चोपप्र | \\ \tau \tau \\ \tau \tau \\ \tau \tau \\ \tau \tau \\ \tau \tau \\ \tau \tau \\ \tau \tau \\ \tau \tau \\ \tau \tau \\ \tau \tau \\ \tau \tau \\ \tau \tau \\ | सामन्ताः पृष्ठ सामन्ताटिव १५८ १९३ सामन्तादिक सामन्तादिष सामन्तादिष सामन्तादिस सामन्तादिस सामन्तादीना सामन्तानां च सामन्तामात्य | २१६२ १४८२, २,१९२४, ८,२१०४, २१९७ ८३६ १३६५ ८३६ १२८३ | र ० सामर्थ्यात्पाद साम रूज्जास्प साम रूज्जास्प सामवायिक सामवायिका २१९ सामवायिके सामवादिक सामविद्य | 8, 0, 0, 0, 0, 0, 0, 0, 0, 0, 0, 0, 0, 0, | सामान्यतो हृ सामान्यपास्त सामान्याख्यानि सामान्या निष्कु सामान्यान् दश सामान्यामात्य सामान्यामात्य सामान्या या भ सामान्यार्थे व्य सामुद्रथायिकै सामुद्रक्षेत्रथा | २ ° ° ° ° ° ° ° ° ° ° ° ° ° ° ° ° ° ° ° |
| साऽब्रवीत् साऽब्रवीदिडा सा ब्रह्मजाया सा ब्रह्मेति हो सा ब्राह्मणस्थ सा बाह्मणस्थ सा भार्या या प्रि सा भीरूणां प साम आदौ प्र साम चैव प्र साम चोपप्र | \(\frac{2}{3}\) \(\frac{2}\) \(\frac{2}{3}\) \(\frac{2}{3}\) \(\frac{2}{3}\) \(\frac{2}{3}\) \(\frac{2}{3}\) \ | सामन्ताः पृष्ठ सामन्ताटिव १५८ १९३ सामन्तादिक सामन्तादिष सामन्तादिष सामन्तादिस सामन्तादिस सामन्तादीना सामन्तानां च सामन्तास्य सामन्तास्य | २१६२ १४८२, २,१९२४, ८,२१०४, २१९७ ८३६ १३६५ ८३६ १२८३ | र ० सामर्थ्यात्पाद साम लज्जास्प साम लज्जास्प सामवायिक सामवायिका रश्प सामवायिके सामवायिके सामविद्थ सामवेद्थ सामवेद्य सामवेद्य सामवेद्य सामवेद्य सामवेद्य सामवेद्य सामवेद्य सामसाध्यं सु | كل فر في الله الله الله الله الله الله الله الل | सामान्यतो हृ सामान्यप्रास्त सामान्याख्यानि सामान्या निष्कु सामान्यान् दश सामान्यामात्य सामान्या या भ सामान्यार्थे व्य सामुत्थायिकै सामुद्रः शुरुकः सामुद्रहरूय | ₹ 9 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 |
| साऽब्रवीत् साऽब्रवीदिडा सा ब्रह्मजाया सा ब्रह्मित हो सा ब्राह्मणस्थ सा ब्राह्मणस्थ सा भार्या या प्रि सा भीरूणां प साम औदौ प्र साम चैव प्र साम चोपप्र सामतृष्णातु | ₹ ₹ ₹ 90 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 | सामन्ताः पृष्ठ सामन्ताटिन १५८ १९३ सामन्तादिक सामन्तादिप सामन्तादिप सामन्तादिस सामन्तादीना सामन्तानां च सामन्तामात्य सामन्तास्य सामन्तेनैन | २१६२ १४८२, १४८४, २,१९०४, २१९०८ ११६, १३६५ १३६५ १२७४ १४७२ | र ० सामध्यात्पाद साम लज्जास्य साम लज्जास्य सामवायिक सामवायिका २१९ सामवायिके सामविद्य सामवेदस्य सामवेद्देश सामवेद्देश सामवेद्देश जा सामसाध्यं यु | 8, 8, 8, 8, 8, 8, 8, 8, 8, 8, 8, 8, 8, 8 | सामान्यतो हृ सामान्यपास्त सामान्याख्यानि सामान्या निष्कृ सामान्यान् दश सामान्यामात्य सामान्याया भ सामान्याया भ सामान्यायिकै सामुद्रश्चिक्षः सामुद्रहरूय सामुद्रहरूय सामूद्रं चीन | २ ° ° ° ° ° ° ° ° ° ° ° ° ° ° ° ° ° ° ° |
| साऽब्रवीत् साऽब्रवीदिडा सा ब्रह्मजाया सा ब्रह्मेति हो सा ब्राह्मणस्थ सा बाह्मणस्थ सा भार्या या प्रि सा भीरूणां प साम आदौ प्र साम चैव प्र साम चोपप्र | ₹ ₹ ₹ 90 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 | सामन्ताः पृष्ठ सामन्ताटिव १५८ १९३ सामन्तादिक सामन्तादिष सामन्तादिष सामन्तादिस सामन्तादिस सामन्तादीना सामन्तानां च सामन्तास्य सामन्तास्य | २१६२ १४८२, १४८४, २१९४, २१९७८ १४६, १३६५ १३६५ १४७४ १४५८ १८५८ २०८६ | र ० सामर्थ्यात्पाद साम लज्जास्प साम लज्जास्प सामवायिक सामवायिका रश्प सामवायिके सामवायिके सामविद्थ सामवेद्थ सामवेद्य सामवेद्य सामवेद्य सामवेद्य सामवेद्य सामवेद्य सामवेद्य सामसाध्यं सु | 8, 0, 0, 0, 0, 0, 0, 0, 0, 0, 0, 0, 0, 0, | सामान्यतो हृ सामान्यप्रास्त सामान्याख्यानि सामान्या निष्कु सामान्यान् दश सामान्यामात्य सामान्या या भ सामान्यार्थे व्य सामुत्थायिकै सामुद्रः शुरुकः सामुद्रहरूय | ₹ 9 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 |

| _ | | _ | • | • | • | | |
|-------------------------------|------------------|----------------------------|-------------------|-------------------|--------------|-------------------|----------------|
| सामैव प्रथ | १९४३ | साम्राज्याय भौ | | सार्थकांश्च नि | १३५८ | सावित्रः शन्ता | २९०६ |
| सामोपप्रदा | १९४५ | | २३३ | सार्थगणवा | २६४२ | सावित्रब्रह्म | * २९७३ |
| सामोपायैर | १९६४ | साम्राज्याय सु | ¥ | 1 | २८ ०५ | सावित्रब्राह्म | ,, |
| साम्नस्तु गोच | १९३८ | सा यं पाप्मना | २४८ | | १९२४ | सावित्रान्वैश्व | २९४८ |
| साम्नस्तु विष | " | सायं प्रातः सै | १५३४ | | २३१८ | सावित्री च त | ३००३ |
| साम्ना तेऽपि नि | #२०३ ६ | सायं प्रातर्न | २८५० | | १७०३ | सावित्री च ध | * ,, |
| साम्ना ते विनि | ,, | सायं प्रातश्च | | सार्थिका वणि | २०४८ | सावित्री चेति | ₹000 |
| साम्ना दानेन | १८७४, | सायंप्रातस्तु | १४३२ | सार्थे प्रधानः | २५ ०८ | सावित्रीव स्थि | २४८३ |
| १९०९ | ९,१९१३, | सायंसंध्यादि | | सार्धे विद्वांस्त | २०५३ | सावित्रो द्वाद | ३०९ |
| | २, १९३ ४, | सा यदा परि | ३१४ | साधे सुरासु | २८७३, | सावित्र्याऽभिम | २८६४ |
| • • • | २३८० | सा यात्रा द्वन्द | | ١., | २८७८ | सावित्र्या स्रक्ष | २९१३ |
| साम्ना प्रदाने | २१२६ | सा या परिशि | ३१६ | 1 | | सावित्र्युभय | २९७९ |
| साम्ना प्रसाद्य | १९१५ | सायाहे कीडि | ८०४ | | २८३४ | साविश्योभय | * ,, |
| साम्ना भेदेन | # १९०९, | सा यैव यज्ञ | ३१३,३१६ | 1 | ,, | सावीहिं देव | २४० |
| | ४,१९३७, | सा योजनद्व | १४४५ | OI TIS MIS | १४२५ | सा वै वाक् सृष्टा | १०९ |
| | #2360 | सा योजने च सारं द्विगुण | # \$888 | | २४७१ | साऽशणोत् | ૪ેેેેે |
| साम्ना यद्यपि | १९४८ | | २६८७, १०३,२७३४ | सार्पे पौष्णे त | २९१ ९ | साश्रुनेत्रो जि | #2482 |
| साम्नाऽर्थसिद्ध | १९४९ | सारतो जग | | anaguesta | १५१० | साश्ववमीयु २५३ | |
| साम्ना वाऽपि प्र | | 1 | <i>२७५६</i> | सालानामपि | ,, | साश्चश्च सग | 1866 |
| साम्ना समान | १८५७, | 1 | १३३० | सा लोकान्ब्रह्म | ११२३ | सासह्याम पृ | ४८१ |
| याना यनान | १९ ३ ७ | L | ९२३ | सावधानम ९ | ६३,१४९०, | सा सुरा | ११० |
| साम्ना साधून् ध | | सारथ्यं च ग | ८९४ | | | सासुश्च कव | २५१३ |
| साम्नि चापि प्र | | सारफल्गुब | ६७७ | सावधानेन | २९०४ | साऽसी द्यीः | २८१ |
| | * 8 9 8 4 | सारबलम | २७२५ | सावधानो ग | | सास्त्रो दूरं नृ | १७४८ |
| साम्रय यतः | | सारवत्तां च | १६७८ | सावधारण | १८३९ | साऽसै सवम | २८३ |
| साम्नैवार्थ त | # २६ ó४ | 1 | २४८९ | सा वन्द्या पूज | २८९४ | साऽस्य गूहति | १३२५ |
| साम्नेवाय स साम्नेवाऽऽवर्त | २३७६ | | ८५९ | सावमदे तु | *१७०० | साऽस्य पूर्णाहु | २७७० |
| g14d122du | १९१०, | सारस्वतं च | ७९,१६३, | सावमानं तु | ,, | साऽस्य वेदिस्त | * ₹७७१ |
| | २६ ०४ | | १६८ | सावर्णिर्वहा | २९७६ | साऽस्य वेदी त | ,, |
| साम्रो दानस्य | १९३८ | _ | - ३०९ | सावर्णेर्देवाः | ८९ | सा खाहा सा ख | |
| साम्यमादौ प्र | # १९०९ | | १६६ | सावर्ण्यस्य द | " | साहचर्ये भ | १९४२ |
| साम्राज्यं भोग | १४९३ | सा राजन्वती | २०८० | सावरोषाणि | 989 | साहजिकं चा | १८४१ |
| साम्राज्यं भीज्यं | २३० | सारापराधौं | १९७१ | सा वाग्द्रष्टा च | | | १ २,६१३ |
| साम्राज्यं वा ए | २०७, | सारासारं त | * ,, | सावित्रं द्वाद | ७९,१४२, | | ६७२ |
| ર | ३१,२३२ | सारासारं ब | ર ં १५ | | १६३,१६८, | • | |
| साम्राज्यमस्मि | | सारिकाशुक | * ₹0४८ | | १७२,३०३, | | ११४४ |
| साम्राज्यमिति | | सार्के बुधे चा | २४६५ | | ३१६ | /11/2/11/47 | १४२८, |
| | | | . • | | 7141 | | २३४१ |

| | | • | | | | | |
|----------------------------|-----------------|-------------------------|-----------------|---------------------------|-----------------------|-----------------------------|---------------|
| साहसे वर्त | २५९७ | सिंहस्य सत | १६९९ | सितवर्णे च | *3836 | सिद्धिस्त्रिदश | २५४२ |
| साहस्रिकः श | १७५४ | सिंहस्याधिप | २४७३ | सितवस्त्रं प्र | २५१५ | सिद्धीनामसा | २२२२ |
| साहस्रिक तु | १५२५, | सिंहस्येव के | ९०० | सितवस्त्रध | २९०२ | सिद्धनौषध | २०१२ |
| | २३६६ | सिंहाइव ना | ४७० | सि त वृष कु | २५२४ | सिद्धेनौषधि | ٠,, |
| साहस्रोऽश्वव | २६१३, | सिंहाकान्तं ग | *१५२१ | सितसर्षप | २९८२ | सिद्धे सुभगा | રદ્વેરર |
| | २६८६ | सिंहाख्यं सार्ध | २९८४ | सिताभ्रशिख | | सिद्धचसिद्धी नि | २५१९ |
| साहायिनी गृ | ९३९, | सिंहाजतौलि | २४६७ | सिताम्बरो ष्णी | | सिध्यन्ति यत्ने | २४०८ |
| ٠ | १६०६ | सिंहादेकं ब | ८७२ | सितेन्दुजी च | | सिध्यन्ति हि क | १६६७ |
| साहा ये सन्ति | ४९२ | सिंहान्वितानि | | सिद्धं कालम | २२२२ | सिध्यन्त्यर्था म | # २४०६ |
| साहित्यशास्त्र | २३४५ | सिंहारूढा ध्व | २८९७ | सिद्धप्रविज | २६३८ | सिन्धवो न य | ४७७ |
| साहिनस्त्रीन | ३१७ | सिंहासनं न्य | २९१० | सिद्धमत्राद्य | *२९३८ | सि न्धुराज स्त | २७१७ |
| सा हि मैत्राव | २०७ | सिंहासनं वि | २८३२ | सिद्धमन्त्राद्य | * ,, | सिन्धुराजस्य | ,, |
| सा हि वहेना | २५४ | सिंहासनं व्या | २९४२ | सिद्धमन्नाद्य | * ,, | सिन्धुराजार्थ | २७१८ |
| . सा हि श्रान्तं क्षु | १०८७ | सिंहासनं स | २९८० | सिद्धमायं न | २२२२ | सिन्धुसागर | २९६८ |
| सा हि स्वसमु | २०९४ | सिंहासनस्यः | २९७ ४ | सिद्धःयञ्जन | १२८५ | सिन्धूत्तमं त | " |
| सा ह्यपि निर्ऋ | २६ २ | सिंहासनैश्च | २८८८ | सिद्धव्यञ्जनै | ६७२ | सिन्धूत्तमस्त | * ,, |
| साह्याम दास | ४८६ | सिंही च सह | १४६५ | सिद्धव्यञ्जनो | १३३२, | सिन्धोरिव प्र | % 0 |
| सिंह इवास्ता | ५०७ | सिंहीनां हस्ति | રૂ | | २ २६३६ | सिन्धौ गुरुभी | २५२ १ |
| सि×हं मृजन्ति | # ₹४४ | सिंही व्याघी च | २८८१ | सिद्धस्यैव का | ११०६ | सिप्रा शोणः श | |
| सि ५ ह५ हिन्वन्ति | | 'सिंहे व्याघे ' इ | | सिद्धाभिषिको | २९०७ | सिमिसिमाय | २५२२ |
| सिंहकान्तं ग रिज्यप्रसि | १५२१ २१३३ | ਜਿਲ੍ਹੇ ਜ਼ਿੰਦਰ | १४९५ | 1 | ર ५२४ | सीतया च वि | २४९८ |
| सिंहगुप्तमि | | ਹਿੱਤੀ ਵਰਿਤਕ | १६९७ | सिद्धार्थकान् गु | १५१८ | सीतां ताभिर | २४९७ |
| सिंहनादाश्च सिंहनादैभे | २३५५ २७०२ | - La | २७६० | सिद्धार्थद्विस | २५४८ | सीताध्यक्षः | ६७० |
| सिहनादन सिहनामाऽष्ट | २८४६ | | २८६८ | सिद्धार्थवर्ज | १४७२ | सीताध्यक्षः कृ | २२८५ |
| सिहमतीको सिहमतीको | १०१ | 10 2 0 | १३६४, | सिद्धार्थी मणि | २९६ <i>१</i> | सीताध्यक्षोप | २२५७ |
| सिंह बर्हिण | २९०२ | | ११,१७३ ७ | सिद्धाश्च मुमु | _ | सीता नाम न | १२१३ |
| सिंहरूपेण | १५४४ | 10 7 7 0 | *१७३७ | सिद्धास्त्रनग्न | २७९९ ९९ ६, | सीता भागो ब | २२१ ३ |
| सिंहवचेष्ट | १७९१ | सिञ्चामहा अ | ३८४ | | , ४२५ ,४४२८, | सीता मे ऋध्य | |
| सिंहव्याघ्रग | # १ ६ ९४ | | २८२९ | | .0, (• (c , 8 ४८८ | सीता साध्वयपि | २ २८८ |
| सिंहन्याघद्धि | २६५६ | | २९८२ | ालाधः भवाय | २८३५ | min diadid | • • • |
| सिंहव्याघर्श्व | १४७६ | 1 | २८५६ | सिद्धिः सिद्धिप | | सीते वन्दाम | १६६२ ३९४ |
| सिंहव्याघ्रव | * { && | सितचू र्णेन | " | सिद्धिकृत्वान्य | | सीदतामपि | |
| सिंहन्याघाः स | | ८ सितज्ञयोर्ब | २४६५ | सिद्धिदा जाय | 2827 | सीरामचे च | १०६७ |
| सिंहशार्दूल | १५०० | 1 | #२६०१ | सिद्धिप्रकर्म | 7777 2296 | सीदमाने नृ । सीमान्तनद्य | |
| सिंहशावा इ | | , सितमाल्योप | २९४८ | सिद्धिमायान्ति | १९४५ | 3 | २५१०, |
| | | ५ सितरक्तहि | ૨ ૧.૮૮ | सिद्धियोगान्वि | | सीमान्नमभ्य | २५ २५ |
| सिंहस्त्वं बल | # 88.81 | [।] सितरक्तापी | २८४७ | सिद्धिवांऽप्यथ | ५ इ. इ. अवाह द | सीमावरोधे | *२५१० |
| | | | | • • | 1737 | . र यामावराघ | २३१९ |
| | | | | | | | |

| सीरकाष्ठतृ | २४१४ | सुखं साङ्ग्रामि | २७६ १ | सुखाई दुःखि | १९०१ | सुगु प्तिमाधा | *2 { 2 4 |
|-------------------|---------------|-----------------------|----------------------|-----------------------------|------------------------------|------------------------|-------------------|
| सीरमेदैः कृ | १४३० | सुखं खपन्तः | २८०० | सुखावहा रा | | सुगो हि वो व | |
| सीराद्याकर्ष | ८९५ | सुखं खपन्ति | * ,, | सुखासक्तांस्त्य | | सुप्रीवेणैव | १२४७ |
| सीरा युद्धन्ति | ३८४,३९२ | सुखं खपन्तु | २६५८, | | | सुचक्रोपस्क | २६७ १ |
| सीवने कञ्चु | ८९५ | | ^२ २६५९ | | | सुचारवर्णा | ६५१ |
| सीसमिव स्थि | २४८३ | सुखं हि फल | ९३२ | सुखा हि प्राप्तुं | | सुचारवेषा | ६४९ |
| सीसरूपं सु | २२५४ | सुबः साङ्ग्रामि | २७६१ | सुखिता कचि | ६५८ | सुचेष्टया म | १७६६ |
| सीसस्य लघु | १५३२ | सुखग्रहण | ६७९ | सुखिनी कचि | * ,, | | १३०,११४१ |
| सुकरो हि मि | १९१९, | सुखग्राहं ह | १५१० | सुखे धास्यसि | ७९६ | | २१३० |
| • | २१६१ | सुखतन्त्रोऽर्थ | ६१२ | सुखेन धर्म | ५६४ | सुजातं जात | २ २८८ १ |
| सुकल्पितः सं | १५२४, | सुखदा मण | 3688 | मुखेन यान | १५३८ | सुजातता म | २८३० |
| | २६७४ | सुखदुःखगु | २४४८ | मुखेनापि य | # १२५१ | | १८०९ |
| सुकाष्टोपाङ्ग | १५३१ | सुखदुःख भ | २३९९ | सुखेनार्थान् सु | १०६३ | li . | १९८५ |
| सुकीत्यें संत्य | ११४०, | 1 . | | सुखे सौभाग्य | १०४१ | | १५३७ |
| | १६६२ | 1 | १७०९, | सुखैषिणः क | २४२ ४ | | ८६२ |
| सुकुलश्च सु | १७४० | | १६,२३९१ | सुखोचित म | १९०० | सुतस्य राजा | २४२५, |
| सुकुलाश्च सु | २३४६ | 1 | <i>६७७</i> | सुखोच्छेद्यो हि | २११८ | | २४२६ |
| सुकृतं वर्ध | # १७०९ | | #२३९९ | सुखो जयः ग्र | २८३५ | सुताडनैर्वि | १५२८ |
| सुकृतस्य क्ष | ७९४ | सुखनिःसर | १४९२ | सुखोपगम्य: | २५८४ | सुतास्तव म | २७ <i>१७</i> |
| सुकृतस्य पु | १३६० | सुखनिद्राप्र | ९६५ | सुखोपनी त | १८३३ | सुतिथी च सु | २७१७ २९७२ |
| सुकृतस्य हि | #१८१३, | सुखपूर्वे भ | २५३० | सुखोपरुद्धा | 900 | सुतीक्ष्णदण्डाः | # १ २४५ |
| - 22- | १९४६ | सुखप्रबन्ध १७३ | २४,१७४३ | सुखोपविष्टः | १८२९ | युतायगयः सुतेजः सुम | # ₹₹%₹ |
| सुकृतेनैव | ६५३ | सुखप्रवृत्तेः | ७४७ | सुखो रोगवि | २८३५ | | #1004 |
| सुकृष्टसीमा | #६६० | सुखप्रवृद्ध | # १७२ ४ | सुगं मेषाय | १३६ | सुतेजाः सुम | " |
| सुकृष्टसोम्ः | " | सुखप्रिये से | २४२८ | सुगन्धचन्द | २९८१ | सुत्रामानल | ८२० |
| सुकेशः पौरु | #२९६१ | सुखप्रेप्सुर्वि | | सुगन्धवासा | १११९ | सुदण्डैर्धर्म | ७६२,८३० |
| सुकेशी पौरू | " | | २४२४ | सुगन्धा च घ | # २९६७ | सुदत्तेनेह | १९५२ |
| सुखं च चित्रं | * ६३१ | _ | २००६ | सुगन्धिदान | १५२४, | सुदत्तेनैव | * ,, |
| सुखंच लभ | १८२५ | | १५९८ | | २६७४ | सुदर्शः सर्व । | र६९,११७ ४ |
| सुखं चैव हि | १९६९ | _ | # 6086 | सुगन्धिस्वस्थ | #2903 | सुदर्शः स्थूल | १०५९, |
| सुखं ते प्रति | ६५७ | सुखस्य मूलं | ११०५ | सुगन्धि खस्थं | 4 / 1 4 | | ११७४ |
| सुखं नेवेह | २३८८ | सुखां च रज | ७९० | सुगन्धीनि च | " २ ९४२ | सुदर्शनश्च | १०३१ |
| सुखं प्रशान्तः | २००१ | सुखाख्यो वल | | सुगमा चै व | २ ८४२ २९९ ९ | | * २९५६ |
| सुखं प्रीतिः | ९०६ | सुखागतां वा | #24 o 8 | सुगम्य रो ल | 25.77 | सुदर्शना त | * . ,, |
| सुखं प्रेप्सुर्वि | *२४२४ | सुखानि चानु | ५४२ | सुगम्यशैला | २५८५ २७७ १ | सुदर्शना हि | ११०६, |
| सुखं रथं यु | ४५३ | सुखानि सह | २१३ १ | सुगुणेषु प | १२४६ | שי וויידכ | १४०३ |
| सुखं त्रित्तं च | ६३१ | सुखाभियोगो | २११८ | सुगुप्तकृत्य | ९५८,९८० | सुदाः पैजव | ८७५ |
| सुखं विन्दति | ७२७,८२१ | सुखाय बद | ७३१ | युउ पट्टरप सुगुप्तानि पू | | सुदासः पैज | |
| | | | | · | • • • • • | 371V, 14 | # ,, |

| सुदीर्णघोणा | | I | | í | | | |
|--------------------------------|----------------|----------------------|--------------|-------------------------------|--------------------|----------------------------|------------------|
| | - २८०० | 19 | २९९ ४ | 1 | * ₹९६९ | सुमन्त्रः पण्डि | ं १२६५, |
| सुदुःखं पुरु —-ऽः | १२२२ | 9 9 | ३००३ | सुप्रभा कात | >> | | १७५५ |
| सुदुर्बलं ना | १०३७ | 10 | २१२३ | सुप्रभूतं सु | *२५९३ | | १२६५ |
| सुदुर्बलान् वा | ६६१ | 1 9 | २७५ १ | सुप्रमाणाङ्गु | १५१२ | सुमन्त्रिणः प्र | # १२५२ |
| सुदुर्लभाः सु | २६ ०५ | सुपरीक्षित | ९४६,९७९, | सुप्रमृष्टम | २२५ १ | सुमन्त्रितं सु | २०४३, |
| सुदुर्वृत्तं य | २७९४ | | ९९१ | सुपृष्टत्तेस्त्रि | ५५६ | | २३७७ |
| सुदुर्वृत्तास्तु | ११५० | सुपर्णे वस्ते | ४९५ | सुप्रसन्नस्तु | ५९७ | सुमन्त्रितेन | *१७६ १ |
| सुदुष्करश्चा | २४३४ | सुपर्णस्त्वाऽन्व | ४६ १ | सुप्राप्यानुपा | २०९४, | सुमन्त्रिते स | १०५६ |
| सुदुष्करस्त | * ,, | सुपर्णारिश्च | #२९६३ | | २५६८ | सुमन्त्रितैर्न | १७६१ |
| सुदुष्कीर्तिश्च | १३५८ | सुपर्याप्तं वि | प१ | सुपावीरिद्व | ३७५ | सुमहच गो | १४३८ |
| सुदुहा या तु | ७९५ | सुपात्यमृग | १५९८ | सुप्रावृतांस | १८२५ | _ | २१६ २ |
| सुदूरगम | १५१२ | सुपात्रतो ग्र | १३६६ | सुप्रीतमन | *२९३९ | | १५५९ |
| सुदूरमि | ८०८ | सुपालितप्र | * ५९८ | सुबहुदृढ | १४८६ | | |
| सुदूरे चानु | २८६१ | सुपिप्पला ओ | २४५ | सुबहूदक | १४८३ | सुमहद् गुणि | १६६८ |
| सुदृढानां त | १२६७ | सुपुण्यो यत्र | ११५१, | सुभक्तां चतु | २८७५ | | . १७५६ #२९६१ |
| सुद्युम्रश्चापि | १०५३ | | १९८४ | सुभक्तो राज | १६६५ | | *4748 |
| सुद्युमस्तवन्त | १०५४ | सुपुष्टं कान्ति | १३६८ | सुभगं चार्थ | ७९४ | | " |
| सुधन्वानमु | ६५९ | सुपुष्पाश्चैव | १४३१ | सुभगाकुमा | १५६३ | 33 1 .1 | ५४१ |
| सुधर्मबल | ११५३ | सुपुष्पितः स्या | १०४०, | सुभगाचाट | # १ ४१८ | 3.1.1/11.16 | २५८५ |
| सुधर्मा विदु | २९३६ | ₹. | ८८९,२०४४ | सुभगा विट | | सुयज्ञोऽप्यथ | # १२४५ |
| सुधार्या नैव | १३६३ | सुपूरा वै कु | २३८१ | सुभगैश्चाथ | 15 19 2 9 2 9 4 | सुयत्नेन स | २१४८ |
| सुधालित इ | १२२० ११३० | 1 | २६९,१७४७ | į. | ७४३,१४१८ | सुयन्त्रितं तु | २८६९ |
| सुधावदातं | २८६० | सुप्तकामोप | २३५२ | सुभटान् बल | २७५ १ | सुयुक्तचारो | १ ०३६ |
| यु रा न्यस सुधीरव्यस | २६६९ | सुप्तमत्त्रयो | १६७० | सुमटैः शत सुभिक्षक्षेम | " | सुयुक्तताड | ८९६ |
| युवारण्यत सुनन्दः सर्व | रववर १४९५ | | | 1 - | २९१३ | सुयुक्त्याऽर्थार् <u>ज</u> | ७५९,८९२ |
| सुनयपिहि सुनयपिहि | १५९१ | सुप्तान् भ्रष्टान्वि | | सुभूषणः सु | | सुयुद्धकामु | १५२७ |
| सुनिपुणप | १७३९ | सुप्तेषु तेषु | २८०० | सुभूषणां सु | ९६ ३ | सुयुद्धमपि | # ₹₹00 |
| सुनिपुणमु | ८८२ | सुप्तेषु सर्व | | सुभृत्यता तु | १७५३ | सुयुद्धमेव | " |
| | | _ | २८७८ | सुभृत्यास्तेऽवि | २३४६ | सुयोगा च वि | २९९ ९ |
| सुनिमित्तान्य | २९८५ | सुप्रणीतेन | ६१३ | सुभृशं ताप्य | ≇६३ ० | सुयोधनम | १९९८ |
| सुनियतमु | २८११ | सुप्रतिविहि | १६६९ | सुभेषजं य | १३६ | सुयोधनो ना | १९०८ |
| सुनिधौंतं ध | #8480 | सुप्रतीकाञ्ज | २८८२ | सुभोजनैः सु | १७५० | सुयोधनो म | २४४० |
| सुनिवेशित | # \$४४३ | सुप्रतीकोऽञ्ज | २५३८, | सुभोजितोऽपि | 8008 | सुरक्षितं त | २०२६ |
| सुनिश्छिद्रं प्र | २५९५ | २५ ४ | ५,*२८८२, | • | | सुरक्षितव्यं | |
| सुनिषणम | १५१७ | २८ | ८४,२८९२, | सप्रति च म | 200 | सरक्षिताः । | # 33 |
| सुनीतं यदि | १०७२ | 2 | ९६३,२९७७ | समिति या | - | सुरक्षिताः प्र ए | |
| सुनीतिकुश | | सुप्रभं च य | ९५९ | खुमात खुम सुमतिर्दुर्म | * ,, | सुरक्षिताऽपि | १००४ |
| सुनीतिशास्त्र | | सुप्रभं सानु | \$ X X 3 | खुनाताषुम सुमन्त्रं मन्त्र | | सुरक्षिता प्र | \$ \$8\$6 |
| (8) | | . • | 9 0 0 7 | খণ শংস | १७६५ | सुरङ्गामुखे | २११० |
| | | | | | | | |

| सुरदारुण . | २८६८ | सुरूपः शील | 5 * ११८२ | सुवर्णसंघि | २०६१,२०८४ | (सुबृष्टे च य | *2393 |
|--------------------------|--------------|-----------------------------|------------------------|--------------------|----------------|---------------------|------------------|
| सुरदारुम | २५४७ | सुरूपस्तरु | २३३६ | | २२३० | सुवेगा तस्क | १४६९ |
| सुरनामं ख | १४७८ | सुरैः पीताव | | 1 | २९३८ | सुव्यक्तं माद्य | ९८६ |
| सुरनाम ख | # ,, | | १७३८ | सुवर्णाध्यक्षः | | | ६६६ |
| सुरपतिग्र | २८७९ | सुरोवेणाऽऽ | | सुत्रण हेम | २९० ३ | सुव्यञ्जनाचा | १५ २४, |
| सुरम्यसम | १४८३ | सुलक्षणं च | १४७५ | सुवर्णे दिव्य | २५२७ | 3 | २६८३ |
| सुरया शौण्डि | २६५२ | सुलभः ख | | सुवर्णेनापि | २८४३ | सुव्यवस्थित | 1116, |
| सुरराज्यम | #१२९२ | सुलभाः पुर | | सुवर्णे रज | १३८२ | _ | |
| सुराकिण्ववि | २२९४ | 3000 | • | सुवस्त्राद्यैर्भू | १०१५ | | ७६६,१७७९ |
| सुराक्षीरद | २६ २७ | सुलभा वै म | १२४६ | सुवस्त्राभर | २६ ९१ | सुव्याजा हि प्र | |
| सुराणां च गु | २४७३ | ļ | • • • | सुवाद्यनृत्य | १५३५ | सुज्यावर्त्या श्रे | १५६४ |
| सुराणां स्थापि | ८०७ | सुलभासुल ~ | १८४४ | सु वार वेला | २८४६ | सुन्याहृतानि | १०४१, |
| सुराणामसु | २८४४ | सुवर्चिलव | १५३१, | सुवारिपृष्ठी | १४८२ | | २१३२ |
| सुरा त्वमसि | १७९,२२१ | | १५३२ | सुवाससः सु | | 9 | २९६१ |
| सुराध्यक्षः | ६७० | सुवर्णे खादि | २४८१ | सुवासा भोड | | 3 | \$ 888 |
| सुराध्यक्षः सु | २२८ ९ | सुवर्णे तु सु | २८५९ | 9 | , . | 9 | . ३६६ |
| सुराध्यक्षरच्यु | ७२१,८१९ | सुवर्णे पूर्वे | २२४७ | सुविप्रहो जा | | 3 | १९१४ |
| सुरापानार्थ | १११७ | सुवर्ण भक्ष | २४८२ | सुविचितं वि | | 9 | ९६६ |
| सुरापेयादि | १४७८ | सुवर्ण रिक्त | १३७३ | सुविचिन्त्याह | | सुशिल्पशास्त्र | २३४३ |
| सुराप्यपि व | ११५१, | | १३७३,१५१०, | सुविज्ञातप्र | ६८० | सुशीलान्नाव | क्ष १७३३ इ.स. |
| 301 111 1 | १९८ ४ | | १५२२,२८४५ | सुविदिते श | २२ २८ | सुशुक्लमाल्य | २५०४ |
| सरा विः नर् व | | सुवर्णघटि | २७५२ | सुविदीणे सु | १८८६ | सुशृङ्गवर्ण | १३७४ |
| सुराबिन्दुर्द् | २८४४ | मरार्भ≕र्भ | २८३० | सुविद्यब्राह्म | २७९२ | | ,, |
| सुरायाः पुष्प | २२७३ | सुवर्णदाने | २८९८ | सुविनीतसु | ९९१ | | |
| सुरारिनिल | २०१४ | सुवर्णनद्धां | | सुविनीतान्प्र | | ~ ~ ~ | १७६७ |
| सुरारुधिर | २५ ०५ | सुवर्णपात्र्यां | २८६८ | सुविनीतेन | \$ \$88 | सुश्लोक सुम | १८० |
| सुरार्चनात्पू | ७४१ | | २४८७ | l _ | | ु सुरुोकाँ३ सुम | |
| सुरालयाः पा | ७४८ | सुवर्णपुष्पी | २८८१ | सुविभक्तम | २७२१ | अलाग पुन | १६२, |
| सुरासवं च | १४६६ | सुवर्णपुष्पीं | २६५८ | सुत्रिभक्तान्त | १४४३ | | # १८० |
| सुरासवभृ | २८९४ | | १३६३,२८३० | सुविवेचिता | १८०३ | _ | *68 |
| सुरासुरय | 10141 | सुवर्णमवि | २८६२ | सुविशुद्धप | #१७८६ | सुषमे भूमि | . २९२८ |
| सुरासुरिश | २८६७ | सुवर्णमाष | २२७ ६ | सुविशोधित | ९९० | सुषारथिर | ४१९ |
| सुरास्त्वाममि | २९५५, | सुवर्णमिव | २४८३ | सुविषाणो म | १६९५ | सुषुप्वांसं न | ५५ |
| ૨ ९ | ७६,२९८४ | सुवर्णमेकं | ७४१,७४८ | सुविस्तृतद | 23.02 | सुषेणः सत्त्व | #₹ \$ |
| सुरङ्गाममि | | | 1330.2213 | 2137804 | 1404 | सुषेणोऽङ्ग द | |
| सुरङ्गामुखे | | _ | १३३०,२२१३ १८४२,२३४० | वावलम्मान्क्र | २६०२ | |)) 2/32 |
| सुरुङ्गायुक्ते । | 2220 | सुवर्णरूप्य | | सुवीयों मर्या | | सुष्टुता च सु | २८३१ |
| सुरूपं वेश | | सुवर्णवस्त्रा | 1 | सुवीवधासा | | सुष्वाप तत्र | १४७६ |
| सुरूपः कुल | | छुन्जपस्त्रा सुवर्णविद्ध | र७०२ | युवतास्तार ——— | २१३१ | सुसंगृहीत | १४०४, |
| <i>⇒ ,</i> , ⊘ | 1104. | ઝનનાવજ | २८८६ | सुवृत्तो भव | ,, | . २० | १३,२३२९ |

| 02 | | | | | | | |
|----------------------------------|----------------|----------------------|---------------|---------------------------------|------------------|------------------|---------------------|
| सुसंचिते ध | | सुस्नातोऽनुलि | #₹९ ७४ | | २८४३ | 1 9 | २३१० |
| सुसंतुष्टः स | *८७३ | सुखप्नलाभां | १९९१ | सूक्ष्मरोमा सु | " | सूत्रधारं तै | १४७६ |
| सुसंतुष्टांश्च | १२१६ | | २५०१ | i | 🛊 १६५७ | सूत्रपरीक्षा | २२८४ |
| सुसंतुष्टो भ | ギクのま | • | १७५२ | | " | सूत्रप्रमाणं | २२८३ |
| सुसंतोषः का | २३८१ | सुखिन्नं शुचि | २५५० | सूक्ष्माणां रूप | 968 | सूत्रमेकाव | २२३० |
| सुसंदीप्तं म | १०८९ | मुहस्ताश्चैव | १५१२ | सूक्ष्मा सत्त्वप्र | २४१० | सूत्रवल्कम | २२८५ |
| सुसंदृशं त्वा | १३३ | | २९४६ | | २८४२ | सूत्रवस्त्रता | १३३० |
| सुसंघानानि | १४७४, | सुद्धतसंबन्धि | १९४२ | सूक्ष्मेणैवाभ्यु | ७३२,८२२ | सूत्रहासे वे | २२८४ |
| | २०७३ | सुहृत्सु शुभ | १११७, | | १४६९ | सूत्रादिरज्जु | ८९५ |
| सुसंनद्धव | २८६७ | _ | १८५७ | सूचीकाराश्च | १४६०, | सूत्राध्यक्ष: | ६७० |
| सुसंनद्धाः सु | २६७० | मुहत्स्नेहश्च | २५०२ | | રે ૫ ७ ફે | सूत्राध्यक्षः सू | २२८३ |
| सुसंमृष्टोप | २८६२ | मुद्धत्स्वजिह्यः ६ ९ | | सूचीतुल्यं श | | सूदशास्त्रवि | २३३७, |
| सुसंरक्षेत १४२१ | ,१७३७ | | .१,१६३५ | सूची पद्मस्य | २७१८ | | * ,, |
| सुसंवृतं म १७६४ | , १ ७८२ | मुहृदश्चैव १२९ | | सूचीमुखम २६ | ०४,२७०१, | सूदाध्यक्षो हि | |
| | ४,६५९, | सुद्धदा तेन | 8000 | | ०६,२७३१ | सूदानां च वि | २३५१ |
| | १७६४ | सुहृदात्मस | १२४२ | सूचीमुखस | ११९१ | सूदारालिक | १४०१, |
| सुसंस्कृतानि | १०९४ | सुहृदामर्थ ् | ८६५ | सूचीमुखा ह्य | २०७९, | | ४५,२१०९, |
| सु सं हतशि | २९०२ | सुद्धदि नियो | १२३४, | | २५६३ | | २६२२ |
| सुसंहताः प्र | १५०१ | | २३४९ | सूचीमुखे म | | सूदा व्यञ्जन | * ? ६ ६ १ |
| TT-1 | * ,, | सुहृद्धनं त | २१२६ | सूचीमुखो द | २७१८ | सूनाध्यक्षः | ६७० |
| सुसंहतानां | १९५८ | सुहृद्धन्धुः स्वा | ६८२ | | २९६ ३ | सूनाध्यक्षः प्र | २२९ ४ |
| | * ,, | सुहृद्धिरन १०७ | ५,२००५ | सूचीव्यूहः स | २७५ ३ | सूनृतावन्तः | ¥0₹ |
| मर्गाले के बार | | सुहृद्धिराश्र | २०७५ | सूची सूक्ष्ममु सुच्या वज्रेण | २७५० | सूनोमनिना | |
| सुसंहितोऽप्य | * ,, २११९ | सुहद्भिर्भातृ | ९६३, | ू ज्या पश्रम | २६६५ , | सूपशास्त्रवि | ५६ २ ३ ३७ |
| सुसमिद्धो य | १०९६ | १ १ ४ | ८,१७९८ | ग्राह्मकारि = | २७३० | सूयते स्वानां | |
| सुसमृद्धं चि | १३६८ | सुहृद्भूत्वाऽनु | ६४० | सूज्ज्यलानि च सूतः सूत्यां स | १५३४ | सूयते ह वा | ३३२ |
| सुसमे संस्थि | २८७६ | सुहृद्विप्रव | २९७८ | - | ११२२ | सूरिषु साम | २१५ |
| सुसहायम | 2628 | सुहृद्वैद्याश्चि | १२६२ | सूतकं यदि | २८८७ | सूर्यः शुक्रः कु | १९३७ |
| सुसहायार्थ १२२९ | | मुहृत्मे त्वं सु | ६४० | सूतकी मृत सूतके तु स | " | सूर्यः सोमः कु | २४७० |
| सुसाक्षिमच | १८३९ | सुहेमा चाथ | २९६१ | रूतक तु स सुतके त्वथ | २८७८ | सूर्यकान्तादि | २५४४ |
| सुसाहाय्यं हि | १९४३ | ! - | २५१० | e/ | " | सूर्यत्वं तेज | १४७५ |
| सुसिद्धाल्पन | | सूक्तः क्लेशस | #१६७६ | सूतमागध | # ₹४४₹, | _ | ८ू२१ |
| | | 1 | | #31#### \$ \ | १६०,२५७३ | | २७१ |
| सुसूक्ष्मा मे स | | सूक्तमहाव्या | | सूतमागधाः | २६१३, | | २५१७ |
| - | | सूक्ष्मग्रीवं म | २७५० | | | सूर्यपुत्रं म | २८८६ |
| सुसूत्रं देव | | सूक्ष्मतन्तूप | **\C\ | सूत राजा धृ | २४२५ | सूर्यपूजावि | ,, |
| सुस्थितः शास्ति सुस्थिरत्वं च | | सूक्ष्मयोनीनि | ५६ ३ | सूतिकाचिकि | २३२५ | सूर्यमण्डल | २७८६ |
| - | | स्क्ष्मरक्ताम्ब | १७६६ | स्तिकाप्रेत | | सूर्यवन्तं म | २४२ |
| रा. सू. ४९ | | | | | | • • • | 764 |

| सूर्यवर्चस | २ २७२ | सृष्टाः पुरा आ | ५९० | सेनापतिः श्रू | १७५१, | सेने समीक्ष | २५३४ |
|---------------------------|------------------------------|-------------------|--------------|--------------------|-------------------|----------------------|---------------|
| सूर्यश्चक्षुषा | ૭૫ | सृष्टाः पुरा ह्या | * ,, | | | सेन्द्रान्गईय | १९९९ |
| सूर्यस्य च प्र | ર ૫૪૫ | सृष्टा धर्मव्य | ६५७ | सेनापतिकु २० | ६१,२०८४ | सेमां नो हव्य | ४९७ |
| सूर्यस्य पश्य | १८७ | सेचयेचतु | | | २३५६ | सेयं त्वामनु | * ८४४, |
| सूर्यस्य वर्गः | २९४८ | सेचयेत्कूर्च | ३००२ | सेनापतिप्र | ६७१ | | क्ष२४५० |
| सूर्यस्य वर्च | २८७ | सेचयेत् सहि | २८८६ | | | सेयं दे वानां | २५९ |
| सूर्यस्थाऽऽवृत | ९ ४२, | सेतुं वा कार | २७०१ | २३ | ६४,२७३० | सेयं पृथिवी | २८१ |
| | .૨,૨૮५ રે | सेतुबन्धः स | २१६७ | सेनापतिर १२ | २६,२६१३ | सेयं प्राची दि | ३४ |
| सूर्यस्याश्वा ह | ७१ | सेतुबन्धयो | २०९९ | | | सेयं बुद्धिः प | १०४५ |
| सूर्योशुस्पर्श | १४९७ | सेतुबन्धो व | १३६५, | सेनापतिसु | २८२९ | सेयमापन्म | २००३ |
| सूर्याचन्द्रम २५३ | | | १५८२ | सेनापतिस्त | २३६५, | सेयमाभ्यन्त | ६०४ |
| सूर्यादयोऽरि | ૨ ૪६५ | | ५१४ | २७ | ३३,२७३४, | सेल्लचऋघ | १५४३ |
| सूर्यादिलोक | १४७९ | सेदु राजा क्ष | १६ | | २७४९ | सेवते पुष्ट | १७५३ |
| सूर्याद्वीजिस | २२८६ | सेदुराजा क्षे | * ,, | सेनापतिस्त्व | २३५४ | सेवयाऽत्यन्त | १५३०, |
| सूर्याद्याश्च ग्र | २९७६ | सेनपैस्तु वि | १७४८ | सेनापतीन्त्र | *२६६४ | | १९४४ |
| सूर्याय चन्द्र | २९०१ | सनयाराश | २४९० | सेनापतेः प्र | १४७२ | सेवया वा व | २१४६ |
| सूर्ये ज्वाला त | २५२८ | र्ग जन्मे क्ये जि | १९११ | सेनापतेर्ग | १४७३ | सेवां वाऽपि च | २१२७ |
| सूर्येन्दुपर्ज | २९२५ | 12-2-2- | २६ ९ १ | ् सेनापतेर्न | २ १ ४७३ | सेवां विना नृ | १७५६ |
| सूर्येन्दू बल | २४६४ | | ५०८ | | २७१६ | सेवायां चापि | *१२१८ |
| सूर्येऽ भ्युदित | २९३८ | ग्रेनमं जाति | •२३८६ | सेनापत्येन २ | | सेवायाश्चापि | " |
| | ३२,१२६१ | 12 | ,, | सेनापत्ये य २३ | | सेवाशीर्याद | १८३९, |
| सूर्योदयं त | * ₹७०९ | | २७३९ | | २४५७ | | १८४२ |
| सूर्योदयन | ,, | सेनाङ्गसंस्थो | २५१४ | | २ ३ ५९ | सेवितव्या त्र | ६२४ |
| सूर्योदये म | | सेनाचिह्नं क्षि | २८३८ | 1 | २ ३ ५६ | सेवेत प्रण | १०६४ |
| सुर्योदये स | | सेनादुर्ग तु | १४८३ | | ररपद १५२६ | सेवेत प्रथ | ८७९ |
| सूर्यो दिवोद | | सेनाधिकारे | ११४७ | सेनाबलं सु | | सेवेत विष | ९३२ |
| सूर्यो द्यां सूर्यः | | | १७५१, | | १५२७ | 155 65 | |
| सूर्योऽधिदेव | ^२ १ ४९६ | 1 | २३६६ | l . | प२ | सेव्यं तु ब्रह्म | १७२० ५८६ |
| सूर्यो भूतस्य | | सेनाधिपाः प | १४८८ | 1 | २३५६ | 1_ | |
| सूर्यो मा द्यावा | | सेनाधिपाः सै | १५२५, | सेनामुख्यप्र | २६ २५ | सेव्यमानं वि | १०८६ |
| | १०४ | | | (1113644 | ं ६७८ | सेव्यमानस्तु | ११३०, |
| सक् , चिच, कु | | | २३६५ | | २५१० | <u> </u> . | ११४१ |
| सुगालगृध्र सुगालविन्ना | 2660 | सेनानिवृत्त | २६०९ | सेनाया वै से | २५८ | सेव्यमानो म | १०२६ |
| | ५ ५५ ५ | सेनानीर्निह २८० | ६,२८०७ | सेना रास्त्रास्त्र | १५२५ | सेव्याः काले सु | ९२३ |
| स्जन्ति देवा | २९१ ५ | सेनानीर्लेख १५२ | ५,२३६६ | सेनासंधार | ९३९ | सेव्यास्ता नाति | ७४८ |
| स्जा महत्व | ्र२१ | सेनापति प्र | २३५३ | सेनासहस्रं | १५३४ | सेव्येत मन्त्रि | २५८३ |
| सृतजवर् हि | २८५ | सेनापति वा | २५ ७४ | सेना ह नाम | | सेतां दशह | 1 99 |
| स्त्वा प्रोवाच | ६२६ | सेनापतिः प्र | २७०० | सेनेवैषि तिव | | सैतानुपहो | |
| | | | | • | , ,, | · ÷ 2 | 27 . |

| सैनान्यं वा ए | २३२। | सैव वृत्तिर | १३२६ | सोऽचिराद्भ्रश्य | ७३६, | सोपकारं व्य | २०८८ |
|--------------------|----------------------|--------------------------------|-------------|----------------------|---------------|------------------------------|--------------------|
| सैनापत्यं तु | | सैव श्वेता श्वे | १४३ | १ ४०) | ४,१४१७ | सोपघानि कृ | २८०१ |
| सैनापत्येन | | सैव संनह | 3666 | सोऽचिराद्विग | १३५२, | सोपन्यासं च | १८७७ |
| | | चेन प्रत्ये सेवाऽऽचार्यः पु | | • | | सोऽपश्यत्तरः । | #१०८६ |
| ंसैनापत्ये य | * २३५५, | 1 | १६२७ | सोऽचिरान्मृत्यु | 7 1 | सोऽपश्यत् सह | २८०० |
| | # २३५७ | सैवाऽऽश्रयस्तु | २२०५ | | २८३७ | सोऽपश्यद्दन | १०८६ |
| सैनिकांस्तान् स | २६६९ | सैवास्य सेनाः | પ રપ | सोऽजायत | २९ | सोऽपसृत्य तु | कद१९ |
| सैनिकाः कति | * 4 4 4 4 . 1 | _ | | सोऽजितात्माऽजि | ७३१, | सोऽपहतपा २६ | ३,२६४ |
| | 7444 | _ | ३५४,४३७ | | ९२२ | सोपानत्कमु | २५११ |
| सैनिका: शिक्षि | १५३४, | सैषा क्षुमा ना | २८१ | सोऽजीगर्ते सौ | १८७ | सोपानद्वित | २८४६ |
| | १७५७ | सेषा खादिरी | २९६ | सोऽञ्जिलि प्रय | १०८७ | सोपायं पूर्व | ६२८ |
| सैनिकानां न | २४५७ | सैषा मन्त्रिप | १७६९ | "g | २४६८ | सोऽपि गच्छेत | १०९८ |
| सैनिकार्थ तु | १५३३ | सेषा राजसू | ३१८ | सोऽतिरात्रो भ | ३३४ | सोऽपिपदैव | २६४ |
| सैनिकास्तु वि | १५२८ | सैषा रुजा ना | २८१ | सोऽतीव कीर्तिं | १३५८, | सोऽपि विंशत्य | १३८६ |
| सैनिकैरभ्य | १५३४ | सैषेष्टापूर्त | १९७,१९८ | | १९७९ | सोऽपि सर्वामि | #२३७६ |
| सैनिकैर्न व्य | १५३५ | सैषेष्टिरभ | ३१८ | सोऽत्यल्पपरि | १३२६ | सोऽपेन्द्रमेव | ३१२ |
| सैन्धवश्च क | | सैह्यवैदर्भ | १४१५ | सोऽत्यल्पप्रव | * ,, | सोऽप्यशक्तः श | १३८५, |
| सैन्धवसामु | | ् सैह्या वैकारि | ३००० | सोत्साहं विजि | २८२४ | | ८,२२०८ |
| सैन्धवैर्यव | १५४३ | | #६९ | सोऽथ शब्दं मृ | २८०० | सोऽप्यशक्तो दे | १३८५, |
| सैन्धवोद्भिद | १४६६ | 1 | ३६४ | सोदकामत् | ४६४ | सोऽप्यशनार्थे | २२०८ |
| सैन्धवोद्धेद | _ | सोऽकामयत | १ ४, | सदिकामत्सा | ४०३ | सोऽन्यसमाय सोऽप्यस्य विपु | १११८ ५७१ |
| सैन्यम नेक | ₩ ,, २५६० | 1 | २७६,३४८ | सादर्धु च | १०१६ | सोऽबवीत् | २७ |
| | २५५ <i>०</i> २७५० | | . 8 | सोऽधर्म बुध्य | ∗६३७ | सोऽब्रवीत- धर्म | ३५६ |
| सैन्यमर्ह्यं बृ | | 1 | ,,४२६,४३४ | | १२३५, | सोऽब्रवीत्पर | ६१९ |
| सैन्यस्य पश्चा | २७३१ | 1 | | 1 | २३५० | मोध्यवीय कां | ५२६ |
| सैन्याद्विना नै | १५२६ | l . | 866 | | १२३३, | | ५५६ ६५८ |
| सैन्यार्घाशेन | २६८९ | | ४७८ | 1 | २३ ४९ | मोरववीरभाव | ५५८ १०५४ |
| सैन्यार्धेनाभि | २०७६ | | ८१० | - •\ | ८६७ | मोरतनीमन | ४६५ |
| | २ १९१ | | * ,, | सोऽनुपूर्वाश्र | #4८८ | मोद्रवतीस | પ રહ્ |
| सैन्यैकदेशः २६ | ६७१,२६७७ | सोऽग्रीषोमीय | २५ ह | | २८८ | मोरभिक्रश्यवि | १९९९ |
| सैन्योपर्युप | २५१४ | सोऽग्नेरेको भा | २५: | · 1 | २०० | सोऽभिगच्छंश्र | २०७४ २०७४ |
| सैव चन्द्रचि | २ २३६ | सोऽब्रेद्वितीयो | ,, | सोऽन्तःकोपः प्र | १९५८ | मोरभिगप्रवादरश | |
| सैव दुर्भाषि | | सोऽग्नेस्तृतीयो | ,, | सोऽन्तर्धीयते | ३६२,३६३ | सोऽभिद्रुतः प्र | ११२३ |
| सैव पार्षिणया | | सोऽग्रं देवता | १० | ९ सोऽन्ते नरक | २७९३ | सोऽभिषिक्तः स | १२३० |
| सैव मणिम | | धोऽग्रेण यूपं | | २ सोऽन्ते स्तोत्रस्य | ; 3 0; | सोऽभिषिक्तोऽभि | १२ २ १३४ |
| सैव मित्रवि | | अ सोऽग्रेसरेण | | र, सोऽन्नं भूतोऽश | • | ९ सोऽभिषिक्तो म | |
| सैवमुक्त्वा श | 2083 | 1 | २७०,१६३ | | ३ १ | | ७८६ ११२३ |
| भग ुग रमा स | 7-0 | | , | | , , | ` ' | 8840 |

| सोऽभिसृत्य तु ६१९ | ।सोमाय पितृ १२९ | सोऽर्चितः पाण्ड | ५४२। | सोऽहं न पश्या | २४२६ |
|-----------------------|------------------------|----------------------|---|------------------|----------------------|
| सोम ओषधी १०६ | सोमाय वन २९३ | | | सोऽहं प्रसाद्य | २४२३ |
| सोमं दघानो ६९ | सोमाय स्वाहा २७६ | | | सोऽहं यतिष्ये | २००३ |
| सोम५ राजान १७९ | सोमावच्छेद २२७७ | सोऽवमानाद १ | ९०३ | सोऽहं वागम्र | ६२७ |
| सोमं राज्येऽद ८२३ | सोमासो न ये ४७४ | • | | सोऽहं सभाग्यो | १२९२ |
| सोमः पुनानः 🕟 ४५९ | | | | सोऽहं सभाज्यो | * ,, |
| सोमः प्रजाप ८४२ | 1 a a a | सोऽशीतिसाह १ | ९७८ | सोऽहमन्ताव | ६३६ |
| सोमदत्तो यु १९०८ | l . | सोऽश्विनौ तुष्टा | १९० | सोऽहमन्त्याव | |
| सोमनाथो द #२९६३ | सोमो अधि ब्र ४९५ | | ४७३ | i e | * ,, ২৩६३ |
| सोमनेत्रेम्यो २५२ | | ' | ९५३ | सोऽहमुत्क्रम्य | |
| सोऽमन्यत २७ | | | १९४८ | सोऽहमेवं प्र | २०३० २ १ २ |
| सोमपानेन २७८६ | | l . | ९५३ | सोऽह्राम् | |
| सोमपीथस्य २२१ | सोमो राजा रा ७९,३४४ | सोऽसहायेन | ६८९ | सौकर्यतो वा | १९२३ |
| सोमप्रतीकाः १७२ | सोमो राजा व १५६,४६०, | सोऽसावेव ब | २ २७८ | सौगन्धिकं य | *१४६७ |
| सोममुत्तर २९८३ | ५०८,५२३ | सोऽसं नि:शान | 366 | सौगन्धिकं त | १३६३, |
| सोममेव स्वे ५२४ | सोमो राज्यम् ७८,१९८ | 1 | १ ६ ९७ | | २८३० |
| सोम राजन्त्सं ४०५ | सोमो राज्येन १९८ | 1. • | ५०३ | सौगन्धिकः प | २२३१ |
| सोमराजा हि २६८,२८८ | सामा वाजप १०८ | सोऽसृजद्वायु | | सौगन्धिकोत्थाः | १३६३ |
| सोमसूर्यकु #२९४७ | सामा वीरुधा ७५ | 1 | ः २३७६ | सौजन्यं सत | १९३८ |
| सोमस्तु सप्त २९८३ | सोमो वै वन २९३ | ه د د | २४४४ | सीजन्यात्साध | १५२६ |
| सोमस्त्वाऽनक्तु २४६ | | सोऽस्मात्पराङ | ३१८ | सौत्रामण्या त्वा | ३४९ |
| सोमस्य त्वा द्यु १५६, | सोमोऽस्माकं ब्रा १४५ | सोऽस्माभिः कर | 246 | सौपर्णः स्येन | २७५३ |
| २८७ | 111 | सोऽस्मै परान् प्र | ४५६ | सौमद्रं कथि | #२९९ 0 |
| सोमस्य त्त्रिषि १५५, | सोमो हेतीनां ७७ | सोऽस्मै सर्वान्का | ४५५ | सौभद्रं व्यह | " |
| ર હર્ષ | सोमो ह्यस्य दा ३९८ | सोऽस्मै सवम | * ` ` ` ` ` ` ` ` ` ` ` ` ` ` ` ` ` ` ` | सौभद्रः कथि | " |
| सोमस्य दात्र २७८ | सोऽयं कृतस्नो ब्रा ६५७ | 1 | २८२ १८१७ | सौभद्रव्यूह | * ,, |
| सोमस्य पर्णः ९७ | सोऽयं त्वमिह ८४४, | सोऽस्यत्विति | ९८९७ ५२६ | सौभद्रो द्रौप | " " २७ १२ |
| सोमस्य राज्ञो २४६ | २४५०,२८१५ | सोऽस्य भर्गे नि | | सौभाग्यं च श्रि | २९० ३ |
| सोमस्य लक्ष्म २४६१ | सोऽयं दुर्योध २३९४ | | ३०१ | 1. | |
| सोमस्याग्नेः पृ | सोऽयं पुरुषे २५३ | सोऽस्य विश्वङ्ङे | ३१२ | सोभाग्यं सा तु | १४८० |
| सोमांशुं हरि २५३५ | सोऽयं प्रतिज्ञां २७९८ | सोऽस्य स्वो भक्षः | २०५ | | २९८० |
| सोमाग्न्यकीनि ८१९,९५१ | सोऽयं लोभान्म *२४३८ | सोऽहं कथमे | ४६५ | 1 | २२९६ |
| योगान्यकान ८१५,५५१ | 1. | सोऽहं कितव | ६०४ | सौभाग्यार्थ त | २८९५ |
| सोमाच्छतक ८०६,८२५ | मोटमार्थे म ५०५५ | सोऽहं जये चै | १४२३ | सौभाग्यालंका | २२९६ |
| सोमाद्वभूव ८४२ | सोऽयमर्थे प | साऽह जावित | ६३८ | सीभ्रात्रं च प | ८४३ |
| _ | सोऽयमेक इ २५३ | सोऽहं त्यक्तो धृ | ५५४ | सौमदत्तिः सु | २७१० |
| _ | सोऽरज्यत त १०२ | सोऽहं त्यक्ष्ये प्रि | १०९० | सौमित्रिं सत्त्व | # २९४३ |
| सोमाप्यायनः २२७७ | सोऽरण्याद्याम १८६,१८७ | सोऽहं त्वया त्वा | २ ०१ ४ | सौमित्रिं सत्य | , ,, |
| | | | | | - - |

| सौम्यं चरम् | ७९,१६३, | सौवर्णे स्थाप | २९७८ | स्कन्धोपनेयः | २११३, | स्त्यमानस्य | २९४६ |
|------------------|--------------|--------------------|---------------|-------------------|----------------|--------------------------------|---------------|
| 1 | १६८ | सौवर्णकुड्य | २२३५ | | २११४ | स्तेनं मां त्वं वि | १०५४ |
| सौम्यं बभ्रुमा | ५२४ | सौवर्णमुञ्छ्र | २८६७ | स्दःन्धोपनेयो | २०६१, | स्तेनं विवास | ७४६ |
| सौम्यं वै राज्य | ,, | सौवर्णमुत्थि | œ ,, | | २०८४ | स्तेनकूटनि | १४३४ |
| सौम्यं श्यामाकं | ११६ | सौवर्णराज | * २९७९ | स्वलतो हि क | १२८० | स्तेनमनिस् | २२४३ |
| सौम्यघातुक्ष | १६०८ | सौवर्णान् राज | २८८६ | स्खलनं वाह | २५०६, | स्तेनव्यालवि | १३ ९.३ |
| सौम्यभैरवा | १४१६ | सौवर्णान् वान | # ₹९४४ | | २५१५ | स्तेनव्यालस | २३०४ |
| सौम्य विज्ञात | १२१८ | सौवर्णिकः पौ | २२५१ | स्खलनं वेप | ९८०, | स्तेनानां निग्र | 909 |
| सौम्यवृक्षाश्र | २९१३ | सौवर्णिकेना | २२५२ | | ८,१६०३ | स्तेनानां पाप | १४११ |
| सौम्यशालावि | १४७१ | सौवर्णे रत्न | १७५१ | स्वलितार्थे पु | २३९० | स्तेनात्राजा नि | ८१६ |
| सौम्यश्चरः | ३०९ | सौवर्णे राज | २९७९ | स्तनहृदयो | १५३७ | स्तेनामित्रव्या | १५५९ |
| सौम्याः केन्द्रग | २९४८ | सौवीराः कित | २७१६ | स्तम्बेरमव | १४३८ | | |
| सौम्याग्रे सर्व | १४८० | सौषधैर्मन्त्र | #946 | स्तम्भचापल | १२५६, | स्तेनो वा यदि स्तेनो हरेद्य | ५८३ २४३८ |
| सौम्या चैव म | *२९१८ | सौह दे नाभि | ૨ ૨ | | .९,१७२१ | _ | |
| सौम्यान्खस्त्यय | २९७५ | स्कन्दादी राम | 2488 | स्तम्भच्छादर | २८४५ | स्तेनो हिरण्य | ४३६ |
| सौम्या प्रशस्य | २९१८ | | | स्तम्भताराः स | २७०१ | स्तेयं त्वया कृ | १०५४ |
| सौम्या बलाधि | २५ १५ | स्कन्दाय षष्ठयां | २८६० | स्तम्भद्वयं स | २८९८ | स्तेयं न कुर्या | १११६ |
| सौम्या भवन्तु | २८९४ | स्कन्देन तार | ३००३ | स्तम्भनवर्गः | ६७५ | स्तेयं लोमश्च | " |
| सौम्यायने क्ष | २९४६ | स्कन्धगतः स्त | 2383 | स्तम्भनी घोर | * २९९६ | स्तेयहारवि | १२०६ |
| सौम्या सौम्यं ज | | स्कन्धगौदौच | २६७२ | स्तम्भनी मोह | # २ ९९७ | स्तेये त्वशक्ते | १६१२ |
| सौम्येश्च पापै | २४६७ | स्कन्धदर्शन | २६०४ | स्तम्भप्राकार | २७०१ | स्तोकं स्तोकं कि | २१९२ |
| सौम्योऽयं वर्त | २ ४५२ | स्कन्धप्रावर्ति | २२८७ | स्तम्भमेषु व | २४६२ | स्तोकस्तोकेन | १३८३ |
| सौम्यो वा चरः | | स्कन्धवानमेघ | २०२ | स्तम्भयुक्तो मु | १५६४ | स्तोके स्तोकान् पृ | १३५८ |
| सौरसर्यकु | २९४७ | स्कन्धांसीव कु | १६ | स्तम्भक्षीद्यानि | २४६२ | स्तोतारं विप्रः | C |
| सौराः सर्वे प्र | २४६२ | स्कन्धावारनि | ६७६ , | स्तम्भस्य परि | १४४८ | स्तोत्रं येनास्य | ११२२ |
| सौरारयोर्भ्रा | २४६५ | ł . | १,२६७५ | स्तम्भिनी घोर | २९९६ | स्तोममेषः | ३४९ |
| सौराष्ट्रिकाः पा | १३९५, | स्कन्धावारपु | २८०७, | स्तम्भिनी रोद | २९९७ | स्तोमस्य नो वि | 800 |
| | १५०९ | | २८०९ | स्तम्भैरष्टाभि | २८४५ | स्त्रियं दासीम | २३२६ |
| सौरे भौमे ल | २४६४ | स्कन्धावारप्र | ६७७ | स्तम्भैश्च भित्ति | १४८५ | स्त्रियं सेवेत | १०६४ |
| सौरैनीराय | २९८५ | स्कन्धावारमु | २६४६ | स्तम्भेस्तु दश | २८४६ | स्त्रियं हत्वा ब्रा | १६१९ |
| सौर्य उद्गाता | ३२६,३३४ | स्कन्धावारवि | # २६७५ | स्तम्भोपताप ` | ११८१ ४१० | स्त्रियः काश्चित् प्र | २४९० |
| सौयनिष्टुबु | ३२४ | स्कन्धावारस्य | २६७१ | स्तुता मया व | | | |
| सौर्या वे स्रक् | 33~ | स्कन्धावाराप | *२५११ | स्तुतिः कृता त | २५४४ | स्त्रियः पतित्र | २८९७ |
| सौवर्ण युव | | स्कन्धावारेण | | स्तुतिप्रिया हि | ११४०, | स्त्रियः पानं च | १६७० |
| सौवर्ण रज | 26 10 | स्कन्यामार मा | २६२६ | | | स्त्रियः पुत्रांश्च | ७५० |
| सौवर्ण राज | २८३९, | स्कन्धेनापि व | | स्तुतिश्च वासु | | स्त्रियः सेवेत | *१०६४ |
| 4111 /13 | २८४१ | | | स्तुतो मया व | | स्त्रियमतिश | १६०८ |
| सौवर्ण रौप्य | २८७३ | स्कन्धोपनेयं | २११६ | स्तुत्वा च देव | ७४१ | स्त्रियमपत्यं | १६११ |
| | | | | | | | |

| स्त्रियमाक्रम्य | #८३७ | स्त्रीपानव्यस | १५६० | स्त्रीषु हि बालि | 91.6 | 1 | |
|---|----------------|---------------------------------|--------------|--------------------|------------------------|------------------------|-------------------|
| स्त्रियमाजगा | 860 | 1 | ९६७ | • | १५६० | 1 | १७७३ |
| स्त्रियमापद्ग | ०८७ ३०ऽक | 1 ~ ~ ~ | १७४७ | 1 411 1111 211 | १११६, | | १३३० |
| स्त्रियश्च कल | २९ २७ | 1 - | १३६९ | 1 . | १५७६ | | १८४६ |
| स्त्रियश्च कामै | ५८५७ ७३० | 1 | १ ३६५ | | १२३६, | 1 . | २२६७ |
| स्त्रियश्च ते सु | ९६९ | 1 | २६५५ | l . | २३५० | स्थानभ्रंशो ना | र्य५०२ |
| स्त्रियश्च पुरु | | | 496 | | १३०१ | स्थानभ्रष्टा नो | ११५० |
| स्त्रयश्च पुर स्त्रियश्चापुर | *७९९ | स्त्रीबालब्राह्म | | 1 | *२५१० | स्थानमानं कु | _# ५.९६ |
| स्त्रियश्चेत वि |); | i . | १४०९ | | # ₹५ २ ४ | स्थानमानं व | 53 |
| | १७७६ | 1 | २७८८ | 1 | ,, | स्थानमानक | १९१७ |
| स्त्रियस्तु योज्या विकारं चीवका | १२३१ | 1 00 00 | १११५ | Georgia 16 | २५५६ | स्थानमासन | २१७७ |
| श्चियां स्त्रीनाम स्थियः सन्तरं | ૨૭ ५ ૬ | 1 | ४९१ | खलनं जल | २८४० | स्थानविशेषे | २२९७ |
| स्त्रिया मुखसं | २२८४ | 1-00 00 | २८९१ | स्थलजं जाङ्ग | २८३९ | स्थानवृद्धिक्ष | ७३१,९२२, |
| स्त्रिया मूदेन | १७६२ | 1 | १७४४ | स्थलजं सुख | २८४१ | | १९९७ |
| स्त्रिया मोषः प | २६ ०६ | | १७२५ | स्थलनाश्च न | ર ९२६ | स्थानसमश | २३१२ |
| स्त्रियोऽक्षान्मृग | १५७६ | स्त्रीभृत्यान् प्रेम | | स्थलजे जल | २८४१ | स्थानस्याग्रुद्धि | २३१५ |
| स्त्रियोऽक्षा मृग | १५४७ | स्त्रीभृत्यौ प्रेम | ११३३ | स्थलनिम्नानि | # ૨ ७७५ | स्थानात्स्थानं तु | |
| स्त्रियोऽथ पानं | २१७४ | स्त्राम्हला अस स्त्रीमुखालोक | ११४२ | स्थलपथेऽपि | २१०१ | स्थानात्स्थानात्तु | |
| स्त्रियो यत्र प्र | २४८४, | 1 | १६०३ | स्थलपथो वा | २२१४ २२१४ | स्थानादीनां वि | |
| | २९१ ७ | स्त्रीम्लेच्छव्याधि | | स्थलयोरपि | २ ० ९५ | स्थानानि कल्प | |
| स्त्रियो हि दास | ४९१ | | १८०५ | स्थलायव्यय | १८४६ | स्थानानि च वि | |
| स्त्रीऋतं वास्तु | २०३७ | स्त्रीरक्षिभिश्च | १०६२, | खलावस्था न | १८४५ १४५९ | स्थानानि च स | |
| स्त्रीक्लीबव्याघि | * १ ७७५ | | १६९२ | स्थलीयं हि सु | | स्थानानि राङ्कि | |
| स्त्रीजनैर्भृत्य | ११६४ | स्त्रीवशपुरु | १००३ | | २०९४ | स्थानान्तराणि । | |
| स्त्रीणां तथैव | २९१ ५ | स्त्रीविप्राभ्युप | ११५२, | खले कमलि | १४७० | | २९८० |
| स्त्रीणां तु तद्वि | २४०८ | | २७९१ | ख्ले चोत्पलि | " | स्थानान्येतानि | १३८७ |
| स्त्रीणां दौत्यं स्त्रि | १००१ | स्त्रीव्यसने भ | १५६० | खले नकस्तु | २४५० | स्थानासनग | २६२९ |
| स्त्रीणां नामापि | ९ ३ ९, | स्त्रीव्यसनेषु | १५५९ | स्थलेभ्यस्तेषु | २१८३ | स्थानि क व्यञ्ज | २६ ३६ |
| | | स्त्रीषु क्लीबान्नि | १०३४, | स्थविरा जाति | *२३३८ | स्थाने काले च | |
| ्स्रीणां प्रत्रज | १६०५ | | ०९,२३५२ | स्थाणुईरश्च | २९९३ | स्थाने तावत्सं | ६४० |
| | १३६२ | स्त्रीषु क्षान्तासु | ६५५ | स्थाण्वश्मकण्ट | १२१३ | स्थाने भवेत्स | ., |
| स्त्रीणां प्रत्रजि | १३६१ | स्त्रीषु चापलं | ११२० | स्थाता नः सम | १९९७ | स्थाने याने प्र | २३६० |
| स्त्रीणां युवा स | ७३० | स्त्रीषु माने त | १२५६, | स्थातुं देवाः प | २९०५ | स्थाने युद्धे च | २६६४, |
| स्त्रीणां वशोपा | ९९९ | | १७८१ | स्थातुं मया श | १६९७ | | २७३० |
| स्त्रीयूतपान | १११६ | स्त्रीषु राजसु | १९९६ | स्थानं जातं भ | | स्थाने स्थाने म | २८६८ |
| स्त्रीधनंचन | ८५७ | ^ | | स्थानं पुनर्यो | | स्थाने स्थाने वि | १ २८ ३३ |
| स्त्रीधनंचन | | स्त्रीषु षण्डं नि | | स्थानं वंशानु | , , , | स्थाने स्थैर्यम | १७१९ |
| स्त्रीनायके न | ८२५ | स्त्रीषु पण्ढान्नि | i i | स्थानं विवृद्धि | २५०२ | स्थापनं चाक | ७९३ |
| स्त्रीनिमित्तो हि | २१४९ | - | | स्थानं वृद्धिः क्ष | | स्थापनाजाति | २३३८ |
| | | | | - - | , - , , | 2017 11 201100 | 1110 |

वचनसुची

| स्थापनामथ | ७९४ | स्थित्वाऽपि यिय | ग १६८४ | स्थैर्यं परोप १३६ | ४,१५८२ | स्नापयेदु ब्राह्म | २९८४. |
|--------------------|---|-----------------------------|---|---------------------|---------------------|-----------------------------|------------------------------|
| स्थापयन्त्यन | *८४७ | स्थिरः परुषो | २२४७ | स्थैर्य मेरोर्ज २५३ | ८,२८९२ | स्नाप्यैवं सर्व | *\$00\$ |
| स्थापयित्वा प्र | 4८८,८४५ | स्थिरकर्मा ना | २०६२ | स्थैर्ये महीध | ८२१ | स्नाप्यैव सर्व | |
| स्थापयेन्छिव | २९८९ | स्थिरता चित्र | २८३९ | स्यौललक्ष्यं च | २१७० | स्नायुबद्धं ब | ः १५११ |
| स्थापयेत्तत्र | २८२१ | स्थिरराशिग | १४९३ | स्नपनं सप्त | २८६ ० | स्नायुश्किष्टाः सु | |
| स्थापयेत्सर्व | १०८१ | स्थिरराशिस्थि | २८३२ | स्नातः शुक्लाम्ब | २५४१ | स्निग्धदीपश <u>ि</u> | " |
| स्थापयेदास | १२८५ | स्थिरा चक्रस | २६८४, | स्नातां विशुद्ध | ९९३ | रमन्यपाया | ९ ३२, ९ ३ ८ |
| स्थापये देव | २६ ०६ | ĺ | २७५ १ | स्नातैः प्रमुदि | २८९१ | स्निग्धद्वि जत्व | |
| स्थापयेद्वर्ण | ७२९ | स्थिरा बुद्धिहिं | २७९६ | स्नातोऽनुलिप्तः | ९९३ | | २५२१ |
| स्थापितं च त | * ७९४ | स्थिरा हि यात्र | २४५३ | स्नात्वाऽऽगच्छत | १८८७ | हिनग्धनीलघ हिनग्धपत्रप्र | १५९७ |
| स्थापितो धृत | ८४० | स्थिरे राशौ शु | | स्नात्वा तीर्थज | २७०२ | ार ग ण्यपत्रप्र | २४८४, |
| स्थापितोऽयं त्व | *१२२१ | स्थिरे सहच | १४९७ | स्नात्वा प्राग्देवो | ९१३ | | २९१६ |
| स्थापितोऽयं पु | ,, | स्थुणापक्षो ध | २७३३, | स्नात्वा शुक्लाम्ब | २५२९ | स्निग्धा निमम | १५११ |
| स्थाप्यमानेषु | ८४७ | | २७४३ | स्नात्वैवं मुच्य | ३००४ | स्निग्धान्नरेशा | १५१५ |
| स्थायिषु संस | २८२७ | स्थूणाश्मानं वा | २५५३, | स्नानं कुर्यात्त | ९५८ | स्निग्धा सिता च | २५२१ |
| स्थालीपाकं श्र | २९३२ | `` | २६ ०७ | स्नानं कुर्यान्तृ | ९६ ० | हिनग्धैः सह स | १११७ |
| स्थालीपाकेन | * २ ९ २५ | स्थरि यत्राचि | १६५,३२७ | स्नानं महाफ | २९७१ | ह्निग्धैश्च नीति | १७६२, |
| स्थाल्येव भक्तं | १२७९ | स्थेरिरिव हो | ३२७ | स्नानं त्रिवाह | ८९७ | | २२०९ |
| स्थावरं जङ्ग ६ | २१,१०४६, | स्थलं वृत्तं नि | २२३० | स्नानं समाच | २९४९ | स्तुषा श्वश्रः स | १८८० |
| | १४२९ | ्र स्थलं स्निग्धं गु | - | स्नानं समार | \$,, | स्त्रिक्षीरलि | १३९६ |
| स्थावरस्य ग्रा | १८४८ | स्थूलकर्ण वि | २७२९ | स्नानकाले च | २९ ७२ | | १५३१ |
| स्थावराणि च | ११२२ | स्थलकर्णप | २७२७ | स्नानयोगेन | ३००३ | | २९२५ |
| स्थावरेण वि | १६२६ | स्थूलनिम्नानि | २७७५ | स्नानवेदी तु | २९० ९ | | ७२९ |
| स्थावरेणार्च | " | स्थूलमपि च | २ २६३ | स्नानवेदी प्र | ø ,, | स्नेहः कः पृथि | ८५८ |
| स्थावरेषु प्र २४ | | स्थूलरूपा तु | २९० <i>१</i> | स्नानशालां स | ,,, ९ ६ ७ | स्नेहपानाव | २५ <i>०</i> ४ |
| स्थास्यन्ति मृत्यु | | रयूळस्या पु स्यूलरोमा मृ | २८४३ | स्नानादिकं स | | | |
| स्थितं रणाय | २७१३ | • | | | ११२४ | - | २८५७ |
| स्थिताः शमे म | २४४१ | स्थूललक्षं च | # ₹१७० | स्नानादिगात्र | १६०० | स्नेहप्रस्थश्च | २३०८ |
| स्थिताः शुश्रूषि | " | स्थूललक्षश्च | * ,, | स्नानार्थे सार्ध | २९८३ | l . | ८,१९५९ |
| स्थिताः सैन्येन | २७१५ | स्थूललक्षी म | | स्नाने प्रसाध | ९८० | 1 | १८२५ |
| स्थितानां पृथ | २७२७ | | १२५५ | स्नानोदके त | २८१३ | स्नेहास्वां तु ब्र | #१२१५ |
| स्थिता रणे म | २७१५ | स्थूललक्ष्यस्य | ७३५ | स्नापक्संवा | ९७६ | स्नेहात्त्वां प्रब्र | " |
| स्थिता हि यात्रा | # 2843 | स्थूललक्ष्यो म | *१२५५ | स्नापयित्वा घृ | ७४० | स्नेहाद्वा धन | ७४६ |
| स्थितिं कुर म | १४७४ | स्थलस्थाण्वसम | २६१५ | स्नापयित्वा च | •• | स्नेहादा वैरि | २१८४ |
| ।स्थातवधन | १११८ | | २०२७ | स्नापयित्वा ब्रा | " २९३१ | स्नेहे नबद्ध | ६५० |
| स्थिते राजनि | . ۱ ، ۱ ، ۱ ، ۱ ، ۱ ، ۱ ، ۱ ، ۱ ، ۱ ، ۱ | स्थूलिसिग्विक्ट | æ ,, | स्नापयेत्पञ्च | २/५६ | स्नेहेन युक्त | * ,, |
| स्थिती स्थितं म | ८२३ | स्थलस्य तस्य | • | स्नापयेद् गज | 24 | स्नेहेनापि स | " " २६६९ |
| स्थित्यर्थे पृथि | | स्थैर्य गिरेर्ज | રૂ ષ ૪૫ | स्नापयेद् ब्रह्म | 2/4E | स्नेहैंर्घृतादि | |
| | - 10 | 1 2 1 4 1 1 7 7 7 | • • • • | | 10 14 | 1.16 5.11.4 | १५४३ |

| स्पन्दनं शुभ | २६६९ | स्मितपूर्वाभि | ७३५, | स्याद्राजाऽऽश्रित | । # ७१६ | खं राष्ट्रं पाल | ६८१ |
|---------------------------------------|--------------------------------|-----------------------------------|----------------|---------------------------------------|------------------------|-------------------|----------|
| स्पर्धते हिं स | २३५४ | | १०३१, | स्थोनामा सीद | १६१ | स्वं स्वं धर्म ये | 492 |
| स्पर्धमानो वि | ५२४ | १८८९ | ,१९४६ | स्थोनास्ता महंग | ४०८ | स्वकनिष्ठं पि | ८६१ |
| स्पर्धया मूल्य | ९१६ | स्मितप्रसन्न | ९६४ | स्रंसयित्वा पु | ११०१ | स्वकनिष्ठोऽपि | ८६० |
| स्पर्धिनश्चैव | २३९० | स्मिताभिभाषी | ११९० | सक्चन्दनप | २९७८ | स्वकर्म कुरु | २३७२ |
| स्पर्शा गन्धा र | २४९४ | स्मितेन स्वाग | १११६ | स्रक्तिहीनं त्रि | #१ ४६२ | स्वकर्भ जह्या | ७१८ |
| स्पर्शा स्पर्शव | २९९ १ | स्मृतं व्यसन | १५९३ | स्रगुद्रातुः | ्र, ७५ २ ३२६ | स्वकर्मणि नि | १०८१ |
| स्पर्शिता राज | #१८१२ | स्मृतास्तिस्रस्तु | १४९९ | स्रग्दामवन्ति | २८६२ | खकर्मणि ख | ९८०,९८८ |
| स्पर्शे चाभ्यव | ५७४, | LITIZATICA | १८२९ | स्रग्वस्त्रमाल्य | २८६० | स्वकर्मण्यप | १३१४ |
| | १५०० | स्मृतिशास्त्रार्थ | " | स्रग्विणश्च शि | २८६२ | स्वकर्मदृष्ट | १८६१ |
| स्पार्ही देव नि | 333 | | १२५४, | स्रजमुद्गात्रे | १६५ | स्वकर्मनिर | ५६९, |
| स्पृशेद्वा श्रव | २५ २८ | | ,१२५९ | स्रवन्निवाम् | १९४९, | ۷, | ८६,१०३५, |
| स्पृह्यामि द्वि | १०९४ | स्मृत्वा विवर्ज ७३ | | | १९५० | ११ | ७४,१४४४ |
| स्फटिकं राज | १३६३, | स्मृत्वा स्मृत्वा हि | २०३९ | स्रष्टा त्वमेव | २८७१ | स्त्रकर्मभिर्ग | २४५० |
| · · · · · · · · · · · · · · · · · · · | ः २८३० | | २७५२ | स्रष्टा धर्मस्य | ११२१ | स्वकर्मस्थान् नृ | ७२६ |
| स्फटिकसद | २५२२ | स्यन्दनाश्वैः स | २६६६ | स्रस्तांसो निश्च | १५१६ | स्वकर्मोत्कर्षा | १२३१ |
| रफाटकाः पद्म | १३६३ | स्यन्दनेन म स्यन्दनैर्वर | २७०५ | स्रताः सासाश्च | | स्वकार्ये गुण | १७४९ |
| स्फटिकात्पद्म स्फटिकात्पद्म | २८३१ | | २७०४ | सस्तोत्तरीयो | | स्वकार्ये साध | २६९९ |
| स्फाटिकस्तु म | २८३५ | | *७३३, ,१३३४ | साक्त्यं वा यदि | ९८२ | | १७५२ |
| स्फीतं यदाऽनु | २१४२ | स्याचासौ वक्त्र | ***** | सागल पा पाप सुक्सुवाज्यस्था | • | स्वकार्याणां व | २०६२, |
| स्पात यदाउँ स्पीतं श्रेणिब | २५०२ २५९३ | स्याच्छिद्रमेक | | सुनीव दृतं | २८५३ | | २०८४ |
| | | स्यातां धनुर्ध | २६७१ | सुचाव वृत सुव औदुम्ब | ८ <i>७१</i> ३६१८ | स्वकार्ये शिथि | १३६९ |
| स्फीतसारानु | २५९१ | स्यातां यस्याऽऽहु | ६०४ | खुप जाबुम्ब खुवमेखल | २९३६ | स्वकार्योद्यत | ७६ ३ |
| स्फुटवाक्यस्त | १६७२ | | ર | ١ ٧ . | २९०१ | स्वकीयद्विड्गु | १४२९ |
| स्फुटितो हस्वः | १५३६ # २९९८ | • | २७३४ | स्रोतोयन्त्रप्रा | २२८७ | स्वकीयवृत्त | १८४० |
| स्फुरज्ज्वाला म | | स्यात् संमुखे या स्यात्संहतं स | २४७० | स्रोतोवगाह स्रोतोकगार ी | २५०३ | खकुलरञ्ज | १११७ |
| स्फुरणो रिश्म स्फुरत्पश्यामि | २४६२ | | ६४९ १५३५, | स्रोतोवगाहो | * ,, | स्त्रकुलस्य वि | ११२० |
| स्फुलिङ्गा विस्फु | # २५०१ • २९९८ | All (all & eg | | स्रोतोवहाधो | * ;, | स्वकुलोत्पन्न | ८६१ |
| स्मयमानो म | ५५८ | THEFT | २४१६ | स्व एवैनमृ | ४२०,४२१ | स्वके देशे प | . १६५५ |
| सार त्वं राज | २५३७, | स्यात्स्वाध्यायप स्यादायुर्वेद | \$ \$ 0 | स्व एवैभ्यो भा | ३४२ | | १०६६ |
| | ५,२८९२ | स्यादाष्ट्रवद | १६३८, २३३९ | स्वं दुर्गुणं नै | ११४० | स्वको हि धर्मः | १८९४ |
| | | स्यादाश्रयप # | | स्वं दैवतं ब्रा | ५८२ | स्वगमाऽन्यग | १५२६ |
| स्मशानं निर्ग | * २९२७ | | ((0) | स्वं नास्त्यराज | ८०३ | स्वगमा या स्व | " |
| स्मार्तेः सह स | | * | | स्वं प्रियं तु प | #१०६१ | स्वगुणाख्याप | १७१४, |
| स्मितं तु मृदु | 1040 | स्याद्दण्डसम | | स्वं प्रियं सम | " | | १७१७ |
| स्मितपूर्वभा | * 4 0 3 8 | स्याद्राजा भृत्य | | खं भुवं चैव | | स्वगुणेन क | ८२१ |
| . 2 41 | *1244 | L | १७११ | स्वं म इदिम | २०० | स्वगुप्तिमाधा | २१२६ |
| | | | | | | | |

| | , | | | | | -2 &- | 431. |
|------------------------------|---------------------|-----------------|---------------|-------------------------------|--|----------------------|---------------|
| स्वगूहनं प्र | | स्वतन्त्रप्रमु | | स्वधरात्यन्ति स्वधरीत्यन्त | | स्वधर्मी विज | १३५० |
| स्वग्रहप्रद्वा | | स्वतन्त्रो जातु | | स्वधर्मे पर स्वधर्मे पृष्ठ | | स्वधाये त्वेति | २९१ |
| स्वग्रहेषु त | | स्वतन्त्रो भूप | | रनवम ५४ स्वधमें प्रति | ११२१ | स्वधा वृष्टिः | ३५१ |
| स्वगोत्रे तु त | १५२७ | | • • • • | स्वधमें बुध्य | ५५६,६५७ ६३७ | स्वधाऽस्तु मित्रा | |
| स्वचक्रपर | १५६२ | _ | | स्वधर्म विपु | | स्वनियमं कु | १११६ |
| स्वचक्रपीड | >> | स्वतस्ते तुम | ```` | त्ववम ।वपु स्वधर्म संद | | स्वनिश्चयं त | #१ ७६३ |
| स्वचेत्रणैवा | २४१७ | स्वतीर्थपुण्ये | # २९७० | त्पयम तद स्वधर्मः क्षाः | ६७९,८७० ३ २३७७ | स्वनिश्चयं तं | " |
| स्वच्छता चेति | २८४२ | -, | " | | र्गा ६७९,८७० | स्वनिहिताद्रा | १३१३ |
| स्वच्छत्रघण्टा | २८७२ | स्वस्वनिवर्त | ' १८४२ | | | स्वनुगतप | १७३९ |
| स्वच्छन्दवृत्तिः | ९६६ | खदण्डैमित्रा | २१७७ | | ६८०,२८१७ | स्वन्तं पुण्यं य | १०६५ |
| स्वच्छन्दाश्च म | १८०४ | स्वदत्तां पर | *१०३१ | स्वधर्मनिर | १०१४, | स्वपक्षं भेद | २६१९ |
| स्वच्छाश्च राग | २८३१ | स्वद्शावत्स | २८८८ | _ | १५२५,२३६५ | स्वपक्षपर | १९४७ |
| स्त्रच्छे स्याद्धन | | स्वदारतुष्ट | ५८४ | स्वधर्मपरि | १६१६ | स्वपक्षबला | .२६३४ |
| स्त्रजनं तर्प | ११०६ | स्वदुर्गुणश्र १ | १४०,१६६२ | खधर्मप्रच्यु | ७३३ | स्वपक्षमेदो | १९५८ |
| खजनं तु ज | *६६४, | खदूतैः कार | १६७१ | स्वधर्ममति | ९१२ | स्वपक्षवच | २०५४ |
| | * १६४२ | | १२७९ | | २७५७,२७९८ | स्वपक्षवर्ध | ٠ + ,, |
| स्वजन: पूजि | १२९२ | 1 | १२३३ | स्वधर्ममपा | १९६८ | स्वपक्षानुरा | ९१० |
| स्वजनविका | १९२४ | | क७३९ | स्वधर्मविद | २३६० | खपक्षाभ्युद | १६८१ |
| खजनस्य दु | ११०६ | स्वदेशपण्या | १३११, | स्वधर्मव्यति | | | १६८२ |
| स्वजनेन त्व | ७९७ | | १३६१ | खधर्मशीले | | स्वपक्षे पर | १०३२, |
| स्त्रजनेभ्यो वि | १२५६, | खदेशपण्ये | २३३४ | स्वधर्म श्चैष | २१९८, | १४ | ०३,१६५९, |
| | १२६० | स्वदेशपर | १६६५ | | २६ १ ९ | | २६६१ |
| स्त्रजनै: सङ्ग | #8830 | खदेशपाल | | खधर्मस्थः | | स्वपक्षे यात्य | २१२४ |
| स्वजनैः सज | | स्वदेशस्थाः प्र | १५६५ | स्वधर्मस्थाप | # ७३२ | | |
| स्वजन्मगेह | # ,, १४९६ | स्वदेशस्थो ब | २१ १३ | स्वधर्महानि | ११४४ | स्वपतिं चाभि | २९८७ |
| स्वजन्मदिव | २८८७ | खदेशादन्वा | २६ ० ९ | खधर्माचर | २३४४ | | २६३२ |
| स्वजन्मदेशा | 2428 | स्वदेशीयानां | २३०३ | स्वधमचिवि | ₅ #१९ ७५ | स्वपत्नीं चाभि | |
| स्वजन्मदर्शा स्वजसं ह्यमी | 2533 | स्वदेशीयान् व | | स्वधमञ्चि | | स्वपन्नपि हि | १६५७ |
| _ | | खदेशे देव | ७३९ | | १९७५ | स्वपरमण्ड | १६६३ |
| स्वजातिकुल | १६९८ | | १०,क्ष्१६५२, | | १३ २२ | स्त्रपरस्थानी . | १५६६ |
| स्वजातिगुण | • ,, | 1 | ९७९,२८४५ | स्वधमसिक | ९१३ | स्वपराद्धान | १०६० |
| स्यजातियोग्य | ८६२ | स्वदेशे संतु | २४१७ | स्वधर्मेण ह | 2~~ | स्त्रपुत्रे चाथ | |
| स्वजात्यानिध | ६२७ | स्वदेहं गोप १ | ७५७,२६९० | स्त्रधर्मे वर्त | પહદ | , स्त्रपुरं प्रवि | १६५६ ३८८० |
| खजीविते हि | २६ ९७ | स्वदोषं गूहि | १११८ | | ************************************** | | २८८७ |
| स्वतः परतो | १९२५ | स्वदोषदर्श | ११४७ | स्त्रधमें स्थ | | र स्त्रपूजां प्राप्य | १४९४ |
| खतन्त्र उक्तो | २१९१ | स्वदोषेण ग | २०८७ | स्वधर्मी ब्र | | ६ स्वपूर्वोद्यं द्वि | - |
| स्वतन्त्रः सह | | स्त्रद्रव्यव्यय | | स्वधमी रा | | ९ स्वपेत्तथा स्त्रि | २३४९ |
| | | | - ' | | 9-1 | ग्रानग्त्रमा श्रि | ९६ ० |

| क्रोन गा | * 21. 02 | THE STREET | | | | | |
|-----------------------------|-----------------------|----------------------|---------------|------------------|---------------------|-----------------|----------------------|
| स्वपेद्वा वाम | | स्वभावतो भ | | स्वयं कार्याणि | | स्वयं राजा वि | २४२५ |
| स्वप्नं ग्रुभाग्र | | स्त्रभावदुष्टा | १४२९ | स्वयं कृतं च | # २१३४ | स्वयं राज्ञा न | २७०१, |
| | •२ ५४० | | १०८१ | स्वयंकृतश्च | " | • | २७३१ |
| स्वप्रतक्माष्ट | २९०६ | 1 | ,११५४ | स्वयंकृता वे | १४३ | स्वयं राज्ञा स | १०३०, |
| स्वप्रमाणव | १४७९ | स्वभावाचापि | २९२३ | स्वयंगुप्ता म | २६६१ | १८ | ४८,२२०८ |
| स्वप्नाख्यानं क | २५०३ | स्वभावेन हि | १३५८ | स्वयं ग्रहीत | *\$808 | स्वयं वा अन्य | |
| स्वप्नानि धर्म | *२५०५ | स्वभूमिं युद्ध | २३५९ | स्वयं व्रतां घा | २८९० | स्वयं वा जुहु | ३००२ |
| स्वप्नानि वै घ | ,, | स्वभूमिः पत्त्य | २६१५ | स्वयं चतुर्थीं | २५३२ | स्वयं वा रस | .े पट |
| स्वप्रास्तु प्रथ | २५०४ | स्वभूमिकं भू | १४३६ | स्वयं च पृथि | ८५७ | स्वयं वा राज्यं | २१०६ |
| स्वप्ना हि बह | २४८५ | स्वभूमिजाना <u>ं</u> | | स्वयं चापह | * १२२२ | स्वयं शक्त्या य | • |
| स्बप्ने चाद्य म | २४९७ | | २२६३ | स्वयं चैवेन्द्र | १ ४४४ | स्वयं संख्यात | २०६१, |
| स्वप्ने द्वारव | १४७६ | स्वभूमिषु च | २१०६ | स्वयं चोपह | १२२२ | | २०८४ |
| स्वंग्ने निमित्त | २५४८ | स्वभूमिष्ठाना | १९२३ | स्वयं चौपस | 949 | स्वयं संदूषि | १२२१ |
| स्वप्ने रामो म | ર ૪ ९ ७ | स्वभूमिष्ठेषु | " | स्वयं जपति | २ ९३ ० | स्वयं समर्थी | १२०५ |
| स्वप्ने ग्रुभाशु | २५४०, | स्वभूमी चव | ९७३ | स्वयं जीवध | 4540 9१ ५ | l . | (३४,२०४१ |
| • | २९८१ | स्वभूमी चस्था | २२६७ | स्वयं ज्ञातेषु | २८७६ | स्वयं सर्वे तु | ` ११४८ |
| स्वप्नो ह्यद्य म | २४९७ | स्वभूमी पृष्ठ | २६११ | | | स्वयं हन्ता घा | |
| स्वप्युश्च तां नि | २९०८ | स्त्रभूमौ योज | २५५३ | स्वयं तत्र न | १७१४ | स्वयं हि राजा | 2303 |
| | व्ह५, ९३ ९, | स्वभूम्यवस्थि | २१०२ | स्वयं तथान | * ,, | स्वयं हीनव | २५५ ४ |
| | ४४,१९८३ | स्वभृत्याश्च त | *१७११ | स्वयं तद्विमु | ११२४ | स्वयमग्री जा | २२०७ २ ६४६ |
| स्वप्रजाधर्म | १८२७ | स्बभेदेनैव | १९५८ | स्वयं तूपह | # 8 000 | स्वयमय र | 2428 |
| रनप्रजानम् स्वप्रजानां न | १९४४ | स्वभ्यन्तरे स्व | 8688 | स्वयं त्वहं प्रा | २४३९ | स्वयमधिष्ठि | ₹₹ ₹% |
| | | स्वभ्यसा ये चो | ५१७ | स्वयं दक्षिण | २५३९ | स्त्रयमनवे | |
| स्वप्रत्ययाश्च | २३२२ | स्वमण्डलपा | २६ ९६ | स्वयंदत्तश्च | ८५९ | 1 | १५४० |
| स्वप्स्यन्ति निह | २४८८ | स्वमण्डलम | २१७५ | स्वयंदिनं ब | १४३ | स्वयमन्यैर्वा | २२२२ |
| स्वबलरक्षा | २६ १७ | स्वमतं च प | १७६१ | स्वयं दुःखाभि | | स्वयमवेक्ष | १५४० |
| स्त्रबलव्यस | २४५६ | स्वमन्त्रैः शस्त्र | २६७२ | स्वयंदृष्टं प्र | १२४८ | स्वयमशक्तः | १६८४ |
| स्वबलान्यब | ६७७ | स्वमहत्त्वद्यो | २८२६ | स्वयं दोषगु | १८७६ | स्वयमस्थिरे | २ २०६ |
| स्वबलोपघा | ६७९ | स्वमांसं भोजि 🤢 | * १०८५ | स्वयं धर्मप | ११५२ | स्वयमाकम्य | ८७३ |
| स्त्रबाहुबल १८ | ८८,२३८४ | | | स्वयं न कुरु | ** | स्त्रयमागच्छ | २२८४ |
| स्त्रबिलं हि ज | २०३२ | | " १८५८ | स्वयं निश्चित्या | १२३० | स्वयमागता | ् २१०५ |
| स्वभागभृत्या | ८३१ | | १९५७ | | १८०५ | स्वयमारूढा | १२८३ |
| स्वभागोद्धार ७१ | | | | स्वयं पापस्य | १३८२ | स्वयमुद्गीर्णे | १५३६ |
| स्वभायानिर | | | " | स्वयं प्रहर्ता | ५६८ | | ५०,१९५६ |
| | १०२७ | | | स्वयंभूर्भग | ५३४,७६० | स्वयमेव ग्ट | २८६६ |
| स्वभावगुप्ता | | खमुष्टिसंमि | २८४१ | स्वयं यच्छील | १५५० | स्त्रयमेव तु | १५१४ |
| स्वभावित्त | | खमेव कर्म २४०८ | ,२४०९ | स्वयं युधिष्ठि | २७१३ | स्वयमेव न | #933 |
| स्वभावतः प्र | | स्वमेव ब्राह्म | १६१६ | स्वयं रहस्य | १६८५ | | 896 |
| स्त्रभावतस्ते | २०२९ | स्वमेवैतद्र | २९४ | स्वयं राजा नि | | स्वयमेव व्य | १८०९ |
| | | | | | . , , - , | | , |

| स्वयमेवाऽऽन | ७३३ | स्वर्गे याति म | १८११ | खलग्रमित्रा | २८३३ | खवेशरूप | ९९६, |
|---|---------------------|-----------------------------------|--------------|-------------------------|------------------------------|--------------------------|------------------|
| स्वयमेवाव | ११०६ | | २७६३, | स्वलग्रराशि | २९४६ | | .४,२ १ ४७ |
| स्वयानं कुरु | २८४६ | | २७८३ | स्वलग्रस्थोद | રૂપ १५ | | ७७१ |
| स्वया शक्त्या य | # प १ | स्वर्गङ्गायास्त | १५११ | स्त्ररूपं वार्युद | १६०७ | स्वशक्तिं ज्ञात्वा | ११०६ |
| स्वयुरिन्द्र स्व | २३ | स्वर्गतश्च म | ८०३ | स्वल्पकोटिस्त्व | १५२२ | स्वशक्तिं पर | . 680 , |
| स्वयोगयुक्त | २८४६ | स्वर्गद्वारं वि | २७८६ | स्वल्पमप्यप | १७३८, | · - | .३,१७६६ |
| स्वरक्षणं श | २१८३ | स्वर्गद्वारोप | २३८६ | | २३४० | स्वशक्त्यतीतो | २४६९ |
| स्वरतः काल | ८९१ | स्वर्गन्धाः वश | २९६७ | स्वल्पन्नक्षोप | २६७२, | स्वशक्त्युत्साह | २ १ २२ |
| स्वरथस्य द | ३३६ | स्वर्गपाताल | | | २६८४ | स्वशक्त्योत्साह | |
| स्वरन्ध्रं पर | ११०३ | | २८९० | स्त्रल्पस्य वा म | १३१९ | | भ ,, १११६ |
| स्वरन्ध्रगोप्ता ८७५ | ७,११८० | स्वर्गमार्गप्र | २९६७ | स्वल्पस्यापि फ | 980 | स्वश्वाः स्य सुर | ४७५ |
| स्वरमैत्रीं वि | २४७३ | स्वर्गलोके च | १०६६ | स्वल्पा कोटिस्तु | १५१० | स्वश्वा सिन्धुः सु | ४५३ |
| स्वरश्मीनम्य | १३१७ | स्वर्गलोके म | २४५० | स्वल्पेनापि हि | # १५ ०२ | स्वश्वास्त्वा सुर | ८५ |
| स्त्रराडस्युदी | ७७ | स्वर्गलोके सु | | स्वल्पेनाप्यप | १७८७ | स्वसंतुष्टाश्च्यु | १२२२ |
| स्त्रराड् वे देव | ३३२ | स्वर्गस्य मार्गा | २६ ९२ | स्वल्पेऽप्यर्थे नि | * { \$00 | स्वसंपत्तिम | १०१६ |
| स्वराविमी प्र | २५३० | स्वर्गस्य लोक | ३२४ | खल्पोऽप्यादाये | कर् ५०० १४३६ | स्वसदृशः स | |
| स्वराशेश्च म | २५१५ | स्वर्गानन्त्याय | ७५६ | स्ववप्रहो जा | | | १४८७ |
| स्वराष्ट्रं यो नृ | १४३९ | स्वर्गा माला च | #3999 | स्ववधाय कृ | १ २५८ १ २७७ | स्वसमीपत | १८८०, |
| • | ,१४१६ | स्वर्गे लोके म | #२४५० | स्ववगीनुक | | | २६९१ |
| स्वराष्ट्रकृत | ७२१ | स्वर्गे सुस्थाय | ७२९ | | १७०१ | स्वसमृद्धिर म्हाराज्य | ७५० |
| स्त्रराष्ट्रपण्या | १३६०, | स्वर्णचूर्णनि | १३६३ | स्त्रवश्यानि प्र | ९२३ | स्वसमृद्धिष्व | ११३४ |
| | १३६२ | स्वर्णच्छवि: पु | १३७० | स्ववाक्यपर | १६७७ | स्वसस्यापहा | १३२९ |
| स्त्रराष्ट्रपर १६४०, | *१६७७ | स्वर्णदण्डध | १४८७ | स्वविक्षिप्तं मि | २१९७ | स्वसापिण्ड्यवि | ८६१ |
| स्वराष्ट्रभेदं | २९२३ | स्वर्णपुष्पन | | स्त्रविक्षिप्तं स्व | १५८९ | स्वसामन्तांश्च | २१२७ |
| स्वराष्ट्रभेदे २९१८ | ,,२९७२ | स्वर्णमूल्यश | २९०१ | स्वविक्षिप्तमि | १५६८ | स्त्रसेतुभ्यो ह | २२८७ |
| स्त्रराष्ट्रात्पर | १३२४ | स्वर्णमूल्यश स्वर्णस्ताद्य | १४७५ | स्त्रविनीतेन | ६४४ | स्वसेनया च | २७१२ |
| स्वराष्ट्रान्पर | १६५५ | | २३४७ | स्वविशिष्टं च | १७५१ | स्वसैनिकैर्वि | २७४९ |
| स्वराष्ट्रेच द्वि | १९८० | स्वर्णस्य तत्प स्वर्णादर्भे च | १३७२ | स्वविषयमु | २८२७ | स्वसैन्यं साधु | १६०६, |
| स्वराष्ट्रे न्याय ६९० | | | १३७६ | स्वविषयस्थो . | २१९४ | २६८ | १,२६८९, |
| स्वराष्ट्रे पाल | १४३८ | स्वर्णादीनां तु | ८९५ | स्वविषयाश्रा | १२०७, | | २८०७ |
| स्वरूपं तस्य | २५३० | स्वर्णीद्यलंका | " | | १७६१ | स्वसैन्यव्याया | २४५४, |
| स्वरेहदात्ता | ८९० | स्त्रणैता सह | ७८९ | स्वविषये कु | ६६८ | | २५५७ |
| स्वर्ग कोशं म | | स्वर्भानुई वा स्वर्यातेषु दा | . २६३ | ਸ਼ਰਗੀਸ਼ੀ ਗ=1 | _ | स्वसैन्यात्तु तृ | १५३३, |
| स्वर्ग च कोश | 834/ | स्वर्वते सत्य | १४९९ | स्ववीवधासा | २२८७ | | २५ ९६ |
| स्वर्ग जित्वा वी | 2 0 b 10 | रवंबय बद्ध | • , | | रपटच, | स्वसैन्ये गर | २६६९ |
| स्वर्ग ते यान्ति | 3/64 | स्वर्विदोः रोहि स्त्रलंकृता रू | ७२ | aa laa | रह ७३ | स्वसैन्येन तु | २११६ |
| स्वर्ग परम | | स्त्रलकृता रू स्वलमपति | | स्ववृद्धिपव | # ? ? ₹ ८ | स्वसैन्यैश्च स्व | १५९६ |
| | 7900 | Louin | 1840 | खबृद्धिप्राप्त्य | २१७७ | स्वसैन्योत्साह | १५५५ ६७७ |
| | | | | | | | ५७७ |

| स्वस्तिकं वर्ध | २५०७ | खहस्तकाल | ₹₹ ₹ %. | स्वान्दोलायित | 943/ | स्वामी राजा य | १६२६ |
|---------------------|----------------|---|-----------------|------------------------------|---------------------|-----------------------|---------------|
| स्वस्तिकानक्ष | २९३६ | | १८३९ | स्वापकर्षे प | | स्वामी स एव | १७५३ |
| स्वस्तिकेनात्र | १५१५ | स्व इ स्तलिखि | १८४७ | स्वापतेयं वि | २२९७ | | ११६९, |
| स्वस्ति चेच्छाम | * १ २ १ ५ | 1 | ८६१ | स्वापन्नः संघि | *2883 | रजाना याचन | १६५६ |
| स्वस्ति चेन्छामि | ,, | स्वहीनप्रति | १४८६ | स्वामवस्थां स | #2023 | स्वामी सर्वस्य | . ६०२, |
| स्त्रस्ति तेऽस्तु ग | २०३१ | स्वांशात्षष्ठांश | १३७७ | स्वामिकार्ये वि | १७५७ | | १६२३ |
| स्वस्तिदा ये ते | २८५४ | स्वांशान्ते दर्श | २३४९ | खामिचित्तानु | १७७९ | स्वामी सुकृत | २६७०, |
| स्वस्तिदा विश | #408 | स्वागमी सद्व्य | १३६६ | स्वामित्वं चैव | હદ્દ પ | २७८ | ७,२७८८ |
| स्वस्तिदा विशां | ,, | स्वाग्रे दक्षिण | १४८७ | स्वामिदोषस्व | १२३९, | स्वाम्यं चनस्या | ६८५ |
| स्वस्ति भूमे नो | ४०८ | स्वाजीवो भूगु | १४२० | | १७५८ | स्वाम्यं भुवि न | ७४२ |
| स्वस्तोत्रपाठ | ર ५४५ | | Ψ. | स्वामिनं त्वनु | १७६३ | स्वाम्यमात्मनि | १९९८ |
| स्वस्त्ययनं वा | २९३१ | स्वाज्ञया वर्ति | . क.्रः १४३३ | स्त्रामिनं प्रसा | १७७९ | स्वाम्यमात्यं ज | ११६९ |
| स्वस्त्ययनश | २५२२ | 1 | | स्त्रामिनः पुरः | २७९५ | स्वाम्यमात्य ज | ११६५, |
| स्वस्त्यस्तु नृप | २८८० | स्वातिस्थः सवि | " | स्वामिनः शीलं | १७०८ | •११६७, | |
| स्वस्त्रीपुत्रध | १७४८ | स्वाती जलक | ર પે૪૬ | स्वामिनश्चाऽऽस | १५५२ | 1 | ४,१५४९ |
| स्त्रस्थिकयाणा | २६७३ | l _ | ११६१ | स्वामिनस्त्वनु | * १७६३ | स्वाम्यमात्यदु | ११६५ |
| खश्चित्तो भो | ९६२ | 1 | १०१५ | स्त्रामिनाऽधिष्ठि | १८०२ | स्वाम्यमात्ययो | १५५० |
| स्त्रस्थवृत्तेषु | १७२९ | ۱ ۵ | २४७१ | स्वामिना प्रति | ११०४ | स्वाम्यमात्यव्य | १५४९ |
| स्वस्थानानप | = 1499 | 1 | २५५० | स्वामिनो दक्षि | * ९५९ | स्वाम्यमात्यश्च | १ १२६, |
| स्त्रस्थानान्न त्रि | १६८९ | I . | ७०५ | स्वामिनो दुष्कृ | २७८८ | | ११६९ |
| स्वस्थाने चम्प | २९८१ | स्वादानाद्वर्णा | * ,, | स्वामिनो दोषे | २ ^० ८७ | स्वाम्यमात्यसु | १३७० |
| स्वस्थाने या स्थि | २१८४ | l _ | . " १२१,२३४ | स्वामिन्यायत्ता | १९१९ | स्वाम्यमात्या ज | ११६७ |
| स्वस्थासनमु | ,, | स्त्रादुषंसदः | ४९४ | स्त्रामिन्येवानु | १७५३ | स्वाम्यमात्यो ज | |
| स्वस्य ग्रहब | ૨૪ ૭ રૂ | त्याद्वीं त्वा स्वादु | | स्वामिपरिब | १७ ०० | l . | ८,११६९ |
| स्वस्य छन्दसः | | स्वाधिकारिग | १५३४ | स्वामिप्रधानौ | ११६८ | स्वाम्यमात्यौ पु | ११६६ |
| स्वस्थां दिशि फ | २५३० | स्वाधीनं संचि | १८४१ | स्वामिप्रसादः | १२७७ | स्वाम्यर्थगोद्धि | २६९२ |
| स्त्रस्यासंपत्ती | ११६१ | स्वाध्यायनित्ये | ६५६ | स्वामित्रसादा | | | १८४० |
| स्वस्वजात्युक्त | १४३१, | स्वाध्यायाभ्यस | #409 | रमाणमधापा | १२२३, १२४६ | | १७४० |
| | १९८५ | | ६०१ | स्वामिभक्तश्च | ८७३ | | १५८० |
| स्त्रस्वत्वनिश्चि | १८४१ | स्वाध्यायोऽध्याप | ५७९ | स्वामिभक्तिर | १६८२ | स्वाम्ये प्रयत्नं | * ५९८ |
| स्वस्वत्वेऽधिक | ,, | स्वाध्यो दिव आ | ३६७ | स्वामिमूलाः स | | स्वायंभुवः स्वा | २९७६ |
| • | | स्वानुरक्तां सु | | स्त्रामिशीलमा | 81904 | स्वायंभुव त | • २९९८ |
| स्वस्वमुद्राचि | | स्वान्तः कोपं प्र | | स्वामिश्रेष्ठिपु | 2007 | स्वायंभुव शृ | " |
| स्वस्वाधिकार | | स्वान्तः मनोप | | स्वामिसं दे शः | | स्त्रायंभुवो म | २९५८ |
| स्वस्वाभिमत | 080 | स्वान्तेऽग्निचूर्ण | | स्वामिहस्तैक स्वामिहस्तैक | | स्वायुधास इ | ४८३ |
| स्वस्वामिसंव | ६७२ | स्वान्त्रऽाझचूण स्वान्दुर्गुणान्य ७६ | 7775 8.88.20 | स्वामी न मंग | २८३७ १५५० | स्वायुषः स्वल्प | ८६२, |
| | • | | -, 1 10 1 | (A) 4 (14 | 54401 | | ११५४ |

| स्वारक्ष्यश्चैव | २८६५ | स्वीया तथा च | १७५३) | हंसपक्षैर्वि २८१ | २९,२८३१। | हताय्रवेगं | १५८७ |
|-----------------------------|--|----------------------|--------------|----------------------------|----------------|-----------------------|--------------|
| स्वारम्भपूर्ति | | स्वेच्छया कर्म | | हंसपङ ्क त्याकु | | हतानां च स्व | २३६४ |
| 3 | | स्वेच्छया कल्प | | हंसमर्दे वि | # १ ५२० | इतानां प्राणि | २८९० |
| स्वाराज्यं गच्छ १० | ادمردي | स्वेच्छया नोप | | हंसमार्गवि | ,, | हतान्येकेन | ६६४ |
| स्वाराज्यं च ह २० | ,,,,,, | स्वे धर्मे प्रच्यु | | हंसश्चासः शु | २८३७, | हतामित्रः क | ५५८ |
| स्वाराज्यं वा ए | 407 | स्वेनैव वाम | २५१२ | | २८३९ | हतायास्मै व | १५११ |
| स्वाराज्यमु च | २२५ | स्वेनोत्पादित | | इं ससिंहास | २८३३ | हतासुश्च प | २७८८ |
| स्वाराज्यमेवा | 404 | (1 m m 4 m | १८२६ | हंसा इव च | २९ ३ ७ | हतास्ता श्चै व | २०५२ |
| स्वाराध्यो नीति | ७६१ | स्वेभ्यः परेभ्य | 969 | हंसाः स्खलन्ति | ९९६ | हतास्ते सर्व | २८०० |
| स्वारूढकुञ्ज | २७०३ | स्वेभ्यश्चेव प | | हताः स्वलाना हंसाकारेण | | हते घोरे म | २८९४ |
| स्त्रारूढान्यपि | १५१३ | स्वेषु चान्येषुं | ९१९ | | २९८८ | इते मीष्मे तु | २३५४ |
| स्वार्थे च स्वार्थ | १७२५ | स्वेषु धर्मेष्व | ५७९ | हंसाजमृग इंग्लिक्टर | २५०९ | हतोऽपि लभ | २७६ ३ |
| स्त्रार्थे प्राज्ञोऽभि | २०३० | स्वेष्टहानिक | १४३३ | 621142 | २८३८ | हतोऽयं दाय | १३९९ |
| स्त्रार्थः सुहृद्धि | १७१३ | स्वेष्वेव तद्ग्र | ३५९ | 4-14 1811 | १५१८ | हतोऽयं मद्धि | २८२४ |
| स्वार्थमत्यन्त | #१६९५ | स्वे स्थाने न च | | | #२५०९ | ह तोऽयमित्थं | १३३२ |
| स्त्रार्थसिद्धिप | २०९२ | स्व स्थान न च | ९७५५, | हंसे विद्यार्थ | २८९७ | हतो वा दिव | २०१७, |
| स्वावधानं या | १५२५, | , , ,, | १६९२ | , 'a' | २८४४ | | २७७४ |
| | २३६६ | स्वे स्वे धर्मेऽनि | ७ ८०९ | | १४७८ | हत्वा च नर | २७८६ |
| स्त्राविरुद्धं ले | १८४४ | स्वे स्वे धर्मे नि | ६५४, | हठो वा वर्त | २४४५ | हत्वा छित्त्वा च | |
| स्वासनः काल | २६७ १ | | ८०९ | हतः रक्षः स्वा | २५४ | हत्वा जित्वाऽथ | *१०५१ |
| स्वासीनं नृप | २९०९ | स्वे स्वे धर्मे प्र | ७२९ | हतः शूरो वि | २७८५ | | २८२४ |
| स्वासु प्रकृति | १२४२ | स्वे स्वे धर्मे ध्य | ७४५ | हतः स इति | २७९६ | हत्वा ततः स | २०३५ |
| स्त्रासु योनिषु | ७ं२८ | स्वे स्वे स्थानेऽप | १६९९ | इतत्विट्कान्य | ६३५ | हत्वाऽधर्मेण | २७६ ३ |
| स्वास्थ्यं सुहुद्भि | * १७१३ | स्वैः परैश्च प्र | २३६७ | हतत्विषो न | * ,, | हत्वानो विग | २४४४ |
| स्वाहाकारन | ५८१ | स्वैः स्वैर्मन्त्रेर | २९० २ | 1 | २७७ <i>१</i> | हत्वाऽपि मां न | ११२३ |
| स्वाहाकारंव | | स्वैरचङ्कम | २५४२ | | २७६२ | हत्वाऽप्यनुश | २००१ |
| स्वाहाकृताः सू | ₹ ,, ३०० | स्ब्रेरसंलोप | २५३१ | हतमुख्य प्र | | हत्वा बाणेन | २८०३ |
| स्वाहाकृत्य ब्र | *239 | स्वैरेव परि | २११८ | हतमैलं त | १५८७ | ١ ۾ | _ |
| स्वाहान्तं जुहु | ३०० २ | 2 6 6 | २४६७ | 160.00 11 | ७३१,९२२ | 1_ | १०५१ |
| स्वाहान्तं पुरु | ३००१ | -> | १४८६ | हतायमा ह | ६३५ | | ४८८ |
| स्वाहा राजस्त्रः | २७९ | 1 | २५३१ | 6 | २६ ४२ | 1 | *१०५० |
| | २५ २ २ | 1 | | हतस्त्वमसि हतस्य कर्तु | २७९८ | | १० |
| स्वाहावसान | २९४९ २९४९ | ٠١ م | ४,२८४८ | | | इन्त ते कथ | २०४२ |
| स्वाहावसाने | 2/8/ | ह इसः शुचित १ | | | | इन्त तेऽहं प्र | १०७७ |
| स्वाहा स्वधा च | ************************************** | ਵੰਸਲਹਾਹਣ | | | | हन्त वक्ष्यामि | १०८८ |
| ' स्वाहैभ्यः ' इति | | | | हतांश्चाधर्म | | हन्तव्या दस्य | ११२३ |
| स्विष्टिः स्वधीतिः | | हंस कु क्कुट | ७३१ | हताः पुत्राश्च | २४४७ | हन्तव्यास्त इ | १०४६ |
| स्वीकुर्यात्सक स्वीकर्णन | | हंसक्रीञ्चम २२६ | .२,२६५५ | हिताः शूराः कृ | २४४४ | हन्तव्यास्ते दु | 3 889 |
| स्वीकुर्यादथ | " | हंसच्छत्रेभ | २९०२ | . हताग्रजम | | हन्त सर्वे प्र | |
| | | | | | | | १३८६ |

| हन्ता कालस्त | 683 | हयशिक्षावि | 2224 | ·-c-* | | ~ ~ | |
|----------------------------------|-----------------|---|---------------|--------------------------------------|-----------------------|--|-----------------------|
| | | एपाराज्ञाप | २२२८, | हरिद्वर्णैश्च | | हर्षी योधग | २४९५, |
| हन्ता पापस्य इन्ताभिशस्ते | ્ર૪ | | २३५१ | हरिप्रसादा | १५२२ | | ર ५५ <i>१</i> |
| | ३९८ | 1 ' ' | | हरिमभ्यर्च्य | २५१६ | इला कृतिस | # १५ १५ |
| हन्तारं पर इन्तारं रक्षि | २३६४ | हयस्य दान हयांश्च पक्ष | १९५५ | हरिवर्षः किं २ | १९६५,२९७७ | हवामहे त्वा | ८३ |
| हन्तारं रक्षि इन्तरं राज | १३२२ | १९१व्य पदा | २७३३, | हरिश्चन्द्रो ह | ं १८२ | हवामहे वां | १ |
| हन्तारं शत्रू | ४८६ | | २७४० | हरीतकी च १ | ४३२,१४७६ | हिंब: श्वाऽपि लि | # 4 ६ ४ |
| इन्ता रुद्रस्त इन्तारो निश्चि | ५६२ | | २५१२ | हरीश्वरमु | | हवि: श्वा प्रपि | , ,, |
| इन्तारा ।नाश इन्तासै संप्र | \$ 888 | ı | २३३६ | हरेच कंष | १३७६ | | * ₂₂ |
| रुतास्त सप्त हन्ति रक्षो ह | *२०२२ | | ७९३ | हरेणुमांसी | | हविधानं तु | ** |
| रुप्त रका ह हन्त्रकामस्य | ३८० | 1 | २५३९ | हरेणुमासी | | | |
| र उपानल इन्तुणां चाह | १९१२ | 1 * * * * * * * * * * * * * * * * * * * | १२७७ | हरेत द्रवि | ₩ ,, ₩ १३२५ | हविधानं स्व | २७७१ |
| रपूर्ण चाह हन्तुणामाह | - २६०६ | 1 / / / / / | १५२० | हरेत्काकः पु | ५६४ | हविर्घानम - २ | ४०४ |
| र प्रुगानार इन्तेनं संप्र | * ,, | हरणं तु त | १५१६ | हरेत्कीर्ति घ | २३९८ | हविषश्च य | # ₹९४९ |
| | २०२२ २५२,२५३ | , | २४७३ | हरेत्तद्द्रवि | १३२५ | हविषस्तु य | " |
| इ न्त्यवध्यान | १९०६ | | ८०४ | हरेयुः सह | | हविषा गुण | १५३७ |
| हन्त्वेनान् प्र द | | ` " " ' " | ११३२, | १९३० ७० हरेयुर्बल | ७९८ | हविषाऽग्निर्य | २००१ |
| हन्यते प्रेक्ष | ७१ १८०९ | | १४२,१६०६ | ०९५५७ हर्ताऽन्यया ह | " | हिंब्मतो म | १२४ |
| हन्यते वा प्र | १५ ४ ४ | हरनरक | ७४१,७४८ | _ | | हिवध्मांश्च ग | २९५८, |
| हन्यमानानि | * २ ७६९ | हरव्यूहं स | *२९९५ | हर्ता सुखेन्द्र | | | २९७६ |
| हन्यात्कुद्धान | १०८० | हरब्यूहः स | " | हर्ता स्वस्थेन्द्रि हर्म्ये च समु | ~ ** | हविष्यश्च ग | * २९५८ |
| हन्यात्त्रीन् पञ्च | | हरां हरायि | २९९० | हर्यश्ववह्नि | 2888 | इवींषि पर | २७७० |
| | १८८६ | 1 | २९९६ | हर्यश्चवह्न्य इर्यश्चवह्न्य | ८२० | हव्यं कव्यं या | ५८७ |
| हन्यात् पश्चातप्र | २८०७, | 1 | * ,, | हर्षे प्राप त | ₩ ,, २ ३ ५८ | हसत्यकस्मा | १७२८ |
| | २८०८ | | #२५३९ | हर्षे संजन | | हसाय पु५श्च | ४१७ |
| हन्यात् प्रवीर | २८०७, | _ | १४७४ | 1 - | ६१० | इस्तं गृहीत्वा | २५१३ |
| | | हरिचन्दनं | २२३३ | हर्षः कामश्च | *१३२७ | हस्तं दक्षिण | १८२५ |
| हन्यादमित्रं १८८ | | हरिणस्थेव | `२१२० | हर्भगद्गद | २९८% | हस्तः पुनर्व | |
| हन्यादुपायै | ७२० | हरिणाक्षी सु | * ₹९९८ | हर्षप्रदः सु | १४७५ | हस्तगतम | २४७१ २१३३ |
| हन्युः क्रुद्धा म | १०९५ | हरिणाश्वाद | १५०७ | हर्षमायाति | ९८३ | हस्तगताव | ११०५ |
| हन्युर्योषा यो | २५२० | हरिणी क्षीण | २९९५ | हर्षयन्तः स्व | *२७१६ | रूतना विश्वा | |
| हन्युव्ययिच्छ | ७९८ | हरिणी च सु | २९९१ | हर्षयन्निव | २७६१ | | ४९५ |
| हन्युहिं पित | १९०७ | हरिता माक्षि | 9८४ | हर्षयन् सर्व | २७१६ | हस्तत्रयं त | २८३० |
| ह्न्युश्च पत | | हरितालम | จรุ่นน | हर्षयेयुवि | २७७३ | हलाइय् तु | २८ ३५ |
| ह्यं वा दन्ति | 2052 | हरितेश्च त | 26.43 | हर्षश्च शत्र | ७३१,९२२ | हसादयद | " |
| 2 | 88 6 2 | हरितोऽयं म | 1707 | हर्षादुद्वीक्ष्य | 2028 | हस्तद्वयं तु हस्तद्वयद्व हस्तद्वयोन्न २८३१ हस्तप्रमाणं हस्तमात्रं भ हस्तविस्तार | ९, २८४५ |
| हयग्रीत्रा च | | रुर्देवं द्वि | 2010 | हषीमषीभ्या | 888 | हस्तप्रमाण | २९८२ |
| हे यवरमु | | इरिद्रान ल | 2007 | 3 ⊒5m 3 | | हस्तमात्र भ | २९०० |
| * * | , | 4. 101. 170 | 78991 | ७२ण मह १ | ०८९,४०९० ' | हस्तावस्तार | २९८३ |

| | | | | | | • | |
|-------------------------|---------------|-----------------------|--------------|------------------------|-----------------|---------------------|---------------|
| हस्तश्चित्रा त | २९५७ | ह स्तिवनयो | २०९९ | इस्त्यश्वशिक्षा | • १२४४ | हितं तु पर | १८९७ |
| हस्तसंख्या प | २८४७ | | . २८४९ | हस्त्यश्वादिदी | २८५५ | हितं त्वहित | ११५५ |
| इस्त हस्तैक | २८३९ | इस्तिशिक्षा दि | •२३६० | इस्त्यायाम च | २३१२ | हितं पथ्यं च | # १७१४ |
| इस्ता चित्रा त | #२९५ ६ | इस्तिशिक्षावि | २३३७ | इ स्त्यायामद्वि | २३११ | हितं परसौ | ७३० |
| इस्ताद्धस्तं प | # ७९९ | हस्तिशिक्षाश्व | २३६० | हाटकमूर्ति | २५४७ | हितं मन्त्रय | ् १२४७ |
| हस्तानां तु श | १४७८ | हस्तिशिक्षासु ८ | | हा तात ताते | २६९३ | हितं राज्ञश्चा | 2808 |
| इस्तार्धह स्त | १५२१ | इस्तिसूत्राश्व | ५५३ | हा तात माते | e ,, | हितं हि तव | 8696 |
| हस्तावलम्बो | १२६२ | इ स्तिस्तम्भसं | २६१० | हानिं वृद्धिं च | २४८३, | हितं हि धार्त | २००३ |
| इ स्तावहस्त | # १५२१ | हस्तिस्नानमि | ७६९ | | २९१६ | हितः शनेरि | १३७० |
| हस्तावापग | १५१८ | इस्तिइस्तग | २७७० | हानिश्चैव स्व | २५०३ | हित बुद्धी न | २३९५ |
| हर्स्तावापश | # ,, | हस्तिहस्तध | * " | हानेन धर्म | २४२८ | हितमप्यध | |
| हस्तिकामं वा | २६३८ | इस्ती कंसो वा | ४४५ | हारकुन्दकु | . २५२३ | | १३३४ |
| हस्तिघातिनं | १३९४ | इस्ती प्रत्यौक्षी | १७०७ | हाराणि राम | २८३१ | हितमासां कु | * १०२४ |
| इस्तिच्छविकः | २२४७ | इस्ती रथो वा | २६१३ | हार्दे भयं सं | १८२० | हितानि निरू | ११२० |
| इस्तिनं तुर | २८८४, | इस्तेन युक्ते | २८८० | हावभावादि | ८९३ | हितानुबन्ध | १७६८ |
| | २८८५ | इस्तेनैव ग्रा | ३८६,३९७ | हावयेदमि | ९६० | हितानुबन्धि | ३७८८ |
| हस्तिनमाचा | २८८१ | हस्ते सरोगि | २५४९ | हास्यवस्तुषु | १६९० | हिताय मेरु | २९८७ |
| हस्तिनां रक्ष | " | इस्ते खातौ च | | हाहाभूता वि | १०९७ | हिताय वै भ | ९२० |
| इस्तिना मुर | २७२४ | हस्तैश्चतुःस | १४२५ | हाहा हूहूनी | २९७७ | हितायैव भ | * ,, |
| इ स्तिनामेव |) ; | इस्तो इस्तं न | १४५५ ७९९ | हिंसकानां च | # 8868 | हितार्थे च न | # १२४५ |
| हस्तिनी महि | २४८४, | हस्तो हस्तं प | | हिंसा गरीय | १७४२ | हिताहितं न | १२६९, |
| | २९१७ | | * ,, | हिंसा चान्यत्र | * 8 8 8 9 | | १७४६ |
| हस्तिनीवड | २५ ०५ | हस्ती पादी दु | ११७० | हिंसा बलम | * 1410 8 088 | हिताहितं पो | १५२५, |
| हस्तिनो लब्ध | २६७७ | हस्त्यध्यक्षः | ६७१ | | | | २३४१ |
| हस्तिनोऽश्वा र | ६१७, | हस्त्यध्यक्षो ह | २३११ | हिंसालिङ्गा हि | *१६१८ | हिताहितप्रा ९ | ,०८,१८०४ |
| १५० | ર,રહરર | हस्त्यश्चं गुर | २९३३ | हिंसाहिंसे त | ६१५ | हिताहितांस्तु | १२१२ |
| हस्तिनोऽश्वा श्च | ६०८ | हस्त्यश्चं नर | " | हिंस्यात्कोधाद | १९०५ | हिते प्रयत | २००३ |
| हस्तिनोऽह्यन्त | २४५५ | हस्त्यश्वधन | २१८४ | हिंसाणां प्राणि | ६ ३६ | हितेषु चैव | ७१२ |
| हस्तिनो ह्यन्तः | २५५८ | हस्त्यश्वयोर्म | २६१५ | हिंसिका निर्घा | २२९९ | हितैषी कुल | १६९३ |
| हस्तिपृष्ठेऽश्व | ८६५ | हस्त्यश्वयोर्वि | २७२४ | हिङ्गुलस्य त | १५३२ | हितोपदेश | १२२९, |
| हस्तिप्रधानो | १३९४, | हस्त्यश्वयोस्त | २२६ २ | हिडिम्बया नि | १९९० | 1611.1421 | १२६४ |
| १५० | ९,१५३८ | इस्त्यश्वरथ | ८६६, | हितं गुरुज | ११२० | हितोपदेष्टा | ७६४, |
| हस्तिभग्ना द्रु | १५१० | १४ | ५२,१४७४, | हितं च परि | १०४० | | ११८९ |
| हस्तियन्ता ग | १०६१ | | ०९,२३६३, | हितं चाऽऽसां कु | १०२४ | हित्वा दम्भं च | *2080 |
| हस्तियन्त्रश | २५६२ | | - | _ | • ,, | हित्वा धर्मे त | ६६५ |
| हस्तिरथवा | २२७० | हस्त्यश्वरथै | | हितं तथ्यं च | १७१४ | हित्वा पलाय | २६०३, |
| हस्तिवनं ह | २१६७ | हस्त्यश्वराज | | हितं तदच | १२१५। | • | २७७४ |
| | | | | • | | | |

| | | | | _ | | | |
|----------------------------|---------------|-----------------------|--------------------------|----------------------|----------------|--------------------|---------------|
| हित्वा सुखं प्र | २४३५ | हिरण्यगर्भ | | हीनप्राणज | | हीयते चान्य | . ११५१, |
| हित्वा सुखं म | . " | हिरण्यगर्भः | | हीनमध्यादि | ८९५ | | ३८,२३४१ |
| हित्वा स्तम्भं च | २०१० | हिर ण्यदण्ड चा | | हीन म ध्योत्त | | हीयते वर्ध | १८४३ |
| हिनस्ति कक्षं | २८१७ | हिरण्यदान | | हीनमनुह | २६१४ | हीयमानः प | २१२८ |
| हिनस्ति घान्यं | * ,, | हिरण्यधान्य | १५७८ | हीनराज्यो रि | ११५३ | हीयमानः सं | २१११ |
| हिनस्ति बल | # 2१२० | हिरण्यधान्या | २५६८ | हीनवाहन २१७ | 0.00.1.1.1 | हीयमानेन २० | |
| हिन्वन्ति सूर | ३५१ | हिरण्यपशु | १८४० | हीनशक्तिपू | ६७५ | | २०८३ |
| हिमं घंसंचा | ७२ | हिरण्यभूमि | १२९६, | हीनशक्तिमु | १९२६ | हीरकं पद्म | २८४१ |
| हिमपात यु | २४५७ | | २ १६ ९ | हीनश्च बल | I | हीरकस्य वि | १४९७ |
| हिमपातानि | २९२१ | हिरण्यभोगं | उ २०९१ | हीनश्चाप्युप | १२७९ | हीरश्च पद्म | २८३९ |
| हिमवत्पृष्ठ | २०५० | हिरण्ययमु | ३७५ | | २०५९ | हरिणाल <u>ङ</u> ्क | |
| हिमबद्धेम | २९०४ | हिरण्ययेभिः | ४७१ | ١ | ६७४ | _ |)) |
| हिमवन्तं स | २०४८ | विकासकार | २८६ | हीनस्य कर | १८९७ | हुंकारे भ्रुकु । | |
| हिमवान् हेम | २९६६, | हिरण्यवर्ण | # ₹९७९ | हीनां पार्थिव | | हुतं च पाव | ९५९,९६० |
| | २९७७ | | १५१, | 1 | २४४७ | हुतं च होष्य | |
| हिमांशुमाली | ११३०, | | * २९७ ९ | हीनाङ्गं पृथि | . ८४४ | हुतभुग्वरु | ८२२ |
| • • | ११४१ | | ૨ ९७९ | | २७२९ | हुतभुग्वस २ | ५३८,२८९२ |
| हिरण्मयं दा | ३४१ | हिरण्यवस्त्र | १५८१ | हीनाङ्गा अधि | २९२५ | हुतशेषं तु | २८९१ |
| हिरण्मयानि | १८९६ | 1_ | | हीनातिरिक्तं | ९६२ | हुतशेषं प्र | ,, |
| हिरण्मयी ५ स्र | ३०५ | 167.4514 | २९३८ | हीनादादेय | ६३६ | | 984 |
| हिरण्मये रा | २८५३ | 166,4518 | * ,, | हीनादिरस | ८९३ | हुतान्सम्यक्त - | ९५८ |
| हिरण्मयौ प्रा | ३०५ | 1. | ५ ૬ ५ ९ | i altantinare: | १६१२ | हुताशन <u>मु</u> | २८९९ |
| हिरण्यं कुप्य | २०५३ | | | <i>ਜਿ</i> ਤਾਪਿਕਾਣੇ | ,, | 8 | |
| हरण्य चुन्न हिरण्यं च श | २५४६, | 1.4 | २९९८ | क्रीजाधिका ग | १९४४ | 1 | ५७८,१५८० |
| हरण्य च रा | | 1.6 | २३८ | | २१६४ | B(d)714 NI | |
| 0 | २८९२ | 1.67 | २९८० | 1 | | हुत्वाठाभ पर | * * ? ? } & |
| हिरण्यं तव | २८५३ | 1 . | | ्री हीना निम्ना छ | | 18(912)81 | a ,, |
| | ११६,१४१, | | २६६ ९ | 1. | | हत्वाच कल | |
| | १४२,१६३, | 1 - | १४७१ | 1 ' | १३६६ | हुत्वा च चार | |
| | ६६,२८४५ | 1611 771 7 | ४०,२े३९४ | हीनायुश्च भ | १८२६ | हुत्वा च वि | |
| हिरण्यं भूमि | २०७८ | हीनं यदा क्ष | ં રહ ९ ૪ | हीनाल्पकर्मि | २३४८ | हुत्वा तस्मिन्य | |
| हिरण्यं वृष | * 3404 | हीनं रतिगु | # 4 3 | हीना वा एते | ४२९, | 13/41 (11/41.4 | |
| हिरण्यं व्यापृ ९ | ५३,१३५२ | हीनः पुरुष | * ₹0४0 | | W23 | हुत्वा तर्व | २८५३ |
| हिरण्यं सर्पि | • ८१९ | हीनकालं त | | हीनेन विग्ट | २०५ ९ | हुत्वाऽऽत्मान | म २७६३ |
| हिरण्यकर | १३१० | हीनकोशं हि | | हीनेन विग्र | ૨ ૧ રૂપ | हुत्वा दशगु | २९० ९ |
| हिरण्यकशि | | हीनतेजा ह्य | | हीने परम ६ | 38.8063 | हुत्वाऽभ्याता | न २८५६ |
| | , ०४,२५३८. | हीनतेजोऽभि | • ,, | हीने भवेदे | | हुवे देवी म | ३८८ |
| | | हीनपुष्पा य | - ,, २०५१ | हीनो हि धर्मे | | हुवे सोमं स | |
| | ., | | \- \ \ | | # 10 10 | 12, 4 | ? ? -? |

१७६७ | हैमान्राजत १८४३ हैमेन चित्र १७७१ होतव्यं सुस २०२३ होतन्याः सर्व २०१५ होतव्याश्च स २४४८ होतारो भूमि १६३८ होता हि भूमा

| ٤ | | | 44 | गत्त्वा |
|-------------------|----------------------|-------------------|-----------------------------|----------------------------|
| हूयमानश्च | ६९८ | हृष्टशुक्लाम्ब | २५१४ | हेमराजत |
| हूयमानस्तु | २९२७ | हृष्टा नराश्चा | \$,, | हेमवर्ण सु |
| हूयमानाञ्श | २७६ ३ | हृष्टामित्रब | * ₹८०९ | 1 |
| हृतं कुपण | ११०२ | हृष्टा योधाः स | २४९६ | हेमा शारद्र |
| हृतद्रव्यक १ | ९५८,१९६२ | हृष्टा वाचस्त | २४९५ | हेमा सरस्व |
| हृतराज्यस्य | ^२ २८२६ | हृष्टाश्चाऽऽसंस्त | २३५८ | हेमोत्थया प्र |
| हृतस्वा मानि | १२२२ | हृष्टेन राज | २७६२ | हेलनानि न |
| हृत्प्रतिष्ठं य | ४१९ | हृष्टे भवति | १०८७ | हेलमाना न |
| हृत्सु ऋतुं व | ६ | हृष्टो दशर | # २९३७ | |
| हृद्यं तत्र | २०३६ | हृष्टो रामस्य | २९४५ | हेलाकृष्टस्फु |
| हृदयं निर्म | १७१४ | हृष्यं सौवीर | # ₹₹८६ | हेषमाण: श |
| हृद्यं नृप | २५४९ | हे कारो तिन्ति | १४७६ | हे समुद्र म |
| हृदयस्य च | २००३ | हेतिः पक्षिणी | २४७६ | हैमं च राज |
| हृदयाभिश | २८७२ | हेतिश्चैव प्र | २९६१, | हैमं वा राज |
| हृदयेन प्र | २९०० | | २९७७ | हैमनं चास्य |
| हृदयेनाभ्य | ६२९ | हेतुतः शत्रु | १८५३ | |
| हृदये यथा | ११२० | हेतुत्वं भज | १७६७ | हैमान्राजत |
| हृदये वाग | १५९३ | हेतुप्रमाण | १८४३ | हैमेन चित्र |
| हृदा तष्टेषु | ३८२,४४३ | हेतुभिश्चैषां | १७७१ | होतव्यं सुस |
| हृदा मतिं ज | १७९ | हेतुमद्ग्रह | ^२ २०२३ | होतन्याः सर्व |
| हृदि न्यस्य कु | २५३९ | हेतुमद्ग्राह | २०१५ | होतव्याश्च स |
| हृदि यचास्य | ५७१ | हेतुमात्रमि | २४४८ | होतारो भूमि |
| हृदि विद्ध इ | ११३२, | हेतुलिङ्गीष | १६३८ | |
| ११ | १४२,१६०६ | हेत्यश्चैव प्र | #२९६१ | होतृणां चैव |
| हृदि शूलेन | २८८६ | हे दैत्याः पर | २७८६ | होतेव क्षद |
| हृद्ये मनोह | २८५६ | हेमतोरण | ३००३ | होत्रा अनुवि |
| ह्रचैर्बेहुवि | २९ १२ | हेमदाम्नाऽभ्य | २९४२ | |
| हृष्टं कृतवा स्वी | २६८७ | हेमदाम्ना स्व | * ,, | होमं कुर्याद |
| हृष्टं पुष्टं ब | २१३५ | हेमन्तः सर्व | २४६२ | होमं ऋत्वा क्ष |
| हृष्टपुष्टज १४ | १४४,२५ १८ | हेमन्ते शिशि | २४५७ | होम उत्पाद होमं चतुर्गु |
| हृष्टपुष्टब | * ₹५१८, | हेमप्रासाद | १०९७ | होमं च मन्त्रे |
| | •२५५३ | हेममणिचि | २२३० | होमकाले प्र |
| हृष्टस्पप्र | ६१९ | हेममणिमु | | होमकुण्डस्थो |
| हृष्टरोमा भ | ९८३,९९६ | | I | होमयेत्कुत्स |
| | | | | |

| | | ४०१ |
|--------------------------|------------------------|--------------------------|
| # ₹९०१ | होमयेद्विधि | २९०२ |
| * ६११ | होमश्च कार्यः | #3836 |
| " | होमश्च कार्यो | " |
| २९६१ | होमसमाहि | २९ १३ |
| * ,, | होमान्ते तुं ब | २८७८ |
| २९०० | होमान्ते मण्ड | २९८३ |
| #१०६ २ | होमार्थे पृष | २५३६ |
| १०६२, | होमेन तोष | २९८३ |
| १६९२ | होरातृतीय | २४६४ |
| २४१२ | होराश्रिते दे | २४६७ |
| *२५१३ | होराष्ट्रमे ज | २४६६ |
| १४७४ | हदांश्च सरि | २०४८ |
| २८३१ | हसन्ति च म | ५९९ |
| २९०० | हस्वकानां च | # १४ ६४ |
| २४५३, | हस्वतरं वृ | २०५६ |
| २५५६ | हस्वप्रयास | #२५९३ |
| ् २९० <i>१</i> ं २९८९ | हस्वोऽतिमात्रः | ११२२ |
| २५८५ २९०८ | हस्वौ प्रवास | २५ ९३ |
| २९० ३ | हासं व्यवस्य | २२१६ |
| * ₹९०८ | हियते ते गृ | १९०१ |
| २९१२ | ह्रियतेऽभ्यन्त | २८४१ |
| ३०७ | ह्रियते यत्प | २७८९ |
| ३००३ | ह्रियते सर्व | २००८ |
| થ્ | ह्रियमाणम १२ | १०.१३१५ |
| ३३४ | ह्रियमाणे ध | ५५९ |
| ३९ | हीनिषेधाः स | १२१६, |
| २९२३ | | १८१० |
| २९०३ | ह्रीनिषेधा म | २७६४ |
| २९८१ | टीजियेता म | |
| ३००१ | लागतमा म टीजिपेसम्ब | क्र ,, क १२१६, |
| २९०४ | ल्यागपपारत | |
| २८८६ | - A | *१८१० |
| २८५६ । | हीमन्तो विन | १२४६ |

४०२

राजनीतिकाण्डम्

| ह्रीमानवति | २००० हीयते कुस | १२६४ हेषमाणः प | ,, ह्रयाम्युग्रं ६ | वे ५१२ |
|----------------|------------------------------|-----------------------------|---------------------|---------|
| हीमान् सत्यधृ | १६३२ हीईता बाघ | १९९८ ह्लादिनीं सर्व | ११३१ ह्रलित वा | |
| हीमान् हि पापं | १९९९ हेषतस्तु य | २५१३ ह्रयन्तु त्वा प्र | عور | ३०४,३१७ |

परिशिष्टम्

अद्भियोऽप्रिर्वेस ६९९, अद्भुतानि च १९०९ ७२८,१०५९, ११२४,२३९६ अरावासी त *२८१४

राजनीतिकाण्डवचनसूची समाप्ता

